黛玉

Dream of Red Chamber

यह पुस्तक इंटरनेट आर्काइव द्वारा EPUB प्रारूप में तैयार की गई है।

पुस्तक के पृष्ठों को स्कैन करके स्वचालित रूप से EPUB प्रारूप में परिवर्तित किया गया है। यह प्रक्रिया ऑप्टिकल कैरेक्टर रिकग्निशन (ऑप्टिकल कैरेक्टर रिकग्निशन) पर आधारित है और इसमें कुछ त्रुटियां हो सकती हैं। पुस्तक में पढ़ने का सही क्रम नहीं हो सकता है, और इसमें कुछ अटपटे अक्षर, शब्दहीन शब्द और संरचना का गलत अनुमान हो सकता है। स्कैन किए गए पृष्ठ से कुछ पृष्ठ संख्याएँ और शीर्षक/पादक रह सकते हैं। छवियों की पहचान करने वाली प्रक्रिया में पृष्ठ पर कुछ ऐसे निशान मिल सकते हैं जो वास्तव में पुस्तक की छवियां नहीं हैं। आपके ई-रीडर पर दिखाई देने वाली छिपी हुई पृष्ठ संख्या मुद्रित संस्करण में क्रमांकित पृष्ठों से मेल खाती है, लेकिन यह पूरी तरह से मेल नहीं खाती है; पृष्ठ संख्याएँ मुद्रित संस्करण के समान दर से बढ़ेंगी लेकिन हो सकता है कि हमने मुद्रित पुस्तक की दिखाई देने वाली पृष्ठ संख्याओं से पहले ही क्रमांकन शुरू कर दिया हो। इंटरनेट आर्काइव स्कैनिंग प्रक्रिया और परिणामी पुस्तकों को बेहतर बनाने के लिए काम कर रहा है, लेकिन इस बीच, हमें उम्मीद है कि यह पुस्तक आपके लिए उपयोगी होगी।

इंटरनेट आर्काइव की स्थापना 1996 में एक इंटरनेट लाइब्रेरी बनने और सभी प्रकार के ज्ञान तक सार्वभौमिक पहुंच को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई थी। आर्काइव का उद्देश्य शोधकर्ताओं, इतिहासकारों, विद्वानों, दिव्यांगजनों और आम जनता को डिजिटल प्रारूप में मौजूद ऐतिहासिक संग्रहों तक स्थायी पहुंच प्रदान करना है। इंटरनेट आर्काइव में टेक्स्ट, ऑडियो, चलचित्र और सॉफ्टवेयर के साथ-साथ संग्रहित वेब पेज भी शामिल हैं, और यह दृष्टिबाधित और अन्य दिव्यांगजनों के लिए सूचना तक पहुंच हेतु विशेष सेवाएं प्रदान करता है।

hocr-to-epub (v.1.0.0) के साथ बनाया गया

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल7.07% है ।

विषय-सू ची परिचय, फ्रां ज़ कु हन द्वारा xiii चिया परिवार xvii मु ख्य दासियाँ xix अनु वादक की टिप्पणी xxi अध्याय 1: शिह यिंग एक स्वप्न में बह जती है और उसे एक रहस्योद्घाटन प्राप्त होता है । दैनिक जीवन की परिश्रम और भागदौड़ के बीच यु त्सु न को अपने दिल की रानी मिल जाती है । अध्याय 2: यां गचो में एक उच्च कुल की महिला धन्य लोगों की सं गति में शमिल होती है । सराय में यु त्सु न अपने लिन रिश्ते दारों के बरे में और अधिक जानकारी प्राप्त करता है । अध्यय 3: श्री लिंग पश्चिम से आए अपने अतिथि को यु ं गकु ओ महल का परिचय दे ते हैं । राजकु मरी पूर्वज एक अनाथ बच्चे को प्यर से अपने घर में ले आती हैं । अध्याय 4: एक अभागी लड़की को एक अभागा प्रे मीमिलता है ।लौकी के मंदिर का एक छोटा भिक्षु न्यायाधीश की भूमिका निभाता है । अध्यय 5: पाओ यू की आत्म महान शू न्य के प्रेतलोक में भटकती है । भय जागृति की परी व्यर्थ ही उसके लिए गीतों में लाल कक्ष के स्वप्न की व्यख्या करती है । अध्यय 6: पाओ यू पहली बार "बादल और बारिश का खेल" खेलने का प्रयास करता है । निंगकु ओ महल में उसकी मुलाकात अपने भतीजे चिन चु ं ग से होती है । अध्याय 7: पाओ यू को उसकी चचे री बहन का सोने का ताबीज दिखाया जाता है । चचे री बहन को पाओ यू का पत्थर दिखाया जाता है । अध्यय 8: चिया चें ग अपने शरारती बच्चों को फटकारता है । बदतमीज लड़के स्कूल में हं गामा करते हैं । अध्याय 9: राजकु मर साधु का जन्मदिन मनाया जाता है ।निंगकु ओ महल में । फीनिक्स को दे खकरचिया जु ई के हृदय में कामु क इच्छाएँ जगृ त हो जती हैं । अध्यय 10: फीनिक्स द्वेषपूर्ण ढं ग से एकतरफा प्रे म को भड़काती है । चे तावनियों के बवजू द, चिया जु ई पवन और चंद्रमा दर्पण के निषिद्ध पक्ष में झाँ कती है । अध्याय 11: को चिंग की मृ त्यु हो जाती है और उसे पाँचवें दर्जे के एक अधिकारी की पत्नी की मरणोपरां त उपधि प्राप्त होती है । फीनिक्स निंगकु ओ महल में गृ ह प्रबं धन का कार्यभार सं भलती है । अध्यय 12: पाओ यू की मुलाकात रास्ते में उत्तरी शांति के राजकु मर से होती है । चिन चु ं ग नन आश्रम में आनंद ले ती है ।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल6.63% है ।

अध्याय 13: वसं त ऋतु की शु रुआत में शाही कृ प से सम्मनित और फीनिक्स महल की स्वामिनी चु नी गईचिन चुं ग, पीली जलधाराओं की अपनी यात्रा पर समय से पहले हीनिकल पड़ती है। अध्याय 14: पाओ यू रमणीय दृष्टि के पर्क में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करता है। काली जे ड को मक्खी के काटने सेचिढ़ होती है। अध्यय 15: लालटे न उत्सव केदिन, शाही पत्नी अपने परिवार से मिलने आती है। अध्यय 16: एक रात, दासी पर्ल पाओ यू की भवनाओं की परीक्षा ले ती है और अपनी शर्तें रखती है। काली जे ड अपने चचे रे भाईलिटिल क्लाउड का मज़ाक उड़ाती है। अध्याय 17: दासी पर्ल रूठ जाती है और चु पके से पाओ यू को फटकार लगाती है। नौकरानी लिटिल पिंग चु प रहती है और चिया लियन को पकड़े जने से बचाती है। अध्यय 18: पाओ यू का अपने दो चचे रे भाइयों से एक ही समय में झगड़ा हो जाता है। दो प्रे मी "द प्ले ऑफ़ द वे स्टर्न पवेलियन" के उद्धरणों से एक-दूसरे कोचिढ़ाते हैं। अध्यय 19: सू दखोर नी नशे में धु त होकर आवे ग में आकर उदारता दिखाता है। प्रे म में डूबी एक यु वती को खोए हुए रूमल के बरे में अजीबोगरीब विचार आते हैं। अध्यय 20: एक जादूगर चचे रे भाई-बहनों पर जादू कर दे त है। जादुई पत्थर की अद्भुत शक्ति उन्हें ठीक कर दे ती है। अध्यय 21: वास्प वे स्टब्रिज पर प्रे म में डूबी एक यु वती आम शब्दों में अपनी भावनाओं को व्यक्त करती है।किंगफिशर-ब्लू ड्रॉप्स पर्वेलियन में "कोर्टेसन यां ग" दो तितलियों को चौंका दे ती है। अध्यय 22: कोई जितना समृ द्ध होत है, उतना ही वह अपने कल्यण के बरे मेंचिंतित होता है। एक महिला को जितना अधिक प्यार और दुलार मिलता है, उतना ही वह प्यार की मां ग करती है। अध्यय 23: एक खोए हुए यूनिकॉर्न ताबीज के कारण लिटिल क्लाउड को अपनी नं गी खोपड़ी ते ज धू प में दिखानी पड़ती है। गोल्डरिंग अपने अपमान को सहन नहीं कर पाती और सम्मान की मृ त्यु चुनती है। अध्यय 24: पतित सं तन को पिता द्वारा कोड़े मरने का दर्द सहना पड़ता है। अध्यय 25: बे गोनिया क्लब की बै ठक शरद ऋतु के सु हाने आश्रम में होती है। राजकु मरी पूर्वज ग्रामीण क्षे त्र से आई धर्ममाता का स्वागत रमणीय दर्शन के पर्क में करती हैं। अध्यय 26: पाओ यू एकप्रिय दिवं गत की यद में राजमार्ग की धूल में अगरबत्ती जलाने केलिए निकल पड़ती है। हजर शरद ऋतु केदिन फीनिक्स अप्रत्याशित रूप से सिरके के बैरल में बदल जाता है। अध्यय 27: एक उदास शरद ऋतु की शम का हवादार और

बरसाती माहौल ब्लै क जे ड को हम्रऔर बारिश पर एक शोकगीत लिखने केलिए प्रेरित करता है ।

दासी मं दारिन डक, मं दारिन डक के मिलन के सु ख कत्याग करती है ।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 7.56% है ।

अध्याय 28: पागल लु टेरे पाखंट के अनुचित इरादे होते हैं और उसे कोड़े मारे जाते हैं निर्मम शू रवीर मु सीबत से बचने के लिए यात्रा पर निकल पड़ता है। अध्यय 29: लज्जित और अपमानित स्वच्छंद व्यक्ति व्यापारिक अभियान में अपन ध्यान भटकाने की कोशिश करता है। एक प्रतिभाशाली लड़की सर्वश्रे ष्ठ कवियों से कविता का अध्ययन करते हुए कविता कला का अभ्यास करती है। अध्यय 30: एक नीम-हकीम ब्राइट क्लाउड का इलाज बाघ और भेड़िये की दवइयों से करता है। बीमर होने के बावजूद, ब्राइट क्लाउड वीरतापूर्वक पाओ यू के लिए खु द को बलिदान कर देती है और उसके मोर पंख वले लबादे की मरम्मत करती है। अध्याय 31: नौकरानी कु कू चालाकी से पओ यू की भवनाओं की परीक्षा लेती है और बिछड़ने का संकेत देकर उसके मानसिक संतुलन को बिगाड़ देती है। एक दयालु चची प्रेम में डूबी यु वती को कोमल शब्दों से शांत करती है। अध्याय 32: चिया लियन चु पके से दूसरी मिस यू से शादी कर लेती है। तीसरी मिस यू शीत शू रवीर से विवाह करने की इच्छा रखती है। अध्यय 33: एक उग्र यु वती, अपने एकतरफा प्रेम से शर्मिंदा होकर, आत्महत्या कर लेती है। शीत शू रवीर निर्मम हृदय से मन्न शून्य के द्वार से होकर गु जरता है। अध्यय 34: फीनिक्स नौकर से पू छताछ करता है और इस प्रकार मालिक के छल का पर्दाफाश करता है। दुखी यू लड़की खु द को एक जल में फँ सने देती है। 366
अध्याय 35: फीनिक्स, चालाकी और द्वेष से, यु व प्रतिद्वंद्वी को बड़ी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ भड़काती है। हतशा से व्यकुल होकर, दूसरी यू सोन निगलकर आत्महत्या कर लेती है।382
अध्याय 36: स्प्रिंग जैसी कढ़ाई वाला थैला एक साधारण लड़की के हाथों में गब्बर बन जाता है। डिलाइटफुल विज़न पार्क की लड़कियाँ बदनम हो जाती हैं और उन्हें घर की तलाशी की यातना सहनी पड़ती है।393 अध्याय 37: रात्रि भोज में एक भयवह घटना अशु भ संकेतों को जगाती है। मध्य शरद उत्सव में एक नय छंद भविष्य के लिए सु खद वदे जगता है।411 अध्याय 38: आकर्षक दासी अपने सथ हुए अन्याय को भुला नहीं पाती और अपनी जवानी में ही मर जती है। राजकु मरों का दुखी वंशज मृ त दासी को एक शोकगीत समर्पित करता है।422 अध्याय 39: प्लास्टर पु जरी पाओ यू का खेल बनाता है और ईर्ष्या का उपाय खोजता है। चर सुंदरियाँ मछली

पकड़ने वली छड़ी से भग्य पर सवाल उठाती हैं। अध्यय 40: एक बु र सपना बाँ स आश्रम में एक दुखी प्रे मपीड़ित यु वती को डरता है। वसं त ऋतु की शु रुआत मेंहीशमहल में बीमर बिस्तर पर उसके रिश्ते दर उससे मिलने आते हैं।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल7.85% है।

अध्याय 41: सु ंदर सं तार्थना के आसन पर बै ठी हुई प्रम की अग्नि में घिर जाती है और रक्षसी शक्तियों द्वारा परमानं द की अवस्थ में ले जई जाती है। कली जे ड बीकर में संप की छया से भयभीत हो जाती है और परम सं कल्प के सथ सभी पोषण का त्याग कर दे ती है। अध्यय 42: पूर्वज सर्दियों में खिलने वले बे गनिया के अशु भ सं के त कविपरीत व्याख्या करती है और भोज के आनं दमय उल्लस में अपनीचिंताओं को भुलाने क प्रयास करती है। पओ यू आत्म पत्थर खो दे त है और परिणामस्वरूप अपनी बुद्धि खो बै ठत है। अध्यय 43: काली जे ड अपनी कव्य रचनाओं को अग्नि में सर्मर्पित कर दे ती है और अं ततः अपनेदुखद प्रे म क त्याग कर दे ती है। कीमती क्लै स्प अंतिम बार अपने कौमर्य कक्ष की दहलीज पार करती है और अपने जीवन के महन समारोह से गु जरती है। अध्यय 44: बैं गनी मोती क पौधा निर्वासित पीड़ा के क्षे त्र मेंलौट जाता है। आत्म का पत्थर प्रिय स्मृतियों के स्थन को आं सु ओं सेभिगो दे त है। अध्यय 45: वसं त क स्वाद घर से दू विवाह करता है, और पाओ यू उसके पीछे फूटफूटकर रोती है। सु नसन पार्क में रात में भू तप्रे त खेलते हैं। अध्यय 46: यू त्सु न रहस्यमय सधु में अपने पुरनेमित्र और उपकारक को पहचानता है। मदक हीरा के नम से प्रसिद्ध साहूकार नी, मछली के तलाब में पइक मछली बन जाता है। अध्यय 47: दुखी प्रेमिका, पाओ यू, अतीत की भावनाओं को फिर से जगती है। वित्त मं त्री के उधिकारी पश्चिमी महल पर कब्जा कर ले ते हैं। अध्यय 48: राजकु मरी पूर्वज, स्वर्ग के समक्ष नतमस्तक होकर, पू रे कुल के अपरध का भार अपने ऊपरले ले ती है और उदारतापूर्वक अपने खजने को बं ट दे ती है। चिया चें ग पर शही कृ प बरसती है, और एक बार फिर से बहल की गई राजसी उपाधि उसे सौंप दी जती है।541 अध्याय 49: लु टे रे कूर द्वारा छोड़ी गई सं पत्ति को लू टले ते हैं और सु ंदर तपस्वी क अपहरण कर ले ते हैं। पओ यू को उसक पत्थर वापस मिल

जाता है और वह जगृ त हो जता है ।550 अध्याय 50: पाओ यू सम्मन के सथ परीक्षा उत्तीर्ण करता है और संसार की लाल धूल का त्याग कर दे त है ।शिह यिंग और यू त्सु न एक बार फिर मिलते हैं और पत्थर की कहानी का समापन होता है ।569

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.48% है ।

प्रस्तावना लेखक: 1791 में पहली बार प्रकाशित हुई हं गलू में ग के ले खक का नाम लं बे समय तक अज्ञात रहा। 1921 में डॉ हू शिह के गहन शोध से मूल ग्रं थ (जिसमें एक सौ बीस अध्यय हैं) के पहले अस्सी अध्ययों को त्साओ ह्सु एहचिन द्वारा और शेष चालीस अध्यायों को काओ न्गोह द्वारा, जो 1791 में प्रकाशित पहले मुद्रित सं स्करण के दो संपादकों में से एक थे, के द्वारा लिखित घोषित किया जा सका। यह दोहरी ले खकत इस बात का सं के त दे ती है कि त्साओ ह्सु एहचिन ने सं भवतः अस्सी से अधिक अध्याय छोड़े थे और काओ न्गोह ने शेष चालीस अध्यायों का सं पदन, विस्तार और समन्वय किया था। वर्तमान पाठ जिस सं स्करण पर आधरित है, वह त्सु ई वे न कं पनी द्वारा प्रकाशित 1832 का सं स्करण और शं घाई के कमर्शियल प्रे स द्वारा प्रकाशित टिप्पणी सहित एक आधुनिक व्याख्यात्मक सं स्करण है । शीर्षक: चीनी वास्तु कला में अधिकां श आबदी के लिए कम ऊँ चई वाली, एक मंजिला इमारतें बनई गई हैं । दो मंजिला हवेली को लू कहा जाता है और हं गलू का अर्थ है "लाल दो मंजिला इमारत"। बौद्ध धर्म में इसे सांसरिक वै भव, विलासिता, धन और सम्मान जै सी अवधरणाओं के लिए एक रूपक के रूप में भी इस्तेमाल किया जाता है, ठीक उसी तरह जै से बौद्ध धर्म में "लाल धूल" को "सां सरिक प्रयास" और "भौतिक सं सर" के रूप में व्याख्यायित किया जाता है । काल: पाठ में किसी विशेष तिथि का उल्ले ख नहीं है । हालांकि, अप्रत्यक्ष सं के त मिलते हैं कि यह घटना चिंग राजवं श (1644-1912) के दौरान घटित हुई थी। आधिकारिक उपाधियाँ और पद अंतिम राजवं श के अनु रूप हैं, और मं चूरिया को चिंग राजवं श के बाद ही एक प्रां त के रूप में संदर्भित किया जा सकता था। डॉ. ही शिह के निष्कर्षों के अनु सार, ले खक त्सओ ह्सु एहचिन ने समकालीन घटनाओं और अपने स्वयं के अनु भवों के बारे में लिखा है । आं तरिक साक्ष्य बताते हैं कि मु ख्य वृ त्तांत 1729 से 1737 के बीच की अवधि को कवर करता है । स्थन: पाठ में बरी-बारी से राजधानी और चिंग लिंग का उल्ले ख किया गया है । चिंग राजवं श के अधीन बीजिंग था। चिन लिंग, जिसका अर्थ है मकबरे, सं भवतः शहर के द्वारों के बहर पहाड़ों के आसपास स्थित प्रसिद्ध शाही दफन स्थलों का सं के त है, जहाँ राजकु मर साधु एकां त में रहते थे । यह प्रसिद्ध पश्चिमी दे शों के बीजिंग के पस स्थित स्थानों और उनके शनदार मंदिरों का सं के त दोत

है । हं गलू में ग को पश्चिमी लोगों द्वारा सै कड़ों अक्षरों वले एक रहस्यमय सहित्यिक स्मारक के रूप में वर्णित किया गया है ।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.06% है ।

मु झसे पहले, चीन में एक अं ग्रे ज कौंसु ल रहे बै नक्रॉफ्ट जोली ने अनु वाद का काम शु रु करने का साहस किया। हालांकि, वे मूल कृति के आधे हिस्से तक भी नहीं पहुं च पाए। उनका दो खं डों वला अनु वद, 'ड्रीम ऑफ द रे ड चैं बर', 1892-93 में हां गकां ग के केली एं ड वॉल्श द्वारा प्रकाशित किया गया था। हं गलू में ग को पश्चिमी पाठकों के लिए सुलभ बनाने का एक और हालिया प्रयास चीनी पक्ष से आय, ची चे न वं ग का अनु वद और रूपां तरण, 'ड्रीम ऑफ द रे ड चैं बर' (जॉर्ज रूटले ज एं ड सं सलिमिटे ड, लं दन, बिना तिथि के)। लेकिन श्री वां ग का काम मे रे सं स्करण के एक चौथाई हिस्से को भी मुश्किल से कवर करत है और, विशेष रूप से इसके उत्तरार्ध में, यह अनु वद की तुलना में एक सार की तरह अधिक है । उन्होंने पश्चिमी पाठक के लिए बे हद दिलचस्प कई विवरणों को हटा दिया है, और कहानी के तर्किक विकास के लिए आवश्यक कई घटनाओं को भी छोड़ दिया है, उदाहरण के लिए, पु स्तक के अं त में सर्वोपरि काव्य स्वप्न दृश्य (वर्तमान सं स्करण में अध्याय 49), जो उपन्यास के सहित्यिक शिखरों में से एक है और इसके लिए अत्यं त आवश्यक है । मे रे जर्मन अनु वद, जिस पर यह अं ग्रे ज़ी अनुवाद आधारित है, में मूल पाठ का लगभग पाँ च छठा भाग प्रस्तु त किया गया है । यह अनु वाद सीमित विद्वानों के लिए नहीं, बल्कि चीनी साहित्य में रुचि रखने वले आम पाठकों के लिए है । यद्यपि मे रा अनु वद पूर्ण नहीं है, फिर भी मैं यह दवा कर सकता हूँ कि मैं पहला पश्चिमी व्यक्ति हूँ जिसने हं गलू में ग की विशाल सं रचन को सुलभ बनाया है । मेरा अनु वद मु ख्य कथ का पूर्ण रूप से वर्णन करता है, जो पाओ यू, ब्लै क जे ड और प्रेशियस क्लै स्प के तीन पात्रों के इर्द-गिर्द बु नी गई है । मैं ने गौण कथाओं को उनके महत्व के अनु सार कमोबे श विस्तार से प्रस्तु त किया है, हमे श कहानी के विकास में किसी भी तरह की कमी न रहे, इसका पू रा ध्यान रखा है । इसमें कोई सं दे ह नहीं कि समाजशास्त्रीय दृष्टि से यह उपन्यस अत्यं त महत्वपूर्ण है ।लेकिन

यह विशुद्ध सहित्यिक दृष्टि से भी हमरा ध्यान आकर्षित कर सकता है: कथा सम्मोहक है, पात्रों का चित्रण अत्यंत सजीव है, और पृष्ठभूमि का चित्रण प्रभावशाली और यथार्थवादी है। चीन में हंग लू में ग को चिंग राजवंश का उत्कृष्ट क्लासिक उपन्यास माना जाता है। इसके चारों ओर आलोचनात्मक साहित्य का एक बड़ा भंडार विकसित हुआ है। आम धरणा यह है कि लेखक ने अपने अनुभवों से प्रेरणा ली और उनका नायक, पाओ यू, एक आत्मचित्र है। त्साओ ह्सु एहचिन एक धनी और उच्च कोटि के मंदारिन परिवार के लाड़ले बेटे थे, जिनके परिवार में कियां गसू स्थित शाही रेशम कारखानों के निरीक्षक का आकर्षक पद पीढ़ियों से वंशानुगत था। अपनी असाधारण बौद्धिक प्रतिभा के बवजूद, वे सहित्यिक परीक्षाओं में असफल रहे और उन्हें पद से वंचित कर दिया गया। उन्होंने दर्शन और साहित्य के क्षेत्र में शरण ली। हालाँकि, चीनी साहित्यिक आलोचना ने इस पहेली के अन्य समधान भी प्रस्तुत किए हैं। एक संभवित सिद्धांत पओ यू को युवा पाओ यू से जोड़ता है।

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 8.52% है।

सम्राट चिएन लिंग (शासनकाल 1736-1796), जिनके बरे में कहा जाता है कि पाओ यू की तरह, उन्हें भी अपने दल की युवतियों के होठों से लाली चाटने की आदत थी। इस सिद्धांत के अनुसर, पाओ यू के पिता, कठोर स्वभाव वाले चिया चेंग, चिएन लिंग के पूर्ववर्ती सम्राट युंग चेंग (शासनकाल 1723-1735) का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस सिद्धांत में कई खामियां हैं। उपन्यास के अनेक पन्नों में, चिया चेंग कठोर कन्फ्यूशियसवादी का सटीक उदाहरण हैं। इतिहास सम्राट युंग चेंग को चीन के सिंहासन पर विराजमान महान कन्फ्यूशियसवादी, विवेक और समाजिक चेतन के शासक के रूप में याद रखता है। हलांकि पहली नजर में हंग लू में ग असंख्य पात्रों और घटनाओं का एक अस्पष्ट अव्यवस्था प्रतीत होता है, लेकिन गहन अध्ययन करने पर उपन्यस एक सामंजस्यपूर्ण संरचन, सुव्यवस्थित, तार्किक और सुसंगत रूप में प्रकट होता है। मुख्य पात्र—लगभग संत जैसी पवित्रता वाली ब्लैक जेड; सहज और मातृत्व भव वाली राजकुमरी पूर्वज; स्त्रीत्व, स्नेह और संवेदनशीलता से भरपूर प्रेशियस क्लैस्प; भावपूर्ण वफादारी और निष्ठा से

परिपूर्ण ब्राइट क्लाउड और मं दारिन डक; और कठोर और कर्तव्यनिष्ठ चिया चें ग — का चित्रण प्रशं सनीय ढं ग सेकिया गया है ।लेकिन अने क गौण पत्र भी अपनी भूमिका बखू बीनिभाते हैं और एक सुनियोजित योजना के अं तर्गत उनकी निश्चित भूमिकाएँ हैं । उदाहरण के लिए, उपन्यास की शु रुआत में प्रतीत होने वाला अनायास ही दिखाई दे ने वाला बू ढ़ा नौकर और शिकायतकर्ता कहानी के अं त में पु नः प्रकट होने पर सार्थक हो जाता है, और पाठक को अहसास होता है कि वह बू ढ़ा योद्धा एक अवांछित और अनसु ने पै गं बर की भूमिका निभाता है । बर-बार प्रकट होने वले दो रहस्यमय भिक्षु अलौकिक तत्व को जोड़ते हैं; वे परलोक से आए सं दे शवाहक हैं । वे इस कृति के मूल विषयों के आवर्ती प्रतीक का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो निस्सं दे ह ताओवादी है । कहानी की शु रुआत तओवादी स्वर्ग, महान शू न्य के परलोक में एक प्रस्तवना से होती है; इसका समापन शु द्ध रूप के धन्य क्षे त्रों में एक उपसं हार के सथ होता है, जो उसी क्षे त्र का दूसरा नाम है । चर बार हम पात्रों को ग्रे ई शू न्य के द्वार से गु जरते हुए दे खते हैं, जिसका ताओवादी भाषा में अर्थ है सं सार का त्याग करना: शिह यिंग, शीत योद्धा, वसं त का शोक, और अं त में स्वयं नायक पाओ यू । उपन्यस का दूसरा मु ख्य भव मु झे मातृ सत्त लगता है, जिसका प्रतिनिधित्व पूर्वज महिला द्वारा बखू बी किया गया है, जो हमे श आशावादी और उत्सव मनाने केलिए तत्पर रहती है, उपदे श दे ती है और शां त करती है; और परिवार को एकजु ट रखती है । कन्फ्यूशियस का जीवन दर्शन, निश्चित रूप से, एक चीनी उपन्यास से अनु पस्थित नहीं हो सकता। यह पाओ यू केपिता, चिया चें ग के व्यक्तित्व में प्रकट होता है । सं क्षे प में, उपन्यास का मूल क्या है? कन्फ्यूशियस के दृष्टिकोण से, यह एक महान और कुलीन परिवार की धन-सं पत्ति और सम्मान तथा उसके आत्म-विनाश की कहानी हो सकती है ।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.00% है ।

अं तत; पाओ यू नमक पु त्र की बौद्धिक और नैतिक उपलब्धियों के कारण घर का पु नरुद्धार होता है, जिसे अब तक पतित माना जाता था। पाओ यू अपने माता-पिता की इच्छाओं का पालन करते हुए परीक्षा की कठिनाइयों को सहता है । बौद्ध और तओवादी दृष्टिकोण से इसका उत्तर यह हो सकता है: यह सां सरिक और भौतिक सं घर्षों के दलदल में डूबी आत्मा के क्रमिक जागरण, शुद्धि और अं ततः मोक्ष की कहानी है । पश्चिमी दृष्टिकोण से इसका उत्तर यह हो सकता है: यह एक अत्यं त प्रतिभाशाली लेकिन पतित यु व कुलीन व्यक्ति, मनोरोगी और कमजोर, असामाजिक, स्त्री-समान, हीन भावना और उन्मादी अवसाद से ग्रस्त व्यक्ति का मामला है, जो अस्थायी रूप से ऊर्जा जु टाने में सक्षम होने के बावजू द, वास्तविकता की मां गों के आगे लड़खड़ा जाता है और कायरतापूर्वक मानव समाज से दूर चला जाता है । पओ यू के विकास का अंतिम चरण, उसका आत्मा में परिवर्तन, पश्चिमी मानसिकता की समझ से परे है । क्योंकि ताओवाद केवल एक सिद्धां त नहीं है बल्कि सबसे बढ़कर व्यवहारिक अनु भव है । अं त में, बार-बार उल्लेखित आत्मा पत्थर सं भवतः मनु ष्य के सहज स्वभाव, उसकी आध्यात्मिक प्रकृति का प्रतीक है, जिसे वह अपने मूल स्वरूप को खोने के जोखिम के बिना प्रकट नहीं कर सकता। दे वी नु कु आ और स्वर्ग के स्तं भों की मरम्मत के लिए 36,501 पत्थर, जिनसे उपन्यस शु रु होत है, अपे क्षकृ त समान्य महत्व के पौराणिक रूपक हैं । पत्थरों के समन असं ख्य मनु ष्य पृ थ्वी पर निवास करते हैं, उनमें से ईश्वर एक निश्चित सं ख्य को चु नत है और उन्हें अधिकारियों के पदानुक्रम के सदस्यों के रूप में राज्य का प्रशासन करने और जनता को अराजकता के खतरे से बचाने का कार्य सौंपता है । पओ यू को इस सेवा के लिए अयोग्य मानकर अस्वीकार कर दिया गया था, लेकिन वह दे वी के स्पर्श से धन्य हो गय था। आलस्य उसे पत्थरों के बीच एक साधारण पत्थर बनने की इच्छा दिलाता है, लेकिन एक उच्च्च नियति उसे मुक्त करती है और वह "कीमती पत्थर" के रूप में अपने गु ण के प्रति सचे त हो जाता है । इसी कारण से हमरे उपन्यस का चीन में दूसरा शीर्षक है, शि तोउ ची, "पत्थर की कहानी।" फ्रां ज कु ह्न के वीस्स

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 7.05% है ।

चिया परिवार के मुखिया: राजकु मरी पूर्वज, जिनका जन्म शिह परिवार में हुआ थ, यु ं गकु ओ के द्वितीय राजकु मर चिया ताईशान की विधवा थीं। पूर्वी और पश्चिमी महलों के शसक - चिया चिंग (राजकु मर सं न्यसी), निंगकु ओ के द्वितीय राजकु मर चिया ताई हुआ के पु त्र। एक ताओवादी मंदिर में से वानिवृ त्त। वरिष्ठ सदस्य: चिया चे न (राजकु मर चे न), चिया चिंग के पु त्र उनके स्थन पर निंगकु ओ महल के स्वमी; चिया शीह (राजकु मर शीह), राजकु मरी पूर्वज के बड़े पु त्र; यु ं गकु ओ महल के स्वमी चिया चें ग राजकु मरी पूर्वज के छोटे बे टे; राजकु मरी चे न, जिनका जन्म नाम यू थ और जो राजकु मर चे न की पत्नी थीं; राजकु मरी शीह, जिनका जन्म नाम ह्सिन था और जो राजकु मर शीह की पत्नी थीं; मै डम चें ग, जिनका जन्म नाम वां ग थ; जूनियर चिया यु ं ग, राजकु मर चे न के बे टे; चिया लियन, राजकु मर शीह के बे टे; चिया पाओ यू, चिया चें ग के बे टे, उनकी पत्नी मै डम चें ग से । निंगकु ओ और यु ं गकु ओ जागीरों की सीमाओं के भीतर रहने वाले चिया परिवार के रिश्ते दार - ब्लै क जे ड (मिस लिंग), लिंग जू ह्वाई की बे टी, राजकु मरी पूर्वज की पोती।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 6.90% है ।

आं टी ह्सु एह, जिनका मायके का नाम वां ग थ, मै डम चें ग की बहन; कीमती अकड़न (पाओ चाई), आं टी ह्सु एह की बे टी; ह्सु एह पै न, आं टी ह्सु एह का बे टा; मदर यू, राजकु मरी चे न की सौतेली बहन; दूसरी बहन यू, मदर यू की बड़ी बे टी, बाद में चिया लियन की दूसरी पत्नी; तीसरी बहन यू, मदर यू की छोटी बे टी।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 6.44% है ।

प्रधान वेटिंग मे ड्स पूर्वज मैं डरिन डक एम्बर नम्स्कल मै डम चें ग गोल्डरिंग ने फ्राइट बकल फीनिक्स लिटिल पिंग लिटिल फोंग सियाओ हं ग पओयू पर्ल मस्क ब्राइट क्लाउड ऑटम वे व कीमती क्लै स्प ओरिओल एप्रिकॉट ब्लै क जे ड कु कू स्नोगू ज वसं त अभिवादन ऑरें ज चे स मे ड वसं त का शोक पेंटिंग मे ड xix

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल8.69% है ।

अनु वदकों की टिप्पणी: भ्रम से बचने केलिए, पु रुष नामों का लिप्यं तरणकिया गया है, जबकि लगभग सभी महिला नामों को उनके शब्दिक अर्थ के लगभग समान रूप में अनु वादित किया गया है । पु स्तक में प्रमुख सं बोधन के रूप:ताई ताई (शाब्दिक अर्थ "पर-पर"), स्वामी की पत्नी के लिए। ओल्ड ताई ताई, स्वामी की माता के लिए। नाई नाई, स्वामी के पु त्र की पत्नी केलिए। मे ई मे ई (शाब्दिक अर्थ "छोटी बहन"), छोटी बहनों और यु व महिला चचे री बहनों के लिए। "उपपत्नी" शब्द का प्रयोग उपपत्नी की जगह किया गया है, क्योंकि उपपत्नी का पश्चिमी अर्थ चीन में उपपत्नियों की नैतिक और कानू नीस्थिति पर लागू नहीं होत है, जिन्हें औपचरिक रूप से परिवार में शमिल किया जाता है ।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल9.83% है ।

लाल कक्ष का सपना

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल8.98% है ।

अध्याय 1: शिह यिंग एक स्वप्न में बहक जता है और उसे एक रहस्योद्घन प्राप्त होता है । दैनिक जीवन की भागदौड़ और व्यस्तता के बीच यु त्सु न को अपनेदिल की रानी मिल जाती है । हमरी कहानी चीन के विशाल मै दन के दक्षिण-पूर्वी छोर पर स्थित शक्तिशाली शहर सु चो से शु रु होती है । सम्राट द्वार के पर, जो धनी और कुलीन वर्ग के इलाके, आरामदे ह जीवन और"लाल धूल" के क्षे त्र की ओर जता है, "दस मील की सड़क" फैली हुई थी। उस सड़क के एक सं करे रास्ते में "लौकी मंदिर" के नम से प्रसिद्ध एक पु राने मंदिर के पस, सम्मानित नागरिक शिह यिंग अपनी ने क और गु णी पत्नी फें ग के साथ रहते थे । शिह यिंग अपने इलाके के सबसे सम्मानित, बल्कि शायद सबसे कुलीन लोगों में से एक थे । एक सु ं दरसीमित सं पत्ति के सौभग्यशाली स्वामी होने के कारण,

वे आराम का जीवन जीने में सक्षम थे। उन्हें मान-सम्मान या धन-दौलत से कोई लगाव नहीं था और वे अपने फूलों की देखभाल करने, बांस उगाने या अच्छी शराब के गिलास के साथ कविता पाठ करने में ही प्रसन्न रहते थे। संक्षेप में, वे एक सुखमय और सांसारिकता से रहित जीवन जीते थे। उनकी पूर्ण खुशी में केवल एक ही कमी थी: उनकी उम्र पचास से अधिक हो चुकी थी और उनके पास गोद में झुलाने के लिए कोई छोटा बेटा नहीं था। भाग्य ने उन्हें केवल एक छोटी बेटी दी थी, जो अब तीन साल की थी, जिसका नाम लोटस था। गर्मी के उन अंतहीन दिनों में से एक दिन वे पुस्तकालय में अपनी किताबों में डूबे हुए थे। गर्मी से बेहाल होकर उनका सिर नीचे झुक गया और उनका माथा मेज के किनारे पर टिक गया। जैसे ही उन्हें नींद आने लगी, वे किसी अनजान स्वप्नलोक में खो गए। चलते-चलते दो पुजारी उनके साथ आ गए और उनके बगल में चलने लगे। उनमें से एक ताओवादी था, दूसरा बुद्ध का सेवक। उन्होंने पहले को दूसरे से कहते सुना: "तुम पत्थर अपने साथ क्यों ले गए?" भिक्षु ने उत्तर दिया: "एक प्रेम नाटक में हस्तक्षेप करने के लिए, जो भाग्य की इच्छा से पृथ्वी पर घटित होने वाला है। नाटक के नायक ने अभी तक अपना सांसारिक पुनर्जन्म नहीं लिया है। मैं इस अवसर का लाभ उठाकर इस पत्थर को पृथ्वी पर भेजना चाहता हूँ ताकि नायक उस नाटक में अपनी भूमिका निभा सके।" "और नाटक कहाँ से शुरू होता है?" "यह एक विचित्र कहानी है। सुदूर पश्चिम में, आत्माओं की नदी के तट पर, जहाँ तीन अस्तित्वों का सीमा पत्थर स्थित है, कभी बैंगनी मोती का पौधा उगता था। उस समय हमारा पत्थर अभी भी बेचैन, भटकता हुआ जीवन जी रहा था। देवी नु कुआ, जिनका कार्य स्वर्ग के द्वार के क्षतिग्रस्त खंभों की मरम्मत करना था, ने अंततः इसे 36,501 पत्थरों में से अनुपयुक्त मानकर अस्वीकार कर दिया, क्योंकि इसकी संरचना ठीक नहीं थी।

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 8.96% है।

जिसे उसने अपने उद्देश्य के लिए अलग रखा था। उसके दिव्य स्पर्श से उसमें आत्मा आ गई थी, इसलिए वह जब चाहे अपना स्थान बदल सकता था और खुद को बड़ा या छोटा कर सकता था। देवी द्वारा अनुपयुक्त समझे जाने के कारण हुए अपमान का वह दिन-रात पीड़ादायक अनुभव करता

था। अपनी यात्राओं के दौरान एक दिन वह भय जागृति की परी के महल में पहुँचा। परी, जो उसके उच्च भाग्य को जानती थी, ने उसे अपने छोटे कर्मचारियों में शमिल कर लिया और उसे लाल बादलों के महल में 'देवताओं के पत्थर की चमक का रक्षक' की उपाधि दी। लेकिन वह बस स्थिर नहीं हो सका और अपनी घुमक्कड़ जिंदगी नहीं छोड़ सका। वह अक्सर महल में अपने कर्तव्यों से चुपके से निकलकर आत्माओं की नदी के किनारे चला जाता था। वहाँ एक दिन उसने 'बैंगनी मोती' नामक पौधा देखा। उसे बैंगनी मोती बहुत प्रिय हो गया और अपना स्नेह दिखाने के लिए वह प्रतिदिन उस पर सुगंधित ओस छिड़कता था। इस प्रकार उसने उस नाज़ुक पौधे को समय से पहले मुरझने से बचा लिया। सुगंधित ओस से प्राप्त सुखदायक ताज़गी के कारण, जिससे इसने स्वर्ग और पृथ्वी के बीच पारस्परिक संबंधों की उत्कृष्ट शक्तियों को ग्रहण किया, यह बाद में अपने पार्थिव पौधे के रूप को त्यागकर मानव रूप धारण करने में सक्षम हुआ। वह कोमल पौधा एक युवती में परिवर्तित हो गया। "एक अदम्य लालसा अक्सर इस युवती को शांत 'दुख के क्षेत्र' से परे ले जाती थी। जब उसे भूख लगती थी तो वह 'गुप्त प्रेम के स्रोतों के वृक्ष के फल' खाना पसंद करती थी। जब उसे प्यास लगती थी तो वह 'दुखों के स्रोत' से घूंट पीना सबसे अधिक पसंद करती थी।" बार-बार उसे याद आता था कि अतीत में, जब वह एक कमज़ोर पौधा थी, कोई उसे मीठी ओस से सींचा करता था, और उस दयालुतापूर्ण कार्य का बदला चुकाने की उसकी इच्छा कभी नहीं छूटी। वह अक्सर मन ही मन सोचती थी, "मैं उसके लिए ऐसा करके उसका एहसान नहीं चुका सकती। लेकिन अगर मुझे अगले जन्म में उससे धरती पर एक स्त्री के रूप में मिलने का सौभाग्य प्राप्त हो, तो मैं आशा करती हूँ कि मैं अपने पूरे जीवन में जितने आँसू बहा सकती हूँ, उतने आँसुओं से उसका धन्यवाद करूँगी।" "तो, यह उस प्रेम नाटक की पूर्व-कथा है जो ईश्वर की इच्छा से अब धरती पर मंचित होने वाला है। इसमें भाग लेने वाले, जिनमें बैंगनी मोती पौधा भी शामिल है, पहले से ही धरती के मंच पर उतरने की तैयारी कर रहे हैं। इसलिए, आइए हम जल्दी से अपने पत्थर को उसकी स्वामिनी, भय जागृति की परी के पास वापस ले जाएँ, ताकि वह इसे उस नाटक में भाग लेने वालों की सूची में शामिल कर सके और इसे अन्य कलाकारों के साथ शामिल होने के लिए भेज सके।" "यह तो वाकई बहुत अजीब है," ताओवादी ने टिप्पणी की। "आंसुओं से कृतज्ञता का कर्ज

चु कना निश्चित रूप से कु छ नयहै ।" मु झेलगता है कि यह कहानी इतनी सार्थक है कि हमें भी धरती की धूल में उतरने केलिए प्रेरित करे गी। शयद इससे हम कु छ भटके हुएलोगों का उद्धार कर सकें । यह वस्तव में एक पु ण्य कर्य होगा। "यही मे री भी रय है । इसलिए मैं प्रस्तव करता हूँ कि हम पहले

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल9.25% है ।

सबसे पहले, हमारे अनथ बच्चे, पत्थर को, भयानक जागृति की परी को सौंप दें, और बाद में हम भी नीचे उतरें ,जब इस दुर्भाग्य के नटक के सभी पत्र नीचे एकत्रित हो चु के होंगे । अभी तक उनमें से के वल आधे ही वहाँ एकत्रित हुए हैं ।" " अच्छा। तो चलिए, लाल बादलों के महल की ओर चलते हैं ।" सोए हुएशिह यिंग ने उनकी सरी बातचीत सु नी थी। अब वह अपने बस में चल रहे दोनों से आगे बढ़, उन्हें प्रणम किया और इस प्रकार कहा: "आदरणीय गु रुजनों, यह भोला-भाला व्यक्ति आपकी विचित्र बातचीत का आकस्मिक श्रोता था। वह इसका पू र अर्थ नहीं समझ पाया। यदि आप उसे इसका अधिक विस्तृ त स्पष्टीकरण दें गे, तो वह पू री श्रद्धा और सम्मान के सथ सु ने ग। वह आपके ज्ञन से कु छ लाभ उठाना चाहता है, और मूर्खता के भं वर में नहीं डूबना चाहता।" "हमें भग्य से सं बंधित मामलों के बरे में पहले से बोलने की अनु मति नहीं है," उत्तर मिला। "जब समय आएगा, तो हमारे बरे में सोचिएगा।" यदि तु म ऐस करोगे तो तु म विनाश के अग्नि-कुं ड से बच जाओगे ।" " क्य मैं कम से कम आपकी चर्चा का विषय दे ख भी सकत हूँ?" "ईश्वरीय इच्छा से यह तु म्हें अनुमति है," भिक्षु ने कहा और उसे वंछित वस्तु दे दी। शिह यिंग ने उसे अपने हाथ में लिया और दे ख। यह एक सुं दर जे ड पत्थरथ, जिसमें एक तज़ा, हल्की चमक थी। ऊपरी सतह पर चार चित्रलिपि 'तुं गलिंग पाओ-यु', यानी "भे दक आध्यत्मिक शक्ति का पत्थर" खु दी हुई थीं। निचली सतह पर भी छोटे अक्षरों की एक श्रृं खला अंकित थी। शिह यिंग उन्हें समझने ही वला था कि भिक्षु ने फिर से उसके हथ से पत्थर ले लिया और कहा: "हम मायालोक में पहुँ च गए हैं," और ताओवादी के सथ आगे बढ़ गय। शिह यिंग ने उन्हें एक ऊँ चे पत्थर के मेहराब से अं दर जते दे ख,

जिसके ऊपर बड़े अक्षरों में लिखा था: “महान शून्य का प्रेतलोक।” मेहराब के दो स्तंभों पर उसने दोहे पढ़े: जब आभास को वास्तविकता मान लिया जाता है, तो अस्तित्व जहां कुछ नहीं को कुछ मान लिया जाता है, वहां कुछ भी नहीं रह जाता। वह उन दोनों आदमियों के पीछे जाने ही वला था कि उसके कानों में बिजली की एक भयानक गड़गड़ाहट गूंजी। ऐसा लगा जैसे धरती ढहने वाली हो। एक ज़ोरदार चीख के सथ वह जाग उठा। उसने अपनी आँखें खोलीं और शाम के सूरज के चमकते गोले को देखा, जो केले के पत्तों से तिरछी रोशनी बिखेर रहा था। वह पहले ही अपनी दृष्टि लगभग खो चुका था। नर्स अपनी गोद में नन्हीलोटस को लिए दहलीज पर प्रकट हुई। शिह यिंग ने बच्ची को उससे लिया, उसे एक गहने की तरह प्यार से अपने सीने से लगाया और कुछ देर तक उसे सहलाया और उसके सथ खेला। फिर वह उसे लेकर हॉल के दरवजे से बाहर चला गया और सड़क पर शोरगुल मचाती भीड़ को देखत हुआ खड़ा रहा। वह घर में वपस जाने ही वला था कि

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.00% है ।

पु रोहितों के वस्त्र पहने दो पुरुष वहाँ से गु ज़रे — एक बु द्ध सेवक था, दूसरा लाओ त्ज़ू का शिष्य। भिक्षु नं गे पैर था, उसके मुं डे हुए सिर पर पपड़ी और खरोंचें थीं। तओवादी एक पैर से लंगड़ा था; उसके नं गे सिर के बल बिना कं घी किए उलझे हुए थे । वे दोनों अजीब ढं ग से हाथ हिलाते और हं सते हुए आगे बढ़े । शिह यिंग के द्वार के समने रुक गए और एक क्षण तक उसे और बच्चे को घू रते रहे फिर भिक्षु अचानक ज़ोर से आहें भरने लगा और शिह यिंग से बोला, "महोदय, यह कौन सा अभागा प्राणी है जिसे आपने अपनी बाहों में पकड़ रख है? यह अपने मता-पिता के लिए दुख के सिवा कु छ नहीं लाएगा!" शिह यिंग ने सोच कि वह व्यक्ति पागल है, इसलिए उसने उसकी बातों पर ध्यान नहीं दिया। लेकिन भिक्षु बड़े ज़ोर से उससे कहता रहा, "इसे मु झे दे ! इसे मु झे दे दो!" उसने अपनी बहों में पकड़े बच्चे की ओर इशारा करते हुए आग्रह किया। यह शिह यिंग के लिए असहनीय था। उसने बच्चे को और कसकर अपनी छाती से लगाया और जाने के लिए मु ड़ ही रहा था कि भिक्षु ज़ोर से हँ स पड़ा और उसके पीछे से पुकारा: "मूर्ख प्रे म में पागल हो जाता है; कोमल फूल पाले से मु रझा जाते हैं । नव वर्ष पर सावधान रहना, अग्नि और ज्वाला।" शिह यिंग वहीं रुक गया। वह इस रहस्यमय कविता का अर्थ जानना चाहता था। लेकिन उसने तओवादी पु जरी को भिक्षु से कहते सुना: "अब से हमरे रास्ते अलग हो जाते हैं । हम अलग-अलग काम करें गे । तीन यु गों के बाद मैं लो यां ग के पास पे ई मं ग पहाड़ी पर स्थित प्रसिद्ध कब्रिस्तान में तु म्हारा इं तज़ार करूँ ग। तब हम साथ में महान शू न्य के प्रेत लोक में लौटें गे और पत्थर के मामले को रजिस्टर से मिटा दें गे"। "अच्छा," शिह यिंग ने भिक्षु को उत्तर दे ते सुना, जिसके बद वे दोनों अचानक गायब हो गए। शिह यिंग अभी भी स्तब्ध और अचंभित अवस्था में थ, उस अजीब घटना के बरे में सोच रहा था, तभी उसने अपने अच्छे दोस्त और पड़ोसी चिया यु त्सु न को घर की ओर आते दे खा। यु त्सु न एक गरीब युवा छात्र था जो पास के लौकी मंदिर में रहत था। वह हुचो के एक अधिकारी का पु त्र थ, जिसकी कम उम्र में ही मृ त्यु हो गई थी और उसका परिवार गरीबी में जी रहा था। एक साल पहले वह राजधानी जाने के लिए निकला था, ताकि वह सार्वजनिक परीक्षाओं में बै ठकर प्रसिद्धि और सफलता प्राप्त कर सके ।लेकिन वह के वल हुचो तक ही पहुँ च पया था कि

उसके पैसे खत्म हो गए। इसलिए उसने लौकी मंदिर में एकभिक्षु की कुटिया में अस्थयी शरण और आवास पाया। यहाँ उसनेलगन से अपनी पढ़ाई जारी रखी और साथ ही अनपढ़ों के लिए लिखकर अपना भोजन और भोजन कमाया। इस तरह उसकी मुलाकात शिह यिंग से हुई और जल्द ही दोनों के बीचमित्रता हो गई। शिह यिंग ने

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 49.21% है ।

साहित्य के प्रति उनका गहरा आदर था, और वे प्रतिभाशाली यु व विद्वान की गहन और वास्तविक सं स्कृति से बे हद प्रभावित थे । यु त्सु न ने विनम्रतापूर्वक झुकते हुए कहा, "मैं दे ख रहा हूँ कि आप दरवाजे के चौखट से टिके हुए हैं और गर्दन झुकाए दे ख रहे हैं जिससे लगता है आप शहर में होने वाली किसी नई घटना की तलाश में हैं?" शिह यिंग ने उत्तर दिया, "ऐसा नहीं है, लेकिन बच्ची बे चै न थी इसलिए मैं ने उसे अपने साथ दरवाजे तक ले जाकर उसका ध्यान थोड़ा भटकाने की कोशिश की। मे रे आदरणीय भाई ठीक समय पर आए हैं । चलिए अं दर चलते हैं और सु खद बातचीत करके इस लं बे दिन को कु छ समय के लिए छोटा कर ले ते हैं।" उन्होंने बच्ची को नर्स को सौंप दिया और अपने आगं तु क को पु स्तकालय में ले गए। उन्हें एक प्याला चाय पीने और चार-पाँ च वाक्य बोलने का भी मुश्किल से समय मिला था कि मे जबान को बाहरी कमरे में एक अन्य आगं तु क के पास बुलाया गया। शिह यिंग ने अपने मित्र से रुकने का अनु रोध किया, लेकिन कु छ मिनटों के लिए उन्हें जाने की अनु मति भी दी। इसलिए यु त्सु न वहीं रुक गए और प्रतीक्षा के समय को पु स्तकालय में रखी पुरानी पु स्तकों में से खोजबीन करते हुए बिताया। जब वह इसी में मग्न था, तभी अचानक खिड़की से उसे एक स्त्री की सु रीली आवाज़ सु नाई दी। उसने पुरानी किताबें एक तरफ रख दीं, खिड़की के पास गया और बाहर झाँ का। खिड़की से कु छ ही दूरी पर उसने एक यु वती को फूलों की क्यारियों के बीच झुकी हुई दे खा। वह फूल तोड़ रही थी और साथ ही गीत गु नगु ना रही थी। वह हद से ज़्यादा सुं दर तो नहीं थी, लेकिन फिर भी बे हद आकर्षक थी। खै र, यु त्सु न खिड़की पर ही खड़ा रहा और उसे दे खता रहा। तभी, सं योगवश ऊपर दे खते हुए उसकी नज़र उस पर भी पड़ी। उसने मन ही मन सोचा, "वह भले ही सादे कपड़े पहने हुए है, लेकिन उसका रूप-रं ग और शक्ल-सू रत भव्य है," और जल्दी से मुँ ह फेर लिया। "उसके चे हरे के हाव-भाव कितने सुं दर हैं, और आँ खें कितनी भावपूर्ण हैं! वह ज़रूर विद्वान यु त्सु न ही होगा, जिसका ज़िक्र मे रे गु रुजी इतना करते हैं, और जिसकी मदद करने के लिए वह हमे शा तत्पर रहते हैं । हाँ, वही होगा, क्योंकि हमारे घर आने वाले बाकी सभी लोग सं पन्न वर्ग के हैं।" लेकिन उसे दे खकर ही समझ आ जाता है कि हमारे स्वामी को हमे शा यह विश्वास क्यों रहता है कि उन्हें इतने पुराने और फटे-पु राने कपड़ों में ज़्यादा दिन नहीं रहना पड़े गा। वह

खिड़की की ओर एक बार फिर देखने से खुद को रोक नहीं पाई। फिर वह बगीचे में और आगे चली गई। युत्सुन को बहुत खुशी हुई कि अपने फटेहाल रूप के बवजूद उसने उस पर अच्छा प्रभाव डाला था। उसने मन ही मन कहा, "वह लड़की समझदार और observant दोनों है, और प्रतिकूल परिस्थितियों के बवजूद मुझ जैसे व्यक्ति के उच्च मूल्य को समझ सकती है"।इन विचारों से प्रेरित होकर, वह सोच-विचार करते हुए बगीचे से होते हुए एक गली में एक तरफ के दरवाजे से बाहर निकल गया। क्योंकि नौकर ने उसे बताया था कि मेहमन रात के खने के लिए रुक रहे थे, इसलिए उसके लिए इंतज़ार करना बहुत लंब होता। वह बगीचे में उस सुंदर लड़की की छोटी सी घटना को नहीं भूल पाया था जिसने उसे देखने के लिए दो बार मुड़कर देखा था। शरद उत्सव की शाम को, परिवार के समान्य समारोहों के बद

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.14% है ।

भोजन समाप्त होने के बाद, उनके सं रक्षक उन्हें अपने पु स्तकालय में अकेले में एक गिलास शराब पीने के लिए आमंत्रित करने आए। यु त्सु न अपने मठ के कक्ष में उदासीन से बै ठे थे । पूर्णिमा के चां द को निहारते हुए उन्होंने आठ पंक्तियों की एक कविता लिखी, जिसमें उन्होंने रहस्यमय शब्दों में अपने महल के अनु भव का वर्णन किया था और उन गु प्त इच्छाओं को प्रकट किया था जो उस अनु भव ने उनके मन में जगाई थीं। इस विचार से कि निर्दयी भाग्य उनकी इच्छाओं की पूर्ति न कर पाए, उन्होंने गहरी आह भरी, दुख से भरे हुए चांद की ओर दे खा और ये पंक्तियाँ लिखीं: अं धकार में कीमती पत्थर मु रझा रहा है । कब इसकी सुं दरता सं सार को मोहित करे गी? छिपा हुआ कीमती तकिया दुल्हन के पास उड़ने के लिए पं खों की लालसा करता है । जब वे इन पंक्तियों को दोहरा रहे थे, तभी शिह यिंग आ गए। उन्होंने मु स्कुराते हुए कहा, "मु झे लगता है कि मे रे आदरणीय भाई जीवन से बहुत अपे क्षाएँ रखते हैं और खु द को आम लोगों से बहुत ऊपर समझते हैं"। यु त्सु न ने शर्मिंदा होकर उत्तर दिया, "ओह, मैं अपने बारे में नहीं कह रहा था।" “यह एक पु रानी कविता है । यह मु झे सं योग से याद आ गई। आप मु झे मे री रचना समझकर मे री प्रशं सा कर रहे हैं ”। शिह यिंग ने अपना निमं त्रण दिया और यु त्सु न को अपने पु स्तकालय में ले गए। उन्होंने यु त्सु न के स्वास्थ्य के लिए खु शी-खु शी जाम उठाया और उन्हें लगातार उनके लिए मं गाए जा रहे स्वादिष्ट व्यं जनों में से अपनी पसं द का खाना ले ने के लिए प्रोत्साहित किया। इस प्रकार, यु त्सु न, जो भिक्षु के सं यमित भोजन के आदी थे, उस आनं दमय अवस्था में डूबते चले गए जिसमें मु ख से हृदय की भावनाएँ प्रकट होती हैं । गली और आस-पड़ोस के घरों से आ रहे वाले वाद्ययं त्रों, बां सु री और मधु र गीतों की मधु र ध्वनि आ रही थी। आकाश में पूर्णिमा का चमकता हुआ सफे द चंद्रमा चमक रहा था। दे खते ही दे खते यु त्सु न ने पूर्णिमा की प्रशं सा में एक चौपाई रच दी। “शानदार! दिव्य!” उनके मे ज़बान ने उत्साहपूर्वक कहा। "एक बार फिर मे रे आदरणीय भाई ने अपनी काव्य प्रतिभा का प्रमाण दिया है । मैं ने हमे शा कहा है कि तु म निराशा के दलदल में ज़्यादा दे र तक नहीं फँ सोगे । जल्द ही तु म बादलों पर तै रोगे । मैं तु म्हें अभी से ही बधाई दे ता हूँ । कृ पया मु झे पीने का सम्मान दो!" और उसने अपने हाथ से भरा हुआ शराब का एक और प्याला उसे दिया। यु त्सु न ने प्याला खाली कर दिया। फिर

उसने गहरी साँस ली और कहा: "कृपया यह न सोचें कि यह शराब है जिसने आपके विनम्र छोटे भाई को साहसी शब्द कहने के लिए प्रेरित किया है। मुझे विश्वास है कि मैं परीक्षा उत्तीर्ण कर लूँगा और चयनितों की सूची में अपना नाम लिखवा लूँगा। लेकिन अगर मेरा यात्रा का थैला खाली है तो मेरी सारी क्षमता किस काम की? बीजिंग का रास्ता लंबा है। अगर कुछ नेक आत्माएँ 8

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.46% है ।

मे री मदद कीजिए, मु झे डर है कि मुं शी के तौर पर मैं जो थोड़ी-बहुत कमाई करता हूँ, उससे मेरा गु जरा नहीं चले ग।” “मे रे आदरणीय भाई ने इस बरे में पहले क्यों नहीं बतया?” उनके मे ज़बान ने तु रं त बीच में टोकते हुए कहा “मैं इस ममले पर कु छ समय से सोच रहा था, लेकिन इसे शु रू करने की हिम्मत नहीं जु टा पाया। अब, मैं इस कमी को पूरा कर सकता हूँ । सच है मैं बहुत पढ़ा-लिखा नहीं हूँ; फिर भी मु झे पता है कि दोस्तों के बीच क्या उचित होता है । अगले वसं त में, तीन साल के अं तराल के बद, राज्य परीक्षा फिर से होने वाली है । मे रे आदरणीय भाई को यह अवसर किसी भी कीमत पर नहीं गं वना चाहिए और इसलिए उन्हें अपनी योग्यता साबित करने के लिए जल्द से जल्द राजधानी के लिए रवाना होना चाहिए। यात्रा और बाकी सभी ज़रूरी खर्च मैं उठाऊँ ग।” मे रे आदरणीय भाई ने कम से कम अपनी मित्रता किसी नालायक व्यक्ति पर व्यर्थ नहीं बर्बाद की होगी।” उन्होंने अपने एक नौकर को फु सफु साते हुए आदे श दिया। नौकर गायब हो गया और तु रं त वापस आकर अपने मलिक के शिष्य के समने पचस चमकदार सिक्कों से भरा एक थैला और दो सुं दर रुईदार सर्दियों के कोट रख दिए। इस बीच घर का मालिक कैलें डर दे ख रहा था। “उन्नीस तारीख यात्रा पर निकलने के लिए शु भ दिन है,” उन्होंने आगे कहा “मे रे आदरणीय भाई को उस दिन के लिए किराए पर नाव ले ने की व्यवस्था समय पर कर ले नी चहिए। और शायद, जब साल खत्म हो जाएगा, तो मु झे एक बार फिर आपकी उपस्थिति की चमक में डूबने का सौभाग्य प्राप्त होगा, जब आपकी प्रतिभा के पं ख आपको ऊंचाइयों तक ले जएं गे ।" "वह सचमु च मे रे लिए एक भव्य उत्सव का दिन होगा।" यु त्सु न शराब के नशे में इतना चूर थ कि उसने धन्यवद के कु छ साधारण शब्द बु दबु दाए और फिर से सहज और वचाल बातचीत और शराब पीने में मग्न हो गया। रात काफी दे र हो चु की थी लगभग तीसरी ढोल की थाप के समय, तब जाकर दोनों मित्र एक-दूसरे से विदा हुए। अगली सु बह शिह यिंग को याद आया कि उसने अपने शिष्य को राजधानी में अपने परिचित दो सरकारी अधिकारियों के लिए परिचय पत्र दे ने का भी इरादा किया था। इसलिए उसने एक से वक को लौकी मंदिर भे ज ताकि यु त्सु न को फिर से आकर ये अनु शंसा पत्र ले ने के लिए कहा जा सके ।लेकिन लौटने पर से वक ने बताया कि यु त्सु न उस सु बह बहुत जल्दी

निकल गया था। वह मंदिर के एकभिक्षु के सथ अपने सं रक्षक केलिए विदाई सं दे श और यह सं दे श छोड़कर गया था कि उसके जै सेशिक्षित लोग के वल वर्तमान मामले पर ध्यन केंद्रित करने के आदी होते हैं और लोकें डर में अंधविश्वासों से प्रभवित नहीं होते । और बस, बात यहीं खत्म हो गई, चाहे शिह यिंग को पसं द आय हो या नहीं। प्रकाश और छाया ते जी से बदलते हैं । नव वर्ष की पहली पूर्णिमा, लालटे न उत्सव का समय, फिर से बिना किसी को पता चले आ गई थी। शम को शिह यिंग ने अपनी छोटी बे टी को हॉल के दरवजे के बाहर ले जने केलिए एक नौकर को भे ज ताकि वह पूर्णिमा का नजारा दे ख सके ।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.16% है ।

रं गबिरं गी लालटे नें और चहचहाते पटाखे— ये सब "आध्यात्मिक अग्नि" थे । नौकर टे न हिल स्ट्रीट की भीड़भाड़ में चला गया था। वहाँ उसे इतने सारे मनमोहक दृश्य और ध्वनियाँ मिलीं कि वह पू री तरह मं त्रमु ग्ध हो गया और खु द को वहाँ से हटा नहीं पाया। लेकिन कु छ पल अकेले रहने की चाह में, उसने लापरवाही से अपनी दे खरे ख में रखी बच्ची को एक अनजान घर के सामने पत्थर की मुं डे र पर बै ठा छोड़ दिया और पास के ही एक कोने में चला गया। जब वह लौटा तो बच्ची गायब थी। उसने पू री रात गलियों और सड़कों पर उसकी तलाश की, लेकिन व्यर्थ। अगली सु बह, मालिक के घर लौटने की असहनीय पीड़ा के कारण, वह शहर से भाग गया और अपने पै तृ क गाँव लौट गया। शिह यिंग ने हताशा में अपने पू रे परिवार को लापता बच्ची की तलाश में भे जा, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। फिर, उस घर में मातम छा गया जो पहले इतना खु शहाल था। माता-पिता दोनों पचास वर्ष से अधिक उम्र के हो चु के थे और शायद ही और बच्चे पै दा करने की उम्मीद कर सकते थे । दिन-रात उनकी आहें और विलाप बं द नहीं होते थे, और जल्द ही चिकित्सक और ज्योतिषी उनके घर में रोज़ आने लगे । लेकिन उनके बच्चे का खोना ही उनका एकमात्र दुर्भाग्य नहीं था। तीसरे महीने के पंद्रहवें दिन, यानी सर्व आत्मा दिवस पर, लौकी मंदिर में आग लग गई। बलि के लिए भोजन पका रहे भाई ने लापरवाही से आग की लपटों को तवे से बाहर निकलने दिया और रसोई की खिड़की के चर्मपत्र के शीशे और लकड़ी के फ्रे म में आग लग गई। आसपास की सभी इमारतों में बां स की बाड़ और लकड़ी की दीवारें थीं, इसलिए लौकी मंदिर से पड़ोसी घर तक और फिर घर-घर तक आग ते ज़ी से फैल गई। दे खते ही दे खते दो गलियों के चारों ओर की सभी गलियाँ आग की लपटों में घिर गईं, जिनसे निपटने के लिए निवासियों और नगर के अग्निशमन दल ने व्यर्थ प्रयास किए। आग पू री रात भड़कती रही और अं त में अपने आप बु झ गई। शिह यिंग का घर भी खं डहर और राख में तब्दील हो गया। कै दी बड़ी मुश्किल से अपनी जान बचाकर भागे थे । ऐसे में बे चारा शिह यिंग घु टने टे ककर आहें भरने के अलावा और क्या कर सकता था? पहले तो वह और उसकी पत्नी अपने ग्रामीण जागीर में रहने चले गए। लेकिन वहाँ भी जीवन असहनीय था, क्योंकि सू खे और अकाल के कारण पू रा इलाका लु टे रों के गिरोहों से भरा हुआ था, जो मधु मक्खियों के झुंड

की तरह गाँवों पर टूट पड़ते थे। सैनिकों ने लुटेरों को भगाने की कोशिश की, लेकिन वे भी एक अभिशाप बन गए, जिससे ग्रामीण जीवन बेहद कष्टदायक हो गया। इन सब के कारण बेहद परेशान शिह यिंग ने अपनी जमीन बेचने का फैसला किया। फिर वह अपनी पत्नी और दो दासियों के साथ अपने ससुर, बूढ़े फेंग के पास ता यु चउ के सुरक्षित कस्बे में रहने चले गए। बूढ़े फेंग, जो स्वयं भी पहले एक जमींदार थे, अच्छी स्थिति में थे। फिर भी, अपने दामाद को इतनी दयनीय हालत में अपने पास शरण लेते देखकर वे बिल्कुल भी खुश नहीं थे। खुशी की बात है कि शिह यिंग खाली हाथ नहीं आया था; वह कुछ नकदी भी लाया था।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 8.54% है ।

उसके पस उसकी ज़मींदारी से प्रप्त धन था। उसने यह धन अपने ससु र को सौंप दिया और उनसे कस्बे के बाहरी इलाके में उसके लिए एक छोटा सा घर और ज़मीन का एक टुकड़ा खरीदने का अनु रोध किया। बू ढ़े फें ग ने यह काम बड़ी खु शी से किया, हालांकि यह मानना पड़े ग कि आधा पै स उसने अपनी जे ब में डाल लिया। बाकी आधे से उसने एक जर्जर पु रानी झोपड़ी और एक बे कार ज़मीन का टुकड़ा खरीदा। अब शिह यिंग अपने पिछले सु खमय आराम के जीवन से कु छ हद तक बिगड़ गया था; उसे खे तीबाड़ी जै से व्यावहारिक कामों में लगने के बजाय किताबों में समय बिताना ज़्यादा पसं द था। इसलिए इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं थी कि ऐसे काम, जो उसकी प्रवृत्ति के बिल्कुल विपरीत थे, सफल नहीं हुए और दो साल के अं त में वह पू री तरह से कंगाल हो गया। उसके ससु र उससे पू री तरह असं तु ष्ट और उसे आलसी और कमज़ोर होने का आरोप लगाते थे । सच है, उन्होंने ये बातें उसके सामने नहीं कहीं, लेकिन दूसरों के समने उसकी पीठ पीछे उसकी शिकायत करते थे ।शिह यिंग को यह बात अप्रत्यक्ष रूप से पत चली, जिससे वह दुखी और निराश हो गया। पिछले कु छ वर्षों की निराशाओं और उतार-चढ़ावों ने उन्हें बु री तरह थका दिया था। वे एक ऐसे बू ढ़े व्यक्ति बन गए थे जिनके पस आशा करने के लिए कु छ भी नहीं बच था। एक दिन वे बू ढ़े व्यक्ति की तरह अपनी छड़ी के सहारे धीरे-धीरे टहल रहे थे । अचानक एक विचित्र रूप वाला, फटे-पु राने वस्त्र और बल्त की चप्पल पहने एक भटकत हुआ ताओवादी भिक्षु लं गड़ाते हुए उनके पस आया। उन्होंने भिक्षु को बु दबु दाते हुए सु ना: "प्रिय सं सर-त्याग! अनमोल एकां त मान-सम्मान और प्रसिद्धि: इनका कितना कम महत्व है! सं सर के महान लोग, जब सब कु छ समप्त हो जाता है, तो के वल मिट्टी का एक टीला होते हैं, जिस पर घास उगी होती है ।प्रिय सं सर-त्याग! अनमोल एकां त धन और सोना—इनका कौन लालच करे ग? हमारे लालची हाथ इन्हें पकड़ते हैं, और थाम नहीं पाते: एक दिन हमें सब कु छ छोड़ना होगा—हाँ, धन और सोना भी।" "प्रिय सं सर-त्यागी! अनमोल एकां त क्या सु ं दर स्त्रियाँ तु म्हारे हृदयों को मोह ले ती हैं? ये एक पु रुष से मृ त्यु तक प्रे म करने की शपथ ले ती हैं, वह मर जाता है - शीघ्र ही कोई और उस प्रे म को अपन बना ले त है । प्रिय सं सर-त्यागी! अनमोल एकां त क्या बच्चे और उनके बच्चे तुम्हारी इच्छा हैं? प्रे ममय मता-

पिता के हृदय व्यर्थ ही थक जाते हैं बच्चे जो धन्यवद दे ते हैं वह केवल- पीड़ा है।" "आपके शब्द मे री आत्म की गहराई तक छू गए, आदरणीय गु रु" शिह यिंग ने अपने सहपाठी से आह भरते हुए कहा। "क्या आप मु झे अपने दयनीय जीवन के अनु भवों को व्यक्त करने वले कु छ पंक्तियों के सथ आपकी पंक्तियों को पू रक करने की अनुमति दें गे?" "आगे बढ़ो" लाओ त्ज़ु केशिष्य ने मित्रतापूर्ण प्रोत्साहन के सथ कहा।

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.39% है।

इसके बद, शिह यिंग ने सधे हुए शब्दों में अपने बीते जीवन की निःशवर्तमान दुख और सांसरिक वस्तुओं की क्षणभंगुरता पर एक शोकपूर्ण प्रवचन दिया। शिह यिंग का प्रवचन समाप्त होने पर भिक्षु ने प्रशंसा करते हुए कहा, "अद्भुत! आपने इसे अत्यंत प्रभावशाली शब्दों में व्यक्त किया है।" शिह यिंग ने सरल शब्दों में कहा, "मैं आपके साथ चलना चाहूंगा।" उन्होंने भिक्षु के कंधों से उसी थैला उतारकर अपने कंधे पर डाल लिया। फिर, अपने घर वपस जाए बिना ही, वे उस अजनबी साधु के साथ उसके आकस्मिक भ्रमण में शमिल हो गए। उनके लापता होने की चर्चा उनके मोहल्ले में कुछ समय तक होती रही। कहा जाता है कि उनकी पत्नी सदमे और शोक से लगभग मर ही गई थीं। जब उसके बरे में सभी पूछताछ व्यर्थ साबित हुई और लापता व्यक्ति वापस नहीं लौटा, तो वह अपनी दो दासियों के सथ अपने मता-पिता के घर लौट गई, और तब से दिन-रात सुई से काम करते हुए, अपने और अपने बूढ़े पिता के लिए घर चलाने का प्रयास करती रही। एक दिन उसकी बड़ी दासी गली के दरवजे पर एक फेरीवाले से ऊन खरीद रही थी। अचानक उसने यमन के घुड़सवारों को गली में पस आते हुए सुना, जो चिल्ला रहे थे "रास्ता दो! रास्ता दो!" लोगों ने उसे बताया कि नए जिला अधिकारी आज अपना पदभार ग्रहण कर रहे हैं। दरवाजे पर पीछे झुककर, उसने जुलूस को गुजरते देखा। यह एक भव्य जुलूस था। आगे घुड़सवार पोस्टिलियन थे, फिर पुलिस और यमन अधिकारी दो पंक्तियों में झंडे और प्रतीक चिह्न लिए हुए थे। पंक्तियों के बीच में भव्य राजसी पालकी थी, जिसमें लाल राजसी वस्त्र पहने अधिकारी बैठे थे। पीछे और भी चापलूस चल रहे थे। दासी चौंक गई। उसे ऐस लगा जैसे उसने लाल चोगा पहने उस सुंदर आदमी का चेहरा पहले कहीं देखा हो। जुलूस के गुजर जाने पर वह वपस घर में चली गई और उस मामूली घटना को जल्द ही भूल गई। उसी दिन देर शम, जब सब लोग सोने ज रहे थे, अचानक फेंग के घर के दरवजे पर ज़ोरदर और आदेशत्मक दस्तक हुई। यामेन के नौकरों का एक समूह बहर खड़ा अंदर आने की मांग कर रहा था। उन्होंने एक सथ कहा, "बूढ़े गवर्नर ने हमें भेजा है। हमें सम्मान पहुँचना है।" बूढ़ा फेंग इतन डर गया मानो उसके रास्ते में कोई बाघ खड़ा हो। आखिर यह कौन सी नई मुसीबत थी? अगर आप जानना चाहते हैं तो अगला अध्याय पढ़ें।12

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.77% है ।

अध्याय 2 यां गचो में एक उच्च कुल की महिला धन्य लोगों के समू ह में शामिल हो जाती है । सराय में यु त्सु न अपने लंबे समय से खोए रिश्ते दारों के बारे में और अधिक जानकारी प्राप्त करता है । बू ढ़े फें ग जै से ही अपने सदमे से कु छ हद तक उबरे, वे दरवजे पर गए और यमे न के लोगों से पू छा कि वे क्य चाहते हैं । उत्तर आय, "सु न जाता है कि यहाँ एक शिह यिंग रहता है, और हमें उसे पुनर गवर्नर के पस ले जाने का आदे श मिला है ।" "मे रा नाम फें ग है, लेकिन मे रे दामाद का नाम शिह यिंग है । हालाँकि, वह अब इस शहर में नहीं रहत; वह दो साल पहले घु मंतू भिक्षुओं और सं न्यसियों में शमिल हो गया था।" उन्होंने कहा, "तो आपको उसके बदले हमरे सथ चलना होगा।" और वे बू ढ़े फें ग को अपने सथ ले गए और उन्हें नए मांदरिन की सराय में ले आए। दे र रात बू ढ़े फें ग अपने परिवार के पास घर लौटे, जो बे सब्री से उनका इं तजर कर रहे थे । उनकी सू चना ने तु रं त उनके सभी भय को दू र कर दिया और उनके दुख को खु शी में बदल दिया। “नए मैं डरिन का नाम चिया है, और उपनाम यु त्सु न है । वे हुचो के मूल निवासी हैं, और पहले जब वे कु छ समय के लिए हुचो में रहते थे, तब वे मे रे दामाद शिह यिंग के अच्छे मित्र और पड़ोसी थे,” बू ढ़े फें ग ने कहा। “कल जब वे हमरे घर के पास से जुलू स में गु जर रहे थे, तो उन्होंने हमरी नौकरानी एप्रिकॉट को दरवाजे पर खड़े दे खा। उन्हें वह याद आ गई और उन्होंने अनु मान लगाया कि उसका पूर्व मालिक शिह यिंग यहीं रहता होगा। वे पु रानी दोस्ती को फिर से तज़ा करना चाहते थे, इसलिए उन्होंने अपने आदमियों को भे ज। जब मैं ने उन्हें उनके पूर्व सं रक्षक के दुखद अं त के बारे में बताया, तो वे बहुत दुखी हुए। उन्होंने मे री पोती के बारे में भी पू छताछ की और उसके लापता होने पर गहरा खे द व्यक्त किया। उन्होंने मु झे आश्वासन दिया कि वे उसकी खोज के लिए आधिकारिक तौर पर जां च करवएं गे । जब मैं विदा ले रहा था, तो उन्होंने मु झे दो औंस चांदी का उपहार भी दिया।” “हमारे नए मैं डरिन एक मिलनसार और सौम्य सज्जन हैं!” परिवार का सर्वसम्मत मत था। अगले दिन सु बह-सु बह यमन से फिर दूत आए। वे शिह यिंग की पत्नी के लिए चां दी की दो सिल्लियां और सटन के चर टुकड़े लाए थे । सं दे श में कहा गया कि मं दारिन ने ये उपहार शिह यिंग के पति के घर में मिले स्ने ह के बदले में दिए थे । दूतों ने बू ढ़े फें ग को एक निजी पत्र भी दिया। उसमें मं दारिन ने पू छा था कि क्या वह दासी खु बनी को अपने

साथ अपने एकांत कक्ष की रखैल बनाने केलिए घर ले ज सकते हैं। इस सम्मान से प्रसन्न बूढ़े फेंग ने स्वाभाविक रूप से अपनी सहमति दे दी। कृतज्ञता के रूप में मांदरिन ने उन्हें सौ औंस सोना और शिह यिंग की पत्नी के लिए कई और उपहार भेजे, और उसी शाम उन्होंने दासी खुबनी को एक सुंदर लाल पालकी में बुलवाया। 13

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.16% है ।

भाग्यशाली खु बनी! किसने सोच होगा कि बगीचे में फूल तोड़ते समय उसने गरीब छात्र यु त्सु न पर जो दो क्षणिक निगाहें डाली थीं, वही एक दिन उसका भाग्य तय करें गी? लेकिन अत्यं त सम्मानित मं दारिन यु त्सु न के दरबार में प्रवे श मिलना ही उसके सौभाग्य का अं त नहीं था। एक वर्ष बाद उसने एक पु त्र को जन्म दिया, और जब प्रधान कक्ष की स्वामिनी बीमार पड़ गईं और कु छ समय बाद ही उनका निधन हो गया, तो खु बनी को प्रधान पत्नी का दर्जा प्राप्त हो गया। उसके बारे में यह कहना बिल्कुल उचित होगा: एक क्षणिक दृष्टि में ही जीवन भर का सु ख। यहाँ यह उल्ले ख करना आवश्यक है कि जै से ही उसके सं रक्षक ने उसकी यात्रा के लिए साधन उपलब्ध कराए, यु त्सु न अपने लिए कैलें डर में दे खे गए शुभ दिन की प्रतीक्षा किए बिना सीधे राजधानी के लिए रवाना हो गया। वहाँ उसने अपनी परीक्षा उत्कृष्ट रूप से उत्तीर्ण की और तीसरी सर्वोच्च डॉक्टरे ट, चिन शिह प्राप्त की, जिससे उसे "प्रतिभाशाली प्रतिभाओं के हॉल" में प्रवे श और सार्वजनिक पद प्राप्त हुआ। उन्हें प्रां तीय सरकार में नियुक्त किया गया और ता यु चो का जिला मं त्री बनाया गया। दुर्भाग्य से, उनके चरित्र की कु छ खमियों ने उनके करियर को नु कसान पहुँ चाया। अपनी असाधारण क्षमता के प्रति सचे त रहने के कारण उन्होंने अपने सहयोगियों और वरिष्ठों के प्रति घोर अनादर दिखाया और आम जनता के प्रति भी कोई विचार नहीं किया। इस प्रकार वे अपने वरिष्ठों और अधीनस्थों दोनों के बीच समान रूप से अलोकप्रिय हो गए। पदभार सं भालने के लगभग दो वर्ष बाद ही, उन्हें दरबार में निंदा का सामना करना पड़ा। उन पर पु राने परं परिक रीति-रिवाजों और राष्ट्रीय परं पराओं को मनमाने ढं ग से समाप्त करने, सही आचरण के मु खौटे के पीछे भेड़िये-बाघ जै सा स्वभाव छिपाने, अपने अधिकार क्षे त्र में अव्यवस्था फैलाने और जनता के लिए जीवन असहनीय बनाने का आरोप लगाया गया। प्रां तीय राज्यपाल द्वारा दरबार में प्रस्तु त निंदा पत्र में यही लिखा था। राजा यु त्सु न का चे हरा क्रोधित हो उठा और उन्होंने शिकायत पत्र के हाशिये पर क्रोधित होकर एक आदे श लिखा, जिसमें आरोपी अधिकारी को उनके पद से मुक्त कर दिया गया, जिससे उनके ईर्ष्यालु सहयोगियों को खु शी हुई। यु त्सु न ने दार्शनिक धैर्य के साथ इस आघात को सहन किया। पिछले दो वर्षों में उन्होंने अपने वे तन से इतनी बचत कर ली थी कि वे कु छ समय के

लिए चिंतामुक्त निजी जीवन जी सकें। अपने उत्तराधिकारी को विधिवत पदभार सौंपने के बाद, उन्होंने अपना घर छोड़ दिया, अपनी पत्नी और नौकरों को, जिनके पास पर्याप्त धन था, कुछ समय के लिए उनके परिवारों के पास वापस भेज दिया, और देश के एक बड़े भ्रमण पर निकल पड़े। सभी जिम्मेदारियों और चिंताओं से मुक्त, केवल "उनके कंधों पर हवा और उनकी आस्तीनों में चांदनी" के सहारे, वे एक बार के लिए स्वतंत्र होना चाहते थे और कुछ समय के लिए जहाँ चाहें वहाँ घूमना चाहते थे, देश और लोगों को जानना चाहते थे। अपनी यात्रा के दौरान एक दिन वे im14 की राजधानी पहुँचे।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.11% है ।

यां गचो के महत्वपूर्ण नमक खनन जिले में, उन्हें पत चला कि लिंग जू हुई नाम के एक व्यक्ति को वहाँ की नमक खनों का नव नियुक्त शाही कोषाध्यक्ष बनाया गया है। इस लिंग परिवार को प्राचीन काल से ही शही कृ प प्राप्त थी और पाँ च पीढ़ियों पहले उन्हें कुलीन वर्ग की दूसरी श्रे णी में शमिल किया गया था। राजपत्र के अनु सार, यह उपाधि केवल तीसरी पीढ़ी तक ही मिलनी थी, लेकिन शाही कृ प से इसे वर्तमान लिंग परिवार, पिता और पु त्र तक बढ़ा दिया गया था, जिससे यह पाँ चवीं पीढ़ी तक चली आ रही है। अपनी बहरी कुलीनता के अलावा, लिंग परिवार को एक उच्च विकसित सं स्कृति और शिक्षा की प्राचीन विरासत भी प्राप्त थी, और हमारे लिंग भी न केवल अपने पूर्वजों के पु त्र थे, बल्कि अपनी उपलब्धियों और शानदार करियर से उन्होंने स्वयं को इसके योग्य साबित किया था। वे पचस वर्ष के थे और अपने वं श के अंतिम व्यक्ति थे, क्योंकि हाल ही में मरे तीन वर्षीय छोटे बे टे के अलावा, भाग्य ने उन्हें कोई पुरुष वं शज नहीं दिया था, भले ही उनके साथ कई रखैलें रहती थीं। उनकी प्रधन पत्नी चिया ने उन्हें केवल एक छोटी बे टी, कोमल और होशियार ताई यू (ब्लै क जे ड) भें ट की थी। इकलौती सं तन होने के कारण ब्लै क जे ड को अत्यधिक प्रे म और दे खभाल से पला-पोसा गया और बुद्धिमान और ते जदिमाग होने के कारण उसे अत्यं त सावधानी से शिक्षित किया गया, मानो वह उस बे टे की जगह ले रही हो जो दुर्भाग्यवश उनके पस नहीं था। ठीक उसी समय जब यु त्सु न यांगचो आए, श्री लिंग अपनी छोटी बे टी के लिए एक कु शल शिक्षक की तलाश कर रहे थे। अपने तम भटकनों के बद, यु त्सु न ने भी एक नियमित व्यवसाय करने की इच्छा जताई, जिससे वे अपने खो चुके धन की भरपाई कर सकें। उन्हें अपने दो पूर्व सहपाठियों में उपयुक्त सं रक्षक मिले, जिनसे उनकी मुलाकात सं योगवश अपने आवास में हुई और जो नमक खनों के कोषाध्यक्ष से अच्छी तरह परिचित थे। उनकी सिफारिशों के कारण ही उन्हें लिंग परिवार में शिक्षक का पद मिल गया। उनका पद विशेष रूप से कठिन नहीं था और उन्हें काफी खाली समय मिलता था, क्योंकि उनकी शिष्या एक कोमल स्वभाव की थी, जो बार-बार बीमार पड़ने के कारण अनियमित रूप से ही पढ़ाई कर पाती थी। दो यु व सेविकाएँ हमेशा उसकी कक्षाओं के दौरान उसके सथ रहती थीं। इस प्रकार उन्होंने अपने शांत और सु खद पद पर

दो वर्ष व्यतीत किए, जब उनकी शिष्या की माताजी बीमार पड़ गईं और उनका निधन हो गया। उस ने क बच्ची ने अपनी बीमार माताजी की दे खभल में इतनी भवपूर्ण निष्ठा दिखाई थी, और माताजी की मृ त्यु के बाद उसने शोक की कई रस्मों का इतनी सटीकता से पलन किया कि उसकी पहले से ही नाजु क से हत और बिगड़ गई और कक्षाएं लं बे समय तक रोकनी पड़ीं। इस दौरान यु त्सु न को काफी समय अकेले रहने का मौका मिला, और जब मौसम सु हाना होता था, तो वे अपने खाली समय का सदुपयोग आसपास के ग्रमीण इलाकों में घू मने के लिए करते थे । ऐसी ही एक यात्रा के दौरान उन्होंने 15 वीं शताब्दी में छिपे एक पुराने मंदिर का दौरा किया था।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.99% है ।

कस्बे के बाहर एक छोटे से जंगल में भटकने के बाद, वह पास ही एक गाँ व की सराय में गया जहाँ उसने एक गिलास शराब पीकर खु द को तरोताज़ा किया। सराय में उसकी मुलाकात राजधानी के एक पु राने परिचित से अचानक हो गई। वह कलाकृतियों और प्राचीन वस्तु ओं का व्यापारी लें ग था, जिससे उसकी दोस्ती तब हुई थी जब वह राजकीय परीक्षा के लिए चिनलिंग में रुका था। वह लें ग को एक व्यवहारिक व्यापारी मानता था, और लें ग उसे ज्ञान और सं स्कृति का धनी मानता था। लें ग अपने पै तृ क स्थान से लौट रहा था, जहाँ उसने नव वर्ष मनाया था, और यां गचो में रुका था, जहाँ वह कु छ दिनों के लिए एक व्यापारिक मित्र के साथ ठहरा हुआ था। सं योग से वह भी उसी दिन गाँ व की यात्रा पर निकला था। इस अप्रत्याशित मुलाकात का जश्न शराब के साथ मनाने के बाद, दोनों ने एक-दूसरे से खबरें साझा करना शु रु कर दिया। "राजधानी से कोई खबर है?" यू त्सु न ने पू छा। "आपके लिए कु छ खास नहीं, सिवाय इसके कि शायद आपके कुलीन रिश्ते दारों की परिस्थितियाँ बदलने लगी हैं ।" "मु झे नहीं पता कि आप किन कुलीन रिश्ते दारों की बात कर रहे हैं ।" "मे रा मतलब दो शाही घरानों से है, जो आपकी तरह ही चिया उपनाम धारण करते हैं और इसलिए आपके कुल के हैं, और मु झे नहीं लगता कि आपको इस रिश्ते से इनकार करने की ज़रूरत है ।" "आह, आपका मतलब निंगकु ओ और यु ं गकु ओ के दोनों घरों से है?" "हाँ, बिल्कुल।" "आप सही कह रहे हैं । हम एक ही वं शावली में हैं , लेकिन हान राजवं श के बाद से चिया कुल प्रां तों में फैल गया है, इसलिए अब परिवार की सभी शाखाओं की पहचान करना सं भव नहीं है । इसके अलावा, निंगकु ओ और यु ं गकु ओ के प्रतिष्ठित घरानों और मे रे जै से साधारण व्यक्ति के बीच इतना बड़ा सामाजिक अं तर है कि उनके साथ सं बं ध का दावा करना मे रे लिए बहुत ही अनुचित होगा।" "मु झे इस बारे में इतना यकीन नहीं है । हाल ही में निंगकु ओ और यु ं गकु ओ के दोनों परिवार गं भीर रूप से पतन की ओर जा रहे हैं, उनका पूर्व वै भव अब कम होने लगा है ।" "मु झे इस पर यकीन करना मुश्किल है । पिछले साल, जब मैं चिनलिंग से गु ज़र रहा था और उस सड़क से गु ज़रा जिसके एक तरफ पूर्व में निंगकु ओ महल और पश्चिम में यु ं गकु ओ महल है, तो मु झे उसकी भव्यता और वै भव का अचू क एहसास हुआ। बे शक, दरवाजों पर ज़्यादा चहल-पहल नहीं थी, लेकिन उन विशाल हॉलों

और एक मंज़िला मंडपों के अंदर सब कुछ एकदम सही हालत में और अपनी शन बरकरार रखे हुए था। और उनके पीछे वह शानदार पार्क, अपनी चट्टानों, टीलों, मछली के तलाबों और अनोखे पौधों के सथ - नहीं, वह ज़रा भी जर्जर या जर्जर नहीं लग रहा था।" "अब, डॉक्टर नो-ऐल, कोई सिर्फ़ बाहरी दिखावे से कैसे अंदाज़ा लगा सकता है? कनखजूरा मरने के बाद भी रेंगता रहता है। ज़ाहिर है, इन सब के बावजूद, ये दोनों घर आज भी किसी आम कुलीन घर से कहीं ज़्यादा भव्य और प्रभावशाली हैं। लेकिन 16 लोगों को खाना खिलाना मुश्किल है।"

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.33% है।

इतने सरे सदस्यों का होना और इतने बड़े और खर्चीले घर को उसके पद के अनुरूप बनाए रखना लगातार मुश्किल होता जा रहा है। ऐसे घर के लिए समझदारी से वित्तीय प्रबंधन की आवश्यकता होती है, और यही हाल के दिनों में गड़बड़ा गया है। लेकिन इससे भी अधिक गंभीर बत यह है कि परिवार की पूर्व-प्रतिभा युव पीढ़ी में कम होती ज रही है। "क्या? क्या उस प्राचीन वंशनुगत संस्कृति वाले घर में युवा पीढ़ी की शिक्षा ही दोष सिद्ध कर रही है? मुझे इस पर विश्वास करना मुश्किल है। लेकिन मुझे स्वीकार करना होगा कि मुझे सभी परिस्थितियों की पूरी जनकारी नहीं है। क्या आप कृपया मुझे इस बारे में कुछ बताएंगे?" "हाँ, अवश्य। चिया परिवार को राजसी पद प्राप्त हुए अब पाँच पीढ़ियाँ हो चुकी हैं। सिंहासन के प्रति उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के पुरस्कार के रूप में सबसे पहले दो सगे भाइयों को राजसी उपाधि मिली थी, बड़े भाई को निंगकुओ कुंग, सिंहासन के सम्मान के राजकुमर, और छोटे भाई को युंगकुओ कुंग, सिंहासन के शंति के राजकुमर के रूप में। परिवार का पतन पहले भाई के पोते के साथ ही शुरू हो गया था।" वह ताओवादी विधर्म के शिकार हो गए, रसायन विद्या में मन हो गए और जीवनदायिनी औषधि बनाने और सिंदूर की गोलियां पकाने के सिवा कुछ नहीं सोचते थे। वे राजधानी के समने पहाड़ों में एक सधु की तरह रहते हैं और अपने पुत्र चेन को अपना पद भार सौंप देते हैं। सोलह वर्षीय पुत्र वले राजकुमर चेन, वर्तमान में निंगकुओ महल के शसक हैं। लेकिन दुर्भाग्य से वे उचित शासन नहीं कर पाते, क्योंकि अपने पिता की गलती के कारण उन्हें उचित परवरिश नहीं मिली। वे अपनी सुख-सुविधाओं में ही जीते हैं और दुर्भाग्य से कोई भी उन्हें सच बताने की हिम्मत नहीं करता। संक्षेप में, निंगकुओ महल में सब कुछ बर्बादी की ओर बढ़ रहा है। युंगकुओ के महल में हालात कुछ बेहतर हैं। वहाँ युंगकुओ के दूसरे राजकुमर की विधवा, राजकुमरी पूर्वज, शासक हैं। वे चिनलिंग के पड़ोस के शिह कुलीन परिवार से संबंध रखती हैं। उनके दो बेटों में से शिह चेंग, जो वर्तमान में राजकुमर की उपाधि धारण करते हैं, एक मिलनसार, कुछ हद तक शंत स्वभव के सज्जन हैं, जिन्हें एकांत जीवन पसंद है और वे जागीर के प्रबंधन की ज्यादा परवाह नहीं करते। वहीं, छोटे बेटे, चेंग, असाधारण बुद्धि और चरित्र के धनी हैं। वे वास्तव में अपने प्रतिष्ठित पिता के योग्य हैं और हमेशा से उनके प्रिय रहे हैं।

अपने दादा की इच्छा और अपनी स्वयं की रुचि के अनुसार, उन्होंने सिविल सेवा के लिए एक अच्छा और संपूर्ण प्रशिक्षण प्राप्त किया। शाही कृपा से उन्हें तीसरी राजकीय परीक्षा से छूट मिली और अब वे किसी मंत्रालय में सहायक हैं। "चिया चेंग के परिवार के बारे में दो विचित्र घटनाएँ उल्लेख के योग्य हैं। उनकी चार बेटियों में से पहली, यानी उनकी मुख्य पत्नी, जो वांग परिवार से थीं, की संतान, आश्चर्यजनक रूप से, पहले महीने के पहले दिन पैदा हुई थी। लेकिन यहाँ एक और भी दिलचस्प बात है..."

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 8.80% है ।

जिज्ञासावश: एक साल बाद मै डम चें ग ने एक बे टे को जन्म दिया, जो मुं ह में एक दूधिया, क्रिस्टल की तरह चमकीला जे ड पत्थर लिए हुए पै दा हुआ! और इस पत्थर पर स्पष्ट रूप से एक शिलाले ख के निशान भी थे! इसलिए बे टे का नाम पाओ यू य 'कीमती पत्थर' रखा गया। क्या आपने इससे भी अधिक असाधारण घटना कभी सु नी है?" "मु झे स्वीकार करना होगा कि मैं ने कभी नहीं सु नी। सं भवतः यह घटना एक अद्भुत भविष्य की ओर इशारा करती है ।" "यही आम राय है, और वास्तव में वह लड़का राजकु मारी का प्रिय है । लेकिन ज़रा सु नो। प्राचीन रीति-रिवाज के अनु सार, बच्चे के पहले जन्मदिन पर उसके पास ढे र सारे खिलौने रखे जाते थे, ताकि उसकी प्रतिभा और भविष्य की योग्यताओं का पता लगाया जा सके । और आपको क्या लगता है कि बच्चे ने क्या पकड़ा? किसी आम लड़के के खिलौने को नहीं, बल्कि उसने सौंदर्य प्रसाधन और पाउडर के डिब्बे, चूड़ियाँ और बालों के आभूषण पकड़े!" उसके पिता इस चु नाव से बिल्कुल भी खु श नहीं थे और उनका मानना था कि लड़का मर्दाना नहीं बन पाएगा और शायद कमज़ोर और दिखावटी ही रहे गा, और तब से वे उसे बर्दाश्त नहीं कर पाते । ज़ाहिर है, इसी वजह से उसकी दादी उसे और भी ज़्यादा लाड़-प्यार करती हैं । अब बारह साल की उम्र में वह बहुत ही मनमौजी लेकिन बुद्धिमान और होशियार लड़का है । उसके बचपन के मुँ ह से कई चौंकाने वाली बातें निकल चु की हैं । उदाहरण के लिए, उसने एक बार कहा था कि उसे ऐसा लगता है कि औरतें पानी की बनी होती हैं जबकि मर्द मिट्टी के; क्योंकि औरतों की सं गति में वह हमे शा तरोताज़ा और ऊर्जावान महसू स करता है, जबकि मर्दों की सं गति में वह सु स्त और उदास महसू स करता है । अब, इस असाधारण कथन के बारे में आपका क्या विचार है? क्या आपको नहीं लगता कि उस पर वासना का साया है? "मु झे नहीं पता, शायद उसे गलत समझा गया है," यु त्सु न ने सोच-विचार करते हुए कहा। "यह वं शानु गत प्रवृत्ति हो सकती है, और अगर ऐसा है, तो लड़का इसमें क्या कर सकता है? मैं ने खु द भी ऐसा ही एक मामला दे खा है ।" अपने दो साल के भटकने के दौरान, मु झे कु छ समय के लिए नानकिंग के एक परिवार के बे टे को पढ़ाने का मौका मिला। जब वह अकेले में पढ़ता था, तो वह एक मुश्किल और बे हद लापरवाह छात्र होता था, जिसके साथ कु छ भी करना नामु मकिन था। वह हमे शा कहता था कि सीखने और

ध्यान लगाने केलिए उसे अपने आसपास लड़कियाँ चहिए; और सच में, उसी घर में रहने वाली अपनी छोटी चचे री बहनों के सामने वहबिल्कुल अलग इं सन बन जाता था। तब वह सबसे अच्छे व्यवहार वाला, सबसे विनम्र और सबसे सभ्य लड़का बन जाता था जिसकी कोई कल्पना कर सकता है। 'लड़की' शब्द सु नते ही उसके मन में एक विचित्र श्रद्धा का भाव जाग उठता था। 'गं दी ज़बान से 'लड़की' शब्द बोलने से पहले, कृ पय इसे सफ पानी और सु गंधित चाय से धोलो, वरना मैं तु म्हारे दाँ त तोड़ दूँग और तु म्हारी आँ खें निकाल दूँ ग!' वह अपने घर के नौकरों और से वकों को चे तवनी दे त था। जब उसके पिता उसे पीटते थे, तो वह चिल्लाता था: 'चीह चीह!' और 'मे ई मे ई' — 'बहन! छोटी बहन!' जब उसके चचे रे भाई-बहनों ने उसके18 साल का होने पर उसका मज़ाक उड़ाया

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.08% है।

दर्द सहते हुए भी लड़की की तरह रोने में उन्हें शर्म नहीं आती थी। उन्होंने उन्हें समझाया कि 'चीह चीह' और 'मेई मेई' शब्द उनके लिए एक जादुई मंत्र थे, जो उन्हें सबसे भयानक दर्द भी भुला देते थे। इस अजीबोगरीब ममले के बारे में आपका क्या विचार है? "यह कुछ वैसा ही है जैसा मैंने आपको हमारे पओ यू के बारे में बताया था। युंगकुओ के महल में भी 'चीह चीह' और 'मेई मेई' की कोई कमी नहीं है। पओ यू के आसपास कम से कम तीन 'बहनें' हैं। चौथी और सबसे बड़ी बहन, जिसे 'वसंत की शुरुआत' नाम दिया गया था, क्योंकि जैसा कि मैंने पहले ही बताया, वह पहले महीने के पहले दिन पैदा हुई थी, अब घर पर नहीं रहती। अपनी असाधारण सुंदरता और प्रतिभा के कारण, वह महारानी की सेवा के लिए शाही महल में स्वीकार किए जाने योग्य समझी गई। उम्र में उनसे छोटी, राजकुमार शीह की बेटी है और उसे 'वसंत का अभिवादन' कहा जाता है। तीसरी बहन, फिर से, चेंग की दूसरी पत्नी की संतान है। उसे 'वसंत का स्वाद' कहा जाता है।" उम्र में चौथी, निंगकुओ महल के राजकुमार चेन की बहन है और उसे बसंत की शोक देवी कहा जाता है। राजकुमारी को ये तीनों पोतियां बहुत प्यारी हैं। वे अक्सर साथ रहती हैं, साथ में पढ़ाई करती हैं और हर तरह से गुणी और अच्छे व्यवहार वाली युवतियां हैं।"मेरे वर्तमान मालिक, श्री लिंग की दिवंगत पत्नी का निंगकुओ और युंगकुओ परिवारों से क्या संबंध था?" "वह परिवार की युंगकुओ शाखा के भाई शीह और चेंग की बहन थीं।" "उनका निधन होना दुखद है; वह एक बहुत ही कुलीन महिला थीं। और उनकी बेटी, मेरी शिष्या, उनसे किसी भी तरह कम नहीं है। बेचारी बच्ची ने अपनी माँ की असमयिक मृत्यु को बहुत दुख पहुँचाया है। क्या राजकुमार शीह के भी बेटे हैं?" "उनके दो बेटे हैं और उनमें से छोटा, बीस वर्षीय लियन, उल्लेख के योग्य है"।यह सच है कि उसने उप-प्रीफेक्ट का पद खरीद लिया है, लेकिन वह यथासंभव किताबों और किसी भी आधिकारिक गतिविधि से दूर रहता है, और व्यापारिक मामलों में उसकी रुचि अधिक है। पिछले दो वर्षों से उसकी शादी वांग परिवार की चिया चेंग की पत्नी की सुंदर और चतुर भतीजी से हुई है और वह अपने चचा चेंग को युंगकुओ एस्टेट के प्रबंधन में मदद करता है, लेकिन वास्तव में उसकी ऊर्जावान पत्नी, जिसे सबसे अधिक सम्मान और प्रशंसा प्राप्त है, प्रबंधन में उससे कहीं अधिक

भाग ले ती है ।"इस सारी मैत्रीपूर्ण जानकारी के लिए धन्यवाद। अब मुझे अपने कुलीन रिश्तेदारों के विषय में पर्याप्त ज्ञान प्राप्त हो गया है । मुझे लगता है कि परिवार में अच्छे और बुरे दोनों तरह के कई प्रभाव मिश्रित हैं ।" "अच्छा हो या बुरा, हम बाहरी लोगों के लिए इससे क्या फर्क पड़ता है? चलो एक और ड्रिंक ले ते हैं" कुछ औरगिलास खाली किए गए, और फिर वे घर केलिए चल पड़े । शम ढल रही थी और उन्हें शहर के बंद होने से पहले समय पर पहुंचने के लिए जल्दी करनी थी।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 48.99% है ।

द्वार बं द हो गए। रास्ते में एक आदमी उनके पीछे दौड़ता हुआ आया, दूर से इशारा करते हुए और चिल्लाते हुए बोला: "बधाई हो, भाई यू त्सु न! बधाई हो! मैं तु म्हें खु शखबरी देने के लिए आधे दिन से तु म्हारे पीछे दौड़ रहा हूँ ।" अगर आप जानना चाहते हैं कि वह कौन था और क्या खु शखबरी ले कर आय था, तो आपको अगला अध्याय सु नन होगा। अध्याय 3 श्री लिंग पश्चिम से आए अपने मेहमान को यु ं गकु ओ महल का परिचय दे ते हैं । राजकु मरी पूर्वज एक अनाथ बच्चे को प्यर से अपने घर में ले जती हैं । यू त्सु न खड़ा रहा और पीछे मु ड़कर दे खा। दूर से इशारा करके पु कारने वाला व्यक्ति उसका एक पूर्व सहपाठी था, जिसे उसी की तरह कु छ समय पहले सरकारी पद से बर्खास्त कर दिया गया था और तब से वह अपने पै तृ क शहर, यचो में रह रहा था। "तु म्हारे और मे रे लिए खु शखबरी है" उसने खु शी से झू मते हुए यू त्सु न से। "एक शाही फरमान जारी हो चु का है जिसमें हमें पदों को सं भलने की अनु मति दी गई है । अब हमें खु द को सक्रिय करना होगा और सं रक्षण की तलाश करनी होगी।" आपसी बधाई के बद दोनों मित्र अपने-अपने घर की ओर चल दिए। "वह सही कह रहा है; तु म्हें सं रक्षण की तलाश करनी चाहिए," लें ग ने यु त्सु न से कहा। "क्यों न तु म श्री लिंग से यु ं गकु ओ महल में अपने प्रभाव का इस्ते मल करने के लिए कहो?" यु त्सु न ने उसकी सलाह मानी। लेकिन सबसे पहले उसने राजकीय समाचार पत्र का नवीनतम अं क प्रप्त किया, और वास्तव में उसमें उसे अपने पुनर्स्थापन की घोषणा करने वला फरमान मिला। अगले दिन वह श्री लिंग के समक्ष उपस्थित हुआ और उनसे अपन अनु रोध रख। "कितना अजीब और शु भ सं योग है" श्री लिंग ने कहा। "सं योगवश, और आपके इस अनु रोध से पहले ही, मैं ने यु ं गकु ओ महल के मे रे बहनोई चें ग के लिए आपके परिचय पत्र लिख दिया था। सं योग से, मे री सस, राजकु मरी पूर्वज, मे री अनथ बच्ची को अपने घर ले जना चाहती हैं । उन्होंने बच्ची को लाने के लिए से वकों के साथ दो नावें भे ज दी थीं, लेकिन उनकी अस्वस्थता के कारण प्रस्थान में दे री हो गई। अब, हालांकि, वह यात्रा करने के लिए पर्याप्त रूप से स्वस्थ हैं । मैं इस अवसर का लाभ उठाकर उन्हें आपके लिए मे रे बहनोई चें ग के लिए परिचय पत्र दे रही थी, क्योंकि मैं इस तरह से

आपके द्वारा मे रे घर केलिए की गई अच्छी से वओं के लिए आपको कु छ हद तक धन्यवद दे न चाहती थी।"

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 78.89% है ।

चूंकि आप वै से भी राजधानी जा रहे हैं, तो क्या यह दोगु न लाभप्रद नहीं होगा कि आप मे री बे टी के साथ जाएं और मे रे बहनोई से व्यक्तिगत रूप से मिलें?" यु त्सु न ने विनम्रतापूर्वक झुककर श्री लिंग को हार्दिक धन्यवाद दिया और आश्वासन दिया कि वह यह कार्य सहर्ष पू रा करें गे ।" क्या मैं आपके बहनोई का पद जान सकता हूँ?" उन्होंने आगे कहा... "मु झे डर है कि मे रे जै से कठोर स्वभाव वाले व्यक्ति का इतने प्रतिष्ठित व्यक्ति के समक्ष जना अनुचित लग सकता है ।" " अरे, अब और अधिक विनम्रता मत दिखाइए!" काउं ट ने मु स्कुराते हुए कहा। "आखिरकार, आप एक ही कुल के हैं। वास्तव में, यु ं गकु ओ मार्ग में मे रे दो बहनोई हैं । बड़े, जेकु मर शीह, प्रथम श्रे णी के मार्शल हैं । छोटे, चें ग, लोक निर्माण मं त्रालय में सहायक हैं । वे सादगी और उदारता के प्रतीक हैं और अपने महान पूर्वज के व्यक्तित्व और प्रतिष्ठा के धनी हैं "। उनमें न तो कोई घमं ड है और न ही अभिजात्य अभिमान। आप बिना किसी झिझक के और पू रे विश्वास के सथ उनसे सं पर्क कर सकती हैं । आपकी उन्नति के लिए आवश्यक खर्चों का भी मैं ने पत्र में उल्ले ख कर दिया है । इसके अलावा, मैं ने प्रस्थान की तिथि अगले महीने की दूसरी तारीख तय कर दी है ।" तदनु सार, उसी दिन ब्लै क जे ड महिला नौकरानियों के सथ एक नाव में सवर हो गईं, जबकि यू त्सु न पुरुष कर्मचारियों के सथ दूसरी नाव में उनके पीछे-पीछे गईं। छोटी बच्ची के जाने के लिए राजी होने से पहले कु छ आं सू और पिता तु ल्य कु छ उपदे श भी हुए थे"। मैं पचास वर्ष से अधिक का हो चु का हूँ और दोबरा शादी करने का मे रा कोई इरादा नहीं है," काउं ट ने अपनी युवा बे टी से कहा था। "यहाँ घर पर तु म माँ के परामर्श और मार्गदर्शन और बहनों की खु शनु मा सं गति से वंचित हो। तु म्हें ये दोनों चीजें तुम्हारी दादी के घर में मिलें गी।" मैं यह सब तु म्हारे भले के लिए कर रहा हूँ ।" कईदिनों की यात्रा के बद वे राजधानी पहुँ चे । यु त्सु न ने अपना सबसे अच्छा कोट पहना, यु ं गकु ओ मार्ग की ओर चल पड़ा और अपना मुलाक़ात पत्र सौंप दिया। चिया चें ग को पहले से ही उनके आने की उम्मीद थी, क्योंकि परिचय पत्र पहले ही भे ज दिया गया था, और उन्होंने यु त्सु न का तु रं त स्वागत किया। उन्होंने पया कि उनका आगं तु क एक सज्जन-सी और आकर्षक व्यक्तित्व वाला और बे हद कु शल वक्ता था—ठीक उसी प्रकार का सु सं स्कृत, ज्ञानी और परिष्कृ त आचरण वला व्यक्ति, जिसका वे बहुत सम्मन

करते थे। और अपने प्रतिष्ठित पूर्वज की परंपरा का पालन करते हुए, कमजोरों और पीड़ितों की सहायता करना उन्हें पसंद था, इसलिए उन्होंने यु त्सु न के पक्ष में सम्राट से अपील करने में संकोच नहीं किया, जिसके परिणामस्वरूप दो महीनों के भीतर ही यु त्सु न को राजधानी के निकट स्थित यिंग लियन फू जिले का प्रीफेक्ट नियुक्त होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। लेकिन चलिए ब्लैक जेड की कहानी पर लौटते हैं। जब उसकी नाव किनारे पर लगी और वह नदी के तट पर उतरी, तो उसने देखा कि एक पालकी और नौकरों की एक पूरी भीड़ उसका इंतजार कर रही थी। और सामान ढोने वाले ट्रक। घर पर उसके पास अक्सर 21 होते थे।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.31% है ।

उसने अपनी माँ को राजधानी में रहने वाले रिश्तेदारों के धन-दौलत और वैभव के बारे में बात करते सुना था। यात्रा के दौरान और पहुँचने पर उनकी इतनी सजगता देखकर उसे अंदाज़ा हो गया था कि आगे क्या होने वाला है। वहाँ तीन तरह के नौकर थे, सभी अलग-अलग पोशाक में थे। वे कितने सुसज्जित थे, कितने अच्छे से खाए-पिए और उनकी कितनी अच्छी देखभाल की गई थी! ब्लैक जेड ने अपने नए घर में अत्यंत सावधानी और सतर्कता से रहने का निश्चय किया और एक शब्द भी ज़्यादा न बोलने का फैसला किया। अन्यथा, उसे देहाती और असभ्य समझकर हँसा जा सकता था। रास्ते में वह पालकी के रेशमी पर्दों से बार-बार झाँकने से खुद को रोक नहीं पाई, और शहर के द्वार से अंदर जाते ही चारों ओर फैली भीड़ और सड़कों और चौकों की चहल-पहल देखकर वह अचंभित रह गई। उसने यांगचो में ऐसा कुछ कभी नहीं देखा था। एक लंबी यात्रा के बाद, जुलूस दाईं ओर एक विशाल तिहरे मेहराब वाले द्वार के पास से गुजरा, जिसके दोनों ओर संगमरमर के दो विशाल शेर डरे हुए खड़े थे। इसके तीनों दरवाजों पर जानवरों के सिर के आकार के नॉकर लगे थे। चमकीले रंग की शानदार वर्दी पहने लगभग एक दर्जन नौकर दरवाजों के सामने बैठे थे। खुले हुए बगल के दरवाजों से लोगों का चहल-पहल भरा आना-जाना लगा हुआ था। बंद मध्य द्वार के ऊपर, ब्लैक जेड ने ऊँचे बड़े अक्षरों में एक पट्टिका पर लिखा शिलालेख पढ़ा: "निंगकुओ महल, शाही आदेश पर निर्मित।" थोड़ा पश्चिम की ओर, सड़क के उसी तरफ, इसी तरह के आकार और शैली के एक द्वार से उसकी पालकी को ले जाया गया। यह युंगकुओ महल का प्रवेश द्वार था। पहले वे तीर की दूरी तक सीधे आगे बढ़े। फिर, एक मोड़ पर, पालकी नीचे रखी गई, और चुस्त वर्दी पहने चार युवक आए और पालकी उठाने वालों की जगह ले ली। उसी समय महिला परिचारिकाएँ अपनी पालकियों से उतर गईं और ब्लैक जेड की पालकी के पीछे-पीछे पैदल चलने लगीं। जुलूस एक बार फिर रुका, इस बार फूलों से ढकी लताओं वाले एक द्वार पर। भारवाहक पीछे हट गए जबकि महिला परिचारिकाएँ तेजी से आगे बढ़ीं, दरवाजा खोला और ब्लैक जेड को नीचे उतरने में मदद की। दोनों ओर एक मजबूत सेविका के सहारे, वह फूलों के द्वार से गुजरीं। फूलों के द्वार से दो ढके हुए मार्ग एक खुले प्रवेश कक्ष की ओर जाते थे, जिसके बीच में एक पत्थर की

पटिया खड़ी थी, जो विचित्र, भू दृश्य जै सीक्रॉस-हैचिंग से खू बसू रती से सजी थी औशाल चं दन की लकड़ी के आसन परटिकी थी। यह आत्माओं का पर्दा था। प्रवे श कक्ष के पीछे ाारास्ता तीन छोटे मं डपों से होकविशाल आं तरिक आं गन में जाता था जो राजकु मरी पूर्वज के पं च कमरों वले निवास के समने स्थित था। इमारत चमकीले रं गों से जगमगरही थी, और स्तं भ और छत की बीमों पर शानदार नक्काशी की गई थी। ढके हुए बरामदे, इधर-उधर लटकते हुए22

黛玉

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.88% है ।

इमारत के किनारों पर, जो आं गन की ओर खुलती थी, चट्टानें फैली हुई थीं। ये चट्टानें चमकीले रं गों के तोतों और पै रे टों की चहचहाहट से गूं ज रही थीं, जिनके पिंजरे दीवारों और खं भों से झूल रहे थे । लाल और हरे रं ग की पोशाक पहने कई दासियां इमरत के केंद्रीय कक्ष की ओर जाने वली सीढ़ियों पर बै ठी थीं। जै से ही ब्लै क जे ड पास पहुं ची, वे उठीं और मु स्कुराते हुए और झुककर अभिवादन करते हुए उसकी ओर आईं उसे सीढ़ियों से ऊपर ले गईं और "मिस लिंग यहां हैं" कहते हुए, चमकदार पर्दों की डोरियां खींच दीं। ब्लै क जे ड अं दर गई और खु द को महिलाओं के एक समू ह के समने पया; उनमें से एक, चांदी जै से बालों वाली एक महिला, दो नौकरों के सहारे आगे आई, एक उसके दाहिनी ओर और एक बाईं ओर। ब्लै क जे ड ने मन ही मन सोचा, "यह मे री दादी होंगी," और वह तु रं त घु टने टे ककर उन्हें प्रणाम करने ही वली थी। लेकिन राजकु मरी पूर्वज उसके पस आईं और बाहें फैलाकर उसे अपने सीने से लगा लिया। "मे रा दिल! मे रा जिगर! मे रे बच्चे का मांस और खू न" वह इतनी भावु क होकर रोई कि पू रा कमरा सिसकियों और नाक बहने की आवज़ों से भर गया, और ब्लै क जे ड भी अपने आँ सू नहीं रोक पाई। सभी उसके चरों ओर जमा होकर उसे प्यार भरे और दिलासा दे ने वाले शब्द कहने लगे । अखिरकार उसने खु द को थोड़ा सं भला और राजकु मरी पूर्वज के समने आज्ञकारी भाव से प्रणम किया। फिर परिचय शु रु हुआ। "ये आपकी सबसे बड़ी चची हैं; ये आपकी छोटी चची हैं; ये आपकी भभी चू हैं, जो आपके दिवं गत चचे रे भाई चिया चू की विधवा हैं ।" यह सिलसिला काफी दे र तक चलता रहा, ब्लै क जे ड हर व्यक्ति के पास जाकर प्रणाम करती रही। "तीनों यु वतियाँ अं दर आ सकती हैं" राजकु मरी पूर्वज ने समू ह की ओर मु ड़ते हुए कहा। "हमारे अतिथि के आगमन के सम्मान में, आज उन्हें पठ से छुट्टी दी जा रही है ।" कु छ समय बद, तीन यु वतियाँ, 'वसं त का अभिवादन', 'वसं त का स्वाद' और 'वसं त का शोक', तीन सम्मानित महिलाओं और छह यु व दासियों के सथ प्रकट हुईं। पहली मध्यम कद की, गोल-मटोल, बर्फ जै से ठं डे गालों वाली और एक छोटी चपटी नाक वाली थी जो मानो हं स की चर्बी से बनी हुई लगती थी - एक मनमोहक दृश्य। दूसरी दुबली-पतली, पतली कमर वाली, कु छ झुके हुए कं धों वली, बत्तख के अं डे के समान अं डाकार चे हरे वाली और पू री तरह से धनुषाकार भौंहों के नीचे

दो भावपूर्ण आँ खें थीं जिनमें एक बे हद आकर्षक नज़र थी - एक मोहक दृश्य। तीसरी, चे हरे और शरीर से अभी इतनी बचकानी थी कि उसके बरे में कोई राय बनाना सं भव नहीं थ। तीनों ने एक ही तरह के सधारण कपड़े पहने थे और एक जै से आभूषण और चूड़ियाँ पहनी थीं। परिचय समाप्त होने के बाद सभी लोग बै ठ गए और चय पी, फिर ब्लै क जे ड से सहानुभूति भरे सवल पू छनेलगे । उसकी माँ को क्य बीमारी थी? उन्हें कौन सी दवइयाँ दी गई थीं? शोक समारोह कै से सं पन्न हुए इत्यादि। 24

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.37% है ।

पूर्वज इस बात को पचा नहीं पा रही थीं कि उनकी प्रिय पु त्री उनसे पहले इस दुनिया से चली गईं। फिर सबका ध्यान घर की नई सदस्य पर गया। बारह वर्ष की आयु में भी वे अत्यं त गं भीर और परिपक्व लग रही थीं। उनका शरीर इतना कोमल था कि वे अपने कपड़ों का हल्का सा भार भी मुश्किल से सह प रही थीं। फिर भी उनके परदर्शी, पीले चे हरे पर मु कत और जीवन के प्रति प्रे म की एक अनोखी चमक थी। सब मन ही मन सोच रहे थे, "तु म बीमर लग रही हो। क्या तु म अपनी बीमारी के लिए कु छ नहीं करती?" उनसे पू छा गया। “मैं बचपन से ही बीमार रही हूँ, और जब से मैं ने खाना खाने लायक हुई हूँ, तब से दवइयाँ भी निगलती आ रही हैं । न जने कितने डॉक्टरों ने मेरा इलाज किया है, लेकिन कोई भी मे री मदद नहीं कर सका। मु झे याद है जब मैं तीन साल की थी, एक गं दे, बदसू रत सधु ने मु झे घर से ले जकर किसी मठ में रखना चाहा। मे रे माता-पिता ने यह बत नहीं मानी। तब उसने उनसे कहा कि परिवार की गोद में मैं कभी स्वस्थ नहीं हो पाऊँ गी, क्योंकि घर के रोज़मर्रा के झं झट और परे शानियाँ मु झे नु कसान पहुँ चाएँ गी। अगर मु झे ठीक होना है, तो मु झे अपने माता-पिता के अलावा किसी और रिश्ते दार से नहीं मिलना चाहिए। ज़ाहिर है, किसी ने भी उस गं दे पागल साधु की बतों पर गं भीरत से विश्वास नहीं किया। तब से मैं अपनी बीमारी का इलाज जिनसें ग की जड़ और खू न बढ़ाने वली गोलियों से कर रही हूँ ।" “ यह तो समझदारी की बात है,” दादी ने कहा। “ये हमरे भरोसे मं द चिकित्सक नु स्खे भी हैं, और मैं ध्यन रखूँ गी कि तु म्हें यहाँ भी रोज़ना ये दवइयाँ मिलती रहें ।” अभी उनकी बत पू री भी नहीं हुई थी कि पार्क से हं सी-मजाक और बातचीत की आवाज आई, और ब्लै क जे ड ने एक महिला की साफ आवाज सु नी: "ओह, मैं हमरे विशिष्ट अतिथि का स्वागत करने में बहुत दे र हो गई!" ब्लै क जे ड अभी सोच ही रही थी कि आखिर कौन है जो परिवार की आदरणीय प्रथम महिला के आसपस के गं भीर और औपचारिक माहौल में इतनी खु शी और उत्साह से घु स आई है, तभी उसने दे खा कि एक सजी-धजी यु वती दासियों और नौकरानियों की भीड़ से घिरी हुई अं दर आई। वह गहनों से जगमगा रही थी और किसी परी की तरह सु ं दर थी और उसके सिंदूरी होंठ एक चमकदार मु स्कान में खु ले हुए थे । ब्लै क जे ड जल्दी से अपनी सीट से उठ खड़ी हुई। "तु म अभी तक उसे नहीं जानती हो," राजकु मरी ने

मुस्कुराते हुए ब्लैक जेड से कहा "यह हमारी प्रसिद्ध हंसमुख घरेलू परी है, जिसके बिना हम सब नीरस और उबाऊ हो जाएंगे। बस उसे फीनिक्स कहो!" "लेकिन मुझे तो अभी तक उसका असली नाम भी नहीं पता," ब्लैक जेड शर्मिंदा होकर बोली। "ये तुम्हारी भाभी हैं, लियन। इनका मायके का नाम फीनिक्स है," कई आवाज़ों ने उसे समझाया। अब वह उन्हें पहचान पाई। उसकी माँ के 25 बच्चे थे।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.32% है ।

वह अक्सर अपनी भाभी के बरे में बात्ती थीं। वह चाचा चें ग की पत्नी वं ग की सु ंदर और चतु र भतीजी थीं, जो राजकु मर शीह के दूसरे बे टे चिया लियन की पत्नी थीं। औपचारिक अभिवादन के बाद, मै डम फीनिक्स ने उस यु वती का हाथ थाम लिया और कु छ मिनटों तक सिर से पै र तक ध्यान से उसकी जं च की। फिर वह उसे बू ढ़ी राजकु मरी के बगल में उसकी सीट पर वपस ले आईं और उनके पस बै ठ गईं। "सोचो, दुनिया में कोई इं सान इतना कोमल और नाजु क कै से हो सकता है!" उन्होंने बू ढ़ी महिला की ओर मु ड़ते हुए कहा। "अगर मैं ने अपनी आँ खों से न दे खा होता तो मैं इस बात पर विश्वास ही न करती। बे चरी छोटी मे ई मे ई! कितना दुखद है कि उसने इतनी कम उम्र में अपनी माँ को खो दिया!" उन्होंने अपने रूमाल से कु छ आँ सू पोंछे। "क्या तु म हमें फिर से रुलाना चाहती हो? हमारी आँ खें अभी-अभी सू खी हैं," राजकु मरी ने मज़ाक में कहा। "हमारी मे हमान लं बी यात्रा से थक गई हैं और वै से भी उनकी नसें नाज़ु क हैं । बे हतर होगा कि पु राने ज़ख्म को न कु रेदा जाए, बीते हुए को भूल जाओ।" मै डम फीनिक्स ने आज्ञाकारी भाव से तु रं त अपने हं समु ख अंदाज़ अपना लिया। "दादी सही कह रही हैं और लापरवाह बच्ची को थप्पड़ पड़ना ही चाहिए," उन्होंने अपने छोटे-छोटे गोरे हाथों को एक मज़ाकिया अं दाज़ में आगे बढ़ाते हुए कहा, जै से कोई स्कूली बच्चा बें त से पिटाई की उम्मीद कर रहा हो। एक बार फिर उन्होंने ब्लै क जे ड का हाथ पकड़ा और उसकी उम्र, से हत, शिक्षा, पसं दीदा पकवान और पसं दीदा खेलों के बरे में हर सं भव सवाल पू छने लगीं। उन्हें उम्मीद थी कि वह यहाँ खु श रहें गी और उन्हें घर की याद नहीं आएगी, और अगर उन्हें किसी चीज़ की कमी हो या ज़रूरत हो, तो कृ पया साधारण नौकरानियों या दासियों से न पू छें बल्कि सीधे अपनी भभी फीनिक्स के पस आएं । "क्या मिस लिंग का सामान ऊपर लाया गया है?" उन्होंने अपनी परिचारिकाओं की ओर मु ड़कर पू छा। "और क्या उन नौकरों के लिए कमरे तै यार हैं जिन्हें वह यं गचो से अपने साथ लाई हैं?" उन्होंने बड़ी ध्यन से अपने मे हमान को चाय और के क परोसा, और फिर आं टी चें ग के साथ घर के खर्चों और कपड़ों जै सी व्यवहारिक बातों पर चर्चा शु रु की। ब्लै क जे ड को तु रं त यह आभास हो गया कि यह भाभी पू रे बड़े परिवार की आत्मा हैं । इस पहले स्वागत के बद चाचा शीह और चाचा चें ग से परिचय का दौर चला। फूलों के द्वार पर, ब्लै क जे ड,

आं टी शीह के साथ, एक बड़ी, गहरे नीले रं ग की पॉलिश की हुई पहियों वाली पालकी में बै ठीं जिस पर हल्के नीले रं ग का रेशमी शमियाना लगा था। पालकी को पहले तो भरवाहक खींच रहे थे और बद में खच्चरों द्वारा खींचा गया, जिन्हें बहुत धीमी गति से चलने के लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित किया गया था। क्योंकि दोनों चाचाओं के घरों तक की दूरी बहुत अधिक थी, और रास्ते में कई आं गन और द्वार पार करने पड़ते थे । अं त में पालकी नीचे रखी गई और आं टी शीह ने ब्लै क जे ड का हाथ पकड़ लिया।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.17% है ।

और उसे स्वगत कक्ष में ले गए। ब्लै क जे ड को लगा कि यह हिस्सा या विशाल हवेली कभी पार्क का हिस्सा रही होगी, क्योंकि विभिन्न इमारतें, जो बे हद अलं कृ त और उत्कृ ष्ट वास्तु कला शैली की थीं, पे ड़ों और चट्टानों के बीच इस तरह बसी हुई थींकि दे खने में बे हद सुं दर लग रही थीं। चाची शीह ने अपने मित्र को पु स्तकालय में बुलाने केलिए एक सं दे शवाहक भे ज, लेकिन राजकु मर ने यह कहकर आने से मना कर दिया कि उनकी तबीयत ठीक नहीं है । उनकी भतीजी को यहाँ बिल्कुल सहज महसू स करन चाहिए और उसे घर की यद नहीं आनी चाहिए। उसके चचे रे भाई-बहन वै से तो भोले-भाले और सीधे-सादे थे, लेकिन जब वे सब एक सथ मिलते तो बहुत अच्छा लगता। और अगर वह कभी किसी मु सीबत में हो तो उसे बताने में सं कोच नहीं करना चाहिए। ब्लै क जे ड अपने राजकु मर चाचा का यह सं दे श सु नते हुए खड़ी रही। थोड़ी देर बाद उसने विदा ली और फिर खच्चरों द्वारा खींची जाने वली पालकी में बै ठकर चाचा चें ग केनिवास तक जाने वले अं तहीन रास्तों पर चल पड़ी। सबसे पहले उसे मु ख्य स्वागत कक्ष में लाया गया। उसने आश्चर्य से चारों ओर दे ख। उसकी नज़र के समने क्य वै भव और क्य चमत्कार थे! नौ आपस में गुं थे हुए सु नहरे ड्रै गनों से बने एक ऊं चे चबू तरे पर एक पट्टिका रखी थी, जिसके नीले रं ग की पृ ष्ठभूमि पर सोने के तीन बड़े चित्र अंकित थे, जो यह घोषणा करते थेकि यह "महिमा और परमानं द का हॉल" है । इसके पीछे की दीवर पर उस तिथि का शिलाले ख थ जिस दिन स्वर्ग के पु त्र ने यु ं गकु ओ के प्रथम राजकु मर को इस पट्टिका से सम्मनित किया था। जिधर भी उसकी नजर पड़ी, उसे शही चिह्नों से सजी कलाकृतियाँ दिखाई दीं। 'यहाँ, लाल चं दन कीलकड़ी की एक मे ज पर, जिस पर साँ प की नक्काशी थी, एक प्राचीन तीन फु ट ऊँ चा तिपाई वाला बर्तन रखा था, जो जं ग से ढका हुआ था। वहाँ, उभरे हुए सोने के शानदार प्याले चमक रहे थे । यहाँ, फिर, क्रिस्टल के परदर्शी कटोरे जगमग रहे थे । दीवारों के सथ-साथ कीमती दे वदार की लकड़ी की सोलह नक्काशीदार कुर्सियाँ खड़ी थीं।लेकिन ब्लै क जे ड के पास यहाँ एकत्रित सभी मू ल्यवन वस्तु ओं की प्रशं सा करने के लिए पर्याप्त समय नहीं था, क्योंकि वे जल्द ही स्वगत कक्ष से निकलकर, इसके पूर्व में स्थित एक सु रुचिपूर्ण और आरामदायक ढं ग से सुसज्जित बै ठक कक्ष में चले गए। यहां कोनों में गद्देदार

और गद्देदार पीठ-आराम वाले आरामदायक दीवानों की कोई कमी नहीं थी, नरम आर्मचेयर और कालीन, और लाख से पॉलिश की गई चाय की मेजें चाय के लिए पूरी तरह से सजी हुई थीं, फुटस्टूल, धूपदान जिनसे नीले रंग के धुएं के छल्ले उठते, जो सुंदर हस्ताक्षरों की तरह जटिल थे, कमरे को सुगंधित वाष्पों से भर देते थे जो एक महिला के रूप में बने सुंदर चीनी मिट्टी के फूलदान को सजाने वाले ताजे फूलों की खुशबू से प्रतिस्पर्धा करते थे। खिड़की से कुछ ही दूरी पर एक बड़ा आंतरिक रूप से गर्म सोफा था जो एक विदेशी लाल मखमली आवरण से ढका हुआ था। इसे बीच में रखी एक नीची सोफा टेबल द्वारा दो भागों में विभाजित किया गया था जो किताबों और चाय के सामान से ढकी हुई थी। इस टेबल के दाईं और बाईं ओर नरम लाल कुशनों वाली आरामदायक पीठ-आराम सीटें, जिन पर सुनहरे रंग के ड्रैगन की कढ़ाई थी, आराम करने के लिए आमंत्रित करती थीं। 27

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.37% है ।

आं टी चें ग पहले से ही दाहिनी ओर ले टी हुई थीं। उन्होंने हाथ हिलाकर अपनी भतीजी को अं दर आते ही बईं ओर आराम से बै ठने का इशारा किया। लेकिन ब्लै क जे ड ने मन ही मन सोचा कि घर की मालकिन को इन गद्दियों पर आराम करने की आदत होगी, इसलिए उसका यहाँ बै ठना ठीक नहीं होगा। इसलिए वह शालीनता से सोफे के पास रखी एक साधारण कुर्सी पर बै ठ गई, और तीन बार मना करने के बाद ही वह अपनी आं टी की तरफ आई। “ आज तु म्हारे चचा मंदिर में उपवस और पू ज-अर्चना के लिए गए हैं,” चाची ने कहा, “लेकिन वे जल्द ही घर आकर तु मसे मिलें गे । इस बीच उन्होंने मु झसे कहा है कि मैं तु म्हारी ओर से तु मसे कु छ कहूँ । तुम्हारी तीनों चचे री बहनें बुद्धिमान और अच्छे सं स्कार वाली हैं । तु म सब मिलकर अच्छे से पढ़ाई करोगी, सिलाई-कढ़ाई करोगी और मज़े दार खेल खेलोगी, और मु झे लगता है कि तु म सब आपस में अच्छे से घुलमिल भी जाओगी। लेकिन एक बात है जो हम मता-पिता को परे शन करती है: हमारा एक बिगड़ैल बे टा है जो घर में बहुत परे शनी और शरारतें करत है । वह भी आज मंदिर में व्रत पूरा करने गय है, लेकिन वह शाम तक वापस आ जाएगा और तब तु म उससे व्यक्तिगत रूप से मिल पाओगी। मैं चहती हूँ कि तु म्हें पहले से ही सारी बातें पत हों। अच्छा होगा कि तु म उसके साथ वै स ही व्यवहार करो जै स तु म्हारी चचे री बहनें करती हैं, यानी उस पर कम ध्यान दो और उसे अकेला छोड़ दो।” ब्लै क जे ड को याद आया कि उसकी माँ अक्सर अपने एक भतीजे के बारे में बात करती थीं, जो मु ँ ह में जे ड पत्थर लेकर पै दा हुआ था और थोड़ा अजीब, सनकी लड़का था। वह पढ़ाई में मन लगाने के बजाय महिलाओं के कमरे में इधर-उधर घू मत रहता था और तरह-तरह की शरारतें करत रहता था। इसके बवजू द, उसकी दादी उसे बहुत लाड़-प्यार करती थीं और बिगाड़ दे ती थीं, जिसके कारण कोई भी उसके साथ सख्ती करने की हिम्मत नहीं करता था। "आह, चाची का मतलब ज़रूर उसी चचे रे भाई से है जो मु ँ ह में जे ड पत्थर लेकर पै दा हुआ था?" उसने मु स्कुराते हुए पू छा। "माँ अक्सर उसके बारे में बात करती थीं। उसका नाम पाओ यू है और वह मु झसे एक साल बड़ा है, है न? माँ सोचती थीं कि वह बस थोड़ा चं चल और शरारती स्वभाव का है, लेकिन इसके अलावा वह अपनी बहनों के प्रति बहुत विनम्र और अच्छा व्यवहार करता था। अब मैं ज़्यदातर समय अपनी चचे री बहनों के साथ रहूँ गी,

और मुझे इस चचेरे भाई से मिलने और उसे शरारतों के लिए उकसाने का ज़्यादा मौका नहीं मिलेगा। घर बहुत बड़ा है।" "अरे, ऐसा मत कहो!" चाची चेंग ने हंसते हुए जवाब दिया। “वह बदचलन लड़का लड़कियों की संगति के बिना नहीं रह सकता और चाहे आप उसे न ढूंढें, वह आपको ढूंढ ही लेगा। जब तक लड़कियां उस पर ध्यान नहीं देतीं, वह ठीक-ठाक व्यवहार करता है, लेकिन उनकी एक भी बात उसे हद से ज़्यादा उत्तेजित कर देती है। इसलिए आपको यह याद रखना चाहिए और न तो उसकी मीठी बातों से मोहित होना चाहिए और न ही उसके मूर्खतापूर्ण गुस्से से डरना चाहिए।” एक नौकर ने अंदर आकर कहा कि बुढ़िया ने उन्हें ास के खने पर बुलाया है। चाची चेंग ने अपनी भतीजी का हाथ पकड़ा और उसे 28 वें कमरे से बाहर ले गईं।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 79.08% है ।

एक पीछे का निकास और कई टे ढ़े मे ढ़े रास्ते । रास्ते में वह एक घर पर रुकी और तीन मंजिला बने एक सुं दर से घर की ओर इशारा किया, जिसकी दक्षिणी तरफ एक बरामदा था। मु स्कुराते हुए उसने कहा, "तु म्हारी भाभी फीनिक्स यहीं रहती हैं । तु म्हें यहाँ अक्सर आन-जाना पड़े गा। जब भी तु म्हें कु छ चहिए हो, बस उनके पस चले जना।" आखिरकार, काफी घु मवदार रास्तों से गु जरने के बाद, वे एक ढके हुए गलियारे से गु जरे और राजकु मरी पूर्वज के निवास के पीछे फू लों वाले बगीचे में पहुँ च गए। बू ढ़ी महिला पहले से ही भोजन कक्ष में उनका इं तजर कर रही थीं। अपनी विनम्र आपत्ति के बवजू द, ब्लै क जे ड को अतिथि होने के नाते, उनके बईं ओर सम्मान की जगह पर बै ठन पड़ा। राजकु मरी पूर्वज के दईं और बाईं ओर तीन कुर्सियाँ खली थीं। दरअसल, वे आं टी चें ग और उनकी दो भाभी, फीनिक्स और चू केलिए थीं। लेकिन आज ये तीनों पूर्वज की से व में थीं। भभी फीनिक्स ने हर व्यं जन केलिए उनके समने नई चॉपस्टिक रखीं, चाची चें ग ने उन्हें सू प परोसा और भाभी चू ने बाकी व्यं जन परोसे । बाद में चची चें ग को उनके दाहिनी ओर बै ठन पड़ा। तीनों "स्प्रिंग" लड़कियाँ एक अलग मे ज पर भोजन कर रही थीं। भोजन चु पचाप और विधिपूर्वक किया गया। परोसने वली महिलाओं और लड़कियों की भीड़ में से, जिनमें से कु छ चु पचाप बर्तन अं दर-बाहर ले ज रही थीं, जबकि अन्य प्रतीक्षालय में वॉशबेसिन, डस्टर और हाथ के तौलिये ले कर तै यर खड़ी थीं, किसी की भी खाँ सी य गला साफ करने की हल्की सी भी आवाज सु नई नहीं दी। ब्लै क जे ड को मे ज केशिष्टाचार के कई नएनियमों को समझने केलिए बहुत ध्यान दे न पड़ा। उदाहरण के लिए, भोजन के तु रं त बाद सु गंधित चाय परोसी गई। वह इसे अनिच्छा से पीने ही वाली थी, क्योंकि घर पर उसे हमे शा सिखाया गया था कि भोजन के तु रं त बाद चाय पीना हानिकारक होता है, लेकिन दूसरों के उदहरण ने उसे जल्द ही स्पष्ट कर दिया कि यह चाय के वल मुँ ह धोने केलिए थी। “आप लोग जा सकते हैं, मैं अपने अतिथि से थोड़ी दे र अके ले में बात करना चाहती हूँ,” ये कहते हुए पूर्वज मे ज से उठीं। “तु मने पढ़ाई में कितनी प्रगति की है?” उन्होंने अपने पोते से पूछा। “मैं ने अभी-अभी छह शास्त्रीय ग्रं थ पढ़न समाप्त किया है,” ब्लै क जे ड ने उत्तर दिया। “और मे रे चचे रे भाई-बहन क्या पढ़ रहे हैं?” “अरे, उन्हें तो कु छ शब्द भी मुश्किल से समझ आते हैं”।

बाहर बजरी पर चरमराहट की आवाज़ आई, और तु रं त बाद एक नौकर ने घोषणा की: “पाओ यू आ रहे हैं ”। ब्लै क जे ड ने उत्सुकतापूर्वक प्रवे श द्वार की ओर दे खा। तभी वह अं दर आए। वह अत्यं त सु खद रूप से आश्चर्यचकित हुई। उन्होंने अपने सिर पर सोने से बु नी और चमकीले रं ग के रत्नों से सजी बैं गनी टोपी पहन रखी थी। उनके माथे पर मोती पर झपट्टा मारते दो अजगरों के आकार का एक सु नहरा बैं ड था। उनकी चु स्त-दुरुस्त गहरे लाल रं ग की जै केट

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.25% है ।

सु नहरी तितलियों और चमकीले फूलों से सजी जै के ट को रं गीन बे ल्ट से बांधा गया था, जिस पर फूलों की डंडियों और भु ट्टों की डिज़ाइन बु नी हुई थी। जै के ट के ऊपर उन्होंने स्लेटी नीले रं ग का जापानी साटन का चोला पहना था, जिस पर फूलों के आठ गु च्छों की कढ़ाई थी और किनारों पर झालर लगी हुई थी। उनके पै रों में नीली सटन के जू ते थे । उनका चे हरा शरद ऋतु के मध्य के चंद्रमा की तरह चमकीला था, उनका रं ग सु बह की ओस में खिले वसं त के फूलों की तरह ताजा था; उनके बाल कनपटी के ऊपर इतने तीखे ढं ग से संवरे हुए थे मानो उन्हें चकू से काटा गया हो, उनकी भौहें मानो स्याही से रं गी हुई लग रही थीं, उनकी नाक की बारीक आकृति उनके चरित्र की निडरता को दर्शाती थी, उनकी आं खें शरद ऋतु की लहरों की गीली चमक से दमक रही थीं, उनका मु ं ह उदासी में भी मु स्कुराता हुआ प्रतीत होता था, और उनकी निगाहें क्रोध में भी गर्माहट और भावना बिखे रती थीं। उनके गले में सांप के आकार की एक सु नहरी चे न थी और साथ ही पां च रं गों की रे शमी डोरी थी जिससे एक सु ं दर पत्थर लटका हुआ था। ब्लै क जे ड उनके इस रूप को दे खकर पू री तरह से आश्चर्यचकित रह गया। यह अजीब है कि उसके चे हरे को मु झे कितने परिचित लग रहे हैं, मानो मैं उससे पहले मिल चु की हूँ, उसने मन ही मन सोच। राजकु मरी ने जै से ही उसका अभिवादन किया, उसने उसे अपनी माँ को नमस्कार करने के लिए कहा, और वह तु रं त गायब हो गया। थोड़ी दे र बद जब वह लौटा तो उसने टोपी नहीं पहनी हुई थी। उसके आगे के बाल लाल चोटी से गु ं थे हुए छोटे-छोटे दो चोटियों में बं धे थे, जो ऊपर की ओर खींचकर उसके सिर के शीर्ष पर मु कु ट का रूप दे रहे थे । उसने अपने पीछे के बालों को एक लं बी, चमकदार काली चोटी में बं ध रख था, जो चार बड़े मोतियों और आठ सु नहरे लटकनों से सजी चोटी के चारों ओर लिपटी हुई थी, जो आठ ताओवादी सं तों के विभिन्न प्रतीकों - तलवार, बां सु री, कमल आदि का प्रतिनिधित्व करते थे । नीले चोगे के स्थान पर उसने फूलों वाले चं दी और लाल रं ग के पैटर्न का साटन कोट पहना हुआ था, जिसके नीचे दे वदार के पे ड़ के हरे रं ग के फूलों वाले रे शमी ब्रोके ड पतलून दिखाई दे रही थी। गहरे लाल रं ग की मोटे तलों वली साटन की चप्पलें उसके काले मोजे पहने पै रों में थीं। उनका चे हरा, अगर सं भव हो तो, पहले से कहीं अधिक दमक रहा था। उनके गलों का प्राकृतिक रं ग पउडर और

पेंट के कृत्रिम प्रभाव पर हावी हो गया था, उनकी निगाहें भावपूर्ण थीं, उनकी वाणी में मुस्कान थी। लेकिन उनका चरित्र सबसे स्पष्ट रूप से उनकी भौहों के भावपूर्ण प्रदर्शन में व्यक्त हुआ। मानो सैकड़ों मानवीय भावनाएँ उनकी आँखों के कोने में इकट्ठी हुई थीं। "क्या तुम अंततः अपनी चचेरी बहन का अभिवादन नहीं करोगे?" राजकुमारी ने मुस्कुराते हुए अपने प्रिय से पूछा, जो उनके बगल में शालीनता से बैठा था, मानो नई चचेरी बहन को पूरी तरह से अनदेखा कर रहा हो। लेकिन निश्चित रूप से उसने उसे देखा था। अब वह खड़ा हुआ, उस युवती के पास गया, और अपने हाथों को अपनी छाती पर उठाकर उसे हल्का सा प्रणाम किया। फिर वह अपनी जगह पर लौट आया और कुछ देर तक उसे टकटकी लगाकर देखता रहा। उसने उसे अन्य लड़कियों से अलग पाया। उसके चेहरे के भाव कितने विरोधाभासों से भरे थे! उसकी भौहें, धुएं के दो बारीक धागों की तरह, एक-दूसरे के करीब थीं और ऐसा लग रहा था मानो कुछ व्यक्त कर रही हों।

寶玉

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 8.85% है।

वह बेहद खुशमिजाज होने पर भी गंभीर दिखती थी। उसकी भावपूर्ण आँखें खिलखिलाते हुए भी गंभीर लगती थीं। वह सुंदर थी लेकिन उसकी सुंदरता दुख के आवरण से ढकी हुई थी। उसकी आँखें हमेशा आँसुओं से भरी हुई चमकती रहती थीं। और उसकी साँसें कितनी धीमी और कोमल थीं! आराम की मुद्रा में वह पानी में फूल के ओस से भीगे प्रतिबिंब जैसी लगती थी। गति में वह हवा में काँपती विलो की शाखा जैसी लगती थी। "मैं उससे पहले ज़रूर मिला हूँगा," पाओ यू ने विचारों में खोए हुए मन ही मन बुदबुदाया। "तुम फिर से क्या बेतुकी बातें कर रहे हो? तुम उससे पहले कैसे मिल चुके होगे?" उसकी दादी की आवाज़ ने उसे वास्तविकता में वापस ला दिया। "लेकिन उसका चेहरा - मुझे इतना जाना-पहचाना लगता है - जैसे हम बहुत लंबे समय बाद फिर मिले हों," उसने बुदबुदाया। "और भी अच्छा, क्योंकि तब तुम उससे अच्छे से घुलमिल जाओगे," बूढ़ी राजकुमारी ने मुस्कुराते हुए कहा। पाओ यू खड़ा हुआ, फिर अपनी चचेरी बहन के ठीक बगल में बैठ गया और एक बार फिर ध्यान से उसे देखने लगा। “क्या तुमने साहित्य में काफी प्रगति की है, मेई मेई?” उसने उससे पूछा। “ज्यादा नहीं। मेरी शिक्षा अभी मुश्किल से दो साल ही हुई है और मैं अभी शुरुआत में ही हूँ,” ब्लैक जेड ने उत्तर दिया। “क्या तुम भी मुँह में रत्न लेकर पैदा हुए थे?” “नहीं। ऐसी बेवकूफी भरी बात तो दो बार भी नहीं होती।” उसकी इस सीधी-सादी बात ने उसे सचमुच क्रोधित कर दिया। उसने पत्थर वाली डोरी को अपने गले से खींचकर तिरस्कारपूर्वक ज़मीन पर फेंक दिया। “गंदी चीज़ मुझे तुम्हारी क्या परवाह?” उसने पत्थर को कोसते हुए कहा। “क्या तुम मेरे जैसे समझदार प्राणी का एक अंश हो कि लोग तुम्हारे बारे में इतना हंगामा करते हैं? दूर हो जाओ! मैं तुमसे तंग आ गया हूँ!” दासियाँ क्रोधित लड़के के चारों ओर भयभीत खड़ी थीं। उनमें से एक ने पत्थर वाली डोरी उठाई और उसे बूढ़ी राजकुमारी को सौंप दिया। राजकुमारी ने जल्दी से अपने पोते को अपनी बाहों में भर लिया। “संयम रखो, बच्चे!” उसने फटकारते हुए कहा। "अगर तुम लोगों पर गुस्सा करना चाहते हो तो करो। लेकिन इस निर्दोष पत्थर ने, तुम्हारे इस अंश ने, तुम्हारा क्या बिगाड़ा है कि तुम इसके साथ इतना कठोर व्यवहार करते हो?" "मेरे किसी भी भाई-बहन के साथ ऐसा भयानक पत्थर नहीं जुड़ा है, यहाँ तक कि इस नए देवदूत जैसे चचेरे भाई के

साथ भी नहीं," वह रोते हुए बोला। "तो यह एक बेकार, बुरी चीज़ ही होगी। मुझे यह पसंद नहीं है!" "तुम्हारे नए चचेरे भाई के साथ भी ऐसा ही एक पत्थर आया था," दादी ने उसे चुप कराने के लिए झूठ बोला। "माता के प्रति श्रद्धा के कारण उसने इसे अपनी माँ के साथ दफना दिया था, जिनसे वह बहुत जुड़ी हुई थी ताकि मृत्यु में भी उसका एक अंश उसकी माँ के करीब रहे। यह shy32 के माध्यम से है"।

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 8.96% है ।

मुझे चिंता है कि उसने इस बारे में तुमसे बात नहीं की। और अब समझदारी से काम लो। अगर तुम्हारी माँ को तुम्हारे इस व्यवहार के बारे में पता चला तो वह क्या कहेंगी? वह सोच-विचार करते हुए चुप हो गया और अपनी दादी को अपने हाथों से पत्थर वाली डोरी उसके गले में बाँधने दी। एक नौकरानी अंदर आई और पूछा कि आगे यह युवती कहाँ सोएगी। "हम पाओ यू को मेरे कमरे में भेज देंगे, और मिस लिंग फिलहाल उसकी जगह हरे मंडप में रह सकती हैं। बाद में, जब सर्दी खत्म हो जाएगी, तो हम उसके लिए कोई और जगह का इंतजाम कर देंगे"। "आह, प्यारी दादी," पाओ यू ने विनती की, "मुझे हरे मंडप में रहने दो। मैं बगल के कमरे में आराम से सो सकता हूँ।" मैं इतनी शोर मचाती हूँ कि आपकी शांति भंग कर दूँगी।" "ठीक है, आप रह सकती हैं," दादी ने कुछ देर सोचने के बाद फैसला किया। तदनुसार, उस समय से दोनों चचेरी बहनें उस हरे मंडप में रहीं, जो बूढ़ी राजकुमारी के परिसर का हिस्सा था। दोनों बच्चों के पास दिन-रात उनकी सेवा के लिए अपने-अपने नौकर थे। ब्लैक जेड यांगचो से अपनी नौकरानी, मदर वांग, और स्नोगूज़ नाम की एक छोटी दस साल की दासी को साथ लाई थी। राजकुमारी को स्नोगूज़ बहुत छोटी और मदर वांग बहुत बूढ़ी लगीं, इसलिए उन्होंने अपनी पोती को अपने घरेलू कर्मचारियों के अलावा, दासी कुकू भी दे दी। इनके अलावा, उन्होंने अपने चचेरे भाइयों की तरह ही हल्के और भारी काम के लिए आधा दर्जन नौकरानियाँ भी रखीं। पाओ यिन के पास एक बुजुर्ग नौकरानी, मदर ली, और एक बुद्धिमान, भरोसेमंद युवा दासी थी। यह दासी, जिस पर राजकुमारी को विशेष भरोसा था, पर्ल कहलाती थी। उस रात, पाओ यिन के कमरे में काफी देर तक शांति छाई रही, यू सो रही थी, नौकरानी पर्ल ने देखा कि अंदर के शयनकक्ष में अभी भी रोशनी है और लोग वहाँ बातें कर रहे हैं। उत्सुकतावश, वह अपनी नाइटड्रेस में ही अंदर चली गई। उसने देखा कि ब्लैक जेड अपने बिस्तर के किनारे बैठी नौकरानी कुकू से बातें कर रही है। "युवती अभी तक क्यों जग रही है?" उसने आश्चर्य से पूछा। "बैठ जाओ, बहन," ब्लैक जेड ने उसे प्यार से बैठने के लिए कहा। पर्ल भी बिस्तर के किनारे बैठ गई। फिर कुकू ने अपनी बात बताई। उसने कहा कि युवती उस पहली शाम को बहुत बुरी तरह रो रही थी। उसकी आँखें बार-बार आँसू से भर आती थीं, जैसे ही वह उन्हें पोंछती थी। वह

इस बात से बहुत दुखी थी कि उसने घर के बेटे को अपनी पहली ही मुलाकात में इतना क्रोधित कर दिया था, और उसे लग रहा था कि वह दुर्भाग्य की वजह है। "प्यारी युवती, तुम्हें ऐसी बात को इतना दुखद नहीं मानना चाहिए," पर्ल ने ब्लैक जेड की ओर मुस्कुराते हुए कहा। "मुझे डर है कि भविष्य में तुम्हें उससे और भी अजीब और असामान्य व्यवहार देखने को मिलेगा।" अगर तुम हर बात को दिल पर लोगे, तो मुझे डर है कि तुम्हें दिल की बीमारी हो जाएगी। तुम्हें इतना संवेदनशील नहीं होना चाहिए! 33

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 48.83% है ।

"शुक्रिया, बहन! मैं तु म्हारी बात पर ध्यान दूं गी," ब्लै क जे ड ने कु छ अंश होकर कहा, और थोड़ी दे र बाद आखिरकार उसे नींद आ गई। अगली सु बह जब ब्लै क जे ड अपनी चचे री बहनों के साथ हमे शा की तरह आं टी चें ग को सु प्रभात कहने गई, तो उन्होंने दे खा कि आं टी और फीनिक्स एक रिश्ते दार के पत्र पर गरमागरम चर्चा कर रही थीं, जिसे दो सं दे शवाहक अभी-अभी शहर से लाए थे । ब्लै क जे ड को उनकी चर्चा का विषय पू री तरह समझ नहीं आया। उसकी चचे री बहनों ने उसे समझाया। पत्र आं टी चें ग के बड़े भाई, अं कल वां ग का था, और एक दुखद घटना से सं बंधित था जिसमें उनका भतीजा ह्सु एह पन शामिल था। आं टी चें ग की बहन का बे टा, यं ग ह्सु एह पन, परिवार की सु रक्षा का फायदा उठाकर एक झगड़े में अपने प्रतिद्वं द्वी की हत्या कर चु का था, और अब उसे यिंग तिएन फू के प्रीफे क्ट के सामने जवाब दे ना था। अगले अध्याय में आपको इस दर्दनाक घटना के परिणाम और यह हमारी कहानी से कै से जु ड़ी है, इसके बारे में पता चले गा। अध्याय 4 एक अभागी लड़की को एक अभागा प्रे मी मिलता है ।लौकी मंदिर का एक छोटा भिक्षु न्यायाधीश की भूमिका निभाता है । जै सा कि पहले ही उल्ले ख किया जा चु का है, अपनी बहाली के बाद, यु त्सु न कोंलिन जू न हुई और उसके बहनोई चें ग के प्रभाव से प्रप्त सं रक्षण के कारण यिंग तिएन फू का प्रीफे क्ट पद मिला। पदभार ग्रहण करने के तु रं त बाद, एक महीने से भी कम समय पहले उनके जिले में हुई एक हत्या का मामला सु नवाई के लिए उनके समक्ष आया। एक सु ं दर दासी के स्वमित्व को ले कर हुए झगड़े में, एक खरीदार ने अपने प्रतिद्वं द्वी को पीट-पीटकर मार डाला था। वादी मृ तक का नौकर था। अपने बयान में उन्होंने कहा, "जिस व्यक्ति की हत्या हुई वह मे रा मालिक था। मे रे मालिक ने उस दासी को उसके मालिक, एक बालक-चोर से उचित कीमत पर खरीदा था और खरीद मू ल्य भी चु का दिया था, लेकिन यह तय किया गया था कि वह दासी को तीन दिन बाद ही अपने घर लाएगा, क्योंकि वह दिन पं चां ग में शु भ माना जाता था। अब उस धूर्त बालक-चोर ने इस अं तराल का फायदा उठाकर चु पके से दासी को दूसरी बार बे च दिया, यानी ह्सु एह पन नाम के एक व्यक्ति को। मे रे मालिक को समय रहते इस सौदे की खबर मिल गई और वह दासी के व्यपारी से लड़की को लाने के लिए निकल पड़ा, लेकिन उस क्रू र ह्सु एह पन के नौकरों ने, जो अपने परिवार की

ताकत का इस्तेमल करते हुए कानून और न्यय का अपमान करता है, उसे जबरदस्ती रोकलिया और लाठियों से पीटपीटकर मार डाला। फिर अपराधी दासी को लेकर भग गए और तब से उनका कोई पता नहीं चला है । मुझे शिकायत किए हुए एक महीना हो चुका है, लेकिन आपके पूर्ववर्ती ने इस मामले को नहीं उठाया। मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि हत्या के ममले में34

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.65% है ।

"हम हत्यारों का पता लगाएं गे और उन्हें उनकी करनी का फल दें गे, ताकि न्याय हो और निर्दोषता बु राई पर विजय प्राप्त करे ।" जब यु त्सु न ने पू री बात सु न ली, तो उसने गु स्से में जज की मे ज पर मु क्का मारा। "क्या! एक हत्यारे को बिना सजा के छोड़ दिया गया! यह कै से सं भव है?" वह आक्रोश से चिल्लाया। "मैं तु रं त गिरफ्तारी वारं ट जारी करूं गा और हत्यारे के रिश्ते दारों के पास जासू स भे जूं गा।" और अगर वे स्वे च्छा से हत्यारे का पता नहीं बताते, तो उन्हें यातना दी जाएगी!" वह अभी अपनी कलम उठाने ही वाले थे कि उन्होंने दे खा कि न्यायाधीश की मे ज के पास दोनों ओर खड़े यामे न सचिवों में से एक ने उन्हें आँ ख मारी। उन्हें समझ आ गया कि सचिव उनसे कु छ महत्वपू र्ण बात कहना चाहता है, इसलिए उन्होंने अपनी कलम नीचे रख दी, बै ठक रोक दी और अपने निजी कार्यालय में चले गए। वहाँ उन्होंने संबंधित अधिकारी से निजी तौर पर बात की। "जब से पु राने गवर्नर अपने उच्च प्रशासनिक पद पर आए हैं, तब से शायद वे मु झे पू री तरह से भू ल गए हैं?" उस व्यक्ति ने धू र्त मु स्कान के साथ कहना शु रू किया। "लेकिन बे शक, हमारी मुलाकात को आठ-नौ साल हो चु के हैं"।" दरअसल, आपका चे हरा मु झे बहुत जाना-पहचाना लगता है, लेकिन इस समय मु झे ठीक से याद नहीं आ रहा है..." "हाँ, सच में, जब भाग्य मे हरबान होता है, तो बड़े लोग अपने शु रुआती सं घर्षों को याद करना पसं द नहीं करते ।" लेकिन आपको लौकी मंदिर तो याद ही होगा ना?" अब यु त्सु न समझ गया कि वह कौन है ।" हाँ, बिल्कुल, आप वही छोटे भाई थे जो लौकी मंदिर में धू प दान साफ करते थे और मे री कोठरी के बगल में रहते थे । बहुत हुए, तब से आपका जीवन कै सा चल रहा है?" उसने हं सते हुए कहा और विनम्रता से दू सरे को बै ठने के लिए आमंत्रित किया। लेकिन वह व्यक्ति, जो अब यामे न का सचिव था, विनम्रता से खड़ा रहा और सं क्षे प में बताया कि लौकी मंदिर के जलने के बाद वह बे घर हो गया था, लेकिन जल्द ही उसने अपने बाल फिर से बढ़ाने का फै सला किया और ठं डे और नीरस मठ जीवन से ऊबकर यामे न का से वक बन गया। "लेकिन अब बै ठ जाइए!" यु त्सु न ने उसे कुर्सी पर हल्के से धक्का दे ते हुए कहा। लेकिन दूसरा व्यक्ति के वल किनारे पर ही शर्माते हुए बै ठा। "गरीबी और अभाव के समय में बनी पु रानी दोस्ती को नहीं भूलना चाहिए। इसके अलावा, हम अब मे रे निजी कार्यालय में हैं, किसी सार्वजनिक

अदालत में नहीं। तो फिर यह औपचारिकता क्यों?” लेकिन अब समझाओ कि जब मैं गिरफ्तारी का आदेश लिखने ही वला था, तब तुमने मुझे आँख क्यों मारी?" "जब से तुम यहाँ पद पर हो, क्या तुम्हारे समने कोई सुरक्षा सूची नहीं रखी गई है?" "सुरक्षा सूची से तुम्हारा क्या मतलब है?" 35

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.15% है ।

"आजकल प्रांतों के सरकारी अधिकारियों के लिए यह प्रथा है कि वे अपने ज़िले में रहने वाले सभी प्रमुख, धनी और प्रभावशाली नागरिकों के नामों की एक गुप्त सूची रखते हैं, विशेष रूप से 'बेल्ट पहनने वालों' या पूर्व उच्च अधिकारियों के, जिनके दरबार में सरकारी हलकों से महत्वपूर्ण संबंध होते हैं। एक समझदार प्रांतीय मजिस्ट्रेट इन महत्वपूर्ण लोगों से टकराव से बचने के लिए बहुत सावधानी बरतता है, अन्यथा वह अपनी स्थिति या कुछ परिस्थितियों में अपनी जान तक जोखिम में डाल देता है। इसीलिए इसे सुरक्षा सूची कहा जाता है। अब, वह व्यक्ति ह्सु एह पन ज़िले के उन प्रमुख लोगों में से एक है जिनसे कोई भी नाराज़ होने की हिम्मत नहीं करता। इसीलिए आपके पूर्ववर्ती ने हत्या के मामले में कोई कदम नहीं उठाया, हालाँकि ह्सु एह पन का अपराध स्पष्ट है।" बोलते-बोलते उन्होंने अपनी जेब से एक मुड़ा हुआ कागज़ निकाला और यू त्सु न को सौंप दिया। यह वही सुरक्षा सूची थी जिसे वे अपने निजी उपयोग के लिए रखते थे। यु त्सु न को वह दस्तावेज़ ज़िले के प्रमुख परिवारों के नामों से भरा मिला, और नामों के साथ-साथ आम बोलचाल की भाषा में हाशिये पर उन परिवारों के बारे में लोगों की टिप्पणियाँ लिखी थीं। उसने चिया, शिह, वांग और ह्सु एह जैसे प्रमुख नाम पढ़े। सचिव ने उसे समझाया, "ये चारों शक्तिशाली परिवार रक्त संबंधियों या विवाह संबंधों से जुड़े हुए हैं और अच्छे-बुरे हर हाल में एक-दूसरे से बंधे हैं। एक परिवार को दी गई सज़ा चारों परिवारों पर पड़ेगी, एक परिवार को दिया गया सम्मान बाकी परिवारों को भी मिलेगा। इस शक्तिशाली पारिवारिक गुट के अलावा, हत्यारे ह्सु एह पन का दरबार और प्रांतों में भी प्रभावशाली संपर्क है। अगर आप अब उसके समर्थकों की गिरफ्तारी का वारंट जारी करते हैं, तो आपको वास्तव में कितने लोगों को जेल में डालना पड़ेगा?" "हम्म। मैंने इसके बारे में सोचा ही नहीं था। लेकिन फिर मुझे इस मामले में क्या करना चाहिए? ज़ाहिर है, हत्यारे का पता आपको अच्छी तरह से पता है?" सचिव ने चालाकी भरी मुस्कान दी। "अगर मैं खुलकर बोलूं, आदरणीय राज्यपाल जी, तो मैं कह सकता हूं कि मैं न केवल हत्यारे के ठिकाने को जानता हूं, बल्कि अन्य संदिग्ध व्यक्तियों, मृतक, दास व्यापारी और दासी के बारे में भी काफी कुछ जानता हूं। यदि आप कृपा करके मेरी बात धैर्यपूर्वक सुनेंगे, तो मैं आपको पूरी कहानी बिल्कुल सही-सही बताऊंगा।

मृ तक का नाम फें ग था। वह सरकारी कर्मचारियों के एक सधारण परिवार से था, और अपने मता-पिता की मृ त्यु के बाद, विरासत में हिस्सा ले ने के लिए कोई भाई-बहन न होने के कारण, वह अपने पिता द्वारा छोड़ी गई सं पत्ति पर सादगी से जीवन यपन करता था। बीस वर्षीय फें ग स्वभव से स्त्रियों से विमु ख था और पु रुषों का साथ पसं द करत था। शायद ईश्वर ने उसेपिछले जन्म मेंकिए गए किसी अपराध का प्रायश्चित कराने के लिए ऐसा किया था, जब दुर्भाग्यवश वह उस बालक-चोर के पस पहुं च गय, जिसके पस वह दासी थी। खै र, अपनी सामान्य आदतों के बिल्कुल विपरीत, वह..."

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 79.01% है ।

दासी को दे खते ही वह उस पर मोहित हो गया, उसे अपनी रखैल बनाने का निश्चय किया और भविष्य में पु रुषों से किसी भी प्रकार का सं बं ध न रखने का सं कल्प लिया। उस मूर्ख ने इस ममले को इतनी गं भीरत से लिया कि उसने लड़की को घर ले जने के लिए कैलें डर में शु भ दिन भी दे ख, और वह दिन सौदा तय करने और कीमत चु काने के बाद का तीसरा दिन था। धूर्त दास व्यापारी ने अब इस मौके का फायदा उठाकर लड़की को दोबारा नकद में बे चने का सोचा, इस बार ह्सु ह पन को। लेकिन दुगने मु नाफे के साथ भागने से पहले ही वह दो प्रतिद्वंद्वियों के हाथ लग गया। उनमें से कोई भी अपना पै स वापस नहीं चाहता था, बल्कि दोनों ही लड़की पर कब्ज़ा करना चाहते थे । इसलिए उन दोनों ने मिलकर उसे लगभग पीट-पीटकर मार डाला। फिर दोनों प्रतिद्वं द्वी आपस में भिड़ गए। अपने नौकरों के बड़े दल की बदौलत ह्सु ह पन को फायदा हुआ। उन लोगों ने बे चारे फें ग को इतन पीटा कि वह इतना कमजोर हो गया कि हिल भी नहीं सका। तीन दिन बाद उसकी मौत हो गई। लेकिन उसका प्रतिद्वं द्वी फिर अपने लू टे हुए माल और नौकरों के दल के सथ राजधानी चला गया, भगोड़े की तरह नहीं बल्कि बड़े आराम से, खुले आम और बेफिक्र होकर, किसी भोले-भाले यत्री की तरह, मानो कु छ हुआ ही न हो। लेकिन अब कहानी का सबसे उल्ले खनीय हिस्सा आता है । आपको क्य लगता है कि वह दासी कौन थी? "मु झे कै से पत चले ग?" "छोटी कमल, आपके महान मित्र और सं रक्षक, शिह यिंग की बे टी, जो आपके लौकी मंदिर के दिनों की थीं!" "आप ये क्य कह रहे हैं? जब लालटे न उत्सव की शम को उसे चुराया गया था, तब वह मुश्किल से तीन सल की थी। और आप कह रहे हैं कि चोर उसे अब, आठ साल बाद बे च रहा है?" "बाल चोरों का रिवाज है कि वे चुराई गई छोटी बच्चियों को अपने पस रखते हैं और उन्हें बरह या ते रह सल की उम्र तक पालते-पोसते हैं और फिर उन्हें दे श के किसी दूसरे हिस्से में बाज़ार में बे च दे ते हैं । इसलिए, जिस चोर ने हमरी छोटी कमल को चु राया था, उसने उसे आठ साल तक सु चो के पास अपने ठिकाने में छिपाकर रखा, और फिर उसे यहाँ यिंग तिएन फू में बे चने के लिए लाया। मैं गलत नहीं हूँ; मैं ने उसे फिर से पहचन लिया। क्योंकि यहाँ रहने के दौरान चोर वास्तव में उसी घर में रुका था जहाँ मैं उस छोटी बच्ची के साथ रहता हूँ ।" "हम लौकी मंदिर के

भिक्षु छोटी कमल के सथ बहुत ही दोस्ताना और पड़ोसी जैसे संबंध रखते थे। "वह भोली बच्ची हर रोज मंदिर आती थी और हम उसके सथ खेलते-कूदते खूब मस्ती करते थे। इसलिए, उसका चेहरा मेरी यदों में बस गया। सालों बीतने के साथ-साथ उसके चेहरे की बनावट और भी निखर गई है और उसकी खूबसूरती और भी बढ़ गई है, लेकिन मूल रुप से वह वैसी ही है। इसके अलावा, मैं उसे उसके जन्मचिह्न से पहचनती थी, जो उसकी भौहों के बीच नक के पुल के ऊपर चवल के दाने के आकार का एक तिल था। "एक बार जब गुलामों का व्यापारी बाहर गया हुआ था और वह घर में अकेली थी, तो मैं उसके पास गई और उससे तुरंत सवाल किए, लेकिन वह कुछ भी बोलने को तैयार नहीं थी। उसने कहा कि उसे बोलना नहीं चाहिए वरना उसकी पिटाई होगी।"

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.90% है ।

डरी हुई, और उसने ज़िद की कि चोर उसका पिता था, जिसने कर्ज चु काने केलिए उसे बे च दिया था। जब मैं ने उससे और सवाल पू छे तो वह रोने लगी और कहने लगी कि उसे अपन बचपन याद नहीं है । लेकिन बाद में उसने अपनी सच्चाई बता दी। जिस दिन यु व फें ग ने उसे खरीदा, मैं ने दरवाजे पर कान लगाकर सु न और एक दरार से कमरे में झाँका। गुलामों का सौदागर यु व फें ग के साथ सौदा होने का जश्न मना रहा था और खू ब शराब पी गया था। खु द को अनदे खा समझकर, लोटस ने राहत की एक गहरी साँ स ली। 'आज मे रे पिछले जन्म का कर्ज़ आखिरकार चु क गया!' वह चिल्लाई। लेकिन जब उसने सु ना कि उसका प्रे मी उसे केवल तीन दिन बाद ले ने आएगा, तो उसकी खु शी उदासी में बदल गई। मैं ने अगली बार जब वह अकेली हुई तो उस पर नज़र रखी और अपनी पत्नी को उसके कमरे में भे जकर उसे दिलासा दे ने को कहा। मे री पत्नी ने उससे कहा कि यु व फें ग का उसे घर ले जने केलिए शु भ दिन का इं तज़ार करना यह दर्शाता है कि उसके इरादे ने क और गं भीर हैं, और वह उसे पत्नी की तरह दे खता है, गुलाम की तरह नहीं; क्योंकि यह आदमी, जो हमे श से स्त्री-द्वेषी के रूप में जाना जाता था, ने उसकेलिए ढे र सारा पै स खर्च किया है, तो वह उससे बहुत प्यर करता होगा। उसे तीनदिन धैर्यपूर्वक इं तज़ार करना चाहिए, फिर उसका शु भ दिन आएगा, और उसे एक सु खद जीवन और एक अच्छा घर मिले ग। यह सु नकर वह शं त हो गई। किसने सोच था कि सब कु छ इतन अलग होगा? अगले दिन उस धूर्त गुलाम व्यापारी ने उस बे चरी को फिर से बे च दिया, इस बार उस हु सु एह पन को। अगर कोई और होता तो इतना बु रा नहीं होता। लेकिन यह क्रू र, अय्याश और खर्चीला आदमी, जिसे लोग 'पागल लु टेरा काउं ट' के नाम से जनते हैं, उसका मालिक बन गया - यही आखिरी हद थी! पतझड़ के पत्तों की तरह उस पर लगातार वार करते हुए, वह बे चरी को घसीटते हुए ले गय, मानो वह मरी हुई सी थी। उसके अभागे प्रे मी, यु व फें ग केलिए सचमु च दुख होता है । उसकी सारी खु शी व्यर्थ हो गई, और उसने अपना जीवन और धन व्यर्थ ही कुर्बान कर दिया। यु त्सु न ने गहरी आह भरी। "बे चरे! कौन जाने उन्होंने पिछले जन्म में क्या-क्या गु नह किए होंगे, क्योंकि अब उन्हें उनका प्रायश्चित करना पड़ रहा है । उस लड़की पर भी तरस आता है । सच है, उसका पहला प्रे मी उसे वह आराम और विलासिता

नहीं दे सका जो उसे अब दूसरे के घर में मिल रही है, लेकिन दूसरी तरफ उसे कई अन्य महिलाओं के साथ एक बिगड़े हुए, बदमिजाज और अय्याश के सथ रहना पड़ता है, जबकि दूसरे के घर में वह अकेली पत्नी और रखैल होती। लेकिन बाद में दार्शनिक बातें करने का क्या फायदा?" मे रेलिए अभी सबसे महत्वपूर्ण बात एक समझदारी भरा निर्णय ले न है। "आदरणीय महोदय, बहुत समय पहले लौकी के मंदिर में आप एक बहुत ही चतु र और स्पष्ट बुद्धि वाले व्यक्ति हुआ करते थे। इसलिए, इतने वर्षों के पे शे वर अनु भव के बाद, आपके लिए 38 तक पहुं चन वास्तव में मुश्किल नहीं होना चाहिए।

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.03% है।

एक निर्णय। आखिरकार, आपकी वर्तमान स्थिति उन्हीं चिया और वांग परिवारों के संरक्षण की देन है, जो उस ह्सु एह पन के समूह से संबंधित हैं। क्या आप धारा के विपरीत जाकर अपने संरक्षकों को नाराज़ करना चाहते हैं? मैं आपको सलाह देता हूँ कि आप इस मामले को शालीनता से छोड़ दें, ताकि भविष्य में आप बिना किसी शर्मिंदगी के अपने संरक्षकों का सामना कर सकें! "हम्म, यह तर्कसंगत लगता है। फिर भी, यह एक इंसान की जान का सवाल है। मैं पक्षपात करके और न्याय के विरुद्ध जाकर, स्वर्ग के पुत्र द्वारा मुझ पर रखे गए भरोसे को कैसे चुका सकता हूँ!" "आप सैद्धांतिक रूप से सही हो सकते हैं, लेकिन व्यवहार में, दुर्भाग्य से, आजकल ऐसे नैतिक विचारों पर हमेशा ध्यान नहीं दिया जा सकता। 'बुद्धिमान व्यक्ति परिस्थितियों के अनुसार ढल जाता है,' पुरानी कहावत है। 'बुद्धिमान व्यक्ति सौहार्दपूर्ण समझौता करने का प्रयास करता है और दुष्ट संघर्ष से बचता है,' एक और विश्वसनीय नियम है। यदि आप सिद्धांत के अनुसार सख्ती से कार्य करेंगे, तो आप बहुत जल्द अपना पद खो देंगे और परिणामस्वरूप स्वर्ग के पुत्र के भरोसे को सही ठहराने में असमर्थ हो जाएँगे, सचमुच, आप सचमुच अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं"। यू त्सुन एक पल के लिए सोच में पड़ गया। "अच्छा। तो फिर, आपकी राय में क्या किया जाना चाहिए?" "मेरे पास एक शानदार योजना है। जब आप कल फिर से मामले की सुनवाई शुरू करें, तो एक कठोर, निर्दयी न्यायाधीश की तरह व्यवहार करें, चिल्लाएं और क्रोध करें और हत्यारे ह्सु एह पन की गिरफ्तारी का वारंट जारी करें। हालांकि, इसे लागू न करें; बल्कि, केवल दूसरे पक्ष को शांत करने के लिए, उसके घर के कुछ महत्वहीन सदस्यों को यहां गिरफ्तार करवाएं और उनसे पूछताछ करें! मैं आपकी पीठ पीछे इन लोगों से उनकी जेल कोठरी में मिलूंगा और उन्हें बता दूंगा कि मामले को इतनी गंभीरता से नहीं लिया जाना चाहिए, और उन्हें अपनी पूछताछ में कहना चाहिए कि उनके मालिक, हत्यारे ह्सु एह पन की इस बीच अचानक बीमारी से मृत्यु हो गई है। इसके अलावा, मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि ह्सु एह कबीले के प्रमुख सदस्यों और संबंधित वार्ड के अधिकारियों द्वारा बनाया गया मृत्यु प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाए।" सुनवाई के आगे बढ़ने पर, जनता की ओर से किसी भी संभावित असंतोष को दबाने के लिए, आप आत्माओं को बुलाने का नाटक करेंगे और

बलि की वे दी और जदुई छड़ियों के सथ एक सार्वजनिक प्रदर्शन करें गे, और मृ तकों की आत्मओं से यह घोषणा करवाएं गे कि वे पिछले जन्म में शत्रु थे और एक सं करे स्तेरपरमिलने पर एक-दूसरे को मार डाला था; कि हत्यारे ह्सु एह पन को मारे गए फें ग की प्रतिशोधी आत्मा द्वारा एक घातक बीमारी से पीड़ित किया गया था, और उसकी भी मृ त्यु हो गई थी। इसलिए, हत्या का प्रायश्चित पहले ही हो चु का है, और धोखे बज दास व्यापारी को दंडित करने के अलावा, अधिकारियों के लिए मामले को आगे बढ़ाने की कोई आवश्यकत नहीं है । यदि आप कु छ और करन चाहते हैं, तो आप ह्सु एह परिवार को मारे गए व्यक्ति के परिजनों को 39 के खर्चों की भरपाई करने का आदे श दे सकते हैं ।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.10% है ।

उसका अंतिम सं स्कार। ह्सु एह परिवार धनी है । उन्हें पाँच सौ य एक हज़ार औंस दे ने में कोई आपत्ति नहीं होगी। मृ तक के रिश्ते दार तु च्छ और सधारण लोग हैं । वे अपने हाथों में अच्छी खसी रकम पाकर चु प रहन चाहें गे । इस छोटी सी योजना के बरे में आपका क्या विचार है?" "असं भव" यु त्सु न ने हास्यमटोल भरी हं सी के साथ कहा। "लेकिन मैं इस ममले पर फिर से विचार करूं ग।" योजना पर निर्णय ले ने से पहले उन्हें ज्यादा सोचने की जरूरत नहीं पड़ी। और फिर उन्होंने इसे ठीक उसी तरह अं जम दिया, जै स उनके सलाहकार ने उन्हें बताया था, जिसके परिणामस्वरूप लोगों में कोई कानाफू सी नहीं हुई और दोनों पक्ष सं तुष्ट थे । अं त में उन्होंने आधारी के प्रभवशाली चाचा चिया चें ग और मर्शल वां ग त्ज़ु तें ग को दो पत्र लिखे, जिसमें उन्हें सूचित किया कि उनके योग्य भतीजे के खिलाफ कार्यवाही सं तोषजनक ढं ग से निपटा दी गई है और उन्हें अब इसके बरे में जरा भी परे शन होने की जरूरत नहीं है । इस प्रकार, लौकी मंदिर के एक पूर्व भिक्षु के चतु र विचार के कारण, कानू न और न्यय को दरकिनार कर एक कष्टदायक कानू नी ममले को चतुराई से समप्त कर दिया गया। लेकिन इसके बद यु त्सु न को अपने रहस्य के प्रिय भागीदार की निकटता परे शन और असहज लगने लगी। उन्हें यह सोचकर दुख होता था कि मंदिर का पूर्व भिक्षु चु गली कर सकता है य लापरवाही भरी गपशप ने लोगों के समने वर्तमान अत्यं त सम्मनित मजिस्ट्रे ट के अस्पष्ट, दयनीय अतीत का खुलासा कर दिया। इसलिए, इस बहाने से कि सचिव ने अपने कर्तव्यों के निर्वहन में निंदनीय तरीके से काम किया था, उन्होंने उसे उसके जिले में एक दूरस्थ पद पर भे जने का पहला अवसर लपक लिया। लेकिन यू त्सु न के बरे में अभी इतना ही काफी है । अब हम ह्सु एह पान के बरे में बात करते हैं । यद्यपि ह्सु एह पन एक अच्छे परिवार से थे, जो पीढ़ियों से उच्च सं स्कृति से ओतप्रोत थ, लेकिन कम उम्र में विधवा हो चु की माँ के इकलौते बे टे होने के कारण, बचपन से ही उन्हें बहुत लाड़-प्यार मिला था, और उन्हें किसी भी गं भीर अनु शासन या मार्गदर्शन से वंचित रखा गया था, और उनकी शिक्षा बहुत सतही थी। अपने पूर्वजों से मिले पुराने और अच्छे सं पर्कों और लाखों ताएल की विरासत के कारण, उन्होंने शही वस्त्रों के लिए एक विशेषाधिकार प्राप्त खरीदार का आकर्षक पद प्राप्त कर लिया था; लेकिन इस तथ्य के अलावा कि उनका नाम

वित्त मं त्रलय के ठे केदारों के रजिस्टर में थ और वे नियमित रूप से अपन वे तन प्रप्त करते थे, उन्होंने अपने अधिकारिक कर्तव्यों के वस्तविक निष्पादन को छोड़ दिया। अपने एजें टों और भरोसे मं द कर्मचारियों के प्रति अपने कर्त्तव्यों का वह पालन करता था, क्योंकि उसे व्यपार की कोई समझ नहीं थी। वह स्वयं पू री तरह से अपनी वासनाओं में डूबा रहता था और मुर्गा लड़ाई, घु ड़दौड़ और अय्याशी में समयबिताता था। वह एक खर्चीला और विलासी व्यक्ति था, एक व्यभिचारी, क्रू र, असभ्य व्यवहार वाला और अहं कारी वाणी वाला व्यक्ति था। उसकी माँ, राजधानी के मर्शल वां ग त्ज़ू तें ग की 40 वर्षीय अभिभावक थीं।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.24% है ।

यु ंगकु ओ मल्ह के चिया चें ग की पत्नी, पाओ चाई, अब चालीस वर्ष की थीं, और इस पु त्र के अलावा उनकी एक ते रह वर्ष की पु त्री भी थी, जिसका नाम पाओ चाई, "कीमती छल्ला" था। अपनी कोमल, गोल-मटोल सु ंदरता में, पाओ चाई एक चिकने, चमकते अगे ट पत्थर की तरह थीं। लेकिन उनकी उत्तम सु ंदरता के वल शारीरिक नहीं थी। सीखने की उनकी प्रबल लगन और उनके दिवं गत पिता द्वारा बचपन से ही उनकी शिक्षा पर दिए गए ध्यान के कारण, वह अपने से बड़े भाई, ह्सु एह पन से दस गु ना अधिक शिक्षित थीं। लेकिन जब उन्हें एहसस हुआ कि उनकी विधवा माँ को उनकी बदमिजाज बड़ी बे टी से कोई वास्तविक मदद नहीं मिल सकती, तो उन्होंने एक अच्छी, कर्तव्यनिष्ठ पु त्री की तरह, अपनी माँ को घर के कामों से राहत दे ने के लिए पिछले कु छ वर्षों से अपनी किताबें एक तरफ रख दी थीं। अपने असाधारण गु णों और विशेषताओं के कारण, हाल ही में उनका नाम साम्राज्य भर के कुलीन और उच्चवर्गीय परिवारों में से प्रतिवर्ष चु नी जाने वाली यु वतियों की सू ची में शामिल किया गया था, जिन्हें दरबार में प्रस्तु त किया जाता था और वहाँ रखा जाता था, कु छ सम्राट की रखैल के रूप में, अन्य दरबारी महिलाएँ और राजकु मारियों की सं रक्षक के रूप में । वर्तमान सम्राट कन्फ्यूशियस के उच्च उपदे शों और दार्शनिक ग्रं थों को महत्व दे ते थे और चाहते थे कि दरबार की राजकु मारियाँ शास्त्रीय साहित्य में शिक्षित यु वतियों की सं गति से सकारात्मक रूप से प्रभावित हों और अनु करणीय व्यवहार के लिए प्रोत्साहित हों। अब, जब ह्सु एह पान ने अपनी बहन को दरबार ले जाने का निर्णय लिया, तो उन्होंने ऐसा तीन कारणों से किया। सबसे पहले, वे राजधानी में अपने रिश्ते दारों से मिलने का अवसर ले ना चाहते थे; दूसरे, वे अपने नियोक्ता, वित्त मं त्रालय के समक्ष उपस्थित होना चाहते थे और कु छ आधिकारिक व्यावसायिक मामलों को निपटाना चाहते थे; लेकिन तीसरा और सबसे महत्वपूर्ण कारण यह था कि वे आनं द ले ना चाहते थे । राजधानी की शान-शौकत और खु शहाल जीवन को जानने की उनकी हमे शा से इच्छा रही थी, जिसकी उन्होंने बहुत प्रशं सा सु नी थी। यात्रा की सारी तै यारियाँ हो चु की थीं, ढे रों सं दूक और मित्रों एवं रिश्ते दारों के लिए उपहार पै क कर दिए गए थे, और प्रस्थान के लिए एक शु भ दिन कैलें डर में दे ख लिया गया था, तभी दास व्यापारी के साथ हुई घटना घटी, जिसमें दुर्भाग्यपूर्ण

फें ग की जन चली गई और छोटी लोटस, ह्सु एह पन के हाथों में आ गई। घर का काम कु छ पुराने भरोसे मं द नौकरों की दे खरे ख में छोड़कर, ह्सु एह पन अपनी माँ, बहन, रखेलों, सामान और नौकरों के साथ तय दिन पर राजधानी के लिए निकल पड़े । हत्य की घटना ने उन्हें ज़रा भी परे शन नहीं किया; उनके लिए यह महज़ एक छोटी सी बात थी जिसे मु ट्ठी भर गं दे सिक्कों से निपटाया जा सकता था। दरअसल, मै डम ह्सु एह राजधानी में अपने भाई मार्शल वां ग के साथ रहने का इरादा रखती थीं। लेकिन दीवारों तक पहुँ चने से कु छ ही समय पहले.

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.92% है ।

शाही शहर से उन्हें खबर मिली कि मार्शल वां ग को नौ प्रां तों का शाही मार्शल नियुक्त किया गया है और उन्हें सीमाओं के निरीक्षण के लिए तु रं त जाने का आदे श मिला है । यह खबर ह्सु एह पन के लिए एक गु प्त राहत थी। अब, उसने मन ही मन सोचा, वह अपने चाचा के कष्टदायक अधिकार और निगरानी से मुक्त हो जाएगा और अपनी इच्छाओं के अनु सार पूर्ण स्वतं त्रता प्राप्त करे गा, और उसने ईश्वर का धन्यवाद किया कि उसने मामलों को उसकी इच्छा के अनु सार निपटाया। बदली हुई परिस्थितियों के कारण अब पारिवारिक परामर्श आवश्यक हो गया था। बे टे ने सुझाव दिया, "हमें अपने कु छ नौकरों को पहले ही भे ज देना चाहिए ताकि वे हमारे उन घरों में से एक की मरम्मत कर सकें जो वर्षों से उपयोग में नहीं हैं"। माँ इसके विरुद्ध थी। "इतनी सारी झं झट क्यों? हमारे रिश्ते दार किसलिए हैं? हम या तो मे रे भाई वां ग या मे रे बहनोई चें ग के साथ रह सकते हैं । यु ं गकु ओ महल में बहुत जगह है । हम बाद में अपने किसी घर में जा सकते हैं "। “चाचा वां ग सीमा यात्रा की तै यारियों में व्यस्त हैं; उनके घर में अफरा-तफरी मची हुई है । ऐसे में टिड्डियों के झुंड की तरह उन पर टूट पड़ना हमारे लिए सचमु च नासमझी होगी,” बे टे ने सं शय से कहा। "आप सही कह रहे हैं । ठीक है, तो हम यु ं गकु ओ महल चलते हैं । मे री बहन ने मु झे बार-बार अपने यहाँ आने का न्योता दिया है, इसलिए वह हमें मे हमान के रूप में पाकर खु श होगी। लेकिन मैं समझती हूँ कि आप आज़ाद और निश्चिंत रहना चाहते हैं; इसलिए आप जहाँ चाहें अपनी पसं द का ठिकाना चु न सकते हैं। लेकिन मैं कीमती लच्छे के साथ यु ं गकु ओ महल में ही रहूँ गी"। स्वाभाविक रूप से, ह्सु एह पन शु रुआत में ही अपने परिवार को छोड़कर नहीं जा सकता था; इससे रिश्ते दारों पर बु रा असर पड़ता। इसलिए, अपनी नाराज़गी को दबाते हुए, उसने अपनी माँ की इच्छा का पालन किया और यु ं गकु ओ महल में उनके आगमन की सू चना दे ने के लिए दूत भे जे । वहाँ यात्रियों का बड़े ही सौहार्द से स्वागत किया गया, और राजकु मारी पूर्वज और चाची चें ग दोनों ने उन्हें वहीं रुकने के लिए प्रोत्साहित किया। चाचा चें ग ने अपने राज्य के दक्षिण-पूर्वी छोर पर, जिसे नाशपाती उद्यान कहा जाता था, मे हमानों के लिए दस अप्रयुक्त कमरों का एक सु इट तै यार करवाया था। नाशपाती उद्यान पार्क में मनमोहक परिवे श में स्थित एक रमणीय मनोरं जन गृ ह था, जो यु ं गकु ओ के प्रथम राजकु मार का वृ द्धावस्था में पसं दीदा

निवास स्थान था। अपने परिसर के सथ, यह जागीर के भीतर एक अलग, चारदीवारी वाला क्षेत्र बनाता था। अंदर से यह चाची चेंग के आंगन से एक छोटे द्वार और एक संकरे रास्ते से जुड़ा हुआ था, और बाहर से सड़क की ओर इसका अपना निकास था। यह बात ह्सु एह पन को विशेष रूप से पसंद आई, क्योंकि इससे वहबिना किसी रुकावट के अंदर-बाहर आ-जा सकता था और द्वार पर उसकी गतिविधियों की जाँच की झंझट से मुक्त था। कुल मिलाकर, अंदर आने पर उसे जो असुविधा हुई थी, वह धीरे-धीरे कम होती गई। उसका यह डर कि उसके चचा हर 42 मिनट पर उस पर नज़र रखेंगे, दूर होता चला गया।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 48.75% है ।

यह कदम निराधार साबित हुआ। चाचा चें ग अपने प्रशासनिक कार्यों में व्यस्त थे, और राजकु मार शीह, जो बड़े होने के नाते सर्वोच्च अधिकार रखते थे, घर के अने क सदस्यों की गतिविधियों में दखल दे ने के लिए बहुत ही सहज थे । वे अपनी लाइब्रे री में ध्यान लगाना और शतरं ज खेलना पसं द करते थे और केवल शांति चाहते थे । वहीं हु सु एह पन को दोनों महलों में रहने वाले अपने चचे रे भाइयों में मनचहे सथी मिल गए। इनमें से अधिकतर चचे रे भाई रे शमी पतलू न और हवदार कोट पहनते थे- हं समु ख और हं समु ख युवा, जिनसे वह भी जीवन-सभ्यता की कला सीख सकते थे । अगर उनका मन ताश खेलने, शराब पीने, शहर में घू मने या प्रे म प्रसं ग में लगने का होता, तो हमे श उपयुक्त साथी मिल जाते थे । सं क्षे प में, हु सु एह पन को ऊब की शिकायत करने का कोई कारण नहीं था, और वे अपने नए परिवे श में इतने सहज हो गए कि एक महीने के भीतर ही अपने रहने की जगह बदलने का विचार उनके मन से गायब हो गया। इस विषयां तर के बाद मु ख्य कहानी किस दिशा में आगे बढ़ती है, यह अगले अध्यय में पत चले ग। अध्याय 5 पाओ यू की आत्मा महान शू न्य के प्रेतलोक में भटक रही है । भय जागृति की परी व्यर्थ ही उसके लिए गीतों में लाल कक्ष के स्वप्न की व्याख्या करती है । बहुत जल्द ही काला जे ड राजकु मरी पूर्वज का प्रिय बन गया और पाओ यू की तरह ही उसे अन्य सभी पोते-पोतियों से श्रे ष्ठ माना जाने लगा। ये दोनों एक दूसरे से इस कदर जु ड़ गए थे जै से गोंद और वार्निश, और अब वे एक अटूट जोड़ी बन गए थे ।दिन में वे साथ-साथ बै ठते और हाथ में हाथ डालकर घू मते, शाम को वे एक दूसरे से स्ने हपूर्ण विदाई ले ते और दीवार से दीवर मिलाकर सोते । अब अचनक यह नई चचे री बहन घर आ गई थी। यद्यपि वह अन्य चचे री बहनों से बहुत बड़ी नहीं थी, फिर भी कीमती क्लै स्प अपने व्यवहार में इतनी परिष्कृ त और इतनी आकर्षक थी कि आम राय के अनु सार काला जे ड भी उसके बराबर नहीं था। इसके अलावा, वह अपने दोस्तना और दयालु स्वभव से सभी का, यहाँ तक कि नौकरों का भी, दिल जीतना जानती थी, जबकि ब्लै क जे ड एक एकांकी स्वभाव की थी और घमं ड से भरी रहती थी। मन ही मन चिढ़ते हुए, ब्लै क जे ड को लगा कि उसकी नई चचे री बहन ने उसकी लोकप्रियता को कम कर दिया है, और उसकी झुं झलाहट तब आक्रोश में बदल गई जब उसने दे खा कि पाओ यू भी उसके

आकर्षण से अछूता नहीं रहा। पाओ यू अभी भी इतना अपरिपक्व था कि वह पुरानी दोस्ती और नए परिचित के बीच समझदारी से अंतर नहीं कर पाता था; उसके लिए एक चचेरी बहन दूसरी के समान थी। संक्षेप में, ब्लैक जेड को तब बुरा लगता था जब 43

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 8.85% है ।

उसने कीमती क्लैस्प से ज़रूरत से ज़्यादा दोस्ताना बातें कर दीं, जिससे ईर्ष्या के कई दृश्य उत्पन्न हुए, जिसके दौरान वह रोते हुए अपने कमरे में भाग जाती और अं त में उस विश्वासघाती को बार-बार माफ कर दे ती जब वह सिर झुकाकर उसके पीछे दौड़ता और यु वावस्था के जोश से उससे माफी मां गता। एक दिन, बे र के फूलों के मौसम में, राजकु मार और राजकु मारी चे न ने प्रेम के रिश्ते दारों को निंगकु ओ महल में आमंत्रित किया। जब सभी लोग शरद ऋतु की पू री भव्यता से जगमगाते सु गंधित उद्यान में कु छ दे र घू मे तो वे सभी एक बड़ी मे ज पर बै ठकर पारिवारिक भोज में शामिल हुए, जिसके बारे में कहने के लिए कु छ खास नहीं है । भोजन के अं त में पाओ यू को नींद आने लगी और उसने थोड़ी दे र ले टने की इच्छा व्यक्त की। राजकु मार चे न की सु ंदर यु वा बहू, मालकिन यु ंग, उसे स्वयं एक ऐसे कमरे में ले गई जो उसे दोपहर की झपकी के लिए उपयुक्त लगा। यह एक छोटा, सु ंदर और आरामदायक ढं ग से सजा हुआ अतिथि कक्ष था, लेकिन एक दीवार पर लिखे दो आदर्श वाक्यों ने लड़के को स्पष्ट रूप से असहज कर दिया। जब उसने पढ़ा: प्रकृति और सं सार के ज्ञान के लिए विज्ञान की उपे क्षा न करें । मानव हृदय के ज्ञान के लिए इतिहास के अध्ययन में स्वयं को समर्पित करें, तो वह चिड़चिड़ाकर पीछे मु ड़ा और बोला: "चलो जल्दी से बाहर निकलें!" उसकी सु ंदर साथी ने हं सते हुए उसे अपना शयनकक्ष दे ने की पे शकश की। "लेकिन, मालकिन, चाचा भतीजी के बिस्तर पर नहीं सो सकते; यह शिष्टाचार के विरुद्ध होगा," वहाँ मौजू द एक महिला ने आपत्ति जताई। "अरे, इतनी सं कोच क्यों? चाचा अभी भी एक लड़के ही हैं," यु वती ने हं सते हुए उत्तर दिया और पाओ यू को, जो रिश्ते दारी में उसका चाचा था लेकिन उम्र में उसका भतीजा जै सा लग रहा था, अपने शयनकक्ष में ले गई। जै से ही वह अं दर गया, उसका स्वागत एक मनमोहक इत्र की लहर ने किया जिसने उसकी इंद्रियों को मदहोश कर दिया और उसकी हड्डियों को पिघला दिया। "ओह, यहाँ कितनी अच्छी खु शबू आ रही है!" उन्होंने प्रसन्नतपूर्वक टिप्पणी की, और उनकी प्रसन्नता तब और बढ़ गई जब उन्होंने मास्टर तां ग पे ई हू द्वारा बनाई गई एक पेंटिंग दे खी जिसमें वसं त ऋतु के आरं भ में बेगोनिया की शाखाओं के नीचे सो रहे किसी व्यक्ति को दर्शाया गया था, और उसके दाईं और बाईं ओर लिखे निम्नलिखित शब्द पढ़े: कोमल शीतलता स्वप्नद्रष्टा

को घे रे हुए है आरंभिक वसं त उसे सहलाने वली हवाएँ - शराब की तरह सु गंधित! मौन प्रशं स में पाओ यू ने अपनी नज़रें कमरे के नश्वार साज-सज्जा पर घु मईं। यहाँ ड्रेसिंग टे बल पर एक कां से का दर्पण था जो महारानी वू के र्दण महल की शोभा बढ़ा दे त।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल8.96% है ।

तां ग रजवं श के समय कयह कमरा एक भव्य सोने की थली से सज था, जिस पर कभी प्रसिद्ध नर्तकी "उड़ती हुई अबाबील" ने अपने स्मी के समने नृ त्यकिया होगा। ऊं चे चबू तरे पर रखह शानदार रत्नजड़ित सोफा, हान चां ग महल की राजकु मरी शौ यां ग तृ तीय के शयनकक्ष की शोभ बढ़ाने के योग्य रहहोगा। सोफे के चरों ओर लटकती मोतियों की मालाएं शयद राजकु मरी तु ं ग चां ग के हथों से लगाई गई होंगी। "कितना सु ं दर कमरहै!" पाओ यू ने मं त्रमु ग्ध होकर कह"हाँ, है न? आत्माएं औरजिन्न भी यहाँ प्रसन्न हो सकते हैं" उनकी भतीजी ने मु स्कुते हुए कह। यह कहते हुए, उसने अपने हथ से फूलों जै सी सफे द चदर हटाई और मं दरिन बत्तखों की कढ़ाई वाले मुलायम तकिए को ठीक किया, जिसे शयद कभी "लाल कन्या" ने अपने प्रे मी कीयद में अपने सीने सेलगाया होगा। दासियों और सेविकाओं के समू ह ने पओ यू को कपड़े उतरने और सोफे पर ले दने में मदद की,और फिर वे सब चु पचप चले गए। फूल और तीन अन्य नौकरानियों को शयनकक्ष के दरवजे के बहर पहरा दे न था। "ध्यान रखना कि बिल्लियाँ खिड़की के नीचेलड़ना शु रु न कर दें और अपने मलिक की नींद में खलल न डालें!" मालकिन यु ं ग ने उन्हें प्यपूर्वक समझाया। पाओ यू ने आँ खें बं द करते ही खु द को सपनों कीदुनिया में खोय हुआ महसू सकिया। उसकी सु ं दर भतीजी उसके समने मं डराती हुई प्रतीत हुई और उसे एक परी महल में ले गई, जिसकी दीवारें जै स्पर की और खं भे औरलिंग माणिक के थे, और चारों ओर पे ड़ों की सरसराहट और चां दी जै से झरनों की कलकल ध्वनि गू ं ज रही थी।"यहाँ होन अच्छा है," उसने सपने में खु शी से आह भरी। "मु झे घर से यहाँरहन कहीं ज्यादा अच्छा लगता है, जहाँ हमे शमु झ पर नजर रखी जती है और मु झे हमे शपिताजी और माताजी से डां ट और फटकार सु नने की उम्मीद रहती है"।इस बीच उसकी मार्गदर्शक गायब हो गई थी। उसने ध्यन से सु न। कहीं से एक स्त्री की आवज जै सी मधु र दिव्य ध्वनि उसके कनों में गू ं जी। तु रं तबदउसने एक बे हद प्यरी परी को एक पहाड़ी के पीछे से प्रकट होते और धीरेधीरे उसकी ओर तै रते हुए आते दे खा।पाओ यू ने अभिवादन में अपने हथ छाती पर रखे और झुककर उनसे कह, "बहन परी, मैं रस्ता भटक गया हूँ । क्य आप कृ प करके मु झे रस्ता बताएँ गी और अपन परिचय दें गी?" परी ने उत्तरदिया, "मैं भय जगृति की परी हूँ । मैं

यहाँ से कुछ ही दूर, महान शून्य के प्रेतलोक में, निर्वासित पीड़ा के क्षेत्र में, संकट के जलते सागर के पीछे, मुक्त वसंत की ऊँचाइयों पर, शाश्वत सुगंधों की गुफाओं में रहती हूँ। मैं मनुष्यों के बीच हवा और बादलों के खेल का न्याय करती हूँ और दुखी युवतियों और व्याकुल युवकों के बीच प्रेम के असंतुलित ऋणों का निपटारा करती हूँ। यह संयोग नहीं बल्कि नियति है जो मुझे आज आपके पास ले आई है। मैं आपको अपने राज्य में ले जाऊँगी और अपने महल में आपका भव्य स्वागत करूँगी।"

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 8.74% है।

स्वयं द्वारा तोड़ी गई दिव्य चाय का प्याला और मेरे द्वारा बनाई गई जादुई शराब का प्याला। मेरी दासियाँ अपने जादुई नृत्यों से आपका मनोरंजन करेंगी और द ड्रीम ऑफ द रेड चैंबर से बारह नए आध्यात्मिक गीत गाकर सुनाएंगी। क्या तुम मेरे पीछे आओगे?" "हाँ," पाओ यू ने खुशी से सहमति जताई और परी के पीछे चल दिया। कुछ ही देर में परी उसे एक ऊँचे पत्थर के खंभे के पास ले गई, जिस पर उसने यह शिलालेख पढ़ा: महान शून्य का प्रेतलोक। दाईं और बाईं ओर के स्तंभों पर लिखा था: जब आभास को वास्तविकता मान लिया जाता है, तो वास्तविकता आभास बन जाती है, जहाँ कुछ नहीं को कुछ मान लिया जाता है, वहाँ कुछ नहीं रह जाता। थोड़ी ही देर में वे एक महल के द्वार से गुजरे, जिस पर बड़े अक्षरों में लिखा था: प्रेमी के दुःख का सागर और वासनाओं का स्वर्ग, जबकि दाईं और बाईं ओर लिखा था: अनंत वासनाएँ, पुरानी और नई, पृथ्वी जितनी विशाल, आकाश जितनी चौड़ी। बहुत देर हो चुकी है, प्रेम में डूबे युवक, तड़पती कन्या, तुम्हारा पश्चाताप, आह, पवन और चंद्रमा के साथ क्रीड़ा करने के अपराध का प्रायश्चित पीड़ादायक है! यह सच है, पाओ यू ने अपनी मासूमियत में मन ही मन सोचा। काश मुझे पता होता कि "पुरानी और नई वासनाओं" और "पवन और चंद्रमा के साथ क्रीड़ा करने के अपराध का प्रायश्चित" का क्या अर्थ है। मुझे व्यक्तिगत अनुभव से ही इसका पता लगाना होगा। यह संकल्प लेते समय उसने अनजाने में ही कामुक उत्तेजना के दुष्ट राक्षसों को अपने शरीर में प्रवेश करने और अपने हृदय और काम के बीच निवास करने के लिए आमंत्रित कर लिया था। एक और द्वार से गुजरने के बाद, वे कमरों की एक कतार में पहुँचे, जिनके बंद दरवाजों पर उसने प्रेम की मूर्खता विभाग, ईर्ष्या विभाग, सुबह के आँसू विभाग, रात की आहें विभाग, बसंत के शोक विभाग, शरद ऋतु के दुःख विभाग जैसे अजीब शिलालेख पढ़े। पाओ यू ने पूछा कि क्या वह विभिन्न कक्षों को देख सकता है। परी ने अपना सिर हिलाया। उसने कहा कि इन कमरों में कई महिलाओं और लड़कियों के यादगार भाग्य के रजिस्टर हैं, जिनमें से कुछ जी चुकी हैं और कुछ अभी जीवित हैं। उसके जैसे मनुष्य के लिए, जिसकी आँखें अपवित्र हैं और शरीर धूल से बना है, भविष्य में झाँकना संभव नहीं है। "मेरे पीछे आओ," उसने कहा। "मेरे पास तुम्हें इन थकाऊ रजिस्टरों से कहीं अधिक सुंदर चीज़ दिखाने के लिए है।"

पाओ यू परी के पीछे-पीछे आगे बढ़ा महल के भीतरी भग में वे तब तक घूमते रहे जब तक कि वे एक जगमगाते हॉल में नहीं पहुँच गए। वहाँ के वैभव को देखकर उनकी आँखें चौंधिया गईं: जैस्पर की दीवारें, सोने के मोज़ेक के फर्श, चमकते हुए काँच के पैनल, लाल दरवाजों के समने बैंगनी पर्दे, चमकदार रंगीन खंभे, कलात्मक रुप से नक्काशीदार छत की कड़ियाँ, और चारों ओर आध्यात्मिक पौधों, अद्भुत फूलों और दुर्लभ 46 से भरे बगीचे।

警幻

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल79.38% है ।

इत्र। पाओ यू अब भीविस्मय में डूबा हुआ था कि उसने परी को हॉल में पु कारते हुए सु ना: "बाहर आओ और अपने योग्य अतिथि का स्वागत करो!" तु रं त ही चार परियाँ प्रवे श द्वार पर प्रकट हुईं। उन्होंने हल्के पं खों जैसे वस्त्र पहने थे, कमल के पत्ते उनके कं धों पर आस्तीन की तरह लटके हुए थे, उनकी चाल नृ त्य जै सी थी, उनका चलना सहज था, शरद ऋतु की चं दनी जै सी कोमल आभा उन्हें घे रे हुए थी। जब उन्होंने पाओ यू को दे खा, तो उनके फूलों जै से चे हरों पर निराशा छा गई, और उन्होंने परी से निंदा भरे लहजे में कहा: "हमने सोच था कि आप बैं गनी मोती को हमरे पस लाएँ गी, जिसका हमने इतने लं बे समय से इं तज़ार किया है । आप इस गं दे प्राणी को यहाँ क्यों लाईं, और उसे अपनी उपस्थिति से पवित्र कन्याओं के इस निवास को अपवित्र करने की अनु मति क्यों दी?" पाओ यू ने यह सु नकर शर्म महसू स की, और वह तु रं त भाग जाना चाहता था। वह भली-भांति जानता था कि वे सही कह रही थीं, और इन पवित्र प्राणियों की उपस्थिति में वह वस्तव में एक असहनीय रूप से गं दा व्यक्ति लग रहा था। लेकिन परी ने स्ने हपूर्वक उसका हाथ पकड़ा और मु स्कुराते हुए बौनों से कहा: "तु म मे रे इस कार्य का कारण और उद्दे श्य नहीं जनते । मैं ने तु मसे वादा किया था कि मैं आज यु ं गकु ओ महल जाऊं गी, तु म्हारी बहन, बैं गनी मोती को लाने के लिए। लेकिन जब मैं निंगकु ओ महल के पस से गु ज़र रही थी, तो मु झे यु ं गकु ओ और निंगकु ओ महलों के दो पूर्वजों के भू त मिले । उन्होंने मु झसे अपने वं शज पाओ यू की ज़िम्मे दारी ले ने का आग्रह किया। सौ वर्षों की प्रसिद्धि और वै भव के बाद उनके परिवार विनाश के कगर पर हैं, और उनके कई परपोतों में से पओ यू ही एकमत्र ऐसा है जो सम्मन के सथ वं श को आगे बढ़ा सकता है । यह सच है कि उसका स्वभाव कु छ विचित्र और चं चल है, लेकिन उसकी बुद्धि और प्रतिभा सबसे बड़ी उम्मीदों को सही ठहराती है । उसे के वल सही मार्गदर्शन की कमी है । इसलिए, उन्होंने मु झसे विनम्रतापूर्वक अनु रोध किया कि मैं उसे प्रे म के साथ मूर्खतापूर्ण खिलवाड़ करने और बिना किसी रोक-टोक के अपनी सहज प्रवृत्ति का पालन करने के खतरों से आगाह करूं, उसे जल और प्रलोभनों से बचऊं ।" और उसे सही रास्ते पर ले जऊँ । अगर मैं ऐसा करूँ तो वे मे रे सदा आभारी रहें गे ।" दया से द्रवित होकर, मैं उसे यहाँ ले आई हूँ तकि वह सां सरिक इंद्रिय सु खों के दुरुपयोग की मूर्खता को समझ

सके । शयद उसे जगना सं भव हो, ताकि वह मे रे चोवनियों को अपने भविष्य के जीवन केलिए दिल से अपन ले, और इस प्रकार खतरों से सुरक्षित हो जाए।" जब उसने बोलना समाप्त किया तो वह पाओ यू को हॉल में ले गई। अं दर एक अविश्वसनीय रूप से मीठी सु गं ध की लहर, जै सी उसने पहले कभी नहीं सूँ घी थी, उसकी नाक में घु स गई। जब उसने पूछा कि यह सु गं ध कहाँ से आ रही है, तो परी ने मु स्कुराते हुए उसे बताया: "तु म्हारी धूल भरी दुनिया में यह सु गंधित मिश्रण बिल्कुल अज्ञात है । यह पवित्र पहाड़ों पर उगने वले बहुमू ल्य युवा पौधों और दुर्लभ वृ क्षों के अने क रसों से आसु त है । इसे एकत्रित सु गं धों का गू द कहा जाता है ।" वे मे ज पर बै ठ गए और एक अत्यं त सुगंधित चाय पी, जै सी पओ यू ने पहले कभी नहीं चखी थी।48

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.09% है।

“इस तरह की चाय का नाम क्या है?” उसने पूछा। “एक घूंट में हज़ार लाल बूँदें,” परी ने उत्तर दिया। “यह झाड़ी मुक्त वसंत की ऊँचाइयों पर स्थित शाश्वत सुगंधों की गुफाओं के पास उगती है, और इसकी पत्तियों को जादुई फूलों और पौधों की सुबह की ओस में उबाला जाता है।” “वह, कितनी अद्भुत चाय है!” पाओ यू ने सहमति जताते हुए सिर हिलाया। उसने एक बार फिर कमरे का चारों ओर देखा। उसकी नज़र रत्नजड़ित वीणाओं, कीमती तिपाइयों, अगरबत्ती के पात्रों, पुरानी पेंटिंग्स और दीवारों पर लिखे नए नारों पर पड़ी। एक आरामदायक बैठक कक्ष के लिए आवश्यक हर चीज़ मौजूद थी। यहाँ तक कि खिड़कियों के नीचे धूल साफ करने के लिए मखमली झाड़ू भी लटके हुए थे। फिर उसने परियों के नाम पूछे। परी ने उनका परिचय कराया: प्रेम स्वप्न की परी, जुनून की महान स्वामिनी, दुख भरी लालसा की सुनहरी कन्या, और प्रतिशोधित प्रेमियों के क्रोध की बोधिसत्व। इसी बीच युवा नौकरानियों ने मेज़ लगा दी थी। अब वे एक भव्य भोजन ले कर आए और क्रिस्टल के जगों से उत्तम सुनहरी शराब से अंबर के प्याले भर दिए। "यह अद्भुत शराब क्या है?" पाओ यू ने पूछा। "यह सौ फूलों के पराग, हज़ार पौधों के रस, यूनिकॉर्न के मज्जा और फीनिक्स के दूध से तैयार की गई है, और इसे 'एक प्याले में हज़ार आनंद' कहा जाता है।" पाओ यू शराब को भरपूर पीने और उसकी प्रशंसा करने से नहीं थके। इसी बीच बारह नर्तकियाँ प्रकट हुईं और मेज के सामने बैठ गईं। "हम किस गीत पर नृत्य करें?" उन्होंने परी से पूछा। "'लाल कक्ष का स्वप्न' के बारह नए आध्यात्मिक गीतों पर!" परी ने आदेश दिया। नर्तकियों ने आज्ञाकारी होकर प्रणाम किया और अपने बारह तारों वाले चांदी के वीणाओं और चंदन के कैस्टनेट की मधुर धुन पर गाने और नृत्य करने लगीं। ताकि वह इसे बेहतर ढंग से समझ सके, परी ने एक नौकर को आदेश दिया कि वह उसके अतिथि को बारह गीतों का लिखित पाठ दे दे, और अब वह बैठकर प्रस्तुति का अर्थ समझने की कोशिश करने लगा, संगीत सुनते हुए उसकी आँखें पाठ का अनुसरण कर रही थीं। फिर भी उसके प्रयास व्यर्थ थे। यह सच है कि वह संगीत के प्रभाव से बच नहीं सका, लेकिन पाठ, जिसमें कई गूढ़ बातें और छिपे हुए संकेत थे, का क्या अर्थ हो सकता है, यह उसके लिए पूरी तरह से रहस्य बन रहा। लेकिन धुन इतनी मधुर और मनमोहक थी और इतनी शानदार ढंग से प्रस्तुत की

गई थी कि मन मोह ले ती थी और इंद्रियों को मदहोश कर दे ती थी) और उसने अं तारलों में कोई कठिन प्रश्न नहीं पू छा, बल्कि के वल सं गीत सु नतारहा और पाठ को यं त्रवत पढ़त रहा। अं त में लड़कियों ने बरह गीतों की लं बी प्रस्तुति समाप्त कर दी। वास्तव में, वे एक अंतिम छं द के साथ जारी रखने वली थीं, लेकिन 40

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल79.10% है ।

परी ने अपने मेहमान की नींद भरी उदासीनता को दे खकर उन्हें जाने का इशारा किया। "सब व्यर्थ था," उसने आह भरी। "मूर्ख अभी तक जागा नहीं है ।" पाओ यू को खु शी हुई कि परी ने प्रदर्शन रोक दिया, और उसने खु द जल्दी से लड़कियों को और न गाने के लिए कहा। वह भोजन और अधिक शराब के कारण थका हुआ और नींद में था, और उसने थोड़ी दे र ले टने की अनुमति मां गी। परी ने समान हटाने का आदे श दिया, और पाओ यू को महिलाओं के एक कमरे में ले गई। उसने सोचा कि उसने अपने जीवन में कभी भी इतना आलीशान साज-सज्जा नहीं दे खा था। ले किन एक और बड़ा आश्चर्य उसका इं तजार कर रहा था। उसने कमरे में एक यु वती को पाया जो रूप और सुं दरता में उसकी चचे री बहन प्रिशियस क्लै स्प से मिलती-जुलती थी, ले किन हावभाव और व्यवहार में उसकी चचे री बहन ब्लै क जे ड की छवि थी। जब वह अभी भी काफी स्तब्ध था, तभी उसने परी को कहते सु ना "अरे, इस नश्वर सं सार के धनी और कुलीन लोगों के घरों में कितने हरे रं ग की खिड़कियों वाले भीतरी कमरे तु च्छ युवाओं द्वारा पापपूर्ण प्रे म-क्रीड़ाओं में बर्बाद कर दिए जाते हैं ! मैं तु ममें इतनी रुचि इसलिए ले रही हूँ क्योंकि तु म सर्वकालिक सबसे बड़े अश्लिक और दुराचारी हो।" पाओ यू शर्मिंदा होकर हकलाया: "परी बहन, आप गलत हैं । हो सकता है कि मैं पढ़ाई में आलसी हूँ और इस वजह से मु झे माता-पिता की डां ट खनी पड़ी है । ले किन मु झे इस बात का एहसास नहीं है कि मैं अश्लिक और दुराचारी हूँ । आखिर मैं अभी बहुत छोटा हूँ और मु झे नहीं पता कि प्रे म में दुराचार क्या होता है ।" "दो प्रकार के कामु क व्यभिचारी होते हैं एक दे हधारी और दूसरा बौद्धिक। पहला के वल शारीरिक अधिकार के लिए तरसता है; उसकी इंद्रिय-सु ख कभी तृ प्त नहीं होती, और उसे इस बात का अफसोस रहता है कि वह स्वर्ग के सभी सुं दर स्त्रियों खलाओं को अपनी वासनाओं का शिकार नहीं बना सकता। आप उस श्रे णी में नहीं आते बल्कि दूसरी श्रे णी में आते हैं । आपकी अनैतिक इच्छा लड़कियों की बौद्धिक सं गति चाहती है, इसलिए आप हमारे आत्म राज्य के स्त्री-मं डलों के लिए एक उपयुक्त साथी होते; जबकि नश्वर सं सार में आपको कोई नहीं समझे गा; वहाँ आप उपहास और तिरस्कार का पात्र बन जाएँ गे । आपके दो पूर्वजों की विनतियों से द्रवित होकर, मैं आपको अपने राज्य में लाया हूँ, जादुई चाय और परी मदिरा से आपका स्वागत

किया है, और आत्मा गीतों से आपको जगने का प्रयास किया है । अब मैं आपको अपनी छोटी बहन, को चिंग, से मिलवाता हूँ, ताकि वह आज रात आपके सथ पल बिताए। आपके मिलन का समय अनुकूल है । हमरे प्रेतलोक में इस वैवाहिक पलंग के सुख आपको स्वर्ग के सुखों का अनुमन लगाने में सक्षम बनाएंगे "। धूल से भरी तुम्हारी दुनिया में दुल्हन का कमरा है । आज से जाग जाओ और अपने पुराने तौस्तरीकों को बदल दो! अपना ध्यान कन्फ्यूशियस और मेन्सियस जैसे गुरुओं की ज्ञानवर्धक शिक्षाओं की ओर लगाओ और दृढ़ता से समान्य ज्ञान के मर्ग पर चलो।" जब उसने बोलना समाप्त किया तो उसने उससे कुछ और बातें बतईं।

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 8.74% है।

"बादल और बारिश के खेल" की प्रथा के बारे में सटीक जानकारी देने के बाद, उसने उसे कमरे में बंद कर दिया। अभी भी पूरी तरह से भ्रमित और अचंभित, पाओ यू ने उसके निर्देशों का पालन किया और को चिंग के साथ उस सदियों पुरानी प्रथा को निभाया, जिसका विस्तृत वर्णन निस्संदेह अनावश्यक होगा। दोनों एक-दूसरे में इतना आनंदित थे और एक-दूसरे से इतने प्यार भरे शब्द कहे कि वे अगली सुबह अलग नहीं होना चाहते थे। हाथ में हाथ डाले, वे महल से बाहर निकल गए और भटकते हुए रास्ता भूल गए। वे एक-दूसरे में इतने मग्न थे कि उन्होंने सड़क पर बिल्कुल ध्यान नहीं दिया। अचानक उन्होंने खुद को कंटीली झाड़ियों और घनी झाड़ियों के जंगल में पाया और देखा कि भेड़िये और बाघ उनके साथी थे। फिर अचानक सड़क खत्म हो गई। वे एक अंधेरी, तेज़ बहती धारा के किनारे खड़े थे, जिस पर कोई पुल नहीं था। जब वे अभी भी इस बात को लेकर दुविधा में थे कि पीछा कर रहे जंगली जानवरों से बचने के लिए उन्हें कहाँ भागना चाहिए, तभी उन्हें पीछे से परी की चेतावनी भरी आवाज़ सुनाई दी, जो चिल्ला रही थी: "रुको! आगे मत जाओ! वापस मुड़ो" "हम कहाँ हैं?" पाओ यू ने पूछा। "चुड़ैलों की नदी पर," परी ने कहा। "यह एक हजार फ़ैदम गहरी है और एक हजार ली तक टेढ़ी-मेढ़ी धाराओं में बहती है। कोई नाव या नाविक इस भूलभुलैयानुमा धारा को पार नहीं कर सकता। केवल बूढ़ा नाविक मु कु ची ही तुम्हें अपनी नाव में बिठाकर पार करा सकता है। लेकिन वह सोने या चांदी के लिए ऐसा नहीं करता; वह ऐसा तभी करता है जब भाग्य उसे ऐसा करने का आदेश देता है। अगर वह तुम्हारी मदद नहीं करता, तो तुम खो जाओगे, और मेरी सारी मेहनत व्यर्थ हो जाएगी..." उसके बोलने की उम्र अभी पूरी भी नहीं हुई थी कि चुड़ैलों की नदी से बिजली कड़कने जैसी आवाज़ आई, और रात के राक्षसों और नदी के शैतानों का एक झुंड दहाड़ते हुए नदी से उठा और भयानक चीखता हुआ पाओ यू की ओर झपटा, उसे पकड़कर नदी की गहराई में खींच ले गया। उसके शरीर से ठंडे पसीने की बूँदें बारिश की तरह टपक रही थीं, और डर के मारे वह चिल्लाया: "को चिंग, मुझे बचाओ!" तभी वह अपने सपने से जाग गया। नौकरानी पर्ल तीन अन्य नौकरानियों के साथ बिस्तर पर बैठी थी, और उसने पाओ यू को प्यार से गले लगाते हुए दिलासा भरे शब्दों में कहा: "डरो मत, पाओ यू! हम यहाँ हैं!" पाओ यू सपने

में इतनी ज़ोर से चिल्लाया था कि उसकी चीख बाहर उसकी भतीजी, सुंदर लेकिन युंग ने सुन ली। "पूरे घर में कोई भी मेरे बचपन का नाम नहीं जानता," उसने आश्चर्य से मन ही मन कहा। "सपने में उसने मुझे मेरे बचपन का नाम कैसे पुकारा?" वह इसका कारण नहीं बता पा रही थी, लेकिन सपने देखने वालों से पूछने की हिम्मत भी नहीं कर रही थी। 51

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.19% है ।

अध्याय 6: पाओ यू पहली बार "बादल और बारिश का खेल" खेलने की कोशिश करता है । निंगकु ओ महल में उसकी मुलाकात अपने भतीजे चिन चु ंग से होती है ।पाओ यू कु छ दे र तक बिस्तर पर ले टा रहा, अपने सपने के अनु भव से पूरी तरह थका हुआ और चक्कर खा रहा था। उसे ऐसा लग रहा था जै से उसने कु छ खो दिया हो। दालचीनी के सू प के कु छ घू ंट पीकर उसने खु द को तरोताज़ा किया और उठा, और नौकरानी पर्ल ने उसे कपड़े पहनने में मदद की। जब वह उसका गार्टर बां धने लगी थी, तभी उसकी उं गली गलती से उसकी नं गी जांघ को छू गई और उसे ठं डे , चिपचिपे पसीने जै सा कु छ महसू स हुआ। वह घबराकर अपना हाथ पीछे खींच लिया। "तु म्हें क्या हुआ है?" उसने फु सफु साते हुए पू छा। उसके चे हरे का लाल होना और हाथ का हल्का सा स्पर्श ही जवाब था। पर्ल काफी समझदार लड़की थी और उससे दो सल बड़ी भी थी, और जीवन के तथ्यों को जानती थी। वह तु रं त समझ गई, खु द भी शरमा गई, और उसने आगे कु छ नहीं पू छा। उसी रात जब वह सोने से पहले उसे कपड़े उतारने में मदद कर रही थी, तो सं योग से कु छ दे र के लिए वह उसके सथ कमरे में अके ली थी। "दे खो बहन, तु म इसे अपने तक ही रखोगी न ?" उसने शरमाते हुए उससे विनती की। "तु मने आखिर सपना क्या दे खा था कि तु म्हारे सथ ऐसा हुआ?" उसने समझदारी भरी मु स्कान के सथ जवाब दिया। "मैं तु म्हें एक शब्द में सब कु छ नहीं बता सकता।" और उसने अपने सपने के रोमांच का विस्तार से वर्णन करना शु रू कर दिया। जब वह अपनी कहानी के उस हिस्से पर पहुँ चा जहाँ परी ने उसे "बादल और बारिश का खेल" सिखाया, तो पर्ल ने शरमाते हुए अपने हाथों से अपना चे हरा ढक लिया और हँ सी से लोटपोट हो गई। पाओ यू हमेशा से पर्ल से बहुत अच्छी तरह परिचित था। वह उस मिलनसार, प्यारी सी छोटी बच्ची को बाकी सभी नौकरानियों और नौकरानियों से ज़्यादा पसं द करता था। पर्ल को भी पता था कि राजकु मारी ने उसे विशेष विश्वास का स्थान दिया है । इसी वजह से वह अपने मालिक के सथ व्यवहार में कु छ छू ट ले ले ती थी। सं क्षे प में, उसने बिना किसी झिझक के उसके सथ "बादल और बारिश का खेल" खेलने का प्रयास किया, जिसमें उन्होंने उसके दिए गए निर्देशों का पू री निष्ठा से पलन किया। सौभाग्य से, जब वे इस खेल में व्यस्त थे, तब उन्हें किसी ने परे शान नहीं किया। उस क्षण से उसने उसे नौकरानी

की तरह नहीं, बल्कि एक घनिष्ठ मित्र की तरह माना, और उसने भी उसकेविश्वास का सम्मान करते हुए अटूट भक्ति दिखाई। एक दिन मै डम फीनिक्स निंगकु ओ महल में राजकु मरी चे न और उनकी बहू, मिस्ट्रे स यु ंग सेमिलने गई थीं। उनके अनु रोध पर वहाओ यू को अपने साथ ले गई थीं। तीनों महिलाएं हमे शकी तरह घरेलू ममलों पर बातचीत कर रही थीं, लेकिन समय बहुत लं ब लग रहा था।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.13% है ।

उसे । मलकिन यु ंग ने देखा कि वह अपनी सीट पर बे चै नी से इधर-उधर हिल रहा है, तो उन्होंने उससे कहा: "मे रा छोटा भाई, जिसके बरे में तु मने अभी पू छा था, आज यहाँ है । वह शायद अभी पु स्तकालय में होग। अगर तु म चहो, तो जाओ और उसका स्वागत करो!" पाओ यू जल्दी से मर्म सोफे से नीचे उतर गया। "आप उसे यहाँ क्यों नहीं बुलातीं? मैं भी उससेमिलना चाहूँ गी," मै डम फीनिक्स ने सु झाव दिया। "या शायद मु झे पू छना ही नहीं चाहिए?" मालकिन यु ंग ने उसे ऐसा करने केलिए मनाने की कोशिश की। लड़का बहुत शर्मीला और सीधा-सादा था, चिया परिवार के चं चल और चं चल लड़कों से बिल्कुल अलग। वह निराश हो जाएँ गी और उस पर हँ सने का मन ही करे ग। लेकिन मै डम फीनिक्स अपनी बात पर अड़ी रहीं, और उन्हें खु श करने केलिए चिन चु ंग, जै स कि उस लड़के का नाम था, को लाया गया। मै डम फीनिक्स बहुत सु खद रूप से आश्चर्यचकित हुईं। लड़के ने उन्हें प्रणाम किया और विनम्रता से उनके स्वास्थ्य के बरे में पू छा, और वह पाओ यू से बहुत मिलता-जुलता था, जो उन्हीं की उम्र का था। वह पहले वले से कु छ दुबला था, लेकिन चे हरे और कद-काठी की सु ंदरता, चे हरे की जीवं तता, पू रे व्यवहार और आकर्षक आचरण में वहलगभग उससे भी आगे था, सिवाय इसके कि वह थोड़ा शर्मीला और अनाड़ी था, लगभग एक लड़की जै स। मै डम फीनिक्स ने उसका हाथ पकड़ा, उसे अपनी ओर खींच और उसके नम, उम्र, पढ़ाई-लिखाई और हर सं भव बत के बरे में उससे उत्सु कतापूर्वक पू छताछ करने लगीं। इसी बीच उन्होंने अपने कु छ से वकों को यु ंगकु ओ महल में दे र से पास भे ज ताकि वे कु छ उपहार ला सकें, जो आमतौर पर पहली मुलाकात में बड़े द्वारा छोटे कोदिए जाते हैं । मै डम फीनिक्स और मिस्ट्रे स यु ंग की घनिष्ठ मित्रता को ध्यान में रखते हुए,उन्होंने कु छ विशेष रूप से मू ल्यवान उपहार चु ने, जै सेकि एक नए कोट के लिए रे शम का एक टुकड़ा और दो सोने के पदक, जिन पर यह कामना लिखी थी कि पहनने वला परीक्षा में प्रथम स्थन प्राप्त करे । मै डम फीनिक्स ने इन उपहारों को तु च्छ समझा, क्योंकि उन्हें अपने नए भतीजे केप्रति बहुत सहानु भूति थी। जब महिलाएं शतरं ज खेलने बै ठ गईं, तो पाओ यू ने अपने भतीजे को उसके साथ ज छोड़कर बगल के कमरे में ले जाकर उससे अके ले में बातचीत करने का मौका लिया। लड़के ने उन पर गहरी छाप छोड़ी थी। जब उन्होंने उसे पहली बार दे ख, तो

वे शर्मिंदा होकर मन ही मन सोचने लगे: ऐसे व्यक्ति के समने मैंकिसी गं दे सु अराख्बीमार कु त्ते से भी बदतर हूँ! कौन जाने, अगर मैं भी उसकी तरह एक सधारण, सम्मानित, मध्यमवर्गीय परिवार की गरीबी में फ्ला-बढ़ा होता, तो शायद बहुत पहले ही उससे मे रीान-पहचान हो गई होती और मैं ने अब तक अपना समय व्यर्थ ही बर्बाद न किया होता। धन और पद का क्या लाभ? ये रे शमी वस्त्र जो मैं पहनत हूँ, के क्ल एक निम्न प्राणी के खोख्ले, सड़े हुए सर को छुपाते हैं । येंविलासितापूर्ण भोजन, जो मैं हरदिन खाता हूँ, 53

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 8.91% है ।

भ्रष्ट चरित्र के गं दे कू ड़े को छुपाने के अलावा और कु छ नहीं। धन और पद, ये दोनों धरणाएँ गं दगी और ज़हर केसिवा कु छ नहीं हैं पाओ यू को पहली बार उसके भव्य वस्त्रों और बड़े दल के साथ दे खकरचिन चु ं ग कापीड़ादायक चिंतन ठीक इसके विपरीत था। ओह, कितना दुर्भाग्य है, उसने सोच, एक गरीब, भले ही सम्मनित, सरकारी कर्मचारी परिवार से आन! यही तो गरीबी का अभिशाप है, कि यह उसके जै से लोगों और मे रे जै से लोगों के बीच एक अटूट बाधा खड़ी कर दे ती है । अगर ऐस न होता तो शायद मैं बहुत पहले ही उसकी सं गति का लाभ उठा चु का होता। इस प्रकार, दोनों ही भ्रमित, मूर्खतापूर्ण विचारों से ग्रस्त थे ।किताबों और पढ़ाई के बरे में कु छ शु रुआती सवलों के बद, वे मित्रवत हो गए। पाओ यू अपने नए साथी के परिवारिक हालात जानने केलिए इतना उत्सु क थ कि वह मे ज से भे जे गए स्विष्ट पकवानों और फलों के बरे में पू री तरह भूल गया। उसे पत चला कि इस समय चिन स्कूल नहीं जा रहा है, क्योंकि उसके पिछले शिक्षक कई महीनों से छुट्टी पर हैं । उसकेपिता बू ढ़े, बीमार और सरकारी कामों के बोझ तले दबे हुए थे, इसलिए वे उसकी पढ़ाई-लिखाई पर ज्यादा ध्यान नहीं दे पते थे ।फिलहाल वह बस यही कर सकता था कि अपने पुराने पठों को बार-बार दोहराए, लेकिन दुर्भाग्य से उसेकिसी अच्छे सहपाठी का साथ नहीं मिल रहा था, क्योंकि अकेले की तुलना में सथ में सीखन ज्यादा आसान होता है ।"मैं भी यही सोचत हूँ!" पाओ यू ने उत्सु कता से बीच में कहा "तु म्हें पता है, हमारे यहाँ एक मु फ़्त परिवारिक स्कूल है, उन लोगों के लिए जिनके पस अपना शिक्षक नहीं है य जो शिक्षक रखना नहीं चाहते ।पिताजी की इच्छा से मैं भी जल्द ही कु छ समय केलिए इस स्कूल में पढ़ने ज रहा हूँ; क्योंकि मे रे पुराने शिक्षक को भी कई महीनों की छुट्टी मिली है, और पिताजी नहीं चाहते कि मैं इस बीच खली बै ठा रहूँ और जो कु छ सीखा है उसे भूल जाऊँ । अगर मैं बीमार न होता तो बहुत पहले ही स्कूल जाने लगा होता। इसके अलावा, दादी अब तक इसके खिलाफ थीं, क्योंकि उनका मानना था कि बहुत सारे विद्यार्थियों वाली कक्षा में के वल शोर-शराबा और शरारतें ही होंगी। लेकिन पिताजी अब ज़िद कर रहे हैंकि मे रा खाली बै ठन बं द होन चाहिए। क्या तु म भी हमारे स्कूल में आन चाहोगे? फिर हम साथ-साथ पढ़ सकते हैं और एक दूसरे की मदद कर सकते

हैं। क्य तु म इस बरे में अपनेपिताजी से बत नहीं करोगे?" मु झे बहुत खु शी हुई। अभी हाल ही में मे रेपिताजी ने आपके पारिवारिक विद्यालय की बहुत प्रशं स की थी। दरअसल, वे मे री बहन के ससु र, राजकु मर चे न से मु झेदाखिला दिलाने केलिए अनु रोध करने की सोच रहे थे। लेकिन उन्होंने बार-बार ऐसा टाल दिया क्योंकि वे अपने प्रतिष्ठित रिश्ते दारों को इतनी छोटी सी बात के लिए परे शन नहीं करना चाहते थे और दखं दाजी भी नहीं करना चाहते थे। लेकिन अगर मे रे चाचा को लगता है कि उनका भतीजा विद्यालय में उनकेकिसी काम आ सकता है, जै से स्याही घोलने में या उनके लिखने के औजार साफ करने में, तो शायद वे खु द इस बारे में पता करके मे री सिफारिश कर दें? कितना अच्छा होगा अगर हम साथ में पढ़ाई करें।

秦鐘

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.27% है ।

साथ में! इसके अलावा, हम सच्चे दोस्त बन सकते हैं और अपने माता-पिता की चिंता कम कर सकते हैं । इससे बहुत से फायदे होंगे ।"चिंता मत करो! मैं तु रं त अपनी दादी से इस बरे में बात करू ंगी। हम तु म्हारी बहन यु ंग और मे री भी फें ग को भी अपनी इच्छा बता दें गे, और तु म खु द अपने पिता से बत कर लो।" फिर हम दे खें गे कि मामला सुलझ सकता है य नहीं।" इस बीच अंधेरा हो चु का था और लालटे न जलने का समय आ गया था। दोनों ने अपनी गंभीर बातचीत पू री की, मे ज पर फिर से बै ठ गईं और कु छ दे र तक महिलाओं को शतरं ज खेलते दे खा। राजकु मरी चे न और मिस्ट्रे स यु ंग, मै डम फेनिक्स से शतरं ज हार गईं और उन्होंने अगले दिन शाम को एक भोज और थिएटर में भाग ले कर अपन जु ए का कर्ज चु काने का वादा किया। फिर वे शम के नाश्ते के लिए बै ठ गईं जिसके बद मे हमन जाने लगे ।"चिन चु ंग को घर कौन ले जएगा?" राजकु मरी चे न ने अपनी महिला परिचारिकाओं से पू छा। "मु ख्य प्रबं धक ने चियाओ ता को ऐसा करने का आदे श दिया है," उन्होंने कहा: "वह फिर से नशे में है और अपने हमेशा के बदतमीजी भरे मू ड में है"। उस बू ढ़े गंव को साथ ले जना बहुत बे वकू फी है," राजकु मरी चे न और मिस्ट्रे स यु ंग दोनों ने एक ही समय पर झुं झलाहट के सथ कहा। "लेकिन अब आदे श रद्द करने से बू ढ़ा आदमी और चिढ़ जाएगा।" "क्या गाड़ी तै यर है?" मै डम फेनिक्स ने अपनी परिचारिकाओं की ओर मु ड़कर पू छा। "वह बड़े हॉल के सामने इं तजार कर रही है," उन्होंने कहा। मै डम फेनिक्स ने अलविदा कहा, पाओ यू का हाथ थामा और शां त खड़े नौकरों की दो कतारों के बीच से जगमगाते हॉल से होते हुए गाड़ी की ओर चल पड़ीं। नौकरों में बू ढ़ा चियाओ ता भी था, जो इतना नशे में था कि मे हमनों के आने से पहले ही उसने भव्य विदाई समारोह में हं गामा मचाना और गं दी गलियां दे ना शु रू कर दिया। उसका गु स्सा मु ख्य प्रबं धक लाई शें ग पर था: "क्या यही करना चाहिए, मु झ जै से बू ढ़े को ठं ड की ठं ड में भग दे न?" वह उस पर चिल्लाया। "जब कोई अप्रिय काम करना हो, तो मैं उसके लिए ठीक हूँ, लेकिन अच्छे काम के लिए दूसरे लोग हैं । क्य यही न्याय है? और सोचो, ऐसा अनाड़ी, अं ध कछुआ मु ख्य प्रबं धक हो" लेकिन सावधान रहना, कहीं बू ढ़ा चियाओ टा अपना पै र उठाकर तु म्हें कुचल न दे, तु म नीच कीड़े!" गालियों की इस बौछार के दौरान चिया यु ंग, मै डम फेनिक्स के बगल में हॉल से गु ज़री

और उन्हें उनकी गड़ी तक ले गई। जब अन्य नौकरों की अपील के बवजूद बूढ़ा आदमी गाली-गलौज करना बंद नहीं कर रहा था, तो चिया युंग ने गुस्से से उसे फटकारा: "क्या तुम अखिरकार चुप हो जओगे? अगर नहीं, तो मैं तुम्हें तब तक बांधकर बंद रखूंगी जब तक तुम होश में नहीं आ जाते! और हम देखेंगे कि इस बार तुम सुरक्षित बच पाते हो य नहीं!" 56

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 8.92% है।

लेकिन क्रोधित बूढ़े ने डरने से इनकार कर दिया। वह धमकी भरे लहजे में उसके पास गया और चिल्लाया: "छोटे दोस्त, बूढ़े चियाओ टा के समने बड़े सज्जन बनने की कोशिश मत करो! अगर तुम्हारे पूर्वजों ने बूढ़े चियाओ टा को डांटने की हिम्मत नहीं की, तो तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई? तुम्हें मुझे हंसने की! बूढ़े चियाओ टा के बिना तुम्हारी सारी महानता कहाँ होती? मैंने तुम्हारे दादा को नौ बार मौत के मुंह से छुड़ाया! उन्होंने तुम्हारी सारी दौलत जमा की। क्या यही बर्ताव मुझे मेरी सेवाओं के बदले मिलता है? मुझे उचित इनाम देने के बजाय, तुम मेंढक की तरह खुद को फुलाते हो और बड़े सज्जन बनने की कोशिश करते हो। कम से कम मैं तुमसे यही उम्मीद कर सकता हूँ कि तुम अपना मुंह बंद रखो। वरना, बस सावधान रहना कि मेरी तलवार तुम्हारे शरीर में सफेद होकर लाल न निकल जाए!" "तुमने उस खतरनाक बूढ़े डाकू से बहुत पहले छुटकारा क्यों नहीं पाया?" मैडम फीनिक्स ने गाड़ी की खिड़की से अपने भतीजे से फुसफुसाते हुए कहा, इस दर्दनाक दृश्य को देखकर वह disgusted थी। "वह पूरे परिवार की इज्जत को खतरे में डाल रहा है और तुम्हें लोगों के समने हंसी का पात्र बना रहा है।" “तुम सही कह रही हो,” उसके भतीजे ने सिर हिलाते हुए सहमति जताई; और उसने नौकरों को आदेश दिया कि बूढ़े आदमी को जंजीरों में बांधकर अस्तबल के पस एक खाली शेड में बंद कर दें। जब वे उसे जबरदस्ती घसीट रहे थे, चियाओ ता चिल्लाता और क्रोधित होता रहा। “मैं पूर्वजों के मंदिर जाकर शिकायत करूँगा, उस महान बूढ़े स्वामी से! उसे पता चलेगा कि उसने कैसी गंदी औलाद छोड़ी है! कामुक कुत्तों और मुर्गियों की तरह व्यभिचार करते हैं, चचेरे भाई और साले एक सथ ‘राख में खुजली’ करते हैं– यही इस शापित औलाद का एकमात्र काम है!...” इस भयानक, बेहद अश्लील भाषण के समने, जिसने सूर्य को शर्म से बदलों के पीछे छिपा दिया और सुनने वालों की आत्माएं भय से लगभग शरीर से बहर निकल गईं, उसे घसीट रहे नौकर उसके मुंह में मिट्टी और घोड़े का गोबर ठूंसने के अलावा कुछ नहीं कर सके। मैडम फीनिक्स और उनके भतीजे यु, जो उसके अपशब्दों का हर शब्द समझ गए थे, फिर भी ऐसे व्यवहार करते रहे जैसे उन्होंने कुछ सुना ही न हो। लेकिन पाओ यू, अपनी मासूमियत में, गाड़ी में सफर के दौरान मैडम फीनिक्स से पूछे बिना नहीं रह सका: "बहन, 'राख में खरोंचन' मुहावरे का

क्या मतलब था?" अपने स्वभव के विपरीत, वह बहुत गुस्से में आ गईं और उन्हें फटकार: "बेवकूफी भरे सवाल मत पूछो। तुम न सिर्फ एक शराबी की बकवास सुनते हो, बल्कि उस पर सवाल भी पूछते हो। बस इंतजर करो, मैं तुम्हारी दादी को बता दूंगी। इसकी कीमत तुम्हें भर पड़ेगी" "आह, प्यारी बड़ी बहन, कृपया मेरी शिकायत मत करो! मैं फिर कभी ऐसा बेवकूफी भरा सवाल नहीं पूछूंगा," डरे हुए पओ यू ने विनती की। वास्तव में, अगर उसे पत होता कि 'राख में खरोंचना' मुहावरे का मतलब ससुर और बहू के बीच नाजायज संबंध है, तो वह पूछता ही नहीं। "ठीक है, प्यारे बच्चे," मैडम फीनिक्स ने जल्दी से शांत होते हुए कहा। 57

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.07% है ।

"और जब हम घर पहुँ चें गे तो मैं दादी से बत करूँ ग और तु म्हारे लिए उनसे विनती करूँ ग कि वे तु म्हारे भतीजे चिन चु ं ग को तु म्हारे स्कूल में दाखिला करवाने में मदद करें"।अध्याय 7 पू यू को उसकी चचे री बहन का सोने का ताबीज दिखाया जाता है । चचे री बहन को पाओ यू का पत्थर दिखाया जाता है ।1 दो दिन बाद, यु ं गकु ओ महल में रहने वाले रिश्ते दारों के सम्मन में निंगकु ओ महल में एक भव्य भोज और नत्य प्रस्तुति का आयोजन किया गया। भीड़ में पओ यू को अपनी चचे री बहन प्रेशियस क्लै स्प की कमी खल रही थी। उसने उसे कई दिनों से नहीं दे खा था। उसे बताया गया था कि उसकी तबीयत ठीक नहीं है और वह अपने कमरे में ही है । वह उसे फिर से दे खने के लिए इतना तड़प रहा था कि उसी दोपहर, जब बाकी परिवार अभी भी साथ था, वह राजकु मरी पूर्वज के सथ यु ं गकु ओ महल वापस चला गया, और फिर उबाऊ से वकों और अवंछित पहरे दारों से बेफिक्र होकर, सु नसन रास्तों से चु पके से नाशपाती के बगीचे में चला गया। सबसे पहले उसने आं टी स्ुएह का विनम्रतापूर्वक अभिवादन किया, जो अपनी दासियों के सथ सिलाई कर रही थीं। आं टी ने उसे गर्मजोशी से गले लगाया। "इस ठं ड में अपनी आं टी से मिलने आना कितना अच्छा लगा! लेकिन जल्दी से गर्म चबू तरे पर बै ठ जाइए! और फिर एक कटोरी गर्म चाय पीकर खु द को तरोतज़ा कर लीजिए!" "क्या चचे री बहन स्ुएह पन घर पर हैं?" पाओ यू ने पू छा। "आह, मु झे इस अयाश से बहुत परे शानी है," आं टी स्ुएह ने आह भरी।"वह बिना लगाम के घोड़े की तरह है । एक दिन भी घर पर नहीं रहता।" "क्या प्रेशियस क्लै स्प ठीक हैं?" "जी हाँ, धन्यवाद, वह ठीक हैं । आपने हाल ही में किसी को उनका हालचाल पू छने के लिए भे ज था, यह बहुत अच्छा किया। वह अभी अपने कमरे में हैं । आप अं दर जाकर उनसे मिल सकते हैं । वहाँ यहाँ से ज़्यदा गर्मी है । मैं बाद में आती हूँ मैं पहले यहाँ अपन काम निपटाना चाहती हूँ ।" पाओ यू ने उनकी बात सहर्ष मान ली। वह जल्दी से कां ग से नीचे उतरा और दरवाजे के सामने लाल ब्रोके ड के पर्दे वाले कमरे की ओर दौड़ पड़ा। पर्दा उठाकर वह अं दर चला गया। वहाँ उसने प्रेशियस क्लै स्प को गर्म दीवान पर बै ठे हुए पाया, वह भी सु ईधागे से काम में व्यस्त थी। उसके बाल सिर के ऊपर ढीली गां ठ में बं धे थे लोहे की तरह काले थे और तेल की तरह चमक रहे थे । उसने शहद के रं ग

का गद्देदार कोट, दो रंगों के सोने और चांदी के गिलहरी के फर से सजी गुलाबी जैकेट और पश्म के रंग की छोटी स्लिट ट्यूनिक पहनी हुई थी। उसके होंठों को रूज की जरूरत नहीं थी, उसकी नीली-काली भौहों को ब्रश की; उसका चेहरा चांदी की थली की तरह चिकना था और उसकी आँखें पानी में तैरते बादाम जैसी थीं। यह तथ्य कि वह अपने शब्दों में इतनी संयमित और अपने 58

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 8.84% है।

कई लोगों ने उसकी बतों को दिखावा और स्नेह समझा। "मैं मूर्खता से सवधान रहती हूँ," वह अक्सर अपनी सावधानी का कारण बताते हुए कहती थी। "बहन, क्या तुम फिर से ठीक और खुश हो?" पाओ यू ने पूछा। "मैं बहुत बेहतर हूँ," उसने जवब दिया और मुस्कुराते हुए उसे गर्म सोफे पर अपने पस बैठने के लिए कहा। नौकरानी ओरिओल आई और चाय परोसी। दादी, चाचियों और चचेरी बहनों से कुछ औपचारिक पूछताछ हुई और अंत में बातचीत व्यक्तिगत हो गई। अब उसकी नज़र उस पाँच रंगों की डोरी पर टिकी थी जिससे कीमती पत्थर लटका हुआ था। "मैंने आपके पत्थर के बरे में बहुत कुछ सुना है, क्या मैं इसे एक बार ध्यान से देख सकती हूँ?" उसने पूछा। बोलते-बोलते वह उसके करीब आ गई। वह भी थोड़ा और पास आया, अपने गले से पत्थर वाली डोरी उतारी और उसके हाथ में रख दी। कीमती क्लैस्प ने उसकी हथेली में चमकती हुई चीज़ को ध्यान से देखा। यह एक गौरैय के अंडे के आकार का था और सुबह के हल्के बदलों की तरह मंद गुलाबी रंग से चमक रहा था, और छूने पर मलाई की तरह चिकना लगता था। यह एक महीन सुरक्षात्मक जाल में रख हुआ था। पत्थर के समने की ओर बरीक अक्षरों में लिखा था: "गहन आध्यात्मिक शक्ति का पत्थर।" इसके नीचे दो पंक्तियाँ थीं, जिनमें से प्रत्येक में चार प्रतीक थे: मुझे कभी मत खोना, मुझे कभी मत भूलना! गौरवशाली जीवन - शाश्वत समृद्धि! पीछे की ओर तीन पंक्तियाँ थीं, जिनमें से प्रत्येक में चार अक्षर खुदे हुए थे। पहली: मैं दुष्ट आत्माओं को भगाता हूँ। दूसरी: मैं तुम्हें मानसिक कष्ट से मुक्त करता हूँ। तीसरी मैं सुख और सौभाग्य की घोषणा करता हूँ। कीमती क्लैस्प ने धीमी आवाज़ में दो बर गुनगुनाया: मुझे कभी मत खोना, मुझे कभी मत भूलना! गौरवशाली जीवन - शाश्वत समृद्धि! फिर उसने अपने बगल में खड़ी नौकरानी ओरिओल की ओर देखा। "तुम जल्दी से चाय डालने के बजाय यहाँ क्यों खड़ी हो?" उसने पूछा। ओरिओल ने खिलखिलाते हुए उत्तर दिया: "आपने अभी जो दो पंक्तियाँ दोहराई हैं, वे मुझे बहुत जानी-पहचानी लगती हैं। वे आपके गले में लटके सोने के पदक पर बनी रेखाओं से बहुत मिलती-जुलती हैं।" "क्या यह संभव है?" पाओ यू ने तुरंत बीच में टोकते हुए कहा। "आप" आठ समान चित्रलिपि

वाला पदक पहनती हैं? मु झेदिखाइए!" "बकवास! उसकी बातों पर ध्यान मत दीजिए!" प्रेशियस क्लै स्प ने हं सते हुए अनिजताई। लेकिन पाओ यू अड़ी रही।59

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 18.90% है ।

“मैं ने अपना ताबीज़ दिखा दिया है, तो कृ पया मे री भी यही कृ पा कीजिए, प्यारी बहन!” उसने विनती की। प्रेशियस क्लै स्प अब और सं कोच नहीं कर सकी।“ हाँ, यह सच है । मैं भी ताबीज़ पहनती हूँ । अगर इस पर शु भचिह्न न होता तो मैं इस भरी-भरकम, असुविधाजनक चीज़ को रोज़ अपने सथ न ढोती।” ये कहते हुए उसने अपनी चे ना का कुं डा ढीला किया और अपने वस्त्र की सिलाई के नीचे छिपे गहने को दिखाया। यह मोतियों और रत्नों से जड़ा एक विशाल सोने का पदक था। पाओ यू ने उसे उसके हाथ से लिया और उत्सु कता से अपनी आँ खों के पास ले जाकर रख। वाकई, उसके आगे और पीछे आठ अक्षर प्रतीक अक्षरों में खु दे हुए थे । वे: मु झे कभी मत छोड़ना, मु झे कभी मत भु लाना! अनमोल यौवन - चिरस्थायी सु ं दरता! पाओ यू ने दोनों पंक्तियाँ ज़ोर से दो बर पढ़ीं। “ये मे रे पत्थर पर खु दी पंक्तियों से बिल्कुल मेल खाती हैं; ये मिलकर चार पंक्तियों का एक श्लोक बनाती हैं!” वह खु शी से आश्चर्यचकित होकर चिल्लाया। “एक बदसू रत साधु ने उसे ये पंक्तियाँ दी थीं और सलाह दी थी कि इन्हें सोने के पदक पर खु दवा लो,” ओरिओल ने महत्वपूर्ण भाव से कहा। “बस करो। उठो और हमारी चाय परोसो!” प्रेशियस क्लै स्प ने उसकी बकबक रोकते हुए कहा। “तु म कहाँ से आए हो?” उसने अपने आगं तु क की ओर मु ड़कर और बातचीत का रुख बदलते हुए कहा। लेकिन पाओ यू ने उसका सवाल नहीं सु ना; उसका ध्यान उससे आ रही अजीब सी खु शबू पर टिका हुआ था। क्योंकि ताबीज दे खते समय वे एक दूसरे के करीब आ गए थे ।“ बहन, तु मने कौन सा इत्र लगाया है?” वह जानना चाहता था। “मैं ने इसे पहले कभी नहीं सू ं घा।” “इत्र?” उसने धीरे से कहा। “मु झे अपने अच्छे कपड़ों को इत्र से खराब करने की आदत नहीं है ।” फिर, एक पल सोचने के बाद, उसने जल्दी से कहा। “तु म सही कह रहे हो। यह उस दवा की खु शबू होगी जो मैं ने आज सु बह ली थी।” “तु म्हारी दवा का नाम क्या है?” “सर्दी की बाम की गोलियाँ ।” “ ओह, मु झे भी उन सुगंधित गोलियों का स्वाद चखने दो!” उसने विनती की। "तु म कितनी नासमझ हो!" वह हं सते हुए बोली। "कोई भी बिना सोचे-समझे कोई भी दवा कै से खा सकता है!" उनकी बातचीत अचानक रुक गई। बाहर से एक नौकर की आवज आई: "मिस लिंग

आ गई हैं!" और तुरंत ब्लैक जेड अंदर आ गई। "ओह, क्या मैं आपको परेशान कर रही हूँ?" उसने मुस्कुराते हुए, जल्दी से एक नज़र डालते हुए पूछा।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल79.13% है ।

दोनों की ओर दे खते हुए,पाओ यू उठ खड़ा हुआ और विनम्रतापूर्वक उसे गर्म सोफे पर बै ठने के लिए कहा। "और आप हमें क्यों परे शान कर रहे हैं?" प्रेशियस क्लै स्प नेलापरवाही से कहा। "मैं ने बस सोचा... स्वाभाविक रूप से, अगर मु झे पता होता कि वह यहाँ है तो मैं नहीं आती।"।"मु झे आपकी बात समझ नहीं आ रही," प्रेशियस क्लै स्प ने ठंडे लहजे में जवाब दिया। "मे रा मतलब है कि अगर हम सभी एक ही समय में आपसेमिलने न आएं, और फिर कोई भी न आए, तो यह आपके लिए कहीं बे हतर होग। बे हतर होग कि वह आज आए और मैं कल। इससे हमरे आने-जाने में विविधता आएगी और हमारा समय भी बे हतर ढं ग से बँ टेगा। आपको न तो उपेक्षित महसू स होग और न ही बहुत अधिक भीड़भाड़। क्या यह समझना इतना मुश्किल है?" "क्या बाहर बर्फ गिर रही है?" पाओ यू ने बातचीत का रुख बदलते हुए ब्लै क जे ड के लाल लबादे की ओर इशारा करते हुए पू छा। "काफी दे र सेगिर रही है," ब्लै क जे ड के साथ आई उसकी नर्स, मदर ली की आवाज बाहर से आई।"मे रा रे नकोटले आओ," पाओ यू ने उसे पुकारा। “अरे, जब मैं आऊँ गा, तो उसे जना ही होगा, ज़ाहिर है,” ब्लै क जे ड ने तीखे लहजे में कहा। “किसने कहा कि मैं अभी जना चाहता हूँ? मैं तो बस चाहता था कि मे रीबिल्ली बाद में हमरे सथ रहे जब हम जएँ गे,” उसने अति सं वे दनशील चचे रे भाई को शां त करने की कोशिश करते हुए कहा। पाओ यू और उसके दोनों चचे रे भाई बै ठक कक्ष में गए, जहाँ आं टी स्ु एह ने इस बीच तरह-तरह के मीठे पकवानों से मे ज़ सजा दी थी। पाओ यू ने हाल ही में राजकु मरी चे न के यहाँ पहली बार खाए हं स के पै र और बत्तख की जीभ के पकवान की बहुत तारीफ़ की थी। उसे खु श करने के लिए आं टी स्ु एह ने आज उसके लिए यह पकवान बनवाया था। “लेकिन यह शराब के सथ और भी स्वादिष्ट लगता है,” बिगड़े हुए पओ यू ने कहा। इस पर आं टी स्ु एह ने घर में मौजू द सबसे अच्छी शराब मं गवाई। “शराब नहीं, कृ पया!” उसकी बू ढ़ी नर्स, माँ ली ने आपत्ति जताई। “बस एक गिलास!” उसने विनती की। “नहीं!” माँ ली ने सख्ती से कहा। "अगर तु म्हारी माँ या दादी यहाँ होतीं तो तु म पूरा घड़ा भरकर पी सकते थे, मु झे कोई फ़र्क नहीं पड़ता। लेकिन अब मैं तु म्हारी ज़िम्मे दार हूँ, और मैं वै सी मु सीबत में नहीं पड़ना चाहती जै सी हाल ही में पड़ी थी जबकिसी मूर्ख ने मे री पीठ फे रते ही तु म्हें शराब पिला दी थी। उस बात पर मु झे

कई दिनों तक डांट सुननी पड़ी थी। तुम्हें नहीं पता, ताई ताई, वो कितना बदमाश है, और शराब की एक बूँद भी मिल जाए तो क्या कर सकता है," उसने चाची ह्सु एह की ओर मुड़ते हुए कहा। "ठीक है, इतना उत्तेजित मत हो, बूढ़ी नर्स!" चाची ह्सु एह ने उसे शांत करने के लिए हंसते हुए कहा। "तुम्हें भी एक प्याला मिलेगा। इस मौसम में शराब अच्छी होती है, सर्दी-जुकाम से बचाती है। मैं ध्यान रखूँगी कि वो ज़्यादा न पी ले, और मैं उसकी दादी के प्रति उसकी ज़िम्मेदारी निभाऊँगी।"

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.02% है ।

माता ली मान गईं और एक नौकरानी उन्हें नौकरों के कमरे में ले गई जहाँ उन्होंने बाकी लोगों के साथ एक प्याला शराब साझा की। "लेकिन, कृ पया ठं डी शराब दीजिए! मु झे गर्म शराब पसं द नहीं है," पाओ यू की आवाज़ फिर सु नाई दी। "मैं आपको के वल गर्म शराब ही दे सकती हूँ" चाची ह्सु एह ने आपत्ति जताई। "ठं डी शराब से लिखते समय हाथ कांपने लगते हैं ।" "घर पर आपको हर दिन अपना ज्ञान बढ़ाने का मौका मिलता है, और आपको अभी तक शराब के स्वभाव के बारे में कु छ नहीं पता?" प्रेशियस क्लै स्प ने कु छ व्यं ग्यपूर्ण और होशियार लहजे में कहा। "शराब से गर्मी लगती है औरसिर चढ़ता है ।लेकिन अगर शराब गर्म पी जाए तो इस प्रभाव से बच जा सकता है । दूसरी ओर, ठं डी शराब शरीर में दौड़ती है और अपने हानिकारक प्रभाव को पाँ चों आं तों में फै लाती है ।" ऐसे सुं दर मु ख से निकली बात निश्चित रूप से सही और तर्क सं गत होगी, इसलिए उन्हें गर्म शराब परोसी गई। • लेकिन यह सिर्फ एक प्याले की बात नहीं थी। जै से ही वह सख्त निगरानी रखने वाली माँ ली चली गईं, वह आं टी ह्सु एह के प्रोत्साहन से जी भर कर पी सकता था। आखिरकार, शाम होते-होते, वह थोड़ा नशे में था और इतनी शराब पीने से इतना थक गया था कि वह आं टी ह्सु एह के घर रात बिताने के निमं त्रण को स्वीकार करना चाहता था। लेकिन ब्लै क जे ड, जिसे ह्सु एह परिवार के साथ उसकी घनिष्ठता पसं द नहीं थी, ने उसे रोक दिया। "क्या अब तु म घर जाने का नहीं सोच रहे हो?" उसने उससे पूछा, उसकी बे जान आँ खें लगातार झपक रही थीं। "जब तु म जाओगी, मैं तु म्हारे साथ चलूँ गा," उसने जवाब दिया। इस पर ब्लै क जे ड तु रं त उठी और विदा ली। उसने भी विनम्रता से उसका अनु सरण किया और अपने शॉल मां गे । जब नौकरानी स्नोगू ज़ ने चौड़े किनारे वाली, लाल-भू री, बं दर के फर से बनी स्त्रियों की टोपी उसके झुके हुए सिर पर कु छ अजीब तरह से रखी, तो उसने उसे फिर से उतार दिया और गु स्से से उसे डां टा। "मु झे करने दो!" ब्लै क जे ड जल्दी से उसके पास दौड़ते हुए बोली। वह खु शी-खु शी मान गया। कितनी कोमलता और सावधानी से उसकी कोमल उं गलियाँ उसके बालों को सं वार रही थीं! उसने इतनी कु शलता से उसकी टोपी उसके सिर पर लगाई कि उसके बाल बिल्कुल भी नहीं बिखरे; टोपी का भीतरी पट्टा उसके माथे पर ठीक से फिट हो गया, और अखरोट के आकार का लाल मखमली लटकन किनारे से

थोड़ा नीचे तकलटक रहा था। घर पर, नशे में होने के कारण उसे शम के भोजन में नहीं बुलाया गया बल्कि सीधे बिस्तर पर भेज दिया गया। नौकरानी, ब्राइट क्लाउड, उसके कमरे में उसका इंतजर कर रही थी। "वाह, तुम तो बड़े अच्छे हो!" उसने हंसते हुए उसका अभिवादन किया और लेखन मेज की ओर इशारा किया जहाँ लेखन समग्री अभी भी उसी तरह पड़ी थी जैसे उसने सुबह उसके लिए छोड़ी थी। "आज सुबह तुमने मुझसे ढेरों स्याही तैयार करवाई थी, और तुमने सिर्फ तीन अक्षर लिखे।"

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.03% है ।

फिर आप चले गए। मैंदिन भर आपका इं तज़ार करती रही, व्यर्थ। लेकिन अब जल्दी से काम पर लग जाइए और स्याही खत्म होने तकलिखते रहिए!" "आपने जिन तीन अक्षरों की बात की थी, वे कहाँ हैं?" वह जानना चाहता था। "हाँ, आप ज़रूर नशे में हैं आज सु बह जब आप गए थे, तो आपने मु झे दरवाज़े के ऊपर बाहर अक्षर लगाने को कहा था। मैं खु द सीढ़ी पर चढ़ी और आपकेलिए यह काम कर दिया। ठं ड से मे री उँगलियाँ अकड़ गई थीं।" " आह, अब याद आया। मु झे अपना हाथ दीजिए।" मैं इसे अपने कमरे में ले चलूँ गा!" उसने उसका हाथ पकड़ा और उसे दरवजे के बाहर खींच ले गया ताकि वह दरवाजे परलिखे अक्षरों को दे ख सके । तभी ब्लै क जे ड आ गई। "प्रिय बहन, कृ पया ईमानदारी से बताओ कि तु म्हारी राय में मैं ने इन तीनों अक्षरों में से सबसे अच्छा कौन सा बनाया है?" उसने उत्सु कता से पू छा। ब्लै क जे ड ने ऊपर देखा। वहाँ, तीन बड़े अक्षरों में शानदार ढं ग से खुदा हुआ, गर्व से लिखा था: सं स्कृति की सु गं ध कबैं गनी कक्ष।" मु झे तीनों अक्षर बहुत ही उत्कृष्ट लगे," उसने मु स्कुराते हुए कहा। "क्या तु म मे रे कमरे केलिए भी ऐसा ही सु ं दर शिलाले ख बना सकती हो?" "अरे, रहने दो। तु म बस मेरा मज़ाक उड़ा रहे हो। लेकिन पर्ल कहाँ है?" ब्राइट क्लाउड ने अपने होंठ सिकोड़े औरबिस्तर की ओर इशारा किया। पर्ल वहाँ आराम से ले टी हुई थी। वह अपने कपड़ों मेंले टी हुई थी, मानो गहरी नींद में सो रही हो।" इतनी जल्दी सो गई?" उसने हं सते हुए कहा। फिर वह एक पल के लिए सोचने लगा। "दोपहर के भोजन से जो दही के समोसे मैं ने यहाँ भे जे थे, वे कहाँ हैं?" मैं ने मिस्टर ली चे न से कु छ भे जने को कहा था, क्योंकि मैं उन्हें शाम को खाना चाहता था। ये आपकेलिए थे, क्योंकि आपको ये बहुत पसं द हैं "। मु झे तु रंत लगा कि ये मे रेलिए हैं और मैं शाम को इन्हें खाने केलिए उत्सु क था। लेकिन तभी माँ ली आ गईं और उन्होंने इन्हेंले लिया। उन्होंने कहा कि आप पहले ही काफी खा चु के हैं और वह इन्हें अपने पोते को देंगी, वह पसं द करें गी"। एक और नौकरानी उनके लिए चाय लाई। "चचे री बहनलिंग के लिए भी एक कटोरी," उन्होंने आदे शदिया। "वह तो बहुत पहले ही चली गई हैं," उन्होंने हं सते हुए कहा। उन्होंने बस एक घूं ट पिया, फिर रुक गए। "लेकिन आज सु बह मे रेलिए मे पल की चाय बनाई गई थी, और मैं ने साफ़-साफ कहा था कि इसे तीन-चार बार उबालकर छानना है, क्योंकि तभी इसका स्वाद अच्छा लगता

है । आप मु झे यहूस्द्री चाय क्यों दे रही हैं?" "मैं ने आपकेलिए मे फ्ल की चाय का एक बर्तन तै यर किया था," नौकरानी ने जवब दिया, "लेकिन माँ ली ने उसे पीलिया।" 63

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 99.03% है ।

गु स्से में आकर पाओ यु ने भरा हुआ चीनी मिट्टी का कटोरा ज़मीन पर पटक दिया, जिससे वह चकनाचू र हो गया और उसका सारा पानी नौकरानी के कपड़े पर फै ल गया। "माँ ली! हमे श माँ ली ही क्यों! आखिर वो होती कौन है कि सबको उसके सामने झु कना पड़े और उसके भय से मरना पड़े? उसने बचपन में बस थोड़ी दे र के लिए मे री दे खभाल की थी, बस! इससे उसे यह हक़ नहीं मिल जाता कि वो यहाँ ऐसे अकड़ दिखाए जै से खु द राजकु मारी हो। उसे घर से निकाल दे ना चाहिए, तभी हम सबके लिए अच्छा होगा।" और अगर नौकरानी पर्ल बीच में दखल न दे ती, तो वह सीधे अपनी दादी के पास जाकर उसकी शिकायत करने चला जाता। पर्ल तो सोने का नाटक कर रही थी। वह चाहती थी कि जब वह वापस आए और उसे बिस्तर पर दे खे, तो वह उसे लु भाए और उससे छे ड़छाड़ करे और उसके साथ शारीरिक सं बं ध बनाए। उसने तीन अक्षरों और दही के गोलों के बारे में हुई पिछली बातचीत पर ध्यान नहीं दिया था, लेकिन चाय के प्याले के टू टने की आवाज़ सु नकर वह फुर्ती से उठ खड़ी हुई और उसे शांत करने की कोशिश करने लगी। उसी क्षण राजकु मारी पूर्वज द्वारा भे जा गया एक नौकर शोर का कारण पू छने आया। "कु छ नहीं, वास्तव में," पर्ल ने उसके बोलने से पहले ही कहा। "मैं चाय डाल रही थी और मे रे जू तों पर पानी होने के कारण मे रा पै र फिसल गया; इसलिए प्याला मे रे हाथ से गिरकर टूट गया।" नौकर के जाने के बाद, पर्ल ने पाओ यू की ओर मु ड़कर कहा, "यदि तु म माँ ली को भगाना चाहते हो, तो हम भी चले जाएँ गे । निस्सं दे ह, तु म्हें हमसे बे हतर मिलना आसान लगे गा।" वह चु प रहा और अपने कपड़े उतारकर बिस्तर पर ले ट गया। कु छ ही दे र में उसकी थकी हुई आँ खें बं द हो गईं। पर्ल ने उसके गले से पत्थर का ताबीज उतारकर उसे रूमाल में लपे टकर उसके तकिए के नीचे सावधानी से रख दिया, ताकि अगली सु बह वह गर्म रहे और उसकी नं गी गर्दन को ठं ड न लगे । अगले दिन सु बह-सु बह निंग कु ओ महल से भतीजे युं ग अपने बहनोई चिन चुं ग के साथ राजकु मारी पूर्वज से मिलने आया। घर की अन्य महिलाओं की तरह ही वह बुढ़िया भी उस यु वक से मु ग्ध हो गई। उन्हें दोपहर के भोजन के लिए रोका गया और विदाई के समय उपहारों से लाद दिया गया। राजकु मारी ने उन्हें एक पर्स और अक्षरों के दे वता की सोने की प्रतिमा भें ट की। उन्होंने उन्हें पाओ यू के लिए एक उपयुक्त साथी और सहपाठी समझा

और खुशी-खुशी उन्हें पारिवारिक विद्यालय में दाखिला देने के लिए सहमत हो गईं। उन्होंने उनसे कहा, "तुम यहाँ से बहुत दूर रहते हो और बहुत गर्मी या कड़ाके की ठंड में तुम्हें यात्रा बहुत कठिन लगेगी। ऐसे समय में तुम जब तक चाहो यहाँ रह सकते हो और अपने चाचा पाओ यू के साथ रह सकते हो। आलसी और बदमाश बच्चों के झुंड के साथ रहने से बेहतर है कि तुम दोनों घर पर ही पढ़ाई करो।" चिन चुंग के पिता इस अच्छे स्वागत से बहुत प्रसन्न हुए।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.01% है ।

उनके पु त्र को उनके कुलीन रिश्ते दारों द्वारा दिए गए उस विद्यालय में दाखिला मिल गया था और वे इस बात से बहुत प्रसन्न थे कि अब उनके पु त्र की शिक्षा का प्रश्न बिना किसी याचिका के अपमानजनक तरीके से हल हो गया था। उन्होंने दे खा कि उनका पु त्र उस विद्यालय में सबसे अच्छे हाथों में होगा जिसके प्रधनाचार्य आदरणीय वृ द्ध चिया ताई जू थे, जो एक प्रख्यात विद्वान और कन्फ्यूशियसवादी थे । स्वभाविक रूप से वे उनसे औपचारिक रूप से मिलने और उन्हें धन का रिवाज़ानु सार उपहार दे ने से बच नहीं सके । वे इस मामले में अन्य पु त्रों के उच्च स्थिति वाले अभिभावकों से बहुत पीछे नहीं रहना चाहते थे । इस प्रकार, राज्यपाल के इस छोटे से साधारण सचिव को अपने पद के अनु रूप पच्चीस चांदी के सिक्कों का प्रवे श उपहार जु टाने के लिए हर सं भव प्रयास करना पड़ा। पिता और पु त्र द्वारा प्रधानाचार्य को सम्मान दे ने और उपहार भें ट करने के बाद, चाचा और भतीजा उस शु भ दिन विद्यालय के लिए रवाना हुए जिसे पओ यू ने कैलें डर में चुना था। अगला अध्याय विद्यालय में इसके तु रं त बाद होने वली उपद्रवी घटनाओं का वर्णन करे गा। अध्याय 8 चिया चें ग अपने शरारती बच्चों को फटकारते हैं । बदतमीज़ लड़कों ने स्कूल में हं गामा मचा दिया। कैलें डर में तय किया गया स्कूल जाने का दिन आ गया था। नौकरानी पर्ल सु बह जल्दी उठ गई थी और अपने मलिक के लिए लिखने का सामान और किताबें तै यार कर चु की थी, और अब वह उदास होकर उनके बिस्तर के किनारे बै ठकर उनके जागने का इं तज़ार कर रही थी। जब वह उन्हें कपड़े पहना रही थी, तो उन्होंने पर्ल का उदास चे हरा दे खा। "प्यारी बहन, तु म इतनी दुखी क्यों लग रही हो?" उन्होंने उससे पूछा। "उम्मीद है कि अब तु म्हें बु रा तो नहीं लग रहा होगा कि तु म्हें छोड़ दिया गया है और कोई तु म्हें नहीं चाहता, क्योंकि मैं स्कूल जा रही हूँ?" "ऐसी बात नहीं है," उसने मु स्कुराते हुए जवब दिया। "शिक्षा तो ज़रूरी है, वरना जीवन में कु छ हासिल नहीं होता। लेकिन अभी मैं सोच रही थी कि पढ़ाई में भी अति नहीं करनी चाहिए। पढ़ाई भोजन की तरह है: ज़्यादा खाना से हत के लिए अच्छा नहीं होता। अपनी से हत का ध्यान रखना और कभी-कभी थोड़ा आराम भी करना ज़रूरी है । पढ़ाई के दौरान अपना ध्यान सिर्फ़ किताबों पर रखो, लेकिन खाली समय में घर के उन लोगों के बरे में सोचो जो तु म्हारे करीब हैं । और एक बात और: अपने सहपठियों से

किसी भी तरह की लड़ाई-झगड़े में मत पड़ना। तुम्हें पता है कि तुम्हारे पिता किसी भी तरह की बकवास बर्दाश्त नहीं करेंगे। जाने से पहले तुम्हें यह याद दिलाना मेरे मन में था।" पाओ यू ने उनकी सलाह को दिल से मानने का वादा किया। "शायद तुम्हें स्कूल में ठंड लग रही होगी," उन्होंने आगे कहा। "खैर, मैंने तुम्हारे लिए एक फर कोट पैक कर दिया है; मैंने तुम्हारे नौकरों को तुम्हारे लिए हैंड वार्मर भी दे दिया है। लेकिन तुम्हें ये चीज़ें माँगनी होंगी।"

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 8.84% है ।

जब आपको ठंडलगे । ये असभ्य सी बदमाश अपने आप आपकी देखभाल नहीं करेंगे । अपनी सेहत का ख्याल रखना! "धन्यवाद, मैं अपन ख्याल रखूंगा। लेकिन मेरे जाने के बाद आपको हर समय मेरे कमरे में बैठकर ऊबने की ज़रुरत नहीं है । चचेरी बहन ब्लैक जेड के पास जाकर उनसे बत कर लीजिए।" पर्ल की सलाह पर उसने जने से पहले अपनी ददी और माता-पिता से भीविदा ली। आखिरी व्यक्ति जिससे वहमिलने गय, वह थे उसके सख्त मिजाज पिता चिया चेंग। आज संयोग से वे अपने दफ्तर से जल्दी लौट आए थे और पुस्तकालय में कुछ मेहमानों का स्वागत कर रहे थे । बातचीत के बीच में उनका बेट अंदर आय और घुटनों के बल बैठकर अभिवादन किया - त्सिंग आन - और बताया कि वह स्कूल जा रहा है । श्री चेंग ने उसे तिरस्कार भरी मुस्कान से देखा। "इन सज्जनों के समने 'स्कूल जाने' की अपनी बकवास से मुझे शर्मिंदा मत करो," उन्होंने उपहास करते हुए कहा। "मुझे परवाह नहीं है कि तुम अपनी बचकानी हरकतें करते रहो, लेकिन कृपय मुझे शांति से रहने दो। आपकी उपस्थिति इस सम्मानित स्थान को अपवित्र कर रही है ।" " इतने कठोर मत बनिए, आदरणीय पुराने मित्र!" उनके आगंतुक, जो अपनी सीटों से उठ खड़े हुए थे, ने उन्हें विनम्रतापूर्वक आग्रह किया। "हमारे युवा भतीजे को खुशी-खुशी अपने स्कूल जाने दीजिए। वह निश्चित रूप से जल्द ही अपने बचकाने पन को छोड़ देगा और दो-तीन वर्षों में अपन नाम रोशन करेग। और आप, आदरणीय भतीजे, यहाँ समय बर्बाद न करें, बल्कि विदा लें, क्योंकि लगभग भोजन का समय हो गया है ।" और दो आदरणीय सज्जनों ने पओ यू को अपने बीच में उठाया और उसे कमरे से बाहर ले गए। " उसके साथ कौन है?" श्री चेंग ने दरवाजे के बाहर अपने बेटे का इंतजार कर रहे नौकरों के दल से पूछा। चार बलवान पुरुष आगे आए, घुटने टेके और आपको त्सिंग आन (प्रार्थना का प्रतीक) अर्पित किया। श्री चेंग उनमें से सबसे बड़े की ओर मुड़े, जिसका नाम ली क्वेई था और जो नर्स मदर ली का पुत्र थ। "तुम, मेरे प्रति उसके लिए जिम्मेदार हो!" उन्होंने कहा। "उसने अब तक क्य सीखा है? खोखले शब्दों और उलझे हुए वक्यों के अलावा कुछ नहीं। उसका पेट धूर्तता और दुष्टता से भरा है ।" लेकिन रुको! जैसे ही मुझे समय मिलेगा, मैं तुम्हें नंगा करवाऊंगा और फिर हम इस निकम्मे बदमश का हिसाब चुकता करेंगे।" घोर घबराहट में ली क्वेई

ने अपनी टोपी उतरकर अपना सिर ज़मीन पर रख दिया। "बूढ़े राज्यपाल जी," वह हकलाते हुए बोला, "यह बेचरा आपसे झूठ बोलने की हिम्मत नहीं करेगा। लेकिन युवराज्यपाल जी को शिह चिंग, यानी गीतों की पुस्तक के तीन भाग सचमुच कंठस्थ हैं। वह उसा भाग तक पहुँच चुके हैं जिसमें दूर से हिरण के रोने और लहरों पर कमल के पत्ते के बहने का वर्णन है।" इन बातों को सुनकर दोनों सज्जन ज़ोर से हँस पड़े और यहाँ तक कि श्री चेंग भी अपना गंभीर चेहरा नहीं बनाए रख सके और मुस्कुराए। 66

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.02% है ।

“और अगर उसे शिह चिंग के तीस अध्यय भी कं ठस्थ यद हों, तो भी यह उतना ही व्यर्थ शोर और भ्रम है जितना कि कोई व्यक्ति कान बं द करने के लिए बे ईविसिक चु राकर गू ं गा होने का नाटक करे,” उसने कहा। “पु राने शिक्षक को मे रा प्रणाम कहना और उनसे कहना कि वे शिह चिंग और ऐसी पु रानी बे कार की चीजों को पढ़ाने में अपना समय बर्बाद न करें; बल्कि उन्हें चरों शास्त्रीय ग्रं थों का इतना गहन अध्ययन कराना चाहिए कि उनके छात्र उन्हें शु रु से अं त तक कं ठस्थ कर लें। यही सबसे महत्वपूर्ण बात है ।” “शिह, जी हाँ,” ली क्वे ई ने उत्सु कता से बु दबुदाया, और जै से ही बू ढ़े गवर्नर ने कु छ और कहा, वे अपने साथियों के सथ जल्दी से उस जगह चले गए जहाँ पाओ यू बाहर अकेला और उपेक्षित इं तजर कर रहा था। “क्या तु मने सुना, छोटे भई?” ली क्वे ई ने रास्ते में उससे कहा। "वह हमें नं गा करके पिटवाएगा। दूसरी जगहों पर मालिक से नौकरों को थोड़ा सम्मान और गौरव मिलता है । हम, आपकी से वा में अपना समय व्यर्थ ही व्यतीत करते हैं और बदले में के वल डां ट और मार ही पाते हैं । अगर भविष्य में हमारे सथ थोड़ा और सम्मान से व्यवहार किया जाए तो हमें अधिक खु शी होगी।" "बु रा मत मानिए, बड़े भई!" पाओ यू ने विनम्रता से कहा। "जै से ही मौका मिले गा, मैं आपकी से वाओं के लिए आभार व्यक्त करूं गा और आपको अपने घर आमंत्रित करूं गा।" "यह तो बहुत बड़ा सम्मान होगा, छोटे पूर्वज! अगर मु झे आपसे कु छ कहना हो तो बस मे री बात सु न लीजिए।" वे राजकु मारी के निवास पर वापस आ गए थे । वह चिन चु ं ग से बात कर रही थीं, जो पाओ यू को ले ने आया था। एक और विदाई के बाद चाचा और भतीजा साथ में स्कूल के लिए चल पड़े ।लेकिन अचानक पाओ यू को याद आया कि उसे ब्लै क जे ड को भी विदाई दे नी चाहिए। इसलिए वह वापस हरे मं डप की ओर मु ड़ गया। वहाँ उसने अपनी चचे री बहन को खिड़की के सामने एक दर्पण के सामने बाल सं वारते हुए पाया। जब उसने सु ना कि वह स्कूल जा रहा है, तो उसने थोड़ी व्यं ग्यात्मक मु स्कान के साथ कहा: "स्कूल? बहुत बढ़िया! तु म ज़रूर एक महान व्यक्ति बनोगे और चंद्र महल में दालचीनी के फूल तोड़ोगे । अफसोस है कि मैं तु म्हारे सथ नहीं जा सकती।" "प्यारी मे ई मे ई, जब तक मैं स्कूल से वापस नहीं आ जाता, तब तक तु म रात का खाना ले कर इं तज़ार करोगी ना?" उसने विनती की। "और मैं हमे शा की तरह तु म्हारा मे कअप करने

में तुम्हारी मदद करना चाहता हूँ। कृपया इसे तब तक केलिए टाल दो जब तक मैं वपस घर नहीं आ जाता!" "क्या तुम चचेरी बहन प्रिसियस क्लैस्प को भी अलविदा नहीं कहोगे?" उसने उसके जाते समय पीछे से पुकारा। वह केवल मुस्कुराया और अंत में अपने भतीजे के साथ स्कूल चला गया। स्कूल की स्थापना युंगकुओ के स्वोह राजकुमार ने की थी, और संस्थपक के इरादे के अनुसार, यह मुख्य रूप से कबीले के गरीब परिवारों के प्रतिभाशाली बेटों केलिए था, जो अपने निजी शिक्षकों का खर्च वहन नहीं कर सकते थे। स्कूल का खर्च उन परिवारों के सदस्यों के योगदान से चलता था जिनके पस 67

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.15% है ।

उन्होंने लाभकारी पद प्राप्त किए। इन योगदानों से विद्यार्थियों को न के वल मु फ्त शिक्षा बल्कि मु फ्त भोजन भी प्रप्त हुआ। सं स्थपन विले ख के अनुसार, प्रधानाध्यापक एक वृ द्ध और योग्य विद्वान होना चाहिए, जो कन्फ्यूशियस दर्शन के गु णों में सिद्ध हो। "स्कूल में सथ आने के पहले दिन से ही पओ यू औरचिन चु ं ग अविभाज्य साथी बन गए। वे सथ स्कूल जाते और सथ घर आते, साथ में पढ़ाई करते और मनोरं जन के दौरान साथ खड़े होते । राजकु मरी ने चिन चु ं ग के साथ ऐसा व्यवहार किया मानो वह उनका पोता या परपोता हो। वह अक्सर उसे तीन-पाँ च दिनों तक अपने घर में मे हमान बनाकर रखती थीं और उदारतापूर्वक उसे कपड़े और अन्य आवश्यक वस्तु एँ भी दे ती थीं। दो महीने बाद चिन चु ं ग यु ं गकु ओ महल में सभी के साथ इतना घुलमिल गया था मानो वह परिवार का ही सदस्य हो। जब किसी मनोदशा या हास्य की बात आती, तो पाओ यू न तो विशेष रूप से समझदार होते और न ही तर्किक। इसलिए, उन्होंने सु झाव दिया कि अपने भतीजे के साथ सं बं धों का मु ख्य आधर सौहार्दपूर्ण मित्रता होनी चाहिए। "हम एक ही उम्र के हैं और साथ-साथ पढ़ते हैं "। हमें चचा और भतीजे के बीच औपचारिक भे द क्यों बनए रखना चाहिए? "भविष्य में हम एक-दूसरे कोमित्र और भाई कहें गे।" वह लगातार यही बात दूसरे के कानों में दोहराता रहा, जिससे अं ततः चिन चु ं ग ने अपनी शु रुआती झिझक को दूर करते हुए सु झाव मान लिया। पारिवारिक विद्यालय के कईविद्यार्थी लगभग सभी एक ही कुल के थे और रक्त या विवाह के माध्यम से कमोबे श एक-दूसरे से संबंधित थे, लेकिन जै स कि कहावत बिल्कुल सही कहती है, अजगरों में भी नौकिस्में होती हैं और प्रत्ये ककिस्म दूसरी से भिन्न होती है । सं क्षे प में, यह समझना आसान है कि पारिवारिक विद्यालय के अजगरों के बीच सांप औरविषैले सं प रें ग रहे थे, और ऊँ च-नीच सब एक साथ मिले हुए थे । यह स्वाभाविक था कि दो सु ं दर, खिले-खिले यु वा नवागं तु क बहुत जल्द अपने सहपठियों का ध्यान आकर्षित करें गे; चिन चु ं ग अपने सौम्य, सौम्य स्वभाव और शर्मीले, सं कोची स्वभव के कारण, जिससे वह बत करने परलड़की की तरह शर्मा जाता था; पाओ यू अपने धन और आत्मविश्वास से भरे व्यवहार, अपने कु शल आचरण और शब्दों के प्रयोग में निपु णत के कारण। उनकी घनिष्ठ मित्रता पर पर्दे के पीछे खू ब चर्चा होती थी। उनकी पीठ पीछे ।

ईर्ष्या और जलन ने अपना सबसे बुरा रूप दिखाया। संक्षेप में, जल्द ही दोनों के रिश्ते के बारे में स्कूल के अंदर और बाहर हर जगह कानाफूसी और गुप्त चर्चा होने लगी। दोस्त ह्सु एह पैन भी पारिवारिक स्कूल में पढ़ रहा था, लेकिन सीखने की लगन से ज़्यादा कुछ निजी उद्देश्यों के लिए। जब उसने पहली बार इस स्कूल के बारे में सुना, जिसमें इतने अच्छे युवा लड़कों का चयन होता था, तो इस खबर ने उसे तुरंत जगा दिया।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.21% है ।

उसके मन में नीच इच्छाएँ भरी हुई थीं। ज्ञान बढ़ाने और समृ द्ध करने की इच्छा का दिखावा करते हुए, उसने बू ढ़े ताई जू से बड़ी रकम दे कर दाखिला लिया था। असल में, वह उस मछुआरे की तरह बनना चाहता था जो तीन दिन मछली पकड़ता है औरफिर अगले दोदिन जाल सू खने का इंतज़ार करते हुए आराम करता है । उसे पढ़ाई से ज़्यदा लड़कों से दोस्ती करने में रुचि थी। वास्तव में, उसे विद्यार्थियों में कु छ ऐसे लड़के मिल गए जो पै सों और अन्य उपकारों के लालच में आकर उसके उद्दे श्यों को पूरा करने लगे, जिन पर विस्तार से चर्चा करना आवश्यक नहीं है । इनमें प्रमु ख दो सु ंदर लड़के थे, जिन्हें उनकी आकर्षक और सु ंदर उपस्थिति के कारण शियां गलियन, "सु गंधित लगाव" और यू ऐ, "प्रियतम" उपनाम दिया गया था। विद्यालय में उनकी आम तौर पर प्रशं सा की जाती थी, लेकिन के वल गु प्त रूप से, क्योंकि ह्सु एह पन के डर से कोई भी लड़का उनसे दोस्ती करने का साहस नहीं करता था। स्कूल आने के कु छ ही समय बाद पाओ यू औरचिन चु ंग भी इन दोनों की ओर आकर्षित हो गए, लेकिन ह्सु एह पन के डर से उन्होंने अपनी पसं द ज़ाहिर करने कीहिम्मत नहीं की और दूर से ही एक-दूसरे कोनिहारते रहे । ह्सियां गलियन और यू ऐ ने भी वै सा ही भाव दिखाया। कक्षा में पढ़ाई के दौरान रोज़ाना वही गु प्त खेल चलता रहा: चार अलग-अलग सीटों पर बै ठी चार जोड़ी आँ खें मिलतीं और प्यार की खामोश भाषा बोलतीं। मनोरं जन के दौरान बातचीत में वे अपने छिपे हुए भवों और भावनाओं को कोमल इशारों और अस्पष्ट वाक्यों के ज़रिए व्यक्त करते ।लेकिन इस गु प्त खेल को सावधानी से खेलने के बावजू द, यह कु छ चलाक लड़कों की ते ज़ नज़रों से छिपा नहीं रह सका। नतीजतन, चारों के बीच खू ब इशारे होते, गले सफ़ करने की आवज़ें आतीं और पीठ पीछे खाँ सी आती। एकदिन प्रधानाचार्य चिया ताई जू एक घरेलू समरोह के कारण स्कूल से अनु पस्थित थे । अपनेविद्यार्थियों को व्यस्त रखने केलिए उन्होंने उन्हें एक श्लोक का आधा भाग दिया। उन्हें उसका पू रक दूसरा भाग लिखना था। यही उनका काम था। अपनी अनु पस्थिति के दौरान उन्होंने विद्यालय की दे खरे ख का जिम्मा अपने सहायक और पोते चिया जु ई को सौंपा था। सं योगवश उस दिन ह्सु एह पन विद्यालय में अनु पस्थित थीं। चिन चु ंग और ह्सियां गलियन ने उनकी अनु पस्थिति का फायदा उठाते हुए एक-दूसरे को समान्य से अधिक खुले

इशारों से संकेत दिए, और अंत में, प्राकृतिक आवश्यकताओं को पूरा करने के बहाने, वे चुपचाप विद्यालय के प्रांगण के सबसे दूर के कोने में जाकर एकांत में बातचीत करने लगे। "क्या तुम्हारे पिता को आपत्ति होगी अगर हम खुले आम दोस्त बन जएँ?" चिन चुंग ने अभी दूसरे से यही पूछा था कि तभी उन्हें अपने पीछे किसी के खँसने की आवाज़ सुनाई दी। वे बुरी तरह चौंक गए और पीछे मुड़े तो देखा कि उनका एक सहपाठी, किंग युंग, उनके समने खड़ा शरारती ढंग से हँस रहा था। वह चुपके से उनके पीछे आ गया था। सौम्य चिन चुंग के विपरीत, ह्सियां गलियन गुस्सैल स्वभाव की थीं। "इस मूर्खतापूर्ण खाँसी का क्या मतलब है? क्या हमें बोलने की अनुमति नहीं है?"

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.01% है।

“एक साथ?” उसने शरारती बच्चे से कहा, शर्मिंदा और नाराज़ दोनों होते हुए। “मुझे आपको परेशान करने की ज़रूरत नहीं है,” दूसरे ने मज़ाक उड़ाते हुए जवब दिया। “लेकिन अगर आपको बोलने का अधिकार है, तो क्या मुझे भी खांसने की अनुमति मिल सकती है? वैसे अगर आपको एक-दूसरे से कुछ कहना है, तो खुलकर क्यों नहीं कहते? पता नहीं यहाँ आपलोग क्या गुप्त काम कर रहे हैं। दिखावा मत करो; मुझे सब पता है! और अब आपके पास विकल्प है: या तो मुझे भी अपने खेल में शमिल कर लो और मैं चुप रहूँगा, या पूरे स्कूल को पता चल जाएगा।” “क्या पता चलेगा?” चिन चुंग और ह्सियां गलियन दोनों ने एक सथ पूछा, उनके बल तक लाल हो गए थे। “सच!” दूसरे ने हंसते हुए जवाब दिया। फिर उसने तली बजाई और स्कूल के मैदान में ज़ोर से चिल्लाया: “अरे, इधर आओ! ताज़ा बने पैनकेक बिक्री के लिए हैं!” दोनों दोस्त गुस्से में स्कूल में घुस आए और प्रभरी चिया जुई से अपने सहपाठी के बेवजह अपमान की शिकायत की। चिया जुई को लाभ से बढ़कर नैतिकता से कोई लेन-देन नहीं था; वह स्कूल में शिक्षक के पद का दुरुपयोग करके अपने छात्रों को बुरी तरह लूटत था। इसलिए उसने ह्सुएह पन को उसके घिनौने कामों से रोकने की कोशिश नहीं की, बल्कि उसने अमीर अय्यश का साथ देकर उसे धन और अच्छा भोजन प्राप्त करने में मदद की। अगर चिन चुंग और ह्सियां गलियन को लगा था कि चिया जुई उनकी रक्षा करेगा, तो वे बहुत बड़ी गलती कर रहे थे। चिया जुई को ह्सियां गलियन से द्वेष था, क्योंकि जब वह ह्सुएह पन के सथ घूम रहा था (इस बीच उस अय्याश ने उसे नए दोस्तों के लिए छोड़ दिया था) तब उसने अपने अमीर संरक्षक से उसके लिए जरा भी कृपा नहीं करवाई थी। इसलिए जब दोनों अपनी शिकायत लेकर आए, तो उसने बड़ी बेपरवाही दिखाई और तुरंत उनके दुश्मन, राजा युंग का पक्ष ले लिया। इसके अलावा, उस समय राजा युंग, ह्सुएह पन के बहुत प्रिय थे, और उनके लिए बस यही मायने रखत था। यह सच है कि उन्होंने अपने प्रभावशाली मित्र पाओ यू के कारण चिन चुंग की निंदा करने की हिम्मत नहीं की, जिनसे वे झगड़ा नहीं करना चाहते थे। लेकिन फिर भी उन्होंने ह्सियां गलियन के प्रति अपनी नाराजगी को नहीं रोका; उन्होंने पूरी कक्षा के सामने उन्हें दोषी ठहराया और उन्हें झगड़ालू और शंति भंग करने वाला बताया। अनुचित आरोप से

नाराज और आहत होकर, ह्सियां गलियन कक्षा में अपनी सीट पर वपस चले गए, जहाँ से उन्होंने अपनी नाराजगी को घूरकर, गुर्राकर और अपने दोस्तों से फुसफुसाकर प्रकट किया। राजा युंग ने, विजेता होने के नाते, खुद को महत्वपूर्ण और ध्यान आकर्षित करने के लिए इधर-उधर इशारा करते हुए सिर हिलाया, मुंह बनाया और आत्मसंतुष्ट बड़बड़ाहट की। "मैंने उन्हें अभी-अभी आंगन के सबसे अंधेरे कोने में पाया है," फुसफुसाहट दाएं और बएं फैल गई। "मैंने उन्हें स्पष्ट रूप से चुंबन और सहलाते हुए देखा, और मैंने उन्हें 70 में शमिल होने की इच्छा के बरे में बात करते हुए सुना।"

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल79.22% है ।

एक दूसरे । और वे अपनी महत्वपूर्ण बातचीत में इतने मग्न थे कि उन्होंने मु झे देखा तक नहीं!” पास की सीटों पर बै ठे श्रोताओं में से एक ऐसा भी था जो इस तरह की बातों से बहुत परे शान था। वह सोलह वर्षीय चिया चियां ग था, जो निंगकु ओ वं श का था। राजकु मर चिया चे न ने उसे आश्रय के रूप में गोद लिया था और अपने बे टे की तरह पाला था। लेकिन राजकु मर के बे टे चिया यु ं ग के साथ उसकी असाधारण घनिष्ठ मित्रता के कारण नौकरों के बीच कानाफू सी और चर्चा होने लगी थी, जो अं ततः राजकु मर के कानों तक पहुँ च गई थी। अपने परिवार को बदनामी से बचने के लिए राजकु मर ने हाल ही में अपने दत्तक पु त्र को निंगकु ओ महल के बहर रखने का निर्णय लिया था। इस प्रकार चिया चियां ग राजा यु ं ग की बु राइयों से व्यक्तिगत रूप से आहत हुआ और चिया यु ं ग के घनिष्ठ मित्र होने के नाते, उसने चिया यु ं ग के बहनोई चिन चु ं ग का साथ दे न अपना कर्तव्य समझा। वास्तव में, वह व्यक्तिगत रूप से इसमें शमिल नहीं होना चाहता था, क्योंकि उसे डर थ कि अगर उसने खुलकर किसी का पक्ष लिया तो ह्सु एह पन से उसका झगड़ा हो जाएगा। बाद वाले के शिष्य, राजा यु ं ग के विरुद्ध। चतु र होने के कारण, उसने बिना कोई व्यक्तिगत जोखिम उठाए, आराम से पृ ष्ठभूमि में रहकर अपन लक्ष्य प्राप्त करने का एक अच्छा तरीका चु न। पे शब करने का बहाना बनाकर वह अचानक कक्षा से गयब हो गया। बाहर विद्यालय के प्रां गण में, वह पाओ यू के से वकों के पास गया, उग्र और साहसी माने जने वले मिंग ये न को एक तरफ ले गय और उसे राजा यु ं ग के विरुद्ध पू री तरह से भड़का दिया। उसने जोर दे कर कहा कि चिन चु ं ग का अपमान करके, राजा यु ं ग ने अपने गु रु पाओ यू का भी अपमान किया है, और यदि उस निर्लज्ज व्यक्ति को जल्द ही चु प नहीं कराया गया, तो वह भविष्य में और भी अधिक मनमानी करे ग। भड़काने का काम पू रा करने के बाद, वह कक्षा में लौटा, शांति से अपने बाहरी कपड़े पहने और चिया जु ई से आज थोड़ा जल्दी स्कूल छोड़ने की अनु मति मां गी, क्योंकि उसे एक जरूरी काम था। वह आने वले तू फान से दूर रहना चाहता था, जिसे उसने खु द उकसाया था। वह ठीक समय पर पहुं च, क्योंकि मिंग ये न, जो पहले से ही उसके उकसवे से भड़के एक लड़के ने गु स्से से लाल चे हरा लिए कक्षा में दौड़कर प्रवे श किया और "यु वक सज्जन" की उपाधि का प्रयोग किए बिना,

जो एक नौकर के रूप में उसके लिए उपयुक्त थी, उसने कठोर और अनदरपूर्ण ढंग से पूछा: "तुममें से कौन राजा युंग है?" जब उस लड़के को उसकी ओर इशारा करके दिखाया गया जिसकी वह तलाश कर रहा था, तो उसने उसे कंधे से मजबूती से पकड़ा और उस पर चिल्लाया: "हम अपनी पीठ से जो कुछ भी करें, उससे तुम्हारा कोई लेन-देन नहीं है, डरपोक! अगर हम तुम्हारे बूढ़े को शांति से रहने दें तो खुश होओ! लेकिन मैं तुम्हें सलाह देता हूँ, राजा युंग, कृपया मेरे युवा स्वामी को अकेला छोड़ दो!" कक्षा में अफरा-तफरी मच गई। चिया जुई ने घुसपैठिए से थोड़ा कम उग्र व्यवहार करने का आग्रह किया। लेकिन राजा युंग, जिसका चेहरा क्रोध से पीला पड़ गया था, चिल्लाया: "विद्रोह! अराजकता! एक गुलाम ऐसा करने की हिम्मत नहीं करता।"

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.90% है ।

इस तरह की मनमानी करना! लेकिन रुको, मैं तु म्हे गु रु से बात करता हूँ!" उसने मिंग ये न की पकड़ से खु द को छुड़ाया और पाओ यू पर गिरने ही वला था। उसी क्षण चिन चु ंग ने अपने पास एक सरसराहट की आवाज़ सु नी। सं योग से वह एक तरफ हट गया, जिससे किसी अज्ञात हाथ से फें की गई वह वस्तु— एक चौकोर स्यही का पत्थर—उसके सिर के पीछे से बाल बराबर दूरी से गु ज़री और चिया लै न और चिया चु न के बीच आगे की ओर एक बें च पर जा गिरी। उसी समय स्याही से भरा एक चीनी मिट्टी का बर्तन चकनाचू र हो गय और आसपास पड़ी किताबें स्यही से सन गईं। जवाब में, उसी बें च से एक भारी किताबों का बक्सा पीछे की ओर फें का गया, लेकिन वह लक्ष्य से चू क गय और पाओ यू और चिन चु ंग की बें च पर जा गिरा, जहाँ उसने किताबों और ले खन समग्री को गिरा दिया और पाओ यू के चाय के कटोरे को भी तोड़ दिया। इसी बीच, गु स्सैल स्वभाव वाली चिया चु न लड़ने के लिए उठ खड़ी हुई। स्याही का पत्थर फें का गया। पलक झपकते ही राजा यु ंग के चरों ओर लड़ाकों का एक घे रा बन गया। राजा यु ंग ने अचानक एक पं ख वला झाड़ू उठा लिया, जिसका लं ब बां स का हैं डल उसने बे तहाशा लहराते हुए मरा। मिंग ये न को भी उससे एक चोट लगी। इससे मिंग ये न को बहर इं तज़ार कर रहे अपने तीन साथियों, नौकरों साओ हं ग, चू यो और मो यू को मदद के लिए बुलाने का मौका मिल गया। तीनों तत्तै यों के झुंड की तरह अं दर घु स आए और बे तहाशा चिल्लाने लगे: "तु म हरामखोरों, हमारे खिलाफ हथियार उठाने की हिम्मत कै से करते हो" मो यू के हाथ में लकड़ी का दरवाज़े का डं डा था, जबकि साओ हं ग और चू यो के हाथों में चाबु क थे । अब मची अफरा-तफरी में हतश उप-शिक्षक ने अपनी चे तावनी और विनती भरी आवाज़ को सु नने की व्यर्थ कोशिश की। वे सब पू री तरह बे काबू हो गए थे; अनु शसन और व्यवस्था का कोई नामोनिशान नहीं था। कु छ लोग मजे के लिए ही लड़ाई में शमिल हो गए और हर दिशा में वर करने लगे; दूसरे बें चों और मे जों पर खड़े होकर लड़ाकों को उकसा रहे थे । ताली बजाते और चिल्लाते हुए, "दृढ़ रहो, दृढ़ रहो! उन्हें मरो! उन्हें मरो!" कु छ डरपोक लड़के ही चु पचाप शोरगुल से दूर रहे । पू री कक्षा उबलते हुए कड़ाहे जै सी थी। ली क्वे ई जै से कु छ बड़े और समझदार नौकरों के हस्तक्षे प से अं ततः कोलाहल शां त हुआ। कारण के बरे में पू छे जाने पर, उत्तर अलग-

अलग थे, हर कोई किसी और पर दोष मढ़ रहा था। ली क्वे ई ने सबसे पहले यह सुनिश्चित किया कि युद्धप्रिय मिंग ये न और उसके तीन साथियों को युद्ध के मैदान से दूर ले जाया जाए। फिर शांति छा गई। पाओ यू अपने कोट के कॉलर से अपने दोस्त चिन चुंग के माथे पर राजा युंग के पंख वाले झाड़ू के हैंडल से लगे घाव को पोंछ ही रहा था कि ली क्वे ई वहाँ आ गया। "मेरी किताबें समेटो और मेरा घोड़ा भेजो" उसने ली क्वे ई को आदेश दिया। "मैं सीधे बूढ़े ढ़ाई जू के पास जाकर उसके डिप्टी की शिकायत करूँगा।" वह न केवल हमें उन लोगों से सुरक्षा देने में विफल रहा, जिन्होंने 72

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.16% है ।

यह हमारे लिए ठीक था, लेकिन इससे अपराधियों को हम पर हिंसा करने का और भी प्रोत्साहन मिला; और इसी के चलते यह व्यपक हमला हुआ। मिंग ये न का मे री मदद के लिए आना बिलकुल सही था। उन्होंने उसे और चिन चु ंग को इतना पीटा कि खू न बहने लगा। ज़ाहिर है, मैं अब इस स्कूल में और नहीं रह सकता।" ली क्वे ई ने उसे शांत किया और उसे अपने इरादे से रोकने की पू री कोशिश की। उसने कहा कि इतने ममूली मामले पर इतने सम्मानित बु जुर्ग को परे शन करना उचित या उचित नहीं होगा। "और इसके लिए तु म ही ज़िम्मे दार हो," उसने चिया जु ई की ओर मु ड़ते हुए कहा। "उप-प्रमु ख और कक्षा के सबसे बुद्धिमान छात्र होने के नाते तु म्हें समय पर संगत हस्तक्षे प करना चाहिए था और मामले को इतना आगे नहीं बढ़ने देना चाहिए था।" इसके बजाय, आप निष्क्रियता से दे खते रहे और गड़बड़ी को बढ़ने दिया। "मैं ने कई बार चे तवनी दी और अनु शसन बनाए रखने के लिए कहा, लेकिन उन्होंने मे री बात नहीं सु नी," चिया जु ई ने विरोध किया। "महाराज, मे री इस तरह खुलकर बोलने पर आपको बुरा लगे य न लगे, लेकिन स्कूल में आपका सम्मान न होने के लिए आप स्वयं जिम्मे दार हैं," ली क्वे ई ने बिना हिचकिचाए अपनी निंदा जारी रखी। "यदि आपने हमे शा निर्दोष व्यवहार किया होता, तो आपका सम्मान होता। यदि यह मामला आदरणीय वृ द्ध गु रु मई जु के कानों तक पहुँ च गया, तो यह आपके लिए बहुत अप्रिय हो सकता है ।" "महाराज, आपको इस उलझे हुए जल को जल्द से जल्द सुलझाने का प्रयास करना चाहिए।" "सुलझाने से आपका क्या मतलब है?" पाओ यू ने गु स्से से बीच में ही कहा। "मैं शिकायत करने ज रहा हू ँ ।" "या तो किंग यु ंग स्कूल छोड़ दें य मैं अब और नहीं आऊँ गा," चिन चु ंग ने आगे कहा। "अगर हम उस बदतमीज़ के समने झुक जाएँ तो यह बहुत बड़ी बत होगी!" पाओ यू गु स्से से भड़क उठा। "मैं दे खूँ गा कि वह निकल जाए। वै से, यह किंग यु ंग हमसे किस रिश्ते में है?" "वह निंगकु ओ शखा की श्रीमती चिया हुआं ग का भतीजा है," खिड़की के बहर से नौकरानी मिंग ये न की आवज़ सु नई दी। "श्रीमती हुआं ग उसके पिता की तरफ से उसकी चची हैं । वह हमे शा हमारी दूसरी मालकिन, मै डम फीनिक्स के समने गिड़गिड़ाती रहती हैं, कोई न कोई अनु रोध य निवे दन करती रहती हैं । ऐसे नीच चापलू स का हमारे सथ उठना-बै ठन भी सरासर धृष्टता है ।" हम

ऐसे 'मालिकों' का सम्मान कै से कर सकते हैं?" "चु प रहो, कमीने!" ली क्वे ई ने उसके कान में बु दबु दाते हुए कहा। "तु म्हें सू अरों के काटने से क्या ले न-दे न?" "तो वह भाभी हुआं ग का भतीजा है," पाओ यू ने तिरस्कारपूर्वक कहा। "अच्छा, मैं उसके पास जाकर उसके बदमश भतीजे के बारे में उसे खरी-खोटी सु नाऊं गा।" "इतनी सारी परे शनी खु द क्यों उठा रहे हो?" उग्र मिंग ये न ने फिर से बीच में टोकते हुए कहा। "मु झे जाने दो। मैं उसे बता दूं गा कि पूर्वज राजकु मरी उससे बात करना चाहती हैं । और मैं उसे तु रंत किराए की गाड़ी में ले जाऊं गा। तु म्हारी दादी की उपस्थिति में कोई बे हतर तरीके से अपनी बात रख सकता है ।" "दफा हो जाओ!" ली क्वे ई ने उसे फटकारा। "या मार खाना चाहते हो?" 73

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.05% है ।

मैं ने अभी-अभी आग बु झाई है, और तु म इसे फिर से भड़काना चाहते हो यदि तु म अपने स्वामी को भड़काना बं द नहीं करोगे तो मैं तु म्हें दंडित करूँ गा।" ली क्वे ईविद्यालय के विवाद में शांति स्थापित करने के लिए अपनी पू री कोशिश कर रहा था, वहीं उप-प्रशिक्षक चिया जु ई जो बु री तरह डरा हुआ था, पहले चिन चु ंग से, फिर पाओ यू से, उसे बख्शने और मामले को शं त करने की विनती कर रहा था। लं बे समय तक टालमटोल करने के बाद, पाओ यू ने अं ततः घोषणा की कि यदि राजा यु ंग पूर्ण और औपचारिक क्षमादान कर दें तो वह शिकायत न करने के लिए तै यार है । राजा यु ंग अब हर तरफ से दबव में आ गए थे । उन्होंने अनिच्छा से अपने मु ख्य विद्रोही चिन चु ंग, जिन्हें उन्होंने इतना गं भीर रूप से नाराज किया था, से क्षम के प्रतीक के रूप में थोड़ा झुकने की सहमति दी। लेकिन पाओ यू ने इसे पर्याप्त प्रायश्चित नहीं माना। उन्होंने पूर्ण औपचारिक प्रणाम पर जोर दिया। चिया जु ई ने राजा यु ंग से हार मानने की विनती की। "समझदार बनो," उसने आग्रह किया, "और इस कहावत को याद रखो: क्षणिक क्रोध को दूर भगाओ, और अपने आप को कई दिनों के कष्ट से बचाओ।" विवश और चारों ओर से दबव पड़ने पर, राजा यु ंग अं ततः झुक गए और आवश्यक प्रणाम करने के लिए राज़ी हो गए। और इसी के सथ विद्यालय का झगड़ा समाप्त हो गया। अध्याय 9 राजकु मर साधु का जन्मदिन निंगकु ओ महल में मनया जाता है । फीनिक्स को दे खकर चिया जु ई के हृदय में कामु क इच्छाएँ जगृ त हो जती हैं । राजा यु ंग ने क्षमा का प्रणाम तो कर लिया था, लेकिन फिर भी वे आक्रोश से ग्रस्त थे । घर आकर उन्होंने अपनी माँ, मिसेज़ हू से कहा: "यह चिन चु ंग चिया परिवार से उतन ही दूर का रिश्ते दार है जितना मैं; उसका सं बं ध केवल विवाह से है और पारिवारिक विद्यालय में उसका मु झसे बे हतर कोई अधिकार नहीं है ।लेकिन पाओ यू के सथ अपनी घनिष्ठ मित्रता के बल पर वह घमं ड करत है और हम जै से लोगों को नीचा दिखाता है । अगर वह कम से कम निर्दोष व्यवहार करता तो उसे क्षम किया जा सकता था, लेकिन वह सोचता होगा कि हम सब मूर्ख हैं, वह इतनी खुले आम हरकतें करता है, कभी इसके सथ, कभी उसके सथ।" आज मैं ने उसे रं गे हाथों पकड़ लिया, इसलिए झगड़ा हुआ। और क्या मु झे उसके सामने झुकना पड़े ग?" "इतने जिद्दी मत बनो, और दूसरों के ममलों में दखल मत दो!" उसकी माँ ने उसे

समझाया। “मे री चची हुआं ग से की गईसिफ़ारिशों और मै डम फ़ेनिक्स से उनकीलगातार की गई प्रार्थनाओं की बदौलत, तु म्हें परिवारिक स्कूल में छात्रवृत्ति मिल गई है । क्य तु म अपनी इसज़िद से इस मु फ़्तशिक्षा के फ़ायदों को गँ वना चाहते हो?”

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.23% है ।

क्या करें? अब हम क्या करें? हम निजी ट्यू टर रखने का खर्च नहीं उठा सकते । वै से भी, तु म्हें स्कूल में मु फ्त खना मिलता है, और खाने में बचत किए बिना मैं तु म्हें ठीक से कपड़े कै से पहना ऊँ गी? और तु म्हें अच्छे और साफ-सु थरे कपड़े पहनने का बहुत शौक है । इसके अलावा, तु म्हें उस ने क नौजवान, हुसु एह पन की दोस्ती के लिए स्कूल का शुक्रिया अदा करना चाहिए। एक साल में ही, जब से तु म्हारी उससे दोस्ती हुई है, उसने तु म्हें सत्तर-अस्सी ताएल तक दिए हैं । अगर तु म अपनी हठधर्मिता के कारण स्कूल में रहने का मौका गं व दोगे, तो तु म्हें इतने सारे फायदे एक सथ कहाँ मिलें गे? इससे अच्छा तो तु म स्वर्ग जाने की कोशिश करो। इसलिए समझदारी से काम लो और अपना गु स्स दबा लो!” इस पर राजा यु ं ग के पास कोई जवाब नहीं था, इसलिए उन्हें अपन गु स्स दबाना पड़ा। माँ अपने बे टे को चु प कराने में सफल हो गई थी, लेकिन अगले दिन उनसे मिलने आई चाची हुआं ग को उन्होंने स्कूल में हुई घटन की पू री कहानी शु रु से अं त तक सु ना दी। चाची हुआं ग राजा यु ं ग के दिवं गत पिता की बहन और चिया हुआं ग की वै ध पत्नी थीं, जो परिवार की निंगकु ओ शाखा के एक गरीब रिश्ते दार थे । उनकी निजी आमदनी बहुत कम थी और वे पूर्वी और पश्चिमी दोनों महलों में अपनी पत्नी के साथ बार-बार भीख मां गने के लिए कु ख्यत थे, कभी राजकु मरी चे न के पस तो कभी मै डम फीनिक्स के पस। जब चाची हुआं ग ने स्कूल में अपने भतीजे के अपमान के बारे में सु ना, तो उन्हें लगा कि उनके परिवार के गौरव को ठे स पहुं ची है । इसलिए वे जितनी जल्दी हो सके अपनी गड़ी में बै ठीं और सीधे निंगकु ओ महल के लिए रवाना हो गईं। वे राजकु मरी चे न को प्रणाम करना चाहती थीं और फिर उनसे शिकायत करना चाहती थीं। बहू, मिस्ट्रे स यु ं , अपने भाई चिन चु ं ग के व्यवहार के बरे में शिकायत करने आई थी।लेकिन वह अपने इरादे को पूरा करने में सफल नहीं हुई। मौसम के बरे में कु छ शु रुआती बातचीत के बद, जब उसने राजकु मरी से पू छा कि उसकी बहू क्यों नहीं दिखाई दे रही है, तो उसे पत चला कि यु व मिस्ट्रे स यु ं पिछले दो महीनों से गं भीर रूप से बीमार हैं और किसी से मिलने में असमर्थ हैं । पूरा परिवार उनके बरे में चिंतित और परे शन था, और कल एक नए डॉक्टर, एक यु व पु रुष, के आने की उम्मीद थी, क्योंकि अब तक जिन डॉक्टरों से सलाह ली गई थी, वे सभी व्यर्थ साबित हुए थे । इसके अलावा, निंगकु ओ महल में

सभी लोग दो दिन बाद परिवार के मुखिया, राजकुमर हर्मिट चिया चिंग के जन्मदिन के उपलक्ष्य में होने वाले समरोहों की तैयरियों में पूरी तरह से व्यस्त थे। इन परिस्थितियों में आगंतुक ने सही ही सोचा कि एक मामूली बात पर शिकायत करना अनुचित होगा। इसके अलावा, राजकुमर चेन द्वारा व्यक्तिगत रूप से उन्हें भोजन पर आमंत्रित करने के विनम्र तरीके ने उनके शुरुआती खराब मूड को संतुष्टि की भावना में बदल दिया, और इसलिए अंत में उन्होंने बिना शिकायत किए विदा ली। स्कूल की घटना का ज़िक्र करते हुए, राजकुमर ने आगंतुक के जाने के बाद अपनी पत्नी से पूछा, "आखिर वह क्या चाहती थी?" उसे संदेह था कि यह कोई नई विनती होगी। 75

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 8.89% है।

"कुछ खास नहीं। शुरू में तो ऐसा लगा जैसे उनके मन में कुछ चल रहा हो, लेकिन बातचीत के दौरान जब मैंने उन्हें तीसरी बहू की बीमारी के बारे में बताया, तो उनका चेहरा शांत हो गया। दरअसल, उन्होंने आपकी दावत का निमंत्रण स्वीकार न करके समझदारी दिखाई। इस बार उन्होंने कुछ नहीं माँगा।" राजकुमार ने सोच-विचार करते हुए सिर हिलाया। भाभी हुआंग को बिना कुछ माँगे आना उन्हें काफी अजीब लगा। उन्होंने बताया, "आज मैं पहाड़ों में स्थित अपने बड़े भाई के आश्रम में गया था और उन्हें परसों यहाँ आकर पूरे परिवार की ओर से जन्मदिन की बधाई देने का निमंत्रण दिया है।" "बुजुर्ग सज्जन ने धन्यवाद सहित मना कर दिया। उन्होंने कहा, 'मैं अपनी एकांत ध्यान साधना में खलल नहीं डालना चाहता, और न ही मैं आपके मतभेदों से भरे संसार में लौटना चाहता हूँ और न ही किसी व्यर्थ, शोरगुल भरे भोज में भाग लेना चाहता हूँ। यदि आप मुझे प्रसन्न करना चाहते हैं, तो मेरी हाल ही में पूर्ण हुई कृति 'एकांत में काम करने का आनंद' को साफ-सुथरे ढंग से लकड़ी पर उत्कीर्ण करवा लें ताकि उसकी प्रतियाँ बनाई जा सकें। मैं किसी भी दिखावटी उत्सव से सौ गुना अधिक इसे पसंद करूँगा। जहाँ तक मेरा सवाल है, परिवार दो दिन आपके साथ घर पर जी भर कर भोज मना सकता है। लेकिन मुझे उपहारों और मुलाकातों से बख्श दीजिए! आप स्वयं भी आने की परेशानी से बच सकते हैं लेकिन यदि आप मुझे बधाई देने के लिए झुकना ही चाहते हैं, तो ठीक है, आप अभी से ऐसा करने के लिए स्वतंत्र हैं। लेकिन कृपया मुझे परसों शांति से रहने दीजिए!" इन परिस्थितियों में, हमारे पास बुजुर्ग सज्जन के बिना उत्सव मनाने के अलावा कोई चारा नहीं है। समय रहते मुख्य प्रबंधक लाई शेंग को दो दिनों के भोज की व्यवस्था करने का आदेश दे दीजिए। राजकुमारी ने तदनुसार अपने पुत्र चिया युंग के माध्यम से मुख्य प्रबंधक को आवश्यक निर्देश भेज दिए। फिर चिया युंग को पश्चिमी महल जाना पड़ा और स्वयं "वृद्ध तई ताई", "वृद्ध तई ताई", "द्वितीय ताई ताई" और भाभी फीनिक्स को जन्मदिन के उत्सव में आमंत्रित करना पड़ा। जन्मदिन की सुबह राजकुमार चेन ने अपने पुत्र को "महान बुजुर्ग" के आश्रम में भेजा। नौकरों की एक टुकड़ी को अपने साथ चुनिंदा व्यंजनों और फलों से भरे सोलह बड़े उपहार बक्से ले जाने पड़े। "बड़े को बता देना," उसने अपने बेटे से कहा, "कि तुम्हारे पिता ने उनके आदेशों का

पालन किया है और वेमिलने नहीं आ रहे हैं। घर प्रपरिवार के सभी सदस्यों के सामने, वे बड़े के सम्मान सिंहासन के समने प्रणम करके अपन आदर दिखाएं गे। और यह भी ध्यान रखना कि क्या उन्हें यह आदर पसं द आता है।" सबसे पहले आने वाले मे हमारा यु रीगकु ओ महल से चिया लियन और राजकु मर चे न के दत्तक पु त्रिचिया चियां ग थे। वे उत्सु कता से मे जों की व्यवस्था दे ख रहे थे, क्योंकि वे जनना चाहते थेकि मनोरं जन केलिए क्या व्यवस्था होगी। उन्हें बतया गया कि 76 लोगों का एक समू ह

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 59.21% है ।

गायक और सं गीतकारों की एक मं डली को बुलाया गया था और वे अभी बगीचे के मं च पर प्रस्तुति दे ने की तैयारी कर रहे थे । मु ख्य अतिथि, जिनका स्वागत राजकु मार और राजकु मारी चे न ने स्वागत कक्ष के प्रवे श द्वार पर किया और उन्हें सीढ़ियों से ऊपर ले गए, धीरे-धीरे पहुं चे । वे राजकु मारी शीह, मै डम चें ग और मै डम फीनिक्स थीं, साथ में पओ यू और अन्य लोग भी थे । के वल राजकु मारी पूर्वज घर पर ही रहीं। "बु जु र्ग ताई ताई सभी रिश्ते दारों में सबसे बड़ी हैं, हमारे बड़े तो के वल उनके भतीजे हैं, और इसमें कोई सं दे ह नहीं कि भतीजे के जन्मदिन पर उनसे आने की उम्मीद करना हमारी गु स्ताखी थी," राजकु मार चे न ने पूर्वज की अनु पस्थिति पर अपनी अप्रिय है रानी को मु स्कान के पीछे छिपाते हुए कहा। "लेकिन हमने फिर भी उन्हें आमन्त्रित किया क्योंकि शरद ऋतु का मौसम सु हावना है और हमरे यहाँ गुलदाउदी पू री तरह खिल चु की हैं । हमने सोचा कि उन्हें पारिवारिक समारोह में भाग ले ने और सभी बच्चों और नाती-पोतों को एक साथ दे खने में आनं द और मनोरं जन मिले ग। यह दुख की बात है कि हम उनकी उपस्थिति के सु ख से वंचित हैं ।" “कल तक तो उनका आने का इरादा था,” मै डम फीनिक्स ने तु रं त जबाब दिया, मै डम चें ग की जगह, जिन्हें वास्तव में जवाब दे ना चाहिए था। “लेकिन कल रात उन्होंने एक ताजा आड़ू खा लिया और उनका पे ट खराब हो गया और आज सु बह वे इतनी कमजोर महसू स कर रही थीं कि बाहर नहीं जा सकीं। वे क्षमा चाहती हैं और पू छ रही हैं कि क्या मे ज पर कु छ खास है जिसे चखने के लिए उन्हें भे जा जा सके, लेकिन कु छ ज्यादा पौष्टिक नहीं, के वल बीमारों का खाना।” राजकु मार सं तुष्ट हो गए। “मु झे तु रं त लगा कि उनके न आने का कोई खास कारण होगा। आमतौर पर उन्हें ये पारिवारिक पार्टियां बहुत पसं द आती हैं ।” बातचीत मालकिन यु ं ग की बीमारी और चिकित्सा सं बं धी मामलों की ओर मु ड़ गई। तभी चिया यु ं ग आए और उन्होंने राजकु मार साधु से अपनी मुलाकात के बारे में बताया। बू ढ़े सज्जन अपने लिए किए गए इं तजमों से बहुत प्रसन्न थे और उन्होंने अपने बेटे, राजकु मार चे न से पू रे परिवार के लिए सर्वोत्तम सं भव अतिथ्य और मनोरं जन की व्यवस्थ करने का अनु रोध किया। इसके अलावा, उन्होंने एक बार फिर इच्छा व्यक्त की कि “एकां त में काम करने का आशीर्वाद” पर उनका ग्रं थ शीघ्र ही प्रकाशित हो। उनके लिए जन्मदिन की सबसे बड़ी खु शी यही होगी कि उनकी

रचना दस हजार प्रतियों में छपी हो औरवितरित हो। भव्य भोज, जो पु रुष और महिला अतिथियों को अलग-अलग परोसा गया था, सफलतापूर्वक समाप्त होने के बाद, और सभी के कु ल्ला करने और हाथ धोने के बाद, चिया यु ं गफिर से प्रकट हुए और महिलाओं को बगीचे में नाट्य प्रदर्शन दे खने के लिए आमंत्रित किया। सज्जन पहले ही अपनी सीटों पर बै ठ चु के थे । उन्होंने बताया कि चार शाही राजकु मरों, छह राजकु मरों और आठ काउं टों ने उपहारों के सथ बधाई भे जी थी। उन्होंने सभी उपहारों को एस्टे ट कार्यालय में पं जीकृ त करवा लिया था और विभिन्न दूतों को उनकी रसीदें दे दी थीं, और दूतों को भोजन और पे य पदार्थ अच्छे से परोसे गए थे7।7

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.73% है ।

राजकु मरी चे न ने अपने बे टे की रिपोर्ट को सं तोषपूर्वक स्वीकार किया और फिर अन्य महिलाओं के साथ बगीचे में नृत्य प्रदर्शन दे खने के लिए मे ज से उठ गईं। मै डम फीनिक्स समू ह छोड़कर चली गईं। वह मरीज़, मिस्ट्रे स यु ं ग से मिलने के लिए बहुत उत्सु क थीं, जिनसे उन्हें बहुत लगाव था। पाओ यू ने उनके साथ जाने की इच्छा व्यक्त की। "लेकिन बीमार के कमरे में ज़्यादा दे र मत रुकना! याद रखना, मरीज़ तु म्हारी भतीजी है!" उसकी माँ ने उसे समझाया। कु छ ही दे र बाद, अपनी चचे री बहन फीनिक्स के सथ, वह उस परिचित कमरे में दाखिल हुआ जिसने उसके मन में उस अजीब सपने की एक गु प्त स्मृति जगा दी जिसमें उसे महान शू न्य के प्रेतलोक में ले जया गया था। उसकी प्यारी भतीजी कितनी बु री तरह बदल गई थी! जब उसके आगं तु क आए तो वह बिस्तर से उठन चाहती थी, लेकिन चचे री बहन फीनिक्स ने चिंता से उसे फिर से तकिए पर लिटा दिया। "अपनी पीठ के बल चु पचप ले टी रहो, प्यारी नानी! नहीं तो तु म्हें चक्कर आ सकते हैं," उसने बिस्तर के किनारे बै ठकर मरीज़ का हाथ पकड़ते हुए कहा। "अरे, तु म कितनी दुबली हो गई हो, बे चरी, जब से मैं ने तु म्हें आखिरी बार दे ख था!" "हाँ, दुर्भाग्य से मेरा वज़न कम हो गया है!" मरीज़ ने मु स्कुराते हुए आह भरी। "मे रा दुर्भाग्य है कि मैं ठीक नहीं हूँ । मु झे हर तरफ से कितना प्यार और स्ने ह मिला है! मे रे सास-ससु र मु झे अपने बच्चे की तरह मानते हैं । मे रे पति, हालाँकि वे बहुत जवन हैं, फिर भी मु झे उतना ही सम्मान दे ते हैं जितना मैं उन्हें दे ती हूँ; हमारा वै वहिक जीवन बहुत सु खमय है । और बाकी सभी रिश्ते दारों से, चाहे वे बू ढ़े हों या जवान, मु झे केवल स्ने ह और सहानु भूति ही मिली है । और अब यह बे कार की बीमारी आ गई है और मु झे इन सब का एहसान चु काने से रोक रही है । और आपको, प्यारी चाची, मैं आपके स्ने ह और दे खभाल के लिए धन्यवाद दे न चाहती हूँ, लेकिन दुर्भाग्य से मु झमें ऐसा करने की शक्ति नहीं है । मु झे ऐसा लग रहा है जै से मेरा अं त निकट है । कौन जनता है कि मैं नय साल दे ख पऊँ गी य नहीं?" जब वे बतें कर रहे थे, पाओ यू दीवर पर बनी पेंटिंग को टकटकी लगाए दे ख रहा था, जिसमें एक व्यक्ति बे गोनिया की शाखाओं के नीचे सो रहा था, जिसके दाएं और बाएं लिखा था: कोमल शीतलता स्वप्नद्रष्टा को घे रे हुए है - आरंभिक वसं त उसे सहलाने वली हवाएँ - शराब की तरह सु गंधित। अपने स्वयं के वसं त के सपने के बारे में, जो उसने

इसी कमरे में और इसी सुंदर क्वींग के सथ देख था, जिसे वह अब मृत्यु की निराशाजनक भविष्यवाणियाँ करते हुए सुन रहा था, उसे बुरी तरह जकड़ लिया और उसके हृदय को झकझोर दिया। उसे लगा जैसे उसका हृदय हजारों तीरों से छलनी हो गया हो, और उसकी आँखें आँसुओं से भर गईं। यह बात चचेरी बहन फेनिक्स से नहीं बच पई, जो स्वयं भी बहुत भवुक हो गई। लेकिन उसे यद आया कि उसकी यात्रा का उद्देश्य रोगी को खुश करना और दिलासा देन था, न कि उदास चेहरा बनाकर उसे और अधिक दुखी करना। "पाओ यू, बुढ़िया की तरह व्यवहार मत करो!" वह चिल्लाई, और अपने 78 वें

可卿

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.28% है ।

चचे री बहन का नरम मिजाज बदलते ही, "आपकी भतीजी अभी छोटी है और इस छोटी-मोटी बीमारी से उबर जएगी। वह जितना दिखा रही है, असल में उतनी बु री हालत में नहीं है "। "आपको ऐसे निराशावादी विचारों में नहीं पड़ना चाहिए! इससे आपकी हालत में कोई सु धार नहीं होगा," उसने मरीज को धीरे से समझाया। "सबसे पहले, उसकी भू ख वपस आनी चाहिए, फिर मु झे उसकी चिंता नहीं रहे गी," यु व पति, चिया यु ंग ने बीच में टोकते हुए आश्वासन दिया। "मे री भी यही राय है," फीनिक्स ने सहमति जताई। "और अब कृ पया पाओ यू को उसकी माँ के पास वापस ले जाइए। उसकी माँ ने उसे साफ-साफ कहा है कि वह यहाँ ज्यदा दे र न रुके "। मैं कु छ दे र मरीज़ के साथ अकेले रहना चाहूँ गी।" चचा और भतीजे फीनिक्स को मरीज़ के सथ अकेला छोड़कर गार्डन ऑफ़ असें बल्ड परफ्यू म्स में नाट्य प्रदर्शन दे खने चले गए। फीनिक्स काफी दे र तक मरीज़ के बिस्तर के पस बै ठी रही, और उन्हें तीन बर बुलाना पड़ा, तब जाकर वह वापस आई। बीमार महिला से चु पचाप और विस्तार से सभी गोपनीय बतें करने और उसका हौसला बढ़ाने की कोशिश करने के बाद, वह आखिरकार जाने केलिए उठी। “ठीक है, मैं आपके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूँ, और मैं जल्द ही वपस आऊँ गी," उसने जते हुए कहा। “इस बीच, निराश मत होइए! नया डॉक्टर आपको ज़रूर ठीक कर दे गा।” “शायद वह मु झे कु छ राहत दे पए, लेकिन वह मे री किस्मत नहीं बदल पाएगा, चाहे उसके पास अलौकिक शक्तियाँ ही क्यों न हों," मरीज़ ने फीकी मु स्कान के सथ जवाब दिया। “मैं अच्छी तरह जनती हूँ कि मैं बसदिन-ब-दिन जी रही हूँ ।” “ ऐसी बातों में मत पड़ो। तु म्हारे डरबिल्कुल निराधार हैं ।” अब आपकी सर्वोत्तम दे खभल हो रही है, और सौभाग्य से आप ऐसे परिवार से हैं जहाँ हर तरह के उपचार की कोई कमी नहीं है, यहाँ तककि सबसे उत्तम औरप्रिय जिनसें ग की भी।लेकिन अब मु झे माफ़ कीजिए, मु झे बाकी लोगों के पस वापस जाना होगा। "आपको बाहर तक छोड़ने न आने केलिए मु झे माफ़ कीजिएगा, और जब आपके पस समय हो तो कृ पया जल्द ही फिर से मिलने आइएगा!" "आप मु झ पर भरोस कर सकते हैं," सोच में डूबी फीनिक्स, कई घु मवदार रास्तों को पार करने के बाद, एक पार्श्व द्वार से सु गंधित उद्यान में आ गई। यहाँ के मनमोहक दृश्यों ने उसे अपनी गति धीमी करने औरविचारपूर्वक

टहलने केलिए प्रेरित किया। उसके पैरों के नीचे की ज़मीन लाल-उदी से पीली चमक रही थी, पहाड़ियों और ढलानों से एस्पेन और सिल्वर पोपलर के पेड़ लहरा रहे थे। कलकल करते झरनों पर सजावटी पुल फैले हुए थे, संकरे टेढ़े-मेढ़े रास्ते चौड़ी सड़कों को पार करते हुए चंद्र छतों तक जाते थे। चट्टानों से चमकते झरने बह रहे थे।80

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 8.92% है।

फलों की बेलों से आती हवा। समय-समय पर पश्चिम से आती हल्की हवा के झोंके से इधर-उधर कलात्मक समूहों में खड़े पेड़ों की लाल चोटियाँ थरथरा उठती थीं। सुनहरी ओरिओल का गीत और टिड्डे की चहचहाहट गर्म धूप में अभी भी सुनाई दे रही थी। ऊपर, ऊँची पहाड़ी से निगरानी मीनार इशारा कर रही थी; नीचे, तीन मेहराबों वाली छत वाला जल मंडप झील में प्रतिबिंबित हो रहा था। दूर से बंसुरी और ढोल की थाप सुनाई दे रही थी। फीनिक्स चुपचाप चल रही थी, पूरी तरह से दृश्य की सुंदरता में डूबी हुई, तभी अचानक उसने किसी की आवाज़ सुनी जो एक कृत्रिम पत्थर की चट्टान के पीछे से अचानक प्रकट हुआ और उसके सामने खड़ा हो गया। "त्सिंग आन, भाभी!" उसने विनम्रतापूर्वक झुककर उसका अभिवादन किया। फीनिक्स चौंककर पीछे हट गई। "क्या आप हैं, चिया जुई?" उसने थोड़ी अनिश्चितता से पूछा। "यह कैसे? क्या आप मुझे पहचान नहीं पा रही हैं, भाभी?" "हाँ, मैं करती हूँ; बस आपके अचानक आने से थोड़ा भ्रमित हो गया था।" "यह तो वाकई ईश्वर की कृपा है कि हम यहाँ मिले," चिया जुई ने चिकनी मुस्कान के साथ कहा। "मैं अभी खाने के बाद इस शांत एकांत जगह पर थोड़ी देर टहलने के लिए मेज से उठा था। और यहाँ आपसे मिल गया! सचमुच, यह ईश्वर का ही काम है।" जब वह बोल रहा था, तो शराब से चमकती उसकी छोटी आँखें सामने बैठी खूबसूरत महिला को टकटकी लगाकर देख रही थीं। फीनिक्स को मानव स्वभाव की इतनी समझ थी कि वह स्थिति को भली-भांति समझ गई। "मैंने हमेशा आपके बारे में बहुत कुछ अच्छा और प्रशंसनीय सुना है," उसने बनावटी मित्रता से उसकी चापलूसी की। "और अब आपको बोलते हुए सुनकर मुझे पता चला कि लोगों ने जब आपकी बुद्धि और महान गुणों की प्रशंसा की थी, तो उन्होंने कोई अतिशयोक्ति नहीं की थी। दुर्भाग्य से, इस समय मुझे आपसे लंबी बातचीत करने का अवसर नहीं मिल पा रहा है, क्योंकि मुझे वहाँ बैठी महिलाओं के पास जाना है। लेकिन शायद हम फिर कभी मिलेंगे।" "मैं लंबे समय से आपको प्रणाम करना चाहता था। लेकिन आपकी कम उम्र को ध्यान में रखते हुए, मैंने अब तक ऐसा करने का साहस नहीं किया," चिया जुई ने उत्सुकता से बीच में कहा। "अरे, करीबी रिश्तेदारों में उम्र और उम्र इतनी मायने नहीं रखती," उसने उसे प्रोत्साहित करते हुए और एक मनमोहक मुस्कान बिखेरते हुए कहा। चिया जुई अपनी

गु प्त जीत को मुश्किल से रोक प रहा था। मैं ने कभी सपने में भी नहीं सोच्चा कि मैं इतनी आसानी से उसके स्थ सफल हो जाऊं ग! उसने मन ही मन सोच, जबकि उसके चे हरे पर उसकी कामु क इच्छएं इतनी स्पष्ट और घृणित रूप से झलक रही थीं कि मै डम फेंनिक्स ने उसे जल्द से जल्द वहाँ से भाग्ना ही उचित समझा। "जल्दी अपने सथियों के पस लौट जाओ, नहीं तो तु म्हें 81 का जुर्माना भरना पड़े ग।"

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.16% है ।

"एक ड्रिंक का जुर्माना भर दो," उसने चलाकी से उसे उकसाया, और वास्तव में वह उसे हिचकिचाते हुए दूर हटाने में सफल रही, हालाँकि वह बार-बार मु ड़कर उसे दे खने से खु द को रोक नहीं सका। उसने उसे काफी दूर तक जाने दिया, और फिर वह खु द धीरे-धीरे उसके पीछे चली गई। रास्ते में वह मन ही मन सोच रही थी: ऐसे आदमी का चे हरा तो इं सन जै स है, लेकिन उसके पीछे सिर्फ एक जानवर है । हे भगवान, अगर उसने कोई भी हद पर करने कीहिम्मत की, तो वह मु झे जरूर जान जाएगा। एक चट्टान के पीछे सड़क के मोड़ पर तीन नौकरानियाँ हाँफती हुई उसकी ओर आईं। राजकु मरी चे न ने उन्हें उसे ढूंढने केलिए भे ज था, क्योंकि वह बहुत चिंतित थी क्योंकि वह इतने लं बे समय से गायब थी। "आखिरकार, मैं उड़ने वाली आत्मा तो नहीं हूँ," फीनिक्स ने रूखे पन से कहा, अपनी सहज गति से चलती रही, जरा भी विचलित नहीं हुई। "तो कितने कार्यक्रम हो चु के हैं?" "आठ या नौ।" बातें करते-करते वे बगीचे के रं गमं च शो के के प्रवे श द्वार पर पहुँ च गईं। प्रवे श द्वार के समने फीनिक्स की नज़र अपने चचे रे भाई पाओ यू पर पड़ी जो एक बे हद जीवं त और यु व दासियों और अभिनेत्रियों की भीड़ के सथ उत्साहपूर्ण बातचीत। "ध्यान रखना, कोई शरारत मत करना, चचे रे भाई पाओ यू!" उसने मज़किया धमकी भरे लहजे में उसे पुकारा। "यह ऊपरी चबू तरे की सीढ़ियाँ हैं," एक दासी ने आगे बढ़ते हुए कहा। "बाकी सभी महिलाएं पहले ही ऊपर जा चु की हैं"। फीनिक्स ने अपनी स्कर्ट ऊपर की और दासी के पीछे-पीछे सीढ़ियों से ऊपर के चबू तरे पर चढ़ गई। राजकु मरी चे न सीढ़ियों के शीर्ष पर उसका इं तजर कर रही थी। "तु म बहुत दे र से गयब हो," उसने हल्के से फटकारते हुए कहा। "चूंकि तु म्हें अपनी प्यारी भतीजी से दूर रहना इतना मुश्किल लग रहा है, तो बे हतर होग कि तु म तु रं त वापस पस आ जाओ और उसके सथ रहने लगो। लेकिन अब बै ठ जओ। यह कार्यक्रम है । इसे पढ़ो और दे खो कि क्या कोई ऐसा अं श है जिसे तु म दे खना चाहोगी।" "मु झे यह सम्मान क्यों मिलना चाहिए? यह तो उन लोगों का मामला है जो पद और उम्र में मु झसे श्रे ष्ठ हैं," फीनिक्स ने विनम्रता से विरोध किया। "ओह, कृ पय चु नलो; "हम बाकी लोगों ने पहले ही चु नलिया है," राजकु मरी शीह और मै डम चें ग ने कहा। फीनिक्स ने कार्यक्रम को ध्यान से पढ़ा और दो आइटमों की ओर इशारा किया: "भूतिया प्रे त" नामक नाटक

और वीणा वादन के सथ गाया जाने वला एक गीत। "ये सज्जन कहाँ गए हैं?" उसने रेलिंग के ऊपर से झुककर पूछा। "क्रिस्टल ब्रिलियंस पवेलियन में शराब पीने गए हैं और वे बैंड को भी अपने सथ ले गए हैं" उसे बतया गया। "अहा, वे अकेले रहन चाहते हैं कौन जाने वे हमारी पीठ पीछे क्य शरारत करेंगे" "आप हर किसी से आपकेजितना अच्छा और गुणी होने की उम्मीद नहीं कर सकते," राजकुमरी चेन ने मज़ाकिया अंदाज़ में कहा। 82

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.24% है ।

जब नाट्य कार्यक्रम समाप्त हो गया, तो सभी लोग एक और भरपू र भोजन के लिए बै ठ गए। इसके बाद महिला अतिथियों ने विदा ली। पाओ यू अपनी माँ की गड़ी के पीछे घोड़े पर सवार होकर उनके सथ चला गया। परिवार के अन्य पु रुष सदस्य काफी दे र तक वहीं रुककर मौज-मस्ती करते रहे और अगले दिन भी उन्होंने अपन जश्न जारी रखा। फीनिक्स से उस मुलाकात के बद, चिया जु ई को चै न नहीं मिला। वह अपनी सु ंदर भाभी से फिर से मिलना चाहता था, और उस मूर्ख ने लगभग खु द को यकीन दिला लिया था कि सु गंधित उद्यान में फीनिक्स ने उससे प्रे म प्रस्ताव रखा था, इसलिए वह इतना निर्भीक हो गया कि बार-बार यु ंगकु ओ महल जाकर उसे प्रणम करने लगा। लेकिन हर बार फीनिक्स घर पर नहीं होती थी। आखिरकार उसे उससे मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। यह बारहवें महीने की शु रुआत थी। फीनिक्स पूर्वी महल की अपनी अक्सर की यात्राओं में से एक से अभी-अभी लौटी थी और उसने अपनी मे हमानवाज़ी की पोशाक बदलकर एक आरामदायक घरेलू गउन पहन लिया था, जिसे नौकरानी लिटिल पिंग ने चू ल्हे पर बड़े ध्यान से गर्म किया था। “मे रे जाने के बाद घर में कु छ खास हुआ क्या?” उसने नौकरानी से पू छा। “कु छ खस नहीं। श्रीमती वां ग ने आपको तीन सौ ताएल पर जो ब्याज दे न था, वह भे ज दिया। और चिया जु ई ने फिर से पू छा कि क्या आप घर पर हैं । वह आपको प्रणम करना चाहता था।” फीनिक्स भय से कां प उठी। “ क्य वह खु द को बर्बाद करने पर तुला है? चलो, मैं उसे आने दे ती हूँ।” “वह आपसे क्यों मिलना चाहता है?” नौकरानी ने पू छा। फीनिक्स ने उसे दो महीने पहले निंगकु ओ महल के बगीचों में हुई उस भयनक मुलाकात के बरे में बताया। “क्या? क्या वह गं दे में ढक कोमल हं स के मां स पर ललचाता है?” नौकरानी गु स्से से चिल्लाई। “कोई आदमी बुनियादी मानवीय रिश्तों के सभी नियमों की इस तरह अवहेलना कै से कर सकता है? ऐसी धृष्टता मौत की सजा के लायक है!” “आने दो उसे अपनी कल्पन से कहीं अधिक अनु भव होग!” फीनिक्स ने मु स्कुराते हुए कहा। चिया जु ई को क्य अनु भव करन था, यह अगले अध्यय में बतया जाएगा। 83

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.27% है ।

अध्याय 10 फीनिक्स ने छलपूर्ण ढं ग से एकतरफा प्रे म को भड़काया। चे तवनियों के बावजू द, चिया जु ई ने पवन और चंद्रमा दर्पण के निषिद्ध पक्ष में झाँका। फीनिक्स ने अभी वाक्य पू रा ही किया था कि बाहर से एक आवाज़ आई: "चिया जु ई यहाँ है ।" "उसे अं दर आने दो," फीनिक्स ने आदे श दिया। चे हरे पर खु शी की चमक लिए, आगं तु क अं दर आया, झुककर, हाथ मलते हुए, और अपनी मे ज़बान के "सम्मानित" कु शल-मं गल और "कीमती" एवं "ने कसाइट" स्वास्थ्य के बारे में सवालों की झड़ी लगा दी। उसने बनवटी मित्रता से उसका स्वागत किया, उसे बै ठने के लिए आमंत्रित किया और चाय पिलाई। उसे उसके मालिक को इटगाउन में दे खने की अनु मति मिलने से वह पनीर की तरह नरम हो गया, और उसकी प्रे म भरी निगाहें शहद की तरह टपक रही थीं जब उसने अचानक सीधे मु द्दे पर आने का निश्चय करते हुए पू छा: "चचे रा भाई लियन यहाँ क्यों नहीं है?" "मैं कै से जानूँ कि वह कहाँ हो सकता है?" उसने उदासीनता भरे लहजे में जवाब दिया, "शायद घर लौटते समय उसका पै र किसी नाजु क जाल में फं स गया हो?" "हो सकता है । मर्द ऐसे ही होते हैं, पहली नज़र में ही पहली औरत से प्यार हो जाता है ।" "ओह, भाभी जी, मैं तो बिल्कुल भी उस चं चल किस्म का नहीं हूँ ।" "तो फिर आप वाकई एक प्रशं सनीय अपवाद हैं । आपके जैसे दस में से एक ही मर्द मिले गा," उसने उसकी तरीफ की। और उसे उसकी तरीफ इतनी अच्छी लगी कि उसे लगभग ऐसा लगा जै से वह उसके कान को सहला रही हो और गालों पर प्यार जता रही हो। "आपको अकेले पन में दिन-रात बहुत बोरियत होती होगी," उसने हिम्मत से कहा। "हाँ, बिल्कुल। और मे रा एकमात्र सहारा तब होता है जब कोई कभी-कभार मु झसे मिलने आता है और मे री एकरसता को तोड़ता है ।" "कै सा रहे गा अगर मैं आपके अके ले पन में आपका सहारा बन जाऊँ? मे रे पास बहुत खाली समय है और मैं हर दिन बड़ी खु शी से आपकी सेवा में हाज़िर रहूँ गी।" "ज़रूर मज़ाक कर रहे हो! क्या तु म सचमु च इतनी मे हनत करोगे?" "अगर मे रे इरादे सच्चे नहीं हैं तो मु झ पर बिजली गिरे और मैं दो टुकड़ों में बं ट जाऊं! अब तक मु झे अपने दिल की बात कहने का भरोसा नहीं था, क्योंकि तु म हमे शा बहुत सख्त और सही स्वभाव की कही जाती थी। ले किन अब जब मैं ने खु द को यकीन दिला लिया है कि तु म कितनी मनोरं जक, आकर्षक और मनमोहक हो, तो मैं अब और सं कोच नहीं

करूं ग, बल्कि तु म्हारे पस आने केलिए जल्दी करूं ग, और मैं खु शीखु शी अपनी जन भी दे दूंग, बस तु म्हारी सं गति का आनं दले ने केलिए!" 84

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 99.31% है ।

"तु म्हारे शब्दों से कितना उच्च और ने क स्वभाव झलकता है!" उसने मं त्रमु ग्ध स्वर में कहा, "तु म अपने सीधे-सादे चचे रे भाइयों चिया यु ंग और चिन चु ंग से कितने अलग हो, जिनका आकर्षण मात्र सतही है और जिनमें जरा भी समझ या कोमल भावना नहीं है ।" इस प्रशं स ने उसके भीतरी भाग को झकझोर दिया और उसे उसके और करीब आने और उसे और अधिक निर्भीकता से निहारने के लिए प्रेरित किया। उसकी निगाहें उसकी कमल के आकार की कमरबं द की जे ब पर टिक गईं। वह उसे छूने के लिए बे तब था। "क्या मैं तु म्हारी अं गू ठी को करीब से दे ख सकता हूँ?" उसने उसका हाथ पकड़ने की कोशिश करते हुए पू छा। "इतनी ज़िद मत करो!" उसने धीरे से मना किया। "अगर कोई हमें अचानक दे ख ले तो?" वह तु रं त उससे दूर हट गया, मानो यह कोई शाही फरमान या बु द्ध का आदे श हो। "अब तु म्हें जाना होगा!" उसने मु स्कुराते हुए कहा। "इतनी निर्दयी मत बनो, मु झे थोड़ी दे र और रहने दो।" उसने विनती की। "असं भव" उसने गहरी सं स ली। "दिन में यहाँ बहुत भीड़ रहती है । यह बहुत जोखिम भरा होगा। ले किन आज रात पहली रात की पहरे दारी के समय, पश्चिम के ढके हुए रास्ते के पास पार्क में मे रा इं तज़ार करना।" चिया जु ई ने यह सु नकर अत्यं त प्रसन्नता का अनु भव किया, मानो कोई अनमोल रत्न उसके हाथ लग गया हो। "आप मज़ाक तो नहीं कर रही हैं, भाभी? और क्या हम वहाँ छु पकर बातें सु नने वालों से सु रक्षित रहें गे?" उसने उत्साह से पू छा। "चिंता मत करो! मैं आज रात वहाँ पहरा दे ने वाले नौकरों को छु ट्टी दे दूंगी, और एक बार ऊपर और नीचे के द्वार बं द हो जाने पर, कोई भी अं दर नहीं आ सके गा।" उसने उसे आश्वस्त किया। वह आने वाले सु खद आश्चर्य की आशा में जल्दी से चला गया। जै से ही शाम ढलने लगी, वह एक बार फिर यु ंगकु ओ महल परिसर में प्रवे श कर गया, और द्वार बं द होने से कु छ ही क्षण पहले उसने बताए गए मार्ग पर अपनी जगह ले ली। जल्द ही आसपास का पार्क घोर अं धे रे और सन्नाटे में डू ब गया। किसी भी इं सान की आवाज़ सु नाई नहीं दे रही थी। आधी रात तक वह व्यर्थ ही इं तज़ार करता रहा और सु नता रहा। उसने उससे पहली रात की पहरे दारी के लिए समय तय किया था। इस बीच दूसरी रात की पहरे दारी भी बीत गई, और वह नहीं आई। तब उसे समझ आ गया कि उसके साथ धोखा हुआ है और उसने वहाँ से भागने का फै सला किया। ले किन उसने पूर्वी और पश्चिमी दोनों द्वारों पर व्यर्थ ही

कोशिश की। वे बहर से मज़बू ती से बं द और कुंलडी हुए थे । अब उसने दीवार पर चढ़ने की कोशिश की; लेकिन वह बहुत ऊँ ची थी और कहीं भी कोई सहारा या पै र रखने की जगह नहीं थी जिससे वह खु द को ऊपर खींच सके । चाहे अच्छा हो या बु रा, उसे पू री रात उस सु नसन, वीरान गलियारे में ही गु ज़ारनी पड़ी। उस सर्दी के मौसम में यह बिल्कुल भी सु खद नहीं था। बर्फीली हवा दरवाजे औरखिड़की के किनारों से अं दर आ रही थी और उसे बु री तरह सेयच्चा कर रही थी।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.26% है ।

वह बिल्कुल कमजोर हो चु का था। ठं ड से उसके हाथ-पै र अकड़ गए थे । जब आखिरकार सु बह हुई, तो एक बू ढ़ी चौकीदार आई और पहले पूर्वी द्वार खोला, फिर पश्चिमी द्वार खटखटाने लगी। जै से ही उसने पीठ मोड़ी, वह ते जी से अपने छिपने की जगह से निकला और पूर्वी द्वार से धु एं की तरह बाहर निकल गया। सौभाग्य से, उस समय सभी सो रहे थे, इसलिए वह पीछे के छोटे द्वार से जागीर से चु पके से निकल गया। फिर वह दौड़कर अपने दादा के घर चला गया। चिया जु ई जो बचपन में ही अनाथ हो गया था, बू ढ़े ताई जु के साथ रहता था, जो उसका पालन-पोषण करते थे । बू ढ़े सज्जन अपने पोते पर कड़ी निगरानी रखते थे और उसे इधर-उधर घू मने और पढ़ाई में लापरवाही करने से रोकने के लिए उस पर कड़ी नजर रखते थे । उस बदमाश के पू री रात बाहर रहने पर स्वाभाविक रूप से उसके दादा ने उसे कड़ी फटकार लगाई। उन्हें शक था कि शराब और औरतों ने उसे बाहर रखा था, और जब वह आखिरकार सु बह तड़के घर लौटा, तो उसका स्वागत बिल्कुल भी दोस्ताना नहीं था। दादाजी ने कभी सोच भी नहीं होगा कि मामला जितना दिख रहा था उससे कहीं ज्यादा गं भीर था, और वह बदमाश परिवार में एक गं भीर बदनामी लाने की राह पर था। माथे से पसीना पोंछते हुए, रात भर मौज-मस्ती करने वाला व्यक्ति क्रोधित बू ढ़े सज्जन के सामने आया और जितना हो सके झू ठ बोलकर अपनी मु सीबत से निकलने की कोशिश की। कल, एक रिश्ते दार के घर जाते समय वह दे र से रुका था और उसे रात भर वहीं रहना पड़ा था। लेकिन ताई जू ने उसके चे हरे पर झू ठ पहचान लिया। "मे री अनु मति के बिना तु म्हें बाहर नहीं जाना चाहिए!" उन्होंने सख्ती से कहा। "और मु झे धोखा देने के लिए, तु म इससे भी बड़ी सजा के हकदार हो।" और उन्होंने उसे घु टनों के बल बिठाया और बें त से तीस-चालीस कोड़े मारे । इसके अलावा, उन्होंने उसे पूरे दिन भू खा रखा और अतिरिक्त सजा के रूप में उसे आं गन में घु टनों के बल बैठने का सबक सिखाया। पू री रात ठं ड में ठिठुरने के बाद, बे चारे को अपनी मूर्खता का प्रायश्चित करने के लिए और भी मार, भू ख, और भी ज्यादा ठं ड और कु छ कठिन दिमागी कसरत सहनी पड़ी। लेकिन इन सभी कष्टों से भी उसकी दुष्टता दूर नहीं हुई। मुश्किल से दो दिन ही बीते थे कि वह खाली समय में फिर से यु ं गकु ओ महल में चला गया। वहाँ उसका स्वागत एक बार फिर फीनिक्स ने किया। इस बार उसने उसे और

भी अच्छी तरह से सुधारने का निश्चय किया था। पहले तो उसने ऐसा दिखाया जैसे वह नाराज़ हो और हाल ही में अपना वादा न निभाने के लिए उसे फटकारा। गुप्त, द्वेषपूर्ण आनंद के साथ उसने उसके विरोध को सुना और उसे वह सब बताने दिया जो उसने उसके कारण सहा और झेला था। फिर उसने उसी शाम एक नई मुलाकात का सुझाव दिया, लेकिन एक अलग जगह पर। उसने अपने घर के ठीक पीछे एक छोटे से अंगूर बगीचे वाले घर की ओर इशारा किया। उसे वहाँ उसका इंतज़ार करना था। "लेकिन क्या आप सचमुच ऐसा कह रही हैं?" उसने संकोच से पूछा

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.18% है।

“अगर तुम्हें मुझ पर भरोसा नहीं है, तो आने की ज़रूरत नहीं” उसने ठंडे और कठोर लहजे में उसे बताया। “मैं आऊंगा, चाहे मुझे सौ बार मरना पड़े!” उसने जोश से कहा। इस पर उसने उसे विनम्रता से विदा कर दिया। जब वह अपनी युद्ध योजना बना रही थी और उसे पहले से भी ज़्यादा अच्छी तरह से जाल में फंसाने की सारी तैयारी कर रही थी, तब वह घर पर इंतज़ार कर रहा था और उसका सब्र टूट रहा था। उसे ज़रा भी शक नहीं था कि इस बार वह अपने लक्ष्य को ज़रूर हासिल कर लेगा। लेकिन पहले उसे उन रिश्तेदारों के जाने का इंतज़ार करना था जो संयोग से उस दिन मिलने आए थे। फिर उसे थोड़ा और सब्र करना पड़ा जब तक कि उसके दादा शाम के खाने के बाद सोने नहीं चले गए। आख़िरकार वह बाहर निकलने में कामयाब हो गया। अब समय आ गया था। अंधेरा छाने लगा था और लोग सड़कों पर लालटेन लिए घूम रहे थे। दरवाज़े बंद होने से कुछ ही देर पहले वह चुपके से युंगकुआन के परिसर में घुस गया और अपनी प्रेमिका के घर के ठीक पीछे वाले खाली बगीचे वाले घर में घुस गया। वहाँ वह बैठा इंतज़ार कर रहा था, और अपनी उत्तेजना और बेचैनी में वह चूल्हे पर रखी केतली की तरह था। लेकिन बाईं ओर कोई इंसान दिखाई नहीं दिया, और दाईं ओर कोई आवाज़ सुनाई नहीं दी। उसके मन में चिंता और शंकाएँ बढ़ने लगीं। क्या वह उसे एक और पूरी रात इंतज़ार करने और ठंड में ठिठकने के लिए छोड़ देगी? तभी अचानक उसे हल्के कदमों की आहट सुनाई दी। वह दरवाज़े तक गया और उसने देखा कि अँधेरे से एक पतली सी परछाई निकली और सीधे उसकी ओर आ रही है। उसे ज़रा सी भी शक नहीं था कि यह फ़ीनिक्स है, और बिना ज़्यादा सोचे-समझे या काले-सफेद में फ़र्क किए, वह भूखे बाघ की तरह उस पर झपटा, उसे अपनी बाहों में भर लिया और छोटे से घर के अंदर पलंग पर ले गया। "प्रियतम, मैं तड़प-तड़प कर लगभग मर ही गया था!" वह कराह उठा, जबकि उसके होंठ उसकी प्रेमिका के होंठों को ढूंढ रहे थे और उसका हाथ उत्तेजना से उसके शरीर को टटोल रहा था। कितना आसान खेल था उसका! प्रेमिका ने उसे पूरी तरह से अपनी मर्ज़ी करने दी और हिली तक नहीं। अब उसने खुशी-खुशी अपने कपड़े उतार दिए थे और काम शुरू ही कर रहा था कि बाहर से आती एक तेज रोशनी ने उसे अचानक रोक दिया। "यहाँ क्या हो रहा है?" चुपके से अंदर आए किसी व्यक्ति ने जलती हुई

मोमबत्ती के सथ पू छा। यह भतीजा चिया चियां ग था। "चाचा जु ई के मन में कोमल भावनाएँ जग उठी थीं," सोफे से हँसते हुए स्वर आया। उस आवाज ने भयभीतचिया जु ई को यह बत दिया कि उसने अपने भतीजेचिया यु ं ग को अपना प्रिय समझ लिया था। शर्म से चू र होकर उसने गमने की कोशिश की, लेकिन चिया चियां ग ने उसका रास्ता रोक दिया। "रुको! यहीं रहो! आं टी फीनिक्स ने सब कु छ बू ढ़ी ताई ताई को बता दिया है । तु म्हारी नज़रों से बचने के लिए उसने तु म्हारे साथ एक छोटी सी चाल चली है । बू ढ़ी ताई ताई तु म्हारे व्यवहार से क्रोधित हैं और उन्होंने हम दोनों को तु म्हें तु रं त उनके सामने ले जने का आदे शदिया है । चलो!" 87

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 8.88% है ।

"प्यारे भतीजे, मु झे जाने दो और मु झे धोखा मत दे ना!" चिया जु ई ने पू री तरह से निराश होकर विनती की। "मैं तु म्हें एक बड़ा इनाम दे ने का वादा करता हूँ ।" "मैं तु म्हें जाने दे सकता हूँ," चिया चियां ग ने उत्तर दिया, "लेकिन पहले मु झे यह जानना होगा कि तु म वस्तव में कितना भु गतन करने को तै यर हो। और के वल मौखिक वादा मे रे लिए पर्याप्त नहीं है; तु म्हें एक वचन पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे । शिष्टाचार के लिए, इस राशि को जु ए के कर्ज के रूप में नोट पर लिखा जा सकता है ।" "ठीक है । लेकिन यहाँ कागज और स्याही कहाँ से मिले गी?" "तु रं त लाया जाता है । एक पल रुको!" चिया चियां ग गयब हो गया और तु रं त लिखने का सामान ले कर लौट आया। लं बी सौदे बजी के बद चिया जु ई को पचस ताएल के लिए वचन पत्र लिखने के लिए सहमत होना पड़ा। चिया चियां ग ने नोट अपनी जे ब में रखा और चिया यु ं ग का हाथ पकड़कर जाने लगा। लेकिन अचानक चिया यु ं ग अड़ियल हो गया और उसने चु नौती दे ते हुए घोषणा की कि वह सु बह पू रे कबीले को यह कहानी सु न दे ग। इस धमकी ने चिया जु ई को और भी डरा दिया, और यहाँ तक कि उसने अपने यातनादाता के समने सिर झुकाकर खु द को अपमनित भी किया। लेकिन यातनादाता ने उसे तब तक नहीं छोड़ा जब तक उसकी जे ब में भी पचास ताएल का वचन पत्र न आ जाए। "ठीक है, आज हम तु म्हें अपने खर्च पर छोड़ रहे हैं," चिया चियां ग ने उदारतापूर्वक कहा। "पर अब तु म्हें यहाँ से निकलना ही होगा, बस रास्ता चु नन है । तु म बू ढ़ी ईताई के इलाके से नहीं जा सकते, क्योंकि सारे द्वार बं द हैं । और बड़े चाचा चें ग के घर के पास जाने की हिम्मत मत करना। वो अभी भी अपने सरकारी दस्तावे जों में डूबे बै ठे हैं । अगर उन्होंने तु म्हें पकड़ लिया तो तु म्हारी खै र नहीं! पर तु म यहाँ भी नहीं रुक सकते, किसी भी पल कोई नौकर आ सकता है, क्योंकि पास में ही एक भं डारगृ ह है । तु म्हारे लिए निकलने का एकमात्र रास्ता पीछे वले पर्क का द्वार है; लेकिन पहले हमें बहर जाकर दे खन होगा कि कोई खतरा तो नहीं है, क्योंकि अगर तु म पकड़े गए तो हमारे लिए भी मु सीबत हो जएगी। मु झे एक जगह पता है जहाँ तु म तब तक हमारा इं तज़ार कर सकते हो। चलो हमारे सथ!" उसने अपनी मोमबत्ती बु झाई, चिया जु ई का हाथ पकड़ा और उसे घसीटकर बाहर ले गय। उसने अं धे रे में आसानी से रास्ता ढूँ ढा जब तक कि वे एक खे त में नहीं पहुँ च गए

जहाँ वे एक सीढ़ी के नीचे रुक गए। "अभी के लिए तुम यहाँ सुरक्षित हो," उसने फुसफुसाते हुए कहा। "ज़मीन पर बैठ जाओ और जब तक हम वापस आकर तुम्हें न बुलाएँ, तब तक एकदम चुप रहो!" वह दूसरे युवक के पास चला गया। चिया जुई आज्ञाकारी होकर सीढ़ियों के किनारे ज़मीन पर बैठ गया, साँस लेने की भी हिम्मत नहीं कर पा रहा था। जब वह वहाँ बैठा अपनी अजीब स्थिति के बारे में सोच रहा था, तभी अचानक उसे अपने ऊपर से गड़गड़ाहट और छींटे पड़ने की आवाज़ सुनाई दी और तुरंत ही एक गाढ़ा, घिनौना तरल पदार्थ - मानव मल - उस पर उड़ेल दिया गया। उसके मुँह से एक दबी हुई चीख निकल गई, लेकिन तुरंत याद आया कि उसे चुप रहने का आदेश दिया गया था, इसलिए उसने अपना हाथ अपने मुँह पर रख लिया। बदबूदार तरल पदार्थ उसके माथे और गालों से टपकता रहा, उसके कपड़ों को ऊपर से नीचे तक भिगो दिया और उसे ठंड से कंपकंपा दिया।

寶蓉

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.20% है ।

और बे चै नी। उसे कब तक इस दयनीय स्थिति को सहना पड़े गा? जब उसने अखिरकार उन दोनों को लौटते और पु कारते सु ना, "जल्दी, भागो, भागो!", तो उसे बहुत राहत मिली। वह जल्दी से अपनी झुकी हुई स्थिति से उठा और बड़े-बड़े कदमों से पीछे के बगीचे के गे ट की ओर भागा। पू री तरह थका हुआ और हां फता हुआ, वह आधी रात के करीब अपने घर के सामने पहुँ चा। दरवाजा खोलने वाला नौकर उसे दे खकर चौंक गया, "तु म्हें क्या हुआ है?" उसने नाक पकड़ते हुए पू छा। "मैं अं धे रे में एक गं दे नाले में गिर गया था," चिया जु ई ने झू ठ बोला; और वह अपने कमरे में गया, जहाँ उसने अपने बदबूदार कपड़े उतार दिए और खु द को अच्छी तरह धोया। हालाँकि वह बहुत थका हुआ था, उस रात उसे एक पल भी नींद नहीं आई, उसका दिमाग उस घटना से इतना परे शान था जो उसने झेली थी। सचमु च, वह अपनी प्रेमिका के प्रति द्वेष से ग्रस्त था जिसने उसके साथ इतना घिनौना व्यवहार किया था, लेकिन उसकी प्यारी छवि, जो लगातार उसके मन में घू मती रहती थी, उसके दुख और द्वेष को दूर कर दे ती थी और के वल एक ही इच्छा को जगह दे ती थी- हर हाल में उसे अपनी बाहों में भरने की अनुमति। निश्चित रूप से, इस आखिरी अनु भव के बाद यु गकु ओ महल में आगे जाने की उसकी इच्छा पू री तरह से समाप्त हो गई थी। अब उसके लिए वास्तविक कष्टों का दौर शु रू हो गया था। उसके दो लेनदारों द्वारा उससे जबरन लिए गए वचन पत्रों के भु गतान के लिए लगातार दबाव, उसके सख्त दादा द्वारा पकड़े जाने का निरं तर भय, प्रेमिका के लिए अधू री इच्छा जिसने उस अविवाहित बीस वर्षीय यु वक को बार-बार दिल दहला दे ने वाली उं गलियों से खेलने पर मजबू र कर दिया; इसके साथ ही कर्ज का बोझ जो दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा था, और अं त में, उसकी दो रात्रिकालीन हरकतों के परिणामस्वरूप उसे लगी सर्दी - इन सभी चीजों के सं चयी प्रभाव से वह थोड़े ही समय में बीमार हो गया। उनकी भू ख खत्म हो गई, पाचन क्रिया बिगड़ गई, उन्हें भारीपन और चक्कर आने लगे, मानो उनके पै र हड्डियों, नसों और मां सपेशियों के नहीं बल्कि रुई के बने हों; उनकी आं खें बेजान हो गईं, मानो उनमें सिरका छिड़क दिया गया हो; खां सते समय उनके मुं ह से खून निकलता था; बु खार और अनिद्रा उन्हें रात भर सताते थे, दिन भर वे सु स्ती और थकावट से ग्रस्त रहते थे । जब वे सोते थे तो बे चै न सपने दे खते थे और अक्सर चिल्लाते थे । एक साल के

भीतर धीरे-धीरे उन पर कई तरह की बीमरियां आ गईं। उनके चिंतित दादाजी ने हर संभव डॉक्टर से सलाह ली और उन्हें कई किलो दवाइयां खिलाईं, लेकिन सब व्यर्थ था। डॉक्टरों ने कहा कि केवल जिनसेंग की अच्छी खुराक ही उन्हें बच सकती है। लेकिन एक गरीब विद्वान इस अनोखी और महंगी दव को कहां से हासिल कर सकता था? बूढ़े हुई जू ने युंगकु ओ ने अपने धनी रिश्तेदारों से संपर्क किया। मैडम चेंग, जिनसे उन्होंने अनुरोध किया, ने इसे रसोई और भांडार की मालकिन मैडम फेनिक्स तक पहुंच दिया। उसने उससे उसके लिए दो औंस जिनसेंग तौलने को कहा। लेकिन मैडम फेनिक्स का उस बीमार व्यक्ति की मदद करने का कोई इरादा नहीं था, वह तो उसे 90 साल की उम्र में देखना पसंद करती थी।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.35% है ।

मर जाओ। उसने उत्तरदिया कि उसने हाल ही में राजकु मरी पूर्वज के अनु रोध पर मार्शल यां ग की बीमार पत्नी को अपनी अंतिम आपूर्ति दे दी थी। मै डम चें ग ने आग्रह किया कि वह अपनी सास, राजकु मरी शीह, या राजकु मरी चे न से कु छ ले आने की कोशिश करे, क्योंकि आखिरकार यह एक इं सन की जान का मामला था। लेकिन मै डम फीनिक्स ने न तो चे न के घर भेजा और न ही शीह के घर, बल्कि अपनी आपूर्ति में से थोड़ी सी बेकार जड़ें, मुश्किल से एक औंस का दसवां हिस्सा, इकट्ठा कीं और उस कचरे को बीमर के घर भे ज दिया। ताई ताई चें ग ने इसे भे ज दिया, लेकिन उसने कहा कि वह और नहीं भे ज पएगी। हालाँकि, उसने धोखे से अपनी सास को बताया कि उनके निर्देशों के अनु सार उसने बीमर आदमी के लिए दो औंस बे हतरीनजिनसें ग उधर लिया है । स्वाभाविक रूप से, जो घटिया कचरा उसने वस्तव में उसे भे जा था, उसका उस पर जरा भी असर नहीं हुआ। एक दिन एक लं गड़ा घु मं तू ताओवादी भिक्षु बू ढ़े ग्रई जू के दरवाजे पर भीख मं गने आया। बदले में उन्होंने मन या आत्मा के किसी भी रोग से किसी को भी ठीक करने का प्रस्ताव रखा। चिया जु ई, जो अपनी बीमारी के बिस्तर से अजनबी की आध्यत्मिक उपचार शक्ति की प्रशं स सु न रहे थे, अत्यं त उत्तेजित हो गए और अपने आस-पास के लोगों से ज़ोर-ज़ोर से विनती करने लगे कि गु रु को उनके पास लाया जाए ताकि वे उनकी जन बचा सकें । उन्होंने उनकी इच्छा का पालन किया और लं गड़े पु जारी को बीमार के कमरे में ले आए। "मु झे बचाओ, गु रुजी" बीमार व्यक्ति बार-बार विनती करता रहा और बिस्तर पर झुककर आगं तु क को प्रणाम करता रहा। पु जरी, विचारों में डूबे हुए, कु छ दे र तक उन्हें दे खते रहे और फिर बोले: "तु म्हारी बीमारी दवा से ठीक नहीं हो सकती। लेकिन मे रे पास एक अनमोल वस्तु है, जो मैं तु म्हें दूं गा। तु म्हें बस इसे हर दिन दे खना है, और तु म ठीक हो जओगे ।" ये कहकर उन्होंने अपने थैले में हाथ डाला और एक परदे वला दर्पण निकाला। दर्पण के पीछे, जिसमें व्यक्ति का प्रतिबिंब भी दिखाई दे त था, यह लिखा हुआ था: चंद्रमा और हवा का जादुई दर्पण। "यह दर्पण विशाल शू न्य के प्रेतलोक में स्थित भयानक जागृति की परी के हवदार प्रे त महल से आय है," पु जरी ने समझाया। "इसकी शक्ति दूषित आत्माओं को शु द्ध करने और उन्हें अशु द्ध विचारों और इच्छाओं से मुक्त करने मेंनिहित है । परी ने इसे मु झे

सौंपा है तकि मैं आप जैसे उच्चशिक्षित और उच्च विचारों वाले युवाओं को बचा सकूँ और उन्हें विनाश से बच सकूँ लेकिन आप के वल इसके विपरीत भाग में ही देख सकते हैं। हज़ार बार, दस हज़ार बार, इसके समने वले भग में देखने से सावधान रहें! याद रखें! याद रखें! मैं तीनदिन में वापस आऊँ ग और दर्पण ले जऊँ ग। इस बीच यह आपको ठीक कर दे ग।" उनके बोलने की अवधि समाप्त ही हुई थी कि वहाँ खड़े लोगों के आश्चर्य के बीच, जिन्होंने उन्हें रोकने की व्यर्थ कोशिश की, वे अचनक हवा में गयब हो गए। बीमार व्यक्ति ने वहाँ मौजूद लोगों से उन्हें अकेला छोड़ने का अनुरोधकिया। उन्हें ऐस क्यों करना चाहिए?

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.26% है ।

क्या दर्पण में दे खने की कोशिश न करें? उस अजीब पु जरी ने उसकी स्थिति का बिल्कुल सही निदान किया था; यह बात बाकी लोगों को पता नहीं थी, ज़ाहिर है । इसलिए उसने दर्पण अपने हाथ में लिया और पु जरी के कहे अनुसार, उसके विपरीत दिशा में दे खा। वह भय से पीछे हट गया। दर्पण में एक कंकाल उस पर मु स्कुरा रहा था! "क्या उस शापित प्राणी का मकसद सिर्फ मु झे डराना था?" वह गु स्से से चिल्लाया। "अब मैं उस वर्जित दिशा में दे खूंगा।" और उसने दर्पण को घु मया और दूसरी तरफ दे खा। हे भगवन! फीनिक्स की सु ंदर छवि उसकी निगाहों के समने आ गई! वह उस पर मु स्कुरा रही थी और हाथ से उसे अपनी ओर बुला रही थी। अत्यं त प्रसन्न होकर, उसने महसू स किया कि कै से, किसी जादुई शक्ति द्वारा वह दर्पण के भीतर खिंचा चला गया, और अपनी प्रेमिका के सथ हवा और बादल के प्रे मक्रीड़ा का आनं द लिया। जब यह समाप्त हुआ, तो वह उसे धीरे से दर्पण से बहर ले आई। उसने खु द को एकाएक फिर अपने बिस्तर पर ले टा हुआ पाया, उस सु खद अनु भव के प्रभाव के प्रभवों से अभी भी कराह रहा था। अब वह फिर से दर्पण की ओर मु ड़ा और एक बार फिर दूसरी तरफ दे खा। फिर से उस भयनक कं काल ने उस पर मु स्कुराया, जिससे उसके रोम-रोम में ठं डे पसीने आ गए। प्रे म के लेपझ आनं द से थका हुआ होने के बावजू द, वह दर्पण के वर्जित पक्ष में दूसरी बार दे खने के प्रलोभन का विरोध नहीं कर सका, और फिर से फीनिक्स ने उसे इशारा किया और मोहक मु स्कान के सथ उसे जदुई शक्ति से दर्पण के भीतर खींच लिया, एक बार फिर हवा और बादल का खेल खेलने के लिए। यह अनु भव चर बार दोहराया गया। जब वह उसे चौथी बर बाहर ले ज रही थी, तो अचानक उसने महसू स किया कि दो आदमियों ने उसे पकड़ लिया है और लोहे की जं जीरों में जकड़ दिया है । "मैं तु म्हारे पीछे आऊं ग! लेकिन मु झे दर्पण अपने सथ ले जने दो" वह जोर से चिल्लाया। ये उसके अंतिम शब्द थे । बहर वालों ने उसकी चीख सु नी। उन्होंने बीमार के कमरे का दरवाजा खोला और अं दर झाँ का और उसे खुली आँ खों से दर्पण को घू रते हुए दे खा; जब उसकी पकड़ ढीली हुई तो दर्पण जमीन पर गिर गया। वे सभी बिस्तर के चरों ओर जमा हो गए, लेकिन बीमार आदमी ने फिर से सं स नहीं ली। उन्होंने चदरें मनव स्राव के निशानों से गीली पाईं। नौकरों ने मृ तक को नहलाया-धुलाया

और वस्त्र पहनाए तथा रीति-रिवाज के अनुसार उसे अर्थी पर लिटाया। फिर उन्होंने उसके दादा-दादी को उसके निधन की सूचना दी। रिश्तेदारों ने ज़ोर-ज़ोर से शोकगीत गया और लंगड़े पुजारी तथा उसके जदुई दर्पण को कोसने में कोई कसर नहीं छोड़ी। बूढ़ोईजू ने क्रोधित होकर कहा, "जादुई दर्पण को नष्ट करना होगा; अन्यथा यह और भी अधिक बुराई करेगा।" उसने उन्हें उसे आग में फेंकने का आदेश दिया। लेकिन इससे पहले कि वे उसका आदेश पूरा कर पाते, हवा में एक आवाज़ सुनाई दी: "तुम मेरे दर्पण को क्यों जलाना चाहते हो? यह निर्दोष है। दोषी तो स्वयं मृतक है। उसे किसने कहा कि वह मेरे निषेध की अवहेलना करे और गलत पक्ष देखे?"[92]

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.12% है ।

उसी समय दर्पण स्वतः ही जमीन से उठा और खिड़की से बहर तै रनेलगा। बू ढ़ ताई जू उसके पीछे दरवाजे से बहर भागा और उसे पकड़ने की कोशिश की, तभी उसने दे खा कि वही लं गड़ पु जरी वहाँ खड़ है। "मे रे र्पण को छीनने की हिम्मत कौन करता है?" उसने उसे धमकी भरे स्वर में चिल्लाते हुए सु ना, और फिर उसने दे खा कि उसने अपन हाथ बढ़ाकर तै रते हुए र्पण को पकड़ लिया। अगले ही पल पु जरी और दर्पण दोनों गायब हो गए। अध्याय 11 को चिंग की मृ त्यु हो जाती है और उसे पाँचवें र्जे के एक अधिकारी की पत्नी की मरणोपरां त उपधि प्राप्त होती है। फीनिक्स निंगकु ओ महल में गृ ह प्रबं धन का कार्यभार सं भलती है। 1 वर्ष के अं त में यांचो से खबर आई कि ब्लै क जे ड के पिता, लिंग जू हाई, बहुत बीमार हैं और अपनी बे टी को एक बर फिर दे खने की तीव्र इच्छा रखते हैं। राजकु मरी पूर्वज ने पिता की इच्छा पू री करन उचित समझा, और इसलिए उन्होंने अपनी पोती को अपनी चचे री बहन, चिया लियन के सथ घर भे जदिया। पाओ यू स्वाभाविक रूप से अपनेप्रिय चचे रे भाई के सथ लं बे समय तक न रह पाने से बहुत दुखी थे। फीनिक्स को भी अपने पति से लं बे समय तक बिछड़ना सहन करना कठिन लग रहा था। इसके साथ ही, पूर्वी महल में गं भीर रूप से बीमार मित्र के लिए उनकी चिंता भी बढ़ गई थी। वह अकेली शामों को सोने से पहले तक नौकरानी लिटिल पिंग के सथ खु शी-खु शी बतें और गपशप करते हुए जितना हो सके बिताती थीं। एक रात, दे र तक बत करने और काम करने से थकी होने के बावजू द, उनके बे चै न विचार उन्हें तब तक जगए रखे रहे जब तक कि उनकी नौकरानी पिंग गहरी नींद में सो नहीं गई। धैर्यपूर्वक अपनी उं गलियों पर गिनते हुए, वह अं ततः अनिश्चित नींद में जने में सफल रहीं। बाहर, ढोल की तीसरी थाप ने आधी रात की घोषणा कर दी थी, तभी उन्हें लगा कि उनकी भतीजी को चिंग उनके बिस्तर के पस खड़ी है। "अच्छी नींद लो, प्रिय," को चिंग ने मु स्कुराते हुए उससे कहा, "लेकिन मु झे आज प्रवासी की यात्रा पर निकलना है। क्य तु म मे रे साथ कु छ दू र चलना चाहोगी? हम हमे श से एक-दूसरे को बहुत पसं द करते आए हैं और एक-दूसरे को बहुत अच्छी तरह समझते हैं, इसलिए मैं तु मसे विदा लिए बिना जाना नहीं चाहती थी। इसके अलावा, मु झे तु मसे बहुत सी बातें कहनी हैं जो मैं किसी और को नहीं बताऊं गी। क्योंकि तु म कोई

साधारण महिला नहीं हो, और बुद्धि और ऊर्जा के ममले में तु किसी भी पु रुष या किसी भी उच्च अधिकारी के बराबर हो।" अब उसने एकलं बे भाषण में बतया कि वह चिया वं श के भविष्य को ले करचिंतित है । यह सच हैकि चिया वं श सै कड़ों वर्षों से मजबू त और शक्तिशाली बना हुआ है, लेकिन फलना-फूलना अभी बाकी है ।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.32% है ।

इसके बद क्षय होने की सं भावना है, और वह दिन आ सकता है जबविशाल वृ क्षगिर जाए, और अब तक उसकी शाखाओं और शीर्ष पर आश्रय दिए बं दरों का झुं ड चरों दिशाओं में बिखर जाए। इसका अर्थ यह था कि अच्छे समय में बु रे समय केलिए तै यरी कर ले नी चहिए। उसके मन में दो बातें थीं पारिवारिक विद्यालय का सु दृढ़ीकरण और पूर्वजों को दी जाने वली त्रै मसिक बलि की निरं तरत सुनिश्चित करना। उसे डर थ कि कहीं ऐसा समय न आ जाए जब इन दोनों उद्दे श्यों के लिए धन उपलब्ध न हो। इसलिए वह कुल के बु जुर्गों को सु झव दे न चाहती थी कि वे वर्तमान अनु कूल परिस्थितियों का लाभ उठाकर पारिवारिक समाधियों के आसपस जितनी सं भव हो उतनी भूमि और सं पत्ति खरीद लें, जिससे एक स्थयी और अविभाज्य पारिवारिक सं स्थ का निर्माण हो सके । इस सं स्थका उद्दे श्य समु दायिक भूमि से प्रप्त आय से परिवारिक विद्यालय का सं चलन करना और पूर्वजों को दी जाने वली बलि की निरं तरत सुनिश्चित करना होना चाहिए। सांस्कृतिक उद्दे श्यों केलिए समर्पित धन, सबसे बु री स्थिति में भी, राज्य द्वारा ज़ब्ती से सुरक्षित रहे ग, यदि शाही असं तोष या इसी तरह के किसी कारण से परिवारों के मुखियाओं के पद और प्रतिष्ठा छीन ली जाए और उनकी निजी सं पत्ति जब्त कर ली जाए। ऐसी आपात स्थिति में, सं बंधित परिवार के सदस्यों को पारिवारिक आधार की भूमि में शरणमिले गी, जहाँ वे खे ती करके अपना जीवन यापन जारी रख सकते हैं । परिवारिक विद्यालय तब पु त्रों और पोतों को एक बर फिर से दुनिया में आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करे ग। खे ती औरशिक्षा - ये दो मजबू त स्तं भ थे जिन पर चिया वं श जै से महान कुलीन परिवार को निर्भर रहना था, यदि भाग्य के अपरिहार्य उतार-चढ़ावों से बचन था और वं श को पतन से बचाना था। वक्ता ने इस उद्धरण के साथ अपना भाषण समाप्त किया: वसं त बीत जाता है, सु गं ध फीकी पड़ जाती है, अर्जित स्थिति के प्रति सतर्क रहें । फीनिक्स ने इस ज्ञानवर्धक प्रवचन को गहन ध्यान से सु नाथा। वह कु छ सवल पू छने ही वाली थी कि रात के सन्नाटे में, उसे दूसरे द्वार पर बादल घं टी की ते ज़ आवाज़ सु नाई दी। उसकी भारी गड़गड़ाहट चार बार गूं जी। यह सं के त था कि घर में किसी की मृ त्यु हो गई है । फीनिक्स घबराकर अपनी हल्की नींद से जग उठी, और तु रं त एक सं दे शवाहक यह खबर ले कर आय कि पूर्वी महल की मालकिन यु ं ग का निधन हो

गया है । फेंनिक्स जल्दी से कपड़े पहनकर अपनी स्वामी, मैडम चेंग के पास दौड़ी। कहने की जरूरत नहीं है कि सर्वप्रिय युव और सुंदर महिला की असामयिक मृत्यु की दुखद खबर से पूर्वी और पश्चिमी महल दोनों में हर जगह मतम और विलाप का माहौल छा गया। पाओ यू को भी रात में मृत्यु की खबर मिली, जब वह 94 वें कमरे में था

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.21% है ।

बिस्तर से गिरते ही वह अचनक चौंककर बिस्तर से कू द गया। गिरते ही उसे दिल में छुरा घोंपने जै स दर्द हुआ और उसी क्षण उसने मुं ह भर खू न थूक दिया। नौकरानियां घबराकर उसके पस दौड़ीं और पू छा कि क्या हुआ है और क्य डॉक्टर को बुलाना चाहिए, लेकिन उसने मन कर दिया। उसने कहा, "कोई बात नहीं। अचानक सदमे से दिल का दौरा पड़ गया है । थोड़ा खू न शरीर में चला गया है ।" उसने कपड़े पहने और राजकु मरी पूर्वज के पस जाकर रात में ही शवयत्रा में जने की अनु मति मां गी। राजकु मरी पूर्वज ने व्यर्थ ही समझाया कि ताजा शव के पस अपवित्रता से दूर रहना चाहिए, सर्दियों की रात में बहर जाने से स्वास्थ्य खराब हो सकता है और सु बह तक इं तजार करना बे हतर होग। वह नहीं माना। अं त में चिंतित राजकु मरी ने उसे एक बं दगाड़ी में और कई लोगों के साथ जाने की अनु मति दे दी। दे र से होने के बावजू द, उसने निंगकु ओ महल का प्रवे श द्वार खुला और जगमगाता पाया, और मशालें और लालटे न लिए लोगों का उत्साहपूर्वक आना-जाना लगा हुआ था। भीतरी कमरों से उसे विलाप की ते ज़ आवाज़ें सु नाई दे रही थीं, जिनसे पहाड़ियाँ कां प रही थीं और पर्वत हिल रहे थे । पाओ यू ने भी अर्थी के पस खड़े होकर अपने दुख को आँ सु ओं और विलाप के सथ खुलकर व्यक्त किया। फिर उसने घनी भीड़ में आए रिश्ते दारों का अभिवादन किया। अब निंगकु ओ महल में ज़ोरदार हलचल और उत्साह का माहौल छा गया; क्योंकि राजकु मर चे न ने दिवं गत प्रियतम के सम्मन में परं परिक शोक समारोहों को पू री शन-शौकत के साथ सं पन्न करने का बीड़ा उठाया था। शाही वे धशला के दरबरी जादूगर को विभिन्न समारोहों के दिन और समय निर्धारित करने का आदे श दिया गया था। उन्होंने निर्देश दिया कि अंतिम सं स्कार सात सप्ताह बाद होना चाहिए; और उन सात सप्ताहों के दौरान शव को शोक सभा में अर्थी पर रखा जाना चाहिए। मृ त्यु के तीसरे दिन, सात सप्ताह के शोक समरोह की शु रुआत मृ त्यु सू चनाओं के प्रकाशन के सथ होनी थी; एक सौ आठ भिक्षुओं को मु ख्य हॉल में बौद्ध शोकगीत पढ़ने थे, जबकि निन्यानवे तओवादी पु रोहितों को स्वर्गीय मरहम के दवर में स्वयं द्वारा स्थापित वे दी के समक्ष दिवं गत आत्म की मुक्ति के लिए ताओवादी रीति-रिवाज के अनु सर बलिदान और प्रार्थना करनी थी। इसके अतिरिक्त, पंद्रह भिक्षुओं और पंद्रह उच्च पदस्थ ताओवादी पु रोहितों को सु गंधित

उद्यान के महिमा कक्ष में दिवंगत महिला की आत्मा पट्टिका के समने श्रद्धापूर्वक प्रार्थना करनी थी। इस दुखद घटना से अप्रभवित रहने वले पूरे कुल में केवल घर के मुखिया, राजकुमर तपस्वी चिया चिंग थे। उनका संदेश था कि वे स्वयं भी जल्द ही स्वर्गलोक में आरोहण करेंगे। उन्हें अब अपने पवित्र एकांत से बाहर निकलकर खुद को क्यों कलंकित करना चाहिए?

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.17% है।

क्या वह व्यक्ति, जिसने कुछ हद तक शुद्धि और पूर्णता प्राप्त कर ली थी, फिर भी इस संसार की लाल धूल में मिल जाएगा? तदनुसार, उसने इस घटना पर आगे ध्यान नहीं दिया, बल्कि अपने आश्रम में ही रहा और शोक कार्यक्रम के संपूर्ण संचलन का जिम्मा अपने पुत्र राजकुमार चेन को सौंप दिया। शोक की अवधि के प्रारंभ में ही एक ऐसी घटना घटी जिसने बहुत ध्यान आकर्षित किया और खूब प्रशंसा बटोरी। मृतक महिला की एक दासी, जुई चू ने अपनी स्वामिनी की मृत्यु पर अपने सच्चे शोक को प्रकट करने के प्रयास में, अपना सिर एक लकड़ी के खंभे से इतनी जोर से टकराया कि उसकी मृत्यु हो गई। पूरे कुल ने इस दासी के व्यवहार की असाधारण और यादगार आत्म-बलिदान, निष्ठा और भक्ति के उदाहरण के रूप में प्रशंसा की, और राजकुमार चेन ने आदेश दिया कि पुरस्कार के रूप में, इस बहादुर लड़की को रक्त संबंध वाली पोती के सम्मान के साथ दफनाया जाए और उसकी आत्मा की स्मृति को भी सुगंधित उद्यान के महिमामंडन कक्ष में स्थापित किया जाए। एक और प्रशंसनीय धर्मिकता और भक्ति का उदाहरण सामने आया। एक अन्य सेविका, पाओ चू ने उदारतापूर्वक निःसंतान मृत महिला की पुत्री के रूप में स्वयं को गोद देने की पेशकश की, ताकि वह शोक की अवधि और अंत्येष्टि के दौरान जीवित संतान की कठिन और बोझिल भूमिका निभा सके, जिसमें अन्य बातों के अलावा, अंत्येष्टि जुलूस के दौरान ताबूत के साथ-साथ चलना भी शामिल था। राजकुमार चेन ने कृतज्ञतापूर्वक उनकी पेशकश स्वीकार कर ली और उन्हें पुरस्कृत करते हुए आदेश दिया कि अब से उन्हें "सुश्री" कहकर पुकारा जाए और घर की पुत्री के रूप में सम्मान दिया जाए। पाओ चू ने पुत्री के रूप में अपने कर्तव्य को इतनी निष्ठापूर्वक निभाया और ताबूत के पास निर्धारित विलाप और विलाप को इस हद तक बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत किया कि वह लगभग अपनी जान गंवा बैठी। अंत्येष्टि को यथासंभव भव्यता से संपन्न करने के अपने प्रयासों में, राजकुमार चेन को एक बात से निराशा हुई। उन्होंने मन ही मन सोचा, "मेरे पुत्र के पास न तो कोई पद है और न ही कोई ओहदा।" "गर्व करने लायक एकमात्र चीज है खरीदकर हासिल की गई प्रथम और निम्नतम डिग्री की डॉक्टर की उपाधि। उनकी दिवंगत पत्नी के सम्मान ध्वजों पर अंकित नाम वास्तव में तुच्छ और तुच्छ प्रतीत होंगे। इसके अलावा, मृतक को किसी भी

आधिकारिक शोक व्यक्त करने वले से वंचित कर दिया जाएगा। यह एक पीड़ादायक कमी है ।"
फिर सं योगवश, शोक के पहले सप्तह के चौथेदिन, प्रभावशाली शाही हिजड़े और शही महल के अधीक्षक ताई कु आन अंतिम दर्शन के लिए आए। दूत आगे-आगे दिवं गत आत्म के लिए उपहार ले कर गए। फिर वे स्वयंविशाल राजकीय पालकी में प्रकट हुए, उनके आगमन की घोषणा दूतों और घं टा बजाने वलों द्वारा औपचारिक रूप से की गई। राजकु मर 96

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 48.96% है ।

चे न ने उन्हें विश्राम करने वली मधु मक्खियों के मं डप में आमंत्रित किया, जहाँ वे निश्चिंत होकर बातचीत कर सके । बतचीत के दौरान उन्होंने अपने बे टे की पदोन्नति के सं बं ध में अपना अनु रोध रखा। मु ख्य हिजड़ा उनकी दबी हुई बातों को तु रं त समझ गया। मु स्कुराते हुए उसने कहा, "अगर मैं सही समझ रहा हूँ, तो आप अं त्येष्टि को और अधिक भव्य और महत्वपूर्ण बनाना चाहते हैं "। राजकु मर चे न ने तु रं त पुष्टि करते हुए कहा, "आपका अनु मन सही है, गृ ह मं त्रालय के वरिष्ठ चां सलर।" "हम्म, आपका अनु रोधबिल्कुल सही समय पर आया है । मु झे सं योग से आपके बे टे के लिए एक बढ़िया और उपयुक्त पद का पता चला है । शही महल के रक्षक दल में तीन सौ उच्चाधिकारियों के पदों में से इस समय दो पद रिक्त हैं । हाँ, एक पद मैं ने पहले ही किसी और को दे दिया है - यानी काउं ट ह्सियां ग यं ग के बे टे को। क्योंकि काउं ट ने मु झसे बार-बार और तत्काल अनु रोधकिया था, और इसके अलावा मे रे घर पंद्रह सौ चां दी के सिक्के भे जे थे, इसलिए मैं उनके अनु रोध को अनसु ना नहीं कर सकता था, खासकर इसलिए कि हम बहुत पु राने दोस्त हैं । यह सच है कि शेष रिक्त पद के लिए किसी और ने आवे दन किया है - मोटे प्रां तीय कोषाध्यक्ष यु ंग ह्सिंग ने, जो इसे अपने बे टे के लिए चाहते हैं, लेकिन मैं ने अभी तक उनके अनु रोध का जवाब नहीं दिया है । इसलिए आप अपने बे टे के बायोडाटा का विवरण प्रस्तु त करने के लिए स्वतं त्र हैं "। राजकु मर को दोबारा कहने की जरूरत नहीं पड़ी, उन्होंने अपने सचिवों को सु ंदर लाल कागज पर अनु रोधित बायोडाटा लिखने का आदे श दिया। मु ख्य हिजड़े ने कागज़ को वहीं पढ़ा, फिर उसे अपने एक साथी यु वक को दे ते हुए कहा, "यह कागज़ मे रे पु राने मित्र, वित्त मं त्री चओ को दे दो। उन्हें मे रा प्रणाम कहना और उनसे कहना कि वे महल के अं गरक्षकों में पाँचवें पद के अधिकारी की नियुक्ति के लिए नियुक्ति पत्र तै यार कर दें । कहना कि मैं स्वयं कल यह दस्तावे ज़ ले आऊँ गा और अपने साथ उचित मात्रा में तौला हुआ धन भी लाऊँ गा।" यु वक ने सिर हिलाया और चला गया। थोड़ी दे र बाद मु ख्य हिजड़ा स्वयं जने के लिए उठा। राजकु मर चे न तु रं त उनके साथ बाहरी द्वार तक गए। "क्या मैं धन मं त्रालय भे जूँ या आपके घर?" उन्होंने अपने आगं तु क के पालकी में बै ठते ही पूछा। "यदि आप इसे मं त्रालय भे जें गे तो उनके साथ आपकी अनबन हो सकती है । बे हतर होगा कि आप

मु झे एक हजार ताएल की पू री राशि मे रे घर भे ज, दें फिर आपको कोई परे शनी नहीं होगी," उन्होंने उत्तर दिया। राजकु मर चे न ने उनका हार्दिक धन्यवाद किया। “शोक की अवधि समाप्त होते ही मैं स्वयं आपके पवित्र द्वार पर आऊं ग और अपने नलायक बे टे को भी साथ ले जऊं ग, ताकि वह आपके प्रति श्रद्धापूर्वक प्रणाम कर सके,” उन्होंने उसे आश्वासन दिया। अगले हीदिन चिया यु ं ग को मं त्रलय से पत्र प्रप्त हुआ।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.07% है ।

उनके राज्याभिषे क का दस्तावे ज़ और उनके पद प्रमाण पत्र, और उस दिन से दिवं गत महिला की आत्मा पट्टिका पर यह शिलाले ख अंकित था: "चिया वं श की विवाह द्वारा विवाहित, पाँ चवें रैं क के एक मं दारिन की शाही पत्नी, ले डीचिंग की आत्मा पट्टिका।" सु गंधित उद्यान के खुले बहरी द्वारों के समने ऊँ चे खं भों से दो चमकीले लाल नोटिस दूर से दिखाई दे रहे थे, जिन पर बड़े सु नहरे अक्षरों में लिखा था कि "लाल निषिद्ध शहर के भीतरी परिसर में शही महल रक्षक के एक अधिकारी की पत्नी, ले डीचिंग" का अंतिम सं स्कार यहाँ हो रहा है । राजकु मर चे न बहुत प्रसन्न और राहत महसू स कर रहे थे कि उनकी प्रार्थना इतनी जल्दी स्वीकार कर ली गई थी। लेकिन एक और दुविधा थी जो उन्हें बहुत परे शान कर रही थी। उनकी पत्नी बीमार थीं और बिस्तर पर पड़ी थीं। इन दिनों जब घर में मे हमानों और समारोहों की भरमार थी और कई तरह के इं तज़ाम करने थे, तब घर की मालकिन, जो गरिमा के सथ उनकी जगह काम सं भल सकती थीं और नौकरों को नियं त्रण में रख सकती थीं, की कमी बहुत खल रही थी। उनकी अनु पस्थिति एक विपत्ति थी। रीति-रिवाजों का उल्लं घन कितनी आसानी से हो सकता था, जिससे वे अपने कुलीन और प्रतिष्ठित मे हमनों के उपहास का पात्र बन जाते । वै से भी, नौकरों को अनु शसन की आदत थी और अब, बिना किसी निर्देश और निगरानी के, वे और भी लापरवाह हो जाते । राजकु मर चिंता से व्यकुल थे और उन्होंने यह बात अपने चचे रे भाई पाओ यू को बतई। पाओ यू ने उनके कान में जो सलाह फु सफु साई, उससे उनका परे शन चे हरा खिल उठा और उन्होंने तु रं त उस सलाह पर अमल करने का निश्चय किया। उन्होंने अपने पु रुष मे हमनों को अकेला छोड़ दिया और कु छ दे र बाद पाओ यू के साथ महिलाओं के बै ठक कक्ष में पहुं चे । सौभाग्य से, वहां के वल राजकु मरी शीह, मै डम चें ग, मै डम फीनिक्स और कु छ अन्य महिलाएं ही मौजू द थीं जो सभी करीबी रिश्ते दार थीं। राजकु मर चे न आज खु द भी ठीक महसू स नहीं कर रहे थे और पिछले कु छ दिनों की भागदौड़ और रात भर पहरा दे ने से थक गए थे । उनके अं गों में दर्द हो रहा था और वे छड़ी के सहारे लं गड़ाते हुए, कराहते हुए और मुश्किल से कमरे में दाखिल हुए। उनके आते ही महिलाएं अपनी सीटों से उठ गईं और राजकु मरी शीह ने चिंता से पू छा: "क्या आप ठीक महसू स नहीं कर रहे हैं? आप थके हुए लग रहे हैं, आपको आराम करना

चाहिए और अपना ख्याल रखना चाहिए।" राजकु मर ने अपनी छड़ी को कसकर पकड़ रख था और बड़ी मुश्किल से घु टनों के बल बै ठकर महिलाओं को त्सिंग आन से प्रणम किया। महिलाओं ने पओ यू को इशरा किया कि वह उन्हें उठने में मदद करे और उन्हें बै ठने के लिए कहा। लेकिन राजकु मर ने विनम्रता से खड़े होकर ही अपनी बात रखने पर जोरदिया। "यह अयोग्य भतीजा यहाँ दो योग्य चाचियों और सम्मानित चचे री बहन से एक कृपा मां गने आया है," उन्होंने मु स्कुराते हुए कहना शु रू किया। फिर उन्होंने बतया कि घर की मालकिन के बीमर होने के कारण उन्हें कितनी शर्मिंदगी हो रही है और उन्होंने पूछा कि क्या मै डम98

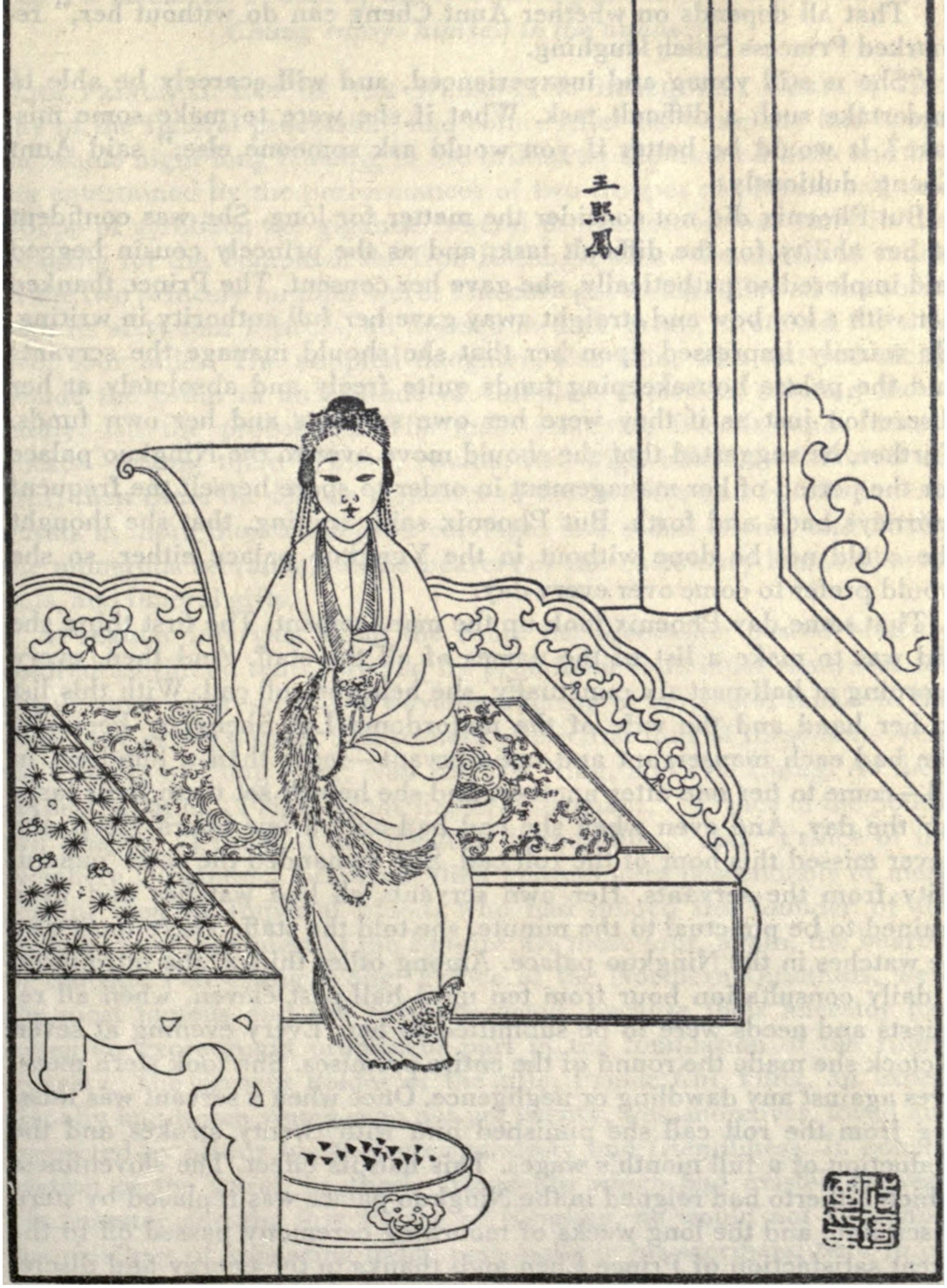
王熙鳳

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.98% है ।

"फीनिक्स शोक के हफ्तों के दौरान घर की मालकिन की भूमिका सं भलने में मदद करने को तैयार होगी। यह सब इस बात पर निर्भर करता है कि चाची चें ग उसके बिना रह सकती हैं या नहीं," राजकु मरी शीह ने हं सते हुए कहा, "वह अभी यु वा और अनु भवहीन है, और शायद ही वह इतना कठिन काम सं भल पाएगी। अगर उससे कोई गलती हो गई तो क्या होगा?" "अगर आप किसी और से पू छें तो बे हतर होगा," आं टी चें ग ने सं दे ह से कहा। लेकिन फीनिक्स ने इस ममले पर ज्यदा दे र विचार नहीं किया। उसे इस कठिन कार्य के लिए अपनी क्षमता पर पू रा भरोसा था, और चूंकि राजकु मर चचे रे भाई ने इतनी दयनीय विनती की, इसलिए उसने अपनी सहमति दे दी। राजकु मर ने झुककर धन्यवाद दिया और तु रं त उसे लिखित में पूर्ण अधिकार दे दिए। उन्होंने उसे समझाया कि उसे नौकरों और महल के गृ ह-गृ हों का प्रबं धन पू री तरह से स्वतं त्र रूप से और अविवे क से करना चाहिए, मानो वे उसके अपने नौकर और अपना धन हों। इसके अलावा, उन्होंने सु झाव दिया कि प्रबं धन की अवधि के लिए उसे बर-बार आने-जाने से बचने के लिए निंगकु ओ महल में चले जाना चाहिए। लेकिन फीनिक्स ने मु स्कुराते हुए कहा कि उसे लगता है कि निंगकु ओ महल में भी उसका काम अधू रा रहे गा, इसलिए वह हर दिन आना पसं द करे गी। उसी दिन फीनिक्स ने प्रबं धन का कार्यभार सं भला। सबसे पहले उसने सभी कर्मचारियों के नमों की सू ची बनाई। और फिर, हर सु बह सढ़े छह बजे, वह हाजिरी ले ती थी। हाथ में सू ची लिए और अपने साथ मु ख्य प्रबं धक लाई शें ग की पत्नी को लिए, वह अपने सभी सौ से अधिक नौकरों और नौकरानियों को एक-एक करके अपने पास बुलाती और स्वयं उन्हें दिन भर के काम सौंपती। यहाँ तक कि जब वह के वल कु छ घं टों की नींद ले ती, तब भी वह हाजिरी का यह समय कभी नहीं चू कती थी। वह नौकरों से भी यही समय की पाबं दी चहती थी। उसने कर्मचारियों से कहा कि उसके अपने सभी नौकरों के पास घड़ियाँ थीं और उन्हें मिनट-दर-मिनट समय का पाबं द रहने का प्रशिक्षण दिया गया था। निंगकु ओ महल में भी घड़ियाँ होनी चहिए। अन्य बातों के अलावा, उसने दस बजे से सढ़े ग्यरह बजे तक दैनिक परामर्श का समय निर्धारित किया, जिसमें सभी अनु रोध और आवश्यकताएँ उसे प्रस्तु त की जानी थीं। प्रत्ये क शम सात बजे वह पू रे परिसर का चक्कर लगाती थी। वह किसी भी प्रकार की सु स्ती या

लापरवाही के विरुद्ध कठोर उपाय करती थी। एक बार जब एक नौकर हाजिरी में अनुपस्थित पाया गया, तो उसने उसे बीस कोड़े दिए और पूरे एक महीने का वेतन काट लिया। इसका असर हुआ। निंगकुओ महल में अब तक व्यप्त लापरवाही समाप्त हो गई। कठोर अनुशासन का पालन किया गया, और शोक समारोह के लंबे सप्ताह राजकुमार चेन की बड़ी संतुष्टि के साथ संपन्न हुए, और फीनिक्स की ऊर्जा और विवेक के कारण, किसी भी प्रकार के रीति-रिवाज या परंपरा का उल्लंघन नहीं हुआ जिससे उपहास या हंसी का कारण बन सकता था।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.61% है ।

अध्याय 12 पू यू की मुलाकात रास्ते में उत्तरी शांति के राजकु मर से होती है। चिन चु ंग नन आश्रम में आनं द मनाता है । सप्तह भर चलने वले अंतिम सं स्कारों का मु ख्य दिन, अर्थात् अं त्येष्टि जुलू स का दिन आ गया था। रात भर जगमगाते हॉलों में दवत और दो कलाकारों और एक कलाबाज मं डली के प्रदर्शनों का आनं द लेने के बाद, विशाल अं त्येष्टि जुलू स सु बह तड़के लौह रेलिंग मंदिर के लिए रवाना हुआ, जहाँ दोनों शही परिवारों के पै तृ क मकबरे थे । गहरे हरे रं ग के वस्त्र पहने चौसठ वाहकों के सथ ताबू त के पीछे चलने वला जुलू स चर मील से अधिक लं ब था। दत्तक पु त्री, पाओ चू, जो पूर्ण निराशा की मुद्रा में तबू त के बगल में लड़खड़ाती हुई लगातार रो रही थी, जुलू स का ने तृ त्व कर रही थी। पुरुष रिश्ते दर, मित्र और अंतिम सं स्कार में शमिल अतिथि—जिनमें राजकु मर, काउं ट और उच्च अधिकारी शामिल थे— पै दल चल रहे थे, फिर परिवार की महिला सदस्य और महिला अतिथि सौ से अधिक रथों और पालकियों में आईं और अं त में असं ख्य से वक और पारं परिक झं डे, प्रतीक और अंतिम सं स्कार के उपहार ले जने वले लोग थे । मर्ग में नियमित अं तराल पर, जुलू स चमकीले रं ग के बड़े तं बू ओं के पास से गु जरा, जिन्हें प्रमु ख शोक सं तप्त व्यक्तियों द्वारा मृ त महिला के गु जरने पर शोक सं गीत की भें ट चढ़ाने के उद्दे श्य से स्थापित किया गया था। इन तं बू ओं में से सबसे पहले चर के स्वमी तु ंगपिंग, नान आन, ह्सी निंग और पे हचिंग के राजकु मर थे । जै सा कि उनकी उपाधियों, "पूर्वी संधि के राजकु मर", "दक्षिणी शांति के राजकु मर", "पश्चिमी शांति के राजकु मर" और "उत्तरी शांति के राजकु मर" से स्पष्ट था, उनके धारक शाही रक्त के गु णी पुरुषों के वं शज थे, जिन्होंने सम्राज्य की विजय में राजवं श के सं स्थापक की सहायता की थी। इन चारों में से, पे हचिंग वां ग, उत्तरी शांति के राजकु मर, की उपाधि धारण करने वले सबसे प्रसिद्ध और सम्मानित थे, क्योंकि उनके पूर्वज ने शसक राजवं श की स्थपना में अत्यं त महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वर्तमान में इस उपधि को धारण करने वले राजकु मर ची यु ंग, जो बीस वर्ष से भी कम आयु के एक असाधारण रूप से सु ंदर यु वक थे, अपनी मनमोहक विनम्रता और मित्रता के कारण सभी के प्रिय और सम्मानित थे । उनके पूर्वज और निंगकु ओ के प्रथम राजकु मर के बीच व्याप्त घनिष्ठ, भाईचारे पूर्ण मित्रता को ध्यान में रखते हुए, उन्हें आज स्वयं

उनके बलि तम्बू में उपस्थित होने केविशेषाधिकार से वंचित नहीं किया गया, ताकि जब उनका ताबूत गुजरे तो दिवंगत महिला को अंतिम सम्मान दे सकें। आज सुबह ग्यारह बजे, हर सुबह की तरह, उन्हें शही महल में लाने वली मुलाकात के तुरंत बाद, वे 101

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.17% है ।

उन्होंने अपने दरबारी वस्त्रों को सफेद शोक वस्त्र से बदल लिया और अपने राजकीय पालकी में बैठकर शोक तम्बू में चले गए। पलकी में आगे-आगे घंटे बजाते हुए लोग चल रहे थे और उनके पीछे उनका औपचारिक छाता और एक विशाल दल था। वहाँ वे धैर्यपूर्वक पालकी में बैठे रहे, जब तक कि निंगकुओ महल से अंतिम संस्कार का जुलूस नहीं आ गया। उनके चारों ओर, चुपचाप प्रतीक्षा करते हुए, उनके सेवकों का दल जमा था, और इसी तरह शाही तम्बू के आसपास जुलूस के मार्ग के दोनों ओर खड़े लोगों में भी सम्मानजनक मौन छाया हुआ था। अंततः उत्तर से घुमावदार मार्ग से, चांदी की धारा की तरह सफेद दिखाई देता हुआ, अंतहीन अंतिम संस्कार का जुलूस आया। धावक और द्वारपाल, जो मार्ग को साफ करने के लिए जुलूस से काफी आगे निकल गए थे, ने इस बीच संदेश भेजा था कि उत्तरी शांति के राजकुमार स्वयं अपने अंतिम संस्कार तम्बू में उपस्थित हैं। राजकुमार चेन ने जुलूस को रोक दिया और राजकुमार शीह और चिया चेंग के साथ, विशिष्ट अतिथि का उनके अंतिम संस्कार तम्बू में स्वागत करने के लिए एक तरफ चले गए। तीनों राजकुमार के सामने घुटने टेककर, उनके पद के अनुरूप विधिपूर्वक प्रणाम करते हुए उन्हें सम्मान दिया। राजकुमार, जो अपनी पालकी में बैठे थे, विनम्रतापूर्वक और स्वाभाविक रूप से मुस्कुराते हुए, बिना किसी बनावट के, मानो अपने पुराने मित्रों के बीच हों, थोड़ा झुककर अभिवादन का उत्तर दिया। राजकुमार चेन ने राजकुमार द्वारा स्वयं उपस्थित होकर दिखाए गए इस अप्रतिम सम्मान के लिए आभार व्यक्त किया। उत्तर में, राजकुमार ने दोनों परिवारों के बीच चली आ रही पुरानी वंशानुगत मित्रता का उल्लेख किया, जिसके कारण उनका आना स्वाभाविक था। फिर उन्होंने अपने समारोह संचालक को मृतक के सम्मान में बलि चढ़ाने का संकेत दिया। समारोह समाप्त होने पर उन्होंने विनम्रतापूर्वक पाओ यू के पिता से पूछा, "वह युवक कहाँ है जो जन्म से ही रत्न लिए हुए था? मेरी बहुत इच्छा है कि मैं उससे मिलूँ। क्या आप कृपया उसे यहाँ आने के लिए कहेंगे?" चिया चेंग जल्दी से अंतिम संस्कार जुलूस में वापस चली गई और तुरंत पाओ यू के साथ लौट आई। पाओ यू की भी उस राजकुमार से मिलने की बहुत इच्छा थी, जिसके बारे में लोग हमेशा बड़े उत्साह से कहते थे कि वह बाहरी सुंदरता, आत्मा की महानता और सहज एवं दयालु स्वभाव का उत्कृष्ट

संगम है ।लेकिन उसके सख्त पिता द्वारा उस पर लगाए गए आवागमन की पूर्ण स्वतंत्रत के प्रतिबंध के कारण यह अब तक असंभव थ। इसलिए जब आज रास्ते में उसकी यह दिली इच्छा अचानक पूरी हुई तो वह अत्यंत प्रसन्न हुआ। उत्सुकता से तंबू में प्रवेश करते ही उसने आपनों स पालकी पर विराजमान राजकुमर की ओर देख, जो भव्य और गरिमामय था। उसने राजकुमरों द्वारा पहनी जाने वली सफेद झलरों वाली चांदी के पंखों वाली टोपी पहन रखी थी। उसका सफेद, प्लीटेड शोक वस्त्र पंच पंजों वाले ड्रैगन की कढ़ाई से सज था, और उसने 102

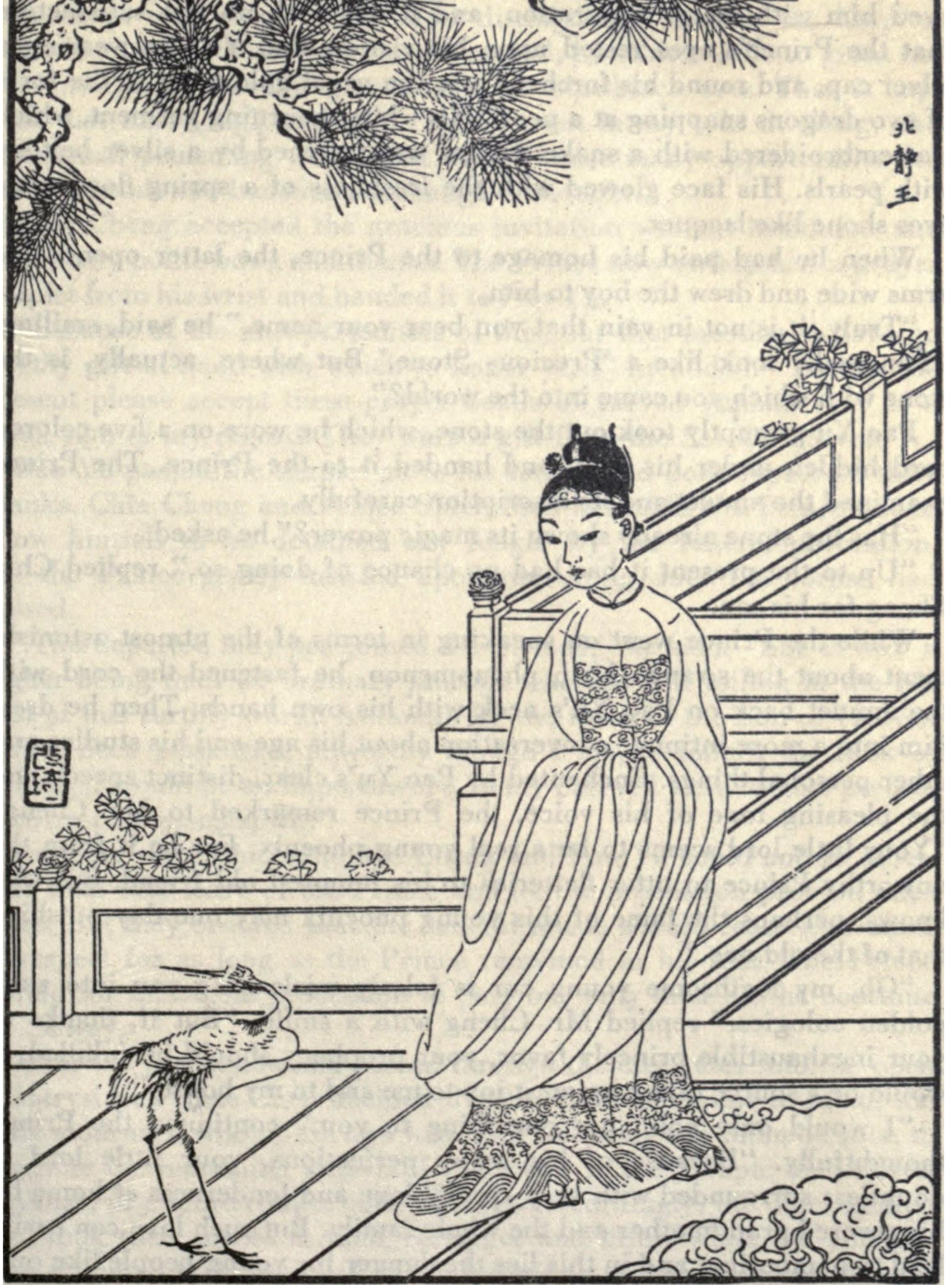
北靜王

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.18% है।

पन्ना जड़े लाल चमड़े के बेल्ट में पाओ यू ने एक रत्न की तरह चेहरा बना रखा था, उसकी आँखें चमकते तारों जैसी थीं, और उसके पूरे शरीर से सुंदरता झलक रही थी। पाओ यू ने उसे गुप्त प्रशंसा से देखा, और राजकुमर की दृष्टि भी अपने आगंतुक पर उतनी ही संतुष्टि से टिकी थी। पाओ यू ने चांदी की टोपी पहन रखी थी, और उसके माथे पर मोती पर झपट्टा मारते दो अजगरों के आकार का सोने का पट्टा था। उसके सफेद शोक वस्त्र पर सांप की कढ़ाई थी, और वह मोतियों से जड़े चांदी के बेल्ट से बंधा हुआ था। उसका चेहरा वसंत के फूल की ताजगी से दमक रहा था, उसकी आँखें वार्निश की तरह चमक रही थीं। जब उसने राजकुमर को प्रणाम किया, तो राजकुमर ने अपनी बहें फैलाकर लड़के को गले लगा लिया। मुस्कुराते हुए उन्होंने कहा, "सचमुच, तुम्हारा नाम व्यर्थ नहीं है। तुम सचमुच 'कीमती पत्थर' जैसे दिखते हो। लेकिन वास्तव में, वह पत्थर कहाँ है जिसके साथ तुम इस दुनिया में आए हो?" पाओ यू ने तुरंत वह पत्थर निकाला, जिसे उसने अपने कोट के नीचे छिपी पांच रंगों की डोरी में बांध रख था, और राजकुमर को दे दिया। राजकुमर ने तबीज और उस पर लिखे शिलालेख का ध्यानपूर्वक अध्ययन किया। उन्होंने पूछा, "क्या इस पत्थर ने अपनी जादुई शक्ति का प्रदर्शन कर दिया है?" चिया चेंग ने अपने बेटे की ओर से उत्तर दिया, "अभी तक तो ऐसा संभव नहीं हो पया है।" राजकुमर इस विचित्र जन्म घटना पर अत्यंत आश्चर्य व्यक्त करते हुए बोल रहे थे, तभी उन्होंने अपने हाथों से तबीज वाली डोरी को पाओ यू के गले में कसकर बांध दिया। फिर उन्होंने पओ यू से उसकी उम्र, पढ़ाई और अन्य निजी बातों के बरे में अंतरंग बातचीत शुरू की। पओ यू की स्पष्ट और सुस्पष्ट वाणी और मधुर स्वर से मुग्ध होकर राजकुमर ने श्री चेंग से कहा, "आपका छोटा स्वामी सचमुच एक युवा फीनिक्स की तरह है। एक अयोग्य राजकुमर के लिए अपने सम्मनित पुराने मित्र की चापलूसी करन उचित नहीं है, लेकिन कौन जानता है, शायद एक दिन इस युव फीनिक्स की प्रसिद्धि पुराने फीनिक्स की प्रसिद्धि को भी पीछे छोड़ दे।" "ओह, मेरा वह घिनौना नौजवान आपको झूठी प्रशंसाओं में उलझा रहा है," श्री चेंग ने मुस्कुराते हुए उत्तर दिया। "लेकिन अगर आपकी असीम कृपा से आपकी भविष्यवाणी पूरी हो जती है, तो यह मेरे और मेरे परिवार के लिए सबसे बड़ी खुशी का स्रोत होगा।" "मैं आपको केवल एक बात बताना

चाहता हूँ," राजकुमर ने विचारपूर्वक आगे कहा। "अपने अनेक गुणों के कारण, आपके नन्हे स्वामी को निस्संदेह घर पर उनकी आदरणीय दादी और पूरे परिवार द्वारा विशेष प्रेम और स्नेह प्राप्त है। लेकिन ऐसा प्रेम आसनी से दुलार में बदल सकता है, और इसी में हम जैसे युवाओं के लिए खतरा निहित है कि एक अच्छी शिक्षा भी पूरी तरह व्यर्थ हो सकती है। मैं यह अपने अनुभव से जानता हूँ, और मुझेलगता है कि आपके नन्हे स्वामी के साथ भी ऐसा ही हो सकता है। यदि, जैसा कि मेरा मानना है, आपके नन्हे स्वामी को घर पर उनकी क्षमताओं के पूर्ण विकास में बधा आ रही है, तो इसमें कोई संदेह नहीं है।

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.21% है।

मैं उसे अपने ठंडे घर में बार-बार आने से रोकना चाहता हूँ। सच है, मैं स्वयं तो निष्कलंक और गुणहीन हूँ लेकिन मुझे साम्राज्य के कई प्रतिष्ठित व्यक्तियों से परिचित होने का सौभाग्य प्राप्त है, और जब उनमें से कोई राजधानी आता है, तो वह अपनी नीली-काली आँखों से मुझे एक कृपा दृष्टि देने से शायद ही कभी चूकता है। इस प्रकार, मेरे ठंडे निवास में कई उच्च और महान आत्माओं का मिलन होता है, और आपके छोटे राजकुमर को मेरे घर में विचारों के लाभकारी और लाभदायक आदान-प्रदान के कई अवसर मिलेंगे"। चिया चेंग ने बिना किसी संकोच के और कई बार विनम्रतापूर्वक झुककर धन्यवाद देते हुए इस विनम्र निमंत्रण को स्वीकार कर लिया। राजकुमर ने अब अपनी कलाई से एक मला उतारी और उसे पओ यू को सौंप दी। "हमरी इस पहली मुलाकात की अप्रत्याशितता के कारण, मेरे पास युक को सम्मान करने केलिए कोई योग्य उपहार नहीं है," उन्होंने आगे कहा "लेकिन अभी के लिए, कृपय नक्काशीदार युन्नन जड़ की इन प्रार्थना मालाओं को मेरे आदर के एक छोटे से प्रतीक के रूप में स्वीकार करें।" ये स्वर्ग के पुत्र का उपहार थे।" पओ यू ने माला अपने पिता को सौंप दी और दोनों ने आभर व्यक्त किया। चिया चेंग और राजकुमर शीह ने राजकुमर से विनती की कि वे अंतिम संस्कार जुलूस में और अधिक समय तक न रुकें, लेकिन राजकुमर ने विनम्रतापूर्वक शव के गुजरने तक वहीं रहने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, "दिवंगत महिला अब धन्य लोगों में शमिल हो गई हैं। वे अब हम जैसे साधारण मनुष्यों से कहीं अधिक उच्च कोटि की हस्ती हैं, जो अभी भी इस नश्वर संसर की लाल धूल में परिश्रम कर रहे हैं।" यद्यपि स्वर्ग के पुत्र की कृपा से मुझे अयोग्य होते हुए भी, राजकुमर का पद प्राप्त करने की अनुमति मिली है, फिर भी यदि मैं किसी पूजनीय आत्म से ऊपर उठूँ तो यह मेरी ओर से गुस्ताखी होगी। अतः राजकुमर शीह, श्री चेंग और पओ यू के पास राजकुमर से विदा लेने और जुलूस को आगे बढ़ने देने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। लेकिन उन्होंने आदेश दिया कि जब तक राजकुमर अपने तम्बू में रहें, सम्मान के प्रतीक के रूप में अंतिम संस्कार का संगीत बंद कर दिया जाए। राजकुमर ने पूरे जुलूस के गुजरने का इंतजार किया; उसके बद ही वे अपने रास्ते पर आगे बढ़े। जुलूस के शहर के द्वारों से होकर खुले मैदान में पहुँचने के बाद, राजकुमर चेन ने निर्णय लिया

कि अब समय आ गया है कि उन पुरुष शोक संतप्तों को, जो अब तक ताबूत के पीछे पैदल चल रहे थे, शेष मार्ग, लौह रेलिंग मंदिर तक, अधिक आरामदायक तरीके से तय करने के लिए आमंत्रित किया जाए। तदनुसार, वृद्ध सज्जनों ने अपनी-अपनी गाड़ियों और पालकियों में स्थान ग्रहण किया, जबकि युवा अपने घोड़ों पर सवार हो गए। पाओयू भी अपने घोड़े पर सवार होना चाहता था, लेकिन मैडम ने मना कर दिया। फीनिक्स को डर था कि शहर से बाहर निकलने के बाद वह अधिक स्वतंत्रता और निगरानी की कमी का फायदा उठाकर तरह-तरह की शरारतें करेगा, इसलिए उसने उसे अपनी गाड़ी में बैठने के लिए कहा। "आओ, प्यारे चचेरे भाई, बैठ जाओ," उसने मुस्कुराते हुए उसका स्वागत किया। "मुझे पता है 105

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.35% है।

आपको हमेशा नारीवादी समाज पसंद आता है। इसलिए आप मेरी गाड़ी में और मेरे साथ उन घोड़ों पर सवार बंदरों की संगति से कहीं अधिक आरामदायक महसूस करेंगे" पाओ यू आज्ञाकारी रूप से अपने घोड़े से उतरा और उसकी गाड़ी में बैठ गया, और दोनों आनंदपूर्वक बातें करते हुए आगे बढ़ गए। थोड़ी देर बाद दो नौकर घोड़े पर सवार होकर सरपट दौड़ते हुए आए और मैडम फीनिक्स को बताया कि जुलूस विश्राम स्थल के पास पहुँच रहा है। क्या नाई नाई थोड़ी देर आराम करना और अपने कपड़े बदलना नहीं चाहेंगी? मैडम फीनिक्स मान गईं और अपनी गाड़ी को उन दोनों मार्गदर्शकों के पीछे चलाने का आदेश दिया, जो राजमार्ग से हटकर खुले ग्रामीण इलाके में चले गए। पाओ यू की इच्छा पर, उसका मित्र चिन चुंग भी घोड़े पर सवार होकर उनके साथ शामिल हो गया। थोड़ी दूर चलने के बाद वे एक फार्महाउस के सामने पहुँचे। यह कुछ कमरों वाला एक छोटा सा साधारण सा घर था जिसमें एक बड़ा परिवार एक साथ ठसाठस रहता था। जब साधारण लोगों ने भव्य गाड़ी को उसके सुरुचिपूर्ण ढंग से सजे हुए घोड़ियों और नौकरों के विशाल दल के साथ देखा, तो वे आश्चर्य से खड़े रह गए मानो यह कोई दिव्य दर्शन हो। मैडम फीनिक्स गाड़ी से उतरीं और घास-फूस की झोपड़ी में चली गईं। उन्होंने पहले ही पाओ यू से कहा था कि वह अपने दोस्त के साथ थोड़ी देर खेत का मुआयना कर लें और थोड़ी देर बाद उनके पीछे आ जाएँ। पाओ यू इशारा समझ गए और चिन चुंग के साथ खेत का मुआयना करने निकल पड़े। उन्होंने पहले कभी खेती के ये औज़ार नहीं देखे थे। उन्हें इनके नाम तक नहीं पता थे, इसलिए उन्हें अपने साथ आए नौकरों से इनके इस्तेमाल और उद्देश्य के बारे में पूछना पड़ा। जब उन्हें बताया गया, तो वे वहाँ सीखी जा रही नई-नई चीज़ों की संख्या देखकर आश्चर्यचकित रह गए। उन्होंने सोच-विचार करते हुए कहा, "अब जाकर मुझे उस पुरानी कहावत का मतलब समझ आया है कि थाली में रखे चावल, जिसका हर दाना अथक परिश्रम और मेहनत का नतीजा होता है।" अपने मुआयने के दौरान वे एक कमरे में पहुँचे जहाँ उन्होंने चबूतरे पर एक अजीब सा औज़ार पड़ा देखा, जो उन्हें बाकी औज़ारों से भी ज़्यादा अनोखा लगा। उन्हें बताया गया कि यह एक चरखा है जिससे धागा बनाया जाता है, जिसे बाद में कपड़े में बुना जाता है। जोश से भरे पाओ यू चबूतरे पर चढ़ गए और उसे शुरु कर दिया। चरखा

घु मते हुए।लगभग सत्रह साल की एक किसान लड़की आई और उसे रोकदिया। "यह खेलने के लिए नहीं है!" उसने कहा। "तु म इसे खराब कर दोगे!" पाओ यू तु रं त रुक गया। "मैं ने पहली बार चरखा दे ख है," उसने कु छ शर्मिंदगी के सथ माफी मां गते हुए कहा, "और मैं इसेसिर्फ मजे के लिए आजमाना चाहता था।" 106

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.15% है।

“तुम्हें इसे चलाना नहीं आता, लेकिन अगर तुम चाहो तो मैं तुम्हें सिखा दूँगी,” लड़की ने प्यार से कहा। “यह तो वाकई दिलचस्प होता जा रहा है,” चिन चुंग ने पाओ यू के कान में फुसफुसाते हुए कहा और साथ ही उसकी आस्तीन खींच ली। “बकवास बंद करो वरना हम आपस में लड़ पड़ेंगे,” पाओ यू ने मज़ाकिया अंदाज़ में जवाब दिया और उसे एक थप्पड़ मार दिया। वह भी उस सुंदर लड़की को निहार रहा था, जिसने इस बीच चरखा चला दिया था और अपनी कुशल उंगलियों से तैयार धागे को समेट रही थी। पाओ यू ने सोचा कि उसने कई दिनों से ऐसा मनमोहक दृश्य नहीं देखा था और वह उस सुंदर कुंवारी लड़की से अपनी नज़रें नहीं हटा पा रहा था। लेकिन अफसोस, उनकी खुशी एक बूढ़ी औरत की आवाज़ से बीच में ही टूट गई, जो खेत के दूसरी तरफ से पुकार रही थी। पलक झपकते ही वह सुंदर लड़की चरखे से नीचे कूदी और कमरे से बाहर भाग गई। पाओ यू निराश होकर उसे देखता रहा, फिर फीनिक्स द्वारा भेजे गए नौकर के साथ फार्महाउस लौट गया, ताकि मेहमानों के लिए तैयार किए गए सादे नाश्ते में शामिल हो सके। भोजन के बदले में फीनिक्स ने नौकर वांग के माध्यम से टूटे हुए चांदी के छोटे-छोटे पैकेट बाँट दिए, जिसके बाद सभी लोग गाड़ी में बैठकर अंतिम संस्कार के जुलूस में शामिल होने के लिए चल पड़े। उनके प्रस्थान के समय उनकी गाड़ी को छोटे-बड़े सभी किसानों ने घेर लिया, लेकिन पाओ यू ने चरखे पर काम करने वाली उस सुंदर लड़की को भीड़ में व्यर्थ ही ढूँढा। फिर भी, गाड़ी थोड़ी दूर जाने पर उसे वह फिर से दिखाई दी। कुछ गाँव के बच्चों से घिरी हुई, वह विपरीत दिशा से बड़बड़ाती और हँसती हुई उनकी ओर आ रही थी, और अपनी बाहों में एक छोटे लड़के को लिए हुए थी, जो शायद उसका छोटा भाई था। पाओ यू ने उसे स्नेह से देखा। दुर्भाग्य से, गाड़ी पहले ही तेज़ गति पकड़ चुकी थी और हवा से भागते बादल की तरह तेज़ी से समूह के पास से गुज़र गई। जब पाओ यू ने एक बार फिर पीछे मुड़कर देखा, तब तक वह लड़की नज़रों से ओझल हो चुकी थी। दोपहर होते-होते जुलूस अपने गंतव्य लौह रेलिंग मंदिर, पहुँच गया। मंदिर के सामने सड़क के दोनों ओर दो पंक्तियों में खड़े भिक्षुओं ने ढोल, झांझ, झंडे और पताकाओं से जुलूस का स्वागत किया। मंदिर में मृतक के लिए एक और बौद्ध प्रार्थना सभा आयोजित की गई, बलि चढ़ाई गई और अगरबत्ती जलाई गई, जिसके बाद

ताबू त को भीतरी हॉल के एक कक्ष में रखा गया। मृ तक की दत्तक पु त्री पाओ चू, भी अपने बिस्तर के समान के सथ उसी कक्ष में चली गई, जहाँ वह अंतिम सं स्कार तक अगली तीन रातें बिताने वाली थी। दोपहर के दौरान अधिकां श अंतिम सं स्कार में आए अतिथि विदा होकर शहर लौट गए। के वल कु छ करीबी रिश्ते दार ही रुके रहे, और उन्होंने अगले तीन दिनों के लिए मंदिर में ही अपन डे रा डाला।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.32% है ।

अंतिम सं स्कार तक। राजकु मरी शीह और मै डम चें ग भी उसी दिन घर लौट आईं। वे पओ यू को अपने सथ ले जना चाहती थीं, लेकिन पाओ यू को दे श में इस अप्रत्याशित प्रवास से इतनी प्रसन्नता हुई कि उन्होंने फीनिक्स के सथ अंतिम सं स्कार की रस्मों के अं त तक वहीं रहने की अनु मति प्राप्त कर ली। लौह रेलिंग मंदिर का निर्माण बहुत पहले निंगकु ओ और यु ंगकु ओ वं शों के दो पूर्वजों द्वारा किया गया था, और इसे दोनों परिवारों के उन सभी सदस्यों केलिए वं शनु गत दफन स्थान के रूप मेंनिर्धारित किया गया था जिनकी मृ त्यु राजधानी में होती। इसका रखरखाव उस सं पत्ति की आय से किया जाता था जो मंदिर की भूमि के अतिरिक्त मंदिर को दान में दी गई थी। इस मठ की कृषि भूमि से प्रप्त समृ द्ध राजस्व के कारण, मंदिर का रखरखाव सर्वोत्तम तरीके से किया जाता था, और वर्तमान जै से अवसरों पर अंतिम सं स्कार में आए मे हमानों के लिए पर्याप्त भोजन और उपयुक्त आवास की कमी नहीं होती थी। हालांकि, फीनिक्स ने अंतिम सं स्कार तक की तीन रातें लौह रेलिंग मंदिर से कु छ ही दूरी पर स्थित एक नन आश्रम में बिताने को प्रथमिकता दी। तदनु सर, मंदिर के भिक्षुओं द्वारा अपने पु रोहितीय कर्तव्यों को पू रा करने और अधिकां श अंतिम सं स्कार के मे हमानों के विदाई दे ने के बाद, वह पाओ यू औरचिन चु ंग के साथ जलमयी चंद्रमा के मठ में गईं। यह मठ आसपास के ग्रमीण लोगों के बीच"रोटी मठ" के नम से भी जना जाता था, क्योंकि यहाँ एक बे करी थी जो बे हतरीन रोटी बनाती थी। मठाध्यक्षा ने दो यु वा भिक्षुणियों के सथ मठ के द्वार पर मे हमनों का स्वागत किया और उन्हें उनके कक्षों तक ले गईं। फिर, जब फीनिक्स और मठाध्यक्षा चाय की एक कटोरी के सथ लं बी बतचीत के लिए बै ठ गईं, तो पाओ यू और चिन चु ंग ने आं गनों और हॉल में टहलते हुए और मठ के अं दरूनी हिस्से का निरीक्षण करते हुए समय बिताया। "दे खो, ची नें ग ज रही है," पाओ यू ने अचानक अपने सथी को कोहनी मारते हुए कहा। ची नें ग उन दो यु वा भिक्षुणियों में से एक थी जिन्होंने कु छ दे र पहले उनका स्वागत किया था। "हाँ, लेकिन उसका क्या?" चिन चु ंग ने बनावटी उदासीनता से उत्तर दिया। "इतने पखं डी मत बनो," पाओ यू ने हं सते हुए कहा "दादी के कमरे में एक बार जब कोई नहीं दे ख रहा था, तो किसने उसे इतने प्यर से गले लगाया था?" "ऐसा करने का ख्याल तो मे रे मन में कभी नहीं आया!" चिन चु ंग

ने शर्मिंदा होकर जवाब दिया। “ठीक है, मैं दखल नहीं दूंगा। लेकिन क्या आप उससे बात करके हमारे लिए चाय लाने को कहेंगे?” चिन चुंग ने वैसा ही किया जैसा उसे कहा गया था। “छोटी नेंग,” उसने पुकारा, “कृपा करके हमारे लिए चाय ले आओ।” बचपन से ही छोटी ची नेंग मठ से संदेश लेकर अक्सर युंगकुओ महल आती-जाती रहती थी। महल में हर कोई उसे जानता था, और पाओ यू और चिन चुंग ने कई बार एक-दूसरे को देखा था और कई बार बातचीत की थी।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल.50% है ।

Q "W£cSJ2% J& . ^-^/r^^L /•

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.11% है ।

उसके सथ मजाक करो। अब वह एक परिपक्व यु वती बन चु की थी और धीरे-धीरे पवन और चंद्र चक्र के प्रति जागरूक हो गई थी। सु ंदर और चंचल चिन चु ंग ने उसका दिल जीत लिया था, और वह भी उस मनमोहक लड़की को बहुत पसं द करने लगा था। सच है, उन्हें अभी तक अं तरं गता का अवसर नहीं मिला था, लेकिन अपने दिलों में वे लं बे समय से एक दूसरे से जु ड़े हुए थे । इसलिए, ची नें ग रसोई में दौड़ी और थोड़ी दे र बद, एक हाथ में चय का बर्तन और दूसरे हाथ में के क की थाली लिए, उन दोनों लड़कों के कमरे में आई। दोनों ने एक साथ अपने चय के प्याले उसकी ओर बढ़ाए। "पहले मु झे दीजिए, कृ पय!" चिन चु ंग ने विनती की। "नहीं, पहले मु झे!" पाओ यू ने गिड़गिड़ाया। "चाय के प्याले के लिए इतनी लड़ाई!" उसने अपने होंठों पर एक शरारती मु स्कान के साथ कहा। "तु म सचमु च ऐसे व्यवहार कर रहे हो जै से मे रे थाल से शहद चटना हो।" अं त में पाओ यू को अपन प्याला पहले भरवने में सफलता मिली। पे य की चु स्की ले ते हुए, उसने ची नें ग से बातचीत शु रु करने की कोशिश की, लेकिन दुर्भाग्य से एक और नन आ गई और उसे अपने साथ ले गई। है रानी की बात यह थी कि उसके जते ही दोनों लड़कों को चाय और के क खने की इच्छा ही नहीं रही, और दोनों को लगभग बिना छुए ही वे नई खोजों के लिए निकल पड़े । जब फीनिक्स शाम को अपने "पवित्रता के कक्ष" में सोने गई, तो उसके सथ आई मठाध्यक्षा ने दे खा कि वहाँ के वल कु छ भरोसे मं द नौकरानियाँ ही थीं, तो उसने एक निजी अनु रोध का विषय उठाया। उसने कहा, "मे रे मन में कु छ है, जिसके बरे में मैं तुम्हारी चाची, ताई ताई चें ग से बात करना चाहती हूँ, लेकिन पहले मैं तु म्हारी सलाह ले न चाहूँ गी।" फीनिक्स ने उत्तर दिया, "कृ पय खुलकर बताइए कि क्या बात है ।" मठाध्यक्षा ने कहा, "हे भगवन! मु झे तो बहुत पीछे से शु रु करना पड़े ग।" फिर उन्होंने आगे कहा: “आपको याद होगा कि इस मठ का कार्यभार सं भलने से पहले, मैं चं ग आन जिले के गु ड वर्क्स मठ की मठाध्यक्षा थी। उस मठ के एक धनी सं रक्षक, श्री चां ग, हर साल अपने परिवार के साथ मठ में आकर श्रद्धापूर्वक बलि चढ़ाते और धू प जलाते थे । उनकी एक बे टी है, जिसका नाम किंग कु ओ है । इन्हीं यात्राओं में से एक के दौरान, चां ग आन के प्रीफे क्ट के बहनोई, युवा श्री ली भी हमारे सथ ठहरे हुए थे, और उन्होंने यु वती किंग कु ओ को दे खा। उन्हें पहली ही नज़र में उनसे प्रे म हो

गया और उन्होंने उनसेविवाह करने कीज़िद की, लेकिन जब उन्होंने अपने मध्यस्थों को श्री चांग के घर भे ज, तो उन्हें यह जनकर बहुत दुख हुआ कि किंग कु ओ की सगई चां ग आन के नगर कमांडर के पु त्र से हो चु की है । इसलिए श्री चां ग के पास यु व श्री ली के प्रस्तव को अस्वीकार करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। “लेकिन यु व ली ने हार नहीं मानी और उन्होंने 110

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.13% है ।

ली ने अपन इरादा पक्का कर लिया। श्री चां ग, जो शक्तिशाली प्रीफे क्ट के परिवार से किसी भी तरह का झगड़ा नहीं करना चाहते थे, बे हद शर्मिंदा हुए और ली की इच्छा के आगे झुकने को तै यार हो गए। दुर्भाग्य से, शहर के कमां डें ट को जब युवा ली के इरादों का पता चला, तो वे गु स्से में श्री चां ग के पास पहुं चे और खू ब हंगामा किया। उन्होंने गरजते हुए कहा, "अगर कोई यु वती एक ही समय में कई सगाई कर ले तो यह बहुत अच्छी बत है ।" उनका इरादा पहली सगाई तोड़ने और लड़की को छोड़ने का बिल्कुल नहीं था, और वे कानू नी रास्ता अपनाएं गे । उन्होंने वास्तव में शदी के वादे को पूरा करवाने के लिए श्री चां ग के खिलाफ मु कदम दायर कर दिया। श्री चां ग, जो पहली सगाई से पू री तरह से छुटकारा पाना चाहते थे, अपनी दुविधा ले कर मे रे पास आए और मु झसे अनु रोध किया कि मैं उनके लिए राजधानी में कोई प्रभवशाली वकील ढूं ढूं चाहे इसके लिए उन्हें कितनी भी कीमत चु कानी पड़े । अब, चूं कि मैं उस समय वहां की मठाध्यक्षा थी, इसलिए मु झे लगता है कि यु व ली और मिस किंग कु ओ की मुलाकात मठ में होने के लिए मैं ही मु ख्य रूप से जिम्मे दार हूं, और पु राने समय के कारण मैं श्री चं ग की ऋणी भी हूं । इसलिए, मैं उनके अनु रोध को अस्वीकार नहीं कर सकी और मैं ने उनसे वादा किया कि मैं उनके लिए अपनी पू री कोशिश करूं गी। "इस उद्दे श्य के लिए मे रा इरादा आपकी चाची के सहयोग का लाभ उठाने का था। जहां तक मु झे पता है, चां गआन के मार्शल यु न क्वं ग आपके परिवार के अच्छे मित्र हैं, और यदि आपकी चाची अपने पति से मर्शल को हस्तक्षे प करने का अनु रोध करते हुए पत्र लिखवाएं, तो मु झे इसमें कोई सं दे ह नहीं है कि नगर कमां डें ट अपने अधिकारी, मार्शल के दबव में आ जएं गे । यदि आपकी चाची इस मामले को उठाने के लिए तै यार हों, तो श्री चां ग कोई भी अर्थिक त्याग करने को तै यार हैं, भले ही इससे वे दिवालिया हो जाएं ।" फीनिक्स ने ध्यन से सु ना। "मामले में वै से तो कोई कठिनाई नहीं है," उसने मु स्कुराते हुए कहा, "लेकिन हाल ही में मे री चाची ने इस तरह के अनु रोधों और मध्यस्थता के कार्यों में रुचि नहीं दिखाई है ।" "ओह, लेकिन क्या आप स्वयं इस ममले को नहीं उठा सकते, आदरणीय नाई नाई?" "मु झे पै सों में कोई दिलचस्पी नहीं है, और वै से भी मैं ऐसे लेन-दे न में शमिल नहीं होता," फीनिक्स ने निराशाजनक ढं ग से कहा। लेकिन मठाधिपिका इस सौदे से

मिलने वले व्यक्तिगत लाभ को इतनी आसानी से हाथ से जने नहीं देना चाहती थी। उसने फीनिक्स को मनाने केलिए एक और तर्क खोजने की पुरजोर कोशिश की। आखिरकार उसे वह मिल गया। एक आह भरते हुए उसने आगे कहा, "श्रीमान, चांग पहले से ही जानता है कि मैं आपके महल में उसकेलिए प्रभाव हासिल करना चाहती थी। अगर मेरे प्रयास व्यर्थ गए तो वह क्या सोचेग? उसे यह ख्याल ही नहीं आएगा कि आप सिद्धांत के तौर पर ऐसे लेने-देन से दूर रहते हैं और धन-दौलत को तुच्छ समझते हैं। इसके विपरीत, वह सोचेग कि आपका परिवार इतना शक्तिहीन और प्रभावहीन है कि वह इस तरह के ममूली मामले को भी नहीं निपटा सकता।"

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 89.04% है ।

यह तर्क कारगर साबित हुआ। फीनिक्स को लगा कि उसके परिवार की प्रतिष्ठा पर हमला हुआ है, और उसने इसे अपनी तटस्थता का रवै य छोड़ने का एक सुविधाजनक बहाना समझ लिया। वास्तव में, उसे थोड़े से आर्थिक लाभ से कोई घृ णा नहीं थी। "ओह, आप मु झे काफी समय से जानते हैं," उसने तीखे स्वर में कहा, "और आपको यह अवश्य ही पता होना चाहिए कि जब अपनी बात मनवाने की बत आती है, तो मैं शै तान और उसके दरबर से भी नहीं डरती। इसलिए, श्री चां ग तीन हजार औंस चां दी लाएँ और मैं उनके लिए मामला सुलझा दूं गी।" "बहुत बढ़िया, अगर बस यही चाहिए!" मठाध्यक्षा प्रसन्न होकर बोलीं। "लेकिन उन्हें एक पल के लिए भी यह नहीं सोचना चाहिए कि मैं उनके पै से के लिए उनकी मदद कर रही हूँ," फीनिक्स ने आगे कहा। "पै से के लिए अजीब, जिद्दी बैलों को लगाम से खींचना! यह काम मैं दूसरों पर छोड़ना पसं द करती हूँ । मु झे उन तीन हज़ार औंस 'चां दी की ज़रूरत सिर्फ़ अपने दूतों के खर्चे के लिए है, ताकि उन्हें उनकी मे हनत और इधर-उधर भागदौड़ के लिए थोड़ा सा इनाम मिल सके । मैं अपने लिए एक भी तां बे का सिक्का नहीं मां गती। इस समय मे रे पास दस गु न ज़्यादा - लगभग तीस हज़ार औंस चां दी- है, और वह भी अतिरिक्त, इसलिए मु झे पै से की कोई ज़रूरत नहीं है।" "जी हाँ, बिल्कुल। और क्या हम भरोसा कर सकते हैं कि दयालु ननी (मठ) समय बर्बाद नहीं करें गी, बल्कि कल ही अपना वादा पू रा करने के लिए तु रं त काम पर लग जाएँ गी?" "आप खु द दे ख सकती हैं, मु झे यकीन है कि मैं कितनी व्यस्त हूँ, और कै से हर कोई मे री तरफ दे ख रहा है ।लेकिन चूंकि मैं ने अपना वचन दिया है, तो आप मु झ पर भरोस कर सकती हैं कि मैं इसे तु रं त पूरा करूँ गी।" "अच्छा। अब मे रा मन शां त है । और चूकि मु झे पता है कि मामला अब आपके हाथों में है, मु झे इसके सफल परिणाम पर कोई सं दे ह नहीं है," मठाधिपिका ने चपलू सी की। "आप जै सी चतु र और ऊर्जावान महिला को सफलता इतनी आसानी से मिल जाती है । उसे बस एक पलक झपकाने की ज़रूरत होती है ।" इस तरह की प्रशं स से फीनिक्स प्रसन्न हुई, और हालांकि वह थकी हुई थी, फिर भी वह कु छ दे र और मठाध्यक्षा से गं भीरता से बतें करती रही। इस बीच पओ यू और चिन चु ं ग ने अपने खाली समय का सदुपयोग करते हुए मठ का अच्छी तरह निरीक्षण किया और उसके विभिन्न कमरों को बारीकी

से देखा। इसलिए, जब शाम ढलने लगी, तो चिन चुंग को सिस्टर ची नेंग के कमरे तक चुपके से पहुँचने में कोई कठिनाई नहीं हुई। और वह भाग्यशाली भी था। वह अकेली थी, एक दीपक की रोशनी में चय के बर्तन धो रही थी। बिना देर किए उसने उसे अपनी बाहों में भर लिया और पूरी ताकत से गले लगाया और चूमा। पहले तो उस नन्ही सी बच्ची ने ज़ोरदार विरोध किया और खुद को छुड़ाने की कोशिश में पैर पटके और लात मारी। "तुम्हारा क्या मतलब है?" वह चिल्लाई। "मैं चीख दूँगी" लेकिन वह नहीं चीखी। "प्रिय, मैं तुम्हारे लिए तड़प-तड़प कर मर रहा हूँ!" उसने विनती की। "और अगर तुम मेरी बात नहीं मानोगी तो मैं यहीं मर जाऊँगा।" "तुम क्या सोच रहे हो? इस तंग कॉन्वेंट कोठरी में, जहाँ 112

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.16% है ।

हमें किसी भी क्षण आश्चर्य हो सकता है? यहाँ ऐसा नहीं चलेगा! जब तक मैं इससे बाहर निकलकर मुक्त नहीं हो जाती, तब तक धैर्य रखो," उसने फुसफुसाते हुए कहा। "यह मेरी तीव्र इच्छा के लिए कोई सांत्वना नहीं है।" "मेरी जैसी आग को तुरंत बुझाना होगा," वह कराह उठा। और उसने पहले ही दीपक बुझ दिया था, जिससे कमरा घोर अंधेरे में डूब गया था। अब वह ज्यादा विरोध नहीं कर रही थी, बल्कि उसे उठाकर अपने कांग तक ले जाने दिया। सच है, उसने थोड़ा संघर्ष किया, झुकी और डगमगाई, लेकिन वह चिल्लाई नहीं, और उसने उसे अपनी मनमर्जी करने दी। वह पूरे जोश में था, और बादल बारिश बरसाने ही वाले थे, तभी अचानक! दंपति ने खुद को एक अनजान हाथ से जकड़ा हुआ महसूस किया और अलग कर दिया। जो भी था, वह चुपके से और बिना किसी को पता चले अंदर घुस आया था। प्रेमियों के दिल डर से लगभग रुक गए थे। घुसपैठिए ने अब दबी हुई हंसी से अपनी पहचान उजागर कर दी। वह पाओ यू था। चिन चुंग उछल पड़ा। "इसका क्या मतलब है?" वह गुस्से से चिल्लाया। "मुझे भी अपने मजे में शामिल करो।" “अगर तुमने ऐसा नहीं किया, तो मैं शोर मचा दूँगा,” पाओ यू ने हंसते हुए धमकी दी। लेकिन डरी हुई ची नेंग अंधेरे का फायदा उठाकर अपनी कोठरी से भाग चुकी थी। पाओ यू अपने दोस्त को भी कमरे से बाहर खींच लाया। “अब हम दोनों में से कौन ज़्यादा ताकतवर है?” उसने मज़ाक में पूछा। “ठीक है, भविष्य में तुम जितना चाहो हमारे खेल में शामिल हो सकते हो,” दूसरे ने तुरंत शांत होकर जवाब दिया। अगली सुबह मैडम चेंग ने पाओ यू को बुलवाया और उसे तुरंत घर आने को कहा, लेकिन पाओ यू को जलमयी चंद्रमा के मठ में अपना छोटा सा प्रवास इतना अच्छा लगा था कि उसने फीनिक्स के ज़रिए अपने दोस्त के साथ एक और रात वहाँ रहने की अनुमति ले ली। फिर, तीसरे दिन, चिन चुंग और नन ची नेंग के बीच कई चुंबन और गुप्त समझौते होने के बाद, वे दोनों साथ में शहर लौट आए। मठाध्यक्ष से किए अपने वचन को पूरा करते हुए, फीनिक्स ने पिछले दिन ही उपरोक्त बात अपने एक भरोसेमंद नौकर, लाई वांग को बता दी थी और उसे भेज दिया था। उन्हें युंगकुओ ले जाकर वापस भेज गया और निर्देश दिया गया कि वे चंगआन के मार्शल युन क्वंग को एक पत्र लिखवाएँ, जो जाहिर तौर पर उनके अनुपस्थित पति चिया लियन की ओर से उनके सचिव द्वारा

लिखा गया था। वे उसीदिन यह पत्र ले कर चं गआन केलिए रवाना हो गए। मार्शल, जो पहले की गई अच्छी से वओं के लिए यु ं गकु ओ मव्ह के ऋणी थे, वहाँ से आए अनु रोध को सर्हस्वीकार करने के ऋलावा और कु छ नहीं कर सकते थे । तदनुसर, उन्होंने अपने अधीनस्थ, नगर कमां डें ट पर वांछित दबाव डाला, जिसका इतना अच्छा प्रभाव पड़ा कि बाद वाले ने अपना विरोध छोड़ दिया और अपने बे टे और धनीमरिक चां ग की बे टी के बीच की सगई रद्द कर दी। पू री प्रक्रिया को पू रा करने में मुश्किल से दोदिन लगे, क्योंकि चां गआन और राजधानी के बीच की दूरी के वल एक सौ किलोमीटर (113 किमी) थी।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.97% है ।

ली. स्वाभाविक रूप से, टिप और इसी तरह के भरी खर्च का कोई सवाल ही नहीं था। फीनिक्स ने तीन हजार ताएल की छोटी सी रकम अपने पस रख ली, और यु ंगकु ओ महल में उसके भरोसे मं द नौकर लाई वां ग और उसके पिता के सचिव के अलावा किसी को भी इस पू रे मामले की भनक तक नहीं लगी। इस सफलता ने फीनिक्स के आत्मविश्वास को और मजबू त किया और उसे बद में अपनी पहल पर, बिना किसी अं तरात्मा की झिझक के, इसी तरह के कई संदिग्ध ले नदे न करने के लिए प्रोत्साहित किया। अध्याय 13 वसं त ऋतु की शु रुआत को श्री कृ प प्राप्त होती है और उसे फीनिक्स महल की स्वामिनी चु न जाता है । चिन चु ं ग समय से पहले ही पीले झरनों की अपनी यात्रा पर निकल पड़ता है । एकदिन, जब यु ंगकु ओ महल में चिया चें ग का जन्मदिन एक भव्य पारिवारिक भोज के सथ मनाया जा रहा था, तभी अचानक भोज के बीच एक द्वारपाल प्रकट हुआ और उत्साह से घोषणा की: "शाही हरम के छह प्रमु ख अधीक्षक, शाही हिजड़ा, ह्सिया, बाहर हैं । वे एक शही सं दे श ले कर आए हैं "। इस घोषणा से स्वभाविक रुप से पूरा समू ह हलचल में पड़ गया। भोज और नाट्य प्रदर्शन तु रं त रोक दिए गए। परिवारों के पु रुष मुखिया जल्दी से भव्य स्वगत कक्ष में पहुँ चे, जहाँ वे एक धू पदानी के चरों ओर एकत्रित हुए जो विशेष रुप से शही सं दे शों को ग्रहण करने के लिए आरक्षित थी; शाही राजदूत के लिए सभी दरवाजों के मध्य द्वार खोलने का आदे श दिया गया, और समू ह श्रद्धापूर्वक मौन में घु टने टे ककर प्रमुख हिजड़े के आगमन की प्रतीक्षा करने लगा। वह पहले से ही घोड़े पर सवार होकर आ रहा था, उसके सथ कई अधीनस्थ हिजड़े भी थे । वह भव्य कक्ष के प्रवे श द्वार के समने घोड़े से उतरा और चे हरे पर मु स्कान लिए सीढ़ियों से ऊपर चढ़ गया। हॉल के दक्षिणी भाग में । वह वहीं खड़े रहे और जै स कि अपेक्षित था, उन्होंने कोई लिखित आदे श प्रस्तु त नहीं किया, बल्कि के वल यह घोषणा की: "सर्वोच्च ईश्वर के आदे श पर, मास्टर चिया चें ग तु रं त सम्मानपूर्वक दर्शन के लिए हॉल में उपस्थित हों।" यह संक्षिप्त सं दे श दे कर, वे चय की एक घू ँ ट भी पिए बिना तु रं त चले गए। सभी लोग स्तब्ध थे । क्य इस रहस्यमय सं दे श का अर्थ अनु कूल था या प्रतिकूल? लेकिन श्री चें ग के पास इस मामले पर विस्तार से विचार करने का समय नहीं था। उन्होंने जल्दी से दरबारी वस्त्र धारण किए, अपनी गाड़ी में बै ठे और महल

की ओर चल दिए। अनिश्चितता से व्यकुल होकर, राजकुमरी ने उनके पीछे थोड़े-थोड़े अंतराल पर एक के बद एक कई दूत भेजे। फिर भी, उन्हें कोई खबर आने से पहले दो घंटे तक इंतजार करना पड़ा। अंततः चर 114

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.27% है।

हां फतेकां पते नौकर एक साथ भीतरी द्वार पर पहुँचे, जो राजकुमरी के कमरों की ओर जता था। दूर से ही उन्होंने पुकारा, "अच्छी खबर!" "हमारे स्वामी ने बूढ़ी माई ताई को घर की अन्य महिलाओं के सथ तुरंत शाही महल जाने और शही कृप के लिए धन्यवाद देने का आदेश दिया है।" राजकुमरी, जो उस समय अन्य महिलाओं के सथ भीतरी आंगन के ढके हुए गलियारे में बेचैनी और उम्मीद से भरी हुई थीं, इधर-उधर टहल रही थीं, उन्होंने चरों नौकरों में सबसे बड़े लाई ता को इशारा किया और अधिक जानकारी मांगी। लाई ता ने बतया, "हम केवल सभा भवन के समने वाले बरामदे तक ही पहुँच पए हैं।" "वहाँ से हमें अंदर की बातें सुनाई नहीं दे रही थीं। तभी मुख्य हिजड़ा ह्सिया बाहर आया और उसने हमें बताया कि हमारे घर पर बड़ा सौभाग्य आया है, क्योंकि हमारे घर की सबसे बड़ी बेटी को प्रथम श्रेणी की कुलीन और गुणी शाही पत्नी का दर्जा दिया गया है और उसे फीनिक्स महल की स्वामिनी नियुक्त किया गया है। बद में हमरे स्वामी स्वयं एक क्षण के लिए बाहर आए, इस खबर की पुष्टि की और हमें आदेश दिया कि हम जितनी जल्दी हो सके महल में आकर बूढ़ी माई ताई को धन्यवाद के लिए आमंत्रित करें।" इस शुभ समचार ने महिलाओं के सभी संशय दूर कर दिए और हर चेहरे पर गर्व और खुशी झलक रही थी। राजकुमरी पूर्वज, राजकुमरियाँ शीह, चेन और मैडम चेंग सभी ने अपने पद के अनुरूप औपचारिक वस्त्र धारण किए, चार बड़ी पालकियों पर सवार हुईं और मछलियों के झुंड की तरह एक के बाद एक शाही महल के लिए रवाना हुईं। राजकुमरियाँ शीह और चे, तचिया युंग और चिया चियांग के सथ उनके पीछे-पीछे चलीं। युंगकुओ और निंगकुओ महलों के सभी निवासियों, मालिकों और नौकरों, पर छाए आनंद से केवल एक ही व्यक्ति अछूता रहा, और वह था पाओ यु। वह अपने मित्र चिन चुंग के लिए चिंतित था, जो जलमयी चंद्र मठ में दो दिन की यात्रा से गंभीर रूप से बीमार होकर लौटा था। वह हमेशा से ही नाजुक युवक था, और अब उसे ची नेंग के कमरे में चुपके से जाने और अपने बिस्तर की गर्माहट से अचनक ठंडी रात की हवा में आने के कारण भयंकर बुखार और सर्दी से प्रायश्चित करना पड़ रहा था, और देश से लौटने के बाद से वह बिस्तर पर ही पड़ा था। मानसिक उत्तेजन ने उसकी हालत और भी खराब कर दी थी। उससे मिलने की तीव्र इच्छा से प्रेरित होकर,

ची नें ग एकदिन उससे चु पके सेमिलने गई, लेकिन दुर्भाग्य से उसका सामना उसके पिता से हो गया, जिन्होंने उसे अपशब्द कहकर घर से भगदिया। चिन चु ं ग की भी पिटाई हुई थी; लेकिन कु छ दिनों बाद उस बू ढ़े सज्जन की उत्ते जन से मृ त्यु हो गई। अब, अफसोस, बहुत दे र हो चु की थी, चिन चु ं ग को अपनी फिजूलखर्ची पर पछतावा हुआ। अपने पिता की मृ त्यु के शोक और आत्मनिंदा ने उसे कमजोर करदिया।

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.19% है।

अपनी शारीरिक शक्ति पूरी तरह खो देने के कारण, वह दिन-प्रतिदिन और अधिक दुखी महसूस कर रहा था और धीरे-धीरे कमजोर होत जा रहा था। यही कारण था कि पाओ यू अपनी बहन, वसंत की शुरुआत के सौभाग्य के लिए कोई उत्साह नहीं दिखा सका। उसने उनदिनों के सभी उत्सवों में जरा भी भाग नहीं लिया - अपने पिता, माता और दादी का स्वर्ग के पुत्र सेमिलना, और रिश्ते दारों और दोस्तों द्वारा बधाई देने केलिए आना। थका हुआ और उदासीन, वह अपने कमरे में उदास बैठा रहता था, और जब कोई उसके अजीब व्यवहार के लिए उसे चिढ़ाता या डांटता, तो वह चिड़चिड़ा हो जाता और दूसरों की संगति से और भी अधिक अलग हो जाता। केवल एक ही चीज थी जो उसे थोड़ा खुश कर सकती थी, और वह थी ब्लैक जेड की वापसी। इस बीच उसके पिता, लिंग जू हाई, का निधन हो गया था, और अंतिम संस्कार संपन्न होने और उसकी चचेरी बहन चिया लियन की मदद से विरासत का निपटारा होने के बाद, दोनों चचेरी बहनें एक साथ राजधानी लौट आई थीं। •

"अब वह तुम्हें कभी छोड़कर नहीं जाएगी," ब्लैक जेड केलौटने पर फीनिक्स ने मुस्कुराते हुए पओ यू से कहा था। पाओ यू और उसकी अब पूरी तरह से अनाथ हो चुकी चचेरी बहन का मिलन एक साथ खुशी और दुख से भरा था, और दोनों की आँखों से आँसू बह रहे थे। कई महीनों बिछड़ने के बाद, पाओ यू ने ब्लैक जेड को पहले से कहीं अधिक परिपक्व और खूबसूरत पाया। वह अपने साथ किताबों का पूरा पुस्तकालय और लेखन मेज केलिए कई सुंदर वस्तुएं लाई थी, जिन्हें उसने अपने चचेरे भाइयों और पाओ यू में बाँटदिया। कृतज्ञता व्यक्त करने केलिए, पाओ यू ने उसे उत्तरी शांति के राजकुमार द्वारा दी गई प्रार्थना माला भेंट करने का सोचा, लेकिन उसका उपहार ब्लैक जेड को बिल्कुल भी पसंद नहीं आया। इससे राजकुमार के प्रति उसकी ईर्ष्या तुरंत जागृत हो गई। "क्या मैं उस चीज़ केलिए आपका धन्यवाद करूँ जिसे पहले ही एक अजनबी पहन चुका है?" उसने तिरस्कारपूर्वक चिल्लाते हुए मला को ज़मीन पर फेंकदिया। राजकुमार ने उसे उठाया और चुपचाप वापस रख दिया। फीनिक्स और उसके पति चिया लियन के पुनर्मिलन के पहले दिन स्वाभाविक रूप से एक-दूसरे को बहुत कुछ बताना था। फीनिक्स ने निंगकुओ महल के प्रभारी के रूप में अपने सात सप्ताहों की लंबीरिपोर्ट अभी-अभी समाप्त की थी कि छोटी दासी पिंग ने

दरवाजे से अपना सिर अंदर झाँका। जब उसने चिया लियन को वहाँ देखा तो वह अचानक रुक गई और फिर से गयब होने ही वली थी। "क्या बात है?" फीनिक्स ने उसे पुकारा। "कुछ खस नहीं। नाशपाती के बगीचे की श्रीमती सु एह ने बहन लोटस को कुछ जनकारी लेने के लिए भेजा था। मैंने उन्हें जानकारी दे दी है और वह फिर से चली गई हैं," छोटी पिंग ने जवब दिया और फिर से बाहर निकल गई। "लोटस? क्या वह वही आकर्षक युवती नहीं है जिसे चचेरे भाई ह्सु एह पन ने यहाँ आने से कुछ समय पहले यिंग तिएन में खरीदा था?" चिया लियन ने मुस्कुराते हुए कहा। "जब मैं अभी नशपाती के बगीचे में थी..."

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.01% है ।

लौटते समय चची ह्सु एह को प्रणम करते हुए, मैं ने वहाँ एक बे हद खू बसू रत यु वती को दे खा। मैं ने उसे पहले कभी नहीं दे खा था, और फिर चाची ह्सु एह से पता चला कि वह लोटस थी। वह सचमु च बहुत मनमोहक लग रही थी। कितना अफ़सोस की बात है कि वह चचे रे भाई ह्सु एह पन की है । वह उस मूर्ख के लिए बहुत अच्छी है! "अरे वह! यह आदमी अभी-अभी लं बी यत्रा से लौटा है । उसने सु चो और हं चो में कई खू बसू रत महिलाओं को दे ख है, और फिर भी सं तुष्ट नहीं है!" फीनिक्स हं सते हुए बोला। "अच्छा, तो अगर तु म्हें छोटी लोटस इतनी प्यारी लगती है, तो वह तु म्हारी है । मु झे बस उसे हमरी छोटी पिंग के बदले में दो न्है और उसे यहाँ अपने लिए लाना है । मु झे लगता है कि चचे रे भाई ह्सु एह पन उससे ऊब चु का है । वह उन अतृ प्त और चंचल पु रुषों में से एक है जो एक व्यं जन खते हुए भी हमे शा दूसरे की तलाश में रहते हैं । उसने अपनी माँ को लड़की दे ने के लिए मनाने के लिए लगभग मार ही डाला था।" आं टी ह्सु एह अखिरकार मान गईं और पू रे सम्मान के साथ उस छोटी बच्ची को उसकी रखैल बनाने के लिए उसे सौंप दिया। और वह कोई साधारण दासी नहीं थी, बल्कि अपने पू रे व्यक्तित्व और हर तरह के व्यवहार से किसी अच्छे परिवार की सलीके दार लड़की जै सी लगती थी। लेकिन उस आदमी के पस उसे आए हुए मुश्किल से दो हफ्ते ही हुए थे कि उसने उसकी तरफ दे खना भी बं द कर दिया और उसे भी उन सभी सस्ती, साधारण लड़कियों की तरह कू ड़े दान में फें क दिया जिन्हें उसने पहले रख था। मु झे उस बे चारी पर बहुत दया आ रही है! चिया लियन को जवाब दे ने का मौका ही नहीं मिला, क्योंकि एक नौकर उसे उसके पिता, राजकु मर शीह के पस बुलाने आय, जो पु स्तकालय में उसका इं तजर कर रहे थे । उसके जाने के बाद फीनिक्स ने अपनी छोटी नौकरानी पिंग को बुलाया। "आं टी ह्सु एह ने अभी लोटस को यहाँ क्यों भे जा था?" उसने पू छा। "उन्हें कु छ नहीं चाहिए था और उन्होंने किसी को नहीं भे ज था। मैं बस थोड़ा सा झू ठ बोल रही थी, लेकिन वह सफे द झू ठ था," नौकरानी ने शरारती मु स्कान के साथ जवाब दिया। "लाई वां ग की पत्नी आपके लिए कु छ ब्याज ले कर आई थीं।" क्या उस मूर्ख औरत को इससे बे हतर समय नहीं मिल सकता था? उसे ठीक उसी समय घु सना था जब तु म्हारा पति वहाँ था, और उसने जनबू झकर ऐस किया ताकि उसे तु म्हारे कारोबार के बरे में पता चल

जाए और उसे यह भी पत चल जाए कि तु म्हारे पस निजी धन है। अगर उसे यह पता चल जाता तो वह पहले से भी ज़्यादा खर्चीला हो जाता। सौभाग्य से, मैं बूढ़ी श्रीमती यांग को ठीक समय पर रोक पाई और उनसे पैसे ले लिए। "शाबाश!" "आपने बड़ी चतुराई से काम लिया!" फीनिक्स ने प्रशंसा करते हुए कहा। "मैं सचमुच सोच रही थी कि आखिर आंटी ह्सुएह ने मेरे तिमाके साथ मेरी पहली बातचीत में इतनी अशिष्टता और लापरवाही से दखल क्यों दिया।" थोड़ी देर बद चिया लियन लौट आया, और उसके तुरंत बाद उसकी पुरानी नर्स, मदर चाओ, लंबे समय बाद घर लौटने पर उसका स्वागत करने आई। उसे बड़े प्यार से बैठने के लिए आमंत्रित किया गया, उसे खना-पीना परोसा गया, और फीनिक्स उसकी बातें सुनने के लिए बैठ गय। लेकिन चिया लियन ने उसकी धीमी-धीमी बातों पर ध्यान नहीं दिया; वह अनमने ढंग से खाता-पीता रहा, और उसके विचार स्पष्ट रूप से कहीं और थे।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.45% है ।

कहां? क्या वे कृ पया उन्हें बातचीत में भाग न ले ने के लिए क्षमा करें गे, लेकिन वे जल्दी में थे और राजकु मार चे न के साथ एक महत्वपूर्ण चर्चा के लिए तु रं त जाना था, इसलिए उन्होंने कहा। "हमें आपको रोकने की ज़रूरत नहीं है, लेकिन उस बु जु र्ग सज्जन को आपसे थोड़ी दे र पहले क्या बात करनी थी?" फीनिक्स ने पू छा। "उन्होंने आने वाले पितृ भक्तिपूर्ण आगमन के बारे में बात की।" "क्या दरबार ने इस आगमन को मं जू री दे दी है?" "अभी औपचारिक रूप से नहीं। लेकिन यह लगभग निश्चित है ।" "क्या सच में?" फीनिक्स खु शी से चिल्लाया। "यह वास्तव में हमारे वर्तमान सम्राट की ओर से एक बिल्कुल नया और अभू तपूर्व अनु ग्रह होगा, जिसका हमारे इतिहास या नाट्य रचनाओं में कोई उल्ले ख नहीं है"।"यह सब क्या बातें हो रही हैं?" माँ चओ ने मूर्खता से पू छा। "पिछले कु छ दिनों से मैं ने यहां सभी को पितृ भक्तिपूर्ण आगमन के बारे में बात करते और फु सफु साते सु ना है, लेकिन बु ढ़ापे के कारण मैं सु स्त हो गई हूँ और मु झे कु छ समझ नहीं आ रहा है ।" "मैं आपको मामला समझा दूँ गी," चिया लियन ने कहा। "हमारे वर्तमान ईश्वर पु त्र माता-पिता के प्रति आदर के प्रबल समर्थक हैं । वे बच्चों द्वारा अपने माता-पिता के प्रति सम्मानजनक व्यवहार को प्रकृति का एक सार्वभौमिक नियम मानते हैं जो वर्ग भे द के बावजू द सं पूर्ण मानव जाति पर लागू होता है; और वे मानते हैं कि माता-पिता के प्रति आदर को बनाए रखना एक बुद्धिमान सरकार का सबसे महत्वपूर्ण कर्तव्य है, क्योंकि इसके द्वारा मानव समाज को सबसे सरल और स्वाभाविक तरीके से व्यवस्थित रखा जा सकता है । हमारे वर्तमान सम्राट स्वयं इस सं बं ध में एक उत्तम उदाहरण प्रस्तु त करते हैं, जो अपने वृ द्ध माता-पिता, उनके पूर्व महामहिमों को दिन-रात हर सं भव प्रे म से घे रे रखते हैं । फिर भी वे मानते हैं कि वे अपने माता-पिता के प्रति अपने कर्तव्य को उतनी पूर्णता से नहीं निभा पाते जितना वे चाहते हैं, क्योंकि उनके आदर्श इतने कठोर और उच्च हैं । अब वे इस निष्कर्ष पर पहुं चे हैं कि उनकी पत्नियां, परदेसियां और अन्य योग्य व्यक्ति जो अपना जीवन राजमहल की से वा में समर्पित करते हैं, माता-पिता के प्रति आदर की अपनी स्वाभाविक भावनाओं को व्यक्त करने में बाधित होते हैं और अपने माता-पिता से लं बे समय तक वियोग के कारण आध्यात्मिक रूप से पीड़ित होते हैं और माता-पिता, उनका पक्ष, जो अपनी बिछड़ी बेटियों के लिए तड़पते हैं, इस

स्थिति से बहुत कु छ सहते हैं। उन्होंने निर्णय लिया है कि ईश्वर द्वारा निर्धारित वह सामंजस्य जो मानव समाज में व्यप्त होना चाहिए, इससे बु री तरह प्रभावित हुआ है। इन बतों से प्रेरित होकर, उन्होंने अपने माता-पिता, उनके पूर्व महामहिमों को एक ज्ञापन प्रस्तु त करवया है, जिसमें उन्होंने सु झव दिया है कि भविष्य में शही पत्नियों के मता-पिता को बारी-बारी से प्रत्ये क माह की दूसरी और छठी तिथि को महल में आकर अपनी बेटियों से मिलने की अनु मति दी जाए। "उनके पूर्व शाही महामहिम इस सु झव से अत्यं त प्रभावित हुए, जिसके ने क उद्दे श्यों को उन्होंने पू री तरह से पहचाना, लेकिन उन्होंने 118

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.22% है ।

उन्होंने आशंका व्यक्त की कि रिश्तेदारों की ऐसी निजी यात्राएँ शाही महल की शान और गरिमा को नु कसान पहुँ च सकती हैं । एक प्रकाशित फरमान में उन्होंने वैकल्पिक निर्णय दिया है कि शाही पत्नियों और परदेसियों को अनु रोध पर अपने माता-पिता से मिलने की अनु मति दी जानी चाहिए, बशर्ते कि माता-पिता के पास शाही महल की सदस्य और उनके दल के सम्मनजनक स्वागत और आवास के लिए उपयुक्त अलग-अलग कमरे उपलब्ध हों। "जैसा कि कल्पना की जा सकती है, इस उदार फरमान का हर जगह खु शी के आँ सु ओं के साथ स्वागत किया गया है । सम्राट की परदेसियाँ चाओ और वू सर्वोपरि की इस कृ पा का लाभ उठाने वाली पहली हैं । उनके संबंधित पिता पहले से ही उनकी यात्रा के दौरान उनके स्वागत के लिए एक उपयुक्त स्थान तैयार करने में व्यस्त हैं ।" "हे भगवन!" माता चाओ ने कहा। "तो हमें भी घर की सबसे बड़ी बेटी के आने की तैयरी करनी होगी?" "हाँ, बिल्कुल," चिया लियन ने मु स्कुराते हुए उत्तर दिया। "नहीं तो इतनी सारी महत्वपूर्ण बातों पर चर्चा और परामर्श क्यों होता?" “वाह! अब मु झे आखिरकार महान लोगों की दुनिया की एक झलक देखने को मिलेगी।” फीनिक्स ने खु शी से कहा, “मैं हमेशा इस बात पर अफसोस करती रही हूँ कि मैं इस दुनिया में कई साल देर से आई। अगर मैं बीस-तीस साल बड़ी होती तो मु झे यहाँ घर पर एक नासमझ, अनु भवहीन बच्चे की तरह नहीं रहना पड़ता। मैं भी हमारे वर्तमान राजवंश के पहले शासक को देख पाती जब उन्होंने पुराने सम्राट शु न के उदाहरण का अनु सरण करते हुए न्याय व्यवस्था को स्वयं देखने के लिए राज्य की प्रसिद्ध यात्रा की थी। ऐसी किसी घटना में सचमु च भाग लेना, किताबों से सीखने से कहीं अधिक रोचक है ।” “ जी हाँ, सचमु च, ऐसा तो हज़ार साल में एक बार ही होता है । मु झे अच्छी तरह याद है कि तु म किस बारे में बात कर रही हो,” माँ चाओ ने उत्सु कता से बीच में कहा। "उस समय हमारा चिया परिवार सु चो और हंचो के पड़ोस में रहता था और शाही बंदरगाहों और बांधों का प्रभारी था। जब स्वर्ग के पु त्र का वहाँ स्वागत किया गया था, तब मैं वहाँ उपस्थित था। ओह, सचमु च, ऐसे स्वागत में बहुत सारा पैसा खर्च हो जाता है ।" "उस अवसर पर मेरे दादाजी ने अपने घर में स्वर्ग के पु त्र का स्वागत किया था," फीनिक्स ने गर्व से कहा। "वे उस समय कर और विदेश संबंधों के आयुक्त थे । विदेशी देशों से सभी कर

उनके हाथों से होकर गुजरते थे, और विदेश से आने वाले सभी राजदूतों को पहले उनके घर पर उतरना पड़ता था। उन दिनों दक्षिणी बंदरगाहों से विदेशी जहाजों द्वारा लाए गए भारी मात्रा में सामान और खजाने हमारे परिवार के कब्जे में आ गए थे। एक नौकर ने प्रवेश किया और निंगकुओ महल से दो भतीजों, चिया युंग और चिया चियांग के आने की सूचना दी। उन्हें अंदर लाया गया। "पिताजी ने आपको संदेश भेजा है, चाचाजी, कि स्वागत के लिए भूमि 119 एकड़ है।"

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.22% है ।

"इसका माप और सीमां कन पहले ही हो चु का है," चिया यु ंग ने घोषणा की। "यह पूर्वी और पश्चिमी महल के उद्यान को जोड़ता है और इसकी चौड़ाई साढ़े तीन ली है, इसलिए यह विशिष्ट अतिथि के लिए एक गरिमापूर्ण स्वागत स्थल के लिए पर्याप्त है । एक वस्तु कार को आवश्यक भवनों के रे खाचित्र तै यार करने का निर्देश दिया जा चु का है, और वह कल अपनी योजनाएँ प्रस्तु त करे ग। चूंकि पिताजी को लगता है कि आप अपनी यात्रा से थके हुए हैं इसलिए उन्होंने हमसे कहा है कि आपको आज आने की आवश्यकत नहीं है; और यदि आप कु छ चर्चा करना चाहें तो कृ पया अपनी यात्रा कल सु बह तक स्थगित कर दें ।" "अपने पिताजी को बताएँ कि मैं उनकी दयलु त के लिए उनका बहुत-बहुत धन्यवाद करती हूँ और मैं कल सु बह तक नहीं आऊँ गी" चिया लियन ने उत्तर दिया। "उन्हें बतएँ कि मैं निर्धारित स्थान से पू री तरह सहमत हूँ मु झे यह हर तरह से एक बहुत ही सौभाग्यपूर्ण व्यवस्था लगती है ।" इससे हमरे काफी पै से बचें गे क्योंकि इस एक यात्रा के लिए विशेष रूप से जमीन खरीदने की जरुरत नहीं पड़े गी"।चिया चियां ग आगे बढ़े और बोलने लगे । "मु झे सु चो जाने का निर्देश मिला है," उन्होंने कहा, "और वहाँ योग्य एजें टों को असाधारण रूप से कु शल यु व नर्तकियों के सथ-साथ सं गीत वद्ययं त्र और रं गमं च की आवश्यक सामग्री खोजने का काम सौंपना है । मु ख्य प्रबं धक लाई शें ग के दो बे टे मे रे साथ जाएं गे । चाचा आपसे निवे दन करते हैं कि आप भी अपने दो लोगों को मे रे साथ भे ज दें ।" चिया लियन ने यु वा वक्ता को आलोचनात्मक दृष्टि से दे खा। "क्या आप इस कार्य को स्वयं पूरा कर सकते हैं, हे मे रे भतीजे?" उन्होंने पू छा। "हाँ, यह कोई बहुत बड़ा काम नहीं है, लेकिन फिर भी..." "उसने कु छ व्यं ग्यपूर्ण लहजे में कहा। चिया चियां ग, जो लैं प की रोशनी से बाहर फीनिक्स के ठीक बगल में खड़ी थी, ने चु पके से अपनी पोशाक को खींचा। फीनिक्स इशारा समझ गई। "आप कु छ ज्यदा ही चिंतित हैं," उसने अपने पति से आश्वस्त मु स्कान के सथ कहा। "चचे रे भाई चे न हमसे बे हतर जानते हैं कि उन्हें अपन काम सौंपने के लिए कौन उपयुक्त व्यक्ति हैं ।लड़के अब बच्चे नहीं हैं और भले ही उन्होंने अभी तक भु ने हुए सू अर के मांस के स्वाद का रहस्य नहीं खोजा है, लेकिन उन्होंने कम से कम सड़क पर दौड़ता हुआ एक जीवित सू अर तो दे खा ही है और वे जानते हैं कि जीवित अवस्था में वह कै सा दिखता है ।

और आखिरकार, चाचा चेन ने उन्हें केवल ध्वजवाहक के रूप में भेजा है। वह उनसे खुद लड़ाई लड़ने की उम्मीद नहीं करते; दूसरे शब्दों में, एजेंटों के साथ कीमतों पर मोलभाव करने की। यही तो हमारे लोग वहाँ मौजूद रहेंगे। उन्होंने जोड़ा। वे ठीक से अपना काम कर लेंगे"। "ठीक है, मुझे कोई आपत्ति नहीं है," चिया लियन ने उसे आश्वस्त किया। "लेकिन शायद मैं उन्हें कुछ सलाह देकर मदद कर सकता हूँ।" "तुम्हें आवश्यक धनराशि कहाँ से मिल रही है?" उसने चिया चियांग की ओर मुड़कर पूछा। "हमारे स्वामी ने हमें इस संबंध में पहले ही निर्देश दे दिए हैं,"

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 48.95% है ।

चिया चियां ग ने कहा, "हमें यहाँ के कोष से कोई पै सा ले ने की ज़रूरत नहीं है, क्योंकि चिया परिवार का कियां ग नन में चे न परिवार के पास पचास हज़ार चां दी के ताएल का ऋण है, जहाँ हम अपनी यात्रा के दौरान रुकें गे । वह हमें तीस हज़ार ताएल का ड्राफ्ट दें गे, जिससे हम इस ऋण का उपयोग कर सकते हैं । शेष बीस हज़ार ताएल का उपयोग बाद में लालटे न, रं गीन मोमबत्तियाँ, बै नर, पताकाएँ, पर्दों के लिए कपड़ा और अन्य उत्सव की सजावट की खरीद के लिए किया जाएगा।" चिया लियन ने सहमति में सिर हिलाया। फीनिक्स ने चिया चियां ग के लिए यात्रा साथी और सहायक के रूप में चाओ माता के दो बे टों को चुना और फिर उन्हें विदा किया। चिया यु ं ग उसके पीछे गया और दरवाजे तक पहुँ चने से पहले ही बोला कि उसे उससे निजी तौर पर बात करनी है । "अगर आपको सु चो से कु छ चाहिए, प्रिय, चाची, तो बस सब कु छ एक सू ची में लिख दीजिए," उसने फु सफु साते हुए कहा; "मैं सू ची अपने भाई को दे दूं गा और वह यात्रा के दौरान तु रं त इस पर ध्यान दे गा।" "अरे, कितना बे वकू फी भरा विचार है!" उसने हं सते हुए उसके प्रस्ताव को ठुकरा दिया। "मु झे कु छ नहीं चाहिए। बल्कि, मे रे पास तो अपने सारे समान के लिए जगह ही नहीं है! तु म्हारे कितने अजीबोगरीब विचार हैं!" और वह चली गई। इसी बीच, कमरे के अं दर, चिया चियां ग अपने बड़े चचे रे भाई से ठीक उसी तरह विनती कर रहा था। "अगर आपको कु छ चाहिए, तो मैं अपने दूसरे कामों के साथ उसे भी आपके लिए लाकर रख दूं गा और सम्मान के प्रतीक के रूप में आपके चरणों में अर्पित कर दूं गा," वह बड़ी सहजता से कह रहा था। लेकिन चिया लियन ने भी धन्यवाद कहकर प्रस्ताव को ठुकरा दिया। "इतनी जल्दी नहीं, मे रे बच्चे। तु म्हारे जै से सीखने वालों को अपने पहले काम में मु ख्य काम पर ध्यान दे ना चाहिए, छोटी-मोटी बातों में अपना समय बर्बाद नहीं करना चाहिए। अगर मु झे कु छ चाहिए होगा तो मैं लिख दूं गा," उसने मु स्कु राते हुए कहा और दोनों यु वकों को विदा कर दिया। अगली सु बह चिया लियन राजकु मार चे न के पास गया। परिवार के मित्रों में से कई विशेषज्ञ और घर के कु छ वरिष्ठ एवं अनु भवी कर्मचारी उपस्थित थे, और व्यापक विचार-विमर्श हुआ, भवन निर्माण योजनाओं की जाँ च की गई, और श्रम एवं समग्री सं बं धी प्रश्नों पर गहन चर्चा हुई। उसी दिन निंगकु ओ महल के पश्चिमी और यु ं गकु ओ महल के पूर्वी भाग में

निर्माण कार्य ते ज़ी से शु रु हो गया मजदूर, बढ़ई और निर्माता बड़ी सं ख्य में आए, और लकड़ी, ईंटें, चमकदार छत की टाइलें, सोना, चां दी, तां ब और टिन से भरी गड़ियाँ और ठेले लगातार आते रहे । एक तरफ सु गंधित उद्यान में बहरी दीवारें, बुर्ज और मं डपगिरा दिए गए; दूसरी तरफ नौकरों के आवासीय क्वार्टरों के पू रे पूरेर ब्लॉक को ध्वस्त करदिया गया ताकि भव्य मनोरं जक उद्यनों और मं डपों का एक निरं तर क्षे त्र बनाया जा सके । यहाँ यह उल्ले ख करना आवश्यक है कि दोनों सं पत्तियाँ के बीच 121 किलोमीटर की दूरी पर स्थित थीं।

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.33% है।

ऊँची दीवारों से घिरा एक संकरा निजी रास्ता था। इसलिए, पूरे क्षेत्र को आसानी से एक ही भूमि में बदलने के लिए केवल दीवारों को गिराना ही आवश्यक था। इसके अलावा, सुगंधित उद्यान से होकर एक धारा बहती थी, और इस धारा को आसानी से युंगकुओ की ओर में मोड़ना संभव पाया गया, जिससे उचित लागत पर जल व्यवस्था स्थापित की जा सके। निंगकुओ महल के परिसर में कृत्रिम पहाड़ियाँ, चट्टानें और पेड़ नहीं थे। इस कमी को दूर करने के लिए, राजकुमार शीह के निवास और परिसर से, जो वास्तव में मूल युंगकुओ पार्क का हिस्सा थे, कई पहाड़ियाँ और चट्टानों के टुकड़े, साथ ही कई पेड़, पुल और रेलिंग अस्थायी रूप से लाकर निंगकुओ महल के परिसर में स्थापित किए गए। इस प्रकार, नए सामान पर खर्च होने वाली भारी धनराशि की बचत हुई, और पूर्व दरबारी वास्तुकार, कुशल बुजुर्ग हू के कुशल मार्गदर्शन में भव्य सजावटी उद्यानों की एक नई और निरंतर रूपरेखा तैयार करने का लक्ष्य आश्चर्यजनक रूप से कम समय में पूरा हो गया। नए पथरीले टीले, तालाब, झरने, हवादार मंडप और पैगोडा, बांस की बाड़ें और फूलों के झुरमुट अस्तित्व में आए। दोनों महलों के परिवारों के पुरुष सदस्यों ने लगन से काम की देखरेख में हिस्सा लिया। यह सच है कि राजकुमार शीह और चिया चेंग ज्यादातर काम से दूर रहे; चिया चेंग अपने मंत्री पद के कार्यों में बहुत व्यस्त थे, जबकि राजकुमार शीह को अपने पुस्तकालय में समय बिताना पसंद था, और उन्होंने अपने बेटे चिया लियन को अपना प्रतिनिधि नियुक्त किया और समय-समय पर उन्हें काम की प्रगति की लिखित रिपोर्ट देने का काम सौंपा। राजकुमार चेन ने अपने मुख्य प्रबंधक के साथ वास्तविक निर्माण कार्यों और कामगारों की सूची की देखरेख की, उनके बेटे चिया युंग ने सोने और चांदी के सामान के काम की देखरेख की। और इस प्रकार प्रत्येक व्यक्ति का अपना-अपना कार्यक्षेत्र स्पष्ट रूप से निर्धारित था। जैसा कि पहले ही उल्लेख किया जा चुका है, अपने मित्र चिन चुंग की बीमारी के कारण, पाओ यू घर के सभी व्यस्त कार्यों में शायद ही कोई हिस्सा लेता था। यहाँ तक कि यह तथ्य भी कि उसके पिता, उस समय अपने कई अन्य आवश्यक कार्यों के कारण, उस पर पहले की तरह ध्यान नहीं दे पाते थे और उसकी पढ़ाई की देखरेख नहीं कर पाते थे, उसके उदास मन को कोई राहत नहीं दे पाया, जैसा कि किसी और समय में निश्चित रूप से देता। एक सुबह

उसकी आंतरिक बेचैनी ने उसे भोर होते बिस्तर से उठा दिया। जब वह कपड़े पहन रहा था, तभी उसे सूचना मिली कि उसके मित्र का एक बूढ़ा नौकर उसे बीमर होने के कारण बिस्तर पर बुलाने आया है । आशंकाओं से भरा हुआ, वह अपने मित्र के घर की ओर दौड़ा; लेकिन वह बहुत देर से पहुँच। बीमार लड़का, जिसे उसने मोम जैसे सफेद चेहरे और बंद आँखों के बिस्तर पर पड़ा पाया, दर्दनाक रूप से साँसले ने के लिए तड़प रहा था, उसने उसकी तीन बर की पुकार का कोई जवाब नहीं दिया: "भाई चिन, पाओ यू यहाँ है" विदाई का एक शब्द भी कहने में असमर्थ, उसने अपने मित्र की उपस्थिति में अपनी अंतिम सांसली और येलो स्प्रिंग्स की अपनी यात्रा पर निकल पड़ा। 122

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.18% है ।

अध्याय 14 पू यू ने रमणीयदर्शन उद्यान में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। काली जे ड को मक्खी के काटने से चिढ़ हो रही है ।1 भव्य नए मनोरं जन स्थल का निर्माण कार्य पू रा हो गया था, और एक दिन राजकु मर चे न अपने सहायकों और सहयोगियों के सथ चिया चें ग को इसे दे खने के लिए आमंत्रित करने आए। उन्होंने चिया चें ग से कहा, "कार्य समग्र रूप से पूरा हो गया है, और अब हम इस पर आपकी राय और आपके द्वारा सु झाए गए किसी भी बदलाव के सु झाव जानना चाहते हैं ।लेकिन सबसे बढ़कर, हम उन शिलाले खों के लिए आपके सु झाव चाहते हैं जो अभी तक नहीं बनाए गए हैं और जो परिसर के प्रमु ख स्थानों को सु शोभित करें गे "। चिया चें ग ने सोच विचार करते हुए कहा, "हम्म, ये शिलाले ख मुश्किल होने वले हैं "। "सच कहें तो, रीति-रिवाजों की पु स्तक के अनु सर, हमें अपने विशिष्ट अतिथि को उपयुक्त उपाधियों और शिलाले खों का चयन करने का सम्मान दे न चाहिए; परन्तु भू दृश्य और दृश्यों का व्यक्तिगत अनु भव किए बिना, शाही पत्नी को इसके लिए आवश्यक प्रे रण नहीं मिल पाएगी। दूसरी ओर, यदि हम उनके आगमन के शु भ समय की प्रतीक्षा करें और तब तक कोई शिलाले ख य आदर्श वाक्य न लगाएं, तो अपने सभी आकर्षणों के बवजू द, भू दृश्य में कु छ आवश्यक कमी रह जाएगी।" "बिल्कुल सही," उन्होंने उत्तर दिया। "और इस कठिनाई को दूर करने के लिए, हमें लगता है कि फिलहाल हम सबसे अच्छा यही कर सकते हैं कि तीन-चार अक्षरों में विभिन्न शिलाले खों और आदर्श वाक्यों का मूल विषय ही लिख लें और पठ की अंतिम रचना का निर्णय स्वयं हमरी विशिष्ट अतिथि पर छोड़ दें, जो अपने आगमन के शु भ समय पर करें गी।"मैं सहमत हूँ तो चलिए, हम अपना निरीक्षण भ्रमण शु रु करें, जिसके लिए यह सु हावना बसं त का मौसम आदर्श है," चिया चें ग ने आगे बढ़ते हुए निर्णय लिया। सं योगवश, जै से ही वह पास पहुँ च, पाओ यू नए पर्क में थ, जहाँ वह अपनी ददी की इच्छा पर अपने मृ त मित्र के शोक के कई हफ्तों के बद कु छ समय बिताने के लिए अक्सर जाया करता था। राजकु मर चे न, जो दल से आगे निकल गया था, हँ सते हुए उसे सलाह दी कि वह जितनी जल्दी हो सके गयब हो जाए क्योंकि उसका सख्त बू ढ़ा गवर्नर उस तरफ आ रहा था। बहुत डरा हुआ पाओ यू जल्दी से बहर निकलने की ओर भगा, लेकिन जै से ही वह बहर निकला, सीधे अपने डराने

पिता से टकरा गया। बचने का कोई रास्ता नहीं था, इसलिए वह रास्ते के किनारे दबे पांव खड़ा होकर दल के गुजरने का इंतजार करने लगा। "हमारे साथ आओ!" उसके पिता ने संक्षिप्त और अचानक आदेश दिया। उन्होंने हाल ही में बूढ़े दाईजू से सुना था कि उनका बेटा, हालांकि स्कूल में बहुत पढ़ाकू नहीं था, लेकिन दोहे और विलोम लिखने में असाधारण प्रतिभा दिखा रहा था। इसलिए वह आज उसकी थोड़ी परीक्षा लेना चाहते थे।123

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.15% है ।

श्री चें ग सबसे पहले ढके हुए प्रवे शद्वार के समने रुके और बाहर के दृश्य के प्रभाव को अपने ऊपर हावी होने दिया। तां बे की टाइलों से ढकी पाँ च दरवजों वाली प्रवे श द्वार की छतें छिपकलियों या मगरमच्छों की झिलमिलाती खु रदरी पीठ की तरह लग रही थीं। प्रवे श द्वार तक जाने वले सं गमरमर के पुल की रेलिंग और सीढ़ियाँ पश्चिमी शैली में कलात्मक रूप से गढ़े गए अलं करणों से सजी थीं। न तो प्रवे श द्वार पर और न ही पुल पर कोई सफे दी या रं ग किया गया था; ऊपर और नीचे सब कु छ पनी की तरह साफ सं गमरमर की प्रकृतिक सफे दी में चमक रहा था। प्रवे श द्वार के बाएँ और दाएँ ओर फैली चू ने से पु ती दीवार का रं ग भी सफे द था। दीवार प्राकृतिक पत्थरों के आधर पर बनी थी, जो बाघ की खाल की तरह धारीदार थे और इस तरह से काटे और लगाए गए थे कि दीवार बे हद आकर्षक लग रही थी। कुल मिलाकर ऐसा लग रहा था जै से किसी खू बसू रत रत्न को अनोखे ढं ग से सजाया गया हो। सं तुष्ट होकर श्री चें ग आगे बढ़े । प्रवे शद्वार के ठीक अं दर उनकी नज़र एक हरे रं ग के बिल पर पड़ी। “कितनी सुं दर पहाड़ी है!” वे सब मं त्रमु ग्ध होकर बोले ।“ यह पहाड़ी, जो पहले तो दृश्य को ढकले ती है, उम्मीद जगाती है । अगर कोई प्रवे श करते ही पू रे दृश्य को दे ख ले, तो नीरसता छा जाएगी,” चिया चें ग ने कहा। “बिल्कुल सही!” बाकी सब सहमत हुए। “मन को जीवं त करने के लिए ऊँ चाई और गहराई ज़रूरी हैं ।” वे एक सं करे रास्ते पर आगे बढ़े जो घास और लताओं से ढके विशाल, भू रे रं ग के पत्थरों से बनी एक सं करी घाटी से होकर ऊपर की ओर जता था। ये पत्थर, अपनी विचित्र आकृतियों के सथ, इधर-उधर पड़े हुए, भू तों या शक्तिशाली, काल्पनिक जानवरों की तरह लग रहे थे । आधे रास्ते में, एक चमकदार पत्थर के समने, वे रुक गए। “मु झे लगता है कि यह शिलाले ख के लिए सही जगह है । हम इस जगह को क्या नाम दें? कृ पया अपने सु झाव दें, सज्जनों!” चिया चें ग ने आग्रह किया। "स्तरीकृ त किंगफिशर ग्रीन," "कढ़ाईदार चट्टानें," और इसी तरह के एक दर्जन सु झाव सु ने गए। पाओ यू को अं त में बोलने के लिए बुलाया गया। उन्होंने स्पष्ट और बेझिझक अपनी राय व्यक्त की कि यहाँ, जहाँ अभी-अभी परिसर में पहला कदम रखा गया है, शिलाले ख लगाना कु छ समय बद की बात होगी, लेकिन यदि इस महत्वहीन स्थान को किसी आदर्श वाक्य से सु शोभित करना ही हो, तो वे एक प्रचीन ग्रं थ से मिलते-जुलते

शब्दों का सु झव दें गे "गोधूलि की छाया में टे ढ़े मे ढ़े रास्तों पर।" चारों ओर तालियाँ बज उठीं। "हमारे योग्य भतीजे का यह सु झव सच्ची प्रतिभा को दर्शाता है । उसकी तुलना में हम सब तो के वल अनाड़ी और नीरस विद्वान हैं," वरिष्ठों ने चपलू सी भरे लहजे में कहा। "कृ पया अतिशयोक्तिपूर्ण प्रशं स न करें, अन्यथा लड़के को अपने ज्ञान पर घमं ड हो जएगा। बे हतर होगा कि उस पर हँ सें, यह अधिक उचित होगा।"

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.46% है ।

"यह उसके लिए आधिकारिक है," चिया चें ग ने मु स्कुराते हुए आपत्ति जताई। "खै र, हमारे पास अभी भी इस मामले पर विचार करने का समय है ।" रास्ता अं धे री गु फाओं से होते हुए चट्टानों पर उजाले मै दानों की ओर जाता था, कु छ झड़ियों से ढके थे, कु छ पे ड़ों से और कु छ फू लों से । साथ ही एक कलकल बहती धारा थी जो कहीं समतल भूमि से होकर धीरे-धीरे बहती थी, कहीं घाटी की ओर छलां ग लगाते हुए नीचे गिरती थी, एक सं करी पहाड़ी में विलीन हो जाती थी, और अं त में एक ते ज, झागदार झरने के रूप में एक छोटी, चमकती झील में विलीन हो जाती थी। झील के किनारों को सफे द सं गमरमर की रेलिंग ने घे र रखा था, और इसके सं करे किनारे पर सं गमरमर के पत्थरों का तिहरा मे हराब किसी समुद्री राक्षस के खु ले जबड़ों की तरह फै ला हुआ था। पुल पर बना और पानी के ऊपर लटका हुआ मं डप अगले पड़ाव के रूप में चुना गया। सभी इस बात पर सहमत थे कि यह मनमोहक जल मं डप न के वल एक काव्यात्मक नाम के योग्य था, बल्कि निश्चित रूप से एक सप्तक दोहे में इसकी प्रशं सा की जानी चाहिए। इसलिए, एक जीवं त साहित्यिक बहस शु रू हुई जिसमें पाओ यू को एक बार फिर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिला। जबकि अन्य सभी ने प्रसिद्ध कविता "शराबी बू ढ़े का मं डप" से एक उपयुक्त उद्धरण के बारे में तु रं त सोचा, जिसमें कवि नियां ग नदी के उद्गम स्थल के पास एक मं डप की महिमा करता है, और इस कविता से जै स्पर जलप्रपात का नाम ले ना चाहते थे, पाओ यू ने कहा कि यह उपयुक्त नाम नहीं है । ऐसे प्रतिष्ठित अतिथि के स्वागत के अवसर पर, शिष्टाचार का ध्यान रखना चाहिए और यह याद रखना चाहिए कि जलप्रपात का प्रतीक एक बहुत ही अभद्र चीज, अर्थात् दस्त, का भी प्रतीक है, और इसलिए उच्च वर्ग के लोगों को घृ णा हो सकती है । यह तर्क बिल्कुल अकाट्य था। चिया चें ग ने सोच-विचार करते हुए अपनी दाढ़ी सहलाई और टिप्पणी की कि लड़का विरोधाभास से भरा हुआ है और उसके लिए कु छ भी सही नहीं है । पहले तो वह पुराने उद्धरणों के पक्ष में था, और अब जब एक पु राना उद्धरण प्रस्तावित किया गया तो उसे आपत्ति उठानी पड़ी। अं त में, पाओ यू द्वारा सु झाए गए "सु गंधित मै दानों से होकर" शीर्षक को सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया गया, जहाँ एक पु ष्पमय मैदान से जलप्रपात निकलता है । और अपने पिता की इच्छा पर उन्होंने मौके पर ही जो दोहा रचा, उससे और भी

अधिक प्रशंस मिली। इसके बद समूह ने इसी का चक्कर लगाया, जिसके दौरन प्रत्येक टीले, चट्टान, फूल और पेड़ का अलग-अलग और गहन निरीक्षण किया गया। अचानक वे एक छयादार बांस के झुरमुट के सामने आ गए, जो एक नीची, सफेदी की हुई दीवर से घिरा हुआ था। इस हरे-भरे क्षेत्र के भीतर खंभों पर बना एक छोटा सा देहती घर छिपा हुआ था। "कितनी प्यारी जगह है!" वे सब एक सथ बोले। वे अंदर गए। एक लत्तों से ढका रास्ता द्वार से टेढ़े-मेढ़े मोड़ों में उस छोटी सी कुटिया तक जाता था, जिसमें केवल तीन कमरे थे, जिनमें से दो खुले बरमदों में खुलते थे, और तीनों को सुरुचिपूर्ण ढंग से सजाया गया था, लेकिन जगह का पूरा उपयोग करते हुए। बीच वले कमरे से एक संकरा दरवाजा नाशपाती और खिले हुए केले के पौधों से भरे पिछले बगीचे में खुलता था। एक फुट चौड़े125

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 59.24% है ।

बगीचे की दीवर के पस एक साफ झरना बह रहा था, जो कलकल करते हुए एक छोटी सी धरा में बदल गया और छोटे से कॉटे ज के ारों ओर बगीचे से होते हुए बहता हुआ बां स के जंगल से नीचे गिरता हुआ अं त में पस की झील में ज गिरा। "कितनी सु ंदर जगह है सोचो, चां दनी रात में यहाँ खिड़की पर बै ठकर पढ़ाई करना कितना अच्छा लगे ग; जीवन व्यर्थ नहीं जाएगा!" चिया चें ग ने अपने बे टे पाओ यू पर तिरछी नज़र डालते हुए कहा, जिसने तु रं त ही सं कोच से अपना सिर झुका लिया। एक बार फिर उपयुक्त आदर्श वाक्य को ले कर एक जीवं त साहित्यिक प्रतियोगिता छिड़ गई, और एक बार फिर पाओ यू का विचार विजयी रहा। उसने इस बत पर ज़ोर दिया कि विशिष्ट अतिथि इस स्थान पर अपना पहला विश्राम करें गी और इसलिए शिलाले ख में कोई सु खद व्यक्तिगत सं के त होना चाहिए। उसने जो शस्त्रीय उद्धरण सु झया, "एक फीनिक्स अनु ग्रह के साथ विश्राम करने आत है," उसने वरिष्ठों के बीच उतन ही उत्साह जगाया जितना कि उस अतिरिक्त छं द ने जगाया जिसे उसे अपने पिता के आदे श पर लिखना पड़ा था। के वल उनके पिता ने असहमति जताई और उन्हें "मामूलीपन" और "कीड़े के दिमाग" जै सी कु छ अपमानजनक बातें बड़बड़ाते हुए सु ना गया। रास्ता अब एक हरे-भरे उभरे हुए टीले के चारों ओर मु ड़ गय, जिसके पीछे नीची पीली मिट्टी की दीवारों से घिरी धान की खे ती दिखाई दे ने लगी। इस धान के खे त से सटा हुआ सै कड़ों खु बानी के पे ड़ों का एक बगीचा था, जिन पर फूल खिले हुए थे। लाल फूलों के गु च्छे के पीछे से एक फार्महाउस की पु आल की छत झाँ क रही थी। फार्महाउस के दूसरी ओर एल्म, शहतू त और चे री के पे ड़ों का एक मिश्रित समू ह था। उनके चरों ओर एक हरी बाड़ थी और "इसके पीछे, एक पहाड़ी पर, बाल्टी और लीवर के सथ एक दे हाती कु आँ था। कु एँ के आगे निचुड़ा सब्जियों के विस्तृ त बगान फैले हुए थे, प्रत्ये क प्रकार की सब्जी अपने सटीक नप वाले भू खं ड में लगी हुई थी। "यही तो मु झे प्रसन्न करता है!" श्री चें ग ने खे ती के इस दृश्य को दे खकर मं त्रमु ग्ध होकर कहा। "इस तरह से व्यवस्थित भूमि का एक टुकड़ा अर्थपूर्ण और सार्थक है ।" मैं अपनी भावनाओं को रोक नहीं पा रहा हूँ, क्योंकि यह दृश्य मे रे अंतर्मन को झकझोर दे त है और मु झे एक शां त ग्रमीण जीवन की लालसा जगा दे त है । चलो अं दर चलते हैं और विश्राम करते हैं।" लेकिन

उसी क्षण उसने रास्ते में झाड़ियों के पीछे एक चट्टान का टुकड़ा देखा, जो निस्संदेह राहगीर को बैठने और विश्राम करने के लिए आमंत्रित कर रहा था। यह चट्टान किसी शिलालेख की प्रतीक्षा कर रही थी। "नहीं! इसके बजाय यहाँ आओ। यह और भी सुंदर है!" वह बाहर से चिल्लाया, और वे सभी उसके पीछे-पीछे चट्टान के टुकड़े के चारों ओर इकट्ठा हो गए। एक बार फिर एक गहन साहित्यिक चर्चा शुरु हुई। "खिलते खुबानी का गाँव" बड़ों द्वारा सर्वसम्मति से प्रस्तवित किया गया। लेकिन यहाँ भी पाओ यू की राय अलग थी, और इस बार, निस्संदेह पिछली प्रशंसा से उत्साहित होकर, उसने अपने पिता द्वारा पूछे जाने की प्रतीक्षा किए बिना, कुछ हद तक निर्भीकता से अपनी राय रखी। इससे उसे अपने पिता से कड़ी फटकार मिली। 126

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.10% है ।

अब कं पनी पु आल की छत वाले फार्महाउस में दाखिल हुई। अं दर से कितना सादा था! खिड़कियों के फ्रे म पर कागज के पर्दे लगे थे, साधारण लकड़ी के पलं ग बिस्तर का काम कर रहे थे । मानो विलासिता या परिष्कार का हर निशान गायब हो गया था। यह सब श्री चें ग की पसं द के अनु रूप था। लेकिन क्या यह उनके बे टे को भी पसं द आया? "अब, तु म्हें यहाँ कै सा लग रहा है?" उन्होंने उसे परखने के लिए पू छा। वरिष्ठ, जो इस प्रश्न के पीछे छिपे इरादे को भली भांति समझ गए थे, उन्होंने इशारों और थपथपाहट से पाओ यू को समझने की कोशिश की कि उसे अपने पिता को प्रसन्न करने वाले अं दाज़ में जवाब दे ना चाहिए। लेकिन पाओ यू को बात समझ में नहीं आई। "यह घर उस दूसरे दे हाती घर की सु ं दरता से बिल्कुल भी तुलना नहीं कर सकता जिसे हमने 'एक फीनिक्स गरिमा के साथ विश्राम करने आता है' का नाम दिया था," यह उसका बे बाक फै सला था। "बे वकू फ लड़का!" चिया चें ग दहाड़ा। "तो क्या तु म्हें हमेशा लाल बालकनियाँ और चमकीले रं ग के खं भे ही चाहिए? यह स्पष्ट है कि तु म्हारी विकृ त रुचि के लिए, जो कु छ भी महं गा और उत्तम न हो, वह सु ं दर नहीं है । इस स्थान में व्याप्त प्रकृति की सादगी और शु द्ध आकर्षण की तु म्हें ज़रा भी समझ नहीं है । इसमें तु म्हारी सं स्कृति की घोर कमी झलकती है ।" पाओ यू ने असहमति जताते हुए "प्राकृतिक" शब्द की व्याख्या पर एक लं बा-चौड़ा भाषण दिया और इस बात से इनकार किया कि प्रकृति का अनु करण करने वाली इस भूमि में कोई वास्तविक प्राकृतिकता है । यह मानव निर्मित एक कृत्रिम रचना थी, जो अलग-थलग पड़ी थी और बिना किसी प्राकृतिक सं बं ध के, एक ऐसे वातावरण में स्थापित थी जो इससे पू री तरह अपरिचित था। यह सच है कि यहाँ खे त थे, लेकिन पास के किसी बाज़ार तक जाने वाली कोई सड़क नहीं थी जहाँ फसलें बे ची जा सकें; आस-पास कोई गाँ व नहीं था, पहाड़ी पर कोई मंदिर नहीं था। दरअसल, इसमें प्रकृति का भ्रम बनाए रखने के लिए आवश्यक हर चीज़ की कमी थी, जबकि दूसरा दे हाती घर अपने परिवे श से बिल्कुल अलग था और कृत्रिम बां स के बागान और कृत्रिम सिंचाई के बावजू द, उसे "प्राकृतिक" कहना उचित था। जोश में आकर वह और भी ज़्यादा सै द्धांतिक होता चला गया, अं ततः उसके पिता का धैर्य टूट गया और उन्होंने गु स्से में कहा, "चु प हो जाओ और चले जाओ!" बहुत है रान होकर पाओ यू चु पके से कमरे से बाहर

निकल गया, लेकिन उसे तुरंत कठोर स्वर में वापस बुला लिया गया: "रुको! यहीं रहो!" उसे आवश्यक दोहा सुनने से बचने की अनुमति नहीं थी। पाओ यू ने पूरी कोशिश की और एक बेहद मनमोहक दोहा रचा, लेकिन उसके पिता ने अपनी इस रचना पर केवल इतना ही कहा, "हर बार और भी बुरा होता जा रहा है!" वे आगे बढ़ गए। रास्ता एक पहाड़ी के चारों ओर घूमता हुआ, फूलों से भरे खेत से होकर गुजरता था, जिसमें विलो वृक्षों से घिरा एक चट्टानी झरना था, फिर कश्मीरी कांटों के एक मंडप तक जाता था, वहां से पेओनी के एक उपवन तक और फिर एक गुलाब के बगीचे से होते हुए केले के बागान तक जाता था। कई टेढ़े मेढ़े मोड़ों के बाद...

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.87% है ।

मोड़ पर आकर वे एक चट्टानी गु फा के समने खड़े हो गए, जो लताएँ से ढकी हुई थी और जहाँ से उन्हें पनी की कलकल की आवाज़ सु नाई दे रही थी। यहाँ सभीलोग रुक गए और खु शी से झू म उठे । स्वभाविक रूप से, यह फिर से एक आदर्श वाक्य के लिए सही जगह थी। "वू लिंग झरना" और "अजीब साधु की गु फा" जै से नाम सु झाए गए, जबकि पाओ यू ने "फर्न का किनारा" प्रस्तावित किया। "बकवास!" चिया चें ग ने कहा और चर्चा को बीच में ही रोककर गु फा से आगे बढ़ गया। दूसरी ओर, उसका शोरगुल भरा झरना एक शां त बं ध मेंमिल गया। "क्या यहाँ से नाव में आगे नहीं जा सकते?" चिया चें ग ने पू छा। "यहाँ कमल तोड़ने केलिए चार नावें और नव चलाने के लिए एक नाव होनी है," राजकु मर चे न ने उत्तर दिया, "लेकिन दुर्भाग्य से वे अभी तक यहाँ नहीं हैं ।" "कितनी अफ़सोस की बात है!" “हाँ, हमें पहाड़ पै दल ही जाना होगा,” राजकु मर चे न ने आगे बढ़ते हुए उत्तरदिया। एक खड़ी पहाड़ी पगडं डी घटी के सथ-साथ ऊपर की ओर घु मवदार थी। यह इतनी सं करी थीकि झाड़ियों और शाखाओं को पकड़ना पड़ता था। फिर यह नीचे की ओर उतरती थी, और यात्री खु द कोविलो, आड़ू और खु बनी के पे ड़ों सेघिरे एक शं त, सु नसन मछली तालाब के किनारे पर पते थे । मछली तालाब के दूसरे छोर पर, पे ड़ों की हरी पत्तियों के बीच, उन्हें लाल रेलिंग वाला एक लकड़ी का पुल दिखाई दिया। इसे पर करने पर, वे एक दीवर से घिरे एक साफ-सु थरेलेकिन दे खने मेंबिल्कुल बे स्वद ईंट के घर के पास पहुँ चे ।“बिल्कुल भी आकर्षक नहीं!” चिया चें ग का यही मत था। फिर भी इस सादे भवन के ठीक आगे नजारा एक बार फिर रोमांटिक हो गया। क्योंकि घर एक विशाल, पत्थरों से भरी घटी में धं सा हुआ था, जहाँ से चट्टान की एक अकेली ऊबड़-खाबड़ चोटी खड़ी ऊपर की ओर उठती थी। अचानक ही मानो आप किसी निर्जन पर्वतीय परिदृश्य में पहुँ च गए हों। वहाँ फूल और पे ड़बिल्कुल नहीं थे । के वल काई, दुर्लभ जड़ी-बूटियाँ औरलताएँ हीदिखाई दे रही थीं, जिनसे मनमोहक और अनोखी खु शबू आ रही थी। "यह तो वाकई दिलचस्प है," चिया चें ग ने अपनी पहली धारणा को सु धरते हुए कहा। "कितनी अफ़सोस की बात है कि इन पौधों के बरे में इतनी कम जानकारी है ।" उनकी इस टिप्पणी ने पओ यू को अपने वनस्पति विज्ञान के ज्ञान का प्रदर्शन करने केलिए प्रेरित किया। कई विद्वतापूर्ण

उद्धरणों से भरी एक लंबी व्यख्या में, उन्होंने एक-एक करके विभिन्न पौधों की पहचान की, अपरिचित वनस्पति नामों को बड़ी सहजता से बतया, जब तक कि उनके पिता का धैर्य टूट नहीं गया और उन्होंने उन्हें कठोर स्वर में रोक दिया: "चुप रहो। किसने पूछा?" पाओ यू, जिसे कुछ प्रशंसा की उम्मीद थी, इतना भयभीत हो गया कि वह काफी देर तक कुछ बोल ही नहीं पाया। ढके हुए गलियारों की एक जोड़ी, दो फैली हुई भुजओं की तरह, इस पर्वतीय चरवाहे की झोपड़ी से एक अलंकृत इमारत की ओर जाती थी। इसमें पाँच कमरे थे, यह पूरी तरह से एक खुले बरामदे से घिरा हुआ था, और इसकी सुंदर घुमावदार छत, इसकी खूबसूरती से पॉलिश की गई दीवारें और हरे-भरे

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 59.10% है ।

खिड़कियों पर लगे जलीदार पर्दों ने अब तक दे खी गई अन्य इमारतों की तुलना में इसे और भी अधिक मनमोहक बना दिया था। "अगर कोई व्यक्ति यहाँ बै ठकर शांति से चय बना सके और वीणा बजा सके, तो उसे इसविचार से भी सां त्वन और मुक्ति मिल सकती है कि उसकी मृ त्युबिना पु त्र के होगी और उसके मरने के बाद उसके लिए कोई बलि चढ़ाने और अगरबत्ती जलाने वला नहीं होगा," चिया चें ग ने आह भरी। फिर, जब सामान्य साहित्यिक बहस चल रही थी, तो वह अपने बे टे की ओर मु ड़े जो अभी भी चु प थ। "तु म्हें बोलना चाहिए, लेकिन तु म क्यों नहीं बोलते?" उन्होंने पू छा। "क्या तु मविनम्रतापूर्वक निवे दनकिए जाने की प्रतीक्ष कर रहे होकि तु म हमें अपने ज्ञान का अनु ग्रह प्रदान करो?" पाओ यू पिता की चु नौती से बच नहीं सका, और एक बार फिर उसके आदर्श वाक्य और दोहे को वरिष्ठों की सर्वसम्मति से सराहना मिली। लेकिन श्री चें ग ने"साहित्यिक चोरी" के बरे में कु छ अपमानजनक कहा और उस मूल छं द का हवाला दिया जिस पर पाओ यू ने अपनी रचना आधारित की थी। वरिष्ठों ने पओ यू का बचाव किया और दावा किया कि इस हिसाब से तो महान ली ताई पो पर भी साहित्यिक चोरी का आरोप लग सकता है, क्योंकि उन्होंने अपनी कविता "द टे रे स ऑफ द फीनिक्स" पू री तरह से एक पुरानी कविता "द टावर ऑफ द येलो क्रे न" पर आधारित की थी। महत्वपूर्ण बात तो नए सं स्करण की उत्कृष्टता थी, और इस मामले में पाओ यू का सं स्करण मूल से कहीं बे हतर था। श्री चें ग ने बस इतना ही कहा, "बकवास।" थोड़ी दूर चलने के बाद वे एक ऊँ चे और भव्य महल में पहुँ चे । यहाँ से एक खुला मनोरं जन कक्ष कई घु मावों और मोड़ों से होते हुए दूर ग्रामीण इलाके तक जता था। चीड़ के पे ड़ों की चोटियाँ छतों के किनारों को छू रही थीं। सं गमरमर की छतों पर ऑर्किड के फूल खिले हुए थे । ड्रै गन और अन्य शानदार जानवरों के शरीर सोने, चाँ दी और काँ से में चमक रहे थे । श्री चें ग ने, "मुख्य हॉल! इसमें बस एक ही कमी है, और वो है इसकी अत्यधिक भव्यता।" “हम जानते हैंकि शाही पत्नी सादगी को महत्व दे ती हैं, फिर भी उनके उच्च पद को दे खते हुए यहाँ किया गया खर्च हमें अत्यधिक नहीं लगा, बल्कि इसके विपरीत यह हमारे सम्मन का उचित प्रतीक था,” अन्य लोगों ने उत्तर दिया। वे आगे बढ़ते रहे और अं त में सामुम सफे द सबु न के पत्थर से बने एक ऊँ चे विजय मे हराब

तक पहुँचे। इसकी झस्तर पर उभरी हुई नक्काशी में ड्रैगन बने हुए थे"। "हम इसे क्या नाम दें?" श्री चेंग ने पूछा। "पवित्र आत्माओं के लोक का प्रवेश द्वार" सर्वसम्मत सुझाव था। पाओ यू गहरी सोच में डूबा हुआ था। उसे एक ऐसे ही पत्थर के मोबर की याद आ गई थी जिसे उसने कभी देखा था, हालाँकि उसे यद नहीं था कि कब—न दिन, न महीना, न साल। वह इतना सोच में डूबा हुआ था कि जब उसके पिता ने उससे प्रश्न पूछा तब भी वह चुप रहा।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.12% है ।

"उसे कल तक का समय दो!" वरिष्ठों ने श्री चें ग से आग्रह किया। उनका मानना था कि पाओ यू बार-बार पू छे जाने वाले प्रश्नों से इतना थक गया था कि उसका दिमाग काम करना बं द कर चु का था, और उन्हें डर था कि अगर उसे बैल की तरह लगातार परे शान किया गया तो उसकी से हत बिगड़ सकती है, और फिर उन्हें राजकु मारी की फटकार सु ननी पड़े गी। क्या श्री चें ग भी यही नहीं सोचते थे? "हा हा, नन्हा विलक्षण बच्चा अपनी बुद्धि की सीमा तक पहुँ च गया है," उन्होंने उपहास किया। "हाँ, आप सही हो सकते हैं"। फिर लड़के की ओर मु ड़कर बोले: "ठीक है, मैं तु म्हें कल तक का समय दे ता हूँ, लेकिन अगर तब तक तु म्हें कोई उपाधि नहीं मिली तो तु म्हारी खै र नहीं। तु म्हें इसकी कीमत चु कानी पड़े गी।" अब निरीक्षण यात्रा को थोड़ा छोटा करने का निर्णय लिया गया, क्योंकि दे खने के लिए बहुत कु छ था। सभी उद्यानों और मै दानों में से अब तक केवल लगभग पाँ च-दसवाँ हिस्सा ही दे खा गया था। दल एक बड़े फूल के पास फिर रुका। यहां एक बां ध था, जिसके ऊपर से जमा हुआ पानी एक चमकदार क्रिस्टल के पर्दे की तरह नीचे गिर रहा था। श्री चें ग ने पूछा, "इस बां ध का क्या नाम रखें?" पाओ यू ने सु झाव दिया, "सु गंधित बां ध।" श्री चें ग ने बहस को बीच में ही रोकते हुए झल्लाकर कहा, "बकवास! नामु मकिन!" और आगे बढ़ गए। उनके सामने एक के बाद एक भव्य हॉल और साधारण घास-फू स की झोपड़ियां, विशाल ईंट की दीवारें और सुं दर फूलों से लदे मं डप, प्रशां त पहाड़ी मंदिर, घने जं गलों में छिपी साधु ओं की कुटियाएं, और चु ड़ैलों की गु फाएं जहां प्रे म औषधि बनाई जाती थी, मनोरं जन गैलरी और चट्टानों को काटकर बनाए गए घु मावदार गलियारे, कोणीय कियोस्क, गोलाकार मं डप और दे खने लायक कई अन्य चीजें दिखाई दे ने लगीं। लेकिन श्री चें ग ने हर जगह रुकने का समय नहीं दिया। इतने लं बे समय तक चलाने से उनके पै र थक गए थे और वे निकास की ओर बढ़ते रहे । अब पार्क का एक अलग से बाड़ से घिरा हुआ हिस्सा दिखाई दे ने लगा। श्री चें ग ने सु झाव दिया, "चलिए थोड़ी दे र अं दर जाकर आराम करते हैं ।" वे सड़क से हटकर, नीले रं ग के झूलाके पे ड़ों के नीचे से गु ज़रते हुए और ऊँ चे खंभों के डं डों से बने गुलाब के मं डप से होते हुए एक गोलाकार चाँ दनुमा प्रवे श द्वार पर पहुँ चे । प्रवे श द्वार के दाएँ और बाएँ ओर सफे दी की हुई एक गोलाकार दीवार थी, जो बाहर से विलो के पे ड़ों से घिरी हुई थी।

दीवार के किनारे एक ढका हुआ दर्शनीय स्थल था। चट्टानों के बीच खड़े कुछ लोके के पौधों के अलावा, आँगन में उस दुर्लभ पौधे, सुनहरे बेगोनिया का केवल एक ही शानदार नमून था। उसका मुकुट एक खुली छतरी की तरह फैला हुआ था, उसकी शाखाएँ सुनहरे धागों की तरह झिलमिला रही थीं, उसके फूलों की कलियाँ मनो सिंदूर उगल रही हों। "कितने शनदार फूल हैं!" वे सब एक साथ चिल्लाए। "क्या ऐसा शानदार नमून पहले कभी देखा गया है?" चिया चेंग ने कहा, "यह विदेशी किस्म है जिसे 'मेडन बेगोनिया' कहा जाता है। इस नम का लोकप्रिय स्पष्टीकरण यह है कि यह किस्म 130

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.93% है ।

"यह अमे ज़न के किसी दूर दे श से आया है । लेकिन यह महज़ एक मनगढ़ं त कहानी है ।" "यह व्याख्या हमें पू री तरह निराधार नहीं लगती," वरिष्ठों ने कहा। "ये फूल वाकई असाधारण हैं । यह सच हो सकता है कि यह पौधा अमे ज़न के किसी दे श से आया हो।" "बहुत सं भव है कि यह कहानी किसी कवि या घु मं तू ग्रायक के दिमाग की उपज हो," पाओ यू ने टिप्पणी की। "फूलों का गुलाबी रं ग, उनकी कोमल और नाजु क बनवट ने शयद उन्हें यह विचार दिया हो। और फिर, समय के साथ, उनकी यह अनोखी व्याख्या सच मान ली गई, क्योंकि यह इतनी प्यारी और तर्कसं गत व्याख्या है ।" "शानदार!" "वाह!" वरिष्ठों ने तलियाँ बजाईं। वे आनं द ग्लियारे में सीटों पर थोड़ी दे र आराम करने के लिए बै ठ गए और "ऊँ ची चमक और झिलमिलाती सु ं दरता" शीर्षक पर सहमत हुए। पाओ यू को भी शीर्षक अच्छा लगा, हालाँकि पू री तरह से उपयुक्त नहीं, क्योंकि इसमें केवल बे गोनिया का उल्ले ख था और केले के पौधों पर विचार नहीं किया गया था। बे गोनिया के लाल और केले के हरे रं गों का सं योजन जनबू झकर किया गया था और इसलिए इसे शीर्षक में व्यक्त किया जाना आवश्यक था। इसलिए उन्होंने "सु गंधित लाल और ने फ्राइट हरा" का सु झव दिया। "बु रा," चिया चें ग ने सिर हिलाते हुए और आगे बढ़ने के लिए खड़े होते हुए कहा। आँ गन पर करने पर वे एक गोलाकार हॉल में पहुँ चे । इसकी दीवारें ऊपर से नीचे तक जटिल नक्काशीदार, छिद्रित लकड़ी के काम से ढकी हुई थीं। इसमें पैटर्न और चित्रों का सबसे विविध सं ग्रह दिखाया गया था - उड़ते बदल, फड़फड़ाते चमगादड़, पे ड़ और झाड़ियाँ, फूल और पक्षी, परिदृश्य चित्र और मानव जीवन के दृश्य, हर जगह बार-बार आने वले शु भ चिन्ह फिट और शौ से गु ं थे हुए, जो "खु शी" और "दीर्घायु" का प्रतीक थे । ये सभी कलाकार के हाथों से तराशी गई, सोने की पत्ती और पं च अन्य रं गों से सजी तथा चमकदार पत्थरों से जड़ी हुई वस्तु एँ दे खने में बे हद सजीव प्रतीत होती थीं। इस कलात्मक पृ ष्ठभूमि से पं खे के आकार के दीवार विभाजन निकले हुए थे, जिन पर किताबों के स्टैं ड, फूलदान, पीतल की थालियाँ और इसी तरह की वस्तु एँ रखी थीं। ये दीवार विभाजन आकार में अत्यं त विविध थे । कु छ कोणीय थे, कु छ गोल, कु छ केले के पत्तों के आकार के, कु छ सू रजमु खी के पत्तों के आकार के, और कु छ प्रतिच्छे दी अर्धवृ त्तों के आकार के थे, और वे सभी अपने सु ं दर फ्रे म

में टेपेस्ट्री के नमूनों की तरह सिलित थे। फिर, दीवारों में जगह-जगह रेशमी पर्दों से ढके हुए आले थे, जो गुप्त, छिपे हुए दरवजों का आभास देते थे, और इनके अंदर कांसे की तलवारें, वीणा, चीनी मिट्टी के फूलदान आदि जैसी बहुमूल्य प्राचीन वस्तुएँ और कलाकृतियाँ रखी थीं। उपस्थित लोगों का आश्चर्य और प्रशंसा असीम थी और इन दृश्यों को देखकर वे इतने अचंभित हो गए थे कि वे पहले ही

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 8.96% है ।

दूसरे चक्कर के दौरान, चिया चें ग ने घोषणा की कि अब जाने का समय हो गया है ।लेकिन उसे बाहर निकलने का रास्ता नहीं मिल रहा था। गोलाकार हॉल में कई दर्पण वाले दरवजे थे, सभी एक जैसे, और कई खिड़कियाँ थीं, जो लगभग एक जैसी थीं, और दीवार पर बना पैटर्न इतना उलझा हुआ था कि यह देखना लगभग असंभव था कि यह कहाँ से शुरू होता है और कहाँ खत्म होता है ।लेकिन राजकुमार चेन, जो उस जगह को अच्छी तरह जानता था, मुस्कुराते हुए दल को इस भूलभुलैया जैसे हॉल से सही दर्पण वाले दरवजे से बाहर ले गया। फूलों की क्यारियों और गुलाब की लताओं के बीच से रास्ता बनाते हुए, वे कुछ देर एकांत पानी की धारा के किनारे और एक पहाड़ी की तलहटी के चरों ओर से गुजरे, फिर एक बार फिर समतल जमीन पर पहुँच गए। "सचमुच एक मनमोहक पर्क, शानदार आविष्कार की एक उत्कृष्ट उपलब्धि!" यही उस बेहद संतुष्ट दल का मत था। पाओ यू खुश था कि जाने का समय आ गया था। वह लड़कियों की संगति के लिए तरस रहा था, जिसके बिना उसे इतने लंबे समय तक रहना पड़ा था। लेकिन उसे इंतजार करना पड़ा, क्योंकि उसके पिता ने अभी तक उसे जाने की अनुमति नहीं दी थी। आखिरकार, जाने की अनुमति मिल गई। “तुम अभी तक यहाँ क्या कर रहे हो? क्या तुम्हारा मन नहीं भरा? चलो! तुम्हारी दादी तुम्हें बुला रही होंगी,” चिया चेंग ने अचानक उसकी ओर मुड़कर कहा। वह पलक झपकते ही भग गया। दल अभी नज़रों से ओझल ही हुआ था कि उसके पिता के कई नौकर उसके पीछे दौड़ते हुए आए और उसे घेर लिया, उत्साह से बतें करते और हँसते हुए। “खुश हो जाओ, छोटे मलिक! मालिक बहुत खुश हैं,” उन्होंने गंभीर चेहरों से उसे बताया। “तुम्हारी दादी ने तुम्हें कई बार बुलवाया, लेकिन मालिक ने उन्हें संदेश भेजा कि वे तुमसे प्रसन्न हैं और तुम्हें कुछ और समय तक अपने सथ रखना चाहते हैं । हर कोई तुम्हारी प्रतिभा की प्रशंसा कर रहा है, और सब कह रहे हैं कि तुम्हारे आदर्श वाक्य दूसरों से कहीं अधिक सुंदर हैं । और अब तुम्हें हमें इस का जश्न मनाने के लिए कुछ देना होगा।” “ठीक है, तुममें से प्रत्येक को बेंत की एक माला मिलेगी,” पाओ यू ने हँसते हुए कहा। “नहीं, तांबे के सिक्के हमरे किसी काम के नहीं। हमें एक अच्छा स्मृति चिन्ह चाहिए,” उन्होंने ज़ोरदार विरोध किया, और उनकी सहमति का इंतज़ार किए बिना ही उन्होंने उन्हें

पकड़ लिया और देखते ही देखते उनका पर्स, पंखे के आकार का डिब्बा और उनकी कमर पर टंगी सारी छोटी-छोटी चीज़ें छीन लीं। “अब, बात पक्की हो गई,” उन्होंने घोषणा की, “हम आपके रक्षक बनेंगे और आपको पुनः तई ताई के पस ले जएंगे”। और वे उन्हें विजयी भाव से राजकुमरी की पूर्वज के समक्ष ले गए। “ओह, इन्होंने तो आपको बेशर्मी से लूट लिया!” नौकरानी पर्ल ने हरे मंडप में उन्हें चाय परोसते हुए मुस्कुराते हुए कहा। ब्लैक जेड, जिसने अगले कमरे से यह बात सुन ली थी, पास आई और उन्हें ध्यान से देखने लगी। “आपने उन्हें कमल के पत्ते की कढ़ाई वाला पर्स दे दिया है जो मैंने

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.04% है ।

"मैं ने तु म्हें दिया! वाह, कितना अच्छा है! तु मनिश्चिंत रहो कि मैं तु म्हें फिर कभी कोई उपहार नहीं दूं गी" उसने चिढ़कर कहा और उसकी तरफ पीठ फे र ली। अपने कमरे में लौटकर उसने कैं ची उठाई और गु स्से में उस अधू रे इत्र के थैले को काटने लगी, जिसे उसने कु छ दे र पहले ही बनने को कहा था। उसके पीछे दौड़कर आए पाओ यू ने बर्बादी को दे खकर अफसोस जतया। "कितनी अफ़सोस की बात है कि इतना प्यारा थैला बर्बाद हो गया!" उसने कहा। "लेकिन दे खो ये क्य है मे रे पास?" यह कहते हुए उसने अपने कोट का सामने का हिस्सा पलटा और कमल के पत्ते के आकार का एक पर्स निकालकर मु स्कुराते हुए उसकी तरफ बढ़ाया। उसने ऊपर दे खा। यह वही पर्स था जो उसने उसे दिया था। उसे तु रं त अपनी जल्दबाजी पर पछतावा हुआ और वह चु पचप शर्मिंदा होकर सिर झुका लिया। उसने सोच, वह उसके उपहार को वाकई बहुत सं भलकर रखता होगा, तभी तो उसने इसे अपने कपड़ों के नीचे इतनी सुरक्षित रूप से छिपा रखा है ।लेकिन उसे दंडित करने केलिए अब वह नाराज़ होने का नाटक करने लगा। "तु म्हें कैं ची चलाने में इतनी जल्दी नहीं करनी चाहिए थी।" लेकिन अगर तु म मु झे अपने उपहार के लायक नहीं समझतीं, तो कृ पया अपना पर्स वापस ले लो!” उसने ठं डे लहजे में कहा और पर्स को इतनी सटीकता से उसकी ओरनिशाना बनाया कि वह सीधे उसके सीने पर फिसल गया। इसके बाद वह कमरे से चला गया। ब्लै क जे ड फू ट-फू ट कर रोने लगी, अपनी पोशाक के अं दर से पर्स निकाला और कैं ची से उसे काटने ही वली थी कि अचानक पाओ यू फिर से उसके सामने खड़ा हो गया। उसने ते ज़ी से हरकत करते हुए उसके गु स्से का दूसरा शिकार उससे छीनलिया। “छोड़ दो, प्यारी छोटी बहन!” उसने मु स्कुराते हुए उससेविनती की। उसने कैं ची ज़मीन पर गिरा दी और अपने आँ सु ओं से भरी आँ खों को रूमाल से पोंछते हुए सिसकियों से रुं धी हुई आवाज़ में बोली: “तु म्हारा मे रे साथ इस तरह का व्यवहार करना बहुत बु रा है । एकदिन अच्छा और अगले दिन बु रा... मैं इसे बर्दाश्त नहीं कर सकती...” वह उछलकर बिस्तर पर ले ट गई और दीवार की ओर मुं ह करके अपनी आँ खें पोंछने लगी। पाओ यू भी उसके पीछे उछल पड़ा और कोमल शब्दों में उसेदिलासा दे नेलगा कि उसे कितना अफ़सोस है कि उसने उसे ठे स पहुँचाई, और वह अपनी गलती मानता है और भविष्य में सु धर जाएगा। इसी बीच राजकु मरी पूर्वज अपने पोते

के बरे में पूछ रही थीं। उन्हें पता लगा गया कि वह मिस लिंग के कमरे में है। दादी ने कहा, "यह तो और भी अच्छा है। उसकेपिता उसे दिन भर परेशन करते रहे हैं। उसे अपनी चचेरी बहन केसाथ थोड़ा समय अकेले बिताने से क्यों रोका जाए? उसे मत बुलाओ, बस ध्यान रखो कि वे झगड़ न करें!" पाओ यू के स्नेह भरे शब्दों से अभिभूत होकर ब्लैक जेड फिर से बिस्तर से उठ गई। "तुम सताने वले! मुझे एक पल भी चैन नहींलेने दे!" "मैं तुम्हें छोड़कर जा रही हूँ," उसने दरवजे की ओर जाते हुए कहा। "तो मैं भी तुम्हारे सथ चलूँगा," उसने घोषणा की और 133 वें दरवजे की कुंडी बांधनेलगा।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 48.83% है ।

कमल के पत्ते के आकार का पर्स उसकी कमर पर वापस टं ग हुआ था। लेकिन अचानक उसने उसे उससे छीनलिया। "मु झेलगता है तु म्हें यह पसं द नहीं है । तु म एक मु सीबत और झं झट हो।" "चोरी मे ई मे , इसे मु झे वापस दे दो" "पहले तो प्यर से 'कृ पय' कहो!" "कृ पय, कृ पय!" और तु म मु झे वो इत्र का थैला भी दोगे जिसका तु मने मु झसेवादा किया था, है न?" "यह पू री तरह से मे रे मू ड पर निर्भर करे ग।" अध्याय 15 लालटे न उत्सव केदिन, शाही पत्नी अपने परिवार से मिलने आती हैं । फीनिक्स पैले स की मलकिन के स्वगत की अंतिम तै यरियाँ अब पू री हो चु की थीं। चिया चियां ग सु चो से बारह चुनिंदा नृ त्य और गयन करने वली लड़कियों का एक दल ले कर आए थे, जिन्हें एक कु शल बैले शिक्षिका के निर्देशन में बीस नृ त्य नाट्यों का प्रदर्शन करना था। दल को नाशपाती उद्यान में ठहराया गया था, उस परिसर में जहाँ पहले चची ह्सु एह और उनका परिवार रहता था, बाद वाले को अस्थयी रूप से निंगकु ओ महल के उत्तर-पूर्वी छोर पर एक शां त और एकां त स्थन पर रखा गया था। यु व कलाकारों की से व के लिए घरेलू कर्मचारियों में से कु छ बुजुर्ग महिलाओं को चु न गया था, जो अपनी यु ववस्था में गयन और नृ त्य मेंनिपु ण थीं, लेकिन अब स्थिर, सफ़े द बालों वाली महिलाएँ थीं। चिया चियां ग को मं डली के रखरखव और उनके द्वारा उपभोग की गई वस्तु ओं के खर्च का हिसाब दे ने का कार्य सौंपा गया था। दसवें महीने में आयोजित उत्सव समिति के अंतिम बड़े सत्र में, समिति के प्रत्ये क सदस्य ने अपने-अपने विभागों का विस्तृ तविवरण प्रस्तु त किया था, और यह स्थापित हो गया था कि किसी भी चीज़ की कोई कमी नहीं थी। चमकीले रं ग के गने वले पक्षी और मं चूरियन स्पिरिट क्रे न सेले कर, वन्यजीव अभ्यारण्य में हिरण और खरगोश, खे तों में हं स औरमुर्गियां, यहाँ तककि अंतिम कां से के कटोरे और सबसे छोटे पायमामूतक, सब कु छ अपनी जगह पर थ। नर्तकियों की मं डली ने अपने बीस नृ त्यों के प्रदर्शन में पू री तरह महारत हासिल कर ली थी, और बारह बौद्ध और बारह ताओवादी भिक्षुणियों के गयन दल अपनी प्रार्थनाओं को बिना रुके सु नासकते थे । उत्सव उद्यानों का एक और सामान्य निरीक्षण किया गया, इस बार राजकु मरी पूर्वज और उनकी दासियों द्वारा। अब अं ततः चिया चें ग का महान क्षण आ

गया था: उन्होंने अधिकारिक तौर पर सिंहासन के समक्ष अपनी यचिका प्रस्तुत की। अपने सबसे बड़े बेटे के लिए शाही सहमति की भीख मांगते हुए134

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.10% है ।

बे टी अपने परिवार से मिलने आ रही थी। जिस दिन उन्होंने अपनी यचिका सौंपी, उसी दिन एक सौहार्दपूर्ण आदे श प्रप्त हुआ, जिसमें अनु रोधित यात्रा की स्वीकृति दी गई और यात्रा की तिथि नव वर्ष की पहली पूर्णिमा, यानी लालटे न उत्सव केदिन तय की गई। इस तिथि से एक सप्तह पहले, छह शाही हरमों के अधीक्षक, मु ख्यहिजड़ा ह्सिया, आ पहुँ चे । उन्होंने की गई तैयारियों का अत्यं त बारीकी से निरीक्षण किया और उत्सव उद्यान के सभीहिस्सों का, यहाँ तककि उन एकां त कोनों तक का भी जहाँ सम्मनित अतिथि को विश्राम करना था और "अपने वस्त्र बदलने थे", निरीक्षण किया। वे अपने साथ बड़ी सं ख्या में अन्यहिजड़ों को लाए थे जिन्हें विशेष रूप से पहरे दारी और निगरानी के लिए चु न गया था और अब उन्हें विभिन्न स्थानों पर तै नत किया गया था। इसके अलावा, दोनों महलों के निवासियों को विस्तृ तनिर्देश दिए गए कि सम्मानित यात्रा की अवधि के दौरान रसोई कर्मचारियों सहित प्रत्ये क व्यक्ति को कहाँ रहन है, साथ ही स्वागत समारोह में पलन की जाने वली सटीक रस्मों के बरे में भी बताया गया। इसके अलावा, राजधानी से लोक निर्माण मं त्रलय के कर्मचारियों को शाही महल से राजमहल तक जाने वली सड़कों की सफाई के लिए तै नत किया गया था, और यातायात और पै दल यात्रियों को रोकने केलिए विशेष पुलिस बल भे जे गए थे । चौदहवीं से पंद्रहवीं की रात को किसी ने भी आँ खें नहीं बं द कीं, और भोर होते ही राजकु मरी से ले कर सभीलोग, औपचारिक पोशाक में सजे-धजे, आगं तु क की प्रतीक्षा में तै यार थे । रमणीय दर्शन के उद्यन में पर्दे अजगरों और साँ पों की तरह फूल गए, चमकीले कढ़ाई वाले पर्दे फीनिक्स पक्षियों की तरह फड़फड़ा रहे थे, सोना और चाँ दी चमक रहे थे, मोती और कीमती पत्थर झिलमिला रहे थे, तिपाई वाले बर्नर और धू पदानों से सु गंधित धु एँ के बादल उठ रहे थे, गमलों और फूलदानों से नए पत्तों की खु शबू चमक रही थी। हर जगह सन्नाटा छाया हुआ था। न तो किसी के घु टने की आहट सुनाई दे रही थी और न हीकिसी की खाँ सी। परिवार के पु रुष सदस्य बं द सड़क के बीचोंबीच, पश्चिमी द्वार के समने खड़े थे, जबकि महिलाएं ऊं चे कपड़े के पर्दों से भद्दीनिगाहों से बचते हुए द्वार के पस ही प्रतीक्षा कर रही थीं। घं टों के इं तजार से होने वाली थकावट अब साफ दिखाई दे नेलगी थी, तभी घोड़े पर सवर एक अकेला हिजड़ा सरपट दौड़ता हुआ आया। चिया चें ग

ने उसे रोकाऔर पूछा कि शाही पत्नी कब आएंगी। उत्तरमिला, "अभी बहुत समय है। एक बजे उनका भोजन करने का इरादा है, दो बजे वे ईश्वर से प्राप्त अनमोल शक्ति के हॉल में बुद्ध की प्रार्थना करेंगी, पांच बजे वे मन की स्पष्टता के महल में भोज में शामिल होंगी, और उसके बाद वे शाही उद्यानों में लालटेन प्रदर्शन देखने जाएंगी। वे आज शाम सात बजे से पहले शायद ही यहां पहुंच पाएंगी।" 135

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.08% है।

फीनिक्स के सुझाव पर, जिसने पर्दे के पार से पूरी बातचीत सुन ली थी, बुज़ुर्ग महिलाएं कुछ देर आराम करने के लिए अंदर चली गईं। दोपहर ढलते ही घोड़ों की तेज़ सरपट चाल सुनाई दी। इस बार दस हिजड़े घोड़े पर सवार होकर आए। वे हाँफ रहे थे और जैसे ही वे घोड़ों से, उन्होंने उत्साह से ताली बजाई। यह कई हिजड़ों के लिए पूर्वनिर्धारित संकेत था, जिन्हें कई दिनों से पार्क में तैनात किया गया था, कि एक विशेष अतिथि आ रहे हैं और वे सभी अपने-अपने स्थानों पर दौड़ पड़े। कुछ और समय मौन प्रतीक्षा में बीता, फिर दो घुड़सवार धीमी चाल से आते हुए दिखाई दिए। वे अपने घोड़ों से कूदे और शिविर की ओर मुँह करके महिलाओं के पर्दे के पास अपनी जगह ले ली। कुछ देर बाद घुड़सवारों का एक और जोड़ा आया और पहले जोड़े के साथ मिल गया। फिर घुड़सवारों के दस और जोड़े आए और पहले दो जोड़ों के साथ मिलकर एक दोहरी पंक्ति बना ली। दूर से संगीत की आवाज़ सुनाई दी। और अब, दो-दो करके, लंबा जुलूस आगे बढ़ा: ड्रैगन के झंडे, फीनिक्स और तीतर के पंखों से बने बड़े-बड़े पंखे, राजसी छतरियाँ लहरा रही थीं। इसके बाद, सोने के जलते हुए धूपदान लिए हुए वाहक आए; फिर, एक मेहराबदार ढांचे पर, पीले रेशम का एक विशाल चंदवा फैला हुआ था जिस पर सात फीनिक्स की कढ़ाई की गई थी; एक मुकुट, वस्त्र, कमरबंद और जूते थालियों पर रखे हुए थे; फिर गर्म सुगंधित पानी के पात्र, कढ़ाई वाले हाथ के तौलिए, सुगंधित रूमाल, झाड़ू और इसी तरह की वस्तुएँ लिए हुए और भी हिजड़े आए, जिन्हें उन्होंने तैयार रखा था। और अंत में, आठ पुरुषों द्वारा उठाई गई, फीनिक्स की कढ़ाई वाली विशाल पीले-सोने की रेशमी राजसी पालकी आई, जिसके पीछे सोने की कुंडी और दोनों ओर मधुर झंकार वाली छोटी घंटियाँ थीं। उसके आते ही प्रतीक्षा कर रही पूरी भीड़ घुटनों के बल बैठ गई। हिजड़े दौड़कर आए और राजकुमारी और अन्य महान महिलाओं को फिर से उठने में मदद की। फिर वे सब पालकी के चारों ओर जमा हो गए और व्यवस्थित जुलूस में पैदल चलकर महल परिसर में प्रवेश किया। युंगकुओ महल के पूर्वी छोर पर स्थित एक एकांत आंगन के प्रवेश द्वार के सामने पालकी रखी गई। एक हिजड़ा जल्दी से दरवाजे तक आया, घुटने टेककर बैठ गया और शाही पत्नी को पालकी से उतरने और कपड़े बदलने के लिए आमंत्रित किया। फिर हिजड़ा शाही दासियों के लिए

रास्ता बनाने केलिए पीछे हट गय, जिन्होंने विशिष्ट महिला को पालकी से उतरने में मदद की और उन्हें संबंधित कमरे तकले गईं। वसंत ऋतु की शुरुआत के कपड़ेबदलने के बाद, वह फिर से पालकी में बैठ गईं और उन्हें रमणीयदर्शन के उद्यान में ले जाया गया। उद्यान असंख्य चमकीले रंग के दीपों औरलालटेनों की बहुरंगी झिलमिलाहट से जगमग रहा था, हवा धूपदानों और तिपाई से उठते धुएं केछल्लों में फैली सुगंधित खुशबू से भरी हुई थी, और एक अदृश्य ऑर्केस्ट्रा की मधुर धुनों से गूंज रही थी जो समय-समय पर सुनाई देती थी।136

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 79.39% है ।

"बहुत ही आलीशान, बहुत ही महं ग!" वसं त ऋतु की शु रुआत ने सिर हिलाते हुए बु दबुदाया, जब उसने अपनी पलकी से चरों ओर अभू तपूर्व वै भव दे खा। एक हिजड़ा पालकी के पस आया, घु टने टे के और महारानी को नाव में बै ठने का निमं त्रण दिया। वसं त ऋतु की शु रुआत पालकी से उठी और भव्य राजकीय नाव में सवर हो गई, जो ऊँ ची ढलानों के बीच से बहने वाली जगमगाती जलधारा पर धीरे-धीरे आगे बढ़ी। दएं और बएं चट्टनें और पत्थर की रेलिंग अनगिनत छोटे क्रिस्टल और कां च के दीपों की रं गीन रोशनी से जगमगा रही थीं। किनारों पर लगे पे ड़ और झाड़ियाँ, जो अभी पत्तों से रहित थीं, रं ग-बिरं गे कपड़े और टिशू से बने कृत्रिम पत्तों और फूलों से वसं त जैसा रूप धारण कर चु की थीं, और शाखाओं और पत्तों के बीच हर जगह चमकीले छोटे दीपक और लालटे नें चमक रही थीं। नीचे पनी पर भी रोशनी झिलमिला रही थी, क्योंकि हर जगह, सरकं डों, कमल के पत्तों और जल लिली के बीच, सीपियों और शं खों के आकार के छोटे-छोटे दीपक जगमग रहे थे, जबकि बगुले, हं स और बत्तखों के पं खों से बं धे अन्य दीपक पनी की सतह पर प्रकाश के अद्भुत वृ त्त बना रहे थे । ऐसा लग रहा था मानो कोई क्रिस्टल के जदुई लोक में, मोतियों और कीमती पत्थरों की जगमगाती जादुई दुनिया में पहुँ च गया हो। नाव भी रं ग-बिरं गी रोशनी से जगमगा रही थी, और ये रोशनी भव्य मोती जड़े पर्दों, कढ़ाईदार दमिश्क के पर्दों और कीमती लकड़ी से तराशे गए गीले चप्पु ओं पर पड़कर प्रतिबिंबों की एक शानदार आकाशगं ग बना रही थी। यात्रा "पे पर प्लं ट क्वे" नामक सं गमरमर के घट पर समाप्त हुई, जिसके बद मु ख्य हॉल तक सम्मान के पत्थर के मे हराबों के नीचे, जिन पर ड्रै गन की नक्काशी थी, पालकी में यत्रा जारी रही। रास्ते में, वसं त की शु रुआत ने उन आदर्श वाक्यों और शिलाले खों के बरे में कई इच्छाएँ व्यक्त कीं जिन्हें वह बदलना चाहती थी। उदाहरण के लिए, वह चाहती थी कि सम्मान मे हराब पर लिखे भव्य शीर्षक, "पवित्र आत्माओं के क्षे त्र में प्रवे श द्वार" को बदलकर सरल शिलाले ख "पु त्रवत दर्शन के दे श के घर में प्रवे श द्वार," कर दिया जाए। इन सभी इच्छाओं को किन्नरों द्वारा तु रं त चिया चें ग तक पहुँ चाया गया, जिन्होंने वहीं आवश्यक परिवर्तन करवा दिए; क्योंकि सभी मौजू दा आदर्श वाक्य और शिलाले ख के वल अस्थायी रूप से लगाए गए थे । वे लगभग सभी पाओ यू के सु झावों पर आधारित थे । यद्यपि यह

उल्ले ख करन आवश्यक है कि वसं त की शु रुआत को अपने छोटे भाई से विशेष स्ने ह थ। जब वह घर पर रहती थी और पाओ यू मुश्किल से चर साल का था, तब वह उसके मनसिक विकास में लगभग माँ जै सी रुचि ले ती थी, और उसे शस्त्रीय शिक्षा की बुनियादी बातों में लगन से निर्देश दे ती थी, और उसे कई हज़र चित्रलिपि सिखाती थी। शाही महल की से व में रखे जाने के बाद भी, वह अपने पिता और माता को लिखे पत्रों में यह पू छना कभी नहीं भूलती थी कि वह कै स है और क्य कर रहा है ।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 49.07% है ।

वह अपनी पढ़ाई में प्रगति कर रहा था। पाओ यू के विचारों का उपयोग करके आदर्श वाक्यों के लिए ग्रं थों का व्यापक रूप से उपयोग करते हुए, चिया चें ग का उद्दे श्य अपनी बहन को प्रसन्न करना था। वह इनसे यह समझन चाहती थी कि बचपन में उसने उसके साथ जो मे हनत की थी, वह व्यर्थ नहीं गई, बल्कि उसका अच्छा फल मिला। क्योंकि भले ही पओ यू की प्रे रणाएँ प्रतिभा का सटीक प्रमाण न हों, कम से कम उनमें उल्ले खनीय कौशल और मौलिकता तो झलकती ही थी। मु ख्य हॉल विशाल मोमबत्तियों की जगमगाहट से उत्सवपूर्ण ढं ग से चमक रहा था। मै दान में हर जगह सुलगते तिपाई और अगरबत्ती के बर्तन रखे थे, जिनसे सिवे ट और मस्क ऑक्स की कस्तू री ग्रंथियों से निकलने वली सु गंधित हवा में घुल रही थी। आं तरिक सज्जा की भव्यता का पर्याप्त वर्णन करना असं भव थ - कालीनों और पर्दों, दीवारों और खिड़कियों, सीढ़ियों और रेलिंग की सभी भव्यताओं का विस्तृ त वर्णन करना असं भव थ। यह सचमु च एक परी महल था, एक वास्तविक "दालचीनी हॉल", "ऑर्किड का महल", जो शाही पत्नी के निवास के योग्य थ। वसं त ऋतु की शु रुआत ने दे खा कि भवन के समने कोईशिलाले ख नहीं थ। एक हिजड़े ने उसे समझाया कि यह मु ख्य हॉल है, और किसी ने भी उत्सव उद्यान के इस सबसे महत्वपूर्ण स्थान पर उसकी पसं द का अनु मन लगाने कीहिम्मत नहीं की थी। समारोह के सं चालक के रूप में कार्य कर रहे एक प्रमु ख हिजड़े ने अब उसेसिंहासन पर आसीन होने और परिवार के सदस्यों से सम्मान ग्रहण करने केलिए आमंत्रित किया। सिंहासन की ओर जाने वली सीढ़ियों के दोनों ओर सं गीत बजने लगा। इस बीच, राजकु मर शीह और अन्य वरिष्ठ दो हिजड़ों के मर्गदर्शन में हॉल के प्रवे श द्वार के समने स्थित चंद्र चबू तरे पर एकत्रित हो गए थे, और महारानी के समने प्रकट होने और दरबारी रीति-रिवाजों के अनु सर सम्मानपूर्वक प्रणाम करने के सं के त की प्रतीक्षा कर रहे थे। लेकिन महारानी ने उन्हें और महिलाओं को भी इस प्रणाम करने से मुक्त कर दिया और एक साधारण समारोह से ही सं तुष्ट हो गईं। इस दौरान महारानी को तीन बार चाय परोसी गई। फिर वे खड़ी हुईं औरसिंहासन से नीचे उतरीं। जै से ही उन्होंने ऐसा किया, सं गीत बं द हो गया और इसी के सथ स्वागत समारोह का आधिकारिक भाग समाप्त हो गया। अब महारानी की पत्नी एक कमरे में गईं और अपने वस्त्र

बदले। फिर वे शाही रथ में बैठकर पार्क से निकलीं और एक बार फिर परिवार की एक साधारण बेटी बनकर अपने माता-पिता और दादी से मिलने चली गईं। यह दूसरा, निजी स्वागत समारोह राजकुमरी पूर्वज के घर में हुआ। वास्तव में, वसंत की शुरुआत को अब बेटी और पोती होने के नाते, बूढ़ी तई ताई और अपनी माँ के सामने घुटने टेकने चाहिए थे। लेकिन बूढ़ी तई ताई और अन्य महिला रिश्तेदारों ने उनके पास झुककर प्रणाम किया और उन्हें दरबारी शिष्टाचार द्वारा निर्धारित समारोह का पालन करने से मना किया। 138

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 79.33% है ।

औपचारिकताओं के सं पन्न होने के बाद, पु नर्मिलन से उत्पन्न मनवीय भावनाओं को खुलकर व्यक्त किया गया। उपस्थित सभी महिला रिश्ते दारों ने बरी-बारी से वसं त ऋतु का स्वागत किया, और जब वह अपनी दादी का बायां हाथ और अपनी मां का दायां हाथ थामे खड़ी थी, तो उसकी आं खों से लगातार आं सू बह रहे थे। रिश्ते दार भी भावु क हो गए थे । सभी के दिलों में बहुत कु छ था जिसे वे व्यक्त करना चाहते थे, लेकिन काफी दे र तक के वल मौन सिसकियां ही सु नाई दे ती रहीं। राजकु मरी शीह और फीनिक्स तथा तीन चचे री बहनें, वसं त ऋतु का अभिवादन, वसं त ऋतु का शोक और वसं त ऋतु का स्वाद, जो विनम्रतापूर्वक कु छ दूरी पर खड़ी थीं, वे भी इस भवु कत से भर गईं और लगातार अपनी आं खें पोंछती रहीं। अं ततः वसं त ऋतु की शु रुआत ने आंसुओं पर काबू पाया और अपनी आवाज़ को हं समु ख और विनोदी लहजे में बदलते हुए अपनी दादी और माँ की ओर मु ड़कर कहा: "जब से मु झे उस जगह ले जाया गया है जहाँ आपलोगों का आना मना है, आज मु झे लं बे समय के वियोग और कई कठिनाइयों के बद पहली बार आपसे दोबरा मिलने की अनु मति मिली है । और अब सथ में हँ सने-हँ सने के बजाय, हम सब एक-दूसरे पर रो रहे हैं और विलाप कर रहे हैं । हमें ऐसा करने के बजाय वर्तमान क्षण का आनं द ले न चाहिए। जल्द ही मु झे आपको छोड़कर जाना होगा, और कौन जानता है कि हम कब दोबारा मिलें गे...!" वह और कु छ नहीं कह सकी और फिर से रोने लगी। सभी उसे सं त्वन दे ने और दिलासा दे ने के लिए उसके चरों ओर जमा हो गए। अब उसे एक कुर्सी पर बै ठाया गया, जिस पर वह दोनों महलों की सभी महिला कर्मचारियों के सम्मनपूर्वक अभिवादन का स्वागत करने लगी, जो वरीयता क्रम में द्वार के समने से गु जरीं और प्रणम किया। "हमारा परिवार इतना बड़ा है, यह दुख की बात है कि सभी से मिलने का समय नहीं है," वसं त ऋतु की शु रुआत ने आह भरी। उसकी माँ ने उससे पूछा कि क्या वह आं टी ह्सु एह और उनकी बे टी और चचे री बहन ब्लै क जे ड से मिलना चाहती है । वे बाहर इं तज़ार कर रही थीं, लेकिन बुलाए जाने तक आने की हिम्मत नहीं कर रही थीं, क्योंकि वे खु द को पद और प्रतिष्ठा से वंचित समझती थीं। बिगिनिंग ऑफ़ स्प्रिंग ने उन्हें अं दर बुलवाया और उनमें से प्रत्ये क से कु छ दोस्ताना बातें कीं। इस बीच, उसके से वक अलग-अलग कमरों में आराम कर रहे थे, के वल चार

यु व हिजड़े ही उसके आसपास रह गए थे । गर्डों और दल की अनु पस्थिति ने परिवार को अधिक बे रोकटोक बतचीत करने की अनु मति दी। बिगिनिंग ऑफ़ स्प्रिंग ने अपनेपिता, चिया चें ग से भी कु छ बतें कीं, हालांकि के वल तह के पर्दे के मध्यम से, क्योंकि दरबारी शिष्टाचार के अनु सार किसी भी अजनबी पु रुष को, यहाँ तककि उसके अपनेपिता को भी, सम्राट की पत्नी को अपनी अपवित्र दृष्टि से दे खने की अनुमति नहीं थी। "वे गरीब किसान जो नमकीन गोभी खाकर और घटिया सू ती कपड़े पहनकर जीते ,हैं वे हमसे बे हतर स्थिति में हैं," बिगिनिंग ऑफ़ स्प्रिंग ने पर्दे के माध्यम से विलाप किया। "वे अपनी स्वभाविक इच्छा को पाल-पोस सकते हैं और संतुष्ट कर सकते हैं"।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 79.01% है ।

वे अपने परिवार के साथ सु ख-सुविधाओं का आनं द ले ते हैं, लेकिन हम, हालांकि उन्हीं के समान मां स और रक्त से बने हैं, दुखद वियोग सहने के लिए मजबू र हैं । हमारे सारे वै भव और धन का हमारे लिए क्या लाभ है? उसके पिता भी लगभग रोने ही वाले थे, लेकिन उन्होंने उसे सांत्वना दी और उसे भाग्य से झगड़ा न करने के लिए प्रेरित किया, जिसने उसके साथ इतना अच्छा व्यवहार किया था, बल्कि स्वर्ग के पु त्र द्वारा दी गई कृ पा को कृ तज्ञतापूर्वक स्वीकार करने और अपनी निष्ठा के साथ उसका प्रतिफल दे ने के लिए कहा। "किसने कभी सपने में भी सोचा होगा कि मु झ जै से साधारण, गु मनाम व्यक्ति को अपने गरीब, ठं डे घर में मुर्गी और हं स जै सी साधारण प्रजातियों के बीच एक अनमोल फीनिक्स का पालन-पोषण करने का सौभाग्य प्राप्त होगा? सम्राट की कृ पा और प्रकृति की रहस्यमयी योजनाओं के बाद, इस महान सौभाग्य का श्रे य निस्सं दे ह हमारे पूर्वजों के आशीर्वाद और दयालु प्रभाव को भी दिया जा सकता है ।" इसलिए, हमें अपने पूर्वजों के प्रति अपनी गरिमा को दोगु ना बलिदान और सिंहासन के प्रति समर्पण से सिद्ध करना चाहिए, विशेष रूप से अब जब सिंहासन ने हमें परिवार के दर्शन का यह अभू तपूर्व अनु ग्रह प्रदान किया है । यदि हम प्रणाम करते हुए अपना सिर भी फोड़ दें, तब भी हम स्वर्ग के पु त्र के प्रति अपनी कृ तज्ञता का दस हजारवां हिस्सा भी नहीं चु का पाएं गे- ईश्वर उन्हें हजार फसलें प्रदान करें! मे री दिली प्रार्थना है कि शाही पत्नी अपने माता-पिता के साथ बिताए गए वर्षों के बारे में इतना न सोचें, बल्कि अपना सारा मन और सारी शक्ति महाराज की से वा में समर्पित करें! चिया चें ग ने फिर पाओ यू के बारे में बात करते हुए कहा कि पार्क में अधिकां श शिलाले ख और आदर्श वाक्य उन्हीं के द्वारा नियोजित किए गए थे । यदि वह इनमें से किसी एक शिलाले ख पर ध्यान दें और उन्हें बे हतर बनाने में मदद करें, तो वह निश्चित रूप से पाओ यू को बहुत प्रसन्न करें गी।"ओह, उन्होंने कितनी शानदार प्रगति की है!" वसं त ऋतु की शु रुआत ने खु शी से कहा। फिर, जब चिया चें ग चली गईं, तो उन्होंने अपने आसपास के लोगों से पू छा: "मु झे पाओ यू क्यों नहीं दिख रहे हैं?" "पद या उपाधि के बिना एक पु रुष रिश्ते दार होने के नाते, वह बिना बुलाए प्रकट होने का साहस नहीं करते," राजकु मारी पूर्वज ने उत्तर दिया। "उन्हें यहाँ लाओ," हिजड़ों को आदे श दिया गया। कु छ ही दे र बाद पाओ यू प्रकट हुए और घु टने टे ककर और

माथे से जमीन को छूकर अपनी बहन को प्रणाम किया। लेकिन उन्होंने उन्हें पूरी तरह से स्वीकार
लिया। उसने अनयास ही उसका हाथ पकड़ लिया और उसे अपने सीने से लगाकर, प्यार से उसके
सिर और गर्दन को सहलाया। "तुम कितने बड़े हो गए हो" वह मुस्कुराते हुए बोली, लेकिन तुरंत ही
बचपन की यादों में खोकर वह एक बर फिर फूट-फूट कर रोने लगी। "दावत तैयार है। हम शाही
पत्नी से विनती करते हैं कि हमें इसमें शामिल होने का सौभाग्य प्रदान करें।" इन शब्दों से उन्होंने
उसका ध्यान उसके दुख से हटाने की कोशिश की। वसंत ऋतु की शुरुआत हुई और उसने ओयू
को 140 सैनिकों का नेतृत्व करने का आदेश दिया।

元春

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.27% है ।

रास्ता दे खकर, वह अपने पू रे दल के सथ नए पार्क से होते हुए पैदल मु ख्य हॉल की ओर चल पड़ीं, जहाँ भोज का आयोजन होना था। रास्ते में, पार्क के सबसे महत्वपूर्ण हिस्सों का, जो अनगिनत चमकदार लालटे नों से जगमगा रहा था, अच्छी तरह निरीक्षण किया गया। वसं त ऋतु की शु रुआत ने भरपू र प्रशंसा और स्वीकृति दी, लेकिन उन्होंने अपने परिवार से अत्यं त विनम्रतापूर्वक विनती की कि जब वह दोबारा उनसे मिलने आएं तो इतना अधिक खर्च न करें । भोज में राजकु मरी चे न और फीनिक्स ने उन्हें भोजन परोसने और उनका गिलास भरने का काम साझा किया। भोजन के बद, वसं त ऋतु की शु रुआत ने कलम और स्याही मं गवाई और अपने हाथों से फूलों से सजी रे शम की पट्टियों पर नए पार्क के सबसे महत्वपूर्ण स्थानों के नम और शिलाले ख लिखे । पू रे पार्क का नाम "मनोरं जक दृष्टि का पार्क" रखा गया और मु ख्य हॉल के अग्रभग पर "शाही कृ प को याद करते हुए, कर्तव्य के निष्ठापूर्वक पालन के लिए तत्पर" शिलाले ख अंकित किया गया, और इसी तरह एक-एक करके नम, आदर्श वाक्य और पाठ की समीक्षा की गई। इसके बद बहनों, चचे री बहनों और पाओ यू के बीच काव्य रचना प्रतियोगिता शु रु हुई। बसं त का स्वागत, बसं त का शोक, बसं त का स्वाद, अनमोल आलिंगन, काली जे ड और ली वान (मृ त भई चिया चू की यु वा विधवा) - प्रत्ये क को एक आदर्श वाक्य दिया गया और उन्हें उस पर एक छं द की रचना करनी थी। वास्तव में, पाओ यू को चर विषय दिए गए थे । उन्हें विशेष रुप से चुनिंदा भाषा में पर्क के उन चर स्थानों की प्रशं स छं दों में करनी थी जो उन्हें सबसे अधिक पसं द थे । और इस तरह रचना-रचना का सिलसिला दे र रात तक चलता रहा। स्त्री साहित्यिक प्रतिभा के छह नमू नों में से, बसं त की शु रुआत ने काली जे ड और अनमोल आलिंगन द्वारा प्रस्तु त रचनओं को सर्वश्रे ष्ठ घोषित किया; उन्होंने विनम्रतापूर्वक कहा कि वे इतनी उत्कृष्ट थीं कि स्वयं उनकी बराबरी नहीं कर सकती थीं। पाओ यू ने भी वास्तविक प्रयास और अपनी दो प्रतिभाशाली चचे री बहनों, अनमोल आलिंगन और काली जे ड की गु प्त मित्रतापूर्ण सहायता से अपन कार्य पू रा किया था। प्रेशियस क्लै स्प ने प्रसिद्ध तां ग कवि हान यू की एक कविता की एक लु प्त पंक्ति सु नकर तीसरे छं द में सं के त दे ने में मदद की, जिसे वह यद नहीं कर पा रहा था; और ब्लै क जे ड ने वास्तव में उसके लिए पू रा चौथा छं द लिखा था और उसे चु पके

से एक मुड़े हुए कागज के टुकड़े पर लिखकर उसे दे दिया था। बिगिनिंग ऑफ स्प्रिंग ने तुरंत इस चौथे छंद को अपनी अब तक की सर्वश्रेष्ठ रचना घोषित कर दिया। टेस्ट ऑफ स्प्रिंग, जिसकी लिखावट सुंदर थी, को अब सभी दस छंदों को कागज पर फिर से लिखना पड़ा, जिसके बाद उन्हें एक हिजड़े द्वारा चिया चेंग के पास ले जाया गया, ताकि वह परिवार के युवा सदस्यों की साहित्यिक प्रतिभा के इन नमूनों को देखकर प्रसन्न हो सके। चाचेरा भाई चिया चियांग, जो अपनी नर्तकियों के दल के साथ प्रसिद्धि पाने के लिए बेताब था, उस समय लगभग अधीर हो गया जब अंत में एक हिजड़ा नृत्य मंच के पीछे से दौड़ता हुआ आया। 142

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.19% है ।

“साहित्यिक प्रतियोगिता समाप्त हो गई है,” उन्होंने घोषणा की। “नृ त्य कार्यक्रम अब शु रु हो सकता है । मु झे जल्दी से कार्यक्रम दीजिए।” चिया चियां ग ने उन्हें एक कार्यक्रम और बारह नर्तकियों के नमों की सू ची सौंपी।‘ बर्थिंग ऑफ स्प्रिंग’ ने बीस में से चार प्रस्तुतियाँ चु नीं “शानदार भोज”, “अजीब भिखारी”, “प्रे तों का मिलन” और “बिछड़ी आत्माएँ” । दर्शक मं च के सामने अपनी-अपनी जगह पर बै ठ गए, चिया चियां ग ने पर्दा उठाने का आदे श दिया, और बारह यु वतियों ने अपनी सावधानीपूर्वक अभ्यास की हुई कला का प्रदर्शन शु रु किया। उनका नृ त्य इतन मनमोहक था कि दर्शक मानो मं त्रमु ग्ध होकर उन्हें दे खते रह गए; उसके गयन ने सभी के दिलों को पिघला दिया; और उनके अभिनय में उन्होंने खु शी और दुख को इतनी पूर्णता से व्यक्त किया कि दर्शक पू री तरह से मु ग्ध होकर उनके अभिनय को लगभग वास्तविक ही समझने लगे । प्रस्तुति के बद मं च के पीछे एक हिजड़ा सोने की थली में के क ले कर प्रकट हुआ। चिया चियां ग ने नर्तकी लिंग कु आन को पर्दे के समने आकर उस महान दाता के प्रति कृ तज्ञत का प्रणाम करने को कहा। “शाही पत्नी ने घोषणा की है कि लिंग कु आन मं डली में सर्वश्रे ष्ठ है,” हिजड़े ने आगे कहा, “और वह चाहती हैं कि वह दो या दो से अधिक एकल प्रस्तुतियाँ दे ”। तदनुसार, चिया चियां ग ने लिंग कु आन को एक बर फिर मं च पर भे जा और उसे “ बगीचे में सै र और मधुर स्वप्न दमन” दो गीतों को पु नः प्रस्तु त करने का आदे श दिया। चूंकि ये दोनों गीत उसके विशेष प्रदर्शनों का हिस्सा नहीं थे, इसलिए कु छ हद तक स्वतं त्र स्वभव वाली लिंग कु आन ने इसके बजाय दो नृ त्य दृश्य, “मुलाकात” और “झगड़ा” प्रस्तु त किए। वसं त ऋतु की शु रुआत लड़की की प्रतिभा से एक बर फिर प्रसन्न हुई और उसे महल से रे शम के दो थान और सोने-चां दी के सिक्कों से भरे दो थै ले दे कर अतिरिक्त पु रस्कार दिया। इसी के सथ भोज समाप्त हुआ। वसं त ऋतु की शु रुआत पार्क के कु छ अन्य हिस्सों को दे खने के लिए उठी, जिन्हें उसने अभी तक नहीं दे खा था, जिनमें एक पहाड़ी पर स्थित बौद्ध मंदिर भी शामिल था, जहाँ उसने अगरबत्ती जलाई और बु द्ध से प्रार्थना की। उन्होंने इस मंदिर के शिलाले ख के लिए ये शब्द चु ने "दया की नाव पर सवार होकर कड़वाहट के सगर से गु ज़रना।" इसके बद मु ख्य हॉल में उपहारों का भव्य वितरण हुआ। वसं त ऋतु की शु रुआत, एक चबू तरे पर बै ठी, अपने हाथ में

उपहारों की एक विस्तृ त सू चीलिए हुए थी और जै से हीहिजड़ों ने उनके चरणों में उपहार रखे, उसने हर एक उपहार का निरीक्षण किया। दोनों महलों में, राजकु मरी पूर्वज से ले कर कचरा बीनने वले कुली और सबसे यु वारसोई की नौकरानी तक, कोई भी खाली हाथ नहीं लौटा। राजकु मरी पूर्वज को दो राजदं डमिले, एक सोने का, दूसरा जे ड का, जिन पर "आपकी मनोकामनाएं पू री हों" लिखा था, एक अगरबत्ती की छड़ी, चं दन की मला, शाही महल के भं डार से सटन की चार जोड़ी चादरें जिन पर "लं बी वसं त ऋतु", "धन और कुलीनता", "सौभाग्य" और "दीर्घायु" शब्द कढ़ाई किए हुए थे; साथ ही एक सोने का ले खन-ब्रश का डिब्बा, दस सोने की छड़ें भीमिलीं।

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.14% है।

"आपकी मनोकामनाएं पूरी हों के प्रतीक चिन्हों से बनी दस चांदी की छड़ें और "सुख और आशीर्वाद" के प्रतीक चिन्हों से बनी दस चांदी की छड़ें भेंट की गईं। अन्य सभी उपहारों का विवरण देना बहुत लंबा कार्य होगा। संक्षेप में कहें, तो पूर्वी और पश्चिमी महलों के संयुक्त घरेलू कर्मचारियों को सौ गांठ रेशम, एक हजार औंस चांदी और शाही शराब की कई बोतलें उपहार में मिलीं। सुबह के लगभग तीन बज रहे थे जब प्रभारी मुख्य हिजड़े ने प्रस्थान का समय घोषित किया। शाही पत्नी की आंखें एक बार फिर आंसुओं से भर आईं, लेकिन उन्होंने सहसपूर्वक खुद को मुस्कुराने के लिए मजबूर किया, अपनी मां और दादी के हाथों को एक बार फिर दबाया और उनसे विनती की कि वे बिछड़ने के गम को अपने ऊपर हावी न होने दें। ईश्वर अपनी अपार उदारता से उन्हें एक दिन फिर से मिलने का अवसर अवश्य देंगे, लेकिन अगली बार जब वे उनके पास आएं तो उनके सम्मान में इतना अधिक खर्च न करें। और अंत में वे हृदयविदारक आंसुओं और विलाप के साथ विदा हो गए। जैसे ही वसंत ऋतु की शुरुआत के साथ शाही पालकी आँखों से ओझल हो गई, उसकी माँ और दादी को दोनों तरफ से सहारा देना पड़ा, कहीं वे अपने दुख के बोझ से ज़मीन पर न गिर जाएँ। अध्याय 16 एक रात, दासी पर्ल ने पू यू की भावनाओं को परखा और अपनी शर्तें रखीं। ब्लैक जेड ने चचेरी बहन लिटिल क्लाउड का मज़ाक उड़ाया। शाही महल लौटने पर, वसंत ऋतु की शुरुआत ने अपने शाही पति को अपने घर की सुखद और सौहार्दपूर्ण यात्रा की सूचना दी। स्वर्ग के पुत्र का ड्रैगन जैसा चेहरा खुशी से चमक उठा और अपनी कृपा और सम्मान के प्रतीक के रूप में उन्होंने अपने ससुर चिया चेंग को अपने और अपने परिवार के लिए और शाही पति के निजी सेवकों में बाँटने के लिए रेशम, सोने और चाँदी के बहुमूल्य उपहार भेजे। उस शानदार यात्रा के कारण हुई सारी परेशानी और परिश्रम के बाद, पूर्वी और पश्चिमी महलों के निवासियों ने कुछ दिनों के आराम और मनोरंजन का आनंद लिया। नए साल का जश्न जारी रहा, यह सच है, लेकिन यह हमेशा की तरह औपचारिक नहीं था। फीनिक्स को छोड़कर, जो हमेशा की तरह पूरी ऊर्जा के साथ अपने घरेलू कामों को करती रही, बाकी सभी ने अपने-अपने आराम को प्राथमिकता दी और दूसरों की परवाह कम से कम की। इस वजह से पाओ यू को पहले से कहीं ज्यादा अकेलापन महसूस

हुआ, और चूंकि परिवार का स्कूल नए साल की छुट्टियों के लिए बं द थ, इसलिए उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह अपने खली समय का क्या करे । वहदिनों की एकरसता से ऊब गय था, और निगरानी की कमी ने उसकी स्वतं त्रताकी इच्छा को और बढ़ा दिया था। 144

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.04% है ।

एक दोपहर वह निंगकु ओ महल में चल रहे नाट्य प्रदर्शन से चु पके से निकल गया। मंच पर राक्षसों का नृ त्य, उनके साथ निकलने वाली कर्कश चीखें और ढोल-घंटियों का मदहोश कर देने वाला संगीत, जो सड़क तक सु नाई दे रहा था और जहाँ राहगीरों की भीड़ मंत्रमु ग्ध होकर देख रही थी, उसे बिल्कुल भी पसंद नहीं आया। उसे इस तरह की कला बहुत ही भद्दी और बेढंगी लगी। भीतरी कमरों में सरसरी नज़र डालने के बाद, जहाँ उसने राजकु मरी चेन और अन्य पत्नियों को अलविदा कहा, वह इमारत के एक एकांत हिस्से में, एक छोटे से पठन-पाठन कक्ष में चला गया। इस कक्ष में एक बेहद खूबसूरत महिला का चित्र टंगा हुआ था, जिसे इतनी सजीवता से चित्रित किया गया था कि मानो वह सजीव हो। उसने मन ही मन सोचा, "मैं इस सुंदर महिला का साथ दूंगा ताकि इस खु शनु मा छुट्टी के दिन वह अकेलापन महसूस न करे "। वह बिल्कुल अकेला था, क्योंकि उस दिन नौकरों को भी काफी आज़ादी मिली हुई थी। बड़े नौकर अपने प्रिय ताश के खेल में मन हो सकते थे या शहर में अपने रिश्तेदारों के साथ दिन बिता सकते थे; छोटे बच्चों को नाट्य प्रदर्शन और आतिशबाजी देखने की अनुमति थी। आज उनमें से किसी को भी छोटे गु रु की ज़्यादा परवाह करने की ज़रूरत नहीं थी। जब पाओ यू मंडप की खिड़की के नीचे से गु ज़रा तो उसने अंदर से आहें भरने और कराहने की आवाज़ सु नी। ये क्या? क्या तस्वीर सजीव हो गई है? उसने घबराकर सोचा और खिड़की के पर्दे में छेद करके अंदर झाँका। नहीं, तस्वीर सजीव नहीं हुई थी; बल्कि ये आवाज़ दो असली इंसानों की थी जो उस आनंददायक खेल में मन थे जो भयानक जागृति की परी ने उसे सिखाया था। जोड़े में से पुरुष को उसने अपने नौकर मिंग येन के रूप में पहचाना। "बस करो!" उसने पैर से दरवाज़ा खोलते हुए चिल्लाया। प्रेमी जल्दी से अलग हो गए और अपने कपड़े जल्दी से बाँधने लगे । मिंग येन अपने गु रु के सामने घु टनों के बल गिर पड़ा और दया की भीख माँगने लगा। “दिनदहाड़े ऐसे बर्ताव करना ठीक नहीं है; अगर घर के मालिक को पता चल गया तो तु म्हारा बु रा हाल हो जाएगा,” पाओ यू ने डांटते हुए मिंग येन की साथी को घूरकर देखा। यह छोटी रसोई की नौकरानी दिखने में बहुत सुंदर तो नहीं थी, लेकिन इतनी आकर्षक और प्यारी थी कि किसी भी पु रुष का दिल पिघल जाए। उसका चेहरा लाल हो गया था और वह झुकी हुई निगाहों से चु पचाप

शर्मिंदा खड़ी थी। “क्यों न यहाँ से चली जाओ?” पाओ यू ने गुस्से से पैर पटकते हुए पूछा। छोटी सी लड़की हवा की तरह निकल गई। पाओ यू उसके पीछे गया। “डरो मत; मैं चुगली करने वाला नहीं हूँ!” उसने उसे पुकारा। “इतनी जोर से मत चिल्लाओ, नन्ही पूर्वज। तुम्हारी चीख-पुकार से हमरा भेद खुल जाएगा!” मिंग येन भी उसके पीछे-पीछे चिल्लाते हुए बोला। पाओ यू रुका और उस लड़की को जाने दिया। मिंग येन से उसकी उम्र और माता-पिता के बरे में पूछने के बाद उसने कहा कि वह किसी तरह के अभियान पर जाना चाहता है। मिंग येन ने शहर की दीवारों के बहर लंबी सैर का सुझाव दिया, लेकिन उसके गुरु ने इसे बहुत साहसिक कदम समझा। अंततः उन्होंने 145 वें स्थन पर जाने का निर्णय लिया।

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.01% है।

पर्ल का घर, जिसे अपनी माँ के साथ दिन बिताने की छुट्टी मिली थी। घर मात्र एक मील दूर था। पर्ल, जो अपनी माँ, भाई और लगभग आधा दर्जन चचेरी बहनों के साथ चाय और केक का आनंद ले रही थी, अपने युवा स्वामी के अचनक आगमन से आश्चर्यचकित और सम्मानित महसूस कर रही थी। अगर वह कुछ घंटों के लिए भी उसके बिना नहीं रह सकता, तो वह निश्चित रूप से उससे बहुत प्यार करता होगा। उसने सोचा कि आखिर कौन सा ज़रूरी काम उसे यहाँ लाया है, लेकिन उसने कहा कि वह बस ऊब गया था और उसका साथ चाहता था। फिर भी उसे घर से अकेले निकलने की उसकी मूर्खता के लिए उसे डांटना पड़ा और वह उसे तुरंत वापस भेजना चाहती थी। अगर वे उसे खो देते तो क्या होता? या रास्ते में उसकी मुलाकात उसके सख्त मिजाज बूढ़े पिता से हो जाती? या भीड़ भरी सड़कों पर उसका घोड़ा डर जाता और उसे गिरा देता? उसने चिंता से पूछा। उसका भाई, जो उससे बड़ा था, ने उसे शांत करते हुए कहा कि चूंकि वह युवक यहाँ है, इसलिए शिष्टाचारवश उन्हें कुछ देर के लिए अपने घर में ठहरना चाहिए। तो वे उसे बैठक में ले गए, उसे गर्म चूल्हे पर बिठाया और उसके सामने तरह-तरह के सादे पकवान परोस दिए, जिन्हें उसने छुआ तक नहीं। हालाँकि पर्ल का सादा घर उसे ज़्यादा आराम नहीं दे पाया, फिर भी यह बदलाव उसे अच्छा लगा। इस बैठक में मौजूद सादगी भरे माहौल में रहने वाले आम लोगों का सहज वातावरण, बड़े घराने के बिगड़े हुए नौजवान रईस के लिए बिलकुल नया था, और परिवार की मेज के चारों ओर झुकी आँखों और लाल गालों के साथ बैठी कई सीधी-सादी युवतियाँ उसे बेहद आकर्षक लगीं। पर्ल भी उसके प्रति बहुत स्नेह दिखा रही थी। उसने अपना तकिया उसकी पीठ के पीछे कर दिया, अपने पैर गर्म करने वाले पैड उसके पैरों में रखे, और उसके सम्मान में सूखे बेर के फूलों की दो सुगंधित भेंट जलाईं। उसने देखा कि उसकी आँखों के चारों ओर लाल घेरे थे और उसके पाउडर लगे गालों पर आँसुओं के निशान थे। "क्या तुम रो रही थी?" उसने धीरे से पूछा। "नहीं, नहीं! आँख में धूल का एक कण चला गया था, और पलक रगड़ने से लाल हो गई है," उसने खुशी से जवाब दिया। "लेकिन आप तो बहुत ही सजे-धजे हैं। ये हमारे लिए तो नहीं थे न?" उसने जल्दी से विषय बदलते हुए पूछा। "नहीं, ये राजकुमार चेन के उस भयानक नाट्य प्रदर्शन के लिए थे। मैं

अभी-अभी वहीं से आय हूँ।" "और आपकोजितनी जल्दी हो सके वपस जाना चाहिए। हमारी छोटी सी झोपड़ी आपके रहने केलिए ठीक जगह नहीं है।" "मैं जरहा हूँ, लेकिन आपको जल्दी वापस आना होगा।" उसने उसे एक समझदारी भरी मुस्कान दी। फिर उसने उसके गले से पत्थर के ताबीज वाली पाँच रंगों की डोरी उतारी और परिवार के सभी सदस्यों को दे दी।" देखो, यही वो अद्भुत चीज़ है जिसके बरे में मैंने तुम्हें अक्सर बताया है। अब तुम इसे अपनी आँखों से देख सकते हो और इस पर आश्चर्य कर सकते हो। इसे ध्यान से देखो, ऐसी अनोखी चीज़ देखने का मौका रोज़-रोज़ नहीं मिलता," उसने गर्व से घोषणा करते हुए डोरी कोफिर से उसके गले में बाँधदिया। इसके बाद पाओ यू ने अपनी संक्षिप्त मुलाकात समाप्त कर दी। 146 को

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 8.99% है ।

पर्ल की सलाह पर उसने एक छोटी सी ढकी हुई पलकी किराए पर ली, जो उसे निंगकु ओ महल के बगल वाले द्वार के पस ले आई, ताकि रास्ते में उसकी पहचान न हो सके । वहीं उसनेफिर से अपने घोड़े पर सवर होकर बिना किसी की नज़र में आए अं दर प्रवे श किया। इस प्रकार उसकी यह छोटी सी स्वतं त्रत की उड़ान बिना किसी परिणाम के पू री हुई और इसका यहाँ उल्ले ख करना शायद ही उचित होता यदि इससे पर्ल का आत्मविश्वास बहुत अधिक न बढ़ा होता, जै स कि जल्द ही स्पष्ट हो गया। उसकी अनु पस्थिति में उसकी पूर्व नर्स, मदर ली, नए साल की शु भकामनाएँ दे ने के लिए अपनी छड़ी के सहारे लं गड़ाते हुए उससेमिलने आई थी। हालाँकि वह अपनी उम्र के कारण बहुत पहले ही से वा से से वानिवृ त्त हो चु की थी, फिर भी वह खु द को पहले की तरह ही महत्वपूर्ण और अपरिहार्य मानती थी। उसने हमे शा की तरह से वरत नौकरानियों और घरेलू नौकरानियों को डां टा और घर में उसके जाने के बाद से पनपी बु री आदतों के बारे में ज़ोर-ज़ोर से बतें कीं, और आखिरकार वह चली गई, अब भी डां ट-फटकार लगा रही थी, क्योंकि उसने वह स्वदिष्ट मू स खा लिया था जो उस सु बह शही रसोई से विशेष रूप से पओ यू के लिए भे ज गया था और जिसे पाओ यू ने नौकरानी पर्ल के लिए अलग रखा था। जब पर्ल शाम को घर लौटी तो उसने उससे माफी मां गी क्योंकि उस लालची बुढ़िया ने ईर्ष्यावश एक बार फिर उसका बचा हुआ टुकड़ा चट कर लिया था। पर्ल ने अपनेविनम्र स्वभाव से इसे हं सकर टाल दिया और कहा: "अच्छी नीयत के लिए धन्यवाद, लेकिन पिछली बार जब मैं ने वह मू स खाया था तो मु झेबिल्कुल भी अच्छा नहीं लगा था, हालांकि वह स्वादिष्ट था। इसलिए मु झे इसका ज़रा भी अफसोस नहीं है । सोने से पहले मु झे कु छ भु ने हुए शाहबलू त खना ज्यादा पसं द होग। क्या आप मे रे लिए कु छ छील दें गे?" पाओ यू ने आज्ञाकारी होकर भु ने हुए शाहबलू त की एक थली मं गई, सबसे अच्छे शाहबलू त चु ने और अपने हाथों से छील दिए। "आज दोपहर लाल कपड़े वली वह लड़की कौन थी?" उसने लापरवाही से पू छा, अपने काम में मन। "वह मे री चचे री बहन थी। लेकिन तु म आहें क्यों भर रही हो? मु झेलगता है कि तु म सोच रही होकि वह इतनी भव्य नहीं है कि इतने आकर्षक कपड़े पहन सके?" "बिल्कुल नहीं। लाल कपड़े पहनने का उससे बे हतर हक किसे है? क्या उसे यहाँ काम पर

नहीं रखा जा सकता?" "बिल्कुल नहीं। मे रे परिवार में एक दासी ही काफी है । तु म्हें किसी और को ढूं ढना होगा," पर्ल ने अकड़कर जवब दिया। "इतनी सं वे दनशील मत बनो। मे रा मतलब यह नहीं था कि वह दासी बनकर आए, बल्कि सिर्फ मिलने आए, तु म्हारे रिश्ते दार के तौर पर।" "वह तु म्हारे लिए उपयुक्त साथी नहीं है ।" पाओ यू चु प हो गई और शहतूत छीलने लगी। "तु म क्यों नहीं बोल रही हो?" काफी दे र चु प रहने के बाद उसने पू छा। "मु झे लगता है मैं ने तु म्हें नाराज कर दिया है? ठीक है, मु झे क्या फर्क पड़ता है, अगर तु म उससे इतनी मोहित हो, तो बस कु छ औंस चां दी खर्च करो और वह तु म्हारी हो जाएगी।" "तु म मु झे गलत समझ रही हो। मे रा मतलब सिर्फ इतना था कि वह कहीं ज्यादा बे हतर है "।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.84% है ।

"मु झ जै से तु च्छ प्राणी से बे हतर है कि वह अपना जीवन इन विशाल महलों और विस्तृ त उद्यानों में बिताए।" "यह सौभाग्य उसे नसीब नहीं हुआ, पर उसने कभी अभव का सामना नहीं किया और उसके मता-पिता ने उसे हर तरह से लाड़-प्यार दिया है । वह अब सत्रह सल की है और उसने अपने संदूक और थैलों में शदी का सारा सामान तै यर कर लिया है । क्योंकि उसकी शादी इसी साल हो रही है ।" पाओ यू के मुँ ह से खे द "आह!" निकली। "हाँ, सचमु च, यह बहुत दुख की बात है," पर्ल ने आह भरते हुए कहा, "हम चचे रे भाई-बहनों ने इन वर्षों में एक-दूसरे को बहुत कम दे खा है । और अब, जब मैं घरलौटने ही वली हूँ, वह हमें छोड़कर ज रही है ।" पाओ यू इतन चौंक गया कि उसके शहबलू त ज़मीन परलु ढ़क गए। "क्या? तु म घरलौटना चाहती हो?" उसने अचंभित होकर पू छा। "हाँ । आज दोपहर जब तु म आए थे, हम इस बारे में पारिवारिक चर्चा कर रहे थे । मे री माँ और मे रा भाई मु झसे एक साल और से व में रहने का आग्रह कर रहे थे, तब तो वे मे री आज़ादी खरीदने केलिए पर्याप्त धन इकट्ठा कर ले ते ।" "वे तु म्हें आज़ाद क्यों खरीदना चाहते हैं?" "यह कै सा अजीब सवाल है! आख़िर मैं घर की बे टी तो नहीं हूँ । क्या तु म्हें लगता है कि मु झे अपने दिन यहीं बिताने चहिए?" "अगर मैं तु म्हें जाने न दूँ तो?" "अरे! शाही दरबार में भी हमेशा के लिए गुलामी जै सी कोई चीज़ नहीं होती। घरेलू नौकरों को हर कु छ साल में बदला और बढ़ाया जाता है । इन चीज़ों के बरे मेंविशेष कानू न हैं । अगर दरबार को भी उन कानू नों का पालन करना पड़ता है, तो तु म्हारे घर को तो ज़रूर करन होगा।" पाओ यू इस बत को छिपा नहीं सका कि वह सही कह रही थी। फिर भी उसने अन्य आपत्तियाँ उठाने की कोशिश की। "बुढ़िया की अनु मति के बिना तु म्हें आज़ाद होना मुश्किल होगा," उसने कहा। "वह इसके खिलाफ क्यों होगी? क्या मैं इतन खास हूँ कि वह मे रेबिना नहीं रह सकती? कि वह मु झे रखने के लिए मे री माँ के भत्ते में बढ़ोतरी के लिए राज़ी हो जाए?" दूसरी ओर, मु झे ऐसा लगता है कि मैं औसतलड़की से बे हतर नहीं हूँ और मु झे किसी भी समय आसानी से बदला जा सकता है । खै र, मैं ने आपके परिवार की से व में काफी समय बिताया है, पहले कु छ साल मिस लिटिल क्लाउड के सथ, जो बू ढ़ी तई ताई की पोती थीं, और उसके बद न जाने कितने सल आपके सथ। अब मे रे जाने का समय आ गया है । मु झे पूरा विश्वास

है कि आपकी दादी मु झसे ुछ्कारा पाकर खु श होंगी और कोई बड़ीफिरौती भी नहीं मां गें गी। मैं ने आपकी अच्छी से व की, यह तो बस मे र कर्तव्य था। दूसरे भी अपन कर्तव्य उतनी ही अच्छी तरह या उससे भी बे हतरनिभाते हैं"। पिओ यू अपनी सीट पर बे चै नी सेहिलने-डुलने लगा। "लेकिन अगर मैं चहूँ कि आप यहीं रहें तो क्य होगा? क्या मे री ददी के कहने पर और उन्हें अिक भत्ता दे ने पर आपकी माँ अपन इरादा नहीं बदल दें गी?" 148

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.05% है ।

"अगर बुढ़िया ताई ताई ने ज़िद की कि मु झे यहीं रहना चाहिए, तो मे री माँ विरोध करने की हिम्मत बिल्कुल नहीं करें गी, और उस स्थिति में भत्ते में एक पैसा भी बढ़ाने की ज़रूरत नहीं होगी। लेकिन सवाल यह है कि क्या बुढ़िया ताई ज़िद करें गी? जहाँ तक मु झे पता है, आपके परिवार में कभी भी कमज़ोरों को डराने-धमकाने के लिए अपनी शक्ति और प्रभाव का दुरुपयोग करने का रिवाज़ नहीं रहा है । बुढ़िया ताई ताई के बारे में जो मैं जानता हूँ, उससे मु झे बहुत संदेह है कि वह इस नेक पारिवारिक परंपरा को तोड़कर मे री माँ और मु झे किसी ऐसी चीज़ के लिए मजबूर करें गी जो आपके परिवार के लिए कोई फ़ायदा नहीं और मे रे परिवार के लिए एक मानवीय कष्ट होगी।" पाओ यू कुछ पल सोच में डूबा रहा। "अगर मैं सही समझ रहा हूँ, तो आप सचमु च जाने का निश्चय कर चु के हैं?" "हाँ ।" कृतघ्न प्राणी! उसने मन ही मन गुस्से से सोचा। फिर आह भरते हुए ज़ोर से बोला: "अगर मु झे पहले ही पता होता तो मैं तुम्हें कभी अपनी सेवा में नहीं लेता। अब मैं यहाँ अकेला रह जाऊँगा, एक बेचारा परित्यक्त प्रेत।" वह उदास होकर अपने बिस्तर पर चला गया और लेट गया। उसे नहीं पता था कि पर्ल सिर्फ़ नाटक कर रही थी, ताकि उसके प्रति उसकी भावनाओं को परख सके । असल में, आज घर पर, जब उसकी माँ और भाई ने उसे वापस खरीदने की इच्छा ज़ाहिर की, तो उसने कहा कि उसे छुड़ाए जाने की कोई इच्छा नहीं है और वह अपनी गुलामी छोड़ने के बजाय मरना पसंद करे गी। ऐसे समय में जब घर में खाने के लिए चावल का एक दाना भी नहीं था, उसने खुद अपने परिवार को भुखमरी से बचाने के लिए गुलामी में बिकने का फैसला किया था। वह अब भाग्यशाली थी कि उसे न तो कपड़ों की कमी थी और न ही अच्छे भोजन की; उसे लगभग घर की बेटी की तरह माना जाता था, और न तो दिन में उसे पीटा जाता था और न ही रात में उसके साथ दुर्व्यवहार किया जाता था; तो क्या वह इतनी मूर्ख थी कि इस सुखमय जीवन को छोड़कर अपने घर की तंग गलियों में लौट जाए? बिलकुल नहीं। वह वापस खरीदे जाने के बारे में एक शब्द भी नहीं सुनना चाहती थी, और इस बीच वह चाहती थी कि उसका परिवार उसे मरा हुआ समझे । इसके बाद परिवार में गरमागरम बहस हुई, जिसके दौरान कुछ आँसू भी बहे, जिनके निशान पाओ यू ने देखे थे । नतीजा यह हुआ कि माँ और भाई मान गए और उन्होंने अपना इरादा छोड़ दिया। पाओ

यू के अचानक आने से उन्हें नौकर और मालिक के बीच के सौहार्दपूर्ण संबंधों का पता चल गया और वे पूरी तरह आश्वस्त और आश्वस्त हो गए। संक्षेप में, पर्ल ने अभी-अभी जो कुछ भी छोड़ने और फिरौती के लिए छुड़ाए जाने के बारे में कहा था, वह सब सरासर झूठ था। पाओ यू को बिस्तर पर लेटे हुए अभी ज्यादा देर नहीं हुई थी कि पर्ल उनके पास आई और उन्हें खुशी से झटका दिया। उसने उनके गालों पर आंसू देखे "किस बात ने आपके दिल को चोट पहुंचाई है?" उसने धीरे से पूछा। "यह सब इस बात पर निर्भर करता है कि क्या आप सचमुच मुझे अपने पास रखना चाहते हैं। अगर आप चाहते हैं, तो शायद मैं रुक जाऊं," उसने अप्रत्याशित रूप से कहा। 149

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.81% है ।

वह उछल पड़ा। "ओह, क्या ऐसा है? और मैं तु म्हें अपने पास रखने के लिए क्या करूँ?" "तु म्हें मु झसे तीन बातों का वादा करनी होंगी। अगर तु म ऐसा कर सकते हो, तो मैं तु म्हारी इच्छा की सच्चाई पर विश्वास करूँ गी, और फिर मैं यहीं रहूँ गी, चाहे यहाँ मेरा गला ही क्यों न काट दिया जाए।" "तीन बताओ, सौ शर्तें बताओ, मे री प्यारी छोटी बहन! मैं तु म्हारी हर बात मानू ँ गा, बस तु म मे रे साथ रहो। कम से कम तब तक रहो जब तक मैं उड़ती हुई राख में न बदल जाऊँ— नहीं, राख नहीं, क्योंकि राख में मे रे शरीर का बहुत बड़ा अं श रह जाएगा। तब तक रहो जब तक मैं धु एँ की एक लकीर में न बदल जाऊँ और हवा में बिना कोई निशान छोड़े उड़ न जाऊँ । तब मु झे तु म्हारी ज़रूरत नहीं रहे गी, तब तु म जहाँ चाहो वहाँ जा सकती हो...!" जै से-जै से वह बोलता गया, उसका गु स्सा बढ़ता गया। उसने अपने हाथ से उसका मु ँ ह बं द कर दिया और उसे और बोलने से रोक दिया। "रुको! तु म्हें इतना भावु क होने की ज़रूरत नहीं है । तु म्हें बस तीन छोटी शर्तें पू री करनी हैं ।" "और वे क्या होंगी?" "सबसे पहले, जब तु म्हें डाँटा जाए तो तु म्हें अपनी गलती माननी चाहिए।" "मैं मान लूं गा। और अगर मैं ने फिर कभी बकवास की तो तु म मे री जीभ काट दे ना। जाओ भाड़ में!" "दूसरी बात, चाहे तु म सचमु च विद्वान हो या सिर्फ दिखावा करते हो, तु म्हें लोगों के सामने विनम्र रहना चाहिए, और इतना मज़ाक और आलोचना नहीं करनी चाहिए, जिससे तु म्हारे पिता नाराज़ हो जाते हैं । वै से भी, वह तु म्हारी उपलब्धियों से खास प्रभावित नहीं हैं और उन्हें बु रा लगता है कि तु म उनकी पीठ पीछे उन योग्य बड़े लोगों के बारे में अपमानजनक बातें करते हो जिन्होंने अपनी काबिलियत से कु छ हासिल किया है और जिन्हें तु म 'वे तनभोगी मूर्ख' कहते हो। इसलिए, कृ पया इतना घमं डी मत बनो!" "तु म बिल्कुल सही कह रहे हो। और मैं अपनी जवानी की नासमझी में कही गई उन मूर्खतापूर्ण बातों को फिर कभी नहीं दोहराऊं गा।" बोलो!" "तीसरी बात, तु म्हें धर्मनिष्ठ भिक्षुओं और पवित्र ताओवादी पु जारियों का अधिक सम्मान करना चाहिए और उनका मज़ाक नहीं उड़ाना चाहिए। इसके अलावा, तु म्हें युवा लड़कियों के साथ कम चं चल और गै र-जिम्मे दार व्यवहार करना चाहिए और रं गे होंठों वाली और लाल पोशाक पहनी हुई सभी लड़कियों के पीछे नहीं भागना चाहिए!" "ठीक है । मैं अपने तरीके सुधार लूँ गा। और कु छ?" "नहीं। मे रे लिए इतना ही काफी है

कि तु म ये तीन शर्तें पू री कर दो। अगर तु म ऐस करोगे, तो आठ पालकी भी मु झे घर छोड़ने के लिए लु भ नहीं पाएगी।" "क्यों नहीं? कौन जानता है, अगर तु म यहाँ काफी दे र तक रहो, तो शायद तु म्हें आठ पालकी मिल जाए।" "ओह, नहीं। मु झे इसकी इतनी उत्सु कता नहीं है ।" वे दे र रात तक बातें करते रहे, तभी एक और दासी आई और उनसे पू छा कि क्या वे अखिरकार सोने के लिए तै यार नहीं हो जाएँ गे । रात का तीसरा पहर हो चु का था। पाओ यू ने उससे 150 दे ने को कहा

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 79.06% है ।

घड़ी की सु ई ने उसे दोखजी हाँ, घड़ी की सु ई सचमु च आधी रात की ओर इशारा कर रही थी। पाओ यू ने अपना चेहरा धोया और एक बार फिर कु ल्ला किया, फिर अं त में सोने के लिए ले ट गया। पर्ल को जल्द ही पता चल जाएगा, जिससे उसे बहुत चिढ़ होगी, कि उसने अभी-अभी उससे जो वादे किए थे, उन्हें वह कितनी हल्के में ले ने वाला था। अगले दिन यु ं गकु ओ महल में चचे री बहन ह्सियां ग यु न, या छोटी बादल, के आगमन से नई रौनक और बदलाव आया। वह काउं टशिह के कुलीन परिवार से थी और राजकु मारी पूर्वज की पोती थी। अपनी चं चल ताजगी और उमं ग से भरपू र स्वभव के कारण प्यारी छोटी मिस ह्सियां ग यु न हमे शा से ही एक बहुत ही प्रिय अतिथि रही थी, और बचपन से ही अपने चचे रे भाई पाओ यू की अच्छी दोस्त थी, जो उसकी हमउम्र थी, और जिसके सथ उसने कई शरारतें की थीं। महल में एक घटना विशेष रूप से मनोरं जक ढं ग से याद की जाती है, जब उसने पओ यू का वे श धरण किया था और उसकी इतनी सटीक नकल की थी कि उसे के वल उसकी आवाज से ही पहचना जा सकता था। पाओ यू उस समय प्रेशियस क्लै स्प के साथ था जब उसे अपने बचपन के दोस्त के आने की खबर मिली। प्रेशियस क्लै स्प के साथ वह तु रं त उसका स्वागत करने चला गया। उसने उसे राजकु मारी पूर्वज के सथ पाया, और दूर से ही उनकी चहचहाहट और हं सी की आवज से उसकी उपस्थिति का पता चल गया। ब्लै क जे ड और बाकी सभी चचे रे भाई-बहन पहले से ही वहाँ मौजू द थे "तु म अब कहाँ से आए हो?" ब्लै क जे ड ने पाओ यू की ओर मु ड़कर पूछा। "मैं बहन प्रेशियस क्लै स्प के साथ था।" "अहा, इसीलिए तु म्हें इतनी दे र हो गई। नहीं तो तु म बहुत पहले ही यहाँ आ गए होते "। "क्या तु म्हें लगता है कि मैं सिर्फ तु म्हारे लिए समय बिताने के लिए हूँ?" "नहीं, लेकिन अगर तु म चहो तो ऐसा सोच सकती हो। और मैं ने तु मसे कभी भी मेरे लिए समय बिताने के लिए नहीं कहा, और भविष्य में मैं तु म्हारी सं गति के बिना भी खु शी-खु शी रहूँ गा।" और वह पहले ही दरवजे से बाहर निकलकर अपने कमरे की ओर दौड़ पड़ी। वह उसके पीछे गया। "इतनी चिड़चिड़ी मत बनो," उसने विनती की। "मैं ने फिर से क्या गलत कहा? यहाँ रुककर हमरे सथ समय बिताने के बजाय, तु म जकर खु द को दुखी कर रहे हो।" "क्या तु म मे रे अभिभावक हो जो इस तरह बोलते हो?" "बिल्कुल नहीं, लेकिन मैं तु म्हें खु द को चोट

देते हुए नहीं देख सकता।" "अगर मैं खुद को कष्ट देता हूँ, चाहे मैं कष्ट देते-देते मर ही जाऊँ, तो यह मेरा मामला है।" "इस आनंदमय नव वर्ष उत्सव के समय में कोई मृत्यु की बात कैसे कर सकता है?" 151

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.73% है ।

"मैं इसी बरे में बात करने वली हूँ, और अभी। मु झे यकीन है कि तु म मौत से डरते हो और सौ साल जीना चाहते हो। है ना?" "ऐसी प्यारी बातचीत सु नकर तो मनो मौत की कामना करने का मन कर रहा है ।" "धन्यवाद। तो तु म मे री मौत की कामना कर रहे हो?" "तु म्हारी मौत की बात कौन कर रहा है? मे रा मतलब मे री मौत से है । तु म शब्दों को कै से घुमा-फिराकर पे श करते हो।" "चचे रा भाई लिटिल क्लाउड तु म्हारा इं तज़ार कर रहा है!" ये कहते हुए प्रिंसियस क्लै स्प ने उनकी बातचीत में दखल दिया और बिना दे र किए पाओ यू को अपने साथ ले गया। ब्लै क जे ड हठपूर्वक वहीं रुकी रही; वह खिड़की के पस बै ठ गई और रोनेलगी, लेकिन अभी ज्यादा दे र नहीं हुई थीकि पाओ यू वापस आ गया। उसके आते ही ब्लै क जे ड का दबा हुआ रोना ज़ोर-ज़ोर से सिसकने में बदल गया। उसने उसे शांत करने की कोशिश शु रु की।"तु म मु झे फिर से क्यों परे शान कर रहे हो?" उसने उससे पहले ही पू छ लिया। "तु म्हें मु झसे कहीं बे हतर मनोरं जन देने वाला कोई और मिल गया है, जो मु झसे कहीं ज़्यादा समझदार, व्यावहारिक, शिक्षित और मनोरं जक है— जो हमे शा तु म्हारी भलाई के लिए तरसता है और जब तु म उसकी सं गत में होती हो तो सही समय पर तु म्हें घर ले जाता है । तो तु म्हें यहाँ क्य चाहिए, कृ पय?" "ज़रा समझदारी से काम लो!" उसने विनम्रता से विनती की। "तु म भी मे री तरह जानती हो कि दूर के रिश्तों से पहले करीबीरिश्ते आते हैं और नई दोस्ती से पहले पु रानी दोस्ती। मैं तु मसे प्रिंसियस क्लै स्प से कहीं ज़्यादा करीबी रिश्ते दार हूँ और मैं तु म्हें उससे कहीं ज़्यादा समय से जनता हूँ । हम दोनों ने सालों से रोज़ सथ खाया है, साथ रहे हैं, साथ पढ़ा और खेला है— इसलिए तु म्हें अपमानित महसू स करने का कोई कारण नहीं है ।" "अरे! मैं तु म्हारी कृ प पाने केलिए इतना उत्सु क नहीं हूँकि दूसरों से प्रतिस्पर्धा करूँ । मैं वही करती हूँ जो मु झे पसंद है । दूसरों की राय मे रेलिए ज़रा भी मायने नहीं रखती।" "मैं भीबिल्कुल वै स ही हूँ । इसीलिए हमारे बीच इतनी बार गलतफहमियाँ होती हैं ।" "ओह, मैं तु म्हें अच्छी तरह समझती हूँ लेकिन तु मकिसी भी ने क इरादे वली डां ट बर्दाश्त नहीं करते, और अपनी सनक से हमे शा लोगों को चु नौती दे ते हो कि वे तु म्हें डांटें । अभी एक उदाहरण दे ती हूँ इस ठं डे मौसम में तु मने अभी अपना नीला लोमड़ी का कॉलर क्यों उतार दिया?" "क्योंकि तु म्हारे चिड़चिड़े पन ने मु झे बहुत गर्मी दे दी है" उसने खु शी से

जवाब दिया। "तुम्हें अच्छी खासी सर्दी लग जाएगी," उसने आह भरी। जब वे इस तरह से बहस कर रहे थे, तभी चचेरी बहन लिटिल क्लाउड उछलती हुई आई। "तुम दोनों हर समय एक-दूसरे के साथ रहते हो, दिन-रात साथ रहते हो," उसने अपनी हास्यास्पद तुतलाहट के साथ कहा। "मैं यहाँ बहुत कम आती हूँ, तुम लोग मुझे थोड़ा और समय दे सकते हो"। 152

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 8.93% है।

"इस नन्ही बच्ची का उच्चारण कितना अजीब है!" ब्लैक जेड ने मज़ाक उड़ाते हुए उसकी नकल करते हुए कहा। "अगर तुम उसके तरीके से एक, दो, तीन गिनोगी तो तुम्हारी जीभ कट जाएगी।" "ध्यान रखना, कहीं तुम उसकी इतनी अच्छी नकल करते हुए अपनी जीभ न काट लो!" पाओ यू ने ब्लैक जेड से उसी नकल भरे लहजे में कहा। "तुम बहुत बुरी हो। तुम अपने साथी प्राणियों में छोटी से छोटी कमी भी नज़रअंदाज़ नहीं करती; तुम्हें हमेशा हम सब में कमी निकालनी होती है," पीड़ित ने विलाप करते हुए कहा। "तुम दूसरों के सामने तो अकड़ दिखाती हो, लेकिन मैं एक ऐसे व्यक्ति को जानती हूँ जिसकी गलती निकालने की हिम्मत तुम कभी नहीं करोगी।" "ओह, सच में? मैं सच में जानना चाहूँगी कि तुम किसकी बात कर रही हो," पाओ यू ने जवाब दिया। "अगर तुम में चचेरी बहन प्रेशियस क्लैस्प में कमी निकालने की हिम्मत है, तो तुम्हें खुद पर बहुत गर्व होना चाहिए।" "ओह, उसकी? ठीक है, बस देखते रहो कि मैं..." पाओ यू ने उसकी बात काटने की कोशिश की और किसी और बात पर बोलने लगी। लेकिन लिटिल क्लाउड ने हार नहीं मानी और बनावटी गुस्से में ब्लैक जेड से बड़बड़ाते हुए बोली, "मुझे उम्मीद है कि एक दिन तुम्हें ऐसा आदमी मिलेगा जो बोलते समय अपनी ज़बान पर लगाम लगाएगा और अपनी हकलाहट से तुम्हें दिन-रात तड़पाएगा। अगर मैं ऐसा होते हुए देख पाई, तो हे पवित्र बुद्ध, मैं तुम पर और तुम्हारे प्रतिशोध की शक्ति पर विश्वास करूंगी।" और इस आखिरी बात के साथ ही वह बाकी लोगों की हंसी के बीच पलक झपकते ही कमरे से बाहर निकल गई। ब्लैक जेड उसके पीछे भागना चाहती थी, लेकिन पाओ यू दरवाजे पर बाहें फैलाए खड़ा था और हंसते हुए उसका रास्ता रोक रहा था। "दयालु बनो और उसे छोड़ दो!" "नहीं, मैं नहीं छोड़ूंगी, उसे इसकी कीमत चुकानी होगी!" ब्लैक जेड ने गुस्से में उसे बाहर उसे धक्का देने की व्यर्थ कोशिश की। "प्यारी बहन, मैं दया की भीख मांगती हूं," लिटिल क्लाउड ने बाहर रुककर विनती की। "उसके लिए फिर से दोस्त बन जाओ," प्रेशियस क्लैस्प ने अंदर से आग्रह किया। "नहीं, मैं नहीं बनूंगी!" ब्लैक जेड ने अकड़कर पैर पटकते हुए कहा। "मुझे लगता है तुम सबने मिलकर मेरे साथ खेल खेलने की साजिश रची है।" "लेकिन इसकी शुरुआत तो तुमने ही की थी। अब समझदारी से काम लो और इसे छोड़ दो" पाओ यू ने उसे समझाने की कोशिश की।

और इस तरह यह जोरदार बहस कु छ दे र तक चलती रही, इधर-उधर, जब तक कि एक नौकर उन्हें शाम के भोजन के लिए बुलाने नहीं आया। उन्होंने अपना झगड़ा बंद किया और चारों एक साथ, गर्म गालों और खु शी से बातें करते हुए, राजकु मारी पूर्वज के कमरों में चले गए। छोटी क्लउड भी हमे श की तरह अपने कमरे में गई और ब्लै क जे ड के साथ शांति से एक ही बिस्तर पर सो गई।

153

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 8.54% है।

अध्याय 17 नौकरानी पर्ल रूठ जाती है और चुपके से पाओ यू को फटकार लगाती है। नौकरानी लिटिल पिंग चुप रहती है और चिया लियन को पकड़े जाने से बचाती है। अगली सुबह पाओ यू बहुत जल्दी बिस्तर से उठा, चप्पल और ड्रेसिंग गाउन पहना और बगल वाले कमरे में अपनी दो चचेरी बहनों के शयनकक्ष की ओर चला पड़ा। उसने उन्हें अभी भी बिस्तर पर गहरी नींद में सोते हुए पाया। नौकरानियों की अनुपस्थिति ने उसे उन्हें आराम से देखने का मौका दिया। सोते हुए भी वे कितनी अलग दिख रही थीं! ब्लैक जेड खुबानी रंग के रेशमी रजाई में कान तक सावधानी से लिपटी हुई थी, जबकि लिटिल क्लाउड ने अपने ऊपर से चादर इतनी हटा दी थी कि उसका दाहिना कंधा और दाहिना हाथ, जो दो सोने की चूड़ियों से सज था, और यहाँ तक कि उसकी गोल चिकनी जांघ का कुछ हिस्सा भी नंग दिख रहा था। उसके खुले नीले-काले घुंघराले बल तकिए के किनारे पर लटक रहे थे।"वह सोते हुए भी शांत नहीं रह सकती।" पाओ यू ने मन ही मन बुदबुदाया। “उसे जुकाम हो जाएगा और फिर दर्द की शिकायत करेगी।” और उसने धीरे से और सावधानी से उसके ऊपर कंबल डाल दिया। तभी ब्लैक जेड मुड़ी और अपनी आँखें खोलीं। “तुम इतनी सुबह यहाँ क्या कर रहे हो?” उसने पओ यू से पूछा। “इतनी सुबह बिल्कुल नहीं है। जल्दी उठो!” “तुम्हें पहले बहर जाना होगा।” पाओ यू पस के ड्रेसिंग रूम में थोड़ी देर रुका, फिर वापस आया। इस बीच दोनों चचेरी बहनें उठ चुकी थीं और सुबह के लिए तैयार हो रही थीं। पाओ यू ड्रेसिंग टेबल के पस बैठ गया और लिटिल क्लाउड को नहाते हुए देखने लगा। जब वह नहा चुकी, तो नौकरानी ब्लू थ्रेड धोने का पानी ले जने वली थी। “रुको!” पाओ यू चिल्लाया और उसे रोक लिया। “मुझे इस पानी से नहाना है।” और वह बेसिन के ऊपर झुका, उसी पानी से अपना चेहरा और हाथ गीले किए जिसका इस्तेमल लिटिल क्लाउड ने किया था, और उसी तौलिये से खुद को सुखाया जिससे उसने खुद को सुखाया था। फिर उसने जल्दी से अपना मुँह धोया और नीले नमक से अपने दाँत सफ़ किए और यह सब करने के बाद, लिटिल क्लाउड की ओर मुड़ गया। उसने अभी-अभी अपने बल संवरे थे।"प्यारी छोटी बहन, कृपया मेरे बाल भी संवरो!" उसने विनती की। "नहीं, मैं नहीं कर सकती।" "लेकिन तुम पहले कर सकते थे"।"शायद, लेकिन मैं भूल गई हूँ

कि कैसे करते हैं।"तुम्हें करना ही होगा! जब तक तुम मेरे बाल नहीं संवरोगी, मैं यहाँ से नहीं जाऊँग, न ही माथे पर पट्टी बाँधूँगा और न ही टोपी! बस कुछ छोटी चोटियाँ बनना इतना मुश्किल नहीं है!" आखिरकार वह मान गई और उसने वही किया जो उसने कहा; उसने उसका सिर अपने पास खींच लिया।

翠縷

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.02% है ।

उसके समने के बालों को छोटी-छोटी चोटियों की एक अं गू ठी में गूं था गया, जिन्हें सिरों से बं धकर ऊपर खींचने पर मु कु ट के आकार का हे यरस्टाइल बन गया, और उसके पीछे के बालों को एक लं बी चोटी में बं ध गया जिसमें एकलाल चोटी गु ं थी हुई थी। इस चोटी को चार मोतियों से सजया गया था और इसके अं त में एक सोने का क्लिप लगा हुआ था। "दे खो, चौथा मोती बाकी मोतियों से मेल नहीं खाता। मु झे याद है कि पहले चरों मोती एक जै से थे," लिटिल क्लाउड ने चोटी बनते हुए कहा। "हाँ, सही है । यह बदला हुआ है; मैं ने असली वाला खो दिया।" "शायद गली में कहीं खो गया। बहुत दुख की बात है, वह प्यारा मोती अब किसी अनजान के हाथों में है "। "कौन जाने, शायद उसने खोय नहीं बल्कि किसी को सम्मान के प्रतीक के रूप में भेंट किया हो," ब्लै क जे ड ने बीच में कहा। पाओ यू ने कोई जवाब नहीं दिया, बल्कि ड्रेसिंग टे बल पर रखी बोतलों और बक्सों को छूता और उनमें झां कत रहा। अब उसकी नज़र रूज के एक खुले जर पर पड़ी। वह अपनी आदत के अनु सार उं गली डालकर उस लाल पे स्ट का स्वाद ले न चाहता था, लेकिन उसे डर थ कि उसके चचे रे भाई उसे ऐस करते हुए पकड़लें गे और डांटें गे । जब वह हिचकिचा रहा था और उस लु भवने लाल पे स्ट कोनिहार रहा था, तभी अचानक पीछे से एक थप्पड़ पड़ा जिससे उसके हाथ से रूज का डिब्बा गिर गया। "तु म्हें ऐसा नहीं करना चाहिए! तु म ये बे वकू फी कब छोड़ोगे?" लिटिल क्लाउड ने उसे फटकारा। उसी क्षण नौकरानी पर्ल आई, लेकिन हालात दे खकर तु रं त वापस चली गई। उसे लगा कि ऐसे समय में उसकी कोई ज़रूरत नहीं है । जब वह सु बह का श्रृं गार कर रही थी, तभी प्रेशियस क्लै स्प उसके कमरे में आई। "पाओ यू कहाँ है?" उसने पू छा। "वह व्यस्त है," पर्ल ने व्यं ग्यत्मक मु स्कान के सथ जवाब दिया और अगले कमरे की ओर इशारा किया। प्रेशियस क्लै स्प समझ गई। "हाँ, कोई उसे जितना चाहे उपदे श दे सकता है, लेकिन वह एक कान से सु नकर दूसरे कान से निकाल दे त है," पर्ल ने आह भरते हुए कहा। "वे उसके चचे रे भाई-बहन हैं, बे शक, लेकिन चचे रे भाई-बहनों के सथ भी कु छ सीमाएँ होती हैं । दिन-रात इस तरह शोर-शराबा करना - उसे तो ज़रा भी सं यम नहीं है।" प्रेशियस क्लै स्प कोलगा कि वह बहुत समझदारी से बोल रही है । वह बिस्तर के किनारे बै ठ गई और उससे थोड़ी बातचीत शु रु कर दी, उसकी उम्र, परिवार और अन्य

निजी बातों के बरे में पूछने लगी; और जैसे-जैसे उसकी बातचीत बढ़ती गई, वह उसके दयलु और समझदार स्वभाव से और भी प्रभवित होती गई। आखिरकार पाओ यू लौट आई। प्रेशियस क्लैस्प तुरंत खड़ी हो गई और बिना कुछ कहे या अभिवादन किए चली गई। "जब मैं अंदर आया तो वह इतनी अचानक क्यों चली गई?" उसने आश्चर्य से पूछा। 156

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.04% है।

"तुम मुझसे क्यों पूछ रहे? मुझे क्या पता तुम दोनों के बीच क्या चल रहा है," पर्ल ने ठंडे लहजे में जवब दिया। पाओ यू ने उसके नाराज़ चेहरे को तुरंत पहचान लिया। "तुम इतनी उदास क्यों हो?" उसने मुस्कुराते हुए पूछा। "मुझे पता ही नहीं था कि मैं उदास हूँ। और हाँ, अब से मेरे कमरे में कदम मत रखना, और जब भी तुम्हें किसी से सेवा करवानी हो, तो किसी और को बुला लेना! अब से मैं बुढ़िया की सेव करना ज़्यादा पसंद करूँगी"। इतना कहकर वह अपने बिस्तर पर लेट गई। पओ यू उसके बगल में बैठ गया और उससे प्यर से बतें करने लगा, लेकिन उसने अपनी आँखें कसकर बंद करलीं और उसकी तरफ़ कोई ध्यान नहीं दिया। वह पूरी तरह से हैरान था। "इसे क्य हुआ है?" उसने तभी आई नौकरानी मस्क से पूछा। "मुझे कैसे पता? तुम्हें खुद उससे पूछना चाहिए," मस्क ने रूखेपन से जवब दिया और फिर गायब हो गई। पाओ यू उसे देखता रहा, उलझन में। "अच्छा, ठीक है! मैं भी सोने के लिए लेट जता हूँ," उसने चिड़चिड़ेपन से कहा, वह उठकर अपने बेडरूम में गया और बिस्तर पर लेट गय। कुछ देर तक दोनों कमरों में सन्नाटा छाया रहा। फिर पर्ल को सांस लेने की सामान्य आवाज़ सुनई दी। उसे लगा कि वह सचमुच सो गय है, इसलिए वह चुपचाप उठी, उसके पस गई और उसे कंबल ओढ़ा दिया। लेकिन उसने गुस्से से कंबल हटा दिया और सोने का नाटक करता रहा। पर्ल उसकी चाल समझ गई। उसने कहा, "अगर तुम्हें ऐसे ही ठीक लगता है, तो मैं भी भविष्य में बहरे और गूंगे होने का नाटक कर सकती हूँ।" उसने नटक करना छोड़ दिया और उठकर बैठ गय। "मैं नेफिर से आपकी नराज़गी क्यों मोल ली? मुझे आपके डांटने से कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन बिना किसी कारण के चुपचाप रूठ जाना और मेरी तरफबिल्कुल ध्यान न देन, ये तोशिष्टाचार नहीं है! मुझे आपका व्यवहार समझ नहीं आ रहा।" "अफ़सोस की बात है कि आपमें ज़रूरी समझ की कमी है"। उनके पास जवाब देने का समय नहीं था, क्योंकि राजकुमरी ने उन्हें नाश्ते केलिए बुला लिया था। जब वे जल्दी-जल्दी और बेमन से नाश्ता करके लौटे, तो पर्ल बरामदे में सोफे पर आराम से बैठी थी जबकि मस्क उसके बगल में शंति से बैठकर डोमिनोज़ बिछा रहा था। वे ऐसे व्यवहार कर रहे थे मानो उन्होंने उसे देखा ही न हो। वह जानता था कि वे हमेशा एक-दूसरे का साथ देते हैं। व्यस्त होने के कारण और उनकी तरफ देखे बिना ही, वह

उनके पस से गु ज़रकर अपने कमरे में चला गया। मस्क धीरे से उठी और चु पचाप उसके पीछे-पीछे अं दर चली गई, किसी आदे श की उम्मीद में । लेकिन बिना किसी झिझक के उसने उसे दरवाज़े से बाहर धकेल दिया। “कृ पया मु झे आप दोनों को परे शान न करने दें ” उसने गु स्से से कहा। मस्क खु द ही हं सते हुए मु ड़ गई और उसे दो छोटी सफ़ेद उँ गलियाँ भे ज दीं। नौकरानियों के बजाय। इस बीच पाओ यू फिर से बिस्तर पर ले ट गया और एक किताब में डूब गया। थोड़ी दे र बाद जब उसने ऊपर दे खा और कामना की 157

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 79.08% है ।

चाय मंगवाने के लिए जब वह उठा तो उसने देखा कि दो छोटी बच्चियाँ कोने में चुपचाप और शर्माते हुए खड़ी हैं। उनमें से एक, जो बड़ी थी, उसे बेहद प्यारी लगी। उसने पूछा, "तुम्हारा नाम क्या है?" "ऑर्किड परफ्यूम।" "यह नाम किसने रखा?" "सिस्टर पर्ल। मेरा असली नाम परफ्यूम ऑफ रेजिन है।" "बेतुका!" उसने बुदबुदाया। "घर में कितनी बहनें हैं?" "हम चार हैं।" "और तुम कहाँ आती हो?" "मैं चौथी हूँ"। "अच्छा। तो मैं तुम्हें छोटी चौथी ही कहूँगा। ये लंबे-चौड़े नाम क्यों? जल्दी करो और चाय लाओ!" बरामदे में बाहर खड़ी दो बड़ी नौकरानियों ने उनकी बातचीत सुन ली थी। वे ज़ोर से हँसने से बचने के लिए अपने होंठ कसकर दबा लिए। उस पूरे दिन पाओ यू अपनी आदत के विपरीत चुपचाप अपने कमरे में रहा और पढ़ने-लिखने से जितना हो सके अपने खराब मूड को ठीक करने की कोशिश करता रहा। उसने छोटी चौथी को छोड़कर बाकी सभी नौकरानियों को अकेला छोड़ दिया। छोटी चौथी को स्वाभाविक रूप से बहुत खास महसूस हो रहा था, और पूरी तरह से जानते हुए उसने इस अवसर का लाभ उठाकर उसकी चापलूसी की और उसकी सेवा में तड़पती रही। इस प्रकार उसने उसका दिल जीत लिया। लेकिन आज वह उस पर ज्यादा ध्यान देने को तैयार नहीं था। शाम होते-होते उसे अपना चुना हुआ अकेलापन और भी ज्यादा कष्टदायक लगने लगा। खाने की मेज पर पी गई कुछ गिलास शराब ने उसे उत्तेजित और उत्साहित कर दिया था। उसकी आँखें जल रही थीं और कान झनझना रहे थे। आम तौर पर, ऐसे मूड में वह अपने चचेरे भाइयों और नौकरानियों के साथ मजाक करता और खूब मस्ती करता। आज उसके चारों ओर ठंड और सन्नाटा छाया हुआ था। वह अकेले दीपक के सामने उदास विचारों में डूबा बैठा था। क्या उसे फिर भी उनके पास नहीं जाना चाहिए, हमेशा की तरह उनकी संगति नहीं ढूंढनी चाहिए? नहीं, उसका स्वाभिमान इसकी इजाजत नहीं देता था। वह उनके पीछे नहीं भागना चाहता था। अगर उसने ऐसा किया, तो वे भविष्य में उससे भी ज्यादा तिरस्कारपूर्ण व्यवहार करेंगे और आलोचनात्मक टिप्पणियाँ करने में और भी ज्यादा मनमानी करेंगे। बेहतर यही था कि उन्हें पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया जाए, मानो वे मर चुके हों, और एक बार के लिए अपनी संगति में ही संतुष्ट रहा जाए। इस साहसी निर्णय को लेने के बाद, उन पर प्रसन्नता और शांति का भाव छा

गया। उन्होंने लिटिल फोर्थ से अपनेलिए ताज़ा शराब मंगवाई और महान दार्शनिक चुआंग त्ज़ु की रचनाएँ उठा लीं। यह उनके मनोभव के लिए बिल्कुल उपयुक्त पुस्तक थी। जब वे उसे पढ़ रहे, थे तो उन्हें लुटेरों और चोरों के बारे में "अलमारियाँ खोलो" शीर्षक वाले अध्यय में एक अंश मिला, जिसमें लिखा था: "नैतिकता और शिक्षा को त्याग दो! तब गली-मोहल्लों में लूटपट बंद हो जाएगी। मोतियों और कीमती पत्थरों को त्याग दो! तब चोरियाँ बंद हो जाएँगी। राज्याभिषेक के दस्तावेज़ जला दो! सरकारी मुहरें तोड़ दो तब लोग..."

秋紋
蕙香

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 48.65% है ।

फिर से ईमनदार और सरल हो जाएँ गे । तौलने की मशीनों को नष्ट कर दो! बाट और नाप तोड़ दो! तब कोई झगड़ा और कलह नहीं रहे गा! कानू नों औरनियमों को खत्म कर दो! तब लोग अपने आप समझदार हो जाएँ गे । सं गीत औरवाद्ययं त्रों के अध्ययन को खत्म कर दो तब लोग खु द सु नना सीख जाएँ गे । सु ख और रं गसिद्धां तों को खत्म कर दो तब लोग खु द दे खना सीख जाएँ गे । अं कगणित और ज्यामिति, कोणों और कम्पास को खत्म कर दो! तब लोग अपने आप चतु र और समझदार हो जाएँ गे । . .” जब पाओ यू ने यहाँ तक पढ़लिया, तो उसने अपनी ब्रश को स्याही में डुबोया और शराब और बुद्धिमान चु आं ग त्ज़ु की भावना से प्रेरित होकर, उसने आगेलिखना जारी रखा, विषय को आगे बढ़ाते हुए: “मोतियों और कस्तू री को खत्म कर दो तब भीतरी कक्षों के निवासी अपना ख्याल खु द रखें गे । कीमती कतरनों को तोड़ दो काले जे ड को राख में बदल जाने दो सभी लालसाओं और वासनाओं को दफना दो!” तब भीतरी कक्षों में रहने वाले सु ं दर और बदसू रत एक दूसरे का धैर्य रखें गे और बिना किसी द्वेष के एक दूसरे से ज्ञानवर्धक निर्देश ग्रहण करें गे । यदि कीमती क्लस्प की दिव्य सु ं दरता क्षीण हो जाए, तो मैं प्रे म के भ्रम से मुक्त हो जाऊँ गा। यदि काली जे ड का ते जस्वी मन राख हो जाए, तो मु झे उसके प्रति प्रशं सा में लीन रहने की आवश्यकता नहीं रहे गी। ये चारों, क्लस्प, जे ड, पर्ल और मस्क, अपने जल बिछाते हैं और अपने दुष्ट फं दे लगाते हैं और जो भी उनके दायरे में आता है, उसे मूर्ख और मोहित कर ले ते हैं । अपने हृदय से ये पंक्तियाँ लिखकर, पाओ यू ने प्रसन्न होकर अपनी कलम एक तरफ फें क दी, बिस्तर पर ले ट गया और तु रं त सो गया। जब वह अगली सु बह उठा और करवट बदली, तो उसने दे खा कि दासी पर्ल उसके बगल में, पू रे वस्त्र पहने, बिस्तर पर ले टी हुई है । उसने उसे धक्का दिया। "बिस्तर पर ठीक से ले ट जाओ!" "ऐसे तो तु म्हें सर्दी लग जाएगी," उसने उससे कहा। वह कल की छोटी-सी कहासु नी को बहुत पहले ही भूल चु का था, लेकिन वह नहीं भूली थी। जब वह चु प रही, तो उसने अपना हाथ बढ़ाया और उसकी जै के ट उतारने की कोशिश की। लेकिन जै से ही उसने पहला बटन खोला, उसने उसका हाथ पीछे धकेल दिया और अपनी जै के ट के बटन फिर से लगा लिए। उसने उसका हाथ पकड़ा और प्यार से पू छा: "क्या बात है?" वह आश्चर्यचकित होकर उसकी ओर दे खने लगी। "मु झे कु छ भी

नहीं हुआ है, लेकिन मैं आपको सलाह दूंगी कि आप जल्दी से अपने सुबह के शौच के लिए चले जाएं, नहीं तो आपको बहुत देर हो जएगी।" "कहां?" "जैसे कि मुझे आपको बताने की ज़रूरत है। हम दोनों एक-दूसरे से दूरी बनाए रखें, क्योंकि हमारे बीच तो बस दूसरों के मनोरंजन के लिए मुर्गे की लड़ाई चल रही है। तो आप वहां चले जइए, जहां आपको इतन अच्छा लगता है। और अगर वहां अच्छा न लगे, तो यहां आपके लिए हमेश एक छोटी चौथी या एक छोटी पांचवीं मौजूद है। आपको इस अजीब स्थिति से क्य चाहिए?"

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.28% है ।

"मु झ जै से निर्जन प्राणी, जो सु ं दर फूलों के नमों का मूर्खतापूर्ण दुरुपयोग करता है?" "तो क्या तु म कल की बात भूल नहीं सकते?" "कभी नहीं! चाहे मैं सौ साल तक भी जी लूँ! मैं तु म्हारे जै सा बिल्कुल नहीं हूँ, जिसके कानों तक अच्छे इरादे से कही गई सारी बातें हवा में उड़ जाती हैं और जो अगली सु बह तक नहीं जानता कि पिछली रात क्या कहा गया था।" पाओ यू ने तकिए के पास फिसलकर गिरे एक जे ड के बालों के क्लिप को उठाया और इतनी ज़ोर से ज़मीन पर फें का कि वह टूट गया। "अगर मैं भविष्य में तु म्हारी बात नहीं मानू ं गा तो मे रा भी यही हाल हो!" उसने ज़ोर दे कर कहा। "गाली न दे ना ही बे हतर है ," पर्ल हं सते हुए बोली। "वै से भी, तु म्हारा मतलब ऐसा नहीं है ।" "अगर तु म्हें पता होता कि मे रा दिल कितना भारी है!" "तु म्हें दुःख के बारे में क्या पता? यह जानने के लिए तु म्हें मे रे दिल में झां कना पड़े गा। लेकिन बस करो।" उठने का समय हो गया है ।" पाओ यू उठा और कपड़े पहने । इस बार वह ब्लै क जे ड और लिटिल क्लाउड के पास नहीं गया, बल्कि चु पचाप पर्ल के साथ बै ठा रहा और उसे अपने बाल बनाने दिए। हमे शा की तरह दादी के साथ नाश्ता करने जाने के कु छ ही दे र बाद, ब्लै क जे ड उसके कमरे में आई। उत्सु कता से भरी हुई, उसने उसकी ले खन मे ज की तलाशी ली। वहाँ उसे चु आं ग त्ज़ु की किताब खुली पड़ी मिली और उसके बगल में पाओ यू की अपनी लिखावट में लिखी पू रक रचना मिली। उसे समझ नहीं आ रहा था कि उसकी बातों पर हँ से या गु स्सा करे । खै र, उसने कलम उठाई और उसकी लिखी हुई बातों के नीचे निम्नलिखित व्यं ग्यात्मक कविता लिखी: “वह कौन मूर्ख है जो गु रु चु आं ग त्ज़ु के शब्दों पर बकवास करने और उन्हें कु तरने की हिम्मत करता है?” उसे अपने काम से मतलब रखने दो और दूसरों के मामलों में दखल न दे ने दो। फीनिक्स की छोटी बे टी चे चक से बीमार थी, और डॉक्टर ने सामान्य सावधानियां बरतने का आदे श दिया था। संक्रमण के खतरे के कारण फीनिक्स और उसके पति चिया लियन को अपना घर अस्थायी रूप से खाली करना पड़ा और अलग-अलग रहना पड़ा, चिया लियन बाहरी पु स्तकालय में और फीनिक्स अपनी चाची, मै डम चें ग के पास। घर की सफाई और निर्धारित विधि के अनु सार धु आं किया गया, चे चक की दे वी के लिए एक वे दी बनाई गई, और फीनिक्स प्रतिदिन श्रद्धापूर्वक उसके सामने बलि चढ़ाती और प्रार्थना करती थी। बीमारी के दिनों में

यु ं गकु ओप्ग्रिार के रसोईघर से भुान्ाा पका हुआ कु छ भी हद दिया गया था। बीमार बच्ची की दे खभल करने वली नर्स और नौकरानियों को नए गहरे लाल रं ग के वस्त्र पहाा़ए गए थे । दो डॉक्टरों ने बरी-बारी से छोटी बच्ची की दे खााल की और उन्हें बरह दिनों तक घर से बहर जाने की अनु मति नहीं थी। 161

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.14% है ।

वै वहिक सं बं धों में अस्थायी विराम चिया लियन के लिए एक कठिन परीक्षा थी, और बाहरी पु स्तकालय में स्थित अपने सोने के कमरे का अकेलापन उसे इतन घु टन भरा लगा कि तीसरे दिन ही वह कु छ रहत पाने के लिए इधर-उधर भटकने लगा। कु छ अच्छे युवा नौकरों की सं गति भी उसे लं बे समय तक संतुष्ट नहीं कर पाई। तभी उसकी नज़र रसोइए तो कु आन की पत्नी पर पड़ी। यह स्त्री, जिसकी उम्र लगभग बीस वर्ष थी, मोहक आकर्षण से परिपूर्ण थी, और अपने मता-पिता द्वारा एक शराबी मूर्ख से शदी करा दिए जाने के कारण, जिससे वह प्यर नहीं करती थी, उसने छुपकर इसकी भरपाई करने का अपना तरीका बना लिया था। रसोइए को अब उसकी हरकतों की कोई परवाह नहीं थी; उसे के वल पै से और अच्छे खाने-पीने की परवह थी, और उसकी आदत थी कि वह शाम को जल्दी ही अपने बिस्तर पर ले ट जता था ताकि अपने नशे को उतार सके । इसलिए उसकी पत्नी के लिए सड़क किनारे फूल तोड़ना या छुपकर फल खाना आसान था, और पश्चिमी या पूर्वी महल में शयद ही कोई ऐसा पु रुष था जिसने कभी न कभी उसके साथ समय न बिताया हो। चिया लियन के मु ं ह में भी इस स्त्री आड़ू के लिए लं बे समय से पानी आ रहा था, लेकिन फीनिक्स के डर ने अब तक उसे रोक रखा था। हालांकि, मौजू दा हालात में उसने अपनी सारी झिझकें एक तरफ रख दीं और चूंकि वह औरत उसके कमरे की खिड़कियों के समने इतराते हुए घू मकर उसे और भी उकसा रही थी, इसलिए उसने आसनी से उससे पहली मुलाकात का इं तजम कर लिया। एक शाम जब रसोइया फिर से बे बस होकर नशे में खर्राटे ले रहा था, तो वह चु पके से उसके कमरे में घु सा गया। उसकी नज़दीकी ही उसे तु रं त बेकाबू करने के लिए काफी थी, और किसी भी तरह के प्रे म प्रसं ग य नोकझोंक की ज़रूरत नहीं पड़ी, सीधे ही वे कपड़े उतारकर एक-दूसरे के बस्तर में ले ट गए। उसने बड़े आनं द से उसके प्रे म के उन अनूठे, जुनूनी तरीकों का लु त्फ़ उठाया, जिन्होंने कई पु रुषों की हड्डियों और नसों को मोम की तरह नरम कर दिया था। उसकी बाहों में उसे ऐसा महसू स हुआ जै से वह रुई में लिपटा हो, और उसने उनके शरीरों के मिलन का भरपू र आनं द लिया। "तु म तो बड़े ही बड़े बदमाश हो!" उसने हं सते हुए कहा, जब वे वहां ले टे हुए थे ।"तु म्हारा बच्चा बीमार है, तु म्हारी पत्नी चे चक की दे वी की पूजा कर रही है, और तु म्हें एकांत में

रहकर तपस्या करनी चाहिए। तु रं त चले जओ!" "तु म मे री दे वी हो। मु झे दूसरी देवियों से क्य ले न-दे न?" वह हकलाते हुए बोला और अपनी धार्मिक साधना जारी रखी। पहली बार के बद वह रोज़ उसके पस आने लगा और बारह दिनों के बद जब बच्चा ठीक हो गया और दे वी की पू ज, जै स कि उसने समझ था, समाप्त हो गई, तो उसे लगभग अफ़सोस हुआ। चे चक की दे वी की वे दी और मूर्ति को हटा दिया गया और उनकी जगह पर एकत्रित परिवार द्वारा स्वर्ग और पूर्वजों को एक गं भीर धर्मिक धन्यवाद बलिदान अर्पित किया गया। और फीनिक्स और चिया लियन अपने सझा घर लौट आए। नौकरानी लिटिल पिंग चिया लियन के कपड़े और बिस्तर की चादरें वपस अपनी जगह पर रख रही थी, तभी उसने तकियों के बीच कु छ दे खा

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.04% है ।

एक महिला के नीले-काले बलों की एक लं बी लट नीचे लटकी। वह जानती थी कि इसका क्या मतलब है, उसने लट को सावधानी से लपे टा, जल्दी से चिया लियन के पास गई और विजयी भाव से अपनी खोज उसे दिखाई। "दे खो, यह क्या है?" अचंभित चिया लियन ने उसके हाथ से लट छीनने की कोशिश की, लेकिन लिटिल पिंग उससे ते ज़ थी और चतु राई से उसे चकमा दे दिया। वह उसके पीछे दौड़ा, उसे पकड़ा और सोफे पर गिरा दिया। सबू त के उस खतरनाक टुकड़े पर कब्ज़ा करने के लिए दोनों के बीच ज़बरदस्त सं घर्ष हुआ। "मु झे छोड़ दो!" गु दगु दी से परेशान नौकरानी हँ सी से घु टते हुए चिल्लाई। "तु म्हें शु क्रगु ज़ार होना चाहिए कि मैं ने तु म्हें धोखा नहीं दिया, बदमाश! लेकिन अगर तु मने मु झे और सताया तो मैं तु म्हें नहीं छोड़ूंगी बल्कि तु म्हारी पत्नी को बता दूं गी।" "प्यारी, ऐसा मत करो! मैं भविष्य में तु म्हारे सथ अच्छा व्यवहार करूं गा!" उसने विनती की, और उसे जल्दी से छोड़ दिया, क्योंकि उसने बहर फीनिक्स की आवाज़ सु नी थी। "मु झे धोखा मत दो!" उसने धीमी आवज़ में फिर दोहराया। तभी वह प्रभावशाली महिला अं दर आई। उसने अपने पति पर एक त्वरित, परख भरी, तिरछी नज़र डाली और फिर नौकरानी से कहा: "क्या तु मने मे रे पति का सारा सामान यहाँ रख दिया है?" नौकरानी ने सिर हिलाया। "कु छ भी गयब तो नहीं है?" नौकरानी ने नकारात्मक उत्तर दिया। "क्या उनमें कु छ ऐसा तो नहीं है जो यहाँ नहीं होन चाहिए?" "तु म्हारा क्या मतलब है?" छोटी पिंग ने हं सते हुए पू छा। "क्या इतना काफी नहीं है कि कु छ भी गयब नहीं है?" "हम्म, कौन जाने ग," मै डम फीनिक्स ने भी हं सते हुए उत्तर दिया और फिर से अपने पति की ओर तिरछी नज़र से दे खा। "दो सप्ताह के अलगाव में बहुत कु छ हो सकता है । कौन जने? कहीं उनके समान में कोई अं गू ठी, या कोई रुमाल, या कोई और अनमोल स्मृति चिन्ह न मिल जाए?" चिया लियन डर से पीला पड़ गया था और अपनी पत्नी की पीठ पीछे नौकरानी को हताश निगाहों से दे ख रहा था, जै से कोई मुर्गा मरने ही वला हो। "कितनी अजीब बात है कि हम दोनों एक ही बात सोच रहे हैं, मालकिन!" छोटी पिंग ने बिना किसी झिझक के कहा। "क्योंकि मु झे भी तु म्हारी ही तरह डर था, इसलिए मैं ने अभी-अभी उसके समान की अच्छी तरह से तलाशी ली है, और मु झे ज़रा सा भी कु छ नहीं मिला। लेकिन अगर तु म्हें मे री बात पर यकीन नहीं है, तो खु द दे ख लो।"

"बकवास! वह इतना बेवकूफ नहीं होगा कि हमें पत चलने दे, तो रहने दो" फीनिक्स ने हंसते हुए जवाब दिया और बाहर जाने के लिए मुड़ गई। चिया लियन ने पीछे मुड़ते हुए हंस की सांस ली। छोटी पिंग ने अपनी नक पकड़ ली ताकि वह ज़ोर से हंस न सके 163

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.09% है।

“अच्छा, क्या मैंने अपना काम ठीक से किया? आपको मेरा बहुत आभारी होना चाहिए,” उसने उससे कहा। “मेरा दिल! मेरा जिगर! मेरी नन्ही सी मीट बॉल!” उसने प्यार से गले लगाते हुए उसकी तारीफ की। छोटी पिंग ने फिर से बलों का वो लट निकाला और खुशी से उसके चेहरे पर लहराया। “देखो! इससे मैंने तुम्हें ज़िंदगी भर के लिए बांध लिया है!” वह खुशी से चिल्लाई। “अगर कभी तुमने मेरे साथ अच्छा व्यवहार नहीं किया, तो मैं तुम्हारी पत्नी के पास जाकर तुम्हें धोखा दे दूंगी।” लेकिन अचानक उसने उसका लहराता हाथ झट से पकड़ लिया और उससे वो लट छीन ली। “यह मेरे पास ज़्यादा सुरक्षित है। ज़्यदा से ज़्यदा, तुम इससे कुछ शरारत करोगी,” उसने हंसते हुए कहा और लट को अपने जूते के अंदर डाल दिया। “छी! तुम बहुत बदतमीज़ हो” वह परेशान होकर बोली। “तुम मुश्किल से नदी पर कर पाए हो कि पुल तोड़ दिया। लेकिन यह मत सोचो कि मैं तुम्हारे लिए फिर झूठ बोलूंगी” इतना कहकर वह उसके प्यार भरे अलिंगन से छूटी और कमरे से बाहर निकल गई। "कितनी बेशर्म है! पहले तो बहकाती है, और फिर आग भड़कते ही भाग जाती है!" उसने उसके पीछे से आवाज़ लगाई। "तुम्हें किसने कहा कि आग लगाओ?" उसने खिड़की से हंसते हुए जवाब दिया। "क्या तुम्हें लगता है कि मैं तुम्हारी हो सकती हूँ? अगर तुम्हारी पत्नी को पता चल गया तो वो मुझसे बदला ज़रूर लेगी।" "अरे, वो! तुम्हें उससे डरने की ज़रूरत नहीं है। एकदिन मैं उससिरके के घड़े को चूर चूर कर दूंगा! वो अपनी उस घटिया ईर्ष्या से मुझे ज़रूर पहचान लेगी मैं बहुत समय से इस उबाऊ जासूसी से तंग आ चुका हूँ। वो मुझे ऐसे देखती है जैसे मैं कोई चोर हूँ। अगर उसकी मर्ज़ी चले तो मैं सिर्फ़ मर्दों से ही मिलूंगा और किसी औरत से कभी बात नहीं करूंगा। औरत की नज़दीकी भी उसे शक पैदा कर देती है। दूसरी तरफ, वो तो जीजाओं, चचेरे भाइयों और भतीजों के साथ खुलकर और बेशर्मी से मजे करती है लेकिन बस इंतज़र करो, मैं उसे सबक सिखाऊंगा!" "उसे आप पर अविश्वास करने का पूरा कारण है, लेकिन आपको ईर्ष्या करने का कोई कारण नहीं है। वह सबसे अच्छी और सबसे वफादार विवाहित महिला है। लेकिन आप एक भ्रष्ट बदमाश और दुष्ट हैं।" "अहा, तुम दोनों ने मेरे खिलाफ साजिश रची है। लेकिन बस इंतजर करो, मुझे कभी न कभी तुम्हारी बदनामी करने वाली जुबान बंद करने

का मौका जरूर मिले ग...!" फीनिक्स के आने से आगे की गाली-गलौज रुक गई। जब उसने देखा कि नौकरानी, लिटिल पिंग, खिड़की पर उससे बात कर रही है, तो उसने उसे चिढ़ाते हुए कहा: "अगर तु म्हें उससे कुछ चाहिए, तो अं दर जकर बात करो! खिड़की से उससे बात क्यों कर रही हो?" "बिल्कुल सही। वह ऐसे व्यवहार कर रही है जै से यह कोई बाघ हो जो उसे खा जाना चाहता हो," चिया लियन ने हं सते हुए कहा। "अं दर उसके अलावा कोई नहीं है," लिटिल पिंग ने तीखे लहजे में कहा। "ओह, लेकिन यह तो और भी अच्छा है," फीनिक्स ने व्यं ग्य से कहा। "किसके लिए और भी अच्छा?" लिटिल पिंग ने चिढ़कर पू छा। 164

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान मात्र0.00% है ।

*-

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 8.59% है ।

"तु म्हारे लिए, बिल्कुल!" "मु झे बोलने केलिए मजबू र मत करो। क्योंकि अगर तु मने ऐसा किया, तो कई अच्छी बातें समने आ सकती हैं," नौकरानी ने नराज़गी भरे लहजे में जवाब दिया और पर्दा हटाए बिना ही अपनी मालकिन की तरफ पीठ कर ली। फीनिक्स ने खु द पर्दा उठाया और कमरे में चली गई। "लगता है वो पगल हो गई है," उसने गु स्से से अपने पति से कहा। "लेकिन अगर उसने मु झे मारने की ठान ली, तो मैं तु म्हें भी अपनी जान बचाने की सलाह दूं गी।" चिया लियन सोफे पर ले ट गया और खु शी से सीटी बजाने लगा। "क्या? क्या वो सच में इतनी खतरनक है?" वह हं सते हुए बोला। "अगर ऐसा है, तो मु झे भविष्य में उसेबिल्कुल अलग नजरों से दे खना होगा।" "बे शक, गलती तु म्हारी है! तु मने ही उसे उकसाया होगा," फीनिक्स ने सख्ती से कहा। "ध्यान रखना, कहीं मैं तु मसेहिसाब न ले लूं!" "हा, तो फिर मु झे चले जाना चाहिए!" "रुको! यहीं रहो! मु झे तु मसे कु छ और बात करनी है ।" उसे उससेकिस बारे में बात करनी थी, यह अगले अध्यय में पत चले ग। अध्याय 18 पू यू अपने दो चचे रे भाइयों के सथ एक ही समय में जेल से भग जाता है । दो प्रे मी "द प्ले ऑफ द वे स्टर्न पवेलियन" के उद्धरणों से एक दूसरे कोचिढ़ाते हैं । सिहिया ल्ले न खड़ी रही।"तो?" "इक्कीस तारीख को चचे री बहन प्रेशियस क्लै स्प का जन्मदिन है । हम इसे कै से मनाएंगे?" "तु म्हें यह सबसे अच्छे से पत होगा। तु म्हें जन्मदिन मनाने का काफी अनु भव है ।" "हाँ, बड़ों के जन्मदिन; उनके लिए निश्चित नियम होते हैं । लेकिन चचे री बहन प्रेशियस क्लै स्प को अभी वयस्क नहीं मना जा सकता, और न ही वह बच्ची है । यही तो समस्य है ।" "यह बहुत आसान है । हम उसका जन्मदिन वै से ही मना सकते हैं जै से पिछले सल ब्लै क जे ड का मनाया गया था।" "हाँ, मैं ने इस बारे में पहले ही सोचलिया था। लेकिन यह ठीक नहीं है, क्योंकि जब दादी ने हाल ही में अपनेविभिन्न पोते-पोतियों की उम्र पू छी, तो हमें पत चला कि प्रेशियस क्लै स्प अब पंद्रह साल की हो गई है, इसलिए उसकी शादी हो सकती है । ददी सोचती हैं कि हमें इसदिन के महत्व परविशेष ध्यान दे न चाहिए।" 166

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.95% है ।

"अच्छा। तो हम ब्लै क जे ड के जन्मदिन से कहीं अधिक भव्य समारोह का आयोजन कर सकते हैं "। "मैं भी यही सोचत हूँ । मैं बस आपकी सहमति चाहता था, ताकि आप बाद में मु झे ताना न मारें और बे वजह डांटें नहीं"। "बहुत खू ब, बहुत खू ब मैं इतन तु च्छ नहीं हूँ । आप बे वजह की चिंता करते हैं । अगर आप मु झे किसी मामलों में उपदे श न दें तो मैं संतुष्ट हूँ; मैं बस अपने काम से काम रखता हूँ ।" और वह हं सते हुए मु ड़ गया। राजकु मरी पूर्वज की इच्छा पर, प्रेशियस क्लै स्प, जिनसे उन्हें उनके शांत, दयालु और विनम्र स्वभाव के कारण विशेष स्ने ह थ, को उनके जन्मदिन पर पारं परिक भोज के सथ-साथ एक नाट्य प्रस्तुति से विशेष रूप से सम्मनित किया गया। पिछली शाम उन्हें मे नू और नाट्य कार्यक्रम चु नने की अनुमति दी गई थी। प्रेशियस क्लै स्प इतनी समझदार थीं कि उन्होंने कु छ मीठे व्यं जन और सनसनीखे ज और रोमांचक नाटक चु ने, जिनके बरे में उन्हें पूरा यकीन था कि वे राजकु मरी पूर्वज के पसं दीदा व्यं जन और नट्य प्रस्तुतियाँ थीं। दावत राजकु मरी पूर्वज के अपर्टमें ट में आयोजित की गई थी। उनके निवास के भीतरी आं गन में एक छोटा सा सु ंदर निजी मं च बनया गया था, जिस पर सु चो के युवा कलाकारों की एक मं डली ने अपनी बहुमु खी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। जब प्रदर्शन शु रु होने वाला था और सभी महिला रिश्ते दारें इकट्ठा हो गई थीं, तो के वल ब्लै क जे ड ही अनुपस्थित थी। पाओ यू उसे लाने चला गया। उसने उसे अपने कमरे में सोफे पर ले टे हुए किताबें पढ़ते हुए पाया। "उठो! उठो! नाश्ते का समय हो गया है । और वै से भी प्रदर्शन अभी शु रु होने वाला है," उसने उसे जगाया। "कार्यक्रम के सं बं ध में आपकी कोई विशेष इच्छा है? यदि हां, तो मैं इसे तु रंत लिखवा दूं ग।" "नहीं, धन्यवाद। अगर मु झे चु नने का मौका मिले, तो मैं पूरा कार्यक्रम चु नूं गी। आज का प्रदर्शन मे रे सम्मान में नहीं है "। "थोड़ा धैर्य रखो! फिर तु म्हारी बारी आएगी, और तु म पूरा कार्यक्रम चु न पओगी। लेकिन अभी आओ!" और वह हं सते हुए अनिच्छुक ब्लै क जे ड को अपने साथ वापस ले गय। यह प्रदर्शन सु बह से शाम तक चला, और साहसिक "पश्चिम की यात्रा का इतिहास" के रोमं चक दृश्यों को "श्री लू अपन कोट खो दे ते हैं" और "शराबी लू वू ताई शान पर झगड़ा करते हैं" जै से मनोरं जक प्रहसनों के साथ बारी-बारी से प्रस्तु त किया गया, क्योंकि राजकु मरी पूर्वज को भद्दी और हल्की-फुल्की हास्य रचनाएँ भी

पसं द थीं। मनोरं जन के बाद उन्होंने दो युवा कलाकारों को, जिनसे वह विशेष रूप से प्रसन्न थीं, अपने पास बुलवाया। उनमें से एक ने नायिका की भूमिका निभाई थी; दूसरे ने हं समुख मसखरे की। जब उन दोनों प्रतिभाशाली कलाकारों ने पूछे जाने पर बताया कि उनकी उम्र क्रमशः केवल ग्यारह और नौ वर्ष है, तो पूरी मंडली प्रशंसा से दंग रह गई। राजकुमारी पूर्वज ने उन्हें भव्य रूप से प्रवेश कराया।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.19% है ।

उसने उन्हें अतिरिक्त शुल्क के रूप में हज़ार-हज़ार सिक्कों की माला दी। "क्या बड़ा वाला, अपने स्त्री वे श में, हम सभी के किसी परिचित व्यक्ति जै स नहीं दिखता?" फीनिक्स ने टिप्पणी की। प्रेशियस क्लै स्प तु रं त समझ गई कि वह किसका जिक्र कर रही है; हालाँकि उसने नम नहीं लिया, बस सिर हिला दिया। पाओ यू ने भी उसका अनु सरण किया। लेकिन कज़िन लिटिल क्लाउड अपनी उतावली शैली में बोलने से खु द को रोक नहीं पाई: "अरे हाँ, वह तो सिस्टर ब्लै क जे ड जैसा ही है!" पाओ यू की चे तावनी भरी तिरछी नज़र उस पर बहुत दे र से पड़ी। अब सभी चौंक गए, सभी ने ब्लै क जे ड को गौर से दे खा और हँ सी के बीच सहमति जताई: "हाँ, सचमु च, वे इतने मिलते-जुलते हैं कि कोई उन्हें एक-दूसरे की जगह समझ सकत है!" उस रात जब पाओ यू सोने जा रहा था, तो उसने बगल के कमरे में छोटी बादल को अपनी नौकरानी को अपना सामान समे टने का आदे श दे ते हुए सु न। नौकरानी के आश्चर्य भरे सवल के जवब में छोटी बदल कह रही थी: "हाँ, मैं सु बह जल्दी जा रही हूँ । मैं यहाँ और नहीं रुकन चाहती। यह लगातार आलोचना और हर शब्द-हर नज़र पर नज़र रखना मु झे शोभा नहीं दे त।" पाओ यू दौड़कर उसके कमरे में गया। "प्यारी छोटी बहन, तु म बे वजह गु स्सा हो रही हो," उसने उसे शांत करने की कोशिश करते हुए कहा। "काली जे ड बहुत सं वे दनशील है, और इसीलिए मैं ने तु म्हें इशारे से चे तावनी दे ने की कोशिश की कि उसका नाम मत लो; मु झे डर था कि एक अभिने त से तुलना किए जाने पर उसे बु रा लग जाएगा। मे रा इरादा अच्छा था और तु म्हें इस बात पर मु झसे इतना गु स्स होने की ज़रूरत नहीं है । अगर यह किसी और के बरे में होत..." "बस करो!" छोटी बादल ने गु स्से से उसे बीच में ही टोका। "मु झे अपनी मीठी-मीठी बातों से बख्श दो मैं तु म्हारी चचे री बहन ब्लै क जे ड के सामने क्य हूँ? एक ऊँ चे खानदान की महिला के समने एक सधारण लड़की, है न? दूसरे लोग उसके बरे में टिप्पणी कर सकते हैं, लेकिन मे री हिम्मत नहीं। अगर मैं ने मु ँ ह खोला, तो यह गु नह होगा।" "अगर मैं ने कभी भी तु म्हारा ज़रा सा भी अपमान करने के बारे में सोचा है, तो मु झे तु रं त सड़क की धूल में मिला दिया जाए, जिस पर सब लोग रौंद डालें!" पाओ यू ने निराशा में विरोध किया। "अपनी ही जाति के नीच लोगों से ये मीठी-मीठी बातें करो, जो अपनी असं वे दनशीलता में अपने साथी मनु ष्यों का मज़ाक उड़ाने और

उनका उपहास करने के अलावा कुछ नहीं जनते, लेकिन मुझे अपनी आम बोलचाल की भाषा से बख्श दो और मुझे तुम्हारे समने थूकने के लिए उकसाओ मत!" लिटिल क्लाउड गुस्से से जब दे ते हुए कमरे से भागकर राजकुमरी पूर्वज के अपर्टमें ट में चली गई, जहाँ उसने रात बिताई। पाओ यू, जो व्यर्थ ही उसके पीछे गया था, बहुत निराश होकर लौट आया। वह ब्लैक जेड की संगति के लिए तरस रहा था; लेकिन जैसे ही उसने उसके कमरे में कदम रखा, ब्लैक जेड ने उसे बाहर धकेल दिया और उसके पीछे दरवाजा बंद कर दिया। पाओ यू स्तब्ध रह गया। 168

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.31% है ।

"मे री प्यारी, मे री सबसे अच्छी मे ई मे ई" उसने दरवजे से कोमल विनती भरे स्वर में उसे पुकारा लेकिन ब्लै क जे ड चु प रही और दिखाई नहीं दी। पाओ यू ने अपना सिर झुका लिया और उदास विचारों में डूब गया। काफी दे र तक कोई आवज न सु नकर, ब्लै क जे ड ने सोचा कि वह अपने कमरे में चला गया है, इसलिए उसने दरवजा खोला। तब उसने दे खा कि वह अभी भी एक बे चारे पपी की तरह वहीं खड़ा है । अब उसे उस पर दया आ गई और उसने उसे अं दर आने दिया। "क्या तु म कम से कम मु झे यह नहीं बताओगी कि तु म क्यों गु स्सा हो?" उसने हिचकिचाते हुए कहन शु रू किया। उसने एक छोटी, सू खी हं सी हं सी। "तु म यह पू छते हो? क्या मैं चु पचाप सह लू ं जब मे री तुलना एक कॉमेडियन से की जए और पू री सभ के समने मेरा मजाक उड़ाया जाए?" "लेकिन मैं ने ऐसी कोई तुलना नहीं की, न ही मैं तु म पर हं सी।" "नहीं, लेकिन लिटिल क्लाउड के सथ तु म्हारी गु प्त नज़रें मिलाने से मु झे और भी ज़्यादा दुख हुआ। मैं अच्छी तरह समझती हूँ कि तु म्हारा क्या मतलब था, कि तु म लिटिल क्लाउड को मु झसे ज़्यादा अहमियत दे ते हो, कि मे रे सथ रहने पर वह कु छ त्याग दे ती है और खु द को नीचा दिखाती है । ज़हिर है, वह ऊँ चे खानदान की महिला है, एक काउं ट की बे टी है, और मैं तो बस आमलोगों की एक साधारण लड़की हूँ! क्या तु म्हारा यही मतलब नहीं था? अफ़सोस की बात है कि तु म्हारी ने क नीयत के बावजू द तु म्हें उससे इतना कम प्यार मिला और उसे मे रे जै सी नीच इं सान के सथ घू मने के लिए ताने मरने पड़ रहे हैं, जो अपनी असं वे दनशीलता में अपने सथियों का मज़ाक उड़ाने और उनका उपहास करने के अलावा कु छ नहीं जनती! मु झे सच में समझ नहीं आत कि तु म उसकेलिए इतनी चिंतित क्यों हो। वह इसके लिए तु म्हें धन्यवाद तो बिल्कुल नहीं दे ती। पओ यू समझ गय कि वह अभी-अभी लिटिल क्लाउड के सथ उसकी बहस सु न रही थी। उनके बीच मध्यस्थता करने की मे री ने क नीयत का यही नतीजा निकला! उसने मन ही मन कड़वाहट से सोच। अब मैं दोनों की ही नज़रों का शिकार हो गया हूँ, और मु झे दोनों तरफ से ताने सु नने पड़ रहे हैं । बुद्धिमान चु आं ग त्ज़ु ने सही कहा था: "इतनी भागदौड़ क्यों? इससे तो बस चिंता ही बढ़ती है । हर तरह की बतों की चिंता क्यों? उनसे तो बस झुंझलाहट ही होती है । दूसरी ओर, जीवन की अपनी मामूली ज़रूरतों की ही परवाह करना कितना शानदार है, और इस तरह

लहरों पर एक बहती नाव की तरह स्वतं त्र और अकेले तै रते रहना कितना सु खद है!" मे रा प्रयास और परिश्रम कितना व्यर्थ है! मैं दो लड़कियों के बीच सुलह और सामं जस्य स्थपित करने में भी सफल नहीं हो पा रहा! मु झे अपने लिए ऊँ चे लक्ष्य क्यों निर्धारित करने चहिए? विचारों में डूबा हुआ वह ब्लै क जे ड से मु ँ ह मोड़कर अपने कमरे की ओर चला गया। "चले जओ! तु म्हें फिर कभी वापस आने की ज़रूरत नहीं है और तु म्हें मु झसे अब और बात करने की ज़रूरत नहीं है!" उसने पीछे से आवाज़ लगाई। उसकी ओर ध्यान दिए बिना वह चु पके से अपने कमरे में लौट आया और आह भरकर बिस्तर पर ले ट गय। पर्ल की आवाज़ ने उसे उसके विचारों से चौंका दिया। 169

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.81% है ।

"शायद अगले कु छ दिनों में हमें और भी हास्य प्रदर्शन दे खने को मिलें गे, क्योंकि मिस प्रेशियस क्लै स्प इस अवसर का पू रा फायदा उठाना चाहती हैं," उसने उसका ध्यान भटकाने की कोशिश करते हुए कहा। "मु झे तो कोई फर्क नहीं पड़ता," उसने रूखे पन से जवाब दिया। "कै से? इस नए साल के खु शनुमा मौसम में तो सब लोग खु श हैं और अच्छे मू ड में हैं । तु म अके ले क्यों उदास हो?" "अगर दूसरे लोग मजे कर रहे हैं तो मु झे क्या ले न-दे न?" "तु म्हें उनके साथ अच्छे से पे श आना चाहिए; तब तु म भी मजे कर पाओगे ।" "मु झे दूसरों से क्या ले न-दे न? आखिर मैं अके ला हूँ, बिलकुल अलग-थलग। कोई मु झे नहीं चाहता।" उसकी आँ खों में आँ सू आ गए और वह जोर-जोर से रोने लगा। फिर वह उठा, ले खन मे ज पर गया, अपनी कलम उठाई और जीवन की थकान और बौद्ध धर्म के सं सार-त्याग से भरी एक कविता लिखकर अपना खराब मू ड दूर किया। ऐसा करने के बाद, उसे अधिक स्वतं त्रता और राहत महसू स हुई और वह शांति से सो गया। थोड़ी दे र बाद, ब्लै क जे ड उत्सु कता से भरे हुए पर्ल को ढूं ढने के बहाने उसके कमरे में घु स गई। "वह पहले ही सो चु का है," पर्ल ने उसे धीरे से बताया। "लो, इसे पढ़ो, उसने अभी-अभी लिखा है ।" ब्लै क जे ड ने लिखे हुए पन्ने को दे खा। वह उसमें लिखी बातों पर मु स्कुराई, लेकिन साथ ही लड़के के लिए दुखी भी हुई। "यह तो बस एक छोटी सी शरारत है और इसका कोई मतलब नहीं है," उसने स्पष्ट उदासीनता से कहा, लेकिन वह कागज का पन्ना अपने साथ ले जाने और उसे लिटिल क्लाउड को दे ने से खु द को रोक नहीं पाई और अगली सु बह प्रेशियस क्लै स्प को पढ़ने के लिए दे दिया। "जो चाहो करो! आओ, जाओ, जै से चाहो! रोओ! हं सो! मु झे कोई फर्क नहीं पड़ता।" मु झे संसार की क्या परवाह है!" इस प्रकार श्लोक पढ़ा गया, जिसका पहला भाग सू त्र शैली में लिखा गया था। "ओह, चचे रे भाई पाओ यू सं तों में शामिल होना चाहता है और सं सार का त्याग करना चाहता है!" तीनों ने एक-दूसरे को शर्मिंदा मु स्कान के साथ दे खते हुए कहा। तीनों को थोड़ा-थोड़ा अपराधबोध हो रहा था। "चलो, हम साथ मिलकर उसके पास चलते हैं और उसे समझाते हैं" ब्लै क जे ड ने सुझाव दिया। और तीनों एक साथ सं स्कृति की सु गं ध के कक्ष की ओर चल पड़े । ब्लै क जे ड ने उसका ध्यान इस तथ्य की ओर दिलाया कि उसका बौद्ध श्लोक अधू रा था, और उसने छूटा हुआ निष्कर्ष बिंदु जोड़ा;

और प्रेशियस क्लैस्प ने एक प्रसिद्ध बौद्ध संप्रदायवादी का मामला बताया जिसने अपने रसोइए के पक्ष में अपने संप्रदाय का नेतृत्व त्याग दिया था, जब बाद वाले ने उसके द्वारा रचित एक समान रूप से दोषपूर्ण श्लोक की सही आलोचना करके उसे शर्मिंदा कर दिया था। पाओ 170

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.36% है।

यू ने शर्मिंदगी और हैरानी से कहा कि उसके चतुर चचेरे भाई उस क्षेत्र के बारे में उससे कहीं अधिक जानते हैं जिसके बारे में वह उन्हें बिल्कुल अनजान समझता था। अगर इसके बावजूद भी वे खुद को "जागृत" नहीं मानते, तो उसने निष्कर्ष निकाला कि उसकी थोड़ी सी भी पवित्रता प्राप्त करने की संभावना बिल्कुल शून्य है। इसलिए उसने बौद्ध ध्यान के लिए आगे प्रयास करने का विचार त्याग दिया। "यह तो बस एक मज़ाक था, क्षणिक मनोदशा थी," उसने मुस्कुराते हुए समझाया। और इसके साथ ही चचेरे भाइयों के बीच पुराना सुखदरिश्ता फिर से बहाल हो गया। जब सम्राट की पत्नी, वसंत की शुरुआत, रमणीय दर्शन उद्यान की यात्रा से दरबार लौटीं, तो उन्होंने इच्छा व्यक्त की कि उद्यान में एक स्मारक बनाया जाए जिस पर एक शिलालेख हो जो उनकी यात्रा की शुभ घटना को हमेशा के लिए याद रखे। चिया चेंग ने उनकी इच्छा पूरी करने में तत्परता दिखाई और यह काम अपने पास मौजूद सबसे कुशल पत्थर तराशने वालों और उत्कीर्णकों को सौंप दिया। शाही पत्नी ने यह भी सोचा कि उनके लिए विशेष रूप से बनाया गया रमणीय दर्शन उद्यान, उनके पिता द्वारा कर्तव्यपरायणता के भाव से यात्रा के बाद बंद कर दिया जाएगा और सील कर दिया जाएगा। उन्होंने मन ही मन कहा कि यदि ये सुंदर स्थान भविष्य में वीरान और अनुपयोगी रह जाएं तो यह वास्तव में खेदजनक होगा। उनकी बहनों और चचेरी बहनों के लिए इसे सुलभ क्यों न बनाया जाए, जो इतनी खूबसूरती से कविताएँ और छंद रच सकती हैं? क्या वे उद्यान के सुंदर दृश्यों के बीच अपने मन और हृदय को प्रसन्न करने के योग्य नहीं हैं? और क्या उनके भाई पाओ यू को भी इस विशेष विशेषाधिकार का हकदार नहीं होना चाहिए? क्योंकि बचपन से ही उन्हें लड़कियों की संगति की आदत थी, और यदि अचानक उन्हें इस अभ्यस्त संगति से वंचित कर दिया जाए तो वे बहुत अकेलापन और उपेक्षा महसूस करेंगे। इन विचारों से प्रेरित होकर, शाही पत्नी ने मुख्य हिजड़े ह्सिया को इस संबंध में आदेश देकर युंगकु स्थान भेजा। श्री चेंग और उनकी पत्नी ने तुरंत लोगों को पार्क में भेजकर पाओ यू और युवा लड़कियों के लिए बने विभिन्न आवासों की सफाई और उन्हें आरामदायक ढंग से सुसज्जित करने का काम शुरू कर दिया। पाओ यू इन बदलावों से बेहद खुश था। वह अपनी दादी के साथ बदलावों से संबंधित कई बातों पर चर्चा कर रहा था, तभी एक नौकर

उसे अपनेपिता के पस बुलाने आय। पाओ यू का चेहरा पीला पड़ गया। उसकी खु शी पल भर में गायब हो गई। सु रक्षा की चाह में, वह अपनी दादी के दाहिनी ओर ऐसे लिपट गया मानो वह चीनी का एक टुकड़ा हो जिसे पीसकरकिसी मिठाई पर छिड़का जाए। वह किसी भी कीमत पर जाना नहीं चाहता था, क्योंकि उसे विश्वास था कि यह फिर से पिता की उन डां टों में से एक होगी जिनसे वह बहुत डरता था। राजकु मरी पूर्वज ने 171 को प्रोत्साहित किया।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.07% है ।

पाओ यू ने उससे कहा कि उसे डरने की कोई ज़रूरत नहीं है और शायद उसके पिता उसे नए घर जाने से पहले अच्छे व्यवहार के कुछ निर्देश देना चाहते हैं। दो सम्मानित गृहिणियों के साथ, जिन्हें निजी रक्षक के रूप में काम करना था, पाओ यू उस भयवह यात्रा पर निकल पड़ा, लेकिन वह इतनी धीमी और अनिच्छा से चल रहा था कि हर कदम पर मुश्किल से तीन इंच ही आगे बढ़ा पा रहा था। आखिरकार, बहुत हिचकिचाते हुए, वह अपने माता-पिता के महल में दाखिल हुआ। प्रवेश द्वार के सामने नौकरों की कतारों से गुज़रते हुए उसे जो आधी जिज्ञासु, आधी उपहास भरी निगाहें मिलीं, वे कितनी अप्रिय थीं! गोल्डन बैंगल नाम की एक नौकरानी तो इतनी धृष्ट थी कि उसने उसके पास से गुज़रते हुए उसकी आस्तीन खींच ली और फुसफुसाते हुए कहा: "अब क्या हुआ? क्या तुम मेरे होठों से लाली चाटना नहीं चाहोगे? यह बिल्कुल ताज़ा है और इसमें खुशबू है।" इस पर ब्राइट क्लाउड नाम की एक बूढ़ी नौकरानी ने उसे धक्का दिया और फटकारते हुए कहा: "बदतमीज़ प्राणी! देखो, अभी वह ऐसे मज़ाक के मूड में नहीं है! यहाँ से चली जाओ!" अंदर जाकर पाओ यू ने देखा कि उसके माता-पिता सोफे पर आमने-सामने बैठे बातचीत कर रहे थे। तीनों वसंत कन्याएँ और उसका छोटा भाई चिया हुआन, जो उसके पिता की दूसरी पत्नी का पुत्र था, उनके चरणों में छोटी-छोटी कुर्सियों पर बैठे थे। पाओ यू के प्रवेश करते ही उसके चचेरे भाई-बहन वसंत का द्वार, वसंत का स्वाद, वसंत का दुख और चिया हुआन, खड़े हो गए। श्री चेंग ने नए आए व्यक्ति को गौर से देखा, फिर उनकी नज़र दूसरे पुत्र पर पड़ी और उन्होंने दोनों की तुलना की। पाओ यू का आकर्षक, सुसंस्कृत रूप उस नाजायज पुत्र के मोटे-ताज़े, भद्दे रूप से कितना बेहतर था! श्री चेंग ने आगे सोचा कि उनके बाल पहले से ही सफेद होने लगे हैं और उन्हें पाओ यू से बेहतर संतान की शायद ही कोई उम्मीद हो। पाओ यू के प्रति उनके मन में जो घृणा आमतौर पर रहती थी, वह इस मौन चिंतन के परिणामस्वरूप लगभग गायब हो गई, और उन्होंने सामान्य से अधिक सौम्य स्वर में कहा: "महारानी ने आदेश दिया है कि आप भविष्य में अपनी बहनों और चचेरी बहनों के साथ रमणीय दर्शन उद्यान में अपनी पढ़ाई जारी रखें। लेकिन वह चाहती हैं कि आप आलस्य करने के बजाय गंभीरता से पढ़ाई करें। इसलिए अब, इस आदेश का पालन करें और सावधान रहें!" पाओ यू ने मुश्किल से 'शिह' कहा; इसके बाद माँ

और पुत्र के बीच उनके स्वास्थ्य को लेकर संक्षिप्त बातचीत हुई, फिर एक कर्कश स्वर में "वह प्राणी, मेरे जीवन का वह अभिशाप, अभी भी वहाँ क्यों खड़ा है?" सुनकर वह डरकर तुरंत दरवाजे से बाहर भाग गया। अब खुश दिखते हुए, वह प्रतीक्षालय में नौकरों की कतारों के बीच से फुर्ती से भागा, और गुजरते समय नौकरसी गोल्डन बैंगल को चिढ़ाते हुए अपनी जीभ बहर निकाल दी। चिया चेंग ने स्थानांतरण के लिए महीने की बईस तारीख को सबसे उपयुक्त दिन माना। इस बीच, आवास के रूप में आवंटित विभिन्न भवनों को रहने योग्य बन दिया गया था। पाओ यू और ब्लैक जेड ने अपने आवास को एक भवन के काफी पास व्यवस्थित करने में कामयाबी हासिल की।

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.17% है।

वे दोनों अलग-अलग रहते थे और अब तक उनके पास जो नौकरानियाँ थीं उनके अलावा उनकी देखरेख के लिए दो बुजुर्ग संरक्षक और घर के कामों के लिए चार नौकरानियाँ थीं। इस प्रकार, महीने की बाईस तारीख को, अब तक सुनसान पड़े पार्क में जीवन और यौवन का आगमन हुआ, और रंग-बिरंगे फूलों की क्यारियाँ और हल्की हवा में लहराते विलो के पत्ते अब उदास होकर अकेलेपन की शिकायत नहीं कर सकते थे। निवास स्थान में परिवर्तन से पाओ यू का पूरा व्यक्तित्व बदल गया। उसकी उदासी गायब हो गई और उसकी जगह प्रसन्नता ने ले ली। अब से वह अपना दिन लड़कियों के साथ पढ़ने-लिखने, वीणा बजाने या शतरंज खेलने, चित्रकारी करने या कविता पाठ करने में बिताने लगा, जबकि लड़कियाँ लगन से फीनिक्स के पैटर्न की कढ़ाई करतीं, फूल तोड़तीं और पौधों की पहचान करतीं, पासा और अन्य ड्राइंग-रूम गेम खेलकर अपना मनोरंजन करतीं और मधुर स्वरों में गीत गातीं। वह पूरी तरह से खुश था और कविता लिखने के लिए पहले कभी इतने अच्छे मूड में नहीं था। उनकी कई कविताएँ और छंद, भले ही उनमें असाधारण प्रतिभा न झलकती हो, लेकिन भावना और प्रकृति के गहन अवलोकन से परिपूर्ण थे, जैसे कि उनकी "चार ऋतुओं के गीत", जनता तक पहुँच गए। उनकी कृपा पाने के लिए चापलूसों और मुफ्तखोरों की कोई कमी नहीं थी, जो युंगकुओ महल के चौदह वर्षीय प्रतिभाशाली बालक कवि की प्रसिद्धि का प्रचार सड़कों और बाजारों में करते थे और उनकी कविताओं की प्रतियाँ प्रदर्शित करते थे। युवा वर्ग में यह चलन बन गया था कि वे प्रसिद्ध पाओ यू की नवीनतम भावपूर्ण रचनाओं से पंखे और कमरों की दीवारों को सजाएँ; सामाजिक समारोहों में उनकी नवीनतम कविताओं का पाठ करना बौद्धिक माना जाता था; लोग उनके हाथ से लिखी कुछ पंक्तियाँ, चाहे कविता हो, सूक्ति हो या छोटे-छोटे वाक्य, प्राप्त करने के लिए होड़ करते थे। पाओ यू खुद को बहुत महत्वपूर्ण समझते थे और बाहर से आने वाली सभी मांगों को पूरा करने में व्यस्त रहते थे। किसने सोचा होगा कि इन सबके बावजूद उनकी पुरानी बेचैनी इतनी जल्दी फिर से जाग उठेगी? एक दिन, पार्क की भव्यता, जिसने उसे शुरू में इतना मोहित किया था, उसे ऊबाने लगी। वह इसमें खामी निकालता, उसमें आलोचना करता और चिढ़ और असंतुष्टि महसूस करता। साथ ही, उसके साथियों की संगति भी उसे संतुष्ट नहीं

करती थी; उनका हं समु ख़्शोरगुल भरा खेल, उनका भोला-भाला, चं चल, लड़कियों जै स व्यवहार उसे उदासीन कर दे त था। वह नए मनोरं जन, अधिक प्रभावशाली अनु भवों की तलाश में थ। उसके नौकरमिंग ये न नेलं बे समय से तरहतरह के सु झावों और ध्यान भटकाने की कोशिशों से उसके चिड़चिड़े पन को दू र करने की व्यर्थ कोशिश की थी, लेकिन आखिरकार उसे एक नय विचार आया जो कारगर साबित हुआ। एक दिन, किताबों की गली में टहलने के बाद, वह अपने मलिक के लिए अज्ञात हल्के सहित्य का एक पू रा ढे र घरले आय, जिसमें पुराने और आधुनिक उपन्यास और प्रे म कहानियां, अश्लील प्रे म कहानियां और प्रसिद्ध वे श्यओं के कारनामों की कहानियां अदि शामिल थीं।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.25% है ।

पाओ यू ने इससे पहले कभी ऐसी किताबें नहीं दे खी थीं। अब जब उसने उनमें झाँका तो वह मानो मदहोश हो गया और इतना खु श हुआ जै से उसे कोई अनमोल खोज मिल गई हो। और यह तथ्य कि वह इन किताबों को के वल छुपकर ही पढ़ सकता है, जै स कि मिंग ये न ने उसे समझाया था, ने उन्हें और भी आकर्षक बना दिया। उसने उन्हें अपने बिस्तर और अन्य सु रक्षित स्थानों में जितना हो सके छिपा दिया, और अब से जब भी वह अकेला और शां त होत, तो उत्सु कत से उन्हें पढ़ने में अपना समय व्यतीत करता। एक दिन, लगभग तीसरे महीने के मध्य, वह नाश्ते के बाद टहलते हुए उस पुल पर गया जो सु गंधित जलप्रपात की ओर जाता था, उसके हाथ में "पश्चिमी मं डप का नाटक" (ह्सी ह्सियां ग ची) था, और वह तालाब के किनारे खिले हुए आड़ू के पे ड़ों के नीचे एक चट्टान पर बै ठकर पढ़ने लगा। जब वह वहाँ बै ठा था और किताब के उस हिस्से पर पहुँ चा जहाँ "लाल रं ग के गिरते हुए, ढे र में इकट्ठे" का वर्णन था, तभी अचानक हवा का एक झोंका डालियों से गु ज़रा और पं खुड़ियों की भारी बारिश उसके और उसकी किताब पर बरसने लगी। वह पू री तरह से लाल पं खुड़ियों से ढक गय और उसे अपने ऊपर से इस नाजु क बोझ को हटाने के लिए खु द को झटकना पड़ा। ये पं खुड़ियाँ उसे इतनी प्यारी और मनमोहक लग रही थीं कि उन्हें अपने पै रों से कु चलने में उसे दुख होता। इसलिए, उसने अपने दोनों हाथों से अपने चारों ओर बिखरे गु लाबी पं खुड़ियों के ढे र को इकट्ठा किया और उन्हें पस के किनारे पर ले गय, जहाँ उसने उन्हें पानी की सतह पर झाड़ दिया। और हर बार जब वह इस तरह दो मु ट्ठी पं खुड़ियाँ झड़ ले त, तो वह कु छ दे र किनारे पर रुककर फूलों की पं खुड़ियों को ध्यान से दे खता रहता, जै से वे लहरों पर नाच रही हों और धारा के सथ धीरे-धीरे बं ध की ओर बह रही हों। जै से ही वह पंखुड़ियों का एक और ढे र इकट्ठा करने के लिए झुका, उसने अपने पीछे एक लड़की की आवाज़ सु नी जो पू छ रही थी "तु म यहाँ क्य कर रहे हो?" वह मु ड़ गय। वहाँ उसने ब्लै क जे ड को अपने सामने खड़ा दे ख। उसके कं धे पर एक फावड़ा था, जिसके हैंडल पर हल्के जलीदार कपड़े से बना एक फूलदान लटका हुआ था; उसके बाएं हाथ में एक झाड़ू थी। "अच्छा हुआ कि तु म आ गए, तु म इन फूलों की पं खुड़ियों को इकट्ठा करके पनी में डालने में मे री मदद कर सकते हो। मैं ने पहले ही काफी पं खुड़ियाँ डाल दी हैं," उसने

कहा। "ऐसा मत करो! यहाँ पनी काफी साफ है, लेकिन बाद में जब पंखुड़ियाँ धरा के सथ बहकर दूसरी जगहों पर पहुँच जएँगी, तो वे हर तरह की गंदगी और कचरे के संपर्क में आ जएँगी। सुंदर, शुद्ध पंखुड़ियों का गंदा होना दुख की बात होगी। नहीं, बेहतर होग कि हम उन्हें उस पंखुड़ी के कब्रिस्तान में ले जएँ जिसे मैंने अभी उस पहाड़ी के पीछे खोदा है। मैं उन्हें इकट्ठा कर लूँगी। तुम उन्हें थैले में भर लो और फिर हम उन्हें सथ में कब्रिस्तान तक ले जएँगे। समय के साथ वे अच्छी बगीचे की मिट्टी बन जाएँगी। क्य यह उन्हें पनी में फेंकने से बेहतर और साफ नहीं है?" 174

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.89% है ।

पाओ यू को मनना पड़ा कि वह सही थी। "एक पल रुको, मैं अपनीकिताब रख दूं; फिर हम तु रं त काम शु रु करें गे"। "तु म्हारे पस कौन सी किताब है?" उसने पू छा। "कु छ खस नहीं; मास्टर कन्फ्यूशियस के 'महान दर्शन' पर एक टीका," उसने जल्दी से जवाब दिया, किताब को उसकी नज़र से छिपाने की कोशिश करते हुए। "तु रं त दिखाओ, बदमाश!" "मु झे कोई परवाह नहीं, तु म इसे दे ख सकती हो, मेल मे ई, लेकिन कृ पया इसके बरे में किसी और से एक शब्द भी मत कहन। वै से भी यह बहुत ही शानदार किताब है; इसकी शैली अद्भुत है । इसे पढ़ने के बाद तु म सोने-खाने के बरे में सोच भी नहीं पाओगी। लो।" ब्लै क जे ड ने अपने बागवानी के औजर नीचे रखे और किताब उठा ली। वह चट्टान पर बै ठ गई और पढ़ने लगी, और जितना वह पढ़ती गई, उतना ही वह किताब से मोहित होती गई, और उसने तब तक पढ़न बं द नहीं किया जब तक कि उसने इसके सभी सोलह अध्याय एक ही बार में सरसरी तौर पर नहीं पढ़ लिए। विषयवस्तु और शैली दोनों ने उसे समान रूप से मोहित कर लिया, और जब उसने पढ़न समाप्त किया तो ऐसा लगा मानो उसके मुँ ह में अभी भी उस मिठास का स्वाद बाकी हो; और विचारों में खोई हुई वह अपने मन में उन अं शों को दोहरा रही थी जो उसकी स्मृति में अंकित हो गए थे । "तो, तु म्हें यह कैसा लगा?" उसने मु स्कुराते हुए पू छा। "यह सचमु च बहुत दिलचस्प है ।" "हाँ, है न? और क्या यह हम दोनों पर पू री तरह से लागू नहीं होता? मैं दोषों और कमजोरियों से भरा नायक हूँ, और तु म- तु म नयिका हो जिसकी सुं दरता शहरों और दे शों के पतन का कारण बनती है," उसने मज़ाक में कहा। उसकी इस टिप्पणी से ब्लै क जे ड का चे हरा अचानक गहरा लाल हो गया, कानों तक। उसने अपनी भौहें उठाईं और उसकी फैली हुई पु तलियाँ गु स्से से चमक उठीं, और वह फु फकारते हुए बोली: "कितनी गु स्तखी! मु झे इस बात पर आपत्ति है कि तु म उन आम अभिव्यक्तियों और उन अनुचित अं शों को मु झसे जोड़ रहे हो! यह अपमान है! लेकिन रुको, मैं तु म्हारे मता-पिता को बता दूँ गी!" "अपमान" शब्द सु नते ही उसकी पु तलियों के आसपास छोटी-छोटी लाल नसें दिखाई दे ने लगीं। अब वह झट से मु ड़कर जाने लगी। वह घबराकर उसके पीछे भागा और उसे कसकर पकड़ लिया। "मे री प्यरी मे ई मे ई, मैं तु मसे हज़ार-दस हज़ार बार माफ़ी माँ गता हूँ!" उसने विनती की। "मु झे पता है मैं ने बकवास की है, लेकिन मे रा

इरादा तु म्हारा अपमान करने का नहीं था। अगर मैं ने ऐसा किया है, तो मु झे किसी गहरे तलाब में डुबो दिया जाए और कोई बीमार कछुआ मु झे खा जाए, और मैं खु द एक बड़ा कछुआ बन जाऊँ, और भविष्य में जब तु म एक उच्च कोटि के अधिकारी की पत्नी, बु ढ़ापे से मर जाओ, तो मैं हमे श के लिए तु म्हारी कब्र के खं भों का आधार अपनी पीठ पर ढोऊँ!" इस लं बी, हास्यास्पद कसम को सु नकर ब्लै क जे ड अपनी हं सी नहीं रोक सकी। वह जल्द ही शां त हो गई। एक शरारती नज़र डालते हुए 175

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.24% है ।

उसकी ओर दे खते हुए उसने कहा, "इसके अलावा, अगर मैं चाहूँ तो तु म्हें उसी लहजे में जवाब दे सकती हूँ, और उदाहरण के तौर पर एक ऐसे व्यक्ति का ज़िक्र कर सकती हूँ जो चाँदी की नोक वाले प्रसिद्ध भाले जैसा दिखता है।" "अगर तु म ऐसी बातें कहोगी तो मैं भी जाकर तु म्हारी शिकायत कर दूँ गा!" उसने मज़ाक में धमकी दी। "मैं तो बस तु म्हें यह दिखाना चाहती थी कि मैं भी तु म्हारी तरह ही ते ज़ी से पढ़ सकती हूँ और जो पढ़ती हूँ उसे तु म्हारी तरह ही आसानी से याद रख सकती हूँ। मेरे लिए एक नज़र में दस पंक्तियाँ पढ़ना कोई बड़ी बात नहीं है। क्या तु म्हें इस पर शक है?" "हाँ, बिल्कुल। लेकिन अब हम समझदारी से काम लें गे और अपनी इन प्यारी पं खुड़ियों को दफ़ना दें गे"। वे फिर से काम पर लग गईं, और गिरी हुई पं खुड़ियों को इकट्ठा करके ढेर लगा दिया और उन्हें पहाड़ी के पीछे बने पं खु ड़ी के कब्रिस्तान में ले गईं। इसी बीच दासी पर्ल आ गई। उसे राजकु मारी ने पाओ यू को लाने के लिए भे जा था। राजकु मार शीह की तबीयत ठीक नहीं थी और पाओ यू को तु रं त उनके पास जाकर उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करनी थी, जैसा कि उचित था। वसं त ऋतु की लड़कियाँ पहले ही बीमार के बिस्तर पर जा चु की थीं। पाओ यू ने ब्लै क जे ड को विदाई दी और पर्ल के साथ पार्क से चली गई। गहरी सोच में डूबी ब्लै क जे ड धीरे-धीरे अपने घर की ओर चल पड़ी। नाशपाती के बगीचे की दीवार के पास से गु जरते हुए उसे अं दर से बांसुरी की मधु र ध्वनि और मनमोहक गायन सु नाई दिया। यह सं गीत सु चो की बारह नर्तकियों का था, जिनका कमरा नाशपाती के बगीचे में था और वे अभी-अभी एक नए नाट्य प्रस्तुति का अभ्यास कर रही थीं। ब्लै क जे ड गायन पर विशेष ध्यान नहीं दे रही थी, लेकिन एक गीत की दो पंक्तियाँ उसके कानों में इतनी स्पष्ट रूप से पड़ीं कि वह हर शब्द समझ गई। यह एक अद्भुत सुं दर बैं गनी फूल के बारे में था, जो भव्यता से खिलता है, लेकिन फिर तोड़ लिया जाता है, मु रझा जाता है और अं त में किसी कू ड़े के ढे र में दयनीय रूप से फेंक दिया जाता है। इन दो पंक्तियों में व्यक्त उदासी ने ब्लै क जे ड को अं दर तक झकझोर दिया। अनायास ही उसने अपनी गति धीमी कर दी और बाकी के बोल समझने के लिए ध्यान से सु नने लगी। और वह अगले दो पंक्तियों के भावों से मौन रूप से सहमत हुए बिना नहीं रह सकी, जो आं तरिक सु ख के अभाव होने पर बाहरी वै भव और सु खमय जीवन की

क्षणभंगुरता की बात करते थे। और उसे आह भरनी पड़ी, उन सतही मनुष्यों के बारे में सोचकर, जो केवल मनोरंजन के लिए रंगमंच जाते हैं और अपने भीतर झाँकने और मंच पर सुनी गई सच्चाइयों को अपने जीवन में लागू करने के बारे में बिल्कुल नहीं सोचते। अभी भी ध्यान में डूबी हुई, उसने ये शब्द सुने "बसंत के फूल की तरह, सुंदरता मुरझा जाती है, एक क्षणभंगुर लहर की तरह, यौवन बीत जाता है।" वह बहुत भावुक और भयभीत हो गई। उसका सिर चकरा गया, उसके पैर हिलने से इनकार कर गए, वह नशे में धुत की तरह लड़खड़ा गई, और उसे बैठना पड़ा।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.10% है ।

पास ही एक चट्टान पर बै ठी, वह अपने मन में बार-बार वही शब्द दोहरा रही थी जो उसने अभी-अभी सु ने थे "बसं त के फू ल की तरह सुं दरता मु रझा जाती है, जवानी एक क्षणभं गु र लहर की तरह गु ज़र जाती है ।" उसी समय उसे याद आया कि अतीत में उसने पु रानी कहानियों में और आज "पश्चिमी मं डप का नाटक" में भीगिरती पं खुड़ियों और बहते पानी, गु ज़रते बसं त और स्थायी दुख के बारे में ऐसे ही शब्द पढ़े थे । असीम पीड़ा और उदासी की भावना उस पर छा गई, उसका दिल बै ठ गया, उसकी आँ खों से आँ सू बहने लगे । वह किसी से बात करना चाहती थी, खु द को दिलासा दे ना चाहती थी। अचानक उसे अपने कं धे पर एक हल्की सी थपकी महसू स हुई। वह मु ड़ी। एक यु वती उसके सामने खड़ी थी। अगले अध्याय में आपको पता चले गा कि यह यु वती कौन थी। अध्याय 19 सू दखोर नी नशे में धु त होकर आवे ग में आकर उदारता दिखाता है । प्रे म में डूबी एक नौकरानी को खोए हुए रूमाल के बारे में अजीबोगरीब विचार आते हैं । जब काली जे ड ने मु ड़कर देखा तो वहाँ शिह यिंग की चु राई हुई दासी लोटस खड़ी थी। "मु झे इतना डराने वाली मूर्ख!" काली जे ड ने गु स्से से कहा। "यहाँ क्या ढूँ ढ़ रही हो?" "मैं अपनी यु वा मालकिन, मिस प्रेशियस क्लै स्प को ढूँढ़ रही हूँ लेकिन वह मु झे कहीं नहीं मिल रही। और तु म्हारी नौकरानी कु कू भी तु म्हारे बारे में पू छ रही है । मै डम चें ग ने तु म्हें नए हे यर वे स्ट रोल का एक पै के ट भे जा है । क्या तु म कृ पया आकर उपहार स्वीकार करोगी?" काली जे ड लोटस का हाथ थामकर अपने मं डप की ओर चल पड़ी। उसने नई फसल की, बे हतरीन गु णवत्ता वाली चाय स्वीकार की, जो उसकी चाची चें ग ने अभी भे जी थी, और लोटस को कु छ दे र अपने पास रखा। उसे लोटस का साथ अपने वर्तमान मन की स्थिति में सु खद लगा। उसने लोटस के साथ इस टे पे स्ट्री की उत्कृ ष्टता और उस कढ़ाई के आकर्षण पर चर्चा की, और जब तक उन्होंने शतरं ज का एक खेल नहीं खेला और एक किताब के कु छ अं श नहीं पढ़े, तब तक उसे जाने नहीं दिया। लेकिन चलिए अब इन दोनों को थोड़ी दे र के लिए छोड़ दे ते हैं और पाओ यू की बात करते हैं । जब वह सर्फ़ के साथ अपने घर लौटा तो उसने दे खा कि नौकरानी मं दारिन डक उसके सोफे पर ले टी हुई पर्ल द्वारा शु रू की गई कढ़ाई के एक टुकड़े को दे ख रही थी। "तु म कहाँ छिपे हुए थे?" पाओ यू के अं दर आते ही उसने पू छा। "बू ढ़ी तई ताई ने तु म्हें कु छ ही समय पहले बु लवाया

था। तुम्हें जल्दी से अपने बीमचाचा से मिलने जना है। जल्दी करो कपड़े बदल लो।" जब नौकरानी पर्ल उसके लिए कपड़े लाने केलिए अगले कमरे में गई तो वह सोफे केकिनारे पर बैठ गया और अपनी चप्पलें उतर दीं।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 58.96% है ।

उसके पै र की उंगलियां ।फिर वह मु ड़ा और पर्ल की अनु पस्थिति का फायदा उठाते हुए, अपने पीछे ले टी हुई मं दारिन डक का अच्छी तरह से निरीक्षण किया। वह दीवार की ओर मुं ह करके बै ठी थी और कढ़ाई में इतनी मग्न थी कि उसने उसे दे खा तक नहीं। हरे रं ग की चोली के ऊपर उसकी छोटी सी चमकीली लाल रे शमी जै के ट और उसकी पतली कमर पर बं धी सफे द साटन की कमरबं द में वह उसे बे हद आकर्षक लगी। और वह खु द को रोक नहीं पाया और उत्सु कता से उसकी गर्दन पर झुककर उससे आती खु शबू को सूं घने लगा और शरारत से उसकी पीठ सहलाने लगा। "प्यारी मे ई मे ई, मु झे तु म्हारे होठों से थोड़ा सा गुलाबी रं ग चटने दो," उसने फु सफु साते हुए कहा, उसके करीब आकर और उसे अपनी बां ह और टां ग से घे रते हुए। "आओ और दे खो, पर्ल!" लड़की जोर से हं सते हुए चिल्लाई और खु द को उससे छु ड़ाने की कोशिश करने लगी। "तु म न जाने कब से उसके साथ हो, और तु मने अभी तक उसे तमीज से रहना नहीं सिखाया है ।" पर्ल अपने हाथों में कपड़ों का एक बं डल लिए जल्दी से चली गई। एक नज़र में ही वहस्थिति समझ गई। "मु झेलगता है मे री सारी शिक्षा व्यर्थ हो गई," उसने पाओ यू की ओर मु ड़ते हुए कहा। "अगर ऐसा दोबारा हुआ तो मैं तु रं त चली जाऊं गी।" पाओ यू कु छ शर्मिंदा होकर चु प रहा, कपड़े बदले और दो दासियों के साथ अपनी दादी के पास चला गया। उनके मं डप के प्रांगण में उसके नौकर पहले से ही उसके घोड़े के साथ उसका इं तज़ार कर रहे थे, ताकि उसे राजकु मार शीह के पास ले जा सकें । जब वह घोड़े पर सवार हो रहा था और साथ ही चचे री बहन चिया लियन से कु छ बातें कर रहा था, जो अभी-अभी घु ड़सवारी से लौटी थी, तभी उसने बगल से एक यु वक की आवाज़ सु नी "त्सिंग आन, चाचा!" पाओ यू ने घोड़े की पीठ से नीचे दे खा। वह यु वक अठारह या उन्नीस साल का रहा होगा। वह दुबला-पतला और सु गठित था, उसका सुं दर चे हरा कु छ जाना-पहचाना सा लग रहा था, लेकिन पाओ यू को उसका नाम या उसके परिवार के बारे में कु छ याद नहीं आ रहा था। “तु म उसे ऐसे क्यों घू र रहे हो? क्या तु म उसे जानते नहीं? वह हमारा भतीजा लिटिल यु न है, हमारी भाभी फाइव का बे टा,” चचे री बहनलियन ने हं सते हुए उसे बताया। “ओह, बिल्कुल! मु झे अब याद आ गया। और वह लड़का तो बिल्कुल मे रे बे टे जैसा व्यवहार करता है!” “मज़ाक मत करो! वह तु मसे चार-पां च

साल बड़ा है," चचेरी बहन लियन हंसते हुए बोली। "अरे, तुम्हारी उम्र कितनी है?" पाओ यु ने तिरस्कारपूर्ण लहजे में पूछा। "अठारह," लिटिल युन ने मुस्कुराते हुए उत्तर दिया और हाजिरजवाबी से कहा: "निस्संदेह मेरे आदरणीय चाचा उस कहावत के बारे में सोच रहे होंगे जिसमें दादा-दादी बुढ़ापे तक पलने में बच्चे की तरह जवान रहते हैं और पोते-पोतियां अपनी उम्र से पहले ही बूढ़े हो जाते हैं। अब, भले ही मैं उम्र में तुमसे थोड़ा बड़ा हूँ, लेकिन इससे तुम्हारी योग्यता में कोई कमी नहीं आती, जैसे सूर्य पर्वत को पार कर जाता है।"

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.06% है ।

मे रे असली पिता का निधन हो चु का है, इसलिए यदि आप मु झे अपना दत्तक पु त्र बनकर मु झे सम्मानित करें गे तो मु झे अत्यं त प्रसन्नता होगी। "इस समय मे रे पास आपके लिए समय नहीं है, लेकिन कल मु झसे मिलने आइएग, हम चाय पिएं गे और अच्छी बातचीत करें गे," पाओ यू ने प्रसन्न होकर कहा। "मैं आपको पर्क दिखाऊं ग।" लेकिन लड़कियों से दूर रहना।" और सलाम करके वह अपने नौकरों के दल के सथ राजकु मर शीह के निवास की ओर घोड़े पर सवर होकर चल पड़ा। उसकी इस तत्परता से राजकु मर प्रसन्न हुए और संक्षिप्त अभिवादन के बद उसे राजकु मरी के पस भे ज दिया। पता चला कि राजकु मर शीह की तबीयत ज्यादा गं भीर नहीं थी; उन्हें बस हल्की सी सर्दी लगी थी। राजकु मरी ने पओ यू को रत के खने पर बुलाया और वहाँ उसके चचे रे भाई-बहन भी मौजू द थे, इसलिए वह उनके सथ रमणीय दर्शन उद्यान लौट आया। लेकिन अब हम छोटे यु न की बत करते हैं । छोटा यु नचिया वं श की एक गरीब शखा से थ और एक विधवा का इकलौता बे टा होने के नाते, वह अपने धनी और सं भ्रांत रिश्ते दारों को कभी-कभार छोटी-मोटी से वएँ दे कर रोज़गार और जीविका कमाने की ठान चु का था। आज यु ं गकु ओ महल में उसकी यात्रा का यही उद्दे श्य थ। पाओ यू के चले जने के बद उसने अपने चचा लियन से पू छा, "क्या मे रे लिए कु छ काम है?" "मैं ने हल ही में तु म्हारे लिए कु छ सोच था, लेकिन दुर्भाग्य से मे री पत्नी ने इस बीच यह काम चिया लिन को दे दिया है, जिसे इसकी ज़रूरत थी।" अत्यं त आवश्यक है । हालांकि, बगीचे में जल्द ही कई काम करने होंगे, और मे री पत्नी ने मु झसे वादा किया है कि वह आपको उनकी दे खरे ख का काम सौंपे गी। मैं आज आपके लिए कु छ नहीं कर सकत, लेकिन सु बह हाजिरी के तु रं त बाद फिर से आन और आपको मे री पत्नी से व्यक्तिगत रूप से अपनी याचिका प्रस्तु त करने का अवसर मिले ग। लेकिन अब मु झे माफ करें; मे री एक मुलाकात है ।" छोटे यु न ने उन्हें धन्यवाद दिया और चला गया। रास्ते में उसने मन ही मन सोचा कि अगर वह थोड़ी सी कृ प से सर्वशक्तिमान मै डम फ़ेनिक्स का आशीर्वाद प्राप्त कर ले तो उसकी किस्मत चमक जाएगी। लेकिन उपहार के लिए पै से कहाँ से लाएँ? उसने अपने मामा, मसाले और राशन व्यापारी पु से मिलने और उनसे कु छ लेने का फै सला किया। "मु झे आपकी सहायता चाहिए, प्रिय मामा,"

उसने उनसे कहा “कृपया मुझे चार औंस कपूर और चार औंस कस्तूरी उधार पर दे दीजिए।” मैं आपको फसल कटाई के मध्य उत्सव पर तुरंत भुगतान कर दूंगा।” अंकल पु ने एक कड़वी मुस्कान बिखेरी।“ मुझे खेद है,” उन्होंने कहा, “कि मैं इस तरह के उधार लेन-देन नहीं कर सकता। कुछ समय पहले ही मेरे एक कर्मचारी ने मेरे अच्छे स्वभाव का दुरुपयोग किया और व्यवसाय से उधर पर सामान लिया और ज़ाहिर है, अपना वादा नहीं निभाया। नतीजा यह हुआ कि मुझे और मेरे साझेदारों को अपनी जेब से नुकसान की भरपाई करनी पड़ी। तब से हमने बीस तएल के जुर्माने के दंड के तहत भविष्य में कभी भी इस तरह के निजी उधार लेन-देन न करने का समझौता किया है। मुझे इसका कड़ाई से पलन करना होगा। इसके अलावा, मेरे179

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.16% है ।

मे री छोटी सी दुकान काफी छोटी है, और नकद भु गतन करने पर भी मैं आपकी सभी ज़रूरतों को पू री तरह से पू रा नहीं कर पाऊँ गा। इसलिए बे हतर होगा कि आप कहीं और दे खें । इसके अलावा, यह सर्वविदित तथ्य है कि पै सों के ले न-दे न से दोस्ती टू ट जाती है । आप एक नासमझ नौजवान हैं और सही-गलत की परवाह भी नहीं करते । आप अपने कर्ज को हल्के में लें गे , भु गतन करना भूल जाएँ गे , मु झे बार-बार आपसे पै से माँगने पड़ें गे , और आप इसका बु रा मानें गे । मे री सलाह यही है: समय रहते अपनी ज़रूरतें खु द पू री करें और पै से बचाएँ , ताकि आपको उधार ले ने की ज़रूरत ही न पड़े और आपके चाचा आपसे खु श रहें ।" "आप बिल्कुल सही कह रहे हैं , प्यारे चचा," छोटे यु न ने बड़ी मुश्किल से अपने आँसुओं को काबू करते हुए जवाब दिया। "लेकिन आपको यह भी ध्यान में रखना चाहिए कि मैं ने बचपन में ही अपने पिता को खो दिया था, और इसी वजह से मु झे सही शिक्षा और परवरिश नहीं मिली। मे री माँ हमे शा कहती हैं कि हम कितने भाग्यशाली हैं कि कम से कम हमें आपका सहारा और मदद तो मिली, आदरणीय चाचा। इसीलिए मैं ने सोचा कि मैं आपकी मदद पर भरोसा कर सकता हूँ ।" इसके अलावा, मु झे इस बात का एहसास नहीं था कि मैं ने पै तृ क सं पत्ति, चाहे वह घर हो या ज़मीन, बे वजह लु टा दी है । चावल न हो तो सबसे अच्छी गृहिणी भी चावल का सू प नहीं बन सकती। फिर, जब मे रे पास कोई आमदनी ही नहीं थी, तो मैं अब तक कु छ बचा कै से सकती थी? खै र, आप खु द को भाग्यशाली समझें कि मैं दिन में दो-तीन बार आपसे इधर-उधर की बातें नहीं करती, जै सा कि मे री स्थिति में कई लोग करते ।"मे रे प्यारे बे टे, मे री हालत भी काफी खराब है; वरना मैं खु शी-खु शी तु म्हारी मदद करती। लेकिन तु म अपने अमीर खानदानी रिश्ते दारों से क्यों नहीं मदद माँगते? दे खो, यु ंगकु ओ महल में घर के सदस्य जनों की पीठ पीछे जितना हो सके अपनी जे बें भर लो। या फिर चापलू सी करके उनके मु ख्य प्रबं धक को खु श करने की कोशिश क्यों नहीं करते, और कोई ऐसा लाभकारी काम क्यों नहीं करते जिससे अच्छा कमीशन मिले?" छोटा यु न चु प रहा और जाने के लिए मु ड़ गया। "आपको इतनी जल्दी क्यों है?" “तु म थोड़ी दे र रुक सकते हो ,” लालची चाचा ने सिर्फ दिखावे के लिए कहा। लेकिन उसी क्षण उसकी पत्नी की डां टने वाली आवाज़ सु नाई दी। “क्या तु म फिर से हवा में उड़ने लगे हो?” उसने पू छा। “मे रे पास

भंडार में मुश्किल से हमरे लिए ही खाना है, और तुम बड़े बड़े मेहमान बन रहे हो।" "अगर ऐसा है, तो हमारे मेहमान के लिए कुछ और समान खरीद लो!" उसने जवब दिया, जिस पर फिर से चिड़चिड़ी महिला की आवाज़ सुनाई दी: "पड़ोसी वांग के पास जाओ और उससे पूछो कि क्या वह हमें बीस-तीस पेंस का चावल दे सकती है, मैं कल लौटा दूंगी।" उसने अपनी बेटी को आदेश दिया। लेकिन छोटे युन को इस घटिया तरह के अतिथ्य से तंग आ चुका था, और वह वहाँ सेनिकलने का रास्ता ढूंढकर उदास मन से अपने घर की तरफ़ की यात्रा पर निकल पड़ा। जैसे ही वह अपने 180

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.14% है ।

विचारों में खोए हुए, वह अनमने ढंग से लड़खड़ाते हुए एक शराबी से टकरा गया जो उसकी ओर आ रहा था। शराबी ने उसे बांह से पकड़ लिया और चिल्लाया: "अरे, क्या तु म्हारी आं खों में आं खें नहीं हैं?" छोटी यु न को वह आवाज़ जानी-पहचानी लगी, और वाकई वह उसका पड़ोसी नी था, जो सू दखोर, जु आरी, शराबी और उपद्रवी के रूप में मशहूर था। "मु झे छोड़ दो, पु राने दोस्त! मैं हूं तु म्हारा पड़ोसी, छोटी यु न," उसने हं सते हुए कहा। शराबी ने धुं धली आं खों से उसे गौर से देखा। आखिरकार उसने उसे पहचान लिया। उसने कु छ माफी मां गते हुए उसे छोड़ दिया। "कहां जा रहे हो, छोटे दोस्त?" उसने पू छा। "अरे, मु झसे मत पू छो। मेरा मू ड खराब है । अपने प्यारे साथी इं सान इतने परेशान करने वाले होते हैं!" "हिम्मत से बोलो! किसने तु म्हें परेशान किया है? मैं, शराबी नी, पू रे मोहल्ले में अपने दोस्तों का साथ दे ता हूँ । जो भी उनमें से किसी को नु कसान पहुँ चाएगा, उसे मु झसे हिसाब चु काना होगा। मैं उसकी दुकान गिरा दूँ गा और उसकी पत्नी-बच्चों को सड़क पर भगा दूँ गा!" छोटे यु न ने उसे अपने चाचा के पास भीख माँ गने की अपनी नाकाम कोशिश के बारे में बताया। "अरे यार! अगर वो तु म्हारा रिश्तेदार न होता, तो मैं उसे इसकी भारी कीमत चु काने पर मजबू र कर दे ता!" पड़ोसी नी गु स्से से भड़क उठा। "लेकिन चिंता मत करो। मे रे पास सं योग से कु छ खुले पै से हैं, और मैं तु म्हें कु छ ताएल उधार दे दूँगा, ज़ाहिर है बिना ब्याज के, जै सा कि अच्छे पड़ोसियों के बीच रिवाज़ है ।" उसने अपनी कमरबं द की जे ब में हाथ डाला। "ये लो पंद्रह ताएल। उम्मीद है ये काफी होंगे ।" "तु म भले आदमी हो, और मैं तु म्हें इस दोस्तना प्रस्ताव को ठुकराकर तु म्हें नाराज़ नहीं करना चाहता; इसलिए मैं इसे धन्यवाद के साथ स्वीकार करता हूँ । घर पहुँ चते ही मैं तु म्हें रसीद लिख दूँ गा।" "क्या बकवास है! अगर तु म रसीद ले कर आओगे तो मैं तु म्हें एक पै सा भी नहीं दूं गा।" "ठीक है, फिर। बहुत-बहुत धन्यवाद।" "अच्छा है । और अब मु झे जाना होगा, क्योंकि मु झे एक और काम से जाना है; नहीं तो मैं तु म्हें एक ड्रिंक के लिए बुलाता। और अब, जब तु म घर जाओ, तो क्या तु म कृ पा करके मे रे घर आकर मे रे घरवालों को बता दोगे कि मैं आज रात घर पर नहीं रहूं गा, और अगर उन्हें कु छ चाहिए तो वे मु झे सु बह बु ला लें । वे मु झे घोड़े के पत्थर वां ग के यहाँ पाएं गे "। और वह लड़खड़ाता हुआ बोलता रहा। लेकिन छोटा यु न अपनी अप्रत्याशित

अच्छी किस्मत से बहुत खुश था, और उसका एकमात्र डर यह था कि जैसे ही उसका उपकारी होश में आएगा, वह नशे में अपने ऊपर लादी हुए नेक इरादे पर पछताएगा, और उधार ली गई रकम पर भारी ब्याज जोड़कर वापस मांगेगा। लेकिन अगर मैडम फॅनिक्स उसे मनचहा आदेश दे दें तो उसके लिए भारी ब्याज भी चुकाना आसान होगा। 181

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.19% है।

अगली सुबह तड़के ही वह दक्षिणी द्वार के बहर मुख्य सड़क पर एक किराने की दुकान पर गया और कपूर और कस्तूरी का एक-एक पैकेट खरीदा। फिर, सज-धज कर और अपने सबसे अच्छे कपड़े पहनकर वह युंगकुओ महल गया। वहाँ उसे बताया गया कि मैडम फीनिक्स राजकुमारी पूर्वज से मिलने ज रही हैं। उनके पति भी घर पर नहीं थे। वह प्रांगण में इंतज़ार करने लगा, जहाँ कई नौकर बड़े-बड़े झाड़ूओं से सफाई कर रहे थे। ठीक उसी समय मुख्य प्रबंधक लाई की पत्नी ने पुकारा: "रास्ता साफ करो। झाड़ू हटाओ! मालकिन आ रही हैं!" तुरंत बाद मैडम फीनिक्स कई सेविकाओं और दासियों से घिरी हुई प्रकट हुईं। छोटा युन थोड़ा और पास गया और झुककर उन्हें प्रणाम किया। उन्होंने उसकी ओर देखा तक नहीं, बल्कि सीधे चलती रहीं और बस यूँ ही पूछ लिया कि उसकी माँ कैसी हैं और वह उनसे मिलने क्यों नहीं आतीं। "इन दिनों वो कुछ ठीक नहीं हैं, लेकिन वो अक्सर आपके बरे में सोचती रहती हैं और आपसे मिलने के लिए तरस रही हैं," लिटिल युन ने बड़ी सहजता से जवब दिया। वह जानता था कि मैडम फीनिक्स चापलूसी से बहुत जल्दी प्रभावित हो जाती थीं। "अरे, अरे! इतनी तारीफ मत करो!" उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा और अपनी चाल थोड़ी धीमी कर ली। "मुझे पूरा यकीन है कि अगर मैंने उनका ज़िक्र न किया होता तो वो मेरे बारे में सोचती भी नहीं।" "अरे, मैं आपकी मौजूदगी में झूठ बोलने की हिम्मत कैसे कर सकता हूँ, आदरणीय आंटी? कल ही तो मेरी माँ ने आपके बारे में बात की थी। उन्होंने कहा कि आपकी नाज़ुक सेहत के बावजूद, आपने पूरे घर का बोझ अपने कंधों पर उठा लिया है, और यह सिर्फ़ आपकी बेमिसाल ऊर्जा की वजह से ही है कि पश्चिमी महल में सब कुछ सुचारू रूप से चल रहा है। उनका मानना है कि आप सचमुच अपरिहार्य और अपूरणीय हैं।" मैडम फीनिक्स वहीं खड़ी रह गईं। उनके चेहरे पर एक सौम्य मुस्कान फैल गई। "और मेरी पीठ पीछे अपनी माँ से मेरे बारे में बात करने का क्या कारण था?" उन्होंने विनम्रता से पूछा। "ओह, मेरे पास एक बहुत ही ठोस कारण था। मेरे एक अच्छे दोस्त, जो मसालों के एक धनी व्यपारी हैं, ने हाल ही में युनान प्रांत के एक जिले में उप-प्रीफेक्ट का पद खरीदकर प्राप्त किया है। अपने परिवार के सथ पदभार संभलने के लिए रवाना होने से पहले उन्होंने अपना सारा माल बेच दिया और यहाँ अपनी दुकान बंद कर दी। ऐस

करते समय उन्होंने अपने करीबी दोस्तों और परिचितों को कई मूल्यवन वस्तुएँ उपहार में दीं। उन्हें मेरी भी यद आई और उन्होंने मुझे कपूर और कस्तूरी का एक पार्सल दिया। मैंने अपनी माँ से सलाह ली कि मैं उनके उपहार का सबसे अच्छा उपयोग कैसे कर सकती हूँ। हमें लगा कि इन मूल्यवन औषधियों को उनके मूल्य से कम में बेचना दुख की बात होगी, और हमारे करीबी दोस्तों में कोई ऐस नहीं था जिसे ये उपहार में दी ज सकें। फिर हमें यद आया कि आपको, आदरणीय चाची, धूप केलिए हमेश बहुत सारे कपूर और कस्तूरी की आवश्यकता होती है, और हमने सोच कि, विशेष रूप से 182

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.34% है ।

ड्रै गन के नौका उत्सव के अवसर पर, आप हमारी ओर से दिए गए इस छोटे से उपहार को हमारी सच्ची भक्ति के प्रतीक के रूप में स्वीकार करने में सं कोच नहीं करें गी। उन्होंने कहकर उन्हें चीड़ की लकड़ी का एक सु ंदर छोटा सा डिब्बा दिया, जिसमें कपू र और कस्तू री के छोटे छोटे पै के ट करीने से रखे हुए थे । मै डम फीनिक्स को उनका उपहार वास्तव में बहुत पसं द आया, क्योंकि ड्रै गन के नौका उत्सव के लिए उनके घर में धू प की सामग्री पर्याप्त नहीं थी। उन्होंने विनम्रतापूर्वक सिर झुकाकर इशारा किया कि उनके दल का कोई सदस्य उनकी ओर से डिब्बा ग्रहण करे । उन्होंने कहा, "आपके ध्यान के लिए धन्यवाद, प्रिय भतीजे । मु झे लगता है कि मे रे मित्र का यह कहना गलत नहीं है कि आप समझदार और चतु र हैं, और अन्य मामलों में भी आपकी प्रशं सा करना गलत नहीं है ।" "ओह, क्या वह कभी-कभी मे रे बारे में भी ऐसा ही कहते हैं?" मै डम फीनिक्स उन्हें यह बताने ही वाली थीं कि उन्होंने अपने मित्र के कहने पर उन्हें बगीचे के काम की दे खरे ख का जिम्मा सौंपने का फै सला कर लिया है । लेकिन फिर उन्होंने मन ही मन सोचा कि अगर उन्होंने इतनी जल्दी उनकी नियुक्ति पर अपनी सहमति दे दी, तो शायद वह सोचें गे कि उनकी कपू र और कस्तू री की कु छ मात्रा जै से मामूली उपहारों से भी कृ पा खरीदी जा सकती थी, और इससे वह उसे कमतर समझे गी। इसलिए उसने उसके प्रश्न का उत्तर दे ने से परहे ज किया और गर्व से अपने रास्ते चली गई। छोटे यु न के पास अनिश्चितता में घर लौटने के अलावा कोई चारा नहीं था; हालाँकि, दोपहर में वह पाओ यू द्वारा पिछले दिन दिए गए निमं त्रण को स्वीकार करने के लिए यु ंगकु ओ महल के लिए फिर से निकल पड़ा। पु स्तकालय के सामने, राजकु मारी पूर्वज के अपार्टमें ट से कु छ ही दूरी पर, उसकी मुलाकात पाओ यू के नौकर मिंग ये न से हुई। "क्या आपके स्वामी आज पार्क से नहीं आ रहे हैं?" उसने पू छा। "मु झे नहीं पता, लेकिन मैं जाकर आपको सूचित कर दे ता हूँ ।" छोटे यु न ने प्रतीक्षा का लं बा समय पु स्तकालय में चित्रों और कलाकृतियों को दे खते हुए बिताया। जब वह उन्हें निहारने में मग्न था, तभी उसने एक लड़की की कोमल आवाज सु नी जो 'को को' कहकर पु कार रही थी। वह बाहर गया और लगभग पंद्रह या सोलह वर्ष की एक सु ंदर यु वती को देखा। जब उसने उसे दे खा, तो वह जल्दी से मु ँ ह फे रकर भाग गई। जब यह सब हुआ, मिंग ये न ठीक उसी समय वापस आ रही थी। वह उसके

पास गया और उससे पूछा कि क्या उसने अपने स्वामी, पाओ यू को देखा है। "देखो, वह उनके कर्मचारियों में से एक है," उसने छोटी यु न को समझाया, जो दौड़कर उसके पास आई थी। "मैं खुद उन्हें ढूंढ नहीं पाया हूँ।" "प्यारी बच्ची, कृपया अपने स्वामी को बता दो कि उनका भतीजा, छोटी यु न, यहाँ है," उसने छोटी बच्ची से कहा। इस बार वह भागी नहीं। यह सुनकर कि अजनबी परिवार का सदस्य है, उसे कुछ हद तक तसल्ली हुई, लेकिन फिर भी उसे पूरी तरह से उस पर भरोसा नहीं था। "कल फिर आना, क्योंकि मुझे शायद ही मौका मिलेगा।"

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 79.25% है ।

"मैं आज शम से पहले अपने स्वामी से बत कर लूं गी और आप निश्चित रूप से तब तक इं तजार नहीं करना चाहें गे," उसने संक्षिप्त और दृढ़ता से कहा, मानो उसे अपने व्यक्तित्व का पू रा विश्वास हो। और इतना कहकर उसने उसे विदा कर दिया। छोटा यु न जते समय उस पर कु छ चोरी-छिपे निगाहें डालने से खु द को रोक नहीं पाया था। अगले दिन सु बह जब वह यु ं गकु ओ महल लौटा तो उसे पहुं चते ही मै डम फीनिक्स से मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। वह अभी-अभी सै र के लिए अपनी गाड़ी में बै ठी थीं। छोटे यु न को दे खते ही उन्होंने उसे अपनी गाड़ी के दरवजे पर बुलाया। "दे खो, मे रे बच्चे, मु झे लगता है तु म मु झसे थोड़ी शरारत कर रहे हो," उसने टूटी हुई खिड़की से मु स्कु राते हुए कहा। "कल का तु म्हारा उपहार तो बस एक बहाना था। मे रे पति ने इस बीच मु झे बता दिया है कि तु म क्य चाहते हो।" "ओह, क्या? कितना अजीब! हाँ, यह बिल्कुल सही है; मैं बहुत चहता हूँ... मु झे बस इस बात का अफसोस है कि मैं शु रु में ही सीधे आपसे मिलने नहीं आय, प्रिय चाची। अगर मैं आय होता, तो मामला बहुत पहले ही सुलझ गया होता।" लेकिन किसी को यह एहसास नहीं होता कि अं कल लियन की बातों में कितनी कम चलती है ।"तो यही बात है? उनसे मनमु टाव होने के बाद ही तु मने कल मु झसे कोशिश करने का सोचा?" "आप मे रे साथ अन्याय कर रही हैं, प्यारी चाची। भतीजे होने के नाते मैं ने अपने चाचा की बात न मानने को अपन फर्ज समझा था। लेकिन अब जब मु झे स्थिति का पता चल गया है, तो मैं आगे से सिर्फ आपसे ही बत करु ं ग। और क्या आप कृ प करके मे री बात सु नलें गी?" "अरे, अभी, तु रं त? तु म्हें पहले ही बोल दे न चाहिए था। पार्क में तरह-तरह के पे ड़ लगाने हैं और फूलों की क्यारियां बननी हैं । अगर तु मने समय रहते मु झसे कु छ कह दिया होता, तो शायद मैं तु म्हें यह काम सौंप दे त।" "अभी भी ऐसा कर दीजिए!" "अभी तो यह मु मकिन नहीं है ।लेकिन अगले नए सल के त्योहार तक सब्र रखिए, जब हमें पटाखे खरीदने होंगे । तब शयद मैं आपके बारे में सोचूं ।" "प्यारी चाची। कृ पय अभी ही मे री बत सु न लीजिए।" आप मु झ पर भरोस कर सकते हैं कि मैं अपन काम अच्छे से करूँगा। आप मु झसे इतने प्रसन्न होंगे कि मु झे नए साल के त्योहार का ऑर्डर तु रं त सौंप दें गे।" "वाह! यह लड़का तो भविष्य की योजना बनाना जानता है! अच्छा, आप अपने चचा को धन्यवाद दें जिन्होंने आपके लिए सिफारिश की। मैं

खु द आपके बारे में नहीं सोचती। तो अब मु द्दे पर आते हैं। कल नाश्ते के बाद फिर आना। एस्टे ट कैशियर के कार्यालय में जना और यह सुनिश्चित करना कि आप परसों से बगीचे का काम शु रु कर दें!" और कोचवान को इशारा करके वह चली गई। छोटा यु न बहुत खु श था। उसे उम्मीद थी कि वह 184 तक इं तजर का समय अच्छे से बिता ले ग।

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.36% है।

नाश्ते के बाद छोटा युन पाओ यु से मिलने गया। लेकिन पाओ यु ने आज का पूरा दिन अपने नए मित्र, उत्तरी शांति के राजकुमार के घर में बिताया। ठीक ग्यारह बजे छोटा युन, मैडम फीनिक्स द्वारा भेजे गए अधिकार पत्र के साथ, एस्टेट कैशियर के कार्यालय पहुँचा और वहाँ उसे दो सौ ताएल की अच्छी-खासी रकम मिली। फिर वह जल्दी से घर लौटा और अपनी माँ के साथ पूरा दिन मज़े से बिताया। अगली सुबह उसने अपने पड़ोसी नी से हिसाब-किताब किया, फिर पश्चिमी द्वार के बाहर फांग चुन के नर्सरी गार्डन में गया और पचास ताएल मूल्य के फूल और पेड़ खरीदे। लेकिन चलिए, अभी उसे उसके नए काम में व्यस्त रहने देते हैं और पाओ यु की बात पर लौटते हैं। परसों जब उसने छोटे युन से मिलने का समय तय किया था, तो यह केवल उन औपचारिक लेकिन खोखले वादों में से एक था जो उच्च वर्ग के लोग बिना सोचे-समझे निम्न सामाजिक स्तर के लोगों को देते हैं। ज़ाहिर है, वह इस बीच अपना समय भूल गया था। उत्तरी शांति के राजकुमार से मिलने के बाद जब वह शाम के समय घर लौटे तो उन्हें स्नान करने की इच्छा हुई। संयोगवश, वह अपने कमरे में अकेले थोड़ी देर से बैठे, क्योंकि नौकरानी पर्ल ने प्रेशियस क्लैस्प का निमंत्रण स्वीकार कर लिया था, नौकरानी मस्क बीमार थी और दो अन्य नौकरानियाँ गर्म पानी लाने गई थीं। इस प्रकार, जब उन्होंने दो-तीन बार चाय के लिए पुकारा, तो केवल दो बुजुर्ग महिलाएँ ही उनकी पुकार का जवाब देने आईं, जिन्हें उनकी देखरेख के लिए नियुक्त किया गया था। "कोई बात नहीं। आप जा सकती हैं," उन्होंने हाथ के इशारे से उन्हें वापस बाहर भेज दिया। उन्होंने कहा कि वह खुद चाय बनाना पसंद करेंगे। इसलिए वह रसोई में गए और चूल्हे के पास काम करने लगे, और चायदानी में उबलता पानी डालने ही वाले थे कि उन्होंने पीछे से किसी को कहते सुना: "आपका हाथ जल जाएगा। कृपया मुझे करने दीजिए!" उसी क्षण एक सुंदर युवती उसके पास आई, उससे गर्म पानी का बर्तन लिया, चायदानी भरी और चाय बनाने का सामान उसके कमरे में ले गई। चाय की चुस्की लेते हुए उसने उस युवती को ध्यान से देखा। उसने उसे पहले बिल्कुल भी नहीं देखा था। उसके कितने प्यारे घुंघराले बाल थे और कितना पतला, नाजुक सा चेहरा था। "क्या तुम मेरे कक्ष के कमरे में काम करती हो?" उसने पूछा। "हाँ।" "तो फिर मैंने तुम्हें पहले कभी क्यों नहीं देखा?" "हम इतने सारे

लोग हैं, आपके लिए हर एक को जानना मुश्किल होगा। इसके अलावा, मैं अभी नई हूँ और मैं ने कभी आपके लिए कोई व्यक्तिगत से व नहीं की है, जै सेकि आपके लिए चाय बनाना।" "क्यों नहीं?" 185

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.11% है ।

"क्योंकि बाकी, बड़ी उम्र की महिलाएं, जो आपके सथ लं बे समय से हैं, वे ये सेवाएं अपनेलिए रखती हैं ।" "यह तो दुख की बात है, क्योंकि तब तो आपसे मिलना ही मुश्किल हो जाता है ।" "जब तक कोई विशेष आदे श न हो, जै सेकि जिसके लिए मैं अभी यहां आय हूं । कल दोपहर श्री यु न ने आपको बुलाया था। मैं ने उनसे कहा कि वे आज वपस आएं क्योंकि कल दोपहर आपको नींद नहीं आई थी और आप थकी हुई थीं। आज आप उत्तरी शांति के राजकु मर के सथ थीं, इसलिए श्री यु न आपसे दोबारा नहीं मिल पाए।" "ओह, तो वह यहां थे?" वह उस प्यारी सी बच्ची से बातचीत जारी रखना चाहता था, लेकिन वह अचानक भाग गई क्योंकि दो बड़ी नौकरानियां हं सती हं सती और बतें करती हुई आ रही थीं। वे नहाने के पानी से भरा एक टब ले ज रही थीं। अपने खाली हाथों से वे अपनी स्कर्ट के किनारों को पकड़े हुए थीं, जो पानी की छींटों से भीग गई थीं। छोटी सियाओ हं ग उनकी ओर दौड़ी, टब उठाने में उनकी मदद करने केलिए उत्सु क थी। जब दोनों बड़ी नौकरानियाँ कमरे में पहुँ चीं तो उन्होंने आश्चर्य और झुं झलाहट के सथ दे ख कि पाओ यू बिल्कुल अकेला था। उसके लिए स्नान तै यर करने के बाद उन्होंने छोटी नौकरानी से सवल-जवाब शु रूकिए। उन्होंने सं दे ह भरी निगाहों से पू छा, "जब हम आए थे तब तु म उसके साथ क्या कर रही थी?" उसने जवब दिया, "कु छ नहीं। मैं अपना रूमाल ढूं ढ रही थी, जो मु झसे खो गया था। उसने चय मं गवई और क्योंकि वहाँ कोई और उसे परोसने वाला नहीं था, इसलिए मैं ने उसे चाय दे दी। बस इतना ही।" बड़ी नौकरानी ने गु स्से से चिल्लाते हुए छोटी नौकरानी के चे हरे पर थू कते हुए कहा, "हमें धोख दे ने की कोशिश मत करो, धूर्त!" "अब हम समझ गए हैं कि तु मने अभी स्नान का पानी लाने केलिए क्यों नहीं दौड़ी, जबकि तु म्हारा कर्तव्य था, और इसके बजय हमें भे ज दिया। तु म्हारा बहाना कि तु म्हारे पस समय नहीं था, सरासर झू ठ और छल था। तु म हमसे पीछा छुड़ाना चाहती थी ताकि तु म छोटे मालिक के सथ अकेली रह सको। लेकिन ज़रा आईने में दे खो और दे खोकि क्या तु म उसके सामने खु द को दिखाने लायक हो।" “मैं कल पर्ल को बताऊँ गीकि तु मने खु द को कै से आगे बढ़ाया,” दूसरी ने कहा। “फिर बात ये होगीकि तु म अकेले ही छोटे मालिक की से व करना चाहोगी। हम बाकी लोग अब बे कार हो गए हैं, है न?” कु छ दे र तक इस तरह झगड़ा

चलता रहा, तभी एक नौकरानी मै डम फेंनिक्स का सं दे श्ले कर आईकि माली कल पार्क में आएं गे और से व करने वली नौकरानियों को शालीनता से पीछे रहना चाहिए और आगे नहीं आन चाहिए।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल9.22% है ।

“काम की दे खरे ख कौन कर रहहै?” दोनों बु जुर्ग नौकरानियों ने जनना चाहा। “श्री यु न” नौकरानी ने जवब दिया। यह नाम उनके लिए बिल्कुल नया था। लेकिन छोटी सियाओ हं ग को अच्छी तरह याद था कि कल पु स्तकालय के दरवजे के समने उससे बत करने वला और फिर उसकी ओर ध्यान से दे खने वला वह प्यारा नौजवान यु न था। क्या वह सच में उसेफिर से दे ख पएगी, उसने सोचा। क्योंकि वह छोटी बच्ची महत्वाकांक्षी थी और दुनिया में आगे बढ़नाचाहती थी। काफी समय से वह पाओ यु का ध्यान आकर्षित करने की उम्मीद कर रही थी, लेकिन उसकी बड़ी सहकर्मी हमे श उसे पीछे रखने मेंमाहिर थीं। और आज, पाओ यु के सथ पहली बार अकेले होने के बद, उसे अब पहले से कहीं ज्यदा ईर्ष्या और अपमान सहना पड़े ग। लेकिन उसकी उदासी पल भर में खु शी और उम्मीद में बदल गई जब उसने बू ढ़ी नौकरानी को यु न का नाम ले ते सुन,और पू रेदिन वह उस प्यारे नौजवन के सथ कल की मुलाकात के बरे में सोचती रही। फिर उस रात, जब वह अपने कमरे में अकेली थी और सोने केलिए ले ट गई, तो नींद में भी उसका ख्याल उसके मन से नहीं निकला। अचानक उसे अपने बे डरूम की खिड़की के बहर किसी की आवाज़ सु नई दी: "मु झे तु म्हरा रूमाल मिल गया है, सियाओ हं ग।" वह उठी और दरवाजे पर गई। वहाँ वही यु वक उसके सामने खड़ा था, जो कल मिला था। "यह कहाँ मिला?" उसने शर्माते हुए पू छा। "मे रे सथ आओ। मैं तु म्हें जगह दिखाता हूँ," उसने जवब दिया और उसे अपनी ओर खींचकर बहों में भरलिया। उसने खु द को छु ड़ाया और अपने कमरे की ओर भगने की कोशिश की, लेकिन रास्ते में एक सीढ़ी पर ठोकर खाकर गिर पड़ी। इससे उसकी नींद खुल गई। कितना अफ़सोस! वह तो बस सपना दे ख रही थी। अध्याय 20 एक जादूगर चचे रे भई-बहनों पर जादू कर दे त है । जदुई पत्थर की अद्भुत शक्ति उन्हें ठीक कर दे ती है । बे चै न नींद के बद, सियाओ हं ग अगले दिन बहुत जल्दी उठ गई, अपने कम पर जाने केलिए। वह अपने खू बसू रत सपने में इतनी मग्न थी कि अपने रोज़मर्रा के सजने-सं वरने पर भी ध्यन नहीं दे प रही थी। उसने जल्दी से वॉशबेसिन में उं गलियाँ डुबोईं, शीशे के समने लापरवाही से अपनीलं बी चोटियों को पिन से बँ ध और एक तौलिये को एप्रन की तरह अपनी स्कर्ट की बे ल्ट मेंलगा लिया। फिर, एक आह भरकर उसने झड़ू उठाई और एक बार फिर

एक साधारण नौकरानी बन गई। पाओ यू केदिल में कल उस प्यारी सी नई नौकरानी से हुई पहली मुलाकात की याद बसी हुई थी। वह उसे 188 कहना चाहता था।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल9.41% है ।

वह उससे यह य वह काम करवाने केलिए तै यर था, लेकिन पहली बात तो यह थी कि उसे बड़ी नौकरानियों की ईर्ष्या का डर था, और दूसरी बात यह कि वह उस छोटी बच्ची का नाम तक नहीं जानता था। सु बह बहुत जल्दी उठकर वह उदस मन से खिड़की के पस गया और कु छ दे र तक बाहर झुककर नौकरानियों को आं गन सफ करते दे खतरहा। उन दिखावटी लड़कियों ने खु द को कितना अच्छे से सजया था! उनमें से एक भी ऐसी नहीं थीजिसने पउडर और रूज न लगाया हो और नखरे से अपने बलों में फूल न लगाए हों। दुर्भाग्य से, वह कल वाली उस छोटी बच्ची को उनमें नहीं ढूं ढ पया, लेकिन वह उसे फिर से दे खनचाहता था। वह जल्दी से कपड़े पहनकर पर्क में चला गया। उसने फूलों को दे खने कबहाना बनाया, लेकिन असल में वह पू रब और पश्चिम की ओर छुपकर छोटी सियाओ हं ग को ढूंढ रह था। आखिरकार उसने उसे एक मनोरं जनगैरी की मु ं डे र परु कुी हुई, बे र के फूलों और बे गोनिया की शाखाओं के पीछेछिपी हुई, विचारों में डूबी हुई पाया। वह उसके पस गया और उससे बत करने ही वला था कि तभी एक बू ढ़ी नौकरनी आई और उसे बतया कि नहाने क समय हो गया है । सच में उसे परे शन होना बहुत बु र लगा! इसलिए उसे उस छोटी बच्ची को वहीं खड़ छोड़कर बिना कु छ बोले घरलौटना पड़ा। उसके जने के कु छ ही दे र बद पर्ल ने सियाओ हं ग को ब्लै क जे ड के मं डप में भेजक फूलदान टूट गया था और वह ब्लै क जे ड से दूसरा फूलदान उधार ले न चाहती थी। जब सियाओ हं ग नीले-हरे झाग वाले पुल से होते हुए वहाँ ज रही थी, तो उसने दे खकि पार्क का पास का पहाड़ी हिस्सा बाड़ से घिरा हुआ था और पर्दों से बं द था यही वह हिस्सा था जहाँ आज पे ड़पौधे लगाए जाने थे । उसने देखकि हर जगह लोग खु दई और रोपण का काम कर रहे थे । और वहींरास्ते केकिनारे, उसकी नज़र लिटिल यु न पर पड़ी जो बै ठआदे श दे रहथा। उसका मन हुआ कि वह उसके पस जाए, लेकिन तभी उसका आत्मविश्वास डगमगा गया और वह ब्लै क जे ड के मं डप की ओर एक घुमावदार रास्ते से चु पके से चली गई। जै से ही उसने अपनकाम पू र किया, वह चु पके से अपने कमरे में लौटआई और उदास होकर सोफे परगिर पड़ी। दूसरी नौकरानियों ने उसकी उदस शक्ल दे खी लेकिन उन्हें लगा कि उसकी तबीयत ठीक नहीं है, इसलिए उन्होंने उस पर और ध्यान नहीं दिया। अगले दिन,

वह हरामखोर चिया हुआन पारिवारिक स्कूल से लौटा था और मैडम चेंग के बैठक कक्ष में उनके लिए डायमंड सूत्र की नकल करने में व्यस्त था। मैडम को उसे याद करने के लिए एक साफ-सुथरी प्रति चाहिए थी। इस काम की वजह से वह हरामखोर खुद को बहुत महत्वपूर्ण समझ रहा था और सबको आदेश दे रहा था। एक नौकरानी को उसके लिए मोमबत्ती जलाकर उसे ठीक करना था, दूसरी को उसके लिए चाय लानी थी, उसने तीसरी को इसलिए डांटा क्योंकि वह उसकी रोशनी में खड़ी थी, और यह सिलसिला लगातार चलता रहा। चूंकि वह कर्मचारियों के बीच अलोकप्रिय था, जो उसका सम्मान नहीं करते थे, इसलिए चाय लाने वाली नौकरानी डॉन के अलावा किसी ने भी उस पर ध्यान नहीं दिया। 189

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 8.94% है ।

“इतने आदे श मत दो! तु म खु द को और भी अलोकप्रिय बना रहे हो” चाय डालते हुए उसने फु सफु साते हुए उससे कहा। उसने गु स्से से उसकी तरफ दे खा। "मु झे पता है! तु म सब पाओ यू के पक्ष में हो और मे रे खिलाफ साजिश रच रही हो!” उसने तीखे स्वर में कहा। डॉन ने दां त दिखाते हुए उसके सिर पर उं गलियों से मारा। “बदमाश, बदतमीज कु त्ता!” उसने डां टते हुए कहा और एक लं बा उपदे श शु रू करने ही वाली थी कि फीनिक्स और पाओ यू के आने से वह रुक गई। दोनों मै डम चें ग के बड़े भाई, मार्शल वां ग त्ज़ु तें ग के घर में जन्मदिन की पार्टी से आ रहे थे । पाओ यू के गाल शराब पीने से लाल हो गए थे और उसे नींद आ रही थी। जब उसकी माँ मै डम फीनिक्स से जन्मदिन की पार्टी, मे हमानों और नाट्य प्रदर्शन के बारे में पू छ रही थीं, तो उसने नौकरानियों से अपनी टोपी, ओवरकोट और जू ते उतरवाए, फिर वह अपनी माँ के बगल में सोफे पर ले ट गया और अपना सिर उनकी छाती पर टिका दिया। उसने कोमलता से उसके गालों और गर्दन पर हाथ फे रा, और उसने भी बदले में उसे सहलाया। "कितने गर्म हो तु म" उसने कहा। "तु मने फिर से कु छ ज़्यादा पी लिया है । आराम से ले ट जाओ और शरीर को फैला लो, ताकि तु म्हें उल्टी न आए!" उसने उसकी सलाह मानी और तकियों पर उसके पीछे ले ट गया। उसी समय उसने डॉन को बुलाया और उससे थोड़ी मालिश करने को कहा। लेकिन डॉन नहीं चाहती थी और पास में लिख रहे उस कमीने को दे खती रही। पाओ यू ने उसका हाथ पकड़ा और उसे अपने पास खींचने की कोशिश की। "प्यारी बड़ी बहन, मे री भी थोड़ी दे खभाल कर दो!" उसने विनती की। "चु प रहो, वरना झगड़ा हो जाएगा!" उसने फु सफु साते हुए उसे रोका और अपना हाथ पीछे खींच लिया, क्योंकि उसने दे खा था कि वह कमीना परिवार की बिगड़ी हुई लाडली पर नफरत भरी निगाहें डाल रहा था। दरअसल, चिया हुआन ने बढ़ते गु स्से के साथ दे खा था कि कै से पाओ यू एक बार फिर सबका ध्यान अपनी ओर खींच रही थी और उस कमीने को पीछे धकेल रही थी। वह ईर्ष्या से ग्रस्त था और इसी ने उसे एक घिनौनी योजना बनाने के लिए प्रेरित किया। जानबू झकर अनाड़ीपन से उसने उस कटोरे को पलट दिया जिसमें मोमबत्ती का पिघलता हुआ मोम बह रहा था, इस तरह कि गर्म मोम पाओ यू के चे हरे पर छिटक गया। जब पाओ यू दर्द से चीख उठा तो वे सब उसके पास दौड़े और उसके चे हरे पर दीपक की

रोशनी डाली। तब उन्होंने देखा कि उसका चेहरा गर्म पिघले हुए मोम की एक पतली परत से ढका हुआ था। घबराहट से भरी फ़ॅनिक्स और नौकरानियाँ मोम को खुरचने और घायल त्वचा को गुनगुने पानी से धोने लगीं। "कितना मूर्ख है! और अब वह कोई नासमझ छोटा बच्चा नहीं है!" उसने उस कमीने को धमकी भरी तिरछी नज़र से देखते हुए कहा। "उसे अभी तक रोशनी संभालना भी नहीं आता! इससे पता चलता है कि उसकी माँ ने उसकी परवरिश कितनी बुरी तरह की है।"

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.23% है ।

उसकी टिप्पणी मै डम चें ग केलिए प्रे रणा बनी और उन्होंने उस नजायज बच्चे की माँ, चाओ को बुलवाया और उसे जमकर फटकारा। उन्होंने कहा कि उसे अपनेबिगड़े हुए बच्चे की परवरिश में थोड़ी और मे हनत करनी चहिए, वरना उसे आगेकिसी तरह की नरमी और दया की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। फटकार खाई महिला ने चु पचाप अपनी शर्मिंदगी सहन की और औपचारिकता के तौर पर घायल लड़के की थोड़ी मदद करने के बाद चली गई। पाओ यू के चे हरे का बायाँ हिस्सा भयं कर छालों से बिगड़ गया था। सौभाग्य से उसकी आँ ख को चोट नहीं आई थी। उसकी माँ बहुत घबराई हुई थी; उसे राजकु मरी के डां ट का डर था। उसने उस पर मरहमलगाया और उसे बिस्तर पर भे जदिया। पाओ यू ने बहादुरी और उदारता दिखाई। उसने अपनी माँ कोदिलासा दे ते हुए कहा, "ज़्यादा दर्द नहीं हो रहा है । और जब दादी इसके बरे में पू छें गी तो मैं बस यही कहूँगा कि मे री लापरवाही से जल गया।" "तब हम दूसरों को तु म्हारी ठीक से दे खभाल न करने केलिए फटकार सु ननी पड़े गी। वै से , यह एक थका दे ने वाला काम है," फीनिक्स ने कहा। ब्लै क जे ड ने पाओ यू को पू रेदिन नहीं दे ख था। जब उसे उसके हादसे के बारे में पता चला तो वह उससे मिलने गई, हालांकि शाम काफी हो चु की थी। उसका विकृ त चे हरा दे खकर उसे गहरा सदमा लगा, जो पू री तरह से मरहम से ढका हुआ था। उसके सं वे दनशील स्वभाव को जानते हुए, उसने जल्दी से अपने हाथों से उसके ज़ख्मों पर हाथ रख दिया और उसे जने केलिए कहा। लेकिन वह पहले यह जनना चाहती थी कि क्या उसे दर्द हो रहा है, और वह उसके बिस्तर पर थोड़ी दे र बै ठने और अपनी बहन जै सी सहानु भूति दिखाने से नहीं हिचकी। अगले दिन जब वह अपनी दादी के पस गया तो उसने बड़ी उदारता से हादसे का सारा दोष अपने ऊपरले लिया। और जै स कि फीनिक्स ने सही अनु मान लगाया था, पूर्वज ने अपन सारा गु स्स उसकी माँ, फीनिक्स और नौकरानियों पर निकाला, जिन्हें निर्दोष होते हुए भी उस नजायज बच्चे की दुर्भावना का खामियाजा भु गतन पड़ा। अगले दिन माँ भी उससे मिलने आई। वह एक जदूगरनी के रूप में और बीमारों के लिए पे शे वर प्रार्थना करने वाली के रूप में प्रसिद्ध थीं। जब पाओ यू का जन्म हुआ, तो वह उनकी धर्ममाता बनीं और उन्हें यह सम्मान प्राप्त हुआ कि पाओ यू उन्हें अपनी दत्तक माता कहते थे । जब उन्होंने पाओ यू के जले हुए

घाव देखे, तो उन्होंने अपनी उंगलियों से उन पर जादुई घेरे बनाए और साथ ही रहस्यमय मंत्रों का जाप किया। इसके अलावा, उन्होंने राजकुमारी पूर्वज से अपने प्रिय के शीघ्र स्वस्थ होने के लिए प्रार्थना करने का प्रस्ताव रखा - स्वाभाविक रूप से, उचित पारिश्रमिक के बदले में।"आपको अवश्य ही पता होना चाहिए, वृद्ध पूर्वज, घर की वृद्ध बोधिसत्व," उन्होंने राजकुमारी पूर्वज से कहा, "कि कुलीन वंश के युवा विशेष रूप से अदृश्य शैतानों और प्रेतों द्वारा सताए जाने और पीड़ित होने के शिकार होते हैं। बुद्ध के पवित्र ग्रंथ यही सिखाते हैं। ये दुष्ट राक्षस उन्हें सताते हैं और खरोंचते हैं, भोजन करते समय उनके हाथों से थालियाँ और व्यंजन गिरा देते हैं, उन्हें ठोकर खिलाते हैं और

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.31% है ।

गलत कदम उठाओ। ये यु वा अपने बचपन में हर कदम पर दुष्ट राक्षसों के प्रकोप का शिकार होते हैं, और अक्सर उन्हीं के हाथों अपनी जान गं वा दे ते हैं ।"तो क्या उनके खिलाफ कोई कारगर उपाय नहीं है?" चिंतित पूर्वज ने पू छा। "निश्चित रूप से, बु द्ध की सहायता से राक्षसों को भगाया जा सकता है ।लेकिन बु द्ध इसके बदले में कु छ अच्छे कर्म करने की अपे क्षा रखते हैं । इसके अलावा, पवित्र ग्रं थों मेंलिखा है कि पश्चिम में प्रकाश के एक शक्तिशाली बोधिसत्व हैं जिनका विशेष कार्य अच्छे लोगों के बच्चों को अं धकार के राक्षसों से बचना है ।लेकिन इसके लिए पहले इस रक्षक दे वता का आह्वान करना और उन्हें उचित भें ट और बलिदानों द्वारा प्रसन्न करना आवश्यक है ।" "तो फिर वे भें ट के रूप में क्या मां गते हैं?" "ओह, ज्यादा कु छ नहीं। प्रतिदिन दो औंस लोबान और एक सु ं दर बड़े वे दी के दीपक के लिए पर्याप्त तेल। क्योंकि दीपक को दिन-रात बु झने नहीं दे ना चाहिए।" यह प्रकाश की आत्मा का प्रतीक है ।"बहुत अच्छा। आपको लोबान और दीपक के लिए पै से मिल जाएं गे ।" कितना तेल चाहिए?" माँ म ने आमतौर पर दी जने वली राशियों का पू रा पै मना बताया, जो सं बंधित परिवार की सामाजिक स्थिति के अनु सार निर्धारित की जाती थीं। लं बी बातचीत के बद प्रतिदिन पाँ च औंस तेल की मात्रा पर सहमति बनी। माँ म को हर महीने कै शियर के कार्यालय से अग्रिम भु गतन प्राप्त होना था। उस बुद्धिमान महिला की सलाह पर, पूर्वज ने यह भी आदे श दिया कि पाओ यू का नौकर भविष्य में अपने साथ हज़ार सिक्कों की माला रखे तकि बाहर जाते समयभिक्षुओं और भिखारियों को दान दे सके । यह आश्वासन पाकर कि बु द्ध उसके दान का फल दें गे, बुद्धिमान महिला ने राजकु मरी पूर्वज से विदा ली। पश्चिमी महल में महिलाओं के कमरों का चक्कर लगाते हुए वह दूसरी पत्नी चाओ, नाजायज चिया हुआन की माँ के कमरे में पहुँ ची। वह गर्म सोफे पर बै ठी चप्पलें बुँ ध रही थी। अपने पास रखे चमकीले रं ग के रेशम के टुकड़ों के ढे र पर नज़र डालते हुए मँ म ने कहा: “आह, मु झे अपने जू तों के लिए कु छ नए कपड़े चाहिए।” "शायद नाई नाई के पस मे रेलिए कु छ टुकड़े बचे हों?" "दे खो, यहाँ कु छ खास अच्छा बचा नहीं है, लेकिन अगर तु म इन फटे-पु राने टुकड़ों को तु च्छ नहीं समझती हो, तो इनमें से जो तु म्हें पसं द आए, चु न लो!" जब माँ कपड़े में से अच्छे टुकड़े छाँ टकर अपनी बड़ी सी स्कर्ट की जे ब में रख

रही थीं, श्रीमती चाओ ने आगे कहा "क्या तुमने औषधि देवत के मंदिर में वे पाँच सौ तांबे के सिक्के पहुँचा दिए जो मैंने तुम्हें अभी भेजे?" यीओ ने कहा कि उन्होंने पहुँचा दिए। "यह बहुत कम था," श्रीमती चाओ ने आह भरते हुए कहा "मुझे192

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 8.72% है ।

मैं और भी ज्यदा और बार-बार दे न चाहती हूँ, लेकिन अभी मे रे हाथ बं धे हुए हैं । मे री सच्चा में कोई कमी नहीं है ।"धैर्य रखिए। आपके लिए अच्छे दिन जरूर आएं गे । बस अपने बे टे के बड़े होने का इं तजर कीजिए! उसे एकदिन जरूर कोई अच्छी और फायदे मं द नौकरीमिले गी।" श्रीमती चाओ ने शर्मिंदा होकर मु स्कुराते हुए कहा, "अरे, कृ पय इस बारे में बात न करें । मैं उसदिशा में ज्यादा उम्मीद नहीं रखना चाहती, पाओ यू की वजह से मे रे बे टे स्थिति बहुत खराब है । पूराघर एक ही व्यक्ति, यानी पाओ यू के ईर्द-गिर्द घू मत है ।लेकिन मैं उस औरत के सामने नहीं झुकूं गी..." "!" उसने अपने दाहिने हाथ की दो उं गलियां हवा में उठाईं। माँ म उसकी सां केतिक भाषा समझ गईं। "आपका मतलब दूसरी जे वई नाई से है? मै डम फीनिक्स?" "चु प रहो" श्रीमती चाओ डरकर बोलीं और पर्दे के पीछे से झांककर दे खने लगीं कि कोई सु न तो नहीं रहा। बाहर कोई नहीं था। तसल्ली पाकर वह फिर बै ठ गईं। "हाँ, जिस निरं कु श तरीके से उस व्यक्ति को घर चलाने की अनु मति दी गई है, वह बिल्कुल असहनीय है," उन्होंने फु सफुसाते हुए कहा। "मे री कोई आवज नहीं है; मैं उसके सामने मुश्किल से ही इं सान हूँ ।" "हम्म। मैं समझती हूँ आप शक्तिहीन हैं और खुले आमविरोध करने कीहिम्मत नहीं कर सकतीं। फिर भी, क्यों न चु पके से कोशिश करें? लेकिन मु झे कु छ नहीं कहना चाहिए।" "ओह, कृ पय बोलिए!" श्रीमती चाओ उत्सु कत से बोलीं। "मैं उसे चु पके से एक करारा जवाब दे ने केलिए बे तब हूँ । काश मु झे पता होता कि कै से! अगर आप मे री मदद करें गी तो मैं अपना आभार व्यक्त करने में कोई कसर नहीं छोड़ूँ गी।" "हे भगवन, मैं अपने अं तरात्मा को इससे कै से संतुष्ट करूँ?" मे री अं तरात्मा कितनी कोमल है!" “अब, आप आमतौर पर इतने डरपोक नहीं होते या आपको डर है कि मैं अपनी कृ तज्ञता के बरे में जो कह रही हूँ वह सचमु च में नहीं कह रही हूँ” माँ के चे हरे पर एक चौड़ी मुस्कान फैल गई। “तो फिर, आप मु झे क्या दे न चाहें गी?” उन्होंने स्पष्ट रूप से पू छा। “माँ, आप चतु र और बुद्धिमान दोनों हैं, और आप किसी से भी बे हतर जनती हैं कि अगर आप उन दोनों, फीनिक्स और पाओ यू, को रास्ते से हटाने में सफल हो गईं, तो पू रा महल, उससे सं बंधित सब कु छ मे रे पास आ जाएगा। उस स्थिति में आप मु झसे जितना चाहें उतन मां ग सकती हैं ।” “ हम्म, यह बहुत अच्छा है ।लेकिन मान लीजिए कि सब कु छ

आपकी इच्छा के अनु सार होता है और आप मलकिन बन जाती हैं, तो आप अपने वदे से मु कर सकती हैं । मैंलिखित में कु छ केबिना यह काम नहीं कर सकती।" "अगर आपको बस यही चाहिए तो मैं आपकेलिए खु शी-खु शी एक वचन पत्रलिख दूँ गी। इसका भु गतन बाद में समय परकिया जाएगा, आप इस पर भरोसा कर सकती हैं!" 193

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 8.54% है।

इसके अलावा, मैं आपको कुछ कपड़े और कुछ गहने अग्रिम रूप से दे सकती हूँ।" "हाँ।" मैं इससे सहमत हूँ।" तो श्रीमती चओ ने अपने संदूक खोले और माँ माँ के लिए कुछ कपड़े और गहने निकाले, साथ ही कुछ टूटी हुई चाँदी भी मिला दी, और इसके अलावा उन्होंने माँ माँ के पक्ष में पचास ताएल का एक औपचारिक वचन पत्र भी लिख दिया। जब वित्तीय मामला संतोषजनक ढंग से सुलझ गया, तो माँ माँ बिना किसी नैतिक संकोच के, और नीले-लाल या काले-सफेद में भेद किए बिना काम पर लग गईं। उन्होंने कैंची ली और सफेद कागज की एक शीट से दो मनव आकृतियाँ काटीं। श्रीमती चाओ को उनमें से प्रत्येक पर राशि दोहरे चक्रीय चिह्न लिखने थे- अर्थात्, फीनिक्स और पाओ यू के जन्म का वर्ष, महीना, दिन और घंटा। फिर उन्होंने नीले कागज की एक शीट से शैतानों की पाँच-पाँच आकृतियों के दो सेट काटे और श्रीमती चओ से उन्हें सुई और धागे से सवधानीपूर्वक पहली दो आकृतियों पर सिलने को कहा। उन्हें यह समझने का मुश्किल से ही समय मिला कि वह बाकी का अनुष्ठान घर पर स्वयं करेंगी और जल्दी से सिले हुए कागज के टुकड़ों को समेटने ही वाली थीं कि एक नौकरानी प्रकट हुई। श्रीमती चाओ को भोजन पर बुलाओ। माँ ने जल्दी से विदा ली और अपने घर के लिए निकल पड़ीं। उस दोपहर ब्लैक जेड अपने बीमार चचेरे भाई पाओ यू से मिलने गई। उसके मंडप के सामने बरामदे में उसने कई नौकरानियों को नहाते, मेकअप करते और भौंहें रंगते हुए देखा। अंदर से हंसी मजाक और चहचहाहट की आवाज आ रही थी। फीनिक्स, प्रेशियस क्लैस्प और तीनों स्प्रिंग लड़कियाँ वहाँ बीमर व्यक्ति का अपने सुखद महौल में मनोरंजन कर रही थीं। ब्लैक जेड के अंदर आते ही वे सब एक स्वर में चिल्लाईं, "अरे, एक और आ गई!" ब्लैक जेड ने शरारती अंदाज में कहा, "तुम सबको चिट्ठी से बुलाया गया होगा, तभी इतनी बड़ी संख्या में आई हो?" फीनिक्स ने उससे पूछा, "क्या तुमने वह चाय पी है जो मैंने तुम्हें कल ही में भेजी थी?" पाओ यू ने जवाब दिया, "ओह, मैं तो बिल्कुल भूल ही गई थी। इस प्यारे उपहार के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।" पाओ यू ने बीच में कहा, "मुझे तो इसका स्वाद अच्छा नहीं लगा।" प्रेशियस क्लैस्प ने कहा, "मुझे तो लगता है कि इसका स्वाद अच्छा है, लेकिन इसका रंग कुछ खास नहीं है।" फीनिक्स ने कहा, "यह सियाउई से भेंट की गई चाय है। मुझे भी यह स्वा

पसंद नहीं आई।" मुझेलगता है हमरी चीनी चाय बेहतर है"। ज़ाहिर है, ब्लैक जेड को इससे असहमत होना ही था। "मुझे तो पसंद आई।लगता है तुम्हारा पेट खराब है।" "अगर तुम्हें पसंद आई तो तुम इसी तरह की औरले सकती हो।" फीनिक्स ने कहा। "ओह, जी हाँ, मैं अपनी नौकरानी को भेज देती हूँ"।194

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 79.02% है ।

"इसकी कोई ज़रूरत नहीं है । वै से भी मैं तो आपसे कु छ मां गने वाली थी।" "ओह, सच में? मु झे यह जानकर बहुत खु शी होगी कि चाय के पै के ट के बाद मु झसे क्या से वा की अपे क्षा की जाती है ।" "कौन जाने? शायद आपको हमारे परिवार के लिए छोटी दुल्हन बनने की तै यारी करने को कहा जाए," फीनिक्स ने बेफिक्री से कहा। "वाह! कितना मज़े दार!" प्रेशियस क्लै स्प ने कु छ तीखे लहजे में कहा, जबकि बाकी लोग ज़ोर से हं स पड़े । "मज़े दार? मु झे तो यह टिप्पणी बहुत ही भद्दी और अनुचित लगी," ब्लै क जे ड भड़क उठी। उसका चे हरा जड़ तक लाल हो गया था और उसके दां त किटकिटाने की आवाज़ सु नाई दे रही थी। "अब, अगर तु म उस परिवार के सदस्य की दुल्हन बन जाओ तो क्या तु म खु द को बर्बाद कर दोगी?" फीनिक्स ने शां त भाव से पाओ यू की ओर उं गली करते हुए कहा। "क्या उसका व्यक्तित्व या उसका वं श तु म्हें पसं द नहीं है?" ब्लै क जे ड खड़ी हो गई और चु पचाप दरवाजे की ओर चली गई। प्रेशियस क्लै स्प उसके पीछे गई और उसे वापस खींच लाई। "कोई इतनी आसानी से नराज़ होकर कै से जा सकता है?" उसने उससे कहा। उसी क्षण, पाओ यू का हालचाल पू छने आई दो अन्य स्त्रियाँ, चाओ और चाउ, कमरे में दाखिल हुईं। उनके आते ही सब लोग शिष्टाचारवश खड़े हो गए। के वल फीनिक्स ही बै ठी रही और जानबू झकर उन्हें अनदे खा करती रही। थोड़ी दे र बाद फीनिक्स और चचे री बहनों को मै डम चें ग के घर बुलाया गया, जहाँ वे उनके भाई, मार्शल वां ग त्ज़ु तें ग की पत्नी से मिलने आई थीं। जल्द ही बीमारों का कमरा खाली हो गया। "क्या तु म थोड़ी दे र मे रे साथ रुकोगी!" पाओ यू ने विनती की, जब ब्लै क जे ड भी उसे छोड़कर जाने ही वाली थी। "सु न तु मने ? यहाँ तु म्हारी उपस्थिति की आवश्यकता है," फीनिक्स ने उसकी विनती का समर्थन करते हुए कहा, और मु ड़कर हँ सते हुए ब्लै क जे ड को वापस कमरे में धकेल दिया। पाओ यू ने उसका हाथ पकड़ लिया और मौन विनती करते हुए मु स्कुराया। ब्लै क जे ड का चे हरा लाल हो गया और उसने खु द को उससे छु ड़ाने की कोशिश की। अचानक उसने उसे छोड़ दिया, अपना सिर पकड़ लिया और दर्द से ज़ोर से चिल्लाया। "ओह, मे रा सिर कितना दुख रहा है!" वह कराह उठा। अगले ही पल उसने हवा में एक ज़ोरदार छलां ग लगाई और किसी पागल की तरह कमरे में इधर-उधर भागने लगा, चिल्लाता और हकलाता हुआ अटपटे शब्द बु दबुदा रहा था। ब्लै क

जे ड और दासियों की मदद के लिए डरावनी चीखें सुनकर, पाओ यू की माँ, पूर्वज और उनकी मेहमान, आंटी वांग, जल्दी से आईं। उन्होंने देखा कि पाओ यू कमरे में बेतहाशा उछलते-कूदते हुए और पागलों की तरह दहाड़ते हुए एक नंगी कटार और तलवार लहरा रहा था। डर से कांपती हुई महिलाओं ने अपने कपड़े ऊपर उठाए और शोक की चीखें भरते हुए मंडप से बाहर भाग गईं। बिजली की गति से यह भयनक खबर दोनों महलों में फैल गई कि पाओ यू पगल हो गया है, और कुछ ही मिनटों में

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 6.73% है ।

जब उसके पिता, राजकु मर शीह, राजकु मर चे न, चिया लियन और कबीले के कई अन्य पुरुष और महिलाएं उस दुर्भाग्यपूर्ण स्थान पर पहुं चे । उस अफरा-तफरी के बीच, जब सभी का ध्यान पाओ यू पर केंद्रित था, अचानक फीनिक्स पार्क में ते जी से दौड़ती हुई दिखाई दी। उसके हाथ में एक लं बा रसोई का चाकू था, जिससे वह वार कर रही थी, कभी रास्ते में आई एक मुर्गी का सिर काट रही थी, तो कभी पास आए एक कु त्ते को चाकू मार रही थी। उसकी घू मती हुई आं खें खू न की प्यास से चमक रही थीं, जब वह रिश्ते दारों और नौकरों के समू ह की ओर बढ़ी। सभी डर के मारे पीछे हट गए, लेकिन कु छ बहादुर और मजबू त नौकरों और दासियों ने उसे घेर लिया, उसके हाथ से हथियार छीन लिया और उसे उसके घर ले गए। वहां एक उत्तेजित पारिवारिक सभा हुई। बड़े असमं जस में सभी आपस में बात कर रहे थे । कु छ ने इस भूत-प्रेत पकड़ने वाले का सु झाव दिया, तो कु छ ने भू त भगाने वाले का; कु छ डॉक्टर को बुलाने के पक्ष में थे, तो कु छ ने जादू-टोना आजमाने का, और अं त में डॉक्टर और जादूगर दोनों को बुलाने का फै सला किया गया। लेकिन सौ चिकित्सा प्रयासों, जादू-टोने और पवित्र जल से अच्छी तरह छिड़काव के बावजू द, दोनों प्रे तग्रस्त व्यक्ति तब तक बड़बड़ाते रहे जब तक कि उनके शरीर आग की तरह जलने लगे और अं त में वे थककर अपने शरीर पर गिर पड़े ।लेकिन वहाँ ले टे हुए भी वे लगातार बे तरतीब बड़बड़ाते रहे और रात भर उनकी बड़बड़ाहट ने सचमु च भयनक रूप ले लिया। पू री रात किसी ने भी उनके पास जाने की हिम्मत नहीं की। अगले दिन दोनों को पाओ यू की माँ के घर के एक कमरे में बं द कर दिया गया और पहरे दारों को दिन-रात बारी-बारी से पहरा दे ने और उन्हें भागने से रोकने के लिए तै नात किया गया। लेकिन पास ही में पूर्वज और मै डम चें ग, राजकु मर शीह और चाची ह्सु एह एक साथ बै ठे रहे, एक कदम भी नहीं हिले और हजारों भय से भरे हुए और लगातार रोते हुए, घर के दोनों प्रियतम लोगों की हालत पर नजर रखते रहे । जब तीन दिन और तीन रातें बीत गईं और कोई सु धार नहीं हुआ, तो श्री चें ग ने उम्मीद छोड़ दी। “हमारे वर्षों की सं ख्या स्वर्ग द्वारा निर्धारित है,” उन्होंने राजकु मर शीह से कहा, जो लगातार नए सु झाव दे रहे थे “। केवल अपनी मानवीय शक्ति से हम कु छ नहीं कर सकते । इन दोनों की बीमारी किसी भी इलाज से ठीक नहीं हो रही है । हमें इन्हें इनके भाग्य पर छोड़ दे ना चाहिए!”

इस समय तक फीनिक्स और पाओ यू थके-हारे और उदासीन अवस्था में सोफे पर लेटे हुए थे, और उनकी साँसें बहुत धीमी चल रही थीं। सभी को उनकी स्थिति निराशाजनक लग रही थी, और परिवार ने उनकी मृत्यु की तैयारी शुरू कर दी थी, जो किसी भी क्षण होने वली थी। इस खबर से महिलाओं के कमरों में फिर से मतम और शोक का माहौल छा गया। केवल एक महिला इस सामान्य दुख से अप्रभावित थी और सहानुभूति जताते हुए चुपचाप खुश हो रही थी। वह थी उनकी दूसरी पत्नी चाओ। चौथे दिन पाओ यू ने अचानक अपनी आँखें खोलीं और 197 के लिए प्रार्थना की।

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.02% है।

उसका सामान। उसने कहा कि वह अब यहाँ और नहीं रह सकता, और वह तुरंत घर छोड़कर हमेशा के लिए जाना चाहता है। पूर्वज बहुत दुखी थी और उसे रोकने की कोशिश कर रही थी। लेकिन उसकी दूसरी पत्नी चाओ ने उसे ऐसा करने देने का आग्रह किया। "दुखी मत हो, बूढ़े माई," उसने कहा। "उसे अपने कपड़े पहनने दो और जाने दो। वैसे भी वह अब अपने परिवार के किसी काम का नहीं है। उसे ऐसा करने देना चाहिए, नहीं तो उसे फिर से पगलपन का दौरा पड़ जाएगा।" उसकी इस बात से पूर्वज इतनी क्रोधित हो गई कि उसके दांत किटकिटाने की आवाज़ सुनाई दे रही थी और उसके मुँह से झाग निकल रहा था। "तेरी ज़बान सूख जाए, हे दुष्ट स्त्री!" उसने शाप दिया। "तुम उसे मौत के घाट उतार दोगे! यह मत सोचो कि मैं अंधी हूँ। मैं भली-भांति जानती हूँ कि उसकी मृत्यु तुम्हारे लिए कितनी सुविधाजनक होगी। मैं जानती हूँ कि किसकी गलती है कि वह अपने पिता के सामने बिल्ली के सामने चूहे की तरह काँपता है, और निरंतर भय से उसका जिगर फट रहा है। तुम उससे छुटकारा पाना चाहते हो। यह तुम्हारे लिए बहुत अच्छा होगा! लेकिन मैं ऐसा होने नहीं दूँगी..." उसकी आवाज़ धीमी हो गई और उसे खाँसी का दौरा पड़ गया। उसके बगल में खड़े श्री चेंग को अपने ऊपर निर्देशित निंदा का गहरा एहसास हुआ और वे बड़बड़ाते हुए मुँह फेर लिया। जब यह डांट खाने वाली महिला खुद को सही ठहराने और क्रोधित पूर्वज को शांत करने की कोशिश कर रही थी, तभी एक नौकर आया और उसने घोषणा की कि दो ताबूत तैयार हो गए हैं। पूर्वज अब आपा खो बैठी। उसे ऐसा लगा जैसे उसके दिल में खंजर चुभ गए हों। "किसने ऐसा दुष्ट काम किया है कि उन ताबूतों का आदेश दिया?" वह चीखती हुई आवाज़ में चिल्लाई। "जिसने भी ये किया है, उसे सीधे मेरे पास लाओ ताकि मैं उसे पीट-पीटकर मार डालूँ!" शोरगुल के बीच, दूर गली से लकड़ी के वादक की आवाज़ सुनाई दी, जैसा कि श्रद्धालु बौद्ध प्रार्थना के समय इस्तेमाल करते हैं और दक्षिणी मुक्तिदाता के नाम पर शैतान के वश में आए लोगों के लिए कुछ उपचारों का गुणगान करती हुई एक तेज़ आवाज़ स्पष्ट रूप से सुनाई दी। पूर्वज ने तुरंत नौकरों को उसे बाहर भेजा ताकि वे उस यात्रा करने वाले चमत्कारी चिकित्सक को ढूंढकर घर ले आएं। कुछ ही देर में नौकर दो बेहद अजीब दिखने वाले व्यक्तियों को लेकर वापस आए। उनमें से एक बदसूरत सा

दिखने वला भिक्षु था, दूसरा लंगड़ ताओवादी पुजरी था। पहले वले की उभरी हुई नक उसके साहसी चरित्र का संकेत दे रही थी, उसकी लंबी आँखें चमकती तरों की तरह चमक रही थीं, उसके फटे-पुराने चप्पलों से धूल में कोईनिशान नहीं बन रहे थे, उसका मैला गंज सिर पपड़ी से ढका हुआ था। दूसरा लंगड़ाकर चलता था, क्योंकि उसका एक पैर दूसरे से छोटा था, और उसका फटा हुआ वस्त्र ऊपर से नीचे तक पसीने से सना हुआ था। वे पश्चिमी सागर में स्थित आत्माओं के द्वीपों के अलावा और कहाँ से आ सकते थे, जहाँ सूर्य अस्त होता है? चिया चेंग ने दोनों198 को प्रस्तुत करने की इच्छा व्यक्त की।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.64% है ।

अचानक आए मे हमनों से उन्होंने उनके देश में और उनके त्सू के बरे में सामान्य शिष्टाचारपूर्ण पू छतछ शु रू की, और उनसे पू छा कि उन्होंने किस पर्वत पर या किस मंदिर में धार्मिकता का प्रशिक्षण प्राप्त किया है ।लेकिन उन्होंने हं सते हुए कोई भी जानकारी दे ने से इनकार कर दिया। "कृ पय अनावश्यक प्रश्न न पू छें। हमें पत चला है कि इस घर के कु छ सदस्यों को मन की शांति नहीं है, और हम उनका उपचार करने आए हैं"। "आप सही कह रहे हैं । इस घर के दो सदस्य दुष्ट आत्माओं से ग्रसित हैं । तोफिर, आपके पस क्या उपाय हैं?" "आपके घर में एक अनमोल रत्न है जो उन दो बीमार लोगों को ठीक कर सकता है । अन्य उपयों की क्या आवश्यकता है?" चिया चें ग उनकी बात समझ गया। "आपका मतलब उस पत्थर से है जो मे रे बच्चे के जन्म के समय उसके मुं ह में थ। उस पर खु दा हुआ ले ख स्पष्ट रूप से कहत है कि यह मालिक को दुष्ट आत्माओं के प्रभव से बचता है ।लेकिन अभी तक इसने अपनी जदुई शक्ति नहीं दिखाई है ।" "यह पत्थर की गलती नहीं है," भिक्षु ने उसे बताया। “इस पत्थर में मूलतः जादुई शक्ति थी, परन्तु शरीर और इंद्रियों के प्रभाव से इसकी जदुई शक्ति नष्ट हो गई है । इसे हमारे पस लाओ। हम मं त्रों द्वारा इसकी जादुई शक्तियाँ पु नः उत्पन्न कर दें गे।" चिया चें ग ने आज्ञा मानी, पाओ यू के गले से पत्थर लिया और भिक्षु को दे दिया। भिक्षु ने उसे अपनी हथेली पर रखा, उं गलियाँ बं द कीं, एक लं बी साँ सली और धीमी आवाज़ में बु दबुदाते हुए कहा: “पंद्रह वर्ष हो गए जब तु मने हरी चट्टान के नीचे अपना स्थान छोड़ा था। इस मानव सं सर में प्रकाश और अं धकार ते ज़ी से बदलते रहते हैं । कोई उपाय नहीं; तु म्हें तब तक यहीं रहना होगा जब तक तु म्हारा सां सरिक उद्दे श्य पूरा न हो जाए। और अब मैं तु मसे विनती करता हूँ: फिर से वही बन जओ जो तु म पहले थे, शु द्ध और मुक्त!” कु छ और रहस्यमय वाक्य बु दबु दाते हुए, उन्होंने पत्थर को अपनी हथेली पर थोड़ी दे र रगड़ा, फिर उसे चिया चें ग को वापस दे दिया। “अब इसने अपनी पुरानी जादुई शक्ति पु नः प्रप्त कर ली है,” उन्होंने कहा। "लेकिन ध्यान रखना, कहीं यह गं दा न हो जाए! जब तक बीमार व्यक्ति ठीक न हो जाए, इसे उसके शयनकक्ष के समने रेलिंग पर लटका दे न, और ध्यान रखना कि उसके खू न के रिश्ते दार के अलावा कोई और महिला इसे न छुए! इन निर्देशों का पालन करो, और बीमार व्यक्ति तैंतीस दिनों में ठीक

हो जाएगा।" चिया चें ग अपने नौकरों को खाना-पीना लाने का आदे श दे ने ही वाला था, लेकिन वे दोनों अजीब लोग पहले ही गयब हो चु के थे । उसने उनके निर्देशों का ठीक-ठीक पालन किया, और दोनों चचे रे भाइयों का स्वास्थ्य वास्तव में दिन-प्रतिदिन सु धरत गया। ऐसा लग रहा था जै से वे लं बी नींद के बाद जाग रहे हों, उनकी भू ख वपस आ गई और उन्होंने खना-पीना मां ग, और तैं तीस दिनों के अं त में वे पू री तरह से ठीक हो गए। कुमरी पूर्वज और मै डम चें ग को बहुत राहत मिली, और पाओ यू के ठीक होने से उसके चचेरे भाइयों में बहुत खु शी हुई, जिन्होंने 199

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 8.81% है।

बीमारों के कमरे के दरवाजे के बाहर भीड़ उमड़ पड़ी थी और लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। ब्लैक जेड ने सबसे पहले राहत की सांस लेते हुए दिल से कहा: "बुद्ध का शुक्रिया!" प्रेशियस क्लैस्प ने कुछ नहीं कहा, बस हंस दिया। "तुम क्यों हंस रही हो?" स्प्रिंग के बुद्ध ने जानना चाहा। "बुद्ध के सारे अच्छे कामों पर मुझे हंसी आ रही है। उन्हें बीमारों को ठीक करना है और पापी लोगों को पुनर्जन्म देना है। वे सब कुछ कर सकते; बस उन्हें पुकारना है। अगली बात यह होगी कि वे अनुरोध पर विवाह भी तय करेंगे"। "शर्म! तुम इतनी दुष्ट और तुच्छ कैसे हो सकती हो!" ब्लैक जेड गुस्से से लाल होकर चिल्लाई और कमरे से बाहर भाग गई। अध्याय 21 ततैय कमर पुल पर एक प्रेम में डूबी युवती आम शब्दों में अपनी भावनाएं व्यक्त करती है। "वेश्यायां ग" किंगफिशर-ब्लू ड्रॉप्स के मंडप में दो तितलियों को चौंका देती है। तीन दिनों के अंत में, पाओ यू न केवल अपने मानसिक विकार से ठीक हो गया था, बल्कि उसके चेहरे पर जले के निशान भी पूरी तरह से भर गए थे। वह पहले से अधिक मजबूत और तंदुरुस्त महसूस कर रहा था, और अंततः अपने प्रिय उद्यान में वापस लौटने की खुशी से झूम रहा था। और एक और व्यक्ति उसके लौटने से प्रसन्न था। वह थी छोटी सियाओ हंग, क्योंकि अब वह अपने गुप्त प्रिय छोटे युन को फिर से देख सकती थी, भले ही दूर से ही सही, क्योंकि वह अभी भी अपने बगीचे के काम में लगा हुआ था। और छोटे युन का दिल भी हर बार तब तेज़ धड़कने लगता था जब वह अपने आस-पास उस छोटी नौकरानी की सुंदर आकृति को देखता था। काश वह उससे बात कर पाता! लेकिन उसकी हिम्मत नहीं हुई, क्योंकि पाओ यू ने शुरू में ही उसे उद्यान की किसी भी महिला से संपर्क रखने से मना किया था। सियाओ हंग ने एक बार छोटे युन के हाथ में एक छोटा सा हल्का हरा रेशमी रूमाल देखा था। यह उसका रूमाल था जो हाल ही में खो गया था! शायद, अंततः उसका सपना सच हो जाए? एक दिन पाओ यू को अपना पुराना वादा याद आया और उसने नन्ही युन को काम पर बुलाने का मन बना लिया। संयोग से, जब नौकरानी इयरिंग मेहमन को वास्प वेस्ट ब्रिज से कुछ ही दूरी पर ले जा रही थी, तभी नन्ही सियाओ हंग पुल पर से गुज़र रही थी। सियाओ हंग रुकी और इयरिंग से कुछ बातें कीं। उसे जो कहना था वह कोई खास महत्वपूर्ण बात नहीं थी, लेकिन इस देरी ने उसे नन्ही युन की आँखों में

गहराई से देखने का मौका दिया और नज़रों के इस जल्दबज़ी भरे आदान-प्रदान से दोनों शरम गईं। चालाक नन्ही सी बच्ची ने बड़ी सहजता से कहा कि उसे अपना खोया हुआ हल्का हरा रूमाल अभी तक नहीं मिला है और वह आगे बढ़ गई।200

小红

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 8.90% है ।

पाओ यू ने आदे श दिया था कि उनके अतिथि को सामं जस्यपूर्ण लाल प्रां गण में स्थित पु स्तकालय में लाया जाए। जब दासी उनके आगमन की सू चना दे ने गई, तब नन्हे यु न को चारों ओर दे खने का अवसर मिला। प्रां गण एक आकर्षक चट्टानी परिदृश्य था, जिसमें जगह-जगह सरू के पे ड़, केले के पौधे और एक विशाल सु नहरा बे गोनिया का पौधा लगा हुआ था। एक सरू के पे ड़ के नीचे दो मं चू रियन स्पिरिट क्रे न अपनी लं बी चोंच से अपने पं ख सं वार रहे थे । कई पिंजरों में बं द दु र्लभ, रं गीन पक्षियों की चहचहाहट और चीखें गोलाकार भीतरी प्रां गण की दीवार से गूं ज रही थीं। गोलाकार मु ख्य भवन के प्रवे श द्वार के ऊपर एक पट्टिका लटकी हुई थी जिस पर "सामं जस्यपूर्ण लाल, आनं दमय हरा" लिखा हुआ था। नन्हा यु न अभी इन चार अक्षरों के अर्थ पर विचार ही कर रहा था कि उसे अं दर बुलाया गया। पाओ यू एक भव्य नक्काशीदार काले रं ग के पॉलिश किए हुए दीवान पर ले टे हुए थे, जिसके ऊपर सोने की किनारी वाला और फूलों से कढ़ाई किया हुआ लाल रे शमी चं दवा था। उनके हाथ में एक खुली किताब थी, जिसे उन्होंने अतिथि के प्रवे श करते ही नीचे रख दिया। पाओ यू ने अपनी बीमारी के कारण आज तक, यानी दो महीने बाद तक, अपना वादा पू रा न कर पाने के लिए क्षमा मां गी। छोटे यु न ने विनम्रतापूर्वक अपनी बीमारी के लिए खे द व्यक्त किया और कहा कि उनके स्वस्थ होने से उनके पूरे परिवार को कितनी असीम खु शी मिली है । पाओ यू की बातें सु नकर यु न ने उनकी बातों पर ज़्यादा ध्यान नहीं दिया, क्योंकि उनके विचार आसपास की भव्यता और साथ ही साथ दो दासियों के आकर्षण में खोए हुए थे । लाल, हरे और चं दी के रे शमी वस्त्रों में सजी बड़ी दासी को उन्होंने पाओ यू की निजी दासी पर्ल समझा। चूंकि उन्होंने सु ना था कि पर्ल की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है, इसलिए उन्होंने उसे चाय परोसने की अनु मति दे ने की हिम्मत नहीं की। जब वह चाय परोसने वाली थी, तो यु न सम्मानपूर्वक खड़े हो गए और झिझकते हुए खु द चाय परोसने की अनु मति मां गी। पाओ यू ने हं सते हुए उसे वापस उसकी सीट पर धकेल दिया और कहा कि उसे दासियों के साथ इतना औपचारिक व्यवहार करने की आवश्यकता नहीं है, लेकिन मन ही मन उसने अपने इस गरीब रिश्तेदार के चापलू सी भरे व्यवहार को कु छ उबाऊ पाया, इसलिए उसने मुलाकात को यथासं भव छोटा कर दिया और बातचीत को मौसम, नौकरों, बाग-बगीचे की

योजना, अच्छे भोजन अदि जैसे सतही और समान्य विषयों तक सीमित रखा। जल्द ही वह अपने मेहमन की लगातार और अतिरंजित प्रशंसा से ऊब गया और उसने उसे विदाई दी। दासी इयरिंग को उसे वपस बाहर ले जना पड़ा। रास्ते में छोटा युन जनबूझकर धीरे-धीरे चला और चारों दिशाओं में छोटी सियाओ हंग को देखता रहा; लेकिन वह कहीं भी दिखाई नहीं दी। उसने दासी इयरिंग से दोस्ती करने का निश्चय किया ताकि उसके मध्यम से वह अपने लक्ष्य के करीब पहुंच सके। उसने उससे उसकी उम्र और परिवार, उसके काम और वेतन और हर संभव बत पूछी। जब वह इस तरह उससे थोड़ा और परिचित हो गया, तो उसने हिम्मत जुटाई और सीधे 202

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 8.68% है ।

"क्या पुल पर थोड़ी दे र पहले आपको पु कारने वली उस छोटी बच्ची का नाम सियाओ हं ग थ?" "हाँ । आप क्यों पू छ रहे हैं?" "बस यही - क्या उसने किसी खोए हुए रुमाल के बरे में कु छ कहा था?" "उसने मु झसे बार-बार इसके बरे में पूछा है और इसे ढूंढने में मदद करने की गु हार लगाई है, लेकिन मैं नहीं कर पया; मे रे दिमाग में इससे भी ज़्यादा ज़रूरी काम हैं।" "मु झे मिल गया है।" "अच्छा, तो मु झे दे दो। वह तुम्हारी आभारी होगी।" छोटे यु न ने अपनी जे ब में हाथ डाला और एक हल्के हरे रं ग का रे शमी रुमल निकाला। "ये लो। लेकिन क्या मैं तु म पर भरोसा कर सकता हूँ कि तु म मु झे उसका धन्यवाद पहुँ च दोगे?" "हाँ, तु म भरोसा कर सकते हो।" बहुत खु श होकर छोटा यु न पार्क के गे ट से बाहर निकल गया। आज वह अपने लक्ष्य के काफी करीब पहुँ च गया था। अपने आगं तु क से विदा ले ने के बाद पाओ यु फिर से ले ट गया और दिवास्वप्न दे खने लगा। उसे पढ़ने का भी मन नहीं था। नौकरानी पर्ल उसके पास आई और उसे हौसला बढ़ाने के लिए थपथपाया। "कोई इतना आलसी कै से हो सकता है कि फिर से सो जाए? तु म्हें बाहर जाकर थोड़ी कसरत करनी चाहिए!" "मैं करना तो चाहता हूँ, लेकिन तु म्हें छोड़कर जाना मे रे लिए बहुत मुश्किल है," उसने मु स्कुराते हुए उसका हाथ पकड़ लिया। "बकवास! उठो! उठो!" उसने उसे उठाते हुए कहा। "लेकिन मैं कहाँ जाऊँ गा?" उसने जम्हाई ले ते हुए पूछा। "ओह, मैं बहुत थका हुआ और सु स्त महसू स कर रहा हूँ!" "इसमें कोई हैरानी की बात नहीं है, जब तु म पू रे दिन एक नासमझ छोटी बच्ची की तरह अपने कमरे में ही रहते हो! ताज़ी हवा में बहर निकलो; इससे तु म्हारा मू ड ठीक हो जाएगा!" वह उठा और अं गड़ाई ली, फिर जम्हाई ले ते हुए खुली हवा में निकल गया। पहले उसने भीतरी आँ गन की दीवार के पास बने मनोरं जन कक्ष का चक्कर लगाया और वहाँ कु छ दे र तक पिंजरों में झूल रहे पक्षियों को छे ड़कर अपना मनोरं जन किया, फिर वह खुले पर्क में गया, नाले के किनारे टहलते हुए, उनके तलाबों में सु नहरी मछलियों को दे खा, और फिर शिकारगाह की ओर चल दिया। वहाँ उसने दो युवा हिरणों को एक पहाड़ी पर उछलते हुए दे खा। पालतू जनवर उसे दे खते ही इतनी जल्दी क्यों भाग गए? जब वह इस बारे में सोच ही रहा था, तभी उसकी नज़र झाड़ियों में छिपे उसके भतीजे चिया लै न पर पड़ी। वह बदमाश धनुष-बाण से लै स था और शिकार

के आनंद से दमक रहा था। "यहाँ क्या शरारत कर रहे हो?" पाओ यू ने चुनौती दी। "ओह, मुझे लगा चाचाजी बाहर गए हैं," लड़के ने हकलाते हुए कहा। "मैं स्कूल से छुट्टी पर था और तीरंदाजी का अभ्यास करके समय बिताना चाहता था।" "अगर तुमने दोबारा यहाँ शिकार करने की कोशिश की तो मैं तुम्हारे दाँत तोड़ दूँगा!" 203

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 8.94% है ।

पाओ यू ने कठोर स्वर में कहा और फिर अपने रास्ते पर आगे बढ़ गया। आखिरकार वह एक गु प्त द्वार पर पहुँ चा जो एक शां त तलाब के किनारे ऊँ ची घास की झाड़ियों के पीछे छिपा हुआ था। एक रहस्यमय गु नगु नाहट हवा में गूँ ज रही थी, मानो तालाब की तलहटी में ले टे किसी जल-ड्रै गन की आवाज़ आ रही हो। पाओ यू ब्लै क जे ड के मं डप में पहुँ च गया था। उसने चु पचाप बाँ स का पर्दा उठाया और सामने के बगीचे में कदम रखा। चारों ओर गहरी शांति थी। वह पतले जलीदार पर्दे वाली खुली खिड़की के नीचे रें गकर अं दर झाँका। एक ते ज़ सु गं ध उसकी नाक में घु स गई। इससे पहले कि वह अं दर बै ठे व्यक्ति को दे ख पता, उसने एक गहरी आह सु नी और फिर धीमी आवाज़ में ये शब्द सु ने: सारा दिन अपने तकिये पर अकेला, मैं अपनी भवनाओं को विचारों के सिवा कहाँ रखूँ... वह "पश्चिमी मं डप" से उद्धृत कर रही है, सु नने वाले ने जलीदार पर्दे में एक दरार से मुश्किल से झाँ कते हुए सोचा। क्योंकि वह स्पष्ट रूप से दे ख सकता था कि वह दीवान पर ले टी हुई थी, उसके हाथ-पै र ऐसे फैले हुए थे मानो वह सो रही हो। "तु म हमे शा अकेले तकिए पर ले टकर अपने मन की बातें क्यों सोचती रहती हो?" ये शब्द कहते हुए वह मु स्कुराते हुए कमरे में घु स गया। उसने जल्दी से अपन हाथ अपने लाल चे हरे पर रख लिया और दीवार की ओर मुँ ह करके सोने का नाटक करने लगी। वह उसके सोफे के पास गया और उसे दूसरी तरफ खींचने की कोशिश की, लेकिन दो नौकरानियों ने उसे रोक दिया। "यु वती अभी भी सो रही हैं, कृ पया उनके जगने तक बहर प्रतीक्षा करें!" व्यवस्था बनाए रखने वली शां त नौकरानियों ने घु सपैठिए को बताया। लेकिन ब्लै क जे ड पहले ही दूसरी तरफ पलट चु की थी, "यहाँ कौन सो रहा है?" उसने प्रसन्नत से पू छा। "ओह, हमने तो बस सोचा था..." नौकरानियों ने शर्मिंदा मु स्कान के सथ माफी मां गी और नौकरानी कु कू के लिए जगह बनाने के लिए चली गईं। ब्लै क जे ड उठ बै ठी और अपने बाल सं वरने लगी। "मु झे इतनी अच्छी नींद में जगने का क्या मतलब है?" उसने मु स्कुराते हुए पओ यू की ओर मु ड़कर पू छा। नींद से लाल हुए गालों और चे हरे की उदासी भरी मिठास के सथ वह उसे कितनी मोहक रूप से सुं दर लग रही थी! उसने अपनी कुर्सी उसके पस खिसकाई और मं त्रमु ग्ध होकर उसे निहारने लगा। "माफ़ कीजिए, आप अभी क्या कह रही थीं?" उसने अनमने ढं ग से पूछा। "ओह, कु छ खस

नहीं।" "मेरा मतलब है अभी।" "मुझे समझ नहीं आ रहा कि आपका क्या मतलब है।" "क्या आप मुझे कुछ समझाएंगी? लेकिन मैंने अभी जो कहा वह ज़रूर सुन। मेरे लिए एक अच्छी कटोरी चाय लाओ!" उसने प्रतीक्षा कर रही नौकरानी कुकू की ओर मुड़ते हुए कहा204

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 48.50% है।

"मुझे नहीं लगता कि तुम्हें हमारी चाय पसंद है। बेहतर होगा कि पर्ल तुम्हारे लिए चाय लाए!" कुकू ने चिढ़कर जवाब दिया। "कोई बात नहीं, डाल दो!" कुकू ने बात मान ली और फिर दरवाजे की तरफ मुड़ गई।"सुनो जब एक दिन मैं तुम्हारी प्यारी छोटी मालकिन के साथ दो बत्तखों की कढ़ाई वाले पर्दे के नीचे मिल जाऊँगा, तो तुम्हें हमेशा के लिए ठीक करने और चदर बिछाने की इजज़त होगी," उसने मज़ाक में "वेस्टर्न पवेलियन" से उद्धृत करते हुए उसके पीछे से कहा। उसके शब्दों ने तुरंत ब्लैक जेड के चेहरे से खुशी गायब कर दी। 'क्या तुम मुझे फिर से गली-मोहल्ले की बतें, वो भद्दी गालियाँ सुना रहे हो जो तुम अश्लील किताबों में पढ़ते हो? मैं ऐसी बतें नहीं सुनूँगी!' वह गुस्से से भड़क उठी। एक ही छलांग में वह सोफे से उठी और कमरे से बाहर चली गई। वह उसके पीछे भागा। "मेरी प्यरी, मेरी सबसे अच्छी मेई मेई, मैं मौत का हकदार हूँ!" वह पूरी तरह से हैरान होकर चिल्लाया। "लेकिन मैं फिर कभी ऐसी बातें नहीं कहूँगा, या अगर कहूँ तो मेरी जीभ सड़ जाए।" ... नौकरानी पर्ल के आने से वह अपनी शपथ पूरी नहीं कर पाया। "जल्दी करो! कपड़े पहनो बूढ़े राज्यपाल तुमसे बात करना चाहते हैं!" उसने घोषणा की। "बूढ़े राज्यपाल" शब्द उसके शरीर में बिजली की तरह कौंध गया। उस पल के लिए सारी परेशनियाँ भूलकर, वह पर्ल के सथ अपने मंडप की ओर भगा ताकि उस भयानक मुलाकात के लिए तैयार हो सके। उसका नौकर मिंग येन पार्क के द्वार पर उसका इंतज़ार कर रहा था। "क्या तुम्हें पता है कि बूढ़े आदमी मुझसे क्यों बात करना चाहते हैं?" उसने उससे उत्तेजित होकर पूछा। "नहीं। लेकिन जल्दी करो! तुम्हें जल्द ही पता चल जाएगा।" पेट में बेचैनी और संदेह लिए, पाओ यू जल्दी से आगे बढ़ा। बड़े स्वगत कक्ष के पास दीवार के एक उभरे हुए हिस्से के पीछे से एक तीखी हंसी सुनाई दी और चचेरा भाई ह्सु एह पान अचानक उसके समने आ गया। वह बेतहाशा ताली बजा रहा था और हंसते-हंसते लोटपोट हो रहा था। "देखो, लड़का कितनी जल्दी कर रहा है!" "उसके बूढ़े का नाम लेते ही वो डर के मारे पागल हो जाता है!" वह खुशी से चिल्लाया। पाओ यू हक्का-बक्का खड़ा रह गया। उसे समझ आ गया था कि उसके सथ धोखा हुआ है और वो गुस्से से फट पड़ने वाला था, लेकिन ह्सु एह पन ने मज़ाकिया अंदाज़ में झुककर उसका अभिवादन किया और उसे शंत करने की कोशिश की। "मैं

अपनी गलती मानता हूँ और आपसे क्षमा चाहता हूँ ।लेकिन मुझे आपकी संगति की बहुत ज़रूरत थी। हम सब तो बहुत सारे हैं और आप अकेले हैं जो नहीं हैं । मेरा जन्मदिन बहुत जल्द है, पाँचवें महीने की तीसरी तरीख को, और आज हम एक प्रारंभिक उत्सव मना रहे हैं । इस छोटी सी तरकीब के बिना मैं आपको इतनी जल्दी बहर नहीं ला पाता।" 206

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.09% है ।

लेकिन यहाँ आन सार्थक है; यहाँ हर तरह केलज़ीज़ व्यं जन मौजू द हैं ब्रे डक्रम्ब्स से ढकी कु रकु री ताज़ी कमल की जड़ें, विशाल खरबू जे, सियाम से लाई गई विशाल सैल्मन मछली, दे वदार की खु शबू से महकता हुआ सियामी सू अर का मां स। मैं ने आपकी माँ को इन सभी चीज़ों का एक बड़ा सा नमू न पहले ही भे ज दिया है, लेकिन अभी भी इतना कु छ है कि मैं इसे अके ले नहीं ख सकता; आपको इसे खने में मे री मदद करनी ही होगी। इसके अलावा, एक प्यारा सा छोटा लड़का गायक भी है जो हमरे लिए भोजन को और भी आनं ददायक बना दे ग।" ऐसे लु भवने सु खों को दे खकर पाओ यू तु रं त प्रसन्न हो गय और हँ सते हुए अपने चचे रे भाई के निमं त्रण को स्वीकार कर लिया। वह शाम को थोड़ा नशे में घर लौटा। पार्टी के बरे में जानकारी ले ने केलिए उत्सु क चचे री बहन प्रेशियस क्लै स्प उससेमिलने आई, हालाँकि समय काफी दे र हो चु का था। तो चलिए, इन दोनों को उनकी मजे दार बातचीत में ही रहने दे ते हैं और ब्लै क जे ड की ओर चलते हैं । उसने पूरा दिन तीव्र चिंता में बिताया था, यह सोचकर कि पाओ यू का अपने सख्त पिता से मिलने का कार्यक्रम कै स रहा होगा, और शाम के भोजन का समय काफी बीत जाने के बाद उसे पत चला कि पाओ यू आखिरकार लौट आया है । वह जल्दी से उसके मं डप की ओर चल पड़ी, क्योंकि वह सोने से पहले उससे बत करने केलिए बहुत उत्सु क थी। सं योग से प्रेशियस क्लै स्प उससे ठीक पहले वहाँ पहुँ च गई। वह उसे ते ज चाँदनी में पाओ यू के सामने वले बगीचे में गायब होते हुए स्पष्ट रूप से दे ख सकती थी, हालाँकि वह अभी भी काफी दूर थी। कु छ ही दे र बाद पहुँ चकर... जब वह अं दर गई, तो उसे आश्चर्य हुआ कि प्रवे श द्वार बं द थ। किसी ने दरवजा नहीं खोला - जब उसने खटखटाया, तो एक चिड़चिड़ी नौकरानी की आवाज आई: "छोटे मलिक सो चु के हैं । आखिर, यह तीसरी रात की पहरे दारी है । सु बह आना!" दरअसल, प्रतीक्षा कर रही नौकरानी प्रेशियस क्लै स्प के दे र से आने से पहले ही बहुत खु श नहीं थी, जिसके कारण उसे समान्य से अधिक दे र तक जगना पड़ा था। इसके अलावा, वह अभी-अभी एक सहकर्मी के सथ हुए झगड़े के कारण भी खराब मू ड में थी। उसने के वल अपने अधिकार और खराब मू ड के कारण दरवाजा नहीं खोला। स्वाभाविक रूप से, ब्लै क जे ड को यह पत नहीं था; शं कालु स्वभव की होने के कारण, उसने अं दर न आने दे ने का कारण

किसी और ही दिशा में खोजन शु रु करदिया। "लेकिन मैं हूँ आप क्यों नहीं खोल रहे हैं?" उसने अधीरता से दोहराया। •"तु म जो भी हो, कोई फर्क नहीं पड़ता। छोटे मलिक ने सफ-साफ आदे श दिया था कि मैं किसी को अं दर न आने दूं।" अं दर से बे रुखी भरी आवाज़ आई। ब्लै क जे ड गु स्से से आग बबूला हो रही थी और ज़ोर से डां टने को बेताब थी, लेकिन फिर उसने सोच कि आखिर वह एक बाहरी है, यहाँ मे हमान है, और इसलिए उसे कर्मचारियों के समने सं यम बरतना चाहिए। इस सोच ने उसे इस बात का दर्दनाक एहसास दिलाया कि वह दुनिया में कितनी अकेली और कितनी अनाथ है, और एक बार फिर उसकी आँ खों में आं सू भर आए। जब वह इस तरह बं द गे ट के सामने परे शन और रोती हुई खड़ी थी, तभी अचानक उसे अं दर से खिलखिलाती हं सी सु नाई दी, और वह अपने चचे रे भाई-बहनों की आवाज़ें सफ-साफ पहचान सकी। उसका दिल ज़ोर से धड़कने लगा। उसे ऐस लगा जै से207

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 79.00% है ।

वह अपने दुख में ज़ोर-ज़ोर से रोने लगी। उसने इतनी बे रहमी से उसे ओह क्यों निकाल दिया? वह सोचती रही, सोचती रही और उसका दिमाग़ हर तरफ़ खपा गया। क्या वह आज उसे डांटने की सज़ा दे न चाहता था और फिर भाग जाना चाहता था? पर उसने तो सच में ऐसा नहीं सोचा था। क्या वह इसके लिए उसके साथ इतना अपमानजनक व्यवहार करने की हिम्मत करे गा? अगली बात यह होगी कि वह उससे मिलना ही बंद कर दे गा। काफ़ी दे र तक वह वहाँ अकेली और बे सहारा, दीवार के एक कोने की छाया में खड़ी रही, और ओस से भीगी नीली, चमकती पहाड़ियों से आती ठंडी हवा से बे खबर, जो उसे घे र रही थी। फिर वह धीरे-धीरे रेंगती हुई ज़ोर-ज़ोर से सिसकते हुए चली गई। उसके सिसकने से रास्ते के किनारे डालियों पर बै ठे पक्षी अपनी नींद से जाग गए और घबराकर फड़फड़ाते हुए दूर के विश्राम स्थलों की ओर उड़ गए। वह ज़्यादा दूर नहीं गई थी कि उसने अपने पीछे एक दरवाज़े के चरमराने की आवाज़ सु नी। वह रुक गई और पीछे मुड़ी। प्रेशियस क्लै स्प पाओ यू के बगीचे के गे ट से बाहर आ रही थी। पाओ यू और दासी पर्ल कु छ कदम उसके साथ चल रहे थे । ब्लै क जे ड पास जाकर पाओ यू से हिसाब ले न चाहती थी, लेकिन वह प्रेशियस क्लै स्प और पर्ल के सामने अपनी सच्चाई उजागर नहीं करना चाहती थी। इसलिए वह वहीं खड़ी रही और दूर से दे खती रही जब तक पाओ यू अपने चचे रे भाई से विदा होकर पर्ल के साथ वापस नहीं आया और बगीचे के द्वार के अंदर गायब नहीं हो गया। द्वार बंद होते ही वह रोते हुए आगे बढ़ गई। उसकी दोनों दासियाँ कु कू और स्नोगू ज़ अपनी मालकिन के बार-बार और नियमित रूप से होने वाले अचानक उदासी के दौरों की आदी हो चु की थीं। पहले तो उन्हें लगता था कि यह घर की याद या अपने मृ त माता-पिता के लिए शोक है, और उन्होंने उसे सांत्वना दे ने की कोशिश की थी; लेकिन जै से-जै से महीने बीतते गए और उसके ये आँसू भरे दौरे जारी रहे, उन्हें आश्चर्य होना बंद हो गया और उन्होंने इसे एक अजीब स्वभाव की स्वाभाविक अभिव्यक्ति मान लिया। इसलिए, जब ब्लै क जे ड उस रात टूटी हुई हालत में घर आई, तो उन्होंने उसकी हालत पर कोई ध्यान नहीं दिया और न ही उसके दुख का कारण पू छा। लेकिन ब्लै क जे ड ने खु द को अपने शयनकक्ष में बंद कर लिया और काफी दे र तक अपने बिस्तर के किनारे पर घु टनों पर हाथ रखकर, मूर्ति की तरह स्थिर बै ठी रही, जब

तक कि भोर होते ही वह सोने केलिए ले ट नहीं गई। अगले दिन, चौथे महीने की छब्बीस तारीख को, ग्रीष्म ऋतु की शु रुआत काजश्न मनाया गया। यह वह दिन है जब पु ष्प देवियाँ अपनेसिंहासन से उतरती हैं और आसमान अपनी पू री सु ं दरता में खिल उठता है । प्रचीन रीति-रिवाज के अनु सार, इस दिन को डिलाइटफुल विज़न पार्क में भी परं परिक बलिदानों, पु ष्प भोज और धू मधाम से मनया जाता था। पार्क की यु व महिलाएँ और उनकी दासियाँ रं गबिरं गे वस्त्र पहने हुए थीं जिनकी चकाचौंध भरी चमक दे खकर भड़कीले तोते भी ईर्ष्या से पीले पड़ गए।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.87% है ।

हर तरफ़ उजाला और उमं ग छाई हुई थी। उस खु शनु मा माहौल में सिर्फ़ एक ही व्यक्ति गायब था, और वो थी ब्लै क जे ड।"चचे री बहन ब्लै क जे ड कहाँ है?" स्प्रिंग ग्रीटिंग ने पू छा। "लगता है ये आलसी तो दिन भर सोना चाहती है ।" "रुको, मैं जकर उसे जगती हूँ!" प्रेशियस क्लै स्प ने सु झाव दिया और जल्दी से चल पड़ी। रास्ते में उसकी मुलाक़ात नाशपाती के बगीचे की आठ नर्तकियों के समू ह से हुई। "बाकी लड़कियाँ वहाँ हैं," उसने पीछे की ओर इशारा करते हुए उनसे कहा। "चलिए! मैं तु रं त आती हूँ; मु झे बस ब्लै क जे ड को लाना है ।" जै से ही वह ब्लै क जे ड के मं डप के पास पहुँ ची, उसने दे खा कि पाओ यू उसमें प्रवे श कर रही है । उसने अपनी चाल धीमी कर दी और एक पल के लिए सोचा। क्या उसे उन्हें परे शान करना चाहिए? नहीं, वह इतनी लापरवाह नहीं होगी। इस उत्सव के दिन वह सं वे दनशील ब्लै क जे ड को नाराज़ नहीं करना चाहती थी, जिसे वह जनती थी कि वह अपनी चचे री बहन को अपने पास रखना पसं द करती है । उसने तु रं त मन बना लिया, मु ड़ी और वापस दौड़ पड़ी। जै से-जै से वह आगे बढ़ी, उसने रास्ते के पास ही दो बड़ी, बे हद खू बसू रत तितलियाँ दे खीं, जो हल्की हवा में ऊपर-नीचे फड़फड़ा रही थीं। काश वह उन्हें पकड़ पती! उसने अपनी आस्तीन की थैली से पं खा निकाला और उनका पीछा करने लगी। लेकिन हर बार जब उसे लगता कि वह उनके काफी करीब पहुँ च गई है, तो वे दोनों पं खहीन तितलियाँ चतुराई से उसके पं खे को चकमा दे कर उसे रास्ते से दू र, घास में, पास के तलाब के किनारे तक ले जतीं। यहाँ उसे पीछा छोड़ना पड़ा। तितलियाँ पनी के ऊपर से निकल गईं। प्रेशियस क्लै स्प मु ड़ने ही वाली थी कि उसे किंगफिशर-ब्लू ड्रॉप्स के मं डप से आती हुई फु सफु साहट सु नाई दी। तालाब के बीचोंबीच हवादार ढं ग से बना यह मं डप, चार ढके हुए लकड़ी के पुलों से किनारे से जुड़ा हुआ था। यह चारों ओर से ऊँ ची तह वाले स्क्रीनों से घिरा हुआ था। प्रीशियस क्लै स्प पस के पुल को पार करके चु पके से अं दर झाँकने लगी और बड़े तह वले पर्दों में से एक के लकड़ी की नक्काशी के पीछे से झाँकने लगी, जो चर्मपत्र से ढका हुआ था और चारों ओर का नज़ारा रोक रहा था। उसने दो महिलाओं की आवाज़ें पहचनीं। अब उसने उनमें से एक को कहते सु ना: "अच्छा, आखिरकार मु झे बता दो, क्या यह तु म्हारा रूमाल है जो तु मने उस समय खो दिया था? अगर नहीं, तो मु झे इसे श्री यु न को पास

दे न होगा।" "बे शक यह मेराहै । मु झे दे !"दोउसने दूसरी को जवाब दे ते सुाना "ज़रा रुको! इतनी जल्दी नहीं! पहले इनम लाओ, क्योंकि यह तु म्हें मु फ्त में नहींमिले ग! मैं ने श्री यु न सोदा किया था कि मैं इसे इनम के बदले ही दूंगी।" "बकवास! इनाम क्यों? आखिर किसी अजनबी के घर में मिली चीज़ को लौटाना कर्तव्य होता है ।" "ठीक है, तो तु म्हें नहींमिले ग।" बहस थोड़ी दे र और चलती रही। फिर एक आवाज़ आई: "बहुत 209"

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.01% है।

अच्छा, उसे इनम के तौर पर ये चूड़ी दे दो! लेकिन वादा करो कि तुम इसके बारे में किसी को एक शब्द भी नहीं कहोगी! कसम खाओ!" "मैं कसम खती हूँ, और अगर मैं अपन वादा नहीं निभा पाई तो मेरे मुँह में एक बड़ा फोड़ा हो जाए और मैं उसी से बुरी तरह दम घुटकर मर जाऊँ!" "श! इतनी ज़ोर से नहीं अगर कोई बाहर सुन रहा हो तो क्या होगा! हमें बेहतर होगा कि पर्दा थोड़ा हटा दें ताकि किसी को शक न हो, और हम देख सकें कि कोई आ तो नहीं रहा है।" प्रेशियस क्लैस्प, जो छिपकर बातें सुनते हुए पकड़े जाने से बचना चाहती थी, जल्दी से पुल पार कर गई, लेकिन तुरंत वापस आ गई, इस बार जानबूझकर तख्तों पर ज़ोर से खड़खड़ाहट करते हुए। उसने छोटी सियाओ हंग और इयररिंग को उनकी आवाज़ से पहचन लिया था, और इन सबसे छोटी नौकरानियों की चालाकी पर हैरान थी, जो इतनी मासूम दिखती थीं, फिर भी यहाँ, अपने मलिक की पीठ पीछे, एक प्यारे से प्रेम संबंध के पहले धगे खुशी-खुशी बँध रही थीं। "हाय, सिस्टर ब्लैक जेड, तुम कहाँ चली गई थीं?" "मैं तुम्हें कहीं नहीं ढूँढ रही हूँ," उसने मसूमियत का भाव दिखाते हुए ज़ोर से पुकारा। शर्मिंदा और चौंककर, दोनों लड़कियाँ उन दो तह करने वाले पर्दों के बीच से उस अचानक आए अजनबी को घूरने लगीं जिन्हें उन्होंने अभी-अभी हटाया था। फिर वे सम्मनपूर्वक प्रेशियस क्लैस्प का अभिवादन करने के लिए बाहर दौड़ीं। "मेरी चचेरी बहन को तुमने कहाँ छिपाया है?" प्रेशियस क्लैस्प ने स्वाभाविक रूप से पूछा। "हमें नहीं पत कि मिस लिंग कहाँ हैं," इयररिंग ने आश्चर्य से कहा। "लेकिन मैंने अभी उसे तालाब के पस देख था। मुझे लगा कि वह तुम्हें अचानक पकड़ने के इरादे से कहीं किनारे पर छिप गई होगी, लेकिन लगता है उसने मुझे आते हुए देख लिया था और बच निकली। या क्या वह यहाँ मंडप में छिप गई होगी?" वह अंदर आई और अपनी गर्दन ऊपर उठाकर और हाथ-पैर फैलाकर, मानो ध्यान से खोज रही हो। "वह बाहर किसी गुफा में घुस गई होगी। उम्मीद है उसे साँप न काट लें!" उसने धीरे से कहा फिर वह वापस चली गई, मन ही मन उस छोटी सी घटना और उस सफल तरकीब पर मुस्कुरा रही थी जिसने उसे शर्मिंदगी से बहर निकाला था। आधी रात तक जागते रहने के कारण, ब्लैक जेड आज सामान्य से अधिक सोई। उसके जगने से पहले ही बकी लोग काफी देर से पार्क में थे। उसने जल्दबाज़ी में तैयारियाँ कीं,

क्योंकि वह विदाई भोज में देर से नहीं पहुँचना चाहती थी, न ही दूसरों द्वारा नींद में होने के कारण हँसी का पात्र बनना चाहती थी। वह बाहर जाने की तैयारी ही कर रही थी कि पाओ यू अंदर आया।

"प्यारी मेई मेई," उसने यथसंभव कोमल स्वर में कहा, "पूरी रात मैं तुम्हारे कल के शब्दों को मन में दोहराता रहा..." 210

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 8.94% है।

जैसे मानो वह वहाँ मौजूद ही न हो, काली जेड ने बड़ी बेपरवाही से नौकरानी कुकू की ओर मुड़कर कहा: "देखो, जगह को अच्छे से साफ करो! खिड़की और दरवाजे के पर्दे उतार दो! अगरबत्ती जला दो और उसे ढकन मत भूलना! तुम भोज देखने जा सकती हो, लेकिन जब वह खत्म हो जाए तो वापस आकर दरवाजे के सामने पत्थर के शेरों के पास मेरा इंतज़ार करना!" ये निर्देश देकर वह पार्क में चली गई, पाओ यू को देखे बिना ही उसके पास से गुज़र गई। पाओ यू को अब भी लगता था कि उसका ये अजीब व्यवहार कल कुकू से किए गए उसके मज़ाक की वजह से था, जिसे उसने बहुत बुरा मान लिया था। वह कैसे समझ सकता था कि पिछली रात उसके खराब मूड का कोई नया कारण सामने आ गया था? कल दोपहर की छोटी सी गलती के लिए वह अपनी आदत के विपरीत इतने लंबे समय तक उससे नाराज़ क्यों थी? वह अनिश्चितता से परेशान होकर उसके पीछे-पीछे चलते हुए खुद से यही ये सवाल पूछता रहा। एक-दूसरे से एक शब्द भी बोले बिना, वे दोनों अलग-अलग आकर बाकी लोगों के साथ शामिल हो गईं। ब्लैक जेड, प्रेशियस क्लैस्प और टेस्ट ऑफ स्प्रिंग के साथ शामिल हो गई, जो सारसों के एक जोड़े की अजीबोगरीब उछल-कूद को बड़े चाव से देख रही थीं। जब पाओ यू थोड़ी देर बाद आया, तो उसकी सौतेली बहन टेस्ट ऑफ स्प्रिंग उसे बाकी दोनों लड़कियों से दूर एक अनार के पेड़ के नीचे ले गई। "कल क्या हुआ था? मैंने सुना है कि हमारे पिताजी ने तुम्हें अचानक बुलवाया था," उसने पूछा। "बकवास! जिसने भी तुम्हें यह बताया होगा, उसने गलत सुना होगा। मैं चचेरी बहन स्युएह पैन के घर था।" "ओह, मुझे खुशी है कि कुछ नहीं हुआ। लेकिन मुझे तुमसे एक निवेदन है। मैंने हाल ही में एक दर्जन हजार सिक्कों की मालाएँ जमा की हैं। क्या तुम अगली बार जब शहर आओ तो इन पैसों से मेरे लिए कुछ सुंदर खरीदोगे? कोई प्यारी सी तस्वीर या कोई पुरानी कलाकृति?" "खुशी से, लेकिन क्या? शहर की दीवारों के अंदर और बाहर घूमते हुए, दुकानों और मंदिर के बजारों में, मैंने लंबे समय से कोई खास तस्वीर या कलाकृति नहीं देखी है। हमेशा एक ही तरह की चीजें होती हैं- सोना, पीतल, जेड, चीनी मिट्टी के बर्तन, कुछ भी अनोखा नहीं। क्या आप शायद एक सुंदर पोशाक या कुछ अच्छा खाना पसंद नहीं करेंगी?" "नहीं, नहीं! लेकिन अभी-अभी मेरे मन में आया, मुझे बुनी हुई विलो की टोकरी

या बांस की जड़ से बना इत्र का डिब्बा चाहिए, जैस कि आप हाल ही में घर लाई थीं, या मिट्टी का बना हुआ हवा से चलने वला चूल्हा या कुछ ऐस ही। लेकिन इसे हम दोनों के बीच ही रहने दें, ठीक है? क्योंकि मुझे अनुभव से पता है कि जब भी मुझे कोई चीज पसंद आती, है तो दूसरी लड़कियों को भी वह पसंद आ जती है और वे उसे ले जती हैं।" "लेकिन जो चीजें आप सुझा रही हैं, वे तो बहुत ही सधारण और सस्ती हैं," पाओ यू हंसते हुए बोले। "ऐसी चीजें तो आप किसी भी कुली से कुछ सौ तांबे के सिक्कों में खरीद सकती हैं। इसके लिए आपको मेरी ज़रूरत नहीं है"

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.74% है ।

“कुली को किस तरह का स्वाद पसं द होग?” उसकी बहन ने चिढ़कर जवाब दिया। “नहीं, मैं चाहूँ ग कि तु म मेरे लिए चु नो, तब मु झे यकीन होगा कि मु झे कु छ अनोखा मिले ग। असल में, मे री और भी बहुत सी इच्छाएँ हैं । उदाहरण के लिए, मु झे बिल्कुल वै सी ही चप्पलें चहिए जै सी तु मने हाल ही में अपने लिए ली हैं, लेकिन मे री चप्पलें थोड़ी और बरीकी से बनी होनी चहिए…” वे काफी दे र तक इसी तरह बतें करते रहे, जब तक कि आखिर में प्रेशियस क्लै स्प आकर उनकी महत्वपूर्ण गु प्त बतचीत में दखल दे ते हुए बोली: “क्या तु म दोनों कभी बत करना बं द करोगे? लगता है हम बकी लोग तु म्हारे लिए अब मायने ही नहीं रखते । आखिर तु म भई-बहन हो और हमसे कोई राज़ रखने की ज़रूरत नहीं है ”। तीनों हं सते हुए, बकी लोगों के पस लौट गए। पाओ यू को ब्लै क जे ड की याद आ रही थी। वह मु झसे बच रही है, लेकिन उसकी नाराज़गी दो दिन से ज़्यादा नहीं टिकती, मैं उसके तौर-तरीके जनता हूँ – उसने इन विचारों से खु द को तसल्ली दी। जब वह इस तरह सोच में डूबा हुआ था, सिर झुकाए, नज़र ज़मीन पर गड़ाए, तभी अचानक उसने दे खा कि ज़मीन पू री तरह से कैसिया और अनार के फूलों से भरी हुई है। कितना दुखी होगा वो, जब उसे अपने फूलों को दफ़नाने का भी समय नहीं मिलता! उसने सोच। जब उसने दोबरा ऊपर दे ख तो प्रेशियस क्लै स्प भी उसकी नज़रों से ओझल हो चु की थी। अब तो दोनों ने ही मु झे छोड़ दिया है, उसने दुखी मन से सोच। वह नीचे झुका और दो मु ट्ठी फूल उठाकर ब्लै क जे ड की फूलों की समाधि पर ले जने लगा। वहाँ से उसका रास्ता पहाड़ियों और जलधाराओं से होते हुए, उपवनों और चरागाहों से गु ज़रा। जै से ही वह अपने लक्ष्य के पस पहुँ च, उसने चट्टान की आखिरी कतार के पीछे से एक लड़की की दर्द भरी आवाज़ सु नी। वह वहीं रुक गय और सु नने लगा। ज़रूर कोई लड़की होगी जो किसी अन्याय के कारण इस तरह दिल दहला दे ने वाले अं दाज़ में रो रही होगी, उसने अनु मान लगाया और धीरे से पास जाकर उत्सु कत से चट्टान की कतार के चरों ओर दे ख। वह चौंककर पीछे हट गय - क्योंकि वह लड़की ब्लै क जे ड थी। ब्लै क जे ड अभी तक उस अपमान से उबर नहीं पई थी, जिसे उसने पिछली शाम पाओ यू से अज्ञात तरीके से सहा था। आज जिस उल्लास के सथ विदाई के फूल का पर्व मनाया जा रहा था, वह उसके उदास मन से बिल्कुल मेल

नहीं खा रहा था, इसलिए वह अपने सथियों के समू ह से ल्अाग होकर एकां त में च्ली गई थी। वह गिरे हुए फूल्लों की पं खुड़ियों का एक गट्ठा ले कर अपनी फूल्लों की समाधि की ओर चल पड़ी थी। अभी-अभी समाधि में पं खुड़ियों को दफनाते समय वह अवर्णनीय दुःख से भर गई थी। शयद यह उन बे चरे फूल्लों के प्रति सहानु भूति थी; शायद यह उसकी अपनी खिलती जवानी के क्षणभं गु र होने का विचार था। जो भी हो, वह उदासी से पू री तरह घिर गई और एक लं ब विलाप करने लगी जिसमें उसने खु द की तुलना एक कोमल फूल से की और अपने अपरिहार्य दुखद भाग्य - एक मु रझते फूल के भग्य - पर विलाप किया। और उसका स्वर इतना मार्मिक था कि 212

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 48.83% है ।

आँ सु ओं से भीगे इस विलाप गीत के बीच, चट्टान के किनारे बैठा श्रोता भावविभोर हो गया, उसने अपने फूलों की पं खुड़ियों का बोझ ज़मीन पर गिरा दिया और ज़ोर-ज़ोर से रोने लगा। अगर उसके आस-पास की सभी कोमल खिलती हुई कन्याएँ— कली जे ड, कीमती टाँ का, मोती और बाकी सब —लु प्त हो जाएँ और उन अज्ञात घाटियों में चली जाएँ जहाँ न कोई खोज है और न कोई प्राप्ति— तो उसका क्या होगा? यही विचार उसके मन में उमड़ रहे थे । कली जे ड ने अचानक अपने पीछे चट्टान की दीवार से अपने दर्द की गूँ ज सु नी और विलाप करते-करते रुक गई। वे हमेशा मु झे मूर्ख कहकर हँ सते हैं, लेकिन लगता है कि यहाँ मे रे अलावा कोई और मूर्ख भी है, उसने मु ड़कर सोचा और फिर उसने पओयु को दे खा। "ओह, यह तो घिनौनी है!" वह लगभग दबी आवाज़ में बोली। फिर, अपने ही इस अचनक गु स्से पर चौंककर, उसने जल्दी से अपना मुँ ह हाथ से ढक लिया, उछल पड़ी और भाग गई। वह कु छ दे र तक दबे पांव उसके पीछे-पीछे चलता रहा, फिर हिम्मत करके उसके करीब आया। "कृ पया रुकिए!" उसने उससे विनती की। "मु झे पता है आप मु झे पसं द नहीं करतीं, और मैं भविष्य में आपसे दूर ही रहूं गा, लेकिन मैं आपसे बस एक वाक्य बोलना चाहता हूं!" "ठीक है, लेकिन सिर्फ एक वाक्य," उसने जल्दी से मु ड़कर और अपनी चाल धीमी करते हुए कहा। "क्या आप मे री बात सु नेंगी, भले ही यह थोड़ा और लं बा हो?" वह तु रं त फिर से ते ज़ चलने लगी। वह उसके ठीक पीछे चलते हुए एक गहरी आह भरी और फिर चिल्लाया: "आजकल हमारे बीच इतना फर्क क्यों है, पहले जैसा नहीं?" "आपका क्या मतलब है?" उसने रुकते हुए पूछा। "जब तु म यहाँ आई थी, क्या तु म मे री वफ़ादार साथी और खेल की दोस्त नहीं थी? क्या हम एक ही मे ज़ पर खाना नहीं खाते थे और एक ही सोफे पर नहीं सोते थे? क्या मे रे पसं दीदा पकवान तु म्हारे भी पसं दीदा नहीं थे? क्या हम साथ-साथ बड़े नहीं हुए? और अब जब तु म बड़ी हो गई हो, तो तु म मे री तरफ दे खती भी नहीं हो और दिन भर मु झसे बचती रहती हो। क्या मैं भी तु म्हारी तरह अकेला और उपेक्षित नहीं हूँ? मे रा एक भाई और एक बहन है, यह सच है, लेकिन उनकी माँ मे रे लिए अजनबी है । चूँकि हम दोनों के कोई सगे भाई-बहन नहीं हैं, तो क्या हम एक-दूसरे के दुख के साथी नहीं हैं? क्या हमें एक-दूसरे को सहारा और दिलासा नहीं दे ना चाहिए? और अब क्या यह सब खत्म होने

वाला है...?" वह आगे कुछ कह नहीं सका। आँसुओं से उसकी आवाज़ भर्रा गई। वह सिर झुकाकर चुपचाप उसकी बातें सुनती रही। उसके दिल में सहानुभूति उमड़ पड़ी, उसका गुस्सा लगभग राख हो चुका था। अब वह भी उसके आँसुओं से प्रभावित होकर रोने लगी। उसके हृदय में आए बदलाव से उत्साहित होकर उसने आगे कहा, "मैं जानता हूँ कि मैं बुरा हूँ। लेकिन मैंने तुम्हारा क्या बिगाड़ा है? जब मैं कोई गलती करता हूँ तो तुम मुझे धक्का दे सकती हो, मुझे चेतावनी दे सकती हो, मुझे डाँट सकती हो, और यहाँ तक कि मुझे पीट भी सकती हो। मैं यह सब सह सकता हूँ। लेकिन तुम मेरी ओर ध्यान ही नहीं देती, यही मुझे निराशा में डाल देता है! इससे मैं 213

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 8.86% है ।

पागल। तो क्या तु म सचमु च चाहते होकि मैं एक पपी की तरह मर जाऊं, जिसे कोई बौद्ध य ताओवादी शोकगीत नरक से नहीं बच सकता?” उसकी मार्मिक शिकायत ने उसके मन में बची आखिरी नाराजगी को भी स्वर्ग के नौवेंलोक में पहुं चा दिया। “कल रात तु मने अपनी नौकरानी को मे रेलिए दरवाजा क्यों नहीं खोलने दिया?” उसने अपन लहजा बदलते हुए कहा। “कल रात तु म मु झसेमिलने आई थीं? अगर मु झे इसके बारे में कु छ भी पता चला तो मैं वहीं मर जऊं!” उसने आश्चर्यचकित होकर विरोध किया। “मरना’ शब्द का प्रयोग इतनी लापरवाही से नहीं करन चाहिए! तु म जनती हो कि मु झे इस तरह के कड़े विरोध पसं द नहीं हैं । मेरेलिए सिर्फ हां य ना ही काफी है ।” “लेकिन सच में, मु झे तु म्हारे आने के बारे में कु छ नहीं पता था। मु झे बस इतना पता है कि चचे रे भाई कीमती क्लै स्प वहां थ।” ब्लै क जे ड का चे हरा खिल उठा। “हम्म। तो लगता है कि आलस या खराब मू ड के कारण तु म्हारी नौकरानियों ने दरवजा नहीं खोला,” उसने कु छ दे र सोचने के बद कहा। “यही तो बात होगी!” पाओ यू ने उत्सु कता से जवब दिया। “घर जाकर मैं तु रं त इस मामले की जं च करूं गा।” मैं इन आलसी लोगों को खू ब खरी-खोटी सु नऊं ग! "हाँ, सु नओ, लेकिन मे रेलिए नहीं! मे रे साथ ऐसा होना कोई बहुत बु री बत नहीं है ।लेकिन हो सकता है कभी तु म्हारे किसी और चहे तेरिश्ते दार के सथ ऐसा हो जाए, और तब तो बवाल मच ही जाएगा।" “क्या ऐसा नहीं है?” उसने व्यं ग्यात्मक मु स्कान के सथ कहा। और इस तरह कु छ समय केलिए फिर से शांति छा गई। अध्याय 22 जितना सु खी होत है, उतना ही वह अपने कल्यण के बरे मेंचिंतित होता है । एक स्त्री कोजितना अधिक प्यार और दुलार मिलता है, उतना ही वह प्यार की मां ग करती है ।1 महीने की पँ चवीं तरीख, ड्रै गन बोट उत्सव का दिन, लगभग आ ही गया था। राजकु मरी पूर्वज ने यहदिन फीनिक्स, पाओ यू और पोतियों के सथ शहर के बहर शां त शू न्य के ताओवादी मंदिर में बिताने का फै सला किया था। उन्होंने कहा था कि घर के जीवन कीनिरं तर एकरसत लं बे समय में मन को सु स्त कर दे ती;है उन्हें बदलाव की जरुरत थी और वे मंदिर में होने वाले नत्य प्रदर्शनों से मिलने वले बहुप्रतीक्षित मनोरं जन की प्रतीक्ष कर रही थीं। फीनिक्स ने उत्सहपूर्वक सहमति व्यक्त की और कहा कि वह घर के थिएटर के प्रदर्शनों से पू री तरह ऊब चु की है । उन्होंने

कई दिनों तक चलने वले इस उत्सव केलिए आवश्यक तैयरियाँ करने काजिम्मा लिया। मंदिर आराम से सुसज्जित था और आम लोगों के लिए बंद था। 214 वें व्यक्ति की यात्रा के दौरान जनता

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 8.90% है।

सम्मानित देवियों। अधिकांश पुरुष फिलहाल बाहर ठहरे हुए थे। तदनुसार, महीने के पहले दिन की सुबह पलकियों और रथों का लंब जुलूस निकला। जुलूस के आगे राजकुमारी एनक्रेस्ट्रेस की बड़ी पालकी थी जिसे आठ पुरुष उठाए हुए थे और उनके साथ घोड़े पर पओ यू भी थे; फिर, चार-चार पालकियों में आंटी ह्सुएह, फीनिक्स और विधवा चू आईं। उनके पीछे नीली गाड़ी में ब्लैक जेड और प्रेशियस क्लैस्प, लाल गाड़ी में तीन स्प्रिंग गर्ल्स, फिर पूर्वज की चार सेविकाएँ, ब्लैक जेड की दासियाँ कुकू और स्नोगूज़, प्रेशियस क्लैस्प की दासियाँ ओरिओल और एप्रिकॉट, तीन स्प्रिंग गर्ल्स की छह दासियाँ, आंटी ह्सुएह की दो सेविकाएँ, ह्सुएह पैन की युवा दूसरी पत्नी लोटस अपनी दासी के साथ, विधवा चू की दो दासियाँ, और मैडम फीनिक्स की तीन सेविकाएँ लिटिल पिंग और लिटिल फोंग, और सबसे नई भर्ती सियाओ हंग, मैडम चेंग की दो सेविकाएँ गोल्डरिंग और ने फ्राइट बकल (जो अस्वस्थता के कारण घर पर ही थीं), मैडम फीनिक्स की छोटी बेटी और उसकी नर्स, फिर कई सेविकाएँ और नौकरानियाँ थीं। घोड़ों पर सवार नौकरों का एक बड़ा दल सबसे पीछे चल रहा था। यह एक अंतहीन जुलूस था। अंतिम प्रतिभागी अभी भी अपनी गाड़ियों में चढ़ ही रहे थे और सीटों को लेकर आपस में बहस कर रहे थे कि तभी जुलूस का मुखिया नज़र से ओझल हो गया। कितना धक्का-मुक्की का माहौल था, कितनी कानाफूसी और हंसी-मज़ाक! "नहीं, यह सीट पहले से ही भरी हुई है!" किसी ने कहा। "मेरी मलकिन की सुंदर पोशाक को मत कुचलो!" किसी ने चिल्लाकर कहा। "मेरे केश विन्यास को खराब मत करो!" किसी ने कहा। "मेरे पंखे पर मत बैठो!" किसी ने गुहार लगाई। मुख्य प्रबंधक इधर-उधर भागता हुआ सबको सड़क पर अनुशसन बनाए रखने और ठीक से व्यवहार करने की चेतावनी दे रहा था, जबकि पूरे रास्ते में व्यवस्थापक और संदेशवाहक सड़कों को साफ रखने और भीड़ को पीछे धकेलने में व्यस्त थे। ढोल और घंटी वले दवर से अभिवादन की एक धीमी गड़गड़ाहट गूंजी जब पालकी और गाड़ियों का लंब जुलूस शंत शून्य के विहार - चिंग ह्सू कुआन - पर पहुँच। मंदिर के द्वार के समने, पुरोहितों की दोहरी पंक्ति के आगे, जो धूपदान हिला रहे थे, प्रधान ने मेहमानों का विधिपूर्वक स्वागत करने के लिए अपना स्थान ग्रहण कर लिया था। मंदिर के प्रांगण में, पर्वत द्वार के पीछे, नगर के संरक्षक

देवताओं की मूर्तियों के बीच, राजकुमार चेन युंगकुओ और गकुओ महलों से आए चचेरे भाइयों और भतीजों की भीड़ के आगे मेहमानों की प्रतीक्षा कर रहे थे। राजकुमारी पूर्वज की पालकी नीचे रखी गई, और चूंकि सेविकाएँ और दासियाँ अभी भी बहुत पीछे थीं, फीनिक्स जल्दी से बूढ़ी महिला को पालकी से उतरने में मदद करने के लिए आगे बढ़ी। जैसे ही उसने मंदिर के प्रांगण की टाइलों पर पैर रखा, लगभग बारह वर्ष का एक छोटा मंदिर का लड़का उसके पास से दौड़ता हुआ गुजरा और लापरवाही से उससे टकरा गया। लड़का मंदिर की मोमबत्तियों को छाँटने और साफ करने का काम करता था। वह चौंक गया था।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 69.17% है ।

वह अपने काम में व्यस्त थ और महिलाओं के आने से पहले ही जल्दी सेनिकल जाना चाहता था। उसकी इस नादानी से नराज़ होकर फीनिक्स ने उसके कान पर ज़ोरदार घूंसमारा। "देख कर भग जा, छोटे जंगली!" उसने गुस्से से उसे फटकारा। घबराहट में गिरकर अपने स्नफ़र खो बैठा वह लड़का जल्दी से उठा और बाहर निकलने की ओर भगा। ऐसा करते-करते वह भीड़ में और भी ज़्यादा घुस गय, क्योंकि आने वली पालकियों में बैठे लोग तब तक उतर चुके थे और युवतियाँ, अपनी दासियों और नौकरानियों के सथ, मंदिर के द्वार पर इतनी घनी भीड़ बनाकर खड़ी थीं कि उनके बीच से एक बूँद भी ज़मीन पर नहीं गिर सकती थी। उनके बीच सेनिकलने की कोशिश कर रहे उसलड़के की धृष्टता देखकर महिलाएँ भयभीत हो गईं औरचिल्लाईं: "इसे रोको! इसे गिरा दो!" "क्या बात है?" पूर्वज ने राजकुमर से पूछा। राजकुमर दौड़कर दरवाजे पर गए, शोर-शराबा सुन और नौकरों से लड़के को पकड़व लिया। उन्होंने मुखियानी को बताया, “एक छोटा मोमबत्ती बनाने वला अपने काम पर देर से आया और अंदर आती महिलाओं से टकर गया।” मुखियानी ने आदेशदिया, “उसे यहाँ लाओ। लेकिन उसके सथ बहुत धैर्य रखो! ऐसे सधारण लोगों के बच्चों से उच्च स्तर केशिष्टाचार की अपेक्ष नहीं की जा सकती, और उनके प्रति दयालु होन चाहिए।” राजकुमर चेन द्वारा घसीटकर लाए जाने पर, लड़का मुखियानी के समने कांपते हुए जमीन पर गिर पड़ा। मुखियानी ने उसे उठाया, उससे प्यर से बतें कीं और उससे कई सवाल पूछे, जिनका जवाब देने में लड़का बहुत शर्मा रहा था। अंत में, मुखियानी ने राजकुमर को उसे कुछ सिक्के देने की सलाह दी ताकि वह केक खरीद सके और अपने डर से उबर सके, और फिर उसे जने दिया। राजकुमर चेन ने आदेश का पालन किया और साथ ही मुख्य प्रबंधक के साथ मिलकर परिसर को चारों ओर से घेरने के लिए कड़े कदम उठाए ताकि इस तरह की अप्रिय घटनाएँ दोबरा न हों। निंगकुओ और वुंगकुओ महलों के युवा और सेवक, जो दूसरों के सथ बाहर आए थे, उन्हें भी मंदिर के भीतरी परिसर में प्रवेश करने की अनुमति नहीं थी, जो पूरी तरह से महिलाओं के लिए आरक्षित था। उस समय मंदिर के प्रवेश द्वार के समने शर्म से खड़े प्रधान पुजरी चांग ने अब मुस्कुराते हुए पूछा: "और मेरा क्या? क्या आपका विनम्र सेवक अंदर बैठी महिलाओं को प्रणाम कर सकता है?

शायद बू ढ़ी तई ताई को मे रे र्मार्गदर्शन की आवश्यकता हो और वे मु झे याद कर रही हों। हालांकि, मैं निश्चित रूप से अपने अधिकार से कार्य नहीं करूं ग, बल्कि आपके शही निर्देशों का पू री तरह पालन करूं ग।" राजकु मर ने सं कोच नहीं किया, क्योंकि उस आदरणीय वृ द्ध व्यक्ति की पवित्रता के लिए ख्याति थी। इसके अलावा, वह पहले वु ं गकु ओ और निंगकु ओ महलों में भू त-प्रे त भगने के कर्तव्यों का निर्वहन करने केलिए अक्सर आते-जाते रहते थे, इसलिए वे महिलाओं से अपरिचित नहीं थे ।216

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.11% है ।

“बे शक मंदिर आपके लिए खुला है, और अगर आपने इसके बारे में और कु छ कहा तो मैं आपकी लं बी दाढ़ी पकड़कर आपको अं दर खींचलाऊं गा,” राजकु मर ने मजक में जवब दिया और उन्हें भीतरी परिसर में ले जकर पूर्वज के पस पहुँ च दिया। प्रधान पु जरी ने पूर्वज और यु वतियों को प्रणाम किया और मु स्कुराते हुए अभिवादन किया: “वृ द्ध पूर्वज को अब तक जो भरपू र स्वस्थ्य, सु ख और दीर्घायु प्रप्त हुई है, वही उन्हें भी प्रप्त हो! जब से मु झे उनके समह में उन्हें प्रणम करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है, तब से मु झे लगता है कि उनके स्वस्थ्य और रूप में स्पष्ट रूप से सु धार हुआ है ।” “ आप कै से हैं, आदरणीय वृ द्ध?” पूर्वज ने मु स्कुराते हुए उत्तरदिया। “छोटे भिक्षु का स्वास्थ्य पू री तरह से वृ द्ध पूर्वज के अच्छे स्वास्थ्य पर निर्भर करता है,” मठाधीश ने विनम्रतापूर्वक उत्तर दिया और बातचीत का रुख पाओ यू की ओर मोड़दिया। उनके अनु रोध पर पूर्वज ने अपने पोते को बुलवाया। “छोटा भाई कितना शानदार तरीके से बढ़ रहा है!” बू ढ़े ने खु शी से कहा। “दुर्भाग्यवश, यह तो के वल ऊपरी दिखावा है; वास्तव में वह बहुत कमज़ोरलड़का है,” पूर्वज ने आह भरते हुए कहा। “इसमें कोई आश्चर्य नहीं, क्योंकि वह इतनी मे हनत से पढ़ाई करता है । उसकेपिता उसे लगातार किताबों में हीलगाए रखते हैं और उसे कोई आराम नहीं करने दे ते, तोवह अत्यधिक काम के कारण बीमार पड़ जाएगा।” “मु झेबिल्कुल समझ नहीं आता कि बू ढ़े गु रु उसकी प्रगति से क्यों नाखु श हैं । मु झेबारबार इस बात का प्रमाण मिला है कि छोटा भाई कितनी कु शलता से कलम चलाता है और कविताएँ रचत है । जब मैं उसे ध्यान से दे खता हूँ— उसका चे हरा, उसका कद-काठी, उसका व्यवहार, उसके बोलने का तरीका—तो वह मु झे अपने महान पूर्वज, पूर्वज राजकु मर की छवि जै स ही लगता है,” उन्होंने आगे कहा। “आप सही कह रहे हैं,” पूर्वज ने भवु क स्वर में सहमति जताते हुए कहा। “मे रे सभी बे टों, भतीजों और पोतों में से कोई भी अपने पूर्वज से इतन मिलता-जुलता नहीं है जितना यह बच्चा।” बू ढ़े व्यक्ति का चे हरा चालाक हो गया। "हाल ही में, एक कुलीन परिवार के घर में, मे री मुलाकात एक पंद्रह वर्षीय बे टी से हुई, जो बे हद आकर्षक, चतु र और शिक्षित यु वती थी। वह छोटे भाई के लिए उपयुक्त जीवनसाथी होगी। यदि वृ द्ध तई ताई अपने विनम्र से वक को इस सं बं ध में निर्देश दें, तो वह सहर्ष अपनी से वएँ उसकेलिए समर्पित कर

दे ग और उस घर में खुलकर अपनी बात रखे ग।" "आपके इस उदार प्रस्ताव के लिए धन्यवाद," पूर्वज ने टालमटोल करते हुए कहा। "लेकिन इसके लिए अभी काफी समय है । एक पवित्र यु व बौद्ध ने हाल ही में हमें बताया कि यह ईश्वर की इच्छा है कि मे रे पोते की शादी इतनी जल्दी न हो, इसलिए हम उसके थोड़ा और परिपक्व होने तक प्रतीक्षा कर रहे हैं। लेकिन यदि आप उपयुक्त जीवनसाथी की तलाश में प्रारंभिक प्रयास करना चाहते हैं, तो मु झे कोई आपत्ति नहीं है । मेरे लिए यह अत्यं त महत्वपूर्ण है कि सं बंधित व्यक्ति का चरित्र मे रे पोते के स्वभाव से मेल खाता हो; 217

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.20% है ।

मैं कुलीन और धनी वं श को ज्यदा महत्व नहीं दे त; वह गरीब परिवार से भी हो सकती है । इसलिए, जब भी आपके पस कोई उपयुक्त सु झव हो, मु झे जरूर बताएं!" इस पर बू ढ़े व्यक्ति ने अपने सथी पु रोहितों को पाओ यू का प्रसिद्ध ताबीज दिखाने की इच्छ व्यक्त की। पूर्वज के आदे श पर, पाओ यू ने आत्मापत्थर वाली जं जीर उतरकर मठाध्यक्ष को सौंप दी। मठाध्यक्ष ने उसे एक पीतल के कटोरे में रखा और लाठी के सहारे लं गड़ाते हुए बहर चले गए। थोड़ी दे र बाद जब वे लौटे तो कटोरे में लगभग चालीस-पचास अन्य ताबीज लाए, जो पु रोहितों ने पओ यू को भें ट किए थे । उन्होंने कहा, "मे रे सथी पु रोहित इस अद्भुत जादुई पत्थर को दे खने का अवसर दे ने के लिए आपका धन्यवाद करते हैं । वे इस अवसर का लाभ उठाकर छोटे भई के प्रति अपनी मित्रतापूर्ण और विनम्र भक्ति प्रदर्शित करना चाहते हैं । चूंकि उनके पस इससे बे हतर कु छ नहीं है, इसलिए वे उन्हें तओवादी भक्ति के ये छोटे प्रतीक भें ट कर रहे हैं" वह इन्हें स्मृति चिन्ह के रूप में रख सकता है य उपहार के रूप में दे सकता है, जै स वह चाहे ।" पूर्वज ने उत्सु कता से कटोरे में रखी वस्तु ओं को दे ख। वे अधिकतर अर्धवृ त्तकार सोने य जे ड की गोलियाँ थीं, जिनमें छे द थे, कु छ में मोती जड़े थे, और सभी पर "आपकी सभी मनोकामनाएँ पू री हों" या "दीर्घायु और स्वस्थ रहें" जै से शिलाले ख खु दे हुए थे ।"आपने अपने गरीब सथियों को इतना खर्च करने की हिम्मत कै से की? हम किसी भी हालत में ये उपहार स्वीकार नहीं कर सकते!" पूर्वज ने विरोध करते हुए उन्हें धन्यवाद दिया। "ओह, वे अपनी भक्ति साबित करने पर अड़े थे । मैं उन्हें ऐसा करने से नहीं रोक सका। अगर वे दे खें कि उनके ने क इरादे से दिए गए उपहारों का तिरस्कार किया जा रहा है तो उन्हें दुख होगा।" "स्वाभाविक रूप से पूर्वज दानदाताओं को दुख नहीं पहुँ चना चाहती थीं, इसलिए उन्होंने उनके उपहार स्वीकार कर लिए।" "मैं इन चीजों का क्या करूँ?" पाओ यू ने कु छ तिरस्कारपूर्ण स्वर में पू छा। "मैं इन्हें घर जाते समय रस्ते में भिखारियों को दे दूँगा।" "ऐसा मत करो!" मठाधीश ने आपत्ति जताई। "सचमु च, मैं आपके प्रशं सनीय इरादे को नहीं भूलता, लेकिन भिखारी ऐसी चीजों की कद्र नहीं करते; भिखारियों को पै स चाहिए। इन छोटी-छोटी वस्तु ओं को अपने पास रखिए! भले ही ये आपको दे खने में तु च्छ और बेकार लगें, फिर भी इनमें कल्याणकारी शक्ति है ।" पाओ यू

ने बत समझ ली और शाम को उन्होंने मंदिर के द्वार के समने बैठे भिखारियों में पैसा बांटने का आदेश दिया। मठाधीश से वनिवृत्त हो गए और महिलाएं अपने-अपने कमरों में चली गईं। उनके लिए तीन एक मंजिला मंदिर भवन उपलब्ध कराए गए थे। बीच वला भवन पूर्वज के लिए, पूर्वी भवन अन्य महिलाओं के लिए और पश्चिमी भवन घरेलू महिला कर्मचारियों के लिए था। कुछ देर बाद राजकुमर चेन पूर्वज के पस आए और उन्हें नट्य कार्यक्रम के बरे में बताया। पहला नाटक "सफेद संप का इतिहास" था। 218

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.05% है।

“क्या यह प्राचीन इतिहास नहीं है?” पूर्वज ने पूछा। “जी हाँ, यह नाटक उस पुरानी कहानी पर आधारित है कि कैसे प्रथम हान राजवंश के संस्थापक लियू पंग ने सफेद साँप को मारकर न्याय का शासन स्थापित किया। दूसरा नाटक 'शय्या पर दर्शक पट्टिका' कहलाता है; तीसरा नाटक 'नान को का स्वप्न' है।” राजकुमर चेन नत्य प्रदर्शन की अंतिम तैयारियों का निरीक्षण करने के लिए फिर नीचे चले गए। पूर्वज के साथ ऊपर बैठे पाओ यू ने कटोरे में भेंट किए गए मंदिर के स्मृति चिन्हों को पलटकर समय बिताया और अपनी जेड बेल्ट पर एक-एक करके उन्हें पहनकर देखा। हर बार पूर्वज को यह बताना पड़ता था कि वह वस्तु उन पर कैसी लग रही है। एक भाग्यशाली 'नारंगी रंग का यूनिकॉर्न, जिस पर किंगफिशर नीले रंग के धब्बे', थे उन्हें विशेष रूप से पसंद आया। उन्होंने उसे हाथ में लेकर देखा और कहा: “यह बहुत सुंदर है। मैंने ऐसी ही कुछ किसी लड़की पर देख होगा।” "हाँ, आपने देखा है। 'चचेरी बहन लिटिल क्लाउड' भी ऐसा ही एक गेंडा पहनती है, लेकिन वो थोड़ा छोटा है," प्रेशियस क्लैस्प ने झट से कहा। "आप सही कह रहे हैं, ये लिटिल क्लाउड ही है," पूर्वज ने सहमति जताई। "ये वकई अजीब बात है कि मैंने उसे कभी पहने हुए नहीं देखा, जबकि वो अक्सर हमारे यहाँ आती-जाती रहती है," पाओ यू ने कहा। "हाँ, चचेरी बहन प्रेशियस क्लैस्प की याददाश्त अच्छी है," टेस्ट ऑफस्प्रिंग ने मसूमियत से कहा। "खासकर दूसरों से जुड़ी बातों में," ब्लैक जेड ने व्यंग्य से कहा। प्रेशियस क्लैस्प ने नज़रें फेर लीं और जैसे उसने कुछ सुना ही न हो। पाओ यू ने सोने के गेंडे को जल्दी से अपनी जेब में रख लिया और शरमाते हुए इधर-उधर देखने लगा कि कहीं किसी ने उसे देख तो नहीं लिया। उसे डर था कि कहीं लोग ये सोचकर कुछ गलत न समझ लें कि लिटिल क्लाउड के पास भी ठीक ऐसा ही एक गहना है और उसके पास सिर्फ यही एक है। लेकिन ब्लैक जेड के अलावा किसी ने इस पर ध्यान नहीं दिया था, और उसने उसके सिर हिलाने और चेहरे के भाव से सहमति और स्वीकृति समझ ली। अपनी शर्मिंदगी से बचने के लिए उसने फिर से गहना निकाला और उसे ब्लैक जेड को दिखाया। "सुंदर है न? मैंने इसे तुम्हारे लिए रखा था," उसने मुस्कुराते हुए कहा। "मैं इसमें एक डोरी लगवा दूंगा, और फिर तुम इसे पहनोगी।" ब्लैक जेड ने अपना सिर झटक दिया। "मुझे इसकी बिल्कुल परवाह नहीं है, धन्यवाद," उसने ठंडे

लहजे में जवाब दिया। "ठीक है, तो मैं इसे खुद रखूंगा," उसने हंसते हुए कहा और उसे फिर से छिपा लिया। मंदिर के मंच पर कुछ घंटों तक मनोरंजन करने के बाद, दोपहर बाद पूर्वज ने अचनक घोषणा की कि वे शहर लौटेंगे। जब उनकी छुट्टी यात्रा की खबर 219 लोगों के बीच फैली,

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.33% है ।

मित्रों और रिश्ते दारों के इस समू ह में ये प्रिय लोग पू रे सम्मान के सथ दूत भे जने और भें ट चढ़ाने के लिए तु रं त आ गए थे यहाँ तक कि स्वयं भी आ गए थे, मानो वे इसे किसी गं भीर मंदिर समारोह का विषय समझ रहे हों। लेकिन राजकु मरी की मं शा बिल्कुल भी ऐसी नहीं थी। वह तो बस कु छ आराम करना चाहती थीं और एक बार कु छ प्रिय रिश्ते दारों के सथ सचमु च शं त और चिंतामुक्त समय बिताना चाहती थीं। राजकु मरी को तब और भी बु रा लगा जब राजकु मरी चे न, चिया यु ंग की नई पत्नी के सथ दे र से पहुँ चीं और उन्होंने इन दो बिन बुलाए मे हमनों का दोस्ताना स्वागत नहीं किया। आने वले दिनों में और भी ज्यदा व्यस्तता के डर से, उन्होंने अपन प्रवास छोटा कर दिया और उदास मन से घर लौट गईं। उद्यमशील फीनिक्स, जिसे यह बिल्कुल भी पसं द नहीं थ, ने अगले दिन उसे मंदिर जाने के लिए मनाने की कोशिश की, लेकिन व्यर्थ। सं योग से, पाओ यू भी वहाँ नहीं जना चाहता था। वह इसलिए भी चिड़चिड़ा था क्योंकि पूर्वज चां ग ने एक दिन पहले विवाह का मु द्दा उठाया था और खु द को मध्यस्थ के रूप में पे श किया था। पाओ यू को इस अवांछित मध्यस्थता की आवश्यकता नहीं थी; उसने बहुत पहले ही अपन निर्णय ले लिया था। घर पहुँ चकर उसने अपनी दादी से गु स्से में कहा कि वह बू ढ़े चांग के सामने फिर कभी नहीं जाना चाहता। कोई भी वास्तव में यह नहीं समझ प रहा था कि वह उस मिलनसार बू ढ़े व्यक्ति से इतन नाराज़ क्यों था। इसके अलावा, ब्लै क जे ड को घर आते समय सर्दी लग गई थी और आज उसे हल्का बु खर था। इन तीन कारणों से राजकु मरी ने अपन रुख नहीं बदला और फीनिक्स और अन्य लोगों को अकेले जने दिया। पाओ यू को ब्लै क जे ड की ठंडी सर्दी इतनी बु री लगी कि उसने पू रे दिन कु छ भी नहीं खया। उसकी चिंता ने उसे लगातार उससे मिलने और उसका हालचाल जानने के लिए प्रेरित किया। "तु म क्यों नहीं ज रहे हो?" "घर पर बै ठे-बै ठे बोर होने के बजाय, तु म दूसरों के सथ मंदिर में नटक दे खने जा रहे हो?" ब्लै क जे ड ने उसे परखने की इच्छा से पू छा। उसके इस सवाल से वह बहुत चिढ़ गया। अगर कोई और यह सवाल पू छत तो वह शायद इतना परे शन नहीं होता, लेकिन ब्लै क जे ड को अच्छी तरह पता होना चाहिए था कि वह मंदिर जाने से सिर्फ उसी की वजह से बच रहा था और प्रायर की शादी की झं झटों से भी बचना चाहता था। "मु झे लगता है

कि हमारा एक-दूसरे को जनना बेकार है। ठीक है, चलो इसे यहीं खत्म करते हैं" उसने गहरी निराशा के सथ जवाब दिया। उसने बत को और बिगाड़ते हुए तीखे स्वर में कहा: "हाँ, यह वाकई बेकार है। कुछ अन्य लोगों के विपरीत, मुझमें ऐसा कुछ भी नहीं है जो तुम्हें पसंद आए।" वह बहुत परेशन होकर उसके पस गया और कांपती हुई आवाज़ में बोला: "इन शब्दों से तुमने बेरहमी से मुझ पर श्रप दे दिया है।" "मुझे नहीं पता कि तुम्हारा क्या मतलब है, और मैं तुम्हारी घबराहट को बिल्कुल नहीं समझ पा रही हूँ," उसने जवब दिया। "ज़ाहिर है तुम चिंतित हो कि कहीं सुंदर 220

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 8.78% है ।

कल प्रायर ने जिस विवाह योजना की बात की थी, वह विफल हो जाएगी, और तु म मु झे अपनी झुं झलाहट के लिए परे शन कर रहे हो।"बे वकू फ लड़की! बे वकू फ लड़का! वे क्यों ढोंग कर रहे थे और अपने दिल की गहराइयों में छिपी बात का ठीक उल्टा बोल रहे थे? वे बहुत पहले से ही एक दूसरे के गु प्त रूप से प्रेमी थे । वे खु द को क्यों सता रहे थे और अजनबी या दुश्मन की तरह व्यवहार क्यों कर रहे थे? वे आध्यत्मिक रूप से एक-दूसरे के इतने करीब थे । वे बाहरी तौर पर एक-दूसरे से दूर क्यों भाग रहे थे? लेकिन अफसोस, प्रेमियों का यही तरीका रहा है, और निस्सं दे ह हमेशा रहे ग।" "सु ंदर विवाह योजना" शब्द सु नते ही पाओ यू अपन आपा खो बै ठा। आवे श में आकर उसने अपने गले से आत्मा का पत्थर उतारकर उसे ज़मीन पर पटक दिया। "मैं तु झे चूर-चूर कर दूं गा, शापित वस्तु!" "आखिरकार मु झे शांति मिले गी" वह गु स्से से चिल्लाया। लेकिन वह पत्थर इतनी मजबू त सामग्री से बन था कि गिरने से उसे कोई नु कसान नहीं हुआ; उस पर जरा सा भी खरोंच नहीं आई। जब पाओ यू ने यह दे खा तो वह मु ड़ा और किसी कठोर वस्तु की तलाश करने लगा जिससे वह पत्थर को तोड़ सके । काली जे ड ने उसके इस बे तु के काम पर अफसोस जताया। "उस बहरी और गूं गी वस्तु ने तुम्हारा क्या बिगाड़ा है कि तु म उसके साथ ऐसा बु रा बर्ताव कर रहे हो? बे हतर है कि तु म मे रे साथ बु रा बर्ताव करो!" उसने कहा। काली जे ड की दासियाँ कु कू और स्नोगू ज़ सोह भी अपनी मालकिन और पाओ यू के बीच कई झगड़े दे ख चु की थीं, लेकिन आज के झगड़े जितना हं गमा पहले कभी नहीं हुआ था। अपनी दुविधा में वे पर्ल को मदद के लिए ले आईं। पर्ल ने सबसे पहले उस खतरे में पड़े पत्थर को बचाने की कोशिश की। "दखल मत दो!" पाओ यू ने कठोर स्वर में आदे श दिया, "अगर मैं अपनी संपत्ति नष्ट कर दूं तो तु म्हें क्या फर्क पड़ता है?" ये शब्द कहते हुए उसके चे हरे को देखकर पर्ल चौंक गई। ये क्रोध से भरा, उग्र चे हरा! उसने उसे पहले कभी ऐसी हालत में नहीं दे खा था। उसने धीरे से उसे शांत करने की कोशिश की। "जब तु म अपनी चचे री बहन पर इतना निर्दयतापूर्वक क्रोधित होते हो, तो क्या तु म्हें उसकी नाजु क से हत का ज़रा भी ख्याल नहीं आता?" उसने फटकार लगाते हुए उसका हाथ धीरे से पकड़ लिया। मानो उसकी बात को पुष्ट करते हुए, ठीक उसी क्षण ब्लै क जे ड की मानसिक उत्ते जन के कारण उसने थोड़ी दे र पहले पी हुई

बीमारों वाली दवा का सू प उल्टी करदिया। नौकरानी कु कू उसकी मदद केलिए दौड़ी और जल्दी से उसके मु ंह पर रूमाल रख दिया। "तु म्हें इस छोटी सी कहानी को इतन दिल पर नहीं ले न चाहिए," उसने उससे कहा "अगर तु म दव उल्टी कर दोगी तो ठीक कै से होगी?" क्या तु म नहीं दे खतेकि जब तु म बीमर होते हो तो हमरे छोटे स्वामी को कितनी तकलीफ होती है?" उल्टी करते हुए पाओ यू को स्वयं मतली होने लगी और उसके पे ट में पित्त उमड़ आया। उसी समय उसे अपने हिंसक व्यवहार पर पछतावा हुआ और अपने छोटे स्वामी के प्रति सहानु भूति भी उमड़ पड़ी।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.04% है ।

उसका बे चरा चचे रा भाई। उसका गु स्सा शां त हो चु का था; वह रोने ही वाला था। एक तरफ तो वह अपने आं सु ओं को रोकने की कोशिश कर रहा था और दूसरी तरफ उल्टी करने की इच्छा को दबा रहा था। उसकी दयनीय हालत दे खकर पर्ल भी रो पड़ी और ज़ोर-ज़ोर से सिसकने लगी। और कु कू, जो अपनी मालकिन को हवा दे कर ठं डा कर रही थी, पर्ल की हालत दे खकर भावु क हो गई, और चारों तरफ से एक साथ सिसकने, सिसकने और आहें भरने की आवाज़ें गूं ज उठीं और सभी लोग ज़ोर-ज़ोर से रोनेलगे । पर्ल ने सबसे पहले खु द को संभाला। "दे खो, तु म्हारी पत्थर पर रे शम का वह गु च्छा जो तु म्हारी चचे री बहन ने अपने हाथों से तु म्हारे लिए बनाया है!" उसने पाओ यू से मु स्कुराते हुए कहा। "क्या यह तु म्हें अपने झगड़े को भूलकर फिर से दोस्त बनने की याद दिलाने के लिए काफी नहीं है?" दुर्भाग्य से, उसके अच्छे इरादे वाले शब्दों का उल्टा असर हुआ। अपनी बीमारी को भूलकर, ब्लै क जे ड उछल पड़ी और पर्ल के हाथ से पाँ च रं गों की डोरी और लटकन वाला ताबीज़ छीन लिया, जिसे उसने खु द बनाया था; उसने कैं ची पकड़ी और बे तहाशा लटकन को काटने लगी। इससे पहले कि पर्ल और कु कू मिलकर डोरी उससे छीन पाते, लटकन बु री तरह से कट चु की थी।"छोड़ो इसे! आखिर, उसे मे री उस चीज़ की कोई परवाह नहीं है जिसे बनने में मैं ने इतनी मे हनत की वह किसी और से नईलटकन बनवा सकता है," ब्लै क जे ड रोते हुए बोली। "उसकी गलती मत मानो! मे री नसमझी भरी बातों की गलती है," पर्ल ने पाओ यू से माफी मां गते हुए कहा और उसे डोरी वापस दे दी।“ आप इसेजितना चाहें काट लीजिए! मैं इस मनहूस चीज़ को फिर कभी नहीं पहनूं गा,” पाओ यू ने शांत भाव से कहा, और अगर पाओ यू की माँ और दादी, जिन्हें उसकी नौकरानियों ने मदद केलिए बुलाया था, ठीक समय पर बीच में न आतीं, तो झगड़ा और भी ज़ोर से भड़क उठता। उनके आते ही दोनों चचे रे भाई चु प हो गए, जबकि पर्ल और कु कू चु पके से एक-दूसरे को डां टनेलगीं, क्योंकि दोनों को लगा कि दूसरे ने उन्हें बहुत ताई कहा है और इस तरह मामला और बिगाड़ दिया है । जब दोनों चचे रे भाई एक शब्द भी नहीं बोले, तो महिलाओं ने अपना गु स्सा पर्ल और कु कू पर निकाला और उन्हें अपने मालिक और मालकिन का बे हतर ख्याल न रखने और झगड़े को रोकने में सक्षम न होने के लिए जमकर फटकारा। अं त में, पूर्वज ने पाओ यू का हाथ

पकड़ा और उसे बे र के साथ ले गईं। अगले दिन, पाँ चवें महीने की तीसरी तारीख को, चचे रे भाई ह्सु एह पन का जन्मदिन मनाया गया। उनके सम्मन में एक भव्य परिवारिक भोज और एक नाट्य प्रस्तुति का आयोजन किया गया। सभी रिश्ते दार इकट्ठा हुए; के वल पाओ यू और ब्लै क जे ड अनु पस्थित थे । कल की घटनाओं के बद वे किसी भोज या नाट्य प्रदर्शन में शमिल होने के मू ड में नहीं थे । दोनों ने बीमार होने का बहाना बनाकर अपनी अनु पस्थिति का औचित्य बताया। वास्तव में पाओ यू को कोई बीमरी नहीं थी, और ब्लै क जे ड भी...

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.99% है ।

वह अपनी हल्की सर्दी से ठीक हो चु की थी। पूँज को उम्मीद थी कि दावत और नाटक में मन होकर वे दोनों अपनी नराज़गी भूल जाएँ गे । जब पोता-पोती उम्मीद के मु ताबिक नहीं आए, तो उसने झुंझलाहट से सोच, "मैं ने अपने पिछले जन्म में ऐसा क्या गु नह किया था कि मु झे इन दो बदमिजाज पोते-पोतियों की सज़ा भु गतनी पड़ रही है? शायद ही कोई दिन ऐसा जाता हो जब ये मु झे परे शान और बे चै न न करें । अगर ये मे री आखिरी साँ स तक इं तज़ार करें, तो मे री नज़र में ये जितना चाहें उतन झगड़ा और बहस कर सकते हैं।" वह रुकी और अपनी आँ खों से कु छ कड़वे आँ सू पोंछे । पूर्वज के उनके लिए आँ सू बहाने की खबर सु नकर ब्लै क जे ड और आओ यू थोड़ा नरम पड़ गए। लेकिन फिर भी, वे एक-दूसरे से दूर रहना ही पसं द करते थे । एक अपनी माँ के आश्रम में बै ठकर अपन दुख हवा में बहाती रही; दूसरा अपने बे गोनिया के आँ गन में बै ठकर चाँद को दे खकर अपनी आहें भरत रहा। शारीरिक रूप से अलग होते हुए भी, वे दिल से एक-दूसरे से जु ड़े हुए थे । एक तरफ पर्ल ने पओ यू से तु रं त सुलह करने का आग्रह किया। उसने पू छा, "जब भी नौकरों के बीच झगड़े होते थे, क्या तु मने बार-बार सुलह नहीं करवाई? और आज तु म खु द एक छोटी बच्ची का दिल शां त नहीं कर पा रहे! परसों, ड्रै गन बोट फेस्टिवल के दिन, क्या तु म अपनी मनमनी करते रहोगे और बू ढ़ी म ई ताई के लिए त्योहार खराब करोगे? हार मान लो और अपने चचे रे भाई से मफी मां गलो, ताकि झगड़ा खत्म हो जाए!" दूसरी तरफ, नौकरानी कु कू ने ब्लै क जे ड को समझाते हुए कहा, "तु म्हें इतना गु स्स नहीं करना चाहिए था। तु म उसकी कमजोरी को दूसरों से बे हतर जानती हो। आखिर, यह पहली बार नहीं है कि वह पत्थर की वजह से परे शान हुआ है ।" ब्लै क जे ड ने चिढ़कर कहा, "गु स्से का क्या मतलब है? मु झे लगता है कि तु म मेरा पक्ष ले रही हो।" "तु म्हें उस झालर पर अपना गु स्स क्यों निकालना पड़ा? इससे तु म सात-दसवें हिस्से की दोषी हो। उसके इरादे तु म्हारे प्रति इतने अच्छे थे, लेकिन तु मने अपने बढ़-चढ़ाकर किए गए सं दे हों से उसे दुखी कर दिया।" ब्लै क जे ड अभी जवाब दे ने ही वाली थी कि बाहरी द्वार पर दस्तक हुई। "छोटे मलिक!" कु कू ने बाहर झाँ कते हुए खु शी से चिल्लाया। "वह आपसे मफी मां गने आए होंगे"।"उन्हें किसी भी हालत में अं दर मत आने दो!" "क्या तु म उन्हें फिर से नु कसान पहुँ चना चाहती हो? हम उन्हें धू प

में इंतज़ार करते हुए नहीं छोड़ सकते" और वह जल्दी से बहर आ गई। उसने द्वार खोला और पाओ यु इन को अंदर आने दिया। "तो तुम यहाँ हो मुझे लगा था कि तुम फिर कभी हमारे दरवजे तक नहीं पहुँच पओगे!" उसने मज़ाक में कहा। 223

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.04% है।

"और क्यों नहीं? हर बात को इतना दुखद क्यों मानना चाहिए!" उसने उसके हल्के-फुल्के लहजे में जवाब दिया। "और अगर मैं मर जऊं, तो मेरी आत्मा तुम्हारी छोटी मालकिन से दिन में एक बार नहीं, बल्कि सौ बार मिलने आएगी। आज वो कैसी है?" "शारीरिक रूप से तो वो ठीक है, लेकिन उसका दिल अभी पूरी तरह शांत नहीं है।" "मुझे इस बात पर पूरा यकीन है," उसने मुस्कुराते हुए कहा और बैठक में चला गया। उसने देखा कि ब्लैक जेड सोफे पर टी फिर से रो रही है। "क्या तुम अब पूरी तरह ठीक हो, मेई मेई?" उसने प्यार से पूछा। उसने अपने आंसू पोंछे, लेकिन चुप रही। वह सोफे के किनारे पर बैठ गया और उत्साह से बोला: "मुझे पता है कि तुम मुझसे बिल्कुल भी नाराज़ नहीं हो। लेकिन अगर मैं तुम्हारे साथ कभी नहीं दिखूंगा, तो दूसरे सोच सकते हैं कि हमारा झगड़ा हुआ है और तुम मुझसे सच में नाराज़ हो, और फिर वे दखल देंगे और हमें उपदेश देना चाहेंगे। मुझे लगता है कि हम बाहरी लोगों के इस परेशान करने वाले दखल से खुद को बचा सकते हैं। अगर तुम्हें मुझसे कोई शिकायत है, तो मुझे बता दो, मुझसे झगड़ा करो, मुझे मारो! बस करो, मुझे नज़रअंदाज़ मत करो!" अपने भाषण के दौरान उन्होंने "प्यारी मेई मेई" और "सबसे अच्छी मेई मेई" शब्दों का कम से कम एक दर्जन बार इस्तेमाल किया था। इस बात से कि दूसरों को उनके मामलों में दखल नहीं देना चाहिए, ब्लैक जेड समझ गई कि वह उसके साथ विशेष रूप से घनिष्ठता और आत्मीयता महसूस कर रहे हैं। इससे वह मन ही मन खुश हो गई और उसके होंठ खुल गए। "आपको यहां आने की बिल्कुल ज़रूरत नहीं है। आप बस मुझे परेशान करना चाहते हैं। मैं हर हाल में आपके ज़्यादा करीब नहीं आऊंगी। मेरे लिए सबसे अच्छा यही होगा कि मैं पूरी तरह से चली जाऊं," उसने कहा, मानो अभी भी पूरी तरह से नाराज़ हो। लेकिन वह डरे नहीं। "तो फिर तुम कहां जाओगी?" उन्होंने सहजता से पूछा। "घर।" "मैं तुम्हारे साथ चलूंगी।" "और अगर मैं जल्द ही मर जाऊं तो?" "तो मैं भिक्षु बन जाऊंगी।" "सचमुच? तुम तो पहले कहते थे कि उस हालत में तुम भी मर जाओगे। इससे तो यही लगता है कि तुम्हारी बातों को गंभीरता से नहीं लिया जा सकता। वैसे, तुम्हारे और भी चचेरे भाई-बहन हैं। क्या उनमें से किसी एक की मृत्यु होते ही तुम भिक्षु बन जाओगे? अगर ऐसा हुआ तो तुम्हें अपनी संख्या कई गुना बढ़ानी पड़ेगी। अगर मैं उन्हें तुरंत इस

ने क इरादे के बारे में बता दूं तो क्य होगा?" उसे एहसस हुआ कि उसका बयान काफी मूर्खतापूर्ण था। उसने प्रेशियस क्लैस्प के बारे में सोचा और शर्म से लाल हो गया। अच्छा हुआ कि वहाँ कोई और मौजूद नहीं था! बातचीत में एक लंब, शर्मिंदगी भरा सन्नाटा छा गया। आखिर में उसने अपनी उंगली से उसके माथे पर हल्के से थपथपाया। "तुम..." उसने शुरू किया, लेकिन बोल नहीं पाई। इसके बजय, उसने अपन रुमाल निकाला और अपनी आँखें पोंछीं। उसकी आँखों में भी आँसू आ गए, और क्योंकि वह अपना रुमाल भूल गया था, उसने अपनी रेशमी आस्तीन से अपनी आँखों पर हाथ फेरा।

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.20% है।

उसकी पलकें नम थीं। उसने यह देखा और बिना कुछ कहे अपना एक रूमाल उसे दे दिया। प्रेम की इस सेवा से प्रभवित होकर उसने कोमलता से उसका हाथ थाम लिया और कहा: "बस करो आँसू इस रोने-धोने से मेरी पसलियाँ तें फट चुकी हैं, तुम साथ में पुराने तई ताई चलते हैं"। ब्लैक जेड ने उसका हाथ झटक दिया। "यह भद्दा स्पर्श बंद करो तुम दिन-ब-दिन बूढ़े होते जा रहे हो। आख़िर कब तमीज़ से रहन सीखोगे?" बाहर से फीनिक्स की आवाज़ आई। चौंककर दोनों चचेरे भाई-बहन जल्दी से अलग हो गए। "अब, क्या तुम फिर से दोस्त बन गए?" फीनिक्स ने हंसते हुए पूछा। "बुर्जुा ताई ताई तुम्हारे लिए बहुत दुखी हैं। उन्होंने मुझे यह देखने के लिए भेज है कि सब ठीक है या नहीं। पहले तो मैं आना नहीं चाहती थी और मैंने उनसे कहा था कि तीन दिन में तुम दोनों खुद ही सुलह कर लोगी, लेकिन वह इस बात पर गुस्स हो गईं और मुझे खूब डांट लगाई। इसलिए मैं यहाँ हूँ। तुम दोनों क्यों नहीं दिख रही हो? फिर क्या हुआ? क्या तुम्हें हर तीन दिन में झगड़ करना ज़रूरी है? उम्र बढ़ने के साथ-साथ तुम बच्चों की तरह चिढ़ने लगती हो। अब मेरे साथ बुर्जुा ताई ताई के पास चलो और उन्हें यकीन दिलाओ कि सब ठीक है।" उन्होंने ब्लैक जेड का हाथ पकड़ा और उसे अपने सथ खींच लिया। ब्लैक जेड ने मुड़कर अपनी इंतज़ार कर रही दासियों को बुलाया, लेकिन दोनों दासियाँ गयब थीं। "तुम्हें उनकी क्या ज़रूरत है? मेरी दासियाँ तुम्हारी सेवा में हैं, लेकिन देर मत करो!" फीनिक्स ने ज़ोर देकर कहा और विरोध करती हुई ब्लैक जेड को अपने साथ खींच लिया। पाओ यू पीछे-पीछे चली, और इस तरह तीनों पूर्वज के घर पहुँच गईं। "अब, क्या मैं सही नहीं थी?" फीनिक्स ने प्रसन्नत से कहा, "मुझे बिल्कुल भी दखल देने की ज़रूरत नहीं पड़ी। उन्होंने खुद ही सुलह कर ली थी। उन्होंने एक-दूसरे से माफ़ी मांगली थी और बड़े आराम से सथ बैठे बातें कर रहे थे, मज़ाक कर रहे थे और एक-दूसरे को ऐसे प्यार से नोंच रहे थे जैसे एक नर और मादा बाज़ एक ही शिकारगाह पर बैठे हों"। इस अजीब तुलना पर पूर्वज और वहाँ मौजूद सभी लोग ज़ोर से हँस पड़े। ब्लैक जेड राजकुमार के बगल में बैठ गई; वह चचेरी बहन प्रेशियस क्लैस्प की उपस्थिति से थोड़ी शर्मिंदा महसूस कर रही थी और कुछ नहीं बोली। पाओ यू ने प्रेशियस क्लैस्प से माफ़ी मांगी कि वह अस्वस्थ होने के कारण अपने भई को जन्मदिन की बधाई देने और उपहार लाने में असमर्थ

रहा, लेकिन उसने कहा कि वह बाद में इसकी भरपाई कर देगा। फिर उसने जानना चाहा कि वह नाट्य प्रदर्शन में क्यों नहीं थी। प्रेशियस क्लैस्प ने उत्तर दिया, "मैंने दो नाटक देखे और फिर गर्मी बर्दाश्त नहीं हो रही थी, इसलिए मैं चुपके से चली गई।" पाओ यू कुछ जवाब देना चाहता था। अनायास ही उसका ध्यान प्रेशियस क्लैस्प की गोल-मटोल सफेद बांह पर गया, जिसे उसने

re225

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.85% है ।

हाल ही में उसने एक सोने का कं गन उतरकर उसे करीब से दिखाया। तभी उसे यद आया कि प्रेशियस क्लै स्प को आमतौर पर "वे श्य यां ग" के नम से जना जाता था, क्योंकि तां ग राजवं श की वह प्रसिद्ध शाही दरबारी ही एकमात्र ऐसी मोटी महिला है जिसका नाम चीनी सु ं दरियों की गैलरी में है । इसलिए, कु छ कहने के लिए, उसने मज़ाकिया अं दाज़ में कहा: "मु झे आश्चर्य नहीं है कि लोग हमे श तु म्हारी तुलना दरबारी यां ग से करते हैं, क्योंकि वह भी थोड़ी मोटी और गर्मी के प्रति सं वे दनशील थी।" उसकी इस टिप्पणी से प्रेशियस क्लै स्प बहुत नराज़ हो गई। उसका चे हरा लाल हो गया और वह काफी दे र तक कोई उचित जवाब सोचने लगी। अं त में उसने दो छोटी-छोटी सू खी हं सी हं सी और उपहासपूर्वक कहा: "अगर मैं दरबरी यां ग जै सी इतनी मिलती-जुलती हूँ, तो यह वाकई अफ़सोस की बात है कि मे रे पास कोई उपयुक्त चचे रा भाई, दूसरा यां ग चु ं ग नहीं है । वह वाकई एक शानदार आदमी था!" पाओ यू को एक बर फिर अपने चचे रे भाई से एक लापरवाह टिप्पणी के कारण डां ट सु नने का बहुत दुख हुआ, और इस बार तो सबके समने, जबकि ब्लै क जे ड ने अभी-अभी अकेले में ही उसे सुधारा था। ब्लै क जे ड, जो प्रेशियस क्लै स्प के सामने किए गए उसके सटीक लेकिन कु छ हद तक भद्दे अपमान से मन ही मन खु श थी, और उसे शर्मिंदगी से तड़पता दे खकर दुखी भी थी, उसकी मदद करने का फै सला किया। "तो तु मने कौन सा नाटक दे ख है?" उसने मु स्कुराते हुए प्रेशियस क्लै स्प की ओर मु ड़कर पूछा। "उसका नाम 'तानाशाह ली क्वे ई सु ं गचियां ग का अपमान करता है और बद में अपन अन्याय स्वीकार करता है' या कु छ ऐस ही था," प्रेशियस क्लै स्प ने शांत भव से उत्तर दिया। "तु म वै से तो प्राचीन और आधुनिक साहित्य में इतने परं गत हो, फिर भी तु म्हें इस नाटक का संक्षिप्त लोकप्रिय शीर्षक नहीं पता," ब्लै क जे ड ने उपहास करते हुए कहा। "जै स कि सब जानते हैं, इसे बस 'छड़ी के सथ याचिका की यात्रा' कहा जाता है ।" “हाँ, बहुत अच्छा, इसे ‘ छड़ी के साथ याचिका यात्रा’ ही रहने दो। तु म तो इतनी पढ़ी-लिखी और ज्ञानी हो कि तु म्हें भी पता होगा। मु झे तो इस तरह की याचना के बरे में अब तक कु छ पता ही नहीं था,” प्रेशियस क्लै स्प ने तीखे स्वर में उत्तर दिया, और उसने पओ यू और ब्लै क जे ड के चे हरों पर अचनक आई शर्मिंदगी को सं तोषपूर्वक दे ख। उसका वार निशाने पर लगा था।

उपस्थित लोगों में से एक चौथे व्यक्ति ने भी प्रेशियस क्लैस्प के शब्दों का अर्थ समझ लिया था, और वह थी फीनिक्स; और उसने एक सुखद चुटकुले से असहज माहौल को हल्का करने की जल्दी की। “क्या यहाँ कोई गर्मी के कारण हरी अदरक चबा रहा है?” उसने अप्रत्याशित रूप से पूछा। सभी ने इस रहस्यमय प्रश्न का नकारात्मक उत्तर दिया। “मुझे लगा कि शायद कोई चबा रहा होगा, यहाँ इतनी तीखी और चुभने वाली गंध है,” उसने आश्चर्य का नाटक करते हुए और एक हास्यपूर्ण मुस्कान बनाते हुए कहा।

寶釵

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 8.97% है।

चेहरा। प्रेशियस क्लैस्प जोर से हंस पड़ी और बाकी लोग भी उसके साथ हंसने लगे, हालांकि उनमें से ज्यदातर को पता नहीं था कि क्यों। तनाव खत्म हो गया था, और सभी लोग खुशी-खुशी चले गए। जब प्रेशियस क्लैस्प फीनिक्स के साथ चली गई, तो ब्लैक जेड ने मुस्कुराते हुए पाओ यू से कहा: "अब तुम्हें यकीन हो गया कि दूसरे लोग मुझसे ज्यादा बुरी जुबान वाले हो सकते हैं! उनके मुकाबले तो मैं बिल्कुल शर्मीली और सीधी-सादी हूं!" उसे दोनों एक जैसी ही बुरी लगीं, इसलिए उसने ब्लैक जेड को वहीं खड़ा छोड़ दिया और भाग गया। अध्याय 23 एक खोए हुए यूनिकॉर्न ताबीज के कारण लिटिल क्लाउड को अपना सिर धूप में खुला छोड़ना पड़ा। गोल्ड रिंग अपने अपमान को सहन नहीं कर पाई और सम्मान की मौत चाहती है। फूंज के निवास पर दोपहर के भोजन के बाद अगले दिन, जब सभी, मालिक और नौकर, भीषण गर्मी के कारण दोपहर का आराम कर रहे थे, और पेड़ों और झाड़ियों में पक्षी भी थकावट से चुप थे, पाओ यू अपने हाथ पीठ पीछे बांधे पश्चिमी महल के पिछले बगीचों और मैदानों से धीरे-धीरे टहल रहे थे। पश्चिमी गलियारे के मंडप से गुजरने के बाद वे फीनिक्स के एकांत निवास के पास से होते हुए अपनी माँ के घर पहुँचे। यहाँ भी दोपहर की खमोशी छाई हुई थी। कढ़ाई करते हुए ऊंघ रही कई दासियों के पास से गुजरते हुए वे ताई ताई के बैठक कक्ष में पहुँचे। वहां वे सोफे पर सो रही थीं। सेवा करने वाली दासी गोल्ड रिंग सोफे के किनारे से टेक लगाकर, टांगें ढीली-ढाली फैलाए ऊंघ रही थी। पाओ यू चुपके से उनके पास आए और उनकी बाली खींची। "क्या तुम इतनी थकी हुई हो?" उन्होंने फुसफुसाते हुए पूछा। गोल्ड रिंग ने नींद भरी निगाहों से उसकी ओर देखा, मुस्कुराते हुए दरवजे की ओर इशारा किया और फिर से अपनी आँखें बंद कर लीं। लेकिन पाओ यू उसके पास से हिला तक नहीं। जब उसने चुपके से यह निश्चित कर लिया कि ताई ताई सचमुच सो रही हैं, तो उसने अपनी कमरबंद की थैली से नम, चिपचिपी, सुगंधित दालचीनी के पेस्ट की एक गोली निकाली, उसमें से एक छोटी सी गोली निकाली और नौकरानी के होठों के बीच रख दी। उसे यह पसंद आया और उसने आँखें खोले बिना ही इसे निगल लिया। उसने उसका हाथ पकड़ लिया। "देखो... क्या मैं ताई ताई से कहूँ कि वह तुम्हें मुझे दे दें?" उसने धीरे से पूछा। वह चुप रही। "जैसे ही ताई ताई जागेंगी,

मैं उससे योफी माँगूँगा," उसने आगे कहा। गोल्ड रिंग ने अपनी आँखें खोलीं और मुस्काते हुए उसकी ओर देखा। "तुम्हें बहुत जल्दी है। लैब्स फ्लीस के बरे में क्या? अगर तुम छोटे घूँघी बगीचे में जओ तो तुम मस्टर चिया हुआन के सथ उसे अचनक पकड़ सकते हो।" 228

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.22% है ।

"मु झे परवाह नहीं कि वे मजे करें । मु झे तु म चाहिए!" उसने अभी बोलना खत्म ही किया था कि ताई ताई अचानक खड़ी हो गई और नौकरानी के चे हरे पर ज़ोरदार थप्पड़ मारा। "बदमाश! मैं तु झे सबक सिखाऊं गी मे रे बे टे को बहकाने की कोशिश कर रही हो!" उसने डां टते हुए कहा। ताई ताई के हिलते ही पओ यू धु एं की लकीर की तरह उड़ गया। गोल्ड रिंग है रानी से अपना जलता हुआ गाल मल रही थी, कु छ बोल नहीं पा रही थी, तभी कई नौकरानियां और नौकरानियां सेवा करने के लिए दौड़कर आ गईं। ताई ताई ने ने प्रेज़ट बैं गल की ओर दे खा, जो उस लड़की की छोटी बहन थी जिसे उसने अभी दंड था। "अपनी माँ से कह दे कि वह ते री बहन को आज ही घर से निकाल दे!" उसने कहा। गोल्ड रिंग घु टनों के बल गिर पड़ी और रोते हुए और प्रणाम करते हुए अपनी क्रोधित मालकिन से दया की भीख मां गने लगी। "मु झे मारो, पीट दो, लेकिन मु झे घर से मत निकालो!" उसने विनती की। "मैं दस वर्षों से आपकी ईमनदारी से से वा कर रही हूँ । अं त में निकाले जाने की शर्म मैं सहन नहीं कर सकती।" लेकिन ताई ताई, जो आमतौर पर इतनी दयालु थीं और कभी अपनी दासियों को नहीं पीटती थीं, इस बार नरम नहीं पड़ीं, और उसी दिन बे चरी गोल्ड रिंग को अपमानित होकर घर छोड़ना पड़ा। अगले दिन, पाँ चवें महीने की पाँ चवीं तिथि को, ड्रै गन बोट उत्सव मनाया गया। दरवाजों पर सरकं डे और मगवाद लगाए गए थे, और सभी ने तबीज़ और मं त्र पहने थे । मै डम चें ग ने दोपहर में पारिवारिक भोज दिया, लेकिन कोई भी वास्तव में उत्सव के मू ड में नहीं था। मै डम चें ग कल की अप्रिय घटना के कारण अभी भी नाराज़ थीं, जब उन्होंने पओ यू को गोल्डरिंग के साथ पकड़ा था, और उन्होंने जानबू झकर पओ यू को नज़रअं दाज़ किया। फीनिक्स, जिसे मै डम चें ग ने पिछली शाम इस मामले के बारे में बताया था, उसने भी अपनी नराज़गी दिखाई और अपने सामान्य स्वभाव के विपरीत, न तो बातू नी थी और न ही हँ सने को तैयार थी। पाओ यू कल अपने चचे रे भाइयों, प्रेशियस क्लै स्प और ब्लै क जे ड द्वारा किए गए अपमानजनक व्यवहार से अभी भी उबर नहीं पाया था और उनसे बतचीत करने की हिम्मत नहीं कर पाया। उसकी खामोशी का असर उन पर भी पड़ा। इस तरह भोज बे हद तनवपूर्ण और उबाऊ साबित हुआ और जब यह समाप्त हुआ तो सभी को राहत मिली, खासकर ब्लै क जे ड को। उसे सामाजिक समारोहों में कभी कोई खस

दिलचस्पी नहीं थी। लोग जितनी ज्यादा खुशियाँ पर्टियों में बिताते हैं, पार्टियों के खत्म होने पर उन्हें उतन ही ज्यादा अकेलापन और उदासी महसू स होती है, इसलिए ऐसे समाजिक समारोहों से पू री तरह बचन ही बे हतर है। उसने यही दार्शनिक विचार किया। उसने फूलों के बरे में सोचा, जिनका मु रझना उतना ही दर्दनाक होता है जितना कि उनके खिलने का आनं दलिया गया हो, और उसे लगा कि काश वे कभी खिले ही न होते। इसलिए जब दूसरों के चे हरे खु श होते थे तो उसका चे हरा उदास होता था, और इसके विपरीत भी। सौभाग्य से, अगले दिन लिटिल क्लाउड के आने से जीवन और आनं द का माहौल छा गया।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 48.86% है ।

घर में प्रवे श करते ही, सभी चचे रे भाई-बहन पूर्वज के घर दोपहर के भोजन के लिए इकट्ठा हो गए थे, तभी वह पहुँ चीं। यु वा लोग उनसे मिलने के लिए उछल पड़े और उनसे तरह-तरह के सवल पू छने लगे । उन्होंने उन्हें एक महीने से नहीं देखा था, और ज़ाहिर है, बताने के लिए बहुत कु छ था। पूर्वज ने सु झाव दिया, "गर्मी के कारण क्या आप अपने कपड़े थोड़े और आरामदायक नहीं कर लें गी?" छोटी क्लाउड खड़ी हुई और अपने ऊपर से ओढ़ने की ऊपरी परत उतार दी। और इसी के साथ बातचीत छोटी क्लाउड की भेष बदलने की चतुराई पर केंद्रित हो गई। प्रेशियस क्लै स्प ने हं सते हुए पू छा, "क्या आपको वह समय याद नहीं है जब उसने पाओ यू का कोट और जू ते पहने थे और उसके मथे पर बं धने वाला पट्टा अपने सिर पर रखा था?" "वह बिल्कुल उसके जै सी दिख रही थी कि जब बू ढ़ी तई ताई अं दर आईं और उन्हें कुर्सी के पस खड़ी दे ख, तो वह धोखा खा गईं और उनसे कहा: 'पाओ यू, इधर आओ और छत के लैं प पर लगी क्रिस्टल की जं जीरें दे खो, वे पू री तरह से धु एं से ढकी हुई हैं और रोशनी कम कर रही हैं।' लेकिन नन्हा बादल अपनी जगह से हिला तक नहीं। और हम सब कितना हँ से "हाँ, वह लड़के की तरह बड़े शानदार ढं ग से सजती है," पूर्वज ने आगे कहा। "उसके लिए तो यह कु छ भी नहीं है," ब्लै क जे ड ने कहा। "क्या तु म्हें पिछले सल के पहले महीने का वह बर्फीला दिन याद है जब उसने चु पके से बू ढ़ी तई ताई का नया लाल बं दर के बालों वाला लबादा पहन लिया था? वह उसके लिए इतना लं ब और चौड़ा था कि उसे दो स्कार्फ से अपनी कमर के चारों ओर बाँ धन पड़ा। वह नौकरानियों के सथ बगीचे में बे तहाशा बर्फ के गोले खेल रही थी, अं त में एक खड्डे में ठोकर खाकर बर्फ में पू री लं बई तक गिर गई, और सभी ने सोच कि यह बू ढ़ी तई ताई है ।" इस घटन को याद करके सभी लोग ज़ोर से हँ स पड़े । "चचे री बहन पाओ यू कहाँ है?" नन्हे बदल ने पू छा। "बे शक वह के वल अपने बचपन की शरारतों के उस नटखट साथी के बरे में सोच रही है, उसे हम दूसरों की कोई परवाह नहीं है, वह सु धरने वाली नहीं है," प्रेशियस क्लै स्प ने मज़ाक में कहा। तभी पाओ यू आय और उसने खु शी से आगं तु कों का स्वागत किया। "उसके पस तु म्हारे लिए कु छ अच्छा है!" ब्लै क जे ड ने उससे फु सफुसाकर कहा। "मे रे लिए कु छ अच्छा?" लिटिल क्लाउड ने अविश्वास से पू छा। "यह सच है, तु म विश्वास कर सकती हो,"

पाओ यू ने उसे आश्वस्त किया। "तुम कितने बड़े हो गए हो, लिटिल क्लाउड!" "अब तुम एक-दूसरे को नाम से मत पुकारो," उसकी माँ ने उसे डांटा। "बूढ़ी तई ताई ऐसा नहीं चाहती। तुम अब वो बच्चे नहीं रहे जो पहले हुआ करते थे"।"तुम्हारी पर्ल कैसी है?" लिटिल क्लाउड ने पूछा। "बहुत अच्छी। आपकी दयालु पूछताछ के लिए धन्यवाद।" "मैं उसके लिए कुछ लाया हूँ।" 230

史湘雲

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 79.02% है ।

उसने एक छोटा सा चमकीला डिब्बा निकाला, जिसमें चार अंगूठियाँ थीं। हर अंगूठी के लाल पत्थर पर एक नाम खुदा हुआ था। "तुमने पहले भी हमें ऐसे ही तोहफे दिए हैं!" ब्लैक जेड ने निराश होकर कहा। "मुझे उम्मीद थी कि तुम कुछ नया लाओगी, लेकिन तुम इतनी होशियार नहीं हो। कुछ नया सोचने में तो तुम ज़रा सी मेहनत नहीं करती।" "अरे, मान लो, लेकिन ये तोहफे तो बहुत काम के हैं," लिटिल क्लाउड ने अपना बचाव करते हुए कहा। "पर्ल, मंदारिन डक, गोल्ड रिंग और लिटिल पिंग - हर एक के लिए एक उपयुक्त अंगूठी, ताकि उन्हें पहचाना जा सके। वरना तो सारी नौकरानियों और दूसरी नौकरानियों को पहचानना मुश्किल हो जाता है। है न ये काम का?" "बेहद काम का!" सबने हंसते हुए सहमति जताई। "ये तो खूब बोलती है! इसके पास तो हमेशा जवाब होते हैं," पाओ यू ने मुस्कुराते हुए कहा। "ये बतूनी तो नहीं है, लेकिन दूसरी तरफ ये किसी और की तरह सोने का यूनिकॉर्न पहनती है," ब्लैक जेड ने बीच में ही टोकते हुए कहा और बाहर चली गई। सौभाग्य से, उसकी बात के वल पाओ यू और प्रेशियस क्लैस्प को ही समझ आई। पाओ यू ने इसे समझदारी भरी मुस्कान के साथ सुना, जबकि प्रेशियस क्लैस्प शर्मिंदा हो गया। प्रेशियस क्लैस्प भी उठकर ब्लैक जेड के पास चली गई। "एक कप चाय और नाश्ता करके तरोताज़ा हो जाओ और थोड़ी देर आराम करो! फिर बाद में तुम अपनी मामी को नमस्कार कर सकती हो और पार्क में खेल सकती हो," पूर्वज ने अपनी पोती को सुझाव दिया। लिटिल क्लाउड ने उनकी सलाह मानी और फीनिक्स और विधवा चू को नमस्कार करने के बाद वह कई सेविकाओं और दासियों के साथ डिलाइटफुल विज़न पार्क के लिए निकल पड़ी। पाओ यू के निवास, हारमोनियस रेड के आंगन में पहुँचने से कुछ ही देर पहले, उसने अपनी दासी ब्लू थ्रेड को छोड़कर बाकी सभी को विदा कर दिया। गुलाब के मंडप से गुजरते हुए उसने जमीन पर सोने की तरह चमकती हुई कोई चीज देखी। उसने अपनी दासी को उसे उठाने के लिए कहा और खुद उत्सुकता से उसकी जाँच करने लगी। यह एक सुनहरे यूनिकॉर्न के आकार का ताबीज था, बिल्कुल उसके अपने ताबीज जैसा, बस थोड़ा बड़ा और अधिक बारीकी से बना हुआ। उसने इसे अपने हाथ में लिया और ध्यान से देखा। कितना अजीब! यह कहाँ से आया होगा? मैंने इसे घर में किसी के पास नहीं देखा, उसने सोचा। जब वह

अभी भी सोच ही रही थी, पाओ यू प्रकट हुआ। "देखो, तुम दोनों इतनी तेज़ धूप में यहाँ क्यों खड़े हो? अंदर आकर पर्ल को नमस्कार क्यों नहीं करते?" उसने पूछा। "हम बस उसके पास ही जा रहे हैं," लिटिल क्लाउड ने जल्दी से अपनी खोज को छुपाते हुए कहा। तीनों एक साथ बेगोनिया आंगन में गए। पर्ल प्रवेश द्वार के सामने एक छायादार कोने में सीढ़ियों पर बैठी थी, रेलिंग से टेक लगाकर खुद को ठंडा करने के लिए पंखा कर रही थी। 232

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.22% है।

वह खड़ी हुई, लिटिल क्लाउड और उसकी नौकरानी का अभिवादन करने गई और उनका हाथ पकड़कर उन्हें घर के अंदर ले गई। "मैं बहुत समय से तुम्हारा इंतज़ार कर रहा था। मेरे पास तुम्हें दिखाने के लिए कुछ खास है," पाओ यू ने अपनी चचेरी बहन से कहा और अपनी जेबें टटोलने लगा। "क्या तुमने वह चीज़ रख दी?" उसने काफी देर तक ढूंढने के बाद शर्मिंदा होकर पर्ल की ओर मुड़कर पूछा। "किस चीज़ की बात कर रहे हो?" पर्ल ने पूछा। "सोने का यूनिकॉर्न ताबीज़ जो मुझे हाल ही में उपहार में मिला है।" "तुम इसे हमेशा अपने साथ रखती हो। मुझे पता ही नहीं यह कहाँ है।" "तो मैंने इसे बाहर ही कहीं खो दिया होगा। आओ, इसे ढूंढने में मेरी मदद करो।" वह पार्क की ओर भागने ही वाला था कि लिटिल क्लाउड ने उसे रोक लिया और मुस्कुराते हुए उसे अपनी खोज दिखाई। "क्या यही है?" उसने खुशी से उसे पकड़ लिया। "तुम्हें मिल गया?" "अरे, कोई इतना लापरवाह कैसे हो सकता है! सौभाग्य से, इस बार तो यह सिर्फ एक छोटी सी चीज़ थी, लेकिन अगर अगली बार तुम्हारा पत्थर खो गया, तो यह बहुत बड़ी बदकिस्मती हो सकती है।" "अरे, मेरे पत्थर के खो जाने से मुझे ज़रा भी फ़र्क नहीं पड़ेगा। लेकिन यह चीज़, जिसे आप मामूली समझते हैं, अनमोल है; इसके खो जाने का मतलब मेरे लिए मौत है।" लिटिल क्लाउड शरमाते हुए उस चाय के प्याले पर झुक गई जो पर्ल ने उसे दिया था। फिर बातचीत दूसरी बातों पर मुड़ गई। खुशनुमा बातचीत के बीच श्री चेंग का एक नौकर आया और बोला: "समृद्धि की गली से मास्टर यू त्सुन मिलने आए हैं। बूढ़े मालिक ने नौजवान को मेहमान का स्वागत करने के लिए कहा है।" पाओ यू का मूड तुरंत उड़ गया। "क्या बूढ़े आदमी का स्वागत करना ही काफ़ी नहीं है? मुझे वहाँ क्यों होना चाहिए?" उसने धीरे-धीरे तैयार होते हुए नाराज़गी से बुदबुदाया। "बूढ़े आदमी के बुलावे पर इतनी देर तक कैसे इंतज़ार किया जा सकता है!" लिटिल क्लाउड चिल्लाई और उसे हौसला देने के लिए अपने पंखे से थपथपाया। "अरे, मुझसे मिलने की इच्छा मेरे बूढ़े पिता ने नहीं बल्कि खुद मास्टर यू त्सुन ने जताई है।" "यह आपके लिए और भी अधिक सम्मान की बात है कि इतना प्रतिष्ठित व्यक्ति आपमें रुचि दिखाता है। वह निश्चित रूप से आपके लिए अपने प्रभाव का इस्तेमाल करेगा। यह केवल आपके लाभ के लिए ही होगा।" "छी! मुझे संरक्षण और प्रतिष्ठित

लोगों से जन-पहचान की क्या परवाह है? मैं एक सधारण व्यक्ति हूँ और अन्य मनुष्यों के बीच एक सामान्य मनुष्य होने के ब्लावा और कुछ नहीं चहता।" 233

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 8.75% है।

"तुम तो बिलकुल सुधरने वाले नहीं हो। आखिर तुम बड़े हो रहे हो। क्या तुम्हारी कोई खास महत्वाकांक्षा नहीं है? क्या तुम अपने भविष्य के बारे में बिल्कुल नहीं सोचते? अगर तुम्हें राज्य की परीक्षा पास करनी है, तो समय रहते ही गंभीर लोगों और भावी मंत्रियों से जान-पहचान बना लो। उनकी बातचीत तुम्हारे लिए फायदेमंद होगी और उनकी दोस्ती तुम्हें आगे चलकर संरक्षण दिलाएगी। लड़कियों की संगति में रहने से तुम्हें कुछ हासिल नहीं होगा!" "क्या तुम इतनी मेहरबानी करोगी कि अपने चचेरे भाई-बहनों के अपार्टमेंट में चली जाओगी, युवती मैं नहीं चाहता कि तुम्हारे जैसी गंभीर इंसान को मेरे इस तुच्छ घर में रहकर अपमानित होना पड़े," पाओ यू ने अचानक कठोर स्वर में कहा। पर्ल ने चुपके से लिटिल क्लाउड की आस्तीन पकड़ ली। "उन्हें यह विषय किसी के द्वारा उठाना पसंद नहीं है," उसने धीमी आवाज में उससे कहा। "हाल ही में जब मिस प्रेशियस क्लैस्प ने इस बारे में बोलना शुरू किया तो वह बस भाग गया। यह अच्छा हुआ कि वह मिस प्रेशियस क्लैस्प थीं, क्योंकि उन्होंने इसे बुरा नहीं माना। अगर मिस ब्लैक जेड होतीं, तो फिर क्या ही होता! जब तक वह पूरी औपचारिकता के साथ अपनी गलती स्वीकार करके माफी नहीं मांग लेते, तब तक वह उसकी तरफ देखती भी नहीं।" "वह इतनी बुरी तरह से पेश नहीं आ सकतीं, वरना मैं उनसे बहुत पहले ही रिश्ता तोड़ चुका होता," पाओ यू ने जोर देकर कहा। संयोग से ब्लैक जेड उनकी आखिरी बात की गवाह थीं। उन्हें पता था कि लिटिल क्लाउड बेगोनिया आंगन के लिए निकल चुका है, उन्होंने सोचा कि पाओ यू उन्हें उनके सोने के यूनिकॉर्न ताबीज का दूसरा रूप दिखाएगा और ऐसा करते हुए अपनी आदत के अनुसार तरह-तरह के प्यार भरे इशारे करेगा, इसलिए वह खिड़की के नीचे छिपकर थोड़ी देर सुनने के लिए चुपके से उनके पास चली गई थीं। वह ठीक समय पर पहुंचीं और लिटिल क्लाउड को उन्हें गंभीर पुरुषों से जान-पहचान बढ़ाने की सलाह देते हुए सुना। इसलिए जब उसने ज़ोर देकर कहा कि वह, ब्लैक जेड, बातचीत में इतनी अभद्रता करने में सक्षम नहीं है, तो वह एक साथ चार भावनाओं से भर उठी- खुशी, डर, दर्द और पछतावा। वह उसके प्यार और नेक स्वभाव से निराश न होने पर खुश थी, लोगों के सामने इतनी खुलेआम उसके प्रति अपनी पसंद को स्वीकार करने पर वह डर गई। उसने दर्द के साथ सोचा कि

माता-पिता की मृत्यु के बाद वह दुनिया में कितनी अकेली हो गई है, और दिल की बातें सझा करने के लिए उसके पास कोई नहीं है। और उसे अफसोस भरी आह भरनी पड़ी क्योंकि वह एक ऐसी बीमारी से क्षीण हो रही थी जो उसे ज्यादा समय नहीं देगी, चाहे उसे उसके प्यार पर कितना भी भरोसा क्यों न हो। उसे इस भयनक पूर्वाभास से गहरा दुख हुआ कि कहीं वह अपनी इच्छा पूरी होने से पहले ही न मर जाए। उसकी आँखें आँसुओं से भर गईं और वह धीरे चली गई। इस बीच पाओ यू ने कपड़े पहन लिए थे, और जब वह 234 वें कमरे में गय

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 8.85% है।

पार्क में उसकी नज़र ब्लैक जेड पर पड़ी और उसने उसके गालों पर आँसुओं के निशान देखे। "कहाँ जा रही हो, मेई मेई? रो रही हो? क्या किसी ने तुम्हें नाराज़ किया है?" उसने प्यार से पूछा। ब्लैक जेड ने मुस्कुराने की कोशिश की। "रो रही हो? मुझे पता नहीं था।" "लेकिन मुझे अभी भी आँसुओं के निशान दिख रहे हैं।" उसने हाथ उठाया और उंगली से उसके गाल पर कुछ गीले धब्बे पोंछने की कोशिश की। वह दो कदम पीछे हट गई। "परेशान मत हो! तुम फिर से मरने को तैयार हो, है न?" उसने उपहास से कहा। "क्यों नहीं?" "मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। लेकिन क्या उस खास सोने के यूनिकॉर्न ताबीज से अलग होना मुश्किल नहीं होगा?" "तुम्हारा क्या मतलब है? क्या तुम मुझे फिर से गुस्सा दिलाना चाहती हो?" वह गुस्से से भड़क उठा। उसने देखा कि उसने उसे नाराज़ कर दिया है। "यह तो बस मेरी बकवास थी," उसने तुरंत अपना लहजा बदलते हुए कहा। "लेकिन इतना उत्तेजित मत हो! तुम्हारे माथे की नसें गुस्से से फूल गई हैं! और तुम्हें कितना पसीना आ रहा है!" वह उसके पास गई और अपने रूमाल से उसके चेहरे से पसीना पोंछा। उसने यह स्वीकार किया और काफी देर तक उसे टकटकी लगाकर देखता रहा। "बिल्कुल निश्चिंत हो जाओ!" उसने अंत में कहा। "निश्चिंत? किस बात पर?" उसने एक गहरी साँस ली। "क्या तुम नाटक कर रही हो, या सचमुच मुझे समझ नहीं पा रही हो? क्या मैं हमेशा से तुम्हें धोखे में रखूँ कि तुम मेरे मन के रहस्य विचार नहीं समझ पाती? अगर ऐसा है, तो हमारी रोज़ की गलतफहमियाँ कोई आश्चर्य की बात नहीं हैं।" "मुझे सच में समझ नहीं आ रहा कि आप निश्चिंत होने के लिए क्यों कह रहे हैं।" "प्यारी मेई मेई, नाटक मत करो! तुम्हें पता होना चाहिए। तुम अपनी लगातार चिंता से अपनी बीमारी को और बढ़ा रही हो।" उसकी पीड़ा का जिक्र उसे बिजली के झटके जैसा लगा। उसने कितनी सही तरह से महसूस किया था कि कुछ ही समय पहले उसने खुद भी गुप्त भय के साथ क्या महसूस किया था! उसके मन में बहुत कुछ था जो वह कहना चाहती थी, लेकिन वह एक शब्द भी नहीं बोल पाई। उसकी आँखों में आँसू आ गए और दबी हुई "ओह" कहते हुए वह मुँह फेर लिया। वह उसके पीछे भागा और उसका हाथ पकड़ लिया। "प्यारी मेई मेई, थोड़ी देर रुक जाओ! मुझे तुमसे कुछ

और कहना है ।" "मु झे सब पता है," उसने धीरे से कहा, फिर अपना हाथ छुड़ाकर भाग गई। वह वहीं खड़ा रहा और जैसे किसी सम्मोहन में हो, खु द से बातें करत रहा। 235

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 8.86% है ।

"मे री प्यारी मे ई मे ई, अब तक मैं ने तु म्हें वो सब बताने की हिम्मत नहीं की जो मे रे दिल को गहराई से छू रही है, लेकिन आज मु झमें हिम्मत आ गई है, और मैं बोलूं गा, चाहे मु झे अपनी गुस्ताखी की कीमत अपनी मौत से ही चु कानी पड़े। क्य तु म जनती हो कि मैं भी बीमर हूँ, तु म्हारी वजह से बीमार हूँ, और जब तक तु म ठीक नहीं हो जती, मैं ठीक नहीं होऊं गा। सपने में और जाते हुए, मैं हमे श सिर्फ तु म्हारे बरे में सोचता रहता हूँ..." "तु म पर बु री आत्माओं का साया है! जल्दी करो! वे तु म्हारा इं तज़र कर रही हैं!" पर्ल की आवाज़ से वह अपने ख्यालों से बहर आया। पर्ल उसके पीछे दौड़कर उसका भूला हुआ पं ख ले ने आई थी, और काफी दे र से बढ़ते आश्चर्य के सथ उसकी बातें सु न रही थी। अपने ख्यालों में खोए होने के कारण उसने पर्ल के आने पर ध्यान नहीं दिया था। "अरे, तु म हो" वह चौंककर बोला, पं ख उठाया और जल्दी से चला गया। पर्ल कु छ दे र तक सोच विचार करते हुए उसे दे खती रही। उसे स्पष्ट हो गया था कि उसने अभी-अभी जो प्रे म का इज़हार सु न था, वह के वल ब्लै क जे ड के बारे में ही हो सकता है। पर्ल, आगे चलकर उसका क्या होगा? जब वह सोच में डूबी खड़ी थी, तभी प्रेशियस क्लै स्प वहाँ आ गई।"चचे रा भाई पाओ यू क्य कर रहा है?" उसने नौकरानी को पु कारा। "मैं ने अभी-अभी उसे सज-धज कर पार्क के गे ट की ओर लं बे-लं बे कदम बढ़ाते हुए दे खा है।" "बू ढ़े गवर्नर ने उसे बुलवाया है।" "अरे बप रे, लगता है उसे फिर से पिता की डां ट पड़े गी। बेचारा लड़का!" "नहीं, ऐसा नहीं है। उसे एक मे हमान का स्वागत करना है।" "क्या लिटिल क्लाउड अं दर है?" "हाँ।" "वह क्या कर रही है?" "अरे, हम बस थोड़ी दे र बतें कर रहे थे।" "मु झे उस बेचारी लड़की के लिए अफ़सोस है। घर पर हालात ठीक नहीं हैं। उसने मु झे बताया कि वह अक्सर दे र रात तक कढ़ाई करती रहती है।" "अरे, मु झे भी अफ़सोस है। और, मैं बे वकूफ, अभी-अभी उससे हाथ से कढ़ाई की हुई चप्पलें माँ गने ही वाली थी।" मु झे आश्चर्य हुआ कि हाल ही में उसने मु झे कढ़ाई का एक आधा अधू रा टुकड़ा लौटा दिया - तितली के पैटर्न वाला कपड़ा - जिसे उसने मेरे लिए बनाने का वादा किया था। उसने यह कहकर बहाना बनाया कि वह अगली बार यहाँ आने पर इसे पूरा कर ले गी। इन परिस्थितियों में, ज़ाहिर है, उससे और कढ़ाई की उम्मीद नहीं की जा सकती। यह बहुत दुख की बात है; अब मु झे बिना चप्पलों के ही रहन पड़े गा।

"इतनी बु री बत नहीं है । मैं तु म्हे लिए एक जोड़ी बना दूं गी।" "सच में? ओह, यह तो बढ़िया है; तो मैं आज शम को ही कपड़ा ले आऊं गी"। जब वे बतें कर रही थीं तभी एक नौकरानी बहुत घबराई हुई सी आई और उन्हें पु कार कर बोली: "क्या आपको पता है कि गोल्ड रिंग कु एँ में कू द गई है और डूब गई है!" "लेकिन क्यों?" पर्ल ने भयभीत होकर पू छा 236

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 49.02% है ।

“अभी कु छ दिन पहले ही तई ताई चें ग ने उसे अचानक नौकरी से निकाल दिया और घर भे ज दिया, पता नहीं क्यों। वह इस बात को पचा नहीं पाई और सारा दिन घर पर बै ठकर रोती रही। फिर अचानक गायब हो गई। आखिर में जब वे कु एँ से पानी निकाल रहे थे, तब उन्हें उसका शव मिला। उन्होंने उसे होश में लाने की कोशिश की, लेकिन बहुत दे र हो चु की थी"। “ उसने खु द को क्यों डु बो लिया? यह अजीब है!” प्रेशियस क्लै स्प ने सोचते हुए कहा, जबकि पर्ल चु पचप सिर हिलाती और रोती रही। प्रेशियस क्लै स्प तु रं त आं टी चें ग के पास और जानकारी ले ने चली गई। उसने तई ताई को अकेले, रोते हुए पाया। वह बिना कु छ बोले उनके पास बै ठ गई। “ तु म कहाँ से आई हो?” आं टी चें ग ने पूछा। “पार्क से ।” “ क्या तु मने अपने चचे रे भाई भाओ यू को दे खा?” “हाँ, दूर से । वह मे हमनों के कपड़ों में था और जल्दी में लग रहा था।” “क्या तु मने सुना है कि गोल्ड रिंग ने कु एँ में डूबकर आत्महत्या कर ली है?” मै डम चें ग ने गहरी सं वेदना के साथ पू छा। “मैं ने सुना है । उसने ऐसा क्यों किया?” "हाल ही में उसने मे रे कमरे में कु छ तोड़ दिया था और मैं ने गु स्से में उसे निकाल दिया था। मे रा इरादा उसे कु छ दिनों में वापस बुलाने का था। किसने सोचा होगा कि वह इसे इतना दिल पर ले ले गी और तु रं त कु एँ में कूद जाएगी। मैं बहुत परे शान हूँ और खु द को बहुत कोस रही हूँ"। "आपको ऐसा नहीं करना चाहिए, प्यारी चाची," प्रेशियस क्लै स्प ने सांत्वना दे ते हुए कहा। "आखिरकार, आप हमे शा उसके प्रति इतनी अच्छी थीं! उसने निश्चित रूप से इस वजह से अपनी जान नहीं ली है । मु झे लगता है कि वह गलती से कु एँ में गिर गई होगी, लेकिन अगर उसने सचमु च इतनी छोटी सी बात पर खु द को कु एँ में फेंक दिया है, तो यह इतनी मूर्खतापूर्ण बात होगी कि किसी को भी उसके लिए दुख नहीं होना चाहिए।" "हो सकता है जै सा आप सोच रही हों। लेकिन फिर भी उसकी मृ त्यु से मु झे बहुत दुख हुआ है ।" "इसे इतना दिल पर मत लो! उसके रिश्ते दारों को थोड़ा मु आवजा भे ज दो। तब तु म अपना कर्तव्य पू रा कर लोगी और क्षतिपूर्ति कर दोगी, और एक मालकिन के रूप में अपने नौकर के प्रति अपने दायित्वों का पालन करोगी।" "मैं ने उसके परिवार को पचास ताएल भे ज दिए हैं । मैं उसे एक सुं दर अंतिम सं स्कार का वस्त्र दे ना चाहती थी और अपनी बे टी की अलमारी से कु छ ले ने का सोचा था, लेकिन उसने अपने सारे कपड़े एक बार पहन

लिए हैं । औरकिसी शव को पहना हुआ वस्त्र ताबू त में रखनारीति-रिवाजों के विरुद्ध है । अब मे रे पास एक दर्जी को घर बुलाने के अलावा कोई चारा नहीं है ।" "इतनी परे शनी क्यों? क्या पै से से सब ठीक नहीं हो जाएगा?" "नहीं, वह मरी हुई लड़की मु झे बहुत प्यारी थी - लगभग बे टी जै सी," आं टी चें ग ने गं भीर स्वर में कहाऔर फिर से रोनेलगीं। 237

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.09% है।

"अच्छा, तो मैं अपनी अलमारी से तुम्हारी मदद करती हूँ। मेरे पास दो कपड़े हैं जिन्हें मैंने शायद ही कभी पहना हो और जिनके बिना मेरा काम चल सकता है। ये कपड़े मरी हुई लड़की को दे दो। वो मेरे नाप की थी और अक्सर मेरे पुराने कपड़े पहनती थी।" "यह तो बहुत अच्छी बात है। लेकिन क्या तुम्हें डर नहीं लगता? तुम कहती हो कि तुमने खुद ये दोनों कपड़े पहन लिए हैं?" "अरे, मैं इन अंधविश्वासों की परवाह नहीं करती," प्रीवियस क्लैस्प ने खुशी से जवाब देते हुए जवब दिया। जब वह बाद में मरी हुई लड़की के लिए दो कपड़े लेकर आंटी चेंग के पास लौटी, तो उसने कमरे में पाओ यू को पया। वह रोता हुआ लग रहा था। उसके अंदर आते ही माँ और बेटे ने अपनी बात करना बंद कर दिया। प्रीवियस क्लैस्प को लगा कि वह जानती है कि वे किस बारे में बात कर रहे हैं; फिर भी उसने किसी को पता नहीं चलने दिया और चुपचाप दो कपड़े दे दिए जो आंटी चेंग ने बाद में गोल्डरिंग की माँ को भेंट किए। अध्याय 24 पतित संतन को पिता की मार का दर्द सहना पड़ता है। और इसलिए मैडम चेंग ने गोल्डरिंग की माँ को दो कफ़न, कई बकल और अंगूठियाँ दीं, और मृतक के लिए उनके खर्चे पर एक गंभीर शोक सभा आयोजित करने के लिए भिक्षुओं का एक दल भी उनके घर भेजा। गोल्ड रिंग की स्वेच्छा से मृत्यु की खबर सुनकर पाओ यू को ऐसा लगा जैसे उसकी पाँचों आँतें दर्द से फट गई हों। उसे अपनी माँ से कड़ी फटकार सुननी पड़ी। फिर जब प्रेशियस क्लैस्प आई तो वह जल्दी से चला गया और अपने माता-पिता की जागीर में इधर-उधर भटकने लगा, वह बहुत परेशान था। जब वह आहें भरते और सोचते हुए आँखें गड़ाए और हाथ पीठ पीछे रखे, रास्तों या आसपास के वातावरण पर ध्यान दिए बिना घूम रहा था, तभी अचानक उसकी मुलाकात बड़े स्वागत कक्ष के सामने बनी आत्मा की दीवार पर अपने पिता से हो गई। डरा हुआ, वह एक तरफ हट गया और अपने पिता के गुजरने का विनम्र भाव से इंतज़ार करने लगा। "तुम्हें आखिर क्या हुआ है?" श्री चेंग ने सख्ती से पूछा "अभी जब श्री युत्सुन आपसे मिलना चाहते थे, तो आपने हमें आधे दिन तक इंतज़ार करवाया। जब आप आख़िरकार आए, तो आप वहाँ उदासीन और बेपरवाह बैठे रहे और कुछ नहीं बोले। मैंने देखा कि आपके बुरे विचार कहीं और थे। और अब आप उदास चेहरे के साथ इधर-उधर भाग रहे हैं। इसका क्या मतलब है?" आम तौर पर पाओ यु के

पास बहाने ढूंढने की कोई कमी नहीं होती थी,लेकिन इस बार वह कु छ सोच नहीं प रहा था। बे चरी गोल्ड रिंग की दुखद कहानी ने उसे इतना झकझोर दिया था कि उसके लिए बाकी सब कु छ महत्वहीन हो गया था। वह तो यही चाहता था कि वह भी उसके सथ मर जाए। उसकी चु प्पी और उलझन भरे व्यवहार से नराज़ होकर श्री चें ग उस पर बरसने ही लगते थे ।

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.21% है।

जब एक नौकर आया और उसने बताया कि चुंग शुन के राजकुमर का एक प्रतिनिधि उससे बत करना चाहता है, तो चिया चेंग गुस्से से भड़क उठा "उसे स्वगत कक्ष में ले चलो!" उसने अपने नौकर को आदेश दिया, और साथ ही साथ खुद से बड़े आश्चर्य से पूछा कि राजकुमर, जिसे वह मुश्किल से जनता था, ने उससे मिलने के लिए दूत क्यों भेज। उसने पओ यू को वहीं खड़ छोड़ दिया और आगंतुक का अभिवादन करने के लिए जल्दी से चला गया। वह चुंग शुन के राजकुमर का महल अधीक्षक था। "मैं अपने स्वामी के आदेश पर आया हूँ," अधीक्षक ने बहुत औपचरिक ढंग से कहना शुरू किया। "राजकुमर एक विशेष मामले में आपके हस्तक्षेप का अनुरोध करते हैं, जिसका निपटारा उनके लिए बहुत महत्वपूर्ण है।" चिया चेंग विनम्रतापूर्वक खड़ा हो गया। "क्या मैं आपसे राजकुमर की इच्छा के बरे में जानकारी देने का अनुरोध कर सकता हूँ? मैं निराश नहीं करूँगा..." कई दिनों से मेरे स्वामी जी एक युव अभिनेत ची को ढूंढ रहे हैं जो युव नायिकाओं की भूमिका निभाता है और जिसे वे बहुत महत्व देते हैं तथा महल में प्रतिदिन देखने के आदी हैं। उसके ठिकाने के बारे में सभी जांच-पड़ताल व्यर्थ रही है, लेकिन दस में से आठ घरों में जहां भी लड़के के बारे में पूछताछ की गई, वहां एक ही जनकारी मिली, कि वह युव अभिनेत हाल ही में आपके आदरणीय पुत्र का घनिष्ठ मित्र था, वही पुत्र जो मुंह में हीरा लेकर पैदा हुआ था। चूंकि मैं बिना औपचारिकता के आपके आदरणीय घर में प्रवेश नहीं करना चाहता था, इसलिए मैंने सबसे पहले राजकुमर को सूचन दी। राजकुमर ने कहा कि वे आपके पुत्र को कोई भी अन्य अभिनेत देने को तैयर हैं, लेकिन यह युव ची, जो उन्हें हर तरह से प्रिय है और उनके लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, उसे वे किसी भी परिस्थिति में नहीं छोड़ सकते। इसलिए वे आपसे विनम्रतापूर्वक और तत्काल अनुरोध करते हैं कि आप अपने आदरणीय पुत्र को युवा ची को छोड़ने के लिए राजी करें। यदि आप कृपपूर्वक मेरी बत मान लें, तो इससे मेरे स्वामी जी को प्रसन्न करने में बहुत मदद मिलेगी और मुझे व्यक्तिगत रूप से आगे के तलाश उपायों को करने के कष्ट से मुक्ति मिल जाएगी। "उसकी विनती," अधीक्षक ने विनम्रतापूर्वक झुकते हुए कहा। श्री चेंग ने बिना देरी किए पाओ यू को बुलवाया। "अरे बदमश!" वह उस भोले-भाले लड़के पर भड़क उठे। "क्या इतना काफी नहीं कि

तु म घर पर आलसी हो और कु छ नहीं सीखते? क्या तु म्हें घर के बाहर भी ऐसे काम करने हैं जो स्वर्ग को भी ठेस पहुंचाते हैं? इस नौजवान ची को बहला-फुसलाकर उसके प्रतिष्ठित गुरु और संरक्षक, चुंग शुन के जकु मर से दूर ले जने का तु म्हारा क्या इरादा है? अब दुर्भाग्य आ गया है, और मु झे तु म्हारे इसघिनौने कामों का खामियाजा भु गतन पड़ेग!" "लेकिन मु झे इस सब के बारे में कु छ नहीं पता! मैं इस ची को बिल्कुल नहीं जानता," पाओ यू ने डरते हुए कहा। "बकवास मत करो, नौजवान!" अधीक्षक ने ठंडी मु स्कान के सथ कहा। "अगर तु मने उसे अपने कमरे में छिपाया है, तो कम से कम तु म्हें पता तो होगा कि वह कहां है। अगर तु म अपना मुंह खोल दो तो हम सबके लिए अच्छा होगा।" 239

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 98.99% है।

"मुझे सचमुच कुछ नहीं पता," पाओ यू ने दोहराया। "मुझ पर झूठा आरोप लगाया गया है।" "ओह, सच में? तो शायद मैं पूछ सकता हूँ कि युवची का लाल रेशमी रूमल आपकी कमर में कैसे आया, युवक?" पाओ यू के कान बजने लगे। सच में, उसने इस सबूत के बारे में सोचा भी नहीं था। अगर अधीक्षक को सचमुच इतनी निजी जानकारी थी, तो उसका इनकार व्यर्थ हो जाता। "जब आपको इतनी छोटी-छोटी बातों की जानकारी है, महोदय, तो मुझे आश्चर्य है कि युवची के हाल ही में पता बदलने की बात आपकी नज़र से कैसे छूट गई," उसने यथासंभव शांत भाव से कहा। "जहाँ तक मैंने सुना है, वह हाल ही में पूर्वी उपनगर में, शहर की दीवारों से बीस ली दूर बस गया है। उस इलाके का नाम 'लाल चंदन गढ़' या कुछ ऐसा ही है; कहा जाता है कि उसने वहाँ एक घर और ज़मीन का एक टुकड़ा खरीदा है।" अधीक्षक का चेहरा खिल उठा। "मैं ज़रा भी देर नहीं करूँगा, मैं तुरंत वहाँ जाकर अपनी तसल्ली करूँगा। अगर आपकी जानकारी सही निकली, तो मेरा काम हो गया। वरना मुझे आपको फिर से परेशान करना पड़ेगा।" इतना कहकर वह विदा हो गया। श्री चेंग उसे द्वार तक छोड़ने गए, लेकिन जाने से पहले उन्होंने अपने बेटे को सख्ती से कहा: "यहाँ से हिलना मत! मुझे तुमसे बाद में कुछ पूछना है।" द्वार पर श्री चेंग की मुलाकात अपने बेटे चिया हुआन से हुई, जो कई नौकरों के साथ बड़ी तेज़ी से भाग रहा था। "अरे! कहाँ जा रहे हो? इतनी जल्दी किस बात की? तुम तो डरे हुए घोड़े की तरह भाग रहे हो," श्री चेंग ने उसे पुकारा। "मैं अभी-अभी उस कुएँ से आया हूँ जिसमें हमारी बेचारी नौकरानी ने डूबकर जान दे दी। मैंने लाश देखी, सूजा हुआ सिर, फूले हुए अंग! उफ़! कितना भयानक मंजर था! मैं जितनी जल्दी हो सकता था भागा, बस वहाँ से तुरंत निकल जाने के लिए," चिया हुआन ने डर से काँपते हुए कहा। "क्या? एक नौकरानी ने डूबकर जान दे दी? ऐसा तो कभी सुना ही नहीं!" श्री चेइग अचंभित होकर चिल्लाए, "मेरे घर में नौकरों के साथ हमेशा न्याय और दयालुता से व्यवहार किया गया है। मेरे प्रतिष्ठित पूर्वजों के समय से ऐसी घटना कभी नहीं घटी। शायद मेरी अनुपस्थिति में मुख्य अधिकारियों ने अपने अधिकार का दुरुपयोग किया है। आख़िरकार, मैं सब कुछ अकेले नहीं संभाल सकता। लेकिन किसी भी हालत में इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना की खबर शहर तक नहीं पहुंचनी चाहिए। मेरे घर

की प्रतिष्ठा और सम्मान दांव पर है। और अब मुझे यह बताओ! तुम्हें क्या पता है कि यह सब कैसे हुआ?" और वे सख्ती से चिया हुआन की ओर मुड़े। लड़का घुटनों के बल गिर पड़ा। "घबराइए मत, पिताजी! इस कहानी के बारे में ताई ताई और उनके करीबी लोगों के अलावा किसी को नहीं पता," उसने कहना शुरू किया। "जैसा कि ताई ताई ने मुझे बताया..." वह रुक गया और चुपके से अपने चारों ओर देखने लगा। पास में मौजूद नौकर समझ गए और उचित दूरी पर हट गए। 240

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.82% है ।

“हाल ही में, जब ताई ताई सो रही थीं, तो भाई पाओ यू ने इसी गोल्ड रिंग को बहकाने की कोशिश की,” उसने फु सफुसाते हुए कहा। “ताई ताई ने उसे पीटकर सज़ा दी और फिर उसे निकाल दिया। इस सदमे से गोल्ड रिंग ने आत्महत्या कर ली।” उसकी बातों से चिया चें ग का चेहरा अचानक पीला पड़ गया। उसका रं ग सोने के कागज़ की तरह पीला हो गया। “जाग जाओ! लड़के को पकड़ो!” उसने अपने नौकरों को आदे श दिया और पु स्तकालय की ओर दौड़ा। वहाँ परिवार के कई मित्र उसका इं तज़ार कर रहे थे ।“ अगर तु ममें से किसी ने भी मु झे फिर कभी डाँ ट और नरमी बरतने के लिए मनाने की कोशिश की, तो मैं अपने सारे बल नोच लूँ गा, जो मु सीबतों और झुं झलाहट के बावजू द बचे हैं, अपने इस ने क बे टे को आपका पद, कमरबं द और सारा सामान दे दूँगा और मठ में चला जाऊँ गा!” वह चिल्लाया। “तब मु झे आखिरकार शांति मिले गी और मैं अपने उद्दं ड पु त्र के कारण अपने पूर्वजों के सामने शर्मिंदा नहीं होऊँ गा।” परिवार के दोस्तों को जब एहसास हुआ कि उसका क्रोध पाओ यू पर निर्देशित है, तो वे भय से मुँ ह ताकते रह गए और जल्द से जल्द वहां से हट जाना ही समझदारी समझा। कराहते और खर्राटे ले ते हुए चिया चें ग एक कुर्सी पर बै ठ गया। "लड़के को मे रे पास लाओ! उसे रस्सी से बांधो! भारी लाठी लाओ! दरवाजे बं द करो! किसी को भी, जान से मरने की सजा के डर से, महिलाओं के कमरों में जाकर यहां क्या हो रहा है, इसकी चु गली करने की हिम्मत नहीं होनी चाहिए!" इस तरह उसके कई आदे श ते जी से आते रहे । कई नौकर आज्ञाकारी होकर पाओ यू को लाने के लिए बड़े हॉल में गए। जब उसके पिता ने उसे कु छ दे र पहले ही आदे श दिया था कि वह जहां है वहीं रहे, तब तक पाओ यू को अपने ऊपर आने वाली विपत्ति का एहसास हो चु का था; लेकिन वह निश्चित रूप से यह अनु मान नहीं लगा सकता था कि इस बीच उसके सौतेले भाई की चु गली से उसकी स्थिति और भी बदतर हो गई थी। पीड़ादायक अनिश्चितता से व्याकुल होकर वह बड़े हॉल में बे चै नी से इधर-उधर चक्कर लगा रहा था। काश वह अपनी माँ या दादी को बता पाता! लेकिन कोई भी नौकर उसके पास नहीं आया। यहाँ तक कि उसका निजी नौकर, मिंग ये न भी कहीं नज़र नहीं आ रहा था। अं त में उसने एक बू ढ़ी नौकरानी को आँ गन पर करते दे खा। मानो उसे कोई अनमोल खजाना मिल गया हो, वह खु शी से उछल पड़ा

और उसे रोकलिया। "जल्दी करो! ताई ताई या बूढ़ी तई ताई के पस जाओ और उन्हें बतओ कि बूढ़ा गवर्नर मुझे पीटपीटकर मार डालने वला है! लेकिन जल्दी करो! मैं बहुत बड़े खतरे में!"हूँ उसने उससे कहा। दुर्भाग्य से, बूढ़ी नौकरानी को कम सुनई देत था और वह उसकी घबराहट में कही गई बातों का एक अंश ही समझ पई, और वह अंश भी उसने गलत समझा। "सबसे बड़ा खतरा" याओ चिन की जगह, उसने सोच कि वह कह रहा है तियाओ चिन, "कुएँ में कूद गई"। "उसे कुएँ में कूदने दो! तुम्हें इस बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है"।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.79% है ।

"हिसाब, नौजवान!" उसने मु स्कुराते हुए कहा। यह सु नकर पाओ यू को एहसास हुआ कि वह एक बहरे व्यक्ति से बात कर रहा है । वह हताश हो गया। "जाओ और मे रे नौकर को बुलाओ!" वह उस पर चिल्लाया। "अब भी क्यों उत्तेजित हो रहे हो? मृ त लड़की के परिवार को अच्छी खासी रकम मिल चु की है और मामला सुलझ गया है," नरमी से जवाब आया। पाओ यू बौखला गया। उसने अपने पै र पटके और बाहों से हवा में ऐसे हाथ-पै र मारे जै से किसी अदृश्य सहारे की तलाश कर रहा हो। लेकिन उसका उत्साह व्यर्थ था। अब उसने दूर से अपने पिता के नौकरों को आते दे खा। उसे जितनी जल्दी हो सके हॉल में वापस जाना था। नौकर उसे अपने बीच में ले कर चिया चें ग के पु स्तकालय में ले गए। उसके पिता के विकृ त चे हरे, घू मती हुई आँ खें और लाल पलकें अशु भ सं के त दे रही थीं। श्री चें ग ने लंबे समय तक जाँच-पड़ताल करने में समय बर्बाद नहीं किया। उन्होंने गु स्से में फु फकारते हुए कहा, "आवारा! भिखारी!" "बहकाने वाला!" और फिर संक्षिप्त आदे श आया। "उसे पीट-पीटकर मार डालो!" और जल्द ही उन्होंने उसे एक बें च से बांध दिया और भारी बां स की छड़ी से उसे पीटना शु रु कर दिया। श्री चें ग को लगा कि जिस नौकर को उन्होंने पीटने का आदे श दिया था, वह बहुत नरमी बरत रहा है । उन्होंने गु स्से में पै र पटके, नौकर के हाथ से छड़ी छीन ली और अपने पिता समान क्रोध के शिकार को पू री ताकत से तब तक पीटते रहे जब तक कि उनकी सां स फूलने लगी और वे और नहीं पीट सके । लाड़ले पाओ यू ने अपने जीवन में कभी ऐसा अनु भव नहीं सहा था। दर्द से उनकी पहली चीखें जल्द ही उनके सीने में एक धीमी घरघराहट में बदल गईं क्योंकि उनकी सां सें कमजोर होती गईं और थोड़ी दे र बाद उनके होंठों से कोई आवाज नहीं निकली। वह बे होश हो गए थे । नौकरों और परिवार के कु छ दोस्तों, जो पीछे रह गए थे, दया से भर कर उनके लिए हस्तक्षे प करने की कोशिश की; श्री चें ग टस से मस नहीं हुए। "उससे पू छो कि उसने क्या किया है, और फिर खु द फै सला करो कि यहाँ नरमी बरतने की जरूरत है या नहीं," वे आपा खो बै ठे और चिल्लाए। "पहले मैं अफसोस, मैं अक्सर नरमी और सहानु भूति दिखाने के लिए राजी हो जाता हूँ । अब आप दे ख सकते हैं कि इसका क्या नतीजा निकला है । अगर मैं ने उसे इस बार फिर छोड़ दिया, तो अगली बात यह हो सकती है कि वह अपने ही पिता का हत्यारा बन जाए!”

आस-पास खड़े लोग सन्नाटे में खड़े रहे और चुपके से चीलमाओं के कमरे में संदेशा भेजा। कुछ ही देर में मैडम चेंग वहाँ आ गईं। भयवह खबर सुनकर वह बड़ी जल्दी में दौड़कर आईं, उनके सथ केवल एक नौकरानी थी। जब वह पहुँचीं तो श्री चेंग कोड़े मारना जारी रखने वले थे, जिसे उन्होंने केवल साँसले ने के लिए रोका था। उनके आने से उन पर आग में घी डालने जैसा असर हुआ और उनके वर अब पहले से भी ज़्यादा तेज़ी से और ज़ोर से पड़ने लगे। डरी हुई तई ताई ने खुद को उनके समने फेंकने की कोशिश की। "मुझसे दूर हटो!" वह गुस्से में चिल्लाया। "हद हो चुकी है। आज उसे मरन ही होगा!" 242

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 8.47% है।

“उसे मरने दो। लेकिन क्या तुम उस बूढ़ी ताई के बारे में ज़रा भी सोचते हो?” उसकी पत्नी विलाप करते हुए बोली। “वैसे भी, गर्मी के कारण उसकी तबीयत ठीक नहीं है। उसके पोते की मौत उसे पूरी तरह तोड़ देगी।” “चिंता मत करो! इस बिगड़े हुए बच्चे को जन्म देने और पालने-पोसने में मैं अपने कर्तव्य में पूरी तरह विफल रहा हूँ। अफसोस, मैं हमेशा अतीत में तुम्हारी बातों में आकर उसे यह लंबे समय से अपेक्षित दंड देने से बचता रहा। लेकिन आज इसका अंत होगा। यह बेहतर है कि वह जवान कमीना अभी अपनी आखिरी सांस ले ले, बजाय इसके कि वह बाद में और भी बड़ा नुकसान करने के लिए जीवित रहे।” ये शब्द कहते हुए वह उस लड़के की ओर दौड़ा, जो वहाँ मृत समान पड़ा था, और उसे उस रस्सी के खुले सिरे से गला घोंटने का इरादा रखता था जिससे वह बेंच से बंधा हुआ था। मैडम चेंग चीखते हुए उसकी बाहों में गिर पड़ीं और बोलीं, "अगर तुम सचमुच उसे मरने वाले हो, तो रस्सी लो और पहले मेरा गला घोंट दो। मैं पचास साल से ज़्यादा की हो चुकी हूँ और वह मेरा इकलौता बेटा है। मुझे दूसरे की उम्मीद नहीं है। मुझे उसके साथ ही मरने दो, ताकि परलोक में कम से कम मुझे एक बेटे का सहारा और देखभाल तो मिले!" और वह सिसकते हुए पाओ यू के शरीर पर गिर पड़ीं। चिया चेंग आह भरकर कुर्सी पर बैठ गया और अपनी भावनाओं को छिपाने के लिए अपनी आँखें ढँक लीं। माँ ने जब पाओ यू के शरीर को गले लगाया, तो उसने देखा कि उसकी हरी रेशमी कमीज़ खून से लथपथ थी। उसने अपना रुमाल निकाला और कोमलता से उसकी जंघों और पूरे नितंबों पर लगे खून के निशानों को पोंछा। इससे उसे अपने पहले बेटे चिया चू की याद आ गई, जिसकी कम उम्र में ही मृत्यु हो गई थी, और ज़ोर-ज़ोर से विलाप करते हुए वह रोई, "मेरे बेटे चिया चू, मैं तुम्हें ज़िंदा पाने के लिए सौ और बेटों को कुर्बान कर देती। तुमने मुझे क्यों छोड़ दिया?" इसी बीच घटना की खबर बाकी महिलाओं के कमरों में भी फैल गई, और अब बाकी महिलाएं एक-एक करके जल्दी-जल्दी आने लगीं - विधवा चू, फीनिक्स और तीनों स्प्रिंग गर्ल्स। अपने दिवंगत पति का जिक्र सुनते ही विधवा चू स्वाभाविक रूप से जोर-जोर से विलाप करने लगीं। महिलाओं का यह दोहरा विलाप चिया चेंग के लिए असहनीय हो गया, और वह भी फूट-फूटकर रोने लगा। जब चारों ओर आंसू बह रहे थे, तभी एक नौकरानी आई

और बोली: "बू ढ़ी तई ताई आ रही हैं ।" बाहर कई कदमों की आहट सु नई दी, और फिर खुली खिड़की से बू ढ़ी तई ताई की आवाज आई: "पहले मु झे मार डाले और फिर लड़के को, कम से कम इससे काम तमाम हो जाएगा!" चिया चें ग बहुत घबराकर बाहर भागा, और दहलीज पर उस बू ढ़ी महिला का स्वागत करने के लिए पहुं च जो हां फती-कां पती हुई, दो नौकरानियों के सहारे और कई नौकरानियों के साथ अं दर आई थी। "मे री माँ को इस भीषण गर्मी में बाहर खुली हवा में आने की क्या ज़रूरत है? अगर उसे अपने बे टे से कु छ कहना है तो वह उसे अपने पास क्यों नहीं बुलाती?" चिया चें ग ने विनम्रतापूर्वक झुकते हुए पू छा। बू ढ़ी तई ताई वहीं खड़ी रही, 243

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.10% है ।

सां सले ने के लिए रुककर, उसने बड़ी मुश्किल से कहा: "मु झे कु छ कहना था, लेकिन अफसोस, मु झे एक अच्छे बे टे होने का सौभाग्य नहीं मिला, इसलिए मैं नहीं जनता कि मैं किससे अपने मन की बात कहूँ ।" चिया चें ग तु रं त घु टनों के बल गिर पड़ा। "माँ, आपकी फटकार से मु झे बहुत दुख हुआ है । मैं ने तो बस अपने बे टे को सबक सिखाया है । यह मेरा कर्तव्य था अपने गौरवशली पूर्वजों की याद में ।" "सचमु च? पीट-पीटकर मार डालना - क्या तु म इसे सबक कहते हो? क्या तु म्हारे पिता ने कभी तु म्हें ऐसे सबक सिखाए थे?" वह आगे बोल नहीं सकी; वह बहुत रो रही थी। "माँ, इसे इतन दिल पर मत लो! मैं मनता हूँ कि मैं गु स्से में बह गया था; मैं उसे फिर कभी नहीं मारूं ग," उसने उसे शांत करने की कोशिश करते हुए कहा। पूर्वज ने फीकी हं सी हं सी"।अरे, मे री वजह से खु द को मत रोकिए! आखिर वो आपका बे टा है । आप उसके साथ जितना चाहें उतन बु रा बर्ताव कीजिए! लेकिन सच में, अगर हम औरतें इन हालातों में घर छोड़न चाहें तो आप हमें दोष नहीं दे सकतीं। शांति के लिए यही बे हतर है "। उन्होंने अपने दल को बड़ी पालकी तै यर करने का आदे श दिया। "मैं तई ताई और अपने पोते के साथ तु रं त दक्षिणी राजधानी जाना चाहती हूँ," उन्होंने सं क्षे प में और दृढ़ता से कहा। "लेकिन, माँ, आप ऐसा नहीं करें गी मैं बहुत परे शान हूँ!" चिया चें ग ने अचंभित होकर कहा। "मे रा जाना ही बे हतर है, फिर आपको शांति मिले गी और किसी की बातों में आकर आप अपना इरादा नहीं बदल पाएँ गे" पूर्वज ने दृढ़त से कहा। और एक बार फिर उन्होंने अपने दल को जल्दी से समान पै क करने और गाड़ियाँ व पलकी तै यर करने का आदे श दिया। चिया चें ग ने निराशा में अपन माथा ज़मीन पर पटक दिया और अपनी गलती स्वीकार की, लेकिन पूर्वज ने उसकी ओर ध्यन नहीं दिया। अपने पोते की दयनीय हालत पर उसका सारा ध्यान केंद्रित हो गया और वह फिर से फूट-फूट कर रोने लगी। मै डम चें ग और फीनिक्स ने मिलकर धीरे-धीरे उसे शां त किया। अब कई नौकरानियाँ और नौकरानियाँ पओ यू को उठाने की कोशिश करने लगीं। "अरे मूर्खों, अपनी आँ खें खोलो!" फीनिक्स ने डाँ टा। "क्या तु म्हें नहीं दिख रहा कि वह इस हालत में चल नहीं सकता? जल्दी से एक स्ट्रे चर लाओ!" इसके बद, वे पओ यू को स्ट्रे चर पर उठाकर पूर्वज के घर ले गईं। चिया चें ग भी उसके साथ चल रही महिलाओं के जुलू स में शमिल हो गया। रास्ते में

उसे अपनी पत्नी का लगातार विलाप सुनना पड़ा, जिसने उसकी आत्मा को झकझोर दिया और अंततः उसके गुस्से के बचे-खुचे अंश को शांत कर दिया। उसे एहसास हुआ कि वह हद से ज्यादा बोल गया था और उसने एक बार फिर पूर्वज को समझाने की कोशिश की। "बेचारे लड़के के साथ इतना बुरा बर्ताव करने से पहले तुम्हें मेरे बारे में सोचना चाहिए था! तुम बुरे बेटे हो। तुम्हें क्या चाहिए? क्या तुम्हें 244 चाहिए?"

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 8.89% है।

उसकी मृत्यु को देखने का और भी आनंद? दफ़ा हो जाओ यहाँ से "मैं तुम्हें देखना नहीं चाहती!" उसने गुस्से से उसे रोक दिया। चिया चेंग व्याकुल होकर चुपके से चला गया। इसी बीच आंटी ह्सु एह, प्रेशियस क्लैस्प, लोटस, ब्लैक जेड और सभी भी वहाँ पहुँच गईं। वे सभी उस पीड़ित लड़के के चरों ओर जमा हो गईं और उसके जलते हुए घवों को धोने और अपने पंखों से उसे ठंडा करने में मदद की। लेकिन पर्ल दुर्व्यवहार का कारण जानने के लिए उत्सुक थी, इसलिए वह बाहर गई और पाओ यू के नौकर मिंग येन को ढूंढने लगी। "तुमने ग्रैंड ताई और बूढ़े ग्रैंड ताई को समय पर क्यों नहीं बताया?" उसने उससे फटकारते हुए पूछा। "मैं बस संयोग से उनके साथ नहीं था और मुझे इसके बरे में तब पता चला जब वे हॉर्गिंग के बीच में थे," मिंग येन ने कहा। "सज़ा के दो कारण थे - अभिनेत ची का मामला और गोल्ड रिंग की आत्महत्या।" "बूढ़े मालिक को इन बातों का कैसे पता चला?" "ह्सु एह पन युव ची से ईर्ष्या करती थी और ईर्ष्या के कारण उसने पओ यू के साथ उसके संबंध की कहानी फैला दी।" यू कस्बे से गुज़रा, और इस तरह आग फैलती चली गई जब तक कि वह बूढ़े मालिक तक नहीं पहुँच गई। और जहाँ तक गोल्डरिंग की बात है, लगता है चिया हुआन ने कानाफूसी की है। कम से कम मैंने तो यही सुना कि कोड़े मरने से ठीक पहले वह बूढ़े सज्जन के पस दौड़ा और चुपके से उनके कान में कुछ फुसफुसाया। पर्ल ने इन बतों को अपने दिल में संजोकर रखा और अपने स्वमी की देखभल करने के लिए उनके बिस्तर के पस लौट आई। अध्याय 25 बेगोनिया क्लब की बैठक क्लियर ऑटम वेदर के आश्रम में होती है। राजकुमरी पूर्वज डिलाइटफुल विज़न पार्क में देश से आई धर्ममाता का स्वागत करती हैं। पओ यू को उनके कष्टों में उनकी दो चचेरी बहनों, प्रेशियस क्लैस्प और ब्लैक जेड की मार्मिक सहानुभूति से सांत्वन मिली। प्रेशियस क्लैस्प स्वयं उनके लिए एक उपचारक पाउडर लाईं जिसे पर्ल को शराब में घोलकर घावों पर लगाना पड़ा। और जब शाम होते-होते वह हल्की नींद से जगा, अभी भी चुपचप रो रहा था, तो उसने ब्लैक जेड को अपने बिस्तर के पस बैठा पाया और उसे वदा करना पड़ा कि वह ठीक हो जाएगा। उसके दिल में और भी बहुत सी बतें थीं जो वह उससे कहना चाहती थी, लेकिन दुर्भाग्य से फीनिक्स और मैडम चेंग के दखल से उनका थोड़ा सा समय बर्बाद हो गया,

जिनके समने ब्लैक जेड तुरंत गाया। उसके जने के कुछ ही देर बाद पाओयू फिर से सो गया। जब वह दोबारा जागा तो पर्ल ने उसके सामने जैतून और गुलाब के अर्क से भरी दो बोतलें रख दीं, जो उसकी समर्पित माँ ने 245 के लिए छोड़ी थीं।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 99.03% है ।

उसे शक्ति दो। पाओ यू ने हल्के सु गंधित पे य को बड़े चाव से पिया; फिर उसे ब्लै क जे ड की याद आई। उसे उसकी बहुत यद आ रही थी और वह उससे हर हाल में मिलना चाहता था, लेकिन पर्ल की मौजू दगी असुविधाजनक होती। इसलिए, कीमती कुं ड से एक किताब लाने के बहाने, उसने पहले पर्ल को रास्ते से हटाया। फिर उसने नौकरानी ब्राइट क्लाउड को बुलाया। "मिस लिंग के पास जाओ और दे खो कि वह क्या कर रही हैं!" उसने उसे आदे श दिया। "अगर वह मु झसे पू छें कि मैं कै सी हूँ, तो कहना कि मैं ठीक हूँ "। "लेकिन मैं बिना किसी बहाने के ऐसे ही उनके पास नहीं जा सकती," ब्राइट क्लाउड ने आपत्ति जताई। "क्या तु म्हारे पस उनके लिए कोई सं दे श नहीं है?" "मु झे कु छ सू झ नहीं रहा" "ठीक है, मु झे उनसे कु छ पू छने दो उसके लिए कु छ ले जने दो।फिर बात बन जाएगी।" पाओ यू ने इस पर विचार किया। फिर उसने पस पड़े दो रुमल उठाए और उसे दे दिए। "लो। मे री तरफ से ये दो रुमल उन्हें दे दो" "इन दो रुमालों का वो क्या करे गी, जो अब नए नहीं रहे? वो गु स्स हो जाएगी और सोचे गी कि तु म उसका मज़ाक उड़ाना चाहते हो," ब्राइट क्लाउड ने सं दे ह से कहा "चिंता मत करो! उसे अच्छी तरह पत होगा कि क्या सोचना है," पाओ यू ने मु स्कुराते हुए उसे आश्वस्त किया। तो ब्राइट क्लाउड ने दोनों रुमल लिए और बां स के आश्रम की ओर दौड़ पड़ी। ब्लै क जे ड घोर अं धे रे में लेटी हुई थी, उसे रोशन करने के लिए कोई दीपक नहीं था। ब्राइट क्लाउड को उसके शयनकक्ष में ले जया गया जहाँ वो अपने बिस्तर पर ले टी हुई उदस होकर दिवास्वप्न दे ख रही थी। " कौन है?" उसने पू छा "मैं हूँ ब्राइट क्लाउड।" "तु म्हें क्या चाहिए?" "छोटे मलिक ने तु म्हें ये दो रुमल भे जे हैं"। मैं इनका क्या करूँ? ब्लै क जे ड ने मन ही मन सोचा, अचंभित होकर। "उन्हें रखने दो या किसी और को दे दो," उसने ज़ोर से कहा "मु झे नए फैं सी रुमलों की कोई ज़रूरत नहीं है ।" " ये नए नहीं हैं बल्कि रोज़ इस्ते मल होने वले हैं "। ब्लै क जे ड और भी ज़्यदा उलझन में थी, वह कु छ दे र सोचती रही कि इस अजीब उपहार का क्या कारण हो सकता है, और फिर अचानक उसे समझ आ गय। "कोई बात नहीं; इन्हें यहीं छोड़ दो" उसने धीरे से कहा ब्राइट क्लाउड ने उन्हें नीचे रख दिया और चली गई। उसके जने के बद ब्लै क जे ड ने दीपक जलाने का आदे श दिया, स्याही के पत्थर पर थोड़ी चीनी स्यही पीसी, अपनी ब्रश को उसमें

डुबोया, और सादे रूमलों पर तीन तात्कालिक चौपाइयाँ लिखीं जिनमें उसनेबिना किसी झिझक या सं कोच के अपने अकेलेपन और कुंवारीपन की गु प्त इच्छाओं को व्यक्त किया। 246

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 8.95% है ।

रचना और ले खन के जोश में वह तीव्र उत्ते जना से भर उठी, उसका चे हरा लाल हो गया और पू रा शरीर दमक उठा। वह उठी और दर्पण के समने खड़ी हो गई, सू ती पर्दा हटाया और चमकते हुए दर्पण में खु द को दे खा। उसके गलों का आड़ू के फूल जै स लाल रं ग उसे भयभीत कर गया। क्या यह के वल उसकी बीमारी के कारण था? वह फिर ले ट गई, दीपक बु झाया और सो गई, लेकिन उसके विचार अब भी उन दो रुमालों पर टिके हुए थे जिन्हें उसने अपने हाथ में थम रखा था। अगली सु बह, लालसा से प्रेरित होकर, ब्लै क जे ड बहुत जल्दी बे ल्सिया आं गन में चली गई और शाखाओं और झाड़ियों के पीछे छिपकर दूर से वहाँ आने-जाने वलों को दे खती रही। उसने तीन वसं त कन्यओं और विधवा चू को मिलने आते दे खा, और बाद में, एक बड़े दल के सथ, ताई ताई और फीनिक्स की बां ह पर झुकी हुई बू ढ़ी तई को दे ख; और उनके बद राजकु मरी शीह और चचे री बहन प्रेशियस क्लै स्प के साथ चाची ह्सु एह को दे खा। और वह मन ही मन सोच रही थी कि पाओ यू कितना भाग्यशाली है कि उसके इतने सारे रिश्ते दार उसकी परवाह करते हैं; और उसे खु द पर तरस आ रहा था, बे चरी अनाथ। इस तरह वह काफी दे र तक अपनी गु प्त चौकी से जासू सी करती और दे खती रही, जब तक कि उसकी नौकरानी कु कू ने उसे ढूं ढ नहीं लिया। "आइए, अपनी दवा पी लीजिए, और इसे ठं डा मत होने दीजिए!" नौकरानी ने उसे चेतावनी दी। "अरे, अभी काफी समय है । वै से भी, इससे आपको कोई फर्क नहीं पड़ता कि मैं दव लू ं या नहीं।" "लेकिन आपको अपनी खां सी से छुटकारा पाना होगा! बे शक, हम पां चवें महीने में हैं और अभी गर्मी के बीच में हैं, लेकिन इसके बवजू द आपको सर्दी लगने से सावधान रहना चाहिए। सु बह-सु बह गीली घास पर इस तरह खड़े रहन वाकई नासमझी है । आइए, थोड़ी दे र ले ट जइए!" ब्लै क जे ड ने अनिच्छा से उसकी सलाह मानी और उसकी बां ह का सहारा ले कर धीरे-धीरे बं स के आश्रम में लौट गई। सामने के बगीचे से गु ज़रते हुए, जहाँ बँ स की डालियाँ हरी काई वाली ज़मीन पर कभी गहरी, कभी हल्की छाया डाल रही थीं, उसे अनयास ही "द प्ले ऑफ़ द वे स्टर्न पवेलियन" के उस अं श की याद आ गई, जिसमें कबू तरों के निशान वाली नीली काई से सजे एक छिपे हुए छोटे से मैन्दर का वर्णन है । और एक आह भरकर उसने खु द की तुलना उस प्रसिद्ध नाटक की नायिका से की। यह सच है कि

वह भी दुखी थी, लेकिन कम से कम उसके पास उसकी माँ और एक छोटा भाई तो था; जबकि मैं, अभागी, न तो उसके पास है और न ही उसके पास। इस तरह वह उदास मन से सोच रही थी। बरामदे में उसके तोते की आवाज़, जो अपने पंख फड़फड़ाते हुए और खुशी से चीखते हुए उसके कंधे पर आ बैठा, ने उसे उसकी सोच से चौंका दिया। "चुप रहो तुम मुझे इतना डरा रहे हो कि मेरी जान निकल रही है और मेरे बालों में धूल भर रहे हो" उसने उससे कहा। तोता शान से वापस अपने ठिकाने पर उड़ गया और चीखा: "जल्दी से पर्दा उठाओ, स्नोगूज़* युवती आ गई है" ब्लैक जेड उसके सामने खड़ी हुई, उसके बैठने की जगह पर थपथपाया और पूछा: "क्या तुमने आज ठीक से खाना-पीना किया है?" 247

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 8.87% है।

तोते ने गहरी आह भरी, ठीक उसी स्वर में जो उसने अपनी मालकिन से सुनकर सीखा था, और फिर बोला: "आज मैं फूलों की पंखुड़ियाँ दफ़न रहा हूँ; वे मेरी मूर्खता पर हँस रहे हैं। जब मैं मरूँगा, तो मेरी कब्र की देखभाल कौन करेगा?" दासी कोयल ज़ोर से हँस पड़ी। "ज़रा सुनो, इसने तुम्हारे ही शब्द कितनी अच्छी तरह याद कर लिए हैं, मालकिन!" वह चिल्लाई। काली जेड ने उसे तोते का डंडा नीचे उतरने और उसे चाँद वाली खिड़की के सामने एक कील पर टांगने को कहा। फिर वह अंदर गई, अपनी दवा ली और खिड़की के पास बैठ गई। वह वहाँ काफी देर तक बैठी रही, बाहर बाँस की शाखाओं से कमरे में आती ठंडी छायाओं को देखती रही, जो फर्श और बेंत के फर्नीचर पर नीले-हरे धब्बे बना रही थीं, और अपने उदास विचारों में डूबी रही। बीच-बीच में, समय बिताने के लिए, वह अपने तोते से बातें करती, उसे चिढ़ाती, छेड़ती और उसे अपनी कोई पसंदीदा कविता बार-बार सुनाती। चारों ओर से मिल रहे स्नेहपूर्ण देखभाल के कारण पाओ यू के स्वास्थ्य में तेजी से सुधार हुआ। पिता द्वारा उसके साथ और दुर्व्यवहार से बचने के लिए, उसकी दादी ने निर्देश दिए कि जब भी श्री चेंग अपने पुत्र से मिलना चाहें, चाहे वह उसकी जांच के लिए हो या उसे विशिष्ट अतिथियों से मिलवाने के लिए, उन्हें तुरंत सूचित किया जाए। फिर नौकरों को उनकी ओर से श्री चेंग को यह संदेश देना था कि पाओ यू को अभी भी तत्काल देखभाल की आवश्यकता है और वह मिलने के लिए उपयुक्त नहीं है। दादी के निर्देशों के बारे में सुनकर पाओ यू बहुत प्रसन्न हुआ, क्योंकि गंभीर पुरुषों के साथ ये औपचारिक बातचीत, ये गंभीर रस्में और अपने सबसे अच्छे कपड़े पहनने की यह झंझट उसे अत्यंत अप्रिय लगती थी। और यह तथ्य कि वह फिलहाल उस कठोर बूढ़े सज्जन के पास हर सुबह और शाम जाने के डरावने दौर से मुक्त हो जाएगा, उसे बहुत राहत मिली। अब हर सुबह उसे केवल अपनी माँ और दादी के पास जाकर उनके स्वास्थ्य के बारे में विनम्रतापूर्वक पूछना होता था। फिर, दिन के शेष समय में, वह अपनी इच्छानुसार कुछ भी कर सकता था और व्यवहार कर सकता था। वह अपने मनपसंद कपड़ों और प्रेम-संबंधी इच्छाओं का पालन कर सकता था और अपनी चचेरी बहनों और नौकरानियों के साथ जी भर कर आनंद ले सकता था। कभी-कभी प्रेशियस क्लैस्प या ब्लैक जेड को उसके फिजूलखर्ची भरे जीवन के लिए

उसे डांटने और उसे गंभीर प्रयास करने के लिए प्रेरित करने की आवश्यकत महसूस होती थी। लेकिन तब वह क्रोधित हो जाता और उत्तर देता: "यह दुख की बात है कि इस दुर्भाग्यपूर्ण घर में लड़कियों के कमरों का शुद्ध, आनंदमय वतावरण भी पुरुषों की गंदी, बदमिजाज गपशप से खराब हो गया है! मैं पद, गरिमा, राज्य और प्रसिद्धि जैसे थकाऊ शब्दों के बरे में कुछ भी नहीं सुनना चाहता! ये उबऊ चीजें बहुत पहले पद के लालची और विद्वान लोगों द्वारा ईजाद की गई थीं।"

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 8.78% है ।

मूर्ख, असभ्य पुरुषों को उनकी औकात में रखने के लिए। तुम जैसी कोमल, भोली लड़कियों का ऐसी नीरस चीजों से क्या लेन-देन? "यह कृतघ्नता है और उस दयालु प्रकृति के विरुद्ध अपराध है जिसने तुम्हें और भी सुंदर उद्देश्यों के लिए बनाया है, यदि तुम इन घृणित चीजों में लगे रहो।" अंत में, उसके चचेरे भाइयों या दासियों में से किसी ने भी उसे नसीहत या सुझाव देने की हिम्मत नहीं की। यही वह बात थी जिसकी वह काली जेड में इतनी सराहना करता था - कि उसने हमेशा चतुराई से उसके पेशे, भविष्य या ऐसे संसारिक मामलों के बारे में किसी भी अप्रिय प्रश्न से उसे बचा लिया था। इस प्रकार पाओ यू के कई महीने सुखद दिनचर्या और आनंदमय संगति में, आनंददायक खेल और रमणीय दृष्टि के पर्क में उत्साहपूर्वक कविता रचना करते हुए बीत गए। उसका जीवन और भी सुखद और चिंतामुक्त हो गया क्योंकि उसके पिता को मुख्य मजिस्ट्रेट के रूप में एक दूर के प्रांत में बुलाया गया था। एक दिन पाओ यू को अपनी सौतेली बहन, वसंत का स्वाद, से एक कविता मंडली के गठन में भाग लेने के लिए एक लिखित निमंत्रण मिला। वह नियत समय पर उसके निवास, स्पष्ट शरद ऋतु के आश्रम के लिए रवाना हुआ, जहाँ उसने सभी चचेरे भाइयों को पहले से ही एकत्रित पाया। प्रस्ताव के प्रति सर्वसम्मति से उत्साह था, और प्रत्येक माह की दूसरी और सोलहवीं तिथि को काव्य सभा आयोजित करने का निर्णय लिया गया। प्रत्येक सदस्य बारी-बारी से मेज़बान बनेगा और अन्य सदस्यों का शराब और हल्के जलपान से स्वागत करेगा। विधवा चू, जो अपने सरल और व्यावहारिक स्वभाव के कारण काव्य रचना के लिए उपयुक्त नहीं थीं, को क्लब के व्यवसायिक प्रबंधन का कार्यभार सौंपा गया। वसंत का अभिवादन, जो सुलेख में निपुण थीं, को क्लब के अभिलेखागार के लिए सभी पूर्ण रचनाओं की साफ-सुथरी प्रतियां बनाने का कार्य दिया गया। वसंत के शोक को तुकबंदी में उनकी निपुणता के कारण तुकबंदी निर्णायक नियुक्त किया गया। प्रत्येक सदस्य को एक साहित्यिक क्लब का नाम दिया गया, जो कभी-कभी उस स्थान के नाम से लिया जाता था जहां सदस्य रहता था। क्लब का नाम हाई तांग, या बेगोनिया क्लब रखा गया, जो उस दिन संयोगवश पाओ यू को उपहार में मिले सफेद बेगोनिया के दो गमलों के सम्मान में था। बेगोनिया इस स्थापना सभा में पहली रचना का

विषय भी था, क्योंकि ब्लैक जेड ने जोर देकर कहा कि क्लब को तुरंत अपनी गतिविधियां शुरू करनी चाहिए। इस अवसर पर क्लब के अध्यक्ष, विधवा चू ने अपनी कविता में प्रकट हुई गहरी भावनाओं के लिए प्रेशियस क्लैस्प को प्रथम पुरस्कार दिया। इस पर राय बंटी हुई थी। अन्य सदस्य ब्लैक जेड को उनकी रचना की पूर्णता के कारण प्रथम पुरस्कार देन चाहते थे। अगली बैठक में सबसे छोटी सदस्य, लिटिल क्लाउड, को मेज़बान की भूमिका निभानी थी। पाओ यू के कहने पर, पूर्वज ने उन्हें एक बार फिर लंबी यात्रा पर आमंत्रित किया था और वे प्रेशियस क्लैस्प के साथ रह रही थीं। प्रेशियस क्लैस्प249

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.95% है ।

उसने बहन की तरह मे हमानवाज़ी की ज़िम्मे दारियाँ बँटीं और अपने खर्च पर मे ज़ पर कु छ टोकरियाँ सजाईं जिनमें बे शकीमती के कड़े , थे भले ही वे बहुत महंगे न हों। इसबार का विषय गुलदाउदी था और इसे बरह रूपों में प्रस्तु त किया जाना था। स्वाभाविक रूप से, पहला उपविषय चु न गया जिसका आदर्श वाक्य था: "कोई गुलदाउदी के बरे में सोचता है," फिर "कोई गुलदाउदी की तलाश करता है," "कोई गुलदाउदी लगाता है," "फूल का आनंदमय अवलोकन," "फूलदान में गुलदाउदी," "गीतों में गुलदाउदी," "चित्रों में गुलदाउदी," "गुलदाउदी से प्रश्न," "गुलदाउदी को धन्यवाद," "छाँव में गुलदाउदी," और अंत में "जब गुलदाउदी सपने दे खती है" और "जब गुलदाउदी मर जाती है ।" लिटिल क्लाउड ने बरह विषयों की सू ची बगीचे की दीवार पर टांग दी, और प्रत्ये क सदस्य को अपनी पसंद के अनुसार एक या अने क विषय चु नने की अनुमति दी गई। रचनाएँ जम करने औरस्प्रिंग ग्रीटिंग द्वारा उनकी साफ-सु थरी प्रतियाँ तै यार करने के बद, विधवा चू ने उनकी गहन जाँच की। उन्होंने योग्यता के आधर पर तीन सर्वश्रे ष्ठ रचनओं के रूप में "गीत गाते गुलदाउदी", "गुलदाउदी से प्रश्न" और "जब गुलदाउदी सपने दे खती है" को चु न। तीनों रचनाओं की लेखिका बैं बू हर्मिटे ज की राजकु मरी घोषित की गई। यह ब्लै क जे ड क्लब का नाम था। संयोग से, उसी दिन गाँव से गॉडमदर लियू यु ंगकु ओ महल में दर्शन के लिए आईं। वह ऊर्जावान वृ द्ध महिला मै डम चें ग की दूर की रिश्ते दार थीं और तीन साल पहले भी एक बर यहाँ आ चु की थीं। वह अपने साथ उपहार के रूप में खजू र, खरबू जे, लौकी और अन्य कई प्रकार की ग्रामीण उपज से भरे थैले लाई थीं। दरअसल, वह के वल मै डम चें ग और फीनिक्स से मिलने आई थीं, लेकिन जब पूर्वज को उनके आने की खबर मिली और उनके हंसमु ख स्वभाव के बरे में पता चला, तो उन्होंने इस दे हाती धर्ममाता से मिलने की इच्छा व्यक्त की। "आपको खु द को भग्यशाली समझना चाहिए; बू ढ़ी तई ताई आपसे मिलना चाहती हैं," मु ख्य प्रबंधक चाऊ जु ई की पत्नी, जो उन्हें अंदर ले कर आई थीं और उनका परिचय कराया था, ने आगंतु क से कहा "आइए, मे रे पीछे आइए!" "लेकिन मैं इस गरीब किसान के कपड़ों में खु द को कैसे दिखा सकती हूँ!" धर्ममाता लियू ने घबराकर आपत्ति जताई। "जाओ और बू ढ़ी तई ताई को बता दो कि मैं घर चली गई हूँ ।" "चिंता

मत करो!" दूसरी ने हं सते हुए उन्हें आश्वस्तकिया। "हमारी बू ढ़ी तई ताई स्वयं अच्छाई की मूर्ति हैं और सीधे-सादे लोगों के प्रति दयालु और उदार हैं । नौकरानी लिटिल पिंग आपको उनके पस ले जाएगी।" कां पती औरहिचकिचाती हुई, धर्ममाता लियू नौकरानी लिटिल पिंग के पीछे घूंज के बै ठक कक्ष में गईं। फ्रो यू और250

探春

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 48.94% है ।

पार्क ऑफ डिलाइटफुल विज़न की यु वतियाँ भी वहाँ एकत्रित थीं। गॉडमदर लियू वस्त्रों की भव्यता और गहनों की चमक दे खकर दं ग रह गईं और उन्हें खु द को संभालने में थोड़ा समय लगा। उन्होंने दे खा कि सु ं दर वस्त्र पहने युवतियों के बीच एक गरिमामयी वृ द्ध महिला दीवान पर ले टी हुई हैं । उन्होंने सोचा, ये अवश्य ही पूर्वज होंगी। उन्होंने अपनी वृ द्ध हड्डियों की क्षमता के अनु सार जितना झुक सकती थीं, उतना झुककर गं भीर स्वर में कहा, "मैं वृ द्ध बोधिसत्व के दीर्घायु और शांतिपूर्ण जीवन की कामना करती हूँ!" पूर्वज ने उनके उत्साहपूर्ण अभिवादन का सहृदयतापूर्वक उत्तर दिया और उन्हें बै ठने के लिए कहा। "अब आपकी आयु कितनी है, चचे री बहन?" पूर्वज ने पू छा। "पचहत्तर," वृ द्ध महिला ने फुर्ती से खड़े होते हुए उत्तर दिया। "तो आप मु झसे बड़ी हैं! देखिए, ये कितनी स्वस्थ और मजबू त बनी हुई हैं!" पूर्वज ने प्रशं सा करते हुए आस-पास खड़े लोगों की ओर मु ड़ते हुए कहा। "पता नहीं, अगर मैं कभी उनकी उम्र तक पहुँ च गई तो कितनी कमजोर हो जाऊँ गी" "भे दभव तो होना ही चाहिए; ईश्वर की कृ पा है । अख़िरकार, हम जै से लोग काम करने के लिए ही पै दा हुए हैं, जबकि बुढ़ियाएँ आराम से जीवन बिताने के लिए। हम जै से लोगों के बिना खे ती-बाड़ी का क्या होगा?" धर्ममाता लियू ने कहा। "क्या आपके दाँ त और आँ खें अभी भी ठीक हैं?" पूर्वज ने आगे पू छताछ करते हुए पू छा। "बिल्कुल ठीक हैं । बस बाईं ओर का एक पीछे का दाँ त हाल ही में थोड़ा ढीला हो गया है ।" " आपके सामने मैं कितनी बे कार हूँ!" पूर्वज ने आह भरी। "मे री नज़र कमज़ोर हो रही है, मे री सु नने की शक्ति कमज़ोर है, मे री यददाश्त धोखा दे रही है । मैं अजनबियों की सं गति से बचती हूँ ताकि अपनी शारीरिक कमज़ोरी न दिखाऊँ । मैं बस वही खाती हूँ जो मे रे कमज़ोर दाँत मु झे खाने दे ते हैं, सोती हूँ, और जब मन बहलाने की ज़रूरत होती है तो अपने बच्चों और नाती-पोतों के साथ समय बिताती हूँ ।" " इससे पता चलता है कि आप पर ईश्वर की कितनी कृ पा है; काश जीवन मे रे साथ भी इतना ही अच्छा होता!" धर्ममाता लियू ने कहा। पूर्वज अपने आगं तु क की देहाती सादगी और प्रतिभा से इतनी मु ग्ध हो गईं कि उन्होंने तु रं त उन्हें कुछ दिनों के लिए अपने यहाँ ठहरने का निमं त्रण दे दिया। फीनिक्स ने उनके लिए आरामदायक आवास की व्यवस्था की। अगले दिन पूर्वज ने अपने अतिथि को रमणीय दर्शन उद्यान की सु ं दरता स्वयं दिखाने

का निश्चय किया। उनकी बहू और पोते-पोतियों ने उन्हें उद्यान घुमने में मदद की। श्रीमाता लियू आश्चर्य से फूली नहीं समा रही थीं। उन्होंने कहा, "हम देहाती लोगों में नव वर्ष पर अपने कमरों की दीवारों पर भव्य महलों और उद्यानों की तस्वीरें लगाने की पुरानी परंपरा है । अब तक मैं यही सोचती थी कि ऐसी भव्यताएँ केवल चित्रकारों की कल्पना में ही होती हैं लेकिन अब मैं देख रही हूँ कि इस शानदार उद्यान में सब कुछ हमारी तस्वीरों से भी कहीं अधिक सुंदर है"।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.02% है ।

मैं इस पर्क की तस्वीरें अपने सथ घर ले जऊं गी तकि गां व में अपने लोगों को दिखा सकूं । वे आश्चर्य से आं खें फ़ड़ दें गे । पूर्वज ने मु स्कुरते हुए अपनी पोती 'वसं त की शोक' की ओर इशारा किया और वादा किया कि उनके कलात्मक हाथों से पर्क के कु छ खू बसू रत दृश्य उसके लिए तै यर किए जाएं गे । दोपहर क भोजन 'स्वच्छ शरद ऋतु के मौसम के आश्रम' में हुआ, जो 'वसं त की स्वाद' का घर था। फीनिक्स, जो हमे श मजाक के लिए तै यर रहती थी, ने पूर्वज की पसं दीदा दासी मं दरिन डक के सथ गु प्त रूप से यह योजना बनाई थी कि वह मे ज पर बै ठे मे हमानों का मनोरं जन करे और इसके लिए वह महिला लियू को उपहास का पात्र बनाएगी। यहां तक कि यु ं गकु ओ महल में सज्जनों की रात्रिभोज पार्टियों में भी, मे ज पर आने वले नए मे हमान को उपहास का पात्र बनाना एक आम रिवाज था। तदनु सर, भोजन से पहले मं दारिन डक ने गॉडमदर लियू को चु पके से एक तरफ़ ले जकर उन्हें घर के विभिन्न कथित रीति-रिवाजों के बरे में बताया और निर्देश दिया कि यदि वह किसी को नाराज नहीं करना चाहती और हं सी नहीं दिलाना चाहती तो उन्हें इस बारे में चु प रहना चाहिए और इस बारे में इस तरह की बतें कहनी चहिए। गॉडमदर लियू को पूर्वज के बगल में मे ज पर जगह दी गई। नौकरानी मं दारिन डक, जिसका आज का काम पूर्वज को समय-समय पर गर्म रुमाल दे न, पं खों वले डस्टर से मक्खियों को भगाना या मालकिन पर ठं डा पं ख चलाना था, पूर्वज की पीठ के पीछे बै ठ गई, जहाँ से वह बू ढ़ी लियू पर नज़र रख सकती थी और बीच-बीच में उन्हें चु पके से आँ ख दिखा सकती थी। जै से ही वे अपनी-अपनी सीटों पर बै ठीं, मे हमन के समने सबसे पहले सोने की नोक वली भारी, पु राने ज़माने की हथीदां त की चॉपस्टिक रखी गईं। "मैं इन भरी चीज़ों का क्या करूँ गी?" गॉडमदर लियू घबराकर बोलीं। "ये तो हमरे गँ व की लोहे की चॉपस्टिक से भी ज़्यदा मुश्किल हैं ।" चारों ओर दबी हुई हँ सी गू ं ज उठी। फिर नौकरानियाँ बड़ी-बड़ी परोसने वली ट्रे ले कर आईं जिनमें छोटी-छोटी थालियों और कटोरियों में कई तरह के व्यं जन परोसे गए थे । फीनिक्स ने कबू तर के अं डों से भरा एक कटोरा चु न और उसे मे हमान के सामने रखदिया। बू ढ़ी तई ताई ने विनम्रता से "कृ पया!" कहकर मे हमन को भोजन शु रु करने क सं के त दिया। मं दारिन डक से पहले मिले निर्देशों को याद करते हुए, गॉडमदर लियू तु रं त अपनी सीट

से उठीं और मेज पर जोर से और गंभीरता से निम्नलिखित शब्द दोहराए: "मैं बूढ़ी मालियू हूँ मेरे मुँह में पूरी गिलास समा सकती है। एक अच्छी मोटी सूअरनी मैं अकेले खती हूँ, और पलक झपकते ही!" जैसे ही उन्होंने अपनी बात पूरी की, उन्होंने अपने गालों पर कई बार थप्पड़ मारे, फिर से बैठ गईं और चुपचाप कबूतर के अंडे खाने लगीं। मेहमान पहले तो उनके इस अजीब व्यवहार को देखकर चकित रह गए।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 8.94% है ।

पहले तो सबने अजीब व्यवहार किया, लेकिन जल्द ही समझ गए कि भली-भांति बुढ़िया कथित "घर के रीति-रिवाजों" का शिकार हो गई है । दे खते ही दे खते मे ज पर ज़ोरदार हंसी गू ंज उठी। छोटी क्लाउड को मु ंह में ली हुई चाय थू कनी पड़ी। ब्लै क जे ड हं सी से इतनी कांप रही थी कि उसे मे ज का किनारा पकड़ना पड़ा। पाओ यू पूर्वज की गोद में गिर पड़ा और पूर्वज ने उसे सहलाते लगाते हुए हं सते हुए कहा, "मे रा दिल, मे रा जिगर!" उसकी आवाज हं सी से भर गई थी। मै डम चें ग जिन्होंने अनु मान लगाया कि इस हं सी का कारण विदूषक फीनिक्स है, ने उं गली उठाकर चु पचप उन्हें धमकी दी। आं टी ह्सु एह को भी घू ंट भरा चाय थू कनी पड़ी, जो स्प्रिंग के स्वद की फ्रॉक पर गिर गई। और स्प्रिंग के स्वद ने भी अपने हाथ में पकड़े हुए चाय के कप की चय स्प्रिंग के अभिवादन की स्कर्ट पर गिरा दी। सब हं सते-हं सते लोटपोट हो रहे थे । एक और दूसरी चु पचप मे ज से उठकर बाहर जाकर बिना किसी रुकावट के खू ब हँ सी मजाक करने लगीं और नौकरानी द्वारा तै यार रखे सफ कपड़े पहन लिए। के वल फीनिक्स और नौकरानी मं दारिन डक ही शां त रहीं और बू ढ़ी लियू की गरिमा और दयालु त से से वा करती रहीं, मानो कु छ हुआ ही न हो। बू ढ़ी लियू को मनो इस बात का एहसास ही नहीं था कि सारी हं सी का कारण वही थीं। उन्होंने शंति से भरी चॉपस्टिक हाथ में लीं और कबू तरों के अं डे खाने लगीं। "ओह, आपके पस कितनी प्यारी मुर्गियाँ होंगी जो इतने सु ंदर अं डे दे ती हैं! मुझे भी इस तरह की एक मुर्गी चाहिए," उन्होंने कहा; और उनकी इस टिप्पणी से एक बर फिर ज़ोरदार हं सी फू ट पड़ी। "ये दुर्लभ अं डे काफ़ी महं गे भी हैं एक चां दी का," फीनिक्स ने गर्व से कहा। "इन्हें खाओ और ठं डा मत होने दो।" गॉडमदर लियू ने बड़ी मुश्किल से फिसलते हुए अं डों को अपनी बे ढं गी चॉपस्टिक से पकड़ा। उन्होंने उसके प्रयासों को नकार दिया और बार-बार धड़ाम से कटोरे में गिरते रहे । आखिरकार वह एक अं डा अपने मु ंह के पास लाने में सफल हो गई। उसने उसे झपटने के लिए अपनी गर्दन बढ़ाई, लेकिन आखिरी क्षण में वह उसकी चॉपस्टिक से छूटकर फर्श पर लु ढ़क गया। उसने चॉपस्टिक नीचे रख दी और भगते हुए अं डे को हाथ से पकड़ने ही वाली थी कि एक नौकरानी उससे पहले वहाँ पहुँ च गई अं डा उठाया और उसे एक तरफ रख दिया। "कितनी अफ़सोस की बात है!" गॉडमदर लियू ने आह भरी। "एक-एक ताएल का अं डा, और वो भी सिर्फ

देखने के लिए!" "हमारे मेहमान को ये भारी चॉपस्टिक किसने दीं" पूर्वज ने अपने आसपास के लोगों से नराज़गी से पूछा। "आखिर आज तो कोई गंभीर भोज नहीं है। ज़रूर ये हमरे शैतान फीनिक्स की एक और बुरी चल है! जल्दी से दूसरी चॉपस्टिक लाओ!" उन्होंने आज्ञकारी होकर मेहमन के समने चॉपस्टिक का एक और हल्का जोड़ा रख दिया। ये आबनूस की बनी थीं और उन पर चांदी की जड़ाई थी। "ये चंदी की चीजें मुझे254 से कुछ ख़ास बेहतर नहीं लगतीं।"

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.20% है।

“मैंने तो सोने के भी बारे में सुना है,” गॉडमदर लियू ने संदेह से बुदबुदाते हुए कहा। “हमारे साधारण देहाती कांटों जैसा कुछ नहीं है।” “चांदी के ढक्कन ज़हर से बचाव के लिए होते हैं,” फीनिक्स ने समझाया। “जब खाने में ज़हर होता है तो चांदी धूमिल हो जाती है, और इस तरह चेतावनी मिल जाती है।” “हे भगवान! क्या इतने शानदार खाने में ज़हर हो सकता है?” गॉडमदर लियू चौंक उठीं। “तो फिर हमारे देहाती खाने में तो शुद्ध आर्सेनिक ही होगा।” अब, ऐसा ज़हरीला खाना मुझे बहुत पसंद है, और मैं इसे खाकर मरना भी पसंद करूँगी।” पूर्वज को उसकी अच्छी भूख देखकर खुशी हुई; उन्होंने उसके सामने भरपेट खाना परोसा और अपनी थाली में से भी सबसे अच्छे टुकड़े उसे दे दिए। खाने के बाद उन्होंने स्प्रिंग के स्वाद वाले कमरे में थोड़ी देर आराम किया। नौकरानी मंदारिन डक चुपके से गॉडमदर लियू के पास गई और उनसे विनती की कि खाने की मेज पर उनके साथ जो शरारतें की गई थीं, उनसे उन्हें बुरा न लगे। “बुरा लगने की क्या बात है?” गॉडमदर लियू ने हंसते हुए जवाब दिया। “मैंने अपनी मर्ज़ी से उनमें हिस्सा लिया और आपकी पूर्वज के लिए नाटक किया, ताकि उनके बुढ़ापे को थोड़ा खुश कर सकूँ। यह सब मैडम फीनिक्स के साथ पहले से तय था।” जब मैं सचमुच गुस्से में होती हूँ तो चुप रहना मेरी आदत है।” दोपहर की नींद के बाद जब पूर्वज ने खिड़की से बाहर देखा, तो पीछे के बरामदे के सामने आँगन में देवदार के पेड़ों के सुंदर समूह को देखते हुए, हवा उनके कानों में दूर से आती मधुर संगीत की हल्की सी आवाज़ लेकर आई। “यह किसी शादी के जुलूस का संगीत लग रहा है। तो क्या हम यहाँ सड़क के इतने पास हैं?” उन्होंने अपने आस-पास के लोगों से कहा। “अरे नहीं। सड़क यहाँ से बहुत दूर है। शायद हमारी नर्तकियाँ नाशपाती के बगीचे में अभ्यास कर रही हैं,” मैडम चेंग ने कहा। “उन्हें हमारे सामने यहाँ आकर अभ्यास करने दीजिए! उन्हें पार्क में घूमने की अनुमति पाकर खुशी होगी, और हम उनकी कला का आनंद लेंगे,” पूर्वज ने प्रसन्नता से सुझाव दिया। फीनिक्स ने तुरंत नाशपाती के बगीचे में संदेश भेजा और आँगन में लाल कालीनों से ढकी मेजों से एक अस्थायी नृत्य मंच बनाने की तैयारी कर रहा था। “नहीं, यहाँ नहीं उन्हें तालाब के पास कमल-जड़ मंडप में जाने का आदेश दीजिए! वहाँ पर्याप्त जगह है; और इसके अलावा, पास के झरनों की कलकल ध्वनि एक शानदार संगीत का

काम करे गी। हमकिनारे से उनकाप्रदर्शन दे खें गेऔर दमिश्क कियोस्क में एकगिलास शराब भी पिएं गे" पूर्वज ने कहा। उनके सु झाव पर सर्वसम्मति से तलियाँ बजीं। " बहुत अच्छा, चलो चलते हैं!" पूर्वज ने चची ह्सु एह की ओर मु ड़कर आँ ख मारते हुए कहा। "हमारी छोटी बच्चियों को अजनबी मे हमनों का यहाँ ठहरना पसं द नहीं है "।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.91% है ।

वे लं बे समय से उनके कुर्सी कमरों को अपवित्र कर रहे थे । क्या ऐसा नहीं है?" "ओह, कृ पया जितनी दे र चाहें यहाँ रहें" स्प्रिंग के स्वद ने विरोध किया। "नहीं, नहीं, पोते-पोतियों की दो अन्य 'जे ड' ईर्ष्या कर सकती हैं," पूर्वज ने मज़ाक में कहा, सं वे दनशील ब्लै क जे ड और पाओ यू की ओर इशारा करते हुए।" अब चलो थोड़ा पी ले ते हैं और फिर हम उन दोनों पर धावा बोलें गे" हं सते और बातें करते हुए, सभी लोग उठे और डकप्लां ट बैं क के पास नाव घाट की ओर चल दिए। वहाँ पहले से ही दो नवें उनका इं तज़ार कर रही थीं, जिनमें सु चो से किराए पर लाई गई महिला नाविक लं बी लकड़ी की छड़ियों के सथ बै ठी थीं। पूर्वज, मै डम चें ग, आं टी ह्सु एह, गॉडमदर लियू, विधवा चू और फीनिक्स के सथ-साथ दो नौकरानियाँ, मं दारिन डक और ने फ्राइट बैं गल, पहली नाव में बै ठ गईं। उत्साही फीनिक्स नाव के अगले हिस्से में बै ठी और नाव चलाने में मदद करने के लिए एक छड़ पकड़ ली। "इसे छोड़ दे ना ही बे हतर है" "नाव चलाना बच्चों का खेल नहीं है, इसे सीखना पड़ता है!" डरी हुई पूर्वज ने झोपड़ी से चिल्लाकर कहा। "यह सच है, हम यहाँ किसी बड़ी नदी पर नहीं हैं, लेकिन पानी इतना गहरा है कि किसी को डुबा सकता है । कृ पया तु रं त अं दर आ जाइए!" "मु झे ज़रा भी डर नहीं है!" "बु जु़र्ग पूर्वज को चिंता करने की कोई ज़रूरत नहीं" फीनिक्स ने हं सते हुए और किनारे से ज़ोरदार तरीके से नाव को आगे बढ़ाते हुए जवब दिया। शु रुआत में सब ठीक चल रहा था, लेकिन जब वे नदी के बीच में पहुँ चे तो भारी-भरकम नाव हिचकोले खने लगी और फीनिक्स को चक्कर आने लगे । उसने जल्दी से पास खड़ी नाविक को नाव का डं डा दे दिया और डे क पर बै ठ गई नहीं तो वह गिर जाती। पाओ यू अपनी बहन और चचे रे भाइयों के सथ दूसरी नाव में उनके पीछे-पीछे आया। नौकरानियाँ पस के नदी किनारे दौड़ रही थीं। पओ यू अपने सथियों का ध्यान मु रझाए हुए कमल के पत्तों की ओर दुख भरे लहजे में खींच रहा था और कह रहा था कि उन्हें मली से इन्हें साफ करवा ले न चाहिए। प्रेशियस क्लै स्प उससे सहमत थी लेकिन ब्लै क जे ड की राय एक बार फिर अलग थी। "कुल मिलाकर मु झे ली शान की कविताएँ ज़्यदा पसं द नहीं हैं," उसने सोच-विचार करते हुए कहा। "लेकिन उनकी एक पंक्ति मु झे बहुत अच्छी लगती है: 'मु रझाए हुए कमल के पत्तों को वै से ही रहने दो; वे हमें बारिश के विलाप को समझाते हैं '।" " यह वाकई एक

शानदार पंक्ति है," पाओ यू ने उत्साहपूर्वक सहमति जताई। "तो चलिए, मुरझाए पत्तों को वहीं छोड़ देते हैं"। वे खिलते हुए पवित्रता के रेतीले तट के बंदरगाह में प्रवेश कर गईं। घने पेड़ों से आच्छादित नदी तट पर गहरा अंधेरा छाया हुआ था। मुरझाए सरकंडे, सिंघाड़े के पेड़ों की फीका हरा रंग, शरद ऋतु की उदासी बिखेर रहे थे। शियस क्लैस्प का मंडप नदी तट से कुछ ही दूरी पर था। पूर्वज ने 256 में वहाँ जाने का निश्चय किया था।

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 7.72% है।

गुजरते हुए। एक संकरा, खड़ी ढलान वाला "बादल पथ" पत्थर की सीढ़ियों से होते हुए जंगला प्रांगण तक जता था। सामने के बगीचे में आगंतुकों को एक अजीब, तेज सुगंध से भर उठी। वहाँ अद्भुत पौधा, आत्मा लता, उगता था, जिसके सुंदर पाले से नीले पत्तों के नीचे से झाँकते थे और लाल और नीले मूंगे की तरह गुच्छों और लताओं में लटके रहते थे। मंडप में प्रवेश करते ही पूर्वज को ऐसा लगा जैसे वह किसी बर्फीली गुफा में पहुँच गई हो, क्योंकि भीतरी भाग उसे इतना नीरस और निर्जन लगा। सजावट का कोई नामोनिशान नहीं, कोई दुर्लभ वस्तु नहीं, कोई सजावटी सामान नहीं। केवल लेखन मेज पर एक साधारण मिट्टी का फूलदान था जिसमें कुछ गुलदाउदी के फूल थे। बिस्तर के ऊपर हरा जालीदार पर्दा, 100 फीट चौड़े तकिए और उनके कवर, सब कुछ बहुत ही सधारण था। कुछ किताबें और चय के प्याले ही बकी बचे हुए समान को पूरा करते थे। पूर्वज ने आह भरी। "कितनी सादगी!" उसने सिर हिलाते हुए और अपने परिचारकों की ओर मुड़ते हुए कहा, "यहाँ हर चीज़ की कमी है। तुमने बच्चे के लिए इसे और आकर्षक क्यों नहीं बनाया? इस घर में सब कुछ मौजूद है! मैं हर चीज़ का ध्यान अकेले नहीं रख सकती। मंदारिन को कमरे को कुछ सुंदर कलाकृतियों से सजना चाहिए। तुम्हें यह काम बहुत पहले ही कर देना चाहिए था," उसने फीनिक्स की ओर मुड़ते हुए नाराज़गी से कहा। "लेकिन उसे साज-सज्जा की कोई परवाह नहीं है," फीनिक्स ने मुस्कुराते हुए जवब दिया। "मैंने जो भी समान उसे दिया था, उसने मुझे वापस भेज दिया।" "घर पर भी, उसे गहनों य छोटी-मोटी चीज़ों की ज़्यादा परवाह नहीं थी," उसकी माँ, आंटी ह्सुएह ने दिलासा देते हुए कहा। "यह अविश्वसनीय है!" पूर्वज ने कहा। "सादगी और मितव्ययिता की उनकी चाहत वाकई सराहनीय है, लेकिन ऐसे बेस्वाद कमरे से आने वालों पर कैस प्रभाव पड़ेगा? इसके अलावा, वह एक युव हैं जिन्हें सुंदर चीजों का आनंद लेना चाहिए। अगर युव इतने संयमी हैं, तो हम बूढ़ों को तो एक सधारण कमरे में ही संतुष्ट रहना चाहिए। सौभाग्य से, मेरे पास कुछ अच्छी चीजें हैं जिनके बिना मेरा काम चल सकता है, जिन्हें मेरे पोते पाओ यू ने अभी तक नहीं देखा है; वरना वह उन्हें बहुत पहले ही मुझसे ले गया होता।" वह मंदारिन डक की ओर मुड़ी। "युवती के लिए ग्रामीण दृश्यों वाला संगमरमर का कटोरा, हरे रेशमी

पर्दे वाला शीशा और चीनी स्याही जलाने केलिए पत्थर का तिपाई लाओ! साथ ही, इस पुराने जालीदार पर्दे को सफेद रेशमी हाथ से चित्रित पर्दे से बदल दो!" "सामान पूर्वी मीनार के गोदाम में रखा है, लेकिन मुझे नहीं पता कि वे किस बक्से में हैं। उन्हें ढूंढने में थोड़ी मशक्कत करनी पड़ेगी," प्रतीक्षा कर रही नौकरानी ने कहा। "एक-दो दिन से कोई फर्क नहीं पड़ता। लेकिन मैं इस ममले को भूलने नहीं दूंगी।" दुर्गम जंगल दरबार में कुछ देर रुकने के बाद आगे बढ़े।257

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 8.98% है ।

दमिश्क कियोस्क में । वहाँ सु चो से आई वृद्ध नर्तकियों ने सम्मान व्यक्त किया और मं डली से पू छा कि कार्यक्रम क्या होना चाहिए। "के वल वही प्रस्तु त करो जिसका तु मने अच्छी तरह अभ्यास किया हो," पूर्वज ने आदे श दिया, जिसके बाद नर्तकियों का दल तालाब के पार कमल की जड़ वाले मं डप में अपना प्रदर्शन करने के लिए चला गया। दमिश्क कियोस्क में अब तु कबं दी के पसं दीदा खेल के साथ एक आनं दमय शराब पार्टी शु रु हो गई जिसमें शराब से अप्रभावित गॉडमदर लियू की अनियंत्रित तु कबं दी और दोनों की अशिष्टता ने निरं तर आनं द प्रदान किया। गॉडमदर लियू ने अच्छी शराब और उसके साथ परोसी गई स्वादिष्ट पे स्ट्री का दिल खोलकर आनं द लिया और नशे में चू र हो गईं और जब जल मं डप के पार से नृ त्य सं गीत की मनमोहक धु नें सु नाई दीं, तो उनकी खु शी का कोई ठिकाना नहीं रहा और उन्होंने अपने हाथों के जोरदार इशारों, अपने पै रों की लयबद्ध थपथपाहट और अपने शरीर को हिलाकर सं गीत का साथ दिया। पाओ यू ने चु पके से ब्लै क जे ड को कोहनी मारी ताकि उसका ध्यान बू ढ़ी औरत के हास्यपूर्ण हाव-भाव की ओर आकर्षित हो सके । इस पर ब्लै क जे ड ने चतु राई से कहा, "हमारे पु राने ग्रं थों में पवित्र सं गीत के शांत प्रभाव का वर्णन है, जो जं गली जानवरों को भी वश में कर ले ता है और उन्हें लयबद्ध तरीके से नृ त्य करने पर मजबू र कर दे ता है । इस सं गीत के बारे में तो यही कहा जा सकता है कि यह कम से कम एक गाय को तो मं त्रमु ग्ध कर सकता है ।" नृ त्य प्रदर्शन समाप्त होने पर सभी लोग मे ज से उठ खड़े हुए। फूल ने धर्ममाता लियू का हाथ पकड़ा और उन्हें दर्शनीय उद्यान की शेष भव्यता का विस्तृ त भ्रमण कराया। जिज्ञासु बू ढ़ी औरत अपनी हैरानी पर काबू नहीं रख सकी और लगातार प्रश्न पू छती रही, कभी इस खनिज के बारे में, कभी उस पौधे या पे ड़ के बारे में । एक बार उसने विचारमग्न होकर कहा, "किसने सोचा होगा कि इस शहर में न के वल लोग सु सं स्कृ त और शिक्षित होते हैं, बल्कि आपके आशीर्वाद से पक्षी भी ज्ञान और वाणी शक्ति प्राप्त करते हैं।" और जब उसने अपने आस-पास के लोगों के आश्चर्यचकित भाव दे खे, तो उसने आगे कहा, "सु नहरे तं बू पर बैठा लाल चोंच वाला हरा पक्षी एक तोता है, और मैं पहले से ही जानती हूँ कि वह क्या कर सकता है । लेकिन अब मैं यह जानना चाहती हूँ कि पिंजरे में बैठा वह बड़ा काला-भू रा पक्षी, जो फीनिक्स जै सा दिखता है, क्या आपने उसे

बोलना सिखाया है?" इस तरह की मनोरंजक टिप्पणियों से वह बर-बार आनंद और उल्लास भरती रही। मंडली किंगफिशर के जहाज़ मिटे ज पहुँच गई थी, जहाँ मियाओ यून नम की एक सुंदर युवती रहती थी। अठारह वर्षीय यह उच्च शिक्षित युवती सुचो के एक कुलीन परिवार से थी। अपने माता-पिता की मृत्यु के बाद उसने संसार त्याग दिया था और स्वयं को समर्पित कर दिया था।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल8.93% है ।

उन्होंने स्वयं को बु द्ध की से वमें समर्पित कर दिया था। शाही पत्नी के आगमन के अवसर पर उन्हें शहर के द्वार के समने स्थित अपने मठ से उद्यान में स्थनां तरित कर दिया गया था। किंगफिशर के पिंजरे के एकांत में वे दो बुर्जुपरिचारिकाओं और एक यु व दासी के सथ एक पवित्र साध्वी का जीवन व्यतीत कर रही थीं और कठोर तपस्या और ईश्वर को प्रसन्न करने वले गहन ध्यन द्वारा अपनी वासनाओं को वश में करने और अपनी कम उम्र के ाबजू द, धीरे-धीरे शीघ्र ही पवित्रता प्राप्त करने केलिए अथक प्रयास कर रही थीं। यह साध्वी चाय बनाने की अपनी कु शलता के साथ-साथ अपने सु ंदर क्रोशिया के कम के लिए भी प्रसिद्ध थीं। इसलिए, अभिवादन के तु रं ताब, पूर्वज ने अपनी प्रसिद्ध चाय का एक प्याला मां ग। साध्वी अपने हथों से, बे गोनिया की पं खुड़ियों, बादलों, ड्रै गन और शूचिन्हों से सजी एकलाख की थाली में, चें ग हुआ काल के सर्वश्रे ष्ठ कां ग ह्सी चीनी मिट्टी के बर्तनों से बन एक अग्नि रं ग क प्याला ले कर आईं जो उस उत्तम प्रकार की चाय से भरा था जिसे "लाओ त्ज़ू की भौहें के नम से जना जाता है ।" यहकिस तरह के पनी से बनी है?" पूर्वज ने पू छा। "पिछले सल इकट्ठा किए गए बारिश के पनी से," नन ने बतया। पूर्वज ने आध प्याला पी लिया और आधा गॉडमदर लियू केलिए छोड़ दिया। फिर उन्होंने जनना चाहा कि उन्हें चाय कै सीलगी। "ठीक है, बस थोड़ी फीकी और भारी है । इसे थोड़ी दे र और उबने दे नाचाहिए था," गॉडमदर लियू ने सफ़-साफ स्वीकार किया। उनके इस फै सले पर सब हं स पड़े और नन को बहुत गु स्स आया। जबकि बाकी लोगों को आश्रम की एक नौकरानी ने नए, पतले " अं डे के छिलके" जै से सफे द कपों में उसी तरह कीचय परोसी, जो राजकीय निर्माण के थे, वहीं नन ने प्रेशियस क्लै स्प और ब्लै क जे ड को एक अलग तरह की खास चाय पिलाई। उन्होंने दोनोंलड़कियों को उनके गउन के कॉलर से पकड़ और उन्हें एक अलग कमरे मेंले गईं।जिज्ञासु पओ यू तीनों के पीछे-पीछे चु पके से गया। खु द को रोक नहींपाया और दरवाज़े की एक छोटी सी दरर से दे खने लगा कि नन क्या कर रही है । उसने दे खकि नन ने कीमती क्लस्प कोलकड़ी के पलं ग पर और काले जे ड को प्रर्थना की चटाई पर बिठाया, फिर एक भट्टी पर पानी का बर्तन रखा और अं त में उबलते पनी को चायदानी में डला। उसने दरवज़ा खोलकर कमरे में घु सते हुए कह,"दे खो, तु म

यहाँ चुपके से अपनी सबसे अच्छी चाय का आनंद ले रही हो।" "बिल्कुल, और यहाँ तुम्हें कुछ भी देखने की ज़रूरत नहीं है," चचेरे भाई हँसते हुए बोले। पओ यू डरा नहीं, बल्कि वहीं खड़ा रहा और अपनी "पसंदीदा चाय" का एक नमूना अपने समने लाने की ज़िद करने लगा। नन अपने मेहमानों के लिए प्याले इकट्ठा कर ही रही थी कि आश्रम की दासी उसी कटोरे के साथ अंदर आई जिससे पूर्वज और धर्ममाता लियू ने पहले चय पी थी। नन ने उसे नहीं लिया। "नहीं, वह वाला नहीं! इसे अलग रख दो; इसका दोबारा इस्तेमल नहीं करना है," उसने घोषणा की। आह! जाहिर है वह कटोरे को अपवित्र मानती है क्योंकि वह पुराना है।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 8.77% है ।

लियू ने खुलकर अपनी बात रखी, पाओ यू ने मन ही मन कहा आखिरकार नन को दोनों लड़कियों के लिए चाय के दो उपयुक्त पात्र मिल गए। एक कीमती प्राचीन टिन का प्याला था जो सु ं ग राजवं श का था, जै स कि उस पर खु दे हुए शिलाले ख से पता चलता है: "सु ं ग राजवं श के यु आन फोंग काल के पाँ चवें वर्ष के चौथे महीने में सु -शी को हान लिन अकादमी में प्रवे श मिला।" हैं डल वाला तीन पै रों वला यह प्याला स्पष्ट रूप से प्रसिद्ध कवि सु तं ग-पो का रहा होगा। नन ने इसे कीमती प्यले को भें ट किया। दूसरा पात्र, जो धातु का ही था, बौद्ध भिक्षुओं द्वारा इस्ते मल किए जाने वले भिक्षापात्रों जै स दिखता था, सिवाय इसके कि यह थोड़ा छोटा था। शिलाले ख से पता चलता है कि यह और भी प्राचीन था, क्योंकि उस विशिष्ट मु हरलिपि में, जो बू ं दों की तरह उभरी हुई थी, लिखा था: "वे नचियाओ, जिसने गैं डे के सींग को प्रज्वलित किया।" माना जाता है कि यह कटोरा कभी पूर्वी चिन राजवं श के साहित्यिक और राजनीतिक हस्ती वे नचियाओ का रहा होगा। परं परा के अनु सार, उन्होंने एक गैं डे के सींग में रोशनी रखकर नदी की गहराई को रोशन करने का अद्भुत विचार सोचा था, जिसे उन्होंने पानी में डुबो दिया था। नन ने यह ऐतिहासिक पात्र ब्लै क जे ड को भें ट किया। अं त में, उन्होंने अपने रोज़ाना इस्ते मल होने वले एक सु ं दर हरे नेफ्राइट कटोरे में चाय डाली और उसे पओ यू को दे दिया। पाओ यू निराश हो गया। "मे रे दोनों चचे रे भाइयों के पास पीने के लिए इतने अद्भुत प्राचीन, कीमती बर्तन हैं, और मु झे एक साधारण, रोज़मर्रा के चीनी मिट्टी के बर्तन से ही सं तोष करना पड़ रहा है । इसका मतलब, शायद, यह है कि मे रे चचे रे भाई बहुत खास लोग हैं और मैं बस एक साधारण इं सन हूँ," उसने मज़ाक में मु ं ह बनाते हुए कहा। "तु म इसे रोज़मर्रा का बर्तन कहते हो?" नन ने नराज़ होकर उसकी ओर मु ड़ते हुए कहा "मैं बिल्कुल भी अभिमानी नहीं होना चाहती, लेकिन मु झे विश्वास है कि तु म्हें अपने घर में ऐसा रोज़मर्रा का बर्तन नहीं मिले ग।" "तु म्हारे विशेष परिवे श में सोना, मोती और ने फ्राइट जै सी सधारण कीमती वस्तु एँ भी तु च्छ लगने लगती हैं," पाओ यू ने विनम्रतापूर्वक कहा, मानो अपनी गलती सु धरना चाह रहा हो। नन एक बार फिर शां त हो गई और उसने पाओ यू को विभिन्न प्रकार के साँ पों के कुंडल में बु नी हुई बाँ हों की जड़ों से बना एक विशाल प्याला भें ट किया, जिसे उसने उसके लिए ढूँ ढ़कर निकाला

था। पाओ यू को नन की पसंदीदा चाय, जिसे उसने उस विशाल "नाविक के प्यले" से पिया, अतुलनीय लगी और वह उसकी जितनी प्रशंस करे कम ही थी। "क्या यह चाय भी पिछले सल की बारिश के पनी से बनी है?" ब्लैक जेड जानना चाहता था। नन ने तिरस्कारपूर्ण मुस्कान के सथ कहा, "यह तो बस यही दिखाता है कि तुम कितने सधारण लोग हो!" "तुम जैसे लोग चाय के पानी की गुणवत्ता भी नहीं पहचान सकते! पाँच सल पहले, जब मैं अंधकारमय अंत्येष्टि धुएँ के मंदिर में रहत था, तब मैंने इस चाय के लिए पानी बेर के फूलों को ढकने वली बर्फ से प्रप्त किया था। मैंने उस बर्फ को प्रेतों के सिर वाले नीले कांच के जग में इकट्ठा किया था, और 260

妙玉

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.14% है ।

मैं ने उस घड़े को पाँच सल तक ज़मीन में गहराई में बिना छुए रखा। इस गर्मी में ही मैं ने उसे खोदकर निकाला और उसमें से र्फ़ का पानी निकाला। आज दूसरी बार मैं ने इस कीमती पनी से चय बनाई है । आप कै से सोच सकते हैं कि पिछले सल के सधारण बारिश के पनी से इस कीमती चाय जै स शु द्ध और उत्तम स्वद मिल सकता है?" ब्लै क जे ड को डर थ कि कहीं वह बिना सोचे-समझे कु छ कह न दे और गु स्सैनन को और नाराज़ न कर दे, इसलिए वह थोड़ी दे र बद कीमती घूं घट ले कर चली गई। पाओ यू थोड़ी दे र और रुका रहा। उसने बतचीत का रुख कां ग ह्सी के चीनी मिट्टी के कटोरे की ओर मोड़ दिया, जिसमें से बू ढ़ी लियू ने कु छ दे र पहले पनी पिया था। "मैं मानता हूँ कि कटोरा गं द और अपवित्र हो गया है, लेकिन क्या इस खू बसू रत चीज़ को कू ड़े की तरह फें क दे न घोर शर्म की बात नहीं होगी?" उसने कह। "मे री रय में इसे उस भली-भांति किसान महिला को दे दे न ही बे हतर होग। वह इसे बे चकर अच्छ मु नफा कमा सकती है ।" "आप क्या सोचती हैं?" "हाँ, बिल्कुल, ऐसा किया जा सकता है," नन ने कु छ दे र सोचने के बद कहा। "यह सौभाग्य की बात है कि मैं ने इसे कभी स्वयं इस्ते मल नहीं किया, अन्यथा मैं इसे तु रं त टुकड़े-टुकड़े कर दे ती।" खै र, मे री रय में, आप इसे ले जइए और खु द उस बुढ़िया को दे दीजिए!" पाओ यू लू ट का सामान ले कर चला गया। बाहर आकर उसने उसे प्रतीक्ष कर रही नौकरानी मं दरिन डक को सौंप दिया और उससे निवे दन किया कि वह इसे अगले दिन गॉडमदर लियू को उनकी यात्रा के लिए विदाई उपहार के रूप में दे दे । पाओ यू और बाकी सभी लोग जाने के लिए उठ चु के थे । नन मं दिर के द्वार तक उनके सथ गई, फिर जल्दी से वपस लौटी और सां सरिक दुनिया के अवंछित मे हमनों के पीछे द्वार बं द कर दिया। आगे की सै र के दौरान गॉडमदर लियू बकी लोगों से अलग हो गईं और रास्ता भटक गईं। उन्हें अचनक पे ट में ते ज दर्द हुआ, साथ ही कु छ अजीब सी गड़गड़ाहट भी हुई, और एक सेविका को उन्हें जल्दी से पर्क के उत्तर-पूर्वी कोने में एक छोटे से एकंत स्थन पर ले जाना पड़ा। जै स कि इतने अच्छे भोजन के बद स्वाभाविक था, वहाँ का समय काफी लं ब चला, और जब वह वापस आईं तो उनके सथ आई महिला बहुत पहले ज चु की थीं। दूर। भागदौड़ से थककर, उसने अपने कमरे में बहर दोपहर की झपकी ले ने का अच्छा मौका लपक लिया, जिसकी

उसे बहुत यद आ रही थी। बाकी साथियों का भी कोई अता-पता नहीं था। अकेली और परित्यक्त, गॉडमदर लियू अबविशाल और अपरिचित पार्क के रास्तों और बाड़ों में बे तरतीब ढं ग से भटक रही थी, फूल उसकी आँ खों के सामने नच रहे थे और उसके अं ग पसीने से भरी थे, जब तक कि उसने एक सु ं दर यु वती की भित्तिचित्र का रास्ता नहीं पू छा, जिसे उसने गलती से एक जीवित व्यक्ति समझ लिया था, और एक प्रे त दीवर पर चित्रित दृश्य से अपन सिर टकराया, तब जाकर वह अं त में खु द को एक भव्य गोलाकार हॉल में पाई, जो सोने और कीमती पत्थरों से जगमगा रहा था, एक विस्मयकारी भूलभुलै य।

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.11% है।

दीवारों पर लकड़ी की नक्काशी थी, और कई ताकें फूलदानों, हथियारों, वीणाओं और तरह-तरह की कलाकृतियों को छुपाए हुए थीं। वहाँ सबसे पहले उसकी अपने जैसी ही पोशाक पहने एक बूढ़ी औरत से एकतरफा बातचीत हुई, जिसे उसने अपने गाँव की दूर की चचेरी बहन समझा। फिर उसे याद आया कि उसने पहले अमीरों के घरों में पाए जाने वाले बड़े-बड़े दीवार वाले दर्पणों के बारे में सुना था, और तब उसे एहसास हुआ कि वह अभी-अभी अपनी ही परछाई से बात कर रही थी। काफी देर तक बाहर निकलने का रास्ता व्यर्थ में ढूंढने के बाद, पश्चिमी दरवाज़े की व्यवस्था वाला एक दर्पण उसके हाथ के हल्के से दबाव से खुल गया और उसे एक शानदार ढंग से सजे हुए शयनकक्ष में प्रवेश करने दिया। शराब के नशे में चूर और अपनी यात्रा से थकी हुई उसने बिना किसी झिझक के शानदार कढ़ाई वाले दमिश्क चंदोवे के नीचे मुलायम गद्देदार सोफे पर आराम से बैठ गई। बहुत खोजबीन के बाद जब पर्ल को आखिरकार लापता मेहमान मिल गई, और होश में आने के बाद उसने पूछा कि वह आलीशान कमरा किस युवती का है जिसमें वह नशे में चूर होकर सोई थी और स्वर्ग में होने जैसा महसूस कर रही थी, तो उसे यह जानकर घोर निराशा हुई कि वह घर के बेटे के शयनकक्ष में भटक गई थी। सौभाग्य से, पर्ल के अलावा घर में किसी को भी उस बूढ़ी औरत के इस दुस्साहसी कारनामे के बारे में पता नहीं था, क्योंकि बेगोनिया आंगन का पूरा स्टाफ उस दोपहर बाहर गया हुआ था, और पाओ यू, जिसे पर्ल ने कर्तव्यनिष्ठा से यह बात बताई थी, ने बड़ी सावधानी से इस बात का ध्यान रखा कि यह मामला किसी को पता न चले। उसने सभी से सहमति जताते हुए कहा कि बूढ़ी औरत पार्क में रास्ता भटक गई थी और एक काईदार चट्टान पर सोई हुई मिली थी। यह आसानी से समझ जा सकता है कि पाओ यू के शयनकक्ष में नशे में धुत मेहमान द्वारा छोड़े गए अप्रिय निशानों को मिटाने के लिए चंदन और कस्तूरी लोबान से तेज धूप की आवश्यकता थी। पूर्वज, जो आम तौर पर एक समय में पार्क के ज़्यादा से ज़्यादा दो या तीन रोचक हिस्सों को ही देख पाती थीं, अगले दिन धर्ममाता लियू के लिए किए गए परिश्रम से काफ़ी थकी हुई महसूस कर रही थीं। लेकिन अपनी मेहमान द्वारा दिए गए शानदार मनोरंजन को देखते हुए उन्हें

अपने परिश्रम का कोई अफ़सोस नहीं था, और धर्ममाता को गाँव से विदा करते समय उन्होंने उन्हें बहुमूल्य उपहारों से लाद दिया और जल्द ही वापस आने की कामना व्यक्त की। 263

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 8.79% है ।

अध्याय 26 पाओ यू एकप्रिय दिवं गत की यद में राजमार्ग की धूल में अगरबत्ती जलाने केलिए निकल पड़ता है । हजर शरद ऋतु ओं केदिन फीनिक्स अप्रत्याशित रूप से सिरके के बैरल में बदल जाता है । फीनिक्स का जन्मदिन नौवें महीने के सूरे दिन मनाया गया। पूर्वज की सलाह पर इस बार सभी ने व्यक्तिगत उपहार दे ने से परहेज किया, और इसके बजय दोनों महलों की सभी महिलाओं और लड़कियों के सथ-साथ सभी महिला नौकरानियों ने अपनी समर्थ्य और स्थिति के अनु सर, एक ताएल से बीस तएल तक एक सामान्य जन्मदिन निधि में योगदान दिया। इस निधि का उपयोग उस दिन के विभिन्न मनोरं जनों के खर्चों को पू रा करने केलिए किया गया। निधि का प्रबं धन राजकु मरी चे न को सौंप गया था। सामान्य उत्सव भोज के अलावा, कई अन्य मनोरं जन भी थे: अभिने तओं के एक दल ने नटक प्रस्तु त किए, बाज़ीगरों के एक दल ने अपने सौ करतब दिखाए, और एक कहानीकार ने मनोरं जक कहानियाँ सु नाईं। यह मं डली काफी समय से एकत्रित थी; के वल पाओ यू हीलापता था। जब उसे बुलाया गया तो खबर आई कि वह कस्बे में चला गया है । उन्हें इस बात पर मुश्किल से ही यकीन हुआ, इसलिए उन्होंने पर्ल को बुलवाया, जिससे उन्हें और जनकारी मिलने की उम्मीद थी। पर्ल ने उन्हें बताया, "उसने कल कहा था कि उसे आज 'उत्तरी शांति के राजकु मर' के पस एक ज़रूरी काम से जना होगा। मैं ने उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन व्यर्थ। वह आज सु बह बहुत जल्दीनिकल गया।" सभी को लगा कि उसका इस तरह जाना बहुत ही नासमझी भरा काम था, खासकर तब जब उसी दिन बे गोनिया क्लब की बै ठक भी तय थी। पर्ल ने आगे कहा, "अजीब बात यह है कि उसने अपने खास कपड़े नहीं पहने थे, बल्कि बाहर जाते समय पहने जाने वले अपने रोज़ाना के कपड़े ही पहने थे । बहुत सं भव है कि उसे अपनी दूसरी पत्नी की मृ त्यु पर राजकु मर को सां त्वन दे ने जाना पड़ा हो, लेकिन मु झे इससे ज़्यादा कु छ नहीं पता।" लोगों ने अपने पहले के अनुमान को बदलते हुए कहा, "यह बात कु छ हद तक उसे माफ़ कर दे ती है "। एक तरह से यह सच थ कि पाओ यू किसी की मृ त्यु के कारण बाहर गया था, लेकिन उसने अपने आस-पास किसी को भी यह नहीं बताया कि वह मृ त व्यक्ति कौन था। एक दिन पहले, उन्होंने अपने से वक मिंग ये न को के वल संक्षिप्त आदे शदिया था कि अगली सु बह पर्क

के पिछले द्वार पर दो घोड़े तैयार रखें। और नौकरली क्वे ई को आदेश दिया गया था कि यदि कोई पाओ यू के बारे में पूछे, तो वह कहे कि वह उत्तरी शांति के राजकुमार से मिलने गए हैं, लेकिन उन्हें न बुलाया जाए, क्योंकि वह समय पर लौट आएंगे। उस सुबह की जल्दी, वह पार्क के पिछले द्वार पर सबसे सधारण वस्त्रों में प्रकट हुए, और बिना कुछ कहे ही...

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 8.43% है।

अपने घोड़े पर सवार होकर वह तेज चल से चल पड़ा, उसका शरीर काठी के आगे झुका हुआ था। मिंग येन को उसके साथ कदम मिलाकर चलने केलिए चाबुक का इस्तेमल करना पड़ा। जब उससे पूछा गया कि वह कहाँ ज रहा है, तो पाओ यू ने उत्तर दिया: ''सीधे, उत्तरी शहर के द्वार से बाहर!'' ''लेकिन वहाँ कुछ भी दिलचस्प नहीं है; वह इलाका सुनसन और वीरान है,'' मिंग येन ने कहा। पाओ यू नेसिर हिलाया और उत्तर दिया: ''जितना अधिक सुनसन और वीरान होगा, उतना ही अच्छा।'' मिंग येन अपने स्वामी के इस अजीब और परेशान व्यवहार से बहुत हैरान था। वे तेज चाल से छह य सात ली की दूरी तय कर चुके थे और अब खुले, कम आबादी वाले इलाके में थे, तभी पाओ यू ने अपना घोड़ा रोक दिया। ''मुझे आश्चर्य है कि क्या इस इलाके में अगरबत्ती मिल सकती है?'' उसने मिंग येन की ओर मुड़कर पूछा। ''संभव है, लेकिन सवाल यह है: किस तरह की अगरबत्ती चाहिए? "मुझे चंदन, लैवेंडर और अलिवानुइन की अगरबत्ती चहिए।" "इस सुनसन इलाके में इतनी बढ़िया किस्में मिलना मुश्किल होगा," मिंग येन हंसते हुए बोला। "लेकिन क्या आप आमतौर पर अपनी कमर की थैली में अगरबत्ती नहीं रखते?" पाओ यू ने अपने कमर के पत्ते वाले थैले में तलाशा और उसे कंबोडियाई एलोवुड के दो छोटे टुकड़े मिल गए। "अच्छा, अगरबत्ती मिल गई!" उसने संतुष्टि से कहा। "अब मुझे बस एक अंगीठी चाहिए।" "इस वीरान जगह में अंगीठी कैसे मिलेगी?" मिंग येन ने संदेह से सिर हिलाते हुए पूछा। तभी उसे एकविचार आया। "अगर हम बस दो ली और आगे चलें, तो हम जल देव मंदिर के नम से जने जने वले ननों के मठ तक पहुँच जएँगे, और वहाँ हमें अपनी मनचाही हर चीज़ मिल जाएगी।" "वाह!" पाओ यू ने कहा और अपने घोड़े को तेज़ दौड़ा दिया। मिंग येन पओ यू मन ही मन सोच रहा था कि उसका स्वामी, जो आमतौर पर जल देवत के मंदिर के प्रति कुछ तिरस्कारपूर्ण प्रतीत होता था, आज वहाँ जने के लिए इतना उत्सुक क्यों था। जल देवत के मंदिर की वृद्ध मठाधिपिका, जो कभी-कभी युंगकुओ महल में आती रहती थी, राजकुमर के कुलीन युव पोते के इस अप्रत्याशित आगमन से बहुत आश्चर्यचकित और सम्मानित महसूस कर रही थी, मानो कोई जीवित अजगर सीधे आकाश से उसके द्वार पर उतर आया हो। लेकिन पाओ यू ने न तो मठाधिपिका पर और न ही जल देवत पर

कोई विशेष ध्यान दिया। उसने मंदिर के भीतर देवता की मूर्ति पर सरसरी नज़र डाली, जो मिट्टी और प्लास्टर से बनी होने के बावजूद काफी प्रभावशाली थी; फिर वह सीधे मंदिर के पीछे वाले बगीचे में चला गया। उसने मठाधिपिका से एक जलता हुआ अंगीठी लिया और अपनी भेंट चढ़ाने के लिए मंदिर के पास एक स्थान चुना। अब मिंग येन ने संबंधों का अनुमान लगाया और 265 को समझ लिया।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.19% है ।

जब उसने जलदे व के मंदिर का ज़िक्र किया तो उसके स्वमी को इतनी खु शी क्यों हुई? पाओ यू की मृ तकों के प्रति श्रद्धा का तात्पर्य स्वाभाविक रूप से गोल्डरिंग से था, जिसने उसकी गलती के कारण अपनी जान गं वाई थी। एक साल पहले फीनिक्स के जन्मदिन पर ही उस बे चरी ने कु एँ में छलां ग लगा दी थी। जब पाओ यू जलते कोयलों पर कं बोडियाई एलोवे र की अपनी दो लकड़ियों को जलाकर, वे फपिंग कर रहे थे और मृ तकों को मौन प्रणाम करते हुए श्रद्धापूर्वक प्रणाम कर रहे थे, तो उनका दयालु से वक भी घु टनों के बल गिर पड़ा और अपना माथा कई बार ज़मीन पर पटकते हुए प्रार्थना करने लगा: "मैं, मिंग ये न, जिसने इन सभी वर्षों में अपने स्वामी की निष्ठापूर्वक से व की है, अब तक उनके हृदय के रहस्यों को जानती रही हूँ । के वल आज ही उन्होंने मु झसे कु छ नहीं कहा है और अपने होमबलि के कारण के बारे में चु प हैं शिष्टाचार मु झे उनसे जिज्ञासु प्रश्न पू छने से रोकता है ।लेकिन मु झे कोई सं दे ह नहीं कि हे परलोक में विराजमान आत्मा, जिनके लिए यह भें ट चढ़ाई जा रही है, लेकिन जिनका नाम मैं नहीं जनती, आप कभी लोगों के बीच एक समझदार, चतु र, पवित्र, ते जस्वी और अतुलनीय यु वती या छोटी बहन के रूप में रही होंगी। चूंकि मे रे स्वामी अपने हृदय के बोझ के बारे में मे रे सामने नहीं बोल सकते, इसलिए मु झे उनकी ओर से प्रार्थना करने दें और मे री प्रार्थना सु नें, क्योंकि आप एक आत्मा हैं और आपके पास यह शक्ति है ।" हे आत्माओं की शक्ति! कृ पा करके मे रे नन्हे स्वामी की प्रार्थना सुनिए, जो आपको इतनी श्रद्धा से याद करते हैं, जब वे परलोक में प्रवे श करें तो उनकी रक्षा कीजिए और उनकी सहायता कीजिए, ताकि भविष्य में वे एक लड़की के रूप में पुनर्जन्म लें और आपके साथ खुलकर खेल-कू द, हं सी-मजाक और आनंदित हो सकें! प्रार्थना समाप्त करने के बाद उन्होंने कु छ और प्रणाम किए। फिर वे जल्दी से घु टनों के बल से उठ खड़े हुए। पाओ यू उनकी प्रार्थना को बड़े आनं द से सु न रहे थे और प्रार्थना के दौरान उन्होंने उन्हें पै र से हल्का सा धक्का दिया था। "बकवास बं द करो" उन्होंने हं सते हुए फु सफुसाकर कहा। "अगर कोई सु न ले तो कितना बु रा होगा! आप मु झे सबके सामने हं सी का पात्र बना रहे हैं।" दयालु मिंग ये न की भोली सादगी के कारण इस शोकपूर्ण समारोह की कड़वाहट कु छ हद तक कम हो गई, और मठ में जल्दी से एक साधारण नाश्ता करने के बाद, स्वामी और से वक प्रसन्न मन से घर के

लिए निकल पड़े। पाओ यू ने जल्दी से अपने धूल भरे रोज़मर्रा के कपड़े उतारकर रंग-बिरंगे उत्सव के वस्त्र पहने और जन्मदिन की पार्टी में चला गया। सभी लोग नवनिर्मित विशाल हॉल ऑफ़ ब्लॉसम्स में एकत्रित थे, जहाँ से दूर-दूर तक बांसुरी की मधुर ध्वनि और तीखे गीतों की आवाज़ सुनाई दे रही थी। हॉल के प्रवेश द्वार के पास गलियारे वाले मंडप से गुज़रते हुए उसकी मुलाकात मृत लड़की गोल्ड रिंग की बहन, दासी ने फ्राइट बैंगल से हुई। वह छत के नीचे बैठी थी।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल9.20% है ।

रोते हुए। जब उसने उसे देखा तो गहरी आह भरकर मुँ ह फेर लिया और फिर उदास मु स्कान के सथ बोली: "जल्दी अं दर आओ तु म्हारा इं तज़ार ऐसे किया जा रहा है जै से तु म कोई बूढ़ी फीनिक्स हो जो उपचार लाता हो!" "अं दाज़ा लगाओ मैं कहाँ था!" उसने उससे धीरे से कहा। प्राइट बैं गल सिहर उठी और चु पचाप अपने आँ सू पोंछ लिए। जब पाओ यू फूलों के हॉल में प्रकट हुआ, तो उसका स्वागत और अभिनं दन सचमु च उतनी ही हैरानी से किया गया मानो वह कोई जादुई प्राणी हो। सभी ने उसे घेर लिया, उससे सवलों की बौछार कर दी और उस पर ताने कसदिए। उसे पहले ही बता दे न चाहिए था कि वह कहाँ जना चाहता है औरकितने समय तक दूर रहे ग, और अपनी भाभी के जन्मदिन पर यूँ ही भाग जाना बिल्कुल भी शिष्टाचार नहीं था, और वे उसके बारे मेंचिंतित थे, इत्यादि। पाओ यू ने शांत भव से उत्तरदिया कि वह उत्तरी शांति के राजकु मर से शोक व्यक्त करने गय था, जिनकी प्रिय पत्नी का निधन हो गया था। लेकिन पूर्वज को शां त करन मुश्किल था, और उन्होंने धमकी दीकि अगर वह फिर कभी बिना कु छ कहे घर से बाहर गया, तो वह उसके पिता को बता दें गी और उसकीपिटाई करवा दें गी। पओ यू ने गं भीर होकरावादा किया कि वह सु धर जएगा, और इसी के सथ यह घटना समाप्त हुई और उत्सव जारी रहा। किसने सोच होगा कि दिन के दौरान उत्सव का माहौल एक नई और इस बार अधिक गं भीर घटन से फिर से धूमिल हो जाएगा? नाट्य मं डली "द थॉर्न एज़ एग्राफ़े" नाटक का मं चन कर रही थी, जो एक गरीब लड़की और एक अमीर प्रे मी की कहानी है । यह एक सचमु च मार्मिक प्रस्तुति थी जिसने पूर्वज को बारी-बारी से रुलाया और हं सया, एक पल आहें भरवईं तो दूसरे पल गालियां दीं। जब वह दृश्य आय जिसमें नयक अपनी डूबी हुई प्रेमिका को बलि चढ़ाता है, तो ब्लै क जे ड ने प्रेशियस क्लै स्प से कहा, "यह यु वकबिलकुल मूर्ख है! क्या उसे अपनी प्रेमिका को नदी के जल से बलि चढ़ाने के लिए नदी किनारे तक दौड़न ज़रूरी है? क्या वह घर पर कु एँ के पानी से अपने मन को संतुष्ट नहीं कर सकता था? पानी तो पानी है । मयने तोदिल में क्य है!" प्रेशियस क्लै स्प ने कोई जवाब नहीं दिया, लेकिन पाओ यू को उसकीटिप्पणी में छिपी हुई अपने ऊपर की ओर की गईटिप्पणी का स्पष्ट एहसास हुआ। मं च पर जो कु छ हो रहा था, वह आज उसके सथ जो कु छ हुआ थ, उससे

कितना मिलता-जुलता था, और उसकी चतु र चचे री बहन ने उसे एकाबफिर कितनी सही तरह से पहचान लिया था! लेकिन उसने कु छ भी न दे खने का नाटक करते हुए शराब का एक और प्याला मंगवया और भाभी फीनिक्स के स्वस्थ्य के लिए पी लिया। फीनिक्स, जो आमतौर पर ज्यादा शराब नहीं पीती थी और औपचारिक भोज पार्टियों का आनं द नहींले ती थी जहाँ इतनेलं बे समय तक चु पचप बै ठन पड़ता था, आज पूर्वज के विशेष आदे श पर अपनी इच्छा से अधिक समय तक सम्मान के स्थन पर बै ठने केलिए विवश थी, और उपस्थित लोगों से सम्मन प्राप्त कर रही थी, क्योंकि वह उपस्थित सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति थी। सभी महिला रिश्ते दार, साथ ही महिला दल की कु छविशेषाधिकार प्राप्त महिलाएं, यहाँ तककि वेटिंग मे ड मैं डेन डक भी, एक-एक करके आईं और उसके सम्मन में शराब पी।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.77% है ।

स्वास्थ्य के लिहाज से वह हर बर अपना गिलास फिर से भरवने से खु द को रोक नहीं पाती थी। शराब की इस असामान्य मात्रा का असर जल्द ही दिखने लगा। अचानक उसके पे ट में गु ड़गुड़ाहट होने लगी और बाज़ीगरों के प्रदर्शन के बीच में ही उसे अपनी नौकरानी लिटिल पिंग का सहारा ले कर अपने कमरे में जाना पड़ा। जै से ही वह अपने घर के किनारे वले मं डप के पास पहुँ ची, उसने दूर से दे खा कि प्रवे श द्वार के समने पहरा दे रही उसकी एक नौकरानी उसे दे खते ही बिजली की तरह ते ज़ी से मु ड़ी और घर के अं दर भाग गई। नौकरानी के इस अजीब व्यवहार ने तु रं त उसके मन में सं दे ह पैदा कर दिया। उसने उसे रुकने के लिए आवाज़ दी, लेकिन नौकरानी ने मनो उसकी आवाज़ अनसु नी कर दी और अं दर चली गई। तब उसका सं दे ह और गहरा हो गया। वह जितनी ते ज़ी से दौड़ सकती थी, अपने घर के भीतरी आँ गन में गई और पत्थर की सीढ़ियों पर बै ठ गई। फिर उसने उस नौकरानी को आवाज़ दी और उसे अपने समने घु टने टे कने का आदे श दिया। इसके बद उसने लिटिल पिंग को भीतरी द्वार से दो द्वारपालों को लाने के लिए भे ज, जिन्हें अपने साथ रस्सियाँ और चाबु क लाने थे ।"उस नीच कुतिया, उस दुष्ट औरत को बाँ ध दो, जिसकी नज़र अब उसकी मालकिन पर नहीं है, और उसे तब तक पीटो जब तक वह अधमरी न हो जए!" उसने दोनों नौकरानियों को कठोर शब्दों में आदे श दिया। डर से लगभग बे होश होती हुई नौकरानी ने हताशा में अपना माथा पत्थर की पट्टियों पर पटका और दया की भीख माँ गी। "क्या मैं भू त हूँ , जो मु झे आते दे ख तु म क्यों भाग गईं?" फीनिक्स चिल्लाई। "मैं ने नाई नाई को बिल्कुल नहीं दे खा; मु झे बस लगा कि घर खाली और बिना पहरे दर के है, इसलिए मैं अं दर भागी," नौकरानी ने अपना बचाव करने की कोशिश की। "ओह, सच में? अगर घर खाली था, तो तु म प्रवे श द्वार के बहर क्यों घू म रही थीं? इसके अलावा, मैं ने तु म्हें पुकार-पु कारते अपनी आवाज़ खराब कर ली। तु म दूर नहीं थीं, तु म बहरी नहीं हो और तु मने मु झे सुना होगा, लेकिन फिर भी तु म भगती रहीं। झू ठ बोलने की परे शनी से खु द को बचाओ।" मे रा सब्र टूट गया है ।" और उसने नौकरानी के चे हरे पर दो इतने ज़ोरदार थप्पड़ मारे कि उसके दोनों गल तु रं त सू ज गए और बैं गनी पड़ गए। "तुम्हारा हाथ मु ड़ जाएगा, अराई नाई!" इं तज़ार कर रही नौकरानी लिटिल पिंग ने उसे शांत करने की कोशिश करते

हुए कहा। “ठीक है, मु झे मारने की बजय उसे मरो!” उसकी गु स्से वाली मालकिन फु फकार उठी। “और अगर वह फिर भी अड़ियल बनी रही, तो मैं उसकी जीभ गर्म लोहे से जला दूं गी।” “ मैं कबूल करती हूँ,” नौकरानी डर के मरे चिल्लाई। “मालिक घर में हैं । उन्होंने मु झे आप पर नज़र रखने और आपके लौटते ही उन्हें सूचित करने का आदे शदिया है ।” आह, अब बात बन रही है, फीनिक्स ने सोचा। 268

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 8.65% है।

“तुम मेरी निगरानी क्यों कर रहे थे? क्या उन्हें डर था कि मैं अकेले रास्ता नहीं ढूंढ पाऊंगी?” वह अड़ी रही। “सच बताओ, वरना मैं तुम्हें पिन चुभो दूंगी।” अपनी गंभीरता दिखाने के लिए उसने अपने बालों से एक लंबी, नुकीली हेयरपिन निकाली और घुटनों के बल बैठी लड़की के चेहरे के सामने धमकी भरे अंदाज़ में लहराई। नौकरानी डर के मारे अपना सिर पीछे खींचकर कराह उठी: “मुझे मत चुभोओ! मैं तुम्हें सब कुछ बता दूंगी। लेकिन कृपया मुझे धोखा मत दो! आज जब मालिक घर आए तो उन्होंने खजाने के संदूक से चांदी के दो सिक्के, दो अग्राफ और साटन के दो टुकड़े निकाले। मुझे उन्हें चुपके से नौकर लिटिल पाओ की पत्नी के पास ले जाना था और उसे वापस मालिक के पास लाना था। वह अभी भी मालिक के कमरे में है। मुझे बाहर पहरा देना था। कमरे में क्या हुआ है, मुझे नहीं पता।” फीनिक्स को बेहोशी के दौरे से उबरने के लिए थोड़ी देर रुकना पड़ा, फिर वह उठी और अपने पति के मंडप की ओर दौड़ी। रास्ते में उसने देखा कि एक और नौकरानी आंगन के द्वार से सावधानी से झाँक रही थी, और उसे देखते ही उसने अपना सिर अंदर कर लिया और भाग गई। फीनिक्स ने उसे नाम से पुकारा। यह नौकरानी पहली वाली से ज़्यादा चालाक थी। जब उसने देखा कि उसे देख लिया गया है, तो वह तेज़ी से मुड़ी, फीनिक्स के पास पहुँची और बड़े शांत भाव से बोली: "मैं तो बस आपके पास ही आ रही थी, और अब आप खुद आ गईं।" "तो फिर आपके पास क्या संदेश था?" नौकरानी ने बताया कि मालिक घर में है और उसके साथ लिटिल पाओ की पत्नी है, इत्यादि। "और तुमने मुझे यह बात पहले क्यों नहीं बताई, अब क्यों बता रही हो ताकि पकड़े जाने पर खुद को बचा सको?" फीनिक्स ने उसे एक थप्पड़ मारते हुए कहा। फिर वह भागी और अपने पति के शयनकक्ष की खिड़की के नीचे छिप गई। उसे एक जीवंत बातचीत के कुछ अंश सुनाई दिए। अब उसने एक महिला की आवाज़ पहचानी: "बस इंतज़ार करो, देर-सवेर वह पाताल लोक की राजकुमारी मर जाएगी; तब तुम्हारे कष्ट समाप्त हो जाएँगे।" इस पर उसके पति की आवाज़ सुनाई दी: "हाँ, लेकिन फिर क्या? क्या मैं फिर से किसी और से शादी कर लूँ, और वही पुरानी मुसीबतें दोबारा शुरू हो जाएँ?" महिला की आवाज़ जारी रही: "आखिरकार, तुम्हारे पास लिटिल पिंग है। जब दूसरी मर जाए, तो उसे अपनी पहली पत्नी बना लो। फिर तुम्हें कोई चिंता

नहीं रहे गी।" इस पर उसने जवब दिया: "वह यह सुनिश्चित करने पर तुली हुई है कि मेरा लिटिल पिंग से कोई वस्ता न रहे । मुझे पता है कि लिटिल पिंग उसके शक की वजह से परेशान है, लेकिन वह कुछ करने की हिम्मत नहीं करती। वह औरत बस मेरी किस्मत है, मेरा बदनसीब सितारा है ।" फीनिक्स गुस्से से काँप रही थी। लिटिल पिंग, जिसे वह हमेशा वफादारी की मूर्ति मानती थी, अब उस बातचीत से बेनकाब हो गई थी जो उसने अभी-अभी सुनी थी वह

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.15% है ।

अब और सं यम न रख पने पर, अचानक मु ड़कर उसने तीन लिटिल पिंग के कानों पर दो थप्पड़ मारे । फिर वह अपने पति के शयनकक्ष में घु स गई और पै र से दरवाजा खोल दिया। बिना एक शब्द भी कहे वह अपनी प्रतिद्वंदी पर झपटी और पू री ताकत से उसे पीटने लगी। जब वह और नहीं पीट सकी, तो उसने अपने पति को भागने से रोकने के लिए दरवाजे के सामने खड़े होकर उस औरत पर चिल्लाते हुए कहा, "अरे पगल औरत, तो तू मे रे पति को मु झसे छीनना चाहती है और सथ ही मु झे जान से भी मरना चाहती है? ये तो बड़ी चलाकी है! इधर आओ, लिटिल पिंग! तू उस औरत से बे हतर नहीं है और तू भी उसी गुट में फँ सी है । तू ने मे रे पीठ पीछे मु झे सीधा धोखा दिया है!" और एक बार फिर उसने बे चारी लिटिल पिंग के कानों पर दाएं-बाएं घू ं से मारे। क्रोधित लिटिल पिंग ने भी लिटिल पाओ की पत्नी पर अपना गु स्स निकालते हुए उसे दो-तीन घू ं से मारे। "क्या तु म दोनों अपना गं दा खेल खु द नहीं खेल सकती थीं? मु झे इसमें घसीटने की क्या ज़रूरत थी?" वह चिल्लाई। चिया लियन, जो बहुत ज़्यादा शराब पीने से कु छ सु स्त था, पहले तो अपनी आँ खों के सामने इतनी ते ज़ी से घट रहे इस दृश्य को दे खकर असमं जस में पड़ गया। जब फीनिक्स ने अभी-अभी अपनी प्रेमिका को पीटा था, तो उसे गु स्सा और शर्मिंदगी महसू स हुई थी, लेकिन अपनी पत्नी के प्रति सम्मान ने उसे रोक रखा था। लेकिन अब, नौकरानी लिटिल पिंग को भी गाली-गलौज और मारपीट करते दे खकर उसने अपन निष्क्रिय रवै य छोड़कर अपनी दोहरी मार झेल रही प्रेमिका की मदद करने का फै सला किया। "इस तरह पीटने का क्या मतलब है?" उसने लिटिल पिंग को पै र से धक्का दे ते हुए रूखे पन से कहा। जब लिटिल पिंग डरकर पीछे हटी, तो फीनिक्स ने उसकी पीठ पर घू ं से मारे, उसे कायरता का आरोप लगाया और फिर आगे धकेल दिया। हताशा में वह कमरे से भागकर रसोई में चली गई और रसोई के चकू से खु द को घायल करने ही वली थी कि पास खड़ी नौकरानियों ने उसे ठीक समय पर रोक लिया। इसी बीच, बे डरूम में फीनिक्स अपने बे वफा पति पर अपना गु स्स निकाल रही थी। उसने गु स्से में अपना सिर उसकी छाती पर पटका और उसके चे हरे पर चिल्लाई: "तु म उस औरत के साथ मिलकर मे रे खिलाफ साजिश रच रहे हो! मैं ने तु म्हें मे रे खिलाफ गु स्स करते सु ना। तु म मु झे अं त में आत्महत्या करने पर मजबू र कर दोगे"। उसके गु स्से ने

उसे बौखला दिया। उसने दीवार से तलवार उतारी और उस पर चिल्लाते हुए कहा: "अगर तुम सच में मरना चाहती हो, तो मैं तुम्हारा एक काम कर सकता हूँ और हम दोनों को एक साथ मार सकता हूँ। क्योंकि मैं भी जीवन से थक चुका हूँ और शांति के लिए तुम्हारे साथ खुद को कुर्बान करने को तैयार हूँ।" इसी दृश्य के बीच राजकुमारी चेन कई महिलाओं के साथ वहाँ प्रकट हुईं। "इस झगड़े का क्या मतलब है? अभी तो सबसे सुंदर सामंजस्य कायम था!" वह आश्चर्य से बोलीं। 270

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.89% है ।

दूसरों की मौजू दगी और शराब के तीखे असर से चिया लियन को क्रोधित पति का अभिमान दिखाने में पहले से कहीं अधिक आनं द आ रहा था, और वह अपनी तलवार को इतनी बे तहाशा घु म रहा था कि ऐसा लग रहा था मानो वह अपनी पत्नी को जान से मर दे न चाहता हो। राजकु मरी चे न के आने का फीनिक्स पर बिल्कुल विपरीत प्रभाव पड़ा। उसकी उग्रता तु रं त नम्रता और निराशा में बदल गई, वह राजकु मरी के पीछे छिपकर खतरनाक यु द्ध क्षे त्र से भागकर पूर्वज के पस सु रक्षित स्थान पर पहुँ च गई और रोती हुई चली गई। "मैं अभी अपने घर कपड़े बदलने ज रही थी, तभी मैं ने अपने पति को अं दर किसी से बत करते सु ना," उसने रोते हुए बताया, और कहानी को थोड़ा अपने पक्ष में मोड़ दिया। "मैं ने तु रं त अं दर जाने की हिम्मत नहीं की, बल्कि थोड़ी दे र खिड़की पर खड़ी रही। तभी मु झे लिटिल पाओ की पत्नी की आवाज़ सु नई दी और यह सु नकर मैं दं ग रह गई कि वह औरत मे रे पति के सथ मे रे खिलाफ एक भयानक साजिश रच रही थी। वे मु झे ज़हर दे कर मारना चाहते थे और मे री मौत के बाद लिटिल पिंग को अपनी मुखिया बनाना चाहते थे आप मे री नाराज़गी का अं दाज़ा लगा सकते हैं इसके बवजू द मैं ने खु द पर काबू रख, चु पचप अं दर गई और सिर्फ उस बे वफा लिटिल पिंग को सबक सिखाने और उसके कान पर दो घू ं से मारने तक ही सीमित रही। क्या मु झे ऐसा करने का पू रा अधिकार नहीं था? और उसने क्य किया? उसने दीवर से तलवार उतारी और मु झे मारने की कोशिश की!" "यह तो हद हो गई! उस बदमाश, नीच आदमी को तु रं त मे रे पास लाओ!" पूर्वज ने गु स्से से आदेश दिया। उसने फीनिक्स की कहानी को पू री तरह सच मान लिया था। लेकिन उसका आदे श अनवश्यक था, क्योंकि चिया लियन हाथ में नं गी तलवार लिए, डरे हुए लोगों की भीड़ के सथ अं दर आ गय। राजकु मरी शीह और मै डम चें ग उस उग्र व्यक्ति के रास्ते में खड़ी हो गईं। "यह कै स बर्बर व्यवहार है! क्या तु म्हें बू ढ़ी ताई ताई के लिए ज़रा भी लिहाज़ नहीं है?" वे उस पर चिल्लाईं। "यह सब इसलिए है क्योंकि बू ढ़ी तई ताई हमे श से उसे अपना पसं दीदा मानती रही है! लेकिन मैं उसकी धृष्टता बर्दाश्त नहीं करूँ ग!" उसने धु ं धली, नशे में धु त्त आँ खों से तिरछी नज़रों से उन्हें दे खते हुए जवाब दिया। उसकी माँ उससे तलवार छीनने में कामयाब हो गई। "जल्दी! यहाँ से चले जओ! यहाँ से निकल जाओ!" वह चिल्लाईं और उसे

दरवाज़े की ओर धकेलने की कोशिश की। लेकिन वह छटपटाया और बेतहाशा हाथ-पैर हिलाए, और उसके मुँह से थूक की तरह गंदी गालियाँ निकल रही थीं। "उसके पिता को यहाँ बुलाओ!" उसके इस घिनौने व्यवहार पर क्रोधित होकर पूर्वज ने आदेश दिया। "वह उसे सम्मान सिखाएगा।" उनकी धमकी चिया लियन को होश में लाने के लिए काफ़ी थी। वह लड़खड़ाते हुए दरवाज़े से बाहर निकला और बड़बड़ाते हुए बहरी पुस्तकालय की ओर चला गया। इस बीच, फेडीज़ फीनिक्स को शांत करने की कोशिश कर रहे थे। "यह इतना गंभीर नहीं है। एक छोटी-मोटी कहा-सुनी है, जैसी अक्सर युवाओं के बीच होती है," पूर्वज ने शांत भाव से कहा। "मैं ही हूँ जो 271 हूँ।"

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 48.62% है ।

सच में, गलती मे री ही है । मु झे उसे ज्यादा पीने के लिए उकसाना नहीं चाहिए था। कोई आश्चर्य नहीं कि बाद में उसके पे ट में पित्त बनकर सिर के जै सा खट्टा उबाल आ गया।" सभी को उसके इस मज़ाक पर हं सी आ गई क्योंकि "पित्त" शब्द का अर्थ के वल उल्टी ही नहीं, बल्कि ईर्ष्या भी होता है ।"शां त हो जओ!" पूर्वज ने फीनिक्स की ओर मु ड़ते हुए कहा। "उसे कल औपचारिक रूप से तु मसे माफी मां गनी होगी, मैं इसका ध्यान रखू ं गी लेकिन आज तु म्हें अपने घर से दूर रहना होगा और उसे अकेला छोड़ दे ना होगा, नहीं तो वह फिर से क्रोधित हो सकता है ।लेकिन उस बदचलन औरत को क्या हो गया है, छोटी पिंग, कि वह तु म्हारी पीठ पीछे यह घटिया साजिश रच रही है? मैं ने तो हमे श उसे अच्छी और सम्मनित समझा था।" "छोटी पिंग निर्दोष है," अनु पस्थित नौकरानी के बचाव में राजकु मरी चे न ने मु स्कुराते हुए कहा। "आपस में लड़ने के बजाय, पति-पत्नी ने अपना गु स्स एक निर्दोष व्यक्ति पर निकाला है । वह किसी भी तरह से दोष की पात्र नहीं है ।" उसके साथ बहुत अन्याय हुआ है ।" " ओह, मु झे बहुत खे द है," पूर्वज ने खे द व्यक्त करते हुए कहा। "उसने मु झे कभी भी ऐसी बु री लड़की होने का आभास नहीं दिया, जो बहकावे में आने के लिए उत्सु क हो। बे शक, उसे इसकी भरपई करनी होगी। एम्बर, जल्दी से लिटिल पिंग के पास जाओ और उसे बताओ कि मु झे अब पता चल गया है कि उसके साथ अन्याय हुआ है, और मैं कल उसकी मालकिन से माफी मं गवाऊं गी।लेकिन आज, उसकी मालकिन का जन्मदिन है, इसलिए ऐसा करने का यह सही समय नहीं है ।" इस बीच, उससे कहो कि वह परे शन न हो और कल तक धैर्य रखे । छोटी पिंग दौड़कर पार्क ऑफ डिलाइटफुल विजन गई और वहाँ पाओ यू और पर्ल ने बारी-बारी से उसे सां त्वना दी। पाओ यू ने बे गोनिया आं गन में उसका प्यार से स्वागत किया, उसे शराब और आँ सु ओं से भीगी अपनी पोशाक के बजाय पर्ल की एक पोशाक पहनने दी, पर्ल की ड्रेसिंग टे बल उसके लिए उपलब्ध कराई और उसे पं च का एक कटोरा पिलाकर तरोताज़ा किया। फिर, जब अं बर पूर्वज का सां त्वना भरा सं दे श ले कर आई, तो छोटी पिंग ने महसू स किया कि उसका चे हरा नई सु ं दरता से दमक रहा है और उसके आँ सू खु शी में बदल गए। उसने वह रात विधवा चू के साथ चावल के खे त के आं गन में बिताई, जबकि फीनिक्स पूर्वज के साथ रही। अगली सु बह, पूर्वज के

निर्देशों के अनु सार, पिछले दिन का घरेलू झगड़ा विधिवत रूप से सुलझा लिया गया। चिया लियन को पूर्वज के पास बुलाया गया और उसे घु टनों के बल बै ठकर क्षम मां गनी पड़ी, और ऐसा करते हुए उसने अपने व्यवहार के लिए नशे को बहाना बनाया। फिर उसे जना पड़ा... फीनिक्स, जो वहाँ खड़ी थी, रोने से उसकी आँखें लाल थीं, बाल बिखरे हुए थे, उसने कोई गहने नहीं पहने थे, मे कअप और पउडर भी नहीं लगाया था, वह एक ही समय में दुखी और सुंदर लग रही थी, और उसे उनके समने झुककर क्षमा माँ गनी पड़ी। उसके पश्चाताप भरे शब्द, "मैं ने आपके साथ गलत किया है, नाई नाई, और मैं आपसेविनती करता हूँ कि अब मु झसे नाराज़ न हों," सु नकर वहाँ मौजू द सभी लोगों ने राहत की साँ सली। "तु म्हें नाराज़ नहीं होना चाहिए, नहीं तो तु म मु झे नाराज़ कर दोगे," पूर्वज ने फीनिक्स की ओर मु स्कुराते हुए कहा। जब शांति स्थापित हो गई 272

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.12% है ।

पति-पत्नी के बीच सुलह हो जाने पर, छोटी पिंग को बुलवाया गया। चिया लियन ने भी विनम्रतापूर्वक उसे प्रणाम किया और कल अपने और अपनी पत्नी द्वारा किए गए अन्याय के लिए क्षमा मां गी। "क्या तु म उससे भी एक अच्छा शब्द नहीं कहोगी?" पूर्वज ने फीनिक्स से आग्रह किया। लेकिन छोटी पिंग पहले ही अपनी स्वामिनी के सामने जमीन पर ले ट चु की थी और प्रणाम करते हुए उसने अत्यंत विनम्रता से कहा: "कल अपनी नानी को नाराज़ करने के लिए मैं मृ त्यु की पात्र हूँ, उनके हज़ार पतझड़ के दिन!" फीनिक्स, आँ सु ओं से भर उठी और उसे उठाकर खड़ा किया। उसे बहुत शर्म आ रही थी। कल वह भला कै से इतनी बु री तरह से खु द को भूल गई कि उस अच्छी बच्ची को पीट दिया? यह सब निश्चित रूप से इसलिए हुआ क्योंकि उसने बहुत ज़्यादा शराब पी ली थी। "इतने वर्षों में जब से मैं ने आपकी सेवा की है, आपने कभी भी मे रे खिलाफ अपनी उं गली नहीं उठाई!" छोटी पिंग ने भी आँ सु ओं से भरते हुए कहा। "आप हमे शा मे रे प्रति अच्छी रही हैं । इसलिए मैं कल की छोटी सी घटना के लिए आपसे कोई शिकायत नहीं रखूं गी"। "अच्छा, अब सब ठीक हो गया! और इसके बाद जो भी इस कहानी पर बवाल करे गा, उसे खू ब मार पड़े गी।" इस तरह पूर्वज ने सुलह समारोह समाप्त किया और तीनों से विदाई का प्रणाम ले ने के बाद सभी को विदा कर दिया। लेकिन जब पति-पत्नी अपने घर में फिर से अकेले थे, तो फीनिक्स खु द को यह कहने से नहीं रोक पाई: "क्या मु झमें सच में कु छ इतना घिनौना और नफ़रत करने लायक है कि वह बदचलन औरत मु झे पाताल लोक की राजकु मरी और बु रा सपना कहने की हिम्मत करती है? और तु मने तो मु झे हमेशा दे खने में उसका साथ दिया! जब तु म्हारे लिए मु झसे ज़्यादा वह नीच औरत पसं द है, तो मैं कै से तुम्हारे साथ रह सकती हूँ और अपनी इज़्ज़त बचा सकती हूँ?" वह बढ़ती उत्ते जना के साथ बोल रही थी और फू ट-फू ट कर रोने लगी। "क्या तु म फिर से शु रु कर रही हो? क्या कल का तमाशा काफी नहीं था?" वह चिढ़कर गुर्राया। "मैं ने जनता के सामने खु द को अपमानित किया है और घु टनों के बल बै ठकर आपसे क्षमा मां गी है । क्या यह आपके लिए काफी नहीं है? क्या आप चाहते हैं कि मैं फिर से घु टनों के बल बै ठूं ताकि आपका चे हरा फिर से खिल उठे? किसी को भी अधिक अहं कारी नहीं होना चाहिए, अन्यथा उसे अपनी इच्छा का ठीक उल्टा ही मिलता

है।" फीनिक्स ने देखा कि वह सही कह रहा था, इसलिए वह चुप रही। "बस अब रहने दो। मैं स्वीकार करता हूँ कि मैं गलत था!" उसने विनम्रता से कहा, तभी अचानक एक नौकरानी दौड़ती हुई आई और उत्तेजित होकर घोषणा की: "छोटे पओ की पत्नी ने फांसी लगा ली है।" पहले सदमे के बाद फीनिक्स ने खुद को जल्दी से संभाला। "बस करो! इसमें इतन रोमांचक क्य है?" उसने निर्ममता से पूछा। मुख्य प्रबंधक लिंग की पत्नी, जो महिला कर्मचारियों की देखभल करती थी, दबी आवाज में अंदर आई और खबर की पुष्टि की। 273

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.73% है ।

“उसके परिवार के लोग अधिकारियों के पास शिकायत दर्ज कराने का इरादा रखते हैं,” उसने अनिच्छा से कहा। “मु झे कोई आपत्ति नहीं है । मैं भी यही करने वाली थी,” फीनिक्स ने ठंडे लहजे में कहा। “मैं ने उन्हें ऐसा करने से रोकने की पू री कोशिश की। शायद उन्हें पै से दे कर मु आवजा दिया जा सकता है,” श्रीमती लिंग ने आगे कहा। “पै से? मे रे पास इसके लिए पै से नहीं हैं । और अगर होते ,भी तो मैं ऐसा करने के बारे में सोचती भी नहीं। उन्हें अपनी शिकायत दर्ज कराने दीजिए, आप मध्यस्थता करने की परे शानी से बच जाइए,” फीनिक्स ने दृढ़ता से कहा। चिया लियन ने श्रीमती लिंग को चु पके से आँख मारी। वह इशारा समझ गईं और चली गईं, लेकिन दरवाजे के बाहर उनका इं तज़ार करती रहीं। वह उनके पीछे बाहर गए। “मैं दे खता हूँ क्या किया जा सकता है!” उन्होंने फीनिक्स से कहा। “लेकिन कोई पै सा मत दे ना!” उन्होंने पीछे से आवाज़ लगाई। चिया लियन और लिंग की पत्नी के बीच हुई बातचीत का नतीजा यह निकला कि उन्हें मृ तक के परिजनों को दो सौ ताएल (मु सीबत में लिए जाने वाले पै से) दे ने का अधिकार दिया गया। चिया लियन को बहुत बु रा लग रहा था और वह किसी भी कीमत पर बदनामी से बचना चाहता था। उसने श्रीमती लिंग से बात करके यह तय किया कि पै सा गृ ह खर्च के फं ड से लिया जाएगा और जाली खातों के ज़रिए चालू खर्चों की आड़ में निकाला जाएगा। इस तरह मामला दबा दिया गया और फीनिक्स को इसके बारे में कु छ पता नहीं चला। रिश्ते दार सं तुष्ट हो गए, उन्होंने अच्छी-खासी रकम जे ब में रख ली और अपनी नाराज़गी को मन में ही दबा लिया। इसके अलावा, चिया लियन ने लिटिल पाओ को एक तरफ ले जाकर कु छ चां दी के सिक्के और सां त्वना भरे शब्दों से उसे दिलासा दिया और दूसरी पत्नी ढूं ढने में मदद करने का वादा किया। इससे नौकर लिटिल पाओ बहुत खु श हुआ और इस तरह यह दुखद मामला सुलझ गया। अध्याय 27 एक उदास शरद ऋतु की शाम के हवादार और बरसाती माहौल ने ब्लै क जे ड को हवा और बारिश पर एक शोकगीत लिखने के लिए प्रेरित किया। नौकरानी मं दारिन डक ने मं दारिन डक के साथ अपने वै वाहिक सु ख का त्याग कर दिया। ब्लै क जे ड को वसं त और शरद ऋतु में अपनी पु रानी शिकायत के बढ़ने की आदत थी। शरद ऋतु के इन दिनों में वह सामान्य से अधिक बु खार और खां सी से परे शान थी; उसे अक्सर बिस्तर पर

ही रहना पड़ता था और वह बांस के आश्रम से शायद ही कभी बाहर निकलती थी। अकेलेपन से वह बहुत दुखी थी और अपने किसी चचेरे भाई या बहन के आने की बेसब्री से प्रतीक्षा करती रहती थी। लेकिन जब वह बहुप्रतीक्षित आगंतुक आया तो...

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.10% है ।

कु छ ही वक्यों की बातचीत के बद वह थक गई और मुलाक़ात खत्म होने पर उसे खु शी हुई। उसके सथी जानते थेकि वह बीमार है और समान्य दिनों में भी थोड़ी सं वे दनशील है, इसलिए उन्हें इस औपचारिकता और सौहार्दपूर्ण आतिथ्य सत्कार की कमी से कोई आपत्ति नहीं थी। एक दिन प्रेशियस क्लै स्प उससेमिलने आई और बतचीत का रुख ब्लै क जे ड की बीमारी की ओर मोड़ दिया। वह अब तक मिले परिवारिक डॉक्टरों और दवाओं के बरे में कु छ खस नहीं सोचती थी और उसने सोच कि ब्लै क जे ड को एक बर किसी विश्वसनीय विशेषज्ञ से अपनी जं च और इलाज करवाना चाहिए। इस तरह खु द को घसीटते रहना कोई जीवन नहीं था। "कोई डॉक्टर मे री मदद नहीं कर सकता!" ब्लै क जे ड ने उदस स्वर में कहा। "मैं अपनी बीमरी जानती हूँ, और इसका कोई इलाज नहीं है ।" "जब मैं स्वस्थ होती हूँ तब भी क्या मैं सचमु च पू री तरह से सामान्य व्यक्ति होती हूँ?" "भोजन ही हमारा जीवन है!" प्रेशियस क्लै स्प ने उत्सु कता से कहा। "गलत खान-पान के कारण ही तु म्हारी जीवन शक्ति कम हो रही है ।" "हमारा जीवन और मृ त्यु पूर्व निर्धारित हैं," ब्लै क जे ड ने आह भरी।"हम अपने भग्य को नहीं बदल सकते । इस बर बीमारी सामान्य से अधिक गं भीर है..." खां सी के एक ते ज दौरे ने उसे आगे बोलने से रोक दिया। प्रेशियस क्लै स्प को उसकेलिए बहुत दुख हुआ। "मैं ने हाल ही में तु म्हारी दवाइयाँ दे खीं" उसने कहा। "मे री रय में तु म बहुत ज्यादा जिनसें ग और दालचीनी का से वन कर रही हो। ये जीवन शक्ति को उत्तेजित कर सकते हैं लेकिन इनका अधिक से वन हानिकारक है । औरजिनसें ग और दालचीनी का काढ़ा बहुत गर्म मत पियो! सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि तु म्हें अपने लीवर को आराम दे न चाहिए और उसे ठं डा रखना चाहिए, क्योंकि लीवर में अधिक गर्मी अं ग के पाचों को नु कसन पहुं चती है और पचन क्रिया को बाधित करती है, जिससे जीवन खतरे में पड़ जाता है ।" आपको हर सु बह एक औंस उत्तम अबबील के घोंसले और आध औंस बर्फ की चीनी को चां दी के टुकड़ों के गर्म काढ़े में मिलाकर पीना चाहिए। यह आपको किसी भी दवा से अधिक शक्ति प्रदान करे ग।” “मे रे बरे में इतना ध्यान रखने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद!” ब्लै क जे ड ने भवु क होकर कहा। “मैं वस्तव में इसके योग्य नहीं हूँ । पहले मैं आपके बरे में तरह-तरह की बु री बतें सोचती थी।लेकिन हाल ही में आपने

मुझे बुरी किताबों के बारे में इतने प्यार से समझाया और आज इतना स्नेह दिखाया, तो मुझे एहसास हुआ कि मैंने अब तक आपको गलत समझा है। आप मुझे क्षमा कर दीजिएगी क्योंकि मैं बहुत अकेली हूँ और मुझे माता-पिता या भाई-बहनों की सलाह नहीं मिली। मैं अब पंद्रह साल की हूँ, लेकिन अब तक किसी ने भी मेरे लिए आपके जैसे मित्रवत और समझदारी भरे शब्द नहीं कहे हैं। पहले जब लिटिल क्लाउड आपकी प्रशंसा करती थी तो मुझे थोड़ा संदेह होता था, लेकिन अब मुझे यकीन है कि वह सही थी। यह बिल्कुल सच है कि दालचीनी और जिनसेंग के काढ़े से इलाज करने से मुझे कभी कोई खास फायदा नहीं हुआ।" दादी, चाची चेंग और चचेरी बहन फीनिक्स ने मुझे कभी भी अबाबील के घोंसलों और चीनी की बर्फ के बारे में, और नौकरानियों और प्रतीक्षारत कर्मचारियों के बारे में कुछ नहीं बताया।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 89.01% है ।

नौकरानियाँ मेरी ज़रा भी परवाह नहीं करतीं। वे मुझे यहाँ का अपना नहीं मानतीं, बल्कि एक अजनबी समझती हैं जिसकी सेवा वे बेमन से करती हैं। मुझे बहुत संदेह है कि मुझे रोज़ाना चिड़ियों के घोंसले और चीनी का वह राशन मिलेगा जो आप ज़रूरी समझती हैं।"मुझ पर भरोसा रखिए! मैं भी आपकी ही तरह हूँ," प्रेशियस क्लैस्प ने कहा। "लेकिन आपके पास अभी भी आपकी माँ और आपका भाई है, जो आपसे बड़ा है। आपके परिवार के पास अभी भी अपना घर और ज़मीन का एक टुकड़ा है! आप अजनबियों की दया पर निर्भर नहीं हैं! अगर आपको ठीक लगे तो आप जब चाहें जा सकती हैं और अपनी संपत्ति पर रह सकती हैं।लेकिन मेरे पास घर नहीं है; मेरे पास अपने कपड़े पहनने और खाने का कोई साधन नहीं है। स्वभाविक रूप से, इन परिस्थितियों में नौकरानियाँ मुझे पूरी तरह स्वीकार नहीं करतीं और मुझे बहुत कम सम्मान मिलता है। आप मुझसे कहीं बेहतर स्थिति में हैं।" "अच्छा, आपको अपने भविष्य के लिए थोड़े से शादी के गहनों से ज़्यादा और क्या चाहिए?" "अफसोस की बात है कि अभी वह समय नहीं आया है," प्रेशियस क्लैस्प ने मज़ाक में कहा। ब्लैक जेड शरमा गई। "मैं अपनी परेशानियाँ आपसे इसलिए साझा करती हूँ क्योंकि आप बहुत दयालु लगती हैं, और फिर आप मेरा मजाक उड़ाती हैं! यह ठीक नहीं है," उसने मुस्कुराते हुए कहा। "यह तो बस एक मजाक था!" प्रेशियस क्लैस्प ने खुशी-खुशी और बेफिक्री से माफी मांगते हुए कहा, "लेकिन शायद इसमें कुछ सच्चाई भी हो, कौन जानता है? खैर, मुझ पर भरोसा रखो! जब भी तुम्हें कोई चिंता हो, जब भी तुम्हें कोई शिकायत हो, मुझे बताना, मैं अपनी पूरी कोशिश करूंगी।लेकिन मेरे भाई, ह्सुएह पन, जिसका तुमने अभी जिक्र किया, उसकी अहमियत तो तुम खुद जानती हो कि वह कितना खास है और उससे मुझे कितना कम सहारा मिलता है! बेशक मैं तुमसे कुछ बेहतर स्थिति में हूँ क्योंकि मेरे पास अभी भी मेरी माँ है। उनसे मन की बातें की जा सकती हैं और सुख-दुख बाँटे जा सकते हैं।लेकिन, इसकी भरपाई के लिए, तुम बुद्धिमान हो।" आखिरकार, तुम कोई नासमझ दूधवाली तो हो नहीं जो खुद को संभाल नहीं सकती और सिर्फ आहें भरना जानती है। तुम मुझसे बिना झिझक बात कर सकती हो। मैं कल अपनी माँ से अबाबीलों के घोंसलों के बारे में बात करूँगी; मुझे लगता है उनके पास अभी भी कुछ होंगे। मैं तुम्हें कुछ औंस भेज

दूँ गी, और मे री एक नौकरानी तु म्हारे लिए हर दिन खाना बनाएगी; तु म्हें बाकी नौकरों को परे शान करने कीबिल्कुल ज़रूरत नहीं है ।लेकिन अब मैं चलती हूँ । तु म ज़रूर थक गई होगी।" "शाम को वापस आना!" प्रेशियस क्लै स्प ने ऐसा करने का वादा किया और चली गई। ब्लै क जे ड ने पतले चावल के सू प के कु छ घूँट पिए, फिर वह अपने बिस्तर पर ले ट गई और उसलंबी, धुं धली पतझड़ की दोपहर में सपनों की दुनिया में खोई रही। बहर कितना उदास था! आसमान बादलों से घिर गया था; हल्की बूं दाबां दी से ऐसा लग रहा था जै से शाम हो गई हो। खिड़की के समने बं स के पत्तों पर टपकने की एकरस आवज़ कितनी उदास लग रही थी! ब्लै क जे ड 276

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.14% है ।

वह घं टों वहीं ले टी रही और कीमती क्लै स्प के लौटने का व्यर्थ ही इं तज़ार करती रही। उसने मन ही मन कहा, वह इस मौसम में बहर नहीं जाएगी। अं धेरा होने पर उसने दीपक मं गया, और किताबों की अलमारी से एक किताब उठाई। यह सं गीतबद्ध प्रसिद्ध कविताओं का सं ग्रह था। पन्ने पलटते ही उसे "बिछड़ने का दर्द", "कुं वारी के कमरे में शरद ऋतु का कष्ट" जै से शीर्षक मिले । ये शोकगीत उसके मन को भ गए और उसे अपनी एक कविता रचने की प्रे रणा मिली, जिसका नाम उसने "शरद ऋतु की शम खिड़की के पस बै ठकर लिखी गई हवा और बारिश पर शोकगीत" रखा। उसने अपनी लं बी कविता, जिसमें सत-सात शब्दों के दस दोहे थे, पू री कर ली थी और फिर से ले ट गई थी, तभी पाओ यू के आने की सू चना मिली। वह सीधे अं दर आया, सिर पर बु नी हुई टहनियों से बनी चौड़ी टोपी और कपड़ों के ऊपर मछुआरों द्वारा पहने जने वले सरकं डों के लबादे जै सा चौड़ा लबादा पहने हुए। "अरे वह, ये कै सा मछुआरा है!" ब्लै क जे ड ने हं सते हुए उसका अभिवादन किया। "आज कै स लग रहा है? क्या तु म नियमित रूप से अपनी दव ले रहे हो? भू ख कै सी है?" उसने चिंता से पू छा, और अपना रे नकोट उतर दिया। उसने अपने दाहिने हाथ में दीपक लिया और उसे ब्लै क जे ड के चे हरे के पास ले जाकर, अपने बएं हाथ से उसके सबसे नज़दीकी हिस्से को छाया दी। "आज तु म वकई बे हतर लग रहे हो," उसने ध्यान से दे खने के बाद सं तुष्टि से कहा, इस दौरान ब्लै क जे ड भी उसे और करीब से दे ख रही थी। उसने एक पुरानी लाल दमिश्क की कमीज़ पहनी हुई थी, जो अब बिल्कुल नई नहीं थी, और कमर पर हरे सू ती कमरबं द से बं धी हुई थी। कमीज़ के नीचे हरे सटन की फूलों की कढ़ाई वाली पैं ट उसके घु टनों तक थी। बु ने हुए सु नहरे कपड़े की मोटी रजाईदार मोज़े उसके पै रों को ढके हुए थे, और फूलों और तितलियों की कढ़ाई वाली सुं दर, आरामदायक साटन की चप्पलें उसके पै रों में थीं। "बारिश से सिर्फ तु म्हारा ऊपरी हिस्सा ही बचा है । इसके बावजू द तु म्हारे मोज़े और चप्पलें सफ और सू खी कै से हैं?" ब्लै क जे ड ने पू छा "अरे, यहाँ आते समय मैं ने लोगों से बा के पे ड़ों की लकड़ी से बने मजबू त लकड़ी के बरिश के जू ते पहने थे । मैं ने उन्हें बाहर छत के नीचे छोड़ दिया था," पाओ यू ने मु स्कुराते हुए जवब दिया। "तो फिर, वह सुं दर और बढ़िया बारिश से बचने वली टोपी तु म्हें कहाँ से मिली? यह इतनी हल्की और

लचीली है, बाज़ार में मिलने वली आम कां टे द्र टोपी जै सीबिल्कुल नहीं है,” ब्लै क जे ड ने आगे पू छा। “तीनों चीज़ें—लकड़ी की टोपी, सरकं डे कलबादा और लकड़ी के जू ते— उत्तरी प्रांत के राजकु मर की ओर से उपहार हैं,” पाओ यू ने र्ग से कहा। वह खु द भी खराब मौसम में यही पोशक पहनता है । क्य आपको पसं द है? अगर पसं द है तो मैं आपकेलिए भी वै सी ही पोशक ला दूँ ग। बारिश से बचने वली टोपी सबसे कीमती है । इसकऊपरी हिस्सा बां स के गू दे से बना है और इसे हटाया जा सकता है । इसेनिकालकर अपनी पसं द के अनुसार आकार दिया जा सकता है ।277

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 98.98% है ।

सर्दियों में, बर्फीले मौसम में इसे निकालकर इसके चौड़े किनारे को गर्म फर टोपी के ऊपर मोड़ा जा सकता है । व्यवहारिक है न? क्या आप भी ऐसी ही बारिश से बचव वाली टोपी लेन चाहें गी?" "नहीं, धन्यवाद! मैं मं च पर मुछआरे की तरह सज-धजकर नहीं जाना चाहूँ गी.." वह अचानक रुक गई और उसके चे हरे पर शर्मी की लाली छा गई। उसे दे र से एहसास हुआ कि उसने अभी-अभी पाओ यू को मुछआरे समझकर अभिवादन किया था। पाओ यू ने उसकी शर्मिंदगी पर ध्यान नहीं दिया, जिसे वह खं सकर छिपाने की कोशिश कर रही थी। उसे मे ज पर वह कविता मिल गई थी जिसे उसने अभी-अभी पू रा किया था, और वह उसे उत्सु कता से पढ़ रहा था। "शानदार!" उसने अनायास ही कहा। एक पल में उसने कागज का पन्ना उठाया और उसे दीपक पर जला दिया। "बहुत दे र हो गई!" वह हँ स। "मु झे तो यह पहले से ही याद है!" "अब मु झे सोना चाहिए।" "चले जाओ!" उसने कहा। उसने अपने कोट का कॉलर ऊपर किया और अखरोट के आकार की सोने की जे ब घड़ी निकाली। सु इयाँ पहले से ही दसवें घं टे पर थीं। "तु म सही कह रही हो। अब सोने का समय हो गया है । तु म थक गई होगी"। उसने जल्दी से अपने बारिश वाले कपड़े पहने और विदा ली। दरवाजे पर पहुँ चकर वह एक बार फिर मु ड़ा। "क्या कल खाने के लिए तु म्हारी कोई खास इच्छा है?" उसने पू छा। "अगर है, तो मैं बुढ़िया को बता दूँ गी। तु म उन बुढ़ियों से ज़्यदा मु झ पर भरोसा कर सकती हो।" "मु झे सु बह तक का समय दो। शायद रात में मु झे कु छ अच्छा सू झ जए। लेकिन अब जल्दी करो! दे खो बहर कितनी ते ज़ बरिश हो रही है! क्या तु म्हारे सथ कोई है?" "हम यहाँ हैं," दो नौकरानियों ने जवब दिया, जो दरवाजे के बाहर एक बड़ा छाता खोल रही थीं और एक लालटे न जला रही थीं। "इस मौसम में लालटे न जलाने का क्या मतलब है?" “यह जल्दी ही भीगकर बु झ जएगा,” ब्लै क जे ड ने कहा। “यह सींग का लालटे न है, भे ड़ के सींग से बना है, और यह बारिश से सुरक्षित है ।” ब्लै क जे ड ने किताबों की अलमारी से एक कां च का लालटे न निकाला, अपनी नौकरानी से उसमें जलती हुई मोमबत्ती रखवाई, और उसे पओ यू को दे दिया। “कृ पय इसे ले लीजिए। यह आपके फीके सींग वाले लालटे न से ज़्यदा चमकदार है, और यह बारिश से भी सु रक्षित है ।” “ नहीं, धन्यवाद, मे रे पास भी ऐसा ही एक कां च का लालटे न है, लेकिन मु झे डर था कि

गीले और फिसलन भरे रास्ते पर चलने वाले लोग फिसलकर लालटेन तोड़ देंगे। इसलिए मैंने उसका इस्तेमाल नहीं किया।” “इसे ले लीजिए! अंधेरे में फिसलकर चोट लगने से बेहतर है कि लालटेन टूट जाए। आपको उन अजीब लकड़ी के जूतों की आदत नहीं है। सींगवाली लालटेन को आगे चलने दीजिए और कांच वाला लालटेन खुद ले लीजिए! आप इसे कल लौटा सकते हैं”।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.27% है ।

पाओ यू ने सोचा, "वह मे रे बारे में कितनी चिंतित है!" उसने विनम्रता से उसका कांच का लालटेन लिया और अब चलने लगा। एक सेविका सींग का लालटेन लिए आगे चल रही थी, दूसरी छाता लिए उनके पीछे-पीछे और उनके पीछे पाओ यू कांच का लालटेन लिए एक दासी का सहारा ले कर चल रहा था। एक और दासी छाता लिए सबसे पीछे थी। वह अपने दल के सथ अभी चला ही था कि जंगल के आंगन से छाता और लालटेन लिए एक सेविका आ गई। उसे प्रेशियस क्लैस्प ने भेजा था और वह निगल के घोंसले, बेर के पकौड़े और विदेशी मिठाई का एक बड़ा पार्सल लाई थी। "लो, इनका आनंद लो! और जब तुम इन्हें खा लोगे, तो मेरी युवती तुम्हें और भेज देंगी" जंगल के आंगन से आई दूत ने कहा। "इतनी देर रात तक आने की तकलीफ के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद! कृपया प्रतीक्षारत दासियों के कमरे में चाय पीकर तरोताजा हो जाइए!" "धन्यवाद, लेकिन मैं इंतजार नहीं कर सकता, मुझे अभी कुछ काम करने हैं"। "मैं समझ गई आप जुआघर में अपनी बारी लेना चाहती हैं । इन लंबी और नीरस शमों में थोड़ा खेल खेलकर समय बिताना अच्छा लगता है," ब्लैक जेड मुस्कुराते हुए बोलीं। "युवती ने सही अनुमान लगाया है । आजकल मैं कुछ सुखद और प्रतिष्ठित लोगों के सथ समय बिता रही हूँ । हम हर शम खेल के लिए इकट्ठा होते हैं, और आज ही मुझे अपने क्लब की अध्यक्षता करनी है । इसलिए मैं देर नहीं करना चाहती।" "ओह, मुझे बहुत अफ़सोस है कि आपने मेरे लिए अपना खेल छोड़ दिया और इस बरसात के मौसम में मेरे पास आने की तकलीफ उठाई। ज़ाहिर है, मुझे इसके लिए आपको मुआवज़ा देना होगा।" ब्लैक जेड ने अपनी नौकरानी को नौकरानी को कुछ सौ तांबे के सिक्के देने और बारिश के बुरे असर से बचने के लिए उसे एक कटोरी पंच पिलाने का आदेश दिया। नौकरानी ने सिर झुकाकर धन्यवाद दिया, लेकिन केवल तांबे के सिक्के ही लिए और जल्दी से छाता और लालटेन ले कर चली गई। उसके जने के बाद नौकरानी कुकू को अपनी मालकिन के कपड़े उतारने में मदद करनी पड़ी और उसने पर्सल और लालटेन को हटाया। लेकिन इतनी थकी होने के बावजूद, ब्लैक जेड को नींद नहीं आ रही थी। वह इस सोच से ग्रस्त थी कि अनाथ होने के नाते प्रेशियस क्लैस्प के पास माँ और भाई होने का फायदा है, और पाओ यू, दोस्ती का वादा करने के बावजूद, अंत में उसे धोखा देगा। बांस

और केले के पत्तों पर लगातार गिरती बारिश की एकरस आवाज़ ने उसे बे हद उदास कर दिया। उसे कंपकंपी हुई और उसने अपना चेहरा तकिए में छिपा लिया और रोने लगी। आधी रात बीत चुकी थी, और आखिरकार ढोल की चौथी थाप के समय के आसपास उसे नींद आ गई।279

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.13% है।

अगली सुबह फीनिक्स को राजकुमारी शीह के यहाँ बुलाया गया। जल्दी से तैयार होकर वह अपनी गाड़ी में बैठकर अपनी सास के घर चली गई। राजकुमारी ने पहले अपने सेवकों को विदा किया, फिर धीमी और गोपनीय आवाज़ में बोली, "मुझे एक थोड़े नाज़ुक ममले में आपकी सलाह चाहिए। मेरे पति की नज़र बूढ़ी तई ताई की पसंदीदा दासी, मंदारिन डक पर पड़ी है। वह उसे अपनी 'साथी' बनाना चाहते हैं और उन्होंने मुझे बूढ़ी ताई से इस बरे में बात करने केलिए कहा है। वैसे तो यह मामला इतना महत्वपूर्ण नहीं है, लेकिन मुझे संदेह है कि बूढ़ी तई ताई मंदारिन डक को छोड़ देंगी या नहीं। मुझे समझ नहीं आ रहा कि मुझे क्या करना चाहिए। आप क्या सलाह देंगी?" फीनिक्स ने तुरंत जवाब दिया, "यह एक पेचीदा आदेश है और इसे पूरा करने में आपको बहुत परेशनी होगी। अगर बूढ़ी तई ताई को मंदारिन डक से अलग कर दिया गया, जो उनके लिए बहुत ज़रूरी है, तो उनकी भूख पूरी तरह से खत्म हो जाएगी।" इसके अलावा, बूढ़ी तई ताई अक्सर कहती हैं कि आपके पति अब इतने बूढ़े हो गए हैं कि उनके लिए 'बाएँ और दाएँ अलग-अलग कमरे' रखना ठीक नहीं है। इसी वजह से वे महल के कामकाज में लापरवाही बरतते हैं, और उनकी राय में, यह मौज-मस्ती भरी जिंदगी उनके स्वस्थ्य के लिए भी अच्छी नहीं है। इससे आप समझ सकती हैं कि बूढ़ी तई ताई आपके पति के तौर-तरीकों से बिल्कुल भी खुश नहीं हैं। अभी शेर की नाक पर घास की एक पत्ती गुदगुदाने की बजाय, बेहतर होगा कि वे शेर के रास्ते से हट जाएँ। मुझसे नाराज़ मत होइए, लेकिन इस मामले में आप मुझ पर भरोसा नहीं कर सकतीं। मुझे लगता है कि मेरा हस्तक्षेप करना व्यर्थ होगा। आपके पति अब जवान नहीं हैं, उनके बच्चे और पोते-पोतियाँ हैं। लोग क्या सोचेंगे? इससे गपशप का सिलसिला शुरू हो जाएगा; आपको उसे समझाना चाहिए और उसके इरादों से पीछे हटने के लिए उससे बात करनी चाहिए।" राजकुमारी उसकी बातों से ज़्यदा खुश नहीं दिखीं। "दूसरे कुलीन सज्जन तीन 'अड्डे' और चार रखैलें रख सकते हैं, तो क्या मेरे पति को इसकी इजाज़त नहीं है?" उन्होंने ठंडी मुस्कान के साथ पूछा। "अगर मैंने उसे समझाने की कोशिश की, तो उस पर शायद ही कोई असर पड़ेगा। आप जानती हैं कि वह कितना ज़िद्दी और गुस्सैल है। वैसे भी, आपको उस बुढ़िया से बात करने केलिए कौन कह रहा है? मैं तो

खुद ही उसके पास जाऊंगी। मैं तो बस आपसे सलाह लेना चाहती थी।” जहां तक मंदारिन डक की बात है, अगर वह बूढ़ी तई ताई की दस गुना पसंदीदा नौकरानी भी होती, तो भी वह ऐसे लाभकारी रिश्ते को शयद ही ठुकराती। फीनिक्स ने मन जाना ही उचित समझा। वह जानती थी कि कुछ हद तक शंति बनाए रखने केलिए और कुछ हद तक चलाकी से, राजकुमरी अपने पति का किसी भी तरह से विरोध करने कीहिम्मत नहीं करती थी। क्योंकि, परिवार के मुखिया की पत्नी होने के नाते, जिस पर जागीर का व्यावसायिक प्रबंधननिर्भर था और जिसके हाथों से सभी आय और व्यय होता था, वह जानती थी कि इसका कैसे फायदा उठाया जाए और अपने पति के थोड़े खर्चीले होने के बावजूद अपना भाग्य कैसे बनाया जाए। इतने महत्वपूर्ण लाभों को देखते हुए, स्वाभाविक रूप से उसके मन में अपने पति को नाराज करने का विचार नहीं आता। संभवतः280

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 79.08% है ।

आज भी इस मामले में उसके रवै ये के पीछे किसी लाभ का मकसद था। इसलिए फीनिक्स ने तु रं त अपना विचार बदल दिया और पू री तरह सहमत होने का नाटक किया। "आप बिल्कुल सही हैं; अपनी यु ववस्था की नासमझी में मैं ने पहले इस बरे में नहीं सोचा था," उसने चतुराई से अपनी बात बदलते हुए कहा। "मैं ने अभी-अभी आपके पति के बरे में बुढ़िया की जो बातें कही हैं, वो तो मैं ने सु नी-सु नाई बातों से ही जनी हैं । ऐसी बे तु की बातों को गं भीरत से ले न मे री बहुत बड़ी गलती थी। माता-पिता अक्सर बच्चों की गलतियों पर गु स्से में आकर ऐसी बातें करते हैं, तु रं त कठोर फै सला सु न दे ते हैं और उन्हें जान से मरने की धमकी दे ते हैं, लेकिन जै से ही वे अपने बच्चों को दोबारा दे खते हैं, उनका प्यार हावी हो जाता है और पहला गु स्स शां त हो जता है । बुढ़िया अपने बे टे की इस मासू म इच्छा को क्यों न मान लें और उसे एक ऐसी नौकरानी दे दें जिस पर उसका बे टा इतना मोहित हो गया है? हमें तु रं त काम शु रु कर दे ना चाहिए। सौभाग्य से, बुढ़िया आज अच्छे मू ड में हैं । क्या मैं आगे जाकर आपके लिए जगह तै यर कर दूं? फिर, जब आप आएं गी तो मैं दे खूं गी कि वहां मौजू द बाकी लोग हट जाएं, ताकि आप बुढ़िया के सथ अकेले औरबिना किसी बाधा के सारी बातें कर सकें "। राजकु मरी अपने बदले हुए रवै ये से स्पष्ट रूप से प्रसन्न थीं। "बहुत बढ़िया, आगे बढ़ो, लेकिन अभी बुढ़िया ताई ताई को कु छ मत बतना! हमें उसे धीरे-धीरे, अप्रत्यक्ष रूप से, मं दारिन डक के ज़रिए मनाना होगा। लेकिन पहले हम मं दारिन डक को मनाने की कोशिश करते हैं; वह शायद शु रु में आनाकानी करे गी और शर्माएगी; मैं बद में उसके सं दे ह दूर करने की कोशिश करूँ ग। एक बार मं दारिन डक मान जाए, तो बुढ़िया ताई भी आनाकानी नहीं करे गी, क्योंकि उसे पु राना नियम याद है: 'जो जाना चाहता है उसे कभी मत रोको'।" "शानदार! यही तो सही रणनीति है!" फीनिक्स ने उत्सह से सहमति जताई। "मं दारिन डक ज़रूर सहयोग करे गी। दरअसल, अगर वह इस अवसर को ठुकरा दे, जो उसे नौकरानी से लगभग मालकिन के पद तक पहुँ चा दे ग, और इसके बजाय से व में रहन चाहे, और भविष्य में किसी साथी नौकर की पत्नी बनने की उम्मीद रखे, तो वह सरासर मूर्ख होगी।" "बिल्कुल सही! इस रिश्ते पर तो वो खु द को ही बधाई दे सकती है । तो जाओ, उससे बत करो! मैं जल्दी से नाश्ता करके तु म्हारे पीछे आती हूँ"। इस बीच चतु र फीनिक्स के मन में

कुछ और विचार आया। उसे बिल्कुल भी यकीन नहीं था कि मंदारिन बत्तख मान जाएगी। अगर मैं मंदारिन बत्तख को मनाने में नाकाम रही, तो राजकुमारी शायद बाद में मुझे ही दोषी ठहराएगी और डांटेगी, उसने मन ही मन सोच। बेहतर होग कि हम साथ चलें। इससे मैं किसी भी संभवित असफलता की ज़िम्मेदारी से मुक्त हो जाऊँगी।"चाची चेंग ने कुछ देर पहले नाश्ते के लिए ताज़ी भुनी हुई बटेरों की दो टोकरियाँ भेजी थीं, मैं उनमें से आधी अलग रखने ही वली थी।"

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.18% है ।

वै से भीआपके लिए," उसने मु स्कुराते हुए कहा। "इसके अलावा, आपकी पालकी के पर्दे का किनारा फटा हुआ है । अभी जब मैं मु ख्य द्वार से आ रही थी, तो मैं ने आपके पालकियों को इसके बारे में बात करते हुए सु ना। वे इसे मरम्मत के लिए ले जा रहे थे । क्या यह बे हतर नहीं होगा कि आप अभी मे रे साथ मे री गाड़ी में चलें; हम साथ में नाश्ता कर सकते हैं और फिर पु राने तई ताई जागीर में जा सकते हैं "। राजकु मारी को उसका सु झाव समझ में आ गया; उसने जल्दी से कपड़े पहने और उसके साथ गाड़ी में बै ठ गई। अं त में, मैकेनिक्स ने चतुराई से यह व्यवस्था की कि राजकु मारी अकेले पुराने तई ताई जागीर में जाए और वह बाद में उसके पीछे गया। तदनु सार, राजकु मारी पूर्वज के पास गई, उनसे कु छ औपचारिक बातें कीं, और मै डम चें ग से मिलने के बहाने जल्दी से वापस चली गई; लेकिन वास्तव में, वह नौकरानी मं दारिन डक के कमरे में चली गई। मं दारिन डक वहाँ बै ठी कढ़ाई कर रही थी। जब राजकु मारी आई तो वह विनम्रता से उठी। " ओह, आप कितनी सु ंदर कढ़ाई कर रही हैं!" "कृ पया मु झे इसे दे खने दीजिए!" राजकु मारी ने कहा। और उन्होंने लड़की के हाथ से कढ़ाई ले ली, कु छ दे र तक खु शी से उसका निरीक्षण किया और उसे वापस दे दिया। फिर उन्होंने उस यु वती का बारीकी से निरीक्षण किया, यह दे खते हुए कि उसने हल्के बैं गनी रं ग का रे शमी कुर्ता (कमल की जड़ के रं ग जैसा) और पानी जै से हरे रं ग की सूतन पहनी हुई थी, और उसकी कमर पतली, कं धे गोल और हल्के ढलान वाले थे, चे हरा बत्तख के अं डे के समान अं डाकार था, बाल वार्निश की तरह चमक रहे थे, नाक छोटी और सु ंदर धनुषाकार थी, और दोनों गालों पर एक-एक नाजु क तिल था। मं दारिन बत्तख को इस गहन निरीक्षण से कु छ अप्रिय आश्चर्य हुआ और उसने तु रं त अनुमान लगाया कि इसके पीछे कु छ खास बात जरुर होगी। "सु बह-सु बह इतनी जल्दी तई ताई यहाँ क्यों आई हैं?" उसने मु स्कुराते हुए पू छा। राजकु मारी ने अपने दल को एक नज़र से यह बता दिया कि वह अकेले रहना चाहती हैं, जिसके बाद से वक चले गए। फिर वह बै ठ गईं और दोस्ताना अं दाज में मं दारिन बत्तख का हाथ पकड़ लिया। "मैं आई हूँ "। "मैं यहाँ विशेष रूप से आपको बधाई दे ने आई हूँ"।मं दारिन डक को लगा कि वह लगभग तीन-दसवें हिस्से तक समझ सकती है कि बात क्या है । उसने अपना सिर झुकाया, शरमा गई और चु प

रही। "मेरे मित्र को लंबे समय से इस बात का अफसोस है कि उनके स्थायी परिवेश में कोई ऐसा नहीं है जिस पर वे सचमुच भरोसा कर सकें," राजकुमारी ने आगे कहा। "उन्हें पेशेवर दलाल के माध्यम से पैसे देकर अपनी मनचाही चीज़ें हासिल करना घृणित लगता है। उन्हें ऐसे दलालों के ज़रिए मिलने वाली चीज़ों से पूर्वाग्रह है, और उन्हें लगता है कि इस तरह खरीदी गई कोई अजनबी लड़की बाद में किसी न किसी शारीरिक या अन्य दोष के कारण निराश कर सकती है और दो-तीन दिनों के बाद तरह-तरह के बुरे व्यवहार और आकर्षक बंदरों जैसी हरकतें दिखा सकती है। अब, पिछले छह महीनों से वे यहाँ हमारी लड़कियों को निष्पक्ष रूप से देख रहे हैं, 282

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.99% है ।

और गहन छानबीन के बद वह इस निष्कर्ष पर पहुँ च है कि उन सभी में से केवल एक ही ऐसी है जिसे वह अपन बनाना चाहता है, और वह आप हैं । उसे इस बात का पू रा सं तोष है कि आपमें नम्रता, विश्वसनीयता और अन्य सभी स्त्री-सुलभ गु ण समहित हैं । इसलिए, अब वह आपको अपने साथ ले जना चाहता है । आपकीस्थिति, ज़ाहिर है, दलालों के ज़रिए खरीदी जाने वली लड़कियों से बिल्कुल अलग होगी। आपको 'मौसी' की उपाधि के सथ दूसरी पत्नी का दर्जा प्राप्त होगा और आप उसी के अनु रूप मान-सम्मान और शक्ति का आनं दलें गी। क्य यह आपके लिए आपकी हर इच्छा की पूर्ति नहीं है कि मे रे मित्र ने आपको चु ना है और अब आपको एक ऐस स्थान प्रदान कर रहे हैं जो आपको आपकी जाति की सभी साज़िशों और ईर्ष्या से ऊपर रखे गा? तो अब मे रे साथ उस बू ढ़ी तई ताई के पस चलो, ताकि मैं डोरिन डक की सहमति ले सकूँ । वह खड़ी हो गई और मंक्षि डक का हाथ पकड़कर उसे बहर ले जने लगी। लेकिन उसकी उम्मीद के विपरीत, शरमाती हुई लड़की ने अपन हाथ छुड़ा लिया और उसके सथ जाने से इनकार कर दिया। "तु म्हें शरमाने की ज़रूरत नहीं है, और उस बू ढ़ी तई ताई से जो भी कहन होगा, मैं खु द कहूँ गी, तु म्हें बस मे रे पीछे आना है," राजकु मरी ने कोमल भाव से कहा। लेकिन मं दोरिन डक ने अपनी नज़रें ज़मीन पर टिकाए रखीं और अपनी जगह से हिली नहीं। "तु म्हें इससे कोई आपत्ति तो नहीं है?" राजकु मरी ने ज़ोर दे कर पू छा। "अगर तु म एक सज्जन की नानी बनने का अवसर ठुकराकर एक नौकर की पत्नी बनना चु नती हो, तो तु म वकई मूर्ख हो। अगर तु म हाँ कह दे ती हो, तो तु म्हारा जीवन बहुत सु खद होग। तु म जनती ही हो कि मैं दयलु और शंतिप्रिय स्वभाव की हूँ, और मे रे मित्र भी तु म्हारे सथ बहुत अच्छा व्यवहार करें गे, खासकर अगर तु म उन्हें एक साल के भीतर एक छोटीलड़की या शायद एक छोटा लड़का दे कर खु श कर दोगी"। तब तु मबिल्कुल मे री हीस्थिति में होगे, और मे री तरह ही कर्मचारियों को आदे श दे पाओगे, और नौकर तु म्हारी हर छोटी से छोटी इच्छा का पालन करें गे । इसलिए समझदारी से काम लो और इस अनु कूल अवसर को मत गं वओ! यह तु म्हें दोबारा कभी नहीं मिले ग। ये क्य? तु म अब भी चु प हो - तु म, जो आमतौर पर इतने सतर्क रहते हो? क्या तु म्हारे मन में कु छ है? बोलो! आह, मैं समझ गई, तु म खु द 'हाँ' कहने में शर्मा रहे हो और इसे अपने माता-

पिता पर छोड़ना चाहते हो। ठीक है, मैं तुम्हारे परिवार से बत कर लूँगी"। इतना कहकर राजकुमारी ने फिलहाल कठिन बातचीत रोक दी और फीनिक्स को ढूंढने चली गई। इस बीच फीनिक्स ने अपनी दासी लिटिल पिंग से पूछताछ शुरु कर दी। लिटिल पिंग ने संदेह से सिर हिलाया और योजना की सफलता के बरे में अपनी आशंकाओं की पुष्टि की। फीनिक्स ने उससे कहा, "मैंने राजकुमारी को समझाने की व्यर्थ कोशिश की है। अब उन्हें संभावित विफलता के सर्वजनिक अपमान को सहना होगा। लेकिन वह किसी भी क्षण यहाँ आ सकती हैं"। रसोई में जाओ और नाश्ते के लिए बटेरों को भून लो, और देखो कि कुछ और सू 283 भी हैं।

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 8.88% है।

इनके सथ परोसने के लिए स्वादिष्ट व्यंजन भी उपलब्ध हैं! जब तक राजकुमरी मेरे सथ हैं, आपको अंदर आने की आवश्यकता नहीं है; आप फिलहाल पार्क में ज सकते हैं जब वह चली जाए तो फिर आना!" छोटी पिंग ने रसोई में अपने आदेश का पालन किया और फिर बगीचे में टहलने चली गई। वहाँ उसकी मुलाकात मंदारिन बत्तख से हुई। जब राजकुमरी उसे छोड़कर चली गई थी, तो मंदारिन बत्तख ने कुछ समय के लिए खुद को अदृश्य करलेने की ही समझदारी समझा था। "अगर बुढ़िया मुझे बुलाए, तो कहना कि मैं बीमर हूँ!" उसने अपनी सथी अंबर से कहा और फिर वह पार्क में गयब हो गई। "अरे, देखो नई चची आ रही हैं!" छोटी पिंग ने मज़ाक में उसे पुकारा। "क्या तुम अपनी मलकिन के सथ मेरे खिलाफ साजिश में शमिल हो?" मंदारिन बत्तख गुस्से से लाल होते हुए बोली। छोटी पिंग को अपने नसमझी भरे मज़ाक पर पछतावा हुआ और मुस्कुराते हुए उसे एक चिनार के पेड़ के नीचे चट्टान के किनारे परले गई और उसे यकीन दिलाया कि फीनिक्स साजिश में बिल्कुल भी शामिल नहीं है, बल्कि इसके विपरीत, वह उसके सथ है। उत्साह से लाल गालों वाली मंदारिन बत्तख ने जवब दिया: "गोल्ड रिंग के मरने के बाद, अब यहाँ मुश्किल से एक दर्जन नौकरानियाँ बची हैं - पर्ल, अंबर, ग्रे क्लउड, ब्राइट क्लाउड, कोयल, नेफ्राइट चूड़ी, कस्तूरी, नीली स्याही, नन्हे बदल की दासी, नीला धागा, तुम और मैं। पहले हम सब एक-दूसरे से सब कुछ कहते और एक-दूसरे पर भरोस करते थे। हाल ही में तुम सब अपने-अपने रास्ते चले गए, बस मैं ही पुराने तौस्तरीकों पर कायम हूँ और जब कोई खस बात होती है तो तुमसे ही बात करती हूँ। इसलिए अब मैं तुम्हें अपना गंभीर फैसला भी बता रही हूँ: भले ही राजकुमर शीह अब बिना किसी संकोच के मुझे अपनी दूसरी पत्नी बनाना चाहते हैं, और भले ही राजकुमरी की मृत्यु होने पर वे मुझे अपनी मुख्य पत्नी बनाना चाहें, और भले ही वे तीन मध्यस्थों के माध्यम से और छह प्रकार के दहेज भेजकर सभी शिष्टाचार के अनुसार विवाह का प्रस्ताव रखें, फिर भी मैं इस पर विचार नहीं करूँगी "अरे, यहाँ किस तरह की गुप्त बतें चल रही हैं?" चिनार के पेड़ के तने के पीछे से एक आवज़ आई, और पर्ल, जो चुपके से वहाँ आ गई थी, चट्टान पर बैठे दो अन्य लोगों के बगल में हँसते हुए बैठ गई। लिटिल पिंग ने पर्ल को संक्षेप में सब कुछ समझाया। "कितना बूढ़

अय्याश है!” पर्ल ने नापसंदगी जताते हुए कहा। “ज़ाहिर है, अब उसके पास अपनी ही हैसियत की महिलाओं के साथ कोई उम्मीद नहीं बची है, इसलिए वह ऐसा करता है।” “मुझे पता है कि तुम उसकी इस योजना को कैसे नाकाम कर सकती हो,” लिटिल पिंग ने कहा। “तो कैसे?” मंदारिन डक ने उत्सुकता से पूछा। “बस उस बूढ़ी तई ताई को बता दो कि तुमने खुद को मिस्टर चिया लियन को सौंप दिया है! पिता अपने बेटे की प्रेमिका को कैसे स्वीकार कर सकता है।” मंदारिन डक ने उसके इस सुझाव को, जो एक मज़ाक के तौर पर दिया गया था, बहुत बुरा मान लिया। “तुम बेवकूफ़!” वह फुफकारते हुए बोली। “तुमने अभी तक सिर्फ़ 284 ही देखे हैं”।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल.12% है ।

*»->s> \'^-\k*i 1\ 4r&'l _X«\ •*V»t..«-**t>t>' • \VM***^rfe39u

鴛鴦

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.89% है ।

हाल ही में मै डम फीनिक्स का गु स्सा फू ट पड़ा जब उन्होंने अपने पति को लिटिल पाओ की पत्नी के साथ रं गे हाथों पकड़ा। मैं तो बस खु द को सबसे बड़ी मु सीबत में लाना चाहती हूँ ।"मे रे पास एक बे हतर सु झाव है," पर्ल ने हं सते हुए बीच में कहा"उस बू ढ़ी तई ताई से कहोकि वह राजकु मर को यकीन दिला दे कि उसने तु म्हें मे रे छोटे लिक से पहले ही शदी का वादा कर दिया है । राजकु मर को बहुत गु स्सा आएगा!" "धिक्कार है तु म दोनों नीच प्राणियों पर, मे री मुश्किल का मज़ाक उड़ा रहे हो और मे रे भरोसे का उपहास कर रहे हो" मं दारिन डक गु स्से और शर्म से कराहते हुए बोली। "इतना बु रा मत मानो, प्यारी बहन!" दोनों ने उसे शांत करने की कोशिश करते हुए कहा। "हम तो बहुत अच्छे से साथ रह रहे थे । अच्छे दोस्तों के बीच ऐसा छोटा-मोटा मज़ाक इतना बु रा नहीं होता। लेकिन, सच में, तु म क्या करने की सोच रही हो?" "मैं कु छ भी करने की नहीं सोच रही हूँ! मैं बस वहाँ नहीं जाऊँ गी। इतना ही काफी होगा!" लिटिल पिंग ने सं दे ह से सिर हिलाया। "इससे तु म्हें ज़्यादा मदद नहीं मिले गी। राजकु मर जिद्दी है और झुके गा नहीं।" अगर वह अभी सफल नहीं हुआ, तो बाद में हो जएगा। बू ढ़ी तई ताई हमे श जीवित नहीं रहें गी, और जीवन भर तु म्हारी रक्षा नहीं कर सकतीं। उनके मरने के बाद वह तु म्हें जबरदस्ती अपने कब्जे में ले गा। यह और भी बु रा होगा, जबकि अभी कम से कम ममला औपचारिक तो रहे गा। "छी! वह इतनी जल्दी सफल नहीं होगा। सबसे पहले, उनके बे टे के रूप में, उसे तीन सल का शोक मनाना होगा और उस दौरान उसे शदी के सभीविचारों को अपने दिमाग से निकाल दे न होगा। इस बीच मु झे यह सोचने का समय मिल जाएगा कि क्या करना है । अगर सबसे बु रा हुआ तो मैं अपने बाल कटवाकर मठ में चली जाऊं गी।" "तु म्हारा साहस तो दे खो" दोनों साथियों ने प्रशं सा करते हुए आह भरी। "मैं जोखिम उठाऊं गा!" मं दारिन डक ने दृढ़ता से कहा। "राजकु मरी मे रे माता-पिता से सं पर्क करने का इरादा रखती हैं, जै स कि उन्होंने अभी कहा। मे रे माता-पिता दक्षिणी राजधानी में रहते हैं । अच्छा! वह उन्हें वहां लं बे समय तक ढूंढ सकती हैं" "लेकिन वे दुनिया से गयब नहीं हैं । जहाँ तक मु झे पता है, वे वहाँ एक घर के प्रबं धक हैं"वे उन्हें ढूं ढ ही लें गे, ठीक है," लिटिल पिंग ने आपत्ति जताई। "इसके अलावा, तु म्हारे बड़े भाई और भाभी यहीं पड़ोस में रहते हैं । वे भी उनसे मदद मांग

सकते हैं। यह दुःख की बात है कि तुम यहीं घर में पैदा हुईं और पली-बढ़ीं, इसलिए तुम हमरी तरह स्वतंत्र नहीं हो, जो बाद में इस घर से जुड़ीं।" "ह, इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता! जिद्दी बैल को पानी नहीं पिलाया जा सकता..." "चुप रहो, तुम्हारी भाभी आ रही हैं!" पर्ल ने उसकी बत काटते हुए कहा। "उन्होंने सही व्यक्ति को भेज है! यह 286 के लिए बिल्कुल उपयुक्त काम है।"

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 8.80% है ।

"यह कु शल सर्वगु ण सं पन्न ऊं ट व्यापारी!" मं दारिन बत्तख ने तिरस्कारपूर्वक बु दबु दाया। इसी बीच भाभी उनके पास आ गईं। तीनों खड़े हो गए और चट्टान पर उनके लिए जगह बनाना चाहते थे । "नहीं, धन्यवाद। हिलिए मत!" भाभी ने कहा। "मैं बस अपनी बे टी से कु छ बात करना चाहती हूँ ।" "जल्दी क्या है? बै ठ जइए। हम बस पहेलियाँ सुलझाकर समय बिता रहे हैं; आप भी हमारे सथ सुलझा सकते हैं" पर्ल और लिटिल पिंग ने न समझने का नाटक करते हुए कहा। "इस बकवास पर ध्यान मत दीजिए! फिर क्या बात है? बताइए!" मं दारिन बत्तख ने भभी की ओर मु ड़ते हुए कहा। "मे रे साथ आइए!" "यहाँ नहीं" भाभी ने इशरा करते हुए कहा। "मे रे पास तु म्हारे लिए एक खु शखबरी है "। "अरे, आप राजकु मर शीह के निर्देश पर आई हैं, है न?" "अच्छा, तो आइए, ताकि मैं आपको आपके अद्भुत भाग्य के बरे में विस्तार से बत सकूँ!" मं दारिन बत्तख खड़ी हुई, अपने गले से थू क का एक घूं ट निकाला और सीधे अपनी भभी के चे हरे पर थू क दिया। "कृ प करके अपनी गं दगी अपने पास रखो और यहाँ से चली जाओ - और जितना हो सके मु झसे दूर रहो जाओ!" वह गु स्से से बोली। "मैं इस मूर्खतापूर्ण सौभाग्य और खु शखबरी की बतों पर ध्यान नहीं दूं गी तु म सचमु च ऐसे व्यवहार कर रही हो जै से मैं किसी बू ढ़े अत्याचारी, एक अय्याश बू ढ़े आदमी के साथ अपना जीवन बिताने की सं भावना के लिए ईर्ष्या करने लायक हूँ! इसका मतलब है कि तु म मु झे खुली आँ खों से आग के गड्ढे में धकेलना चाहती हो!" लेकिन मैं किसी के बहकावे में नहीं आऊं गी, और मैं अपने सु ख-दुख का फै सला खु द करूं गी" हक्का-बक्का भाभी को इतनी जल्दी और करारी फटकार की उम्मीद नहीं थी, और वह बड़बड़ाते और रूठते हुए चली गई। पर्ल और लिटिल पिंग ने कु छ दे र तक उत्तेजित मं दारिन डक को शां त करने की कोशिश की; फिर पर्ल की ओर मु ड़कर लिटिल पिंग ने कहा: “तु म अभी इतनी अचनक कहां से आ गईं हमें तो पत ही नहीं चला कि तु म आ रही हो।” “मैं मिस ग्रीफ ऑफ स्प्रिंग के सथ पाओ यू कोले ने गई थी लेकिन मैं एक पल दे र से पहुं ची क्योंकि वह पहले ही बे गोनिया आं गन में प्रवेश कर चु का था, ऐसा उन्होंने कहा था। मु झे यह बात संदिग्ध लगी, क्योंकि मैं उससे रास्ते में मिल जाती। मैं ने सोचा था कि वह ब्लै क जे ड के साथ होगा, लेकिन वह वहां भी नहीं थ। वापस आते समय मैं ने तु म्हें दूर से दे खा, इसलिए मैं झाड़ियों में छिप

गई और चुपचप खिसकती हुई चली गई, और थोड़ी-बहुत बातें सुन लीं।" मुझे तो बस यही हैरानी है कि तुम्हारी चार आँखों ने मुझे नहीं देखा।" "और मुझे तो यही हैरानी है कि तुम्हारी छह आँखों ने मुझे नहीं पहचाना," अचानक उनके पीछे से एक आवाज़ सुनाई दी। तीनों चौंककर पीछे मुड़े तो देखा कि पाओ यू एक उभरी हुई चट्टान के पीछे से हँसते हुए निकली। "तुम कहाँ से आई हो? तुम्हें देखते-देखते मेरी आँखें थक गई हैं," पर्ल ने कहा। "मैंने तुम्हें बहुत समय से देखा था और बस मजे के लिए गायब हो गई थी। जिस तरह से तुम 287

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.00% है ।

तु म अपनी गर्दन इधर-उधर घु मते हुए इधर-उधर बे तब होकर खोज रहे थे— यह बहुत मज़ेदार था! आखिरकार मैं ने छिपने के लिए तु म्हारी ही यह जगह चु न ली।" "चलो जल्दी से चरों ओर दे ख ले ते हैं! शायद कोई और अचानक निकल आए," लिटिल पिंग ने मज़ाक में कहा। "तो अब उसने भी हम पर जासू सी कर ली," मं दारिन डुक्ल^ ने चट्टान पर ले टते हुए और जम्हाई ले ते हुए कहा। पाओ यू ने उसे हिलाकर बिठाया। "नं गे पत्थर पर तु म्हें ठंड लग जाएगी। बे हतर होग कि मे रे साथ अं दर आ जाओ।" "यह ज़्यादा आरामदायक होगा, और आप चाय के प्याले से तरोताज़ा हो सकती हैं।" और वे चरों बे गोनिया आं गन की ओर चल दिए। इस बीच राजकु मरी शीह को फीनिक्स से मं दारिन डक के परिवार के बरे में जानकारी मिली और उन्हें पत चला कि माता-पिता दक्षिणी राजधानी में गृ ह प्रबं धक के पद पर थे और उनसे संपर्क करना आसान नहीं होगा, लेकिन दूसरी ओर एक बड़ा भाई और उसकी पत्नी किसी भी समय पहुँ च के भीतर थे, क्योंकि वे दोनों परिवार की से वा में थे । भाई, जिसका नाम वे न हसियां ग थ, एक खरीदार था, और उसकी पत्नी मु ख्य धोबी थी। राजकु मरी ने तु रं त पत्नी को बुलवाया और उसे जिद्दी मं दारिन डक को मनाने और उसे खरी-खोटी सु नने के लिए भे जा, जिसके दुर्भाग्यपूर्ण परिणाम पहले ही बतए जा चु के हैं। "उसने मु झे गालियाँ दीं, ऐसे अपशब्दों का इस्ते मल किया जिन्हें मैं महान ताई के समने दोहरा नहीं सकती, और पर्ल ने भी मु झ पर हमला किया," भाभी ने राजकु मरी को अपने सथ हुए अपमान के बरे में बताते हुए शिकायत की। फीनिक्स की उपस्थिति के कारण उसने यह बतने की हिम्मत नहीं की कि लिटिल पिंग ने भी उस पर हमला किया था। "बू ढ़ी स्वमी को कोई दूसरी स्त्री ढूं ढनी चहिए। वह दुष्ट स्त्री तो उन्हें और भी अधिक दुख दे गी।" "पर्ल को इस मामले की जनकारी कै से हुई? क्या वहाँ कोई और भी मौजू द थ?" राजकु मरी ने सं दे ह से पूछा। "हाँ, छोटी पिंग।" "छोटी पिंग? वह वहाँ क्या कर रही थी?" फीनिक्स ने अनभिज्ञता जताते हुए बीच में कहा। "क्या उसने भी तु म्हारे खिलाफ़ पक्ष लिया? तु म्हें उसे एक घूं सा मार दे ना चाहिए था, भगोड़ी! मैं उसे आधे दिन से ढूंढ रही हूँ ।" "मे रा मतलब यह नहीं है कि वह वास्तव में वहाँ मौजू द थी। मैं ने उसे सिर्फ दे खा था, और हो सकता है कि मु झसे कोई गलती हो गई हो," दूसरी ने शर्मिंदा होकर खु द को सु धारने की कोशिश करते हुए

कहा। वह खूंखार फीनिक्स की नाराज़गी मोल नहीं ले न चाहती थी। सौभाग्य से, राजकु मरी शीह को इस बात का पता नहीं चला कि फीनिक्स दोहरा खेल खेल रही थी। जब उसने शम को अपने पति को अपने मिशन की विफलता के बरे में बताया, तो राजकु मर शीह ने अपने बेटे चिया लियन को बुलवाया। "दक्षिणी राजधानी जाओ और बू ढ़ेचिन त्साई, मंदारिन डक के पिता को मेरे पास लाओ!" उसने आदेश दिया। "निश्चित रूप से कोई न कोई इस बीच उनके पद को संभालने केलिए मिल जाएगा।" 288

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.03% है ।

चिया लियन को इस यात्रा में कोई रुचि नहीं थी और उसने हर सं भव बहाने से इस अनु रोध से बचने की कोशिश की। "यात्रा व्यर्थ होगी। हाल ही में मिली खबरों के अनु सार, बू ढ़े चिन त्साई को कु छ समय से टीबी है" उसने झू ठ बोला। "उनका ताबू त तो काफी समय से तै यार है । शयद उनकी मृ त्यु हो चु की है । और उनकी माँ के साथ कु छ नहीं किया जा सकता, वह बहरी हैं..." "मे री नज़रों से दूर हो जाओ, बदतमीज़ कै दी के बच्चे!" राजकु मर ने गु स्से से उसे बीच में ही टोका और उसे बाहर का रास्ता दिखा दिया। फिर उसने मं दारिन डक के भई को बुलवाया। लेकिन अगली सु बह भाई को अपने मलिक को असफलता की सू चन दे नी पड़ी। मं दारिन डक ने सफ मना कर दिया था। राजकु मर क्रोधित हो गया। "मु झे पता है, यह प्राचीन काल से ऐस ही है; औरतें बू ढ़ों के बजाय यु वओं को पसं द करती हैं" उसने शिकायत की। "शायद उसकी नज़र मे रे बे टे याओ यू पर है ।लेकिन उसे ऐसे सारे विचार छोड़ दे ने चाहिए। मैं जनना चाहता हूँ कि यहाँ कौन स बदमाश इतना दुस्साहस करे ग कि मे रे हाथ बढ़ाने के बाद भी उसे चहे । और अगर वह सोचती है कि वह बुढ़िया की मदद से घर के बाहर शादी कर सकती है, तो उसे इस बरे में दोबारा सोचना चाहिए। जिससे भी वह शदी करे, वह मे री पहुँ च में रहे गी। जब तक वह मौत या मठ में जना पसं द न करे, मैं उसे मजबू र करूँगा, चाहे सही तरीके से नहीं तो गलत तरीके से । उसके लिए बे हतर होग कि वह अपना हठी मन बदल ले और मन जाए। जाओ और उसे यह बत बता दो! और ध्यान रखना कि मु झसे झू ठ मत बोलना। पक्का करने के लिए, मैं अपनी पत्नी से उससे दोबारा बात करवाऊँ ग। अगर तु म मु झे 'ना' कहकर लौटते हो और मे री पत्नी 'हाँ' कहती है, तो मैं तु म्हें चेतावनी दे त हूँ कि अपनी अक्ल का ध्यान रखना।" वे न ह्सियां ग ने पू री कोशिश करने का वादा किया, अपनी बहन के पास गया और राजकु मर के शब्द उसे दोहराए। धमकी सु नकर मं दारिन डक पहले तो अवक रह गई। लेकिन कु छ दे र बाद उसने खु द को संभाल लिया। "ठीक है, मैं मन जाती हूँ और तु रं त बू ढ़ी ताई ताई के पस जाकर उन्हें अपने फैसले की सू चना दे ती हूँ और आपकी पत्नी भी मे रे साथ वहाँ आएं गी" उसने दृढ़त से कहा। उसके मन में आए इस बदलाव से प्रसन्न होकर भई अपनी पत्नी को ले आय, और इस तरह मं दारिन डक अपनी भाभी के सथ पूर्वज के महल में गई। उसने बू ढ़ी

ताई ताई को एक बड़े परिवारिक समूह के बीच पाया: मैडम चेंग, आंटी ह्सु, एक विधवा चू, फीनिक्स, पाओ यू, प्रेशियस क्लैस्प और तीनों स्प्रिंग लड़कियाँ मौजूद थीं, साथ ही कई नौकरानियाँ और नौकरानियाँ और मुख्य प्रबंधक की कई स्त्रियाँ भी थीं। राजकुमरी शीह वहाँ नहीं थीं। मंदारिन बत्तख निडर होकर पूर्वज के पस गई, ज़ोर से रोते हुए उनके चरणों में गिर पड़ी और राजकुमर शीह की उस अपमानजनक माँग का ब्योरा देने लगी जो उसने उससे की थी कि कैसे उसने पहले राजकुमरी के मध्यम से, फिर पार्क में उसकी भभी के मध्यम से और अंत में उसके भई के मध्यम से उसे परेशान किया; कैसे उसने उस पर दबाव डाला, धमकियों से उसे डराने की कोशिश की, उसका अपमान किया और उस पर पाओ यू और चिया लियन के सथ संबंध होने का झूठा आरोप लगाया और उसे कभी भी 289 से बहर न निकलने देने की धमकी दी।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.97% है ।

जब तक वह जीवित रहे गी, उसके पं जे उसकी पहुँ च में रहेंगे। वह कहीं औरकिसी से शदी कर ले, चाहे उसे बदलों से नीचेलाना पड़े ।लेकिन अब उसने सबके सामने पू री गं भीरता से घोषणा की कि वह जीवन भर अविवाहित रहे गी, और यदि बू ढ़ी तई ताई उसे शदी के लिए मजबू र करने की कोशिश करे, तो वह चाकू ले कर अपन गला काट ले गी। वह जीवन भर बू ढ़ी तई ताई की निष्ठापूर्वक से व करना चाहती थी, और यदि बू ढ़ी तई ताई एक दिन मर जाए, तो वह स्वे च्छा से उसके सथ परलोक चली जाएगी या फिर अपने बल काटकर नन बन जाएगी। "स्वर्ग, पृ थ्वी, सूर्य और चंद्रमा, सभी अच्छे और बु रे प्रे त साक्षी रहें कि मैं यह बत सचमु च कह रही हूँ, और अगर मैं झू ठ बोल रही हूँ तो मे रे गले में फोड़े हो जाएँ और मैं दम घु टकर मर जाऊँ!" उसने गं भीर स्वर में कहा। उसी समय उसने अपनी आस्तीन मेंछिपी कैं चीनिकाली, अपने बल खोले और अपनी सु ं दर लं बी चोटियों को बे तहाशा काटने लगी। सौभाग्यवश, वह अपने विनाशकारी कार्य में ज़्यदा आगे नहीं बढ़ पाई, क्योंकि वहाँ खड़ी कु छ नौकरानियों और सेविकाओं ने उत्तेजित होकर उस पर झपट्टा मारा और उसे रोकदिया। पूर्वज महिला का शरीर थरथरा उठा, वह इस अप्रत्याशित दृश्य से इतनी उत्तेजित और भयभीत थी। "क्या! वे मु झसे मेरा सबसे अच्छा, सबसे सच्चा और एकमात्र भरोसे मं द सहारा छीनने की कोशिश कर रहे हैं!" वह क्रोध से चिल्लाई। फिर, मै डम चें ग की ओर मु ड़कर उन्होंने कहा: "यह तु म्हारे सरे झू ठे पन को उजागर करता है! तु म ऊपर से तो अच्छाई और माता-पिता के प्रति भक्ति की मिसाल हो, लेकिन पीठ पीछे तु म घिनौनी साजिशें रचती हो मु झे मे री सबसे प्यरी चीज़ से वंचित मत करो!" मै डम चें ग, जिन्हें इतने असभ्य तरीके से संबोधित किया गया था, हालांकि वास्तव में वे दोषी नहीं थीं, खड़ी हो गईं और एक अच्छी बहू की तरह विनम्रतापूर्वक और चु पचप पूर्वज की अनुचित फटकार सहन की। उपस्थित अन्य महिलाएं भी सम्मन के कारण कु छ भी कहने से हिचक रही थीं। घटना की शु रुआत में ही विधवा चू ने युवा लड़कियों को दरवाजे से बहर धकेल दिया था ताकि वे मं दारिन डक के दर्दनाक खुलासे न सु न सकें लेकिन मै डम चें ग की सौतेली बे टी, टे स्ट ऑफस्प्रिंग, खिड़की के नीचे खड़ी होकर दृश्य के आगे के घटनाक्रम को ध्यान से दे ख रही थी। उसे यह दे खकर दुख हुआ कि उसकी सौतेली माँ को गलत तरीके से

फटकारा गया था, और किसी ने भी उसके बचाव में एक शब्द भी कहने की हिम्मत नहीं की। साहस और दृढ़ता से वह फिर से अंदर गई और मुस्कुराते हुए पूर्वज के पास गई। "ताई ताई दोषी नहीं हैं," उसने कहा। "आखिरकार, बड़े देवर के कामों के लिए उन्हें जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता।" "बच्ची सही कह रही है। सच में, उम्र के साथ मैं थोड़ी लापरवाह हो गई हूँ," पूर्वज ने मुस्कुराते हुए स्वीकार किया, और चाची ह्सुएह की ओर मुड़कर आगे कहा, "मुझ पर मत हँसो। मैंने आपकी अच्छी, दयालु 290 का अपमान किया है।"

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 8.93% है।

बहन। मुझे तो असल में अपनी दूसरी बहू, अपने बड़े बेटे की पत्नी को दंड देना चाहिए, जिसने अपने पति के डर से इस साजिश में हिस्सा लिया है।" और फिर पाओ यू की ओर मुड़कर उसने कहा "तुमने मेरा ध्यान इस बात की ओर क्यों नहीं दिलाया कि मैंने तुम्हारी माँ के साथ अन्याय किया है?" "अपने चचा और चाची के प्रति सम्मान के कारण मैं अपनी माँ का पक्ष नहीं ले सकता था। ज़ाहिर है, मैं गलत था और मुझे उनसे माफ़ी मांगनी चाहिए।" "तुम सही कह रही हो।" घुटने टेककर उनसे विनती करो कि वे क्रोधित न हों और मेरी उम्र और आपके कारण मुझे क्षमा कर दें।" पाओ यू आज्ञाकारी होकर अपनी माँ के सामने घुटने टेककर बैठ गया और क्षमा मांगने ही वाला था कि मैडम चेंग ने मुस्कुराते हुए उसे खड़ा कर दिया और एक समर्पित बहू होने के नाते, अपनी सास की ओर से उसके मुंह से निकली क्षमा को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। "अब, फीनिक्स, तुम क्या सोचते हो?" पूर्वज ने फीनिक्स की ओर मुड़ते हुए कहा। "ओह, अगर मैं संयोगवश आपकी पोती नहीं बल्कि आपका पोता होता, तो मैं निश्चित रूप से बहुत पहले ही मंदारिन डक के पीछे पड़ गया होता," फीनिक्स ने चतुराई से मजाक में इस नाजुक सवाल को टाल दिया, क्योंकि वह राजकुमार और राजकुमारी शीह के खिलाफ खुलकर पक्ष नहीं ले सकती थी। "ठीक है, तो मैं उसे तुम्हें सौंप देती हूँ। तुम उसे रख सकते हो," पूर्वज ने घोषणा की। "धन्यवाद, लेकिन मुझे मेरे अगले पुनर्जन्म तक का समय दीजिए।" शायद अगली बार मैं एक पुरुष के रूप में दुनिया में आऊँगा, और तब मैं उसे ले आऊँगा।" "उसे ले जाओ और अपने पति को दे दो। तब तुम्हारे ससुर की उसके प्रति सारी इच्छा अवश्य ही समाप्त हो जाएगी।" "ओह, वह मेरे पति के लिए बहुत अच्छी है।" "मेरे और लिटिल पिंग जैसे दो बासी रोल उसके लिए काफी हैं।" पूरी मंडली ज़ोर से हंस पड़ी। फिर राजकुमारी शीह के आने की घोषणा हुई। राजकुमारी बिल्कुल अनजान होकर आई थीं, और दरवाजे के बाहर ही कुछ नौकरानियों ने उन्हें चुपके से बताया कि क्या हुआ था। अपनी निराशा में वह तुरंत वापस जाना चाहती थीं, लेकिन बहुत देर हो चुकी थी क्योंकि उनके अंदर आने की घोषणा हो चुकी थी और मैडम चेंग उनका स्वागत करने के लिए बाहर आ चुकी थीं। इसलिए, चाहे अच्छा हो या बुरा, उन्हें इस कष्टदायक मुलाकात को सहना ही पड़ा। उनके प्रवेश करते ही एक

अजीब सी खामोशी छा गई। पूर्वज ने उनके सवालों का कोई जवाब नहीं दिया। फीनिक्स पहले ही किसी बहाने से जा चुका था, और मंदारिन डक भी। आंटी ह्सु एह और मैडम चेंग थोड़ी देर बाद एक-एक करके, चतुराई से, राजकुमरी के अपमन को देखने से बचने के लिए चली गईं। "तुमने अपने पति के लिए शादी का दलाली की है," पूर्वज ने राजकुमरी के सथ अकेले में कहना शुरु किया। "यह निस्संदेह है 291

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 59.10% है ।

आप बहुत दयालु और आत्म-त्यागी हैं, लेकिन मु झे लगता है कि अपने पति के प्रति आपकी चिंता कु छ ज़्यदा ही है । आपके बच्चे और पोते-पोतियाँ हैं, फिर भी आप अपने पति के अत्यचार सहती हैं? "मैं ने कई बार उनसे इस बरे में बात की है, लेकिन दुर्भाग्य से कोई फायदा नहीं हुआ। उन्हें समझाना बहुत मुश्किल है; बुढ़िया खु द यह जनती हैं," राजकु मरी ने शर्मिंदा होकर अपना बचाव करते हुए कहा। "तो क्या आप अपने पति के कहने पर हत्या तक नहीं कर दें गी?" पूर्वज ने तीखे स्वर में पू छा। "आप जानती हैं कि मैं मं दारिन डक पर कितनी निर्भर हूँ । मे री दूसरी बहू बीमार है और मु झे ज़्यदा ध्यान नहीं दे पती। फीनिक्स वाकई मददगार है, लेकिन उसे घर के सरे काम सं भलने पड़ते हैं, इसलिए वह मु झे ज़्यदा समय नहीं दे पती। इसलिए मैं सिर्फ मं दारिन डक पर ही भरोसा कर सकती हूँ । वह उत्सही और कु शल है; वह जानती है कि मु झे क्या चाहिए, मे री आदतें और इच्छाएँ क्य हैं, और इस घर में बिताए अपने जीवन भर उसने अपना पू रा जीवन मु झे समर्पित कर दिया है । सं क्षे प में, वह मे रे लिए अपरिहार्य है । मैं बूढ़ा हो गया हूँ और नई नौकरानी के सथ आसानी से तलमेल नहीं बिठा सकता। मैं अभी तु म्हारे पति को सं दे श भे जने ही वाला था कि अगर उसे दूसरी पत्नी चाहिए, तो वह मे रे खर्चे पर खरीद ले; मैं इसके लिए अठारह हज़ार ताएल उसे उपलब्ध करा दूँ गा; लेकिन किसी भी हालत में उसे मांदारिन डक नहीं मिले गी। वह मे रे लिए जीवन भर उससे कहीं अधिक कीमती है, चाहे वह दिन-रात मे री भलाई के लिए कितना भी प्रयास करे । और बस इतना ही! अच्छा हुआ कि तु म स्वयं आ गई, क्योंकि तु म मेरा यह सं दे श उसे सीधे पहुँ च सकती हो। यह मे रे नौकरों के ज़रिए सु नने से ज़्यादा पक्का है ।" और इसी के सथ पूर्वज का मामला सुलझ गया। उन्होंने बकी महिलाओं को वापस बुला लिया और उनके सथ महजोंग का खेल खेलकर आनं द लिया। जब वे खेल रही थीं, चिया लियन दबे पं व सवधानी से अं दर आ गया। उसे उसके पिता, राजकु मर शीह ने राजकु मरी के मिशन के नतीजे की जसू सी करने के लिए भे ज था। ठीक समय पर उसकी मुलाकात दरवाजे के बहर छोटी पिंग से हुई। उसने उसे सरी बातें बताईं और उसे बू ढ़ी लेडी ताई के समने न आने की चेतावनी दी। वह कु छ दे र पहले बहुत गु स्से में थी और अब, खेल के दौरान, फीनिक्स अपनी मज़े दार हरकतों से उसे कु छ हद तक शांत करने में

कामयाब हो गई थी। “ठीक है, अब जब वह फिर से अच्छे मूड में, है तो मैं खुद को दिखाने की हिम्मत कर सकता हूँ,” चिया लियन ने ज़िद की, और चेतवनी मिलने के बावजूद इंतज़ार कर रही नौकरानी के पास आ गया। जब फीनिक्स ने उसे दरवाज़े के अंदर झाँकते देखा, तो उसने उसे चेतवनी भरी नज़र से देखा, जिसका मतलब था कि वह जितनी जल्दी हो सके गायब हो जाए। उसी क्षण राजकुमरी शीह 292

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.00% है ।

चिया लियन ने चय डालने का बहाना बनाकर जानबू झकर पूर्वज के समने कदम रख ताकि वह उसे दे ख न सके, लेकिन पूर्वज ने उसे दे ख लिया था। "बाहर कौन है? लगता है घर का कोई बे टा है," उसने कहा। "मैं जकर दे खत हूँ," फीनिक्स ने कहा और चु पके से निकल गया ताकि जब उसके पति को डां ट पड़े तो वह वहाँ न रहे । चिया लियन, एक बार पकड़े जने पर, अपनी उपस्थिति से इनकार नहीं कर सका। वह यथासं भव शं त भव से पूर्वज के पस गया और मु स्कुराते हुए अपन त्सिंग आन (स्वागत) किया! "मैं बस यह जनना चाहता था कि क्या चौदह तारीख को, जब मु ख्य प्रबं धक लाई शें ग अपने बे टे की पदोन्नति के सम्मन में भोज दें गे, तो बू ढ़ी तई ताई उपस्थित होंगी। यदि हाँ, तो मैं समय रहते बड़ी पालकी तै यर करवाना चाहता हूँ," उसने कहन शु रू किया। "यदि बस इतना ही कहना है, तो आप बिना किसी औपचारिकता के अं दर आ सकते हैं और भू त की तरह बाहर चक्कर लगाने की आवश्यकत नहीं है," पूर्वज ने चिढ़कर उत्तर दिया। “मैं बू ढ़ी तई ताई को उनके खेल में परे शन नहीं करना चाहता था और बस अपनी पत्नी को बाहर आने के लिए कहना चाहता था,” उसने शर्मिंदा होकर बहाना बनाया। “तु म अपनी पत्नी के घर आने तक इं तज़ार कर सकते थे । इस तरह भू त की तरह छिपकर घू मन ठीक नहीं है! तु म मु झे बे वजह डरा रहे हो और अब कृ पय अपनी पत्नी को मे रे सथ अपना खेल खत्म करने दो और हमें और परे शन मत करो! अब जाओ और लिटिल चाओ की पत्नी के सथ मिलकर अपनी पत्नी के खिलाफ कु छ और सजिशें रचो!” पूर्वज ने गु स्से से जवाब दिया। “लिटिल पाओ, लिटिल चाओ नहीं,” मं दारिन डक ने उन्हें ठीक किया, और नाम की गड़बड़ी पर सब हं सने लगे । पूर्वज भी मु स्कुराईं। “अच्छा, लिटिल पाओ या लिटिल चाओ! मु झे ऐसी धोखेबाज़ी याद नहीं है!” वह भड़क उठीं। "मे रे समय में मैं इस घर के एक परपोते की यु वा पत्नी बनकर यहाँ आई थी। अब मे रे परपोते हैं । तब से लेकर पचस-साठ वर्षों में मैं ने बहुत कु छ दे खा और अनु भव किया है, लेकिन ऐसा घिनौना घोटाला मैं ने पहले कभी नहीं दे ख। दफ़ा हो जाओ! मे री नज़रों से दूर! क्या कर रहे हो, अभी भी यहाँ मं डरा रहे हो?" चु पचप और शर्मिंदा होकर, अपराधी चला गया। "मैं ने तु म्हें चेतावनी दी थी, फिर भी तु म जल में फँ स गए!" छोटी पिंग ने बहर उसका मज़ाक उड़ाते हुए कहा। "इस पू रे घोटाले के लिए बू ढ़ा आदमी

ज़िम्मेदार है, और हम दोनों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा!" चिया लियन ने राजकुमारी शीह से चिढ़कर कहा, जो उसके पीछे जल्दी से बाहर आ गई थी। "छी, तुम इतने नालायक कैसे हो सकते हो! दूसरे बेटे अपने पिता के लिए मृत्यु तक सह लेते हैं!" उसकी माँ ने भी अब उसे फटकारा। "ध्यान रखना कि 293

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.09% है ।

इन दिनों अपने पिता को परे शन करो! अगर तु मने ऐसा किया तो तु म्हें खू ब ास पड़े गी" "क्या तु म पहले उसके पास जाओगी?" उसके बे टे ने उदास होकर उससे विनती की। "मैं हिम्मत नहीं कर सकती।" इसलिए राजकु मरी शीह अकेले अपने पिता के पस गईं और उन्हें अपनेमिशन के दुखद परिणाम के बरे में बताया। राजकु मर को एहसास हुआ कि आगे कदम उठाना व्यर्थ होगा, इसलिए उन्होंने अपने ऊपर किए गए अपमानों को सहन कर लिया, लेकिन वे इतने नाराज थे कि बीमारी का बहाना बनाकर कु छ समय तक उन्होंने ड्यूक से मुलाकात नहीं की और अपनी पत्नी और बे टे को अपनी ओर से दैनिक कर्तव्य निभाने केलिए छोड़ दिया। इसके अलावा, उन्होंने अपने नौकरों को कहीं और अपने लिए एक और उपयुक्त पत्नी खोजने केलिए भे ज। आखिरकार, उन्हें आठ सौ ताएल की कीमत पर एक सत्रह वर्षीय यु वतीमिल गई, जिससे उन्होंने शादी की और उसे अपने कमरों मेंले गए। अध्यय 28 पागल लु टे रे काउंट के अनुचित इरादे थे और उसे कोड़ोरेम गए। निर्मम शू रवीर मु सीबत से बचने केलिए यात्रा पर निकल पड़ा। 1 लाई शें ग का पु त्र, मे जरडोमो यु ं गकु ओ महल के स्वमी, अपने पूर्व शाही आकाओं के सं रक्षण के कारण एक उच्च आधिकारिक पद पर आसीन हुए थे । उनके माता-पिता ने इस शु भ अवसर को अपने घर में तीन दिवसीय भोज के सथ धू मधम से मनने का निर्णय लिया। पहला दिन यु ं गकु ओ महल और निंगकु ओ महल के कुलीन पु रुषों, महिलाओं और यु वतियों के सथ-साथ उच्च कोटि के कु छ महत्वपूर्ण अतिथियों के लिए आरक्षित था। दूसरे दिन रिश्ते दारों और मित्रों के लिए दावत का आयोजन किया गया, और तीसरे दिन दोनों महलों के पूर्व सहकर्मियों के लिए। राजकु मरी ने सहर्ष निमं त्रण स्वीकार किया और चौदहवें दिन, अपने परिवार के कई सदस्यों जिनमें पु रुष और महिला दोनों शामिल थे, के सथ पूर्व प्रधान अधिकारी और उनकी पत्नी के घर पर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हुईं। सु ं दर मं डपोंवाला उद्यान महिलाओं के लिए आरक्षित था, जबकि पु रुषों का स्वागत कक्ष में किया गया। अतिथियों में लियू शियां गलियन भी थे, जो पाओ यू औरदिवं गतचिन चु ं ग के घनिष्ठ मित्र थे । एक प्रचीन कुलीन परिवार के इस अनथ वं शज को.. एक हं समु ख व्यक्ति जिसे किताबों का ज्यादा शौक नहीं था, बल्कि शिकार और सै न्य गतिविधियों, बां सु री और वीपाबजाने,

शराब और जुए में रुचि थी; उसे फूलों और विलो के आवसों से भी कोई घृणा नहीं थी। सुंदर सुगठित शरीर वाले इस युवक को रंगमंच का भी बहुत शौक था और उसमें प्रतिभा भी थी, और वह कभी-कभी भावुक नटकों "हवा और चाँद" की युव नायिका के प्रतिभाशाली प्रतिरूपणकर्ता के रूप में शौकिया प्रदर्शनों में दिखाई देत था। लगभग 294 अवसरों पर

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान मात्र0.00% है ।

जे एफसी* *

柳湘蓮

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.25% है ।

ऐसे शौकिया प्रदर्शन को दे खकर स्वच्छं द सु एह पन ने उसे दे खा और उसकी प्रशं स की, और तब से वह उसे अपने मन से निकाल नहीं पाया था। वह उससे जन-पहचान करने और मित्र बनने की तीव्र इच्छा रखता था, क्योंकि उसे गलतफहमी थी कि वह उन अय्याश नाट्य यु वओं में से एक है जो "हवा और चाँ द" के प्रे मक्रीड़ा में आसनी से बहक जते हैं । इसलिए, जब दावत में सं योग से उसकी मुलाकात हुई तो उसकी खु शी का कोई ठिकाना नहीं रहा और उसने वहीं उससे दोस्ती करने का पक्का इरादा कर लिया। मे जबन ने अपने मे हमानों के मनोरं जन के लिए अभिने तओं की एक मं डली को बुलाया था, और शराब के नशे में चू राजकु मर चे न की विशेष इच्छा पर, जो उसकी कला और व्यक्तित्व का भी प्रशं सक थ, यु व लियू ने अपने ही एक नाटक के दो दृश्यों में अभिनय किया। बाद में राजकु मर ने उसे विशिष्ट अतिथियों की मे ज पर अपने पास बै ठाया और उससे लं बी और सौहार्दपूर्ण बातचीत की। पास ही बै ठी सु एह पन उससे परिचित हो गई और जै से-जै से शराब का नशा बढ़ता गया, वह उससे इतने दबे छिपे सवल और मीठी बातों से उसे परे शान करने लगी कि यु व लियू को यह सब असहनीय लगने लगा। उसने मौके का फायदा उठाकर मे ज से उठकर पार्टी छोड़ने का फै सला किया। मे जबन के बे टे ने उससे थोड़ी दे र और रुकने को कहा क्योंकि पाओ यू, जो वहाँ महिलाओं के सथ था, विशेष रूप से सभी के उठ जने के बद उससे अकेले में बत करना चाहता था - यह इच्छा समझ में आती थी, क्योंकि पाओ यू को अपने चौकस चचे रे भइयों की बातों या नशे में धु त मे हमनों के उपहस से सवधान रहना था। लेकिन अगर लियू को सच में जना ही था, तो शायद वह मे जबन के बे टे द्वारा पाओ यू को बुलाने तक थोड़ा इं तजर कर सकता था। यु व लियू मन गया, और उसके मे जबन ने एक नौकरानी को पाओ यू के पास भे ज ताकि वह उसे महिलाओं से चु पके से बुला ले । पओ यू अपने दोस्त को पु स्तकालय ले गय, जो कु छ हद तक एकां त में था और जहाँ दो लोग बिना किसी बाधा के बतचीत कर सकते थे ।

"मु झे हमारे भले चिन चु ं ग की समाधि की चिंता है । क्या आप हाल ही में वहाँ गए थे?" पाओ यू ने पू छा। "हाँ, बिल्कुल हाल ही में, जब मैं बज़ुर्गों के सथ शिकार पर गया था। हम मुश्किल से दो ली दूर शिकार कर रहे थे, और मैं ने चु पके से समाधि पर जाने का मौका लिया। मु झे डर था कि पिछली

गर्मियों की भारी बारिश के बद वह बह गई होगी या पानी में डूब गई होगी। मेरा डर सही निकला; ऐसा लग रहा था कि उसे मरम्मत की बहुत ज़रूरत है; इसलिए मैं दो दिन बाद दो कुलियों के सथ फिर वहाँ गय और उसकी मरम्मत करवाई। इस काम में मेरे कुछ छः बे केसिक्के लगे।" "आह, अब मैं समझ गय। पिछले महीने मैंने अपने नौकर िशा ये न को वहाँ भे जा था और उसे आदेश दिया था कि वह समाधि पर दस पके कमल के बीज चढ़ाए, जिन्हें मैंने अपने हाथों से पर्क के तलाब से तोड़ा था। उसके लौटने पर मैंने उससे पूछा कि उसने 296 किस हालत में पए।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 8.95% है ।

मैं ने कब्र के बारे में पूछा और यह भी पू छा कि क्या गर्मियों की बारिश से उसे बहुत नु कसान हुआ था। उन्होंने कहा कि इसके विपरीत, वह पहले से कहीं बे हतर दिख रही थी, बल्कि बिल्कुल नई जै सी। मैं ने तु रं त सोचा कि यह किसी मित्र का काम होगा। अब मु झे पता चला कि यह आपने किया था। दुर्भाग्य से, मु झे घर से बाहर निकलना बहुत मुश्किल लगता है, मु झ परलगातार नज़र रखी जाती है; मे रे हर कदम पर नज़र रखी जाती है और उसकी आलोचना की जाती है । इसलिए, मैं स्वयं कब्र पर नहीं जा सका। और सबसे अजीब बात यह है कि मैं अपनेलिए पै से भी खर्च नहीं कर सकता, जबकि हमारे परिवार में वास्तव में पर्याप्त धन है ।"इस बारे मेंचिंता मत करो! आखिरकार, मैं तु म्हारे साथ हूँ । जब भी तु म्हें बाहर से कु छ चाहिए हो, बेझिझक मु झसे संपर्क करो! इसके अलावा, मैं ने यह सुनिश्चित किया है कि उनकी अगली बरसी पर, दसवें महीने की पहली तारीख को, हमारे दिवं गतमित्र को एक उचित बलि चढ़ाई जाएगी।" "मु झे यह जानकर खु शी हुई। मैं इसके बारे मेंमिंग ये न को तु म्हारे पास भे जने वाला था; लेकिन तु म तो ऐसे चंचल पौधे होकि तु म्हें ढूं ढना मुश्किल है ।" "यह सच है, और अब मु झे एक औरलं बी यात्रा करनी है ।" इस बार तो मैं तीन-चार साल तक वापस नहीं आऊँ गा। "इतना लं बा समय? फिर आपको क्या बात परे शान कर रही है?" "अभी इतनी जल्दी में मैं आपको समझा नहीं सकता। बाद में पता चल जाएगा। लेकिन अभी मैं जाना चाहता हूँ ।" "क्या हम आज शाम को, जब सब चले जाएँ गे, फिर से बात कर सकते हैं?" "दुर्भाग्यवश, ऐसा नहीं हो सकता! मैं अब और यहाँ नहीं रुकना चाहता, वरना आपकी चचे री बहन ह्सु एह पन से झगड़ा हो जाएगा - समझे?" "हाँ, मैं अच्छी तरह समझता हूँ । सच में, आपके लिए यहाँ से चले जाना ही बे हतर है । लेकिन अपनी लं बी यात्रा पर निकलने से पहले, हम एक-दूसरे से मिलें गे और अलविदा कहें गे, है न? वादा करो!" "ज़रूर, जाने से पहले मैं आपको अलविदा कहूँ गा। और कृ पया मे री यात्रा के बारे मेंकिसी को मत बताना!" अब अं दर जाओ और मु झे चु पचाप गायब होने दो" वे अलग हो गए, और यु वा लियू द्वार की ओर चला गया। वह द्वार से बाहर निकलने ही वाला था कि उसकी मुलाकात ह्सु एह पन से हुई, जो चिल्लाया: "छोटा लियू कहाँ छिपा है? छोटे लियू को बाहर किसने जाने दिया?" और उसे ढूंढता रहा। यु वा लियू की आँ खें उस शराबी को

देखकर और उसकी चीखें सुनकर गुस्से से भर उठीं। वह उसे एक मोमुक्के से ज़मीन परगिरा देन चाहता था, लेकिन अपने मेज़बान के प्रति सम्मान ने उसे उसके सिर में हिंसक कार्रवाई करने से रोकदिया। इसी बीच ह्सुएह पन ने उसे देख लिया था, और अब उसका ऐसे स्वागत किया जैसे वह कोई खोया हुआ रत्न हो जिसे उसनेफिर से प लिया हो। “प्यारे छोटे बच्चे, तुम कहाँ जना चाहते हो?” उसने बड़बड़ाते हुए उसका हाथ पकड़ लिया। 297

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.11% है।

“मैं थोड़ी कसरत करके वापस आऊंगा,” युवलियू ने जवाब दिया। “अरे, मत जाओ! तुम्हारे बिना यहाँ कोई जीवन नहीं है। मेरे लिए यहीं रहो! तुम जो भी कहोगे, मैं तुम्हारे लिए सब कुछ करूंगा। क्या तुम्हें पैसे चाहिए? क्या तुम्हें कोई पद चाहिए? अगर तुम अपने बड़े भाई से थोड़ी सी भी अच्छी तरह पेश आओ, तो वह तुम्हारे लिए कुछ भी दिला सकता है।” युवलियू को उस चिड़चिड़े आदमी से बहुत चिढ़ हो रही थी। काश, वह उसे हमेशा के लिए सबक सिखा पाता! तभी उसे एक अच्छा विचार आया। दोस्ती का दिखावा करते हुए, उसने दूसरे को एक कोने में खींच लिया। “क्या तुम सच में मेरे दोस्त बनना चाहते हो, या सिर्फ दिखावा कर रहे हो?” उसने धीमी आवाज़ में पूछा। “लेकिन, प्यारे भाई, आप ऐसी बात कैसे पूछ सकते हैं?” दूसरे ने खुशी से जवाब दिया, उसे तिरछी नज़रों से देखते हुए। “अगर मैं सच में ऐसा नहीं कह रहा हूँ, तो मैं तुरंत मर जाऊँ!” "बहुत खूब। लेकिन इस घर में हमें थोड़ी परेशानी हो रही है। थोड़ी देर रुकिए। मैं पहले अकेले चला जाता हूँ। थोड़ी देर बाद मेरे घर आ जाना! आज रात मेरे घर पर खूब मौज-मस्ती करेंगे। वैसे, वहाँ दो प्यारी लड़कियाँ भी हैं, लेकिन अकेले आना, नौकरों के बिना! मेरे पास खुद से काम करने के लिए लोग हैं।" उसकी बातों से ह्सुएह पन खुशी से लगभग होश में आ गई। "सच में? क्या तुम आना चाहते हो?" "तुम्हें अब भी शक कैसे हो सकता है?" "लेकिन मैं तुम्हें कहाँ ढूँढूँगी?" "मैं शहर की दीवारों के बाहर उत्तरी द्वार के सामने रहता हूँ। तुम मेरे साथ रात बिता सकते हो।" "ओह, अगर तुम ही हो तो मैं घर के बारे में सोचना भी छोड़ दूँगी।" "बहुत खूब, मैं उत्तरी द्वार पर पुल के पास तुम्हारा इंतज़ार करूँगा। और ध्यान रखना कि तुम्हें यहाँ से जाते हुए कोई देख न ले!" ह्सुएह पन ने वादा किया, और दोनों मेज पर लौट आए और थोड़ी देर और मौज-मस्ती करते रहे। अत्यधिक आनंद में ह्सुएह पन ने इतनी शराब पी ली कि थोड़ी ही देर में वह लगभग मदहोश हो गया। युवलियू जल्दी ही मेज से उठकर अपने नौकर को घर भेजकर उत्तरी द्वार के सामने वाले पुल की ओर अकेला चला गया। थोड़ा भोजन करने के बाद उसने ह्सुएह पन को अपने बड़े घोड़े पर सरपट दौड़ते हुए आते देखा। घोड़े पर सवार होकर आगे बढ़ते हुए उसका नजारा हास्यास्पद था। उसका गोल सिर किसी फेरीवाले के ढोल की तरह लगातार दाएं-बाएं घूम रहा था, मुंह खुला था और शराब के नशे में

उसकी छोटी-छोटी आं खें बे चै नी से इधर-उधर दे ख रही थीं। शाम के धुं धलके में वह स्वाभाविक रूप से पुल पर रुके हुए लियू को दे ख नहीं पाया और ते जी से उससे आगे निकलकर मु ख्य सड़क पर खुले मै दान की ओर चला गया। गु स्से में होने के बावजूद लियू को उस अनाड़ी पर हं सी आ गई और वह कु छ दूरी से उसका पीछा करता रहा। जै से-जै से जिला अधिक सु नसान और वीरान होता गया, ह्सु एह पै न ने अपने

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.11% है।

घोड़ा गोल घूम और वह वापस सड़क की ओर चल पड़ा। तभी उसकी नज़र युव लियू पर पड़ी। "तुम तो बड़े अच्छे इंसान हो, तुमने अपना वादा निभाया!" उसने खुशी से पुकारा। "और आगे, और आगे! हम थोड़ी देर सीधे चलते हैं!" लियू हंसते हुए उससे आग्रह करने लगा और मुख्य सड़क पर तेज़ी से उसके आगे दौड़ने लगा। ह्सु एह पन भी हांफते हुए उसके पीछे-पीछे दौड़ा। सरकंडों से घिरे एक तलाब के पस एक सुनसन जगह पर, लियू रुका, घोड़े से उतरा और उसे एक पेड़ से बांध दिया। "नीचे उतरो यहीं पर हम एक गंभीर शपथ लेकर अपने बंधन को पक्का करेंगे। जो विश्वासघात करेग और दूसरे को धोख देग, वह शापित होगा। पहले तुम शपथ लो!" उसने ह्सु एह पन से सख्ती से कहा। "ठीक है!" ह्सु एह पन बड़बड़ाया और घोड़े की काठी से उतरकर अपने घोड़े को भी पेड़ के तने से बांध दिया। फिर वह ज़मीन पर घुटने टेककर गंभीर स्वर में कहने लगा: "मैं शश्वत निष्ठा की शपथ लेत हूँ। यदि मैं अपने मन बदलूँ और विश्वासघात करूँ, तो स्वर्ग का दंड और पृथ्वी का प्रतिशोध मुझ पर पड़े..!" उसने अभी अपनी शपथ पूरी भी नहीं की थी कि उसे अपने पीछे एक तेज़ सरसराहट सुनई दी और तुरंत ही उसकी गर्दन पर लोहे के डंडे से रबौस ज़ोरदार प्रहार हुआ। उसकी आँखों के सामने सब कुछ अँधेरा हो गया, और अँधेरे में सुनहरे त नाचने लगे। उसका संतुलन बिगड़ गया और वह गिर पड़ा। "कमज़ोर!" धूल में पड़े उस आदमी पर लियू ने तिरस्कारपूर्वक कहा। "अभी तक तो इसने मेरे क्रोध का केवल तीन-दसवाँ हिस्सा ही झेला है और यह पहले ही खत्म हो चुका है। रुको, अभी और भी बाकी है!" उसने उसके चेहरे पर मुक्कों के कुछ वार किए और शरीर पर कई लातें मरीं, जिससे वह बर-बार गिरता रहा, चाहे उसने कितनी ही बार उठने की कोशिश की हो। "क्या तुम इसे मित्रता कहते हो?" ह्सु एह पन कराह उठी। "अगर तुम मुझसे संबंध नहीं रखना चाहते थे, तो तुमने यह बात दोस्ताना तरीके से क्यों नहीं कही? यह छल और दुर्व्यवहार क्यों?" वह गुस्से में उसें टोकने ही वाला था, लेकिन लियू ने उसे बीच में ही रोक दिया। "अपनी अज्ञानता में तुमने मुझ, महान लियू को, क्या समझ लिया है?" उसने गुस्से से चिल्लाते हुए कहा। "अगर तुमने कोई गुस्ताखी की, तो तुम्हें सबक मिलेगा!" और उसने उसे अपने घोड़े के चाबुक से तीस-चालीस कोड़े मरे, फिर उसका बायां पैर पकड़कर उसे पास के दलदली

किनारे तक घसीटा और किनारे से कुछ कदम दूर एक रुके हुए पनी के तलाब में पटक दिया। "अब तुम मुझे पहचानते हो? क्या तुम माफी मांगोगे?" उसने गुस्से से पूछा। सुएह पन, इस कठोर व्यवहार और ठंडे पानी से भीगने से आधा होश में आ गया था, और वह खुद को कीचड़ से बाहर निकालने में पूरी तरह से व्यस्त था।

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.20% है।

और उसने केवल दर्द भरी कराहें और आहें भरीं। लियू ने उसे कुएं के किनारे पर फेंक दिया और फिर से मुट्ठी के कुछ जोरदार वार करके उसे बुरी तरह पीटा। ह्सु एह पन ने इतनी ज़ोर से उठकर खुद को सूखी ज़मीन पर खड़ा किया कि उसकी नसें लगभग टूट गईं, और चिल्लाया: "मैं मनता हूँ कि आप एक सम्मानित, ईमानदार व्यक्ति हैं! मैंने आपको गलत समझा। लेकिन यह दूसरों की गलती है, जिन्होंने अपनी बतों से मुझे गुमराह किया..." "दूसरों को अकेला छोड़ दो!" लियू ने गुस्से से उसे बीच में ही रोक दिया। "कृपया मुद्दे पर और वर्तमान समय पर रहो!" "ठीक है, मैं अपनी गलती मानता हूँ। आप एक अच्छे, सम्मानित व्यक्ति हैं, एक सच्चे और ईमनदार व्यक्ति हैं।" "इससे मुझे अभी भी तसल्ली नहीं है। अगर मुझे आप पर दया करनी है, तो कृपया थोड़ा और विनम्रता से अपनी बात कहें!" "प्यारे छोटे भाई!" ह्सु एह पन हाँफते हुए बोला। वह आगे कुछ नहीं कह पाया। दूसरे ने एक बर फिर उसके चेहरे पर एक ज़ोरदार प्रहार किया। "प्यारे बड़े भाई!..." थप्पड़! उसके चेहरे पर फिर दो थप्पड़ पड़े। "हे स्वमी!" अपमानित ह्सु एह पन गिड़गिड़ाया। "कृप करके मुझ पर दया कीजिए! मेरी मूर्ख आँखों को अंधापन हो गया था। अब से मैं आपका आदर और सम्मान करूँगा।" "इस पोखर के पनी के दो घूंट पीओ!" लियू ने उसकी बेइज्जती पूरी करने के लिए आदेश दिया। ह्सु एह पन ने घृणा से मुँह बनाया। "यह गंदा पानी? इसे तो कोई पी नहीं सकता!" उसने जवब देने की हिम्मत की, और लियू ने फिर उसे मुक्के से एक और प्रहार किया। "ठीक है, ठीक है, मैं पी लूँगा!" ह्सु एह पन ने आगे की मुसीबत से बचने के लिए जल्दी से कहा। और उसने आदेश का पालन करते हुए अपन सिर उस कीचड़ भरे पोखर में डुबो दिया और अपना मुँह उस घिनौने तरल से भर लिया। लेकिन वह उसे निगल भी नहीं पाया। उसने डकार ली और उसे अपने पेट के साथ वह तरल भी उल्टी कर देन पड़ा। "तुम्हारा सौभाग्य है कि यहाँ की हव अब मुझे रास नहीं आती," लियू ने रूखेपन से कहा और उस जगह की दुर्गंध से परेशान होकर जल्दी से मुड़कर अपने घोड़े को खोलकर सरपट भाग गया। मेज से ह्सु एह पन और युव लियू के अचानक गायब होने पर सबकी नज़र पड़ गई थी। जब वे वापस नहीं लौटे, तो पूरे घर में उनकी तलाश की गई, लेकिन वे नहीं मिले। अंत में यह खबर मिली कि उन्हें उत्तरी शहर के द्वार की ओर तेज़ी से जाते हुए

देख गया है। तब राजकुमार चेन ने अपने बेटियिया युंग को कई नौकरों के साथ उत्तरी द्वार पर उनकी तलाश करने के लिए भेजा। द्वार के पास पुल से लगभग दो मील आगे, सरकंडों से घिरे एक तालाब के पास, खोजकर्ताओं ने ह्सु एह पन के घोड़े को एक पेड़ से बंधा हुआ पाया। उन्होंने मन ही मन सोचा कि सवार घोड़े के पास ही कहीं होगा। और सच में, अब उन्हें एक भयनक 300

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.30% है ।

तालाब के किनारे से कराहने और मदद के लिए लं बी-लं बी चीखें सुनाई दे रही थीं। वे घोड़ों से उतरे और उस जगह की ओर दौड़े जहाँ से आवाज़ आ रही थी। वहाँ उन्होंने ह्सु एह पन को सरकं डों के बीच पड़ा पाया, उसके कपड़े पू री तरह भीगे और गं दे थे, उसका चे हरा विकृ त, चोटिल और घावों से भरा हुआ था, वह सरकं डों के बीच ज़मीन पर एक सू अर की तरह पड़ा था। चिया यु ंग, जिसने तु रं त ही लगभग सारी सच्चाई का अं दाज़ा लगा लिया था, ने अपने असहाय चाचा को, जो दर्द से कराह रहे थे, अपने नौकरों की मदद से उठने में मदद की। "दे खो, बड़े चचा अब अपने प्रे म प्रसं गों के लिए दलदली गड्ढों और कीचड़ भरे तलाबों की तलाश में रहते हैं," चिया यु ंग ने उन्हें चिढ़ाया। "शायद उन्होंने अपने आकर्षण से जल-ड्रै गन राजकु मर को मोहित कर लिया है? लगता है ऐस करते समय उन्होंने ड्रै गन के सींगों पर प्रहार किया होगा।" ह्सु एह पन इतना शर्मिंदा था कि वह ज़मीन की दरार में छिप जाना चाहता था। अपनी इस घायल अवस्था में उसके लिए घोड़े पर सवर होना नामु मकिन था। उसके पस पास ही स्थित यु द्ध के दे वता कु आन ती के मंदिर से पलकी किराए पर ले ने और ह्सु एह पन को उसमें बिठाकर वापस शहर ले जने के अलावा कोई चारा नहीं था। उसकी विनती पर उसे भोज में वापस नहीं ले जया गया, जै स कि चिया यु ंग ने षड्यंत्रपूर्ण ढं ग से कहा था, बल्कि उसे सीधे घर ले जया गया। इस प्रकार चिया यु ंग अके ले लाई शें ग के घर में भोज की मे ज पर लौटा, और उसके कारनामों की कहानी सु नकर राजकु मर चे न मु स्कुराया और शरारती मु स्कान दी। राजकु मर ने व्यंग्यपूर्ण ढं ग से कहा, "इस तरह फँ सने से उसे कोई नु कसान नहीं होगा!" जब वह शाम को बाद में उसके घर उससे मिलने गय, तो उसे बतया गया कि ह्सु एह पन बीमार है और किसी से मिल नहीं सकता। जब आं टी ह्सु एह और प्रेशियस क्लै स्प कु छ दे र बाद घर पहुँ चीं, तो ह्सु एह पन की दूसरी पत्नी लोटस ने आँ सु ओं से भीगी आँ खों से उनका स्वागत किया और उस शयनकक्ष की ओर इशारा किया जहाँ उन्होंने ह्सु एह पन को चोटिल अं गों और सू जे हुए चे हरे के साथ बिस्तर पर ले टे हुए पाया, जो यथासं भव अपन इलाज कर रहे थे । सौभाग्य से, उन्हें कोई गं भीर आं तरिक चोट या हड्डी नहीं टूटी थी। आं टी ह्सु एह बहुत गु स्से में थीं और उन्होंने अपने बे टे और उसे प्रताड़ित करने वले दोनों को खू ब खरी-खोटी सु नई। दरअसल, वह मै डम चें ग से शिकायत करके

यु व लियू को तु रं त गिरफ्तार करवाना चाहती थीं, लेकिन प्रेशियस क्लै स्प ने उन्हें ऐसा करने से रोककर शां त करदिया। उन्होंने कहा, "यह तो बस शराब के नशे में धु त दोस्तों के बीच मामूली कहा-सु नी थी। ऐसी बतें अक्सर होती रहती हैं और इन पर ज्यादा हं गमा करने की जरूरत नहीं है ।" उन्होंने आगे कहा, "वै से भी, हमारे खनदान के वरिस को तो सब जानते ही हैंकि वह ईश्वर की अवहेलना करता है और कानू न का अपमान करता है ।" "अगर आप इसे मु कदमेबाजी तक ले जते हैं, तो लोग आपके और उसकेखिलाफ पक्ष लें गे । अगर आप न्याय पाने पर अड़े हैं, तो कु छदिनों तक धैर्य रखें जब तककि ह्सु एह पन पू री तरह से ठीक न हो जाए। राजकु मर चे ननिश्चित रूप से अपना आभार व्यक्त करें गे "।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.01% है ।

आज भोज के लिए एक वै कल्पिक निमं त्रण भे जा गया है । आज के सभी अतिथि उपस्थित रहें गे, साथ ही भाई ह्सु एह पन और वह साथी लियू भी। तबलियू सबके सामने मफी मां ग सकत है । यह सार्वजनिक बदनामी से कहीं बे हतर है"।" तु म सही कह रही, मे री बच्ची," चाची ह्सु एह ने सहमति जताते हुए कहा। "गु स्से के पहले विस्फोट ने मे री समझ को धुंधला कर दिया था।" "वास्तव में उसे वही मिला जिसका वह हकदार था," प्रेशियस क्लै स्प ने हं सते हुए कहा "अब तक उसने न तो तु म्हारा और न ही दूसरों का सम्मान किया है औरदिन-प्रतिदिन बहुत बु रा व्यवहार करता रहा है । उसे केवल विपत्ति से ही अक्ल आएगी।" दो-तीन ऐसे कड़वे अनु भवों से वह ठीक हो जाएगा!" उस रात ह्सु एह पन को एक पल भी नींद नहीं आई। वह अपने शत्रु पर क्रोधित था, बदला ले ने की कसम खाई और अगले दिन अपने नौकरों को आदे श दे कर भे जा कि वे लियू का घर गिरा दें और उसकी खल उतार दें य, इससे भी बे हतर, उसे तु रं त मार डालें ।लेकिन नौकर अपना काम किए बिना ही लौट आए। यु व लियू ने केवल नशे में धु त होकर ऐसा किया था। होश में आने पर उसे अपने किए पर पछतावा हुआ और सजा के डर से वह शहर से भाग गया, ऐसा उसके पड़ोसियों ने उन्हें बताया था। कोव ह्सु एह पन को यह जानकारी मिली, आप अगले अध्यय में सु नें गे । अध्याय 29 लज्जित और अपमानित व्यभिचारी एक व्यापारिक यात्रा में अपन ध्यान भटकाने की कोशिश करता है । एक श्रे ष्ठ लड़की सर्वश्रे ष्ठ कवियों का अध्ययन करते हुए कविता कला का अभ्यास करती है ।1 अपने प्रतिद्वं द्वी के भाग जाने की खबर से ह्सु एह पन का क्रोध धीरे-धीरे कम होनेलगा। कु छदिनों में उसकी शरीरिक स्थिति में भी सु धार हुआ, लेकिन उस पर हुए अत्याचार के कारण उसे शर्मिंदगी महसू स हो रही थी। उन्हें अपने रिश्ते दारों और दोस्तों के समने पे श होने से लगातार रोका जा रहा था। दसवां महीन आ चु का था। यह वह समय होता है जब घु मं तू व्यापारी अपना वार्षिक हिसाब-किताब पू रा करते हैं और नव वर्ष का त्योहार अपने परिवार के सथ मनाने केलिए घर लौटते हैं । उनदिनों यु ं गकु ओ और सिंगकु ओ महलों में उन व्यपारिक प्रबं धकों केलिए कई विदाई भोज आयोजित किए जाते थे, जो दोनों रियासतों की ओर से शहर में विभिन्न प्रकार की दुकानें चलाते थे और अब अपने घर लौट रहे थे । इन व्यापारिक प्रबं धकों में से

एक चां ग ते हुई थे,जो ह्सु एह पन के लिए एक गिरवी की दुकान चलाते थे और उनके पास स्वयं तीन हजार औंस सोने का निजी खजाना भी था। उन्होंने विदाई भोज में अनयास ही कहा, "आज शोक वस्त्रों और सु गंधित पं खों केलिए बाजार बहुत मुश्किल हो गया है ।"

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 69.27% है ।

ह्सु एह पन ने उसकेलिए कहा, “अगले सल इन वस्तु ओं की कीमतें कफी बढ़ जाएं गी। मैं समय रहते पर्याप्त मात्रा में मल जमा करने का इरादा रखता हूँ, और फिर अगले सल के पहले कु छ महीनों में प्रं तों का दौरा करते समय अपन माल लाभ पर बे चूं गा। आं तरिक सीमा शुल्क काटने के बाद भी, मु झे शयद अच्छा मु नफा होगा। इसलिए, मैं इस बर सामान्य से अधिक समय तक बाहर रहूं ग और पाँ चवें महीने कीपाँ चवींतिथि को ड्रै गन बोट फेस्टिवल से पहले शयद ही वापस आ पाऊं ग। तब तक आप गिरवी की दुकान का प्रबं धन मे रे नौकरों को सौंप दें ।” जब ह्सु एह पन ने उसे यह कहते सुना, तो उसने मन ही मन सोच: क्या उसके सथ मिलकर उसके व्यवसय में कु छ पूं जीनिवे श करन बुद्धिमानी नहीं होगी? मु झे यहाँ शर्मनाक बदनामी झेलनी पड़ी है और छह महीने या एक साल के लिए यहाँ से गयब हो जाना और अप्रिय गपशप से बचन मे रेलिए कोई नु कसनदे ह नहीं होग। आखिरकार, मैं बीमर होने का बहाना बनाकर अनिश्चित काल तक लोगों से दूर नहीं रह सकता। इसके अलावा, इससे मु झे एक उपयोगी पत्नी खोजने का अच्छा अवसर मिले ग। मैं निश्चित रूप से कु छ करने केलिए काफी बू ढ़ा हो चु का हूँ । मु झे न तो किताबों में रुचि है और न ही सैनिक जीवन में, इसलिए थोड़ा-बहुत व्यापार करना मे रेलिए बे हतर रहे गा। तराजू और अबे कस चलाना सीखना, दे श औरलोगों को जानना, नए इलाकों और रीति-रिवाजों को समझना भी एक मू ल्यवन अनु भव है । भले ही इस यत्रा से मु झे आर्थिक लाभ न हो, लेकिन इससे मु झे जगह और माहौल में एक सु खद बदलाव का लाभ तो मिले ग। इस तरह मन ही मन विचार करने के बद, मे ज से उठने के बद उसने शं त भव से अपने व्यावसारिक मित्र चां ग को अपनेनिर्णय के बरे में बताया। क्या श्री चां ग कृ पया अपनी यात्रा दो दिन के लिए टाल सकते हैं ताकि वह उनके सथ आ सकें? उसी शाम उसने यह बत अपनी माँ को बतई। चाची ह्सु एह को उसका इरादा सराहनीय लगा, लेकिन दूसरी ओर, उन्हें डर थ कि वह रास्ते में कोई गड़बड़ कर बै ठे गा, जिसके बु रे परिणाम होंगे, और अपने सथ ले जने वली पूं जी को व्यर्थ ही बर्बाद कर दे ग। इसलिए वह उसे जने नहीं दे न चाहती थीं। वह उनकी वृ द्धावस्था का सहारा था, और आखिरकार उसे ऐसे छोटे -मोटे व्यपार से पै से कमाने की कोई ज़रूरत नहीं थी, उन्होंने आपत्ति जताई। लेकिन ह्सु एह पन अपने फै सले से

पीछे हटने को बिल्कुल तैयार नहीं थे। उन्होंने कहा, "आप हमेशा मेरी जानकारी और अनुभव की कमी को लेकर मेरी आलोचना करते रहते हैं। कभी आप कहते हैं कि मुझे यह नहीं पता, तो कभी कहते हैं कि मुझे वह समझ नहीं आता। और अब, जब मैं अपने पिछले लक्ष्यहीन जीवन से छुटकारा पाना चाहता हूँ, किसी उपयोगी पेशे में जाना चाहता हूँ और एक सक्षम व्यक्ति बनना चाहता हूँ, तो आप इसके भी खिलाफ हैं। फिर मैं आपको कैसे खुश करूँ? आखिर मैं कोई ऐसी लड़की तो नहीं हूँ जिसे पूरी जिंदगी बाहरी दुनिया से अलग रखा जा सके। इसके अलावा, यह चांग एक अनुभवी, कुशल और दुनियादारी समझने वाला व्यापारी है, जिसकी संगति और बातचीत मुझे बेहद लाभ पहुँचती है। वह निश्चित रूप से यह सुनिश्चित करेगा कि मैं किसी भी तरह की गड़बड़ी न करूँ, और उसकी सलाह मेरे लिए बहुत मददगार साबित होगी। मेरा फैसला अटल है।"

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.10% है।

दृढ़ निश्चयी। मैं पीछे हटने को तैयार नहीं। बस देखते रहो मैं अगले साल अपनी किस्मत बनाकर लौटूँगा। तुम मुझे अभी जानती भी नहीं हो!" आंटी ह्सु एह ने अपनी बेटी प्रेशियस क्लैस्प से इस सवाल पर चर्चा की। "हाँ, उसके इरादे वाकई सराहनीय लगते हैं। बस, कहीं वो अपने पुराने बुरे कामों में न पड़ जाए!" प्रेशियस क्लैस्प ने कहा। "लेकिन तुम उसे हमेशा अपने पल्लू से बाँधकर नहीं रख सकतीं। आखिर वो एक बड़ा आदमी है, तो उसे घर में क्यों रहना चाहिए? उसे आत्मविश्वास से बाहर जाने दो और दुनिया को थोड़ा देखने दो। अगर वो अपनी आदतें सुधारना चाहता है और समाज का एक उपयोगी सदस्य बनना चाहता है, तो कम से कम उसे एक मौका तो दो! इसके अलावा, श्री चांग के रूप में उसके पास एक भरोसेमंद सलाहकार है। साथ ही, परिवार के सहारे के बिना अपने पैरों पर खड़ा होना और गुमराह करने वाले दोस्तों से दूर रहना उसके लिए कोई नुकसानदायक नहीं होगा। उसे सतर्क रहना होगा और आत्मनिर्भर बनना होगा।" हिम्मत रखो और उसे वो अठारह सौ औंस चांदी दे दो जो तुमने उसके लिए अलग रखी है, और उसे जाने दो "तुम सही हो।" "उम्मीद है कि वह कोई उपयोगी काम करेगा!" आंटी ह्सु एह ने काफी सोच-विचार के बाद सहमति जताई। अगले दिन उन्होंने व्यापार प्रबंधक चांग को घर बुलाया और पुस्तकालय में ह्सु एह पन और उनके लिए भोजन का आयोजन किया। भोजन के दौरान उन्होंने खुद बाहर की खिड़की से अतिथि को यात्रा के प्रति अपनी सहमति दी, साथ ही सौ व्यावहारिक सुझाव और हज़ार उपयोगी चेतावनियाँ भी दीं, जिन्हें अतिथि ने एक साथ दो मुँह से दिल से मानने का वादा किया। ह्सु एह पन बेहद खुश थे। प्रस्थान के लिए कैलेंडर में दसवें महीने का चौदहवाँ दिन शुभदिन चुना गया था। बीच के दो दिन यात्रा की तैयारियों में व्यस्त रहे; माँ, बहन, दूसरी पत्नी और दो बुज़ुर्ग नौकरानियाँ सभी उत्साहपूर्वक मदद कर रही थीं। केवल सामान से ही तीन बड़ी गाड़ियाँ भर दी गईं। सवारी के लिए ह्सु एह पन को एक बड़ा खच्चर दिया गया, जिसका रंग बर्फीला भूरा था, जो उनके अपने ह्सु एह परिवार का था, और साथ ही राजसी अस्तबल से एक मजबूत घोड़ा भी दिया गया। कर्मचारियों के लिए उन्हें पाँच लोग दिए गए, जिनमें तीन अनुभवी बुज़ुर्ग थे। नौकर और दो युवक। तेरह तारीख को रिश्तेदारों की बड़ी विदाई हुई। फिर, चौदह तारीख की सुबह तड़के, वह

अपनी यात्रा पर निकल पड़ा। माँ, बहन और लोटस भीतरी द्वार तक उसके सथ गईं और कु छ दे र तक जाते हुए व्यक्ति को दे खती रहीं, फिर आहें भरते हुए, आधे दुखी और आधे राहत से भरी हुई, अपने कमरों में लौट गईं। ह्सु एह पै न के जाने के बाद, चाची ह्सु एह ने उसके आलीशान कमरों से सभी गहने और सज-सामान अपने घर में रखवा लिए और उसके कमरे को बं द कर दिया। इसके अलावा, उन्होंने लोटस के लिए अपने कमरे में रहने और रात में उसके साथ सोने की व्यवस्थ की। लेकिन प्रेशियस क्लै स्प ने लोटस को अपने सथ पार्क ऑफ डिलाइटफुल विजन में रहने दे ने की अनु मति मां गी। वहाँ काफी जगह थी, और वह आराम से रह सकती थी।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 8.87% है ।

उसने कहा, "सर्दियों की लं बी शामों के लिए एक साथी और जीवनसाथी की तलाश है ।" आं टी ह्सु एह मन गईं, और लोटस ने अपने कंबल, तकिए, कपड़े और श्रृं गार का सामान पै क किया और जं गल के आं गन में चली गई। लोटस इस बदलाव से बहुत खु श थी; दरअसल, उसने पहले ही आं टी ह्सु एह से कभी-कभी एक दिन के लिए 'मनोरम दर्शन के पार्क' में प्रेशियस क्लै स्प के साथ रहने की अनु मति ले ने का इरादा कर लिया था; और अब उसे सचमु च वहाँ स्थायी रूप से रहने की अनु मति मिल गई थी। "अगर आपके पास समय और इच्छा हो, तो मैं चाहूँ गी कि आप मु झे कविता की कला सिखाएँ," उसने प्रेशियस क्लै स्प से उसी दिन खु शी से कहा, जिस दिन वह उसके पास आई थी। "अरे वाह, तु म तो लालची हो! तु म हान वं श के पु राने सम्राट कु आं ग वू की तरह हो, जिसने लु ं ग की भूमि पर विजय प्राप्त करते ही चू की भूमि पर भी लालच करने लगा था। बे शक, मु झे तु म्हें कविता सिखाने में खु शी होगी, ले किन पहले ही दिन नहीं। आज तु म्हें सबसे पहले वहाँ की बू ढ़ी तई ताई और अन्य महिलाओं से एक-एक करके विदाई ले नी होगी, और फिर यहाँ की सभी यु वतियों से पहली बार मिलना होगा। अगर लोग तु मसे यहाँ आने का कारण पू छें, तो तु म कह सकती हो कि मैं तु म्हें साथी के रूप में चाहती थी।" लोटस अपने 'मिलने-जुलने' के दौरे पर निकलने ही वाली थी कि नौकरानी लिटिल पिंग वहाँ आ गई। "आज से ये मे री नई साथी है," प्रेशियस क्लै स्प ने लोटस की ओर इशारा करते हुए कहा। "मैं अभी तु म्हारी मालकिन फीनिक्स को उसके यहाँ आने की सू चना दे ने ही वाली थी।" "औपचारिकता क्यों? मु झे कोई आपत्ति नहीं है ।" "ओह, हाँ, लेकिन हमें व्यवस्था बनाए रखनी होगी। यह पार्क के प्रवे श द्वार पर तै नात चौकीदारों के लिए है, ताकि उन्हें पता रहे कि शाम को द्वार बं द करने से पहले उन्हें एक और व्यक्ति को अं दर आने दे ना है ।लेकिन अब आप खु द अपनी मालकिन को सूचित कर सकती हैं, और मु झे विशेष रूप से किसी को भे जने की ज़रूरत नहीं पड़े गी।" "ठीक है, मैं इसका ध्यान रखू ँ गी। क्या उन्होंने अपने पु राने पड़ोसियों को अलविदा कह दिया है और नए पड़ोसियों से मिल लिया है?" "वह अभी ऐसा करने ही वाली हैं ।" "उन्हें बता दीजिए कि बे हतर होगा कि वह हमसे मिलने न आएं । श्री चिया लियन घर पर बीमार हैं ।" जब लोटस चली गई, तो लिटिल पिंग ने प्रेशियस क्लै स्प को एक तरफ ले जाकर

फु सफु साते हुए पू छा: "क्या आपने हमरे नवीनतम घोटाले के बारे में सुना है?" "नहीं। मैं पिछले कु छ दिनों से अपने माई की यात्रा की तै यरी में इतनी व्यस्त थी कि मु झे किसी और चीज़ की परवाह ही नहीं थी। मैं ने पिछले कु छ दिनों से अपने चचे रे भाइयों को भी नहीं दे ख है ।" "तो आपने श्री चिया लियन को उनके पिता, राजकु मर शीह द्वारा हाल ही में दी गई भीषण पिटाई के बरे में कु छ खस नहीं सु न है?" 305

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 8.94% है।

"नहीं, मैंने तो बस इसके बारे में हल्की-फुल्की बात सुनी थी, और यही एक वजह थी कि मैं फीनिक्स जाने वाला था। आखिर वजह क्या थी?" "ज़ाहिर है, इसके पीछे एक बार फिर श्री युत्सुन का हाथ है - वह संदिग्ध 'कहीं से आए सज्जन', जो एक बार राजधानी जाते समय आधे रास्ते में भूख से अधमरा हो गया था, और दुर्भाग्य से बेहोश नहीं हुआ। पिछले दस सालों से वह यहाँ आता-जाता रहा है, और हमारे घर में उसने सिवाय बदकिस्मती के कुछ नहीं लाया। खैर, मैं आपको कहानी सुनाता हूँ। एकदिन बसंत ऋतु में राजकुमर शीह को कुछ सुंदर पुराने पंख दिखाई दिए। उस समय से उन्हें अपने पंखों से कोई लगाव नहीं रहा, और उन्होंने अपने नौकरों को वैसे ही पुराने पंखे ढूंढने के लिए भेजा। "दरअसल, उन्हें एक सनकी बूढ़ा पंख संग्रहक मिल गया, जिसके पास बीस से कम कीमती पुराने पंखे नहीं थे। वह बूढ़ा सज्जन, जिसे आम तौर पर 'पत्थर जैसा सनकी' कहा जाता था, का पिछले जन्म में राजकुमर से ज़रूर कोई झगड़ा रहा होगा।" फिर भी, भले ही वह इतना गरीब है कि उसे मुश्किल से एकनिवाला भी खाने को मिलता है, वह किसी भी कीमत पर अपने प्रशंसकों से विदा नहीं लेना चाहता। राजकुमर उन वस्तुओं को कम से कम देखने के लिए हर संभव प्रयास करता है। दो-तीन बार विनम्र निवेदन करने के बाद, वह विलक्षण व्यक्ति अंततः राजकुमर से मिलने और उन्हें अपने खजाने दिखाने की इच्छा व्यक्त करता है। वे सभी दुर्लभ, अद्वितीय नमूने थे, जिनके हैंडल और पसलियां संगमरमरी बांस से बनी थीं, नारियल के पेड़ की लकड़ी, बारहसिंगे के सींग और इसी तरह की दुर्लभ सामग्रियों से तराशी गई थीं, और इसके अलावा, उन पर ऐतिहासिक रूप से प्रसिद्ध व्यक्तियों द्वारा बनाए गए चित्र और शिलालेख भी थे। राजकुमर उन्हें खरीदने के लिए दृढ़ संकल्पित थे, लेकिन जब उन्होंने कीमत पूछी तो सनकी मालिक ने सिर हिलाकर कहा कि अगर उन्हें एक-एक पंख एक हजार बाट्ज़ भी दिया जाए, तो भी वे उन्हें नहीं देंगे। राजकुमर अपने इरादे में नाकाम होकर लौट आए, लेकिन उन्होंने अपने बेटे को बातचीत जारी रखने के लिए हर रोज वहाँ भेजा। उसने धीरे-धीरे अपनी पेशकश बढ़ाकर पाँच सौ बाट्ज़ कर दी, लेकिन फिर भी सनकी मालिक अपने पंखे देने को तैयार नहीं था। उसने कहा कि वह अपनी जान देना ज़्यादा पसंद करेगा। राजकुमर अपने बेटे पर बहुत क्रोधित हुए और उसे नासमझ

गधा कहकर कोसने लगे क्योंकि वह सौदा पूरा नहीं कर सका। अब तक तो मामला इतना बुरा नहीं था, और अगर उस दुष्ट श्री युत्सुन ने बेवजह इसमें दखल दिया होता तो बात यहीं खत्म हो जाती। उसने अचानक उस अजीब बूढ़े पर झूठा आरोप लगाया, यह कहते हुए कि उसने राज्य को करों में इतनी-इतनी रकम की धोखाधड़ी की है, उसे उसके दरबार में घसीटा, उस पर मुकदमा चलाया, उसे दोषी ठहराया और उसका सामान ज़ब्त कर लिया। करों के कथित बकाया ऋण की वसूली के लिए उसने सुंदर पंखों सहित अपनी संपत्ति बेच दी। फिर उसने पंखों को राजकुमार को कम कर मूल्य पर बेच दिए। दुर्भाग्यवश, मालिक की मृत्यु ऐसा कहा जाता है, व्याकुलता और शोक से हुई। "तब राजकुमार ने अपने बेटे से तिरस्कारपूर्वक कहा: 'तुम मुझे शुरू से ही कहते आ रहे हो कि यह सौदा असंभव है। फिर फिर दूसरे लोग इसे कैसे पूरा कर पाए?' इस पर श्री चिया 306

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 8.76% है ।

लिएन ने तिरस्कारपूर्वक उत्तर दिया: 'यह तो वाकई बड़ी उपलब्धि है - एक भले, निर्दोष व्यक्ति को उन पं खों जै सी तु च्छ बात के लिए इतना दुखी कर दे न!' उसकी इस बे परवह टिप्पणी से राजकु मर बे हद नराज़ हो गया। कई कारणों से उसके अपने बे टे से पहले से ही सं बं ध अच्छे नहीं थे । सं क्षे प में उसने उसे बु री तरह कोड़े लगवाए, न के वल पीठ पर जब वह ले टा हुआ था, बल्कि उसके पू रे शरीर पर, यहाँ तक कि उसके चे हरे पर भी, जब वह खड़ा था। उसके शरीर पर दो जगह खू न बह रहा है । इसीलिए स्वामिनी ने मु झे यहाँ भे जा है । उन्हें वह अच्छा मरहम चाहिए जो आपके पस है ।' प्रेशियस क्लै स्प ने नौकरानी ओरिओल से वंछित मरहम लाने को कहा; और उसने सोच कि इन परिस्थितियों में फीनिक्स से मिलना उचित नहीं होगा। रात के खने के बद, जब प्रेशियस क्लै स्प पूर्वज के पस गई, तो लोटस ब्लै क जे ड से मिलने के लिए बां स के आश्रम की ओर दौड़ पड़ी। कु छ प्रारंभिक बातचीत के बद लोटस ने कविता लिखना सीखने की अपनी प्रबल इच्छा व्यक्त की और उसने ब्लै क जे ड से उसे सिखाने का आग्रह किया। ब्लै क जे ड ने मु स्कु राते हुए सहमति जताते हुए कहा, "मैं स्वयं तो बहुत निपु ण नहीं हूँ लेकिन मैं तु म्हें कु छ सिखा सकती हूँ, पर पहले मु झे आदर दो और मु झे अपनी गु रु मानो!" लोटस ने विनम्रतापूर्वक उनके समने सिर झुकाया और एक अच्छी और आज्ञाकारी शिष्या बनने का वादा किया। ब्लै क जे ड ने तु रं त ही छं द और सां स पर व्याख्यान दे न शु रु कर दिया, और इस बात पर जोर दिया कि विभिन्न पंक्तियों में सही शब्दों का सही क्रम और सं बं ध होना कितना महत्वपूर्ण है, और उनके अर्थ और ध्वनि में अं तर होना चाहिए; उदाहरण के लिए, एक अमूर्त शब्द को एक मूर्त शब्द के सथ और एक सपाट स्वर को एक तीखे स्वर के सथ प्रयोग किया जाना चाहिए। के वल वे कवि जो बिल्कुल नया, मौलिक काव्य रूप रचने में सक्षम थे, इन नियमों से मुक्त थे ।"तो क्या अभिव्यक्ति की मौलिकता ही मायने रखती है?" "अभिव्यक्ति से ज़्यादा विचार महत्वपूर्ण हैं ।विचार सच्चे और मौलिक होने चहिए। रूप और अभिव्यक्ति तो बस सजावटी सामान हैं, ऐसा समझिए। भाषा को आत्मा को नहीं मारना चाहिए - यही सामान्य सिद्धां त है ।" "मु झे लू फां ग कु ं ग की कविताएँ बहुत पसं द हैं," लोटस ने भोले पन से कहा और इस गु मनम कवि की दो पंक्तियाँ सु नाईं। "आखिर कोई ऐसी नीरस रचना को पढ़कर उसकी सराहना कै से कर

सकता है!" ब्लैक जेड ने तिरस्कारपूर्वक कहा। "लेकिन बेशक अभी तक तुममें विवेक की कमी है; तुम्हें ज़रूरी किताबी ज्ञान नहीं है। अगर तुम सच में गंभीरता से पढ़ना चाहती हो, तो मेरी सलाह मानो: वांग वेई से शुरू करो। मेरे पास उनकी 'संग्रहित रचनाएँ' हैं। पाँच शब्दों वाली उनकी सौ कविताएँ चुन लो। 1 वांग वेई, 699-759. 307

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.83% है ।

इन कविताओं के पैर्न को समझें और उन्हें शब्दशः अपनी स्मृति में अंकित कर लें ।फिर पु राने तू फू की एक सौ बीस सात-शब्दों वाली कविताएँ पढ़ें 1 इसके बद महान ली ताई पो की दो सौ सात-शब्दों वाली कविताएँ अच्छी तरह पढ़ें 1 जब आप इन तीनों गु रुओं से अच्छी तरह परिचित हो जाएँ, तो आपको एक ठोस आधार प्राप्त हो जाएगा। फिर आप बाद में तओ चिएर*4 और अन्य कवियों की ओर बढ़ सकते हैं । यदि आप इसी तरह आगे बढ़ते रहे तो एक वर्ष के भीतर आप स्वयं एक सिद्ध विशेषज्ञ की तरह कविता ले खन में हाथ आजमा ले ने में सक्षम हो जाएँगे । उसने तसी कु कू को कवि बनने की इच्छा रखने वले केलिए वां ग वे ई की पु स्तक लाने को कहा। "इसे अपने साथ ले जाओ और विशेष रुप से उन अं शों का अध्ययन करो जिन्हें मैं ने लाल रं ग सेचिह्नित किया है । और यदि कोई पंक्ति आपको पू री तरह से स्पष्ट न लगे, तो मु झसे पू छने में सं कोच न करें; मैं तु म्हें खु शी खु शी समझ दूँ गी।" लोटस बड़ी प्रसन्नता से वं ग वे ई की पु स्तक ले कर जं गला के प्रं गण में चली गई। पू री शम और दे र रात तक वह दीपक के नीचे बै ठकर उसे पढ़ती रही, एक-एक कविता, एक-एक श्लोक। मानो उसे अपने आसपास की किसी भी बात का कोई एहसास ही न हो। कीमती क्लस्प को उसे बर-बार बुलाना पड़ा, तब जाकर वह आखिरकार सोने गई। और वहदिन-प्रतिदिन अथक उत्साह से यही करती रही। एक सु बह जब काली जे ड अपने श्रृंगार में थी, लोटस फिर से बां स के आश्रम में आई; वां ग वे ई की पु स्तक उसकी बगल में थी, और उसमें से एक श्लोक पर से सु नने के बाद, उसने पू छा कि क्या उसे तू फू की एक पु स्तक मिल सकती है । “ तु म्हें कितनी कविताएँ यद हैं?” काली जे ड ने मु स्कुराते हुए पू छा। “वे सभी कविताएँ जिन्हें तु मने लाल रं ग से चिह्नित किया था।” “और क्या तु मने खु द कोई कविता लिखने की कोशिश की है?” “थोड़ी सी।” “बताओ!” इस पर लोटस ने अपनी गु रु को अपनी प्रतिभा का पहला नमू न दिखाया, और फिर एक जोशीली साहित्यिक चर्चा में शमिल हो गई, जिसमें पओ यू औरस्प्रिंग का स्वाद, जो सं योगवश वहाँ आ गए थे, वे भी शमिल हो गए। स्प्रिंग के स्वद ने तु रं त घोषणा कर दी कि लोटस को बे गोनिया क्लब का सदस्य बनना ही होगा। "ओह, लेकिन मैं अभी तो बसलड़खड़ाते हुए ही आगे बढ़ सकती हूँ; मे रे पास बस सद्भावना ही है," लोटस ने विनम्रता से विरोध किया। "चिंता मत करो!

हम सब बस ठोकर खाते हुए ही आगे बढ़ सकते हैं," ब्लैक जेड और स्प्रिंग के स्वद ने एक सथ हंसते हुए कहा। "कौन कहता है कि हम सचमुच कविताएँ रच सकते हैं लोग तो हम पर हँसेंगे ही।" 2 तू फू, 712-770. 3 ली ताई पो, 701-762. 4 ताओ चिएन, 365-427. 308

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 79.03% है ।

अगर हमारे शौकिया प्रयास पार्क की सीमा से बहर निकलकर सार्वजनिक हो गए, तो वे अपने दांत तोड़ दें गे ।"अरे, इतना विनम्र होने का दिखावा मत करो!" पाओ यू नेविरोध किया। "हाल ही में एक पार्टी में जब हमरे क्लब पर चर्चा हुई, तो मे रे कु छ दोस्तों ने हमारी कला के कु छ नमू ने दे खने को कहा; मैं ने उनकेलिए अपनी कविताओं का एक चयन लिखा और उन्हें उनकेनिर्णय के लिए प्रस्तु तकिया। उन्हें बहुत उत्सह मिला, और बहुत सारी प्रतियां छपकरवितरित की गईं।" "क्या यह सच है?" ब्लै क जे ड और टे स्ट ऑफ स्प्रिंग ने एक सथ कहा। "बिल्कुल सच है । मैं तु म्हें उस तोते की तरह झू ठ नहीं बोलती जो टहनी पर बै ठा है ।" "अच्छा, तु म्हें ऐसा नहीं करना चाहिए था!" दोनों यु वतियों ने डां टते हुए कहा "यह तु म्हारी बहुत ही अविवे कपूर्ण हरकत थी। चाहे हमरी कलमों से बनए गए चित्रों को असली कविता माना जाए या नहीं, वे निश्चित रूप से प्रकाशन के लिए नहीं थे ।" "वै से भी, इसमें क्य हर्ज है?" अगर अतीत में यु वतियों द्वारा लिखी गई कई खू बसू रत कविताएँ नदानियों के कारण सार्वजनिक न हुई होतीं, तो आज हम उनके बरे में क्या जानते? चर्चा वसं त ऋतु के शोक के प्रकट होने से बाधित हुई, जो पाओ यू से उस बड़े उद्यान चित्र पर अपना फै सला सु नन चाहती थी, जिस पर वह पूर्वज के आदे श पर कई हफ्तों से काम कर रही थी। कमल भी तू फू की एक किताब ले कर चली गई, क्योंकि काले जे ड ने उसके अनु रोध पर उसे एक और विषय दिया था जिस पर उसे काम करना था। उसे पिछली रात के खू बसू रतपूर्णिमा के चाँ द पर आठ सत-शब्दों की पंक्तियों वाली एक कविता लिखनी थी, जिसमें मूल तु कबं दी छह बार दोहराई जानी थी। वह दे र रात तक जागती रही, कु छ तू फू पर और कु छ अपनी रचना पर, और इतनी मग्न हो गई कि वह खाना-पीना और सोना पू री तरह भूल गई। "तु म खु द को बीमार कर लोगी; यह सचमु च बे वकू फी है," कीमती क्लस्प ने डां टते हुए कहा "तु म स्वभव से ही थोड़ी कमजोर दिमाग की हो, और अब तो तु मबिल्कुल पागल हो जाओगी!" लेकिन ये सब ब्लै क जे ड की गलती है, और मैं उसे इसकेलिए सबक सिखाऊं गी" "मैं अभी आती हूँ प्यारी बच्ची; लेकिन कृ पय अभी मु झे परे शान मत करो!" लोटस ने अनमने ढं ग से जवाब दिया; और वह तब तक लिखती रही जब तक उसका काम पू रा नहीं हो गया। अगले दिन उसने ब्लै क जे ड को अपना काम

दिखाया और उसकी राय पूछी। “विचार बुरा नहीं है, लेकिन भाषा अपर्याप्त है। ऐसा इसलिए है क्योंकि तुम शिक्षित नहीं हो और तुमने ज़्यादा पढ़ा-लिखा भी नहीं है। यह सब कुछ बचकानी लगता है। लेकिन निराश मत हो। फिर से कोशिश करो!” यह उसकी शिक्षिका का फैसला था। लोटस सोच-विचार करते हुए पार्क में चली गई। उसे जंगल के आंगन में घुस जाने का भरोसा नहीं था। प्रेशियस क्लैस्प उसके खराब अंकों पर उसका मज़ाक उड़ाएगी। इसलिए वह मछली के तलाब के पास रुकी रही, इधर-उधर घूमती रही।

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.01% है।

पेड़ों के नीचे, चट्टानों पर टिकी हुई, वह खोई-खोई सी कहीं और देखती रहती थी, या झुककर रेत पर चित्र बनाती रहती थी। उसका यह अजीब व्यवहार जल्द ही पार्क के बाकी लोगों के बीच फैल गया। देखते ही देखते विधवा चू, प्रेशियस क्लैस्प, टेस्ट ऑफस्प्रिंग और पाओ यू वहाँ पहुँचे और एक चट्टान के पीछे छिपकर उसकी हर हरकत को चिंता से देखते रहे, जब वह अपनी भौंहें सिकोड़ती, गुस्सा करती या खुद ही हँसती। यह सब उन्हें बहुत अजीब लगा! "वह थोड़ी पागल है," प्रेशियस क्लैस्प ने फुसफुसाते हुए दूसरों से कहा। "वह कल रात पाँचवीं रात तक जागती रही, खुद से बड़बड़ाती और लिखती रही, लिखती और बड़बड़ाती रही। भोर हो चुकी थी जब अखिरकार वह सोने के लिए लेटी। उजाला होते ही मैंने उसे फिर से इधर-उधर घूमते सुना, जल्दी से शौच करके और फिर बिना नाश्ता किए ब्लैक जेड की तरफ जाते हुए। और अब वह फिर से वही कर रही है। मैं तुमसे पूछती हूँ, क्या यह सामान्य है?" “वह एक असाधारण व्यक्तित्व है और निःसंदेह ईश्वरीय प्रेरणा से प्रेरित है,” पाओ यू ने आदरपूर्वक कहा। “अब तक हम उस पर हँसते रहे और उसे साधारण समझते रहे। अब उसका असली रूप सामने आ रहा है।” “उसकी प्रशंसा करने के बजाय उसका अनुकरण करना बेहतर होगा; सोचो इससे तुम्हारी पढ़ाई में कितना फायदा होगा,” प्रेशियस क्लैस्प ने चिढ़ाते हुए कहा। उसने चुपचाप उसकी बात सुनी। उसी क्षण लोटस ने झटके से अपना सिर पीछे किया, उछली और बांस आश्रम की ओर दौड़ पड़ी। “चलो! उसके पीछे जाते हैं और देखते हैं कि वह आगे क्या करने वाली है!” टेस्ट ऑफस्प्रिंग ने सुझाव दिया। और वे सभी उसके पीछे बांस आश्रम तक गए। वे वहाँ ठीक समय पर पहुँचे और देखा कि ब्लैक जेड चाँद पर लिखी कविता के नए संस्करण को देख रही थी और उसकी आलोचना कर रही थी। उसे लगा कि यह अभी भी पूरी तरह से परिष्कृत नहीं है और उसने तीसरे संस्करण की माँग की। लोटस निराश हो गई। उसने सोचा था कि इस बार उसने इसे सही लिखा है। बाकी लोगों ने उसका हौसला बढ़ाया, और वह तीसरी बार काम पर लग गई। बाँस की बड़ के सामने पत्थर की छत पर बैठी उसकी आँखें और कान आसपास की हर चीज़ से बेखबर थे। "थोड़ा आराम कर लो!" वसंत ऋतु के स्वर ने खिड़की से उसे पुकारा। "आराम तो कविता के साथ मेल नहीं खाता!" कमल ने बेसुध होकर जवाब दिया।

"सचमुच कविता के भूत ने उसे वश में किया है; इसके लिए काली जेड को जवब देन होगा!" कीमती क्लस्प ने सबकी हँसी के बीच कहा "मैं उसे क्यों नसिखाऊँ, जब उसने मुझसे ऐसा करने को कहा है?" काली जेड ने आत्मरक्षा में पूछा। "चलो उसे वसंत ऋतु के शोक को सफ्ते चलते हैं और उसे नई पेंटिंग दिखाते हैं; इससे उसका ध्यान बँट जएगा," व्यावहारिक विधवा चू ने सुझा दिया। उन्होंने उसकी सलाह मानी, कमल को लिया, और हँसते-हँसते उसे कमल-जड़ मंडप के पास से होते हुए मर्सुगंधों के छोटे महल की ओर ले गए। वसंत ऋतु का शोक अभी-अभी अपनी पेंटिंग से आराम कर रहा था और एक सोफे पर सो गय था। ईज़ल पर रखी तस्वीर को 310 से ढकदिया गया था।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.36% है ।

कपड़ा। उन्होंने सोई हुई को जगया, ईज़ल से कपड़ा हटाया और चित्र को दे खा। चित्र का एक तिहाई भाग पू रा हो चु का था, और उसमें पर्क के दस मं डपों में से केवल तीन ही दिखाई दे रहे थे। लड़कियों ने लोटस को चित्र में चित्रित विभिन्न सुं दर युवतियों की ओर इशारा किया। उन्होंने मज़ाक में समझया, "हर वह लड़की जो कविता लिख सकती है, उसे चित्र में शमिल किया गया है। जल्दी करो और पढ़ाई करो, ताकि तु म भी इसमें शमिल हो सको!" चित्र में थोड़े समय के लिए ध्यान भटकने से लोटस का ध्यान ज़्यादा दे र तक नहीं हटा। उसने बकी का पू रा दिन और लगभग पू री रात अपनी रचना में बिताई। नींद में भी वह उपयुक्त शब्दों और तु कबं दी की तलाश करती रही। एक बार प्रेशियस क्लै स्प ने उसे यह कहते हुए सुना "आह! अब मु झे मिल गया! इस बार वह इसमें कोई गलती नहीं निकाल पाएगी!" प्रेशियस क्लै स्प ने आह भरते हुए मन ही मन सोचा, "वह कभी कविता लिखना नहीं सीख पाएगी, लेकिन कोशिश करते-करते पगल हो जाएगी।" आश्चर्य की बात यह थी कि आठ पंक्तियों का सही स्वरूप, जो कमल को जागते समय नहीं सू झ रहा था, वास्तव में उसे सपने में सूझा। अगली सु बह जब वह नई प्रति ले कर बं स आश्रम गई, तो उसने दे खा कि पाओ यू और पर्क की सभी यु वतियाँ वहाँ उत्सु कता से एकत्रित थीं, क्योंकि प्रेशियस क्लै स्प ने उत्साही शिष्या के स्वप्न में किए गए उद्गारों की खबर फैला दी थी। "लो! इसे दे खो और अगर तु म्हें यह अच्छा नहीं लगा, तो मैं कविता ले खन हमे शा के लिए छोड़ दूं गी" यह कहकर कमल अं दर गई और ब्लै क जे ड को अपनी पांडुलिपि सौंप दी। सभी ने उत्सु कता से कागज के पन्ने को दे खा। "न के वल त्रुटिहीन बल्कि रूप और विषयवस्तु में नया और मौलिक," यह सर्वसम्मत मत था, और उसकी प्रतिभा के इस प्रमण के परिणामस्वरूप कमल को बे गोनिया क्लब के नए सदस्य के रूप में सर्वसम्मति से स्वीकार करने का निर्णय लिया गया। अध्याय 30 एक नीम-हकीम डॉक्टर ब्राइट क्लाउड का इलाज "बाघ और भेड़िया की दवाओं" से करत है। बीमर होने के बवजूद, ब्राइट क्लाउड ने पओ यू के लिए वीरतापूर्वक अपना बलिदान दिया और उनके मोरपं ख वले लबादे की मरम्मत की। लोटस के क्लब में शमिल होने के कु छ ही समय बद, बे गोनिया क्लब में नए सदस्यों की भारी आमद हुई। दसवें महीने के एक दिन, यु ं गकु ओ महल में बहुत सरे नए रिश्ते दर

आए - विधवा चू की चचेरी बहनेंदो मिस ली, अपनी माँ के साथ; प्रेशियस क्लैस्प की एक छोटी चचेरी बहन, प्रेशियस हार्प, अपने बड़े भाई के साथ; और अंत में राजकुमारी शीह की एक गरीब भाभी, अपनी बेटी ब्रीथ ऑफ क्लउड्स के साथ - कुल मिलाकर सात लोग। 311

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 8.99% है ।

रास्ते में तीन दल सं योगवश मिले और आपसी सं बं ध जानने के बाद उन्होंने साथ-साथ यात्रा जारी रखी। पूर्वज, जिन्हें अपने रिश्तेदारों की कमी कभी खलती नहीं थी, ने नए आने वालों का बड़े प्यार से स्वगत किया और उन सभी को अपने घर में स्थायी अतिथि बना लिया। वह विशेष रूप से प्रेशियस हार्प से मु ग्ध थीं जो अपनी चचे री बहन प्रेशियस क्लै स्प से भी कहीं अधिक आकर्षक थी। उन्होंने मै डम चें ग से उसे गोद लेने का अनु रोध किया, लेकिन उसे अपने ही अपार्टमें ट में रहने के लिए ले गईं। जब उसके पिता राजधानी में रहते थे, तब उस यु वती की सगाई हान लिन अकादमी के एक सदस्य के पु त्र मे ई से हो गई थी और अब वह अपने बड़े भाई के साथ शादी के समरोह में शामिल होने के लिए शहर आई थी, जो जल्द ही होने वला था। उसका भाई आं टी ह्सु एह के यहाँ ठहरा हुआ था और उन कमरों में रहत था जहाँ पहले ह्सु एह पन रहती थीं। अन्य तीन यु वतियों को पार्क ऑफ डिलाइटफुल विजन में आवस मिला - ब्रीथ ऑफ क्लाउड्स अपनी चचे री बहन ग्रीटिंग ऑफ स्प्रिंग (राजकु मर शीह की पु त्री) के साथ, और ली परिवार की दोनों यु वतियाँ अपनी चचे री बहन विधवा चू के साथ चावल के खे त में रहीं। बेगोनिया क्लब के लिए यह अत्यं त प्रसन्नत का विषय था कि चारों नई चचे री बहनें साहित्य और कविता में परं गत थीं, और क्लब के नए सदस्यों के रूप में उनका हार्दिक स्वागत किया गया। इस प्रकार क्लब की सदस्यता चौदह हो गई - विधवा चू अध्यक्ष, स्प्रिंग परिवार की तीनों यु वतियाँ, दो चचे री बहनें प्रेशियस क्लै स्प और प्रेशियस हार्प, और दो बहनें ली वे न और ली की, ब्लै क जे ड और पाओ यू, लिटिल क्लाउड, लोटस और ब्रीथ ऑफ क्लाउड्स, और फीनिक्स मानद अध्यक्ष। यह सच है कि फीनिक्स को कविता ले खन की कला नहीं आती थी, लेकिन उन्हें मनद अध्यक्ष पद स्वीकार करने के लिए राजी किया गया था ताकि उनकी सशक्त आर्थिक सहायता से क्लब के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा सकें । इस मामले में वह उम्मीदों पर खरी उतरी और क्लब में शमिल होते ही उसने पचास ताएल का अच्छा-खासा चं दा दे कर क्लब के सीमित कोष को भर दिया। विधवा चू कवियों में सबसे उम्रदराज सदस्य थीं; उनके बद फीनिक्स का नं बर आय। अन्य सदस्यों की उम्र पंद्रह से सत्रह के बीच थी। चूंकि उनमें से अधिकां श एक-दूसरे को लं बे समय से नहीं जानते थे और एक-दूसरे के जन्मदिन की

तारीखें ठीक से स्पष्ट नहीं थीं, इसलिए संबोधन के तरीकों को लेकर काफी मजेदार उलझन रहती थी, और अक्सर ऐसा होता था कि एक छोटी सदस्य एक बड़ी सदस्य को "छोटी बहन" कहकर पुकारती थी, और इसके विपरीत भी। और इस तरह इन सर्दियों के महीनों में, बेगोनिया क्लब बेहद सक्रिय हो गया, और डिलाइटफुल विजन पार्क में सहित्यिक प्रतिद्वंद्विता अपने चरम पर पहुंच गई। एक दिन पर्ल ने अपनी मरणसन्न माँ की इच्छा पर लंबी छुट्टी मांगी, जो अपने अंतिम क्षणों में उसे अपने पास रखना चाहती थीं। उसकी अनुपस्थिति में, नौकरानियों ब्राइट क्लाउड और मस्क को पाओयू की व्यक्तिगत सेवा में उसकी जगह लेनी पड़ी।"देखो कि तुम्हारा स्वामी 312

李紈

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.09% है ।

"वह जल्दी सोती है, जल्दी उठती है और कोई शरारत नहीं करती," फीनिक्स ने उन्हें समझाया था। पर्ल के जने के बाद पहली रात, पाओ यू ने सपने में दोबारा उसका नाम लिया। "क्या बात है?" पास से मस्क ने जम्हाई ले ते हुए पूछा। "मु झे चाय चाहिए।" ब्राइट क्लाउड आलस से बिस्तर पर ले टी रही, जबकि मस्क उठकर रसोई में चला गया। चूंकि उसने के वल लाल रजाईदार पे टीकोट पहना हुआ था, इसलिए उसने उसे अपना गर्म फर वाला कोट पहना दिया। वह उसके लिए चाय का कटोरा लाई और आधा कटोरा अपने लिए भी निकाल लिया। "मे रे लिए भी एक बूं द ला दो," ब्राइट क्लाउड ने विनती की। "अरे वह, तु म तो घर की बे टी की तरह नखरे दिखा रही हो।" "बदले में मैं कल तु म्हारी से व करूं ग। तु म्हें पूरे दिन उठने की जरूरत नहीं है ।" मस्क ने उसकी बत मानी और उसके लिए चाय का कटोरा लाया। "और अब मैं थोड़ी दे र के लिए बाहर जाना चाहती हूं," उसने कहा। "बातें करते रहो।" मैं तु रं त वापस आऊं ग। "बाहर भू तों से सावधान रहो!" ब्राइट क्लाउड ने मस्क को आवज़ दी। "साफ चां दनी है, डरने की कोई ज़रूरत नहीं है ।" "जब तक तु म वापस नहीं आती, हम बातें करते रहें," पाओ यू ने कहा। गले को सफ करने की एक ते ज़ आवाज़ से मस्क समझ गय कि वह ब्राइट क्लाउड के सथ अकेले रहन चाहता है । मस्क पहले ही पिछले दरवाजे तक पहुँ च चु की थी और चाँदनी रात में आँ गन में लगे परदे के नीचे से निकल गई। ब्राइट क्लाउड को अचानक उसके पीछे निकलने और उसे थोड़ा डराने का मन हुआ। स्वभाव से मजबू त और स्वस्थ होने के कारण उसने पहले कपड़े पहनने की ज़हमत नहीं उठाई, बल्कि अपनी जगह से वै से ही नीचे उतरी, के वल एक छोटी पे टीकोट पहने हुए और दरवाजे से बाहर निकल गई। "ठं ड न लग जाए!" पाओ यू ने चेतावनी दे ते हुए उसके पीछे से कहा, लेकिन वह पहले ही दरवजे से बाहर निकल चु की थी। हालाँकि, वह मुश्किल से बहर निकली ही थी कि उसे ठं डी हवा अपने शरीर और हड्डियों को चीरती हुई महसू स हुई। वह काँ प उठी, लेकिन फिर भी बाहर ही रही। वह मस्क के पीछे से चु पके से बाहर उसे आवज़ दे कर डराने ही वली थी कि पाओ यू की अं दर से आती आवाज़ से वह खु द चौंक गई। वह जल्दी से उसके बिस्तर के पस गई। "तु मने मु झे इतना डरा दिया था!" उसने कहा। हं सते हुए उसने कहा, "मैं तु म्हें डराना नहीं चाहती थी, मैं तो बस तु म्हें ठंडी लगने से

बचाना चाहती थी। वै से भीअगर तु म रात में बहर मस्ती करोगे तो दूसरों की नींद खराब हो सकती है और अफवहें फैल सकती हैं । मैं नहीं चाहती कि लोग कहें कि पर्ल के पीठ फे रते ही शैतानयहाँ आ गया। इधर आओ और मे रा कं बल ठीक करो!" ब्राइट क्लाउड अपना कं बल ठीक करने केलिए अपने बिस्तर पर गई और ऐसा करते समय उसका हाथ थोड़ा सा कं बल के नीचे चला गया। 314

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.14% है ।

"उफ़! तु म्हारा हाथ कितना ठं डा है!" वह दबी हुई हं सी के साथ चिल्लाया और उसके ठं डे लाल गाल को सहलाया। "कं बल के नीचे आ जाओ और गर्म हो जाओ!" उसने फु सफु साते हुए उससे कहा, लेकिन दुर्भाग्य से उसी क्षण दरवजा चरमराया और मस्क वापस आ गया। वह हां फ रही थी और उत्तेजित होकर बोली कि उसे बहर बहुत डर लगा था। उसे लगा कि उसने किसी को चट्टान की अं धे री छाया में झु का हुआ दे ख है और वह मदद केलिए पु कारने ही वली थी, लेकिन वह तो बस एक तीतर था और उसके पस आते ही उड़ गय। "कितना अच्छा हुआ कि मैं चिल्लाई नहीं? नहीं तो घर में खू ब हंगामा मच जाता। ब्राइट क्लाउड कहां छिपी थी? मु झे यकीन था कि वह मे रे पीछे-पीछे बहर आ जाएगी।" "मैं ने उसे डरा कर वापस भगा दिया; नहीं तो वह तु म्हें खू ब डरा दे ती।" "इसकी ज़रूरत ही नहीं थी; उसने खु द ही सब संभाल लिया," ब्राइट क्लाउड ने फिर से अपने अलाव में चढ़ते हुए कहा। "तु म ऐसे ही तो बहर नहीं गई थी, जै से कोई बिना लगाम का घोड़ा?" मस्क ने पू छा। "ज़रूर वो ऐसे ही बहर चली गई," पाओ यू ने कहा। "कितनी बे वकू फ़ है वो! उसे शयद ज़ु काम हो गया है!" जै से ही उसने ये कहा, ब्राइट क्लाउड के अलाव से दो छींकें गूं ज उठीं। "अब मु सीबत शु रु होती है," पाओ यू ने आह भरी। "वो दिन भर से ठीक नहीं है, और उसे भू ख भी नहीं लग रही, लेकिन खु द का ध्यान रखने के बजाय, वो लु का-छिपी खेल रही है और बे ढं गे कपड़ों में इधर-उधर भाग रही है । अगर वो सु बह बीमार पड़ जाए तो ये उसकेलिए बिल्कुल सही होगा!" मस्क ने डां टते हुए चू ल्हे को कु रेदा, गर्म राख को फावड़े से बहर निकाला और खु शबू दार कं बोडियाई लकड़ी के दो लट्ठे रखे । परदे के पीछेलगे दीपक की बती को ठीक करने के बद, वो पाओ यू के चं दवे वाले बिस्तर के पस अपने सोफे पर फिर से आराम से ले ट गई। पस ही, बड़ी घड़ी ने दो बर टां ग-टां ग की आवज़ की। नौकरानियों के कमरे से लोमा सफ करने की ते ज़, दो बार दोहराई गई आवाज़ आई, और एक आवाज़ ने झुंझलाहट भरे लहजे में पु कारा: "क्या यु वतियाँ कृ पया चु प रहें गी और अखिरकार सो जाएँ गी? कल फिर से बकबक करने का समय मिले गा!" थोड़ी दे र और दबी हुई हँ सी और फु सफु साहट के बद, बे गोनिया आं गन में अखिरकार सन्नाटा छा गया। अगली सु बह ब्रइट क्लाउड को ज़ु काम हो गया था। उसकी नाक बं द थी, आवाज़ बै ठ गई

थी, और उसके हाथ-पैर भरी और अकड़े हुए थे। घर के नियमों के अनुसार, हर बीमारी, चाहे वह कितनी भी मामूली क्यों न हो, तुरंत ताई ताई को बतानी होती थी, और बूढ़ी तई ताई, जो संक्रमण को ले कर बहुत चिंतित रहती थी, बीमार नौकरों को तुरंत महल से बहर निकालकर उनके परिवारों के पस भेजने की आदी थी। फ़ो यू, जो पहले ही फूल से वंचित हो चुका था, सुंदर नौकरानी ब्राइट क्लाउड को भी अपने पस से हटना नहीं चाहता था। इसलिए उसने 315

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.85% है ।

उन्होंने उसे घर पर ही रखने और कूजिन को बिना बताए उसके लिए डॉक्टर बुलाने का फै सला किया। "लेकिन कम से कम मै डम फीनिक्स को तो बताया जाना चाहिए। नहीं तो उन्हें पत चल जाएगा कि डॉक्टर यहाँ आय था, और उन्हें बुरा लगे ग कि उन्हें इसके बारे में नहीं बताया गया," ब्राइट क्लाउड ने आपत्ति जताई। पाओ यू मन गया और उसने एक नौकरानी को फीनिक्स के पस भे ज। ब्राइट क्लाउड को हल्की सी सर्दी हो गई थी, कु छ भी गं भीर नहीं था, और उसने विनती की - सं दे श भेजा गया - कि उसे घर पर उसकी दे खभाल करने की अनु मति दी जाए क्योंकि वह उसके बिना नहीं रह सकता था; वह बगल के द्वार से डॉक्टर को बुला ले ग, और क्या आप, फीनिक्स, कृ पय इस मामले पर कोई हं गामा नहीं करें गी। फीनिक्स ने जवब भे ज कि उसे कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन अगर तु रं त सुधार नहीं हुआ तो मरीज को निश्चित रूप से घर छोड़कर अपने परिवार के पास वापस जाना होगा, क्योंकि इन सर्दियों के दिनों में संक्रमण का खतरा विशेष रूप से अधिक था और यु वतियों का स्वास्थ्य बहुत महत्वपूर्ण था। "वह सचमु च ऐसे व्यवहार कर रही है जै से मु झे प्ले ग हो गय हो!" नाराज मरीज ने चिढ़कर कहा। "ठीक है, तो मैं यहाँ की बड़ी-बड़ी महिलाओं को और अधिक परे शनी से बचने केलिए अभी जाना पसं द करूँ गी"। वह उठ बै ठी और अपन सामान पै क करने ही वाली थी कि पाओ यू ने उसे धीरे से वापस बिस्तर पर लिटा दिया। "इतनी जल्दी नाराज़ मत हो!" उसने शं त भव से कहा। "फीनिक्स बू ढ़ी तई ताई के प्रति ज़िम्मे दार महसू स करती है, और चाहती है कि अगर कु छ हो जए तो उसे लगे कि उसने अपन कर्तव्य निभाया है, लेकिन उसका इरादा इतना सख्त नहीं था।" उसी क्षण, जिसे उसने बुलाया था, वह तीन बु जुर्ग परिचारिकाओं के सथ वहाँ आ गय। पाओ यू जल्दी से एक किताबों की अलमारी के पीछे छिप गया। नौकरानियों ने ब्राइट क्लाउड के अल्कोव के सामने लाल कढ़ाई वाला पर्दा गिरा दिया, फिर मरीज़ को अपना हाथ पर्दे के बहर निकालना पड़ा। डॉक्टर ने कु छ दे र तक झिझका और दो उं गलियों को दे ख, जिनके नखू न दो-तीन इं च लं बे थे और चीनी बालसम से लाल रं गे हुए थे। फिर एक परिचारिका ने मरीज़ की कलाई पर एक साफ रुमाल लपे ट दिया, जिसके बद डॉक्टर ने नड़ी जाँ ची। "आं तरिक जकड़न, बाहरी जलन; खराब मौसम के कारण हल्की सर्दी।" इन शब्दों में

उन्होंने दरवजे से बाहर निकलते ही नौकरानियों को अपनी बीमारी के बरे में बताया। "सौभाग्य से, यु वती खन-पान में सं यम बरत रही है, इसलिए सर्दी ने उसे संसले ने और रक्त सं चर में थोड़ी सी गड़बड़ी के अलावा ज्यादा नु कसन नहीं पहुं चया है। थोड़ी सी दव से वह ठीक हो जएगी।" नौकरानी उसे फिर से पर्क से बहर ले गई। विधवा चू ने ध्यान रखा था कि बाहर जाते समय उसकी नजर पार्क की किसी भी यु वती पर न पड़े। पार्क के गे ट पर पहुँ चकर, 316

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.09% है ।

वह अपना पर्चा लिखने के लिए द्वारपाल के कमरे में चले गए। जब वे जाने ही वाले थे कि एक नौकरानी ने उन्हें थोड़ी दे र रुकने को कहा मालिक उनका पर्चा दे खना चाहते थे और शायद उनसे बात भी करना चाहते थे ।"अरे, क्या मरीज़ कोई यु वक था? नीचे लटके हुए बिस्तर के पर्दे से तो मु झे साफ़ लग रहा था कि यह किसी यु वती का कमरा है । मु झे लगा था कि मु झे घर की किसी यु वती का इलाज करने का सौभाग्य मिला है," डॉक्टर ने आश्चर्यचकित होकर कहा। "आप यहाँ पहली बार आए हैं, इसलिए स्वाभाविक रूप से आपको घर के बारे में जानकारी नहीं होगी," नौकरानी ने मु स्कुराते हुए उन्हें समझाया। "आप अभी-अभी हमारे मलिक के घर से आए हैं और आपकी मरीज़ कोई यु वती या घर की बे टी नहीं थी, बल्कि मालिक की एक दासी थी। किसी यु वती के शयनकक्ष में आपको इतनी आसनी से प्रवे श नहीं मिलता।" और वह पर्चा ले कर बे गीचा या आं गन की ओर दौड़ पड़ी, ताकि उसे पाओ यू को दिखा सके । पाओ यू ने उसे पढ़ा, उसमें बैं गनी श्रृहम, आयरनवु ड से ज और नींबू और "घोड़े की पूं छ का शोरबा" वगै रह के बारे में कु छ लिखा था। "धिक्कार है!" वह चिल्लाया। "यह आदमी क्या सोच रहा है? इसने ऐसी दवइयां लिख दी हैं जो हममें से किसी एक के लिए तो ठीक हो सकती हैं, लेकिन एक कमज़ोर जवान लड़की के लिए नहीं! इसे तु रं त भे ज दो और कोई बे हतर डॉक्टर लाओ!" "हम डॉक्टर वां ग को तु रं त बुलाएं गे," उस नौकरानी ने वदा किया जिसने पहले डॉक्टर को बुलवाया था। "किसने सोच होगा कि वह इतना घटिया डॉक्टर होगा? लेकिन हम उसे बिना कु छ दिए जाने नहीं दे सकते । क्योंकि उसे हमने बुलवाया था, न कि मु ख्य प्रबं धक ने"।"तु म्हें क्या लगता है हमें उसे कितना दे न चाहिए?" पाओ यू ने पूछा। "एक ताएल ठीक रहे ग।" "और दूसरे डॉक्टर वं ग को कितना मिलता है?" “डॉक्टर वां ग, डॉक्टर चां ग की तरह, हमारे यहाँ के नियमित डॉक्टरों में से एक हैं । उन्हें इस विशेष दौरे के लिए कोई विशेष शुल्क ले ने की आवश्यकता नहीं है । उन्हें हर चार वार्षिक त्योहारों पर अपना नियमित वे तन मिलता है ।” “ ठीक है, जाओ और उस झोलाछाप डॉक्टर को उसका पै स दे दो,” पाओ यू ने मस्क को आदे श दिया। “हाँ, मैं ले जता अगर मु झे पता होता कि पर्ल ने हमरे घरेलू खर्च के पै से कहाँ रखे हैं,” मस्क ने कहा। “जहाँ तक मु झे पता है, वह इसे अपने छोटे से कैबिने ट में

रखती है जिस पर सीप और सीप की नक्काशी है । चलो, देखते हैं वे दोनों फ्लैट के कमरे में गए जो फर्नीचर और सामान से भरा हुआ था, और उन्होंने वह कैबिनेट खोला। उन्होंने देखा कि ऊपरी भाग रंगीन पंखों, पर्स, बैग, सुगंधित पोमेड, रूमाल और इसी तरह की छोटी-छोटी वस्तुओं से भरा हुआ था। नीचे की शेल्फ पर हज़ारों नोटों की मालाएँ पड़ी थीं। इन खानों के अलावा एक दराज भी थी। इसमें उन्हें बुने हुए सूत से बना एक खुला कैश बॉक्स मिला।

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.13% है।

उसमें टूटे हुए चांदी के कई टुकड़े और एक छोटा सा वजन था। मस्क ने बेतरतीब ढंग से चांदी का एक टुकड़ा उठाया और उसे तराजू पर रख दिया। "क्या इतना एक ताएल है?" उसने अनिश्चितता से पाओ यू से पूछा। "तुम मुझसे बोझ में पूछ रही हो?" पाओ यू ने शर्मिंदा मुस्कान के साथ कहा, क्योंकि वह पैसे तौलने के मामले में उससे ज़्यादा जानकार नहीं था। "मैं दूसरों से पूछ लेता हूँ।" "किसलिए? बस यह टुकड़ा ले लो। अगर थोड़ा कम या ज्यादा हो तो क्या फर्क पड़ता है? हम यहाँ फेरीवाले तो नहीं हैं"। मस्क ने तराजू एक तरफ रख दिया और अपने हाथ में चांदी के टुकड़े को ध्यान से तौला। "ठीक है, उम्मीद है कि यह एक ताएल से कम न हो," उसने हिचकिचाते हुए कहा, "वरना उस बेचारे नीम-हकीम को हमारे बारे में गलतफहमी हो सकती है; ऐसा नहीं है कि हमें वजन करना नहीं आता - यह तो उसके दिमाग में आएगा ही नहीं। लेकिन वह शायद सोचेगा कि हमने उसे जानबूझकर इतना कम दिया है क्योंकि हम तंगी में हैं और हमें अपने पैसे गिनने पड़ते हैं"। दरवाजे पर खड़ी एक नौकरानी, जो सब सुन रही थी, बोली, "यह पाँच औंस की आधी चॉकलेट है। आपके हाथ में जो टुकड़ा है, उसका वज़न लगभग दो औंस है। आप निश्चिंत होकर एक छोटा टुकड़ा चुन सकती हैं"। "अरे, अब और क्यों खोजें? लीजिए, बचा हुआ टुकड़ा अपने पास रख लीजिए!" मस्क ने अकड़कर कहा। "और मिंग येन को तुरंत डॉक्टर वांग को बुलाने भेजिए!" पाओ यू ने आगे कहा। थोड़ी देर बाद डॉक्टर वांग आए और उन्होंने मरीज़ की दोबारा जाँच की। उनका निदान उनके सहकर्मी से ज़्यादा अलग नहीं था, लेकिन उनके नुस्खे काफी अलग थे। इस बार तेज़ जुलाब और पसीना लाने वाली दवाएँ नहीं दी गई थीं, और उनकी जगह पर महादूत की जड़, चमेली की जड़ और इसी तरह की हल्की दवाइयों का ज़िक्र था। इसके अलावा, अलग-अलग दवाइयों की मात्रा पहले नुस्खे जितनी ज़्यादा नहीं थी। "यह मुझे ज़्यादा अच्छा लगा; यह जवान लड़कियों के लिए सही दवा लग रही है," पाओ यू ने अपनी दो नौकरानियों से संतुष्टि से कहा। "उन रेचक और पसीना लाने वाली दवाओं का इस्तेमाल बिल्कुल भी नहीं करना चाहिए। जब मैं बच्ची थी और मुझे सर्दी-जुकाम और कब्ज हो जाता था, तो डॉक्टर कभी भी मुझे 'घोड़े की पूंछ का शोरबा', चूना, नींबू और 'बाघ और भेड़िया' जैसी दवाइयाँ नहीं देते थे। जो मेरे लिए बहुत कठोर था, वह छोटी बच्चियों के

कोमल शरीर के लिए बिल्कुल भी सही नहीं है।" एक बूढ़ी नौकरानी तरह-तरह की दवाइयाँ ले कर आई। पाओ यू ने उसे निर्देश दिया कि वह चाँदी का बर्तन लाए जिसमें दवइयाँ रखी जती थीं और ब्राइट क्लाउड के कमरे में कोयले की आग पर तुरंत काढ़ा बनाए। "कृपया इन्हें रसोई में उचित चूल्हे पर तैयार करवाएँ।"

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.78% है ।

नहीं तो इस पू रे कमरे में दवाइयों की बदबू फैल जाएगी, और यह असहनीय होगा!” ब्राइट क्लाउड ने विरोध किया। “अरे, लेकिन दवाइयों की बदबू तो सभी फूलों की खु शबु ओं से कहीं अधिक कीमती है,” पाओ यू ने समझाते हुए कहा। “क्या उन जड़ी-बूटियों से बे हतर या अधिक श्रे ष्ठ कु छ हो सकता है जिन्हें पवित्र सं न्यसियों ने अपने एकांत में उगाया, चु न और तै यर किया है? यहाँ, जहाँ सब कु छ सु ंदर है, एक चीज़ है जिसकी मु झे हमेशा कमी खलती रही है - औषधीय जड़ी-बूटियों और चमत्कारी औषधियों की सु गं ध। अब जाकर सही सामं जस्य स्थपित होगा और मे री सं तुष्टि पूर्ण होगी।” और ऐसा ही हुआ कि जब वह पूर्वज के निवास से लं बी यत्रा के बद लौटा, तो उसने पाया कि उसका कमरा ब्राइट क्लाउड के कमरे से निकलने वली तीखी गं ध से भरा हुआ था। ब्राइट क्लाउड ने सहसपूर्वक अपना गर्म काढ़ा पिया और शाम को दूसरी खु राक भी ली, लेकिन कोई खास फायदा नहीं हुआ। हाँ, रात में उसे थोड़ा पसीना आया, लेकिन अगली सु बह उसने पहले की तरह सिरदर्द, बु खर, बं द नक और सू खी जीभ की शिकायत की। डॉक्टर वां ग दूसरी बार उसकी जां च करने आए और अपने नु स्खे में कु छ चीज़ों को बदला, एक की मात्रा बढ़ाई और दूसरी घटाई। जब सं शोधित नु स्ख भी कारगर नहीं हुआ, तो पाओ यू ने आदे श दिया: “नस्य लाओ!” मस्क उछलकर खड़ी हुई और उसके लिए दो सु नहरे सितारों से सजी एक छोटी सोने की किनारी वाली क्रिस्टल की नस्य की डिब्बी ले आई। पओ यू ने ढक्कन उठाया। अं दर यू रोपीय एनामेल पर सु नहरे बालों और कं धों पर पं खों वाली एक नग्न महिला का चित्र बना हुआ था। डिब्बे में बे हतरीन क्वालिटी का असली यू रोपीय नसवर। ब्राइट क्लाउड तस्वीर को ध्यान से दे खने में पू री तरह खो गई। "लो! इसे सू ंघो! इसे ज़्यदा दे र तक खुला मत छोड़ना, नहीं तो खु शबू उड़ जाएगी!" पाओ यू ने उसे कहा। ब्राइट क्लाउड ने झटपट एक चु टकी नसवार निकाली, नाक पर लगाई और सू ंघी फिर उसी तरह कई और चु टकी नसवर निकाली और सू ंघी। अचानक उसे अपनी नक के अं दर से ले कर कनपटी तक एक ते ज़, चु भने वाली, झनझनाहट महसू स हुई और उसे तु रं त इतनी ज़ोर से पां च-छह बार छींक आई कि उसकी आं खें और नाक पानी से भर गईं। "उफ़! कितना ते ज़ है! जल्दी! मे रे लिए कागज़ लाओ!" वह हं सते हुए चिल्लाई। एक छोटी नौकरानी उछलकर आई और

उसके लिए बढ़िया टिशू पेपर का पूरा बंडल ले आई। ब्राइट क्लाउड ने एक-एक करके पन्ने निकाले और उनसे अपनी नाक पोंछी। "अच्छा, कैसा लगा?" पाओ यू ने उत्सुकता से पूछा। "ओह, बहुत अच्छा लगा!" वह खुशी से चिल्लाई। "मुझे सच में बहुत अच्छा लग रहा है।" "केवल मेरी कनपटी में ही दर्द हो रहा है।" पाओ यू को अपनी चिकित्सा 319 की तीव्र सफलता पर काफी गर्व था।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 8.72% है ।

उपचार। उन्होंने और भी कु छ किया और मरीज़ के लिए थोड़ी सी यू रोपीय मरहम मं गवाई, जिसे फीनिक्स सिरदर्द के लिए अक्सर लगाया करता था। फिर वे बीमार के कमरे से निकलकर पार्क में टहलने चले गए, ताकि वसं त की दे वी शोक के पास कु छ सु कू न पा सकें, जो अपने ईज़ल के सामने बै ठकर पेंटिंग कर रही थी। रास्ते में उनकी मु लाकात स्नेल से हुई जो चचे री बहन प्रेशियस हार्प की छोटी नौकरानी थी और ब्लै क जे ड के घर बां स के आश्रम जा रही थी। उसने बताया कि उसकी मालकिन और प्रेशियस क्लै स्प वहाँ हैं । यह सु नकर उन्होंने अपना इरादा बदल लिया और स्नेल के साथ बां स के आश्रम चले गए। "एक और मे हमन आ गया! सारी सीटें पहले से ही भरी हुई हैं!" ब्लै क जे ड के शयनकक्ष में प्रवे श करते ही उन्हें हँसते हुए स्वागत किया गया। और वास्तव में उन्होंने वहाँ चार चचे री बहनों- ब्लै क जे ड, प्रेशियस क्लै स्प, प्रेशियस हार्प और बादलों की माला - को जलते हुए अं गीठी के चारों ओर इकट्ठा पाया। कु कू नौकरानी, खिड़की से थोड़ी दू र, पलं ग के किनारे पर बै ठी कु छ कढ़ाई कर रही थी। "कितना मनमोहक दृश्य है!" पाओ यू ने प्रशं सा करते हुए कहा। "इसे 'सर्दियों में लड़कियों का जमावड़ा' भी कहा जा सकता है । और आप यहाँ कितनी आरामदायक और गर्म हैं!" वह गिलहरी के फर से ढकी एक आसन कुर्सी पर आराम से बै ठ गया, जिसे ब्लै क जे ड अक्सर इस्ते माल करती थी। उसकी नज़र एक जे ड फूलदान पर पड़ी जिसमें पाँ च जलकुं भी के फूल खू बसू रती से सजे हुए थे। "ये खू बसू रत जलकुं भी कहाँ से आईं? ये कल यहाँ नहीं थीं, है न?" उसने पू छा। "ये आपके मु ख्य प्रबं धक लाई शें ग की पत्नी का उपहार हैं," ब्लै क जे ड ने समझाया। "उन्होंने प्रेशियस हार्प को इसी तरह के जलकुं भी के दो फूलदान और कैलीकैं थस के दो फूलदान दिए थे । प्रेशियस हार्प ने जलकुं भी का एक फूलदान मु झे और विंटर स्वीट का एक फूलदान लिटिल क्लाउड को दे दिया है । क्या आपको जलकुं भी पसं द हैं? आप इन्हें रख सकते हैं ।" "नहीं, धन्यवाद। मे रे पास भी कु छ हैं, लेकिन वे आपके जितने सु ं दर नहीं हैं । वै से, आप अपने तो किसी को दे नहीं सकते।" "क्यों नहीं? मे रे पास तो यहाँ पहले से ही बहुत सारे इत्र हैं- औषधीय सु गं ध वाले । मेरा औषधि पात्र पू रे दिन Rre से बाहर नहीं निकलता। यह वास्तव में दुख की बात होगी अगर फूलों की सु ं दर शु द्ध सु गं ध इन औषधीय गं धों से खराब हो जाए। ये सभी ते ज़

इत्र कु छ ज़्यदा ही अच्छे हैं इनसे मु झे पाक की कमज़ोरी महसू स होती है"। "कल से मे रे कमरे में भी औषधि का बर्तन उबल रहा है," उसने हं सते हुए कहा और ब्राइट क्लाउड की सर्दी के बरे में बताया। "और क्या आपको नहीं लगता कि जलकुं भी और कैलिकैं थस हमरे अगले क्लब सत्र के लिए सबसे सु खद और उपयुक्त विषय होंगे?" उसने आगे कहा इस पर बातचीत काव्य रचना की ओर मु ड़ गई। "अगली बार जब क्लब का सत्र मे रे यहाँ होग, तो आप सभी को एक आश्चर्य मिले ग," प्रेशियस क्लै स्प ने गं भीराव धारण करते हुए कहा। "प्रत्ये क सदस्य320

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.87% है ।

उन्हें आठ अलग-अलग विषयों पर पांच-पांच शब्दों के चार तु कबं दी वाले अष्टक और बारह-बारह पंक्तियों के चर-चार छं द लिखने होंगे, जिनमें अलं कारिक भाषा और अतु कबं दी दोनों शामिल होंगी। पहला विषय होगा: 'ताई ची तू - हे महान भाग्य,' और किसी को भी छूट नहीं मिले गी" "उस पर विश्वास मत करो! वह तो बस मज़ाक कर रही है!" चचे री बहन प्रेशियस हार्प मु स्कुराते हुए बोली। एक बड़े व्यपारी की बे टी होने के नाते, वह अपनी कम उम्र के बवजू द पहले ही काफी यात्रा कर चु की थी और दुनिया के अपने ज्ञान और उदार विचारों के लिए चचे रे भाइयों द्वारा सराही जाती थी। "हमें चिंग, यानी परिवर्तन की पु स्तक, के उबाऊ दार्शनिक विषयों में क्यों उलझना चाहिए? इसके अलावा, हम उससे कु छ बहुत ही शानदार नहीं बना पाएं गे, ज़्यादा से ज़्यदा वह बनावटी और कृत्रिम ही होगा। जिससे मु झे एक बात याद आ गई। जब मैं आठ सल की थी, मे रे पिता मु झे पश्चिमी सागर के तटीय शहरों की यात्रा पर अपने सथ ले गए थे, जहाँ वे विदे शी समान खरीदा करते थे "। वहाँ मे री मुलाकात एक खू बसू रत पंद्रह वर्षीय यू रोपीय लड़की से हुई। वह बिल्कुल वै सी ही सु ंदर थी जै सी यू रोपीय चित्रों में अक्सर दे खने को मिलती हैं । उसके सु नहरे बाल कं धों पर बिखरे हुए थे । उसके गहनों में मूंगे, चमकीले अगे ट और हरे रं ग के स्वच्छ-अश्वाई रत्न जड़े थे । उसने सोने की जालीदार सु ंदर जै के ट पहनी हुई थी। पश्चिमी दमिश्क की लं बी आस्तीन वली पोशाक की कमरबं द में उसने सोने के म्यान में जड़ा एक छोटा रत्नजड़ित खं जर रख हुआ था। वह दे खने में बे हद खू बसू रत थी, चित्रों में दिखाई दे ने वाली उन महिलाओं से भी कहीं ज्यदा सु ंदर। कहा जाता था कि वह हमारी चीनी कविता और हमारे छह शस्त्रीय ग्रं थों को जनती थी और चीनी साहित्य को समझती भी थी। मे रे पिता ने कौंसुल के मध्यम से उसकी चीनी कविता के कु छ उदाहरण दे खने का अनु रोध किया। उन्हें और उनके सभी मित्रों को वे कविताएँ आश्चर्यजनक रूप से अच्छी लगीं। "ओह, हमें उनमें से एक भी दिखाओ!" पाओ यू ने उत्साह से विनती की। "मु झे खे द है कि मैं नहीं दिखा सकता।" मैं ने कविताएँ घर पर, दक्षिणी राजधानी में रख दी हैं "। “कितनी अफ़सोस की बात है!” उसने निराश होकर आह भरी। “तु म्हें दुनिया दे खने का कितना सौभाग्य मिला है । यह सौभग्य मु झे कभी नहीं मिले गा।” “उसकी बातों में मत आओ।” ब्लै क जे ड चिल्लाई। “वह

इतना सारा सामान ले कर आई है, वह सिर्फ़ उन कविताओं को घर पर क्यों छोड़ेगी? मुझे तो उन कविताओं के अस्तित्व पर बिल्कुल विश्वास नहीं है!" "यह तो ब्लैक जेड की आदत है। वह आसानी से बहकती नहीं लेकिन इस बार वह ज़रूरत से ज़्यदा संशय में है," प्रेशियस क्लैस्प ने कहा। "प्रेशियस हार्प को अपने दावे को प्रत्यक्ष प्रमण से सबित करने दो। तब तक मैं उस परविश्वास नहीं करूँगी," ब्लैक जेड ने ज़ोर दे कर कहा। "कुछ दिनों तक धैर्य रखो जब तक वह अपना सारा सामान खोलकर व्यवस्थित न कर ले; तब कविताएँ समने आ जएँगी," प्रेशियस क्लैस्प ने जवाब दिया। "क्या तुम्हें उनमें से एक भी कविता याद नहीं है? कृपया, उनमें से एक कविता हमें सुनाओ, जितना अच्छा तुम सुना सकती हो!" उसने अपनी चचेरी बहन की ओर मुड़ते हुए कहा। 321

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.18% है।

"ज़रूर। मुझे तु कबं दीत्वी की अष्टक कविता याद है। एक यूरोपीय लड़की के लिए यह वाकई बड़ी उपलब्धि है," प्रेशियस हार्प ने उत्तर दिया। "चलो, हमें सुनाते हैं नहीं! रुको, मैं लिटिल क्लाउड को बुलाती हूँ; उसे भी सुनना चाहिए," प्रेशियस क्लैस्प ने कहा। "जंगल के आंगन में जाओ और उस युवती को बुलाओ," उसने प्रतीक्षा कर रही नौकरानी स्नेल को आदेश दिया। "उसे बताओ कि यहाँ एक खूबसूरत यूरोपीय लड़की है जो चीनी भाषा में कविताएँ लिख सकती है, जिसकी हम सब प्रशंसा कर रहे हैं। और उससे कहो कि वह दूसरी कविता-प्रेमी लड़की को भी साथ ले आए।" थोड़ी देर बाद स्नेल लिटिल क्लाउड और लोटस के साथ वापस आई। "वह यूरोपीय सुंदरी कहाँ है?" लिटिल क्लाउड ने दूर से ही पूछा। "वह अभी शारीरिक रूप से यहाँ नहीं है, लेकिन तुम उसे बोलते हुए सुन सकते हो!" हंसते हुए उत्तर आया। प्रेशियस हार्प ने लिटिल क्लाउड और लोटस को एक बार फिर वही सब बताया जो उसने अभी पश्चिम की उस खूबसूरत लड़की के बारे में बताया था। फिर उसने कविता सुनाई: "कल रात मैंने लाल कक्ष का सपना देखा। आज रात मेरे गीत बारिश से भीगी धरती पर गूंज रहे हैं। समुद्र के झाग के ऊपर बादलों के द्वीप जमा हो रहे हैं, पहाड़ों की धुंध झाड़ियों और चीड़ के पेड़ों पर बह रही है। शाश्वत चंद्रमा के नीचे समय का कोई अस्तित्व नहीं है, केवल बदलते मिजाजों का निरंतर उतार-चढ़ाव है। क्या मैं हान नदी के तल के दक्षिण में बचपन की बसंत ऋतु को कभी भूल सकती हूँ?" "शानदार! वह हम चीनियों से भी बेहतर कविताएँ रच सकती है!" यह सबकी राय थी। बातचीत थोड़ी देर और चली; फिर दूसरी पत्नी चाओ ने ब्लैक जेड का हालचाल पूछने के लिए आई और सब लोग चले गए। अगली सुबह पाओ यू धूसर, बादलों से घिरे, सर्द आसमान के नीचे पूर्वज के कमरे के लिए रवाना हुआ ताकि उन्हें अपना रोज़ाना का सुबह का अभिवादन दे सके। पूर्वज अभी तक नहीं उठी थीं, लेकिन उन्होंने उसे अपने शयनकक्ष में आने दिया। चचेरी बहन प्रेशियस हार्प, जिसे उसने पूर्वज के बगल में दीवार की ओर मुंह करके लेटे हुए देखा, अभी भी गहरी नींद में सो रही थी। "क्या बर्फ गिर रही है?" पूर्वज ने पाओ यू के लाल-भूरे रंग के बंदर के बालों से बने खुरदरे मौसम-उपहार पर एक नज़र डालते हुए पूछा। "अभी नहीं, लेकिन ऐसा लगता है कि जल्द ही होगा।" "उसके लिए मोर पंख वाला उपहार लाओ!" पूर्वज ने अपनी

दासी, मं दरिन डक को आदे शदिया। दासी एक शानदार उपहार ले कर आई जो सोने, नीले और हरे रं ग में चमक रहा था, और जिसे उसने अब पहली बार दे खा। यह फर से सजे उपहार से भी अधिक सुं दर था।

寶琴

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.24% है ।

पं खों वला कोट जो पूर्वज ने हाल ही में अपने नए प्रिय, कीमती वीणा को दिया था। "यह सोने की चिड़िया की बीट से बन चोला है," पूर्वज ने मज़ाक में कहा। "लो, मैं तु म्हें यह उपहार दे रही हूँ । यह रूस से आय है और मोर के पं खों और रे शम के धागे से बुनाया है । जओ और इसे अपनी माँ को दिखाओ!" पाओ यू ने धन्यवाद में प्रणम किया और उस कीमती वस्त्र को ले कर गर्व से चला गया। बाहर वह मं दारिन बत्तख के पस से गु जरा उसने जनबू झकर नज़रें फे र लीं। जिस दिन उसने पवित्रता की प्रतिज्ञा ली थी, उस दिन से वह उससे बचती आ रही थी और उससे बात नहीं करती थी। "दे खो, यह नया चोला मु झ पर कै सा लग रहा है?" उसने मु स्कुराते हुए उससे पूछा। उसने के वल हाथ के इशरे से उसे टाल दिया और तु रं त पूर्वज के शयनकक्ष में चली गई। उसकी माँ और उसकी दासियों द्वारा उसकी प्रशं स करने के बाद वह पूर्वज के पस लौटा और उन्हें बतया कि उसकी माँ ने उसे नए वस्त्र को बहुत सावधानी से पहनने और उसे खराब न होने दे ने की चेतावनी दी है ।"वह बिल्कुल सही कह रही है । तु म्हें इसका अच्छे से ख्याल रखना चाहिए। मे रे पास इस तरह का यह इकलौता है, और तु म्हें दूसरा कभी नहीं मिले ग। हमे श शां त और सं यमित रहना, शराब कम पीना, और समय पर घर आना!" "शीह, शीह," उसने उत्सु कता से वदा किया और विदा लिया। वह अपने नए शनदार वस्त्र में शहर के अपने परिचितों को दिखाने केलिए बे तब था, जिन्होंने उसे उस दिन अपने यहाँ आने का निमं त्रणदिया था। जब वह शाम को घर लौटा तो उसकी नौकरानियाँ उसे उदास आहें भरते और गु स्से से पै र पटकते सु नकर चौंक गईं। "क्या हुआ?" मस्क ने पू छा। "नया चोगा! यह तो सच में बहुत बुरा है! बुढ़िया ने आज सु बह मु झे पहनने में देदिया, और अब पता चला कि कॉलर पर एक बड़ा सा जलने का निशान है!" उसने उदास होकर विलाप किया। "अच्छा हुआ कि शाम काफी हो चु की है, इसलिए मु झे आज और वहाँ नहीं जना पड़े ग।" नौकरानी मस्क ने नु कसान का जायज़ा लिया और उसे वकई उं गली के बराबर एक झुलसा हुआ धब्बा मिला। उसने कहा, "लगता है किसी ने हैं ड वार्मर बहुत पास से चला दिया था। लेकिन इतना भी बु रा नहीं है । हम इसे दर्जी को दे दें गे और उसे ठीक करने दें गे।" उसने लबादा लपे टा और एक नौकरानी को दे दिया। उसने कहा, "इसे जल्दी से दर्जी के पस ले जओ और उससे कहोकि इसे कल सु बह तक

ठीक कर दे न। और यह भी ध्यान रखना कि बू ढ़ी तई ताई और ताई ताई को इसके बरे में कु छ पता न चले ।" थोड़ी दे र बद नौकरानी लबादा ले कर वपस आई। "मैं 324

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.09% है।

उसने बताया, "मैंने कई दर्जियों और दर्ज़िनों से कोशिश की, लेकिन कोई भी इस तरह की कढ़ाई नहीं जानता, और उनमें से कोई भी इसे करने को तैयार नहीं था।" "तो बस इसे कल मत पहनना," मस्क ने उसे सलाह दी। "इससे भी मेरा काम नहीं चलेगा, क्योंकि दादी और माँ दोनों ने साफ़ तौर पर चाहा था कि मैं इसे कल, अंकल वांग के जन्मदिन पर पहनूँ। जब उन्हें पता चलेगा कि मैंने इसे पहले ही दिन खराब कर दिया, तो वे बहुत गुस्सा होंगी।" "मुझे देखने दो!" ब्राइट क्लाउड अपनी कोठरी से चिल्लाई, बिस्तर पर करवट बदलते हुए। मस्क ने उसे लबादा पकड़ा दिया और उसके पास दीपक जला दिया। "मोर-गोल्ड रेशमी धागे की ज़रूरत है। मुश्किल हिस्सा किनारा है। इसमें अदृश्य मरम्मत की ज़रूरत है," ब्राइट क्लाउड ने अच्छी तरह से जाँच करने के बाद कहा। "हमारे पास सही धागा तो है, लेकिन तुम्हारे अलावा घर में कौन है जो अदृश्य मरम्मत कर सकता है?" मस्क ने कहा। "मैं कोशिश करूँगा!" "लेकिन तुम अभी-अभी ठीक हो रहे हो, तो अपनी सेहत को जोखिम में कैसे डालोगे?" पाओ यू ने विरोध किया। "परेशान मत हो।" "यह मेरा निजी मामला है।" वह बिस्तर पर बैठ गई, अपने बाल संवारे और नाइटगाउन के ऊपर एक घरेलू फ्रॉक पहन ली। उसे चक्कर आ रहे थे, आँखें धुंधली हो रही थीं और वह तकियों पर वापस गिर जाना चाहती थी। लेकिन पाओ यू के लिए उसने दांत पीसकर मस्क से सुई, कैंची और कढ़ाई के धागे के कई गुच्छे लिए और हिम्मत से काम में जुट गई। "यह धागा सबसे अच्छा है," उसने काफी खोजबीन और तुलना करने के बाद कहा। "सच है, यह बिल्कुल मेल नहीं खाता, लेकिन अंतर पता नहीं चलेगा।" "मुझे भी ऐसा ही लगता है," पाओ यू ने सहमति जताई। "यहाँ हमें कोई रूसी दर्ज़ी मिलना मुश्किल होगा।" उसने चाय के कप के आकार का एक बाँस का टांका लगाने वाला हैंडल क्षतिग्रस्त जगह के नीचे दबाया, एक तेज सुनहरे चाकू से जले हुए कपड़े को कुशलता से काटा और मूल पैटर्न को कलात्मक रूप से दोहराते हुए, एक-एक टांका करके, लगन से टांका लगाना शुरू कर दिया। तीन-चार सुई भर धागा इस्तेमाल करने के बाद वह थककर तकियों पर वापस गिर गई। थोड़ी देर आराम करना ज़रूरी था। "क्या आप थोड़ा गर्म सूप पीना चाहेंगी?" पाओ यू ने चिंता से पूछा, अपने कंधों पर गिलहरी की खाल लपेटते हुए और एक और तकिया अपनी पीठ के पीछे

धकेलते हुए। "छोड़ो, छोटे प्रूीज! कृपय सो जाओ, वरना सुबह नींद से भरी आँखें नहीं खोल पाओगे । क्योंकि आधी रात हो चुकी है और तुम्हें सोने का समय बहुत पहले ही बीत चुका है," उसने चिढ़कर उसे मन कर दिया। उसने उसकी बत मान ली और अपने बिस्तर के नीचे घुस गया, लेकिन 325

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.13% है ।

काफी दे र तक उसे नींद नहीं आई। सु बह के पांच बज चु के थे, लेकिन बहादुर ब्राइट क्लाउड ने अपना काम पू रा नहीं किया था। एक छोटे से ब्रश से धागे के कु छ बिखरे हुए सिरों को साफ करने के बाद, उसने अपना काम मस्क को दिखाया। "वाह, यह तो कमाल है!" मस्क चिल्लाया। "जब तक आप ध्यान से नहीं दे खेंगे, तब तक आपको मरम्मत का कोई निशान नहीं दिखे गा।" "यह तो मूल पै टर्न से बिल्कुल अलग नहीं है," पाओ यू, जो जल्दी से बिस्तर से उठ गया था, उत्साह से सहमत हुआ। "ओह, नहीं, यह उतना सुं दर नहीं बना जितना लग रहा था, लेकिन मैं कितनी भी कोशिश कर लूं, एक और सिलाई नहीं कर सकती," ब्राइट क्लाउड ने कमजोर स्वर में कहा, और इतना कहकर वह अपने तकियों पर बे होश होकर गिर पड़ी। पाओ यू और मस्क ने मिलकर उसे जोर-जोर से थपथपाकर और मालिश करके होश में लाया, और अगली सु बह तक वे दोनों उसके बिस्तर के पास से नहीं हटे, जब डॉक्टर वां ग आए और उन्होंने एक बार फिर उसकी नब्ज जां ची। डॉक्टर इस बात से हैरान थे कि पहले काफी सु धार दिखाने के बाद भी मरीज को फिर से यह समस्या कै से हो गई। उन्हें लगा कि उसने या तो बहुत अधिक खा लिया होगा या खु द को बहुत थका लिया होगा, और उन्होंने चीनी की जड़, फॉक्सग्लोव, आर्कएं जेल रूट और इसी तरह की जड़ी-बूटियों से बनी एक और रक्त और नसों को मजबू त करने वाली दवा दी। अपने अच्छे स्वास्थ्य और इस तथ्य के कारण कि वह हमे शा खाने-पीने में संयमित रही थी, बहुत अधिक मसाले दार भोजन से परहे ज करती थी, और विशेष रूप से अपनी बीमारी के दौरान, घर के नियमों के अनु सार सख्त आहार का पालन करती थी, ब्राइट क्लाउड ते जी से ठीक हो गई और एक सप्ताह में पू री तरह स्वस्थ हो गई। अध्याय 31 नौकरानी कु कू चालाकी से पाओ यू की भवनाओं की परीक्षा ले ती है और बिछड़ने का सं के त दे कर उसके मानसिक सं तुलन को बिगाड़ दे ती है । एक दयालु चची प्रे म में डूबी यु वती को कोमल शब्दों से शां त करती है । वसं त ऋतु के एक दिन पाओ यू ब्लै क जे ड के स्वास्थ्य के बारे में पू छताछ करने के लिए बां स के आश्रम गए, लेकिन ब्लै क जे ड दोपहर की झपकी ले रही थी। उसे परे शान न करने की इच्छा से, वह बाहर जाकर नौकरानी कु कू के पास गया, जो घर के सामने खुले बरामदे में बै ठकर कु छ कढ़ाई कर रही थी। "तु म्हारी छोटी मालकिन कै सी हैं? क्या

उनकी खां सी ठीक हो गई है?" उसने पू छा। "हाँ, धन्यवाद, थोड़ी ठीक हो गई है ।" "अरे वह! यह सु नकर राहत मिली।" "तु म बु द्ध काआह्वान कब से करनेलगे? यह तो मे रेलिए बिल्कुल नया है!" "खै र, सं कट में तो डॉक्टर काही सहारा ले ते हैं"।

晴雯

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.16% है।

उसने कहा कि उसने सिर्फ़ एक पतली काली रेशमी स्कर्ट और उसके ऊपर गहरे हरे रंग की मलमल की बनियान पहनी हुई है।"क्या तुम्हें ये कपड़े इस मौसम के लिए बहुत हल्के नहीं लगते?" उसने हाथ फेरते हुए पूछा। "यहाँ हवा के झोंके में बैठे रहने से तुम्हें ठंड लग जाएगी।" "ऐसा मत करो!" वह गुस्से से पीछे हटते हुए बोली। "अब, एक बार अच्छी तरह समझ लो: जब हम बात करेंगे तो ये सब छूना बंद करो। तुम अब छोटे बच्चे नहीं हो। लोग क्या सोचेंगे अगर वे तुम्हें ऐसा करते हुए देखेंगे? वे तुम्हारे व्यवहार के बारे में तुम्हारी पीठ पीछे बातें करेंगे और तुम्हारा सम्मान खो देंगे। हमारी युवती ने हमें सख्ती से मना किया है कि हम इस तरह से न छुएं। क्या तुमने ध्यान नहीं दिया कि वह तुम्हारे साथ कितनी संकोच से पेश आती है?" और उठकर, उसने अपना कढ़ाई का काम समेटा और घर के अंदर चली गई। वह उसे ऐसे देखता रहा जैसे उस पर ठंडे पानी की बाल्टी उड़ेल दी गई हो। फिर वह चुपके से चला गया और रास्ते में एक चट्टान पर बैठ गया, हजारों दुख भरे विचारों से घिरा हुआ। उसकी निराशा इतनी गहरी थी कि उसकी आँखों में आँसू भर आए। वह वहाँ बैठा सोच में डूबा हुआ था, जब तक कि उसने ठीक से खाना नहीं खा लिया, तभी नौकरानी स्नोगूज़ वहाँ आई। जब उसने उसे आड़ू के पेड़ के नीचे चट्टान पर उदास बैठा देखा, हाथ पर चेहरा टिकाए, कहीं खोई हुई नज़रों से, तो वह खड़ी हो गई और उसे देखकर मुस्कुराते हुए बोली: "यहाँ अकेले और उदास क्या कर रहे हो? क्या तुम्हें इस पत्थर पर बैठे-बैठे ठंड नहीं लग रही?" "क्या बात है? तुम्हें मुझसे क्या चाहिए?" वह घबराकर बोला। "तुम भी तो लड़की हो, है न, इसलिए तुम्हें भी मुझसे कोई वास्ता रखने से मना किया गया होगा। लोग क्या कहेंगे अगर हमें साथ देख लें? यहाँ से तुरंत जाओ!" स्नोगूज़ उलझन में मुँह फेरकर घर के अंदर चली आई। उसने मन ही मन सोचा, लगता है युवती उसे फिर से डांट रही है। "ये रहा जिनसेंग जो मैडम चेंग युवती को भेज रही हैं," उसने कुकू से कहा। "क्या वह युवती अभी भी सो रही है? तो फिर, किसने छोटे मालिक को इतना परेशान किया है कि वह अब बाहर बैठकर फूट-फूट कर रो रहा है?" "वह कहाँ बैठा है?" "हनीसकल की बेलों के पीछे आड़ू के पेड़ के नीचे एक पत्थर पर।" कोयल ने तुरंत अपना सुई धागे का काम एक तरफ रख दिया और जल्दी से बाहर भागी। बेचारे लड़के को पत्थर पर बैठे देखकर वह अपनी हंसी नहीं रोक

पाई। "अरे वह, तुमने बैठने और आराम करने के लिए कितनी अच्छी ठंडी जगह चुनी है। उम्मीद है तुम्हें सर्दी न लग जाए! मैंने अभी तुमसे जो दो-एक कड़े स्वर से बातें कही थीं, उन पर तुम इतने चिड़चिड़े कैसे हो गए?" "मैं चिड़चिड़ा? मैं बिल्कुल भी ऐसा नहीं हूँ! तुम बिल्कुल सही थीं। लेकिन मैं 328

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.15% है ।

मैं मन ही मन सोच रहा था कि शायद बाकी लोग भी तु म्हारी तरह सोचने लगें, और अं त में मु झसे बात करने वला कोई न बचे; और यह सोच स्वाभाविक रूप से मु झे बहुत दुख पहुँ च रही थी," उसने उदास मु स्कान के सथ जवाब दिया। वह उसके पस बै ठ गई।" तु म मे रे इतने करीब क्यों आ गई हो, जबकि अभी जब मैं तु म्हारे बहुत करीब आय था तो तु म भग गई थीं?" उसने पू छा। "अरे, छोड़ो ये सब। मैं तु मसे ये पूछना चाहती थी: कु छ समय पहले तु म मे री छोटी मालकिन से अबाबीलों के घोंसलों के बरे में बात कर रहे थे, और जै से ही तु मने शुरू किया, तु म्हारी दूसरी पत्नी चाओ के आने से तुम्हारी बात अधू री रह गई। मैं जानना चाहती हूँ कि तु म अबबीलों के घोंसलों के बारे में और क्या कहना चाहते थे"। " ओह, कु छ खस नहीं। मैं ने अपनी दादी को बताया था कि तु म्हारी छोटी मालकिन को दवा के तौर पर हरदिन कु छ अबबीलों के घोंसलों की ज़रूरत है; क्योंकि प्रेशियस क्लै स्प भी यहाँ मे हमान है और उसे पर्याप्त मात्रा में नहीं दे सकती। जहाँ तक मु झे पता है, दादी ने मे री ये बात फीनिक्स को बता दी है ।" "यही बात मैं उस दिन तु म्हारी छोटी मालकिन से कहने ही वाली थी, जब मु झे बीच में ही रोक दिया गया था।" "तो क्या तु म्हारी दयालु त के कारण ही उसे रसोई से हरदिन एक औंस चिड़ियों का घोंसला मिलता है? उसे समझ नहीं आ रहा था कि बू ढ़ी तई ताई अचानक उस पर इतना ध्यान क्यों दे नेलगी है ।" "अच्छा, अगर वह अच्छी तरह से रोज़ अपन हिस्सा खा ले, तो उम्मीद है कि दो-तीन साल में वहबिल्कुल स्वस्थ हो जाएगी," पाओ यू ने कहा। "लेकिन सवाल यह है: क्या अगले सल घर लौटने पर उसके पास इलाज जारी रखने केलिए पर्याप्त पै से होंगे?" कु कू ने कहा। "घर? तु मकिसके बरे में बात कर रही हो?" उसने घबराकर पू छा। "मिस ब्लै क जे ड, ज़ाहिर है; क्योंकि वह अगले सल अपने शहर सु चो वापस जा रही है ।" "अरे, बकवास! तु म बकवस कर रही हो। उसके मता-पिता दोनों मर चु के हैं और इसीलिए हमने उसे यहाँ रख है ।" वह सु चो में क्या करे गी?" "अरे, यह मत सोचो कि तु म्हारे चिया परिवार के अलावा कोई और प्रतिष्ठित घर नहीं हैं!" कु कू ने शरारती लहजे में जवाब दिया। "निश्चित रूप से उस समय बू ढ़ी तई ताई ने अनथ को अपने घर में इसलिए रखा था ताकि उसे अपने मता-पिता के घर का विकल्प मिल सके ।लेकिन अब वह यु वती बड़ी हो गई है और शादी

के लायक है । इसलिए यह उचित ही है कि वह अपने परिवार के पस वापस चली जाए। उसके माता-पिता मर चु के हैं लेकिन उसके अन्य रिश्ते दार हैं । भले ही वे गरीब हों फिर भी वे एक अत्यं त सम्मानित परिवार के सदस्य हैं जिसमें पीढ़ियों से उच्च सं स्कृति की सु गं ध चली आ रही है, और ये लोग उपहास और अपमान के पत्र बनें गे यदि वे अपने ही रिश्ते दार को किसी अजनबी के सथ खाना खाने की अनु मति दे ते हैं । सं क्षे प में, अगले वसं त या ज़्यादा से ज़्यदा अगले पतझड़ में मिस ब्लै क जे ड इस घर को छोड़ दे गी। और अगर वे उसे अपनी मर्जी से यहाँ से नहीं भे जते, तो डौलिंग परिवार आएगा और उसे ले जएगा।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.07% है ।

उसे ले जाओ। हाल ही में एक शाम, उस यु वती ने मु झे निर्देश दिया कि मैं तु मसे वे सभी छोटे उपहार और स्मृति चिन्ह वापस मां गलूँ जो उसने तु म्हें वर्षों से दिए हैं । और वह भी तु म्हें वे सभी उपहार और स्मृति चिन्ह वापस भे ज दे गी जो उसे तु मसे मिले हैं ”। पाओ यू को ऐस लगा जै से उसके सिर पर बिजली गिर पड़ी हो। वह एक शब्द भी नहीं बोल पाया। कु कू अभी अपनी बात जारी ही रखने वली थी कि ब्राइट क्लाउड वहाँ आ गई। वह उसे ढूंढ रही थी। “ मु झे उसे मे री यु वती क सं दे श देना था। लगता है उसे अभी तक समझ नहीं आया है । उसे यहाँ से ले जओ!” कु कू ने रूखे पन से कहा और उन दोनों को अकेला छोड़कर चली गई। ब्राइट क्लाउड ने पओ यू के चे हरे पर व्याकुल, खोई हुई सी भाव-भंगिमा, गालों की लाली और माथे पर पसीने की बूँ दें दे खकर आश्चर्य से भर गई। उसने उसका हाथ पकड़ा और उसे बे गनिया आं गन में वापस ले गई। “ क्य हुआ?” पर्ल ने घबराकर पू छा। “उसे ज़ु काम हो गया है ।” "लगता है उसे गर्मी लग रही थी और ठं डी हवा का झोंका लग गया था," ब्राइट क्लाउड ने कं धे उचकाते हुए कहा। काश, बस इतना ही होता! लेकिन उसकी आँ खों की पु तलियाँ अजीब तरह से स्थिर थीं, मुँ ह के कोनों से लार टपक रही थी, वह पू री तरह से स्तब्ध लग रहा था, और उसने अपने साथ होने वली हर चीज़ को होने दिया - उसे बिस्तर पर ले टाया गया, फिर तकियों से सहारा दिया गया और चाय दी गई, बिना अपनी इच्छा से कोई हरकत दिखाए। उसकी नौकरानियाँ उसके पू रे शरीर में आए इस बदलाव को दे खकर पू री तरह से हैरान थीं, और अपनी उलझन में उन्होंने उसकी बू ढ़ी नर्स, मदर ली को उसके पस बुलाया। 'मदर ली ने उसे ध्यान से दे खा, उससे कई सवल पू छे लेकिन कोई जवाब नहीं मिला, उसकी नाड़ी जाँ ची, और अपने नु कीले नखू नों को उसके होंठों और शरीर के अन्य हिस्सों में गहराई से गड़ा दिया। लेकिन हालाँकि उसने इतनी ज़ोर से दबाया था कि उसके नखू नों के निशान उसकी त्वचा पर गहरे छप गए, फिर भी उसे कु छ महसू स नहीं हुआ और वह बिल्कुल बे जन रहा। फिर उसने ज़ोर से विलाप किया, जै से किसी पागल ने अपन सिर इधर-उधर हिलाया, बिस्तर और तकियों पर मुट्ठियों से बे तहाशा पीटा, और उसने खु द को कोसते हुए कहा कि उसने बचपन में उसकी व्यर्थ ही दे खभल की और अपना जीवन उसे व्यर्थ ही समर्पित कर दिया। पर्ल, जो बू ढ़ी ली और उसके विचारों को

बहुत महत्व दे ती थी, उसकी निराशा से प्रभवित हो गई और उसके विलाप में शमिल हो गई। इस बिंदु पर ब्राइट क्लाउड ने अं ततः माना की और स्वीकार किया कि पाओ यू की हालत सर्दी लगने से नहीं थी, बल्कि बां स आश्रम में कु कू ने उसके साथ जो कु छ किया था, उसी से वह विचलित हो गया होगा। यह सु नकर फर्ल तु रं त कु कू को फटकार लगाने के लिए बां स आश्रम की ओर दौड़ पड़ी। उसने उसे ब्लै क जे ड को कु छ पढ़ते हुए पाया। बिना किसी अभिवादन या औपचारिकता के वह कु कू पर झपटी और चिल्लाई: "क्या 330

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 8.94% है ।

क्या तु म अभी हमरे नन्हे मालिक से कु छ कह रही थी? जाओ और उसे दे खो और खु द दे खो कि तु मने क्या किया है! दे खो तु म बू ढ़ी दाई ताई को कै से जवाब दे सकती हो।" ये कहते हुए वह पास की कुर्सी पर गिर पड़ी। ब्लै क जे ड उसके इस असभ्य और उत्तेजित व्यवहार से हैरान रह गई, जो उसके समान्य रूप से सलीके दार और विनम्र स्वभाव से बिल्कुल विपरीत था। "क्या हुआ है?" उसने आशंका से भरे स्वर में पूछा। "यह अपनी कोयल से पू छो," पर्ल रोते हुए बोली। "मु झे नहीं पता कि वह हमारे बे चारे नन्हे मालिक से क्य कह रही थी। खै र, वह पू री तरह से विचलित है । वह न बोल सकता है, न दे ख सकत है, और उसका पू रा शरीर ठं डा पड़ गया है । मँ ली अभी व्यर्थ ही अपने नखू नों से उसे कु रे द रही थी, लेकिन उसे कु छ महसू स नहीं हुआ; ऐसा लगता है जै से उसका शरीर बे जन हो गया हो। माँ ली ने उसे पहले ही छोड़ दिया है; वह वहाँ बै ठकर उसके अं त पर शोक मना रही है ।" यह सु नकर ब्लै क जे ड इतनी बे चै न हो गई कि उसने अभी ली हुई दवा उल्टी कर दी और खाँ सी से इतनी बु री तरह काँपने लगी कि ऐसा लगा जै से उसके फे फड़े फट जाएँगे और उसकी आँ तें बाहर निकल आएँ गी। उसका चे हरा गहरा लाल हो गया, उसकी आँ खें अचानक खू न से लाल हो गईं और सॉके ट से बाहर निकल आईं, वह झुकी हुई बै ठी रही और उसकी साँ सें इतनी कमजोर थीं कि वह अपना सिर भी नहीं उठा पा रही थी। कु कू ने अपने लापरवाह व्यवहार के परिणामों को दे खकर भयभीत होकर कहा, “मैं ने आखिर कहा क्या था?” वह सिसकते हुए बोली। “मैं ने उससे मज़ाक में बस कु छ शब्द कहे थे, और उसने उन्हें गं भीरता से ले लिया।” उसने अपनी मलकिन की दे खभल करने की कोशिश की और उसकी पीठ थपथपाने लगी, लेकिन ब्लै क जे ड ने गु स्से से उसे धक्का दे दिया। “मु झे मारना बं द करो!” इसके बजय, मु झे एक रस्सी लाओ जिससे मैं खु द को फां सी लगा सकूँ!” वह हां फते हुए बोली। “तु म्हें अब तक उसे जान ले न चाहिए था, और समझना चाहिए था कि अपनी सरलता में वह मजक में कही गई हर बत को सच मान ले त है!” पर्ल ने फटकारते हुए कहा। “अगर तु म्हारी बातें गं भीरता से नहीं कही गई थीं, तो जाओ और गलतफहमी दूर करो; "शायद इससे उसे अक्ल आ जाए," ब्लै क जे ड ने अपनी नौकरानी को आदे श दिया। कु कू आज्ञाकारी होकर पर्ल के सथ बे गोनिया आं गन की ओर चल पड़ी। पाओ यू की माँ और दादी इसी

बीच वहाँ पहुँच चुकी थीं।"तू ने उससे क्या कहा, कमीनी कुतिया?" कुकू को देखते ही पूर्वज गुस्से से चिल्लाई। कुकू आत्मरक्षा में कुछ शब्द कहने ही वाली थी कि पाओ यू ने उसे देख लिया और तुरंत अपनी द्वारा से जग गया। उसके होठों से एक गहरी आह और एक दुःख भरी "आह!" निकली। फिर वह फूट-फूटकर रोने लगा। सबने राहत की सांस ली। "उससे क्षमा मांगले!" पूर्वज ने आग्रह किया। उसने सोचा कि कुकू331

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.07% है।

कुकू ने किसी न किसी तरह पाओ यू को नराज़ कर दिया था, लेकिन सभी को आश्चर्यचकित करते हुए पाओ यू ने स्नेह से कुकू का हाथ पकड़ा और उसे अपने करीब खींच लिया। "जाने के बारे में और कुछ मत कहो," उसने फुसफुसाते हुए कहा, "लेकिन अगर जाना ही है, तो मुझे तुम्हारे साथ चलने दो" उसके शब्द दूसरों को समझ नहीं आए। उन्होंने कुकू पर बोलने का दबाव डाला, और तब उन्हें अखिरकार पता चला कि कुकू ने मज़ाक में पओ यू की परीक्षा ली थी और विदाई और सुचोलौटने की बतों से उसे पूरी तरह पागल कर दिया था, जिसका मतलब उसने बिल्कुल भी गंभीरता से नहीं लिया था। "तो बस यही बात थी? मैं सोच रही थी कि आखिर हुआ क्या होगा," पूर्वज ने राहत के आँसू बहाते हुए कहा। "तुम वैसे तो इतनी चतुर और समझदार लड़की हो, और तुम्हें पता होना चाहिए कि वह एक मूर्ख है! तुमने इतनी गैरजिम्मेदाराना तरीके से उसका मज़ाक कैसे उड़ाया?" उसने कुकू को फटकारते हुए कहा। इसी क्षण एक नौकर ने घोषणा की: "श्रीमती लिंग चिह शियाओ बाहर हैं और जनना चाहती हैं कि छोटा भाई कैसा है।" नाम सुनते ही पाओ यू का मन बुरी तरह घबरा गया। "कितना भयानक!" वह चिल्लाया। "देखो, उसके रिश्तेदार उसे ले जाने आ गए हैं लेकिन उन्हें मत जने दो उन्हें भगओ! उन्हें भगओ!" वह उत्तेजन में पगलों की तरह चिल्लाया। उसकी इच्छा पूरी करने का नाटक करते हुए, पूर्वज ने आदेश दिया कि मुख्य प्रबंधक लिंग की पत्नी को फिर से भेज दिया जाए। "चिंता मत करो! जिन लिंगों की तुम बत कर रहे हो वे सब मर चुके हैं। तुम्हारी चचेरी बहन का कोई रिश्तेदार नहीं बचा है जो उसे ले ज सके," उसने उसे शांत करने की कोशिश करते हुए कहा। "हाँ, लेकिन फिर ये दूसरे लिंग कौन हैं? मैं नहीं चाहता कि मेरी चचेरी बहन के अलावा कोई भी लिंग नाम का व्यक्ति मेरे पास आए!" वह अभी भी डर से कांपते हुए चिल्लाया। "तुम्हारी मर्ज़ी पूरी होगी। कोई और लिंग तुम्हारे पस नहीं आएगा!" पूर्वज ने कहा, और उन्होंने निर्देश दिया कि मुख्य प्रबंधक लिंग का परिवार भविष्य में रमणीय दर्शन उद्यान में प्रवेश न करे और पाओ यू की उपस्थिति में उनका कभी उल्लेख न किया जाए। इस अजीब निर्देश पर किसी ने हंसने की हिम्मत नहीं की। पाओ यू की नज़र संयोगवश दीवार पर टंगे सोने की परत चढ़े यूरोपीय यांत्रिक जहाज पर पड़ी। "देखो, वह रहा उसका जहाज! वह उसे लेने आ

रहा है!" उसने बुखार से भरे विभ्रम में चिल्लाते हुए दीवर पर टंगे जहाज़ की ओर उंगली से इशरा किया। नर्स पर्ल के इशरे पर उसने जल्दी से खिलौने को दीवर से उतर दिया ताकि वह उसकी नज़र से दूर रहे, लेकिन उसने अपन हाथ बढ़ाया, पर्ल से उसे ले लिया और उसे चदर के नीचे छिपा लिया। "अब वह दूर नहीं जा सकती!" उसने संतुष्टि से कहा, उसी समय 332

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.92% है ।

कोयल को इतनी ज़ोर से पकड़े हुए मानो वह उसे कभी अपने पास से जने ही न दे । इसी समय डॉक्टर वां ग को बुलाया गया। डॉक्टर वां ग ने पाओ यू की नब्ज़ जँ ची, और फिर, कोयल के सिर झुकाए, दयनीय भाव से सु नते हुए उन्होंने वहाँ मौजू द सभी लोगों को जीभ पर पपड़ी जमने, कब्ज़ और मानसिक उत्ते जन के कारण मस्तिष्क में रक्त प्रवाह की कमी, और इन सभी के परिणामस्वरूप हुए मानसिक विकार के बरे में एक लं ब और विद्वतापूर्ण पे शे वर निदान सु नया। "बस करो ये विद्वतापूर्ण बातें!" पूर्वज ने अधीरत से बीच में ही कहा। "हम सब आम लोग हैं और आपकी बतों को समझ नहीं सकते । हम सबसे पहले यह जनना चाहते हैं क्या उसकी हालत गं भीर है?" डॉक्टर ने उन्हें आश्वस्त किया और विनम्रतापूर्वक मु स्कुराते हुए शीघ्र स्वस्थ होने का वादा किया। "अच्छा! तो जाओ और अगले कमरे में अपनी पर्ची लिखवा लो। अगर यह कारगर रही तो तु म्हें अतिरिक्त शुल्क मिले ग, और मैं यह सुनिश्चित करूँ गी कि मे र पोता तु म्हें स्वयं धन्यवाद दे ते हुए प्रणाम करे । लेकिन अगर यह कारगर नहीं रही, तो तु म्हारा बु र हाल होगा! मैं अपने आदमियों को भे जकर उस पू रे चिकित्सा महाविद्यालय को तु ड़व दूँ गी जहाँ तु मने पढ़ाई की है!" पूर्वज ने हं सते हुए धमकी दी। अतिरिक्त शुल्क की बात सु नकर डॉक्टर अत्यं त प्रसन्न हो गया, और उसने कई बर झुककर प्रणाम किया और धीरे से "पु चन" कहा, "यह बहुत बड़ा सम्मान है," यहाँ तक कि पूर्वज की भयानक धमकी के बद भी वह अपने पु र्चे बनाता रहा - इस बात पर वहाँ मौजू द सभी लोग ज़ोर से हँ स पड़े । डॉक्टर वं ग द्वारा दी गई दवा से वस्तव में सु धार हुआ, और पूर्वज कु छ हद तक आश्वस्त होकर अपनी दासियों के सथ बीमार कक्ष से बहर जा सकीं। चूंकि पाओ यू ने दासी कु कू को अपने पास से जने नहीं दिया, इसलिए कु छ समय के लिए एम्बर को उसकी जगह ब्लै क जे ड की दे खभाल के लिए नियुक्त किया गया। और इस तरह उस रात तीनों दासियाँ, पर्ल, ब्राइट क्लाउड और कु कू, नर्स ली और कई बु जु र्ग महिला नौकरानियों के सथ पाओ यू के बिस्तर के पस पहरा दे रही थीं। वह सो रहा था, लेकिन कभी-कभी सपनों में बे तहाशा बड़बड़ाता और "क्या वह चली गई?" या "उसके लोग उसे ले जने आ रहे हैं" जै सी चीखें यह दर्शाती थीं कि नींद में भी वह ब्लै क जे ड को ढूंढ रहा था। रात में कई बर पूर्वज ने रोगी के कमरे से खबरें पूछीं, और जब उन्हें उसके प्रलाप भरे सपनों के बरे

में पत चला, तो उन्होंने आदेश दिया कि रोगी को घरेलू औषधि कक्ष में रखी सबसे अच्छी दालचीनी की गोलियाँ और चमत्कारी पाउडर दिए जाएँ - ये प्रभवी दवाएँ बुरी आत्माओं को भगाने और शरीर के अवरुद्ध छिद्रों को शुद्ध करके उन्हें मुक्त करने की शक्ति रखती थीं ताकि अच्छी आत्माएँ प्रवेश कर सकें। अगले दिन पाओ यू काफी बेहतर महसूस कर रहा था और एक बार फिर होश में आ गय था, लेकिन इस डर से कि कुकू उसे छोड़ दे, गी333

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 69.10% है ।

कु छ और समय तक बीमर होने का नाटक करते रहन उसे अच्छा लग रहा था। ज़ाहिर है, वह इन चालाकी भरे बहानों से अपने आस-पास वालों को अनिश्चित काल तक धोखा नहीं दे सकत था, और जब एक दिन लिटिल क्लाउड उससे मिलने आई और अपने हं समु ख अंदाज़ में तरह-तरह के चे हरे बनाकर और शरारतें करके उन मुश्किल दिनों में उसकी हालत की नकल की, तो वह अपनी तकलीफ का नाटक भूलकर बिस्तर पर बै ठ गय और दिल खोलकर हं सनेलगा। उसने कहा कि उसे नहींलगा था कि उसकी हाल की हालत इतनी हास्यास्पद थी। इससे घरवलों को पू रा यकीन हो गया कि वह सचमु च ठीक हो गय है ।"तु मने मु झेहाल ही में इतन डरा क्यों दिया?" उसने एक दिन कोयल से पू छा, जब वे अके ले थे ।"अरे, मैं ने तो बस मज़ाक में किया था। भला तु मने इसे गं भीरत से कै से ले लिया?" "फिर भी, तु मने जो कहा, वह इतना असं भव नहींलग रहा था।" "आप निश्चिंत रह सकते हैं । मिस लिंग के करीबी रिश्ते दारों में से कोई भी जीवित नहीं है, और दूर के रिश्ते दर भी सु चो से बहुत दूर, अलग-अलग प्रां तों में रहते हैं । और अगर कभी कोई मे री छोटी मालकिन को ले जने केलिए आ भी जाए, तो भी यह पक्का है कि बू ढ़ी तई ताई उसे जने नहीं दें गी।" "और अगर बू ढ़ी तई ताई उसे जने दे ना भी चाहें, तो मैं बिल्कुल नहीं दूं गा!" उन्होंने जोश से कहा। "अरे! कौन जानता है कि दो-तीन साल बाद भी आप यही सोचें गे? क्योंकि अब आप बड़ी हो गई हैं, और आपकी सगाई भी हो चु की है ।" "सगाई? मु झे तो पता ही नहीं था!" "ओह, सु न है कि बू ढ़ी पूर्वज ने तु म्हारे लिए मिस प्रेशियस हार्प को चु न है । भला वह इस यु वती को इतन पसं द क्यों करें गी?" "हा! हा! तो अब भी मु झे मूर्ख समझते हो? लेकिन मु झेलगता है कि मैं तु म्हारे जितना मूर्ख नहीं हूँ । मु झे पता है कि चचे री बहन प्रेशियस हार्प की सगाई बहुत पहले ही ह्वन लिन अकादमी के छात्र मे ई के बे टे मे ई से हो चु की है । तो इससे तु म मु झे बे वकू फ नहीं बना सकते! क्या तु म्हें मे री उस प्रतिज्ञा का पता नहीं जो मैं ने तु म्हारी छोटी मालकिन से की है? नहीं! नहीं! मैं अभी-अभी अपने पिछले डर से उबर पाया हूँ और तु म मु झे फिर से धोख दे ने की कोशिश कर रहे हो? काश मैं अभी-अभी अपना दिल निकालकर तु म्हें और तु म्हारी मालकिन को दिखा पाता ताकि तु म दोनों को यकीन हो जए कि मैं कितनी ईमानदारी से यह कर रहा हूँ । तब मैं खु शी से मर जाऊँ गा

और जब मैं मर जऊँ तो मुझे राख में बदल दिया जाए और हवा मुझे चारों दिशाओं में उड़ा ले जाए। यही मेरी इच्छा है!" उसने ये सब बढ़ते हुए गुस्से में कहा; वह दाँत पीस रहा था; उसकी आँखों में आँसू भरे थे। "इतना उत्साहित मत हो! मैं तो बस तुम्हारी थोड़ी परीक्षा लेना चाहता था, मुझे अपनी छोटी मालकिन की चिंता थी। सच है, घर छोड़ने के बाद से मैं हमेशा उसका नहीं रहा, लेकिन वह हमेशा मेरे प्रति बहुत अच्छी रही है। यही बत है 334"

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.03% है ।

"मैं उससे इतना प्यार क्यों करता हूँ, और उससे बिछड़ने के ख्याल से ही मु झे डर लगता है," कु कू ने एक हाथ से अपना मुँ ह बंद करते हुए और दूसरे हाथ से उसकी आँ खों से आँ सू पोंछते हुए कहा। "अरे, तु म तो बिल्कुल नादान हो! तु म बेवजह दुखी हो रही हो," उसने अब खु द हंसते हुए उसे शांत करने की कोशिश करते हुए कहा। "मैं तु म्हें एक बात बताना चाहता हूँ: जीवन और मृ त्यु में, हम तीनों साथ रहें गे" कु कू सोच में डूबी चु प रही। एक नौकरानी ने आकर बताया कि चिया हुआन और उसका भतीजा चिया लै न बाहर हैं और छोटे मालिक का हालचाल पू छना चाहते हैं ।"अरे, उन्हें मेरे बारे में परेशान न करने दो, मैं अब सोना चाहती हूँ । उन्हें वापस भेज दो" पाओ यू ने बु दबुदाते हुए कहा। "मु झे ही भेज दो। अब समय आ गया है कि मैं अपनी छोटी मालकिन की देखभाल करूँ," कु कू ने बीच में टोकते हुए कहा। "तु म सही कह रही हो, मैं भी कल शाम यही सोच रही थी, क्योंकि अब मैं बिल्कुल ठीक हूँ ।" तो जाओ!" कु कू ने तु रंत अपने बिस्तर के कपड़े और अन्य सामान पैक करना शु रु कर दिया। “तु म्हारे पास तीन हाथ के शीशे हैं,” उसने कहा। “क्या तु म मु झे वह एक शीशा स्मृति चिन्ह के रूप में दे दोगी? मैं सोने जाते समय इसे हमेशा अपने तकिये के पास रखूं गी और बाहर जाते समय इसे अपने साथ ले जाऊं गी।” कु कू ने उसकी इच्छा के अनु सार किया; फिर उसने उससे और बेमिया आंगन के सभी अन्य निवासियों से विदा ली और बांस के आश्रम में लौट गई। जब से ब्लैक जेड को पता था कि पाओ यू बीमार है, वह उसके साथ दुखी थी, और कु कू की अनु पस्थिति में उसने कई बार चु पके से आंसू बहाए थे । अब, जब उसने कु कू को वापस आते देखा और पाओ यू के ठीक होने की खबर सु नी, तो वह खु द अचानक बहुत बेहतर और खु श महसू स करने लगी। “वह सच में गंभीर है,” कु कू ने उस रात बिस्तर पर जाते समय अपनी मालकिन से मु स्कुराते हुए कहा। “उसकी अचानक तबीयत खराब होने का कारण केवल यही था कि मैंने हमारे जाने और विदाई के बारे में कु छ शब्द कह दिए थे ।” ब्लैक जेड ने उसकी बात अनसु नी करने का नाटक किया। काफी देर रुकने के बाद कु कू ने मानो खु द से बात करते हुए कहा, “जब यहां इतनी सु रक्षा और देखभाल है तो बेचैन क्यों होना और बदलाव क्यों चाहना?” सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि तु म दोनों बचपन से एक दूसरे को जानते और समझते हो। बाकी सब समय आने पर ठीक हो

जाएगा।” “क्या तु म अखिरकार सोने नहीं जओगे? क्या तु मपिछले कु छदिनों से इतने कम थके हो कि तु म्हें अ्ासास में चींटियों के अं डे कु तरने पड़ रहे हैं?” लैक जे ड ने उसकी एकालाप को रोकते हुए पू छा: लेकिन कु कू ने मानकरने से इनकार कर दिया और आगे कहा: “ओह, यह सिर्फ़ बे कार की बातें नहीं हैं, जो मैं तु मसे कहना चाहती हूँ वह सीधे मेरे दिल से है। मेरा विश्वास करो, मैं ने इन सभी वर्षों में तु म्हारे अकेलेपन और उदासी को महसू सकिया है। काश मु ख्य335

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.34% है ।

आपकी जिंदगी का अहम मोड़ बहुत जल्द आने वला है, जब तक बू ढ़ी तई ताई ज़िंदा हैं! जब तक बू ढ़ी तई ताई का दबदबा कायम है, आपको डरने की कोई ज़रूरत नहीं लेकिन उनके मरने के बाद कौन जाने? ये रईस नौजवन जै से हैं वै से ही हैं। आज पू रब की ओर दे खते हैं, कल पश्चिम की ओर; उन्हें कम से कम तीन मु ख्य कमरे और पाँच सहायक कमरे' में रहन सबसे अच्छा लगता है । आज वे स्वर्ग की परी जै सी सु ंदर पत्नी घर लाते हैं, तीन-पाँ च रातों के बद वे उससे ऊब जाते हैं और दूसरी पत्नी की तलाश शु रु कर दे ते हैं, और फिर या तो वे पहली पत्नी से नफरत करने लगते हैं या फिर उसके बरे में सोचना भी अपने दिमाग के सबसे दूर कोने में मिटा दे ते हैं । ऐसे में एक नुकसान के लिए प्रभावशाली रिश्ते दारों का साथ होना अच्छा होता है । इसलिए मु झे लगता है कि आपके लिए अच्छा होगा कि आपका मु ख्य ममला तब तक सुलझ जाए जब तक बू ढ़ी तई ताई का दबदबा कायम है । तु म चतु र हो, तु म मे री बात समझ जाओगी जब मैं तु म्हें सलाह दे ती हूँ कि अभी अपना मन बना लो और अपने फै सले पर अडिग रहो, इस कहावत को याद रखते हुए, "एक दिल जीतने से कहीं ज्यादा आसान है दस हजर सोने के सिक्के ।" "लगता है तु म्हारा दिमाग खराब हो गया है," ब्लै क जे ड ने अपनी बात बीच में ही रोकते हुए कहा। "कोई इं सन इतनी जल्दी, कु छ ही दिनों में कै से बदल सकता है? तु म बिल्कुल असहनीय हो गई हो। लेकिन बस थोड़ा इं तजर करो! मैं कल बू ढ़ी तई ताई से कहूँ गी कि वह तु म्हें यहाँ से ले जए।" "क्यों? मे रा तो बस यही इरादा था कि तु म्हारा भला हो। मैं तो बस यही चहती हूँ कि जब तक समय है, तु म अपन ख्याल रखो।" "इसमें कोई बुराई तो नहीं है न?" कु कू ने हं सते हुए आत्मविश्वास से कहा और थोड़ी दे र बद सो गई। लेकिन ब्लै क जे ड काफी दे र तक जगती रही। उसके दिल में जो भवना थी, वह उसके रूखे लहजे से बिल्कुल अलग थी। वह अपनी अच्छी दासी की समझदारी भरी बातों से बहुत प्रभवित हुई थी और मन ही मन उससे सहमत थी। वह पू री रात जागती रही, बे चै नी से करवटें बदलती रही और तकिये में चु पचाप रोती रही; सु बह होते ही उसे थोड़ी नींद आई। अगली सु बह वह इतनी थकी हुई और नींद की कमी से परे शान थी कि उसे नहाने, कु ल्ला करने और अपनी चिड़िया के घोंसले की मलाई खाने में भी बहुत मे हनत करनी पड़ी। उस दिन आं टी ह्सु एह का जन्मदिन था। ब्लै क जे ड उन्हें

बधाई देने गई और साथ ही अपनी कढ़ाई का एक टुकड़ा भी ले गई फिर वह सीधे अपने बांस के आश्रम में लौट आई। वह हमेशा की तरह होने वाले भोज और नाट्य प्रदर्शन में शामिल नहीं हो सकी। पाओ यू भी जन्मदिन के मेहमानों में नहीं था। पुरुष अतिथियों के लिए आयोजित भोज, जो तीन या चार दिनों से अधिक समय तक चला, अनुपस्थित ह्सु एह पैन के स्थान पर भतीजे ह्सु एह कुओ ने समारोह का संचलन किया। 336

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.21% है।

बहुत समय से आंटी ह्सु एह की नज़र राजकुमरी शीह की गरीब भतीजी, व्रीथ ऑफ़ क्लाउड्स पर थी। सच है, वह युवती निर्धन थी, उन लोगों में से एक जिनके पास "बालों में बंधने के लिए कांटा ही होता है," जैसा कि कहावत है। दूसरी ओर, वह सुंदर रूपरंग वाली, शांत और सौम्य स्वभाव की थी; वास्तव में, उसमें एक आदर्श पत्नी बनने के सारे गुण थे। दरअसल, आंटी ह्सु एह अपने बेटे ह्सु एह पैन के लिए उसके बारे में सोच रही थीं, लेकिन फिर उन्होंने मन ही मन सोचा कि वह युवती उस बदमाश और फिजूलखर्च के लिए बहुत अच्छी है और उससे शादी करके वह केवल दुख ही भोगेगी; इसलिए उन्होंने अपनी योजना बदल दी और अपने प्यारे भतीजे ह्सु एह कुओ के लिए व्रीथ ऑफ़ क्लाउड्स को जीतने का फैसला किया। उन्होंने सबसे पहले फीनिक्स को अपनी योजना के बारे में बताया, और फीनिक्स ने बदले में यह बात पूर्वज को बता दी। पूर्वज ने सहर्ष सहमति दी और स्वयं भी संरक्षक और मध्यस्थ की भूमिका निभाने के लिए उत्सुकता दिखाई, जो पहाड़ों को एक साथ लाती है। उन्होंने तुरंत राजकुमरी शीह को बुलवाया और इस परियोजना के लिए उनकी सहमति मांगी। राजकुमरी ने मन ही मन सोचा कि उनकी गरीब भतीजी का ह्सु एह कुओ के धनी परिवार से विवाह लाभकारी ही होगा, और चूंकि वर सुंदर और सुसंस्कृत युवक है, इसलिए उन्होंने बिना अधिक विचार-विमर्श किए सहमति दे दी। अब पूर्वज ने विवाह सम्मेलन में तीसरे पक्ष के रूप में आंटी ह्सु एह को बुलवाया। शिष्टाचार के लिए, राजकुमरी शीह और आंटी ह्सु एह के बीच पक्ष विपक्ष पर काफी लंबी चर्चा हुई, जिसमें स्पष्ट प्रतिरोध और अस्वीकृति, और इस संदेह और उस आपत्ति को उठाया गया, अंततः पूर्वज के जोरदार आग्रह के कारण समझौता हो गया। अब दुल्हन के माता-पिता को सूचित किया गया और उन्हें उपस्थित होने के लिए कहा गया। कुछ समय पहले वे अपने कारण युंगकुओ महल में शरण लिए हुए थे। गरीबी। क्या वे ह्सु एह के संपन्न परिवार के साथ इस लाभकारी विवाह से बेहतर कुछ और चाह सकते थे? वे अपनी सहमति देने के लिए सहर्ष तैयार थे। पूर्वज अपनी उपलब्धि से बहुत प्रसन्न थीं। "एक और काम सफलतापूर्वक संपन्न हो गया! मैंने जीवन भर इस तरह के सौदे करने का आनंद लिया है, और अब मेरे विवाह दलाल के कमीशन का क्या?" उन्होंने मजाक में चाची ह्सु एह से कहा। "स्वाभाविक रूप से, कमीशन तो

आपने कम ही लिया है। मुझे विश्वास है कि दस हजार चांदी के सिक्के पर्याप्त होंगे," चाची ह्सु एह ने मफ़्फ़ को आगे बढ़ाते हुए कहा। "लेकिन अगर बुढ़िया, जिन्होंने विवाह का सौदा करवाया है, हमें शादी की दावत देने का सम्मान भी दें तो कैसा रहेगा?" "नहीं, धन्यवाद; “मैं ऐसा नहीं करना चाहूँगी,” पूर्वज ने हंसते हुए उत्तर दिया। “इस बार मेरे अलावा दूसरे हाथ-पैर चलें!” इसके बाद उन्होंने राजकुमारी चेन को बुलवाया और उन्हें एक भव्य विवाह भोज के लिए सभी आवश्यक तैयारियाँ करने का निर्देश दिया, जो न तो बहुत किफायती हो और न ही बहुत भव्य, और उन्हें सभी खर्चों का एक सटीक और विस्तृत हिसाब देने को कहा। 337

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.02% है ।

यु ंगकु ओ महल में रहने के दौरान, बादलों की माला सबसे ज़्यदा कीमती क्लै स्प से जु ड़ी रही और उसे उसमें एक बहन जै सी हमदर्द दोस्त मिली। सच है, वह अपनी चचे री बहन वसं त की अभिवादन के सथ रहती थी, लेकिन वसं त की अभिवादन भी अपनी सौतेली माँ, राजकु मरी शीह की तरह ही अपनी गरीब रिश्ते दार की परवाह नहीं करती थी। उसे यह बत अच्छी तरह से महसू स कराई जाती थी कि वह गरीब है और आनं ददायक दृष्टि के पर्क की अन्य यु वतियों की तरह सम्मानित राजसी वर्ग से सं बंधित नहीं है, और उसके पस पर्याप्त सं सधन नहीं थे और अक्सर उसे सबसे ज़रूरी चीज़ें भी नहीं मिलती थीं। उसमें अपनी चचे री बहन या अपनी घमं डी चची, राजकु मरी शीह से भीख मां गने का साहस नहीं था, और ऐसे मुश्किल समय में वह हमे शा अपनी शर्मिंदगी में कीमती क्लै स्प के पस ही जाती थी और वह चु पके से उसकी मदद करती थी। एक दिन पार्क में सं योग से कीमती क्लै स्प की मुलाकात बादलों की माला से हुई। वे दोनों एक ही दिशा में ज रही थीं - ब्लै क जे ड से मिलने । एक सं करे रास्ते पर आकर, प्रेशियस क्लै स्प ने एक कदम आगे बढ़ा और इस तरह उसने दे ख कि उसने कितने पतले कपड़े पहने हैं। "इस ठं डी शु रुआती बसं त ऋतु में तुम गर्म कपड़े क्यों नहीं पहनती?" उसने पू छा। ब्रीथ ऑफ क्लाउड्स शर्मिंदा होकर सिर झुका लिया और कोई जवाब नहीं दिया। "लगता है तु म्हारी जे ब खर्च फिर से कम हो गई है?" उसने मु स्कुराते हुए पू छा। "हाँ, मु झे पता है, चचे री बहन फीनिक्स आजकल पै से बचाने औरहिसाब-किताब करने लगी है ।" ब्रीथ ऑफ क्लाउड्स ने सहमति में सिर हिलाया। "मु झे अपनी मामूली दो ताएल मासिक आय का आधा हिस्सा आं टी शीह की इच्छा पर अपने मता-पिता को दे न पड़ता है । फिर नौकरानियों और वे ट्रे स को छोटे-मोटे उपहार भी दे ने पड़ते हैं ताकि वे मे री सेवा करने की कृ पा करें और मु झे पू री तरह से नजरअं दाज न करें । तो फिर चीजें खरीदने के लिए क्या बचता है?" उसने शिकायत की। "हाँ, मे री जे ब खर्च महीने की शु रुआत में ही खत्म हो जाती है । और सच तो यह है कि मैं ने अपने कु छ गर्म कपड़े चु पके से गिरवी रख दिए हैं ।" "मैं ने भी यही सोचा था। ठीक है, मैं माँ से बात कर ले ती हूँ । और इस बीच, क्या तु म जल्दी से जल्दी मु झे अपना गिरवी टिकट भे ज दोगी? मैं उसे चु पके से छु ड़ा लूँ गी और आज शाम तक तु म्हें तु म्हारे गर्म कपड़े वपस मिल जाएँ गे । इतने हल्के कपड़े पहनकर

घू मने से तु म्हेंदोस्त मिल सकती है । वैसे तुम्हारी गिरवी की दुकान कहाँ है?" "यह ड्रम टॉवर के पश्चिम में मु ख्य सड़क पर है और इसका नाम हॉल ऑफ एंड्यूरिंग वेल-बीइं ग य कु छ ऐस ही है ।" "ओह, सच में? तो कम से कम पै से परिवार में ही रहें गे । गिरवी की दुकान के कर्मचारी सोचें गे कि अगर उनके मलिक खु द उनसे मिलने नहीं आते, तो कम से कम वे उन्हें अपने कपड़े दे कर सम्मान तो दे रहे हैं ।" बादलों का हार शर्म से लाल हो गया। तो वह एक गिरवी की दुकान पर गई थी, जो कि ह्सु एह परिवार द्वारा सं चलित थी! 338

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.02% है ।

जब प्रेशियस क्लै स्प बं स के आश्रम में पहुँची, तो उसने अपनी माँ, आं टी ह्सु एह को ब्लै क जे ड के साथ पाया। "किस्मत के कितने अद्भुत नियम हैं! आं टी ह्सु एह ने अभी-अभी मु झे अपने भतीजे की सगाई व्रीथ ऑफ क्लाउड्स से होने की खबर दी है। किसने सोच था कि यह सब इतनी जल्दी हो जाएगा?" ब्लै क जे ड ने प्रेशियस क्लै स्प से कहा। "हाँ, मे री बच्ची, अगर चाँ द में बैठा बूढ़ा आदमी चाहे, तो दो लोग एक-दूसरे को प ले ते हैं, चाहे वे हजारों मील दूर ही क्यों न हों," आं टी ह्सु एह ने मु स्कुराते हुए कहा। "चाँ द में बैठा बूढ़ा आदमी चु पके से अपने नौजवानों को ढूं ढत है और उन्हें जादुई लाल डोरी से बं ध दे ता है, जिसे वह उनके पै रों से पे टत है । जब ऐस होता है, तो चाहे दे श, समुद्र और साल उनके बीच आ जएं, लेकिन उसके चु ने हुए नौजवानों को अं त में पति-पत्नी बनना ही होता है । यह सब मनवीय इच्छा से नहीं होत। और दूसरी ओर, दो इं सन चाहे कितने भी करीब रहें, और माता-पिता और रिश्ते दारों द्वारा उनका एक-दूसरे केलिए रिश्ता तय किया गया हो, लेकिन अगर चाँ द में बैठा बूढ़ा आदमी अपनी लाल डोरी नहीं बां धत, तो चाहे कु छ भी हो जाए, वे एक-दूसरे को नहीं प सकते । कौन जनता है कि एक दिन यह तु म्हारे सथ कितनी जल्दी हो जाए, चाहे तु म्हारे होने वाले पति दक्षिणी पहाड़ों में हों य उत्तरी समुद्र के किनारे?" "फिर भी, थोड़ी सी माँ की मदद से शयद हमें कोई नु कसान नहीं होगा," प्रेशियस क्लै स्प ने अपनी माँ की छाती से लिपटते हुए हँ सते हुए कहा। "सोचो - उसके जै सी बड़ी बच्ची को इस तरह दुलार मिले! वह कितनी भाग्यशाली है!" ब्लै क जे ड ने उदास मु स्कान के सथ आह भरी। अगर उसे माँ की गोद में दुलार करने का मौका मिले तो वहकितनी खु श होगी, उसने सोच। और उसकी आँ खों में आँ सू भर आए। "रो मत, प्यारी बच्ची!" आं टी ह्सु एह ने दया से भरकर उसके चे हरे पर पं खा वाले कपड़े से आँसू झाड़ते हुए कहा। "मैं समझ सकती हूँ कि माँ और बे टी के बीच के इस प्यार भरे स्पर्श को दे खकर तु म्हें कितना दुख होता है ।लेकिन यकीन मानो, मु झे तु मसे उतना ही प्यार है जितना अपनी बे टी से, पर मैं अपने दिल की बात खुलकर नहीं कह सकती, घर में बहुत सेलोग बु री बतें करते हैं । कोई नहीं समझे ग कि कोई सिर्फ इं सनियत के नते एक बे सहारा बच्चे को गोदले सकत है - नहीं, इसे तो बुढ़िया को खु श करने की कोशिश समझा जाएगा; क्योंकि बुढ़िया को भी तु म बहुत प्यरी हो।"

"ओह, अगर यही बात है, आंटी, तो क्या मैं आपको माँ नहीं मन सकती?" ब्लैक जेड ने पूछा। "क्यों नहीं? अगर तुम मुझे बुढ़ा नहीं कहोगी, तो मैं तुम्हें खुशी-खुशी गोद ले लूँगी," आंटी ह्सुएह ने प्यार से जवब दिया। "नहीं, ऐसा नहीं चलेगा," प्रेशियस क्लैस्प ने शरारती मुस्कान के साथ बीच में कहा। "ऐसा क्यों नहीं चलेगा?" ब्लैक जेड ने आश्चर्यचकित होकर पूछा। "ठीक है, ज़ाहिर है, मेरे भाई ह्सुएह पैन की वजह से। आखिरकार, उसकी अभी तक शादी नहीं हुई है। आपको क्या लगता है कि क्लाउड्स की कज़िन ब्रीथ की सगाई कज़िन ह्सुएह कुओ से क्यों हुई है, उससे क्यों नहीं?" 339

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 8.84% है ।

“क्यों? शायद इसलिए कि वह दूर हैं य इसलिए कि उनकी कुं डली 'बादलों की माला' से मेल नहीं खाती,” ब्लै क जे ड ने सोच पन से जवाब दिया। “नहीं, नहीं, यह कारण नहीं है । ह्सु एह पै न की दुल्हन पहले ही चु नली गई है, और जै से ही वह अपनी यात्रा से लौटें गे, उसका नाम घोषित कर दिया जाएगा। अब क्या तु म अनु मान लगा सकती हो कि माँ तु म्हें बे टी के रूप में क्यों नहीं अपना सकतीं? ज़रा सोचो!” प्रेशियस क्लै स्प ने यह कहते हुए अपनी माँ को खु शी से आँ ख मारी, लेकिन ब्लै क जे ड, जो अब समझ चु की थी, ने उसकी बत को गं भीरत से लिया। भयभीत होकर, उसने अपना चे हरा आं टी ह्सु एह की छाती पर छिपा लिया और अनमने ढं ग से बु दबु दाई, “मैं नहीं मैं नहीं!” “उसे तु म्हें डराने मत दो वह तु म्हें धोखा दे रही है” आं टी ह्सु एह ने उसे प्यार से गले लगाते हुए दिलासा दिया। "सच में, आप यकीन कर सकती हैं! माँ कल उस बू ढ़ी तई ताई से बत करने वाली हैं और तु म्हारा हाथ माँ गने वाली हैं । जब सही दुल्हन यहीं है तो वह कहीं और क्यों समय बर्बाद करें गी?" प्रेशियस क्लै स्प ने मज़ाक करते हुए कहा। "अरे, तु म पगल हो!" ब्लै क जे ड ने हं सते हुए कहा और प्रेशियस क्लै स्प पर उं गलियां फै लाकर ऐसे झपटी जै से उसे नोचने वाली हो। आं टी ह्सु एह ने दोनों युवतियों को अलग करते हुए अपनी बे टी से कहा, "बस करो ये सब बकवस! जब मैं तो तु म्हारे बदमश भाई के लिए 'ब्रीथ ऑफ क्लाउड्स' को भी बहुत अच्छा समझती हूँ, तो भला मैं इस नज़ु क और सं वे दनशील बच्ची को उसके चं गु ल में कै से सौंप सकती हूँ? बिलकुल नहीं! बुढ़िया ताई ताई ने अभी हाल ही में कहा है कि वो अपने पोते पाओ यू का विवाह तु म्हारी चचे री बहन ब्लै क जे ड से करवाना चाहती हैं । और यही सबसे अच्छा है; क्योंकि पाओ यू में इतनी विचित्रताएँ हैं कि उसे ऐसी पत्नी चहिए जो उसे अच्छी तरह जनती और समझती हो, और यकीनन के वल चचे री बहन ब्लै क जे ड ही ऐसा कर सकती है । बुढ़िया ताई किसी भी कीमत पर उसे किसी अनजान लड़की से विवाह नहीं करवाएं गी।" ब्लै क जे ड बढ़ती हुई बे चै नी के साथ सु न रही थी और साथ ही अपनी चचे री बहन को चिढ़ा रही थी। अब उसका चे हरा बालों की जड़ों तक लाल हो गया। "उफ़! अपनी माँ को ऐसी बतें करने के लिए उकसाने के लिए तु म्हें अच्छी खासी मार पड़नी चाहिए!" उसने प्रइज़ियस क्लै स्प से मज़ाक में कहा, मानो नाराज़गी जता रही हो। "ओह, अगर

यही मै डम की राय है, तो क्या वो एक कदम और आगे बढ़कर खु द उस बू ढ़ी ताई से मे री छोटी मालकिन के लिए सिफारिश नहीं करें गी?" कोयल ने उत्सु कता से बीच में टोकते हुए आं टी सु एह की ओर मु ड़ते हुए कहा। "इस लड़की की बात सु नो। ये अपनी यु वती को अपने कार्य कक्ष से निकलते दे खने के लिए बे तब है! शायद ये खु द शादी करना चाहती है, है न?" आं टी सु एह ने टिप्पणी की। कोयल शरमाकर मुँ ह फे र लिया। "कृ प करके उन ममलों में दखल मत दो जिनका तु मसे कोई ले न-दे न नहीं है, तु म बदतमीज़ छोटी बच्ची" ब्लै क जे ड ने बनावटी सख्ती से उसके पीछे से आवाज़ लगाई। ले किन तु रं त ही उसे खु द ज़ोर से हँ सना पड़ा। "अ-मी-तो-फो, हे भगवन, क्या मनहूस प्राणी है, चाई त्ज़ू..." 340

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल8.90% है ।

वह बोलने ही वली थी कि चाय से आगे नहीं बढ़ पाई; उसकी हल्की सी आवाज़ एक ज़ोरदार छींक में बदल गई, जिससे वहाँ मौजू द सभी लोग हं सने लगे । वह अपन वाक्य पू रा करने ही वली थी कि तभी लिटिल क्लाउड एक कागज़ का टुकड़ा हाथ में लहराते हुए अं दर आ गई। "क्या तु म मु झे बता सकती हो कि इस अजीब से दस्तवे ज़ का क्या मतलब है?" उसने पू छा। "यह किसी बिल जै स लग रहा है ।" ब्लै क जे ड ने सबसे पहले कागज़ को दे ख। वह भी उसे समझ नहीं पाई, और फिर प्रेशियस क्लै स्प ने उस पर नज़र डाली। उसे यह दे खकर बहुत डर लगा कि उसने ब्रीथ ऑफ क्लाउड्स का गिरवी रखा हुआ टिकट पहचान लिया, जिसके बरे में वह पहले से जानती थी। उसने जल्दी से लिटिल क्लाउड से वह टिकट छीन लिया और उसे छिपाने की कोशिश की। आं टी ह्सु एह ने भी उस पर एक नज़र डाल ली थी। "यह गिरवी रखा हुआ टिकट है," उसने लिटिल क्लाउड को समझाया। "यह किसी नौकरानी का होगा। तु म्हें यह कहाँ मिला? मालिक को इसकी कमी खले गी।" "गिरवी रखा हुआ टिकट? यह क्या हो सकता है?" लिटिल क्लाउड ने भोले पन से पू छा। "कितनी भोली है ये इसे तो अभी तक पत ही नहीं कि गिरवी टिकट क्या होता है!" आस-पास खड़ी औरतें और नौकरानियाँ हँ सते हुए बोलीं। "इसमें मज़ाक की क्या बात है?" आं टी ह्सु एह ने डाँटते हुए कहा "ये अज्ञनता तो इसकी शान है । इससे पता चलता है कि ये सचमु च एक भोली-भाली लड़की है, एक ऐसी मासू म बच्ची जिसे इस दुनिया के बरे में अभी कु छ भी नहीं पता मु झे यकीन है कि यहाँ मौजू द बाकी लड़कियाँ भी इसी तरह की भोली हैं ।" "बिल्कुल, बिल्कुल," नौकरानियों ने एक स्वर में कहा "आखिरकार, मिस ब्लै क जे ड को भी नहीं पता था, तो बाकी लड़कियाँ तो ज़रूर नहीं जनती होंगी। सच तो ये है कि हमें पूरा यकीन है कि हमारे छोटे मालिक ने भी, हालाँकि वो घर से बहर इतनी बार जा चु के हैं, कभी गिरवी टिकट नहीं दे ख होगा।" फिर आं टी ह्सु एह ने तीनों लड़कियों को सं क्षे प में गिरवी टिकट का मतलब और प्रकृति समझाई। "अरे बप रे, लोग पै से पाने के लिए कै से-कै से अजीबोगरीब तरीके अपनाते हैं" ब्लै क जे ड और लिटिल क्लाउड आश्चर्यचकित होकर चिल्लाईं, और उनकी इस टिप्पणी से नौकरानियों और वेटिंग मे ड्स के बीच हं सी और "लिटिल नू डल्स" की आवाज़ें गूं ज उठीं। "आखिर टिकट तु म्हें कहां से मिला?" आं टी

ह्सु एह जनना चाहती थीं। लिटिल क्लाउड जवाब देने के लिए मुंह ही खोल रही थी कि प्रेशियस क्लैस्प ने उसे रोक दिया: "खैर, टिकट तो बहुत पहले ही एक्सपयर हो चुका है और अमन्य है। लोटस ने इसे बस मजे के लिए रखा था।" ज़ाहिर है, उसका मकसद सच्चाई को सामने आने से रोकना और कज़िन व्रीथ ऑफ़ क्लाउड्स को शर्मिंदगी से बचना था। आंटी ह्सु एह संतुष्ट हो गईं और उन्होंने आगे कोई सवाल नहीं पूछा; लेकिन बाद में, जब वे दोनों अकेली थीं, तो प्रेशियस क्लैस्प ने लिटिल क्लाउड से फिर से पूछताछ शुरू कर दी। लिटिल क्लाउड ने कबूल किया कि उसने अभी-अभी व्रीथ ऑफ़ क्लाउड्स की नौकरानी को चुपके से टिकट प्रेशियस क्लैस्प की नौकरानी ओरिओल को देते हुए देखा था, और उसने 341

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.00% है ।

ओरिओल उसे एककिताब में रख रही थी। स्वभव से जिज्ञासु होने के कारण, उसने चु पके से टिकट निकाल लिया था और क्योंकि उसे इसका अर्थ समझ नहीं आया था, इसलिए वह इसे समझाने केलिए अं दरले आई थी। "तो बादलों की माला ने चीजेंगिरवी रखी हैं? लेकिन उसने अपना टिकट आपकी नौकरानी को क्यों भे ज?" छोटी बादल ने पू छा यह महसू स करते हुए कि वह अब मामले की सच्चाई को छिपा नहीं सकती, कीमती क्लै स्प ने दोनों चचे री बहनों को पू री कहानी बता दी। दोनों को बादलों की माला के लिए दुख हुआ और इस बात पर गु स्स आया कि उसकी अमीर चाची राजकु मरी और उसकी चचे री बहन वसं त की अभिवादन ने उसके साथ इतना बु रा बर्ताव किया। "दे खो, अगर मैं चचे री बहन वसं त की अभिवादन और उसके बदतमीज नौकरों को सबक न सिखाऊं," छोटी बादल ने गु स्से से कहा, वह तु रं त अपनी मं शा को अं जम दे न चाहती थी, लेकिन दूसरों ने उसे इस तरह की जल्दबाजी करने से रोक दिया, जिससे के वल उसे ही परे शनी होती। वे सभी व्यर्थ के उपदे श दे ने से बचने और इसके बजाय बादलों की माला के प्रति अधिक दयालु होने पर सहमत हुए और उसे उसकी चचे री बहन वसं त की अभिवादन की अप्रिय सं गति से दूर करने का बहाना खोजने केलिए उसे जं गल के आं गन में कीमती आलिंगन, छोटे बदल और कमल के सथ रहने केलिए ले जने का निर्णय लिया। अध्याय 32 चिया लियन ने गु प्त रूप से दूसरी मिस यू सेविवाह किया। तीसरी मिस यू शीत शू रवीर सेविवाह करने की इच्छा रखती है । राजकु मर हर्मिट, चिहिया चिंग, की मृ त्यु हो गई थी। सं योग से, उनकी मृ त्यु की खबर यु ं गकु ओ और निंगकु ओ महलों में ठीक पओ यू के जन्मदिन पर पहुँ ची। सं योग से ठीक उसी समय राजकु मरी पूर्वज, बु जु्र्ग महिलाएं और दोनों महलों के सभी वरिष्ठ पु रुष, जिनमें राजकु मर चे न और उनके पु त्र चिया यु ं ग भी शमिल थे, हाल ही में दिवं गत शही पत्नी के अंतिम सं स्कार जुलू स में भाग ले ने के लिए शाही कब्रिस्तान गए हुए थे । राजकु मरी चे न को जन्मदिन की दावत तु रं त छोड़कर अपने गहने और उत्सव के वस्त्र उतरकर, एक साधारण सफे द शोक वस्त्र पहनकर शहर के सामने पहाड़ों में स्थित अपने मृ त ससु र के आश्रम की ओर जाना पड़ा, ताकि शव के दर्शन, अर्थी के लिए शव तै यर करने अदि जै सी प्रारंभिक औपचारिकताओं को पू रा कर सकें । क्योंकि वह घर पर परिवार की

एकमात्र प्रतिनिधि थीं। यह सच है कि उन्होंने अपने अनुपस्थित पति के पस विशेष दूत भेजे थे, लेकिन राजकुमर चेन को शही कब्रिस्तान से वपस आकर उनकी सहायता करने में कई सप्ताह लग जाते। इसलिए, उन्हें कुछ समय के लिए पास के लौह रेलिंग मंदिर में ही रहन पड़ा, जहाँ चिया वंश के पारिवारिक मकबरे स्थित थे और जहाँ उन्होंने शव को अस्थायी रूप से अर्थी पर रखा था;

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.38% है ।

और उसे वहाँ अकेले ही निर्धारित अंतिम सं स्कार करना पड़ा, जब तक कि उसका पति आकर उसकी जगह न ले ले और अं त्येष्टि की अंतिम व्यवस्था न कर दे । उसने अपने साथ मु ख्य प्रबं धक लाई शें ग और उसकी पत्नी को सहायता के लिए बुलाया था। निंगकु ओ महल को पू री तरह से किसी सम्मानित वरिष्ठ व्यक्ति की दे खरे ख के बिना न छोड़ने के लिए, उसने अपनी सौतेली माँ को अपनी अनु पस्थिति में घर का प्रबं धन सं भालने के लिए बुलाया था। उसकी सौतेली माँ, ले डी यू अपने सथ दो अविवाहित बेटियों को लाई थी। वे दोनों सु ंदरता में समन थीं, लेकिन स्वभाव में बिल्कुल भिन्न थीं, जै स कि आगे बतया जाएगा। जब बाद में चिया वं श की वरिष्ठ महिलाएं और पु रुष सदस्य सम्राट द्वारा शाही समाधि स्थल पर आगे उपस्थित न होने की कृ पापूर्वक छूट दिए जाने के बद घर लौटे, और निंगकु ओ महल के विशाल हॉल में राजकु मर साधु की अर्थी के समक्ष विभिन्न अनु ष्ठान हुए, तो उन दो सु ंदर यू लड़कियों को दे खकर चिया लियन के मन में ऐसी तीव्र इच्छा जागृ त हुई कि उसके मु ँह में पानी आ गया। काफी समय से वह अपनी पहली पत्नी से ऊब चु का था, खासकर तब से जब फीनिक्स हाल ही में अक्सर बीमर रहने लगी और बिस्तर पर ही पड़ी रहती थी। चिया लियन को यु परिवार की दोनों लड़कियां समन रूप से आकर्षक लगती थीं, लेकिन चूंकि छोटी बहन ने उसे स्पष्ट रूप से यह बत दिया था कि वह उससे प्यर नहीं करती, इसलिए उसने अपन ध्यान बड़ी बहन पर केंद्रित कर लिया और यह दे खकर उसे सं तोष हुआ कि उसकी भावनाएं भी वै सी ही थीं। बे शक, शु रुआत में उनके सं बं ध जल्दबाजी में हुई मुलाकातों और चोरी-छिपे इशरों और शब्दों के आदान-प्रदान तक ही सीमित थे । क्योंकि आस-पड़ोस में हमे शा बहुत से लोग उन पर नजर रखते थे, जिससे वह अपनी इच्छाओं को पू रा करने में असमर्थ रहता था। इसलिए जब अं ततः घर में अंतिम सं स्कार की रस्में पू री हुईं और राजकु मर साधु के ताबू त को लौह रेलिंग मंदिर में स्थित पारिवारिक कब्रिस्तान में ले जया गया, तो उसने राहत की सां सली। जबकि अन्य रिश्ते दार उसी दिन शहर लौट सकते थे, अंतिम सं स्कार के रीति-रिवाजों के अनु सार मृ तक के करीबी रिश्ते दारों, अर्थात् राजकु मर और राजकु मरी चे न, उनके पु त्र चिया यु ंग और उनकी बहू को आगे की रस्मों को पूरा करने के लिए परिवार के मंदिर में पू रे सौ दिन और रहना पड़ा। महल के

कर्मचारियों का एक बड़ा हिस्सा भी उनके सथ वहीं रहा, जबकि निंगकु ओ महल में, ले डी यू ने अपनी दो बेटियों के सथ एक बार फिर घर का कामकाज सं भल लिया। चिया लियन ने मन ही मन कहा, "अब या कभी नहीं," और उसने इन सौदिनों के दौरान अपना लक्ष्य हासिल करने का सं कल्पलिया। स्वाभाविक रूप से, उसे अपनी प्रेमिका के पस जाने केलिए एक उपयुक्त बहाने की आवश्यकता थी, जिसे वह जनता था कि अर्ध-वीरान निंगकु ओ महल में समान्य से कम दे खा और निगरानी की जा रही थी। इसी कारण वह राजकु मर चे न और उनके परिवार के सथ एक या दो दिन बिताने केलिए अक्सर परिवार के मंदिर जाता था, और लगभग 343

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 69.17% है ।

राजकु मर का कोई न कोई आदे श य राजकु मरी की कोई न कोई घरेलू विनती हमे श आ जाती थी, जिससे उन्हें लौटकर पूर्वी महल में प्रवे श करने और अपनी प्रेमिका से मिलने-जुलने का बहाना मिल जाता था। एक दिन, जब वे फिर से लौह रेलिंग मंदिर में थे, राजकु मर के उप-प्रमु ख युलू अपने स्वामी से कु छ काम के सिलसिले में मिलने आए। उन्होंने बताया कि सफे द कफ़न और तबू त उठाने वलों के लिए हरे रं ग के वस्त्रों पर छह सौ औंस चां दी बकाया था, और दो कपड़ा व्यापारियों ने कल आकर शिकायत की थी और भु गतन की मां ग की थी। राजकु मर ने कहा, "ठीक है, घर के खजाने से ही पै से ले लीजिए। मु झे परे शान करने और यहाँ बे वजह आने की क्या ज़रूरत है?" यु लू ने कहा, "भत्ता प्रबं धक मु झे यह राशि नहीं दे सका। पिछले कु छ हफ्तों के शोक के भारी खर्चों के कारण नकदी खत्म हो गई है । उपलब्ध नकदी लौह रेलिंग मंदिर में अंतिम सौ दिनों के शोक के खर्चों को पू रा करने के लिए आरक्षित है । इसीलिए मैं आपसे सलाह ले ने आया हूँ ।" “अच्छा, दे खो तु म और कहाँ से पै से जुटा सकती हो; तु म इतनी समझदार और अनु भवी हो कि यह कर सकती हो,” राजकु मर ने कहा। “हम्म, अगर सिर्फ एक-दो सौ औंस की बात होती, तो मैं इस मुश्किल का हल निकाल ले ती, लेकिन सीधे छह सौ औंस...!” युलू ने हिचकिचाते हुए, बहुत शर्मिंदा होकर जवाब दिया। राजकु मर ने कु छ दे र सोचा, फिर अपने बे टे चिया यु ंग की ओर मु ड़कर कहा “अपनी माँ के पास जाओ और उनसे पू छो कि कियां ग नन के चे न परिवार से हाल ही में अं त्येष्टि उपहार के रूप में आए पाँ च सौ औंस का क्या हुआ। जहाँ तक मु झे पता है, वह पै स घर के खजने में नहीं गया है ।” चिया यु ंग राजकु मरी के पस गया और थोड़ी दे र बद यह सं दे श ले करलौटा कि पाँ च सौ औंस में से दो खर्च हो चु के हैं और शेष तीन सौ औंस माँ यु के पास सु रक्षित रखे हैं ।"बहुत खू ब। तो फिर तु म अपनी दादी के पस जाओ, उनसे तीन सौ रुपये मांगो और उन्हें युलू को दे दो ताकि वह अपने कपड़े के व्यापारी का बिल चु का दे । बकी का पै स वह खु द जु टा ले ग। साथ ही, घर पर भी एक नज़र डाल लो और दे खो कि सब कै स चल रहा है, कहीं कोई ऐसी बात तो नहीं है जिस पर चर्चा करनी हो; और अपनी दोनों चाचियों का हालचाल भी जान लो और उन्हें हमरा नमस्कार कह दो।" चिया यु ंग और युलू जने ही वले थे कि चिया लियन आ गया। "अच्छा, क्या ज़रूरी बात है?"

उसने पूछा; और जब राजकुमार ने उसे बताया, तो उसने मन ही मन सोचा, यही तो मेरा मौका है; मुझे इसे हाथ से जाने नहीं देना चाहिए। "प्यारे चचेरे भाई, इतनी छोटी सी बात के लिए बाहर से उधार क्यों लेना?" उसने ज़ोर से कहा। "मेरे पास 344 रुपये हैं"।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.03% है ।

घर में काफी बड़ी रकम पड़ी है । मैं इसे सीधे आपके हवले करत हूँ ।"बहुत बढ़िया! तो क्या आप मे रे बे टे को लिखित आदे श दे दें गे ताकि यह पै स उसे सौंपदिया जाए?" "हम्म, मैं यह काम खु द करना पसं द करूँ गा। वै से भी, मैं काफी समय से घर से दूर हूँ और मु झे किसी भी हालत में घरलौटने के बरे में सोचना ही होगा।" मैं दे खना चाहता हूँ कि दादी, माँ और मे री चचियाँ कै सी हैं और यह सुनिश्चित करना चाहता हूँ कि घर पर सब कु छ ठीक-ठाक है ।" और इस तरह चचा लियन और भतीजा यु ंग कु छ नौकरों के साथ राजधानी वापस जाने केलिए निकल पड़े । रस्ते में चाचा ने सं योगवश ही बतचीत को चचे री बहन यु नं बर दो के विषय पर मोड़ दिया। उनके पस उसकी अच्छाइयों, गु णों, सु ंदरता, अच्छे चरित्र और निर्दोष व्यवहार की प्रशं स करने केलिए शब्द कम पड़ रहे थे, और उनकी प्रशं स इतनी अतिरंजित थी कि भतीजे को जल्द ही समझ आ गय कि वह क्या कहना चाह रहे हैं ।" मे रे चाचा उस पर बहुत मोहित लगते हैं," चिया यु ंग ने मु स्कुराते हुए कहा। "कै स रहे ग अगर वह उसे अपनी 'सइड-चैं बर की महिला' बना लें और मैं बिचौलिए का काम करूँ?" "क्या तु म सच में ऐसा कह रहे हो, या मज़ाक कर रहे हो?" चिया लियन ने आश्चर्य का नाटक करते हुए पूछा। "मैं सच कह रहा हूँ, बिल्कुल।" "यह तो बहुत ही दोस्ताना है ।" आप।लेकिन कई दिक्कतें हैं । मे री पत्नी इस पर क्या कहे गी? और क्या आपकी दादी मान जाएं गी? इसके अलावा, मैं ने सुना है कि आपकी दूसरी चाची की सगाई हो चु की है "। "यह सच है ।लेकिन उनके मं गे तर के पिता, चां ग नम के एककिराये दार किसान, ने दस सल पहले एक मु कदमे में अपनी सारी सं पत्ति खो दी थी, इसलिए दोनों परिवारों के बीच सं बं ध टूट गए हैं । दादी और पिताजी काफी समय से नकद में थोड़ी सी क्षतिपूर्ति दे कर इस सगई को रद्द करवाने और मे री चाची के लिए एक और उपयुक्त पति खोजने की योजन बना रहे हैं । चांग परिवार गरीब है; वे कु छ चांदी केसिक्कों के लिए सगाई तोड़ने में बहुत खु श होंगे । और मु झे इसमें भी सं दे ह नहीं है कि दादी और पिताजी आप जै से प्रतिष्ठित दूल्हे को सहर्ष स्वीकार कर लें गे । बस एक ही बात समझ में नहीं आ रही हैकि फीनिक्स इस पर क्या कहे ग।" चिया लियन को भी इस बारे में कु छ नहीं पता था, और उसने बस एक बनावटी मु स्कान दी। "रुको!" कु छ दे र सोचने के बाद भतीजे ने कहा, "मे रे पास एक विचार है!

हमें निश्चित रूप से कुछ साहस की आवश्यकता होगी, और अगर काम सफल होना है तो आपको थोड़ा पैसा खर्च करने से भी पीछे नहीं हटना चाहिए।" "बताओ!" "मेरी योजना बस फीनिक्स को धोखा देना है। उसे आपके इरादे के बारे में कुछ भी पता नहीं चलना चाहिए। मैं 345 के साथ सारा काम निपटा लूंगा।"

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.14% है ।

मैं ने अपने पिता और दादी से पू री गोपनीयता बरती है । जै से ही वे सहमत हो जाएँ गे, मैं आपके लिए हमारे महल के ठीक पीछे एक छोटा सा घर खरीद लूँ गा। मैं उसे आपके लिए एक सुं दर और आरामदायक प्रे म-आशियाने की तरह सजऊँ ग और दो-तीन शां त और विनम्र नौकरानियाँ रखूँ गा। फिर एक शु भदिन मैं अपनी चची को वहाँ चु पके से, किसी आत्मा या मनु ष्य की नज़र में आए बिना, ले जऊँ ग और उन्हें आपके प्रे म-आशियाने में आपकी दूसरी पत्नी के रूप में स्थापित करूँ ग। तब आप भविष्य में बरी-बारी से फीनिक्स और अपनी नई पत्नी के सथ रहें गे । यदि फीनिक्स को समय के सथ इसका पता चल जाए और वह हं गमा करे, तो आप बस इतना कह दे न कि आपने ऐस इसलिए किया क्योंकि आपकी पहली पत्नी आपको पु त्र और उत्तराधिकारी दे ने में असफल रही थी, जो कि स्वाभाविक इच्छा थी। जब फीनिक्स को पता चल जाएगा और बर्तन में चवल पक चु के होंगे, तो वह निस्सं दे ह इसे सहन कर ले गी। और फिर, अं त में, तु म बू ढ़ी ताई ताई का आशीर्वाद मां गोगे "। अपने मोह में डूबे चिया लियन को यह योजना शानदार लगी। उसे यह ख्याल भी नहीं आया कि परं परा के अनु सार, इस शोक की अवधि में विवाह के बरे में सोचना उसके लिए उचित नहीं था। उसे अपने पिता, राजकु मर शीह की सख्ती और अपनी पत्नी, फीनिक्स की ईर्ष्या का तो जरा भी अं दाजा नहीं था। और न ही उसे यह समझ आया कि उसके चतु र भतीजे के मन में यह सुझाव दे ने के पीछे अपना स्वार्थ था। भतीजा भी अपनी सुं दर चाची के प्यार में पागल था, लेकिन माता-पिता के घर में वह उनसे खुलकर प्रे म निवे दन नहीं कर सकत था। महल के पीछे बने एकांत प्रे म-स्थल में, उसे ऐस करने का एक शानदार अवसर मिले ग। उसे बस अपने मौके का इं तजर करना होगा जब चाचा लियन वहां न हों, और यह अवसर उसे अक्सर मिलता रहे ग। लेकिन ये सरी बातें उस मोहित भतीजे के मन में नहीं आईं। "तु म सचमु च एक होशियार लड़के हो, प्यारे भतीजे" बाद वाले ने खु शी से झू मते हुए कहा, "धन्यवाद के तौर पर मैं आपको दो सुं दर दासियाँ उपहार में दे रहा हूँ ।" इसी बीच वे निंगकु ओ महल के मु ख्य द्वार पर पहुँ च गए और यहाँ उन्होंने एक-दूसरे से पू री गोपनीयता का वादा करके विदा ली। भतीजे ने इतनी समझदारी दिखाई कि उसने चचा को दादी यू के पास अकेले जने दिया ताकि बाद में जब चिया लियन चाची नं बर

दो से मिलें तो उन्हें मौका खाली मिल सके। इसी बीच वह स्वयं पश्चिमी महल में बूढ़ी यूज से मिलने चले गए। बड़े हॉल के समने चिया लियन ने अपने नौकरों को विदा किया, घोड़े से उतरे और अकेले ही बिना बताए महिलाओं के कमरे में चले गए। राजकुमर चेन, जो महल के स्वामी थे, के करीबी रिश्ते दार होने के नाते, वे कर्मचारियों को अप्रिय आश्चर्य पहुँचाए बिना यह स्वतंत्रता ले सकते थे। बिना बताए लेडीज़ यू के बैठक कक्ष में प्रवेश करते ही उन्हें ग्वालिन मिस यू नंबर दो अकेली मिलीं। वह 346 पर लेटी हुई थीं।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.38% है ।

कुतिया दो नौकरानियों के सथ कढ़ाई में मन थीं। चिया लियन उत्सु कत से उनके पस गया और विनम्रतापूर्वक अभिवादन किया। मिस यू ने अपनी मु स्कान दबाते हुए उठकर उनका अभिवादन स्वीकार किया और उन्हें अपने पस बै ठने के लिए आमंत्रित किया। चिया लियन ने उन्हें तु रं त यह जता दिया कि उन्हें दोबरा दे खकर वह कितने प्रसन्न हैं। "लेकिन आपकी माँ और बहन कहाँ हैं?" उसने पू छा। "वे पीछे भंडारगृ ह में हैं," उसने उत्तर दिया। इसी बीच दोनों नौकरानियाँ चय ले ने चली गईं। चिया लियन ने इस अवसर का लाभ उठाते हुए अपनी सु ंदर चचे री बहन की आँ खों में गहराई से दे खा, जिस पर उसने अपन सिर थोड़ा झुकाया, लेकिन मासूमियत से मु स्कुराती रही। वह सीधे और भद्दे तरीके से अपनी बात आगे नहीं बढ़ाना चाहता था। उसकी नज़र उसके हाथ पर पड़ी, जो कमल के पत्ते के आकार के एक सु ंदर रे शमी थैले के रिबन से खेल रहा था। "ओह, मैं अपन पान का थैला मंदिर में ही भूल गया," उसने अपनी कमर टटोलते हुए कहा। “शायद मे री चचे री बहन मु झे अपने थैले में से कु छ सुपारी दे दें गी?” “मे रे थैले में सुपारी तो है, लेकिन मे री आदत है कि मैं उसे खु द खती हूँ, दूसरों के सथ बाँ टती नहीं,” उसने जवब दिया। वह उसके पस सरक कर आया और सु परी ले ने के लिए उसके थैले की ओर बढ़ा। नौकरानियों के इस संदिग्ध स्थिति में उसे दे खने के डर से उसने जल्दी से थैला उसकी ओर फें क दिया। उसने फुर्ती से थैला पकड़ा, एक सु परी निकाली और मु ँह में डाल ली। फिर उसने थैला वापस उसकी गोद में रखने की कोशिश की। ठीक उसी समय दो नौकरानियाँ चय का सामान ले कर अं दर आईं, इसलिए उसने थैला कु छ दे र के लिए अपनी आस्तीन की जे ब में छिपा लिया। चाय पीते हुए उसने चु पके से अपनी कमरबं द से जे ड पत्थर का ड्रै गन के आकार का एक कुं डल खोला और उसके थैले के रिबन को उसमें बाँ ध दिया। फिर, जब नौकरानियाँ नहीं दे ख रही थीं तो उसने चु पके से थैला उसकी ओर फें क दिया। उसने ऐसा दिखाया जै से उसे कु छ पता ही नहीं चला। कु छ दे र बाद मोतियों के पर्दों की झनझनाहट सु नई दी और माँ यू अपनी तीसरी बे टी और दो छोटी दासियों के सथ अं दर आईं। चिया लियन ने जल्दी से अपनी सु ंदर पड़ोसी को इशारों से यह समझ दिया कि वह अपना थैला छुपा ले, लेकिन उसने उसकी ओर ध्यन नहीं दिया। अब उसके लिए खड़े होकर चची यू और चचे री बहन तीसरी

को प्रणाम करने का समय आ गया था। फिर, जब वे सबफिर से बैठ गईं और उसे चचेरी बहन दूसरी पर एक नज़र डालने का मौका मिला, तो उसने देखा कि उसका थैला अभी भी वहीं था, लेकिन उसका रेशमीरिबन उसके ड्रैगन वाले बकल के साथ गायब हो गया था। वह खुद इतनी खुश और बेफिक्र लग रही थी मानो कुछ हुआ ही न हो। तो अब उसे तसल्ली हो गई। उन्होंने तरह तरह की बातें कीं, फिर उसने अपने आने का व्यापारिक कारण बताया और उसे तीन सौ औंस चांदी दे दी गई। इसी समय भतीजा चिया युंग वहाँ आ गया। "बूढ़े गवर्नर आपसे बात करना चाहते हैं," उसने अपने चाचा को खुशी से आँख मारते हुए कहा। चिया लियन जल्दी में जाने ही वाली थी कि तभी 347

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 8.63% है।

उसने अपने शरारती भतीजे को ले डी यू की ओर मुड़कर यह कहते हुए सुना "दादी, आपका क्या ख्याल है? क्या ये चचा आंटी दो के लिए बिल्कुल सही आदमी नहीं होंगे? क्या उनमें वे सभी गुण नहीं हैं - कद, कद-काठी, अच्छी सूरत, इत्यादि - जो पिताजी ने हाल ही में उनके भावी पति में चाहने की बत कही थी?" यह कहते हुए उसने बड़ी बेपरवाही से अपने चाचा चिया लियन की ओर उंगली उठाई और आंटी दो की ओर शरारती चेहरे बनाए। अपनी बहन का पक्ष लेते हुए, जो स्पष्ट रूप से शर्मिंदा थी, आंटी तीन ने अपना मुंह खोला और आधे मज़ाक में और आधे गंभीरता से डांटना शुरू कर दिया: "कितना बदतमीज़ छोटा बंदर है! अगर माँ ने खुद इसके बारे में पहले ही न बताया होता, तो मैं इसकी खूब पिटाई करती!" लेकिन वह छोटा बंदर हंसते हुए दरवाजे से बाहर निकल गया। उसके तुरंत बाद उसके चचा भी मुस्कुराते हुए चले गए। उसी दिन चिया युंग लौह रेलिंग मंदिर लौट आया और अपने पिता को अपना व्यापारिक कार्यभार सौंपने के बाद, चाचा चिया लियन का विवाह प्रस्ताव प्रस्तुत किया और अपने चचा और चाची के बीच प्रस्तावित विवाह का पुरजोर समर्थन किया। राजकुमर चेन ने इस मामले पर विचार किया, फिर मुस्कुराते हुए कहा: "मुझे तो यह ठीक लगता है। लेकिन क्या लड़की खुद इसके लिए तैयर है? कल शहर वापस जाओ और इस बात की पुष्टि कर लो!" फिर वह अपनी पत्नी से मिलने गय और उसकी राय पूछी। पहले तो राजकुमरी चेन इस योजन के सख्त खिलाफ थीं, जो उन्हें कुछ संदिग्ध लग रही थी। शोक की अवधि के दौरान यह विवाह होना, मुख्य पत्नी की जनकारी और सहमति के बिना दूसरी पत्नी का होना - ये परिस्थितियाँ रीति-रिवाजों का उल्लंघन थीं और उचित और सभ्य व्यवहार के सभी सिद्धांतों के विपरीत थीं। लेकिन चूकि वह राजकुमर द्वारा एक बार मन में लिए गए हर निर्णय पर सहमति देने की आदी थीं इसलिए अंत में वह मान गईं। इसके अलावा, यह सुश्री यू उनकी सगी बहन नहीं बल्कि सौतेली बहन थीं; इसलिए, इस गलत तरीके से संपन्न विवाह के संभावित अप्रिय परिणामों की जिम्मेदरी लेने में उसे बहुत संकोच करने की आवश्यकता नहीं थी। तदनुसर, अगली सुबह जल्दी ही चिया युंग अपने पिता के अनुरोध पर यु परिवार की महिलाओं की सहमति प्राप्त करने के लिए निंगकुओ महल लौट आया। उसने स्वयं दादी यु को सूचित किया और जब उसे

उनके समने आने की अनुमि दी गई, तो उसने उन्हें राजकु मर की इच्छा के बरे में बताया और बहुत जोर दे कर और अलं कारिक शब्दों का प्रयोग करते हुए, विवाह के पक्ष में सभी संभावित तर्क प्रस्तु तकिए - कि चिया लियन के सथ चाची दो का जीवन कितना सु खमय होग, जो फीनिक्स की मृ त्यु के बाद स्वाभाविक रुप से उन्हें अपनी मु ख्य पत्नी बना लेंगे ग - एक ऐसी घटना जिसकी उम्मीद दे रसवे र की जनी थी; और राजकु मर शादी के सभी खर्चों का वहन करे ग और एक सु ंदर घर और उत्तम फर्नीचर प्रदान करे ग, और यह भी सुनिश्चित करे ग कि दादी का वृ द्धावस्था सु खमय हो; और वह 348 में भी मदद करे गा।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल9.23% है ।

आं टीथ्री के लिए एक अच्छा वर ढूँ ढ़न था। उसने इन सभी बतों को इतनी वाक्पटुता से समझया कि माँ यू पू री तरह सेमानगईं। इस सौदे में कोई खर्च नहीं था, और इसके अलावा, चिया लियन एक सु ंदरफै शनेबल यु वक था। ऐसे लाभकारी प्रस्ताव को ठुकराना मूर्खता होती। दादी यू ने अपनी बे टी से कु छ दे रसलाह मशवरा किया, और उसी दिन चिया यु ंग अपनेपिता की सहमति प्राप्त करने में सफल रहा। चिया लियन को अब पारिवारिक मंदिर में बुलाया गया, और उसे दूसरे पक्ष की स्वीकृति के बरे में बताया गया। वह अत्यं त प्रसन्न हुआ, और अपने मित्रवत सहायकों, राजकु मर चे न और उनके पु त्र के प्रति उसकी कृ तज्ञत की कोई सीमा नहीं थी। शादी के वस्त्र और अं तर्वस्त्र जल्दी से खरीदे गए और शादी की अन्य सभी तै यरियाँ की गईं। राजमहल की पिछली दीवारों से दोली दूर, फ्लावरिंग ब्रां च की शं त छोटी गली में, एक उपयुक्त "प्रे मआश्रय" खरीदा गया। यह बीस कमरों का एक छोटा सा दे हाती विला था। अपनी पत्नी की आत्महत्या के बद, लिटिल पाओ ने उस पगल रसोइए तो की हं समु खविधवा से विवाह कर लिया था, जिसकी शराब के नशे में मृ त्यु हो गई थी लिटिल पाओ को नौकर के रूप मेंनियुक्त किया गया था। उसने कु छ समय पहले ही महल की नौकरी छोड़ दी थी। चिया लियन के लिए इससे बे हतर चुनाव सं भव नहीं था, क्योंकि लिटिल पाओ को कु छ समय पहले हीचिया लियन से सौ तएल रिश्वत के रूप मेंमिले थे, साथ ही सु ंदरविधवा तो भी, जो उसकी पत्नी की मृ त्यु के मु आवजे के रूप में थी इसलिए वह उसका बहुत ऋणी था। इसके अलावा, चिया लियन के सथ उसकी पत्नी के पूर्व के कोमल सं बं ध भी उसके और उनके नए मालिक के बीच एक बं धन थे । इसलिए, चिया लियन अपने नौकरों की सच्ची निष्ठा और मौन पर भरोसा कर सकता था। और बू ढ़े चांग, जो मिस यू नं बर दो के लिए मं गे तर के गरीब पिता थे, को बीस ताएल की राशि मु आवजे के रूप में दी गई जिसके लिए उन्होंने आवश्यक त्यागपत्र पर हस्ताक्षर किए। विवाह के लिए नए महीने का तीसरा दिन उपयुक्त दिन के रूप में चु नागया। माता यू और पु त्री तीन नेपिछले दिन नए घर का निरीक्षण किया था और उसे सर्वोत्तम स्थिति में पया था। अब दुल्हन को एक साधारण पालकी में, किसी आत्मा या मनु ष्य द्वारा दे खेबिना, तीसरे दिन की सु बह पँ चवें घं टे लाया गया और उसे पु ष्प शखा की गली में

स्थित प्रेमआश्रय स्थल पर ले जया गया। कुछ समय बद चिया लियन भी उतने ही चुपचाप, एक छोटी पालकी में बैठे और अपने रोज़ाना के वस्त्रों में, वहाँ पहुँचे। उन्होंने स्वर्ग और पृथ्वी तथ अपनी चाची यू, जो उपस्थित थीं, को प्रणाम किया, धूप और कागज़ के छोटे घोड़े जलाए, और उत्सव से सजे हुए दुल्हन कक्ष में अपनी नई दुल्हन के सथ एक ही शादी के पत्र से पेय पिया, और फिर बाद में उनके सथ फीनिक्स जोड़ों के उस बेबाक अंदाज़ में आनंद मनाया, जो सर्वविदित है। इस गुप्त विवाह की खबर कुछ ही ज्ञात व्यक्तियों के दयरे से बाहर नहीं फैली। अब से चिया लियन अपनी अक्सर होने वली अनुपस्थितियों को फीनिक्स को यह बहाना बनाकर छुपाने लगे कि उनकी उपस्थिति 349

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.13% है ।

निंगकु ओ महल में उसकी आवश्यकत थी, और राजकु मर चे न के सथ उसकी घनिष्ठ मित्रता को दे खते हुए भोले-भाले फीनिक्स ने उस परविश्वास कर लिया। सब कु छ उसकी इच्छा के अनु सर हुआ। चिया लियन ने अपनी नई पत्नी को प्रति माह पंद्रह ताएल दिए और जब वह स्वयं उसके साथ नहीं रह सकता था, तो उसे अपनी माँ और बहन के सथ भोजन करने की अनु मति दी ताकि वह बहुत अकेलापन महसू स न करे । नई पत्नी के सथ उसकी घनिष्ठता इतनी गहरी थी कि उसने धीरे-धीरे चु पके से यु ंगकु अो में अपने घर से वे सभी मू ल्यवान वस्तु एँ ले लीं जो उसने वर्षों के दौरान अपने लिए एकत्र की थीं, और उन्हें उसकी दे खरे ख में दे दीं। इतना ही नहीं, वह इतना उतपस्वी था कि जब वे सथ होते थे, तो वह अपनी मु ख्य पत्नी के चरित्र और व्यक्तित्व के बरे में हर सं भव अं तरं ग विवरण उसे बत दे त था। दूसरी यू स्वभाविक रूप से अत्यं त प्रसन्न हुई और अपने सपनों में उसने खु द को फीनिक्स की उत्तराधिकारी और पश्चिमी महल की भावी स्वामिनी के रूप में दे खा। दो महीने तक गु प्त और शंतिपूर्ण सु ख का आनं द ले ते हुए राजकु मर चे न एक शम लौह रेलिंग मंदिर से पूर्वी महल में अपने घर लौटे । वहाँ सौ दिनों का शोक समारोह समाप्त हो चु का था। लं बे समय बाद, उसी शाम उनकी दोनों सु ं दर स्त्रियों से मिलने की तीव्र इच्छा हुई। यह सुनिश्चित करने के बद कि चचे री बहन चिया लियन वहाँ नहीं है, वे के वल दो भरोसे मं द खिदमतगार मजदूरों के सथ पु ष्प शखा वाली गली के लिए निकल पड़े । जब वे पश्चिमी भाग के दीपक से जगमाते बै ठक कक्ष में माँ यू और स्त्री तीन के सथ बातें कर रहे थे और मदिरा पी रहे थे, तभी भाभी दो ने उनका अभिवादन करने के तु रं त बद वहाँ से चली गईं। तभी चिया लियन वहाँ आ गईं। जब उन्होंने सुना कि उनके राजकु मर चचे रे भाई वहाँ हैं, तो वे अपने विचारों में खो गए और चु पचाप सीधे अपने नानी के पस चले गए, क्योंकि वे अपने चचे रे भाई को परे शन नहीं करना चाहते थे । इसके अलावा, वे थके हुए थे और जल्दी सोने की योजना बना रहे थे । वे आराम से बै ठ गए, अपना शाम का भोजन किया और खू ब मदिरापान किया। नाई नाई ने उसके सथ जमकर शराब पी, और जब उसने उसे अपने पसने लाल अं तर्वस्त्र में, खुले बलों और गालों पर वसं त जै सी लाली के सथ बै ठे दे ख, तो वह उसे पहले से कहीं अधिक सु ं दर लगी। उसने उसे गले लगाया और चापलू सी भरे

लहजे में कहा "लोग मेरी मुख्य पत्नी की बहुत प्रशंसा करते रहें गे, लेकिन जब मैं तुम्हारी तुलना उस दुष्ट चुड़ैल से करता हूँ, तो मुझे लगता है कि वह तुम्हारे जूते की फीती खोलने के भी लायक नहीं है।" "आखिरकार, थोड़ी सी सुंदरता का क्या फायदा!" उसने आह भरते हुए उत्तर दिया। "तुम्हारा क्या मतलब है? मुझे समझ नहीं आ रहा," उसने कहा। "ओह, मैं अपनी बहन के बारे में सोच रही थी," वह अचानक रोते हुए बोली। "हम दोनों पिछले दो महीनों से पति-पत्नी की तरह रह रहे हैं। तुम जानते हो कि मैं तुमसे कितना प्यार करती हूँ, और मैं जानती हूँ कि तुम मेरे लिए क्या हो। लेकिन मेरी बहन का क्या होगा? वह यहाँ क्या करेगी?"

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.10% है ।

हमारे सथ? यह मु झे परेशान करता है । हमें उसके भविष्य को सु रक्षित करने पर भी ध्यन दे न चाहिए।" "मैं अच्छी तरह समझता हूँ । मैं खु द भी इसके बारे में सोच रहा हूँ, इसलिए चिंता न करें!" उसने आश्वस्त करने वाली मु स्कान के सथ कहा। "आप दे खेंगे कि मैं ईर्ष्यालु य स्वार्थी व्यक्ति नहीं हूँ । अब, अगर आपकी बहन चचे रे भाई चे न को अपने सथ ले जए तो क्या होगा? चलिए, सीधे चलते हैं और उनसे खुलकर बात करते हैं । सौभाग्य से, वे सभी एक सथ हैं ।" तो वे पश्चिमी विंग के बै ठक कक्ष में चले गए। उनके अचानक आने से दे र से आए मोहम्मद और माँ यू काफी शर्मिंदा हो गए, लेकिन चिया लियन ने कु छ दोस्ताना शब्दों से चतुराई से महौल को सहज बना दिया। "आखिरकार, हम अच्छे दोस्त और चचे रे भाई हैं और हमें एक-दूसरे के सथ औपचारिकता निभाने की ज़रूरत नहीं है," उसने चचे रे भाई चे न से खु शी-खु शी कहा। "भगवान जानता है कि आपने मेरे लिए कितना कु छ किया है, और मैं आपका अनं त आभरी हूँ । इन परिस्थितियों में, अगर हम एक-दूसरे के सामने शर्मिंदा हों तो यह वाकई अजीब होगा।" आपका यहाँ हमेशा स्वागत है ।" और उसी क्षण, अपनी हार्दिक कृ तज्ञत व्यक्त करते हुए, वह घु टनों के बल बै ठ गय और प्रणाम करने ही वला था कि चचे रे भाई चे न ने उसे तु रं त उठा लिया। "प्रिय चचे रे भाई, मैं आपकी सेवा में सहर्ष तत्पर हूँ । कृ पया बताइए कि मैं आपके लिए क्या कर सकता हूँ!" उसने कहा। "ओह, मैं तो बस आपके सथ एक गिलास शराब पीना चाहता हूँ," चिया लियन ने उत्तर दिया। उसने छोटे भाई की पत्नी को शराब डालने का इशारा किया, फिर तीसरे यु की ओर मु ड़कर मु स्कुराते हुए कहा: "अच्छा, चचे रे भाई चे न के सथ एक गिलास शराब पीना कै स रहे ग? मैं अपनी ओर से अपना गिलास उठाऊँ ग और आप दोनों की खु शी के लिए पीऊँ ग!" ये सु नकर तीसरा यु क्रोध से आग बबूला हो गया और एक ही छलां ग में सोफे पर चढ़ गया। "अपनी ये बनवटी बातें बं द करो!" "मैं जानती हूँ कि इस कुलीन घराने में तु म सब कै से!" वह अपनी जगह से अत्यं त तिरस्कार के सथ उस पर चिल्लाई। "हम तु म्हारे लिए वे श्याओं की तरह हाज़िर हैं, और कु छ नहीं पहले तु मने अपने गं दे पै सों से मे री बहन को पकड़ा, और अब मे री बरी है! लेकिन यहीं तो तु म गलत हो! ... ठीक है, तो मैं तै यार हूँ, और जब तक हमारे सथ अच्छा व्यवहार किया जाता रहे ग, हम चु प रहें गे लेकिन

सावधान रहना, अगर तु मने हमें शिकायत का ज़रा सा भी मौका दिया! मैं तु म्हारी पहली पत्नी के पास जाकर हं गमा करूँ गी। तब हम दे खें कि क्या सच में उसमें उतनी बुद्धि और क्षमता है जितनी उसकी है! और अब चलो मौज-मस्ती करें और जी भर के पिएं!" उसने अपने लिए पू रा गिलास भरा, आधा खाली किया, फिर बचा हुआ आधा चिया लियन के गले में डाल दिया। दोनों चचे रे भाई उसके इस व्यवहार पर अवाक रह गए। वे बे शक इससे अच्छी तरह वाकिफ थे ।

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.10% है।

निचले तबके के लोगों के बेबाक लहजे को तो वे बर्दाश्त कर सकते थे, लेकिन एक कुंवारी लड़की के मुंह से ऐसी बेबाक भाषा सुनना उनके लिए बिलकुल नया अनुभव था। हालांकि, तीसरी युवती ने उनकी झिझक को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया और बेशर्मी से अपनी बेबाक बातें और आवारागर्दी जारी रखी। "आओ! शर्माओ मत! सज्जनों का मनोरंजन करने में मेरी मदद करो," उसने अपनी बहन से, जो पीछे चुपचाप खड़ी थी, कहा। "आखिरकार, हम सब यहां एक परिवार हैं, और अकेले रहना कितना अच्छा लगता है। क्यों न हम खूब मौज-मस्ती करें? वाह! चलो मौज-मस्ती करें!" राजकुमार चेन ने यह सब शुरू करने की अपनी नासमझी पर खुद को कोसा। यह बेबाक लड़की वाकई डरावनी थी। उसने दरवाजे तक पहुंचने की कोशिश की, लेकिन तीसरी युवती ने उसे भागने नहीं दिया। यह दिखाने के लिए कि वह "मौज-मस्ती" शब्द को गंभीरता से कह रही है, उसने अपने गहने उतार दिए, अपने बाल खोल दिए और बिना किसी शर्म के अपने ऊपरी कपड़े भी उतार दिए। फिर वह केवल अपने लाल अंतर्वस्त्र में ही बैठ गई। उसने उसे भी आधा खोल रखा था, जिससे केवल एक पतली, हल्के हरे रंग की कमीज़ दिखाई दे रही थी जो उसके बर्फ जैसे सफ़ेद स्तनों को ढके हुए थी, साथ ही हरे रंग की निकर और लाल चप्पलें भी। नहीं, वह अपने नए आकर्षण को दिखाने में ज़रा भी कंजूसी नहीं कर रही थी - ऐसा आकर्षण जो किसी भी पुरुष के दिल को मोह लेने और मोहित करने में कामयाब हो जाता। और उसने अपने बेलगाम स्वभाव का प्रदर्शन करते हुए अपने दोनों पुरुष साथियों की इंद्रियों को भी चक्कर में डाल दिया। वह पूरी तरह से गतिमान थी; वह एक वाक्य पूरा करने के लिए भी एक जगह नहीं बैठती थी, बल्कि लगातार उठती, बैठती और अपनी जगह बदलती रहती थी, यहाँ तक कि उसके झुमके झूलों की तरह हिलते रहते थे। बीच-बीच में वह एक के बाद एक गिलास भरती रहती थी, जबकि उसकी आँखें दीपक की रोशनी में शरद ऋतु की ओस की नम चमक की तरह और भी मोहक रूप से चमक रही थीं; उसके गालों की लाली उसकी कनपटी तक लाल लहरों की तरह चढ़ रही थी; उसकी नुकीली भौहों की नीली-काली धारियाँ, जो पतली विलो पत्तियों की तरह आकार और रूपरेखा में ढली थीं, शब्दों से कहीं अधिक प्रभावशाली भाषा में खेल रही थीं; उसके सिंदूरी होठों से निकलने वाली सुगंध

चंदन के इत्र जैसी थी। उसकी सोचीसमझी चाल ने उसके देवर और उसकी चचेरी बहन दोनों को समान रूप से मोहित कर लिया, उन्हें एक ही समय में आकर्षित और विचलित भी किया। चुपचाप और मंत्रमुग्ध होकर, वे बैठे रहे, घूरते रहे और सुनते रहे, भय से स्तब्ध होकर, उन सुंदर, कोमल, कुंवारी होठों से निकलने वाले लगातार दुस्साहसी चुटकुलों, शोरगुल भरी हंसी और व्यंग्यात्मक रूप से दुर्भावनापूर्ण ताने सुनते रहे, जो कभी-कभी गलियों की सबसे भद्दी भाषा में बोले जाते थे। अंत में तीसरी युवती ने अपना पूरा आनंद ले लिया। वह उठी, आगंतुकों को दरवाजे से बाहर धकेल दिया, उनके पीछे कुंडी लगा दी और सोने के लिए लेट गई। उस समय से युवा कुमार चेन ने फिर कभी बिना पूछे उस कठिन भाभी के पास जाने की हिम्मत नहीं की। लेकिन वह अक्सर उसे, कभी खुद को, कभी उसके बेटे को, और कभी चिया लियन को अपने पास बुलाती थी, हालांकि निश्चित रूप से केवल तभी जब उसे लगता था कि उसके पास कोई कारण है।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.01% है ।

चाहे वह कोईशिकायत करे य कु छ मँ गन चाहे, अगर वह पहले से ही बे हद नखरेवाली और कपड़ों व आभूषणों के नवीनतम फै शन की दीवानी थी, तो अब उसकी माँ गों की कोई सीम नहीं रह गई थी। अगर उसे चँ दी के गहने दिए जाते, तो वह सोने की मँ ग करती; अगर उसे मोतियों से लाद दिया जाता, तो वह हीरे की मँ ग करती। अगर कोई फ्रॉक उसे पसं द नहीं आती, तो वह कैं चीले कर उसे चीर कर टुकड़े-टुकड़े कर दे ती, चाहे वह पुरानी हो या नई, सस्ती सू ती हो य महँ गी सटन। अगर खाने में परोसा गया कोई व्यं जन उसे पसं द नहीं आता, तो वह पू री मे ज उलट दे ती और खने की सारी प्ले टें और थालियाँ ज़मीन पर लु ढ़का दे ती। ऐस होने पर, जीजा, चचे रा भाई या भतीजा बारी-बारी से उसकी मदद केलिए आते और उसके आदे श पर तु रं त सफ़ाई का इं तजम करते ।लेकिन सबसे बढ़कर, उन्हें भु गतान करना पड़ता था, और बार-बार भु गतन करना पड़ता था। और अगर वे उसकी से व करने से इनकार करते, तो वह बे हदहिंसक हं गमा करती, उन पर गालियों की बौछार करती और उन्हें दुष्ट फीनिक्स के हवले करने की धमकी दे ती। सं क्षे प में, वह स्थिति का पू रा फायदा उठाना जानती थी और अपने उन तीन पु रुष रिश्ते दारों के लिए जीवन को यथासं भव कठिन बनाना चाहती थी जो एक दर्दनाक पारिवारिक रहस्य में उलझ गए थे । दूसरी यू को, बाकी सभी से भी ज़्यादा, यह स्थिति असहनीय लग रही थी और उसने अपने गु प्त पति पर जल्द शादी करने का दबाव डाला, जिससे अं ततः घर उस उत्पीड़क से मुक्त हो जाएगा और 'फूलों की शाखा वाली गली' में प्रे म के आशियाने में शांति लौट आएगी। "मैं ने चचे रे भाई चे न से इस बारे में बात कर ली है," चिया लियन ने उत्तरदिया, "लेकिन उन्हें आपकी बहन से अलग होना बहुत मुश्किल लग रहा है । मैं ने उनसे कहा है कि वह उनके लिए रसीले लेकिन अपचनीय जं गली भे ड़ के मांस के टुकड़े की तरह है; एक सु ं दर लेकिन साथ ही कां टे दार गुलाब की तरह, और बे हतर होग कि वह उसे छोड़ दें, लेकिन वह ऐसा नहीं कर सके । तो अब क्य किया जाए?" "हम कल उनसे गं भीरता से बत करें गे," दूसरी यू ने सु झाव दिया। "बस इसे मु झ पर छोड़ दो, चाहे वोकितना भी गु स्स करे, आखिर में मैं उसे समझ दूं गी।" अगले दिन उन्होंने तीसरी यू और उसकी माँ को दोपहर के भोजन का औपचारिक निमं त्रणदिया। "मैं अच्छी तरह समझ सकती हूँकि आपने मु झे क्यों आमंत्रित किया

है," आज संयोग से थोड़े नरम मूड में छोटी बहन ने बड़ी बहन से आँखों में आँसू लिए कहा, और इस तरह उसकी बात को पहले ही रोक दिया। "मुझे लगता है कि आप मुझसे फिर से तर्क करना चाहेंगी, लेकिन इधर-उधर की बातें करने की ज़रूरत नहीं है, मैं मूर्ख नहीं हूँ। मैं आपको अच्छी तरह जानती हूँ और मुझे पता है कि आपका इरादा क्या है। आप और माँ यहाँ आराम से रह रही हैं और आपकी अच्छी देखभाल हो रही है, और अब आप अपनी शांति चाहती हैं और मुझे कहीं और भेजना चाहती हैं। आपके नज़रिए से यह बिल्कुल सही और तर्कसंगत है, लेकिन मेरे लिए शादी एक गंभीर निर्णय है। मैं जीवन भर के लिए खुद को 353 से नहीं बाँध सकती।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.92% है ।

जो पहला आदमी मिले, ठीक है, मे रे लिए एक ऐसा सही आदमी ढूं ढो जिससे मैं प्यार कर सकूं, और मैं उसे अपना पति बना लूं गी। लेकिन मु झे चचे रे भाई चे न जै से प्रस्ताव मत दो। चाहे उसके पास कितना भी पै स और रुतबा हो, मैं उससे प्यार नहीं करती और न ही उसे अपना बनाऊं गी।"तो फिर तु म्हारे लिए सही आदमी कौन है? खुलकर बताओ!" चिया लियन ने आग्रह किया। "फिर तु म बाकी सब हम पर छोड़ दोगी। न तो तु म्हें और न ही तु म्हारी माँ को कोई खर्च या परे शनी होगी!" "मे री बहन से पू छो। वह जानती है कि मैं किसकी बात कर रही हूँ," तीसरी यू ने सं क्षे प में और दृढ़ता से कहा। "ओह, मैं पहले ही अं दाज़ा लगा सकती हूँ कि वह कौन है, और मु झे मानना पड़े गा कि तु म्हारी पसं द अच्छी है," चिया लियन जोर से हं सते हुए बोलीं। "कौन है? कौन है?" दूसरी यू ने उत्सु कता से पू छा। "क्यों, चचे रे भाई पाओ यू के अलावा और कौन उसकी नजरों में आ सकता है?" तीसरी यू ने तिरस्कार भरी मु स्कान के साथ कहा। "छी! जै से कि तु म कु छ चचे रे भाई ही हम बहनों के लिए उपलब्ध एकमात्र पु रुष हो, भले ही हम एक दर्जन हों! कितना बे तु का है!" सौभाग्य से, दुनिया में हमारे लिए इससे कहीं अधिक विकल्प मौजू द हैं ।" "अच्छा, आप और किसे चु नेंगी?" तीनों ओर से एक साथ उत्सु कतापूर्वक पू छा गया। “मे री बहन को खू ब सोचने दो और पाँच साल पीछे जाने दो!” तीसरी यू ने जवाब दिया। बातचीत में चिया लियन के भरोसे मं द नौकर लिटिल हसिंग के आने से रुकावट आ गई, जो उन्हें एक ज़रूरी काम के लिए उनके पिता, राजकु मार शीह के पास बुलाने आया था। इसलिए चिया लियन को फिलहाल ज़रूरी सलाह-मशविरा रोकना पड़ा और घोड़े पर सवार होकर निकलना पड़ा। उन्होंने अपने नौकर लिटिल लूं ग को अपने साथ लिया और लिटिल हसिंग को अपनी दूसरी पत्नी के हवाले कर अपने लौटने तक के लिए छोड़ दिया। दूसरी यू ने इस मौके का फायदा उठाते हुए लिटिल हसिंग से पश्चिमी महल के जीवन के बारे में पू छताछ की। मै डम फीनिक्स की उम्र कितनी थी; क्या वह वाकई उतनी बु री थीं जितनी उन्हें बताया जाता था; पूर्वज और रमणीय दर्शन उद्यान की विभिन्न यु वतियों की उम्र और स्वभाव; ये और कई अन्य बातें वह विस्तार से जानना चाहती थीं। लिटिल हसिंग, जो बै ठकर खाना खा रहा था और चाय पी रहा था, विनम्रतापूर्वक मु स्कुरा रहा था। उसने उसे मनचाही जानकारी दे दी। कर्मचारियों को चिया लियन

की तुलना में फीनिक्स के लिए अधिक सम्मान था; सभी उसकी तीखी जु बन और उसके कुटिल इरादों के जहर से डरते थे; इसके विपरीत, उसका पति एक ने कदिल इं सन था; और जहाँ तक फीनिक्स की निजी नौकरानी लिटिल पिंग की बात है, उसने कभी भी अपनी सख्त मलकिन का खुले आमविरोध करने कीहिम्मत नहीं की, लेकिन उसकी पीठ पीछे उसने कई ग़लतियों को सु धरा और एक दयालु रक्षक के रूप में पू रे र्मचारियों द्वारा उसे प्यर किया जाता था। उसने यह भी बताया कि कै से फीनिक्स लगातार बू ढ़ी तई ताई को धोखा दे ती रहती थी और हमे शा हर चीज का श्रे य खु द को दे ती थी और उसे खु श रखती थी।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 78.82% है ।

हर बु री बत का दोष दूसरों पर मढ़ना; अपनी गलतियों को नकारना और दूसरों को उनकी गलतियों के लिए कोसना, तथा उनके खिलाफ आग भड़काना; और पै सों के प्रति उसकी लालच, जिसे वह अगर कर सकती तो पहाड़ों जितना ऊं च ढे र लगा दे ती; और यह कि बू ढ़ी तई ताई के अलावा अब पू रे घर में कोई भी उसे दंडित नहीं कर सकता। चालाकी से इन और इसी तरह की बतों को नन्हे हसिंग ने कहा, जो उसे पत था कि भावी मालकिन के कानों को मीठी लगें गी। "अरे वह, अपनी मालकिन के पीठ पीछे उसकी बुराई करने का ये तो बढ़िया तरीका है! एक दिन मे रे बारे में क्या नहीं कहोगे, क्योंकि मैं उससे कहीं ज्यादा बु री हूँ?" दूसरी यू ने हं सते हुए कहा। नन्हा हसिंग तु रं त उसके सामने घु टनों पर गिर पड़ा। "अगर मैं ने कभी तु म्हारे खिलाफ कु छ किया तो मु झ पर बिजली गिर पड़े!" उसने विरोध किया। "आपके सथ तो बिल्कुल अलग बात है, बे शक। अगर हमरे मलिक ने शु रु से ही आप जै सी महिला को अपनी पहली पत्नी बनाया होता, तो हम नौकर खु द को खु शनसीब समझते । हमें हर समय इतने थप्पड़ और डंडे नहीं सहनी पड़ती, और न ही डर और थरथराहट में जीन पड़ता। चाहे हम खुलकर बात करें य आपकी पीठ पीछे, हम आपकी कोमलता और दयालु त की जितनी भी प्रशं स करें, कम है । हम अपने मलिक के सथ यहां आने के सम्मान के लिए बे तब हैं, क्योंकि तब हमें आपकी से वा करने का मौका मिले ग!" उसने उसकी चपलू सी की। "अरे, धूर्त! बस करो, उठो! डरने की कोई ज़रुरत नहीं है । मैं तो बस मज़ाक कर रही थी। मैं इतनी बु री नहीं हूँ । लेकिन बताओ, अगर मैं एकदिन अचानक जाकर तु म्हारी सख्त मालकिन से मिल लूँ तो क्या होगा?" छोटे हसिंग ने डर से अपने हाथ ऊपर उठा लिए। मैं तु म्हें हज़ार, दस हज़ार बार चे तवनी दे ती हूँ, ऐसा मत करो! मे री सलाह मानो, नाई नाई, और उसे अपने ऊपर नज़र डालने से भी बचो। मैं तु म्हें चे तावनी दे ती हूँ, वह दोहरी चाल चलने वली औरत है । वह तु म्हें मु स्कान और मीठी बातों से मोहित कर ले ती है, और साथ ही साथ वह घिनौनी योजनाएँ बन रही होती है और तु म्हें गिराने के लिए तु म्हारे पै रों में फंदे बिछा रही होती है । वह अपने साथ गु प्त रुप से ते ज़ धार वाले खं जर और चकू रखती है । तु म्हारी बहन भी, अपनी ज़ु बन की कितनी भी बाजी क्यों न चलाए, उसका मु काबला नहीं कर सकती, तो फिर तु म जै सी ने क, सु ंदर और सौम्य स्वभाव वाली महिला का

क्या! नहीं, वह तुम्हारे लिए बिल्कुल भी उपयुक्त नहीं है! मेरा इरादा किसी घनिष्ठ जान-पहचान का नहीं था; मेरा मतलब तो बस एक औपचारिक शिष्टाचार भेंट था। चाहे औपचरिक हो या दोस्ताना, मैं तुम्हें चेतावनी देता हूँ, नहीं नहीं! यह मत सोचो कि मैंने शराब पी रखी है और मुझे पता नहीं है कि मैं क्या कह रहा हूँ! लेकिन यकीन मानो, उसे बस तुम्हें देखने दो, तुम्हारे आकर्षण को, जो उससे कहीं अधिक है, और तुम्हारे दोस्ताना व्यवहार को, जो उससे कहीं अधिक आकर्षक है, और वह तुम्हें अपना कट्टर दुश्मन समझेगी। अगर दूसरे लोगों में ईर्ष्या का सिरका बस एक साधारण घड़ा भर होता है, तो उसमें तो पूरा बैरल भरा होता है। मेरे मालिक को बस उसकी किसी भी नौकरानी को एक बार ज्यादा देखने दो, और 355

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल9.09% है ।

"यह उसके लिए उस बे चरे को उसकी मौजू दगी में बे रहमी सेपीटने और सज़ा देने का काफी बहाना है।" "हे भगवन, वह तो सचमु च शै तान लगती है। अब मु झेविधवा चू और 'मनमोहक दर्शन उद्यान' की यु वतियों के बरे में कु छ बताओ।" "अच्छा, तो सु नो विधवा चू एक अच्छी, ने क आत्मा हैं, जो यु वतियों की पढ़ाई की दे खरे ख और उन्हेंसिलाई सिखाने के अलावा किसी और चीज़ में रुचि नहीं रखतीं। जहाँ तक हमरे परिवार की चार यु व बेटियों की बात है, उनमें सबसे बड़ी'वसं त की शु रुआत', शाही पत्नी, अच्छाई और सद्गुण की साक्षात मूर्ति हैं।" दूसरी, मिस ग्रीटिंग ऑफ स्प्रिंग, थोड़ी नासमझ है और इसी वजह से उसे'ब्लॉकहे ड' उपनाम से पु कारा जाता है। तीसरी, मिस टे स्ट ऑफस्प्रिंग, को उसके गुलाबी गालों के कारण 'रोज़' उपनाम दिया गया है और इसलिए भी क्योंकि वह बहुत आकर्षक होने के बावजू द बहुतचिड़चिड़ी भी हो सकती है। यह दुख की बात है कि वह अच्छे तई ताई चें ग की सं तान नहीं बल्कि दुष्ट दूसरी पत्नी चाउ की सं तन है। यह सचमु च एक फीनिक्स के बच्चे के कौवे के घोंसलेमें साथी से रखे जाने जै सामामला है। चौथी लड़की, मिस ग्रीफ ऑफ स्प्रिंग, राजकु मर चे न की छोटी सगी बहन है, जो बहुत ही अच्छे व्यवहार वाली और ने क बच्ची है। इनके अलावा, हमारे घर में दो गोद ली हुई बेटियाँ हैं, दो बहुत ही अनोखी लड़कियाँ। एक, मिस ब्लै क जे ड, स्वर्गीय आं टीलिंग की सं तन है, दूसरी, मिस प्रेशियस क्लै स्प, हमारी आं टी ह्सु एह की सं तान है। दोनों ही समन रूप से सु ंदर और उच्च शिक्षित हैं। जब हम नौकरों की नज़र उनमें सेकिसी एक पर पड़ती है, दूर से उन्हें दे खकर हम अपनी सांस रोकले ते हैं"। "ओह, सच में? और ऐसा क्यों?" "इस डर से कि कहीं नाज़ु कमिस ब्लै क जे ड ज़ोर से सांस ले ने पर उड़ न जाए, और दूसरी, मनमोहक मिस प्रेशियस क्लै स्प ज़ोर से सांस ले ने पर पिघल न जाए।" इस हास्यास्पद स्पष्टीकरण पर कमरे में मौजू द सभी लोग ज़ोर से हं स पड़े, लेकिन हमारे सम्मनित पाठक यह जानना चाहें गेकि तीसरी यू वस्तव में किसे पति के रूप में चाहती थी। बस धैर्य रखें। आपको यह अगले अध्यय में पत चले ग। अध्याय 33 एक उग्र यु वती, अपने एकतरफा प्यार से शर्मिंदा होकर, आत्महत्या कर ले ती है। कोल्ड हार्ट ठं डेदिल से ग्रे ट वॉयड के द्वार से गु ज़रता है। छोटे पओ की पत्नी ने चतु र छोटे सिंग को एक थप्पड़ मारा और हं सते हुए उससे कहा, "जिस तरह

से तुम सच्चाई और कल्पना, दोनों को अपनी ज़ुबन से उगल देते हो; उसे देखकर कोई भी सोचोग कि तुमने यह सब अपने गुरु श्री पिया लियन से नहीं बल्कि युव गुरु पओ यू से सीखा है।" 356

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.19% है ।

"वह छोटा लड़का पाओ यु आम तौर पर क्य करता है?" तीसरे यु ने पूछा "अरे, यह पू छना बे हतर होगा कि वह क्या नहीं करता! निश्चित रूप से कु छ भी बहुत शानदार नहीं," छोटे सिंग ने एक अर्थपूर्ण मु स्कान के सथ उत्तर दिया। वह पू री तरह से मित है और उसे न तो किताबों में कोई दिलचस्पी है और न ही हथियारों में । शु रू में उसके पिता, श्री चें ग, उसकी परवरिश में कु छ मे हनत करते थे, लेकिन उन्होंने बहुत पहले ही यह सब छोड़दिया है । इसलिए लड़का पू री तरह से अपने हाल पर छोड़ दिया गया है । बहरी तौर पर वह बहुत ही सु ंदर, होशियार लड़का दिखता है और दे खने में बिल्कुल भी कमज़ोर नहीं लगता, लेकिन जब आप उसे गौर से दे खते हैं तो पता चलता है कि वह एक मं दबुद्धि मूर्ख है । अजनबियों के समने वह इतन डरपोक लगता है कि मुश्किल से एक वाक्य भी बोल पाता है । वह सचमु च माँ का लाडला है और जब तक उसके आसपास लड़कियों की भीड़ न हो, जिनके सथ वह मस्ती कर सके, उन्हें दुलार सके और गले लगा सके, तब तक उसे चै न नहींमिलता। बे चरे भवु कलड़के में गं भीरता और चरित्र की दृढ़ता का नामोनिशान नहीं है । उदाहरण के लिए, हम नौकरों के सथ उसका व्यवहार हर बार उसके मिजाज के अनु सार अलग होता है । अगर वह अच्छे मू ड में होता है तो वह हमसे ऐसे मजाक करता है जै से हम उसके बराबर हों और वर्ग भे द जै सी कोई बात ही न हो। अगर वह... जब उसका मू ड खराब होता है तो वह अपने आप में सिमट जाता है और उसकेलिए दूसरे इं सानों का कोई अस्तित्व ही नहीं रह जाता। ऐसे समय में अगर हम कु छ गलत व्यवहार करें तो वह हमें डांटता भी नहीं। स्वाभाविक रूप से, इन परिस्थितियों में उसकेलिए कोई सम्मान रखना असं भव है ।" “ तु म नौकरों को संतुष्ट करना वाकई मुश्किल है,” तीसरे यू ने मु स्कुराते हुए कहा। “जब तु म्हें आखिरकार कोई सचमु च ने क और ईमानदार मालिक या मालकिन मिलती है तो तु म उनसे शिकायत करते हो और असं तुष्ट रहते हो।” “ उसकेलिए तो दुख की बात है, वै से तो वह एक अच्छा लड़का है,” दूसरे यू ने सहानुभूति से आह भरी।“ अरे, इन नौकरों की गपशप पर ध्यान मत दो!” तीसरे यू ने आगे कहा "क्यों, हम उससे एक-दो बार मिल चु के हैं और उसके बरे में अपनी राय बना चु के हैं । उसके स्वभाव और व्यवहार में कु छ स्त्रीत्व ज़रूर है, लेकिन जब कोई लड़का सिर्फ़ महिलाओं और लड़कियों के बीच पला-बढ़ा हो तो यह कोई है रानी

की बात नहीं है ।लेकिन उसे कमज़ोरदिमाग़ वाला और मूर्ख कहना - नहीं, यह तो बिलकुल बेतुका और अन्यायपूर्ण है! क्या तुम्हें याद नहीं जब हम उससे अभी हाल ही में राजकुमार साधु के अंतिम संस्कार में मिले थे? हम लड़कियाँ सब एक समूह में खड़ी थीं फिर जब भिक्षु अंदर आए और तबूत के चरों ओर अपनी-अपनी जगह ले ली, तो पाओयू आय और हमारे समूह के ठीक सामने खड़ा हो गया। इस पर सबने नराज़गी जताई। लोगों ने कहा कि क्या उसकी आँखें नहीं हैं और ऐसे रास्ते में इस तरह अजीब तरह से खड़ा होना, हमारा नज़ारा रोकना कितना असंवेदनशील है ।लेकिन बाद में उसने हमें अपने इस अजीब व्यवहार का कारण बताया। उसने कहा कि वह अच्छी तरह जानता है कि क्या सही है और उसकी आँखें बहुत तेज़ हैं लेकिन उसने जनबूझकर खुद को हमारे और भिक्षुओं के बीच खड़ा कर लिया ताकि हमारे सथ ज़्यादा सीधा व्यवहार न हो। उनकी अप्रिय गंध के कारण। और 357

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.13% है ।

बाद में, जब आपने चय माँ गी और नौकरानी आपके लिए वही कटोरा भरने लगी जिसमें से उसने अभी-अभी चाय पी थी, तो उसने उसे रोक दिया और पहले कटोरे को पानी से धोने का आदेश दिया। इन दो छोटी घटनाओं को मैं ने निष्पक्ष रूप से दे खा और इनसे मु झे पता चला कि वह वास्तव में बहुत कोमल भावनाओं वाला व्यक्ति है, और यु वतियों की उपस्थिति में उसकी नज़रें और विचार के वल हम पर ही होते हैं और वह हमारे लिए सब कु छ भूल जाता है । स्वभाविक रूप से, जो लोग उसके स्वभव को नहीं जानते, वे उसके व्यवहार को नहीं समझ सकते ।"आपकी बातें सु नकर मु झे लगता है कि आप दोनों एकमत हैं," बड़े यू ने प्रसन्नता से कहा। "अगर आप दोनों की सगाई हो जाए तो कै स होगा?" नौकरानी छोटी हसिंग की उपस्थिति के कारण, तीसरे यू ने चु प रहना ही बे हतर समझ और सिर झुकाकर तरबू ज के बीज कु तरते हुए बै ठ गए। "हाँ, वह यु वती के लिए बिल्कुल उपयुक्त होगा," अभिमानी छोटी हसिंग ने बीच में कहा, "लेकिन दुर्भाग्य से उसकी पहले से ही शदी हो चु की है "। यह तो सबको पता है कि मिस लिंग ही उनकी होने वली पत्नी हैं । बे शक, दोनों अभी बहुत छोटे हैं, और वै से भी मिस लिंग आजकल बहुत बीमार हैं ।लेकिन दो-तीन साल में बुढ़िया ज़रूर अपना मुँ ह खोले गी और ममला सुलझा दे गी।" जब वह यह कह रहे थे, तभी नौकर छोटा लूं ग यु ं गकु ओ महल से वपस आया। उसने बतया, "राजकु मर शीह अपने बे टे चिया लियन को पिंग आन चाउ में एक महत्वपूर्ण मिशन पर भे ज रहे हैं । वह तीन-चार दिनों में रवना होंगे और लगभग दो सप्ताह तक बाहर रहें गे । इसलिए उन्होंने आज के लिए छुट्टी मां गी है, क्योंकि वह यात्रा की ज़रूरी तै यरियों में व्यस्त हैं, और उन्होंने नई नाई से अनु रोध किया है कि वह अकेले ही उस मामले को दे खें जिसकी उन्हें जनकारी है । जै से ही वह वापस आएं गे, वह इस पर फिर से काम करें गे "। अब दोनों नौकर, छोटा लूं ग और छोटा हसिंग, वहाँ से चले गए। दूसरी यू ने उनके पीछे हॉल का दरवाजा बं द कर दिया और वह, उसकी माँ और बहन जल्दी सो गईं, लेकिन सोने से पहले उसने छोटी बहन से लगातार सवाल किए जब तक कि उसे उस आदमी का नाम पता नहीं चल गया जिसे वह अपन दूल्हा बनाना चाहती थी। जब चिया लियन अगले दिन सु बह जल्दी से वहाँ पहुँ ची और तीसरी यू के चु ने हुए आदमी का नाम जल्द से जल्द जनना चाहती थी, तो दूसरी यू ने हं सते हुए

जवाब दिया: "कोई जल्दी नहीं है; वह आदमी अभी बहुत दूर है, भगवान जाने कहाँ और कब तक। मेरी बहन कहती है कि अगर वह एक साल भी दूर रहता है, तो वह उसका एक साल तक इंतजार करेगी; अगर उसे लौटने में दस साल भी लग जाते हैं, तो वह धैर्यपूर्वक दस साल तक इंतजार करेगी; लेकिन अगर इस बीच उसकी मृत्यु हो जाती है तो वह अपने बाल कटवाकर मठ में चली जाएगी; लेकिन चाहे कुछ भी हो जाए, वह कभी किसी और आदमी से शादी नहीं करेगी।" "तो फिर, यह कौन है जिसने उसका दिल पूरी तरह से जीत लिया है?" चिया लियन ने बेसब्री से पूछा। "ओह, यह तो बहुत लंबी कहानी है, लेकिन मैं इसे जितना हो सके उतना छोटा करने की कोशिश करूंगा। यह 358 होगा।"

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.05% है ।

पां च सल पहले दादी के घर में उनके जन्मदिन पर एक नाट्य प्रस्तुति हुई थी। उस दिन के उपलक्ष्य में एक नट्य प्रस्तुति हुई थी। कलाकार पे शे वर अभिनेत नहीं थे, बल्कि सभी अच्छे परिवारों के बे टे थे । उनमें से एक ने मुख्य नायिका की भूमिका निभाई थी। कहा जाता है कि वह किसी न किसी परे शनी के चलते बहुत समय पहले शहर छोड़कर भग गया था और दूर-दराज के इलाकों में भटक रहा है । उसका नाम लियू ह्सियां गलियन है ।"ओह, तो यही है वो आदमी एक शानदार, आकर्षक व्यक्ति। तु म्हारी बहन की पसं द और नज़रें अच्छी हैं यह तो कहना ही पड़े ग। लेकिन उसका स्वभाव ठं डा और घमं डी है । उसे आम लोगों में कोईदिलचस्पी नहीं है, लेकिन पाओ यू के साथ उसकी खू ब बनती है पिछले सल उसका हमारे शरारती चचे रे भाई ह्सु एह पन से झगड़ा हुआ था, और हमारे परिवार को आगे की अप्रिय घटनाओं से बचने केलिए वह तु रं त बाद बिना कोई निशान छोड़े शहर से गायब हो गया। शायद पाओ यू के नौकर के लिए उसके ठिकाने के बारे में कु छ पत चल सके, लेकिन वह निश्चित रूप से एक भटकत हुआ पौधा है ।" हो सकता है कि उसे यहाँ दोबरा आने का ख्याल आने में सालों लग जाएँ, और तु म्हारी बहन का इं तज़ार शायद व्यर्थ ही हो। उसके लिए बे हतर होग कि वह उसे अपने मन से पू री तरह निकाल दे ।" “लगता है आप मु झे अभी तक जानते नहीं हैं, जीजाजी,” बगल के कमरे से अचानक आते हुए तीसरे यू ने बीच में ही टोक दिया। “मैं जो सोचत हूँ वही कहत हूँ । य तो श्री लियू होंगे या कोई नहीं, बस यही बात है! आज से मैं प्रार्थना, उपवास और अपनी माँ की दे खभाल में अपन समय लगाऊँ ग, और उसका इं तज़ार करूँ ग, चाहे मु झे सौ साल ही क्यों न इं तज़ार करना पड़े ।" और अगर मेरा यह इरादा सच्चा नहीं है, तो मे रा भाग्य भी इस क्लिप की तरह हो!” उसने गं भीरता से कहा। अपने बलों से एक जे ड क्लिप निकालकर, उसने उसे दो टु कड़ों में तोड़दिया और फिर बगल वाले कमरे में गायब हो गई। चिया लियन को उसके फै सले को स्वीकार करना पड़ा। उसने पओ यू केनिजी नौकर मिंग ये न के माध्यम से शीत शू रवीर केठिकाने के बारे में कु छ पता लगाने की कोशिश की, लेकिन मिंग ये न को कु छ भी पता नहीं था; और उस यु वक के पु राने इलाके में उसकी पू छताछ भी व्यर्थ रही। कु छ समय बद, चिया लियन ने फ्लावरिंग ब्रां चले न में दो और रातें गु प्त रूप से बिताने के बाद, पिंग आन चाउ प्रां त

की यात्रा शुरू की। वह तीनदिन से रास्ते में था जब एक व्यापारिक काफिला उसकी ओर आया। जैसे ही दोनों दल करीब आए, उसने आश्चर्य से देखा कि उसका चचेरा भाई ह्सु एह पन काफिले के साथ चल रहे एक दर्जन घुड़सवारों में से एक था। और जो बात उसे और भी आश्चर्यचकित कर गई, वह यह थी कि उसके बगल में शांति से सवार उसका पूर्व शत्रु, शीत शूरवीर था। आपसी बातचीत के बद अभिवादन के बद, दोनों पक्ष पास के एक सराय में विश्राम करने के लिए मुड़ गए। "यह कैसे हो सकता है कि मैं तुम दोनों पूर्व प्रतिद्वंद्वी और विरोधी अब इतनी शांति से एकजुट देख रही हूँ?" चिया लियन ने पूछा। "पिंग आन चाउ के पड़ोस में लुटेरों के एक गिरोह ने मेरे काफिले पर हमला किया और उसे लूट लिया। फिर संयोग से और ठीक समय पर..."

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.20% है ।

कु छ समय बद भाई लियू अपने दल के सथ हमारी मदद के लिए आ गए। उन्होंने लु टे रों को खदे ड़ दिया, उनसे बलपूर्वक लू दा हुआ माल वापस ले लिया और मे री और मे रे लोगों की जान बचाई। जब उन्होंने मे रे धन्यवद को ठुकरा दिया, तो मैं ने उन्हें रक्तभाई का प्रस्ताव दिया। और इस तरह हम सच्चे सहयोगी और रक्तभाई बन गए और हमे श के लिए साथ-साथ यात्रा करते रहे लेकिन हमारे रास्ते जल्द ही अलग होने वले हैं । मैं राजधानी लौट रहा हूँ, और वह अपनी एक चाची से मिलने दक्षिण की ओर दो सौ ली दूर जा रहे हैं । घर का काम खत्म करते ही मैं उनके लिए एक दुल्हन और एक घर का इं तजम करने और उन्हें राजधानी में स्थयी रूप से बसने के लिए मनाने का इरादा रखता हूँ ।"दुल्हन? ओह, यह तो बहुत बढ़िया है!" "मैं अभी एक उपयुक्त रिश्ता सु झ सकता हूँ," चिया लियन ने उत्सु कता से बीच में कहा और उसने दूसरी यू बहन से अपने गु प्त विवाह और अभी तक अविवाहित छोटी बहन के बरे में बताया। हालाँकि, उसने यह बतने से परहे ज किया कि तीसरी यू बहन ने खु द शीत शू रवीर को अपना पति चु न था, और उसने अपने चचे रे भाई को घर लौटने पर इस पू री कहानी का किसी को भी न बताने के लिए भी राजी कर लिया। "तु म्हें अपनी यह चालाक योजना बहुत पहले ही बन ले नी चहिए थी! यह मे रे रूढ़िवादी चचे रे भाई फीनिक्स के लिए बिल्कुल सही सबक है!" ह्सु एह पै न ने षड्यंत्रपूर्ण ढं ग से कहा, और उसने भी नई शदी की योजना को तु रं त मं जू री दे दी। लेकिन शीत शू रवीर ने कहा "यह सब ठीक है, लेकिन मैं ने केवल एक असाधारण सु ं दरी से ही विवाह करने का दृढ़ निश्चय किया है । मैं धन और वं श से अधिक इसे महत्व दे त हूँ । मु झे इस बत की पुष्टि करनी होगी तभी मैं तु म्हारे सु झव पर सहमत हो पाऊँ ग।" "ओह, इस मामले में आप बिल्कुल निश्चिंत हो सकते हैं," चिया लियन ने उत्सहपूर्वक उसे आश्वस्त किया। "लेकिन शब्दों का क्या? आपको उसे खु द दे खना होगा, और फिर आप आश्वस्त हो जाएँ गे" "उसकी सु ं दरता की बराबरी करने वली दूसरी लड़की मिलना मुश्किल होगा।" "ठीक है, मैं सहमत हूँ और मैं लगभग दो महीने में राजधानी में आ जऊँ ग, लेकिन मैं पहले अपनी चची से मिलना चाहता हूँ," शीत शू रवीर ने कहा। "मैं आपकी बत मान ले ती हूँ लेकिन आप बड़े चं चल हैं, एक बहते पनी के पौधे की तरह। क्या आप अपनी बात को किसी तरह के सगाई के उपहार से

साबित करना पसं द नहीं करें ग?" चिया लियन ने मु स्कुराते हुए सु झाव दिया। "चिंता मत कीजिए, जीजाजी; आप मे री बत पर भरोसा कर सकते हैं । मे रे पास अभी पै से नहीं हैं, और मैं यत्रा भी कर रहा हूँ । मु झे अभी कोई उपयुक्त उपहार कहाँ से मिले ग?" शीत शू रवीर ने उत्तर दिया। "मु झे उपहार लाने दीजिए!" ह्सु एह पन ने सु झाव दिया। "यह ज़रूरी नहीं कि तु रं त ही महांगा सोना-चां दी और गहने हों। आपके पास जो भी छोटी-मोटी चीज़ है, वह भी चले गी। बस यह सबसे अच्छा होगा कि यह आपकी कोई निजी यादगार हो, वरना शायद वह मु झ पर विश्वास न करे," चिया लियन ने ज़ोर दिया। "ठीक है, तो उसे मे री दोधारी तलवार मिल जाएगी।" यह एक पु राना 360 है

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.15% है ।

"मे रे परिवार की पु श्तै नी धरोहर जिसे मैं ने हमेशा निष्ठापूर्वक सहे ज कर रख है," कोल्ड नाइट ने कहा। उन्होंने सथ में कु छ और गिलास पिए, फिर अलग हो गए और अपने-अपने रास्ते चले गए। चिया लियन ने पिंग आन चाउ के प्रीफे क्ट के पास अपना मिशन पू रा किया और दो सप्ताह बाद राजधानी लौट आया। उसकी पहली यात्रा फ्लावरिंग ब्रां चले न की थी। राजकु मर के सले की दो गु प्त और पू री तरह से निष्फल यात्राओं के अलावा, उसकी अनु पस्थिति में कु छ भी महत्वपूर्ण नहीं हुआ था। तीनों यु महिलाएं चु पचाप घर में बं द दरवाजों के पीछे रहीं और सु-ई धागे के काम में व्यस्त रहीं। चिया लियन ने गर्व से कोल्ड नइट के सथ अपनी सफल मुलाकात की सू चन दी और तीसरी यु को उसकी सगई का उपहार, दो धारों वाली "बत्तख यु गल" तलवार सौंप दी। उसने अपने इस अनोखे साई के उपहार को और करीब से दे खा। मोतियों और रत्नों से जड़ी एक ही म्यान के अं दर दो बिल्कुल एक जै सी, ठं डी चमकती, ते ज धर वाली तलवारें छिपी हुई थीं। एक तलवार पर यु आन (जिसका अर्थ है "छोटा बत्तख") और दूसरी पर यां ग (जिसका अर्थ है "छोटी बत्तख") अंकित था। तीसरी यू अत्यं त प्रसन्न हुई। उसने दोनों तलवारें लीं और उन्हें अपने कमरे में ले जकर अपने पलं ग के ऊपर दीवार पर टां ग दिया, क्योंकि वह चाहती थी कि तलवार हमे श उसकी आँ खों के सामने रहे, ताकि उसके दर्शन से उसे शक्ति और सहारा मिले, जब तक कि उसका प्रियतम उसे अपने घर ले जने न आ जए। चिया लियन दो दिन तक अपनी नाई नाई के सथ पु ष्प शाखा वाली गली में रहा; उसके बद ही वह पश्चिमी महल में अपने पिता को रिपोर्ट दे ने और फीनिक्स का अभिवादन करने गया। इस बीच वह अपनी लं बी बीमरी से उबर चु की थी और बाहर जाने और घर के अपने नियमित कार्यों को फिर से शु रु करने में सक्षम थी। अं त में उसने राजकुमर चे न से मुलाकात की और उन्हें तीसरी यू की सफल सगाई के बरे में सूचित किया। राजकु मर ने उसकी बात कु छ उदासीन और असं वे दनशील भाव से सु नी। अपनी खू बसू रत भाभी का दिल जीतने के अपने प्रयासों में नकाम रहने के कारण वह उदास था। इसलिए उसने अपनी जे ब से कु छ चांदी ताएल निकालकर यु वती के दहे ज के लिए दिए और बाकी सारी व्यवस्था अपने चचे रे भाई चिया लियन पर छोड़ दी। आठवें महीने में कोल्ड नाइट एक बार फिर राजधानी में आ गया। वहाँ अपने

पहले दिन वह आंटी हुसु एह और अपने नए दोस्त सु एह पैन से मिलने गए, जो ज़ुकाम से पीड़ित होकर बिस्तर पर लेटी हुई थी। आंटी सु एह को अब अपने बेटे के साथ हुए उसके पुराने झगड़े के लिए उससे कोई शिकायत नहीं थी, और अब वह उसे केवल अपना दोस्त और मददगार मानती थी और उसका बहुत आभार और स्नेह जतती थी। अपनी कृतज्ञता का कुछ हिस्सा चुकाने के लिए, माँ और बेटे ने सभी कुल 361 लोगों से मिलने का जिम्मा लिया था।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 8.90% है ।

आगामी विवाह का खर्चे वे अपनी जे ब से उठा रहे थे, और शीत यु द्ध ने इस व्यवस्था को सहर्ष स्वीकार कर लिया। अगले दिन वह मित्रतावश पाओ यू से मिलने गया और चिया लियन के दूसरे यू से गु प्त विवाह के बारे में और अधिक जानकारी ले ना चाहता था, लेकिन पाओ यू को भी इसके बारे में बहुत कम पता था, मिंग ये न से सु नी-सु नाई बातों से । पाओ यू ने उसके सवालों को टालते हुए कहा, "वै से भी मैं इस सं वे दनशील मामले से यथासं भव दू र रहना ही पसं द करूं गा।" पाओ यू ने आगे कहा, "लेकिन अपने बारे में बताइए। मैं ने सु ना है कि पिंग आन चाउ जाते समय आपकी मुलाकात चचे री बहन चिया लियन से हुई और उनसे आपकी एक महत्वपूर्ण बातचीत हुई। वै से, वह बातचीत किस बारे में थी?" शीत यु द्ध ने तीसरे यू से अपनी सगाई के बारे में बताया, जो यात्रा के दौरान तय हुई थी। पाओ यू ने उत्साहपूर्वक कहा, "अरे वह, आपको बधाई हो! वह सचमु च बे हद खू बसू रत हैं - आपके लिए एक योग्य जीवनसाथी।" "ओह, सच में? अगर वो इतनी खू बसू रत है तो मु झे समझ नहीं आता कि मु झ जै से बेरोजगार को उसकी किस्मत में क्यों उतरना चाहिए। वै से भी, उसके जीज से मे रा कोई खास रिश्ता नहीं है," कोल्ड नाइट ने सोच-विचार करते हुए कहा। अचानक उसके मन में शक पै दा हो गया कि प्रिंस चे न की पुरानी प्रेमिका को उस पर थोपा जा रहा है । "सच में, मु झे समझ नहीं आ रहा कि सड़क पर हमारी अचानक हुई मुलाकात में मु झे इस रिश्ते के लिए क्यों मजबू र किया गया। मैं कल्पना भी नहीं कर सकता कि ऐसी लड़की किसी आदमी के पीछे भागे गी। मु झे इस पू रे मामले पर शक हो रहा है, और अब तो मु झे लगभग अफसोस हो रहा है कि मैं ने अपनी तलवार गिरवी रख दी। मु झे पहले खु द कु छ पू छताछ कर ले नी चाहिए थी।" "तु म्हारे शक बिलकुल बे बुनियाद हैं । पहले तो तु म एक बे हद खू बसूरत लड़की को पाना चाहते थे, और अब जब मिल गई तो तु म हिचकिचाने लगे हो। उसे ले लो, और अब और दे र मत करो।" "तो क्या तु म्हें इतना यकीन है कि वो खू बसू रत है? क्योंकि मु झे लगता है कि तु म उसके बारे में और उसके परिवार के बारे में मु झसे ज्यादा नहीं जानते ।" "वह राजकु मारी चे न की सौतेली बहन है, जिसका मायके का नाम यू था। पूर्वी महल में हाल ही में हुए अंतिम सं स्कार के दौरान मैं उससे और उसकी माँ और बहन से न जाने कितनी बार मिला, इसलिए मु झे ज़रूर पता होगा।" कोल्ड नाइट ने गु स्से से पै र पटक कर "मु झे

अपने पूर्वी महल के बरे में मत बताओ!" वह चिल्लाया। "वहाँ के वल दो सं गमरमर के शे र ही हैं जो बदनाम नहीं हैं । नहीं मु झे तो यह सब बहुत संदिग्ध लग रहा है । मैं इसमें शामिल नहीं होऊं ग!" लेकिन अपने मित्र के गलों पर शर्मिंदगी की लाली दे खकर उसे तु रं त अपने गु स्से पर पश्चत हुआ। उसके समने औपचरिक रूप से झुककर उसने जल्दी से माफी मां गी।"मे रे पास 362 हैं

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.87% है ।

"मे री ज़बन बह गई, और मैं अपने बु रे तरीके के लिए मौत का हकदार हूँ," उसने कहा। "लेकिन मु झे उसके चित्र के बरे में कु छ तो बताओ।" "अरे, आप मु झसे बार-बार क्यों पू छ रहे हैं लगता है आप मु झसे ज़्यादा जानकार हैं। इसके अलावा, शायद मैं खु द बदनाम और अविश्वसनीय हूँ?" "कृ पया नाराज़ मत होइए। मैं अपनी गलती भूल गया था।" "ठीक है।" हम इसके बरे में और कु छ नहीं कहें गे" कोल्ड नाइट समझ गया कि उसे अपने नाराज़ दोस्त से और कु छ नहीं मिले ग, इसलिए उसने एक बर फिर संक्षिप्त और औपचारिक रूप से झुककर विदा ली। वह जल्दबाजी में हुई सगाई को रद्द करने केलिए दृढ़ था, जो उसे दिन-प्रतिदिन संदिग्ध लग रही थी। वह तु रं त चिया लियन को अपना निर्णय बताने केलिए निकल पड़ा, जो उस समय फ्लावरिंग ब्रां चले न में दूसरी यू के सथ थी। भोले-भाले चिया लियन ने उसका अत्यं त मै त्रीपूर्ण और आत्मीय तरीके से स्वागत किया और उसे सीधे घर की महिलाओं के ड्राइं ग रूम में ले गय, जहाँ उसने उसे उसकी होने वाली सास से मिलवाया। वह अपने होने वाले सले के मदर यू केत्रिम कठोर और औपचारिक तरीके से झुकने पर काफी है रान था, और उससे भी अधिक आश्चर्यचकित तब हुआ जब उसने उसे "सास" के बजाय "बू ढ़ी चची" कहकर सं बोधित करते हुए सु न, और खु द को "दामाद" के बजय के वल "बाद में जन्म" कहकर सं बोधित करते हुए सु न। लेकिन वह तब दं ग रह गय जब चाय के दौरान कोल्ड नाइट ने अचनक बिना किसी चे तवनी के कहा: "हमारा हालिया समझौता यह एक जल्दबाजी में किया गया, सं योगवश समझौत था। मे री चची, जिनसे मैं कु छ समय बाद मिलने गया था, ने मे री भावी दुल्हन चु नली थी और वह चाहती हैं कि मैं चौथे महीने में उनसे शादी कर लूँ । चाची के प्रति सम्मान के कारण मु झे उनकी इच्छा का पालन करना ही होगा। इन परिस्थितियों में मु झे अनिच्छा से अपन समझौता तोड़ना होगा और अपनी प्रतिज्ञा वापस माँ गनी होगी। अगर यह कोई साधारण आभूषण होता, तो मैं इसे वापस माँ गने पर जोर नहीं देता, लेकिन वह तलवार मे रे लिए अनमोल और पवित्र है, क्योंकि यह मे रे पूर्वजों द्वारा मु झे विरासत में मिली है। इसलिए मु झे अनिच्छा से इसे वापस माँ गन होगा।" चिया लियन को अपने कानों पर विश्वास नहीं हुआ जब उसने उसे इस तरह बोलते सु न। "मे रे भाई को गलतफहमी है: समझौता तो समझौता होता है!" वह

स्तब्ध होकर चिल्लाया। “इसीलिए मैं ने साई के उपहार पर जोर दिया था — ताकि अगर तु म अपने वचन से मु कर जाओ तो एक प्रत्यक्ष प्रमाण रहे । अगर हर मं गे तर जबान दे अपनी सगई तोड़ सके तो कै से रहे ग? नहीं! तु म जो पू छ रहे हो वह असं भव है!” "मैं अपने साई की हर शर्त पू री करने को तै यर हूँ, लेकिन मु झे मे री तलवार वापस चाहिए," शीत योद्धा ने मु स्कुराते हुए कहा। चिया लियन कु छ जवब दे ने ही वला था कि शीत योद्धा खड़ा हो गया और उसे बहर जाने केलिए कहा ताकि माँ यू की उपस्थिति में विवाद न बढ़े । दोनोंलगभग 363 से निकलने ही वले थे ।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.20% है ।

तभी बगल वाले कमरे का दरवाजा अचानक खुला और तीसरी यू अंदर आ गई। वह बगल वाले कमरे से सारी बहस सु न रही थी। वह अपने प्रियतम का इं तज़ार कर रही थी, और अब उसे पता चला कि वह उससे कोई वास्ता नहीं रखना चाहता! शायद उसने यु ंगकु ओ स्लाह में उसके बारे में कोई बु री खबर सु नी हो? शायद उसे बे शर्म औरत बताया गया हो, जो उसकी कानू नी पत्नी बनने के लायक न हो? अगर वह उसे बिना किसी दे री के जाने दे ती, तो शायद उसके कारण बाहर उसके और चिया लियन के बीच भयं कर झगड़ा हो जाता। वह ऐसा नहीं चाहती थी। अचानक दृढ़ निश्चय करके, उसने दीवार से दोधारी तलवार उतारी, "स्त्री" धार निकाली, और उसे अपनी दाहिनी बां ह के नीचे छिपाकर, "पु रुष" धार को म्यान में ले कर कमरे में चली गई। "तु म्हारा झगड़ा बे कार है; मैं अपनी सगाई का उपहार स्वे च्छा से लौटाती हूँ," उसने आँ सु ओं से भरी आवाज़ में कहा, और पु रुष धार वाला म्यान उस ठं डे योद्धा को सौंप दिया। उसी समय उसने छिपी हुई स्त्री-तलवार निकाली और ज़ोरदार वार से उसे उसके कोमल गले में घोंप दिया। बाकी लोग भयभीत होकर आगे बढ़े और उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन बहुत दे र हो चु की थी। टूटे हुए आड़ू के फूल की पं खुड़ियाँ ज़मीन पर लाल छींटों की तरह गिर रही थीं; चू र-चू र हो चु के प्राइट h1* a फिर कभी नहीं उठे ग! पहले सदमे के बाद मृ त लड़की की माँ ज़ोर-ज़ोर से विलाप करने लगी और कोल्ड नाइट को कड़वी गालियाँ और अपशब्द कहने लगी। उसी समय चिया लियन ने उसे पकड़ लिया और अपने नौकरों को उसे रस्सियों से बँ धकर अदालत के सामने घसीटने का आदे श दिया, लेकिन दूसरी यू ने जल्दी से अपने आँ सू पोंछे और उसे अपना इरादा बदलने के लिए मजबू र किया। "मे री बहन ने जो किया वह अपनी मर्ज़ी से किया; सज्जन ने उस पर न तो दबाव डाला है और न ही ज़बरदस्ती की है," उसने कहा। "मामले को अदालत में लाने से जो हो चु का है वह नहीं बदले ग, बल्कि हमारे घर पर बदनामी ही आएगी। सज्जन को अपने रास्ते जाने दो" चिया लियन को यह स्वीकार करना पड़ा कि वह सही थी, और उसने कोल्ड नइट को जाने दिया। लेकिन वह वहीं खड़ा रहा, मानो स्तब्ध हो, अपने गालों से धीरे-धीरे बहते आँ सू पोंछ रहा। "कितनी शानदार, वीर लड़की! किसने सोचा होगा कि ऐसा हो सकता है? मैं खु द को कोसता हूँ, दुख लाने वाला!" वह विचारों में डूबा हुआ खु द

से बुदबुदाया। और वह वहीं जड़वत खड़ा रहा जब तक कि एक ताबूत नहींलाया गया और उस अभागी लड़की को उसमें नहीं रख गया। फिर, ताबूत पर हाथ रखकर, वह ज़ोर-ज़ोर से विलाप करने लगा, जो कुछ देर तक चलता रहा। इस प्रकार मृतलड़की को उचित श्रद्धांजलि अर्पित करने के बद, उसने विदा ली और धीरे-धीरे चला गया। विचारों में डूबा हुआ और आत्म-निंदा से व्याकुल, वह चलता रहा, न तो सड़क की परवाह करता था और न ही अपने लक्ष्य की। अचानक उसने रेशमी वस्त्रों की सरसराहट जैसी एक कोमल आवाज़ सुनी।

尤三姐

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 79.07% है ।

सोने के कं गन और जे ड के कमरबं द के आभूषणों की झं कार के बीच, अचानक, उसके समने तीसरी यु खड़ी थी। एक हाथ में उसकी दोहरी तलवार थी, दूसरे में एक चर्मपत्र, और उसने विलाप भरे स्वर में उससे कहा "अपने प्रे म की व्यर्थ मूर्खता में मैं ने गॉर्फ्स का तु म्हारा इं तज़ार किया। मैं कितनी मूर्ख थी, मु झे नहीं पता था कि तु म्हारा हृदय तु म्हारी दृष्टि की तरह ठं डा है । मु झे अपने इस मूर्खतापूर्ण प्रे म का मू ल्य अपने जीवन से चुकाना पड़ा। मैं अब भयनक जागृति की परी की से व में हूँ जो महान शू न्य के क्षे त्र में विराजमान है । मेरा कार्य है कि मैं अपने विचारों के सथ, अपू रणीय प्रे म ऋणों के अभिले खगार में दुखी प्रे म के उल्ले खनीय मामलों को दर्ज करूँ । मैं तु म्हें अंतिम विदाई दे ने आई हूँ क्योंकि हमारा फिर से मिलना असं भव है "। आँ खों में आँ सू लिए उसने प्रणम किया। उसने स्वयं को उस पर विदा किया और उसे गले लगाने और कसकर पकड़ने की कोशिश की, लेकिन उसने धीरे से उसके हाथों को दूर धकेल दिया और उससे बचनिकली। इसके बद वह ज़ोर-ज़ोर से रोने लगा, और उसकी आवाज़ से उसकी नींद खुल गई, क्योंकि वह सिर्फ़ सपना दे ख रहा था। जब उसने आँ खें उठाईं तो उसने अपने चारों ओर एक खं डहर मंदिर की प्राचीन, जर्जर दीवारें दे खीं। उसके बगल में एक आदमी बै ठा था जिसने तओवादी पु जरी का गं दा चोगा पहना हुआ था। वह एक पै र सेलं गड़ा था, और पिस्सू पकड़ने में व्यस्त था। "आप कौन हैं, गु रुजी, और हम कहाँ हैं?" उसने उस अजीब सेदिखने वले अजनबी से पूछा। "मु झे खु द नहीं पता, और वै से भी इससे कोई फर्क नहीं पड़ता; मु झे बस इतना पता है कि हम अभी थोड़ी दे र आराम कर रहे थे," अजीब सा जवाब आया। अचानक आं तरिक प्रकाश से प्रकाशित होकर, शीत योद्धा बर्फीले भय से काँप उठा, और अपनी तलवार निकालकर उसने उसे अपने सिर पर उठाया और अपने बल काट डाले । फिर वह उस रहस्यमय अजनबी के पीछे चल पड़ा, उसे नहीं पत था कि कहाँ । अध्यय 34 फीनिक्स नौकर से पू छताछ करता है और इस तरह गु रु के धोखे का पता लगाता है । अभगी यू लड़की खु द को एक जाल में फँ सा ले दे ती है 1. तीसरी यू को उनकी मृ त्यु के दिन ही ताबू त में रखा गया और शहर की दीवारों के बहर बड़े ही चु पचाप दफना दिया गया। उनकी अचानक मृ त्यु की खबर एक नौकरानी ने चची ह्सु एह को दी। चची ह्सु एह बहुत दुखी और स्तब्ध थीं। उन्होंने शीत शू रवीर के

प्रति कृ तज्ञत व्यक्त करते हुए तीसरी यू के ाम्हा शादी की व्यवस्था करने में मदद की थी,क्योंकि शीत शू रवीर ने ाम्मार्ग पर ह्सु एह पै न की जान बचाई थी। इसके अलावा, उन्होंने शदी के उपहार के रूप में उन्हें र्नीचर सहित एक पू र घर दे ने काइरादा किया था। "इस दुखद, रहस्यमय घटना के बारे में आप क्यासोचती हैं?" उन्होंने अपनी366 वीं चाची से पू छा

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.06% है ।

बे टी प्रेशियस क्लै स्प ने आह भरते हुए कहा,"बे चरी की सगाई कोल्ड नाइट से हुई थी, जो तु म्हारे भाई का पक्का दोस्त था। और अब, शादी से ठीक पहले, उसने आत्महत्य कर ली! और उसका मं गे तर तब से बिना कोई सु राग छोड़े गयब हो गया है!" "यह एक बार फिर उस पु रानी कहावत की सच्चाई को साबित करता है कि इं सन का भाग्य हवा के रुख और बदलों के आकार की तरह अनिश्चित होता है। शम और सु बह के बीच हमारा भाग्य अचानक अच्छे य बु रे के लिए बदल सकता है। यह उसका पूर्वनिर्धारित भाग्य था," प्रेशियस क्लै स्प ने दार्शनिक लहजे में कहा "लेकिन उदास रहने औरशिकायत करने का क्या फायदा? वह मर चु की है, इसमें कु छ नहीं किया जा सकता, और हम उसे वपस नहीं ला सकते। इस बत को भूल जाओ और अपने जीवन और अपने कामों पर ध्यान दो! भाई ह्सु एह पन कु छ हफ़्ते पहले ही दक्षिण से लौट आए हैं और इस बीच शायद उन्होंने अपन सामान बे चदिया होगा। अब समय आ गया है कि वे अपने साथियों के लिए दावत दें, जिन्होंने महीनों उनके साथ यात्रा की, उनकी कठिनाइयों और खतरों को साझा किया, ताकि उनकी सु खद घर वपसी का जश्न मनाया जा सके। आपको भई ह्सु एह पन से बत करनी चाहिए और उन्हें अपने पद के अनुसार इस कर्तव्य को निभाने के लिए प्रेरित करना चाहिए।" माँ ह्सु एह जवब दे ने ही वाली थीं कि चर्चा का विषय स्वयं प्रकट हो गय। वह बहुत परे शन लग रहा था और उत्तेजित होकर दोनों महिलाओं से बोला: "क्या आपने दुखद खबर सु नी? चचे रा भाई यू मर गया! भाई लियू गयब हो गया!" "हम अभी इसी बारे में बात कर रहे थे। कितना दुखद मामला है!" चाची ह्सु एह ने आह भरी। "वे कहते हैं कि वह एक अजीब ताओवादी भिक्षु के सथ चला गया है।" "इससे कहानी और भी अजीब हो जाती है। अखिर लियू जै से समझदार नौजवान इतना अजीब विचार कै से सोच सकता है? वह तु म्हारा दोस्त है और दुनिया में अकेला है, इसलिए तु म्हें उसके लिए प्रयास करना चाहिए और उसकी तलाश करानी चाहिए। वह उस दुष्ट भिखारी भिक्षु के साथ ज्यादा दूर नहीं जाएगा। शायद वह आस-पास के किसी मंदिर में छिपा हो।" "मैं ने और मे रे आदमियों ने शहर के अं दर और बाहर हर जगह उसकी तलाश की है; लेकिन उसका कहीं कोई सु राग नहीं मिला।" "अच्छा, तो तु मने दोस्त होने के नाते अपन फर्ज निभा दिया है। लेकिन इस सब

के चक्कर में अपने लोगों को नजरअंदाज मत करो। कृतज्ञता के नाते तुम्हारा फर्ज है कि तुम अपने आदमियों के लिए एक शानदार दावत तैयार करो, जिन्होंने तीन हजार ली की यात्रा की और चार-पांच महीनों तक तुम्हारे साथ हर तरह की मुसीबत और खतरे का सामना किया। वे इसके हकदार हैं।" ह्सु एह पन उससे सहमत हो गया, और उसी दिन उसने अपने कई व्यापारिक प्रबंधकों और यात्रा साथियों को दावत के लिए निमंत्रण भेजा। जब मेहमान मेज के चारों ओर एकत्रित हुए, तो भोज के दौरान उनमें से एक ने पुकारकर कहा: "हमारे दो अच्छे साथी अभी भी मेज से गायब हैं।" "तो कौन?" उनसे पूछा गया। 367

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 79.12% है ।

"श्री चिया लियन और हमारे मे ज़बान के पक्के दोस्त कोल्ड नाइट। उन्हें क्यों नहीं बुलाया गया?" ह्सु एह पन का चे हरा उदास हो गया और उन्होंने गहरी साँस ली। "मे रा चचे रा भाई कु छ समय पहले फिर से पिंग आन चाउ के लिए रवाना हो गया है," उन्होंने कहा, "और मे रे दोस्त लियू की बात करें तो, उसका नाम ले ते ही मु झे तकलीफ़ होती है । यह बहुत अजीब कहानी है । उसने अचानक संसार त्याग दिया और एक अजनबी, एक ताओवादी पु जारी के साथ गायब हो गया।" और उन्होंने अपने दोस्त की सगाई के दुखद परिणाम और उसके अचानक गायब होने के बारे में जो कु छ भी जानते थे, सब बता दिया। "कितना अजीब!" सबने कहा, और एक बिज़ने स मै ने जर ने आगे बताया "हाल ही में दुकान के ग्राहकों ने इसी तरह के एक मामले के बारे में बताया था। कहानी एक भिक्षु की थी जिसने तीन-चार वाक्यों में किसी को जादू से वश में कर लिया और उसे अदृश्य कर दिया। मु झे इससे ज़्यादा जानकारी नहीं है; हम से व में व्यस्त थे और ग्राहकों की बे कार की बातों पर ध्यान दे ने का समय नहीं था।" “अरे, ये क्या बकवास है! ये तो बिलकुल ही अलग तरह का मामला होगा,” दूसरे ने शांति से कहा। “श्री लियू जै से साहसी, समझदार और बलवान व्यक्ति, जो हथियारों का आदी हो, वो कभी भी किसी घु मंतू भिक्षु के जादू में नहीं फँ सेगा। शायद उसने उसके जादू-टोने और चालबाज़ी को समझने के लिए ही उसके साथ आने का नाटक किया है । आखिर में वो उस धोखे बाज़ पर ज़रूर भारी पड़े गा।” “शायद यही हुआ है!” ह्सु एह पन ने गर्मजोशी से सहमति जताई। “सच में, इन धोखे बाज़ों को, जो लोगों को अपनी चालों से ठगते हैं, सख्ती से सबक सिखाना चाहिए।” “क्या आपने अपने लापता दोस्त की तलाश नहीं करवाई?” उन्होंने उससे पूछा। “हाँ, बिल्कुल, मैं ने उसकी तलाश शहर की दीवारों के अंदर और बाहर, हर जगह करवाई है; लेकिन – और आप इस पर हँ स सकते हैं – उसका कहीं पता नहीं चल रहा है,” ह्सु एह पन ने एक बार फिर निराश होते हुए कहा। मे ज के चारों ओर बै ठे सभी लोग शर्मिंदगी भरी चु प्पी में डूब गए; आहों की लंबी-छोटी आवाज़ों के सिवा कु छ सु नाई नहीं दे रहा था, अब कोई भी खु श नहीं रह सकता था, और कु छ और गिलास शराब पीने के बाद पार्टी उदास मन से समाप्त हो गई। कु छ दिनों बाद पर्ल खाली समय में फीनिक्स से मिलने गई ताकि उसका हालचाल पू छ सके, लेकिन वह ज़्यादा दे र

नहीं रुकी। उसे लगा कि हवा में कुछ बेचैनी है। उसने उत्तेजित, फुसफुसाती नौकरानियों को देख और फीनिक्स द्वारा उन द्वारपालों या नौकरों से की गई पूछताछ के बारे में कुछ सुना। इसलिए वह बीच में नहीं आना चाहती थी। उसके जाते ही फीनिक्स ने दूसरे द्वार के रक्षक लिटिल वांग को बुलवाया। लिटिल वांग के आने से पहले ही उसने नौकरानी लिटिल पिंग से पूछा, "कैसा रहा? तुमने क्या सुना?" 368

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 8.67% है ।

“जिस नौकरानी ने मु झे चु पके से सूचना दी थी, वह दूसरे द्वार पर छोटे वं ग और मलिक के दो नौकरों के बीच की बतचीत सु न रही थी। यह एक दूसरी नानी के बरे में थी, जो पु रानी नानी से कहीं अधिक सु ंदर, दयालु और मिलनसार थी, और उनका मतलब आपसे था...” छोटे वं ग के आने की घोषणा की गई। फीनिक्स ने छोटेपिंग को चु प रहने को कहा और छोटे वं ग को अं दर आने का आदे श दिया। वह सम्मानपूर्वक, अपने हाथ बगल में लटकाए, प्रवे श कक्ष की दहलीज पर दबे पां व खड़ा रहा। “पास आओ! मैं तु मसे कु छ पूछना चाहता हूँ,” फीनिक्स ने आदे श दिया और फिर वह भीतरी कक्ष की दहलीज की ओर बढ़ा। “तु म उस व्यक्ति के बरे में क्या जानते हो जिसके सथ मे रे पति बाहर मिलते हैं?” छोटे वं ग ने एक घु टना झुकाया। “दास प्रतिदिन दूसरे द्वार पर अपनी से वा करता है । उसे कै से पता चले ग कि मालिक बाहर क्या करता है?” “स्वाभाविक रूप से, तु म कु छ नहीं जानते!” छोटा वां ग दोनों घु टनों के बल बै ठ गया। "अच्छा, तो मैं अभी सं योग से वहीं मौजू द था जब छोटा हसिंग और छोटा हसी दूसरे द्वार पर गपशप कर रहे थे । मैं ने बस उन्हें चु प रहने को कहा; मु झे उनकी बातों में कु छ भी समझ नहीं आया। तु म्हें छोटे हसिंग से पू छताछ करनी चाहिए। वह हमे श मालिक के सथ बाहर जाता है ।" "अरे, तु म भी बकी झुं ड की तरह निकम्मे हो" फीनिक्स गु स्से से चिल्लाया। "तु म सबलताओं की तरह आपस में उलझे और चिपके हुए हो। लेकिन यह मत सोचो कि तु म मु झे धोखा दे सकते हो। भागो और छोटे हसिंग को यहाँ लाओ! मैं पहले उससे पू छताछ करूँ ग, फिर तु म्हारी बारी आएगी!" "छोड़ो, हटो!" छोटा वां ग हकलाया; और, प्रणाम करके, वह जल्दी से उठा और बाहर भाग गया, और थोड़ी ही दे र में छोटे हसिंग के सथ लौट आया। छोटा हसिंग बाहरी दहलीज पर डरते हुए झिझक रहा था। "अं दर आओ" फीनिक्स ने उसे आदे श दिया। "अपने मलिक के सथ तु मने बड़े ही अच्छे काम किए हैं!" अब, सच बताओ!” उसके चे हरे और आवाज की गं भीरत ने अब तक बनए गए उसके आत्मविश्वास को चकनाचू र कर दिया। अपनी उलझन में वह घु टनों के बल गिरकर अपना माथा जमीन पर टिकाने के अलावा कु छ और नहीं सोच सका। “तु म इस ममले में खु द तो शामिल नहीं हो,” फीनिक्स ने नरम स्वर में कहा, “लेकिन तु मने मु झे तु रंत सूचित क्यों नहीं किया? मैं तु म्हें फटकार लगाए बिना नहीं रह सकती। अब,

कृपया, पूरी सच्चाई बताओ। तब मैं तुम्हें छोड़ूंगी। लेकिन अगर तुम सिर्फ बहाने बनाते रहे तो तुम्हारा बुरा हाल होगा! पहले यह सुनिश्चित कर लो कि तुम्हारा दिमाग ठीक से काम कर रहा है!”

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 8.77% है ।

डर से कां पते हुए छोटा हसिंग थोड़ा और पास सरका और एक और प्रणाम किया। "गुलाम को ज़रा भी अं दाज़ा नहीं है कि उसने मलिक का कितना बड़ा नु कसन किया है," उसने अब यथसं भव शां त और निडर होकर कहा। "इसे दो-चार घूं से मारो!" फीनिक्स गु स्से से भड़क उठी। छोटा वां ग दौड़कर आया और उसका आदे श मनने ही वला था कि उसने उसे रोक दिया। "नहीं, उसे अपने कान खु द ही घूं से मारने दो बाद में दूसरे लोग इस कछुए को सबक सिखाने के लिए काफी समय निकाल लें गे "। छोटा हसिंग दाएं-बाएं झुकता रहा और एक झटके में अपने गालों पर एक दर्जन से ज़्यादा ज़ोरदार घूं से मारता रहा, जब तक कि उसकी मालकिन ने "रुको!" नहीं कहा। "अच्छा, तु म इस नई नाई नाई के बरे में क्या जानते हो, जिसे तु म्हारे मलिक ने शहर से उठाया है?" छोटे हसिंग ने अपनी टोपी उतर दी और अपने नं गे माथे को फर्श की मिट्टी की टाइलों पर इतनी ज़ोर से पटका कि धमक पहाड़ों की गूं ज की तरह धीमी सुनाई दी। "मैं दया की भीख मां गता हूँ और मैं फिर कभी झू ठ नहीं बोलूं गा।" उसने घोषणा की। "खड़े हो जाओ और बोलो!" छोटा हसिंग उठा और उसने जो कु छ जनता था, वह बताया - कै से एक दिन घर का प्रबं धक यूलू पै से लेने के लिए लौह रेलिंग मंदिर में राजकु मर चे न के पास गया; कै से श्री चिया लियन उसके सथ पूर्वी महल तक वापस आए, और कै से उन्होंने और श्री चिया यु ं ग ने रास्ते में राजकु मर चे न की दोनों भभीयों के बरे में चर्चा की और कै से श्री चिया लियन ने उनके श्रे ष्ठ गु णों और गुणों की प्रशं स की; कै से श्री चिया यु ं ग ने दूसरी यू लड़की को उसके लिए दूसरी पत्नी के रूप में लाने की पे शकश की। वह अपनी बात कबूल करते-करते यहाँ तक पहुँ च ही गया था कि फीनिक्स, गु स्से से लगभग घु टते हुए फू ट पड़ी: "तो यह वही है! और ऊपर से रिश्ते दार भी! कितना घटिया, बे इज्जत, कछुए जै स बर्ताव!" छोटा हसिंग घबराकर अपनी बात रोक बै ठा, जल्दी से प्रणम किया और फिर हताशा से समने दे खने लगा। "आगे बोलो! तु म क्यों नहीं बोल रहे?" फीनिक्स ने उससे आग्रह किया। "लेकिन अगर वह बोलता रहा तो क्या मालिक उसे नु कसान नहीं पहुँ चएगा?" छोटे हसिंग ने पहले पक्का करने के लिए पू छा। "बकवास! बोलो!" और छोटा हसिंग ने बतना जारी रखा कि कै से उसके मालिक ने खु शी-खु शी अपने भतीजे की योजना में हिस्सा लिया था। "बाद में योजन कै से पू री हुई, यह मु झे

नहीं पता।" "बे शक, एक नौकर को मालिक के हर काम या अनसु नी बत का पता नहीं हो सकता। बोलो!" "फिर, बाद में श्री चिया यु ंग ने श्री चिया लियन के लिए एक घर खरीदा और उसे सजाया..." "एक घर? कहाँ, फिर?" उसे फिर बीच में ही रोकदिया गया। 370

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 8.93% है ।

"पूर्वी महल के पीछे "। "अहा! और हमें तो इस सब का ज़रा भी पता ही नहीं चला! हम तो मानो मर ही गए थे!" फीनिक्स ने नौकरानी लिटिल पिंग पर तिरस्कार भरी नज़र डालते हुए कहा। "फिर राजकु मर चे न ने चांग परिवार को हर्जाना दिया; मु झे सही रकम नहीं पता," लिटिल हसिंग ने आगे कहा। "चां ग परिवार? फिर उस परिवार का इस मामले से क्या ले न-दे न है?" "तु म्हें पता ही होगा कि दूसरी एमएम नाई..." वह अचानक रुक गया और खु द को कान पर ज़ोर से थप्पड़ मरा। नाई नाई की मौजू दगी में दूसरी नाई नाई का ज़िक्र करने की उसकी गलती कै से हो गई? खु द को सज़ा दे ने की इस हास्यास्पद हरकत ने फीनिक्स को गं भीर स्थिति के बवजू द मु स्कुराने पर मजबू र कर दिया, और दाईं और बाईं ओर बै ठी नौकरानियों और नौकरानियों ने भी जल्दी से अपने मुं ह पर हाथ रख लिया और हं सने लगीं। “राजकु मरी चे न की छोटी बहन,” उसने अपनी बत सु धरते हुए कहा, “शु रु में चांग परिवार के चं ग हुआ नम के एक व्यक्ति से उसकी सगाई हुई थी। हाल ही में परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत खराब हो गई थी, इसलिए वे हर्जाना मिलने पर सगाई तोड़ने को तै यार थे ।” “ क्य तु मने यह सुना? दे खो कै से कै से खुलासे हो रहे हैं,” फीनिक्स ने सिर हिलाते हुए और अपने से वकों की ओर मु ड़ते हुए कहा, “और फिर भी इस धृष्ट व्यक्ति ने शु रु में दावा किया था कि उसे कु छ पता ही नहीं!” “श्री चिया लियन ने घर को नय रं गवया, सुं दर कालीन परलगवाए और फर्नीचर लगवाया, और फिर वह दूसरी यू को घरले आए।” “ उसे कौन ले कर आय था?” “के वल श्री चिया यु ं ग और कु छ नौकरानियाँ और नौकरानियाँ ।” “ राजकु मरी चे न नहीं?” “नहीं, वह तो दो दिन बाद उनसे मिलने आई थी और अपने साथ कई उपहार लाई थी।” “तो यही वह कथित मामला है जिसके कारण वह कई दिनों तक पूर्वी महल में रुका रहा!” फीनिक्स ने फु फकारते हुए कहा। “क्या उस व्यक्ति के सथ कोई और भी रहता है?” "उसकी माँ और कु छ समय पहले तक उसकी छोटी बहन, जिसने उसका गला काट दिया था।" "आखिर उसने ऐस क्यों किया?" छोटी हसिंग ने अपने अमो प्रे म और शीत शू रवीर से अपनी सगाई के बरे में बताया, जो टूट गई थी। "उसने समय रहते उस बदनाम टोली से खु द को छुड़ाकर अच्छा किया!" फीनिक्स ने उपहासपूर्वक कहा। "और कु छ?" "मु झे इससे ज्यादा कु छ नहीं पत; और मैं ने जो कु छ भी बताया है, वह

बिल्कुल सच है। नई नाई पूछताछ कर सकती है, और अगर वह मुझे झूठा या दोषी साबित कर देती है, तो वह चाहे तो मुझे पीट-पीटकर मार भी सकती है!" 371

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.66% है ।

"मे रे पास इसके लिए काफी वजह है, बं दर। खड़े हो जाओ!" छोटा हसिंग एक बार फिर झुककर खड़ा हुआ और चु पके से बाहर निकल गया। वह पहले ही बहरी दहलीज पर पहुँ च चु का था कि फीनिक्स ने उसे वापस बुलाया। "लगता है तु म्हें अपनी नईनानी के पस जाने की बहुत जल्दी है । तु म उसे सब कु छ बताकर इनाम कमाना चाहते हो, है न? लेकिन तु म ऐस कु छ नहीं करोगे। आज से तु म उस घर की ओर एक कदम भी नहीं रखोगे, बल्कि हमे श मे री से वा में रहोगे । समझ गए?" "शीह" कहकर छोटे हसिंग ने वदा किया और फिर चला गया, लेकिन उसे एक बर फिर वापस बुलाया गया। "अब तु म भगकर अपने मलिक को सब कु छ बतने वले हो, है न?" "आपका से वक ऐस करने की हिम्मत नहीं करे ग।" "मैं तु म्हें ऐसा करने की सलाह नहीं दूं ग, अगर तु म्हें अपनी जान की परवाह है । चले जओ! निकल जाओ!" अब छोटे वं ग को बुलाया गया। फीनिक्स ने उसे एक पल के लिए गौर से दे खा और फिर बोली: "तु म अच्छे लड़के हो, छोटे वं ग। मु झे तु म पर गर्व है । और भविष्य में जब भी तु म बाहर कु छ सीखो, मु झे ज़रूर बताना! क्या मैं तु म पर भरोसा कर सकती हूँ? ठीक है, तु म ज सकते हो।" "अब, इसके बरे में तु म्हारा क्या ख्याल है? अच्छी कहानी है, है न?" उसने छोटे पिंग की ओर मु ड़ते हुए कहा। छोटा पिंग बस मु स्कुराया। फीनिक्स सोफे पर ले ट गई, चाय की एक घूं ट ली और सोचने लगी। अचानक उसने अपनी भौंहें उठाईं। उसके दिमाग में एक योजन आई; उसने छोटे पिंग को इशारा किया। "हमें तु रं त काम करना होगा, इससे पहले कि मे रे पति अपनी यात्रा से लौट आएं," उसने कहा और प्रतीक्षा कर रही नौकरानी को अपनी योजना समझाने लगी। अगले कु छ दिनों में अनु पस्थित चिया लियन का निवास स्थान चहल-पहल से भर गय। बिल्डरों, बढ़ई, पें टरों, कारीगरों और अन्य शिल्पकारों की भीड़ आ गई, और फीनिक्स के निर्देशों पर उन्होंने तीन कमरों वले खली पूर्वी हिस्से को व्यवस्थित किया। कमरों में उसी तरह के वॉलपे पर, कालीन, फर्नीचर, कवर, पर्दे और अन्य सामान लगे थे जै से फीनिक्स के कमरों में थे । जिस दिन काम पू रा हुआ और मजदूर घर से चले गए- नौवें महीने की चौदहवीं तारीख - फीनिक्स ने फूजि को सं दे श भे जा कि वह अगले दिन इस और उस मंदिर में धू प जलाने और प्रार्थना करने के लिए जाना चाहती है । अगले दिन वह अपनी गाड़ी में बै ठी और अपनी दासियों

लिटिल पिंग और लिटिल लुं ग साथ ही कुली लिटिल वां ग की पत्नी और प्रबं धक चाओ जु ई की पत्नी के सथ, बताए गए मंदिरों में नहीं बल्कि पु ष्प शखा की गली में दूसरे यू के घर चली गई। लिटिल हसिंग को भी साथ ले जया गया और उसे रास्ता दिखाना और आगं तु क की सू चना देने था। दूसरा यू थोड़ा आश्चर्यचकित रह गया जब अचानक लिटिल पाओ की पत्नी दौड़ती हुई आई।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.09% है ।

बे हद उत्सहित और कां पती हुई अं दर आते ही उसने घोषणा की: "महान नाई नाई मिलने आ रही हैं!" हालांकि, उसने तु रं त खु द को संभाला, दरवाजे की ओर दौड़ी और अपने मेहमान का विनम्रतापूर्वक स्वागत कक्ष में ले गई, सम्मान के स्थन पर उनके लिए तकिए सँ वरे और चय मं गवाई। उसने अपनी कम उम्र का बहाना बनाकर सारी घटना के लिए माफी मां गी। उसने कहा कि सब कु छ उसकी समझ से परे था और उसकी माँ और राजकु मरी चे न के माध्यम से हुआ था। उसने मै डम फीनिक्स को आश्वस्त किया कि वह इस मुलाकात से कितनी सम्मानित और प्रसन्न है, और "बड़ी बहन" के निर्देश सु नने और पू री श्रद्धा से उनकी से वा करने के लिए कितनी उत्सु क है । फीनिक्स ने पू री तरह से सफे द और चांदी-धू सर वस्त्र पहने थे, ताकि यह आभास हो कि वह दिवं गत तीसरे यू के लिए शोक मना रही है, जबकि वास्तव में उसे उनकी कोई परवाह नहीं थी। दूसरे व्यक्ति द्वारा उसके समने किए गए समर्पण भाव को दे खकर उसने थोड़ा झुककर जवाब दिया और कहा: "स्वाभाविक कोमलता और उसके स्वस्थ्य के प्रति चिंता के कारण, और साथ ही उसके मता-पिता को झुं झलाहट और परे शनी से बचने के लिए, मैं हमे शा अपने पति को घर से दूर 'फूलों के बीच और विलो के पे ड़ों के नीचे' रात बिताने के खिलाफ चे तवनी दे ती थी।" दुर्भाग्य से, उन्होंने मे री ने क सलाह को पू री तरह से गलत समझा है । अगर यह किसी संदिग्ध व्यक्ति का मामला होता, तो शायद मु झसे अपने लगाव को छिपाना उनके लिए उचित होता। लेकिन उन्होंने आप जै सी अत्यं त सम्मानित महिला को, प्रिय बहन, अपने 'सौहार्दिक कक्ष' के लिए चु ना है, इसलिए यह एक अलग मामला है और पू री तरह से उचित भी है । कोई भी समझदार व्यक्ति इसके लिए उन्हें दोष नहीं दे सकता। आखिर, ऐसी बातें अन्य परिवारों में तो रिवाज़ हैं । मैं ने स्वयं हमे शा उन्हें ऐस कदम उठाने की सलाह दी है; मैं ने तो उन्हें छोटी रिंग भी भें ट की थी। वस्तव में, मे री यही इच्छा है कि उनका एक छोटा बे टा हो और एक वै ध उत्तराधिकारी हो, जो एक दिन मे रे बुढ़ापे में मेरा सहारा और आराम बने । मे री ईर्ष्या के निराधार डर से इस बत को मु झसे छुपाना उनकी सरासर गलती थी। मैं न तो सं कीर्ण सोच वाली हूँ और न ही ईर्ष्यालु, और इस बात के सक्षी आकाश-पृ थ्वी सक्षी हैं । मु झे इस मामले के बारे में कु छ दिन पहले ही सं योग से पता चला। मे रे पति इस समय यात्रा पर हैं,

इसलिए मैं उनसे स्वयं बात नहीं कर सकती। इस बीच, प्रिय बहन, आपको यह दिखाने के लिए कि मेरा मेरे पति ने मुझे त्याग समझा है, इसलिए मैं आज आपसे अत्यंत प्रेमपूर्वक निवेदन करने आई हूँ कि आप अपना एकांत त्याग कर मेरे पास आ जाएँ। आइए भविष्य में हम साथ रहें और अपने पति के स्वास्थ्य और कल्याण की देखभाल में बहन की तरह एकजुट हों; यह शिष्टाचार और मर्यादा के सख्त नियमों के प्रति हमारा कर्तव्य है। यह अलग रहना न तो आपकी प्रतिष्ठा के लिए, न मेरी, और न ही हमारे पति की प्रतिष्ठा के लिए लाभदायक है। नौकरों की नज़र में मेरी क्या स्थिति है, जो पहले से ही मुझसे नफरत करते हैं क्योंकि मैं उन पर कुछ हद तक कड़ी नज़र रखती हूँ नहीं, वर्तमान स्थिति असहनीय है। इसलिए, प्रिय बहन, मुझ पर यह कृपा कीजिए कि आप मेरे घर आ जाएँ! आवास, भोजन, वस्त्र और सेवा के मामले में, आपको 373

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.33% है ।

मे रे पास भी बिल्कुल वही है जो मे रे पास है । तु म बहुत समझदार हो, तु म मे रे लिए एक अनमोल सहारा बनोगी, और नौकरों की गपशप हमे श के लिए खत्म हो जाएगी। जब हमारे पति घर आएं गे और हमें शंति से एक सथ दे खें गे तो उन्हें पछतावा होगा और उन्हें एहसस होगा कि उन्होंने मु झे गलत समझा था। लेकिन अगर तु म मे रे पास नहीं आना चाहतीं, तो मैं तु म्हारे पस आने का पक्का इरादा कर चु की हूँ प्यारी बहन। और इस स्थिति में, मु झे उम्मीद है कि तु म हमरे पति से मे रे लिए सिफारिश करोगी, ताकि वह हमें फिर से अलग न करें । मैं आपके लिए सब कु छ करने में अत्यं त प्रसन्न रहूं गी, आपके बल सं वरने और आपके पै रों को स्नान कराने में, और आपकी हर से व करने में, बशर्ते मैं आपके साथ रह सकूं "। उसने बढ़ती हुई भावनाओं के सथ ये बतें कही थीं, जो वास्तविक भावनाओं का आभास दे ने के लिए थीं, और अब वह सचमु च सिसकने और रोने लगी। उसकी भावना इतनी सच्ची लग रही थी कि दूसरी यू पू री तरह से प्रभावित हो गई और उसकी आँ खों में भी आँ सू भर आए। अपनी मालकिन के इशरे पर, प्रबं धक चउ जु ई की पत्नी को अपने सू ती थैले से रे शम के चार सु ं दर कपड़े, सोने की चूड़ियों का एक जोड़ा और मोतियों से जड़ी बलियाँ निकालनी पड़ीं, और उन्हें मित्रता के प्रतीक के रूप में दूसरी यू को दे ना पड़ा। दूसरी यू अब पू री तरह से आश्वस्त हो गई थी कि फीनिक्स एक बहुत ही दयालु महिला होगी और लिटिल हसिंग ने हाल ही में उसके दुष्ट चरित्र के बरे में जो कु छ भी बताया था, वह सब निंदा और नौकरों की गपशप होगी। उसने अपन पहले वला सं कोच छोड़ दिया, बातू नी हो गई, अपने दिल की बात खुलकर कह दी, अपने विचार प्रकट किए, और उसी दिन पश्चिमी महल में जने का निमं त्रण विश्वासपूर्वक स्वीकार कर लिया। "लेकिन यहाँ मे रे घर का क्या होगा?" उसने पू छा। "यह बहुत ही आसान है । आपका नया घर तै यर है और उसमें सारा सामान है, इसलिए हमें बस आपके कपड़े, चादरें और अन्य निजी सामान ले जना है । सरा फर्नीचर यहीं छोड़ सकते हैं "। दूसरी यू ने अपने निजी सामान के कु छ बक्सों और वस्तु ओं की ओर इशारा किया, जाने के लिए तै यर हुई और फीनिक्स को हाथ पकड़कर गाड़ी तक ले जने दिया। गाड़ी में सफर के दौरान फीनिक्स ने उससे धीरे से कहा, "यहाँ हमारे घर के नियम काफी सख्त हैं । अभी तक बू ढ़ी महिला ताई को इस कहानी के बरे में कु छ नहीं

पता। अगर उन्हें अब पत चला कि मे रे मित्र ने शोक की अवधि के बीच में चु पके से दासी कर ली है, तो वह बहुत क्रोधित होंगी और शायद सजा के तौर पर उन्हें लगभग जान से मर दें गी। इसलिए, बे हतर यही है कि मैं आपको सीधे बू ढ़ी दाई ताई के समने पे श न करूँ और अभी आपको अपने घर न ले जऊँ, बल्कि फिलहाल आपको पार्क में ठहरा दूँ। वहाँ आपकी अच्छी दे खभाल होगी और आप ताक-झां क करने वाली नजरों से पू री तरह सुरक्षित रहें गी।" इस बीच मैं आगे के उपाय करूँ ग और पु राने तई ताई को सावधानीपूर्वक तै यर करूँ ग। "जै स आपको सबसे अच्छा लगे, वै स ही करो!" दूसरे यू ने विनम्रतापूर्वक उत्तर दिया। पूर्व निर्धारित योजना के अनु सार, रथ पश्चिमी महल के परिसर में मु ख्य द्वार से नहीं, बल्कि चु पचप एक पिछले द्वार से प्रवे श कर गया। 374

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.07% है।

फीनिक्स के गुजरने के तुरंत बाद, उसने अपने सेवकों को बर्खास्त कर दिया और दूसरी यू को चुपके से एक और द्वार से रमणीय दर्शन उद्यान में ले गई और वहाँ से उसे बिना किसी की नज़र में आए चावल के खेत में विधवा चू के घर ले गई। उसने विधवा को सारी बात बताई और उससे दूसरी यू को कुछ दिनों के लिए अपने पास रखने का अनुरोध किया। साथ ही उसने उद्यान के नौकरों को कड़ी सजा की धमकी देते हुए सख्त चुप्पी बनाए रखने और नई आने वाली के हर कदम पर नज़र रखने का आदेश दिया, और किसी भी परिस्थिति में उसे उद्यान से बाहर न जाने देने को कहा। इसके अलावा, उसने दूसरी यू को उसके पुराने नौकरों से वंचित कर दिया और उनकी जगह अपनी एक दासी शान को नियुक्त किया, जिसे उसने अपने विशेष निर्देश दिए। तीन दिन बाद दूसरी यू ने प्रतीक्षा कर रही दासी शान को फीनिक्स के पास नया बाल तेल लाने के लिए भेजना चाहा। उसे अप्रत्याशित विरोध का सामना करना पड़ा। "सचमुच, आपके विचार अजीब हैं!" दासी ने बड़े ही नखरे से कहा। "मैडम फीनिक्स के दिमाग में इससे भी ज़्यादा ज़रूरी काम हैं और वो ऐसी छोटी-मोटी बातों में समय नहीं लगा सकतीं। वो दिनभर बूढ़ी तई ताई, राजकुमारी शीह या ताई ताई चेंग से आदेश लेती रहती हैं; फिर उन्हें पार्क की सभी युवतियों, कई मेहमानों और आगंतुकों का ध्यान रखना पड़ता है, और आखिर में, सैकड़ों नौकरों की ज़िम्मेदारी भी उन्हीं पर होती है। हर कोई उन्हीं की तरफ देखता है; वो हर तरफ से सवालों और अनुरोधों से घिरी रहती हैं। एक सामान्य अनुमान के अनुसार, उन्हें हर दिन एक से दो दर्जन बड़े मामले और तीस से चालीस छोटे मामले निपटाने होते हैं। हर दिन हज़ारों काम उनके हाथों से होकर गुज़रते हैं। फिर मैं ऐसी छोटी-मोटी बातों से उन्हें कैसे परेशान कर सकता हूँ? आपको धैर्य रखना सीखना होगा। बस याद रखिए कि आपने हमारे घर में खुलेआम और सही तरीके से शादी नहीं की है; इसलिए और भी ज़्यादा ज़रूरी है कि आप शांत और संयमित रहें! शुक्रगुज़ार रहिए कि उन्होंने अब तक आपके साथ इतना दोस्ताना व्यवहार किया है, और अपनी मूर्खता से उनका स्नेह मत खोइए। वरना आपके लिए बुरा हो सकता है!" दूसरी यू के पास फटकार सहने और चुप रहने के अलावा कोई चारा नहीं था। धीरे-धीरे नौकरानी शान अपनी सेवा में हर तरह की लापरवाही दिखाने लगी—वह खाना समय पर नहीं परोसती थी, और दोपहर

या शाम को जो कु छ भी परोसती थी, उसमें अक्सर बसी बचा हुआ खाना ही होता था। दूसरी यू ने दो-तीन बार कु छ कहने की हिम्मत की, लेकिन हर बार वह नाराज़ निगाहों और गु स्से भरे व्यवहार से इतनी डर जाती थी कि शिकायत का एक शब्द भी नहीं बोल पाती थी और सब कु छ सहती रहती थी। फीनिक्स खु द हफ्ते में एक बार आती थी। इन मुलाकातों में वह बहरी तौर पर पू री तरह से मित्रतापूर्ण और दयालु दिखती थी, और "प्यारी बहन" और "अच्छी बहन" जै से प्यार भरे शब्द उसके होठों से अपने आप निकल जाते थे। "अगर आपको से व के बरे में कोई शिकायत करनी हो, तो मु झे तु रं त बताएं," वह कहती थी। और वह चावल फार्म के कर्मचारियों को उपदे श दे ने का नाटक करती थी, यह कहते हुए कि वह सब कु छ समझ जएगी और निर्दयी कार्रवाई करे गी।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.89% है ।

अगर नौकर अपनी ड्यू टी निभाने में नाकाम रहते और उसकी पीठ पीछे सोकर लापरवाही करते, तो वह उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करती। दयालु यू को उन नौकरों पर तरस आता था जिन्हें इस तरह फटकारा जाता था, और जब भी वह बिना सोचे-समझे किसी बात की शिकायत करने के लिए मुं ह खोलती, तो तु रं त चु प हो जाती, क्योंकि वह अपने नौकरों को बचाना चाहती थी और खु द को अलोकप्रिय नहीं बनाना चाहती थी। और इस तरह निरीक्षण के इन दौरों के बाद सब कु छ पहले जैसा ही रहा। इसी बीच, फीनिक्स अपने विश्वासपात्र, द्वारपाल लिटिल वां ग के माध्यम से दूसरी यू के अतीत के बारे में गु प्त रूप से पू छताछ कर रही थी, और इस तरह उसे पता चला कि दूसरी यू की सगाई यु व चां ग हुआ से हुई थी, जो अब उन्नीस साल का था और पू री तरह से फिजूलखर्ची और आवारा था। उसके माता-पिता ने उसके अनैतिक जीवन के कारण उसे बहुत पहले ही त्याग दिया था; इसलिए उसे खु द अभी तक अपनी सगाई रद्द होने और राजकु मार चे न द्वारा उसके माता-पिता को दिए गए बीस ताएल के मु आवजे के बारे में कु छ भी पता नहीं था। अब फीनिक्स ने लिटिल वां ग को चु पके से चांग हुआ के पास भे जा और बीस ताएल का भु गतान करके उसे अपने छोटे से खेल में जीत लिया। उसे एक नोटिस दे ना था जिसमें चिया लियन पर आरोप लगाया गया था कि उसने उसकी मं गे तर को बहला-फु सलाकर ले गई और सर्वजनिक और पारिवारिक शोक की अवधि के दौरान उसकी कानू नी पत्नी और परिवार के मुखिया की जानकारी के बिना उससे शादी कर ली, साथ ही उसे दबाव और पै से दे कर उससे अपनी पिछली सगाई तोड़ने के लिए मजबू र किया। चां ग हुआ शक्तिशाली चिया परिवार के किसी सदस्य पर सीधा आरोप लगाने से हिचकिचा रहा था, क्योंकि वह उनसे झगड़ा नहीं करना चाहता था। इसलिए यह तय किया गया कि लिटिल वां ग कथित मध्यस्थ और उकसाने वाले के रूप में आरोप अपने ऊपर ले । फीनिक्स को मु कदमे को आगे बढ़ाने में उतनी दिलचस्पी नहीं थी जितनी कि "गिरोह" यानी कहानी के मु ख्य दोषियों - उसके चचे रे भाई प्रिंस चे न, उसकी पत्नी और उनके बेटे चिया यु ं ग - को बे नकाब करने और उन्हें सर्वजनिक बदनामी की आशं का से डराने में । इसके अलावा, अगर मामला प्रतिकूल मोड़ ले ता तो वह सही समय पर हस्तक्षे प करने का इरादा रखती थी। तदनु सर, चां ग हुआ न्ययालय के

सार्वजनिक सत्र से एकदिन पहले उपस्थित हुआ, "अन्याय" के परंपरिक नारे से अपना ध्यान आकर्षित किया और अपनी याचिका प्रस्तु त की। यचिका के जवब में, मजिस्ट्रे ट ने असी दिन अपने वर्दीधारी सैनिकों को युं गकु ओ महल में आरोपी कुली लिटिल वां ग कोगिरफ्तार करने और उसे न्ययालय के समक्ष पे श करने केलिए भे ज। सम्मान के कारण, वर्दीधारी सैनिक स्वयं महल में प्रवे श नहीं कर पए और भीतरी द्वार के रक्षक के पास एक से वक को भे जकरविनम्रतापूर्वक बाहर आने का अनु रोध करने ही वाले थे लेकिन इसकी बिल्कुल भी आवश्यकता नहीं थी। लिटिल वां ग ने उनके आने की आशंका पहले ही करली थी और द्वार के समने सड़क पर उनका बे सब्री से इं तजर कर रहा था। "निःसं दे ह, आदरणीय भाइयों, आप मे रेलिए आए हैं । ठीक है, मु झे पकड़ो और कसकर थामे रखो" उसने शंतिपूर्वक वर्दीधारी सैनिकों को आमंत्रित किया और 376

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 48.48% है ।

छोटे वं ग ने प्रसन्नतापूर्वक कहा, क्योंकि उन्हें पहले से ही पता था कि उन्हें कोई नु कसान नहीं होगा। "लेकिन, बड़े भाई, हम यह कै से कर सकते हैं! हम तो बस चाहते हैं कि आप बिना किसी झं झट के हमारे साथ चलें," उन्होंने उन्हें उतने ही विनम्रता से आमन्त्रित किया और उन्हें अदालत ले गए। मजिस्ट्रे ट ने उन्हें उनके प्रस्तु त किया गया अभियोग पत्र दिखाया। छोटे वं ग ने उसे पढ़ा, प्रणाम किया और कहा: "यह बिल्कुल सही है । लेकिन मे रा इससे कोई ले न-दे न नहीं है । चं ग हुआ ने मु झे इसमें घसीटा है, क्योंकि हमारे बीच लं बे समय से अनबन चल रही है । आपको अन्य लोगों को गिरफ्तार करना होगा।" वादी चां ग हुआ ने भी प्रणाम किया और समझाया: "यह भी सही है; लेकिन मैं ने मालिकों के खिलाफ कार्रवाई करने की हिम्मत नहीं की, इसलिए मैं ने नौकर का नाम लिया।" "मूर्ख! हम यहाँ एक शाही दरबार में खड़े हैं, जिसके सामने हम सभी बराबर हैं, चाहे मालिक हो या नौकर; तो अब नाम बताओ!" छोटे वं ग ने उत्तर दिया। चां ग हुआ ने अब राजकु मर चे न के पु त्र चिया यु ं ग का नाम लिया और उसे असली दोषी बताया। इसलिए मजिस्ट्रे ट के पास चिया यु ं ग के खिलाफ समन जारी करने के अलावा कोई चारा नहीं था। उसी शाम फीनिक्स ने चु पके से मजिस्ट्रे ट के घर तीन सौ ताएल भे जे और साथ में एक सं दे श भी भे जा, जिसमें उसने कई कारणों से अपने आरोपी परिवार के खिलाफ बिना किसी रियायत के कार्रवाई करने और उनके साथ सख्ती से पे श आने का अनु रोध किया था। सं दे श में यह भी लिखा था कि वह अपने लोगों को सबक सिखाने के लिए बहुत उत्सु क थी। और मजिस्ट्रे ट, जो उसके चचा, मार्शल वां ग त्ज़ु तें ग के अच्छे मित्र थे, ने इतनी बड़ी भें ट के साथ किए गए उसके अनु रोध को मानने का दायित्व महसू स किया। राजकु मर चे न और उनके बे टे को यह खबर सु नकर गहरा सदमा लगा कि इस गु मनाम व्यक्ति, चां ग हुआ ने मजिस्ट्रे ट की अदालत में उनके सामने को घसीटा है । राजकु मर चे न उस व्यक्ति की घोर धृष्टता पर आग बबूला हो गए। उन्होंने व्यर्थ ही यह मान लिया था कि बीस ताएल के हर्जाने से उन्होंने चां ग परिवार को हमे शा के लिए चु प करा दिया है । अब उन्हें फिर से अपनी जे ब खाली करनी पड़े गी और मजिस्ट्रे ट का समर्थन पाने के लिए जल्दी से दो सौ चमकदार चां दी के सिक्के दे ने पड़ें गे । पिता और उनका बे टा उस परे शान करने वाले मामले और उससे निपटने के

उपायों पर चर्चा कर रहे थे, तभी अचानक चचेरी बहन फीनिक्स वहाँ आ गईं। पिता और पुत्र इस मुलाकात से बचने के लिए कुछ भी करने को तैयार थे, लेकिन बहुत देर हो चुकी थी। "तुम दोनों मेरे पति के सथ बड़े ही चलाकी से पेश आ रहे हो!" वह उन पर टूट पड़ते हुए बोलीं। जब चिया युंग शर्मिंदा होकर कुछ बुदबुदा रहा था, तभी उन्होंने उसका हाथ पकड़ लिया और राजकुमर किसी तरह उनके बीच से निकलकर बाहर चले गए।377

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.09% है ।

“एक ज़रूरी काम है!” उसने मु स्कुराते हुए बहाना बनाया। “लेकिन मे रा बे टा अभी आपके साथ रहे गा और दे खे गा कि आपको रसोई से सबसे अच्छी चीज़ें मिलें ।” पलक झपकते ही वह दरवज़े से बाहर निकला और अपने घोड़े पर सवार होकर चला गया। इसी बीच, माँ यू बसंत वाले कमरे से आई। आगं तु क का गु स्से से भरा चे हरा दे खकर, उसने अं दाज़ा लगाया कि कोई गड़बड़ होने वाली है ।“लगता है आपका मू ड ठीक नहीं है । क्या मैं पू छ सकती हूँ..?” उसने शु रू किया। जवाब में, फीनिक्स ने सीधे उसके चे हरे पर थूक दिया। “ज़रूर पूछिए!” उसने फु फकारा। क्या मैं चु पचाप यह सब सह लू ँ जब तु म अपनी ठुकराई हुई बे टी को चु पके से मेरे पिता के हाथों सौंप दोगी? अगर तु मने यह सब खुले आम और ईमनदारी से, तीन मध्यस्थों और छह गवाहों के साथ सही तरीके से किया होता। लेकिन नहीं, तु मने यह सब छु पकर किया, और उससे भी बु री बात यह है कि तु मने यह सब सार्वजनिक और पारिवारिक शोक के समय किया! और अब हमें इसका खामियाजा भु गतना पड़े गा! एक आदमी सामने आया है और उसने इस मामले को सबके सामने अदालत में ला दिया है, ताकि हर कोई सु न ले कि मैं कितनी नीच, सं कीर्ण सोच वाली और ईर्ष्यालु औरत हूँ। लोग मु झ पर उं गली उठाएं गे और मे रे पति को मु झे तलाक दे ने के लिए उकसाएं गे। मैं ने तु म्हारा क्या बिगाड़ा है कि तु म मे रे साथ इतना बु रा बर्ताव करती हो? क्या इस सब के पीछे वह बू ढ़ी दाई ताई है? क्या उसने मु झे इस तरह से छु टकारा दिलाने के लिए इस पू री घटिया योजना को अं जाम दिया? खै र, समय आने पर सब कु छ सामने आ जाएगा। पहले तु म मे रे साथ अदालत आओगी, और हम दोनों जज के सामने अपना-अपना हिसाब दें गे, ताकि सच्चाई की जीत हो सके । और फिर हम घर पर इकट्ठा हुए परिवार के सामने पे श होंगे और हम में से हर कोई अपना बचाव करे । अगर परिवार मु झे दोषी पाता है, तो ठीक है, वे मे रे लिए तलाक का पत्र लिख सकते हैं और मैं स्वे च्छा से घर छोड़ दूं गी। वह ज़ोर-ज़ोर से रोने लगी और माँ यू का हाथ पकड़कर उसे दरवज़े तक घसीटने लगी, मानो वह उसे तु रं त अदालत ले जाना चाहती हो। पू री तरह से निराश होकर, चिया यु ं ग उसके सामने आ गया, उसके पै रों पर गिर पड़ा, प्रणाम किया और दया की भीख माँ गी। "तु म्हें बिजली का झटका लगे और तु म्हारे टु कड़े-टुकड़े हो जाएँ, पागल प्राणी," वह उस पर गरजी। "तु म्हें शर्म आनी चाहिए, निकम्मे, निर्लज्ज

षड्यंत्रकारी और परिवार की शांति भंग करने वाले, कानूनों और अधिकारों और स्वर्ग और पृथ्वी के सभी नियमों का अपमान करने वाले! तुम्हारे सभी पूर्वजों की आत्माएँ और तुम्हारी दिवंगत पत्नी की आत्माएँ घृणा और तिरस्कार से तुमसे मुँह मोड़ेंगी। और तुम जैसे पापी में मुझे उपदेश देने की हिम्मत है!" उसने अपना हाथ उठाया और उसे दाएं-बाएं मुक्के मारे। चिया युंग जल्दी से झुककर एक और प्रणाम करने लगा। "खुद को उत्तेजित मत करो, चाची!" उसने विनती की। "हजारों दिनों में एक दिन जब मैं अच्छा व्यवहार करता हूँ, उस एक दिन के लिए ही सही, कृपया मुझ पर दया करो! अपने धैर्य और कोमल हाथों को बचाओ! अगर मुझे कान पर थप्पड़ खाने हैं, तो मैं खुद मार सकता हूँ।" और उसने खुद को कुछ ज़ोरदार थप्पड़ मारे। फिर उसने 378 को कोसना शुरू कर दिया।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.09% है ।

खु द से "ऐसी गलती मु झसे फिर कभी न हो! चार तक गिनना और तीन को छोड़ दे न! चाचा के पीछे चलना और आदरणीय चाची की अनदे खी करन, ये तो कतई शिष्टाचार नहीं है! आदरणीय चाची ने तु म्हारा क्या बिगाड़ा है कि तु म भी दूसरों की तरह उनके प्रति इतने घृणित और गै रजिम्मे दार हो?" जब लोगों ने उसे इस तरह खु द को कोसते सुना तो हँ सी रोकन मुश्किल हो गया। लेकिन फीनिक्स ने माँ यू की छाती पर गिरकर कराहते हुए आसमन-ज़मीन से गु हार लगाई। "आओ! मे रे साथ दरबार चलो! नहीं तो कां स्टे बल आकर हमें जबरदस्ती ले जएगा!" वह सिसकते हुए बोली। और उसके बद हम दोनों साथ में बू ढ़ी तई ताई के पस चलते हैं और परिवार को हमारे खिलाफ फै सला सु नने दे ते हैं । मैं उनके फै सले को मन लू ं गी और अगर फै सला मे रे खिलाफ हुआ तो तु रं त घर छोड़ दूं गी। मैं आपकी बे टी को पहले ही यहाँ से ले आई हूँ और उसे फिलहाल पार्क में ठहरा दिया है । दरअसल, मैं ने अपने घर में उसके लिए एक स्थायी घर का इं तजम कर दिया है, जहाँ उसे किसी चीज की कमी नहीं होगी और कपड़े, भोजन और से व के ममले में वह बिल्कुल मे रे जै सी ही रहे गी।लेकिन अब तक मैं ने उसे बू ढ़ी तई ताई को दिखाने की हिम्मत नहीं की, क्योंकि मैं उस बू ढ़ी औरत को परे शनी और उत्ते जन से बचना चाहती थी। लेकिन अब इस मामले को और दबया नहीं जा सकता। अब जब यह एक सार्वजनिक बदनामी बन गई है, तो बू ढ़ी तई ताई को सच्चाई सु ननी ही पड़े गी। यह बहुत बु रा है कि उसे बु ढ़ापे में इस तरह की बदनामी झेलनी पड़ रही है! हमारे परिवार की इज्जत का क्या हुआ? सब खत्म हो गया! और इसके अलावा, यह सारा फालतू खर्चा भी है! मैं ने चु पके से चं दे में से पाँच सौ औंस निकालकर मजिस्ट्रे ट को दे दिए हैं, इस उम्मीद में कि वह मामला खारिज कर दें गे । यह इतना अच्छा पै स खोना कितना दुखद है! और मु झे अभी तक यह भी नहीं पता कि मैं ने जो किया उसका कोई फायदा हुआ या नहीं। मजिस्ट्रे ट को मेरा उपहार बु रा लगा, क्योंकि उसने मे रे दूत को पकड़कर जं जीरों में बांध दिया है । ओह! ओह! हमारे घर के प्रतिष्ठित पूर्वज अपने स्वर्गलोक में हमरे बरे में क्या सोचें गे..?" वह फिर जोर-जोर से रोने लगी और अपना सिर दीवार पर पटकने लगी, मानो वह अपनी जान ले न चाहती हो। माँ यू इस निराशा के विस्फोट से चू र-चू र हो गई और आटे की तरह गू ं थ गई। उसके कपड़े आँ सु ओं से भीग गए थे ।

अब वह चिया यु ंग पर भड़क उठी।"बदतमीज़ प्राणी!" वह चिल्लाई। "तु मने और तु म्हारे पिता ने सब कु छ गड़बड़ करदिया है! और मैं ने तु म्हें पहले ही चे तावनी दी थी...!" "अच्छा, अगर तु म इसके खिलाफ थी, तो तु मने मु झसे एक शब्द भी क्यों नहीं कहा?" फीनिक्स ने बीच में कहा। "बैं गन के से बों से तु म्हारा मु ंह बंद नहीं होता और न ही लगाम कसने से । अगर मु झे समय रहते सूचना मिल जाती तो मैं निश्चित रूप से इसे इस सार्वजनिक मु कदमे और घोटाले तक नहीं पहुं चने देता। तु म दूसरों को दोष दे ने से बच सकते हो।"

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.79% है ।

और अपनी मूर्खता और अपनी दोषी चु प्पी केलिए खु द को कोसिए!" ओह, चां ग हुआ को कार्रवाई करने केलिए उकसाने के बाद, वह कितनी चतु राई से बतों को घु मना जानती थी! आसपास खड़ी कई पत्नियां, नौकरानियां और दासियां, माता यू को इस तरह बे रहमी से कोने में धकेले हुआ दे खकर इतनी दया से भर उठीं कि वे सबमिलकर क्रोधित फीनिक्स के चरणों मेंगिर पड़ीं, उनकी महान बुद्धि और समझ की अपील की, और एक साथ शांति और दया की भीख मां गी, क्योंकि उन्होंने बे चारी बू ढ़ी औरत पर बहुत अत्यचार कर दिया था। सच है, उनकी विनतियों का असर यह हुआ कि फीनिक्स ने चिल्लाना बं द करदिया और अपने बिखरे बलों को फिर से सं वार लिया; लेकिन वह शां त होने से बहुत दूर थी। उसने दी गई चय को ठुकरा दिया और सीधे फर्श पर फें क दिया। वह राजकु मर चे न सेहिसाब ले ने केलिए बे तब थी। "अपने पिता को यहाँ बुलाओ!" "मैं उससे व्यक्तिगत रूप से कु छ सवाल पू छना चाहती हूँ," उसने चिया यु ं ग को सख्ती से आदेश दिया। "मैं उससे स्पष्टीकरण चाहती हूँ कि क्या वह इसे ली (शिष्टाचार और अच्छे रीति-रिवाजों) के अनु रूप मनता है कि मृ तक का भतीजा परिवार के बड़े के शोक की अवधि के बीच में खु शी-खु शी जाकर शादी कर ले । उसे थोड़ी सी सीख दे ने में कोई बुराई नहीं है और शयद इससे वह भविष्य में तु म जै से युवाओं के लिए बु रा उदाहरण बनने से भी बचेगा।" चिया यु ं ग तु रं त घु टनों के बल बै ठ गया, अपना माथा ज़मीन पर पटका और विरोध करते हुए बोला, "मे रे माता-पिता का इस पू रे मामले से कोई ले न-दे न नहीं है । मैं अकेला दोषी हूँ । मैं ही इसका एकमात्र सू त्रधर था। आदरणीय चाची चाहे तो इस नलायक भतीजे को जितना चाहे उतन डां ट सकती हैं और वह चु पचप सह ले गा! लेकिन कृ पय उसके मता-पिता को बख्श दें! अगर वह ऐसा नहीं करतीं तो वह इसे सहन नहीं कर पएगा! वह आदरणीय चाची से यह भी उम्मीद करत है और उनसेविनती करता है कि वे इस कार्रवाई को रोक सकें ।" "वह मूर्ख और नालायक भतीजा खु द को इस काम के काबिल नहीं समझता और पू री तरह से आदरणीय चाची की बुद्धिमत्ता पर निर्भर है ।" उसने अपनी विनम्रता भरी बातों के सथ बार-बार प्रणाम किया। फीनिक्स कु छ हद तक शं त हो गई। उसने उसे उठाया और फिर आह भरते हुए और अपने आंसू पोंछते हुए, माँ यू की ओर मु ड़ी, "मु झ पर गु स्सा मत

कीजिए! अपनी जवानी और अनुभवहीनत में मैंने कुछ हद तक लापरवाही बरती और आपको बहुत ठेस पहुँचाई, लेकिन उस दुखद खबर ने मुझे इतना चौंका दिया और स्तब्ध कर दिया! मुझे क्षमा कीजिए! और अब हमें समझदारी और विवेक से काम लेना होगा। सबसे पहले, इस अप्रिय घटना का निपटारा होना चाहिए। आपको चचेरे भाई चेन से इस बारे में अवश्य बात करनी चाहिए।"

"चिंता मत कीजिए! हम इस मामले को आपकी संतुष्टि के अनुसार सुलझा लेंगे," माँ यू और चियायुंग ने मानो एक स्वर में कहा। "जो पाँच सौ औंस आप पहले ही खर्च कर चुके हैं, उसकी भरपाई आपको कर दी जाएगी। किसी भी हालत में आपको और कोई अर्थिक नुकसान नहीं उठाना पड़ेगा।"

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 79.22% है ।

इस मामले में । ऐसी घटना होने दे ना हमारे लिए वाकई गै रजिम्मे दाराना होगा। लेकिन हमारी आपसे एक और विनती है । क्य हम आप पर भरोसा कर सकते हैं कि आप बुढ़िया ताई ताई के सथ जितना हो सके ममला सुलझा लें गे और हमें उनके मामले में बु री तरह पे श नहीं करें गे?" हा, आप मु झसे कु छ ज्यादा ही उम्मीद कर रहे हैं," फीनिक्स ने शं त भव से जवब दिया। "पहले आप मे रे साथ इतना बड़ा अन्याय करते हैं, और फिर आप मु झसे आगे आकर आपके लिए पै रवी करने को कहते हैं । भई, यह कु छ ज्यदा ही है! अब, मैं बहुत दयलु स्वभव की हूं, और इसके अलावा, मु झे अपने घर में एक बहन और साथी के आने से बहुत खु शी है; मैं कई रातों से सो नहीं पई हूं, मे री खु शी का ठिकाना नहीं रहा। काश यह भद्दा आदमी, यह धूर्त चां ग हुआ, अपने मु कदमे के साथ हमारे बीच न आय होता! चचे रे भाई चे न का इस तरह भाग जाना कितना मूर्खतापूर्ण था!" मैं उससे इस बदमाश मु क़दमे बाज़ से छु टकारा पाने का कोई उपाय निकालना चाहती थी!" "चिंता मत करो, हम उससे निपट लें गे," चिया यु ंग ने उत्साह से उसे आश्वस्त किया। "वह बे चरा भू ख-प्यासा आदमी थोड़े से पैसों के बदले अपन आरोप वापस ले ले ग। हम इसका इं तज़म करें गे । वह भविष्य में हमें और परे शान नहीं करे ग, हम आपको यकीन दिलाते हैं।" "ठीक है, अगर यह काम करे तो! जब तक पै स रहे ग, शायद वह चु प रहे ग, लेकिन जै से ही उसके पास एक पै स भी नहीं बचे ग, वह झगड़ा फिर से शु रु कर देगा। अं ततः उस पर पै सा बर्बाद करना बे कार है; हम चाहे कु छ भी कर लें, उससे हमें चै न नहीं मिले ग," फीनिक्स ने सं दे ह से कहा। "अच्छा, उसे पै से या औरत में से एक चु नने का विकल्प दिया जा सकता है," चिया यु ंग ने मु स्कुराते हुए कहा। "अगर वह अपनी बात पर अड़ा रहता है और औरत की मं ग करत है, तो हम उसकी बात मान लें गे और मे री सुंदरी चाची को सौंप दें गे ।" मैं अपनी चाची को मनाने की कोशिश करूं गी।" " हर हाल में!" फीनिक्स ने तु रं त टोकते हुए कहा, क्योंकि उसे समझ आ गय था कि उसकी आगे की योजनएँ खतरे में पड़ रही हैं"। मैं किसी भी हालत में तु म्हारी चाची से अलग नहीं होना चाहती, मे री प्यरी नई बहन। अगर मैं ने उसे एक बार अपना लिया है औरफिर उसे वपस सौंप दूं तो क्य मे री बे इज्जती नहीं होगी? नहीं, नहीं, वह यहीं रहे गी और तु म चं ग हुआ का मु ं ह पै सों से बं द करने की कोशिश करती रहो!" मन ही मन

संतुष्ट होकर चिया युंग मान गई। “ठीक है, सबसे ज़रूरी बत है इस चंग हुआ से छुटकारा पाना। और अब चलो हम साथ चलते हैं और बुढ़िया को खबर देते हैं” उसने तयकिया। “लेकिन मैं उसे क्या बताऊंगी?” माँ यू ने घबराकर पूछा। “अरे, अगर कोई इतना बेबस है, तो उसे ऐसे जोखिम भरे काम नहीं करने चहिए,” फीनिक्स ने मज़ाक उड़ाते हुए कहा। “लेकिन क्योंकि मैं इतनी दयलु और हमदर्द हूँ, मैं तुम्हारे लिए बोलूंगी। अभी तुम वहाँ मत जना!” मैं पहले आपकी बेटी को अकेले में उस बूढ़ी तई ताई से मिलवाऊँग। मैं उसे मोटे तौर पर वही बताऊँग जो मैं ने381 में तयकिया था।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.15% है ।

किसी भी हालत में मु झे अपने पति के लिए दो दूसरी पत्नियाँ खरीदनी पड़ीं क्योंकि मु झे न तो कोई पु त्र सं तन होने की उम्मीद थी और न ही मैं खु द ज़्यादा समय तक जीवित रह पाऊँ गी। हाल ही में मु झे आपकी दूसरी बे टी के उत्कृष्ट गु णों का एहसास हुआ था और मैं ने रिश्ते दूर होने के नाते उसे प्रथमिकता दी थी। उसकी तं गहाली को ध्यान में रखते हुए और उसकी आजीविका की चिंता से उसे मुक्त करने के लिए, मैं ने सख्त रीति-रिवाजों से थोड़ा हटकर, सौ दिनों के शोक की अवधि समाप्त होने से पहले ही उसे अपने घर लाने का फै सला किया था; और शोक की अवधि समाप्त होते ही अधिकारिक विवाह समारोह होगा। बस, अब मैं यही कहूँ गी इस तरह मैं किसी भी सं भवित दोष को अपने ऊपर ले लूँ गी। क्या आप सं तुष्ट हैं?" माँ यू और भतीजे चिया यु ं ग ने उत्साहपूर्वक उनकी उदारता और बुद्धिमत्ता की प्रशं स की और उन्हें समझया कि राजकु मरी धन्यवाद के रूप में उनसे विशेष मुलाकात करें गी।" ठीक है, "मु झे किसी धन्यवाद की आवश्यकता नहीं है," फीनिक्स ने शं त भव से कहा। "मैं भविष्य में तु म्हारे बरे में क्या सोचूँ गी, नौजवान," उसने तीखे स्वर में चिया यु ं ग की ओर उंगली करते हुए कहा। "लेकिन, चाची, इस बार तो आप इस दुष्ट भतीजे को ज़रूर मफ़ कर दें गी" चिया यु ं ग ने गिड़गिड़ाते हुए कहा और तु रं त फिर से घु टनों के बल गिर पड़ा। उसने अपन सिर पीछे की ओर झुकाया मानो वह उसे अनदे खा करना चाहती हो, और दरवाजे की ओर मु ड़ गई। अध्याय 35 फीनिक्स, धूर्तता और द्वेष से, यु व प्रतिद्वं द्वी को बड़ी प्रतिद्वं द्वी के खिलाफ भड़काती है । हतशा में आकर, दूसरी यू सोन निगलकर आत्महत्या कर ले ती है । माँ यू से बात करने के तु रं त बाद, फीनिक्स बे टी यू से मिलने गई। पहले उसने उसे उसके पूर्व मं गे तर चांग हुआ के अचानक फिर से प्रकट होने की खबर से डरा दिया, और फिर उसे उठाए जा रहे जवाबी उपायों के बरे में बताकर शां त किया, अपनी से वओं की प्रशं स करने में कोई कसर नहीं छोड़ी, और यह लं बी कहानी सु नई कि कै से उसने निस्वार्थ भाव से उसकी से वा की। उसने कितना त्याग और कष्ट सहा था, कितनी समझदारी से उसने ये सब व्यवस्था की थी, और कै से उसने दोनों परिवारों को बदनामी और निंदा से बचने के लिए हर सं भव प्रयस किया था। दूसरी यू कृ तज्ञता से भरी हुई थी और भरोसे के साथ बू ढ़ी तई ताई के पस चली गई। माँ यू जिसे आने की अनुमति

मिलने की उम्मीद नहीं थी, खु शी-खु शी बकी दोनों के सथ शामिल हो गई। लेकिन उसे विनम्रता से पीछे रहने औराबचीत का जिम्मा फीनिक्स पर छोड़ने का वादा करना पड़ा था। बू ढ़ी तई ताई डिलाइटफुल विजन पार्क की यु वतियों के सथ जीवं त बतचीत में व्यस्त थी, तभी तीनों आगं तु क अपने परिचारकों के सथ वहाँ पहुँ चे 382

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.24% है ।

“यह किसकी सं तन है?” पूर्वज ने दूसरी यू की ओर इशारा करते हुए पूछा। “यह तो बहुत सु ंदर और मनमोहक लग रही है ।” “ क्या वह तु म्हें पसं द आई? उसे ध्यन से दे खो” फीनिक्स ने मु स्कुराते हुए उत्तर दिया; और दूसरी का हाथ पकड़कर उसे आगे खींच लिया। “यह हमारी महान पूर्वज हैं,” उसने परिचय कराते हुए कहा। “जल्दी से प्रणम करो!” दूसरी यू ने ज़मीन पर ले टकर विधिवत प्रणाम किया। फिर उपस्थित यु वतियों का परिचय कराया गया। इस बीच पूर्वज को नवविवाहित को सिर से पै र तक निहारने का समय मिल गया। “तु म्हारा नाम क्या है और तु म्हारी उम्र कितनी है?” उसने दूसरी यू से पूछा, जो थोड़ा किनारे हटकर शर्माते हुए सिर झुका लिया था। “अभी हम उस बिंदु तक नहीं पहुँ चे हैं । पहले तु म्हें अपनी के सला सु नना होगा। क्या वह मु झसे ज़्यादा सु ंदर है?” फीनिक्स ने हं सते हुए बीच में कहा। पूर्वज ने अपन चश्मा लगाया और मं दारिन डक और अं बर को अजनबी को पास लाने का आदे श दिया, ताकि वह उसकी अच्छी तरह से जं च कर सकें । बाकी लोगों की दबी हुई हं सी के बीच, सेव कर रही नौकरानी अं बर को अजनबी के हाथ पकड़कर पूर्वज की नज़रों के सामने लाना पड़ा। अच्छी तरह से जं च करने के बाद उन्होंने अपन चश्मा फिर से उतरा और फीनिक्स से शरारती मु स्कान के सथ कहा: "हम्म। यह एक सु ंदर, सु गठित बच्ची है । यह मु झे तु मसे भी ज़्यादा सु ंदर लगती है ।" फीनिक्स ने मु स्कुराते हुए झुककर प्रणाम किया और अपना लं ब, सावधानीपूर्वक तै यर किया गया भाषण दिया, जिसके मु ख्य बिंदु वह पहले ही मता यू को बता चु की थीं। पूर्वज उसकी ने क भवना से बहुत प्रभवित हुईं और सौ दिनों की शोक अवधि समाप्त होने से पहले ही नवविवाहित को महल में रहने की अनुमति दे दी। औपचरिक विवाह समारोह उचित रीति-रिवाजों के अनु सार एक वर्ष की अवधि के बद होगा। फीनिक्स ने अपन माथा ज़मीन पर पटकते हुए उसे धन्यवाद दिया, फिर खड़ी हुई और दो सेविकाओं को राजकु मरी शीह और ताई ताई चें ग के पास नई आने वली को ले जने और पूर्वज की ओर से उनका परिचय कराने के लिए कहा। पूर्वज ने अनु मति दे दी और इस प्रकार दूसरी यू को, सभी शिष्टाचारों के अनु सार, पश्चिमी महल में एक निवासी के रूप में स्थापित किया गया। अब उसे पर्क से फीनिक्स के निवास पर जाने और पश्चिमी विंग में उसके लिए विशेष रूप से सु सज्जित सु इट में रहने की अनुमति दी गई। यह भी

उल्ले ख किया जाना चाहिए कि अच्छी ले डी चें ग ने इस प्रस्ताव का तहे दिल से स्वगत और अनु मोदन किया; क्योंकि अब स्थिति स्पष्ट हो गई थी और लं बे समय से अविवाहित सुं दर लेकिन गरीब लड़की का नाम अब खतरे में नहीं था। जबकि फीनिक्स ने निस्वार्थ और ने कदिल होने का बाहरी रूप दे ने का प्रयास किया, वह गु प्त रूप से शांत और दृढ़ बनी रही।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.16% है ।

अपने अनु पस्थित पति और उसकी नई पत्नी के खिलाफ साजिशों का खेल खेलते हुए, उसने चं ग हुआ को फिर से सं दे श भेजा और उसे कानू नी कार्यवाही जारी रखने और अपनी दुल्हन को वापस पाने पर जोर दे ने के लिए बड़ी रकम दे कर उकसाया। शु रुआत में चांग हुआ ने यह कदम केवल दबाव में उठाया था। चिया यु ं ग, जिसकी बाद में बतचीत के दौरान उससे मुलाकात हुई, ने कहा कि वह पहले ही सगई तोड़ चु का था; इसके अलावा, दूसरी यु, चिया परिवार की करीबी रिश्ते दार थी, और निश्चित रूप से उसके अपने रिश्ते दारों के सथ घर और भोजन पाने में कोई आपत्ति नहीं थी। उसने आरोप लगाया कि उसके कुल में शदी करने का कोई सवाल ही नहीं था। चां ग हुआ लं बे समय से राजकु मर चे न का कर्जदार था और उसने यह कदम के वल अपना कर्ज माफ करवाने के लिए उठाया था। मामले का फै सला करने वला मजिस्ट्रे ट चिया और फीनिक्स के रिश्ते दार वां ग, दोनों के सथ मै त्रीपूर्ण सं बं धों में उलझा हुआ था। उसे राजकु मर चे न और फीनिक्स दोनों से बड़ी रकम मिली थी। इसलिए वह असमं जस में था कि वह क्या करे । अं ततः उन्होंने चांग हुआ के विरुद्ध अपना फै सला सु नया, उन्हें निंदाकार और झगड़ालू करार दिया, कु छ कोड़े मारने का आदे श दिया और उन्हें दरबर से बहर निकाल दिया। अब, जै से ही वह दरबार से निकल रहे थे, फीनिक्स का एक दूत उनके पस आया, उन्हें कु छ चांदी के सिक्के दिए और उनके कान में फु सफुसाया कि उन्हें दृढ़ रहन चाहिए और अपने न्यायसं गत उद्दे श्य के लिए निडर होकर लड़ना चाहिए; फीनिक्स उनका कर्ज चु काएगा और उनका साथ दे त रहे ग। उसी समय फीनिक्स ने मजिस्ट्रे ट को एक बर फिर सं दे श भेजा और उन्हें यह और वह नए निर्देश दिए। इसका परिणाम एक दूसरा मु कदम और नई कार्यवाही हुई। इस बार मजिस्ट्रे ट ने वादी को एक ओर राजकु मर चे न को पूरा कर्ज चु काने का आदे श दिया, और दूसरी ओर उन्हें उनकी कानू नी दुल्हन प्रदान की और बू ढ़े चांग को चिया के घर से अपनी बहू को लाकर अपने घर ले जने का अधिकार दिया। फीनिक्स में अपन कर्ज चु काने वाला और साथ ही अपनी बहू पर अधिकार करने की अनु मति मिलने की दोहरी जीत से बे हद प्रसन्न होकर, बू ढ़ा चां ग अपने जे ब में मजिस्ट्रे ट का आदे श ले कर पश्चिमी महल की ओर चल पड़ा। फीनिक्स ने अपनी सं तुष्टि छुपाते हुए और पीड़ादायक आश्चर्य का नाटक करते हुए, जल्दी से फूल ज

के पस जाकर घटनाक्रम की नई जानकारी दी। अपनी रिपोर्ट समाप्त करते हुए उसने कह, "भाभी चे न ही सब कु छ के लिए जिम्मे दर है । इस ममले में उसने बिल्कुल विवे कहीनत बरती। उसे त्यागपत्र का वै ध दस्तवे ज प्रप्त कर ले न चाहिए था। मु झे कै से पत चलता कि यह यू पहले से ही किसी और से सगाई कर चु की थी? स्वाभाविक रुप से, पहले दूल्हे का दावा करना उचित था। अब हमें इसका खामियाजा भु गतन पड़े ग!" 384

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.07% है ।

पूर्वज ने राजकु मरी चे न को अपने सामने बुलवाया और उनकी अज्ञानता और विवे कहीनता के लिए उन्हें कड़ी फटकार लगाई। राजकु मरी ने आश्चर्यचकित होकर कहा, "लेकिन लोगों ने हमसे हर्जाना लिया था, जिसके बदले उन्होंने त्यागपत्र का लिखित दस्तावे ज तै यार किया था!" फीनिक्स ने तु रं त बीच में टोकते हुए कहा, "दुर्भाग्य से, कानू नी प्रोटोकॉल में हर्जाने और त्यगपत्र का कोई उल्ले ख नहीं है । इसके अलावा, बू ढ़े चांग ने एक कानू नी बयन में कहा था कि एक बार बिना किसी पूर्वाग्रह के यह उल्ले ख किया गया था कि उनके मं गे तर की मृ त्यु की स्थिति में, दूसरी यू हमरे परिवार में दूसरी पत्नी के रूप में विवाह करे गी। इसलिए इस बारे में कु छ नहीं किया जा सकता। यह तो बस सौभाग्य की बात है कि मे रे पिता अभी दूर हैं और यू के साथ विवाह अभी औपचारिक रूप से सं पन्न नहीं हुआ है ।लेकिन सवाल यह है कि हम बू ढ़े चांग से कै से छु टकारा पाएँ? वह यहाँ हैं । परिवार में औपचारिक रूप से स्वीकार किए जाने के तु रं त बाद हम यू को यूँ ही वापस नहीं भे ज सकते । अगर हमने ऐस किया तो हमारी निश्चित रूप से बदनमी होगी।" “लेकिन हम दूसरों के विधिवत अर्जित कानू नी अधिकारों का उल्लं घन भी नहीं करन चाहें गे, यह हमारे लिए भी उचित नहीं होगा। अं तत; हमारे लिए उसे त्यग दे न ही सबसे अच्छा है,” पूर्वज ने कहा। “लेकिन मे री माँ ने बू ढ़े चांग को अमु क वर्ष, अमु क महीने और अमु क दिन बीस ताएल का हर्जाना दिया था, और बदले में बू ढ़े चांग ने लिखित रूप में अपने त्याग की पुष्टि की थी,” दूसरे यू ने विरोध किया। “मे री बहन चे न बिल्कुल सही कह रही है । गलती का कोई सवाल ही नहीं है । बू ढ़े चांग ने दरअसल से झू ठ बोला है और के वल पै से वसूलने के लिए कानू नी कार्रवाई कर रहा है!” “कितने शर्मनाक और परे शनी पै दा करने वाले लोग हैं!” पूर्वज ने क्रोध से कहा। “फीनिक्स, जाओ और किसी तरह इस मामले को सुलझाओ!” फीनिक्स ने आज्ञा का पालन किया और सबसे पहले चिया यु ंग को गु प्त बातचीत के लिए बुलाया। फिर चिया यु ंग ने अपनी पिता, राजकु मर चे न से परामर्श किया। राजकु मर चे न ने एक बार फिर चां ग हुआ को गु प्त सं दे श भेजा, जिसमें उसे चेतावनी दी गई थी कि वह हद से ज्यदा आगे न बढ़े और राजकु मर के क्रोध को न भड़काए। अन्यथा, एक दिन उसकी दुखद मृ त्यु हो सकती है और उसे दफनया भी नहीं जा सकता। उसे पै से के लिए आभारी रहना चाहिए और उस स्त्री की मां ग

करना बंद कर देना चाहिए। अब जितनी जल्दी हो सके गायब हो जाने का समय था; राजकुमार उसे भागने के लिए पैसे देगा। चांग हुआ ने इस मामले पर खूब विचार किया और अपने माता-पिता से इस बारे में चर्चा की। राजकुमार का प्रस्ताव बिल्कुल भी बुरा नहीं लगा और नकद राशि को तुच्छ नहीं समझा जा सकता था। उन्होंने आपस में सौ औंस के अतिरिक्त हर्जाने की मांग करने पर सहमति जताई और अगली सुबह तड़के चांग हुआ के माता-पिता और उनका बेटा राजधानी से गायब हो गए और अपने पैतृक गांव लौट गए। गुप्त रूप से द्वेषपूर्ण खुशी से भरी हुई चिया युंग ने पूर्वज और फीनिक्स को उनके गायब होने की खबर दी। मजिस्ट्रेट ने385

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.20% है ।

यह स्पष्ट हो गया था कि चां ग हुआ द्वारा लगाए गए आरोप पू री तरह निराधार थे । सज़ा के डर से पू रा बदमाश गिरोह गायब हो गया था। मजिस्ट्रे ट ने कार्यवाही रोक दी थी, और इस तरह मामला समाप्त हो गया था। फीनिक्स को यह खबर मिली-जुली भावनाओं के साथ मिली। एक ओर, वह इस तथ्य को नज़रअं दाज़ नहीं कर सकती थी कि अगर चां ग हुआ यू को अपने साथ ले गया था, तो चिया लियन उसके लौटने पर उसे उससे वापस पाने की पू री कोशिश करे गा, और उसे इसमें कोई सं दे ह नहीं था कि चां ग हुआ उसे एक बार फिर स्वे च्छा से सौंप दे गा। अब तक, चां ग हुआ के गायब होने से स्थिति में बहुत अधिक बदलाव नहीं आया था, और इसके अलावा इससे खर्चों में भी बचत हुई थी। दूसरी ओर, उसे डर था कि चां ग हुआ, अब उसके प्रभाव क्षे त्र से बाहर होने के कारण, गपशप कर सकता है और उसे पू रे षड्यं त्र का सू त्रधार बता सकता है । यह उसके लिए अप्रिय साबित होगा और सं भवतः उसे मु कदमे में भी घसीट सकता है। अब उसे ऐसी स्थिति से खु द को बचाना था। मामले पर अच्छी तरह विचार करने के बाद, उसने अपने भरोसे मं द कुली लिटिल वां ग को भगोड़ों के पीछे भे जा उसका काम था किसी भी तरह से परे शानी पै दा करने वाले चां ग हुआ को खत्म करना। उसने उसे यह काम करने की छूट दी थी: या तो चोरी या रास्ते में किए गए किसी अन्य अपराध के आरोप में कानू नी कार्रवाई करके, या इससे भी बे हतर, भाड़े के हत्यारों से उसे तु रं त मरवा दे ना। लिटिल वां ग की अं तरात्मा उसे ऐसा संदिग्ध आदे श मानने की अनु मति नहीं दे रही थी; साथ ही, वह अपनी मालकिन के खिलाफ खुलकर विद्रोह करके अपनी स्थिति को खतरे में डालना भी नहीं चाहता था। इसलिए उसने आदे श का पालन करने का नाटक किया, कु छ दिनों तक नजरों से ओझल रहा, और लौटने पर उसने मै डम फीनिक्स को एक मनगढ़ं त कहानी सु नाई। चां ग हुआ ने घर लौटते समय लापरवाही से अपने पास मौजू द सारी नकदी का बखान करके लु टे रों का ध्यान आकर्षित किया था; भागने के तीसरे दिन उसे लू ट लिया गया और उसकी हत्या कर दी गई, और उसके पिता की अगले सराय में सदमे से दिल का दौरा पड़ने से मृ त्यु हो गई, जहाँ वे रुके थे । उनके शवों की विधिवत जां च एक फोरेंसिक विशेषज्ञ द्वारा की गई थी, और उन्हें तु रं त वहीं दफना दिया गया था। फीनिक्स को यह खबर कु छ सं दे ह के साथ मिली और उसने लिटिल वां ग को धमकी दी

कि अगर बाद में यह सबित हो गया कि उसने झूठ बोला था, तो वह उसके दांत तुड़वा देगी। लेकिन उसने बत यहीं खत्म कर दी; क्योंकि उसके पस इसके विपरीत कोई सबूत नहीं थ, और लिटिल वांग के अलावा उसका कोई और विश्वासपात्र नहीं था। अब से उसकी पूरी ऊर्जा, मित्रता के मुखौटे के नीचे, घेर में मौजूद अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी का जीवन यथासंभव कठिन बनाने में लगी हुई थी। पिंग आन चाउ से लौटने पर, चिया लियन यह देखकर बहुत हैरान रह गया कि फ्लावरिंग ब्रांच लेन में स्थित उसका घर, जहाँ वह तुरंत गया था, बंद और खली था। वहाँ केवल एक बूढ़ा द्वारपाल था, जो कार्यवाहक के रूप में रुका हुआ था। जब उसने 386 के मुख से सुन

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.15% है ।

द्वारपाल को यह जानकर इतना आश्चर्य हुआ कि वह स्थान कै से और क्यों सु नसान था, कि उसका पै र घोड़े की रकाब से फिसल गया। फिर वह सीधे अपनेपिता, राजकु मर शीह के पस गया और उन्हें अपनेमिशन की रिपोर्ट दी। राजकु मर शीह ने सं तोष व्यक्त किया और उसे पु रस्कार के रूप में सौ औंस चां दी औरचियू तु ं गाम की सत्रह वर्षीय दासी भें ट की। चिया लियन ने खु शी से अपना माथा जमीन पर पटकते हुए उनका धन्यवाद किया और बू ढ़ी तई ताई और अन्य रिश्ते दारों को प्रणाम करने चला गया। कु छ अपराधबोध और शर्मिंदगी महसू स करते हुए वह अपनी पत्नी फीनिक्स से मिलने गया, लेकिन उम्मीद के विपरीत, फीनिक्स ने जरा भी नाराजगी नहीं दिखाई। खु शी से मु स्कु राते हुए, वह दूसरे यू के साथ हाथ में हाथ डालकर उससे मिलने आई और उससे यात्रा और मौसम के बरे में ऐसे पू छा जै से उनके बीच कु छ हुआ ही न हो। चिया लियन अपने पिता द्वारा उसे सत्रह वर्षीय रखैल उपहार में दिए जाने की बत सु नकर अपनी खु शी और संतुष्टि को छिपा नहीं सका। फीनिक्स के दिल में पहला घाव अभी पू री तरह भरा भी नहीं था कि यह एक नया घाव बन गया। उसने जितना हो सके खु द को संभाला, दोस्ताना व्यवहार बनाए रखा और दो नौकरानियों को राजकु मर शीह के घर भे ज दिया ताकि वे घर की नई सदस्य को वपस लाकर वहां मौजू द महिलाओं से उसका ठीक से परिचय करा सकें । चिया लियन अपनी आमतौर पर इतनी ईर्ष्यालु प्रधान पत्नी के इस अप्रत्यशित सौहार्द को दे खकर आश्चर्यचकित रह गया। उसे कै से पता चलता कि वह सिर्फ दिखावा कर रही थी, और अपने मन में कु छ और ही सोच रही थी। अगले मौके पर, जब वह दूसरी यू के साथ अकेली थी, तो उसने दिखावटी चिंता जताते हुए उससे कहा "दुर्भाग्यवश, बहन, आपकी प्रतिष्ठा अच्छी नहीं है । लोग आपके संदिग्ध अतीत के बरे में कानाफू सी कर रहे हैं; कहा जाता है कि आपका अपने दे वर चे न के साथ अफे यर थ, और इसी वजह से आपके पूर्व मं गे तर ने आपको ठुकरा दिया था— यहां तक कि बू ढ़ी तई ताई और दूसरी महिलाएं भी यही बातें दोहरा रही हैं । मु झे आपके लिए बहुत दुख है । मैं यह पता लगाने की कोशिश कर रही हूं कि यह सब किसने शु रू किया, लेकिन अब तक सफलता नहीं मिली है । मैं काफी समय से आपसे इस बारे में बात करना चाहती थी, लेकिन कर्मचारियों के समने ऐस न करने की इच्छा से मैं चु प

रही। लेकिन इस सबने मुझे इतना परेशान कर दिया है कि मैं बहुत बीमार हूं और कईदिनों से कुछ खा नहीं पाई हूं।" ये और इसी तरह की अफवहें उसने खुद ही व्यंग्यपूर्वक फैलाई थीं, और जल्द ही पूरे घर में कानाफूसी शुरु हो गई। छोटीपिंग को छोड़कर महिला कर्मचारियों में से एक भी ऐसी नहीं थी जिसने बेचारी यू के कान के पस फुसफुसाकर कुछ न कहा हो, और जिसने द्वेषपूर्ण टिप्पणियों और छिपे हुए इशरों और व्यंग्यों के उस खेल में भग न लिया हो, जिसमें चूने के पेड़ क नाम लेकर वस्तव में बबूल का नाम लिया जाता है।387

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल69.22% है ।

सत्रह वर्षीय उपपत्नी चियू तु ं ग का समय कहीं बे हतर था। किसी की हिम्मत नहीं होती थी उसकी निंदा करने की, क्योंकि वह किसी गु प्त द्वार से नहीं आई थी, बल्कि परिवार के मुखिया, राजकु मर शीह की ओर से एक खुले उपहार के रूप में आई थी। इसलिए, वह खु द को दूसरे यु से कहीं श्रे ष्ठ समझती थी। फीनिक्स या छोटी पिंग भी उसे प्रभवित नहीं कर पाती थीं, और उस संदिग्ध व्यक्ति की तो बात ही छोड़िए, जिसे ठुकरा दिया गया था और जिसने एक संदिग्ध और गु प्त पूर्व सं बं ध के माध्यम से अपनी वर्तमान स्थिति हासिल कर ली थी। ये उसके वास्तविक शब्द थे, और फीनिक्स ने इन्हें सं तुष्टि के सथ सु ना। उसे उसमें घृणित यु के विरुद्ध काम करने के लिए एक उपयुक्त हथियार मिल गया था। फीनिक्स जितना हो सके यु से बचती रही। वह लगातार बीमारी का बहाना करती और यु का भोजन अपने लिए अलग मं गवती, और जो खाना उसके समने परोस जाता वह बासी और बे स्वद होता था। अच्छी छोटी पिंग ही एकमात्र ऐसी थी जिसे उसलड़की के लिए सहानु भूति थी जिसके सथ इतना बु रा व्यवहार किया जा रहा था, और वह कभी-कभी अपनी जे ब खर्च से उसके लिए बे हतर खना लाती थी। छोटी पिंग के प्रति आदर के कारण घर में किसी ने भी इस पर आपत्ति करने य फीनिक्स को बताने की हिम्मत नहीं की। के वल चियू तु ं ग ही इतनी निर्दयी थी कि उसने छोटीपिंग की बु राई की। उसने फीनिक्स से कहा, "अगर तु म अपनी नौकरानी को मनमानी करने दे ती रहोगी, तो तु म्हारी सारी सत्ता छिन जाएगी, नानी। वह सख्त मिजाज औरत, यू, तु म्हारा अच्छा खाना बिना छुए छोड़ दे ती है और चु पके से कमरे में छोटीपिंग से खना ले आती है। इस पर तु म्हारा क्या कहना है?" इस पर फीनिक्स ने अपनी नौकरानी को खू ब फटकारा। "दूसरी जगहों पर बिल्लियाँ चू हे रखती हैं, जो कि उचित है । लेकिन तु म मे री बिल्ली को मुर्गी खिलाती हो!" उसने डां टते हुए कहा। छोटी पिंग जवाब दे ने की हिम्मत नहीं कर पाई, लेकिन ऐसे निर्दयी सं सर में रहन उसे घृ णास्पद लगा; वह चाहती थी कि वह कहीं और होती, और चियू तु ं ग से नफरत करने लगी। पार्क ऑफ डिलाइटफुल विजन की यु वतियाँ भी बे चारी यू पर बहुत दय करती थीं; लेकिन फीनिक्स इतनी भयभीत थी और छल-कपट में इतनी महिर थी कि किसी ने भी बोलने की हिम्मत नहीं की। वे आपस में ही गु प्त रूप से दूसरे यू के भाग्य पर विलाप और शोक मनाते थे । चिया

लियन भी अपनी पत्नी के अभिनय कौशल से धोखा खा जाता था। जब वह घर पर होता था, तो सब कुछ सुचारु और व्यवस्थित लगता था। इसके अलावा, सत्रह वर्षीय युवती के उपहार में मिलने के बाद से दूसरे यू में उसकी रुचि काफी कम हो गई थी। वह उसके लिए वैसी ही थी जैसे जलती हुई लौ के लिए सूखी लकड़ी। गोंद और वार्निश की तरह वे एक-दूसरे से चिपके रहते थे और वह दिन-रात उसके पास से हिलता भी नहीं था। फीनिक्स, बेशक, चियू तुंग से उतनी ही नफरत करती थी जितनी दूसरे यू से, लेकिन फिलहाल छोटी प्रियतमा एक मूल्यवान सहयोगी और बड़ी के खिलाफ एक हथियार थी। वह किसी पहाड़ की चोटी पर बैठकर नीचे उन दोनों द्वंद्वों को एक-दूसरे को चीरते हुए देखना चाहती थी। एक बार जब पहला वाला 388 था

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 8.76% है ।

बात खत्म होते ही वह बचे हुए व्यक्ति पर हमला करने और उसे जान से मरने के लिए दौड़ पड़ी। "तुम जवन और अनुभवहीन हो और तुम्हें अपने ऊपर मंडराते खतरे का अंदाजा नहीं है," उसने चियू तुंग से फुसफुसाते हुए कहा। "उसने उसका पूरा दिल जीत लिया है। मुझे भी उसके सामने झुकना पड़ता है और उसके आगे समर्पण करना पड़ता है। अगर तुम इतनी बेवकूफ होकर उससे भिड़ोगी तो खुद को बर्बाद कर लोगी।" इस तरह उसने उसे उकसाया और भड़काया, और उस उग्र बच्ची को विद्रोह और बगावत के लिए तैयार किया। "मैं कभी सपने में भी ऐसे व्यक्ति के समने झुकने की नहीं सोचूंगी!" चियू तुंग ने गुस्से से जवाब दिया। "तुम्हारे घटते अधिकार से सफ पता चलता है, नाई नाई, तुम्हारी इस कमजोर सहनशीलता का क्या नतीजा होता है। इसे मुझ पर छोड़ दो! मैं इस बदचलन औरत से निपटूंगी। इसे मेरी औकात पता चल जाएगी!" उसने जनबूझकर इतनी जोर से कहा था कि बगल के कमरे में मौजूद दूसरी यू को भी यह सुनाई पड़ा। अपने चरों ओर इतनी दुर्भावना देखकर वह हतश हो गई, सारा दिन रोती रही और एक निवाला भी नहीं खा सकी। लेकिन अगले दिन, जब पूर्वज ने उसकी लाल और सूजी हुई पलकों को देखकर कारण पूछा, तो वह इतनी डरी हुई थी कि कुछ बोल नहीं पाई। इसके बजय, धूर्त चियू तुंग ने र्वजों और अन्य बुजुर्ग महिलाओं से फुसफुसाकर कहा कि यू केवल अपने लगातार रोने-धोने से चिया लियन को प्रभावित करना चाहती थी और उसे उसकी दो अन्य पत्नियों से नराज़ करना चाहती थी, जिनकी वह मन ही मन मृत्यु चाहती थी। पूर्वज भी पूरी तरह से उसकी बातों में आ गईं और नाराज़गी से बोलीं, "देखो, फिर से पत चलता है कि एक सुंदर बाहरी रूप के नीचे कितनी नीचता छिपी हो सकती है! फीनिक्स उसके प्रति इतना स्नेह रखती है, और अब वह अपनी उपकार करने वाली के खिलाफ साजिश रचकर अपनी कृतज्ञता दिखा रही है! कितनी नीच प्राणी है!" उस क्षण से, पूर्वज के सथ अब तक यू को जो स्नेह प्रप्त था, वह धीरे-धीरे कम होत चला गया। और जब दूसरों ने देखा कि पूर्वज ने अपन स्नेह वपस ले लिया है, तो उन्होंने सरी परवाह छोड़ दी और उस बेचरी को इस तरह कुचला कि जीने की उसकी सरी इच्छा ही समाप्त हो गई। केवल अच्छी छोटी पिंग ही उसके प्रति वफादार रही और जितना हो सके चुपके से उसे दिलासा देती रही। कुछ

समय से दूसरी यू गर्भवती थी। यह स्वाभाविक था कि उसके सथ होने वले दुर्व्यवहार का उसके कोमल, नाजुक शरीर पर बुरा असर पड़े, जिसे देखभाल की बहुत ज़रूरत थी। वह बीमार पड़ने लगी, दुबली होने लगी और उसकी भूख कम हो गई। दिन में वह थकी हुई और कमजोर महसूस करती थी, रात में बुरे सपने उसकी नींद उड़ा देते थे। एक बार उसकी मृत बहन, तीसरी यू, उसके सपने में प्रकट हुई। उसने अपने हाथ में रत्नजड़ित तलवार पकड़ी हुई थी, जिस पर दो बत्तखों की आकृति खुदी हुई थी, और उससे कहा: "प्रिय बहन, तुम जीवन भर बहुत कमजोर और सौम्य स्वभव की रही हो। अब तुम्हें इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। उस झूठी, ईर्ष्यालु स्त्री के बहकावे में मत आओ! वह ऊपर से दयलुता और बड़प्पन का दिखावा करती है, लेकिन भीतर से वह पूरी तरह से धूर्त है।"

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.18% है ।

वह द्वेष और नीचता से भरी है, और जब तक वह तुम्हें जान से न मर डाले, तब तक चैन से नहीं बैठेगी। अगर मैं जीवित होती, तो मैं ऐसा होने ही नहीं देती और न ही तुम्हें उसके साथ रहने देती। लेकिन, दुर्भाग्य से, तुम्हारा यही दुर्भाग्य है कि तुम्हें अब इतना कष्ट सहना पड़ रहा है । अपने पिछले जन्म में तुमने कामुक सुखों में लिप्त होकर दूसरों के विवाह तोड़े । अब तुम्हें इसका प्रायश्चित करना होगा। मेरी सलाह मानो और यह तलवार लेकर अपने शत्रु को मार डालो, ताकि मैं उसे भयानक जागृति की परी के न्यय सिंहासन के समक्ष ला सकूँ! अन्यथा तुम स्वयं व्यर्थ ही मृत्यु को प्राप्त हो जाओगी और कोई भी जीवित प्राणी तुम्हारे लिए शोक नहीं करेगा। "प्रिय बहन, मेरा जीवन पहले ही पूरी तरह से बर्बाद हो चुका है; लेकिन क्योंकि मुझे अपने पिछले पपों का प्रायश्चित करना है, इसलिए मैं अपने भाग्य को स्वीकार कर लूँगी और अपने अपराध को और नहीं बढ़ाऊँगी," दूसरी यू ने दुखी होकर उत्तर दिया। तीसरी यू ने आह भरी और गायब हो गई। अगले दिन, जब दूसरी यू चिया लियन के सथ अकेली थी, तो उसने उसे बताया कि वह गर्भवती है, लेकिन उसे अपनी और अपने बच्चे की जन को लेकर बहुत चिंता और बेचैनी है। चिया लियन ने तुरंत डॉक्टर को बुलवाया। वह वास्तव में डॉक्टर वंग को बुलाना चाहता था, जो अच्छे डॉक्टर मने जते थे, लेकिन वे बीमर थे और नहीं आ सके । उनकी जगह, फीनिक्स के निर्देश पर, नौकर झोलाछाप डॉक्टर हू को ले आय, जिसने पहले ब्रइट क्लाउड को "भेड़िया और बाघ का इलाज" बताया था। झोलाछाप डॉक्टर द्वारा दी गई दवा से यू ठीक होने के बजाय गर्भपात हो गया, और उसने बहुत दर्द और खून की कमी से एक मृत बच्चे को जन्म दिया। चिया लियन बहुत परेशन हो गया। उसने दूसरे डॉक्टर को बुलवाया और अपने नौकरों को झोलाछाप डॉक्टर हू को पकड़ने का आदेश दिया, और वह उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करना चाहता था। लेकिन डॉक्टर हू को समय रहते खबर मिल गई और वह शहर से भग चुका था। चिया लियन क्रोधित हो उठी और उसने नीम-हकीम को लाने वले नौकर को पीट-पीटकर मार डालने की धमकी दी। फीनिक्स, मन ही मन खुश होते हुए भी, अपने पति से भी ज़्यदा दुखी और नाराज़ होने का दिखावा करने लगी। "ओह, कितना दुर्भाग्य है!" वह विलाप करने लगी। "अब, जब हम अपने वैध उत्तराधिकारी की आशाओं को पूरा होते देखने के

इतने करीब थे, इस निकम्मे डॉक्टर ने आकर हमारी आशाओं को चकनाचूर कर दिया! लगता है हमारा भाग्य ही पुत्रहीन रहना लिखा है।" प्रभाव दिखाने के लिए उसने अगरबत्ती जलाई और गंभीर प्रार्थनाएँ कीं, और ईश्वर से विनती की कि उसे बीमारी हो जाए, लेकिन दूसरे यू को फिर से स्वस्थ कर दे और उसे संतान का आशीर्वाद दे। उसने प्रतिज्ञा की कि तब तक वह उपवास रखेगी और प्रतिदिन बुद्ध से प्रार्थना करेगी। घर में सभी लोग उसकी महानता और निस्वार्थता से प्रभवित हुए और उसकी प्रशंसा करते रहे। फीनिक्स ने इससे भी आगे बढ़कर अपने हाथों से अपनी प्रतिद्वंद्वी के लिए बीमारों का सूप बनाया और अपने खर्च पर एक ज्योतिषी को बुलाकर रोगी का भविष्य जानने को कहा। ज्योतिषी, जिस पर उचित रूप से काम किया गया था be33Q

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.21% है ।

फीनिक्स के एक दूत ने यह जनना चाहा कि क्या घर में कोई ऐसी स्त्री है जो मुर्गे की राशि में जन्मी हो और रोगी के लिए दुर्भाग्य ला रही हो। अब, पूरे घर में केवल एक ही व्यक्ति मुर्गे की राशि में जन्मी थी, और वह सत्रह वर्षीय रखैल चियू तुंग थी। जब फीनिक्स ने उसे ज्योतिषी का फैसला सुनाया, तो चियू तुंग गुस्से से आगबबूला हो गई। फीनिक्स ने उसे दोस्ताना लहजे में सलाह दी कि अगर उसे अपनी जन और घर की शांति प्यारी है, तो उसे कुछ समय के लिए गायब हो जाना चाहिए। "अरे, मुझे उस आधे भूखे मसखरे ज्योतिषी की बेवकूफी भरी बातों की क्या परवाह!" वह क्रोध से चिल्लाई। "मैं भी यू की तरह ही एक इंसान हूँ। वह पहले हर तरह के लोगों के संपर्क में रही है; तो फिर सिर्फ मुझे ही उसके लिए बदकिस्मती का कारण क्यों कहा जाए? और वैसे भी, उसके बच्चे को लेकर इतना हंगामा क्यों? कौन जाने इस सबकी चहेती को उसका नाजायज बच्चा कहाँ से मिला? वह हमारे सीधे-सादे मलिक को भले ही झूठी कहानी सुना दे, लेकिन हमें धोखा नहीं दे सकती। बच्चा होना! इसमें भला क्या बड़ी बात है? बस एक साल इंतज़ार करो, और बच्चा अपने आप हो जता है। कोई भी औरत ऐसा कर सकती है!" जब वह इस तरह गुस्से में बोल रही थी, तभी राजकुमरी शीह उससे मिलने आ गईं। "एक ज्योतिषी का कहना है कि मैं एक-दूसरे के रास्ते में खड़ी हूँ, इसलिए मुझे भगाया जा रहा है," उसने राजकुमरी शीह से शिकायत की। "लेकिन मुझे नहीं पता कि कहाँ जऊँ। कृपा करके मेरी मदद कीजिए, ताई ताई!" तब राजकुमरी शीह ने उसे अपनी शरण में लिया और चिया लियन को उनके समने फटकारा। वह एक साधारण साहसी स्त्री के लिए उस लड़की को कैसे त्याग सकता था जिसे उसके अपने पिता ने उसे दिया था? ऐसा करना उसके पिता का अपमान था। और वह क्रोधित होकर उससे मुँह मोड़ बैठा। चियू तुंग अब पहले से कहीं अधिक शक्तिशाली महसूस कर रहा था। राजकुमरी के जते ही वह पड़ोसी मंडप की खिड़की के नीचे गई और अंदर मौजूद दूसरे यू को ज़ोर-ज़ोर से गलियाँ देने लगी। वह दुखी लड़की पूरी तरह टूट गई। उसी रात, जब चिया लियन चियू तुंग के साथ आनंद ले रही थी और फीनिक्स सो रही थी, तो लंबे समय तक सोचने के बाद उसने एक दुखद निर्णय लिया। उसे यह दयनीय, बर्बाद जीवन क्यों जीना चाहिए? उसे लगा कि वह फिर कभी स्वस्थ और खुश नहीं होगी

और उसका प्रियतम उससे हमेशा के लिए दूर हो गया है । गर्भपात से बच्चे की उम्मीद चकनाचू र हो जाने के बाद, उसके पस दुनिया में आगे दे खने के लिए कु छ भी नहीं बच था। तो फिर, उसे बिना किसी उद्दे श्य के क्यों जीना चाहिए? उसे लगा कि मृ त्यु ही उसके दुख से मुक्ति का एकमात्र उचित मार्ग है । मृ त्यु का प्रकार चु नन ही एकमात्र समस्या बची थी। फां सीलगाकर आत्महत्या करना या खं जर से खु द को गोली से न जै सीहिंसक मृ त्यु उसे घृणित लगती थी। तभी उसे यद आया कि उसने अक्सर सु न था कि कोई व्यक्ति 391 में आत्महत्य कर सकता है ।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.12% है ।

कच्चा सोना निगलकर जल्दी और दर्द रहित तरीके से अपनी जान बचाना चाहती थी; और उसने फै सला कर लिया। वह बड़ी मुश्किल से अपनेबिस्तर से उठी, अपना खजाना खोला और उसमें अपने उद्दे श्य केलिए उपयुक्त सोने का टुकड़ा खोजने लगी। जै से ही बाहर पाँ चवीं रात के पहर का ढोल बजा, उसने खु द को झटका दिया और अपना काम पू रा किया। पहले तो वह जनले व टुकड़ा उसके गले से नीचे नहीं उतरा, लेकिन अं त में उसने बड़ी हिम्मत से उसेनिगल लिया। फिर उसने जल्दी से उत्सव का वस्त्र और अपने सबसे अच्छे गहने पहने, वापस अपने बिस्तर पर चढ़ गई और धैर्यपूर्वक अपनी मृ त्यु की प्रतीक्षा करने लगी। सु बह काफी दे र हो चु की थी, और अच्छी छोटी पिंग की डां ट के बाद ही आलसी नौकरानियों ने पूर्वी भाग में बीमर मालकिन को दे खने की हिम्मत की, जिनसे पू री सु बह न तो कोई पुकार आई थी और न ही कोई आदे श। जब उन्होंने शयनकक्ष का दरवाजा खोला तो उन्हें अपने सामने एक मृ त महिला मिली। वे डर के मारे वपस बाहर भागीं और छोटी पिंग को आने केलिए चिल्लाईं। गहनों से सजे शव को दे खकर छोटी पिंग का हृदय दया से भर उठा और उसने ऊँ चे स्वर में विलाप करते हुए उसे श्रद्धांजलि अर्पित की। और वे दासियाँ और नौकरानियाँ, जिन्होंने फीनिक्स के भय से अपनी अशिष्टता और अवज्ञा से बे चारी यू को जीवन से विमु ख करने में बड़ी लगन दिखाई थी, अचानक याद आईं कि मृ तक हमेशा एक दयालु और ने क दिल मालकिन थीं, जिनके बारे मेंकिसी को कोई शिकायत नहीं थी। वे पश्चाताप और दया से भर उठीं और फीनिक्स के अनु पस्थित रहने तक छोटीपिंग के विलाप में शमिल हो गईं। चिया लियन को सां त्वन दे न असं भव थ, लेकिन फीनिक्स ने अपनेदिखावटी शोक से उसके सच्चे दुख को भी मात दे ने की कोशिश की। "प्यारी बहन, तु मने मु झे क्यों छोड़ दिया? क्या यही मे रे प्यार के प्रति तु म्हारी कृ तज्ञत है?" उसने दयनीय स्वर मेंविलाप किया। चिया लियन की इच्छा के अनु सार, शव को नाशपाती के बगीचे में पू रे एक सप्ताह तक अर्थी पर रखा गया, जहाँ उसने पू री निष्ठा से उसकी दे खभल की और दिवं गत आत्म के लिए रीति-रिवाजों के अनु सार अंतिम सं स्कार किया। लेकिन फीनिक्स के आग्रह पर, पूर्वज ने उन्हें पारिवारिक मंदिर में दफनने से मना कर दिया, जिसकी उन्हें इच्छा थी। एक साधारण अंतिम सं स्कार के बद, जिसमें के वल निकटतम रिश्ते दार ही शामिल हुए

और जिसमें फ़ॅनिक्स ने अस्वस्थत का बहाना बनाकर भाग नहीं लिया, दूसरी यू को शहर की दीवारों के बहर एक छोटी सी साधारण कब्र में, उनकी बहन की कब्र के बग़ल में दफन दिया गया। 392

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.62% है ।

अध्याय 36 वसं त जै सी कढ़ाई वाला थैला एक भोली-भाली लड़की के हाथों में गड़बड़ बन जाता है । रमणीय दृष्टि के पर्क की लड़कियाँ बदनाम हो जाती हैं और उन्हें घर की तलाशी की यातना सहनी पड़ती है ।पिछले कु छ महीनों से फीनिक्स एक जिद्दी स्त्री रोग से पीड़ित थी, जिसके कारण वह अक्सर अपने कमरे और बिस्तर तक ही सीमित रहती थी। उसकी निरं तर निगरानी के बिना, पश्चिमी महल में अनु शासन धीरे-धीरे ढीला पड़ गया था, और रमणीय दृष्टि के पर्क में भी अनियमितताएँ घर कर गई थीं, जो घर की गु णी यु वतियों के इस सवधानीपूर्वक सं रक्षित क्षे त्र में व्याप्त सख्त व्यवस्था के बिल्कुल विपरीत थीं। हाल ही में, मैं डरिन डक, पार्क में शम की सै र करते हुए, स्प्रिंग की ग्रीटिंग की शतरं ज खेलने वली नौकरानी को झाड़ियों में एक यु वा नौकर के सथ गु प्त रूप से मिलते हुए पकड़ लिया, जो दीवार फां दकर अं दर आ गया था। यह एक अभू तपूर्व घटना थी, जिसके बरे में अगर सबको पता चल जाता तो दोनों पक्षों को भयानक कोड़े खने पड़ते । सच है, मं दरिन डक ने बड़ी समझदारी से इस बरे में चु प्पी सध रखी थी, और ज़ाहिर है वह आदमी तु रं त भाग गया था। फिर भी, अपराधी का पता बाद में लगना ही था। दे र शम, जब पाओ यू सोने ही जा रहा था, श्री चें ग की दूसरी पत्नी, आं टी चओ के अपर्टमें ट से नौकरानी मै गपई बे गोनिया आं गन में आई और दे र रात होने के बवजू द पओ यू से बत करने को कहा। उसकी मालकिन अभी-अभी उसके पिता से दबे स्वर में कु छ कह रही थी, और उसने पओ यू का नाम सु न लिया था, इसलिए वह उसे कल उसके पिता से होने वली बातचीत के बरे में पहले से बताना चाहती थी। बस यही एक ज़रूरी बात थी जो उसे कहनी थी। बे शक, यह बहुत कम था, लेकिन पाओ यू को बहुत डराने केलिए काफी था। उसने मन ही मन सोच कि जब उसकी दूसरी पत्नी, जो उससे इतन नाराज़ थी, उसे उसकेपिता के सथ गु प्त बतचीत का विषय बना रही है, तो यह कोई अच्छा सं के त नहीं है ।चिया चें ग हाल ही में प्रं तों सेलौटा था और उस समय शाही सरकार द्वारा दी गई छुट्टी का आनं द ले रहा था। अब तक वह अपने इस सु खद अवकाश को शांतिपूर्वक और ध्यानमग्न होकर घर पर बिता रहा था, से व की थकान से विश्राम कर रहा था। अपनी सामान्य आदत के विपरीत, उसने इस बर पाओ यू को अकेला छोड़ दिया था और उसकी पढ़ाई और प्रगति के बरे में हमे शा

की तरह उससे तीखे सवाल-जवाब नहीं किए थे । अब पओ यू को डर थ कि उसकी दूसरी पत्नी चाओ ने शयद उसके पु त्र के ज्ञान की एक नई परीक्षा का सु झव दिया हो। शायद वह डरावनी परीक्षा अगले ही दिन हो जाए। और वह खु द को बिल्कुल भी तै यर महसू स नहीं कर रहा था! एक झटके में वह बिस्तर से उठा, जल्दी से कपड़े पहने और लं बे समय से उपेक्षित पड़ी हुई शास्त्रीय पु स्तकों को उठा लिया। वह पू री रात 393 में बिताने वला था।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 79.13% है ।

वह जल्दी से अपनी तै यारी कर रहा था, जितना हो सके, और अपने अधू रे ज्ञान को ताज़ा कर रहा था। ज़ाहिर है, रात की नींद भी नौकरानियों के लिए खत्म हो चु की थी, जो उसे मोमबत्ती की रोशनी में अपनीकिताबों में डूबे हुए दे ख रही थीं और उसके कराहने और आहें भरने की आवाज़ सु न रही थीं, क्योंकि वह बहुत मे हनत से अपना दिमाग खपा रहा था। "कितनी ज़ालिम है! आधी रात को झू ठे अलार्म बजाकर हमें चौंका दिया! उसे और उसकी बू ढ़ी मालकिन को सु ई के कु छ चु भन ही ठीक रहें गे" ब्राइट क्लाउड गु स्से से बड़बड़ाया। इसी बीच, नौकरानी मस्क ने तज़ी चाय डाली और अपने चिंतित मालिक को तरोताज़ा करने केलिए उसके समने एक कटोरा रख दिया। उसने के वल एक छोटी, पतली पे टीकोट पहनी हुई थी। "क्या तु म कु छ गर्म नहीं पहनोगी? रात ठं डी है और तु म्हें सर्दी लग जाएगी," उसने अपनीकिताबों से नज़रें उठाते हुएचिंता से कहा। "अरे, हमें तु म्हें तुम्हारे काम से विचलित न करने दो तु म्हें अभी केवल उन्हीं के बरे में सोचना चाहिए!" उसने मु स्कुराते हुए उसकी किताबों की ओर इशारा करते हुए उसे चेतावनी दी। उसी क्षण दो यु व नौकरानियाँ डरी हुई और चीखती हुई अं दर आईं। उन्होंने हाँफते हुए बताया कि एक आदमी दीवार फां दकर पर्क में घु स आया है । " यह तो भयनक है! वह कहाँ भगा है? पार्क में लालटे न ले कर उसकी तलाश करनी होगी!" वे सब उत्तेजित होकर आपस में बड़बड़ा रही थीं। लेकिन चतु र और दयलु ब्राइट क्लाउड ने तु रं त समझ लिया कि उसके बे चारे छोटे मालिक के लिए सु बह की परीक्ष से बचने का यह एक मौका है । " रात भर की यह कड़ी मे हनत तु म्हें ज़्यादा मदद नहीं करे गी," उसने पओ यू से फु सफुसाते हुए कहा। "डर के मरे बीमर होने का नाटक करो और सु बह बिस्तर पर ही रहो! फिर तु म इस मु सीबत से निकल जाओगे ।" पओ यू ने खु शी-खु शी यह सु झाव मान लिया, अपनी नापसं द किताबें बं द कीं और चु पचाप सोने केलिए ले ट गय। लेकिन सबसे पहले उसने सभी महिला और द्वारपालों को लालटे न ले कर पर्क के हर कोने में घु सपैठिए की तलाश करने का निर्देश दिया। तलाशी व्यर्थ रही। खोजकर्ताओं ने कहा कि सं भवतः उन यु वतियों ने नींद में कु छ कल्पना की होगी और पे ड़ों की शखाओं में हव की सरसराहट से डर गई होंगी। "बकवास! लड़कियों की बात शायद बिल्कुल सही है; आपने ठीक से खोजबीन नहीं की है," ब्राइट क्लाउड ने द्वारपालों से दृढ़त से

कहा। "छोटे मलिक और हम सबने भी वह संदिग्ध आवाज़ सुनी है। यकीनन हम सब धोखा नहीं खा सकते। छोटा मालिक उत्तेजन से बीमर है; उसे बुखार है और पूरे शरीर से पसीना बह रहा है। मैं उसकी माँ के पास बुखार कम करने की दवइयाँ लेने जा रहा हूँ। अगर कहानी इतनी ही हानिरहित होती, तो क्या मुझे ऐसा करने की ज़रूरत होती?" इस पर द्वारपाल, हैरान होकर, अपनी खोज फिर से शुरु कर दी। इसी बीच व्हाइट क्लाउड जल्दी से तई ताई चें ग गय और यह सुनिश्चित किया कि रात की घटना और पाओ यू की बीमरी की खबर फैलाई जाए।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.92% है ।

महल में हर जगह यही हाल था। डरी हुई मै डम चें ग ने अभी सु बह यह ममला बू ढ़ी तई ताई के सामने रख। बू ढ़ी तई ताई बहुत गु स्से में थीं और उन्होंने महल के कर्मचारियों की लापरवाही की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा, "सबसे बु री बात यह है कि हमारे अपने लोगों पर भरोसा नहीं किया जा सकता। शायद वे इस ममले को दब रहे हैं क्योंकि अपराधी उनके बीच ही मौजू द है"। वहाँ मौजू द बु जुर्ग महिलाएं, राजकु मरी शीह और राजकु मरी चे न, मै डम चें ग, फीनिक्स और विधवा चू, शर्मिंदगी भरी चु प्पी सधे रहीं। तभी स्प्रिंग का स्वाद आगे आय और बोला: "चचे री बहन फीनिक्स के बीमर होने और पर्क की दे खभल न कर पाने के कारण नौकरों में अनु शासन में ढील बढ़ती जा रही है । पहले नौकर कभी-कभार ही अपने काम से छु ट्टी ले कर तीन-चार लोग आपस में तश खेलने जाते थे लेकिन आजकल जु आ खुले आम और बड़े पैमाने पर चल रहा है, जिसमें एक क्लब कमे टी वगै रह भी है, और दां व तीस से पचास हजार सिक्कों की मालाओं तक लगे होते हैं । कु छ समय पहले तो सच में एक बड़ी लड़ाई भी हुई थी।" "यह तो बहुत ही शर्मनाक स्थिति है! आपने इसकी सू चन पहले क्यों नहीं दी?" पूर्वज ने गु स्से से पूछा। "माँ के पास हमे श बहुत सी दूसरी बातें होती थीं, और हाल ही में उनका स्वास्थ्य खराब चल रहा है । मैं उन्हें परेशान नहीं करना चाहती थी; इसीलिए मैं चु प रही।" स्प्रिंग का स्वाद बोला। "तु म इस ममले को बहुत हल्के में ले रही हो," पूर्वज ने फटकारते हुए कहा। "अगर यह सिर्फ एक छोटा-मोटा खेल या मामूली झगड़ा होता तो ठीक था! लेकिन रात-रात भर पै सों के लिए जु आ खेलना शराबखोरी और असं यम की ओर ले जाता है; शराब और खाना चोरी-छिपे अं दर लाया जाता है; फिर दरवाजे और फाटक चु पके से खोले जते हैं; और खुले दरवजे और फाटक चोरों और आवारा लोगों को लु भते हैं; और यह सिलसिला चलता रहता है । तु म्हें यह ध्यान रखना चाहिए कि इतने सरे कर्मचारियों में कई बु रे तत्व अवश्य होंगे, और ये, जब मौका मिलता है, तो अपनी बु री प्रवृत्तियों को खुली छूट दे ते हैं और दूसरों को भी दूषित करते हैं । और यह सोचकर हैरानी होती है कि ये सब बतें तु म जै सी नेक, सु रक्षित यु वतियों के ठीक आस-पास हो रही हैं! ऐसे भ्रष्ट वातावरण में तु म खु द को कितना नु कसन हो सकता है, इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती!" वसं त ऋतु की दे वी चु पचाप अपने स्थन पर

लौट गई। लेकिन ऊर्जावान फीनिक्स ने तु रं त उनाधपत्नियों को बुलाया जो महिला कर्मचारियों के लिए सीधे तौर पर उसके अधीन थीं और पूर्वज की उपस्थिति में उन्हें कड़ी फटकार लगाई। फिर पूर्वज ने उन्हें गु प्त जु ए में गभाने ने वाले अपराधियों का पता लगाने और उन्हें उसके पासने लाने के लिए पार्क में भे जा, और उसने प्रत्ये क मु खबिर के लिए नकद इनाम की पे शकश की औरकिसी भी तरह के छिपाने के प्रयास के लिए कोड़े मरने की धमकी दी। जं च का परिणाम यह निकला कि तीन मु ख्य जु आरी395

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.23% है ।

आठ महिला नौकरानियों, आठ महिला जु आ प्रबं धकियों और बीस अन्य प्रतिभागियों पर आरोप लगाकर उन्हें पूर्वज के समक्ष पे श किया गया। पूर्वज ने उन्हें आं गन में घु टने टे कने को कहा और उनसे गहन पू छताछ की। पासे, काउं टर और जु ए के अन्य उपकरण एकत्र करके तोड़ दिए गए और जला दिए गए। जु ए की धनराशि जब्त कर ली गई और अन्य नौकरों में बँ ट दी गई। तीन मु ख्य दोषियों को चालीस कोड़े दो बर मारे गए और उन्हें सेवा से बर्खास्त कर दिया गया। उन्हें फिर कभी महल में प्रवे श करने की अनुमति नहीं दी गई। अन्य दोषी व्यक्तियों को बीस कोड़े मरे गए और इसके अतिरिक्त तीन महीने के वे तन की कटौती की गई और उन्हें सबसे निचले स्तर की से वा, शौचालय परिचारिका के पद पर पदावनत कर दिया गया। तीन मु ख्य दोषियों में स्प्रिंग की नर्स ग्रीटिंग भी शामिल थी। प्रेशियस क्लै स्प, ब्लै क ज'डे और अन्य यु वतियों ने अपनी चचे री बहन की इज्जत बचाने केलिए नर्स के लिए क्षमादान की व्यर्थ अपील की; लेकिन पूर्वज अपने रुख पर अड़ी रहीं और उनके बर-बार कहने के बावजू द, उन्होंने अपनी पोती की आय को घर से निकाल दिया। हाल की घटनाओं से थकी हुई पूर्वज दोपहर का आराम कर रही थीं, तभी राजकु मरी शीह पार्क का निरीक्षण करने निकल पड़ीं। वह पार्क के द्वार में प्रवे श करने ही वाली थीं कि नौकरानी नम्स्कल, मन ही मन हं सती हुई और हाथ में हरे और लाल रं ग का कढ़ाईदार थैला लहराती हुई, उनके रास्ते में आ गई। पंद्रह साल की यह छोटी लड़की कु छ ही समय से घर में थी और पूर्वज की से व में छोटे-मोटे काम करती थी। पूर्वज को चौड़े चे हरे और मजबू त पै रों वाली इस हष्ट-पुष्ट, असभ्य लड़की से लगाव हो गया था, जिसकी सादगी उनके लिए हमे श हं सी का कारण बनती थी; उन्होंने ही उसका नाम नम्स्कल रखा था। वह उस लड़की को विशेष स्ने ह दे ती थीं और उसे अपने खाली समय में कभी-कभी पार्क में खेलने की अनु मति भी दे ती थीं। इन्हीं मौज-मस्ती में से एक के दौरान, सड़क किनारे कु छ अलग-थलग चट्टानों के बीच से उसे एक चमकीली कढ़ाई वाला इत्र का थैला मिला। कढ़ाई में फूलों और पक्षियों के समान्य पै टर्न नहीं थे, बल्कि सामने की तरफ एक जोड़ा गले मिलते हुए और पीछे की तरफ कु छ अक्षर लिखे हुए थे । हमारी नासमझ को इस चित्र के वसं तकालीन महत्व का जरा भी अं दाजा नहीं था। उसने भोले पन से सोचा कि दो नग्न आकृतियाँ

या तो दो राक्षस लड़ रहे हैं या फिर एक विवाहित जोड़ा झगड़ रहा है । खु शी से झू मते , हुए वह अपनी खोज को पूर्वज के पस ले जने ही वली थी कि रास्ते में उसकी मुलाकात राजकु मरी शीह से हो गई।"अरे, हमारी नासमझ को क्या खू बसू रत चीज मिली है, जिस पर वह इतनी खु श है? मु झे भी दे खने दो," राजकु मरी ने पू छा। "हाँ, यह बहुत ही खू बसू रत है। लो, खु द ही दे ख लो, ताई ताई!" नासमझ ने जवब दिया और थैला राजकु मरी को दिखाते हुए कहा। एक सरसरी नजर ही राजकु मरी को डर से पीछे हटने के लिए काफी थी। "तु मने इसे कहाँ से उठाया?" उसने उत्तेजित होकर पू छा। 396

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 8.84% है।

"मुझे यह चट्टानों के बीच मिला जब मैं टिड्डे पकड़ रही थी।" "यह बहुत ही बुरी चीज है। इसे छूने के लिए तुम्हें खूब मार पड़नी चाहिए; लेकिन क्योंकि तुम हमरी बेवकूफ हो और तुम्हें इसके बारे में कुछ पत नहीं है, इसलिए इस बार तुम्हें माफ कर दिया जाता है। वैसे भी, अपना मुंह बंद रखो और जो तुमने पाया है उसके बारे में किसी से बत मत करना। समझी?" बेवकूफ डर से पीला पड़ गया, जल्दी से मफी मांगते हुए सिर झुकाया और पूरी तरह से हैरान होकर खिसक गया। राजकुमरी ने थैला अपनी आस्तीन की जेब में छिपा लिया और सिर हिलाते हुए अपनी सौतेली बेटी, स्प्रिंग ग्रीटिंग के मंडप की ओर चल पड़ी। "तुम्हारी नर्स ने तुम्हारे सथ अच्छा खेल खेला है! और सोचो, तुम्हारे जैसी समझदार लड़की ऐसी चीज को होते हुए देख सकती है और कुछ बोल नहीं सकती!" उसने स्प्रिंग ग्रीटिंग को फटकारते हुए कहा। "और ऐसी चीज मेरी बेटी के साथ हुई!" स्प्रिंग ग्रीटिंग ने एक पल के लिए रूठकर अपना सिर झुकाया और अपनी बेल्ट बंधने लगी। "मैंने उसे दो बार फटकारा, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। मैं और क्य कर सकती थी? आखिर, मेरी नर्स होने के नाते उसे मुझसे ज्यादा बोलने का मुझसे ज़्यादा हक है," वसंत ऋतु की देवी ने चिड़चिड़ेपन से जवाब दिया। वह अपनी नर्स को मिली कड़ी सजा को पचा नहीं पा रही थी। "बकवास! तुम उसकी मलकिन हो, और अगर वह ठीक से व्यवहार नहीं कर रही थी, तो उस पर नज़र रखना न केवल तुम्हारा अधिकार था, बल्कि तुम्हारा कर्तव्य भी था। और अगर उसने तुम्हारी बात नहीं मानी, तो तुम्हें मुझे सूचित करना चाहिए था। और इन सब हरकतों का क्या नतीजा निकलता है? यह महिला शायद जुए के कर्ज चुकाने के लिए तुम्हारे गहने और कपड़े किराए पर दे रही है। लेकिन ध्यान रखना: अगर तुमने इतनी मूर्खता की है कि उसे इस तरह की मदद दी है, तो अब तुम मुझसे जेब खर्च की उम्मीद नहीं कर सकती। इसलिए, आने वले मध्य शरद उत्सव के लिए पैसे कहाँ से लाओगी, यह सोच लो!" जब वसंत ऋतु की अभिवादनिका अड़ियल चुप्पी सधे रही, तो राजकुमरी ने उसके सम्मान की भावना को जगाते हुए कहा: "तुम्हारी अपनी माता, उपपत्नी चाओ, कितनी शानदार महिला हैं! वह तुम्हारी चचेरी बहन वसंत ऋतु की संदेशिका, उपपत्नी चाओ की माता से दस गुना बेहतर हैं। तुम्हें अपनी माता का अनुकरण करने और अपनी चचेरी बहन से श्रेष्ठ बनने का प्रयास करना चाहिए।

दुर्भाग्य से, तु म अभी तक उनके आधे के बराबर भी नहीं हो। खै र, मु झे इससे कोई फ़र्क नहीं पड़ता। मे रे अपने कोई पु त्र या पु त्री नहीं हैं, इसलिए सौभाग्य से मु झे अपने बच्चों द्वारा शर्मिंदा होने का कोई खतरा नहीं है ।लेकिन..." उनकी बात एक दासी ने बीच में ही रोक दी, जिसने बतया कि बू ढ़ी तई ताई ने अपन दोपहर का विश्राम पू रा कर लिया है, जिसके बद राजकु मरी ने जल्दी से अपनी मुलाकात समाप्त की और पूर्वज के सथ फिर से मिलने केलिए विदा ली। "तु म्हारे उस गहने का क्या हुआ जो खो गया था - सोने की कढ़ाई वाला फीनिक्स का क्लिप जिसमें मोती जड़े थे?" प्रतीक्षा कर रही नौकरानी ने पू छा। (ऑरें ज397)

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल79.30% है ।

राजकु मरी के जते ही, "जब मु झे इस नु कसन का पता चला, तो मु झे तु रं त शक हुआ कि आपकी दाई ने वह कीमती वस्तु ले ली होगी और जु ए के कर्ज चु काने के लिए उसे गिरवी रख दिया होगा। आपने उस समय सोच था कि शतरं ज खेलने वली नौकरानी ने उसे कहीं रख दिया है, लेकिन जब मैं ने उससे पूछा, तो उसने कहा कि उसने अखिरी बार उसे किताबों की अलमारी पर रखे गहनों के डिब्बे में रखा था, ताकि वह आपको आठवें महीने की पंद्रहवीं तारीख, शरद उत्सव के दिन, दे सके । लेकिन वह डिब्बे से गायब हो गई है । आपको अपनी दाई को बुलाकर इसके बरे में पूछना चाहिए।" "अरे, किसलिए!" वसं त ऋतु के अभिवादन ने उदासीनता से उत्तर दिया। "बे शक उसने ही ली है । मैं ने खु द उसे अनु मति दी थी क्योंकि वह उस समय कु छ मुश्किल में थी। मैं ने उससे वादा लिया था कि वह इसे जल्द ही लौटा दे गी और डिब्बे में वापस रख दे गी, लेकिन जाहिर है कि वह इसके बरे में सब कु छ भूल गई। अब जब उसे इतनी सरी दूसरी परे शनियाँ हैं, तो मैं उसे इस मामले में परे शान नहीं करना चाहती।" "उसे सब कु छ अच्छी तरह याद है; वह बस आपके अच्छे स्वभाव और भूलने की आदत का फायदा उठा रही है । क्य हमें मै डम फीनिक्स को सूचित करके उनके मध्यम से आपकी सं पत्ति वापस नहीं मां गनी चहिए? या, अगर आप इस बारे में ज्यादा हं गमा नहीं करना चाहते, तो शायद हम आपकी नर्स को कु छ पै सों के बदले में इसे वापस दे ने के लिए मना सकते हैं । आपका क्या ख्याल है?" "रहने दो इतना हं गमा क्यों? मु झे उस चीज़ की बिल्कुल भी कमी नहीं है ।" "कोई इतना अच्छा स्वभाव कै से दिखा सकता है? ऐसे व्यवहार से तो लोग आपको धोखा दे ने के लिए उकसाते हैं ।" ऑरें ज ने कहा, और सिर हिलाते हुए उसने सोचा कि उसकी मालकिन को मिला "मूर्ख" उपनाम बिल्कुल सही था। उसने मन ही मन सोच कि उसके लिए न्याय दिलाना ही सबसे अच्छा होगा, और वह दरवाजे से बाहर जाने के लिए मु ड़ गई। इसी बीच बर्खास्त नर्स की बहू बाहर आ गई। वह नौकरानी यू क्वे ई की पत्नी थी और अपनी सास के लिए ग्रीटिंग ऑफ स्प्रिंग से सिफारिश करने आई थी। जब वह बहर थी, तो उसने सं योगवश स्प्रिंग ग्रीटिंग और ऑरें ज के बीच खोए हुए गहने के बरे में हो रही बातचीत सु न ली। जब उसने ऑरें ज को मै डम फीनिक्स के पस जाकर मामले की रिपोर्ट करने का फै सला करते सु ना, तो उसे हस्तक्षे प करने

की प्रेरणा मिली और वह मुस्कुराते हुए अंदर चली गई। सबसे पहले उसने ऑरेंज की ओर मुड़कर उससे मैडम फीनिक्स के पास न जाने का अनुरोध किया, ताकि एक नया कलंक न लगे। स्वाभाविक रूप से, यह उसके परिवार के लिए सम्मान की बात थी कि वह उस युवती के गहने वापस कर दे, जो उसकी सास ने अस्थायी आर्थिक तंगी के कारण उधार लेकर गिरवी रख दिए थे। फिर उसने स्प्रिंग ग्रीटिंग से अपनी आगे की याचिका प्रस्तुत की, जिसमें उसने अपनी बूढ़ी सास का पक्ष लेने और उसके लिए पूर्वज से विनती करने का अनुरोध किया। "यह बिल्कुल बेकार है! मेरे चचेरे भाई-बहन और मैं पहले ही उसके लिए दया की भीख मांग चुके हैं, लेकिन व्यर्थ ही," स्प्रिंग ग्रीटिंग ने उसे संक्षिप्त रूप से बताया। "निश्चित रूप से, भाभी, आप गहने वापस नहीं कर पा रही हैं।"

迎春

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 79.21% है ।

क्या आप अपनी सास के लिए मे री यु वती के हस्तक्षे प पर निर्भर हैं? एक बात का दूसरी से कोई ले न-दे न नहीं है," ऑरें ज ने तीखे स्वर में कहा "कृ पया पहले गहने वापस ले आइए, फिर हम आगे की बात करें गे" "आपकी गु स्तखी को नज़रअं दाज़ कीजिए, महोदया!" दूसरी ने दोहरेतिरस्कार से नाराज़ होकर जवाब दिया: "अन्य जगहों पर लोग अपनी बू ढ़ी नर्सों के प्रति दया भाव रखते हैं । लेकिन यहाँ वे कं जू स हैं, और अगर हिसाब-किताब ठीक-ठाक न हो तो हं गमा मच जाता है और अफवाहें फै ल जाती हैं । यहाँ तककि आपकी अपनी रिश्ते दार, मिस ब्रीथ ऑफ क्लाउड्स, की भी हालत कोई बे हतर नहीं थी। जब तक वह बे चारी यु वती यहाँ रही, उसे हर महीने अपनी थोड़ी सी जे ब खर्च में से एक ताएल (पै स) बचाकर अपनी माँ को दे ना पड़ता था। क्या यह ने क य उदारतापूर्ण था? इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि वह बे चरी यु वती हमे शा हर चीज की कमी से जू झती रही। और कौन था जो हमे श उसकी मदद करता था? मे री सस। आज तक वह कम से कम तीस ताएल अपनी जे ब से इस तरह दे ती रही हैं । और उसका नु कसन कौन चु काएगा, भला?" ऑरें ज गु स्से से जब दे ने ही वाली थी, लेकिन स्प्रिंग ग्रीटिंग, जो इस जायज़ फटकार से बु री तरह आहत हुई, ने उसे बोलने से रोक दिया। "बस करो ये झगड़ा! मैं गहने वापस करती हूँ," उसने फै सला किया। "अगर मे री माँ इसके बारे में पू छे, तो मैं बस कह दूँगीकि मैं ने इसे खो दिया है । और बत यहीं खत्म। और अब जाओ!" "लेकिन मे रेलिए चाय लाओ!" उसने ऑरें ज की ओर मु ड़ते हुए कहा। बड़बड़ाते और रूठते हुए ऑरें ज रसोई की ओरचला गया, लेकिन स्प्रिंग ग्रीटिंग पू री तरहले ट गया और लापरवाही से एककिताब उठा ली। चिंतित मै डम फीनिक्स के लिए यह झुं झलाहट से भरा दिन था। सु बह पर्क में हुई घटनओं को ले कर परे शानी थी, जिसका खामियाजा ज़ाहिर तौर पर उसे भु गतना पड़ा। दोपहर में एक औरचिंता थी। आने वले मध्य शरद उत्सव केलिए पै से जु टने थे, लेकिन धन खत्म हो चु का था और नया किराया अभी तक नहीं आया था। उसे मैं डरिन डक को पूर्वज के घर के कबाड़खाने में भे जना पड़ा ताकि पु राने गहनों से भरा एक पु राना, धूल भरा सं दूक लाया जा सके और उसेगिरवी रखकर एक हज़ार ताएल कमाए जा सकें । और उसनेचिया लियन से सु ना कि यह बात नम्स्कल के ज़रिए उसकी चाची तक पहुँ च गई है । कितना झुं झलाहट

भरा! तो पूर्वज को भी इसके बरे में पता चल जाएगा, और इसका मतलब होगा डांट। जब वह अभी भी इस ताज़ा मामले पर चर्चा कर रही थी, छोटी पिंग के सथ हुई दुर्घटना की खबर अचानक उसकी चाची, मैडम चेंग को मिली। बिना कुछ बोले, और चेहरे पर अत्यधिक घबराहट के भव लिए, ताई ताई कमरे में दौड़ी और सोफे पर कहते हुए बैठ गई। एक इशारे पर छोटीपिंग और अन्य नौकरानियों को कमरा छोड़ना पड़ा। ताई ताई ने अपनी आस्तीन की जेब से एक चमकीली कढ़ाई वाला इत्र का थैला निकाला और आँखों में आँसू लिए चुपचाप उसे फीनिक्स की ओर उठाया। 400

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 8.97% है।

"तुम्हें ये चीज़ कहाँ से मिली?" फीनिक्स ने थैले पर बनी उस अश्लील तस्वीर को देखकर घबराकर पूछा। "मुझे ये कहाँ से मिली?" ताई ताई ने दबी हुई उत्तेजना भरी आवाज़ में जवाब दिया। "ये पार्क में चट्टानों के बीच दिन दहाड़े पड़ी थी। बेवकूफ ने इसे देखा और वह इसे पूर्वज को दिखाने जा रही थी। सौभाग्य से, भाभी शीह ने रास्ते में उससे ले लिया; नहीं तो पूर्वज इसे देख लेतीं और फिर— ओह, मैं इसके बारे में सोच भी नहीं सकती मैं बहुत परेशान हूँ। मैंने सोचा था कि मैं तुम पर भरोसा कर सकती हूँ, और अब तुमने मेरा ऐसा किया! तुम इतनी लापरवाह कैसे हो सकती हो कि इसे पार्क में ऐसे ही छोड़ दो?" "लेकिन तुम ये कैसे मान रही हो कि ये चीज़ मेरी है?" फीनिक्स का चेहरा पीला पड़ गया। "तुम्हारे सिवा और कौन हो सकता है? हम सब अधेड़ उम्र की औरतें हैं और ऐसी फिजूलखर्ची से बहुत दूर हैं। या फिर पार्क में मौजूद किसी जवान लड़की ने ऐसा किया होगा? नहीं! ऐसा हो ही नहीं सकता! नहीं! यह ज़रूर तुम्हारे पति ने ही किया होगा। बिलकुल उस बेशर्म फिजूलखर्ची करने वाले आदमी की तरह। आखिर तुम दोनों अभी जवान हो, और जवान लोग ऐसी छोटी-मोटी बातों में मज़ा लेते ही हैं। यह तो सब जानते हैं। तुम्हें इसे नकारने की ज़रूरत नहीं है। अच्छा हुआ कि पार्क के किसी कर्मचारी ने इसे नहीं देखा वरना तो हंगामा मच जाता! तुम्हारी चचेरी बहनों की बदनामी हो जाती। और अगर उन मासूमों ने इसे देख लिया होता तो? ओह, मैं तो इसके बारे में सोच भी नहीं सकती!" फीनिक्स ताई ताई की बातें सुन रही थी, कभी शर्म से लाल तो कभी पीली पड़ रही थी। अब वह उनके पैरों में गिर पड़ी। “आप बिलकुल सही कह रही हैं, चाची, लेकिन मैं आपको यकीन दिलाती हूँ कि मेरे पास कभी ऐसा थैला नहीं था, और मुझे नहीं पता कि यह पार्क में कैसे आया,” उसने रोते हुए कहा। “ज़रा इस झालरदार थैले को ध्यान से देखिए। यह किसी गली-मोहल्ले का सस्ता सामान है, महल के डिज़ाइन की घटिया नकल। मुझे ऐसी भद्दी चीज़ें कभी पसंद नहीं आईं, लेकिन अगर मेरे पास ऐसा कुछ होता तो मैं उसे सावधानी से छिपाकर रखती और उसे खुले आम अपने साथ नहीं ले जाती, न ही पार्क में लाती, जहाँ मेरे चचेरे भाई-बहन उसे देख सकते थे। आप मुझे इतना लापरवाह कैसे समझ सकती हैं? आख़िरकार, मैं महल में अकेली जवान औरत नहीं हूँ। पूरे महल में भाभी चेन हैं, जिन्हें अभी बड़ी उम्र की नहीं कहा जा

सकता, और उनकी बहू यु ं ग और उनके लोग हैं, और कई नौकरानियाँ हैं, और पार्क उन सभी के लिए उतना ही खुला है जितना मेरे लिए। या शायद मालिक खु द पर्क की ही कोई कर्मचारी हो। इतने सारे लोगों के बीच किसी को छिपाए रखना नामु मकिन है । हर व्यक्ति के व्यवहार पर नज़र रखो। कै से पता चले ग कि कोई महिला अपने किसी पु रुष साथी के सथ गु प्त प्रे म सं बं ध तो नहीं बना रही है? शक सिर्फ मु झ पर ही क्यों किया जा रहा है?" ताई ताई फीनिक्स की बातों के तर्क को अनसु न नहीं कर सकी। 401

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल9.15% है ।

"उठो!" उसने शं त होकर कहा। "मैं भली-भांति जानती हूँ कि तु म परिवार की सभी यु वतियों में श्रे ष्ठ हो, और तु ममेंकिसी भी प्रकार की अनुचितता की सं भवना सबसे कम है । मैं ने तुम्हरेसाथ अन्याय किया है ।लेकिन अब हम क्या करें? तु म्हारी सास ने अभी-अभी मु झे यहघिनौनी वस्तु भे जी,जिससे मैं लगभग डर के मरे मर ही गई थी।" "चिंता मत करो। मु झे पताहै क्य करना है । सबसे ज़रूरी बात, हमें किसी भी तरह का हं गमा नहीं करना चाहिए, ताकि बू ढ़ी तई ताई को कोई नई परे शनी न हो। वै से भी,आज की छं टनी से वहाँ के पुने पर्यवे क्षक कर्मचारियों में कु छ पद खाली हो गए हैं । फिलहाल, हम इस तरफ से कु छ महिला पर्यवे क्षकों को भे ज दे ते हैं-ऐसी महिलाएं जिन्हें हम अच्छी तरह जानते हैं और जिन पर भरोसा कर सकते हैं, जै सेकि प्रबं धक चउ जु ई औरलाई वां ग की पत्नियां, और चु पचप जां च करव ले ते हैं,दिखावे के तौर पर जु ए के सं बं ध में । इस तरह और वह अपराध नाइट तक पहुं च जएगा और हमें पुराने कर्मचारियों में से अवांछित नौकरानियों को छां टने और बर्खास्त करने का मौका मिल जाएगा। वहाँ शदी के लायक जवान लड़कियां बहुत हैं बहुत खू ब उन्हें शदी करने दो आर्थिक दृष्टि से भी कर्मचारियों की सं ख्य कम करना बहुत ज़रूरी है । आपका क्या विचार है?" "आप बिल्कुल सही कह रही हैं; मैं पू री तरह सहमत हूँ," ताई ताई ने आह भरते हुए जवब दिया। "दूसरी ओर, मैं अपनी यु वालड़कियों के सथ अन्याय नहीं करना चाहती। आख़िरकार, उनमें से प्रत्ये क के पासके वल तीन ही काम की नौकरानियाँ हैं । बाकी की छोटी-मोटी नौकरानियाँ न के बराबर हैं, हालाँकि कोई भी लड़कियों को उनकी से व और साथ से पू री तरह वंचित नहीं करना चाहे ग। यह न तो मे रे विचारों के अनु रूप होगाऔर न ही बू ढ़ी तई ताई के । सबसे अच्छायही होगा कि मैं समयमिलते ही इस ममले को स्वयं दे खूँ । इस बीच,आपके द्वारा सु झाई गई महिला पर्यवे क्षक वहाँ अपन कार्यभार सं भल सकती हैं और चु पचाप जाँ च कर सकती हैं ।" फीनिक्स ने अपने मन में सोची हुईपाँच भरोसे मं द बुर्जुगमहिलाओं को बुलवाया और उन्हें आवश्यकनिर्देश दिए। ताई ताई चें ग ने इन पाँचों के साथ प्रबं धक वं ग शन पाओ की पत्नी को भी शामिल कर लिया, जो सं योगवश छुपकर बातें सु न रही थी। वह राजकु मरी शीह की सेविकाओं में से एक थी औरराजकु मरी की विशेष विश्वासपात्र थी, और वही थी जो उपयुर्क्त इत्र

की थैली ले कर आई थी।"अपनी मालकिन से पूछो कि क्या वह तुम्हें कुछ समय के लिए पार्क में पर्यवेक्षक के रूप में भेज सकती है, यह मेरे लिए एक विशेष कृपा होगी," मैडम चेंग ने उससे कहा। वह पक्षपात के संबंध में भविष्य में होने वाली किसी भी संभवित निंदा को रोकना चाहती थी। इस छठी महिला ने आदेश को मन ही मन संतुष्टि के साथ स्वीकार किया। पार्क में से उन्नत नौकरानियों से अखिरकार बदला लेने का यह एक अच्छा अवसर था। उसने उन अभिमानी और घमंडी नौकरानियों के लिए कभी अच्छे शब्द नहीं कहे थे, जो पार्क में जने पर उसका जरा भी सम्मान नहीं करती थीं। "इस विषय पर शब्दों को व्यर्थ करने की कोई आवश्यकत नहीं है; एक सख्त जांच.."

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 8.94% है।

"पार्क में जो कुछ भी हो रहा है, वह बहुत पहले ही हो जाना चाहिए था," वह गुर्राईं। "तुम पार्क में ज़्यादा नहीं जाती हो, ताई ताई, इसलिए तुम्हें पता नहीं होगा कि वहाँ क्या होता है। वे युवतियाँ, वे दासियाँ, इतनी घमंडी हैं मानो वे खुद ही शाही उपाधियों वाली कोई ऊँची खानदान की 'मिस थाउज़ेंड गोल्ड-पीसेज़' हों। हम जैसे लोग मुँह खोलने की हिम्मत नहीं करते, वरना वे तुरंत नाराज़ होने का नाटक करती हैं और हम पर उन्हें सताने और उनके खिलाफ साज़िश रचने का आरोप लगाती हैं। वाकई, यह एक अच्छी स्थिति है!" "खैर, वे निस्संदेह हमारी कुलीन वर्ग की हैं।" "इसमें कोई हैरानी की बात नहीं कि वे खुद को कुछ समझते हैं," मैडम चेंग ने मुस्कुराते हुए कहा। "बाकियों के बारे में तो यह सच हो सकता है, लेकिन उनमें से एक, नौकरानी ब्राइट क्लाउड, जो हमारे युवा मालिक पाओ यू की सेवा करती है, वह सचमुच बहुत बुरी है," छठे ने तीखे स्वर में कहा। "वह बेशक सुंदर है, लेकिन क्या उस घमंडी को इस वजह से हर दिन खुद को सजना-संवरना ज़रूरी है, मानो वह कोई हसी शिह हो? और कितनी बेशर्मी और हड़बड़ी से वह हमें जवाब देती है और विद्रोह करती है अगर हममें से कोई ज़रा सी भी टिप्पणी करने की हिम्मत करता है; आप यकीन नहीं करेंगे।" मैडम चेंग अचंभित थीं। "शायद यही वो है जिसने मुझे पिछली बार जब हम बूढ़ी ताई ताई के साथ पार्क में टहलने गए थे, बेगोनिया आंगन में एक नौकरानी को ऊँची आवाज़ में और झगड़ालू ढंग से डांटकर इतना अप्रिय महसूस कराया था?" उन्होंने फीनिक्स की ओर मुड़ते हुए कहा। "मेरा मतलब है वो जिसका शरीर मछली जैसा है, जिसके कंधे संकरे और ढलानदार हैं, और जिसकी भौंहें हसी शिह शैली की हैं, जो मुझे ब्लैक जेड की भौहों की याद दिलाती हैं। मैं उसके इस अनुचित व्यवहार के लिए उसे डांटना चाहती थी, लेकिन बूढ़ी ताई ताई से बंधी होने के कारण मैं ऐसा नहीं कर पाई, और बाद में मैं भूल गई।" "आपके वर्णन से तो शायद वही थी; लेकिन मुझे ठीक से याद नहीं है," फीनिक्स ने कहा। "यह ब्राइट क्लाउड बेशक सुंदर है, लेकिन वह एक उद्दंड और चंचल स्वभाव की भी है।" "बस उसे बुला लो, ताई ताई!" फिर देखा जा सकता है कि आपका अनुमान सही है या नहीं," छठे ने सुझाव दिया। मैडम चेंग ने उनकी सलाह मानी और ब्राइट क्लाउड को बुलवाने का आदेश दिया। ब्राइट क्लाउड उस दिन ठीक महसूस नहीं कर रही थी और बुलाए जाने पर अनिच्छा

से बिस्तर से उठी थी। अब वह अधनंगे कपड़ों, नींद से चेहरा लाल और बिखरे बलों के सथ ताई ताई के समने आई। तई ताई ने नखुशी भरी एक नज़र से उसे पहचान लिया, वही जिससे वह हाल ही में मिली थी। "तो यह है हमरी प्यारी बीमार ह्सी शिह," उसने उपहासपूर्वक कहा। "तुम ये सब दिखावा क्यों करती हो? तुम्हें लगता है, शायद, कि मैं तुम्हें नहीं जनती? बस इंतज़ार करो, बहुत जल्द मैं तुम्हारी खाल उतार दूंगी मेरा बेटा पाओ यू कैसा है?" उसने अमित्रतापूर्ण स्वर में कहा। तेज बुद्धि की होने के कारण, ब्राइट क्लाउड जल्दी ही अपने पहले आश्चर्य से उबर गई और अपनी स्थिति के खतरे को समझ गई जिसके लिए उसे अपने उत्तरों में अधिक चतुराई की आवश्यकता थी। वह जल्दी से घुटनों के बल गिर पड़ी। "मुझे सच में नहीं पता मैं इतनी कम ही युवा सज्जनों के संपर्क में आती हूँ"।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.08% है ।

"उस आदमी के आस-पास," उसने झू ठ बोला। "ताई ताई को अपनी निजी दासियों, पर्ल और मस्क से पू छना चाहिए।" "तु म्हें मुँ ह पर एक थप्पड़ पड़ना चाहिए! बस अनजान होने का नाटक कर रही हो! तु म्हारा काम क्या है?" ताई ताई ने सख्ती से पू छा। "मैं पहले बू ढ़ी तई ताई की से व करती थी, लेकिन क्योंकि मास्टर पाओ यू कभी-कभी बड़े पर्क में घबराए हुए और अकेले महसू स करते थे, इसलिए मु झे बाद में बे गोनिया आं गन में तैनात कर दिया गया और मैं वहाँ बहरी कमरों में रात की पहरे दारी करती हूँ । सच में मैं जाना नहीं चाहती थी, और मैं ने बू ढ़ी तई ताई से मु झे अपने साथ रखने केलिए कहा, क्योंकि मु झेलगा कि मैं उस नौजवन की से व करने केलिए बहुत अकु शल हूँ ।लेकिन बू ढ़ी तई ताई ने मु झे डाँटा और कहा कि वहाँ मे रे काम के लिए किसी विशेष बुद्धि की आवश्यकता नहीं होगी, और उस नौजवान के निजी मामलों से मेरा कोई ले न-दे न नहीं होगा। इसलिए मैं ने हार मान ली। मैं उस नौजवन से शयद ही कभी मिलती हूँ, पखवाड़े में एक बार से ज़्यादा नहीं, जब वह मु झे बुलाता है, और तब मैं उससे कु छ बातें करती हूँ "। उनकी नौकरानियाँ और दासियाँ पर्ल, मस्क और ऑटम वे व उनकी व्यक्तिगत से व करती हैं । इसके अलावा, मैं अक्सर अपने खली समय में बू ढ़ी तई ताई के सथ कढ़ाई करती हूँ । इसलिए मु झे उस नौजवान की दे खभल करने की ज़रूरत बहुत कम पड़ती है लेकिन अगर आप चाहें, तो मैं अब से यह कर सकती हूँ ।" " हे भगवान, यह सु नकर मु झे बहुत खु शी हुई कि आपको उनके आस-पास इतना कम काम करना पड़ता है!" मै डम चें ग चिल्लाईं, जिन्होंने लड़की की बात को पू री तरह सच मन लिया। "मे रा इरादा आपको भविष्य में अपने मलिक के सथ ज़्यादा समय बिताने केलिए कहने का बिल्कुल नहीं है । इसकेविपरीत, मैं बू ढ़ी तई ताई से कहूँ गी कि वे आपकोफिर से अपने सथ ले जाएँ । तब तक, उस पर नज़र रखना! उसे रात में उनके पास मत जाने दे ना" उन्होंने छह पर्यवे क्षकों की ओर मु ड़ते हुए कहा और फिर ब्राइट क्लाउड से कहा: "निकल जाओ! यहाँ क्यों रुके हो?" तु म्हें दे खकर मे रा दिमाग खराब हो जाता है!" ब्राइट क्लाउड जल्दी से निकल गई। ताई ताई गु स्से में कु छ बु दबु दाई, जो शायद "चु ड़ैल" और "बहकाने वली" जै से शब्द थे और उसने उसी शम पार्क में घर-घर तलाशी का आदे श दिया। रात को, पूर्वज के सोने के बाद, फीनिक्स अपने निरीक्षकों के

साथ निरीक्षण के लिए निकल पड़ी। उनके प्रवे श करते हीर्फ के सभी द्वार बं द करदिए गए। तलाशी रात के पहरे दों के कमरों से शु रु हुई। वहाँनिर्धारित मात्रा से थोड़ी अधिक मात्रा में दीपक, मोमबत्ती और तेल पाया गया। “यह चोरी की सं पत्ति है । सु बह ई ताई को सूचित करने तक इसे छुआ नहीं जाना चाहिए!” प्रबं धक वं ग शन पाओ की पत्नी ने सख्ती से घोषणा की। फिर वे बे गीया आं गन की ओर बढ़े ।“ हम एक खोई हुई कीमती वस्तु कीतलाश कर रहे हैं ”। "वे तनपन कराने वली नौकरानियों में से एक पर चोर होने कसं दे ह है" फीनिक्स ने आश्चर्यचकित पाओ यू को दे र से आने का कारण बताते हुए समझया। जब वह बै ठकर चय पीने लगी, तब पर्यवे क्षकों ने तलाशी शु रु कर दी। सभी कर्मचारियों को एक-एक करके अपने बक्से और ट्रं क खोलने पड़े और

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 8.94% है।

सामग्री की तलाशी ली गई। वांग और नराज़ ब्राइट क्लाउड के बीच तीखी बहस छिड़ गई, जिसमें वांग ने अपनी तई ताई के आदेश का बचाव किया और ब्राइट क्लाउड ने अपनी तई ताई के साथ अपने विश्वासपात्र संबंध का इस्तेमाल किया। हालांकि, तलाशी में कोई भी वर्जित या पुरुष प्रधान वस्तु नहीं मिली। अब बांस आश्रम की बारी थी, जंगल आंगन को इस तथ्य के कारण छोड़ दिया गया था कि उसकी मालकिन परिवार के करीबी लोगों में से नहीं थी बल्कि वहां केवल एक अतिथि के रूप में रहती थी। तलाशी दल के पहुंचने पर ब्लैक जेड पहले ही सो चुकी थी। वह जल्दी से कपड़े पहनने ही वाली थी कि फीनिक्स ने उसे रोक दिया, उसे फिर से लेटने को कहा और प्रतिनिधिमंडल के काम में लगने के दौरान उसके साथ बैठकर सुखद बातचीत की। यहां भी तलाशी का कोई नतीजा नहीं निकला। नौकरानी कुकू के सामान में कुछ संदिग्ध वस्तुएं मिलीं, जैसे कि लिखे हुए पंखे, छोटे थैले और बेल्ट के बकल, लेकिन फीनिक्स ने तुरंत पुष्टि की कि ये पओ यू द्वारा दिए गए हानिरहित जन्मदिन के उपहार थे। वे पओ यू की सौतेली बहन, टेस्ट ऑफ़स्प्रिंग के मंडप में पहुँचे। उन्हें पहले ही उनके आने की सूचना मिल चुकी थी और वे अपने दासों के साथ द्वार के सामने प्रतिनिधिमंडल का इंतज़ार कर रही थीं, उनके हाथ में एक मोमबत्ती थी। वे इस मामले से बहुत नाराज़ लग रही थीं। "अगर मेरी दासियाँ चोरी करती हैं तो ज़ाहिर है मैं ही लुटेरों के गिरोह की मुखिया हूँ। क्या आप मुझसे ही तलाशी शुरू नहीं करेंगे? मेरे बक्से और संदूक आपके लिए खुले हैं; आपको उनमें चोरी की चीज़ें ज़रूर मिलेंगी!" फीनिक्स द्वारा शुरू करने से पहले किए गए मीठे-मीठे क्षमादान पर उन्होंने चिढ़कर जवाब दिया। उन्होंने दासियों को आदेश दिया कि वे उच्चयुक्त के सामने अपने सारे कपड़े, लिनेन और गहने फैला दें। फीनिक्स ने बिना देखे ही दासियों को उन्हें फिर से हटाने का आदेश दिया। "मैं उच्च अधिकारियों के आदेश पर काम कर रही हूँ; इसलिए आपको मुझसे नाराज़ होने की ज़रूरत नहीं है," उन्होंने नराज़ लड़की को शांत करने की कोशिश करते हुए शर्मिंदा मुस्कान के साथ कहा। "अरे, कृपया, पीछे मत हटिए!" टेस्ट ऑफ़स्प्रिंग ने चिढ़कर जवाब दिया। "जो मेरी दासियों के लिए उचित है, वही मेरे लिए भी उचित है। इसके अलावा, मुझे उनकी हर एक चीज़ की एक-एक सुई तक जानकारी है, और यकीन मानिए, उनके पास चोरी का कुछ भी

नहीं है! आपको मे रे पास चोरी का सामान मिलने की संभावना कहीं अधिक है..." वह अत्यंत व्याकुलता में इस तरह बोलती रही, यहाँ तककि उसकी आँखों में आँसू आ गए। मिस, जो जानती थी कि 'टेस्ट ऑफस्प्रिंग' एक जटिल स्वभाव की महिला है, इस दृश्य को जल्दी समाप्त करना चाहती थी और जाने केलिए उठ खड़ी हुई। "ओह, कृपया अच्छी तरह से तलाशी लीजिए! शायद तुरंत दूसरा मौका न मिले, और वैसे भी मैं दोबारा यहाँ नहीं रहूँगी!" 'टेस्ट ऑफस्प्रिंग' ने आग्रह किया। 405

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.77% है ।

"ओह, कोई बात नहीं, मैं आपकी बत मान ले ती हूँकि आपकी नौकरानियाँ चोर नहीं हैं," फीनिक्स ने मु स्कुराते हुए विरोध किया। "क्या आपने अच्छी तरह से तलाशी ली?" टे स्ट ऑफ़स्प्रिंग ने आयोग के अन्य सदस्यों की ओर मु ड़कर पूछा। "हाँ, अच्छी तरह से," पर्यवे क्षकों ने मु स्कुराते हुए उत्तर दिया और फीनिक्स के पीछे-पीछे दरवजे तक चले गए। लेकिन उनमें से एक, यानी वां ग शान पाओ की पत्नी, इतनी आसानी से सं तुष्ट नहीं हुई। राजकु मरी शीह की गोपनीय सेविका और ताई ताई चें ग की विशेष प्रतिनिधि होने के नाते, वह अपने अधिकार के प्रति सचे त थी। उसका स्वाभिमान उसे इस यु वती से डरने नहीं दे रहा था, जिसके लिए उसके मन में वै से भी कोई सम्मान नहीं था। वह टे स्ट ऑफ़स्प्रिंग के पस गई, साहसपूर्वक उसके गउन का कॉलर पकड़ा, उसे ऊपर उठाया और उत्सु कत से हर तह में झाँका। "बस थोड़ी सी निजी तलाशी," उसने शरारती मु स्कान के सथ कहा। "चलो बुढ़िया! यह मूर्खता बं द करो" फीनिक्स ने गु स्से से उसे चेतावनी दी, और उसी क्षण उसने सु ना कि टे स्ट ऑफस्प्रिंग ने उस बुढ़िया के कानों पर ज़ोरदार घूं सा मारा। "तु म्हारी हिम्मत कै से हुई मु झे छूने की!" टे स्ट ऑफस्प्रिंग गु स्से से चिल्लाई। "अगर ताई ताई चाहती है कि मे री तलाशी ली जाए, तो ठीक है, मैं मन जाऊं गी। लेकिन मैं किसी भी कीमत पर तु म्हारे जै से किसी को मु झे छूने नहीं दूंगी। तु म्हें लगता है कि क्योंकि तु म बू ढ़ी हो और मे री चाची तु म्हारे पीछे हैं, इसलिए तु म हम पर भौंक सकती हो और हर तरह की मनमनी कर सकती हो। लेकिन इस बार तु म्हारी गु स्तखी हद से ज़्यदा हो गई है!" अपने गउन के बटन बाएँ हाथ से बं द करते हुए उसने फीनिक्स को अपने दाहिने हाथ से पीछे खींच लिया। "कृ पया मे री तलाशी लें? मु झे कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन मु झे एक गुलाम द्वारा तलाशी लिए जाने की शर्मिंदगी से बचाएँ!" वह गु स्से से चिल्लाई। फीनिक्स और पर्ल ने मिलकर उसके कपड़े ठीक किए। "बुढ़िया ने दो घूं ट ज़्यादा शराब पी ली है; इसी से उसकी लापरवाही समझ में आती है । वह अभी-अभी ताई ताई के सथ थी। उस पर गु स्स मत करो!" फीनिक्स ने उत्तेजित लड़की को शां त करने की कोशिश करते हुए कहा। "और तु म यहाँ से चलो जाओ!" उसने बू ढ़े ांवा पर चिल्लाते हुए कहा। "मैं कल बू ढ़ी तई ताई से शिकायत करूँ गी," स्प्रिंग के स्वद ने गु स्से से कहा "और मैं अपनी मलकिन और तु म्हारी माँ से भी

शिकायत करूँगी!" खिड़की के नीचे से ामी हुई बूढ़ी औरत की डाँटने वाली आवाज़ आई। "मेरे जीवन में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ बुढ़ापे में मेरे ना कपर घूँसे पड़े मुझे न्याय चाहिए!" "क्या तुम उसकी चीखें सुन रही हो? लगता है उसे अभी भी संतुष्टि नहीं मिली है," स्प्रिंग के स्वद ने अपनी नौकरानियों की ओर मुड़ते हुए तिरस्कारपूर्वक कहा। एक नौकरानी खिड़की के समने दौड़कर आई। "समझदारी से काम लो और चुप हो जओ!" उसने बूढ़ी औरत से कहा "अगर तुम चली जाओगी तो हमें कोई आपत्ति नहीं होगी, फिर हम आखिरकार तुमसे छुटकारा पा लेंगे, तुम बूढ़ी षड्यंत्रकारी। लेकिन जल्दी करो! तुम यहाँ हमारे लिए बहुत देर तक रुकी हो।" 406

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.20% है ।

फीनिक्स और पर्ल के सं युक्त प्रयासों से अं ततः दोनों पक्षों के तनाव शां त हो गय और आयोग ने अपना कार्य जारी रखा। अगला लक्ष्य चावल का खे त थ। विधवा चू की तबीयत ठीक न होने के कारण उन्होंने उसे जाकर परे शन न करने का फै सला किया और उसके नौकरों के समान की संक्षिप्त तलाशी ली, जिसमें कु छ भी नहीं मिला। फिर वे पस ही स्थित वार्म परफ्यू म्स के छोटे महल, ग्रीफ ऑफ स्प्रिंग के निवास स्थान पर गए। ग्रीफ ऑफ स्प्रिंग, जो चचे री बहनों में सबसे छोटी और अभी बच्ची ही थी, रात में की गई इस तलाशी से स्वभाविक रूप से बहुत डर गई जो उसकी समझ से परे थी और फीनिक्स ने उसे शांत करने के लिए बहुत प्रयास किया। किसने सोच होगा कि सारी परे शनी का कारण इस मासू म, सबसे छोटी बच्ची, जो अभी आधी बच्ची ही थी, के घर में मिले ग? चित्रकारी करने वली नौकरानी के सं दूक में उन्हें तीस-चालीस चां दी की छड़ों का एक भारी पार्सल मिला, जिनमें से प्रत्ये क का वजन दस औंस था। यह वाकई एक चौंकाने वली खोज थी—कि जिन आपत्तिजनक चीज़ों की वे तलाश कर रहे थे, उनकी जगह चोरी का सामान मिल गया! लेकिन उन्हें आपत्तिजनक वस्तु ओं के लिए भी ज़्यादा इं तज़ार नहीं करना पड़ा, क्योंकि उन्हें एक जे ड बे ल्ट की चिप्पिका और पु रुषों के मोज़ों और चप्पलों का पू रा ढे र मिल गया। "ये सब तु म्हें कहाँ से मिला?" फीनिक्स ने सदमे से सफेद पड़ा चे हरा लिए चित्रकारी करने वली नौकरानी से पू छा। "ये राजकु मर चे न ने मे रे भाई को उपहार में दिए हैं," चित्रकारी करने वली नौकरानी ने घु टनों पर गिरते हुए रोते हुए कहा। "मे रे भाई ने मु झे ये चीज़ें रखने के लिए दी थीं, क्योंकि मे रे माता-पिता दक्षिणी प्रां तों की यात्रा पर गए हैं और मेरा भाई इस समय चाची और चाचा के सथ रह रहा है । और चूकि चाची और चाचा ताश खेलते और शराब पीते हैं, इसलिए मे रे भाई को डर था कि वे उसकी चीज़ें छीन लें गे और उन्हें जु ए में हार जाएं गे या शराब के लिए बे च दें गे"।"यह तो घोर अन्याय है! और मु झे इसका ज़रा भी सं दे ह नहीं था, भाभी फीनिक्स, आपको उसे ज़रूर सज़ दे नी चाहिए और उसे यहाँ से ले जना चाहिए। मु झे ऐसे व्यक्ति का अपने आस-पास रहना पसं द नहीं है," वसं त की शोक दे वी ने गु स्से से कहा। "क्या तु म्हारा भाई खु द ये चीज़ें यहाँ लाया था?" फीनिक्स ने सख्ती से पूछा। "नहीं, एक नौकरानी लाई थी। मैं उसका नाम नहीं जानती।" "अच्छा

हुआ," फीनिक्स ने राहत की सांस लेते हुए कहा। "अब हमें पता लगाना होगा कि तुम्हारी जानकारी सही है या नहीं। अगर तुमने सच कहा है तो तुम्हें माफ़ किया जा सकता है। आख़िरकार, दूसरों की चीज़ों की देखभाल करना गलत नहीं है। जिस औरत ने ये सामान तस्करी करके लाया है, उसे फटकार मिलनी चाहिए। निश्चित रुप से, अगर तुम्हारा भाई इन्हें यहाँ लाया था या ये चोरी का सामान था, तो तुम्हारा बुरा हाल होगा।" "नौकरानी और राजकुमार चेन से पूछताछ करो! मुझे पक्का पता है कि..."

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.97% है ।

"मैं ने सच कहा था," रं गसज़ नौकरानी ने सिसकते हुए कहा। "अगर मैं ने झू ठ बोला है तो मु झे और मे रे भाई को पीट-पीटकर मार डालो!" "अब, शां त हो जाओ। अगर राजकु मार तु म्हारी जानकारी की पुष्टि कर दे ते हैं तो तु म्हें कु छ नहीं होगा, लेकिन भविष्य में तु म दूसरों का सामान अपने पास मत रखना।" "आप इतनी नरम क्यों हैं, भाभी फीनिक्स? मु झे अब वह बिल्कुल पसं द नहीं है । ज़्यादा से ज़्यादा वह दूसरों को बिगाड़ दे गी," वसं त के शोक ने कहा, "रहने दो आख़िरकार, वह वै से तो काबिल और काम की है । हर कोई कभी न कभी थोड़ी-बहुत गलती कर ही दे ता है," फीनिक्स ने शां त करने वाली मु स्कान के साथ कहा। "काश मु झे पता होता कि ये चीज़ें किसने तस्करी करके लाई थीं।" "शायद पीछे वाले द्वार पर बै ठी बू ढ़ी चांग ने," वसं त के शोक ने कहा, "वह हमारी नौकरानियों के साथ हमे शा बहुत दोस्ताना व्यवहार करती है, और नौकरानियाँ उसे बहुत मानती हैं ।" "उसका नाम लिख लो!" "मैं उससे बाद में पू छताछ करूँ गी," फीनिक्स ने अपने से वकों की ओर मु ड़कर और जाने की तै यारी करते हुए कहा। प्रबं धक चउ जु ई की पत्नी को मिली हुई चीज़ों को पै क करके अपने साथ ले जाना था। सं योग से, उपर्युक्त चां ग, बू ढ़ी वां ग की रिश्ते दार थी, लेकिन उनके बीच कु छ समय से सं बं ध अच्छे नहीं थे । जब से बू ढ़ी वां ग राजकु मारी शीह की विशेष विश्वासपात्र बनी थी, उसके पास अपने रिश्ते दारों के लिए समय नहीं था, और जब चां ग ने एक दिन इस बात पर उसे फटकारा, तो दोनों के बीच भयं कर झगड़ा हुआ और तब से उन्होंने एक दूसरे से बात नहीं की थी। अब, अपनी दुश्मन का नाम सु नकर, बू ढ़ी वां ग को लगा कि यह स्प्रिंग के स्वाद द्वारा कु छ समय पहले किए गए अपमान के बाद से अपने मन में दबी हुई कड़वाहट को पू री तरह से निकालने का सही मौका है ।"शायद बू ढ़ी चां ग ने ही वह अश्लील इत्र का थैला पार्क में छिपाकर रखा था," उसने रास्ते में फीनिक्स से फु सफुसाते हुए कहा। "तु म्हें उससे ज़रूर पू छताछ करनी चाहिए।" "मु झे यह बताने की कोई ज़रूरत नहीं है," "मैं खु द जानती हूँ," फीनिक्स ने रूखे पन से जवाब दिया। वे अब स्प्रिंग की ग्रीटिंग के घर पहुँ च चु के थे। स्प्रिंग की ग्रीटिंग पहले ही सो चु की थी, उसकी दासियाँ सोने जा रही थीं, और काफी दे र बाद दे र से आए मे हमानों की दस्तक सु नाई दी और उन्हें अं दर आने दिया गया। "यु वती को परे शान करने की ज़रूरत नहीं है, उन्हें सोने दीजिए,"

फीनिक्स ने कहा और सीधे प्रतीक्षा कर रही दासियों के कमरे में चली गई। जब उन्होंने बाकी सभी दासियों के सामान की तलाशी पूरी कर ली, तो वे अंत में शतरंज खेलने वाली दासी के सामान तक पहुँचीं। बूढ़ी वांग, जो अन्य जगहों पर इतनी गहन तलाशी लेती थी, इस बार आश्चर्यजनक रूप से उदार और सतही थी; क्योंकि शतरंज खेलने वाली दासी उसकी अपनी पोती थी। अपनी पोती के खुले संदूक में जल्दी से देखने के बाद, उसने बुदबुदाते हुए कहा, "कुछ नहीं मिला" और ढक्कन बंद करने ही वाली थी कि प्रबंधक की पत्नी, श्रीमती चाउ जुई ने उसे रोक दिया। 408

司棋

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 8.93% है।

"अरे, अरे! इसे पूरी तरह से तलाशी मत कहो! निष्पक्ष होना ज़रूरी है!" उसने कहा और खुद ही संदूक में छानबीन करने लगी। और देखो, उसे पुरुषों के गद्देदार मोज़े और पुरुषों की साटन की चप्पलें मिलीं। और बस इतना ही नहीं। एक जूई शुभंकर कार्ड भी मिली, जो प्रेमी-प्रेमिकाओं द्वारा एक-दूसरे को भेंट की जाती है, नीले शॉल में लिपटी हुई; और एक लाल शुभकामना कार्ड, जिस पर कुछ लिखा हुआ था। चाउ ने ये सारी चीज़ें फ़ीनिक्स को सौंप दीं। युंगकुओ महल की गृहस्थी की प्रबंधक होने के नाते, फीनिक्स का रोज़ाना तरह-तरह के हिसाब-किताब और लिखित दस्तावेज़ों से सामना होता था, इसलिए समय के साथ-साथ उसे लिखित भाषा का कुछ ज्ञान भी हो गया था। इसलिए वह कार्ड पर लिखी हुई बातों को समझ पाई और आश्चर्य से उसने निम्नलिखित पढ़ा: "...अब हमारे माता-पिता भी जान गए हैं कि पिछले महीने आपकी यात्रा के बाद से हमारे रिश्ते कैसे हैं, और वे इसे स्वीकार करते हैं। बेशक, जब तक आपकी युवती अविवाहित है, हम शादी के बारे में नहीं सोच सकते। अगर पार्क में मिलना संभव हो तो मुझे मिंचुंग के माध्यम से फिर से बता देना। घर की तुलना में पार्क में बिना किसी बाधा के बात करना बहुत आसान है। आज मुझे सुगंधित लकड़ी से बनी प्रार्थना की माला मिल गई जो आपने मुझे भेजी थी। मैं आपको इसके साथ एक इत्र की थैली भेज रही हूँ जिस पर बनी सजावट आपके प्रति मेरी भावनाओं को दर्शाती है। लेकिन इसे ध्यान से रखना! मैं आपको शांति की कामना करती हूँ और सिर झुकाती हूँ।" "आपकी चचेरी बहन फैन।" फीनिक्स अपनी इस खोज से बहुत खुश थी। उसके हाथ में वह निर्णायक सबूत था जो उसकी चाची की नज़रों में उसे पूरी तरह से बेगुनाह साबित कर देगा। वह अपनी संतुष्टि भरी मुस्कान को रोक नहीं पाई। "नाई नाई को हंसने के लिए हिसाब में कुछ गड़बड़ तो होगी ही!" अनपढ़ बूढ़े वांग ने संदेह से पूछा। चिचकिचाते हुए, "ओह, नहीं, 'हिसाब' तो सही है, बस मैंने जोड़ नहीं किया था। लेकिन आपकी पोती के चचेरे भाई का नाम फैन क्यों है, आपका पारिवारिक नाम वांग क्यों नहीं?" फीनिक्स ने शरारती लहजे में पूछा। "शायद आपका मतलब फैन यो आन से है, जो हाल ही में भाग गया? निश्चित रूप से वह मेरी पोती का चचेरा भाई है; उसकी माँ शादी के बाद फैन बन गई है"। जब उसने उस तथाकथित "हिसाब" की बातें सुनीं, जो असल में उसकी पोती को

लिखा एक प्रेम पत्र थ, और अपने आसपास के लोगों को सिर हिलाते देखा, तो बूढ़ी वंग इतनी हैरान और शर्मिंदा हुई कि वह चाहती थी कि ज़मीन उसे निगल ले। वह दूसरों के गुनाहों को पकड़ने निकली थी, और अब वह और उसका परिवार खुद बेनकाब और बदनाम हो गया था। "अब, इस सबूत के बारे में आपका क्या कहना है, माँ वंग? इस पर कोई बहस या बहाना नहीं चल सकता," उसकी सहकर्मी चाउ जुई ने द्वेषपूर्ण ढंग से कहा। "उनका इरादा अच्छा था और वे अपनी वर्दी को बातचीत की परेशनी से बचना चाहते थे"। "रात में, जब सभी पक्षी चुप हो जते थे, तो वे सब एक साथ मिलते थे," फीनिक्स ने चउ की ओर व्यंग्यपूर्वक मुड़ते हुए कहा। वह 410

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 19.15% है ।

बू ढ़े ढंग की शर्मिंदगी में उसे पर्याप्त आनं द नहींमिला। लेकिन इस प्रकार अपमानित हुई बू ढ़ी औरत ने अपने कान पकड़कर आत्म-अपमान में चिल्लाते हुए कहा कि वह पिछले जन्म में अवश्य ही एक बू ढ़ी वे श्या रही होगी, तभी तो उसे अब ऐस प्रायश्चित करना पड़ रहा है । इस बीच, दोषी और सजा पाई हुई शतरं ज की दासी सिर झुकाए चु पचप बै ठी रही। फीनिक्स को यह दे खकर अप्रिय आश्चर्य हुआ कि उसके हावभाव में न तो भय था और न ही शर्म। वह उदासीनता से दे ख रही थी, अपने विचारों में डूबी हुई, मानो उसने जीवन से नाता तोड़ लिया हो और आत्महत्या करना चाहती हो। इसलिए फीनिक्स ने दो सेविकाओं को उसे अपने कब्जे में ले ने और उसे अपनी नजरों से ओझल न होने दे ने का निर्देश दिया। और फिर, दे र रात होने के कारण, आगे की तलाशी स्थगित कर दी गई। अध्याय 37 रात्रि भोज में एक अशु भ घटना से बु रे सं के त मिलते हैं । मध्य शरद उत्सव में एक नय अध्याय भविष्य के लिए सु खद वदे ले कर आत है । 1. पार्क कर्मचारियों की छं टनी कई दिनों तक बाधित रही क्योंकि फीनिक्स फिर से बीमर पड़ गया था, और साथ ही मध्य शरद उत्सव भी था। दिवं गत राजकु मर साधु के शोक की अवधि अभी समाप्त नहीं हुई थी, इसलिए इस बार उत्सव सामान्य से कम पै माने पर आयोजित किए गए। राजकु मर चे न ने अपने दिवं गतपिता के शोक को कभी गं भीरत से नहींलिया था। चूंकि रीति-रिवाजों के अनु सार शोक के महीनों में उन्हें घर से बहर मनोरं जन करने की मनाही थी, इसलिए उन्होंने हर शम तीरं दाजी के बहाने अपने मित्रों ओर कुलीन वर्ग के अय्यश यु वकों की भीड़ इकट्ठा करके इसकी भरपई की, जिनके सथ वे खने-पीने कीघिनौनी दावतों में लिप्त रहते थे, और रातें तीरं दाजी की महान कला के अभ्यस के बजय जु ए, ताश खेलने और अन्य तु च्छ मनोरं जन में बीतती थीं। आठवें महीने की चौदहवीं तिथि को, मध्य शरद उत्सव की पूर्व सं ध्य पर, राजकु मर चे न ने सुगंधित उद्यान में स्थित हरे घने जं गल के हॉल में सभी पत्नियों और रखेलों के सथ एक पारिवारिक भोज की अध्यक्षता की। इस दिन को मनाने केलिए एक सू अर और एक मे ढ़े को पूरा भू नकर तै यार किया गया था। भोजन के बद, सभी लोग मौज-मस्ती में मशगूल हो गए और जु ए में भी। बीच-बीच में वे सु ं दर, स्वच्छ, पूर्णिमा के चाँ द का नजारा दे खने केलिए बाहर टहलते रहे । फिर सु रीली आवाज वाली रखेल वे न हुआ ने मे हमानों

को एक गीत सु नया, और रखेल पे ह फोंग ने बैं गनीबांसु री पर उनकासाथ दिया। आधी रात हो चु की थी, ढोल की तीसरी थाप बज चु की थी। सभीलोग मस्ती के मू ड में थे औरलकु मर लगभग नशे में थे, तभी अचानक 411 वीं दिशा से एक अजीब, लं बी कराहने की आवज सु नई दी।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 79.13% है ।

बगीचे की दीवार। बातचीत एकदम रुक गई। बाहर से आ रही आवज़ों को सु नकर सब लोग कां पने लगे । "वहाँ कौन है?" राजकु मर ने तीखी आवज़ में पु कारा। कोई जवाब नहीं आया। "आवाज़ दीवार के पीछे से आई होगी लगता है कोई नौकर वहाँ इधर-उधर घू म रहा है," राजकु मरी ने फु सफुसाते हुए कहा। "बकवास! नौकरों के कमरे तो बहुत दूर हैं । इतनी रात को महिमा-भवन के पस उस सु नसन जगह पर कौन होगा?" राजकु मर ने कहा। उनकी बात अभी पू री भी नहीं हुई थी कि दीवार के ऊपर से हवा का एक ते ज़ झोंका आया। उसी समय पूर्वजों के मंदिर के समने बने आत्मा-द्वार के दरवज़े ज़ोर से खुले और बं द हुए। सु नने वालों को यह और भी डरावना लगा। साथ ही, चाँ द बदलों से घिर गया था और पहले से कम चमक रहा था। सब लोग काफी दे र तक डर से कां पते हुए बै ठे रहे, हिल भी नहीं पा रहे थे । राजकु मर सबसे पहले सं भला । उसका आधा नशा और आगे पीने की इच्छा गायब हो चु की थी। चु पचाप वह मे ज से उठा और पार्टी समाप्त कर दी। अगले दिन, महिमामं डन कक्ष में सामान्य मध्यरात्रि समारोह के दौरान, उसने पिछली रात की रहस्यमय घटनाओं के किसी भी निशान की सावधानीपूर्वक खोज की। लेकिन उसे जरा सा भी बदलाव नजर नहीं आया। महिमामं डन कक्ष से निकलते समय उसने स्वयं सुनिश्चित किया कि प्रवे श द्वार उसके पीछे मजबू ती से बं द और कुंडी लगा दिया गया है, लेकिन उसने अपने नौकरों को इस मामले को पू री तरह से गु प्त रखने का आदे श दिया। शाम को वह अपनी पत्नी के सथ पूर्वज के घर एक सामान्य पारिवारिक भोज में भग ले ने गया। वरिष्ठ, राजकु मर शीह और चिया चें ग, पहले ही आ चु के थे और चु टकुलों से पूर्वज को खु श रखने का प्रयास कर रहे थे । सम्मान मं च के नीचे, सम्मानजनक दूरी पर, कनिष्ठ पु रुष - चिया लियन, पाओ यू, चिया हुआन और चिया लै न - आसपास खड़े थे, और उन्हें बड़ों की बतचीत सु नने की अनुमति दी गई थी। "पाओ यू तीरं दाजी में हाल ही में कै सा प्रदर्शन कर रहा है?" पूर्वज ने राजकु मर चे न से पूछा, जो दरवाजे के पास एक कुर्सी के किनारे विनम्रता से बै ठ गए थे "शानदार," राजकु मर चे न ने विनम्रता से उठते हुए उत्तर दिया। "उन्होंने न के वल अपना निशाना सु धरा है, बल्कि भारी कैलिबर के हथियारों का इस्ते मल करना भी सीख रहे हैं "। "यह अच्छी बात है ।लेकिन उन्हें अति नहीं करनी चाहिए और खु द पर ज्यदा ज़ोर

नहीं डालना चाहिए। और वैसे जो मूनकेक आपने मुझे भेजे थे स्वादिष्ट थे; लेकिन खरबूजे दिखने में स्वाद से कहीं बेहतर हैं"।"मूनकेक एक कुशल हलवाई ने बनाए थे, जिसे मैंने हाल ही में अपनी रसोई के लिए रखा है। मुझे भी लगता है कि इस मौसम में खरबूजे पिछले वर्षों की तरह स्वादिष्ट नहीं हैं; मुझे नहीं पता इसका क्या कारण है।" 412

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.26% है ।

“शायद गर्मी बहुत ज्यादा थी इसलिए,” चिया चें ग ने कहा। “चलो, अब! पार्क में चलते हैं! सु ंदर चमकीला पू रा चाँ द तो बहुत पहले ही निकल आया है,” पूर्वज ने कहा; और पाओ यू के कं धे पर सहारा ले कर, वह सबको पार्क के द्वार तक ले गईं, जो चारों ओर मे ढ़ों के आकार के लालटे न से सजा हुआ था। सभी शु भ आत्माओं के हॉल के सामने बने चौड़े चबू तरे पर एक खुले भोज के लिए मे ज लगाई गई थी। पू रा स्थान मोमबत्तियों से जगमग रहा था, हवा में अगरबत्ती की खु शबू फैली हुई थी, और ज़मीन पर कालीन और तकिए बिछे हुए थे । सबसे पहले, पूर्वज के ने तृ त्व में सभी लोग प्रार्थना की चटाई पर घु टने टे ककर बैठे, हाथ धोए, घर के दे वी-दे वताओं को प्रणाम किया और उनकी मूर्तियों के सामने अगरबत्ती जलाई। यह सब हो जाने के बाद, भोज शु रु हो सका। लेकिन पूर्वज ने सोचा कि पूर्णिमा के चं द का नज़ारा किसी खुली जगह से दे खना ज़्यादा अच्छा रहे गा, और उन्होंने इसके लिए पास के ही एमरल्ड कोन के शिखर पर बने अवलोकन मं डप, हॉल ऑफ़ ब्लॉसम्स को उपयुक्त स्थान चु ना। मं डप को जल्दी से तैयार किया गया। थोड़ी दे र आराम करने के बाद, पूर्वज चढ़ाई का ने तृ त्व करने के लिए खड़ी हुईं। मै डम चें ग और अन्य महिलाओं को डर था कि कहीं खड़ी, पथरीली, काई से ढकी पगडं डी पर उनका पै र न फिसल जाए, इसलिए उन्होंने उनसे पालकी में ऊपर जाने का अनु रोध किया; लेकिन कु छ ही समय पहले अपना अस्सीवां जन्मदिन मनाने वाली उस चु स्त-दुरुस्त बु ज़ुर्ग महिला ने पै दल ही ऊपर जाने पर ज़ोर दिया। उन्होंने हं सते हुए कहा कि पगडंडियाँ अच्छी तरह से साफ़-सु थरी और व्यवस्थित थीं, और थोड़ा व्यायाम और अपनी बू ढ़ी हड्डियों और नसों को आराम दे ने से उन्हें कोई नु कसान नहीं होगा। राजकु मार शीह और चिया चें ग के ने तृ त्व में, सभी लोग चल पड़े । भे ड़ के सींगों से बनी लालटे न लिए दो सेविकाएँ पूर्वज के आगे मार्ग को रोशन कर रही थीं। राजकु मारी चे न और दासियाँ मं दारिन डक और एम्बर उनके सहारे चल रही थीं। अं ततः वे कई घुमावदार रास्तों से होते हुए बिना किसी दुर्घटना के शिखर पर पहुँ च गईं। वहाँ वे गोल गद्दे दार कुर्सियों पर बै ठ गईं, जो दो बड़ी गोल मे जों के चारों ओर बनी थीं। इन मे जों को एक तह करने योग्य पर्दे से अलग किया गया था और ये मे जें पु ष्पमाला के सामने खुले चबू तरे पर रखी थीं। गोल आकार का चु नाव पूर्णिमा के चंद्रमा के सम्मान में किया गया था। पूर्वज

परिवार के पुरुष सदस्यों के साथ एक मेज पर बैठ गईं, जबकि महिलाएँ पूरी तरह से दूसरी मेज पर बैठ गईं। मेज के निचले हिस्से में काफी खाली जगह देखकर पूर्वज चिंतित हो गईं। इसलिए उन्होंने तह करने योग्य पर्दे के पीछे महिलाओं की मेज से तीन वसंत कन्याओं को बुलवाया, ताकि वह जगह भर जाए और अतिथि एक पूरा गोलाकार आकार बना लें। सभी का उत्साह बढ़ाने के लिए पूर्वज ने पेय पात्रों के साथ एक मजेदार खेल का आदेश दिया। दालचीनी के फूलों की एक शाखा मेज पर एक हाथ से दूसरे हाथ में घुमाई जा रही थी, जबकि तह करने वाले पर्दे के पीछे एक नौकरानी ढोल बजा रही थी। ढोल बंद होते ही शाखा को आगे नहीं बढ़ाया जाना था, और उस समय जिसके भी हाथ में वह शाखा होती, उसे sen413 कहा जाता था।

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.01% है।

शराब का एक गिलास पीने और सबको एक किस्सा सुनने का मन बना रहा था। संयोग से सबसे पहले वह शखा गंभीर स्वभव वाले चिया चेंग के हाथ में आई। मेज के चारों ओर दबी-दबी हंसी की लहर दौड़ गई, साथ ही चुपके से आस्तीन खींचने और कोहनी हिलाने की आवजें भी आईं। इस गंभीर चेहरे वाले व्यक्ति से हंसी की क्या उम्मीद की जा सकती थी? लेकिन आज, पूर्वज के लिए, चिया चेंग मज किरकिरा नहीं करना चाहते थे, और उन्होंने अपने पास मौजूद एकमत्र किस्सा सबको सुनने की घोषणा कर दी। "लेकिन अगर इससे हमें हंसी नहीं आई तो अतिरिक्त जुर्माना देन होगा," पूर्वज ने कहा। "ठीक है।" और चिया चेंग ने शुरू किया: "एक समय की बात है, एक आदमी रहता था जो अपनी पत्नी का बहुत सम्मान करता था..." वह अभी यहाँ तक ही पहुँचे थे कि पूरी मंडली ज़ोर से हंस पड़ी, जिससे उन्हें थोड़ी देर के लिए रुकना पड़ा। "तो?" उसने विजयी भाव से पूर्वज की ओर मुड़ते हुए कहा। "मैं मनती हूँ कि कहानी बहुत ही शानदार होगी क्योंकि सब लोग पहले से ही हंस रहे," हैं पूर्वज ने हंसते-हंसते कहा। "तो अब जुर्माने के तौर पर एक गिलास पीने की आपकी बरी होनी चाहिए," चिया चेंग ने मजाक में कहा। "ठीक है।" और उसने जुर्माने के तौर पर दिया गया पेय फेंक दिया, जिसे राजकुमर शीह और चिया चेंग ने, साथ-साथ खड़े होकर, खुद चखने के बाद उसे भेंट किया। जैसे ही उसने वह पी लिया और दोनों वरिष्ठ अपनी-अपनी सीटों पर वापस बैठ गए, श्री चेंग ने आगे कहा, "इसके अलावा, उक्त व्यक्ति कभी भी लंबे समय तक घर से दूर रहने की हिम्मत नहीं करता था, लेकिन एक बार, शरद उत्सव के दिन, जब वह शहर में खरीदारी कर रहा था, तो संयोग से उसकी मुलाकात कुछ पुराने दोस्तों से हुई, जिन्होंने उसे एक आपसी मित्र के घर पर मौज-मस्ती में शमिल होने के लिए राजी कर लिया। अंत में वह इतना नशे में हो गय कि वह घर जाना पूरी तरह भूल गया और अपने दोस्त के साथ रात बिताई। अगले दिन, जब उसका नशा उतरा, तो वह पश्चाताप और अंतरात्मा से व्यकुल होकर अपनी पत्नी के समने आया। उसकी पत्नी अपने पैर धो रही थी। उसका कबूलनामा सुनकर उसने कहा, 'बस इस बार मैं तुम्हें तुम्हारी पिटाई से बख्श दूंगी, लेकिन सजा के तौर पर तुम्हें मेरे पैर चाटने होंगे।'" उसने ऐस किया, लेकिन तुरंत ही उसे उल्टी आने लगी। अब वह सचमुच क्रोधित हो गई और उसे पीटने ही

वाली थी। इसलिए वह उसके बगल में घुटनों के बल बैठ गया और रोते हुए बोला, 'मुझ पर गुस्सा मत करो, पत्नी। सच में तुम्हारे गंदे पैरों की वजह से नहीं, बल्कि मेरे पेट की खराबी की वजह से मुझे उल्टी आ रही है।' उसकी कहानी सुनकर सब हंसने लगे, और पूर्वज ने स्वेच्छा से एक और शराब पीने की सहमति दे दी। "इसे एक चेतावनी समझो, विवाहित पुरुषों, और केवल गर्म शराब पियो! यह ठंडी शराब से ज्यादा फायदेमंद है," उसने कहा, और फिर से हंसी का माहौल छा गया।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 48.88% है ।

हं सी का ठहाका लगा। और उसने ठं डी शाख की जगह पं च मं गवाया। अगली बार जब वह आया तो दालचीनी के फूलों की वह लटकती हुई शाखा पाओ यू के हाथ में ही रह गई। अपनेपिता की मौजू दगी से पाओ यू बहुत शर्मिंदा हो गया। उसे बहुत सरे चु टकु ले औरकिस्से यद थे, लेकिन उसके पिता क्या कहते? एक बु रा चु टकु ला सु नने पर उसकेपिता उसका मज़ाक उड़ाते, लेकिन एक अच्छा चु टकु ला सु नने पर वे नाराज़ हो जाते और उसे ताना मारते कि उसमें चु टकु लों और शरारतों की तो काबिलियत है, लेकिन किसी गं भीर बत की नहीं। इसलिए बे हतर यही होग कि वह कोई भी मज़े दार कहानी न सु नए। तो वह खड़ा हुआ और बोला: "मु झे कोई चु टकु ला या किस्सा नहीं आता। इसलिए मैं आपसेविनती करता हूँ कि मु झे कोई दू सरा काम दीजिए।" "ठीक है, तो पतझड़ के विषय पर एक कविता लिखो!" श्री चें ग ने आदे श दिया। "अगर कविता अच्छी हुई तो तु म्हें इनाम मिले ग। अगर खराब हुई तो तु म्हारी खै र नहीं उस हालत में कल तु म्हारी परीक्षा होगी।" "लेकिन हम तो बस समय बिताना चाहते हैं । उसे ऐसेमु श्किल काम दे कर परे शान मत कीजिए!" पूर्वज ने विरोध किया। "रहने दो वह ठीक कर ले ग," चिया चें ग ने मु स्कु राते हुए उत्तर दिया। इसलिए पूर्वज ने कागज, ब्रश और स्याही लाने का आदे शदिया। "और 'तरल क्रिस्टल', 'जमा हुआ जै स्पर, 'चां दी की चमक' जै सेघिसे-पिटे शब्दों का प्रयोग मत करो!" श्री चें ग ने सख्ती और जोर दे कर कहा। "मैं तु मसेविनती करती हूँ कि मौलिक बनो! मैं तु म्हारी प्रतिभा की परीक्षा ले न चाहती हूँ ।" अब, पाओ यू को ज्यदा सोचने की जरूरत नहीं पड़ी, उसने अपनी चौपई रचकर कागज पर उतार दी। श्री चें ग ने उसे पढ़ा और चु पचप सिर हिलाया, जिसे पूर्वज ने एक अच्छा सं के त माना। उन्होंने उत्सु कता से उनकी राय पू छी। "उसने प्रयस किया है । लेकिन अगर वह इतिहास का और अधिक लगन से अध्ययन करे के वल कविता लिखने से कु छ हासिल नहीं होता," पिता तु ल्यनिर्णय था। "तो फिर ठीक है!" पूर्वज ने राहत की सां सले ते हुए कहा। "लेकिन अब आपको उसे इनम और प्रोत्साहन दे ने केलिए उपहार दे न चाहिए!" "जी हाँ, मैं ऐस ही करूँ ग।" श्री चें ग मु ड़े और एकसे विका को आदे शदिया कि वह दौड़कर उनके नौकरों कोलाए और उन्हें वे दो पं खे दे जो वह है नान की अपनी आधिकारिक यात्रा से वपस लाए थे । उपस्थित परिवार के

सामने उन्होंने अपने बेटे को उसकीउपलब्धि की स्वीकृति के प्रतीक के रूप में वे पंखे भेंट किए। पाओ यू ने अपनामाथा ज़मीन पर पटकते हुए उनका धन्यवाद किया और बेहतर मन से अपने स्थान पर लौट गया। श्री चेंग के प्रथम पुत्र चू (जिनकी कम उम्र में मृत्यु हो गई थी) की संतान चिया लैन द्वारा रचित एक छंद ने और भी अधिक तालियाँ बटोरीं। फूंज और श्री चेंग ने संपादकों के साथ देखा कि प्राचीन 415

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 79.11% है ।

चिया परिवार में निहित पारं परिक सं स्कृति की विरासती सु गं ध युवा पीढ़ी में अत्यं त शु भ रूप से जीवित थी। राजकु मर शीह, जिनके हाथ में अब दालचीनी के फूलों की शाखा थी, ने निम्नलिखित किस्सा सु नया: "एक आदमी का एक बहुत अच्छा बे टा था। एक दिन उसकी माँ बीमर पड़ गई। कोई डॉक्टर न मिलने पर एक बू ढ़ी नीम-हकीम को बुलाया गया। वह बू ढ़ी औरत केवल सु ई चु भोकर इलाज करना जानती थी और उसे दागने का भी थोड़ा-बहुत ज्ञान था, लेकिन उसे चिकित्सा की उच्च कलाओं का कोई ज्ञान नहीं था। उसने बीमरी का निदान 'दिल में आग के रूप में' किया और सु ई चु भोकर इलाज करने का सु झव दिया। 'लेकिन फिर, अगर मे री माँ के दिल में एक नु कीली सु ई चु भई जाएगी तो उसे मरन ही पड़े ग,' बे टे ने घबराकर आपत्ति जताई। 'चिंता मत करो, यह के वल पसलियों के बीच एक छोटी सी चु भन होगी,' बू ढ़ी औरत ने उसे आश्वासन दिया। 'हाँ, लेकिन फिर दिल को इससे कोई फायदा नहीं होगा। भगवान ही जानता है कि दिल पसलियों से कितनी दूर स्थित होता है,' बे टे ने एकबार फिर आपत्ति जताई। 'कोई बात नहीं। एक सच्ची माँ का दिल इतना बड़ा होता है कि वह पसलियों तक पहुँ चत है,' नीम-हकीम ने कहा, "अं ततः उसे दिलासा दे ते हुए"। एक बार फिर हं सी की गू ं ज सुनाई दी। उस कमीने चिया हुआन ने अपनी क्षमत का परीक्षण किया, जो श्री क्लिंग की राय में असफल रहा। इसके बद पूर्वज ने खेल रोकने का आदे श दिया। सज्जन अब विदा ले सकते थे और दूसरी तरफ अपने निजी मित्रों के सथ आनं द ले सकते थे । दूसरी रात्रि पहर का समय हो चु का था, और उन्होंने कहा कि वह कु छ दे र के लिए यु वतियों के सथ अकेले रहन चाहती हैं । सज्जनों के जते ही पूर्वज ने तह करने वाला पर्दा हटवा दिया और दोनों मे जों को एक सथ जोड़ दिया। फिर महिलाओं ने अपने कपड़े बदले, हाथ धोए, चाय से कु ल्ला किया और अकेले ही दावत जारी रखी। पूर्वज ने चरों ओर नजर घु मई और दुख से कहा कि इस साल मे ज के चारों ओर के घे रे में कई लोग अनु पस्थित हैं । फीनिक्स और विधवा चू बीमारी के कारण अनु पस्थित थीं; प्रेशियस क्लै स्प और प्रेशियस हार्प को चाची ह्सु एह के सथ रहना पड़ा, जो स्वयं भी बीमर थीं। उन्हें विशेष रूप से उन परिवारिक समारोहों की उमं ग की कमी खल रही थी जो फीनिक्स हमे श इन समारोहों में भर दे ता था। "पिछले सल माहौल ज़्यादा

खुशनुमा था; सच है, पुरुष अनुपस्थित थे, लेकिन हम सभी महिलाएं मौजूद थीं और फ़ीमिक्स ने दस लोगों के मनोरंजन के लिए पर्याप्त इंतज़ाम किया था। इस बार पुरुष तो मौजूद हैं, लेकिन हम महिलाएं पूरी संख्या में नहीं हैं। इससे पता चलता है कि इस दुनिया में एक ही समय में अपनी सारी इच्छाएं पूरी करना कितना मुश्किल है," उन्होंने आह भरी। सभा का माहौल खुशनुमा बनाने के लिए उन्होंने छोटे शराब के गिलासों को बड़े प्यालों से बदल दिया, जिसके परिणामस्वरूप कुछ ही समय में फ़्रूज को छोड़कर सभी उपस्थित लोग शराब के नशे में मदहोश हो गए। क्योंकि उपस्थित महिलाओं में से कोई भी शराब पीने के मामले में फ़्रूज का मुकाबला नहीं कर सकती थी। फिर उन्होंने 416 में छत की सीढ़ियों पर कालीन बिछे।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.17% है ।

हॉल ऑफ ब्लॉसम्स के समने आकर उन्होंने नौकरानियों और सेविकाओं को सीढ़ियों पर आराम से बै ठने और अच्छा समय बिताने तथ बां टे गए फलों और स्वादिष्ट व्यं जनों का आनं द लेने का आदे श दिया, क्योंकि कर्मचारियों को भी भोज में भग ले न था। चंद्रमा अब पू री तरह से निकल चु का था और पहले से कहीं अधिक शानदार ढं ग से चमक रहा था। "इस शानदार चां दनी में हमें बां सु री का सं गीत ही चहिए," पूर्वज ने सु झाव दिया। अन्य लोग कु छ यु वा लड़कियों को सभी आवश्यक वाद्य यं त्रों के साथ बुलवाना चाहते थे ताकि एक पू रा बैं ड बन सके । "यह तो अति हो जाएगी," पूर्वज ने आपत्ति जताई। "बहुत शोर मन को विचलित करता है । मैं तो बस दूर से धीमी आवज़ में बजती हुई एक साधारण बां सु री सु नना चाहूं गी।" जब कं पनी उस बं सु री वादक का इं तज़ार कर रही थी, जिसकी उन्हें उम्मीद थी, तभी राजकु मरी शीह की एक सेविका आई और उसने अपनी मलकिन के कान में कु छ फु सफु साया। एक पू छतछ के जवब में पूर्वज को बताया गया कि राजकु मर अभी-अभी एक पत्थर से ठोकर खकर गिर गए हैं और उनके पै र में मोच आ गई है । इस पर पूर्वज ने राजकु मरी को कं पनी छोड़ने की अनुमति दे दी। पूर्वज ने आगे कहा, "भतीजी चे न भी आपके साथ जा सकती है; उसके घर जने का समय हो गया है ।" राजकु मरी चे न ने कहा, "अरे नहीं, मैं तो पू री रात अपनी बु जुर्ग पूर्वज के सथ रहना चाहूं गी।" पूर्वज ने मु स्कुराते हुए कहा, "तु म वकई एक अच्छी पत्नी हो! नवविवाहितों को इस रात बिस्तर पर होना चाहिए! अपने पत्नी के कर्तव्य की उपे क्ष मत करो!" राजकु मरी ने शरमते हुए कहा, "अरे, मे री इतनी तरीफ मत करो! मैं चलीस की हो चु की हूं और बीस साल से ज़्यदा समय से अपने पति के सथ शादीशु दा हूं । इसके अलावा, हम अभी भी शोक की अवधि में हैं "। "तु मबिल्कुल सही कह रही हो।" मैं ने इस बारे में सोचा ही नहीं था। हाँ, बिल्कुल! आपके ससु र जी के गु ज़रने को अभी सिर्फ दो साल ही हुए हैं । भला कोई कै से भूल सकता है! इसके लिए मु झे एक अच्छी खासी शराब पीनी पड़े गी लेकिन आप रुकिए और मे रा साथ दीजिए! मे री पोती यु ंग मे री बहू के साथ जा सकती हैं ।" राजकु मरी शीह और यु व स्वामिनी चिया यु ंग ने तब विदा ली। जो महिलाएं वहाँ रहीं, वे शराब पीती और बातें करती रहीं, और बीच-बीच में चाँ दनी रात में टहलती रहीं और हॉल ऑफ़ द ब्लॉसम्स के चरों ओर लगाए गए

छोटे दालचीनी के पेड़ों की फूलों वाली शाखाओं को सूंघती रहीं, साथ ही दालचीनी की बाड़ के दूसरी तरफ से आती हुई एक बंसुरी की मधुर, साफ़ आवाज़ सुनती रहीं जो शांत रात में गूंज रही थी। संगीत में कुछ ऐसा कोमल, इतना मुक्तिदायक और इतना ताज़गी भरा था कि वे सभी मौन होकर मंत्रमुग्ध हो गईं। "वाह, कितना सुंदर था ना?" बांसुरी बजना बंद होने पर पूर्णूज ने खुशी से मुस्कुराते हुए पूछा। 417

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल8.68% है ।

“सचमु च, यह हमारी कल्पना से कहीं अधिक सु ंदर था,” सभी ने उत्सह से उत्तरदिया। “वृ द्ध पूर्वज ने वस्तव में हमें कला का सही आनं दलेन सिखाया है ।” “ अरे, यह तो कु छ खस नहीं था। हमारी सं गीत कीकिताबों में इससे कहीं अधिक सु ंदर धु नें हैं । सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सु र और भी कोमल और लं बे होने चाहिए।” पूर्वज ने कार्यक्रम के सं बं ध में कु छ अनु रोधों के बाद बां सु री वादक के लिए शराब से भरा एक गिलास मं गवया। मं दारिन डक एक गर्म हुड और एक वाटरप्रू फलबादा ले कर आई, जिसे उसने सावधानी से पूर्वज के चरों ओर लपे टदिया। “काफी रात हो चु की है । जल्द ही ओस गिरने लगे गी और हव ठं डी हो जएगी। वृ द्ध तई ताई को समय पर सो जाना चाहिए,” प्रतीक्षा कर रही नौकरानी ने उन्हें चेतावनी दी। “मु झे परे शान मत करो!” वृ द्ध गुर्राई। “आज मैं बहुत अच्छे मू ड में! हूँ तुम्हें क्या लगता है, कि मैं रात में थोड़ी सी मौज-मस्ती से बहक जाऊँ गी? मैं सु बह तक गाती रहूँ गी।” उन्होंने अपना गिलास फिर से भरवया और दावत जारी रही। अब दालचीनी की झाड़ियों के अं धे रे में बांसुरी की मधु र, पतली सी धु नफिर से गू ंज उठी। इस बार धु न इतनी उदास और भावपूर्ण थी कि उसने पूर्वज के हृदय को छू लिया और उन्हें भवु क कर दिया। बां सु री बजना बं द होते ही राजकु मरी चे न ने उनका मन बहलाने केलिए कहा, "अब मैं आपको एक मनोरं जक कहानी सु नना चाहूं गी।" पूर्वज ने थोड़ा और प्रसन्न चे हरा बनाते हुए कहा, "बहुत अच्छा। सु नइए!" राजकु मरी ने कहानी शु रु करते हुए कहा, "एक समय की बात है, एक आदमी के चर बे टे थे"।"पहले बच्चे कीसिर्फ एक आं ख थी, दूसरे कीसिर्फ एक कान, तीसरे की सिर्फ एक नाक, चौथे के ये सभी अं ग पू रे, लेकिन वह गू ंगा था..." वह रुक गई क्योंकि उसने दे खा कि पूर्वज सो गई थीं। "हमें उन्हेंबिस्तर पर ले जना चाहिए," उसने मै डम चें ग से फु सफुसा कहा। "नहीं, नहीं, कहानी जारी रखिए!" पूर्वज ने आं खें खोलते हुए खु शी से कहा। "मैं ने कहानी पर ध्यान केंद्रित करने केलिए ही आं खें बं द की थीं"।"कल एक और दिन है, और तब चां दफिर से चमके गा; अब सोने का समय हो गया है," उन्होंने उसे धीरे से समझाया। "तो कितना समय हो गया है?" "हम चौथी रात की पहरे दारी में हैं । सु बह हो चु की है । छोटी लड़कियां इतनी थक गई थींकि वे और दे र तक जग नहीं सकीं और सो गईं।" पूर्वज ने मे ज के चारों ओर दे खा। छोटी लड़कियों की

जगहें सचमुच खाली थीं। केवल 'टेस्ट ऑफस्प्रिंग' ही मौजूद थी। "ये आलसी हैं, कुछ भी सहन नहीं कर सकतीं!" उसने बुदबुदाया। "हमारी 418

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान मात्र0.00% है ।

डब्ल्यू जे एमएमजे ड

佩鳳

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.82% है ।

टे स्ट ऑफस्प्रिंग तारीफ के काबिल है; वह एक बहादुर लड़की है! लेकिन आप बिल्कुल सही हैं; अब सोने का समय हो गया है ।" उसने सफ़ेद चाय का एक और घूंट लिया और फिर दो बलवान दासियों द्वारा उठाई जा रही बाँस की टोकरीनुमा पालकी में बैठ गई लेकिन सभी युवतियाँ उतनी कोमल नहीं थीं जितना कि पूर्वज ने उन्हें समझा था। पहाड़ी की चोटी से चँदनी रात के दृश्य का आनंद लेने के बाद, ब्लैक जेड और लिटिल क्लाउड नीचे चली गई थीं और क्रिस्टल क्रेविस में बैठकर इसका आनंद ले रही थीं- एमराल्ड कोन के तल पर, मछली के तलाब के किनारे, चट्टानी दीवार में बने उस चबूतरे पर। यहाँ उन्हें लहरों वाले पनी पर चाँद की चँदी जैसी परछाई देखने का अतिरिक्त आनंद मिल रहा था। पहाड़ी से नीचे आते समय उनके बीच इस बात पर एक जीवंत साहित्यिक बहस हुई कि क्या पार्क बनाते समय विशेषज्ञों द्वारा पहाड़ी और झील के चबूतरे पर लगाए गए दो प्रतीक चिन्ह - अर्थात्, दो अक्षर तू, जिसका अर्थ है "शंकु" और वा, जिसका अर्थ है "दरार" - साहित्यिक दृष्टिकोण से स्वीकार्य हैं य नहीं। क्या वे अनुचित थे और उन्हें अस्वीकार कर दिया जाना चाहिए था। फिर वे खुले चबूतरे पर बुनी हुई दो बांस की कुर्सियों पर बैठ गईं और आकाश में और पनी पर दो चंद्रमाओं के दृश्य से प्रेरित होकर, उन्होंने इस चंदनी रत के विषय पर एक लंब और अद्भुत रूप से सुंदर पंक्ति शब्दों का छंद रच। उनका इरादा अगले दिन बेगोनिया क्लब के अन्य सदस्यों को इस रात्रिकालीन रचना से आश्चर्यचकित और शर्मिंदा करने का था, ताकि क्लब को नए सिरे से प्रयास करने के लिए प्रेरित किया जा सके, क्योंकि दुर्भाग्य से यह लंबे समय से बहुत निष्क्रिय था। बाद में उनके साथ सुंदर सख्वी मियाओ यू भी शमिल हो गईं, जो बाकी लोगों की तरह उस खूबसूरत पूर्णिमा की रात सो नहीं पाई थीं और पार्क में टहलने गई थीं। उन्होंने लड़कियों को उनकी काव्य रचना में मदद की और फिर उन्हें अपने किंगफिशर के ज आश्रम में ले गईं और उन्हें अपनी प्रसिद्ध अद्भुत चाय का एक कटोरा पिलाया। जब दोनों रातें चवल के खेत से गेंमु की पहली बांग गूंज रही थी, तब तक वे दोनों वहां पहुंच चुकी थीं। अंततः उत्सव मनाने वाले लोग बांस के आश्रम में एक ही बिस्तर पर सोने के लिए लेट गए। जब मध्य शरद उत्सव समप्त हो गया और फीनिक्स, बेहतरीन जिनसेंग जड़ के भरपूर उपयोग के कारण, लगभग ठीक हो गया, तो

रमणीय दृष्टि के पर्क में रुका हुआ शुद्धिकरण एक बार फिर से शुरु हो गया। मैडम चेंग को हाल ही में घर-घर तलाशी की रिपोर्ट मिली, तो उन्होंने तुरंत कार्रवाई की। वसंत के शोक की चित्रकार दासी को पार्क से ले जकर उसकी मालकिन के अनुरोध पर पूर्वी महल में स्थानांतरित कर दिया गया, और अब वसंत के अभिवादन की शतरंज दासी को घर से निकाल दिया गया। उसे अपने साथियों से विदा लेने से मना कर दिया गया।

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 8.50% है।

लीग्स और पार्क के अन्य कैदियों के साथ, जिनके साथ उसने कई सुखद वर्ष बिताए थे। जब पाओ यू, जिससे उसकी मुलाकात संयोगवश तब हुई जब उसे भगाया जा रहा था, और जिससे उसने आँसू बहाते हुए उसके लिए मध्यस्थता करने की गुहार लगाई थी, ने राहत पाने की कोशिश की, तो व्यवस्था के कठोर पर्यवेक्षकों ने उसका बुरा स्वागत किया। "जाओ अपनी किताबों पर ध्यान दो! यह तुम्हारा काम नहीं है!" उन्होंने उसे फटकारा और बेरहमी से एक तरफ धकेल दिया। वह जाते हुए लोगों के समूह पर कुछ तीखे शब्द चिल्लाने से खुद को रोक नहीं सका। "यह अजीब बात है," वह चिल्लाया, "कि जैसे ही तुम औरतें शादी करती हो, तुम अपनी सारी स्त्रीत्व खो देती हो और पुरुषों के बुरे तौर-तरीके अपना लेती हो। वास्तव में, तुम पुरुषों से भी बदतर हो!" "ऐसा लगता है कि तुम्हारी राय में युवा लड़कियाँ श्रेष्ठ प्राणी हैं और पुरुष बुरे हैं!" उन्होंने उसका उपहास उड़ाया। "बेशक," पाओ यू ने उत्सुकता से सिर हिलाते हुए कहा। "हा-हा! जल्दी जाओ और अपनी माँ के आने की तैयारी करो, क्योंकि तुम्हारी ब्राइट क्लाउड की बारी अभी आने वाली है! आज आखिरकार हम पूरी तरह से सफाई करेंगे, और इन चुड़ैलों को भगा देंगे। बुद्ध का धन्यवाद! हा-हा!" इसके तुरंत बाद मैडम चेंग खुद बीमार की आंगन में पहुँचीं और ब्राइट क्लाउड को, जिससे उन्हें नफरत थी, घर से बाहर निकाल दिया। बीमार होने के बावजूद, ब्राइट क्लाउड को अपना कुछ सामान समेटकर अपने रिश्तेदारों के साथ घर छोड़ना पड़ा, जिन्हें उसे ले जाने के लिए बुलाया गया था। प्रिटी लिटिल फोर्थ का भी यही हाल हुआ क्योंकि उसने इतनी नासमझी की थी कि उसने यह शेखी मारी थी कि उसका जन्मदिन उसके छोटे मालिक के जन्मदिन के दिन ही पड़ता है। सुचो से आई नर्तकियों के दल की तीन सदस्य, जो पिछले साल दल के बिखर जाने पर उनके अनुरोध पर पार्क में रुकी थीं, उनका भी यही हाल हुआ। ताई ताई किसी भी कीमत पर ऐसी खतरनाक "चालाक महिलाओं" और "पेशेवर मोहक महिलाओं" को अपने बेटे के आसपास रहने नहीं देंगी। इस व्यापक शुद्धिकरण अभियान का अंत पाओ यू के बक्सों और संदूकों की कड़ी तलाशी के साथ हुआ, जिसके दौरान हर उस वस्तु को, जिसे किसी भी तरह से आकर्षक या आपत्तिजनक माना गया, और

किसी भी संदिग्ध स्त्रोत से प्रप्त सभी स्मृति चिन्हों को बे रहमी से ज़ब्त कर लिया गया। यह उल्ले ख किया जा सकता है कि व्यवस्था के मु ख्य र्यवे क्षक, पु राने वीएफ एन

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 48.58% है ।

अध्याय 38 सु ंदर दासी अपने सथ हुए अन्याय को भुला नहीं पाती और यौवन में ही मर जती है । राजकु मर का दुखी वं शज मृ त दासी के लिए एक शोकगीत समर्पित करता है ।लाओ यू घर की तलाश की कठिन परीक्षा के लिए तै यर था, लेकिन उसकी सबसे प्रिय और प्यारी दासी, ब्राइट क्लाउड, का उससे छीनलिया जाना उसके लिए बिजली के झटके जैसा था। उसकी माँ के नाराज़ होकर चले जने के बाद, वह अपने बिस्तर पर ले ट गय और अपने गहरे दुख में डूब गया। "कु छ दिनों तक धैर्य रखो जब तक कि त्सी ताई का गु स्स शां त न हो जए, फिर बू ढ़ी तई ताई के पस जाओ और उनसे ब्रइट क्लाउड को घर में वपस ले ने की विनती करो, और फिर सब ठीक हो जाएगा," पर्ल ने उसे सांत्वन दे ने की कोशिश करते हुए कहा। "काश मु झे पता होता कि उसका बड़ा अपराध क्या था," पाओ यू भवु क होकर रो पड़ा। "वह बहुत सु ंदर है, बस यही उसका अपराध है," पर्ल ने कं धे उचकाते हुए उत्तरदिया। "ताई ताई को लगता है कि इतना आकर्षण घर की शांति के लिए खतरा है । उनकी नज़रों मेंसिर्फ मे रे जै से बदसू रत, मूर्ख प्राणी ही अच्छे लगते हैं"। "यह तो बिलकुल बे तु का है । इतिहास में इसके विपरीत कई उदाहरण हैं ।लेकिन एक और बात मु झे परे शन कर रही है । मे री माँ को ब्रइट क्लाउड के सथ मे री कु छ अं तरं ग बातें और मज़किया शब्द कै से पता चल गए? क्या आपको लगता है कि यहाँ कोई जसू सी चल रही है?" "इसकी कोई ज़रूरत नहीं है, क्योंकि आप खु द भीलोगों के बीच में और जब आप सहज हो जते हैं तो अक्सर बे परवह होकर बोलते हैं । मैं ने आपकोकई बार शब्दों और नज़रों से चे तावनी दी है; लेकिन कोई फायदा नहीं।" "आखिरकार, मैं अक्सर आपसे, मस्क से और ऑटम वे व से भी खुल मिल जाती थी; फिर ब्राइट क्लाउड पर ही क्यों हमला किया गया?" पर्ल ने कोई जवब नहीं दिया। "मु झे उसके लिए बहुत अफ़सोस है!" पाओ यू रोते हुए बोली। "यहाँ उसे हमेशा इतना प्यार और दुलार मिलता रहा है — और अब यह सु ंदर, नाज़ु क ऑर्किड, जो अभी पू री तरहखिली भी नहीं थी, उसे बे रहमी से सू अरों की भट्टी में फें क दिया गया है । और हालात और भी बदतर इसलिए हैं क्योंकि वह बीमार और अनाथ है । उसका एकमात्र सहारा एक बू ढ़ा विवाहित चचे रा भाई है, जो एक दुष्ट शराबी है । वह उस घिनौने इं सान के घर में एक महीना भी नहीं जी पाएगी। मैं ने सोचा था कि यह एक

अपशगुन है जब मैंने इस वसंत में देखा कि हमारे सुनहरे बेमिया के फूल अचानक पेड़ के आधे हिस्से से किसी अजीब तरीके से मुरझाए थे। अब मुझे समझ आ गया है कि यह अपशगुन हमरी बेचरी ब्राइट क्लाउड के लिए था।" पर्ल ने हँसी से तली बजाई। 422

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 89.29% है ।

“आप जैसे प्रबुद्ध, शिक्षित व्यक्ति भला ऐसी पुरानी अंधविश्वासों पर कैसे विश्वास कर सकते हैं?” वह बड़े ही आनंद से चिल्लाई। “आप जैसे लोग इसे समझ ही नहीं सकते,” उसने फटकारते हुए कहा। “केवल मनुष्य ही आत्मवान नहीं है; समस्त प्रकृति भी सजीव है, और कभी-कभी प्रकृति विचित्र और अद्भुत अभिव्यक्तियों द्वारा मनुष्य के साथ अपनी एकता का बखान करती है। कुछ उदाहरण के तौर पर, कुफू में कन्फ्यूशियस मंदिर के सामने स्थित जुनिपर का वृक्ष है; तीन राज्यों के काल के बुद्धिमान सलाहकार चू कोलियांग की समाधि के सामने स्थित सरू के वृक्ष हैं; सुंग राजवंश के महान सेनापति यो फी की समाधि के पास स्थित चीड़ के वृक्ष हैं। ये दिव्य, पुराने, अविनाशी, पवित्र वृक्ष सदियों से राजनीतिक भ्रष्टाचार के समय में बार-बार अस्थायी रूप से सूखते रहे हैं और समृद्धि और व्यवस्था के समय में फिर से हरे-भरे हो उठते हैं। और शायद हमारे बेगोनिया के साथ भी ऐसा ही होता है।” आधे अविश्वास और आधे डर के साथ पर्ल ने जवाब दिया: "वे महान पुरुष थे, इतिहास के महान व्यक्तित्व थे, और आपका सिद्धांत उन पर बिल्कुल सही हो सकता है। लेकिन ब्राइट क्लाउड क्या है? एक छोटी, महत्वहीन प्राणी। जिस अपशगुन को आप हमारे सुनहरे बेगोनिया का संकेत मानते हैं, वह मुझ पर भी उतना ही, बल्कि उससे भी अधिक सही हो सकता है। शायद यह वास्तव में मेरी शीघ्र मृत्यु की ओर इशारा कर रहा है?" भयभीत होकर पाओ यू ने अपना हाथ उसके मुंह पर रख दिया। "अरे, चुप रहो। अभी मुझसे ऐसी बातें मत करो! चलो इस विषय को यहीं छोड़ते हैं। मुझे तुमसे किसी और बात पर चर्चा करनी है। मैं हमारी बेचारी ब्राइट क्लाउड को चुपके से वह सामान भेजना चाहता हूँ जो उसे यहाँ छोड़ना पड़ा। मैं उसे कुछ पैसे भी भेजना चाहता हूँ जो हमने बचाकर रखे हैं, ताकि वह डॉक्टर और कुछ देखभाल का खर्च उठा सके। क्या तुम बहन की तरह प्रेम का यह कार्य करोगी?" "अगर आपको लगता है कि मुझे यह करने के लिए आपसे कहना पड़ा, तो आप मेरे बारे में बहुत ही खराब राय रखते होंगे। मैंने सुबह ही सोच लिया था और उसका सारा सामान सुरक्षित जगह पर रख दिया था। लेकिन मैं शाम तक इंतजर करना चाहती थी। दिन में तो बहुत से लोग ताक-झांक करते रहते हैं। मैं बूढ़ी सुंग को भेजूंगी, और वह अपने साथ मेरे बचाए हुए हज़ार सिक्कों की रस्सी भी ले जाएगी। मेरे लिए, ऐसा छोटा सा त्याग कोई

बड़ी बात नहीं है, क्योंकि मैं हमेशा से एक दयलु, निस्वार्थ आत्मा रही हूँ, है न?" पर्ल ने थोड़ी कड़वाहट से कहा। "बेशक तुम एक दयालु आत्म हो," पाओ यू ने मुस्कुराते हुए कहा और धीरे से उसके गलों को सहलाया। और उसने कुछ मीठे शब्दों से उसके दिल की ठंडक दूर करने की कोशिश की। तो शाम को नौकरानी सुंग को सामान और पैसे के साथ विदा कर दिया गया। उससे पहले पओ यू खुद व्हाइट क्लाउड से चुपके से मिलने निकल पड़ा। उसके किसी भी नौकर को उसके सथ जाने की इजज़त नहीं थी, और उस शाम किसी को भी बेगोनिया आंगन छोड़ने की अनुमति नहीं थी। क्या आप 42 वर्ष के हो गए हैं?

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 59.37% है ।

पार्क के पिछले द्वार पर पहुँ चकर, उसने बड़ी मुश्किल से वहाँ तैनात द्वारपाल को ब्राइट क्लाउड के घर का रास्ता दिखाने के लिए मना लिया। द्वारपाल, जो अपनी नौकरी खोने से डरती थी और पहले तो उसकी मदद नहीं करना चाहती थी, अं त में उसके पै से दे ने के बाद मान गई। ब्राइट क्लाउड के माता-पिता की मृ त्यु हो जाने के बाद, उसे घर के प्रबं धक लाई ता ने बचपन में ही खरीद लिया था। लाई ता की पत्नी ने बाद में उसे राजकु मारी पूर्वज को उपहार में दे दिया, जो उस सुं दर दस वर्षीय बच्ची पर मोहित हो गई थीं। उसके चचेरे भाई, लिटिल क्वे ई का विवाह लाई ता ने एक चालाक और चं चल स्त्री से करवा दिया था, जिसने अपने मूर्ख पति को हर तरह से धोखा दिया था। उसके मालिक लाई ता के नौकर हमेशा उसके पीछे ऐसे पड़े रहते थे जैसे मक्खियाँ बदबू के पीछे। जब से ब्राइट क्लाउड पाओ यू की सेवा कर रही थी, तब से यह लड़की हमेशा उससे फीनिक्स से उसके लिए सिफारिश करने के लिए कहती रहती थी; वह यु ं गकु ओ महल में नौकरानी का पद चाहती थी। अं ततः उसे और उसके पति को पार्क के पिछले द्वार के पास रहने की अनु मति मिल गई और फीनिक्स ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से तरह-तरह के लाभदायक कामों और आदे शों के लिए नियुक्त किया। उन्होंने बेचारी बीमार ब्राइट क्लाउड की ज़्यादा परवाह नहीं की। उसे एक पिछले कमरे में अलग रखा गया और दिन के अधिकां श समय उसे अकेला छोड़ दिया गया। अपने गं तव्य पर पहुँ चकर, पाओ यू ने बू ढ़ी औरत को घर के दरवाजे पर पहरा दे ने के लिए छोड़ दिया और अकेले ब्राइट क्लाउड के कमरे में चला गया। उसने उसे सरकं डे की एक दयनीय चटाई पर अधमरी नींद में ले टे हुए पाया। सौभाग्य से, उसके पास अपने पुराने समान में से कु छ कपड़े और एक कं बल थे जिनसे उसने खु द को ढका हुआ था। पाओ यू ने उसकी आस्तीन पकड़ी और धीरे से उसका नाम पु कारा। आधी डरी हुई, आधी खु श, उसने अपनी बेजान आँ खों से उसकी ओर देखा और पलकें झपकाईं। "ओह, आप हैं! मु झे लगा था कि मैं आपको फिर कभी नहीं दे ख पाऊँ गी," उसने हाँ फते हुए कहा और काँ पते हुए उसका हाथ अपनी ओर खींच लिया। खां सी का दौरा शां त होने पर उसने आगे कहा, "हे भगवन! आप बिलकुल सही समय पर आए हैं । घं टों से मु झे चाय पीने की बहुत इच्छा हो रही थी, पर आस-पास कोई नहीं था। कृ पया मु झे आधा कटोरा चाय दे दीजिए!" "चाय की

केतली कहाँ है?" उसने आँखें पोंछते हुए पूछा। "वह चूल्हे के किनारे पर है"। पाओ यू ने चारों ओर देखा। तो क्या कोयले जैसी काली टोंटी वाला यह गंदा, जंग लगा बर्तन ही चायदानी थी? उसने मेज पर पड़ा एक गंदा कटोरा उठाया, जो उसे मिला। उसमें बसी भेड़ की चर्बी की बदबू आ रही थी। सिर हिलाते हुए और आँखों में आँसू लिए उसने उसे धोया और फिर अपने एक रेशमी रूमाल से सुखाया। फिर उसने उसे काले लोहे के बर्तन से आधा भर दिया। तो क्या यह धुंधला, गहरा लाल रंग का पेय चाय था? उसने उस कड़वे घोल को चखा और उसे उल्टी आने लगी। बीमार लड़की को कटोरे का सारा खाना एक ही घूंट में पीते देखकर उसका दिल बुरी तरह दुख से भर गया, मानो वह स्वर्ग से बरसती सबसे मीठी ओस हो।"क्या तुम्हें मुझसे कुछ और कहना है?" उसने आग्रह किया। "अगर कहना है तो इस पल का पूरा फायदा उठाओ जब हम अकेले हैं"। 424

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 48.98% है ।

“मैं तु मसे और क्या कहूँ?” उसने आह भरी।“ मैं बस किसी तरह दिन गु जर रही हूँ ।जिस तरह से मेरा हाल चल रहा है, तीन-पाँच दिनों में मैं इससे उबर जाऊँ गी। बस एक ही बत मु झे सता रही है कि मैं एक साये में मर रही हूँ । मैं शायद दूसरों से ज़्यदा सु ंदर थी, लेकिन मु झे मोहक, खतरनाक औरत कहना – नहीं, मैं इसके लायक नहीं थी। मैं अतीत से झगड़ा नहीं करूँ गी, लेकिन शायद बे हतर होता अगर मैं कभी होती ही नहीं..” उसकी साँ सें रुक गईं और वह आगे कु छ बोल नहीं पाई। पाओ यू को झटका लगा जब उसने दे खा कि उसके हाथ कितने ठं डे थे । उसे लगा जै से उसके दिल में हज़ारों तीर चु भ गए हों। उसने बे चै नी से उसके हाथों को सहलाया और हल्के से उसके शरीर पर थपथपाया। वह कितनी दुबली-पतली हो गई थी! उसकी पतली कलाई पर चार चाँ दी के कं गन ढीले-ढाले बजते दे खकर वह काँप गया। “इन्हें उतार दे न और जब तु म पू री तरह ठीक हो जाओ और थोड़ी तं दुरुस्त हो जाओ, तब फिर से पहन ले न!” उसने घबराई हुई आवाज़ में उससे विनती की। ब्राइट क्लाउड ने अचनक अपनी मु ट्ठी बं द करके हाथ को होठों तक उठाया और बड़ी मुश्किल से अपने दो नाखू न काट लिए। उसने उन्हें पाओ यू के हाथ में रख दिया। उसने उन्हें अपनी बे ल्ट की जे ब में छिपा लिया। अब उसने अपना दाहिना हाथ कं बल के नीचे डाला, रे शमी पे टीकोट उतारा जिसे वह अब भी अपने अच्छे दिनों से पहने रहती थी, और उसे पओ यू को एक और यदगार के रूप में दे दिया। फिर, दोहरी मे हनत से थककर, वह कराहते हुए वपस ले ट गई। उसके मन की बात समझकर, पाओ यू ने जल्दी से अपनी कमीज़ उतारी, उसे उसके नं गे शरीर पर डाल दिया और उसकी कमीज़ की जगह खु द पहन ली। बड़ी जल्दी में, और सारे बटन बं द किए बिना, उसने फिर से कपड़े पहन लिए। "मु झे उठाओ ताकि मैं बै ठ सकूँ ," उसने धीमी आवज़ में उससे पूछा, जब वह अभी भी कपड़े पहन रहा था। अफसोस, पाओ यू को उसके हल्के, दुबले-पतले शरीर को उठाने में कोई खास परे शनी नहीं हुई। अब उठकर बै ठते हुए, उसने बड़ी मुश्किल से पओ यू की मदद से बिस्तर के नीचे से उसकी कमीज़ निकाली और पहन ली। फिर उसने उसे धीरे से वापस तकियों पर लिटा दिया। "अब जाओ!" उसने कहा। "इस गं दे कमरे में तुम्हारा रहना बहुत बु रा है । मु झे खु शी है कि तु म एक बर फिर आ गए। अब मैं चै न से मरूँ गी।" वह कु छ और कहने ही वाली थी कि दरवाजे का

कपड़ा हट गया और लिटिल क्वे ई की पत्नी चे हरे पर अश्लील मु स्कान लिए अं दर आ गई।"हा-हा! यहाँ तो तु म लोग खू ब बतें कर रहे हो! मैं ने सब कु छ दे ख और सुन लिया है!" उसने कहा। "अब, ये ऊँ चे खानदान का नौजवान मे रे इस छोटे से घर में क्यों आया है? ज़रूर वो मु झे दे खना चाहता होगा और मे रे युवा आकर्षण पर अपनी कला आज़माना चाहता होगा, है न?" "चु प रहो! इतनी ज़ोर से नहीं, बड़ी बहन!" उसने बहुत शर्मिंदा होकर विनती की। "किसी को पता नहीं चलना चाहिए कि मैं यहाँ हूँ । मैं बस ब्राइट क्लाउड को दे खना चाहता था। उसने लं बे समय तक मे री वफ़ादारी से से वा की है ।" 425

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.10% है ।

मु स्कुराते हुए उसने उसका हाथ पकड़ा और उसे अपने बे डरूम में खींच ले गई। "तु म तो सच में लड़कियों के दीवने हो, ये तो सब जनते हैं! ठीक है, तो अगर तु म चहते हो कि मैं चु प रहूँ तो तु म्हें मु झ पर एक छोटी सी कृ पा करनी होगी।" इतना कहकर वह बिस्तर के किनारे बै ठ गई और उसे अपने करीब खींच लिया, अपनी जां घों के बीच दबा लिया। उसके सथ ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था। उसका चे हरा शर्म से लाल हो गया। "ऐसा मत करो!" वह घबराकर बोला। "छी! नाटक मत करो!" उसने गु स्से से कहा "तु म औरतों और लड़कियों के दीवने हो, है न? तो अब इतना शर्मा क्यों रहे हो?" "मु झे अकेला छोड़ दो! अगर मु झे यहाँ लाने वली बुढ़िया दे ख ले तो? अभी नहीं कर सकते ।किसी और समय का इं तज़ाम कर ले ते हैं"।"अरे, हमें कोई दे खने ग, इसकी कोई चिंता नहीं। मैं ने बुढ़िया को पहले ही भे ज दिया है । वह पर्क के गे ट के सामने तु म्हारा इं तज़ार कर रही है । अब मैं फिर से दोहराती हूँ: या तो तु म मे री बात मानो, वरना मैं हं गामा कर दूँ गी और तु म्हारी पोल खोल दूँ गी, और फिर तु म्हारी दादी को पता चल जाएगा कि तु म कितने पगल हो। मैं अभी कमरे की खिड़की के नीचे से सु न रही थी और मैं ने तुम्हें ब्राइट क्लाउड के सथ अं तरं ग होते हुए देखा। मैं कोई मूर्ख नहीं हूँ!" उसने उसकी पतलू न की कमर खोलनी शु रु की और अपनी पोशक ऊपर उठाने लगी। पाओ यू ने अपनी पू री ताकत से विरोध किया और खु द को उसके आलिंगन से छुड़ाने के लिए सं घर्ष किया। इस भयं कर सं घर्ष के बीच, बाहर से एक आवज़ आई: "क्या बहन ब्राइट क्लाउड यहाँ रहती हैं?" छोटे क्वे ई की पत्नी घबराकर उठी और अपने कै दी को छोड़ दिया। "वह यहाँ है!" वह खिड़की की ओर दौड़ते हुए चिल्लाई। आँ गन में नौकरानी लियू अपनी छोटी बे टी के साथ खड़ी थी। उसे नौकरानी सु ं ग ने ब्राइट क्लाउड का सामान और पर्ल की हज़ार सिक्कों की रस्सी लाने के लिए भे ज था। जब वह अपना काम बता रही थी और नौकरानी उसे ब्रइट क्लाउड के कमरे में ले ज रही थी, तभी बगल वाले कमरे की खिड़की से उसकी नज़र एक पु रुष पर पड़ी। क्वे ई की पत्नी के स्वभाव से भली-भांति परिचित होने के कारण उसने सोच कि उसका कोई प्रे मी अं दर होग और उसने इस बरे में और नहीं सोचा। लेकिन उसकी ते ज़ नज़र वली छोटी बच्ची ने उस धु ं धली आकृति को पाओ यू के रुप में पहचान लिया था। "क्या मिस पर्ल अभी छोटे मलिक

को नहीं ढूंढ रही थी? वह अंदर है," उसने अपनी माँ से फुसफुसाते हुए कहा, जब वे जने लगीं। महिला लियू रुकी और छोटे क्वेई की पत्नी को जिज्ञासा से देखने लगी। "बिल्कुल नहीं। छोटे मालिक को मुझसे क्या चाहिए?" उसने झूठ बोला। वह पाओ यू के साथ रुके हुए मुकाबले को फिर से शुरू करके जीत हासिल करने के लिए बेताब थी, लेकिन पाओ यू ने उसकी योजना को नाकाम कर दिया था। दो बातों ने उसे अपने छिपने की जगह से बाहर निकाल दिया: एक ओर तो यह डर कि वह देर से लौटेगा और पार्क के द्वार बंद पाएगा, और दूसरी ओर, उस कामुक महिला द्वारा फिर से हमला किए जाने का भय। 426

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.13% है।

"हाय, गॉडमदर लियू, एक मिनट रुकिए, मैं आपके पास आता हूँ!" लियू के जाने के बाद, वह अचानक दरवाजे के पर्दे के नीचे से निकलते हुए चिल्लाया। "ओह, तो ये रहे हमारे छोटे मालिक! आप यहाँ क्यों आए हैं?" लियू परिवार की महिला ने पूरी तरह से आश्चर्यचकित होकर पूछा। पाओ यू ने लंबे स्पष्टीकरण देने में समय बर्बाद नहीं किया, बल्कि चुपके से दरवाजे से बाहर निकल गया। माँ लियू और उनकी बेटी उसके पीछे दौड़ पड़ीं, जबकि छोटे क्वेई की पत्नी दरवाजे पर उदास चेहरे के साथ खड़ी रह गई, अपने खूबसूरत, गायब हो चुके सपने पर विलाप कर रही थी। हाँफते हुए और तेज़ धड़कते दिल के साथ, पाओ यू गेट बंद होने से ठीक पहले पार्क में वापस पहुँचा और पार्क की शाम की गश्ती दल की महिलाओं की नज़र में आए बिना बेगोनिया आंगन में पहुँच गया। उसने पर्ल को बताया कि वह आंटी ह्सुएह के यहाँ से आया है और सीधे बिस्तर पर चला गया। "क्या आप इतनी जल्दी सोने जा रहे हैं?" पर्ल ने पूछा। "यह मेरा निजी मामला है," उसने रूखेपन से जवाब दिया। अपनी गरिमा और पूर्वज और मैडम चेर्ी के प्रति अपने दायित्व का ध्यान रखते हुए, पर्ल पिछले कुछ वर्षों से पाओ यू के प्रति अपने व्यवहार में कुछ अधिक संयमित हो गई थी, और उससे कुछ दूरी भी बना ली थी। पाओ यू के दिल में जो स्थान पहले पर्ल का था, वह समय के साथ उसके कनिष्ठ, ब्राइट क्लाउड के कारण खो गया था। ब्राइट क्लाउड को ही उसके शयनकक्ष में सोने का सौभाग्य प्राप्त था, क्योंकि पाओ यू रात में अकेले रहने से डरता था और जब उसे नींद नहीं आती थी तो उसे अपने पास किसी ऐसे व्यक्ति की आवश्यकता होती थी जिससे वह कभी-कभी कुछ बातें कर सके। ब्राइट क्लाउड के जाने के बाद पर्ल ने एक बार फिर रात में उसके साथ रहने का यह भरोसेमंद स्थान ग्रहण कर लिया था। उस रात उसने उसे काफी देर तक बिस्तर पर बेचैनी से करवटें बदलते और गहरी-लंबी आहें भरते हुए सुना, फिर वह सो गया। फिर, आधी रात के करीब, जब वह खुद भी झपकी लेने लगी थी, उसने उसे ब्राइट क्लाउड को जोर से पुकारते हुए सुना। "क्या हुआ?" उसने पूछा। उसने चाय माँगी। "अरे, तुम हो, पर्ल," जब वह चाय लेकर आई तो उसने शर्मिंदा होकर, माफी मांगते हुए मुस्कुराते हुए कहा। "मैं भूल और आदत के चलते दूसरी लड़की को बुला लाया था।" "जब वह यहाँ नई थी, तब तुम नींद में मुझे पुकारते रहते थे, समय कैसे बदलता

है," पर्ल ने निराशा भरे लहजे में कहा। दो घंटे करवटें बदलते रहने के बाद वह फिर से सो गया। सुबह के लगभग पाँच बज रहे थे जब आंट क्लाउड सपने में उसके सामने प्रकट हुई। "मैं तुम्हें अलविदा कहने आई हूँ" उसने कहा। "अलविदा!" और फिर गायब हो गई। वह डर के मारे बिस्तर से उछल पड़ा और पर्ल को जगाया। 427

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.28% है ।

“ब्राइट क्लाउड का अभी-अभी निधन हो गया है,” उसने उदास स्वर में उसे बताया। पर्ल को उसकी बात पर विश्वास नहीं हुआ और उसने उसे समझाने की कोशिश की कि यह उसका भ्रम है, लेकिन वह अपने विश्वास पर अडिग रहा और ब्राइट क्लाउड का समाचार लेने के लिए सु बह का बेसब्री से इं तजर कर रहा था। और उसे दोपहर तक धैर्य रखना पड़ा, जब तक कि उसे कोई पक्की खबर नहीं मिली। क्योंकि उसे, उसके सौतेले भाई चिया हुआन और उसके भतीजे ची आ लैन को पूरा दिन सख्त पिता और कई सम्मानित वरिष्ठों के साथ बिताना था। गुलदाउदी के फूलों का निरीक्षण किया गया, और इस अवसर पर छोटों को एक बार फिर अपनी साहित्यिक प्रतिभा दिखानी थी। यह परीक्षा श्री चें ग को संतोषजनक लगी, और इसके बाद पाओ यू अपनी दादी और माँ को गर्व से वे पु रस्कार दिखा सका जो विभिन्न सम्मानित वरिष्ठों ने उसे दिए थे - तीन पंखे, चंदन की माला से सजी तीन प्रार्थना मालाएँ, तीन जेड की अंगूठियाँ, और छाती पर पहनने के लिए चंदन की एक छोटी सी नक्काशीदार बु द्ध प्रतिमा। बेगोनिया आंगन लौटते समय उनके साथ उनकी दो दासियाँ मस्क और ऑटम वेव और दो छोटी सहायक दासियाँ थीं। उन्होंने अपने लेखन सामग्री, टोपी और गर्मी के कारण उतारे हुए उत्सव के वस्त्रों को आगे भेजने के बहाने दोनों बड़ी दासियों को विदा कर दिया, क्योंकि वे ब्राइट क्लाउड के बारे में पू छकर उन्हें ईर्ष्या नहीं दिलाना चाहते थे । उन्होंने बहाना बनाया कि वे थोड़ी देर पार्क में टहलना चाहते हैं; फिर चट्टानों के बीच एक सु नसान जगह ढूंढकर, उन्होंने दोनों छोटी दासियों को अलग ले जाकर उनसे पू छताछ की। उन्होंने पूछा, "क्या पर्ल ने आज सु बह ब्राइट क्लाउड को संदेश भेजा था?" एक दासी ने उत्तर दिया, "हाँ, उसने बूढ़े सुंग को भेजा था।" "वह क्या खबर लेकर आई?" "ब्राइट क्लाउड पूरी रात रोती रही, फिर सु बह होते-होते उसने अपनी आँखें बंद कर लीं और बेहोश हो गई।" "वह किसे पु कार रही थी?" "अपनी माँ को।" "किसी और को?" "मु झे नहीं पता।" "अरे, तु म तो बिल्कुल नासमझ हो। लगता है तु मने ध्यान से नहीं सु ना।" "हाँ, बिल्कुल। उसने आधी ही बात सु नी," दूसरी ने उत्सु कता से कहा। वह दूसरी से कहीं ज़्यादा समझदार थी और उसके जल्दबाज़ी में पूछे जाने का कारण समझ गई। "मु झे बहुत कु छ पता है, और वो भी प्रत्यक्ष अनु भव से।" "कैसे?" "मैं आज दोपहर चु पके से उसके पास गई

थी। वो हम छोटों के सथ हमेश बहुत अच्छा व्यवहार करती थी, और मुझे दुख था कि उसके सथ इतना अन्याय हुआ। मैं दोस्ती केलिए उससे एक बर फिर मिलना चाहती थी। अगर मैं पकड़ी जाती तो मार खाने को भी तैयार थी। जब मैं अंदर गई तो उसने अपनी आँखें खोलीं और मेरा हाथ पकड़ लिया, और मुझसे पूछा.."

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.23% है।

मैं तुरंत आपके लिए आ रही हूँ, नन्हे मलिक। उसका पहला सवाल था, 'आप कहाँ थे?' मैंने कहा कि आप अपने पिता के सथ गुलदाउदी की प्रदर्शनी देखने गए थे। इस पर उसने आह भरी और बोली, 'अफ़सोस; फिर मैं उन्हें कभी नहीं देख पाऊँगी।' मैंने उससे कहा कि वह थोड़ा धैर्य रखे, क्योंकि आप उससे मिलने ज़रूर आएँगे। उसने सिर हिलाया, मुस्कुराई और जवाब दिया कि आज भेड़ के दो घंटे के लोह आधे के ठीक दो बजकर दो मिनट पर उसे ने प्रइट सम्राट के आदेश पर एक पुष्प आत्म का रिक्त पद ग्रहण करना होगा, लेकिन आप उससे थोड़ा देर से घर आएँगे, इसलिए वह आपसे दोबरा नहीं मिल पाएगी। उसने कहा कि वह उन शापितों में से नहीं बनना चाहती जिनकी आत्माओं को नरक का राजकुमर, वे न वं ग, अपने छोटे शैतानों को लाने के लिए भेजत है, और जो भोजन और कागज़ी मुद्रा के बलिदान से नरक के गड़े के दूतों को रिश्वत देकर अपने दयनीय जीवन से एक घंटे की मोहलत खरीदने की कोशिश करते हैं। नहीं, उसे अच्छे प्राणों द्वारा स्वर्ग के सम्राट के सिंहासन के समक्ष पूरे सम्मन के सथ ले जया जाएगा, और वह किसी भी कीमत पर वहाँ पहुँचने में देर नहीं करना चाहती थी। मुझे उसकी बात पर विश्वास नहीं हुआ, लेकिन कुछ देर बाद जब उसने अंतिम साँस ली, तो मैंने असल कमरे में रखी घड़ी में उसके शब्दों की पुष्टि होते देखी। घड़ी की सुई भेड़ के दोहरे घंटे के ले पहले आधे समय के ठीक दो चौथाई पर थी - ठीक वही समय जो उसने भविष्यवाणी की थी। पाओ यू ने गंभीरता से सहमति में सिर हिलाया। "यदि आप हमारे सहित्य से परिचित होते, तो आप जानते कि वास्तव में ऐस होता है। प्रत्येक फूल की अपनी आत्मा होती है, और प्रत्येक प्रकार के फूल की आत्मा के ऊपर एक और उच्चतर आत्म विराजमान होती है।" मैं बस यह जनना चाहता हूँ कि वह किस प्रजाति के फूलों से जुड़ी है और क्या वह एक साधारण आत्मा है य कोई उच्च आत्मा।" जिस लड़की से उसने यह सवाल पूछा था, उसे जवब देने में देर नहीं लगी। उसे यद आया कि अब, आठवें महीने में, कमल के फूल खिल चुके हैं "। मैंने उससे यह भी पूछा," उसने हिम्मत और साहस से झूठ बोला। "मैंने उससे कहा कि हम यह जानना चाहते हैं ताकि भविष्य में हम उसकी प्रजति के फूलों की विशेष देखभल कर सकें। तब उसने मुझे बताया कि उसे हमरे पर्क में कमल के फूलों की उच्च संरक्षक आत्म नियुक्त किया गया है।

लेकिन मैं यह बत आपके अलावा किसी और को नहीं बताना चाहती, हे स्वमी।" पाओ यू की नज़र पास के तलाब में कमल के फूलों पर पड़ी, और उसका उदास चेहरा खिल उठा। "उसे एक योग्य और सुंदर पद दिया गया है।" "इस तरह, कड़वाहट के सगर से सुरक्षित निकल जाने के बाद, जीवित रहना वास्तव में एक सुखद समय है," उसने सांत्वन भरे स्वर में कहा। मृतलड़की को उसके अर्थी पर उचित सम्मान देने की तीव्र इच्छा से प्रेरित होकर, वह अकेले ही 429 वीं गली से शोक सभा स्थल की ओर चल पड़ा।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 79.22% है ।

पार्क के पिछले द्वार से होकर जाने वाले सामान्य गु प्त रास्ते से वह अं दर गया। उसने घर को खाली और ताला लगा हुआ पाया। लिटिल क्वे ई की पत्नी, अंतिम सं स्कार के लिए थोड़ी सी चं दा पाने की उम्मीद में, ब्राइट क्लाउड की मृ त्यु के तु रं त बाद यु ंगकु ओ महल चली गई थी और उसने मै डम चें ग को इसकी सू चना दी थी। मै डम चें ग ने उसे दस औंस चांदी दी, लेकिन इस शर्त के साथ कि मृ त लड़की को शोक सभा में शवयात्रा के लिए सामान्य अवधि तक रखने के बजाय, उसे शहर की दीवारों के बाहर ले जाकर तु रं त जला दिया जाए। ब्राइट क्लाउड की मृ त्यु फे फड़ों की तपेदिक से हुई थी और मै डम चें ग को डर था कि यदि शव लं बे समय तक यु ंगकु ओ महल के आसपास रहा तो कोई हानिकारक प्रभाव महल में फै ल सकता है । इसलिए, जब पाओ यू वहाँ पहुँ चा, तब लिटिल क्वे ई और उसकी पत्नी ताबू त ले कर शहर की दीवारों की ओर जा रहे थे, इसलिए, उसे अपना उद्दे श्य पूरा किए बिना ही वापस घर लौटना पड़ा। वह गहरे अवसाद में था और ब्लै क जे ड के साथ समय बिताकर अपना ध्यान भटकाने की तीव्र इच्छा रखता था, लेकिन जब वह बैं बू हर्मिटे ज पहुँ चा तो उसे बताया गया कि ब्लै क जे ड प्रेशियस क्लै स्प के पास गई है । अब वह जं समा के आं गन की ओर चल पड़ा। उसने उसे सु नसान और वीरान पाया, और प्रेशियस क्लै स्प के कमरे खाली और बिखरे हुए थे । तभी उसे याद आया कि उसने सु ना था कि प्रेशियस क्लै स्प पार्क छोड़कर अपनी माँ के पास लौटना चाहती है । पार्क में हाल ही में हुई घटनाओं ने उस पर अप्रिय प्रभाव डाला था, और इसके अलावा, वह फिर से घर की तलाश के दर्दनाक अनु भव से बचना चाहती थी। फीनिक्स और मै डम चें ग दोनों ने उसे रोकने की व्यर्थ कोशिश की थी, लेकिन वह अपने इरादे पर अडिग रही और अपनी माँ की अस्वस्थता का बहाना बनाकर उसने अपना इरादा पू रा कर लिया था। पाओ यू पर घोर निराशा और उदासी छा गई। उसने दे खा कि उसके करीबी साथियों की सं ख्या धीरे-धीरे कम होती जा रही है । अगर फ्लै या ब्लै क जे ड की मृ त्यु हो गई तो क्या होगा? भारी मन से वह बं स के आश्रम की ओर लौट गया, लेकिन ब्लै क जे ड अभी भी वहाँ नहीं थी। वह इतना उदास था कि अपने पिता और बड़ों के पास वापस बुलाए जाने पर उसे लगभग खु शी ही हुई। गुलदाउदी के प्रदर्शन के कारण दोपहर के भोजन के अं तराल में बाधित हुई काव्य रचना की बै ठक अब फिर से शु रू होने

वाली थी। जब वह पीली शाम के धुंधलके में पार्क में लौटा और खिले हुए कमल के फूलों से भरे तालाब के पास से गुजरा, तो उसके विचार एक बार फिर मृत लड़की, ब्राइट क्लाउड की ओर मुड़ गए। वह तालाब के किनारे रुक गया, कमल के फूलों को देखता हुआ आह भरी। उसे उसके शव पर बलिदान अर्पित करने और शोकगीत गाने का अवसर नहीं मिला था, जैसा कि उचित होता। क्या उसे कमल के फूलों के बीच अपनी इस कमी को पूरा नहीं करना चाहिए? यह विचार उसके मन में आया। और चूंकि उसकी प्रेरणा पहले ही 430 की साहित्यिक गतिविधियों से जागृत हो चुकी थी

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.56% है ।

उस दिन, उसने अपने पीछे चल रही छोटी नौकरानी से, जो "ले खन मे ज की चार अनमोल वस्तु एँ" लिए हुए थी, अपना कलम और स्याही का पत्थर दे ने को कहा और उसी क्षण उसने एक लं बा भजन रचा, जिसका नाम उसने "जल-लिली कन्या का अंतिम सं स्कार भजन" रखा, और उसे उस महीन, लहराते, धारीदार रे शम के टुकड़े पर लिख लिया जिसे ब्राइट क्लाउड बहुत पसं द करती था। इस बीच, छोटी नौकरानी को ब्राइट क्लाउड के चार पसं दीदा व्यं जन से भरे खाने के कटोरे लाने पड़े और उन्हें मृ त आत्मा को अर्पित करने के लिए तालाब के किनारे एक के ऊपर एक रखना पड़ा। पाओ यू रोते हुए अपना भजन जोर से पढ़ा, फिर अगरबत्ती जलाई, और भजन लिखे रे शम के पन्ने को पत्तियों के बीच रख दिया।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.46% है ।

एक के बद एक इतनी ते जी से घटनाएँ घटीं। और तो और, उसे यह भी पत चला कि वसं त की पीड़ा को भी अब ले जया जाएगा और उसकी भी शादी कर ली जाएगी। बे हद व्यकुल होकर वह उदास विचारों में डूबा हुआ पार्क में इधर-उधर भटकने लगा। बार-बार वह खु द को सु नसान जं गल के आं गन और वीरान दमिश्क कियोस्क की ओर खिंचा चला जाता, जहाँ पहले लड़कियों की मधु र आवाज़ें गूँ जती थीं, और अब के वल सन्नाटा छाया रहता था। गिरते पतझड़ के पत्ते उसके उदास मन से मेल खा रहे थे और उसे सांसारिक सु खों की क्षणभं गु रता का एहसास दिला रहे थे । स्त्री-जु काम के शरीरिक कष्ट ने उसके मानसिक अवसाद को और भी गहरा कर दिया। वह बीमार पड़ गया और डॉक्टर के आदे श पर उसे सौ दिनों तक अपने कमरे में रहना पड़ा। दरअसल, ये चिकित्सीय निर्देश मु ख्य रूप से शैक्षिक कारणों पर आधारित थे । इस बर उसे नव वर्ष तक के तीन शीत ऋतु के महीने शांति से घर पर बिताने थे । लेकिन अब भी, पहले की तरह, पाओ यू ने अपनी किताबों से परहे ज किया और जितना हो सके, अपनी नौकरानियों के सथ बातचीत और हं सी-मजाक में समय बिताना पसं द किया। पचास दिनों के अं त में वह फिर से जीवन के आनं द से भर उठा था, और अपने पूरे दिल से बहर जाने के लिए व्याकुल था; लेकिन उसकी माँ और ददी दृढ़ थीं; उसे अपने चचे रे भाई ह्सु एह पन की शादी की दावत में भी शमिल होने की अनु मति नहीं थी। पागल लु टे रे ह्सि ट ने बहुत खोजबीन और चु नव के बद आखिरकार शादी करने का फै सला कर लिया था। उसे विश्वास था कि उसे अपनी एक पुरानी सहेली में बिल्कुल सही दुल्हन मिल गई है । वह एक घमं डी बिगड़ी हुई खू बसू रत महिला थी, जिससे वह अपनी हालिया व्यापारिक यात्रा के दौरान फिर से मिला था। वह चां ग के ह्सिया की इकलौती बे टी और वरिस थी, जो दालचीनी का बागान मालिक और शाही महल का ठे के दार था। सौ दिनों के कारावास के बद, पाओ यू को सबसे पहले, अपनी दादी की इच्छा पर, पश्चिमी शहर के द्वार के बहर स्थित स्वर्गीय सद्भाव मंदिर जाना था, ताकि वह अपने स्वस्थ होने के लिए ने प्राइट सम्राट को धन्यवाद दे सके । इतने लं बे कारावास के बद, खुले मै दान में इस सै र से बढ़कर वह और क्या चाह सकता था? पिछली रात वह इतनी खु शी से सोया हुआ था। सु बह-सु बह वह अपने दोनों जी से वकों मिंग ये न और ली क्वे ई और तीन महिला सेविकाओं

के सथ एक रथ में शहर सेनिकल पड़े। पओ यु ने मंदिर की अपनी यात्रा के औपचरिक भाग को कुछ प्रणम और किसी प्रकार की बलि चढ़ाकर यथाशीघ्र पूरा किया। वह हमेश इस भव्य और गंभीर आकृति के निकट कुछ संकोच और असहजता महसूस करते थे। देवताओं के हॉल के घुटन भरे अर्ध-अंधेरे से निकलकर उजाले में आने की प्रसन्नता से वह अपने दल के सथ मंदिर परिसर के विस्तृत भ्रमण पर निकल पड़े, नाश्ता किया और फिर, जल्दी उठने और लंबी यत्रा से थककर, अतिथि कक्ष में आराम करने के लिए लेट गए। कहीं उन्हें नींद न आ जाए और वे वपसी का समय न चूक जाएं।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 79.12% है ।

यात्रा के दौरान, उनके से वकों ने प्रधान पु जारी से थोड़ी बातचीत करके उन्हें जगाए रखने का अनु रोध किया। प्रधान पु जारी वां ग चमत्कारिक चिकित्सक के पे शे को एक शौक के रूप में अपनाते थे और अपने प्रसिद्ध ले पों, मलहमों और बीमारियों के इलाज के लिए प्रार्थनाओं के सू त्रों का पू रे मोहल्ले में अच्छा-खासा व्यापार करते थे, जिसके कारण उन्हें "जल्दी ले प लगाने वाले पु जारी" का उपनाम मिला था। इसके अलावा, वे एक विनोदी और हास्यप्रिय व्यक्ति के रूप में भी जाने जाते थे और उनके विनोदी चु टकुलों से उनके अतिथि की दोपहर की थकान तु रं त दू र हो जाती थी। बातचीत के दौरान पाओ यू ने कहा, "मैं ने हमे शा आपके प्रसिद्ध मलहमों और दवाओं की बहुत प्रशं सा सु नी है । तो फिर, आपके नु स्खे किन बीमारियों में कारगर हैं?" "अरे, ये सब कु छ बस कु छ शब्दों में नहीं समझाया जा सकता। मे रे पास सौ से भी ज़्यादा औषधियाँ हैं, ऊँ च-नीच, बू ढ़े-जवान, शारीरिक और आध्यात्मिक, बाहरी और आं तरिक बीमारियों के लिए; सीने में दर्द, पे ट की तकलीफ़, बदहज़मी, बु खार, सर्दी, खू न में ज़हर, पे ट दर्द और हर तरह की बीमारी के लिए। मे री औषधियाँ मृ त्यु को दू र भगाती हैं, बू ढ़ों को नई ऊर्जा दे ती हैं और चमत्कार करती हैं ।" "अरे, अरे, आप तो बहुत बढ़ा-चढ़ाकर बोल रहे हैं। मैं तो एक ऐसी बीमारी जानता हूँ जिसमें आपकी कु शलता शायद ही कामयाब हो पाएगी।" "अगर मे री औषधियाँ एक भी मामले में नाकाम रहीं, तो आप मे रे कान खींच सकते हैं, मे री दाढ़ी नोच सकते हैं और मे रा सिर फोड़ सकते हैं । मु झे बताइए, बीमारी क्या है!" पाओ यू ने प्लास्टर पु जारी को पास आने का इशारा किया। "एक अं दाज़ा लगाइए!" उसने उसके कान में फु सफु साया। "अरे, मैं समझ गया," पु जारी ने शरारती मु स्कान के साथ कहा। "छोटे मालिक को शायद भीतरी कक्षों में लगाने के लिए कोई औषधि चाहिए, है न?" "क्या आप मुँ ह पर कु छ घूँ ट रखना चाहते हैं?" मिंग ये न ने बू ढ़े ां ग के मुं ह पर हाथ रखते हुए पू छा। "उसका क्या मतलब है?" पाओ यू ने भोले पन से पू छा। "अरे, उसकी बकवास को गं भीरता से मत लो!" "क्या आप कु छ ऐसा जानते हैं जिससे जवान लड़कियों की ईर्ष्या दूर हो जाए?" पाओ यू ने पु जारी की ओर मु ड़कर फिर पू छा। पु जारी-चिकित्सक ने आश्चर्य से ताली बजाई। "लोग कै से-कै से विचार रखते हैं! यह इस तरह का पहला मामला है जो मैं ने अपने अभ्यास में दे खा है ।फिर भी, मु झे एक

उपाय पता है, हालांकि यह बहुत जल्दी असर नहीं करता। आपको थोड़ा धैर्य रखना होगा।"
"बताओ! बोलो! उपाय क्या है?" पाओ यू ने उत्सुकता से पूछा। पुजारी-चिकित्सक ने गंभीर और पेशेवर लहजा अपनाया। "एक कप पानी में एक औंस मिश्री घोलें, उसमें आध औंस सूखे संतरे का छिलका मिलाएं, एक अच्छा पका हुआ, छिला हुआ नाशपाती डालें, और 433

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.31% है।

चीनी की चाशनी इसमें अच्छी तरह से भीग जाती है। इस मिश्रण को हर सुबह नाश्ते में लेना चाहिए, जब तक कि बीमारी ठीक न हो जाए।” “बस इतना ही? मुझे तो यह बहुत कारगर नहीं लगता,” पाओ यू ने निराश होकर कहा। “लेकिन इलाज में धैर्य रखना होगा, चाहे इसमें सालों लग जाएं! अंत में इसका असर जरूर होगा, चाहे वह रोगी की मृत्यु ही क्यों न हो।” लेकिन इन सब बातों के अलावा, यह एक स्वादिष्ट, पौष्टिक भोजन है, फेफड़ों के लिए अच्छा और पाचन के लिए बेहद फायदेमंद है”। पाओ यू को ज़ोर से हंसी आ गई। अब जाकर उसे समझ आया कि वह बूढ़ा बदमाश मज़ाक कर रहा था और उसे यह समझाना चाहता था कि दुनिया का कोई भी मीठा इलाज किसी ईर्ष्यालु औरत के गुस्से पर कोई असर नहीं कर सकता। लौटने पर पाओ यू ने अपनी हाल ही में शादीशुदा चचेरी बहन, 'ग्रीटिंग ऑफ स्प्रिंग', को अपनी माँ से मिलने आते देखा। उसने शिकायत की कि उसकी शादीशुदा ज़िंदगी खुशहाल नहीं है और शाम होने पर जब उसे उसके पति के घर वापस ले जाया जाना था, तो वह वहाँ से जाना नहीं चाहती थी। उसने आँसुओं के साथ आंटी चेंग से विनती की कि उसे कुछ दिनों के लिए मेहमान के रूप में अपने घर में रखें, क्योंकि उसका पति एक असहनीय अय्याश, शराबी और झगड़ालू था। उसने शिकायत की, “जब मैंने उसके बेवफ़ा और लापरवाह व्यवहार के लिए उसे खरी-खोटी सुनाने की हिम्मत की, तो उसने मुझ पर चिल्लाते हुए कहा, 'मुझे सिरके में भिगो दिया गया होगा।' मुझे कानूनी तौर पर उसे पाँच हज़ार औंस में बेचा गया है, इसलिए मुझे उसकी बात माननी चाहिए और कुछ नहीं कहना चाहिए।” अगर वो मुझे पीटकर नौकरों के कमरे में बंद भी कर दे, तब भी मैं एक शब्द भी नहीं बोलूंगी। ओह, वो तो एक दरिंदा है!” दया से द्रवित होकर, वहाँ मौजूद सभी चचेरी बहन और मैडम चेंग फूट-फूटकर रोने लगे और उस अभागी लड़की को सांत्वना देने में एक-दूसरे से होड़ करने लगे। “तुम्हारे चाचा चेंग शुरू से ही इस दुर्भाग्यपूर्ण विवाह के खिलाफ थे,” मैडम चेंग ने विलाप करते हुए कहा, “लेकिन दुर्भाग्य से तुम्हारे पिता ने उनकी नेक नीयत से की गई आपत्तियों को अनसुना कर दिया। लेकिन अब क्या किया जा सकता है? तुम्हें बस अपने भाग्य को स्वीकार करना होगा, मेरी बच्ची।”

“मुझे अभी तक समझ नहीं आ रहा है कि मुझे तुम सबको इतनी जल्दी अचानक छोड़कर क्यों जाना पड़ा

और उन प्यारी जगहों से क्यों अलग होना पड़ा जहाँ मैंने इतने खुशहाल और आनंदमय वर्ष बिताए थे। तब से मैं सुन्न और स्थिर महसूस कर रही हूँ जैसे मेरे सिर पर चोट लगी हो। आह, काश मैं अपने प्यारे पुराने घर में पार्क में एक बार फिर तीन दिन बिता पाती, मैं खुशी-खुशी मर जाती," वसंत ऋतु की ग्रीटिंग विलाप करते हुए बोली। "तुम मरने की बात कैसे कर सकती हो? नवविवाहित जोड़ों के बीच छोटी-मोटी गलतफहमियाँ तो आम बात हैं।" "ठीक है, तुम्हारी यही इच्छा है, तुम तीनदिन हमारे साथ रहो और अपने प्यारे पार्क में फिर से रहो," दयालु आंटी चेंग ने कहा। और उन्होंने स्प्रिंग ग्रीटिंग के पूर्व घर, दमिश्क कियोस्क को तुरंत आस से ठीक करने का निर्देश दिया। "लेकिन ध्यान रखना कि इस बारे में बूढ़ी दाई ताई के सामने किसी को कुछ मत बताना!"

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.88% है ।

उसे इसके बारे में कु छ भी पता नहीं होना चाहिए!” उसने पाओ यू से आग्रह किया। और इस तरह वसं त की दे वी उस शाम पार्क में अपने पुराने परिचित घर लौट आई, और पाओ यू, उसकी अन्य चचे री बहनें और सेवा करने वाली नौकरानियाँ तीन पूरे दिन तक उसके साथ रहीं और उसे बीते अच्छे दिनों की याद दिलाने में एक-दूसरे से होड़ करती रहीं। लेकिन तीन दिन बहुत जल्दी बीत गए, और फिर वसं त की दे वी को भारी मन से विदा ले नी पड़ी और अपने अवांछित पति के पास लौटना पड़ा। आँ सु ओं से भरी विदाई ने कोमल हृदय वाले पाओ यू को मै डम चें ग से भी अधिक प्रभावित किया। “मैं पू री रात उसके बारे में सोचकर सो नहीं पाया,” उसने अगली सु बह अपनी माँ से कहा। “मु झे उस पर दया आती है, वह इतनी दयालु और मिलनसार है । उसे ऐसा बु रा, कठोर पति क्यों मिला?” “यह उसका दुर्भाग्य है!” "हममें से कोई इसके बारे में क्या कर सकता है?" मै डम चें ग ने कहा। "एक बार बे टी की शादी घर के बाहर हो जाए तो वह अपने रिश्ते दारों से बिछड़ जाती है, जै से पानी की बाल्टी फें क दी जाती है, बस यही बात है ।" "क्या हमें बू ढ़ी लेडी ताई को वसं त की शु भकामना को हमे शा के लिए घर ले जाने के लिए मनाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए? वह दमिश्क कियोस्क में रह सकती है और पहले की तरह हमारे साथ खु शी से जीवन बिता सकती है । और हम उसे तब भी नहीं छोड़ें गे, चाहे वह भयानक सन उसे सौ बार भी बुला ले ।" "तु म्हारी इस सरलता में तु म बस बकवास कर रहे हो," मै डम चें ग ने उसे टोकते हुए कहा, आधा हं सते हुए और आधा चिढ़ते हुए। "बड़ी बेटियों को शादी करके घर छोड़ना ही पड़ता है; आखिरकार, यही उनका भाग्य है । पति के साथ उनका कै सा रिश्ता रहे गा, यह तो किस्मत की बात है; शादी हो जाने के बाद परिवार कु छ नहीं कर सकता। सभी को तु म्हारी बड़ी बहन, वसं त की शु रुआत, जै सी किस्मत नहीं मिल सकती; किसी को अच्छा साथी मिलता है, तो किसी को घटिया। उन्हें अपने भाग्य को स्वीकार करना होगा और जो भी हो, उसी में जीना होगा। जै से-जै से साल बीतते हैं, वे एक-दूसरे के आदी हो जाते हैं, उनके अलग-अलग स्वभाव और मिजाज में सामं जस्य आ जाता है, और एक बार बच्चा पै दा हो जाए, तो अं त में सब ठीक हो जाता है । इसलिए अपना यह बे वकू फी भरा विचार छोड़ दो, और इस बारे में बू ढ़ी लेडी ताई से एक शब्द भी कहने की हिम्मत मत करना!" पू री तरह से

परे शन होकर, पाओ यू वपस पार्क में चला गया। उसने ब्लै क जे ड सेलमुकात की, जो उस समय सु बह की तै यारियों में व्यस्त थी, और उसे अपन दुख बताया। "मे रेलिए मौत ही सबसे अच्छी चीज होगी, और जितनी जल्दी हो उतना अच्छा। मैं ने जीवन कासारा आनं द खोदिया है," उसने उदास स्वर में कहा। "तु म्हारा दिमाग कु छ उलझन में लग रहा है!" उसने डरते हुए कहा। "बिल्कुल नहीं; मैं बिल्कुल ठीक महसू स कर रहा हूँ ।लेकिन क्या तु म्हें भी वसं त ऋतु केप्यारेसे अभिवादन के दुखद भाग्य के बरे में सोचकर दुख नहीं होता? वे कितने प्यारे और खु शहाल दिन थे जब हमने अपना बे गोनिया क्लब बनाया था! हम कितने खु शमिजाज, हं समु ख और हल्के-फुल्के थे जब हम बै ठकें और बातें करते थे, और 435

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.12% है ।

कविता प्रतियोगिताएँ! वो सब अब खत्म हो गया है, सब कु छ बिखर रहा है । प्रेशियस क्लै स्प चली गई, लोटस को अब यहाँ आने की इजाज़त नहीं है, स्प्रिंग ग्रीटिंग की शादी ने उसे हमसे छीन लिया है । अभगी लड़कियों को जवान होते ही किसी भी अजनबी आदमी को क्यों सौंप दिया जाता है, और उन्हें अपनी जवनी की खु शहाल आज़ादी को शादी की दुख भरी गुलामी से क्यों बदलना पड़ता है? मु झे यह बिल्कुल समझ नहीं आता। मैं पूर्वज से विनती करना चाहती थी कि स्प्रिंग ग्रीटिंग को वापस लाया जाए और उसे फिर से हमरे सथ रहने दिया जाए, लेकिन मे री माँ ने मु झे ऐसा करने से रोक दिया। उन्होंने कहा कि अगर मैं ने ऐसा किया तो मैं पगल हो जाऊँ गी। मु झे इस बात की आदत नहीं पड़ रही कि यहाँ सब कु छ अब पहले जै सा नहीं रहा। कु छ सलों में क्य होगा?” जब वह बोल रहा था, ब्लै क जे ड ने अपना सिर और नीचे झुका लिया। उसकी प्रतिक्रिया में बस एक आह ही थी। अब वह बिस्तर के किनारे पर फिसल गई और चु पचप अपना चे हरा तकियों में छिपा लिया। उसकी सहानु भूतिपूर्ण आत्मा उसकी निराशा से पू री तरह प्रभावित हो गई थी। थोड़ी दे र बद, जब नौकरानी कु कू चाय ले कर आई, तो वह उठ बै ठी और उसकी पलकें आं सु ओं से लाल थीं। जब पाओ यू उसे शांत करने और यह समझाने की कोशिश कर रहा था कि उसने जो कहा वह अतिशयोक्ति थी, तभी पर्ल प्रकट हुई और उसे पूर्वज के पस बुलाया। गहरे अवसद और उदासी में डूबे पओ यू ने उस दोपहर पार्क में अकेले टहलना शु रू किया। एक बार फिर वह सु नसन जं गल के आं गन और क्लासिक कियोस्क की ओर खिंचा चला गया। कु छ दे र बं द खिड़कियों और निर्जीव द्वारों को निहारने के बाद, वह झील के किनारे स्थित कमल-जड़ कियोस्क की ओर चल पड़ा। दूर से उसने चार यु व बच्चों के सिर दे खे । झील के किनारे बनी दीवर पर लड़कियाँ झुँ क रही थीं। लड़कियाँ पनी की सतह को ध्यान से निहार रही थीं। पाओ यू के मन में उन्हें चौंकाने की इच्छा हुई, इसलिए वह चु पके से चट्टानों की आड़ में उनके पीछे चला गया। "क्या तु म्हें लगता है कि वह आएगा?" उसने उनमें से एक को कहते सु ना। "चु प रहो, दे खो, वह वहाँ नीचे चला गया है! मु झे लगा कि वह तु म्हारे पस नहीं आना चाहता," उसने दूसरी को कहते सु ना, ऐसा लग रहा था जै से यह 'वसं त का स्वाद' की आवाज़ हो। "चु प रहो, वह फिर से आ रहा है," तीसरी चिल्लाई।

"देखो, वह आ गया!" चौथी, 'बादलों की माला' की चचेरी बहन, खुशी से चिल्लाई। पाओ यू खुद को रोक नहीं पाया और उसने एक पत्थर उठाकर चारों लड़कियों से कुछ ही दूरी पर पानी में फेंक दिया। "यह किसने किया? कितनी गुस्ताखी!" छी, हमें इस तरह डराना कितना असभ्य है!" वे सब मिलकर उत्साह से बड़बड़ाने लगीं। पाओ यू अपनी चट्टान के पीछे से हंसते हुए निकला और लड़कियों के समूह में शामिल हो गया। वे थीं 'वसंत का स्वाद', 'बादलों का पुष्पांजलि' और विधवा चू की दो चचेरी बहनें 436

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.01% है ।

“दे खो तो ज़रा! यहाँ मजे कर रहे हो और मु झे इससे दूर रखा है!” वह चिल्लाया। “मु झे लगा जै से तु मने ही किया है, बदमाश! तु मने हमारी खू बसू रत मछली को डरा कर भगा दिया। बहुत बु रा हुआ, वह बस काटने ही वली थी,” टे स्ट ऑफ़स्प्रिंग ने मु ँ ह फु लाते हुए कहा। “तु म्हें सज़ा तो दे नी ही थी। जब तु म यहाँ मजे कर रहे थे, तो मु झे क्यों नहीं बु लाया?” पाओ यू हं सते हुए बोला। “अब चलो हम पां चों मछली पकड़ना जारी रखें, और मछली पकड़ने के साथ-साथ भाग्य पर सवाल उठाने का खेल भी खेलें!” उसने सु झाव दिया। “जो भी मछली पकड़े गा, उसे इसी सल कु छ न कु छ प्रिय मिले गा। जिसे कु छ नहीं मिले गा, उसे कोई अप्रिय अनु भव होगा। और अब काम शु रू! टे स्ट ऑफ़स्प्रिंग शु रू करे!” “ठीक है ।लेकिन अगर तु मने मे री मछली को फिर से डरा कर भगा दिया तो भगवान ही तु म्हारा भला करे! इससे खेल खराब हो जाएगा।” टे स्ट ऑफ़स्प्रिंग ने सबसे पहले अपनी मछली पकड़ने वाली लाइन पानी में डाली, और दस वाक्य बोलने में जितना समय लगता है, उतनी ही दे र में एक बड़ी सु नहरी मछली ने लाइन को काट लिया और उसके फ्लोटर को पानी के नीचे खींच रही थी। एक कु शल झटके से उसने अपने छटपटाते हुए कै दी को सू खी ज़मीन पर उठाया और इं तज़ार कर रही नौकरानी से उसे ताज़े पनी से भरी चीनीमिट्टी की बाल्टी में डालने को कहा, जो पहले से तैयार रखी थी। बाकी तीन लड़कियाँ भी मछली पकड़ने में कामयाब रहीं। पाओ यू की बरी सबसे आखिर में आई। उसने बड़े वीसे कहा, "मैं भी बू ढ़े चियां ग त्ज़ु या की तरह ही करूँ गा।" और वह पत्थर की रेलिंग के ऊपर से कू दकर पानी के किनारे पर बै ठ गया। किंवदं ती है कि बू ढ़े चियां ग, जो चौ राजवं श के सम्राट वे न वं ग के प्रसिद्ध बुद्धिमान सलाहकार थे, जानवरों और आत्माओं को भी वश में कर सकते थे, और जब वे एक सधारण लोहे के डं डे से मछलियों पर तीर चलाते थे, तो मछलियाँ अपने आप इच्छुक बनकर आगे आ जती थीं। अब, पाओ यू ने अपनी अलौकिक क्षमताओं को बहुत ज़्यादा आँ का था। उसकी परछाई से मछलियाँ डरकर भग गईं, कोई भी मछली चारा नहीं ले न चाहती थी, और एक बार जब एक उठते हुए बु लबुले ने मछली के पस होने का सं के त दिया, तो उसने अपनी मछली पकड़ने वली छड़ी को उस जगह की ओर इतनी ते ज़ी से घु मया कि मछली जितनी जल्दी हो सके भग गई। "प्यारी मछली, जल्दी करो! मु झे इं तज़ार

करना पसं द नहीं है । आओ,आओ और मु झे खु श करो।"उसने इतनी बे ताबी से विनती की कि चारों लड़कियाँ हँ स पड़ीं। आखिरकार किसी चीज़ ने काँ टे को खींचा। अपनी खु शी में चू र होकर,पाओ यू ने मछली पकड़ने वली छड़ी को इतनी जल्दी और बे ढं गे तरीके से खींचा कि उसका ऊपरी हिस्सा एक चट्टान से बु री तरह अटक गया और छड़ी बीच से टू ट गई, और रस्सी और काँ टे वाला ऊपरी हिस्सा पानी में गिर गया और बह गया। दे खने वालों में ठहाकों की गड़गड़ाहट गूं ज उठी।"क्या किसी ने कभी ऐसी बे ढं गी हरकत दे खी है?"स्प्रिंग का स्वाद फू ट पड़ा। वह और कु छ कहने ही वाली थी कि तभी दुपट्टा बां धने वाली दासी मस्क दौड़ती हुई आई और पाओ यू को पर्ल्स के पस बुलाने लगी। वह अभी दोपहर की नींद से उठी थी और उससे किसी बहुत महत्वपूर्ण मामले के बारे में पू छन चाहती थी।

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.22% है ।

मस्क ने बतया कि उसने फीनिक्स को भी बुलवाया था। उसे इससे ज़्यादा जानकारी नहीं थी। पाओ यू बुरी तरह घबरा गया। उसने अनजने में कहा, "शायद वे संक्रमण के कथित खतरे के कारण एक और नौकरानी को ले जना चाहते हैं।" लेकिन जब उसने देखा कि पूर्वज शांति से उसकी माँ के साथ डोमिनोज़ खेल रही है, तो उसे तुरंत तसल्ली मिल गई। पूर्वज ने पूछा, "कुछ साल पहले तुम पर बुरी आत्मा का साया था, जिससे अंततः उन दो अजीब लोगों, खुजली वाले सिर वाले भिक्षु और लंगड़े ताओवादी पुजरी ने तुम्हारा इलाज किया था। क्या तुम्हें उस समय की अपनी हालत याद है?" पाओ यू ने कुछ देर सोचा। "मुझे ऐसा लगा जैसे अचानक मेरे सिर के पिछले हिस्से पर किसी ने लाठी से ज़ोरदार चोट मारी हो। दर्द इतना तेज़ थ कि मेरी आँखों के सामने सब कुछ काला-सा हो गया। फिर मुझे लगा जैसे कमरे में चारों ओर भयानक नीले-काले चेहरों वले शैतान अपने दाँत दिखाते हुए घूम रहे हों। वे चाकू और लाठियाँ लहरा रहे थे और उन्होंने मुझे पैरों से लात मारी जिससे मैं बिस्तर से गिर गया। मुझे ऐसा लगा जैसे मेरा दिमाग लोहे की पट्टी में जकड़ा हुआ हो। उसके बद मुझे कोई दर्द महसूस नहीं हुआ। जहाँ तक मेरे होश में आने की बात है, मुझे याद है कि अचानक मेरे कमरे में सुनहरी रोशनी की एक चमक दिखाई दी और उसकी चकाचौंध भरी रोशनी से डरकर वे काले शैतान तितर-बितर हो गए। उस पल से मैं फिर से ठीक महसूस करने लगा और मेरा दिमाग एकदम साफ़ हो गया।" "बिल्कुल वैसे ही लक्षण जैसे उस मामले में थे जिसके बरे में हम अभी बात कर रहे थे," पूर्वज ने मैडम चेंग की ओर मुड़ते हुए कहा। इसी बीच फीनिक्स अंदर आ गई। "बुज़ुर्ग पूर्वज ने मुझे क्यों बुलवाया है । वह क्य जानना चाहती हैं?" उसने पूछा। “क्या आपको कुछ सल पहले की अपनी वह हालत याद है जब आप पर अचनक भूत-प्रेत का साया छा गया था?” पूर्वज ने एक बर फिर पूछा। “ठीक से तो यद नहीं। लेकिन मुझे थोड़ा-बहुत याद है कि मैंने अपना आपा खो दिया था। ऐसा लग रहा था जैसे शैतान मुझे घसीट रहे हों और जकड़ रहे हों। मुझे जो भी पहला घातक हथियार हाथ लगे उसे उठाकर अपने पस आने वाले पहले प्रणी को मार डालने की तीव्र इच्छा हुई। उस समय मुझ पर छाई हुई थकावट के बावजूद, मुझे हथियार लहराते हुए आगे बढ़ते रहना पड़ा।” “और बाद में जब आप ठीक हो गए तो

कै स लगा?” “मु झेलगा जै से हममें कोई आवज़ सु नई दी हो। लेकिन उसने क्य कहा, यह मु झे अब याद नहीं।” “आपका बयान पाओ यू के बयान से मेल खाता है और हाल के ममले मेंकिए गए अवलोकनों की पुष्टि करता है,” पूर्वज ने टिप्पणी की। इसमें कोई शक नहीं हैकि उस शापित राक्षसी, बू ढ़ी म ने उस समय तु म और पाओ यू पर जदू कर दिया था। और हम इतने भोले थेकि हमने उस चु ड़ैल को पाओ यू की धर्ममाता और दत्तक माँ चु न लिया! उन दोनों की मदद के बिना...

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.28% है ।

अजीब भिक्षु, तु म दोनों खो गए होते । और हम अभी तक तुम्हें रक्षकों का शुक्रिया अदा भी नहीं कर पाए हैं!" "अभी-अभी तु म उस पुरानी कहानी पर क्यों लौट रही हो?" फीनिक्स जानना चाहता था। "तु म्हारी चाची तु म्हें बता सकती हैं । मैं बातों में बहुत आलसी हूँ ।" " जै सा कि मे रे मित्र ने अभी-अभी हमें बतया है, बू ढ़ी माँ को हाल ही में जदू-टोने के आरोप में गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया गया है । वह एक बहुत ही खतरनाक चु ड़ैल है और उसे फांसी की सज सु नाई गई है," मै डम चें ग ने बताया। "कु छदिन पहले सं योग से उसकी आपराधिक गतिविधियों का खुलासा हुआ। फै न नम का एक गृ हस्थ अपन घर अपने समने रहने वाले एक सहूकार को बे चन चाहता था। साहूकार ने उसे सं पत्ति के मू ल्य से दुगुना दाम दे ने की पे शकश की, लेकिन वह और अधिक की मां ग करत रहा। इसके बद साहूकार ने बतचीत बं द कर दी। सौदा विफल होने से क्रोधित होकर, फै न ने अपने प्रतिद्वं द्वी का पीछा करने के लिए बू ढ़ी माँ को काम पर रखा। बू ढ़ी माँ बिना किसी का ध्यान आकर्षित किए यह काम कर सकती थी, क्योंकि वह अक्सर साहूकार के घर के महिला कक्ष में आती-जाती रहती थी और वहाँ पहले से ही जानी-मानी थी। उसने वहाँ अपन जादू चलाया और साहूकार की पत्नियों पर एक बु रा जादू कर दिया, जिससे वे प्रे तबाधित हो गईं। फिर वह दोबारा आई और प्रे तबधित महिलाओं को ठीक करने की पे शकश की। मं त्रों और हुई कागज़ की झालर जलाने की सहायता से, उसने वस्तव में बीमरों से बु री आत्माओं को भगा दिया। इन से वओं के बदले उसने लगभग दस औंस शुल्क मां ग। लेकिन बू ढ़े बु द्धा, जो सब कु छ दे ख सकते हैं, ने इस बर उसके बु रे कामों का पर्दाफाश कर दिया। "जल्दी में भगते समय वह एक बर अपना पर्स पीछे छोड़ गई। जँ च करने पर उसमें मानव आकृतियों की कागज़ की कई आकृतियाँ और चर बहुत ते ज़ गं ध वाली गोलियाँ मिलीं। इससे सं दे ह पै दा हुआ, और जब बुढ़िया अपना पर्स ले ने वापस आई तो उन्होंने उसे पकड़ लिया और उसकी तलाशी ली। उसके कपड़ों के नीचे एक डिब्बा मिला जिसमें हाथीदां त से बनी दो मानव राक्षसों की आकृतियाँ थीं, एक पु रुष और एक स्त्री, और सात सिंदूरी कढ़ाई की सु इयाँ थीं। इसके बाद बुढ़िया को पुलिस के पस ले जया गया। पू छतछ में पत चला कि वह धनी और सम्मानित नागरिकों की पत्नियों और बेटियों के कई गु प्त प्रे म प्रसं गों

में शमिल थी, और अपने निजी ज्ञान का भरपूर लाभ कमा रही थी। उसके घर की तलाशी में मिट्टी और सांचे से बनी शैतानों की कई आकृतियाँ और प्रेतबाधित लोगों के लिए जादुई पाउडर के कुछ डिब्बे मिले। इसके अलावा, उसके बिस्तर के पीछे, एक छिपी हुई कोठरी में, सात छोटी-छोटी लपटों वाला एक तेल का दीपक जलता हुआ मिला। दीपक के नीचे मानव रूप की कठपुतलियों का ढेर था।" कुछ के सिर पर लोहे के पट्टे बंधे थे, कुछ की छाती में कीलें गड़ी थीं, और कुछ के पैरों में लोहे की जंजीरें थीं। एक अलमारी में पुरुषों और महिलाओं की गत्ते की कई आकृतियाँ मिलीं, साथ ही खातों के बंडल भी मिले जिनमें उन लोगों के बारे में सटीक जानकारी थी जिनके लिए

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 48.96% है ।

उस बुढ़िया ने जदू किया था और उनसे फीस वसूल की थी। वहाँ दूसरे लोगों की ओर से इस्ते माल किए गए तेल और जलाई गई अगरबत्ती के कई वउचर भी मिले थे।"अब मु झे समझ आया," फीनिक्स ने हंसी से कहा। "ठीक होने के कु छ ही समयबाद मु झे शक हो गया था, जब मैं ने उस बुढ़िया को अक्सर दूसरी पत्नी चाओ के अपर्टमें ट में आते-जाते दे खा था। मु झे बताया गया था कि वह चु ड़ैल चाओ से अपना कर्ज वसूलने की कोशिश कर रही थी।" एक बार जब वह मु झसेमिली, तो उसके चे हरे पर शर्मिंदगी साफ झलक रही थी और वह डरी हुई मुर्गी की तरह अपनी आँ खों की पु तलियों को डर और बे चै नी से घु मा रही थी। बे शक, घर में मे री जो है सियत है, उसके चलते नफरत और दुर्भावना का होना कोई है रानी की बात नहीं है।लेकिन निर्दोष पाओ यु ने ऐसा क्या गु नह किया है कि इस धोखे भरी सजिश का ज़हरीला हाथ उसे जकड़ले? "कौन जाने? शायद चियो को पाओ यु से इसलिए शिकायत है क्योंकि मैं उसके बे टे हुआन से उसे ज्यादा पसं द करती हूँ।" पूर्वज ने कहा। "बिल्कुल यही बात है! साजिश की शु रुआत तोनिश्चित रूप से चओ ने ही की होगी," पाओ यु की माँ ने उत्सु कता से बीच में ही टोकते हुए कहा। "लेकिन उसे दोषी कै से ठहराया जा सकता है? अभियोजन पक्ष का एकमात्र सं भवित गवाह, बू ढ़ी मा, पहले ही दोषी ठहराया जा चु का है और शयद उसे फाँ सी भी दे दी गई हो। इस गवाह के न होने से, चाओ बस सब कु छ नकार दे गी। अगर हमारे पस पर्याप्त सबू त नहीं हैं तो इस मामले को सर्वजनिक बदनामी में बदलने से हमारे घर की प्रतिष्ठा को नु कसन होगा। सबसे अच्छा यही है कि हम फिलहाल चाओ पर नज़र रखें और उसके खु द बे नकाब होने का इं तज़ार करें।" "बिल्कुल यही मे री राय है," पूर्वज ने सहमति जताते हुए कहा। "हम बिना सबू त के आगे नहीं बढ़ सकते। किसी भी हालत में हमें जल्दबाजी में कु छ नहीं बोलना चाहिए! बाकी सब हम अपने सर्वज्ञानी बु द्ध पर छोड़ दे ते हैं। इसलिए हम फिलहाल इस मामले में कु छ नहीं करेंगे।" इसी के सथ परामर्श समाप्त हुआ और वे खनपान और अन्य रोजमर्रा के ममलों पर चर्चा करने लगे। पओ यू की मताजी को श्री चें ग के पास बुलाया गया, जो उनसे कु छ महत्वपूर्ण मामलों पर चर्चा करना चाहते थे। माता-पिता की इस चर्चा का परिणाम यह हुआ कि कई वर्षों के अं तराल के बद पाओ यू को एक बर फिर पारिवारिक विद्यालय में भे जा जाए।

श्री चेंग ने कहा, "यह सच है कि गुरु तई जू के ला मध्यम स्तर के विद्वान थे, लेकिन वे अधिकार का प्रयोग करना जानते थे और थोड़ा अनुशासन पाओ यू को नुकसान नहीं पहुंच सकता था, जो अत्यधिक स्वतंत्रता के कारण बिगड़ गया था।" अगली सुबह वे स्वयं पाओ यू को विद्यालय ले गए और वृद्ध तई जू से विनम्रतापूर्वक अनुरोध किया कि वे उनके बेटे को एक सभ्य व्यक्ति बनाएं, जो दुनिया का सामना करने के योग्य हो। अब कविता और अन्य चीजों के साथ मौज-मस्ती करने का अंत होना चाहिए। कविता-रचना; अब से सर्वोपरि इतिहास सीखना और गद्य रचना की कला में निपुणता प्राप्त करना आवश्यक है। जैसा कि अनुमान लगाया जा सकता है, पाओ यू अपने माता-पिता के इस निर्णय से बिल्कुल भी प्रसन्न नहीं था। मछली पकड़ने वाली छड़ी द्वारा उसके लिए भविष्यवाणी की गई विपत्ति अपेक्षा से पहले ही आ गई थी।440

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल8.84% है ।

अध्याय 40 बाँ स आश्रम में एक दुखी प्रे मपीड़ित यु वती को एक बुरा सपना डरा दे त है । वसं त ऋतु की शु रुआत में, शाही महल में बीमार बिस्तर पर उसके रिश्ते दार उससे मिलने आते हैं । बे गोनिया के आं गन में, जो कभी इतना शोरगुल भरा और खु शनु मा था, अब सन्नाटा पसरा हुआ था। पाओ यू दिन का अधिकां श समय परिवारिक विद्यालय में बिताता था, और जब वह घर पर होता था, तो विद्यालय के शिक्षक ताई जू द्वारा सोच-समझकर दिए गए गृ हकार्य के कारण, अफसोस, उसके लिए इधर-उधर खेलना और नौकरानियों के सथ समय बर्बाद करना असं भव हो गय था। "जल्दी सोना और जल्दी उठना" अब उसका मूलमं त्र थ। इसके अलावा, मै डम चें ग ने उसकी नौकरानियों को यह समझा दिया था कि यदि उन्होंने पओ यू को उसकी पढ़ाई से विचलित करने की हिम्मत की, तो उनका भी वही हाल होगा जो ब्राइट क्लाउड का हुआ था। इसलिए, चाहे उन्हें पसं द हो य न हो, उन्हें अब पू री लगन से अपने कढ़ाई-कढ़ाई के काम में लग जाना था। एक दिन पर्ल अपने नए पन के थैले को बु न रही थी और सथ ही सोच में डूबी हुई थी। आगे चलकर उसका क्या होगा? इसमें कोई शक नहीं कि पाओ यू शदी के बद उसे अपनी "साइड-चैं बर" में ले जाएगा, और बे शक वह उसके सथ अच्छा व्यवहार करे ग, लेकिन उसकी "पहली" के सथ उसका क्या होगा? क्या उसका भी वही दुखद अं त होग जो दूसरे यू का हुआ था, जिसे उसकी प्रतिद्वं दी फीनिक्स ने यतना दे कर मर डाला था? या उसका हाल बे चरी लोटस जै स होगा, जिसे शदी के कु छ ही समय बद ह्सु एह पै न की दबं ग और झगड़ालू पत्नी ने घर से खदेड़कर भगा दिया था, और अब वह प्रेशियस क्लै स्प की नौकरानी थी? काश उसे पत चल जाता कि पाओ यू की भवी पत्नी कौन होगी! उसने जो कु छ भी सुना था, उसके अनु सार ब्लै क जे ड के पास सबसे अच्छा मौका था। उसने बै म्बू हर्मिटे ज की ओर टहलने का फै सला किया और अपनी भावी मालकिन के मन की बत जानने की कोशिश की। ब्लै क जे ड ने अपनी किताब एक तरफ रख दी, विनम्रता से अपनी मे हमान को बै ठने के लिए आमंत्रित किया, और नौकरानी कु कू से चाय मं गवाई। कु छ औपचरिक बातचीत के बद, पर्ल ने मु स्कुराते हुए कु कू की ओर मु ड़कर कहा, "मैं ने ऑटम वे व से सुना है कि आप..." हाल ही में आपने कहा था कि पार्क में हमरी ज़िंदगी कितनी बु री तरह बदल गई है?” “हाँ, सचमु च, यह

बहुत नीरस हो गई है— असहनीय रूप से नीरस। मैं ने यही कहा था," कु कू ने जोश से स्वीकार किया। "पाओ यू स्कूल में है, प्रेशियस क्लै स्प चली गई है, ग्रीटिंग ऑफ स्प्रिंग चली गई है, और लोटस को अब यहाँ आने की अनुमति नहीं है । क्य ऐसा ही है?" "बिल्कुल ऐसा ही है । औरलोटस की बात करें तो, बे चरी लड़की का अपनी 'फर्स्ट' के सथ बहुत बु रा हाल रहा है; वह औरत तो एक दूसरी औरत से भी ज़्यदा निर्दयी और मुश्किल है..." फूल रुकी और उसने जनबू झकर दो उं गलियाँ उठाईं, जिसका मतलब था फीनिक्स। उसने नम ले ने की हिम्मत नहीं की। ब्लै क441 को झटका लगा।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.21% है ।

जे ड कोलगा कि पर्ल, जो आमतौर पर बहुत ही शां त स्वभव की थी, पहली बार किसी अनु पस्थित व्यक्ति के बरे में नकारात्मक बातें कर रही थी। लेकिन उसे मनना पड़ा कि पर्ल सही कह रही थी। "ऐसे वकये तो बड़े घर में, जहाँ कई पत्नियाँ हों, होना लाज़मी है; पू रब और पश्चिम के बीच हमेशा ही प्रतिद्वंद्विता रहे गी," उसने दार्शनिक अं दाज़ में कहा; और मन ही मन प्रेशियस क्लै स्प के साथ अपनी प्रतिद्वंद्विता के बरे में सोचने लगी। मानो टेलीपै थी से बुलाई गई हो, प्रेशियस क्लै स्प द्वारा भे जी गई एक नौकरानी ठीक उसी क्षण ब्लै क जे ड के लिए शहद में संरक्षित लीची बे र की एक थाली ले कर प्रकट हुई। बुढ़िया ने एक पल के लिए ब्लै क जे ड को घू रकर देखा, फिर मु स्कुराते हुए पर्ल से सीधे कहा "अब मु झे आश्चर्य नहीं होता कि हमारी ताई ताई ह्सु एह हमेशा कहती हैं कि तु म्हारी यु वती यु वा पाओ यू के लिए एकदम सही दुल्हन है । वह सचमु च एक परी है"। इस परिचित और स्पष्ट कथन ने स्वभाविक रूप से पर्ल और ब्लै क जे ड को और भी शर्मिंदा कर दिया। पर्ल ने बड़ी कोशिश की कि वह इस विषय से ध्यन हटा ले और उसे चाय पीने के लिए कहा, लेकिन बुढ़िया असहज महसू स कर रही थी। व्यस्त और महत्वपूर्ण होने का दिखावा करते हुए वह तु रं त चली गई। उसने कहा कि उसके पस समय नहीं है, वे सब वहाँ मिस प्रेशियस हार्प की शादी की तै यरियों में व्यस्त हैं । "मिस प्रेशियस क्लै स्प को मेरा प्रणाम और धन्यवाद कहना," ब्लै क जे ड ने जाते हुए उससे कहा, और उसने सु ना कि बुढ़िया अपने आप से कु छ बु दबुदा रही थी, जो कु छ इस तरह था: "वाह, कितने अच्छे शिष्टाचार हैं! पाओ यू के सिवा कोई भी आदमी इसे बर्दाश्त नहीं कर सकता!" लेकिन उसने ऐस दिखाया जै से उसने सु ना ही नहीं। "क्या किसी ने कभी ऐसी धृष्टता सु नी है? समझ नहीं आता कि इस पर गु स्स करें य हँ सें," बुढ़िया के जने के बद पर्ल ने अचनक कहा; और वह भी थोड़ी दे र बद चली गई। बातू नी बुढ़िया द्वारा बताई गई यह जानकारी ही पर्ल के लिए काफी थी और ब्लै क जे ड के पास और रुकने की उसे कोई ज़रूरत नहीं थी। लेकिन बू ढ़ी औरत के शब्द ब्लै क जे ड के मन में घू मते रहे और सपनों-विचारों की एक अं तहीन धरा प्रवाहित करते रहे, मानो किसी कभी न खत्म होने वली रील से निकल रहे हों। क्य पाओ यू से उसकी शादी वाकई तय हो चु की थी? सच है, उसे लगता था कि वह उस पर और उसकी भावनाओं पर भरोसा

कर सकती है; लेकिन उसकी माँ और ददी की भी इस मामले में राय होगी। उसके मता-पिता ने जीवित रहते हुए उसकी सगाई क्यों नहीं कर दी? अगर उन्होंने ऐस किया होता, तो वह इस सारी पीड़ादायक अनिश्चितता से मुक्त हो जाती। दूसरी ओर, अगर उसके मता-पिता ने पहले ही उसके लिए किसी को चु नलिया होता, तो क्या उनकी पसं द का व्यक्ति उतना ही आकर्षक और उसके अनु कूल होता जितना कि पाओ यू निश्चित रुप से था? इन सभी विचारों और अटकलों से थककर, वह अं धेरा होने पर अपने बिस्तर पर ले ट गई, कपड़े पहने हुए ही। जब वह वहाँ आधी नींद में ले टी थी, अचानक उसे लगा कि छोटी स्नोगू स उसके सामने खड़ी है और उसे बता रही है कि श्री यू त्सु न

襲人

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.16% है ।

बाहर फीनिक्स था और उससे बत करना चाहता था। उसने उसे सं दे श भे जा कि वह उसके आने के लिए धन्यवाद दे ती है, लेकिन तबीयत खराब होने का बहाना बनाकर चली गई। क्योंकि यद्यपि वह उसका शिक्षक था, फिर भी उसके जै सी एक यु वती के लिए किसी सज्जन का आना उचित नहीं होता, जै स कि उसने स्नोगू ज़ को बताया। "मु झे लगता है कि वह के वल आपको बधाई दे ने आया है," स्नोगू ज़ ने उत्तर दिया, "और कई अन्य लोग भी आपसे मिलने आए हैं "। और तु रं त फीनिक्स, राजकु मरी शीह, मै डम चें ग और प्रिंसियस क्लै स्प मु स्कुराते हुए उसके कमरे में आ गए। "हम सबसे पहले आपको बधई दे ने आए हैं और दूसरे, आपको विदा करने," उन्होंने कहा। "इसका क्या मतलब है? मु झे समझ नहीं आ रहा," उसने उलझन में जवब दिया। "इतनी मं दबुद्धि होने का नाटक मत करो! तु म्हें जरूर पता होगा!" फीनिक्स ने कहा। “क्या तु म्हें नहीं पता कि तु म्हारे पिता को हु पे ई प्रां त का अनाज कोषाध्यक्ष बना दिया गया है और उन्होंने बहुत ही सु खद दूसरी शादी कर ली है? वे तु म्हें यहाँ अकेले नहीं छोड़न चाहते, इसलिए उन्होंने श्री यु त्सु न को तु म्हारी सौतेली माँ के भतीजे से तु म्हारी सगाई करवाने के लिए मध्यस्थ नियुक्त किया है । अब तु म्हें घर जाकर शादी कर ले नी चहिए। चिया लियन को तु म्हारा अं गरक्षक और रक्षक नियुक्त किया गया है ।” फीनिक्स के बोलते ही ब्लै क जे ड को पू रे शरीर में पसीना आ गया। “यह सब बकवास है! यह फीनिक्स का बनाया हुआ एक घटिया मज़ाक है,” वह उत्तेजित होकर चिल्लाई, जिस पर राजकु मरी शीह ने दूसरों को एक खास नज़र से दे खते हुए कहा, “वह हमारी बात पर विश्वास नहीं करती। चलो! हम यहाँ से चले जाते हैं।” ब्लै क जे ड रोते हुए उनसे रुकने की भीख मां गने ही वाली थी, लेकिन चारों आगं तु क चु पचाप और अकड़े हुए, चे हरे पर ठं डी मु स्कान लिए दरवाजे की ओर चले गए। ब्लै क जे ड अकेली रह गई, अपने दुख में डूबी हुई। तभी अचानक उसे लगा जै से वह राजकु मरी पूर्वज के सामने खड़ी है । वह उनके सामने घु टने टे ककर बै ठ गई, उनकी जां घों को गले लगाया और रोते हुए उनसे विनती की कि उसे जने न दें, क्योंकि यह उसकी मृ त्यु होगी। उसकी सौतेली माँ उसके लिए अजनबी थी; वह के वल उस बू ढ़ी तई ताई के सथ रहना चाहती थी। लेकिन पूर्वज ने उसे ठं डे पन से दे खा और जवाब दिया कि इस मामले से उनका कोई ले न-दे न नहीं है ।"इसका क्या मतलब

है?" ब्लैक जेड ने आश्चर्यचकित होकर पूछा। "आखिरकार, शादी करना भी बहुत अच्छा होता है। तुम्हारे पास बहुत सारे सुंदर कपड़े और ढेर सारे गहने होंगे!" जवाब मिला। "मुझे इन सब चीजों की ज़रा भी परवाह नहीं है। मैं बस यहीं रहना चाहती हूँ। मेरी मदद करो, बूढ़ी तई ताई! मुझे तुम्हें छोड़कर मत जाने दो!" ब्लैक जेड ने विनती की। "नासमझ बच्ची!" आप जीवन भर यहीं नहीं रह सकतीं। एक समय आता है जब युवा लड़कियों को घर छोड़कर शादी करनी पड़ती है!

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.71% है ।

"नहीं, नहीं; मैं यहीं रहना पसं द करूं गी, चाहे नौकरानी ही क्यों न बन जाऊं, सबसे नीच नौकरानी बनकर भी, और अपनी रोटी खु द कमऊं गी मु झ पर दया कीजिए, मे री माँ की खतिर, आपकी अपनी बे टी की खतिर; मु झ पर दया कीजिए, बू ढ़ी तई ताई, और मु झे बहर मत निकालिए!" ब्लै क जे ड ने भावु क होकर कहा। लेकिन पूर्वज निर्दयी बनी रहीं। "इसे बहर ले जओ!" उन्होंने अपनी दासी, मं दारिन डक को कठोर लहजे में आदे श दिया। "मैं इससे तं ग आ चु की हूँ!" हताशा में वह बाहर भागी। क्या दादी, चाचियों और चचे री बहनों द्वारा अब तक दिखाया गया सारा प्यार के वल पाखं ड था? उसे लगा कि दुनिया उसके लिए बहुत बड़ी है, और उसने आत्महत्या करने का सोचा। तभी उसके मन में पाओ यू का ख्याल आया। शायद उसे उससे मदद मिल जाए? और फिर उसने खु द को उसके सामने पाया। "मे ई मे ई, मैं तु म्हें तु म्हारी इस महान सौभाग्य पर बधाई दे ता हूँ!" उसने बड़े हर्षोल्लास से कहा। उसके मु ं ह से ऐसी बात और ऐसे लहजे में सु नकर वह क्रोधित हो उठी, उसने अपनी सारी झिझक और सं कोच भुला दिया, उसे अपने करीब खींच लिया और गु स्से से बोली: "अब तु म खु द को धोखा दे रहे हो, मे रे प्यारे! क्या तु म इसे प्यार और वफादारी कहते हो?" "प्यार और वफादारी की क्या बात कर रही हो? तु म्हें कोई और मिल गया है, है न? हमारे रास्ते अलग हो गए हैं," उसने शां त भाव से जवाब दिया। "नहीं, अभी यह तय नहीं हुआ है कि मैं किसका साथ दूं गी। यह आप पर निर्भर करता है! मैं आपके वचन का इं तजार कर रही हूँ!" वह उग्रता से बोली। "और मैं पू रे समय आपके वचनों का इं तजार कर रहा हूँ । शु रू से ही हम दोनों एक दूसरे के होना चाहते थे, है न? तो अगर तु म चाहो, तो रुक जाओ।" उसके शब्दों ने उसके दुख को खु शी में बदल दिया। "जीवन और मृ त्यु में मैं तु म्हारी हूँ!" उसने गं भीरता से कहा। "लेकिन तु म्हें- तु म्हें एक बार फिर खु द को स्पष्ट करना होगा: क्या मैं जाऊं या रुकूं?" "रुकूं!" वह भी उतनी ही गं भीरता से बोला। "लेकिन अगर तु म्हें इस बात पर शक है कि यह मे री सच्ची इच्छा है, तो मे रे दिल को दे ख लो!" इन शब्दों के साथ उसने एक ते ज कटार उठाई और सीधे उसकी छाती में घोंप दी। खू न की बहती धारा दे खकर वह भयभीत हो गई, उसने अपना हाथ खुले घाव पर रखा और कराहते हुए बोली: "तु मने ऐसा क्यों किया? पहले मु झे मार डालो!" "डरो मत!" पाओ यू ने शांत भाव से कहा।

"मैं बस अपन दिल निकालकर तुम्हें दिखाना चाहता हूँ।" और उसने अपन हाथ खुले घव में डाला और उसमें कुछ ढूंढने लगा। अचानक वह निराशा से चिल्लाया: "ओह, हाय! मैं ने अपना दिल खो दिया! अब मुझे मरना होगा!" उसने अपनी आँखें ऊपर उठाईं और धड़ाम से ज़मीन पर गिर पड़ा। इस पर ब्लैक जेड ने दर्द से दबी हुई चीख निकाली। अचानक उसने अपनी नौकरानी कुकू की आवाज़ पहचानी। "मालकिन! मालकिन!" नौकरानी चिल्लाई। "आपको कैस भयानक सपना आ रहा है? उठो! कपड़े उतरो और ठीक से सो जओ!" तब उसे एहसस हुआ कि वह भ्रम में थी।

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.34% है।

एक सपने से। उसका गला मानो जकड़ा हुआ था, दिल ज़ोर-ज़ोर से धड़क रहा था, उसके अंतर्वस्त्र और तकिया ठंडे पसीने से भीगे हुए थे। थकी और बेजान सी, उसने कुकू को अपने कपड़े उतारने और उसे ठीक से बिस्तर पर लिटाने दिया। लेकिन पूरी रात उसे नींद नहीं आई। वह बेचैनी से करवटें बदलती रही और बाहर से आने वाली रात की आवाज़ों को डर से सुनती रही। कभी उसे पास की छोटी नदी की कलकल सुनाई देती, कभी हवा की धीमी सिसकी, कभी पतझड़ की बारिश की एकरस टपकने की आवाज़, कभी दूर से किसी इंसान की अस्पष्ट आवाज़। पास ही कुकू के बिस्तर से आती गहरी नींद की नियमित खर्राटों की आवाज़ को वह ईर्ष्या से सुनती रही। लेटते-लेटते थककर वह जल्दी से बैठ गई, लेकिन खिड़की के परदे की दरारों से आती ठंडी हवा ने उसे फिर से लेटने और कंबल में ममी की तरह लिपट जाने पर मजबूर कर दिया। जब आखिरकार वह अधूरी नींद में सो गई, तब तक सामने के बगीचे में लगे बांस के झुरमुट से पक्षियों की चहचहाहट सुनाई देने लगी थी और सुबह की हल्की रोशनी खिड़की से अंदर आ रही थी। अचानक उसे खांसी का ज़ोरदार दौरा पड़ा और इससे कोयल जाग उठी, जो दौड़कर उसके पास आई। "इतनी जल्दी जाग गई?" उसने अपनी मालकिन के थके हुए, परेशान चेहरे को चिंता से देखते हुए पूछा। "मुझे नींद नहीं आ रही थी। कृपया थूकने का कटोरा निकालो और मेरे लिए एक साफ कटोरा लाओ।" कोयल ने एक साफ कटोरा उसके बिस्तर के पास रख दिया और दूसरा आंगन में ले गई। जब वह उसे खाली कर रही थी, तो उसने देखा कि थूक में खून के कई धब्बे मिले हुए हैं। "ओह, कितना भयानक!" वह अनजाने में हांफ उठी। ब्लैक जेड ने अंदर से उसकी चीख सुनी। "अभी तुम्हें किस बात से डर लगा?" उसने नौकरानी से पूछा। "अरे, कुछ नहीं। कटोरा लगभग मेरे हाथ से फिसल गया था," कुकू ने झूठ बोला, लेकिन उसकी शक्ल, उसकी झिझकती आवाज और आँसुओं से भीगी आँखें उसकी पोल खोल रही थीं। ब्लैक जेड ने वास्तव में थोड़ी देर पहले खांसते समय उसके मुँह में खून का मीठा स्वाद महसूस किया था। उसने अपनी हालत के बारे में खुद को धोखा देना बहुत पहले ही छोड़ दिया था। "मुझे अच्छी तरह पता है कि मेरी थूक ने तुम्हें डरा दिया है," उसने शांत भाव से कहा। "तुम्हें अपनी सेहत का ज़्यादा ख्याल रखना चाहिए और बूढ़ी ताई

ताई और दूसरी महिलाओं से बत करनी चाहिए। वे सभी सचमु च तु म्हा भला चाहती हैं, प्यारी बच्ची!" कु कू ने उसे प्यार से समझया। लेकिन महिलाओं के बरे में उसकी बात ने ब्लै क ज्वेल को पिछली रात के अपने भयानक सपने की यद दिला दी, जो नौकरानी की बातों को झू ठा साबित कर रहा था। उसे पे ट में एक तेज़ दर्द महसू स हुआ, उसकी नज़र अचानक 446 हो गई।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.28% है ।

धुं धली रोशनी में, उसे चक्कर आने लगे और उसे कटोरे पर झुकना पड़ा, जिसे कु कू ने ठीक समय पर उसके समने उठाया। स्नोगू ज़ ने उसकी पीठ थपथपाई और उसने कटोरे में दो खून जी हाँ, उसमें बैं गनी-लाल रं ग का पतला सा खू नी बलगम था। वह बे होश होकर अपने तकियों पर गिर पड़ी। कु कू ने स्नोगू ज़ को परिवार के किसी सदस्य को मदद के लिए लाने भे जा। थोड़ी दे र बद स्नोगू ज़ चचे री बहनों टे स्ट ऑफ़स्प्रिंग, ग्रीफ़ ऑफ़ स्प्रिंग और लिटिल क्लाउड के सथ वापस आई। तीनों अभी-अभी ग्रीफ़ ऑफ़ स्प्रिंग के मं डप में उसके काम के विशाल चित्र का निरीक्षण कर रही थीं और ब्लै क जे ड को भी अपने साथ बुलाने वली थीं। ब्लै क जे ड उन्हें दे खकर बिल्कुल भी खु श नहीं थी। अपने भयनक सपने के प्रभाव में और स्वभव से ही शं कालु, उसने मन ही मन कहा कि अगर वह पूर्वज पर भरोसा नहीं कर सकती, तो अपनी चचे री बहनों पर तो और भी कम। उसने तीनों को कु छ रूखे पन से बै ठने के लिए कहा, लेकिन बातचीत बहुत ही नीरस रही। उसकी दयनीय हालत दे खकर आगं तु क वहाँ ज़्यदा दे र नहीं रुकन चाहते थे और जल्दी ही उठकर जाने लगे । वे अभी जा ही रहे थे कि बाहर से एक ते ज़ चीखती हुई औरत की आवाज़ आई, जो चिल्ला रही थी: "यहाँ क्य कर रही हो, बे शर्म औरत! तु म्हारा इस पार्क में कोई काम नहीं! तु रं त निकल जाओ!" जै स कि जल्द ही पता चला, यह चीख एक बू ढ़ी मली की थी और उसकी पोती को सं बोधित थी, जो एक गं दी, जं गली और छोटी सी लड़की थी, जो जिज्ञासावश उसके पीछे-पीछे उस वर्जित पार्क में घु स आई थी। लेकिन अफसोस, ब्लै क जे ड, अपनी अत्यधिक उत्तेजित अवस्था में, उस चीख को अपने बरे में समझ बै ठी और उसे अपने बु रे सपने की पु ष्टि मान लिया। "क्या तु म उसे सु न रहे हो? मु झे अब यहाँ रहने की इजज़त नहीं है! और मु झे यह एक बू ढ़ी नौकरानी से सु नना पड़ रहा है!" उसने कां पते हाथ से खिड़की की ओर इशारा करते हुए अपने हैरान चचे रे भाइयों से तीखी आवज़ में कहा। उन्होंने उसे यथासं भव दिलासा दिया और फिर सिर हिलाते हुए चले गए। "वह बे होश है," उन्होंने आपस में कहा। बे शक, वे उसके सपने के बरे में कु छ नहीं जानते थे । कु छ दे र बद पर्पल प्रकट हुई। उसे पओ यू ने भे जा था, जो चिंता से व्यकुल था, और बीमार के बिस्तर पर जाने से पहले उसने दरवाज़े के बाहर कु कू से विस्तृ त जनकारी ली। "कल रात बे गोनिया आं गन में भी थोड़ी हलचल मच गई थी,"

उसकी सहकर्मी ने फुसफुसाते हुए उससे कहा "लगभग आधी रात को पाओ यू अचनक दबी हुई चीख के सथ उठ खड़ा हुआ और अपनी छाती में घुसे हुए खंजर के बारे में बड़बड़ाने लगा। वह लगभग सुबह तक सो नहीं पया, और उसे आज स्कूल नहीं जाना पड़ा।" ब्लैक जेड को खांसी का एक और दौरा पड़ा, और इससे उनकी फुसफुसाहट भरी बातचीत समाप्त हो गई और कुकू को अपनी मालकिन के बिस्तर के पस जल्दी वापस जाना पड़ा। 447

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.01% है।

"अभी तुम किससे बत कर रही थी?" ब्लैक जेड जानना चाहती थी। "पर्ल से।" "उसे अंदर आने को कहो!" पर्ल को बिस्तर के किनारे बैठना पड़ा। "अभी तुमने कहा कि किसे कल रात बुरा सपना आया था?" "पाओ यू। यह वकई एक भयानक सपना था।" "क्या तुम्हें पता है कि उसने सपने में क्या कहा?" "नहीं," पर्ल ने झूठ बोला। ब्लैक जेड ने मन ही मन सोचा, वह मेरी भावनाओं को ठेस न पहुँचने के लिए मुझसे छिपा रही है। उसने खिड़की में फँसे खंजर के बारे में फुसफुसाए गए शब्द अच्छी तरह सुन लिए थे। कितनी अजीब बात है कि पाओ यू का सपना उसके अपने सपने से मेल खाता था! जब दो मरीज़, एक बेगोनिया आंगन में और दूसरा बांस आश्रम में, अभी भी पारिवारिक चिकित्सक वांग के नुस्खे के अनुसार इलाज करवा रहे थे, जिसे बूढ़ी दादी ताई ने बुलाया था, तभी शाही पत्नी, वसंत की शुरुआत की बीमारी की खबर आई। एक दिन दो प्रमुख हिजड़े युंगकु ओ महल पहुँचे और राजकुमर शीह और चिया चेंग को एक शही आदेश दिया। नियांगनियांग, जो कि उच्च महिला थीं, कुछ समय से बेचैन थीं। उनके परिवार की चार महिलाओं को शाही महल के भीतरी परिसर में प्रवेश करने और महजाडी से मिलने की अनुमति दी गई थी। प्रत्येक महिला को अपने सथ एक महिला सेविका ले जने की अनुमति थी। पुरुष रिश्तेदार भी साथ आ सकते थे, लेकिन उन्हें केवल भीतरी महल के प्रवेश द्वार तक ही जाने की अनुमति थी; वहाँ उन्हें अपने मुलाक़ात पत्र भेजने, अभिवादन करने और समचार की प्रतीक्षा करने की आवश्यकत थी। मुलाक़ात के लिए अगला दिन निर्धारित किया गया था, और इसके लिए दिया गया समय अजगर और मुर्गे के दाह संस्कार के बीच का था, अर्थात् सुबह आठ बजे से शाम छह बजे तक। चिया वंश के दो वरिष्ठ सदस्यों ने सम्मनपूर्वक खड़े होकर शही संदेश सुना। उन्होंने मुख्य हिजड़ों को चाय का प्याला दिया और भीतरी द्वार के समने उनकी पलकी के दरवज़े तक व्यक्तिगत रूप से उनका साथ दिया। इसके बद पारिवारिक परामर्श हुआ। पूर्वज ने निर्णय लिया कि जिन चार महिला रिश्तेदारों को आने की अनुमति दी गई थी, उनमें केवल स्वयं, राजकुमरी शीह, मैडम चेंग और फीनिक्स ही शामिल थीं; जबकि यह सहमति बनी कि राजकुमर शीह और चिया चेंग पुरुष रिश्तेदारों का प्रतिनिधित्व करेंगे। तदनुसार, अगली सुबह ड्रैगन के समय, गहरे दमिश्क से ढकी चर

पालकी और दस रथ यु ंगकु ओ महल से निषिद्ध नगर के लिए रवाना हुए। निजी से वकली क्वे ई और मिंग ये न जुलू स के आगे आगे चल रहे थे, और एक 448

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.11% है ।

नौकरों का बड़ा दल पीछे-पीछे चल रहा था। सभी को भीतरी महल के पश्चिमी द्वार पर उतरना पड़ा। यु व हिजड़े महिलाओं को वसं त ऋतु की शु रुआत के निवास तक ले गए। पु रुषों को नौकरों के सथ द्वार के समने इं तज़ार करना पड़ा। दो दासियों ने महिलाओं को निर्देश दिया कि उन्हें केवल रोगी के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करने की अनु मति है और बीमरी के बरे में किसी भी प्रकार की चर्चा करने की मनही है । एक भव्य पलं ग परले टी हुई वसं त ऋतु की शु रुआत ने अपने आगं तु कों का स्वागत किया, उनका त्सिंग आन ग्रहण किया और उन्हें विनम्रतापूर्वक बै ठने के लिए आमंत्रित किया। "आपका स्वास्थ्य कै स है?" उसने पूर्वज से पू छा। "नियां गनियां ग की असीम कृ पा के कारण, मैं अभी भी काफी स्वस्थ हूँ," पूर्वज ने दरबरी शिष्टाचार के अनु सार श्रद्धा से कां पते हुए खड़े होकर उत्तर दिया। बाकी तीन महिलाओं से कु छ और दोस्ताना सवाल पू छने के बाद, जिन्होंने खड़े होकर जवाब दिया, बिगिनिंग ऑफ स्प्रिंग ने पु रुष और अन्य रिश्ते दारों के नमों की सू ची पर नज़र डाली, जो एक दासी ने बहर इं तज़ार कर रहे दो वरिष्ठ परिवार के सदस्यों की ओर से उसके सामने रखी थी। ऐसा करते ही वह भवु क हो गई और दूसरी दासी को अपनी आँ खों से आँ सू पोंछने पड़े । "हम आम इं सनों के मु काबले कितने भग्यशाली हैं," बिगिनिंग ऑफ स्प्रिंग ने आह भरी।" वे अपने पारिवारिक सं बं धों को दिल खोलकर सं जो सकते हैं और जितनी बार चाहें एक-दूसरे सेमिल सकते हैं ।" " पओ यू कै सा है?" उन्होंने आगे पूछा। "अपने पिता की दिली इच्छा पर वह आजकल अपनी पढ़ाई में पू री तरह से मन लगाकर पढ़ाई कर रहा है और उसने बहुत अच्छी प्रगति की है," पूर्वज ने बताया। "यह सु नकर मु झे खु शी हुई।" वसं त ऋतु की शु रुआत ने अपने से वकों को आदेश दिया कि वे मे हमानों को दूसरे मं डप में सजी मे ज तक ले जाएं । भोजन के बाद उन्होंने उस प्रतिष्ठित महिला से थोड़ी दे र और बात की और फिर विदा हो गए। कु छ दिनों बाद पश्चिमी महल में यह आश्वस्त करने वली खबर पहुं ची कि शाही पत्नी पू री तरह से स्वस्थ हो गई हैं । उसी समय हिजड़ों ने उनकी ओर से उनके सभी रिश्ते दारों के लिए कीमती उपहार लाए। "वह अभी भी पाओ यू के प्रति गहरी श्रद्धा रखती हैं," उपहार बां टते समय पूर्वज ने चिया चें ग से कहा। "उन्होंने कु छ दिन पहले विशेष रूप से उनके बारे में पूछा था।" "वह इसके बिल्कुल भी लायक नहीं है, कृ तघ्न, आलसी

बदमाश," श्री चेंग ने बीच में कहा। "और इसके विपरीत, मैंने तो उसकी हालिया प्रगति की जमकर प्रशंसा की थी। "अरे! अरे! वह अभी इसके लायक नहीं है।" "सचमुच? मुझे तो लगा कि वह है। वह काफी समय से स्कूल जा रहा है और आप उसे अक्सर इंटरव्यू के लिए बुलाते रहे हैं। यकीनन उसके दिमाग में कुछ तो समझदारी आनी चाहिए!" 449

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.31% है ।

"बिल्कुल। बुढ़िया फिर से सही कह रही हैं"। "और हाँ, पाओ यु के बारे में बात करते-करते मु झे एक बात याद आ गई जो मैं आपसे बहुत समय से कहना चाहती थी। वह लगभग जवान हो चु का है, तो क्या उसके लिए समय रहते एक उपयुक्त पत्नी ढूं ढना उचित नहीं होगा? यह एक ऐसा मामला है जो उसके पू रे जीवन को प्रभावित करे गा। मे री राय में हमें यह नहीं पू छना चाहिए कि लड़की अमीर है या गरीब, हमारे कुल की है या किसी और कुल की, बल्कि हमें के वल अच्छे चरित्र और आकर्षक रूप पर ध्यान दे ना चाहिए।" "आप बिल्कुल सही हैं । बस मैं इसमें एक बात जोड़ना चाहूँ गी कि उसके पास भी चरित्र और उपलब्धियों के रूप में कु छ होना चाहिए। मैं नहीं चाहूँ गी कि वह किसी दूसरे कुल के कुलीन पौधे को खराब करने वाला खरपतवार साबित हो।" उसकी इस आपत्ति से पूर्वज थोड़ी नाराज़ हो गईं। "हो सकता है कि मैं ने उसे बचपन से बिगाड़ दिया हो और उसके चरित्र के विकास में बाधा डाली हो। फिर भी, वह एक अच्छा, सभ्य लड़का है । मैं कल्पना भी नहीं कर सकता कि वह अपनी यु वा पत्नी के साथ बु रा बर्ताव करे गा। वै से भी वह आपके दूसरे बे टे, चिया हुआन से कहीं बे हतर है"।"बु जुर्ग ताई ताई को मानव स्वभाव का गहरा ज्ञान है; इसमें कोई सं दे ह नहीं कि वह सही निर्णय ले सकती हैं और पाओ यू को इस बात के लिए बधाई दे नी चाहिए कि वह उसके बारे में इतनी अच्छी राय रखती हैं," श्री चें ग ने स्वीकार किया। "बस मैं उसे अं ततः एक परिपक्व, सं तुलित चरित्र वाला व्यक्ति बनते दे खना चाहता हूँ । यही मे रे मन में है"। "पर आखिर वो तो अभी बच्चा ही है । उसे न तो जीवन का कोई अनु भव है और न ही सार्वजनिक पद पर रहने का वर्षों का अनु भव, जै सा कि आप लोगों को होता है । इसलिए उससे बहुत अधिक उम्मीद नहीं रखनी चाहिए," पूर्वज ने गु स्से से कहा और राजकु मारी शीह और मै डम चें ग की ओर मु ड़कर हल्के स्वर में बोलीं, "यह लड़का तो जवानी में पाओ यू से भी कहीं अधिक विचित्र और सनकी था। शादी के बाद ही उसमें थोड़ी समझदारी आई।" "वाह! हमारी बू ढ़ी ताई ताई हमे शा अपनी बात मनवाना जानती हैं," दोनों महिलाएं दिल खोलकर हं सते हुए बोलीं। बातचीत में एक नौकरानी के आने और खाना तै यार होने की सू चना से रुकावट आई और सभी लोग खु श होकर भोजन करने चले गए। यह पहली बार था जब पारिवारिक सभा में पाओ यू की शादी पर गं भीरता से चर्चा हुई थी।

उसी शाम चिया चें ग ने पाओ यू को एक सक्षात्कार के लिए बुलाया। उन्होंने उससे वे तीनों निबंध प्रस्तु त करने को कहा जो उसने दो महीने के कार्यकाल के दौरान मास्टर ताई जू को प्रस्तु त किए थे, और उनके सथ उन पर विस्तार से चर्चा की, कु छ बदलाव किए और कु छ सु धार किए, और अं त में, विनम्रतापूर्वक, उसे पूर्वज के पस भे ज दिया। पाओ यू को वहाँ चची ह्सु एह मिलीं; वह अपनी बदतमीज़ बहू के बरे में अपने मन की भड़ास निकालने आई थीं, जिसने उसी दिन उनके और प्रेशियस क्लै स्प के साथ हिंसक झगड़ा किया था। 450

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.94% है ।

सभी ने उसकी सहानु भूति जताई और प्रेशियस क्लै स्प के सौम्य और बुद्धिमान स्वभाव की खू ब प्रशं स की गई: वह असहनीय ह्सिया से कितनी अलग थी; वह निस्सं दे ह किसी भी सास का दिल खु श कर दे ती। पाओ यू, जिसे परिवारिक चर्चाओं में कोई रुचि नहीं थी, पहले से ही बहाना मिलते ही वहाँ से निकल जाने का इं तजार कर रहा था, लेकिन प्रेशियस क्लै स्प का नाम सु नते ही वह रुक गया। "हाँ, वह वाकई में एक अच्छी और काबिल लड़की हो सकती है," आं टी ह्सु एह ने आह भरते हुए कहा, "लेकिन इससे मु झे क्या फायदा? आखिर वह तो बस एक लड़की है, और इसी वजह से मे रा बे टा मे रे लिए और भी चिंता का विषय है । मु झे हमेशा डर सताता रहता है कि घर के बहर लगातार मौज-मस्ती करने की वजह से वह फिर से किसी गं भीर मु सीबत में न पड़ जाए।" पाओ यू ने चचे री बहन ह्सु एह पन के लिए कु छ अच्छा कहना अपना कर्तव्य समझा और महिलाओं को आश्वस्त किया कि वह जिन लोगों के सथ रहता है, वे सभी बिल्कुल बे दाग और सम्मानित बड़े व्यवसायी हैं । फिर, बातचीत के नीरस मोड़ से निराश होकर, वह वहाँ से चला गया और अपनी किताबों में वपस लग गया। इसी बीच चिया चें ग अतिथि कक्ष में गए और वहाँ एकत्रित मित्रों और सहकर्मियों को बताया कि उन्होंने अपने पु त्र पाओ यू को परखने के बाद अब उसे विवाह योग्य समझा है । इस सू चना के सथ ही उन्होंने सभी को आश्वस्त किया कि वे उपयुक्त प्रस्तावों पर विचार करें गे । तभी एक अतिथि ने ननचो के धनी पूर्व ताओताई चां ग के इकलौते पु त्र का प्रस्ताव रखा और मध्यस्थ के रूप में अपनी सेवाएँ दे ने की पे शकश की। यह परिवार राजकु मरी शीह से भी सं बंधित था। चिया चें ग, जो चां ग परिवार को व्यक्तिगत रूप से नहीं जनते थे, ने भवी मध्यस्थ को आगे बढ़ने का निर्देश दे ने से पहले अपनी पत्नी से परामर्श करने का निर्णय लिया। अगली सु बह, जब वे पूर्वज के सथ नाश्ता कर रहे थे, तब मै डम चें ग ने विवाह सं बं धी नवीनतम प्रस्ताव पर चर्चा की। जब राजकु मरी शीह ने बतया कि उनकी जानकारी के अनु सार, बू ढ़ा चां ग एक स्वर्थी, कं जू स व्यक्ति था जो किसी भी परिस्थिति में अपनी इकलौती सं तन को घर से बहर नहीं जाने दे ता था और न ही उसे किसी सास के दं ड का शिकार होने का जोखिम उठाता था, बल्कि अपने दमाद की शादी अपने ही घर में कराना चाहता था, तो पूर्वज ने तु रं त कहा कि यह प्रस्ताव असं भव है, क्योंकि

वह पाओ यू को घर से बाहर जाने देने के बारे में सोच भी नहीं सकती थीं।"लेकिन अजनबियों के बीच क्यों भटकना?" फीनिक्स ने मुस्कुराते हुए कहा। "आखिरकार, दयालु ईश्वर ने हमारे लिए सब कुछ बहुत ही सुविधाजनक ढंग से व्यवस्थित किया है।" "ऐसा कैसे?" पूर्वज ने पूछा। "क्या बूढ़े ताई ताई पत्थर के तबीज और सोने के ताबीज पर लिखे संबंधित शिलालेखों को भूल गए हैं? नेफ्राइट और सोना। पाओ यू और पओ चाई - कीमती पत्थर और कीमती कुंडी- ईश्वर की इच्छा से एक सथ जुड़े हुए हैं"।451

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 8.85% है।

"क्यों नहीं, बिलकुल! उम्र के सथ मेरी आँखें ाकई कमजोर हो गई हैं!" पूर्वज ने सहमति में सिर हिलाते हुए कहा। राजकुमरी शीह और मैडम चेंग ने भी उत्सुकता से सहमति में सिर हिलाया। और उसी क्षण से युंगकुओ महल की महिलाओं की आंतरिक परिषद में यह तय हो गय कि पाओ यू और प्रेशियस क्लैस्प पति-पत्नी बनेंगे। अध्याय 41 सुंदर संतान प्रार्थना के आसन पर बैठी हुई प्रेम की आग में घिर जाती है और राक्षसी शक्तियों द्वारा परमानंद में लीन हो जाती है। ब्लैक जेड बीकर में संप की छाया से डर जती है और परम संकल्प के साथ सभी पोषण को त्याग देती है।1 जैसे ही युंगकुओ महल की महिलाएं नवीनतम विवाह योजना पर उत्सुकत से चर्चा कर रही थीं, पाओ यू वहाँ प्रकट हुए। वे उत्तरी शांति के राजकुमर के महल से आए थे, जो आज अपना जन्मदिन मना रहे थे। तीनों ज्येष्ठ, राजकुमर शीह, श्री चेंग और राजकुमर चेन, और दो कनिष्ठ, चिया लियन और पाओ यू, ने मिलकर उन्हें बधाई दी थी। राजकुमर ने लगभग पूरी बतचीत पाओ यू से ही की थी। उन्हें सबसे पहले उनके पिता की लोक निर्माण मंत्रालय में राज्य पार्षद के पद पर पदोन्नति की सूचन दी थी, और विदाई के समय उन्हें एक सुंदर रत्न भेंट किया था। गर्व से भरे पाओ यू ने राजकुमर का उपहार पूर्वज और अन्य महिलाओं को दिखाया। पूर्वज ने उचित समझा कि इस अनमोल स्मृति चिन्ह को खजाने में रख दिया जाए, कहीं यह खो न जाए। "और क्या तुमने अपना रत्न ठीक से पहन है? इसे सुरक्षित रखना!" उन्होंने कहा। पाओ यू ने अपने कोट के नीचे से पाँच रंगों की डोरी में लटके हुए रत्न को निकाला। "हाँ, मैं इसका पूरा ध्यान रखता हूँ, क्योंकि यह कोई साधारण रत्न नहीं है," उन्होंने उन्हें आश्वस्त किया। "और हाँ, इससे मुझे एक बहुत ही अजीब बात याद आ गई। हाल ही में एक रात, जब मैं सोने जा रही थी और मैंने इसे अपने तकिए के पस बिस्तर के पर्दे पर टांग था, तो यह अचानक इतनी तेज़ी से चमका कि इसके पीछे पर्दे का एक पूरा हिस्सा लाल रंग से जगमगा उठा।" "बकवास मत करो! यह ज़रूर दीपक या अंगीठी की आग का प्रतिबिंब रहा होगा; क्योंकि पर्दा तो लाल रंग का ही है।" "नहीं, अंगीठी तो पहले ही बुझ चुकी थी और दीपक भी बुझ गय था। कमरे में एकदम अंधेरा था।" दोनों महिलाओं ने एक-दूसरे को

देखकर मुस्कुराते हुए कहा। "यह घटना निश्चित रूप से जल्द ही आने वाली किसी शुभ घटना की ओर इशारा करती है," फीनिक्स ने बीच में कहा। 452

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 69.07% है ।

“मु झे नहीं पता कि यह क्या होगा,” उसने भोले पन से कहा। “और तु म्हें जानने की ज़रूरत भी नहीं है। अब और बकवास मत करो। तु म पू रे दिन बाहर रहे हो। वपस पार्क जाओ और आराम करो!” पूर्वज ने आगे की बातचीत रोकते हुए कहा। “क्या तु ममें से किसी ने इस बीच चची ह्सु एह को हमरी योजना के बरे में बताया है?” उन्होंने अपने पोते के चले जाने के बाद पू छा। “हाँ, मैं ने बताया है,” मै डम चें ग ने उत्तर दिया। “वह पू री तरह सहमत हैं, लेकिन अंतिम सहमति दे ने से पहले वह अपने बे टे ह्सु एह पन से इस ममले पर चर्चा करना चाहती हैं । इसलिए हमें ह्सु एह पन के अपने व्यापारिक दौरे से लौटने तक इं तजार करना होगा।” “अच्छा। तो हम इस मामले को अपने तक ही रखें गे,” पूर्वज ने निर्णय लिया। इस बीच, बे गोनिया आं गन में, पाओ यू अपनी पर्ल को उस बातचीत के बरे में बत रहा था जिसमें उसने अभी भाग लिया था और उससे पू छ रहा था कि वह फीनिक्स के रहस्यमय कथन का क्या अर्थ निकाले गी। पर्ल ने ऐस दिखाया जै से उसे भी कु छ समझ नहीं आया हो। "क्या मिस ब्लै क जे ड वहाँ थीं?" वह जानना चाहती थी। "नहीं। आप जानती हैं कि वह कई दिनों से बीमर हैं और अभी बहर नहीं जा रही हैं ।" मस्क और ऑटम वे व के बीच थोड़ी कहा-सु नी से उनका ध्यान इस मामले से हट गया। लेकिन पर्ल ने असल में सब कु छ समझ लिया था। उसे पक्का यकीन था कि पाओ यू की शदी ही वह आने वली घटना थी जिसका सं के त दिया गया था, और जिसे फिलहाल उससे छिपाकर रखा गया था। ब्लै क जे ड की अनुपस्थिति ने उसके इस विश्वास को और मजबू त कर दिया कि वही चु नी हुई दुल्हन है । दो घटनओं, एक खु शी की और दूसरी दुख की, ने शदी के सवल को कु छ समय के लिए पीछे धकेल दिया। चिया चें ग के लोक निर्माण मं त्रलय में राज्य पार्षद नियुक्त होने पर बधई दे ने के लिए घर में मे हमानों की भीड़ उमड़ पड़ी और कई दिनों तक उत्सव की रौनक छाई रही। लेकिन चचे रे भाई ह्सु एह पन के एक दुर्भाग्यपूर्ण मामले ने उत्सव का माहौल तु रं त फीका कर दिया। वह भयानक बदनामी जिसका उसकी माँ लं बे समय से गु प्त रूप से डर रही थी, आखिरकार हो ही गई। अपनी झगड़ालू पत्नी, ह्सिया से कु छ राहत पाने के लिए, ह्सु एह पन दक्षिण के एक और व्यपारिक दौरे पर निकल पड़े थे । रास्ते में एक सराय में अचनक गु स्से में आकर उन्होंने एक वे टर पर शराब का गिलास फें क

दिया, क्योंकि उन्हें लगा कि वे टर ने उनके साथ उचित सम्मान से व्यवहार नहीं किया था। गिलास उस बे चरे के सिर के पिछले हिस्से पर इतनी जोर से लगा कि चोटों के कारण उसकी मृ त्यु हो गई। ह्सु एह पन को जेल भे ज दिया गया और उन पर हत्या का आरोप लगाया गया। अब राजधानी और उस प्रां तीय शहर के बीच अफरा-तफरी मची हुई थी जहाँ ह्सु एह पन को कै द किया गया था। उनके चचे रे भाई ह्सु एह कु ओ को उनकी सहायता के लिए तु रं त भे जा गया। सं दे शवाहक आते-जाते रहे; चाची ह्सु एह को भी कई बार आना-जाना पड़ा।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल9.20% है ।

उसकी जे ब सेरिश्वत के लिए हज़ारों ताएल निकालने को कहा गया, और चाचा चें ग को अपने अभागे भतीजे को इस दर्दनाक दुविधा से निकालने केलिए अपनी सारी हैसियत और प्रभाव का इस्ते मल करना पड़ा। ज़ाहिर है, जब तक ऐसे ज़रूरी ममले सुलझ नहीं जाते, शादी जै से खु शी के मौके के बारे में सोचा भी नहीं जा सकता था। एक दिन स्कूल से छुट्टी मिलने पर पओ यू दोपहर के भोजन के बद पार्क में टहलने निकल पड़ा। उसका पहला विचार बां स के आश्रम की ओर जाने का था, लेकिन चूंकि काली जे ड दोपहर की नींद ले रही थी, इसलिए वह उसे परे शान नहीं करना चाहता था और उसने वसं त की शोक दे वी से मिलने का फै सला किया। उसने उसका निवास स्थान, गर्म सु गं धों का छोटा महल, गहरी शांति में डूबा हुआ पाया। वहाँ न तो कोई आवज़ सु नई दे रही थी और न ही किसी इं सन की परछाई दिखाई दे रही थी। उसने मन ही मन कहा, "शायद वह सो रही है," और आगे बढ़ने केलिए मु ड़ ही रहा था कि तभी अं दर से ताली की हल्की आवाज़ आई और वह एक बार फिर रुक गया। उसने ध्यन से सु ना। फिर से तली की हल्की आवाज़ आई, और फिर एक आवाज़: "अब तु म्हारी बारी है । क्यों न तु म एक मोहरा चलो?" पाओ यू ने अनुमान लगाया, "यह तो शतरं ज की आवज़ लग रही है ।" काश उसे पत होता कि स्प्रिंग का शोक किसके सथ खेल रहा है । अभी-अभी सु नी गई आवज़ उसे अजीबलग रही थी। अब उसने स्प्रिंग के शोक की आवाज़ पहचान ली, और उसके शब्द अधू रे से निकले, "चलो! एक-एक चाल! पहले तु म, फिर मैं । चु पचप! चु पचप! हम आगे बढ़ रहे हैं!" फिर थोड़ी दे र बद, एक और आवाज़ कराहते हुए आई: "मैं बस खत्म कर चु का हूँ!" और फिर से, स्प्रिंग का शोक, कर्कश और निराश आवाज़ में बोला: "अभी नहीं! खेलते रहो अब, अब तो अं दर सेविद्रोह हो रहा है! मैं हार मानता हूँ!" उत्सु कत से व्याकुल पाओ यू सवधानी से पर्दे के नीचे से सरक कर कमरे में आ गया। तभी, आश्चर्य से उसने स्प्रिंग के शोक के शतरं ज साथी को पहचान लिया। वह किंगफिशर के पिंजरे की यु वा, सं त, सु ं दर साध्वी मियाओ यू थी। दोनों अपने खेल में इतनी मन थीं कि उन्होंने उसे अपने पीछे आते हुए नहीं दे ख। "यहाँ तो छल-कपट का अजीब खेल चल रहा है!" छिपकर सु नने वाले ने सोचा, और वहीं स्थिर खड़ा होकर सु नत रहा। "क्या तु म्हारे यूनिकॉर्न का पे ट भर गय है?" उसने मियाओ यू कोसिर

झुकाकर स्प्रिंग के शोक से फुसफुसाते हुए सुना। "बिल्कुल नहीं। अगर तुम चल नहीं चल सकतीं, तो मैं चल सकता हूँ!" स्प्रिंग के शोक ने उत्सुकता से कहा। "छी! बस कोशिश करने की बत है!" मियाओ यू मुस्कुराते हुए बोली; और खेल जारी रखते हुए, उसने कुछ चतुर चालों से स्प्रिंग के शोक के यूनिकॉर्न को, जो उसके खेल के मैदान का अग्रदूत था, चेकमेट कर खेल से बहर कर दिया।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.22% है ।

"इसे ही तो'जू ते उतारने का शतरं ज का खेल' कहते हैं," उसने मु स्कुराते हुए कहा। अब छिपकर सु नने वाला चु प नहीं रह सका। "यूनिकॉर्न के लिए वाकई एक रोमां चक लड़ाई थी!" वह अचानक ज़ोर से हं सते हुए बोला। दोनों खिलाड़ी चौंककर उछल पड़े । "तु म्हारा मतलब क्या है? बिना कु छ कहे जबरदस्ती अं दर घु स आए और हमें अचानक चौंका दिया! क्या तु म यहाँ बहुत दिनों से हो?" वसं त के शोक ने आधे गु स्से और आधे घबराहट से पू छा। "अरे नहीं मैं तो अभी-अभी आया हूँ । और आप, पू ज्य बहन, आप अपने पवित्र मठ को इतनी आसानी से नहीं छोड़तीं। तो फिर आज आपको हमारे इस अपवित्र, सां सरिक क्षे त्र में क्या खींच लाया?" उसने सु ं दर तपस्वी को व्यं ग्यात्मक मु स्कान के साथ झुकते हुए पू छा। मियाओ यू शरमा गई और चु पचाप शतरं ज के बोर्ड पर अपना सिर और नीचे झुका लिया। उसने बस एक सरसरी नज़र डाली थी। "अब तु म्हारी बारी है । क्या तु म चाल नहीं चलोगे?" उसने वसं त के शोक से यथासंभव सहजता से कहा; खड़ी हुई, अपने सिकु ड़े हुए गाउन को ठीक किया और फिर बै ठ गई। फिर पाओ यू की ओर मु ड़कर पूछा, "तु म कहाँ से आए हो?" उसकी एक त्वरित नज़र ने उसे इतना भ्रमित कर दिया कि वह भी शर्म से लाल हो गया और उसका सवाल सु न ही नहीं पाया। वह खु द को फं सा हुआ महसू स कर रहा था और साथ ही उस एक नज़र से प्रोत्साहित भी हुआ। "बोलिए, बोलिए! सवाल इतना मुश्किल तो नहीं है कि आपको शर्म आ जाए?" वसं त के शोक ने कहा। "मे रे जाने का समय हो गया है । मैं बहुत दे र तक रुक गई हूँ," मियाओ यू ने उससे पहले ही कहा; वह उठी और दरवाजे की ओर मु ड़ी। "मैं बस यही उम्मीद करती हूँ कि मैं रास्ता न भटक जाऊँ, मैं इन घु मावदार रास्तों के भूलभुलै य से बिल्कुल अपरिचित हूँ," दरवाजे पर पहुँ चते ही उसने मु स्कुराते हुए पाओ यू की ओर दे खा। पाओ यू ने उसकी नज़र में एक मौन निमं त्रण पढ़ा। "मैं आपको रास्ता दिखाऊँ गा," उसने तु रं त कहा। "ओह, आप कितने दयालु हैं, तो कृ पया आगे चलिए!" और उस सु ं दर और सं त महिला ने राजकु मारों के वं शज़, लाल धूल की दुनिया के उस बच्चे को, घु मावदार रास्तों से अपने आश्रम तक ले जाने की सहर्ष अनु मति दे दी। उस रात उन्हें प्रलोभन के राक्षसों से एक भयं कर संघर्ष करना पड़ा। अपना सादा भोजन करने, अगरबत्ती जलाने, अपने दैनिक सू त्र पाठ से प्रार्थना करने और अपने गोल प्रार्थना आसन पर आड़ी-

तिरछी टांगें मोड़कर बैठने के बाद, उन्होंने कई घंटों तक गहन ध्यान लगाकर व्यर्थ ही सभी तुच्छ, सांसरिक विचारों को दूर करने और ईश्वर को प्रसन्न करने वाली निर्धारित आंतरिक शांति प्राप्त करने का प्रयास किया। आधी रात को छत से एक टाइल गिरने की आवज से वह अपने प्रार्थना आसन से चौंककर उठी और जल्दी से453

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.16% है ।

बरामदे में । रात कितनी सु हावनी थी! चाँ द कितना सु ंदर चमक रहा था! एक छोटे झरने की तरह उसकी किरणें समने फैले बदलों की पतली परत से छनकर लहरों की तरह फैल रही थीं। जिस शोर ने उसे चौंका दिया था, वह छत पर उछल-कू द कर रही दो बिल्लियों का था, जो बारी-बारी से एक-दूसरे को प्यर भरी आवाज़ें निकाल रही थीं। उसे उन नन्हे जीवों से कितनी ईर्ष्या हो रही थी! वह खु द को कितना अकेला और परित्यक्त महसू स कर रही थी! लाल धूल के बच्चे पाओ यू ने आज उस पर जो मीठे शब्द बरसाए थे, वे बर-बार उसके मन में आ रहे थे । काफी दे र तक वह मु ंडे र पर झुकी रही, चाँ दनी रात में सपनों में खोई हुई सी दे खती रही फिर एक आह भरकर ध्यान के तकिये पर लौट आई। उसकी सारी मन की शांति भं ग हो गई थी। रात के उत्तरार्ध में उसकी आत्मा अपने पवित्र बं धनों से मुक्त हो गई और उसे सं सरिक कर्मों के वर्जित क्षे त्रों में ले गई। प्रलोभन के राक्षस उसके शरीर में प्रवे श कर गए और उसके मन में कामु क कल्पनाएँ लहराने लगे । पहले तो ये सब ऊं चे खानदान के और जोशीले नौजवनों के रूप में सामने आए, जिन्होंने उसे रिझाने की कोशिश की, लेकिन उसने बड़े धैर्य से उन्हें ठुकरा दिया; महिला दलालें उसे पाने के लिए होड़ में लग गईं और उसे फुसलाने की कोशिश की; और अं त में उसने खु द को लु टे रों के लू ट समझा, जो उसे घसीटकर ले ज रहे थे और उसके साथ दुष्कर्म करने वले थे । पसीने से लथपथ, मु ंह से झाग निकलते हुए, हाथ फैलाए और आं खें गाड़ए, वह अपनी समाधि से जगी। कई दिनों तक वह अर्धचे तन अवस्था में पड़ी रही, जब तक कि डॉक्टर द्वारा "खू न की आग को शं त करने" के लिए बताई गई दवाइयां निगलने से वह आखिरकार ठीक नहीं हो गई। लं बे समय तक उसकी बीमारी शहर के नौजवनों के बीच चर्चा का विषय बनी रही, जिन्होंने गहरी आहें भरते हुए कहा कि उसके जै सी खू बसू रत यु वती शादी के लिए ही पै दा हुई है, न कि आत्म-सं यम और सं सार त्याग के लिए। कौन जाने, एक दिन वह खू बसू रत सं न्यासिन अपवित्र हाथों में पड़ जाएगी! वसं त ऋतु की शोक दे वी ने अपने शतरं ज साथी के पतन की खबर सु नकर मन ही मन सोचा, "वह अभी तक इस सं सार की लाल धूल से पू री तरह मुक्त नहीं हो पाई है । कितना अफ़सोस है कि मु झे बु द्ध की से वा में अपना जीवन समर्पित करने का सौभाग्य प्राप्त नहीं है, जै सा कि उसने किया है, और उसके साथ रहने का

भी। अगर प्रलोभन के राक्षस फिर कभी उसे सताने और परेशान करने का मन बना लें, तो मैं अपनी प्रार्थना की शक्ति से उन्हें भगा दूंगी।" और एक बार फिर वह अपने प्रिय साथी के साथ अगले खेल के लिए अच्छी तरह से तैयार होने के लिए "शतरंज खेलने की कला की नियमावली" के अध्ययन में पूरी तरह से तल्लीन हो गई। हाल ही में पओ यू अपनी पढ़ाई और स्कूल में उपस्थिति में इतना व्यस्त हो गया था कि ब्लैक जेड से उसका मिलना धीरे-धीरे कम होता जा रहा था। इसके अलावा, ब्लैक जेड ने उसके स्वभाव में भी बदलाव पाया, क्योंकि वह उसके साथ बहुत गंभीर, आरक्षित और मौन हो गया था।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.74% है ।

हाल ही में, वह उदास होकर पु राने दिनों, उनके साथ बिताए जीवन के पहले सु खद वर्षों को याद कर रही थी। उन दिनों दोषारोपण का एक मामूली बहाना, झुं झलाहट और छोटी-मोटी कहा-सु नी का एक हानिरहित कारण - उसका बचकाना उत्साह, उसकी उमं ग भरी, बे परवह बातें - अब उसे उसकी सबसे ज़्यदा कमी खल रही थी। कु छ समय पहले जब उसकी नौकरानी कु कू ने उसके लिए गर्म सर्दियों के कपड़े निकाले और उनमें एक छोटे से बां डल में उन दिनों की तीन यादगार चीज़ें मिलीं - अधू रा इत्र का थैला, उसके तबीज़ का वह लटकन जिसे उसने कर्भ ज़िद में कैं ची से काट दिया था, और उसके दिए हुए दो रुमाल जिन पर उसने कविताएँ लिखी थीं, जिन पर अब भी उसके आँ सु ओं के निशान थे - तो वह भावनाओं से भर उठी। काफी दे र तक वह उन प्यरी यादों से अपनी नज़रें नहीं हटा सकी, और पु राने आँ सु ओं के साथ नए आँ सू भी बहने लगे । पतझड़ के उन धुं धले दिनों में जब पत्ते गिर रहे थे, पार्क में छाई उदासी का माहौल उसके अपने उदास मन से बिल्कुल मेल खाता था। उसे सहारा दे ने वाली एकमात्र चीज़ यह विश्वास था, जिसे वह अपनी दासियों की तरह दृढ़ता से मनती थी: कि वह पाओ यू की नियति से जन्मी दुल्हन है । एक दिन, प्रियतम के नियमित संक्षिप्त और पारं परिक दौरे के बाद, वह अपने बिस्तर पर ले ट गई और दासी कु कू को भे ज दिया ताकि वह अपने विचारों में खोई रह सके । जब कु कू दासियों के कमरे में गई, तो उसने वहाँ छोटी स्नोगू ज़ को दे खा, जो स्पष्ट रुप से परे शान लग रही थी, एक कुर्सी पर दुबकी हुई, अकेले ही सोच में डूबी हुई थी। "क्या तु म्हें कोई बात परे शन कर रही है?" उसने पू छा। छोटी बच्ची ने उदास होकर सिर हिलाया और अपनी उं गली होठों पर रखते हुए, बड़ी लड़की को अपने सथ दरवाजे से बाहर सामने वले बगीचे की ओर खुलने वली छत पर ले गई।"मे रे पास एक बु री खबर है । पाओ यू की सगई किसी और से हो गई है" उसने फु सफुसाते हुए कहा। "अरे, यह सच नहीं हो सकता!" कु कू भयभीत होकर चिल्लाई। "चु प रहो! इतनी ज़ोर से बत मत करो! यह सच है! हमारे अलावा सबको बहुत पहले से पता था।" "तु म्हें कै से पता चला?" स्नोगू ज़ ने कु कू को दो कदम और दूर खींच लिया, क्योंकि अं दर खँ सी और बिस्तर की चरमराहट सु नई दे ने लगी थी। अपना सिर पीछे करके वह तब तक ध्यन से सु नती रही जब तक कि ब्लै क जे ड के कमरे में फिर से शांति नहीं हो

गई। फिर उसने धीमी आवज़ में कहा: "मैं ने इसे ब्लाक क्लियर ऑटम वे दर के आश्रम में सुना मिस टे स्ट ऑफ़स्प्रिंग वहाँ नहीं थीं। हम नौकरानियाँ घर की तज़ा खबरों के बरे में आपस में बात कर रही थीं, और बातचीत पाओ यू पर आ गई। वह इतन अपरिपक्व, बचकाना और शरारतों से भरा हुआ था, ज़रा भी सज्जन नहीं था," लिखने वली नौकरानी ने बड़े ही सहजता से टिप्पणी की; यह अविश्वसनीय था कि उसकी सगाई हो चु की थी और वह जल्द ही शदी करने वला था। जब मैं ने बहुत आश्चर्यचकित होकर पू छा कि उसकी सगाई किससे हुई है, तो मु झे बताया गया कि एक अमीर से वनिवृ त्त व्यक्ति की इकलौती बे टी से ।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल9.23% है ।

चां ग नम का एक प्रीफे क्ट, जो राजकु मरी शीह का दूर का रिश्ते दर था। कहा जाता था कि रिश्ते की वजह से लं बी बतचीत की कोई ज़रूरत नहीं थी। श्री चें ग ने मंत्रलय में काम करने वले एक यु व सहकर्मी वां ग द्वरा किए गए प्रस्ताव को तु रं त स्वीकर कर लिया। सं क्षे प में,सगाई पक्की हो गई थी। बे शक, मैं इस खबर से पू री तरह हैरान रह गई। हमारी बे चरी छोटी मालकिन!” “लेकिन हमें कु छ क्यों नहीं बताया गया?” कु कू ने कु छ दे र रुककर पू छा। “बू ढ़ी तई ताई की खास इच्छा पर, पाओ यू की खतिर सगाई को फिलहाल गु प्त रख जाना था। उन्हें डर हैकि अगर उसे इसके बारे में जल्दी पता चल गया तो वह बिगड़ जाएगा और पढ़ाई में बिल्कुल बे कार हो जाएगा। और लिखने वली नौकरानी ने मु झे यहां ब चु पके से बताई। हमारी यु वती कोकिसी भी कीमत पर इसके बरे में कु छ नहीं पता चलना चाहिए!” उनके पीछे से एक चीखती हुई आवाज आई: “यु वती के पस जाओ!” "उसे एक कप चय दो!" यह सु नकर दोनों नौकरानियाँ घबराकर पीछे मु ड़ीं लेकिन यह तो के वल तोता था, जो अपना सीखा हुआ छोटा सा वाक्य बोल रहा था। उन्होंने उस रं ग-बिरं गे शरारती तोते को कु छ शब्द डांटे औरफिर अपनी मालकिन के पस वापस चली गईं। "तु म दोनों कहाँ छिपी हुई थीं?" "कोई बार-बार बुलाए, कोई नहीं आता," ब्लै क जे ड ने कमजोर आवाज में कहा; फिर उसने बे मन से कु छ चीजें मांगीं और तु रं त नौकरानियों को वापस भे जदिया। जब कु कू शम को खाना ले कर आई तो उसने अपनी मालकिन को बिस्तर पर बे परवही से ले टे हुए पाया, लगभग बिना कपड़ों के । उसने सावधानी से बिखरे हुए चदरों को उसके ऊपर समे टा और चु पके से बाहर निकल गई, क्योंकि उसे लगा कि उसकी कोई जरूरत नहीं है । जब वह बद में बर्तन हटाने लौटी तो उसने दे खा कि खाना वै स ही पड़ा था। चादरें फिर से बिस्तर के नीचेखिसकी हुई थीं, मानो गर्मियां हों, ठं डी पतझड़ नहीं। कु कू ने एक बार फिर चादरें समे टीं, पर्दे गिराए और बिना छुआ हुआ खाना बाहर ले गई। "क्या तु म्हें लगता है कि उसने हमरी आवाज सु न ली होगी?" "उसमें कितना असाधारण बदलाव आ गया है!" बाहर निकलते ही उसने स्नोगू ज़ से चिंता से कहा। दरअसल, ब्लै क जे ड को छत की सीढ़ियों पर फु सफु साते हुए हो रही बतचीत का लगभग सात से आठ-दसवां हिस्सा ही समझ आया था, लेकिन जो कु छ उसने सुना था, वह उसके सिर पर निराशा

की लहर की तरह टूट पड़ा था। उसका भयानक सपना कितनी विचित्रता से सच हो रहा था। अब जीवन का कोई उद्देश्य नहीं रह गय था। क्या उसे अपने प्रिय को एक और दुल्हन घर लाते हुए देखना पड़ेगा? यह विचार उसके लिए असहनीय था। उसने अपने जीवन की लौ को धीरे-धीरे और सोच-समझकर बुझने का निश्चय किया। वह भोजन का एक निवाला भी नहीं खाएगी।

鶯兒

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.39% है ।

और दवा न ले ने से उनका पहले से ही कमजोर स्वास्थ्य कृत्रिम रूप से औरबिगड़ जाएगा, जिससे उनकी मृ त्यु शीघ्र हो जाएगी। उन्हें एक गहरी और आनं दमय शांति का अनु भव हुआ। क्या सां सरिक सं घर्षों की लाल धूल से धीरे-धीरे खु द को मुक्त करना और मानो आध्यात्मिक क्षे त्र में ऊपर उठना, जहाँ ज्ञान और निर्वाह का चरम है, एक सुं दर और सार्थक कार्य नहीं था? उन्होंने अपने इस कठोर सं कल्प को इतने दृढ़निश्चय से निभाया कि दो सप्ताह के अं त तक उनमें चावल का एक दाना भी खाने की शरीरिक शक्ति नहीं बची थी, भले ही उनकी इच्छा होती। घर में उनकी दो नौकरानियों के अलावा किसी को भी उनकी इस दुर्बलता का कारण समझ नहीं आया, और पूर्वज द्वारा निंदा किए जाने के डर से नौकरानियों ने कु छ भी कहने की हिम्मत नहीं की। और अब स्थिति इतनी बिगड़ गई थी कि ब्लै क जे ड का जीवन अं त के कगार पर लग रहा था। "मु झे दौड़कर सभी महिलाओं को बताना होगा कि हमारी छोटी मालकिन का अं तनिकट है; मे रे आने तक उनके पास बै ठ जना!" कु कू ने स्नोगू ज़ से कहा और बीमार लड़की के सथ उसे अके ला छोड़ दिया। प्रकृति के बारे में अपनी बचकानी अज्ञानता में, छोटी नौकरानी ने सोच कि उसकी मालकिन मर चु की होगी, क्योंकि वह इतनी स्थिर और गतिहीन थी। जब वह डर और कां पते हुए अके ले उसके पास बै ठी दे ख रही थी, तभी शरद ऋतु के सुबह ने आश्रम सेले खन दासी बाहर प्रकट हुई। उसे वसं त ऋतु के स्वामी ने ब्लै क जे ड का हालचाल पू छने के लिए भे ज था। स्नोगू ज़ को अं ततःकिसी के आने से बहुत राहत मिली और वह आगं तु क को बीमार के कमरे में ले गई।"कु कू कहाँ है?" ले खन दासी ने पू छा। स्नोगू ज़ ने ब्लै क जे ड की ओर इशारा किया। "वह अभी-अभी दौड़कर उन्हें यह बतने गई है कि हमारी छोटी मालकिन मर रही है ।" यह मानते हुएकि उसकी मालकिन अब होश में नहीं थी, उसे अपनी ज़बान पर लगाम लगाने की कोई ज़रूरत नहीं थी, उसने आगे कहा "क्या तु मने मु झे कु छ दे र पहले जो बतया था, वह सच था कि पाओ यू की सगई प्रीफे क्ट चं ग की बे टी से हो गई है?" "बे शक यह सच थ। मु झे यह बात नौकरानी सियाओ हं ग से पता चली थी, और उसने यह बत अपनी मालकिन मै डम फीनिक्स से सु नी थी, लेकिन तब से कु छ बदल गया है । जबमिस टे स्ट ऑफ स्प्रिंग ने मु झे अगले दिन मै डम फीनिक्स के पस इसके बरे में और जानने के लिए भे ज, तो मै डम

फीनिक्स ने मुझे बताया कि बूढ़ी तई ताई ने इस सगाई को मंज़ूरी नहीं दी थीऔर कहा था कि यह हमारे श्री चेंग के एक युवा मंत्री सहयोगी और अतिथि की जल्दबाज़ी वाली योजना थी। उस सज्जन ने श्री चेंग का पक्ष जीतने और अपने करियर में उनसे भविष्य के लाभ प्राप्त करने केलिए यह प्रस्ताव रखा था। जब इस योजना की और गहराई से जँच की गई तो यह बिल्कुल अव्यवहारिक साबित हुई। पूर्वज ने घोषणा की कि उन्होंने पओ यू केलिए पहले से ही एक और दुल्हन सोच रखी है, जो हमारे सथ पार्क में रहती है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि वह चाहती हैं कि वह अपने कुल में ही शदी करे।" यह स्नोगूज़ केलिए वाकई एक अकल्पनीय खुलासा था।

"क्या? तो मेरी बेचारी छोटी मालकिन ने 460 के लिए अपना जीवन दांव परलगा दिया है।"

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 48.60% है ।

"बिल्कुल कोई कारण नहीं, और यह सब मे री गलती है!" वह आश्चर्यचकित और हताश होकर चिल्लाई। "तु म्हारा क्या मतलब है?" "जब मैं कु कू को प्रीफे क्चर च की बे टी से विवाहित सगाई की खबर बता रही थी, तो उसने हमरी बातें सु न लीं, और उसे यह बत इतनी बु री लगी कि उसकी जान चली गई।" "सावधान रहो! चु प रहो वह हमें सु न सकती है!" "अफ़सोस, अब सावधान रहने की कोई ज़रूरत नहीं है । वह बहुत पहले ही बे होश हो चु की है । कु छ ही घं टों में ..." ब्लै क जे ड की हल्की सी "हम्म" की आवाज़ सु नकर स्नोगू ज़ अचानक चु प हो गई। कु कू जो अभी-अभी लौटी थी, दौड़कर अं दर आई और मरीज़ के ऊपर झुक गई। "पानी!" एक धीमी, साँ स जै सी आवाज़ आई, फिर भी सु नई दे रही थी, उस लड़की के मुँ ह से जिसे वे लगभग मृ त समझ रहे थे । स्नोगू ज़ रसोई में भागी और आधा कटोरा उबला हुआ पानी ले आई। अपने सिर के हल्के से हिलने से मरीज़ ने इशारा किया कि वह उठना चाहती है । कु कू ने एक हाथ धीरे से उसकी गर्दन के नीचे रखा और उसका सिर उठाया, जबकि दूसरे हाथ से उसने पानी का कटोरा सावधानी से उसके होठों तक ले गई। तीनों नौकरानियाँ साँ स रोककर उसकी हर हरकत पर नज़र रख रही थीं। और सचमु च, उसके बे जन होठों ने उस जीवनदायी तरल को पी लिया। एक बार, दो बार, तीन बार, उसने निगला, फिर अपना सिर हिलाया। कु कू ने कटोरा नीचे रख दिया। एक गहरी साँ स ले कर, ब्लै क जे ड ने अपना सिर तकियों पर टिका दिया। फिर, काफी दे र बाद, उसने अपनी आँ खें खोलीं। "क्या अभी थोड़ी दे र पहले 'टे स्ट ऑफस्प्रिंग' की ले खन नौकरानी यहाँ नहीं थी?" “मु झे उसकी आवाज़ सु नई दी,” उसने धीमी आवाज़ में कहा। “जी हाँ, मैं यहाँ हूँ,” ले खन दासी ने पास आकर जवाब दिया। “मे री ओर से अपनी यु वती को नमस्कार कहिए!” कु छ दे र रुकने के बाद ये शब्द धीमी लेकिन स्पष्ट रूप से सु नाई दिए। ले खन दासी ने सिर हिलाया और चु पचाप चली गई। उसके दरवज़े से बाहर निकलते ही यु ं गकु ओ महल की कई महिलाएँ — फ्लूज, मै डम चें ग, विधवा चू और फीनिक्स अपनी परिचारिकाओं के साथ—उत्साह और जल्दबाज़ी में अं दर आ गईं। कु कू की चिंताजनक रिपोर्ट के बाद वे एक मृ त लड़की को दे खने की उम्मीद कर रही थीं और अब एक मरीज़ को दे खकर बहुत आश्चर्यचकित हुईं, जो शारीरिक रूप से कमज़ोर होने के बावजूद, उसके चे हरे की चमक से स्पष्ट था

कि वह ठीक होने की राह पर थी। पूरी तरह से अचंभित होकर, फीनिक्स कुकू को एक तरफ ले गई "तुम अभी हमें क्या बता रही थीं, और तुमने हमें बेवजह क्यों डराया? अरे, उसकी हालत तो बिल्कुल भी खराब नहीं है!" "मुझे समझ नहीं आ रहा" कुछ देर पहले उसकी हालत बहुत खराब थी, और अब अचानक इतना सुधर..." कोयल ने शर्मिंदा होकर हकलाते हुए कहा। "अरे! उसे ज़्यादा सावधान रहने केलिए डाँटो मत बेहतर होग कि एक बार डॉक्टर से मिल लिया जाए।"

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.29% है ।

"दे र से आने के अलावा और कु छ नहीं," पूर्वज ने मु स्कुराते हुए फीनिक्स की ओर मु ड़कर कहा। पू री तरह आश्वस्त होकर वह अपने दल के सथ चली गई। कु छ दे र पहले, जब लेखिका आई थी, तब ब्लै क जे ड शारीरिक रुप से लगभग बे जन पड़ी थी, लेकिन उसकी चे तन इतनी स्पष्ट थी कि वह दासियों की ते ज़ बतचीत का सार समझ पा रही थी। यह खु शखबरी कि पहली शादी की योजना रद्द कर दी गई थी और पूर्वज की इच्छा के अनु सार, पार्क में रहने वाली कबीले की एक लड़की - जो निश्चित रुप से वही हो सकती थी - पाओ यू की दुल्हन बनने वली थी, ने उसकी हालत पर जादुई असर किया था। जीवन का नया आनं द तु रं त उसके शरीर में भरा गया। आत्मा बनकर स्वर्ग में प्रवे श करने का उसका कठोर सं कल्प भुला दिया गया। उसका जीवन एक बार फिर जीने लायक हो गया था, और वह जीना चाहती थी। ब्लै क जे ड जल्दी ही ठीक हो गई। उसकी दोनों दासियों ने राहत की सां सली और बु द्ध को धन्यवद के कई भवपूर्ण पाठ किए। उन्हें वह घटन याद आई जब कु कू ने ब्लै क जे ड के बारे में सं केत दिया था। जे ड के अपने जन्मस्थान लौटने और पओ यू के तु रं त बीमार पड़ जाने से, उन्होंने यह निष्कर्ष निकाला कि दोनों का भाग्य निश्चित रुप से एक-दूसरे के लिए ही बना है । स्नोगू ज़ को अपने अंतरात्मा से भरी बोझ हल्का महसू स हुआ और उसने कसम खाई कि वह फिर कभी किसी को कु छ नहीं बतएगी, चाहे वह अपनी आँ खों से पाओ यू को किसी और दुल्हन के सथ घर लाते हुए ही क्यों न दे खले । ब्लै क जे ड की अचानक बीमारी और अचानक ठीक होने की बत स्वाभाविक रुप से हमे शा के लिए छिपी नहीं रह सकी, और यह बात एक-एक करके फैल गई और नौकरों के बीच खू ब चर्चा हुई। अं ततः यह बत फीनिक्स और यु ं गकु ओ महल की अन्य महिलाओं के कानों तक पहुँ च गई। उन्होंने पहले ही मन ही मन अनु मान लगा लिया था, और अब उनकी धारणा सही साबित हुई। "जब तक वे बच्चे थे, मैं ने उन्हें साथ में खुलकर खेलने दिया, लेकिन अब जब वे बड़े हो गए हैं, तो मु झे उन्हें अलग करना ही अधिक उचित और समझदारी भरा लगता है ।" "आप क्या सोचती हैं?" उसने अन्य महिलाओं से पू छा। "बे शक पओ यू अभी भी एक बहुत ही नासमझ लड़का है, लेकिन ब्लै क जे ड पहले से ही एक परिपक्व, पू री तरह से विकसित यु वती है," मै डम चें ग ने थोड़ी देर झिझकते हुए कहा। "अगर उन्हें अभी अचनक अलग कर दिया

जाए तो इसका गलत अर्थ निकाला जा सकता है । बेहतर होगा कि हम उन्हें बिना देरी किए पति-पत्नी बना दें ।" पूर्वज ने अपनी भौंहें सिकोड़ीं। "ब्लैक जेड में अच्छे गुण हो सकते हैं, लेकिन उसकी अपनी कुछ खास आदतें और सनक भी हैं । इसके अलावा, उसका स्वास्थ्य बहुत खराब है । मुझे डर है कि वह ज्यादा दिन तक जीवित नहीं रहेगी। मैं उसे बाओयू की पत्नी के रूप में नहीं चाहती; प्रेशियस क्लैस्प उसके लिए सही लड़की है," उसने फैसला किया। मैडम चेंग भी यही चाहती थीं, लेकिन चूंकि प्रेशियस क्लैस्प ब्लैक जेड की तुलना में उनसे अधिक करीबी रिश्तेदार थी, इसलिए उन्होंने विवेकवश पहले ऐसा कहने से परहेज किया था। 462

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 8.60% है ।

“बु जुर्ग ताई ताई बिल्कुल सही कह रही हैं,” उन्होंने अब पू रे जोश से सहमति जताई। “लेकिन साथ ही ब्लै क जे ड के भविष्य के बरे में भी सोच लें । उसके जै सी बड़ी लड़की को अपने प्यर के लिए किसी की ज़रूरत तो होगी ही। अगर वह सच में पओ यू से प्यर करती है, तो किसी और लड़की को उसे पते दे खना उसके लिए बहुत मुश्किल होगा।” “पाओ यू ब्लै क जे ड से ज़्यादा हमारे करीब है; इसके अलावा, वह उससे छोटी भी है । इसलिए, हमें पहले पओ यू को मनना होगा; यही सही तरीका है, उल्टा नहीं। लेकिन हम ब्लै क जे ड से उसकी सगाई की बात छुपा कर रखें गे, ताकि उसे दुख न पहुं चे,” पूर्वज ने कहा। “सु न तु मने?” फीनिक्स ने ज़ोर दे कर कहा और नौकरानियों और दासियों की ओर मु ड़ी।“ पओ यू की सगाई के बरे में एक शब्द भी नहीं। जो भी चु गली करे ग, उसे अपनी जान का ख्याल रखना होगा!” अगर महिलाओं की बात मानी जाती, तो अब जब चाची ह्सु एह ने भी सै द्धांतिक रूप से अपनी सहमति दे दी थी, तो तय की गई शादी बिना किसी दे री के सं पन्न हो जती। लेकिन श्री चें ग का मानना था कि जब तक भतीजे ह्सु एह पन, जो अभी भी जेल में थ, का दुखद मामला परिवार पर मं डराता रहे ग, तब तक शादी के लिए उपयुक्त उत्सव का माहौल नहीं बन पाएगा। इसके अलावा, नव वर्ष का त्योहार, अपनी सारी चहल-पहल के सथ, निकट ही था। इसलिए, उनके सु झाव पर, सगाई के उपहारों के परं परिक आदान-प्रदान को नव वर्ष के त्योहार के बद तक स्थगित करने और शदी को पूर्वज के जन्मदिन के बद, वसं त ऋतु के आरं भ में मनाने का निर्णय लिया गया। यह सब पाओ यू की पीठ पीछे तय किया गया, जबकि उसी समय, एक सु ं दर भ्रम की शिकार काली जे ड, सां सरिक इच्छाओं की लाल धूल में एक बर फिर अपने पै र जमा रही थी। अध्याय 42 पूर्वज सर्दियों में खिलने वले बे गनिया के अशु भ सं के त की विपरीत व्याख्या करती हैं और भोज के आनं दमय कोलाहल में अपनी चिंताओं और शं काओं को भुलाने का प्रयास करती हैं । परिणामस्वरूप, पाओ यू आत्म पत्थर खो दे त है और अपनी बुद्धि खो बै ठत है । आई आओ यू पहले की तरह ही अनजन बना रहा, उसे पत ही नहीं था कि उसकी पीठ पीछे क्य फै सला लिया गया था। बे शक, उसे यह बत अजीब लग रही थी कि उसने अपनी चचे री बहन प्रेशियस क्लै स्प को इतने लं बे समय से नहीं दे खा था, और वह अब किसी भी

पारिवारिक समारोह में नहीं आती थी। लेकिन जब उसने उसकी माँ, आंटी ह्युएह से इसका कारण पूछा, तो उसे हमेशा उसकी अनुपस्थिति के ऐसे असंगत और भ्रामक जवाब मिले - जैसे कि वह ठीक नहीं थी या घरेलू कामों में व्यस्त थी- जिससे उसकी चिंता तुरंत दूर हो जाती थी। यही अज्ञानता बैम्बू हेरिटेज में भी व्याप्त थी, और उसके सुरक्षात्मक आवरण के नीचे ब्लैक जेड दिन-प्रतिदिन स्पष्ट रूप से बेहतर होता जा रहा था। एक बार 463

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 99.31% है ।

यह पर्दा बे रहमी से फटने ही वाला था। ग्यारहवें महीने की एक सु बह, कोयल मं दारिन बत्तख के घर गई और उससे विस्तार से सु ना कि कै से हाल ही में कई महिला दलालों ने पूर्वज को पाओ यू के लिए इस और उस शानदार रिश्ते के लिए मनाने की कोशिश की थी, और कै से पूर्वज इन व्यर्थ की गु जरिशों से तं ग आ चु की थीं। कोयल स्वाभाविक रूप से यह जनने के लिए उत्सु क थी कि पूर्वज ने इन सभी लु भवने प्रस्तवों को इतनी दृढ़ता से क्यों ठुकरा दिया। मं दारिन बत्तख सच बताने के लिए अपना मुं ह खोलने ही वली थी कि तभी उसे पूर्वज के पस बुलाया गया, जो अभी-अभी जागी थीं। पहले से कु छ न समझते हुए, मन में दबी आशं काओं से भरी कोयल बां स के आश्रम लौट आई। काली जे ड अभी भी बिस्तर पर थी और साहित्यिक पां डुलिपियों को व्यवस्थित करने में व्यस्त थी। "तु म कहाँ थीं?" उसने कोयल से पू छा। "मैं एक दूसरी दासी से मिलने गई थी।" "मु झे यकीन है कि यह पर्ल ही थी," ब्लै क जे ड ने खु शी से कहा। "मु झे नहीं पता कि मैं उससे मिलने क्यों जा रही हूँ ।" ब्लै क जे ड, जिसके विचार के वल पाओ यू और बे गोनिया आं गन में ही कें द्रित थे, तु रं त चिढ़ गई। वह अपने प्रियतम से सं दे श की उम्मीद कर रही थी। "मु झे कोई फर्क नहीं पड़ता कि तु म किससे मिलने जती हो; मे रा नाश्ता लाओ!" उसने गु स्से से कहा। वह अभी चाय का पहला प्याला ही पी रही थी कि उसे समने के बगीचे से कु छ दूरी पर स्थित पार्क के रस्ते से उत्साहित आवाजों की गूं ज सुनाई दी। कई बागवान महिलाएं रस्तों की सफाई करने के बजाय वहाँ खड़ी होकर आपस में उत्सह से बतें कर रही थीं। ब्लै क जे ड ने यह पू छने के लिए सं दे श भे जा कि वे किस बारे में बत कर रही हैं । उन्होंने कहा, "पार्क में प्रकृति का एक चमत्कार हुआ है ।" बे गोनिया आं गन में सु नहरे बे गोनिया के मु रझाए हुए हिस्से में अचानक सर्दियों के बीच में कलियाँ निकल आई हैं, और आज तो वह पू री तरह खिल गया है । हमरे छोटे मलिक ने कल इसके बरे में बताया था, जब उन्होंने दे खा कि इसमें कई जगहों पर कलियाँ हैं, लेकिन किसी ने उनकी बत पर ध्यान नहीं दिया। आज कलियाँ खिल गई हैं और हर कोई इस चमत्कार को दे खने के लिए बे गोनिया आं गन की ओर दौड़ रहा है । पूर्वज अपनी दासियों के सथ किसी भी क्षण आने वली हैं । हमें मै डम फीनिक्स ने उनके आने से पहले पर्क के रस्तों से गिरे हुए पत्तों और शखाओं को साफ करने के लिए भे ज है ।

"ओह, मु झे भी वहाँ जना चाहिए और बू ढ़ी तई ताई का स्वागत करने के लिए तै यर रहना चाहिए," ब्लै क जे डचिल्लाई; और वह जल्दी से बिस्तर से उठी और कपड़े पहनलिए। उसे आईने में दे खने और अपनेबाल सं वरने का मुश्किल से ही समयमिला था कि स्नोगू स ने घोषणा कर दी कि बू ढ़ी तई ताई आ गई हैं, और ब्लै क जे ड को बे गिनिया आं गन में बुलाया गया है । कोयल के साथ, वह पूर्वज और उनके सथियों— राजकु मरी शीह और मै डम चें ग़ाविधवा चू और चचे री बहनों वसं त का स्वाद, वसं त का दुख और बादलों की माला— को प्रणाम करने के लिए रवाना हुई। फोए 464

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.07% है ।

निक्स अस्वस्थता के कारण अनु पस्थित थी। वे सभी पूर्वज के चरों ओर खु शी-खु शी बतें कर रहे थे, जो सु नहरे बे गोनिया के समने पओ यू की पसं दीदा बें च पर बै ठी थीं। वे प्रकृति की इस विचित्र घटना को आश्चर्य से निहार रहे थे और तरह-तरह की चर्चाएँ और व्यख्याएँ कर रहे थे। कून ने कहा, "बे गोनिया के खिलने का सामान्य समय निश्चित रूप से तीसरा महीना होता है। वै से तो हम ग्यारहवें महीने में हैं, लेकिन मौसम इतना सु हावना है कि ऐसा लग रहा है जै से दसंवय तीसरा महीना हो। मु झे इस दे र से खिलने में कु छ भी अजीब नहीं लग रहा है।" मै डम चें ग ने उत्साहपूर्वक सहमति जताते हुए कहा, "बु जुर्ग ताई ताई हम सब से अधिक अनु भवी और समझदार हैं, और निस्सं दे ह इस मामले को सही ढं ग से समझती हैं। यह घटना निश्चित रूप से अपशगु न नहीं है। लेकिन जो हिस्सा अब खिल रहा है, वह पिछले एक सल से मु रझाया हुआ था। यह अब इतने असामान्य समय पर क्यों खिल रहा है? इसका अवश्य ही कोई अर्थ होगा!" राजकु मरी शीह ने आपत्ति जताई। "इसका कोई न कोई अर्थ तो जरूर है, और शु भ अर्थ है। मे री समझ से यह फूल खिलना पाओ यू के जीवन में जल्द ही आनेवाली किसी खु शी की घटन का सं के त है," विधवा चू हं सते हुए बोलीं। प्रकृति की हर विचित्र घटना अशु भ सं के त होती है। यह असमय फूल खिलना प्रकृति के विपरीत है औरनिश्चित रूप से किसी बु रे सं के त का सं के त है, वसं त ऋतु की दे वी ने मन ही मन सोचा। लेकिन उसने अपनी राय व्यक्त करने कीहिम्मत नहीं की, कहीं ऐसा न हो कि वह पूर्वज को नाराज कर दे। दूसरी ओर, काली जे ड ने आने वाली खु शी की घटन के बरे मेंविधवा चू के कथन को उत्सु कत और खु शी से स्वीकार कर लिया और इसे स्वभाविक रूप से पओ यू के साथ अपनी शादी से जोड़दिया। "पे ड़पौधे आत्म वाले जीव हैं और ऐसे कई उदाहरण हैं जो सबित करते हैंकि वे अपने आस-पास रहने वले मनु ष्यों के सु ख-दुख में सहानु भूति दिखाते हैं," उसने कहा। "ऐसा लगता है कि इस फूल के खिलने से बे गोनिया इस बात पर अपनी खु शी जहिर कर रही है कि चचे रे भाई पाओ यू आजकल पढ़ाई में बहुत अच्छा कर रहे हैं और अपनेपिता को बहुत प्रसन्न कर रहे हैं"। उनकी व्याख्या को पूर्वज ने बड़े उत्साह से स्वीकार किया। इसी बीच, वरिष्ठ राजकु मर शीह और श्री चें ग, कनिष्ठों चिया हुआन और चिया लै न के साथ प्रकृति की इस घटना

को देखने के लिए आ गए थे।"यह शुभ संकेत नहीं है। अपशगुन के पेड़ को काट देना चाहिए," अंधविश्वासी राजकुमर शीह ने कहा। "इसे क्यों काटना? जो भूतों से नहीं डरते, उनके लिए भूत-प्रेत का कोई अस्तित्व नहीं है," शांत और तर्कसंगत कन्फ्यूशियसवादी श्री चेंग ने कहा। "अपशगुन और भूतों के बारे में कौन बड़बड़ा रहा है? हम किसी को भी अपनी खुशी छीनने नहीं देंगे! कोई भी विपत्ति जो हम पर आए, मैं स्वयं उसकी जिम्मेदारी लूंगी" पूर्वज ने तीखे स्वर में कहा 465

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.38% है ।

दोनों वरिष्ठों ने अपनी माँ की डांट चुपचाप सहन की और तु रं त कोई बहाना बनाकर गायब हो गए। लेकिन आशावादी पूर्वज ने रसोई में संदेश भेजा, क्योंकि उन्होंने सर्दियों में होने वाले इस चमत्कारिक फूल के खिलने के इस खु शी के अवसर को परिवार के बकी सदस्यों के सथ एक भव्य भोज के सथ मनाने का फैसला किया था। पूर्वज की इच्छा पर, तीनों कनिष्ठों, पाओ यू, चिया हुआन और चिया लैन को खिलते हुए बेगोनिया के सम्मन में काव्यात्मक चौपाइयाँ रचकर और सुनकर भोज का आनंद बढ़ाने में मदद करनी पड़ी। विधवा चू ने वसंत के बारे में मज़ाक में कहा, "इस सारी खु शी के लिए हमें आपका धन्यवाद करना चाहिए।" "आपका क्या मतलब है?" "आखिरकार, आपने ही तो बहुत पहले हमरे बेगोनिया क्लब की स्थापना की थी। और अब बेगोनिया खु द अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है; शायद यह हमारे क्लब का मानद सदस्य बनना चाहता है।" जब सब लोग उसके मजक पर हंस रहे थे और कुंजू को खु श रखने की कोशिश कर रहे थे, तब पाओ यू मन ही मन दो विरोधाभासी भावनाओं से जूझ रहा था। एक ओर, वह मरी हुई लड़की, ब्राइट क्लाउड, के बरे में सोचे बिना नहीं रह सका और इस बात का अफसोस कर रहा था कि वह उस बेगोनिया के पेड़ के आधे हिस्से की तरह फिर से खिल नहीं सकी जो सूख गय था। इस विचार ने उसे दुखी कर दिया। दूसरी ओर, उसे यद आया कि उसने कुछ समय पहले ही सुना था कि फीनिक्स जल्द ही ब्राइट क्लाउड की जगह उसे एक सुंदर नई नौकरानी देने वाली है। शयद बेगोनिया का अचानक खिलना इसी सुखद बदलाव का संकेत था, और इस विचार ने उसे फिर से खु श कर दिया। थोड़ी देर बद नौकरानी लिटिल पिंग आई और अपनी मालकिन मैडम फीनिक्स की ओर से, जिन्होंने अस्वस्थत का बहाना बनाकर जाने की अनुमति मांगी थी, पर्ल को शुभ रंग लाल के सटन की दो पट्टियाँ दीं, जिन्हें पओ यू को फूलों पर फैलाना था, जाहिर तौर पर सजावट के लिए, लेकिन साथ ही रात की ठंड से बचाने के लिए भी, जैस कि उसने सबको समझाया। "हे भगवान! फीनिक्स तो हर बात का ख्याल रखती है! अपनी बीमारी के बवजूद दूसरों के लिए इतनी परवाह!" पूर्वज ने प्रशंसा करते हुए कहा। लेकिन जब सभी चले गए, तो छोटी पिरिग अपनी सहेली पर्ल को एक तरफ ले गई और बहुत गंभीर होकर उससे बोली: "मेरी मलकिन प्रकृति की इस घटना

की गलत व्याख्या कर रही हैं । वह चहती हैं कि पाओ यू लाल साटन को पट्टियों में काटकर अशु भ फूलों पर लटका दे तकि शु भलाल रं ग उनके अशु भ प्रभ को बे असर कर दे "। पर्ल ने उनकी सलाह मानी, लेकिन जाहिर तौर पर जादू का असर उतना मजबू त नहीं थ, जै स कि तु रं त ही पत्त चल गया। पाओ यू ने र्पूज के आने केलिए अपने कपड़े बदल लिए थे और उत्सव के वस्त्र पहन लिए थे । क्योंकि यह मुलाकात अचानक हुई थी, इसलिए उसे बहुत जल्दी कपड़े बदलने पड़े । सं क्षे प में,जल्दबाजी में वह आत्म पत्थर वाला हार दोबारा पहनना पू री तरह भूल गया था, जो उसने 466

उतार दिया गया। अब, जब मे हमनों के जने के बद वह कपड़े बदल रहा था, तो पर्ल को अचानक उसके गले से ताबीज गायब मिला। "पत्थर कहाँ है?" उसने घबराकर पू छा। "पत्थर? तु म सही कह रही हो। मु झेलगता है कि जल्दबाजी में मैं ने उसे कु छ दे र पहले छोटे सोफे पर ही छोड़ दिया था।" पर्ल दौड़कर सोफे की ओर गई लेकिन वहाँ पत्थर नहीं थ। उसने चदरों और तकियों के नीचे दे ख, बक्सों और दराजों में छनबीन की, कमरे के हर कोने को छन मारा, लेकिन उसे पत्थर का कोई निशान नहीं मिला। पर्ल घबराहट से पसीन बहाने लगी। "चिंता मत करो। वह मिल ही जाएगा!" उसने उसे आश्वासन दिया। "किसी न किसी नौकर ने उसे ज़रूर उठा लिया होगा।" लेकिन नौकरों से पू छताछ व्यर्थ रही। उनमें सेकिसी को भी पत्थर के बरे में कु छ नहीं पता था। “अभी घर में बहुत सरे लोग थे । शयद तु म्हारी किसी चचे री बहन ने मज़ाक में, तु म्हेंचिढ़ाने केलिए इसे ले लिया हो। ये एक मज़क ही होगा, पर तु म्हें इसे गं भीरता से ले न चाहिए। चाहे तु म्हें इसेवापस पाने के लिए उसके समने घु टने टे ककर भीख मं मनी पड़े, चाहे इसे वापस पाने केलिए कोई जुर्माना या इनाम दे न पड़े, ज़रूरी बात है इसे वापस पाना, क्योंकि यह तु म्हारा ही एक हिस्सा है, तु म्हारा जीवन है,” पर्ल कां पते हुए बोली। इसलिए मस्क और ऑटम वे व को पर्क के पड़ोसी मं डपों में भे जा गया, लेकिन वे जल्द ही खली हाथ लौट आए। बे गोनिया आं गन में अफरातफरी और उलझन का माहौल छा गया; वहां मौजू द लोग एक-दूसरे को उदस, भावहीन चे हरों से दे ख रहे थे, मानो लकड़ी की मूर्तियां य प्लास्टर की प्रतिमाएं हों। पओ यू की चचे री बहनें एक-एक करके अं दर आईं। टे स्ट ऑफ स्प्रिंग के सु झव पर पार्क के गे ट बं द कर दिए गए और भरोसे मं द नौकरानियों और नौकरानियों को पू रे पर्क में घर-घर तलाशी के लिए भे ज गया। उसी समय पत्थर ढूं ढने वाले को बड़ इनाम दे ने की घोषणा की गई। हालांकि सभी इमारतों, यहां तक कि सबसे एकां त कोनों की भी पू री तरह से तलाशी ली गई, फिर भी पत्थर नहीं मिला। विधवा चू ने सु झव दिया कि पार्क की सभी महिला कर्मचारियों की तलाशी ली जाए। यु वतियों को अपनी नौकरानियों की तलाशी ले नी चहिए, और नौकरानियों को बाकी सभी कर्मचारियों की तलाशी ले नी चहिए। यह उपाय, जिसमें दूसरों की उपस्थिति में पू री तरह से कपड़े उतारना और नग्न होना शामिल था, निश्चित रूप से शलीनता के

सख्त नियमों के अनु रूप नहीं था, लेकिन लापता वस्तु के महत्व को दे खते हुए इसे अनिवार्य माना गया और सामान्य बातों को दरकिनार कर दिया गया। इस प्रस्ताव को सभी ने स्वीकार कर लिया, सिवाय टे स्ट ऑफस्प्रिंग के, जिसने अपनी सहमति नहीं दी। और इस तरह तु रं त ही कपड़े उतारने, धोने और सफ-सफाई करने का शोरगुल मच गया। लेकिन नग्न होने की यह प्रक्रिया शु रू ही हुई थी कि टे स्ट ऑफस्प्रिंग के कहने पर इसे फिर से रोकदिया गया। टे स्ट ऑफस्प्रिंग को अभी भी घर की तलाशी और अपनी 467 की तलाशी की दर्दनाक याद थी।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.03% है ।

वां ग, जो कि मु ख्य प्रबं धक की पत्नी थी, के हाथों हुए अत्याचारों के बारे में बताते हुए, उसने विधवा चू को उस घृणित स्त्री के तौर-तरीके अपनाने के लिए फटकारा। उसने आगे कहा, "यह शारीरिक जाँच बिल्कुल अनावश्यक है । भला कौन इतना भोला होगा कि चोरी की सं पत्ति को लं बे समय तक अपने पास रखे और इस तरह खु द को बे नकाब करे? इसके अलावा, मु झे इस बात पर बहुत सं दे ह है कि पत्थर लालच के लिए चु राया गया है । आखिर, इसका हमारे परिवार के लिए के वल भावनात्मक महत्व है, अजनबियों के लिए इसका कोई बाज़ार मू ल्य नहीं है । कोई इसके लिए क्या कीमत दे गा? मे रा मानना है कि पाओ यू के साथ कोई घिनौनी चाल चलने वाले किसी व्यक्ति ने पत्थर चुराया है ।" उसकी इस बात से आम सहमति बनी और शक तु रं त चिया हुआन पर केंद्रित हो गया, जिसकी अपने अधिक प्रिय सौतेले भाई के प्रति घृ णा सर्वविदित थी। चिया हुआन, बे शक, पहले बे गोनिया के फूलों के दर्शन के समय मौजू द था। इसलिए नौकरानी लिटिल पिंग को किसी भोले-भाले बहाने से उस नाजायज बे टे को लाने के लिए भे जा गया। उसे चाय पर बुलाया गया और पहले थोड़ी दे र के लिए छोटी पिंग के साथ अकेला छोड़ दिया गया, जिसे उससे सच उगलवाने का काम सौंपा गया था। बातचीत के दौरान उसने कहा, "क्या तु मने साथी से भी पाओ यू का पत्थर दे खा है? वह आज सु बह से गायब है ।" मु स्कुराते हुए चे हरे के बावजू द, लड़के को लगा कि इशारा उसी की तरफ है । वह गु स्से से लाल हो गया और नफरत से भरी निगाहों से उसे घू रने लगा। "दूसरों के खोए हुए समान से मेरा क्या ले न-दे न है? तो लगता है मु झ पर चोर होने का शक है, है न?" उसने गु स्से में बु दबुदाया। "बु रा मत मानना। हमने बस सोचा कि शायद तु म थोड़ा मज़ाक करना चाहते हो, इसलिए मैं ने पू छा," छोटी पिंग ने डरते हुए कहा। "कृ पया उससे खु द पू छो। जब उपहार बां टने होते हैं तो मैं मौजू द नहीं होता, लेकिन जब कु छ गायब होता है, तो लोग मे रे पास दौड़कर आते हैं और अचानक मु झे याद करते हैं।" चिया हुआन गुर्राया और गु स्से में चला गया। और किसी ने उसे रोकने की कोशिश नहीं की। पाओ यू उस घिनौने आदमी से छुटकारा पाकर बहुत खु श था। "तु म्हें उसे यहाँ नहीं लाना चाहिए था," उसने कहा। "अब वो शायद वहाँ हं गामा खड़ा कर दे गा, और सबको पता चल जाएगा कि क्या हुआ है । मे रे लिए पत्थर इतना

महत्वपूर्ण नहीं है! मु झे परवाह नहीं, वो खोया हुआ ही रहे! उसे और ढूंढना समय की बर्बादी होगी। हम भू से के गट्ठे में सुई ढूंढने की कोशिश कर रहे हैं"। "तु म इस नु कसान को बहुत हल्के में ले रहे हो, छोटे फ्यूज!" पर्ल विलाप करते हुए बोली। "जब ये कहानी बुढ़िया को पता चले गी तो वो अपना आपा खो बै ठे गी, और हम नौकरानियों की इतनी पिटाई होगी कि हमारी हड्डियाँ टूट जाएँ गी। बे हतर होगा कि तु म उसे सीधे-सीधे सच बता दो।" "बकवास! उसे बताओ कि मैं ने पत्थर के टुकड़े-टुकड़े कर दिए!" 468

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 8.99% है ।

“यह नामुमकिन है । वह पूछेगी कैसे और क्यों, और इसके लिए हमें सज़ा देगी। और अगर वह उसे कड़े देखने को कहे, तो फिर क्या होगा?” “ठीक है । तो बेहतर होगा कि कह दो कि पत्थर मुझसे तब खो गया जब मैं हाल ही में शहर गया था।” “लेकिन तुम पिछले दो दिनों से न तो स्कूल गए हो और न ही शहर।” “नहीं, लेकिन परसों मैं दक्षिणी शांति के राजकुमार के महल में एक नृत्य प्रदर्शन में था। हो सकता है कि वहीं मुझसे पत्थर खो गया हो।” “यह भी ठीक नहीं है,” स्प्रिंग के स्वद ने आपत्ति जताई। “दादी पूछेंगी कि तुमने उन्हें दो दिन पहले ही क्यों नहीं बताया।” जब वे इस मामले पर इधर-उधर चर्चा कर रहे थे और कोई झूठ गढ़ने की कोशिश कर रहे थे, तभी दूर से चिया हुआन की माँ, चाओ की उत्तेजित आवाज़ सुनाई दी। “इसका क्या मतलब है? मेरे बेटे पर मेरी पीठ पीछे चोरी का आरोप लगाना! अगर दूसरे लोग अपनी चीज़ों के प्रति लापरवाह होते हैं और उन्हें खो देते हैं, तो मेरे बेटे का क्या कसूर है? मैं इस तरह के छल-कपट को बर्दाश्त नहीं करूँगी।” "लो, मैं चोर को तुम्हारे पास ला रही हूँ, और अब मेरी आँखों के सामने उससे खुलकर पूछताछ करो, और अगर वह सचमुच दोषी पाया गया तो तुम उसकी गर्दन काट सकते हो, या उसके साथ जो चाहो कर सकते हो" और चीखते-चिल्लाते लड़के को अपने आगे धकेलते हुए, वह हाँफती-काँपती बेगोनिया के आँगन में दाखिल हुई। विधवा चू उसे शांत करने की कोशिश कर रही थी, तभी अचानक - स्थिति को और बिगाड़ने के लिए - पाओ यू की माँ आ गईं। पर्ल इतनी डर गई थी कि वह चाहती थी कि ज़मीन उसे निगल ले । मैडम चेंग के आने से कम से कम इतना अच्छा हुआ कि दूसरी पत्नी चाओ और उसके बेटे का चीखना तुरंत बंद हो गया। वहाँ मौजूद लोगों के चेहरों पर घबराहट देखकर मैडम चेंग को यकीन हो गया कि उनके कानों तक पहुँची अफवाह में कुछ सच्चाई ज़रूर है ।"क्या पत्थर सचमुच खो गया है?" उन्होंने पूछा। किसी में जवाब देने की हिम्मत नहीं थी। पर्ल को इतना अपराधबोध हुआ कि वह उनके पैरों पर गिरकर सब कुछ कबूल करने ही वाली थी, लेकिन मैडम चेंग ने उसे समय बर्बाद करने के बजाय तुरंत खोज पर निकलने का आदेश दिया। स्पष्टीकरण। "पर्ल की कोई गलती नहीं थी," पाओ यू ने अपनी नौकरानी का पक्ष लेते हुए बड़े ही सजगता से कहा। "परसों मैं दक्षिणी शांति के राजकुमार के महल से लौटते समय पत्थर खो

बै ठा।" "तो फिर आपने पहले ही उसकी खोज क्यों नहीं करवाई? वैसे भी, मुझे तुरंत सूचित करना पर्ल का कर्तव्य था। उसका काम आपको कपड़े पहनना और उतारना है। उसने परसों पत्थर के खोने पर ज़रूर ध्यान दिया होगा," मैडम चेंग ने कड़े और विश्वास भरे लहजे में जवाब दिया। दूसरी पत्नी चाओ ने भी तीखी आवाज़ में कहा: "यह 469 है।"

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 79.21% है ।

और भी बु रा! उसने इसे रास्ते में खो दिया, और वह मे रे निर्दोष बे टे पर झूठा आरोप लगा रहा है..." "कृ पया इन अप्रासंगिक बातों को बं द करें, जिनका इस मामले से कोई ले न-दे न नहीं है!" मै डम चें ग ने उसे बीच में ही रोकते हुए सख्ती से कहा। इस पर विधवा चू और स्प्रिंग टे स्ट ने एक स्वर में सच बोल दिया। मै डम चें ग पू री तरह से हक्का-बक्का रह गईं। इसे दबने का कोई फायदा नहीं था। उन्हें पू र्वज को इस दुर्भाग्य की खबर दे ने का कठिन कार्य करना ही होगा। जै से ही वह जाने के लिए उठीं, फीनिक्स भी अं दर आ गई। "क्या तु मने सु ना?" मै डम चें ग ने कहते हुए अपनी भतीजी की ओर मु ड़ते हुए पू छा। "पाओ यू का पत्थर खो गया है और कहीं नहीं मिल रहा है । यह बहुत बु रा है । तु म्हें इसके बारे में कु छ करना होगा! पत्थर को ढूं ढना ही होगा! पाओ यू का जीवन इस पर निर्भर करता है!" फीनिक्स ने उत्तर दिया: "अगर पत्थर चोरी हो गया है तो दोषी को ढूं ढना मुश्किल होगा। हमारे नौकर बहुत अधिक हैं; हम ज़्यादा से ज़्यदा उनके चे हरे तो पहचान सकते हैं, लेकिन हर एक के दिल की बात कै से जान सकते हैं? मे री राय में हमें सबसे पहले इस बारे में किसी भी तरह की हलचल या उत्ते जना को बाहर फैलने से रोकना चाहिए। वरना दोषी को पहले ही चे तावनी मिल जाएगी, और दोषी पाए जाने पर उसे बिना दफ़नाए मौत की सज़ा मिले गी, इसलिए वह और भी ज़्यादा सतर्क हो जाएगा। नहीं, इसके बजाय हम इस मामले को मामूली समझें और यह अफ़वाह फैलाएँ कि पाओ यू ने पत्थर को कभी महत्व नहीं दिया और जानबू झकर फें क दिया, क्योंकि वह उससे ऊब गया था। हमें आपस में सहमति बनानी चाहिए और नौकरों को भी समझाना चाहिए कि अनावश्यक गड़बड़ी से बचने के लिए न तो बू ढ़ी तई ताई को और न ही पाओ यू के पिता को इस नु कसान के बारे में कु छ पता चलना चाहिए। बे शक हम पत्थर की खोज जारी रखें गे, लेकिन चु पचाप और गु प्त रूप से, और चालाकी से उसे उसके छिपने की जगह से बाहर निकालने की कोशिश करें गे । इस सु झाव पर ताई ताई क्या कहती हैं?" "यह तो ठीक है, लेकिन मैं अपने पति से इस नु कसान को कै से छुपाऊँ गी?" मै डम चें ग ने कु छ दे र सोचने के बाद पू छा। उन्होंने चिया हुआन को अपने सामने बु लवाया। "पाओ यू के पत्थर के खोने के बारे में पू छे जाने पर तु म हंगामा कर रहे थे," उन्होंने उससे सख्ती से कहा, "फिर से कोई हं गामा करने की हिम्मत मत करना, और इस तरह

चल रही जाँच को खतरे में मत डालना। अगर तुमने ऐसा किया, तो तुम्हारा बुरा हाल होगा! समझे?" माँ और बेटे ने चुप रहने का वादा किया और घबराकर चले गए। फिर मैडम चेंग ने सबसे महत्वपूर्ण दासियों और नौकरानियों को बुलाया और उनसे कहा: "पत्थर उड़ नहीं सकता। यह घर में कहीं न कहीं तो होगा। इसलिए इसे ढूँढ़ो, लेकिन ऐसा करते समय किसी भी तरह की गपशप और उत्तेजन से बचो। मैं तुम्हें तीन दिन का समय देती हूँ। मैं इससे ज़्यादा समय तक अपने पति से इस नुकसान को छुपा नहीं सकती। अगर तीन दिनों के भीतर पत्थर नहीं मिला, तो यह तुम सबके लिए एक गंभीर ममला होगा!" 470

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.31% है ।

उसके और फीनिक्स के जने के बाद, बे गोनिया आं गन में इस बात पर और गं भीर चर्चा हुई कि क्या उपाय अपनाए जाएं । मु ख्य प्रबं धक लिंग की पत्नी को भी बै ठक में बुलाया गया और उन्हें ममले की जानकारी दी गई। उनसे यह तय किया गया कि तीन दिनों तक किसी भी नौकर को आं गन से बाहर नहीं जाने दिया जाएगा। यदि इस उपाय का कारण पू छा जाए, तो के वल एक अस्पष्ट उत्तर दिया जाना चाहिए कि कोई वस्तु खो गई है और उसे ढूं ढना ही होगा, लेकिन किसी भी हालत में यह खुलासा नहीं किया जाना चाहिए कि वह वस्तु पाओ यू का पत्थर है । मु ख्य प्रबं धक लिंग की पत्नी ने इस सं बं ध में बताया कि उनके पति ने हाल ही में लियू नमक एक गली-मोहल्ले के ज्योतिषी की मदद से एक खोई हुई वस्तु बरामद की थी, जिसका उपनाम "लोहे का जबड़ा" था। पर्ल ने लिंग की पत्नी से विनती की कि वह अपने पति को तु रं त उस व्यक्ति को ढूं ढने और उससे पाओ यू के पत्थर के बारे में पू छताछ करने के लिए भे जें । वह महिला तु रं त अपने पति के पास चली गई। जब वह चली गई तो बादलों की माला ने कहा: "हमें किसी भटकते हुए ज्योतिषी को बुलाने की क्या ज़रूरत है? यकीनन, हमारे पास यह सब यहीं बहुत पास और बहुत बे हतर तरीके से मौजू द है; क्योंकि जहाँ तक मु झे पता है, किंगफिशर के पिंजरे में रहने वाले हमरे सं त भी भविष्यवाणी की कला जानते हैं "। यह बात दूसरों के लिए नई थी, और पाओ यू की दासियों के आग्रह पर, बादलों की माला, तपस्वी मियाओ यू से मिलने के लिए किंगफिशर के पिंजरे चली गई। कु छ दे र बाद, लिंग नाम की महिला वापस आई और बताया कि उसके पति ने ज्योतिषी लियू से पू छताछ कर ली है ।लोहे के जबड़े ने अनुकूल भविष्यवाणी की थी, पत्थर निश्चित रूप से फिर से मिल जाएगा। फिलहाल वह एक गिरवी की दुकान में है । उसके इस सं दे श से सबको संतोष और राहत मिली। अब पत्थर को पाना बिल्कुल भी मुश्किल नहीं होगा। बस शहर की सभी गिरवी की दुकानों में एक-एक करके खोजना होगा। पत्थर मिल जाने के बाद दुकान के हिसाब-किताब की मदद से चोर का नाम पता लगाया जा सकता था। लिंग नाम की महिला को एक बार फिर निकलना पड़ा, इस बार मै डम चें ग और फीनिक्स को ताज़ा घटनाक्रम की जानकारी दे ने के लिए। इस बीच, सभी लोग बे सब्री से उस जवाब का इं तज़ार कर रहे थे जो बादलों का हार किंगफिशर के पिंजरे से ले कर

आएगा। जब बादलों के ईश्वर ने उससे विनती की, तो उस सुंदर साध्वी ने पहले तो मना कर दिया। उसने कहा कि युवतियों के साथ उसका संबंध पूरी तरह से आध्यात्मिक और निस्वार्थ था, और इसका किसी भी व्यावहारिक या सांसरिक उद्देश्य से कोई लेन-देन नहीं था; और इसके अलावा, उसे अभी तक भविष्यवाणी की कला का गहरा ज्ञान नहीं था। जब बादलों के ईश्वर ने उसे सच्चे भावपूर्ण शब्दों में और कई बार विनम्रता से झुककर समझाया कि पाओ यू का जीवन खतरे में है, तभी वह मान गई। “मैंने संसार का त्याग इसलिए नहीं किया है कि बार-बार सांसरिक मामलों से परेशान होऊं,” उसने आह भरी। “लेकिन जब से मैं तुम्हारे बीच रहने आई हूं, यही हाल रहा है। अगर मैं अब तुम्हारी बात मान लूं, तो निःसंदेह भविष्य में दूसरे लोग आएंगे और मेरी पवित्र शांति भंग करेंगे”। अपने घर के पूजा स्थान पर, बुद्ध की मूर्ति के समने, उसने एक सपाट कालिख रखी।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 48.66% है ।

सायेर ने रेत की एक परत से ढकी हुई थाली में अगरबत्ती जलाई और मंत्रोच्चार का सूत्र लिखा। जब उसने और बदलों के पुष्पांजलि ने बुद्ध की प्रतिमा के समने प्रणम किया और अगरबत्ती जलते हुए मंत्रोच्चार का उच्चारण किया, तो दोनों ने आँखों पर पट्टी बाँधकर जदुई कलम पकड़ी और उसे थली में रखी रेत की परत पर जादुई लेखन करने दिया। और कलम ने लिखा: "मैं कहाँ से आया, कहाँ ज रहा हूँ, कोई निशान नहीं। एक हरी चट्टान के नीचे, एक पुराने देवदार के पेड़ के पास - ये मेरे रास्ते हैं। क्या तुम मुझे ढूँढोगे? क्या तुम मेरे पास आओगे? ऐसा नहीं, ऐसा नहीं! ऊँचे पहाड़ हमें अलग करते हैं- केवल ज़ोरदार हँसी ही तुम्हारा स्वागत करेगी।" जाओ!" यह वाकई बहुत रहस्यमय लग रहा था। न तो बादलों की माला और न ही मियाओ यू उन छंदों का अर्थ समझ पाईं। लेकिन पार्क में रहने वालों में इतने चतुर लोग थे, वे ज़रूर इसका अर्थ समझ लेंगे, साध्वी ने व्यंग्य से कहा और अपने आगंतुक को विदा कर दिया। "अच्छा, क्या खबर है?" जब बादलों की माला बेगोनिया आंगन में लौटी तो उसका स्वागत उत्सुकता भरी चीखों के सथ हुआ। उसने चुपचाप उन्हें जादुई कविता की एक प्रति दिखाई। सभी ने गर्दन झुकाकर कागज के उस टुकड़े को समझने की कोशिश की, लेकिन व्यर्थ। उन्हें हरी चट्टान के पस पुराना देवदार का पेड़ कहाँ मिलेगा? क्या इसे अक्षरशः समझना था, या यह जादुई भाषा का केवल एक अस्पष्ट अनुवद था? पर्ल ने इसे अक्षरशः लिया और पार्क में जहाँ भी चट्टानें और देवदार के पेड़ थे, वहाँ तेज़ी से खोजने लगी, स्वाभाविक रूप से बिना सफलता के। इस पूरे समय, बाओ यू वहाँ असधारण रूप से सुस्त और मानो अन्यमनस्क बैठा रहा और दूसरों को बात करने दिया। जब पर्ल वहाँ से उठी तो उसने उससे उसकी खोज के परिणाम के बरे में भी नहीं पूछा। वे पसीने से तर और थके-हारे वपस लौटे। काफी देर हो चुकी थी—लगभग आधी रात हो चुकी थी— उन्होंने लंबी चर्चा समाप्त की और सोने चले गए। जब वे उदास मन से विदा हुए, तो उनमें से एक ऐसी थी जो पत्थर के खो जाने पर अपनी गुप्त खुशी को बड़ी मुश्किल से छिपा पा रही थी, और वह थी ब्लैक जेड। अब अंततः उसके द्वारा वांछित ने फ्राइट और सोने के मिलन की चर्चा का अंत होग, जो पाओ यू के पत्थर और प्रिंसियस क्लैस्प के सुनहरे

ताबीज पर लिखे गए मिलते-जुलते शिलालेखों के कारण शुरू हुई थी, और जिसे उसकी झुंझलाहट के बावजूद दोनों के भविष्य के विवाह के रूप में समझा गया था। 472

岫煙

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.40% है ।

वह गु मनम भिक्षु, जिससे कीमतीशिलाप को बहुत पहले जदुई मं त्रमिला था, झू ठ साबित हो चु का था और अब वह काली जे ड और उसकी इच्छाओं के बीच बधा नहीं था। अब उसे पाओ यू के सथ अपने मिलन का रास्ता खुला दिखाई दे रह था। इस सु खदविचार ने उसे अपने पिछले कष्टों और वर्तमान थकान को भुला दिया, और जब वह दे र रात अपने बं स के आश्रम में लौटी, तो वास्तव में उसका मन पढ़ने का कर रहा था। इस बार चिंता नहीं, बल्कि आनं दमय उत्सह ने उसे भोर तक जगाए रखा। मै डम चें ग और फीनिक्स ने अगली सु बह से ही शहर के गिरवी दुकानों और नौकरों के बीच जो भी पू छताछ की, वह व्यर्थ रही। पत्थर नहीं मिला। तीन दिन की समय सीमा बीत चु की थी, लेकिन मै डम चें ग ने अभी भी अपने तिया पूर्वज को बताने कीहिम्मत नहीं की और कु छ समय के लिए इस मामले को गु प्त रखना बे हतर समझ। यह लगभग सौभाग्य की बात मानी जाती थी कि उन्हीं दिनों पूर्वज और श्री चें ग एक बहरी घटना में व्यस्त थे और इस कारण पाओ यू पर अपना सामान्य ध्यान नहीं दे प रहे थे। वसं त ऋतु की शु रुआत में, शाही पत्नी, पाओ यू अचानक निमोनिया से बीमर पड़ गई थीं और बारहवें महीने की अठारहवीं तारीख को उन्नीस वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया था। यु ंगकु ओ महल के वरिष्ठ महिलाएँ और पु रुष कई हफ्तों तक शाही दरबार के शोक समरोह में व्यस्त रहे और पाओ यू, जिन्हें शोक के कारण स्कूल से भी छुट्टी दे दी गई थी, लगभग पू री तरह से अके ले रह गए थे। शायद यह उम्मीद की जा सकती थी कि वे अपनी इस स्वतं त्रत का उपयोग अपने चचे रे भाइयों और नौकरानियों के सथ पार्क में हमे शा की तरह खेलने-कू दने और मौज-मस्ती करने में करें गे, लेकिन जब से उन्होंने पत्थर खोया था, उनमें एक असाधारण परिवर्तन आ गया था। वे उदासी और उदासीनता में डूब गए थे जोदिन-प्रतिदिन बढ़ती गई और धीरे-धीरे पूर्ण मूर्खता में परिवर्तित हो गई। वह तभी कार्य करता, बोलता, खाता और पीता था जब उसे ऐस करने के लिए कहा जाता था। जब उसे स्पष्ट रूप से यह नहीं बतया जाता था कि क्या करना है, तो वह कु छ नहीं करत था और अपनी जगह से हिलता भी नहीं था। अपनी माँ और दादी से मिलने के लिए भी वह के वल निश्चित आदे शों पर हीहिलता था। पर्ल, जो उसकी और पत्थर के खोने दोनों के लिए खु द कोजिम्मे दार मानती थी, लगभग हताश थी। अपनी उलझन में

वह बार-बार कु कू के माध्यम से ब्लै क जे ड से संपर्क करती और उसे बे गोनिया आं गन में आने के लिए मनाने की कोशिश करती, क्योंकि उसे विश्वास था कि उसकी उपस्थिति पाओ यू के मन पर सकारात्मक प्रभाव डाले गी। लेकिन ब्लै क जे ड मन ही मन पाओ यू की दुल्हन मानती थी और सोचती थी कि मं गे तर से मिलने जना उचित नहीं होगा। अगर वह उसके पस आता तो वह उसे अपने घर में स्वागत करती, लेकिन वह इसके लिए तै यर नहीं था। प्रेशियस क्लै स्प भी ठीक इसी स्थिति में थी। वह474 में थी।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 8.98% है ।

उसकी माँ ने उसे उसकी गु प्त संपीड़ा के बरे में बता दिया था, और तब से वह पओ यू के आसपास पहले से भी कम आत्मविश्वास महसू स करती थी; वह उसका नाम तक ले ने की हिम्मत नहीं करती थी, क्योंकि एक ने क दुल्हन के लिए यही उचित व्यवहार था। यहाँ तक कि 'टे स्ट ऑफस्प्रिंग' भी अब दिखाई नहीं दे त था; उसके मन में बे गोनिया का आं गन एक अशु भ स्थान बन गया था। बे गोनिया के सर्दियों में खिलने को अपशगु न माने का उसका गु प्त सं दे ह पत्थर के खोने और उसके तु रं त बाद 'बिगनिंग ऑफ स्प्रिंग' की मृ त्यु से और भी पु ख्ता हो गया था। और इस तरह पाओ यू के आसपास का वातावरण और भी अकेला होता जा रहा था और पर्ल हर दिन और भी बे चै न होती जा रही थी। एक दिन, वसं त ऋतु के दे र से शु रु होने के शोक के समाप्त होने के बाद, पूर्वज को अपने लं बे समय से उपेक्षित पोते की यद आई और वह उसकी माँ के साथ बे गोनिया आं गन दे खने निकल पड़ीं। पाओ यु में आए बदलाव को दे खकर वह चकित रह गईं। उन्होंने सोच था कि वह शारीरिक रुप से बीमर होगा। लेकिन अब, जब उन्होंने पर्ल के कहने पर उसे बड़ी मुश्किल से हकलाते हुए त्सिंग आन बोलते सु ना, और उनकी भावहीन आँ खें और उनके सभी सवालों पर उनके मूर्खतापूर्ण चे हरे दे खे, तो उन्हें यह जनकर बहुत दुख हुआ कि उसका मानसिक सं तुलन बिगड़ गया है ।"इसका क्या अर्थ है?" "यह तो उस बीमारी से बिलकुल अलग है जिसकी मु झे उम्मीद थी," उसने सख्ती से उसकी माँ की ओर मु ड़ते हुए कहा। मै डम चें ग को एहसास हुआ कि अब तक अपनाई गई सच्चाई छुपाने की तरकीब अब काम नहीं आएगी और उसे सच कबूल करना ही होगा। उसने बु आ को धीमी आवाज़ में बतया कि पाओ यू ने हाल ही में दक्षिणी शांति के राजकु मर के महल में एक नट्य प्रदर्शन से लौटते समय अपन पत्थर खो दिया था - क्योंकि उसने उस समय उसे यही बताया था - और तब से वह मनसिक रुप से कमज़ोर हो गय था, और उन्होंने पर्क और शहर के गिरवी की दुकानों में पत्थर की व्यर्थ खोज की थी। बु आ एकदम से चौंक गईं। "लेकिन यह तो भयानक है!" वह चिल्लाईं। "पत्थर उसके व्यक्तित्व का एक अभिन्न अं ग है, उसका जीवित अस्तित्व है । इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि पत्थर खो जाने के बाद से वह अपनी बुद्धि खो बै ठा है! लेकिन आखिर ऐसा कै से हो सकता है? इसके लिए आप ज़िम्मे दार हैं । जब उसके

पिता को पता चले ग तो वह सदमे से पागल हो जाएं गे "। हमें तु रं त उसे सं दे श भेजना चाहिए और उसे यहाँ आने के लिए कहना चाहिए।” पर्ल और अन्य नौकरानियाँ डर के मारे घु टनों के बल गिर पड़ीं। मै डम चें ग ने शर्मिंदगी से अपन सिर झुका लिया। “कृ पय ऐसा मत कीजिए!” उसने विनती की। “मे रे पिता उत्तेजित हो जाएँ गे और अपना गु स्सा उस बे चरे बीमर लड़के परनिकालें गे । इससे मामला सु धरने के बजाय और बिगड़ जाएगा।” “चिंता मत कीजिए। अगर ऐसा हुआ भी तो मैं यहीं हूँ,” पूर्वज ने जोर दे कर कहा, और उसने मस्क को श्री चें ग को बुलाने के लिए भे ज। लेकिन मस्क श्री चें ग के बिना वापस आया। उसने बतया कि वह किसी से मिलने बहर गए थे ।475

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.29% है ।

“ठीक है, हम उसके बिना ही काम चला लें गे” पूर्वज ने निश्चय किया। “फिलहाल मैं दोषारोपण का प्रश्न छोड़ दे ती हूँ । चिया लियन तु रं त पत्थर के गु म होने की सू चना लिखे । जो भी पत्थर वपस लाएगा उसे दस हजर औंस का इनाम मिले ग। जो भी पत्थर के ठिकाने के बारे में पहली विश्वसनीय जानकारी दे ग उसे आधी राशि मिले गी। सू चना की कई प्रतियाँ उन गलियों में टांगी जाएँ गी जिनसे पाओ यू हाल ही में राजकु मर के महल से घर लौटते समय गु जरा था। इस मामले से निपटने का कोई और रास्ता नहीं है । अगर मैं आपका और आपके लोगों का इं तजर करती रहूँ तो पत्थर मिलने में बहुत लं ब समय लग सकता है ।” उसी समय चिया लियन को सू चन लिखनी थी और उसे शहर की गलियों में सर्वजनिक रूप से प्रदर्शित करवाना था। इसके अलावा, पूर्वज अपने बीमार पोते को पर्क से निकालकर पश्चिमी महल में अपने कमरे में ले आई। उसके साथ वह उसके दो कर्मचारियों, मोती और शरद ऋतु लहर को भी ले गई। “ अब मु झे लगता है कि सर्दियों में बे गोनिया के पौधे का खिलना कु छ अशु भ सं के त था,” उसने मै डम चें ग को समझाते हुए कहा। “जब तक वह पत्थर वहाँ थ, तब तक चिंता की कोई बात नहीं थी, लेकिन अब पाओ यू असहाय हो जाएगा और आसपास मौजू द किसी भी बु री आत्म के प्रभव में आ जएगा। मैं ऐस नहीं चाहती; इसीलिए मैं उसे अपने साथ यहाँ लाई हूँ ।” “ ओह, वह बू ढ़ी तई ताई की शु भ उपस्थिति में अवश्य ही सु रक्षित रहे ग,” मै डम चें ग ने विनम्रता से कहा। “शु भ उपस्थिति से आपका क्या मतलब है? मु ख्य बत यह है कि मे रे घर में व्यवस्था और स्वच्छता बनी रहे, और मैं उसे लगन से सू त्र पढ़ने के लिए कहूँ गी, इससे उसके मन का सं तुलन बहाल हो जाएगा। जाकर उससे पू छो कि क्या वह इस बदलाव से खु श है ।” लेकिन पाओ यू ने अपनी माँ के प्रश्न का के वल एक मूर्खतापूर्ण मु स्कान के साथ उत्तर दिया। पर्ल को उसके लिए प्रश्न दोहराना पड़ा, तब जाकर उसने लड़खड़ाते हुए “ अच्छा” कहा। यह सु नकर मै डम चें ग की आँ खों में आँ सू आ गए और वे इतनी उत्तेजित अवस्था में पूर्वज के पास लौटीं कि बुढ़िया ने उन्हें तु रंत विदा कर दिया। उन्होंने कहा, "मु झे अब यहाँ आपकी मदद की ज़रूरत नहीं है । मैं पाओ यू को अके ले ही अच्छी तरह सं भाल लू ँ गी। मां दिन डक उसके लिए एक शक्तिवर्धक औषधि तै यर करे ग, लेकिन आज शाम जब आपके पति घर आएँ तो आपको

ईमानदारी से उन्हें सच बताना होगा। हालाँकि, उन्हें आज मुझसे मिलने आने की ज़रूरत नहीं है, क्योंकि मैं सोने से पहले कोई चर्चा नहीं करना चाहती।" उस शाम जब चिया चेंग घर लौट रहे थे, तो उन्होंने एक सड़क के चौराहे पर लगे पोस्टर के चारों ओर जमा भीड़ देखी, और यातायात अवरुद्ध होने के कारण उनकी गाड़ी को कुछ देर के लिए रुकना पड़ा ताकि वे आसपास की भीड़ की कुछ बातें सुन सकें, जैसे कि "इस तरह कोई भी पलक झपकते ही अमीर बन सकता है!" और 476

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.35% है।

“ज़रा उस पोस्टर को देखिए! साफ़-साफ़ लिखा है! युंगकुओ महल के किसी खानदानी बेटे का कोई पत्थर खो गया है। पत्थर का पूरा विवरण पोस्टर पर दिया गया है, और उसके नीचे इनाम लिखा है: खोजने वाले को दस हज़ार औंस; पत्थर के ठिकाने की सूचना सबसे पहले देने वाले को पाँच हज़ार औंस।” श्री चेंग को अपनी आँखों पर विश्वास नहीं हुआ और उन्होंने अपने कोचवान को गाड़ी तेज़ चलाने को कहा। अंदर जाकर पुष्टि मिलने का इंतज़ार करना उनके लिए मुश्किल था, इसलिए द्वार से अंदर आते ही उन्होंने सीधे कुली से पूछा कि क्या हुआ है। कुली ने बताया कि आज दोपहर श्री चिया लियन के आदेश पर सड़कों पर पोस्टर लगाए गए हैं। उसे बस इतना ही पता था। श्री चेंग ने “ बदकिस्मती का बच्चा” और “परिवार का श्राप” के बारे में कुछ बुदबुदाया और अपनी पत्नी के पास दौड़ पड़े, जिनसे उन्हें बाकी की जानकारी मिली। वह अत्यधिक इनाम की सार्वजनिक घोषणा से असहमत थे, फिर भी अपनी बुज़ुर्ग ताई ताई के प्रति सम्मान के कारण उन्होंने खुलकर विरोध करने की हिम्मत नहीं की और अपनी पत्नी के साथ अकेले में ही क्रोध करते रहे। इसके अलावा, पूर्वज की पीठ पीछे उन्होंने अपने नौकरों को तुरंत टिकट हटवाने का आदेश दिया। उन्हें इस तरह सर्वजनिक रूप से अपना नाम उछाला जाना और अपने घर की निजी घटनाओं को शहर भर में चर्चा का विषय बनते देखना बहुत बुरा लग रहा था। जब उनके नौकर उनके आदेश का पालन करने गए, तो पता चला कि कुछ अनधिकृत हाथों ने पहले ही कई पोस्टर फाड़ दिए थे। कईदिन बीत गए, तभी एक साधारण सा अजनबी युंगकुओ महल के मुख्य द्वार पर आया और दावा किया कि वह खोया हुआ पत्थर वापस ले आया है। "इसे मुझे दे दो!" द्वारपाल ने कठोर स्वर में, लेकिन साथ ही प्रसन्नता से कहा। अजनबी ने मुस्कुराते हुए अपने कोट के नीचे से कागज़ का एक बंडल निकाला। "चुप रहो! क्या तुम इस पोस्टर को पहचानते हो? इसे तुम्हारे मालिकों ने लगाया है। और इस पर सफ-साफ लिखा है: खोजने वाले को दस हजार औंस मिलेंगे। अब मेरी तरफ देखो। मैं तुम्हारे पास एक गरीब आदमी बनकर आया हूँ, ठीक है, लेकिन मैं तुरंत एक अमीर आदमी बनकर निकलूँगा। इसलिए कृपया मुझे थोड़ा और सम्मान दिखाओ।" "लेकिन कम से कम हमें इसे देखने तो दो, फिर हम अंदर जाकर तुम्हारा संदेश देंगे और तुम्हारा ऐलान करेंगे।"

द्वारपालों ने कहा, जो अब पहले से कहीं अधिक विनम्र हो गए थे। कुछ आनाकानी के बाद अजनबी ने एक कीमती पत्थर निकाला और उसे अपनी हथेली पर रखकर उनके सामने रखा। "अच्छा, क्या यह सही पत्थर नहीं है?" उसने आत्मविश्वास से पूछा। द्वारपालों ने कुछ क्षण पत्थर को देखा; फिर वे अजनबी का ऐलान करने के लिए महल के भीतरी कमरों में दौड़ पड़े। हालाँकि, बाहर व्यस्त होने के कारण उन्हें पाओ यू के पत्थर के बारे में केवल एक अस्पष्ट जानकारी थी, लेकिन उन्हें इसमें कोई संदेह नहीं था कि उन्होंने अभी-अभी असली पत्थर देखा है।[477]

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.13% है ।

“लेकिन क्या यह असली है?” दो अनु पस्थित वरिष्ठों की जगह आए चिया लियन ने पू छा। “हमने अपनी आँ खों से दे ख लिया है!” द्वारपालों ने उत्सु कता से उन्हें आश्वस्त किया। “लेकिन वह व्यक्ति पत्थर तभी दे गा जब उसे इनाम मिल जाएगा।” चिया लियन तु रं त यह खु शखबरी मै डम चें ग को दे ने के लिए दौड़ा, और उन्होंने आगे पूर्वज को सूचित किया। इस खबर से पू रे घर में खु शी की लहर दौड़ गई। पर्ल ने खु शी से तालियाँ बजाईं और बु द्ध को धन्यवाद दे ते हुए प्रार्थना की। पूर्वज ने उस अजनबी को पु स्तकालय में एक सम्मनित अतिथि के रूप में बुलवाया, और वादा की गई राशि वहाँ तै यार रखी थी। लेकिन उन्होंने ज़िद की कि भु गतान करने से पहले उन्हें पत्थर को स्वयं शांतिपूर्वक दे खना होगा, और वे अपनी बात मनवाने में सफल रहीं। पूर्वज के साथ एकत्रित महिलाएं बे सब्री से उस क्षण का इं तजार कर रही थीं जब उन्हें पत्थर दे खने को मिले गा। अं त में चिया लियन हाथ में लाल कपड़े का एक छोटा सा पै के ट लिए हुए प्रकट हुआ। इससे पहले कि वह उसे खोल पाता, फीनिक्स ने उसे छीन लिया और बिना खोले ही पूर्वज के हाथ में रख दिया। "वह हमे शा मु झसे आगे रहती है! वह मु झे बु ढ़िया के चरणों में छोटी से छोटी भें ट भी नहीं चढ़ाने दे गी" चिया लियन ने मज़ाक में कहा। पूर्वज ने मं दारिन डक को चश्मा नाक पर लगाने को कहा, फिर उन्होंने धीरे से लाल लपे टा खोला, कपड़े के बीच में रखी चमकदार वस्तु को रगड़कर महसू स किया और हर कोण से ध्यान से दे खा। आकार और आकृति में यह पाओ यू के आध्यात्मिक पत्थर से बिल्कुल मेल खाता था, और आगे-पीछे की ओर प्रसिद्ध शिलाले ख भी मौजू द थे फिर भी पूर्वज को लगा कि इसका रं ग कु छ गहरा है और चमक पहले की तुलना में कु छ कम है । असमं जस में पड़कर उन्होंने मै डम चें ग को इसे दे खने के लिए बुलाया। मै डम चें ग भी कोई निश्चित राय नहीं दे पाईं और उन्होंने फीनिक्स से पू छा कि वह क्या सोचती हैं ।“ समानता भ्रामक है, लेकिन चमक और रं ग में स्पष्ट अं तर है” फीनिक्स ने कहा। “सबसे अच्छा यही होगा कि पाओ यू स्वयं पत्थर की जांच करे ”। पूर्वज ने सहमति जताई और पत्थर को पाओ यू को दिखाने के लिए फीनिक्स को सौंप दिया। सं योग से पाओ यू आधी नींद में था जब फीनिक्स पर्ल और मै डम चें ग के साथ उसके पास आई। “तु म्हारा पत्थर मिल गया!” फीनिक्स ने पत्थर को उसके हाथ में थमाते हुए कहा। पाओ यू ने बिना

देखे ही उसे बेमन से ज़मीन पर गिरा दिया। “मुझे अकेला छोड़ दो! तुम मेरा मज़ाक उड़ा रही हो!” वह बड़बड़ाया। फीनिक्स झुकी और पत्थर उठा लिया। 478

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 79.10% है ।

“कम से कम इसे दे ख तो लो और बता दो कि यह तु म्हारा पत्थर है य नहीं!” उसने आग्रह किया। लेकिन पाओ यू का एकमात्र जवाब एक मं दबुद्धि सी आवाज़ थी। “पत्थर का उसकी मानसिक स्थिति पर ज़रा भी असर नहीं हुआ है,” मै डम चें ग ने कहा “इससे सबित होता है कि यह असली नहीं है । यह स्पष्ट रूप से पोस्टर पर दिए गए विवरण से बनया गया एक चालाक नकली पत्थर है ।” बकी लोगों को भी उसकी बात माननी पड़ी और सबकी खु शी गु स्से और निराशा में बदल गई। “इस धृष्ट धोखे बज़ को कड़ी सज़ा मिलनी चाहिए! अजनबियों के सथ इस तरह का छल करना घिनौना है!” चिया लियन गु स्से से बोली। “लो! इसे इसका पत्थर वापस दे दो और इसे अपने काम पर जाने दो” पूर्वज ने आदे श दिया। "लगता है कोई बे चारा बड़ा इनाम दे खकर लालच में आ गय है । दुनिया में कु छ नया नहीं है । खै र, इस बार उसने गलत लोगों पर हाथ आजमाया है और अपना पै स और मे हनत बे कार में बर्बाद कर दी है । इसलिए हमें उस पर ज्यदा सख्ती नहीं करनी चाहिए; अगर हमने ऐस किया तो असली ईमानदार खोजकर्ता डर कर भाग जाएगा। उसे कु छ चं दी के सिक्के दे कर छोड़ दो" चिया लियन गु स्से में पत्थर ले कर पु स्तकालय की ओर दौड़ा, जहाँ अजनबी शांति से अपने मनचाहे इनम का इं तजर कर रहा था। चिया लियन ने नौकरों से उसे रस्सियों से बं धवा दिया और उसे खू ब कोड़े मारना चाहता था, लेकिन पूर्वज की इच्छा का ध्यान रखते हुए उसने खु द को रोका इसलिए उसने गु स्से भरे शब्दों और कानूनी कार्रवाई की धमकियों से उसे डरा कर उससे कबूलनामा करवा लिया। पूर्वज का अनु मन सही साबित हुआ। उधार लिए पै सों की मदद से उसने पोस्टर पर छपी तस्वीर और विवरण के अनु सार पत्थर बनवाया था, ताकि वह अद्भुत इनाम पा सके और अं ततः गरीबी से बाहर निकल सके— यह बत उस बे चरे बदमश ने कई बार गिड़गिड़ाते हुए स्वीकार की। और अमीर आदमी की तरह सिर ऊं च करके नहीं, जै स कि उसने कु छ दे र पहले द्वारपालों के समने शे खी मारी थी, बल्कि डरपोक और दयनीय जल्दबाजी में, एक भागते हुए चू हे की तरह, वह यु ं गकु ओ महल के द्वार से बहर निकल गया, उतना ही गरीब जितना वह अं दर आय था। लेकिन पाओ यू के नकली पत्थर की कहानी गलियों और चौकों में फैल गई, और लं बे समय तक हं सी मजाक और गपशप का विषय बनी रही। 479

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.12% है ।

अध्याय 43: काली जे ड अपनी काव्य रचनाओं को अग्नि में समर्पित कर दे ती है और अं ततः अपने दुखी प्रे म का त्याग कर दे ती है । कीमती क्लै स्प पहली बार अपने कौमर्य कक्ष की दहलीज पार करती है और अपने जीवन के महत्व समारोह से गु जरती है । नवर्ष के बरे में चिंता: दो बाहरी घटनाओं, एक सु खद और दूसरी दुखद, ने एक बर फिर यु ंगकु ओ महल के जीवन के अभ्यस्त सं तुलन को भं ग करदिया। चिया चें ग का स्वर्ग के पु त्र द्वारा सम्मानपूर्वक स्वागत किया गया और गृ ह मं त्री के सुझाव पर उनके बे दाग और निस्वार्थ आधिकारिक रिकॉर्ड को दे खते हुए उन्हें चियां ग ह्सी के समृ द्ध प्रांत का अनाज कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। जब बधाई भोज और उनकी यात्रा की तै यरियां पू रे जोर-शोर से चल रही थीं, तभी दुखद समाचार आया कि शाही मार्शल वां ग त्ज़ु तें ग, मै डम चें ग के भाई, प्रां तों से राजधानी की यात्रा के दौरान बीमार पड़ गए थे और उचित चिकित्सा दे खभल न मिलने के कारण घर लौटते समय उनकी मृ त्यु हो गई। इस प्रकार, सु ख और दुःख समान रूप से मिश्रित थे । एकदिन धन्यवाद और विदाई समारोह के बद, श्री चें ग को पूर्वज के पस बुलाया गया। उन्होंने कहा कि प्रस्थान से पहले उन्हें उनसे एक महत्वपूर्ण मामले का निपटारा करना है । उन्होंने कहा, "मैं अब 81 वर्ष की एक बू ढ़ी महिला हूँ । आप प्रं तों में अपने नए पदभार ग्रहण करने के लिए हमें छोड़कर ज रहे हैं आपके बहनोई वं ग त्ज़ु तें ग का निधन हो गया है, इसलिए अब मे रे एकमात्र समर्थक और सलाहकार आपके अव्यवहारिक भाई शीह ही रह गए हैं । इस समय मे रे दिल के सबसे करीब जो समस्या है, वह मे रे पोते पाओ यू का कल्याण और भविष्य है । उसकी हालत मु झे बहुत चिंतित कर रही है, और इसी कारण मैं ने अपने मु ख्य प्रबं धक लाई शें ग की पत्नी को शहर भे जा है तकि वे एक प्रसिद्ध ज्योतिषी से उसकी कुं डली बनवा सकें । ज्योतिषी का मानना है कि के वल विवाह जै सी कोई खु शी की घटना ही पाओ यू को ठीक कर सकती है - अन्यथा हमें उसके लिए सबसे बु रे की आशंका करनी होगी।" उन्होंने आगे कहा कि स्वर्ण तत्व उनकी खु शी के लिए निर्णायक महत्व रखता है, जिससे यह पुष्टि होती है कि ईश्वरीय कृ पण उनके लिए ही बना है । मु झे पता है कि आप इस तरह की भविष्यवाणी को ज्यादा महत्व नहीं दे ते, इसलिए मैं ने आपको और आपकी पत्नी को बुलवाया है, ताकि हम इस मामले पर चर्चा

कर सकें और किसी निर्णय पर पहुँच सकें। क्या हम कोई कदम उठाएँ, या बस चुपचाप बैठे रहें और चीजों को अपने आप होने दें यही सवाल है। श्री चेंग ने उत्तर दिया, "बूढ़ी तई ताई हमेशा अपने बेटे के स्वास्थ्य के लिए माँ जैसी चिंता रखती आई हैं, इसलिए जाहिर है कि बेटे का यह कर्तव्य है कि वह अपने बच्चे की भलाई के लिए पिता समान चिंता दिखाकर उनकी मिसाल कायम करे।" "अगर मैं अक्सर पाओ यू से नाराज हुआ हूँ, तो 480

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 48.59% है ।

पिता के स्ने ह की कमी के कारण नहीं, बल्कि इसलिए कि मु झे उसकी धीमी प्रगति दे खकर दुख होता है और यह दे खकर कि लोहा स्टील में नहीं बदल रहा है । मैं उसकी हालत को ले कर भी चिंतित हूँ; मैं उसे खु श दे खना चाहता हूँ और अगर शादी से वह खु श और स्वस्थ रहता है तो मु झे कोई आपत्ति नहीं है ।लेकिन मैं पहले अपनी आँ खों से उसकी वर्तमान स्थिति दे खना चाहता हूँ, बशर्ते कि बु ज़ुर्ग ताई (दादी) इसकी अनु मति दें । मैं उससे वादा करता हूँ कि मैं उसकी उपस्थिति में किसी भी प्रकार की नाराजगी व्यक्त नहीं करूँ गा।" उसकी आवाज़ के लहजे और पलकों की लाली से मै डम चें ग समझ गईं कि वह यह बात सचमु च कह रहा है । उनके इशारे पर पर्ल गायब हो गई और तु रं त पाओ यू के साथ वापस आ गई। पर्ल उसे एक बच्चे की तरह उसके पिता के पास ले गई और उसके कान में कु छ फु सफु साया, जिस पर उसने आज्ञाकारी होकर अपना त्सिंग आन कहा। चिया चें ग ने उसके कमजोर शरीर और आँ खों की चमकहीनता को दे खकर भयभीत हो गए। कु छ क्षण चु पचाप उसे दे खने के बाद उन्होंने पर्ल को उसे वहाँ से ले जाने का इशारा किया। अपने बे टे की दयनीय हालत दे खकर वे अंदर से भर गए थे, और उनकी पत्नी भी कम दुखी नहीं थीं, जै सा कि उनकी आँ खों में बहते आँ सु ओं से स्पष्ट था। वे खड़े हुए और पूंजी की ओर मु ड़कर बोले: "दे खने में तो लगता है कि बुढ़िया सही कह रही हैं ।" हमें निश्चित रूप से कार्रवाई करनी चाहिए, लेकिन एक बात अभी भी सं दे ह में है : क्या चाची ह्सु एह ने वास्तव में अपनी सहमति दे दी है? "वह सहमत हैं, लेकिन जब तक उनके बे टे ह्सु एह पन के खिलाफ मामला सुलझ नहीं जाता, तब तक वह अपनी औपचारिक सहमति की घोषणा नहीं करना चाहें गी," उनकी पत्नी ने उत्तर दिया। "हम्म, जब तक ह्सु एह पन जेल में है, उसकी बहन खु शी-खु शी अपनी शादी का जश्न नहीं मना सकती। यह अनुचित होगा। और एक और सं दे ह का विषय भी है । पओ यू अपनी बहन, 'बसं त की शु रुआत' के शोक में डूबे हुए हैं । वह स्वाभाविक रूप से शादी के बारे में सोचने से पहले नौ महीने की निर्धारित शोक अवधि बीतने दे ना चाहें गे । मृ तकों के प्रति सम्मान यही मां गता है । और एक तीसरा सं दे ह का विषय भी है । मु झे जल्द ही अपनी नई नियुक्ति ग्रहण करनी है । मु झे एक छोटे से ममले के कारण अपने कर्तव्य की उपे क्षा का दोषी नहीं बनना चाहिए। अगर ये दोनों बाधाएं न भी होतीं, तो क्या

हम अपने पस बचे कु छ दिनों में शदी की तै यरी कर पाते?" "आपके सं दे ह पू री तरह सोयज्ा हैं; लेकिन, अफसोस, पाओ यू की ह्ालत किसी भी तरह की दे री की इजज़त नहीं दे ती" पूर्वज ने उत्तर दिया। "हालांकि, मु झे पताहै कि हम क्या कर सकते हैं। चाची ह्सु एह की सहमति का सवाल मु झ पर छोड़ दीजिए। मैं आपकी पत्नी के साथ उनके पस जाऊं गी और उनके सामने यह ममला रखू ं गी। उन्हें ्सु एह कु ओ को एक बार फिर ह्सु एह पन की जेल में भे जाना होगा और भाई की सहमति वापस लानी होगी। जब उन्हें पत चले ग कि पाओ यू का जीवन इस पर निर्भर करता है, तो ह्सु एह पन ज़रूर मान जाएं गी और फिर चाची ह्सु एह भी अपनी अधिकारिक सहमति दे ने से पीछे नहीं हटें गी।" दूसरे मु द्दे केबारेमें, हमें एक बर 481 के समने झुकना होगा।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.13% है ।

आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, हम शिष्टाचार के समान्य नियमों को दरकिनार कर दें गे । हम विवाह समारोह को अत्यं त सदगी और शांति से मनएं गे । आठ पुरुषों द्वारा उठाई जाने वली पालकी और उसके पीछे बारह जोड़ी लालटे न धरकों का चलना पर्याप्त होगा। उत्सव सं गीत और विवाह भोज जै सी सभी प्रकार की धू मधम को समाप्त कर दिया जाएगा। नौ महीने के शोक की अवधि समाप्त होने के बाद हम इसकी भरपाई कर सकते हैं । हम केवल दुल्हन को शांतिपूर्वक घर ले जने के लिए एक शु भतिथि का चयन करें गे, वह हमें और पूर्वजों को प्रणाम करे गी, हम उसे दुल्हन के पलं ग पर लिटाएं गे और उसके लिए पलं ग का पर्दा खोलें गे; इतना ही पर्याप्त होगा। प्रिय क्लै स्प एक समझदार लड़की है और अगर हम समरोह को संक्षिप्त कर दें तो उसे बुरा नहीं लगे ग। इसके अलावा, उसे पति में एक सु खद और विश्वसनीय सलाहकार और सहारा मिले ग। अब बस नवविवाहित जोड़े के लिए एक उपयुक्त घर की तै यरी ही बाकी है । यह आपका कार्य है, और मु झे विश्वास है कि इसमें कोई और कठिनाई नहीं आएगी। इससे प्रश्न का तीसरा बिंदु हल हो जाता है । और यदि आपने पहले इस घरेलू ममले को सुलझा लिया और दोनों को खु शी-खु शी एक होते दे ख लिया, तो आपकी यात्रा दोगु नी शंति और सं तोष के सथ शु रु होगी।" फिर भी, चिया चें ग पू री तरह से आश्वस्त नहीं थे, लेकिन पूर्वज के प्रति सम्मान के कारण उन्होंने कोई विरोध नहीं किया। “ताई ताई का सु झव बहुत अच्छा है,” उन्होंने कु छ बनावटी मु स्कान के सथ कहा। “मैं इससे सहमत हूँ, लेकिन हमें कर्मचारियों पर सख्त चु प्पी लागू करनी होगी, ताकि हम अनावश्यक निंदा और गपशप से बच सकें । हम इससे तभी बच पाएं गे जब शादी बिल्कुल शांतिपूर्वक सं पन्न होगी।” “अच्छा।” "तो मैं आपको और रोकन नहीं चाहती," पूर्वज ने कहा; और राहत महसू स करते हुए उन्होंने उसे विदा कर दिया। श्री चें ग ने अपनी पत्नी के सु इट के सपस्थित बीस कमरों का एक भव्य, आत्मनिर्भर सु इट यु वा जोड़े के भावी निवास के लिए चु न। कमरों की साज-सज्जा और शादी की अन्य सभी तै यरियाँ उन्होंने महिलाओं पर छोड़ दीं। यद्यपि पूर्वज के निवास में पओ यू का कमरा उस कमरे से सटा हुआ था जिसमें निर्णायक पारिवारिक परिषद हुई थी, लेकिन उसकी उदासीनता के कारण ज़ोर-ज़ोर से चल रही चर्चा का एक भी शब्द उसके ध्यान में नहीं आय; परन्तु

पर्ल ने उसे और भी ध्यान से सुना। उसका अपना नाम उसके कानों में पड़ा; पूर्वज ने उसकी प्रशंसा करते हुए उसका उल्लेख किया था और उसे पाओ यू की भवी पत्नी का विश्वसनीय सहारा बताया था। इससे वह मन ही मन प्रसन्न हुई क्योंकि उसने अपना भविष्य सुरक्षित और जीवन का मार्ग शाही नहर के जल की तरह सुगम और सीधा देखा। प्रेशियस क्लैस्प जैसी समझदार मालकिन के साथ तालमेल बिठाना आसान होगा, जो अपने कंधों से बोझ उतार देगी। कम से कम आधी ज़िम्मेदारी पाओ यू पर थी। दूसरी ओर, बेचारी ब्लैक जेड के बारे में सोचकर वह बहुत दुखी हो गई। सौभाग्य से, उसे अभी तक इन सब बातों का कुछ भी पता नहीं था; लेकिन जब वह अपने क्रूर भ्रम से जागेगी तो क्या होगा? जब वह 482

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 48.97% है ।

अगर कु छ हुआ तो सबसे बु रे के लिए तै यार रहना होगा। और क्या पाओ यू उसे छोड़ने को तैयार होगा? दोनों ने एक-दूसरे से वादा किया था कि वे मृ त्यु तक एक-दूसरे से प्यार करें गे । उसे वह मीं का दिन याद आया जब, अपने प्यार के नशे में चू र होकर, उसने गलती से पर्ल के कानों में प्रे म का इज़हार कर दिया था, जो ब्लै क जे ड के लिए था। उसने सोचा कि कै से वह लगभग शोक से मर गया था जब कु कू ने उसकी भावनाओं को परखने के लिए, उसे और ब्लै क जे ड को भविष्य में होने वाले कथित बिछड़ने का सं के त दिया था। अगर उसे अब पता चल जाए कि उसे प्रेशियस क्लै स्प से शादी करनी है और ब्लै क जे ड को त्यागना है, तो अगर उसमें ज़रा भी चे तना बची है तो तबाही निश्चित है । क्या इस तबाही को रोकना उसका कर्तव्य नहीं था? क्या वह चु प रहकर, तीन लोगों को दुखी होने दे कर, अपने अं तरात्मा से समझौता कर सकती थी? उसने जल्द ही मन बना लिया। पाओ यू को नौकरानी ऑटम वे व की दे खरे ख में छोड़कर, वह बगल के कमरे में चली गई जहाँ महिलाएँ अभी भी एकत्रित थीं। मै डम चें ग के कान में झुककर उसने उनसे बाहर आने को कहा क्योंकि वह उनसे कु छ बात करना चाहती थी। मै डम चें ग उठीं और वे दोनों कु छ दूर एक शां त, एकां त कमरे में चली गईं। पूर्वज ने उनके जाने पर कोई खास ध्यान नहीं दिया; उन्होंने सोचा कि पाओ यू शायद अपनी माँ से बात करना चाहता होगा, और वह फीनिक्स के साथ शादी की रस्मों के बारे में उत्सु कता से चर्चा करती रहीं। जब पर्ल मै डम चें ग के साथ अकेली रह गई, तो वह उनके सामने घु टनों के बल गिर पड़ी और रोने लगी। मै डम चें ग ने उसे उठाया। "क्या किसी ने तु म्हारे साथ कु छ गलत किया है? कृ पया मु झे सब कु छ बताओ," उन्होंने प्यार से कहा। "मैं आपसे अपने बारे में बात नहीं करना चाहती, और सच कहूँ तो, यह मे रा मामला नहीं है, लेकिन मैं कहने से खु द को रोक नहीं पा रही हूँ," पर्ल ने कहना शु रू किया। "बू ढ़े मार्कीज़ ताई ने पाओ यू के लिए मिस प्रेशियस क्लै स्प को दुल्हन के रूप में चुना है । यह चु नाव बे शक शानदार है, लेकिन क्या बू ढ़े मार्कीज़ ताई को सच में नहीं लगता कि उनका दिल मिस प्रेशियस क्लै स्प से ज़्यादा मिस ब्लै क जे ड के करीब है?" "हो सकता है । ब्लै क जे ड भी बचपन से उनकी साथी और खेलकू द की दोस्त रही है ।" "सिर्फ़ साथी ही नहीं," पर्ल ने कहा। और भावु क शब्दों में उसने उन दोनों के बीच वर्षों में विकसित हुए गहरे और घनिष्ठ

रिश्ते का वर्णन किया। और उसने एक ऐसी बत का भी ज़िक्र किया जो उसने पहले कभीकिसी से नहीं की थी - उस गर्मी की शाम को भावनाओं में बहकर पओ यू ने साती से ब्लै क जे ड की जगह उससे प्रे म का इज़हार कर दिया था। फिर उसने यद किया कि कै से बाद में कु कू के थित भविष्य के बिछड़ने के एक छोटे से झटके ने उसे तु रं त मानो व बीमार कर दिया था। मै डम चें ग ने भावु क होकर पर्ल का हाथ थाम लिया। 483

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.95% है ।

“तु म जो कह रही हो उससे मेरा निजी अनु मान ही पुष्ट होता है,” उसने उसे आश्वस्त किया। “तो फिर उसने अपने पिता का फै सला कै से लिया होगा? क्योंकि वह अभी हमारी बातचीत सु न रहा होगा।” “मु झे नहीं लगता ऐसा सं भव है । अपनी वर्तमान सु स्त और उदासीन अवस्था में वह अपने आसपास की हर बात से बे खबर है”।“ तो अब हमें क्या करना चाहिए?” “तु म्हारे पास बुढ़िया से इस बारे में बात करने और किसी आपदा को रोकने का कोई कारगर उपाय सोचने के अलावा कोई चारा नहीं है ।” “ ठीक है । मैं बुढ़िया से बात करती हूँ,” मै डम चें ग ने फैसला किया; और वह बाकी लोगों के पास लौट गई। “पर्ल अभी तु म्हें इतनी रहस्यमयी बातें क्या फु सफु सा रही थी?” जब पूर्वज अं दर आई तो उसने पू छा। मै डम चें ग ने उन्हें वह सब कु छ बताया जो उसने अभी पर्ल से सु ना था। जब उसने अपनी बात खत्म की तो तीनों महिलाएं काफी दे र तक सोच-विचार में चु प रहीं। अं त में पूर्वज ने आह भरी और कहा: “लड़की के बारे में चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है, लेकिन अगर लड़के ने भी लड़की पर अपना दिल लगा लिया है, तो स्थिति वाकई मुश्किल है ।” "मे रे पास एक योजना है," फीनिक्स ने उत्साह से कहा। "और वो क्या है?" "हमें थोड़ा छल करना होगा।" "इसका क्या मतलब है?" "पहले हमें पाओ यू को यह दिखाना होगा कि काला जे ड आखिरकार उसी के लिए है, और दे खना होगा कि वह इस खबर पर कै सी प्रतिक्रिया दे ता है । अगर उसे कोई फर्क नहीं पड़ता, तो छल की कोई ज़रूरत नहीं होगी। अगर वह खु शी दिखाता है, तो हमें छल करना ही होगा।" "और आप इसे कै से अंजाम दें गी?" मै डम चें ग जानना चाहती थीं। फीनिक्स नीचे झुकी और उनके कान में कु छ फु सफुसाया, जिस पर मै डम चें ग ने उत्सु कता से सहमति में सिर हिलाया। "मु झे भी अपना रहस्य बताओ!" पूर्वज ने उत्सु कता से कहा। फीनिक्स ने अपनी योजना उन्हें बताई, लेकिन नौकरों की मौजू दगी के कारण उसने एक बार फिर फु सफु साया। इस बार उसे अपनी योजना को और विस्तार से समझाना पड़ा, क्योंकि पूर्वज को तु रं त समझ नहीं आया, लेकिन आखिरकार उनके चे हरे पर ज्ञान और गु प्त सं तुष्टि की मु स्कान फैल गई। "शानदार!" उन्होंने कहा। "लेकिन कीमती क्लै स्प के लिए तो यह कु छ कड़वाहट भरा ज़रूर होगा। और ब्लै क जे ड का क्या?" "हम उसे खेल से पू री तरह बाहर रखें गे । सारा नाटक केवल पाओ यू के सामने ही खेला जाएगा, और इसके अलावा यह

पू री तरह से हमारे बीच ही रहे गा।" एक दिन ब्लै क जे ड रास्ते के साथ पूर्वज को सु प्रभत कहने के लिए निकली। रास्ते में उसे पता चला कि वह अपना रुमाल भूल गई है, और उसने अपनी सथी कोयल को उसे लाने केलिए वापस भे जदिया। इस बीच वह इत्मीनान से अकेले ही आगे बढ़ती रही। जै से-जै से वह टहलती हुई आगे बढ़ी और चट्टानों के पीछेछिपी उस छोटी सी जगह के पस पहुँ च रही थी जहाँ वह484

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 8.89% है।

एक बार पाओ यू के साथ मुरझाए हुए फूलों को दफनाते समय, रास्ते के किनारे झाड़ियों से एक दयनीय सिसकने की आवाज़ उसके कानों तक पहुँची। वह उस जगह की ओर गई जहाँ से आवाज़ आ रही थी, और जल्द ही उसे एक भद्दी और बेडौल दिखने वाली युवती दिखाई दी, जिसकी बड़ी-बड़ी आँखें घनी भौहों से ढकी हुई थीं। वह काई से ढकी एक चट्टान पर बैठी, फूट-फूटकर रो रही थी। ब्लैक जेड ने अनुमान लगाया कि यह अजीब युवती महल में कहीं कठिन काम करने वाली नौकरानी होगी, और उसने आश्चर्य से खुद से पूछा कि इतनी असभ्य और गंवार लड़की को इतना गहरा दुख कैसे हो सकता है कि वह यहाँ आकर इस तरह दिल दहला देने वाले ढंग से रो रही है। ब्लैक जेड के पास आने पर वह अजीब लड़की अचानक रोना बंद कर बैठी और विनम्रता से खड़ी हो गई, और अब अपनी आँखें पोंछने में व्यस्त थी। "आओ, किसी ने तुम्हें इतना दुख क्यों पहुँचाया है?" ब्लैक जेड ने दयालुता से पूछा। "आप खुद ही फैसला कीजिए, महोदया! क्या मुझे पीटना उचित था, सिर्फ इसलिए कि मैंने एक आदेश का उल्लंघन किया जिसमें मुझे चुप रहने को कहा गया था, जिसके बारे में मुझे कुछ पता ही नहीं था, और सिर्फ इसलिए कि मैंने एक शब्द ज़्यादा बोल दिया?" "आप कौन हैं, और आप किस चुप रहने के आदेश की बात कर रही हैं?" "मैं नम्स्कल हूँ और मैं बूढ़ी दादी ताई की रसोई की नौकरानी हूँ। बोलने पर प्रतिबंध, जिसके बारे में मुझे पता ही नहीं था, मास्टर पाओ यू और मिस प्रेशियस क्लैस्प के विवाह के बारे में था।" ब्लैक जेड को ऐसा लगा जैसे उसके बगल में बिजली गिर गई हो। उसके पैरों तले ज़मीन काँप उठी, और उसे खुद को संभलने में काफी समय लगा। "मेरे पीछे आओ!" वह हाँफते हुए बोली, और नम्स्कल के आगे-आगे उस छोटे, शांत कोने की ओर चल पड़ी जहाँ फूलों की समाधि थी। यहाँ वे बिल्कुल निश्चिंत और छुपकर बातें सुनने वालों से सुरक्षित रहेंगी। "तो मास्टर पाओ यू मिस प्रेशियस क्लैस्प से शादी करने वाले हैं? और उन्होंने आपको क्यों पीटा?" "श्री चेंग कुछ दिनों में चियांगशी प्रांत में अपने नए पद पर जाने वाले हैं। उनके जाने से पहले मास्टर पाओ यू और मिस प्रेशियस क्लैस्प की शादी बहुत जल्दी में होनी है। इसीलिए हाल ही में मैडम चेंग, बूढ़ी दादी ताई और मैडम फीनिक्स के बीच एक लंबी बैठक हुई थी। वे कह रही थीं कि मास्टर पाओ यू को किसी तरह की खुशी का तीव्र

एहसास होना चाहिए, और मिस प्रेशियस क्लै स्प की मँ की सहमति जितनी जल्दी हो सके प्रप्त करनी होगी। उसके बद..." यहाँ नमस्कल अचानक रुक गई और ब्लै क जे ड को दे खकर मु स्कुने र लगी। फिर, हालाँकि ब्लै क जे ड श्किल से सु न रही थी उसने आगे कह "बाद में, जब दोनों पति-पत्नी बन जाएँ गे तो आपके लिए भी एक लड़का ढूँ ढन होगा, मिस। लेकिन इस और उस कारण से इन सब बातों को ज़ोर से नहीं कह जाना था। मु झे उस आदे श केरेब में कु छ नहीं पत था। और जब मैं ने अभी र्स से कह, बिना सोचे समझे कि मैं शदी के लिए तरस रही हूँ और485

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.88% है ।

घर में खू ब हलचल मचने वली थी, तभी मे री बड़ी बहन, जो बू ढ़ी तई ताई के यहाँ काम करती है, आई और मे रे कान खींच दिए। उसने कहा, "मैं ने बू ढ़ी ताई ताई का आदे श नहीं मना था और सज़ा के तौर पर मु झे घर से निकाल दिया जाएगा।" लेकिन आपको क्या लगता है, मिस? क्या मैं इस तरह के बर्ताव की हकदार थी, जबकि मु झे उस आदे श के बारे में कु छ पता ही नहीं था कि मु झे ऐसा नहीं करनी चाहिए? "यह सब तु म्हारी बकवास का नतीजा है ।" "अब जाओ!" ब्लै क जे ड ने खोए-खोए से बु दबुदाते हुए कहा और धीरे से मु ड़ गई। उसे बहुत अकुला रहा था। उसका पे ट ऐसे दर्द कर रहा था जै से उसमें सिरका, तेल, काली मिर्च, नमक और चीनी का कोई अपचनीय, जलन पै दा करने वला मिश्रण भरा हो। बे सु ध, वह दर्द से कराहते हुए कदम बढ़ा रही थी, और हर कदम पर उसे ऐसा लग रहा था जै से उसके पै र हड्डियों और नसों की जगह रुई के बने हों और उन पर सौ किलो का बोझ हो, क्योंकि वे इतने बे जान और ढीले-ढाले ढं ग से चल रहे थे । बिना किसी लक्ष्य या दिशा के वह खु द को घसीटती हुई बे तरतीब ढं ग से इधर-उधर घू मती रही, कभी इधर, कभी उधर, और इस तरह एक घे रे में घू मती रही, जिसके परिणामस्वरुप वह बार-बार फूलों की कब्र के पस बने पै दल पुल के आसपास पहुं च गई। अखिरकार वह नौकरानी कु कू से टकराई, जो लं बे समय से उसे व्यर्थ में ढूं ढ रही थी, ताकि उसे भूला हुआ रूमाल दे सके । कु कू ने डर के मारे उसकी लड़खड़ाती चाल दे खी। अपनी मलकिन की चाल, उसकी आँ खों का स्थिर भाव, उसके चे हरे का पीलापन। दूर से उसने एक लड़की की आकृति को रास्ते के मोड़ के पीछे गायब होते दे खा। "तु म कहाँ ज रही हो? यही रास्ता है जिससे हम बं स के आश्रम तक जाते हैं," उसने अपनी व्यकुल मालकिन की ओर मु ड़ते हुए चतुराई से कहा। "मैं फाओ यू से एक सवाल पू छने जा रही हूँ," ब्लै क जे ड ने मानो सम्मोहन में कहा। हालाँकि वह उसका जवाब पू री तरह नहीं समझ पई, कु कू ने धीरे से उसका हाथ पकड़ा और उसे पर्क से बहर पूर्वज के निवास स्थान पर ले गई। पूर्वज के कमरों के प्रवे शद्वार पर ब्लै क जे ड ने अपनी गति धीमी कर दी। उसे अब जकर कु कू की उपस्थिति का एहसास हुआ। "तु म यहाँ क्य कर रही हो?" उसने आश्चर्य भरे स्वर में पूछा। "तु म्हें याद नहीं, मु झे तु म्हारा रूमाल ले कर तु म्हारे पीछे आना था, और मैं तु म्हें पैदल पुल से यहाँ तक ले कर आई हूँ "। "अरे हाँ । तो आप पओ

यू से भीमिलना चाहती हैं?" कु कू ने बहुतल्हके से सिर हिलाया। उसे स्पष्ट था कि उसकी मालकिन अस्थायी रूप से मनसिक विक्षिप्त है, और उसने अनुमान लगाया कि उसकी इस हालत का संबंध उस नौकरानी से हुई मुलाक़ात से है जिसे उसने अभी-अभी रास्ते के मोड़ पर ग़ायब होते हुए देखा था। अब शायद कुछ गड़बड़ हो सकती है जब ये दो बेख़बर गैर-ज़िम्मेदार प्राणी, जिनमें से एक पागल है और दूसरा 486

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.15% है ।

दूसरे मूर्ख, आपस में मिलें और बतें करें, वह मन ही मन बे चै नी से सोच रही थी। फिर भी, उसने अपनी मालकिन को रोकने कीहिम्मत नहीं की। ब्लै क जे ड ने अचानक ही अपनी पिछली कमजोरी पर असाधारण ढं ग से काबू प लिया था। उसे अब नौकरानी के सहारे की ज़रुरत नहीं थी, बल्कि वह दृढ़ और आत्मविश्वास से भरे कदमों से सीधे पाओयू के कमरे के प्रवे शद्वार तक गई और अपने हाथों से दरवज़े का पर्दा हटा दिया। अं दर, गहरा सन्नाटा छाया हुआ था। पूर्वज दोपहर की झपकी ले रही थीं। उनकी लगभग सभी नौकरानियाँ भी आराम करने ज चु की थीं; कु छ थोड़ी दे र के लिए झपकी ले ने, तो कु छ तश खेलने । मोतियों के पर्दे की झनझनाहट से चौंककर, दरवाज़े के पास खड़ी पर्ल ने अपन सिर बाहर निकाला। "क्या पाओ यू घर पर है?" ब्लै क जे ड ने बड़ी समझदारी से पू छा, और जवाब का इं तज़ार किए बिना बगल वाले कमरे में चली गई, जबकि कु कू ने इशारों और हाव-भाव से पर्ल को यह समझाने की कोशिश की कि मे हमन का मू ड ठीक नहीं है । पाओ यू, जो सोफे पर सु स्त और बे जान बै ठा था, ब्लै क जे ड के आने पर भी अपनी जगह से नहीं हिला, न ही उसने ब्लै क जे ड का अभिवादन किया, बल्कि बस अपने आप में मु स्कुराता रहा। ब्लै क जे ड उससे थोड़ी दूर एक कुर्सी पर बै ठ गई। उसने अपना सिर ब्लै क जे ड की ओर घुमाया और काफी दे र तक दोनों एक-दूसरे को दे खते रहे, बे वकू फी भरी मु स्कान के सथ। "तु म्हें क्या चाहिए?" ब्लै क जे ड ने अंततः मे में पू छा। "मु झे ब्लै क जे ड चाहिए," जवाब आया। फिर एक लं ब सन्नाटा छा गया, जिसके दौरान दोनों एक-दूसरे को दे खते रहे । अब पर्ल को समझ आ गया था कि मे हमन भी पाओ यू से कम मानसिक रूप से विक्षिप्त नहीं थी। वह उस मं दबुद्धि लड़के और उस पगल लड़की के बीच की इस अजीबोगरीब बातचीत को और सहन नहीं कर सकी और उसने कु कू और ऑटम वे व को इशारा किया कि वे ब्लै क जे ड को वहाँ से ले जाएँ । दोनों ने उसे एक-एक तरफ से पकड़ा और धीरे से उसे उठाकर खड़ा कर दिया। ब्लै क जे ड ने उन्हें ऐसा करने दिया, लेकिन फिर कु छ दे र तक पाओ यू को टकटकी लगाकर दे खती रही, मु स्कुराती और सिर हिलाती रही। "अब वापस जाने का समय हो गया है, मिस," कु कू ने धीरे से कहा। "आप सही कह रही हैं; मे रे वापस जाने का समय हो गया है," ब्लै क जे ड ने मशीनी अंदाज़ में दोहराया और मु स्कुराते हुए जने के लिए मु ड़ गई। जै से ही वो बाहर पहुँ चे,

उसने अपने दोनों साथियों से खुद को अलग कर लिया, जो उसे सहारा दे रहे थे, और इतनी तेज़ी से पार्क में और बांस के आश्रम की ओर भागी कि कुकू और ऑटम वे बमुश्किल से ही उसके साथ चल पा रहे थे। "अमिडा बुद्ध!" "आखिरकार हम घर पहुँच गए!" बांस के आश्रम के द्वार पर पहुँचते ही कोयल ने राहत भरी आवाज़ में कहा। उसी क्षण उसने देखा कि काली जेडलड़खड़ाकर आगे बढ़ी और उसके मुँह से खून की धारा बहने लगी। दोनों दासियाँ उसे गिरने से बचाने के लिए समय रहते पकड़ने में कामयाब रहीं। उन्होंने उसे, अधमरी हालत में, धीरे से कमरे में ले जाकर उसके बिस्तर पर लिटा दिया। स्नोगूज़ ने राहत की सांस ली।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.05% है ।

ऑटम वे व को वपस जाना पड़ा, और वह और कु कू बिस्तर के पस बै ठकर रो रही थीं। कु छ दे र बाद जब ब्लै क जे ड ने आँ खें खोलीं, तो उसने बड़ी शांति से पू छा, "तु म क्यों रो रही हो?" "वापस आते समय तु म्हें थोड़ी बे होशी आ गई थी, और इससे हम थोड़ा परे शन हो गए थे ।" ब्लै क जे ड ने खु शी से जवाब दिया, "अरे, मु झे मरने की इतनी जल्दी नहीं है ।" रक्तस्राव के बद, उसे अचनक उत्ते जन के उस आं तरिक दबाव से मुक्ति मिली जिसने उसकेदिमाग को धुं धला कर दिया था, और अब उसका दिमाग बिल्कुल साफ था। दूसरी ओर, नम्स्कल से मुलाकात और रक्तस्राव के बीच जो कु छ हुआ थ, उसकी उसे धुं धली सी याद थी। शां त भव से उसने एक बार फिर उस भयानक तथ्य पर विचार किया जो नौकरानी ने अपनी सरलता से उसे बताया था। अब जब सुं दर भ्रम टूट चु का था, तो उसके पस जल्दी मरने के अलावा कोई चारा नहीं था। यह उसके लिए स्पष्ट था। कु कू और स्नोगू ज़ असल में बू ढ़ी तई ताई के पस जाकर सारी बात बताने की सोच रही थीं, लेकिन फिर उन्होंने यहविचार छोड़ दिया, क्योंकि वे झू ठी सू चना देने केलिए फटकार नहीं खाना चाहती थीं, जै स कि पहले भी हो चु का था। इसी बीच, ऑटम वे व के जरिए बू ढ़ी तई ताई को इस बात की जानकारी मिल गई थी, क्योंकि वापस आने पर उसके उत्तेजित व्यवहार ने सबका ध्यान आकर्षित किया था। इसके बद, पूर्वज ने तु रं त मै डम चें ग औरफिनिक्स को चर्चा के लिए बुलाया, क्योंकि उन सभी को लगा कि ब्लै क जे ड कोकिसी न किसी तरह पारिवारिक सभा में लिए गए फै सलों के बारे में पता चल गया है । फीनिक्स ने गु स्से से कहा, "मैं जनना चाहती हूँ कि किसने चु गली की है । मैं ने सख्त हिदायत दी थी कि इसे गु प्त रखा जाए। ज़ाहिर है, इससे हमरी योजना को पू रा करना और भी मुश्किल हो जाता है ।" पूर्वज ने सु झाव दिया, "हम इस पर बाद में चर्चा कर सकते हैं, लेकिन पहले दे खते हैं कि ब्लै क जे ड कै सी है ," और वे तीनों बं स के आश्रम केलिए निकल पड़े । उन्होंने ब्लै क जे ड को बिस्तर पर पाया, और उसका पीलापन दे खकर वे भयभीत हो गए। ऐसा लग रहा था मानो उसके गलों में खू न की एक बूं द भी न बची हो, और उसकी साँ सें बहुत कमजोर थीं। एक शब्द भी बोल पाने से पहले ही उसे खाँसी का एक भयानक दौरा पड़ा, और उसका बलगम, जिसे उसने स्नोगू साद्वारा पकड़े हुए कटोरे में थूका, खू न से बु री तरह मिला हुआ था। "बुढ़िया ताई

ताई मु झ पर अपनी दय व्यर्थ ही लु ट रही है," उसने अं त में लड़खड़ाती साँ सों में कहा। पूर्वज बहुत दुखी हुईं। "चिंता मत करो, प्यारी बच्ची! अगर तु म अपन अच्छे से ख्याल रखोगी तो सब ठीक हो जाएगा," उन्होंने सां त्वन दे ते हुए कहा। तभी डॉक्टर आ गए, और महिलाओं को अपनी मुलाक़ात बीच में ही रोकनी पड़ी।"मैं निश्चित रूप से उसका बु रा नहीं चाहूँ गी, लेकिन मु झे बहुत डर है कि वह फिर कभी उठ नहीं पाएगी," पूर्वज ने फीनिक्स से जते हुए कहा। "तु म488

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 8.95% है।

"उसे कुछ हो जाने की स्थिति में, समय रहते सभी आवश्यक तैयारियाँ कर लेनी चाहिए।" फिर उसने कुकू से यह जानने की कोशिश की कि ब्लैक जेड ने किससे बात की थी, लेकिन कुकू उसे कोई जानकारी नहीं दे सकी। "यह सच है कि वे बचपन से साथ पली-बढ़ी हैं, इसलिए एक-दूसरे को पसंद करती हैं," उसने कुछ उदास होकर अपनी सहेलियों की ओर मुड़ते हुए कहा, "लेकिन अब वे बड़ी हो गई हैं और इतनी समझदार हैं कि जानती हैं कि इस तरह के मेलजोल की भी एक सीमा होती है। यह ज़रूरी है कि एक युवती विशेष रूप से संयमित रहे। अगर ब्लैक जेड कुछ ऐसा सोच रही थी जिसका उसे कोई अधिकार नहीं था, तो उसने खुद को मेरे सेप्यार और दया के अयोग्य साबित कर दिया है। मैंने पहले कभी भी उसके स्वास्थ्य के मामले में पैसे बचाने की कोशिश नहीं की, लेकिन अगर उसकी हालत ऐसे अनुचित विचारों के कारण है, तो मैं उसके लिए कोई बड़ा खर्च नहीं करना चाहती।" "बुज़ुर्ग ताई ताई को उस लड़की के बारे में ज़्यादा चिंता नहीं करनी चाहिए!" "इस समय पाओ यू का कल्याण सबसे ज़्यादा ज़रूरी है," फीनिक्स ने फुसफुसाते हुए कहा। "सबसे पहले, हमें आंटी ह्सुएह की अंतिम सहमति जल्द से जल्द चाहिए। बुढ़िया ह्सुएह को आज शाम उन्हें परामर्श के लिए बुलाना चाहिए। हम यहाँ ज़्यादा शांति से बात कर सकते हैं बजाय वहाँ, जहाँ प्रेशियस सियाप मौजूद है"। उसकी सलाह पर अमल किया गया और आंटी ह्सुएह को उसी शाम पारिवारिक सभा में बुलाया गया। इससे पहले फीनिक्स बीमार पाओ यू से मिलने गई। वह उसकी परीक्षा लेना चाहती थी। "बधाई हो, चचेरे भाई पाओ यू!" उसने खुशी से उसका अभिवादन किया। "तुम्हारे विवाह का शुभ दिन तय हो गया है। अच्छा, क्या तुम खुश हो?" पाओ यू ने उसे घूरकर देखा और चुपचाप सिर हिलाया। "ब्लैक जेड तुम्हारी पत्नी होगी। क्या तुम खुश हो?" अब पाओ यू के चेहरे पर खुशी की लहर दौड़ गई। "लेकिन पहले तुम्हें पूरी तरह से स्वस्थ और समझदार होना होगा।" "जब तक तुम मूर्खतापूर्ण व्यवहार करते रहोगे, तब तक शादी नहीं होगी, तुम्हारे पिता कहते हैं," फीनिक्स ने आगे कहा। वह अभी भी उसकी मानसिक स्थिति को पूरी तरह से समझ नहीं पाई थी। अचानक पाओ यू ने एकदम गंभीर और समझदार चेहरा बना लिया। "मैं बिल्कुल भी मूर्ख नहीं हूँ। तुम सब मूर्ख हो!" उसने कहा। फिर वह खड़ा हुआ और दरवाजे की ओर

चला गया। "मैं ब्लैक जेड के पास जाकर उसे दिलासा देना चाहता हूँ," ये उसके शब्द थे। फीनिक्स उछल पड़ी और उसे वापस खींच लिया। "ब्लैक जेड को पहले ही सूचित कर दिया गया है। एक नेकुदहन होने के नाते, वह निश्चित रूप से तुम्हें स्वीकार नहीं कर सकती।" "क्या मैं कम से कम बाद में, शादी में उससे मिल सकता हूँ?" "ज़रूर। लेकिन केवल तभी जब तुम पूरी तरह से समझदार हो।" "मैंने उसे अपना दिल दे दिया है। केवल वही इसे मेरे सीने में वापस रख सकती है," उसने गंभीरता से कहा। यह फिर से बहुत अजीब लगा। फीनिक्स, जो अभी-अभी सोच रही थी

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.03% है ।

जब उसे पत चला कि वह ठीक हो चु का है, तो उसे एक बर फिर सं दे ह हुआ। वह पूर्वज से मिलने गई और उन्हें अपनीस्थिति और शं काओं के बरे में बताया। पूर्वज को समझ नहीं आ रहा था कि उसकी बात सु नकर उन्हें खु शी हो यदुख; लेकिन हमे श सकारात्मक दृष्टिकोण रखने की आदत होने के कारण, उन्होंने फै सला किया कि फिलहाल उसके बरे में ज्यादा चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है, और पर्ल के सथ वह सबसे सुरक्षित हाथों में है । और इस तरह उसी शाम, चाची ह्सु एह के सथ महत्वपूर्ण परामर्श हुआ। वह दिए गए तर्कों की सार्थकता को नजरअं दाज नहीं कर सकीं, और तदनु सर उन्होंने जल्दबजी में और संक्षिप्त प्रक्रिया के लिए अपनी सहमति दे दी। यह तय किया गया कि फीनिक्स और उसके पति चिया लियन मध्यस्थ की भूमिका निभाएं गे और ह्सु एह कु ओ को तु रं त चचेरे ई ह्सु एह पन के पस भे ज जाएगा, जो अभी भी जेल में थ, ताकि परिवार के पु रुष मुखिया के रूप में उनकी सहमति प्राप्त की जा सके । कई प्यलों चाय के सथ खू बविचार-विमर्श के बद, दे र रत तक चली बातचीत सभी पक्षों की सं तुष्टि के सथ समाप्त हुई। चार दिन बाद, ह्सु एह कु ओ ह्सु एह पै न की जेल से उनकी सहमति ले करलौटे । इतन ही नहीं, वे यह घोषणा करने में भी सक्षम थे कि ह्सु एह पै न जल्द ही रिहा हो जाएँ गी। हत्य का आरोप हटा दिया गया था, न्यायाधीश ने आकस्मिक हत्या का फै सला सु नया था और के वल जुर्माने के भु गतन का आदे शदिया था। चाची ह्सु एह को बहुत रहत मिली। अब वे निश्चिंत होकर विवाह सं पन्न कर सकते थे । निर्धारित औपचारिकताओं का पालन तु रं त शु रू कर दिया गया। ह्सु एह कु ओ को एक सुं दर सोने का पानी चढ़ा हुआ कार्ड डिज़ाइन करना था जिस पर वर्ष, माह, दिन और घं टे के लिए चक्रीय दोहरे चिह्न अंकित हों, और उसे विधिपूर्वक चिया लियन को सौंपना था। चिया लियन ने अपनी ओर से पओ यू का आठ चिह्नों वाला कार्ड प्रस्तु तकिया। कीमती क्लै स्प केलिए सगाई के उपहार दो दिन बाद भे जे गए। भे जने से पहले, पूर्वज ने अपनी सहेलियों के सथ मिलकर उनकी गहन समीक्षा की। पाओ यू को भी इस समीक्षा में लाया गया था। यह सोचकर कि उपहार ब्लै क जे ड केलिए हैं, उसने सोच-समझकर कहा, "यह सब झं झट क्यों? पहले तो इन्हें बड़ी मुश्किल से पार्क में लाया जाता है, फिर पार्क से बहर ले जकर वापस यहाँ लाया जाता है । यह दो बर इधर-

उधर घसीटना बिलकुल अनावश्यक है।" सब हँस पड़े और एक दूसरे को अर्थपूर्ण निगाहों से देखा। "यह किसी भी तरह से मूर्खतापूर्ण नहीं लगता - बल्कि इसके विपरीत, यह बहुत ही चालाकी भरा है," पूर्वज ने पओ यू की माँ से संतुष्टि से कहा। और फिर उन्होंने एक सूची से एक एक करके उपहारों को गिनना और उनकी जाँच करना शुरू किया। यह कोई छोटा काम नहीं था, क्योंकि सूची में सोने और मणियों से बने कम से कम अस्सी आभूषण थे - हार, बालों के आभूषण, कंगन और अंगूठियाँ; लगभग चालीस श्रृंगार की वस्तुएँ, एक 490

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.12% है ।

एक सौ बीस गट्ठे रे शमी कपड़े जिनमें महीन और मोटे दोनों प्रकार के रे शम शामिल थे, साथ ही चारों ऋतु ओं के लिए एक सौ बीस तै यार वस्त्र। शादी की पारं परिक दावतों को रद्द करने से जो धन की बचत हुई थी, उसे उपहारों के सथ नकद भे ज गया था। चिया लियन और दो मु ख्य दरबारियों की दे खरे ख में, दुल्हन के उपहार ले जने वले वहकों का लं ब काफिला पूर्वी महल में स्थित आं टी ह्सु एह के निवास के लिए रवाना हुआ। ध्यान आकर्षित करने से बचने के लिए जुलू स को मु ख्य द्वार से गु जरने की अनुमति नहीं थी, बल्कि उन्हें पर्क से होकर पीछे के द्वार से बहर निकलना पड़ा। इसके अलावा, फीनिक्स ने निर्देश दिया था कि पार्क से गु जरते समय जितना सं भव हो उतन लं ब चक्कर लगाएं तकि वे बं स के आश्रम के पास न जाएं; और पार्क के किसी भी से वक को बां स के आश्रम में इसके बारे में एक शब्द भी नहीं कहना था। इस प्रकार दुल्हन के उपहारों की डिलीवरी इतनी खामोशी से हुई कि बाहरी दुनिया को कु छ पत ही नहीं चला और ब्लै क जे ड और उसकी दासियों को इसके बरे में एक शब्द भी पता नहीं चला। पिछले कु छ दिनों से ब्लै क जे ड लगातार डूबती जा रही थी। वह जीवन से विमु ख हो चु की थी और शांत भव से अपने अंतिम क्षणों का सामना कर रही थी। उसकी दासियों ने व्यर्थ ही उसका हौसला बढ़ाने और उसे यह समझाने की कोशिश की कि उसका दुःख निराधार है; क्या उसने अपनी आँ खों से नहीं देखा था कि पाओ यू मानसिक रूप से कितना बीमार था, और उस हालत में उससे शादी करना बिलकुल असं भव थ? लेकिन उनके सभी ने क प्रयासों का फल के वल एक फीकी, भावहीन मु स्कान के रूप में मिला। अपनी चिंता में कु कू दिन में कम से कम तीन-चार बार पूर्वज के निवास पर दौड़कर जाती और सारी परे शन करने वली स्थिति की सू चन दे ती, लेकिन मं दारिन डक, जिसने निस्सं दे ह दे खा था कि हाल ही में पूर्वज की नज़र में ब्लै क जे ड की लोकप्रियता कम हो गई थी, अक्सर सं दे शों को दबा दे ती थी। और अगर कभी कु छ पूर्वज के कानों तक पहुँ च भी जता, तो वह उस पर ज्यादा ध्यान नहीं दे ती, क्योंकि हाल ही में उसका दिमाग दूसरी बातों में उलझा हुआ था। अब उसका सारा ध्यान उस यु व जोड़े और उनकी आने वली शादी पर कें द्रित था। उसने डॉक्टर को बुलवाया, लेकिन ब्लै क जे ड के लिए उसने बस इतनी ही मे हनत की। पहले जब काली जे ड बीमर होती थी, तो उसकी

चचे री बहनें, चाचियाँ, नौकरानियाँ और सेविकाएँ उससे मिलने आती थीं, लेकिन अब यह सब पू री तरह बं द हो गय था। कोई भी उसकी परवाह नहीं करता था। बाँ स के आश्रम में सन्नाटा छा गया था। काली जे ड ने मन ही मन सोचा कि अब उसके जने का समय आ गया है । एकदिन जब वे दोनों अकेली थीं, तो उसने अपनी पहली सेविका से कहा, "कु कू, तु मने मु झे हमेशा सबसे अच्छे से समझा है । इन सभी वर्षों में तु म मेरे लिए एक साधारण नौकरानी से कहीं बढ़कर रही हो- तु म मे री सच्ची बहन रही हो।" उसकी साँ सें थम गईं और उसे रुकना पड़ा, जबकि कु कू फूट-फूट कर रोने लगी। 401 493

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.99% है ।

"बहन कु कू कृ प करके मु झे बै ठने की स्थिति में उठा दीजिए; मैं तब बे हतर बोल पाऊँ गी," उसने कराहते हुए कहा। स्नोगू ज़ की मदद से, कु कू ने कोमल भाव से बीमर लड़की को उसके बिस्तर पर उठाया और ध्यान से उसके पीछे और दोनों तरफ तकियों से सहारा दिया, ताकि वह आराम से पीछे झुक सके ।"मे री कविताओं की प्रति लाओ," ब्लै क जे ड ने स्नोगू ज़ की ओर मु ड़कर कहा। स्नोगू ज़ उछलकर खड़ी हुई और उसकी माँ गी हुई प्रति ले आई। ब्लै क जे ड ने सिर हिलाया और अपनी आँ खों से दीवार के पस रखे एक सं दूक की ओर इशारा किया, लेकिन खाँ सी के दौरे से उसकी आवाज़ दब गई और वह अपनी बात पू री तरह से व्यक्त नहीं कर पाई। नौकरानियों ने उसकी मदद करने की कोशिश की, एक ने उसे पानी पिलाया, दूसरी ने उसके मु ँ ह को रूमाल से पोंछा। ब्लै क जे ड ने रूमाल उठाया और उससे एक बर फिर सं दूक की ओर इशारा किया। "वह जिस पर लिखा है..." उसने मुश्किल से कहा। अब आखिरकार नौकरानियों ने उसके मन की बात समझ ली। ऐसा लग रहा था कि वह स्याही और आँ सु ओं से सने दो छोटे सफे द रे शमी रूमाल चाहती थी, जिन्हें उसने पाओ यू की यद में सं दूक में रख था। स्नोगू ज़ ने सूंदक खोला और दोनों रुमाल निकाले । ब्लै क जे ड नेसिर हिलाया और रुमाल उसके हाथों में रखदिए गए। "अभी इसे पढ़ने की ज़रुरत नहीं है, प्यारी यु वती जब तु म ठीक हो जओगी तब पढ़ोगी!" कु कू ने धीरे से विनती की। लेकिन ब्लै क जे ड ने आँ सु ओं से सने खों पर एक नज़र भी नहीं डाली और रुमालों को फाड़ने की कोशिश में जु ट गई। हालाँकि, वह इतनी कमज़ोर थी कि ऐसा नहीं कर पा रही थी; उसके काँ पते हाथ उसका साथ नहीं दे रहे थे । कु कू ने अंदाज़ा लगाया कि प्रे म मेंनिराशा ने उसे ऐसा करने पर मजबू र किया है । "इसमें मे हनत करने का कोई फ़ायदा नहीं है," उसने दिलासा दे ते हुए कहा। ब्लै क जे ड नेसिर हिलाया और दोनों छोटे रुमल अपनी आस्तीन में रख लिए। "दीपक जलाओ!" उसने आदे श दिया, और जब स्नोगू ज़ दीपक जला रही थी, तो उसने साँ स लेने केलिए थोड़ा रुककर कहा: "अं गू ठी में आग लाओ!" कु कू को ठं ड लग रही थी और वह अं गीठी के पास बै ठकर खु द को गर्म करना चाहती थी। "आप ले ट जइए, मिस; मैं आपके ऊपर एक और कंबल डाल दे ती हूँ । आग के धु एँ से आपको नु कसान हो सकता है," उसने कहा। लेकिन ब्लै क जे ड नेचिढ़कर अपना सिर हिला

दिया। इसलिए स्नोगू ज़ ने उसकी बात मान ली; वह रसोई में गई और पीतल की अं गीठी में जलता हुआ कोयला डाला, फिर उसे बिस्तर से थोड़ी दूर उसके चबू तरे पर रख दिया। ब्लै क जे ड ने सिर हिलाकर इशारा किया कि वह उसे बिस्तर के पस चाहती है, इसलिए स्नोगू ज़ ने उसे बिस्तर के बिल्कुल पास रख दिया, फिर बिस्तर के पस इस्ते मल होने वले मे ज जै से अं गीठी के चबू तरे को लाने केलिए बाहर भागी। जै से ही उसने अपनी पीठ मोड़ी, ब्लै क जे ड ने अपनी आस्तीन से दो लिखे हुए रे शमी रूमाल निकाले । अं गीठी के पास झुककर, वह कु छ क्षणों केलिए लाल चमक को निहारती रही, विचारों में खोई हुई।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 8.95% है ।

फिर रुमालों को आग पर गिरने दिया। पल भर में ही वो हल्की-फुल्की चीज़ जलकर राख हो गई। कोयल उसे रोक नहीं पई, क्योंकि वो अपनी मालकिन को सहारा दे रही थी और उसका हाथ खाली नहीं था। "आप क्या कर रही हैं, मालकिन?" उसने घबराकर कहा। ब्लै क जे ड ने उसकी बात अनसु नी कर दी, अपनी कविताओं वाली कॉपी उठाई, उसमें सपने जै सी निगाहों से दे खा, फिर उसे अपने हाथों से फिसलकर चादर पर गिरा दिया। कोयल को डर था कि कहीं वो भी उसे आग में न डाल दे, इसलिए उसने अपन कं ध ब्लै क जे ड की पीठ पर टिका दिया और अपने खली हाथ से कॉपी पकड़ने ही वली थी कि ब्लै क जे ड ने अचानक हरकत करके उसे रोक दिया और कॉपी आग में गिरा दी। ठीक उसी समय स्नोगू ज़ लकड़ी का पलं ग का स्टैं ड ले कर लौट आई। जब उसने अं गीठी में रखी कॉपी को आग पकड़ते दे खा, तो उसने जल्दी से अपना बोझ नीचे रख और लपटों की परवाह किए बिना, जलती हुई किताब को आग से बहर निकाला, ज़मीन पर फें क दिया और तब तक पै रों से कुचलती रही जब तक आग बु झ नहीं गई। लेकिन, अफसोस, ब्लै क जे ड की कविताओं का के वल एक दयनीय, झुलसा हुआ अवशेष ही बचा था। ब्लै क जे ड ने अब संतोष से अपनी आँ खें बं द कर लीं और थकी हुई सी अपने तकियों पर ले ट गई। अगली सु बह जब वह उठी तो उसे कु छ बे हतर महसू स हुआ, लेकिन नाश्ते के तु रं त बाद खांसी और सं स फूलने के भयानक दौरे फिर से शु रु हो गए। कु कू, सबसे बु रे की आशंका से, उसे स्नोगू स की दे खरे ख में छोड़कर, पूर्वज के पास दौड़ पड़ी। उसने उस जगह को असधारण रूप से शं त और खली पाया। न तो पूर्वज वहाँ थीं और न ही उनकी परिचारिकाएँ; के वल तीन नौकरानियाँ और कु छ रसोई की नौकरानियाँ ही सु नसान कमरों में रह गई थीं। जब उसने पूछा कि पूर्वज कहाँ हैं, तो उसे के वल अस्पष्ट, टालमटोल वाले उत्तर मिले । पओ यू, पर्ल और ऑटम वे व का भी कोई अता-पता नहीं था। कु कू को लगा कि वह इसका आठ-दसवाँ हिस्सा समझ सकती है और कड़वी भवनाओं से व्यकुल होकर चु पके से निकल गई। वह पाओ यू से मिलने गई थी और अपनी व्यकुलता में गलती से बे गोनिया आं गन में चली गई। उसने दे खा कि सामने का दरवाजा थोड़ा खुला हुआ था और अं दर के कमरे भी वीरान और सु नसन थे । अचनक उसे यद आया कि पाओ यू काफी समय से बे गोनिया आं गन में नहीं रह

रहा था, और निश्चित रूप से अपनी युवा पत्नी के सथ वहाँ वपस नहीं आएगा, क्योंकि वह जगह असामान्य रूप से खिलने वले बेगोनिया के बुरे प्रभावों से प्रभवित थी, बल्कि कहीं और नए घर में रहने चला गया होगा। काश उसे पत पता होता कि कहाँ! जब वह प्रवेश द्वार के समने अनिश्चितता से इधर-उधर घूम रही थी, तो उसने पूर्ज के घर की एक नौकरानी को बहुत जल्दी में भगते हुए देख। उसने उसे रोक और पूछ कि युव जोड़े का नया घर कहाँ होग। "मुझे सच में आपको नहीं बताना चाहिए," नौकरानी ने धीमी आवज़ में कह, "लेकिन अगर आप वादा करें कि आप स्नोगूज़ को नहीं बताएंगे..." "बेशक मैं नहीं बताऊंगी।" 493

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.33% है ।

“अच्छा, पु राने स्वमी ने नवविवाहित जोड़े के लिए जो नया घर आवंटित किया है, वह हॉल ऑफ फे म एं ड बेबिविक्शन के पीछे मै डम चें ग के सु इट के बगल में स्थित है, और वे आज उसमें प्रवे श करें गे । क्योंकि आज शाम शादी है ।” यह कहकर वह झट से चली गई। कु कू कु छ दे र तक खड़ी रही, अपने दुख भरे विचारों में डूबी हुई। बे चरी काली जे ड अपनी पीड़ा की शय्या पर मौत से जू झ रही थी, और पाओ यू उसकी पीठ पीछे अपनी शादी का जश्न मना रहा था! क्या यह पत्थर से भी आं सू निकालने के लिए काफी नहीं था? कल जब वह उसे काली जे ड के निधन की खबर दे ने जाएगी तो वह उसका सामना कै से करेगा? क्या वह घृणित प्राणी नहीं था? निराश और क्रोधित, दां त पीसते हुए और आं खों में गु स्से के आंसू लिए, वह बां स आश्रम लौट आई। प्रवे श द्वार पर उसने दो यु वतियों को दे खा जो गर्दन झुकाकर उसका इं तजार कर रही थीं। उनके चिंतित, भयभीत चे हरे अच्छे सं के त नहीं दे रहे थे । उसने अपने हाथ के इशारे से उन्हें चु प रहने का संकेत दिया और उनके पास से ते जी से निकल गई। अं दर जाकर उसने दे खा कि ब्लै क जे ड बु खार से व्याकुल पड़ी है, उसके गाल लाल हो गए हैं । व्याकुलता में उसने ब्लै क जे ड की नर्स, बू ढ़ी वं ग को बुलवाया। लेकिन बू ढ़ी औरत ने उसे कु छ सलाह दे ने के बजाय व्यर्थ ही विलाप किया। अचानक उसे विधवा चू की याद आई। वह अनु भवी और समझदार थी, और उसकी बहुत मदद कर सकती थी। उसका यह अनु मान सही निकला कि विधवा होने के कारण वह शादी समारोह में नहीं आएगी, और वह तु रं त मदद के लिए उत्सु क होकर दो दासियों के साथ आ गई। कु कू ने दरवाजे पर उसका स्वागत किया और रोते-बिलखते उसे अं दर ले गई। कु छ बोल न पाने के कारण उसने चु पचाप ब्लै क जे ड के बिस्तर की ओर इशारा किया। यह दृश्य दे खकर शब्द व्यर्थ हो गए। विधवा चू बहुत भावु क हो गई। उसने ब्लै क जे ड को धीरे से नाम से पु कारा। ब्लै क जे ड ने अपनी आंखें थोड़ी सी खोलीं और उसके चे हरे पर समझदारी के भाव भी दिखे, लेकिन उसके होंठ भावहीन थे । उसकी सां सें बहुत धीमी चल रही थीं। विधवा चू कु कू से बात करने के लिए मु ड़ी, लेकिन कु कू गायब हो चु की थी। स्नोगू ज़ ने अगले कमरे की ओर इशारा किया। वहाँ उसने कु कू को एक सोफे पर लेटे हुए, ज़ोर-ज़ोर से रोते हुए पाया। उसके सिर के नीचे रखे रं गीन रे शमी तकिये पर एक प्ले ट के आकार का गीला धब्बा था।

"अरे मूर्ख! यह रोने का समय नहीं है!" विधवा चू ने उसे हिलाते हुए कहा। "जल्दी करो! अपनी मालकिन का कफ़न तैयार करो! क्या बेचारी लड़की नग्न अवस्था में इस महान यात्रा पर निकलेगी?" लेकिन कुकू पहले से भी ज़्यादा ज़ोर से रो रही थी और उठने के लिए राज़ी नहीं हो रही थी। विधवा चू भी उसके आँसुओं में शामिल हो गई। "चलो, मेरी प्यारी बच्ची! काम पर लग जाओ! खुद को संभालो! तुम अपने रोने से मुझे भी उतना ही परेशान कर रही हो जितना खुद को।" उसने अपने आँसू पोंछते हुए और दूसरे के कंधे पर थपथपाते हुए कहा। बाहर तेज़ कदमों की आहट सुनाई दी, और तुरंत बाद 494

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 88.88% है ।

से वरत नौकरानी लिटिल पिंग दौड़ती हुई अं दर आई। चौंककर वह दहलीज पर ही रुक गई। विधवा चू ने पूछा, "क्या चाहती हो? तु म बकियों के सथ क्यों नहीं आई?" उसने जवब दिया, "मे री मलकिन फीनिक्स ने मु झे मिस ब्लै क जे ड का हालचाल जानने के लिए भे ज था, लेकिन चूंकि तु म यहाँ हो, मे री मलकिन को अब चिंता करने की कोई ज़रूरत नहीं है । मैं बस उन्हें दे खना चाहती हूँ ।" जै से ही वह मृ त्यु कक्ष में , मुख्य प्रबं धक लिंग चिह शियाओ की पत्नी प्रकट हुईं। विधवा चू ने कहा, "तु म बिलकुल सही समय पर आई हो। तु म्हें तु रं त अपने पति के पस जाकर उनसे कहन चाहिए कि वे यु वती का ताबू त जल्द से जल्द भे ज दें ।" मु ख्य प्रबं धक की पत्नी ने सिर हिलाया, लेकिन जाने के लिए कोई कदम नहीं उठाया। विधवा चू ने अधीरता से पू छा, "तु म वहाँ क्यों खड़ी हो? क्या कोई और बात है?" उसने जवब दिया, "बू ढ़ी तई ताई और मै डम फीनिक्स ने अभी-अभी परामर्श किया है । मु झे कु कू को लेना है । उसकी वहाँ बहुत ज़रूरत है ।" विधवा चू के जवाब दे ने से पहले ही, कु कू खड़ी हो गई और गु स्से से बोली: "कृ पया चले जइए! उन्हें मे री मालकिन के मरने तक इं तज़ार करने दीजिए! तब मैं अपनी मर्ज़ी से चली जाऊं गी।" उसने अचनक महसू स किया कि इस तरह की तीखी बात शायद गलत समझी जा सकती है, इसलिए उसने खु द को रोक लिया। फिर, सं यमित स्वर में उसने आगे कहा, "इसके अलावा, अगर मु झे सीधे मृ त्यु शय्या से बुलाया गया, तो वहाँ मु झ पर कु छ हानिकारक प्रभाव पड़ सकते हैं ।" "उसे अकेला छोड़ दो! वह स्पष्ट रूप से स्वर्ग द्वारा अपनी मालकिन की अविभाज्य साथी बनने के लिए चु नी गई है । क्या उसकी जगह स्नोगू ज़ नहीं हो सकती? क्योंकि हालाँकि वह बचपन से ही ब्लै क जे ड की रही है और उसके सथ उसके दक्षिणी घर से आई है, फिर भी वह दूसरों की तुलना में उससे बहुत कम सम्मानित है," विधवा चू ने चतुराई से बीच में आकर कहा। मु ख्य प्रबं धक की पत्नी, जो गु स्से से कु कू पर हमला करने ही वली थी, कु छ हद तक शं त हो गई। "ठीक है ।" मैं मिस कु कू की कही बात को अनकही मानूं गी। लेकिन मैं बू ढ़ी तई ताई और मै डम फीनिक्स से क्य कहूँ गी?" "हाँ, स्नोगू ज़ को ले जाओ! तु म जिसे भी ले जओ, कोई फर्क नहीं पड़े गा!" छोटी पिंग ने बीच में कहा, जो अभी-अभी मृ त्यु कक्ष से बाहर आई थी और अपनी आँ खें पोंछ रही थी। "लेकिन क्या वह उसी उद्दे श्य के लिए

उपयुक्त होगी?" विधवा चू ने संदेह से पूछा। छोटी पिंग ने उसके कान में कुछ फुसफुसाया। विधवा चू ने संतुष्ट होकर सिर हिलाया। "ठीक है, तो स्नोगूज़ जा सकती है!" उसने फैसला किया। "हाँ, अगर तुम जिम्मेदारी लो," मुख्य प्रबंधक की पत्नी ने कहा। "ठीक है, अगर तुम्हें डर लगता है; लेकिन तुम खुद कुछ जिम्मेदारी उठाने के लिए काफी बड़ी हो चुकी हो," विधवा चू ने उपहास से कहा। 495

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.18% है।

"ऐसा नहीं है कि मैं डरी हुई हूँ बल्कि मैं सही ढंग से काम करना चाहती हूँ और उस योजन को बिगाड़ने की ज़िम्मेदारी नहीं लेना चाहती जो उच्च अधिकारियों द्वारा तय की गई है और जिसके बारे में मुझे खुद भी ठीक से जानकारी नहीं है," मुख्य प्रबंधक की पत्नी ने शर्मिंदा होकर अपना बचाव करते हुए कहा। स्नोगूज़ ने कोई आपत्ति नहीं जताई और लिटिल पिंग के निर्देशों पर जल्दी से अपने सबसे अच्छे कपड़े पहनकर लिटिल पिंग के पीछे-पीछे नवविवाहित जोड़े के नए घर चली गई, जहाँ शादी की पार्टी इकट्ठा थी। उसे ज़रा भी अंदाज़ा नहीं था कि उसकी ज़रूरत किस लिए है या उसे अपने सबसे अच्छे कपड़े क्यों पहनने पड़े। इसी बीच, गोल्ड लिंग को आदेश दिया गया कि वह अपने पति को सूचित करे कि ब्लैक जेड की मृत्यु किसी भी क्षण हो सकती है और उसे बिना देरी किए आवश्यक व्यवस्था करनी चाहिए। फीनिक्स के मुँह से ब्लैक जेड से विवाह करने की खुशखबरी सुनते ही बाओ यू में स्पष्ट रूप से नई जान आ गई थी। यह सच है कि उसकी मानसिक शक्तियाँ अभी पूरी तरह से ठीक नहीं हुई थीं कि वह अपने साथ हो रहे धोखे को समझ सके, लेकिन पिछले कुछ दिनों में उसका शारीरिक और मानसिक रूप से पूर्ण परिवर्तन हो चुका था, और उसकी खुशी और बेचैनी इतनी तीव्र थी कि वह अपनी प्रेमिका को दुल्हन के रूप में फिर से देखने के लिए बेताब था। वह अब दोनों महलों की इकट्ठी महिलाओं के बीच, शादी के वस्त्रों में सजे-धजे, ब्लैक जेड के आने का बेसब्री से इंतज़ार कर रहा था। "वह क्यों नहीं आ रही? आखिर बांस के आश्रम से यहाँ तक का रास्ता इतना दूर नहीं है," उसने चिंतित होकर पर्ल की ओर मुड़कर पूछा। "धैर्य रखो! वह तय समय पर ठीक समय पर आ जाएगी," पर्ल ने उसे शांत करने की कोशिश करते हुए कहा। तभी उसने फीनिक्स को अपनी माँ से कहते सुना: "भले ही राजमहल के कारण ढोल-नगाड़ों के शोरगुल वाले शादी के संगीत को छोड़ना पड़े, लेकिन बूढ़ी तई ताई को बिना संगीत के शादी सचमुच बहुत नीरस और रंगहीन लगती है। इसलिए, उनकी इच्छा पर मैंने अपने घर के संगीतकारों के दल को दुल्हन के आगमन पर और समारोह के दौरान बांसुरी की हल्की धुन बजाने का आदेश दिया है।" कैलेंडर में जिस शुभ घड़ी का इंतज़ार था, वह आखिरकार आ गई, और बारह जोड़ी महल के लालटेन धारकों के आगे-आगे, रंगीन लाल दुल्हन की पालकी पहुँची। महिला

सं गीतकारों का दल, जो हॉल ऑफ फे म एं ड बेविक्शन के समने अपनी जगहले चु की थीं अपनी बां सुरियों पर एक मधु र धु न बजने लगीं। अब जुलू स रुका और पालकी नीचे रखी गई। समरोह के सं चलक दरवाजे पर आए और"नई महिला" को उतरने केलिए आमंत्रित किया। पाओ यू ने अं दर छिपे हुए स्थन से बड़ी उत्सु कतासे दे खाकि कै से घू ंघट ओढ़े नई महिला" ने पलकी से बहर निकलने में मददली और लाल वस्त्र पहने "सु ंदर दासी" के हाथ का सहारा ले कर धीरेधीरे 496 वीं मंजिल की ओर जाने वली सीढ़ियों पर चढ़ गई।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.70% है ।

हॉल में । और हे आदरणीय पाठक, आपको क्या लगता है कि लाल वस्त्र धारण करने वली वह "आनं द की कन्य" कौन थी? स्नोगू ज़ के अलावा और कोई नहीं! स्नोगू ज़ उसके साथ क्यों है, कु कू क्यों नहीं? पाओ यू ने आश्चर्य से मन ही मन सोच। जी हाँ, बिल्कुल, वह स्नोगू ज़ को वर्षों पहले अपने दक्षिणी वतन से अपने साथ लाई थी, इसलिए स्नोगू ज़ उसके ज़्यादा करीब है, जबकि कु कू ने तो अभी-अभी यहाँ उसके साथ से व शु रु की है । उसने और विचार करने के बाद निष्कर्ष निकाला और एक बार फिर आश्वस्त हो गया। हॉल के अं दर, समारोह के सं चालक के निर्देशों पर, दुल्हन ने बारी-बारी से स्वर्ग और पृ थ्वी के समक्ष, पूर्वज के समक्ष और ससु र-सास के समक्ष निर्धारित प्रणाम किया। फिर उसे दुल्हन के कक्ष में ले जया गया, जहाँ प्रचीन चिन लिंग 1 रीति-रिवाज के अनु सार "बिस्तर पर चढ़ने" और "बिस्तर का पर्दा उठाने" की रस्में निभाई गईं। दरअसल, चिया चें ग ने ज्योतिषी के इस कथन पर बिल्कुल भी विश्वास नहीं किया था कि पाओ यू के ठीक होने के लिए उसके प्रसन्न स्वभव का कोई प्रबल प्रभाव आवश्यक है । के वल पूर्वज के प्रति आदर ने ही उसे अपने सं दे ह को ज़ोर से व्यक्त करने से रोका था। अब जब उसने दे खा कि इस विवाह के प्रभव से पाओ यू एक बर फिर पू री तरह से समझदार हो गया है, तो उसकी सं तुष्टि और भी बढ़ गई। नई दुल्हन बिस्तर के किनारे निर्धारित तरीके से बै ठ गई थी। अब घू ं घट उठाने की रस्म का समय आ गया था, जो विधि के अनु सार दूल्हे द्वारा सं पन्न की जनी थी। यह वह महान क्षण था जिसका पूर्वज और उनकी दासियाँ बड़ी उत्सु कता और दबी हुई घबराहट के सथ इं तज़ार कर रही थीं। पाओ यू नई दुल्हन के पस गया, लेकिन मूर्खतापूर्ण शर्मिंदगी के कारण उसका हाथ पहले तो थम गया और बोलने के बजाय उसके होंठ हिलने लगे ।"क्या अब तु म पू री तरह से ठीक हो गई हो मे ई मे ई? तु म्हें दे खे हुए कितना समय हो गया! लेकिन तु म अपने सिर पर वह बे वकू फी भरी चीज़ क्यों लगाए घू म रही हो?" वह घू ं घट को पकड़ने ही वाला था कि उसके हाथ की हरकत से ही पूर्वज डर से पसीने से तर हो उठीं, लेकिन फिर उसने अपन हाथ अनिश्चितता से नीचे गिरा दिया, क्योंकि अचानक उसके मन में आया कि काली जे ड आसनी से नराज़ हो जाती है और उसे कोई भी जल्दबाजी वाला काम पसं द नहीं आत। उसे उसके साथ व्यवहार में बहुत सवधान रहना होगा।

इसलिए वह कुछ देर रुका और अंत में घूंघट को पकड़कर धीरे "सोई" के सिर से हटा दिया। स्नोगूज़ ने उससे घूंघट ले लिया और उसे बाहर ले गई, लेकिन उसके गायब होने से जो खालीपन आया था, वह तुरंत कीमती क्लैस्प की दासी ओरिओल ने भर दिया। पाओयू ने आंखें झपकाईं। क्या वह कीमती क्लैस्प नहीं थी जो बैठी थी? 1 कहानी के दृश्य को आमतौर पर केवल "राजधानी" के रूप में वर्णित किया जाता है, लेकिन कभी-कभी चिन लिंग या स्वर्ण मकबरे के रूप में भी, एक नाम जो माना जाता है कि बीजिंग के आसपास के सम्राटों के मकबरों से लिया गया है। — अनुवादकों का नोट 497

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल79.03% है ।

उसके समने बिस्तर के किनारे पर? उसने दीपक की रोशनी उसके चे हरे परडाली; उसने अपनी आँ खें मलीं। इसमें कोई सं दे ह नहीं था, वह वही थी। और अचानक उसकी दासी ओरिओल उसके बगल में खड़ी थी। तोफिर स्नोगू ज़ कहाँ चली गई? पाओ यू को पत नहीं था कि वह जाग रहा है या सो रहा है । बे मन से औरबिना इच्छा के, उसने उन्हें अपने हाथ से दीपकले नेदिया और उसे कुर्सी पर बिठा दिया। और वह बस वहीं बै ठा रहा, एक शब्द भी नहीं बोल पा रहा था। पूर्वज बहुत बे चै न हो गई। उसे डरथा कि वह फिर से अपनी पुरानी हालत में न पहुँ च जाए। जब फीनिक्स और राजकु मरी चे न कीमती क्लै स्प को अगले कमरे में ले गईं तो उसने खु द पाओ यू कीजिम्मे दारी सं भली, उसे खु दबिस्तर तक ले गई और उसे आराम से बै ठने को कहा। "मैं कहाँ हूँ? लेकिन यह सब तो बस एक सपना है, है न?" उसने बहुत दे र सोचने केबाद पर्ल की ओर मु ड़कर कहा। "यह कोई सपना नहीं है! यह बिल्कुल हकीकत है! आज आपकी शादी का शु भदिन है! सपने की बत कै से कर सकते हैं? कृ पया बू ढ़े मलिक को मत सु नने दो; वह अगले कमरे में हैं!" पर्ल ने जवब दिया। पाओ यू ने अगले कमरे में दे खा। उसने वहाँ प्रेशियस क्लै स्प को बै ठे दे खा। "वह खू बसू रत लड़की कौन है?" उसने उं गली से इशारा करते हुए पर्ल से फु सफु साकर पू छा। "आपकी नई दुल्हन, बिल्कुल!" पर्ल ने बड़ी मुश्किल से खु द को रोकते हुए जब दिया; और वहाँ मौजू द सभी लोग अपनी हं सी छिपाने केलिए दूसरी तरफ दे खनेलगे । "और मे री नई दुल्हन कौन है?" पाओ यू ने बिना रुके अपने सवाल जारी रखते हुए पू छा। "मिस प्रेशियस क्लै स्प।" "और ब्लै क जे ड का क्या?" "बू ढ़े मलिक ने आपको प्रेशियस क्लै स्प पत्नी के रूप में दी है । आप बार-बार ब्लै क जे ड का नाम क्यों ले रहे हैं?" पर्ल ने अधीरत से कहा। "लेकिन वह अभी यहीं थी! मैं ने उसे अपनी आँ खों से स्नोगू स करते दे खा। मु झे लगता है कि आप सबने मे रे खिलाफ साजिश रची है और मेरा खेल बना रहे हैं "। फीनिक्स उसके पस आई और उसे धीरे से समझाया: "प्रीशियस क्लै स्प का ध्यान रखना! वह वहीं बै ठी तु म्हारी सारी बातें सु न रही है । उसे नाराज़ मत करना वरना बू ढ़ी तई ताई तु मसे नाराज़ हो जाएगी।" लेकिन उसकी चे तवनी का कोई असर नहीं हुआ। उसने अपन आखिरी सं यम भी खो दिया। "मैं ब्लै क जे ड जाना चाहता हूँ!" वह अचानक हिंसक होकर चिल्लाया।

महिलाएं घबराकर उसके चरों ओर जमा हो गईं और उसे शं त करने की व्यर्थ कोशिश की, जबकि प्रीशियस क्लै स्प अगले कमरे में बैठी,पूरे दृश्य को दे ख और सु न रही,थीहरे दुख के सथ। यह निश्चित रूप से उसके498 वें

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.18% है।

उसने मन ही मन कहा, "पहले जैसी स्थिति में," और दुल्हन के संयम ने अपने गुणों को बनाए रखा। अंत में, मादक अगरबत्ती के धुएं के भरपूर राशि की मदद से, वे उसे सुलाने में सफल हुए और इस तरह उसे चुप करा दिया। कुछ समय बाद, प्रिय क्लैस्प, उदासीनता से आज्ञाकारी होकर, फीनिक्स द्वारा ले जाई गई, दुल्हन के पलंग पर नहीं बल्कि एक अलग सोने के कमरे में, जहाँ उसे पूरे कपड़े पहनाकर बिस्तर पर लिटा दिया गया। अब महिलाएं राहत की सांस लेकर बगल के कमरे में अपने-अपने स्थानों पर चली गईं। वहाँ, पूर्वज को छोड़कर, उन सभी को रीति-रिवाज के अनुसार अगली सुबह तक जगते रहना पड़ा। संयोग से, अगला दिन वह शुभदिन था जो कैलेंडर में चिया चेंग के दक्षिण की यात्रा पर निकलने के लिए चुना गया था। श्री चेंग को पिछली शाम दुल्हन के कमरे में क्या हुआ था, इसकी कोई जानकारी नहीं थी। वह इस भ्रम में थे कि सब कुछ ठीक है, और इसलिए वे बहुत प्रसन्न थे। दरअसल, महिलाएं जानबूझकर उसे अनजान रख रही थीं, क्योंकि वे यात्रा से पहले उसका मनोबल गिराना नहीं चाहती थीं। भव्य विदाई समारोह में पूर्वज ने व्यवस्था इस प्रकार की कि वह अपने पुत्र को केवल विदाई प्रणाम के लिए आवश्यक कुछ क्षणों में ही आमने-सामने देख सका। "सच कहें तो, उसे आपके साथ निर्धारित दस मील की विदाई यात्रा करनी चाहिए," उन्होंने कहा, "लेकिन उसका स्वास्थ्य पूरी तरह से ठीक नहीं हुआ है। कल की उत्तेजन और परिश्रम से वह इतना थक गया था कि हम उसे कल रात दुल्हन के साथ बिस्तर पर सोने भी नहीं दे सके। मुझे लगता है कि आज उसकी खराब सेहत में उसे फिर से अधिक शारीरिक परिश्रम कराना बुद्धिमानी नहीं होगी। लेकिन अगर आप जोर देते हैं, तो बेशक, मैं उसे तुरंत यात्रा के लिए तैयार करवा दूंगी। फिर भी शायद आप संतुष्ट हो जाएंगे यदि वह कुछ क्षणों के लिए आपके पास आए और एक बार फिर विदाई प्रणाम करे?" "मुझे उसके विदाई प्रणाम की कोई परवाह नहीं है," चिया चेंग ने उत्तर दिया। "सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अब से वह पूरी लगन से अपनी पढ़ाई में लगे। मेरे लिए यह किसी औपचारिकता से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है।" पूर्वज संतुष्ट होकर मंदारिन डक को इशारा किया और उसे धीरे से एक आदेश दिया। मंदारिन डक दौड़ पड़ी, और थोड़ी देर बाद पाओ यू, पर्ल के साथ आया। उसके पिता ने उसे कुछ प्रोत्साहन भरे शब्द कहे।

पाओ यू ने आज्ञाकारी भाव से प्रणाम किया, विदाई में सिर झुकाया और चला गया। अंत में, चिया चेंग ने एक बार फिर अपनी पत्नी को बहुत गंभीरता से निर्देश दिया कि वह पाओ यू पर कड़ी नज़र रखे और यह सुनिश्चित करे कि वह अगले वर्ष की राजकीय परीक्षा के लिए अच्छी तरह से तैयार हो। फिर प्रेशियस क्लैस्प भी आई और आज्ञाकारी रूप से चिया चेंग के साथ मुख्य हॉल की सीढ़ियों तक गई। नवविवाहित पुत्री सेशिष्टाचार के नियमों के अनुसार इससे अधिक की अपेक्षा नहीं थी।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.75% है ।

घर की सदस्य, उसकी सास। परिवार की अन्य महिला सदस्य उसके सथ थोड़ा और आगे गईं- दूसरे द्वार तक। लेकिन चिया चें ग के कनिष्ठ पु रुष रिश्ते दारों ने उसके सथ विदाई का प्याला पीकर, उसे पहले दस मील के विश्राम स्थल तक निर्धारित विदाई दी। अध्याय 44 बैं गनी मोती का पौधा निर्वासित पीड़ा के क्षे त्र में लौटता है । आत्म का पत्थर प्रिय स्मृतियों के स्थन को आं सु ओं से भिगो दे त है ।- जिस क्षण पाओ यू ने अपने पिता को विदाई दी और अपने कमरे में वापस चला गया, वह धीरे-धीरे उदसीनता की उस पूर्व अर्धचे तन अवस्था में डूबता चला गया, जिससे काले जे ड के साथ मिलन के भ्रमक विचार ने उसे थोड़े समय के लिए बाहर निकाला था। एक बार फिर डॉक्टरों ने उसका हर सं भव इलाज किया, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। एक के बद एक पर्दा उसकी आत्मा को घे रत गया और उसके मन को अं धकारमय कर दिया; उसके शरीर ने पोषण ले ने से इनकार कर दिया और उसके कार्य धीरे-धीरे विफल होते गए। जगने से ज़्यादा सपने दे खने जैसा, वह बस दिन-ब-दिन गु ज़र रहा था। शादी की रात के बद नौ दिन बीत चु के थे — वह दिन जब दामाद को अपने सस-ससु र से मिलने जना रिवाज़ होता है । क्य इस हालत में पओ यू को आं टी ह्सु एह से मिलने दिया जा सकता था? दूसरी ओर, अगर वह नहीं जाता तो क्या आं टी ह्सु एह नराज़ नहीं हो जातीं? पश्चिमी महल की महिलाओं के बीच इन सवलों पर ज़ोरदार बहस चल रही थी। "हाँ, उसका दिमाग़ थोड़ा अस्थिर है, लेकिन शारीरिक रूप से वह थोड़ी दे र के लिए ज़रूर आ सकता है । मैं रस्मों का पालन करना चाहती हूँ और आं टी ह्सु एह को नराज़ नहीं करना चाहती," पूर्वज ने कहा। उनकी बात से सभी सहमत थे, और इसलिए पाओ यू को पलकी में बिठाकर पर्ल के सथ आं टी ह्सु एह से मिलने के लिए पार्क से भे ज गया। आं टी ह्सु एह अपने दमाद को ऐसी दयनीय हालत में दे खने के लिए तै यर नहीं थीं और इस जल्दबाज़ी में हुई शदी के लिए अपनी सहमति दे ने पर खु द को बहुत कोस रही थीं। उसके कहने पर सभी जाने-माने डॉक्टरों को एक बर फिर बुलाया गया, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ, आखिरकार एक गु मनम वै द्य, जो कस्बे के बहर एक पु राने मंदिर के खं डहरों में रहता था, आया और वही पहला व्यक्ति था जिसने यह पहचना कि लड़के की बीमारी का कारण शारीरिक नहीं बल्कि आध्यात्मिक था। और वास्तव में, उसके द्वारा दी गई दवा

कुछ ही घंटों में कारगर साबित हुई। पाओ यू कईदिनों से जिस उदासीनता में डूबा हुआ था, उससे जागने लगा और अचानक भोजन और पानी मांगनेलगा। यह घटना 500 ईस्वी में घटी।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 8.87% है ।

दूसरी रात के पहर का समय था। समय काफी बीत चु का था, फिर भी पूर्वज ने चची ह्सु एह को जल्द से जल्द आने का सं दे श भे जा, ताकि वह भी इस सु खद बदलाव को दे ख सकें और अन्य महिलाओं के सथ रोगी को भरपे ट भोजन करते हुए दे ख सकें । जब महिलाएं चली गईं और पाओ यू एक बर फिर पर्ल के सथ अकेला रह गया, तो उसने उसका हाथ पकड़ा और मानो किसी सपने से जगकर, उससे हाल की घटनाओं के बरे में पूछा, "प्रीशियस क्लै स्प यहाँ कै से आ गई? मु झे अच्छी तरह याद है कि मु झे ब्लै क जे ड सेशादी करने केलिए कहा गया था। आखिर प्रीशियस क्लै स्प ने उसकी जगह कै से ले ली? मैं प्रीशियस क्लै स्प से खु द नहीं पू छना चाहता, कहीं उसे बुरा न लग जाए, लेकिन मु झे सच्चाई जाननी ही होगी। बे चरी ब्लै क जे ड केलिए यह कितना भयानक होगा! वह तो इस बात से बहुत परे शान होगी।" पर्ल ने उसे पू री सच्चाई बताने कीहिम्मत नहीं की और बस सं क्षे प में कहा कि ब्लै क जे ड बहुत बीमार है ।“ तो मु झे तु रं त उससे मिलने जना चाहिए,” उसने भवु क होकर कहा और वहीं बिस्तर से उठने की कोशिश की, लेकिन अफसोस, वह उठ नहीं पाया। इतने दिनों तक कु छ भी न खने-पीने के कारण उसका शरीर इतना कमजोर हो गया था कि वह पू री तरह से जवाब दे गय। अब जाकर उसे अपनी दयनीयस्थिति का एहसास हुआ। “अच्छा! तो कम से कम मैं उसके साथ ही मरूं गा!” वह शोक में चिल्लाया। "मे री बस यही एक इच्छा बची है, और कृ पय मे री ददी से कहिए कि मु झे तु रं त एटै क लो ड्जने दें । उनसे बिछड़कर मु झे न तो जीने की इच्छा है और न ही मरने की। एक साधारण सा कमरा भी हम दोनों के लिए काफी है, अगर हम साथ रह सकें । अगर हम जीवित रह पाते हैं, तो बहुत अच्छा, मैं खु शी-खु शी उनके साथ रहकर स्वस्थ हो जाऊं गी। अगर भग्य में कु छ और लिखा है, तो कम से कम मैं उनके साथ ही मरूं गी और उनके सथ ही अपनी अर्थी पर ले टाऊं गी। हमरी वर्षों पु रानी दोस्ती के लिए, मैं आपसेविनती करती हूं कि मे रीविनती मान लें!" पर्ल अपनी आवाज़ में उमड़ रहे भावों को काबू करने की व्यर्थ कोशिश कर रही थी, तभी अचानक प्रेशियस क्लै स्प नौकरानी ओरिओल के सथ कमरे में आ गई। वह बगल के कमरे से पाओ यू की बतें सु न रही थी।"बस करो ये व्यर्थ और निराशाजनक बकवास!" उसने शां त और दृढ़ता से उससे कहा। "बु ज़ुर्ग ताई ताई अभी-अभी तु म्हारे प्रति कु छ

आश्वस्त हुई हैं, और अब तुम उन्हें और परेशान करना चाहते हो। ज़रा उनकी उम्र का ख्याल रखो! क्या उन्होंने जीवन भर तुम्हारे प्रति असीम प्रेम नहीं दिखाया? क्या तुम्हें इसके लिए कोई कृतज्ञत नहीं है? उन्हें दिखाओ कि तुम न केवल अपने गौरवशली पूर्वजों के वंशज हो, बल्कि स्वयं भी एक अच्छे इंसान हो! तब वह खुश होंगी और देखेंगी कि उन्होंने अपन प्रेम तुम पर व्यर्थ नहीं लुटाया। और अपनी माँ के बारे में भी सोचो, जिन्होंने तुम्हारे लिए अपना खून-पसीना बहाया है। क्या तुम उनके प्रति अपने ऋणी जीवन को निर्धनतापूर्वक त्याग कर उनके सथ अन्याय करना चाहते हो?"

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 48.83% है ।

क्या अभी आधा ही बीता है? मे रे उदाहरण का अनु सरण करो। यकीनन मे रे पास तु ममें से किसी से भी ज़्यादा अपने भाग्य से झगड़ने का कारण है, फिर भी मैं निराश नहीं हूँ । इसलिए खु द को सं भालो और स्वर्ग के उन उच्च आदे शों से झगड़ा मत करो, जो तु मसे जीने की क्षमा करते हैं। धैर्य रखो, और चार-पाँ च दिनों में तु म्हारा मन भ्रम के काले राक्षसों से मुक्त हो जाएगा और अपनी पूर्व स्पष्टता और सामं जस्य को पु नः प्राप्त कर ले गा।" उसके समझदारी भरे शब्दों पर उसकी एकमात्र प्रतिक्रिया एक मूर्खतापूर्ण, निरर्थक, नासमझ मु स्कान थी। "भगवान ही जानता है कि कितने समय से हम दोनों के बीच कु छ भी कहने को नहीं बचा है । अचानक तु म्हें मु झे उपदे श दे ने का अधिकार किसने दे दिया?" उसने अं त में कहा। इस पर उसका धैर्य टूट गया। "ठीक है, तो फिर! तु म्हें पू री सच्चाई पता चले गी कु छ दिन पहले, जब तु म्हारा मन अं धकार में डूबा हुआ था, तु म्हारा काला जे ड मर गया!" एक चीख के साथ, पाओ यू अपने बिस्तर पर उछल पड़ा। "क्या यह सच है?" "बिल्कुल सच है!" अगर यह सच न होता तो मैं इतनी बे शर्मी से किसी की मौत की बात कै से कह सकता था? तु म्हारी माँ और दादी ने अब तक तु मसे सच छिपाकर सिर्फ़ तु म्हारी भावनाओं को ठे स न पहुँ चाई थी।" पू री तरह टूटकर पाओ यू अपने तकियों पर वापस ले ट गया। उसकी आँ खों के सामने सब कु छ काला हो गया, और उसकी आत्मा एक दूर के स्वप्नलोक के अर्ध-अं धे रे में खो गई। तभी कोई उसके रास्ते में आया। "मैं कहाँ हूँ?" उसने उस व्यक्ति से पू छा। "छाया लोक के झरनों के रास्ते पर। ले किन तु म्हारा भाग्य अभी पू रा नहीं हुआ है । तु म यहाँ क्या खोज रहे हो?" उस व्यक्ति ने उत्तर दिया। "मैं एक प्रिय व्यक्ति को खोज रहा हूँ, जिसकी कु छ समय पहले मृ त्यु हो गई। मैं रास्ते में भटक गया हूँ ।" " वह कौन है?" "वह कु सु कस्बे की लिं ग परिवार की काली जे ड नाम की लड़की है ।" उस व्यक्ति ने एक सू खी हँ सी हँ सी। "ओह, वह लड़की? वह एक विशेष मामला है । जीवन में वह अन्य लोगों से अलग थी; मृ त्यु में वह अन्य आत्माओं से अलग है । तु म उसे बहुत दे र तक खोजते रहोगे। साधारण आत्माओं को खोजना भी मुश्किल है, ब्लै क जे ड जै सी आत्मा को तो और भी मुश्किल। इसलिए तु रं त वापस मु ड़ो और चले जाओ!" पाओ यू वहीं अनिर्णय की स्थिति में खड़ा रहा। "वह कहाँ है?" उसने फिर पू छा। "वह महान शू न्य के प्रेतलोक में लौट गई है । तु म्हें उससे दोबारा मिलने

का अवसर मिलेग, लेकिन केवल तुम्हारे समय की पूर्ति के बद। यदि तुम समय से पहले और अपनी मर्ज़ी से उसकी खोज में जीवन त्यागने का अपराध करते हो तो 502 वें न्ययाधीश तुम्हें दंडित करेंगे"।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.11% है ।

परछाइयों का लोक तु म्हें उससे कभी मिलने की सज दे ग, और तु म्हें अपने अपराध का प्रायश्चित पाताल लोक की कालकोठरियों में असहनीय पीड़ा सहकर करना होगा।" यह कहते हुए, उस रहस्यमय व्यक्ति ने अपनी आस्तीन से एक पत्थर निकाला और उसे पओ यू के दिल पर निशाना बनाया; फिर वह गायब हो गया। पाओ यू ने दिल के क्षे त्र में एक जोरदार प्रहार महसू स किया। भयभीत होकर वह जाने के लिए मु ड़ा, तभी अचानक उसने अपना नाम पु कारा जाना सु ना। उसे कई महिलाओं की आवाजें सु नाई दीं। वह चौंककर उठा और फिर उसने अपनी दादी, अपनी माँ, और कीमती कुं ड और मोती को पहचाना, जो सभी उसके बिस्तर के चारों ओर जमा होकर रो रही थीं। मे ज से दीपक की लाल रोशनी उस पर पड़ रही थी; खिड़की से झाड़ियों के पीछे से चाँदी की चमकती हुई गोल आकृति दिखाई दे रही थी। इसमें कोई सं दे ह नहीं था: यह वास्तविकता की जानी-पहचानी दुनिया थी। वह के वल सपना दे ख रहा था। उसने राहत की गहरी साँ स ली और अपने तकियों पर वापस ले ट गया। उसका पू रा शरीर ठं डे पसीने से तर था, लेकिन अजीब बात यह थी कि वह पू री तरह से शांत और तनवमुक्त महसू स कर रहा था। उसका दिमाग एकदम साफ हो गया था। उसने अपनी चे तना वापस पा ली थी। जो काम डॉक्टर और दवाइयाँ नहीं कर पाई थीं, वो प्रेशियस क्लै स्प ने अपनी निर्मम स्पष्टवादिता से कर दिखाया था। उसकी घोषणा से उत्पन्न अचानक तीव्र भावना ने उसके विक्षिप्त मन को वापस सही रास्ते पर ला दिया था। पर्ल, जिसने बाद में प्रेशियस क्लै स्प को उसकी निर्मम स्पष्टवादिता के लिए फटकार लगाने का पू रा इरादा किया था, इस आश्चर्यजनक सफलता को दे खते हुए एक शब्द भी नहीं बोली, क्योंकि उसकी शारीरिक स्थिति में भी ते जी से सुधार हो रहा था। कु छ ही दिनों में, सभी की खु शी के लिए, वह पू री तरह से स्वस्थ हो गया। एक शां त क्षण में पर्ल को उसे शादी की घटनाओं का पू रा क्रम एक बार फिर से बताना पड़ा, और उसे समझाना पड़ा कि प्रेशियस क्लै स्प को उसके लिए ब्लै क जे ड के बजाय क्यों चु ना गया था, ब्लै क जे ड की दासी स्नोगू स को प्रेशियस क्लै स्प की दासी के स्थान पर दुल्हन की सहेली क्यों बनाया गया था, और घूं घट उठाने की रस्म तक उसे अं धे रे में क्यों रखा था। अब उसे उस धोखे के अच्छे और उचित सं गत इरादों को समझना था। उस पर कई तरह के

प्रयोग किए गए थे । और यद्यपि ब्लैक जेड का ख्याल आते ही उसकी आँखों में दुख भरे आँसू आ जाते थे, फिर भी उसे एहसस हो गया था कि ईश्वर की इच्छा से सोने और नेफ्राइट के मिलन की पुरानी भविष्यवाणी सच साबित हो गई थी। उसने अपने भाग्य को स्वीकार कर लिया था और अपने बदल के सपने के प्रभाव में, मृत्यु के विचार के अंतिम अंश को अपने मन के सबसे दूर कोने में धकेल दिया था। प्रेशियस क्लैस्प अपने सौम्य और शांत स्वभव से उसका विश्वास जीतती जा रही थी, और इस तरह जो स्नेह पहले ब्लैक जेड के लिए उसके मन में था, वह धीरे-धीरे और अनजने में प्रेशियस क्लैस्प की ओर स्थनांतरित हो गया। लेकिन हम इस पर बाद में चर्चा करेंगे । जैसा कि पहले ही बतया जा चुका है, जिस दिन पाओ यू ने अपनी शादी का जश्न मनाया, 503

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 8.82% है।

ब्लैक जेड की जान खतरे में थी। उस दिन शाम को वह कुछ पल के लिए फिर से जीवित हो उठी। स्नोगूज़ को बुलाने के तुरंत बाद, उसने आधी आँखें खोलीं और कमजोर आवाज में पानी माँगा। कुकू ने उसे मीठे ठंडे बीजों के घोल के तीन छोटे चम्मच पिलाने में कामयाबी हासिल की। विधवा चू ने मन ही मन सोचा, डूबते सूरज की आखिरी किरण, और वह चावल के खेत में अपने घर की ओर दौड़ पड़ी। उसने अनुमान लगाया कि ब्लैक जेड लगभग आधा दिन और जीवित रहेगी। उसके जाने के कुछ ही देर बाद ब्लैक जेड ने फिर से आँखें खोलीं, कुकू का दाहिना हाथ पकड़ा और अपनी बची हुई आखिरी ताकत से विदाई के कुछ शब्द कहे। "मैं अब और जीवित नहीं रह सकती," उसने हाँफते हुए कहा। "आपकी वफादार सेवा के लिए धन्यवाद। मुझे उम्मीद थी कि हम और लंबे समय तक साथ रहेंगे। मैंने सोचा भी नहीं था..." थकी हुई, वह रुक गई और अपनी आँखें बंद कर लीं, लेकिन उसने अपने हाथ की पकड़ ढीली नहीं की। कुकू ने उसे छुड़ाने की हिम्मत नहीं की, बल्कि चुपचाप इंतज़ार करती रही कि वह आगे क्या कहेगी। "मैं यहाँ अजनबी हूँ बहन," ब्लैक जेड ने लंबे विराम के बाद हांफते हुए कहा। "कृपा करके मेरी पवित्र देह को मेरे दक्षिणी वतन की मिट्टी में दफ़नाने का इंतज़ाम कर दीजिए..." उसे फिर रुकना पड़ा और आँखें बंद करनी पड़ीं। कुकू ने महसूस किया कि उसका हाथ और भी कसकर और बेदर्दी से पकड़ा जा रहा है। चिंतित हृदय से उसने अनियमित साँसों को सुना। मरती हुई लड़की साँस लेने से ज़्यादा साँस छोड़ रही थी। अपनी बेचैनी में कुकू ने विधवा चू को तुरंत पास आने का संदेश भेजा। उसके लौटने से कुछ ही देर बाद लोहटेस्ट ऑफ़स्प्रिंग आ गई। चुपचाप रोते हुए, वह मरती हुई लड़की के ऊपर झुकी और हाथ के अंतिम स्पर्श से उसे विदाई दी। ब्लैक जेड का हाथ पहले से ही बर्फ जैसा ठंडा हो चुका था। तीनों ने मिलकर ब्लैक जेड को गीले तौलिये से पोंछना शुरू ही किया था कि अचानक वह चिल्लाई: "पाओ यू! पाओ यू! कैसे..." ये उसके आखिरी शब्द थे। उसके हाथ-पैर ठंडे पसीने से भीग गए और फिर अकड़ गए। उसकी मृत्यु उसी समय हुई जब पाओ यू और प्रेशियस क्लैस्प अपनी शादी की रस्में पूरी कर रहे थे। महिलाओं के शोकगीतों के बीच अचानक दूर से कहीं से मधुर और मधुर संगीत सुनाई दिया। सब चुप हो गए और सुनने लगे। यह पश्चिमी महल का शादी का संगीत नहीं हो

सकता था - बै म्बू हर्मिटे ज और नवविवाहित जोड़े के घर के बीच की दूरी इतनी अधिक थी कि ऐसा सं भव नहीं था। टे स्ट ऑफस्प्रिंग और विडो चू पर्क में दौड़े ताकि वे और स्पष्ट रूप से सु न सकें; लेकिन वहाँ कोई सं गीत सुनाई नहीं दे रहा था - के वल बां स की शखाओं की हल्की सरसराहट, जो रात की हवा में लहराते हुए चं दनी रात में बगीचे की दीवार पर क्षणिक छाया डाल रही थीं। यह सब उन दोनों को इतना अजीब लगा कि वे 504

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 8.87% है ।

मृ त्यु स्थान से मु ंह मोड़कर वे पं खों वाले कदमों से अपने-अपने घरों की ओर भग गए। अगली सु बह, श्री चें ग के जाने के बाद जब सारा कोलाहल शां त हो गय, तो पश्चिमी महल की महिलाओं को ब्लै क जे ड की मृ त्यु की सूचना मिली। "उसकी मृ त्यु का बोझ मे रे अं तरात्मा पर है!" पूर्वज ने दे र से आत्म-आलोचना करते हुए विलाप किया। "लेकिन इसमें उसकी भी गलती थी। वह बहुत ही विचित्र और जटिल स्वभाव की थी।" "बु जु़र्ग ताई ताई को आत्म-निंदा का कोई कारण नहीं है । उसने अपन प्रे म और दय भरपू र दिखाई। यह ईश्वर की इच्छा थी कि ब्लै क जे ड की कम उम्र में मृ त्यु हो जाए," मै डम चें ग ने सांत्वना दे ते हुए कहा। "लेकिन हम उसके लिए और भी बहुत कु छ करें गे; हम उसे एक सु ंदर और सम्मानजनक अंतिम सं स्कार दें गे "। यह निर्णय लिया गया कि पाओ यू की हालत सु धरने तक उसे यह दुखद समाचार न बताया जाए। पूर्वज ने स्वयं प्रेशियस क्लै स्प से मुलाकात की और उसे सब कु छ बताया। "उसकी मृ त्यु हृदयविदारक होने से हुई और यही पाओ यू की स्थिति का कारण भी है ।" मु झे पता है कि आप पार्क में इतने लं बे समय तक रहे हैं कि आप मे री बत समझ जाएं गे ।"पाओ यू से एक शब्द भी मत कहना!" पूर्वज ने ज़ोर दे कर कहा। फिर भी, आम तौर पर इतनी शां त रहने वाली प्रेशियस क्लै स्प इस बर अपनी मनमानी पर अड़ी रही। उसने मन ही मन कहा, "अगर उसकी बीमारी मानसिक है, तो उसका इलाज के वल मन के ज़रिए ही हो सकता है ।" पूर्वज के आदे शों के विपरीत, उसने पहले ही उचित अवसर मिलते ही उसे पू री सच्चाई बताने का फै सला किया। उसकी सफलता ने उसके फै सले को सही सबित कर दिया, यह पहले ही बताया जा चु का है; और बाद में उसकी अवज्ञा को एक विशेष रूप से बुद्धिमानी भरा कार्य मानकर सराहा गया। जब पाओ यू कु छ हद तक ठीक हो गया, तो उसे अपनी माँ, दादी और फीनिक्स के साथ बां स आश्रम जने की अनु मति दी गई, और अपनी प्रेमिका के तबू त के पास ज़ोर-ज़ोर से शोकगीत गाकर अपने दुख को खुलकर व्यक्त करने का मौका मिला। जी भर कर रोने के बाद, उसने कु कू को एक तरफ ले जकर उसकी मालकिन की मृ त्यु की पू री कहानी बताई। कु कू वास्तव में उससे बहुत नफरत करती थी और के वल महिलाओं की मौजू दगी ने ही उसे उसके कथित दुर्व्यवहार के लिए खरी-खोटी सु नने से रोका था। विश्वासघात और प्रतिज्ञा का उल्लं घन।लेकिन

अब, जब उसने उसके सच्चे शोक और गहरी भावना को दे ख, तो उसे उससे कु छ हद तक तसल्ली महसू स हुई, और उसने उसे पू री ईमानदारी से विस्तार से बतया कि ब्लै क जे ड की मृ त्यु कै से; हुई कै से, लगभग मृ त्यु के द्वार पर, उसने अपनी भवनाओं के सभी लिखित प्रमाण - स्याही और आँ सु ओं से सने दो रे शमी रूमाल और अपनी कविताओं की प्रति - आग में जला दिए थे, और उसके अंतिम शब्द क्या थे । पओ यू फिर से उग्रविलाप करने लगा, और 505 तक विलाप करता रहा।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.14% है ।

उसका गला बै ठ जने से वह एक और शब्द नहीं बोल सका और उसकी आँ खों से एक और आँ सू नहीं बह सके । फिर उसने फीनिक्स को अपना हाथ पकड़ने दिया और अनिच्छा से उसे प्रिय स्मृतियों के स्थन से दूर ले जने दिया। विवाह समारोह में अभी भी एक महत्वपूर्ण अंतिम क्रिया शेष थी, जो विभिन्न गं भीर अनु ष्ठानों की श्रृं खला को पूर्ण रूप से पूरा करने के लिए आवश्यक थी, अर्थात् वै वाहिक पलं ग में प्रवे श करना। एक दिन पूर्वज ने चची ह्सु एह को परिवारिक परामर्श के लिए फिर से बुलाया और उनसे कहा: "अब हम उस स्थिति में आ गए हैं जब हमें बाओ यू के स्वास्थ्य के बरे में चिंता करने की आवश्यकत नहीं है । उनकी गं भीर बीमारी की शु रुआत से सौ दिन बीत चु के हैं; अब वह स्वस्थ हैं और पहले जै से हो गए हैं । वसं त ऋतु के आरंभ में मनाया जाने वला शोक भी अब समाप्त हो गया है । इसलिए मु झे लगता है कि अब समय आ गया है कि कीमती क्लै स्प के साथ हुए अन्याय का बदला लिया जाए और अं ततः वह समरोह सं पन्न किया जाए जो अकेले ही दुल्हन के पलं ग को वस्तव में पूर्ण, एक सच्चा वै वहिक पलं ग बन सकता है । मैं चहूँ गी कि आप एक उपयुक्त शु भ दिन चु नने में प्राथमिकता दें ।" “अरे, अन्याय का तो कोई सवाल ही नहीं उठता,” चाची ह्सु एह ने विनम्रता से विरोध किया। “मे री बे टी शारीरिक रूप से थोड़ी मं दबुद्धि और अनाड़ी हो सकती है, फिर भी उसमें इतनी बुद्धि है कि वह समझ सके कि हमारे पस इसके अलावा कोई और विकल्प ही नहीं था। स्वाभाविक रूप से, अगर यु व जोड़े को आध्यत्मिक और अन्य दोनों ही रूप से समं जस्यपूर्ण मिलन की अपनी इच्छा पू री करने का अवसर मिले, तो हम सभी को बहुत तसल्ली मिले गी। लेकिन इसके लिए शु भ दिन तय करने का अधिकार मे रा नहीं, बल्कि बुढ़िया का होना चाहिए। इसके अलावा, वह निश्चित रूप से चहें गी कि यह आयोजन परिवार के भीतर, अत्यं त सरल तरीके से मनाया जाए।” “बिल्कुल नहीं!” पूर्वज ने जोश से विरोध किया। "सबसे पहले तो, बच्चों के लिए यह उनके जीवन की सबसे महत्वपूर्ण घटना है । और दूसरे, हाल ही में हम इतनी चिंता और उत्ते जन से गु ज़रे हैं कि अब समय आ गया है कि हम आखिरकार फिर से खु श हों और दिल खोलकर जश्न मना सकें । पूरा परिवार उत्सव में उपस्थित रहे ग और भोज सचमु च भव्य और शनदार होगा। मे रा व्याकुल बू ढ़ा हृदय आखिरकार फिर से कु छ उल्लास

दे खने केलिए तरस रहा है।" चाची ह्सु एह यह सु नकर बहुत प्रसन्न हुईंऔर इसलिए, औपचारिक विवाह के सौ दिन बाद, एक भव्य पारिवारिक भोज के रूप में एक शानदार समापन समारोह आयोजित किया गया, और अं ततः दुल्हन का कमरा "सम्पूर्ण" हो गया, क्योंकि पाओ यू और प्रेशियस क्लै स्प वस्तव में पति-पत्नी बन गए। 506

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 8.86% है ।

अध्याय 45 वसं त ऋतु का स्वाद घर से दूर विवाह करता है, और पू यू उसके पीछे फूट-फूटकर रोता है । सु नसान पार्क में रात में भू त-प्रे त खेलते हैं । पू यू ठीक तो हो गया था, लेकिन मानसिक रूप से वह पहले जैसा नहीं रहा था। यह तब स्पष्ट हुआ जब प्रेशियस क्लै स्प ने उसके साथ पु रानी किताबें पढ़ने और सहित्यिक विषयों पर चर्चा करने का निश्चय किया। उसने पाया कि इन अवसरों पर वह अपने समने मौजू द शब्दों का अक्षरशः अर्थ ले ने की प्रवृत्ति रखता था। उसे उसकी जीवं तता, मन की चपलता और विचारों की उड़ान की कमी खल रही थी, जो पहले उसमें हुआ करती थी। वह स्वयं इस परिवर्तन को पू री तरह से समझ नहीं पा रहा था, लेकिन उसने कहा कि निस्सं दे ह उसने हाल ही में कु छ अधिक ही "गहन आध्यात्मिक शक्ति" का उपयोग किया था। पर्ल भी उसके इस बदलाव से अछूती नहीं रही। "उसने अपनी पुरानी चतु राई खो दी है, लेकिन अपने पुराने स्वभव और शरारती तरीकों को बरकरार रखा है; इसके विपरीत होता तो बे हतर होता," पर्ल ने सिर हिलाते हुए कहा। वै से तो वह अपनी स्थिति से सं तुष्ट थी और बहुत खु श थी कि समझदार प्रेशियस क्लै स्प ने अब उसे पाओ यू की दे खरे ख करने और उसे समय-समय पर समझाने के कठिन कार्य से मुक्त कर दिया था। नई मालकिन अपने शां त, सौम्य और स्थिर स्वभाव के कारण बाकी नौकरों को भी बहुत पसं द थी। लेकिन पाओ यू को वह कु छ ज़्यादा ही शां त और स्थिर लगती थी, क्योंकि उसे एकरसता से नफ़रत थी और बदलाव पसं द था। वह अक्सर उसकी कु शल उपस्थिति से बचकर पु राने तरीके से पार्क में घू मने निकल जाता था, रोमां च की तलाश में ।लेकिन पूर्वज को पार्क में ये सै र-सपाटा बिल्कुल पसं द नहीं था; उसे डर था कि कहीं वह अपनी पु रानी जगहों पर यादों में न खो जाए और फिर से उदास न हो जाए। यह सच था कि ब्लै क जे ड के शरीर वाला ताबू त पहले ही ले जाकर शहर के बहर स्थित पारिवारिक मंदिर में लाया जा चु का था, लेकिन बै म्बू हर्मिटे ज अभी भी वहीं था। इसके अलावा, पार्क में भयनक सन्नाटा और सन्नाटा छा गया था। प्रीशियस हार्प, प्रीशियस क्लै स्प की जगह ले ने के लिए पूर्वी महल में आं टी ह्सु एह के साथ रहने चली गई थी। लिटिल क्लाउड अपने पिता के राजधानी लौटने के कारण एक बार फिर अपने मयके लौट गई थी। उसकी भी जल्द ही शादी होने वली थी, इसलिए वह बहुत कम ही मिलने आती थी, और जब

आती भी थी तो पूर्वज के सथ रहती थी और पाओ यू से मुश्किल से ही बत करती थी। चूंकि पाओ यू की शदी हो चु की थी और उसकी खु द की भी सगाई हो गई थी, इसलिए उसके प्रति उसका रवै य पू री तरह बदल गया था। उसकी उमं ग भरी खु शी, उसकी चुलबुली हं सी-मजाक, सब अतीत की बात हो गई थी। राजकु मरी शीह की भतीजी, व्रीथ ऑफ क्लाउड्स, स्प्रिंग ग्रीटिंग की जगह ले ने के लिए अपनी आं टी के सथ रहने चली गई थी। विधवा चू की दोनों चचे री बहनें भी अब चावल के खे त में नहीं रहती थीं, और कभी-कभार ही जल्दी से मिलने आती थीं। पर्क के सभी निवासियों में से, एक समय ऐसा 507

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 79.22% है ।

खु शनु मा माहौल में अब के वल तीन ही बची थीं - विधवा चू, स्प्रिंग का शोक और स्प्रिंग का स्वाद। और अब पाओ यू को अपनी सौतेली बहन, स्प्रिंग के स्वाद को भी खोना था। श्री चें ग ने चियां गशी प्रां त में अपने आधिकारिक निवास से परिवार को एक पत्र लिखा था जिसमें उन्होंने बताया था कि उनके एक पूर्व सहपाठी, चाउ चिउं ग, जो अब तटीय जिलों के उच्चायुक्त हैं, ने अपने बे टे के लिए स्प्रिंग के स्वाद का हाथ मां गा है । यह रिश्ता दोनों पिताओं के बीच बहुत पहले ही निजी तौर पर तय हो गया था, और चूंकि यह बिल्कुल उपयुक्त था, इसलिए पूर्वज इस सहमति को अस्वीकार नहीं कर सकीं, हालांकि उन्हें अपनी पोती को इतनी दूर जाने का दुख था, क्योंकि शायद वह उसे फिर कभी नहीं दे ख पाएं गी। एक राहत की बात यह थी कि दोनों ससु रों के आधिकारिक निवास बहुत दूर नहीं थे, इसलिए स्प्रिंग के स्वाद को कम से कम उसके पिता उसके पास तो मिलें गे । इस प्रकार, स्प्रिंग के दक्षिण की यात्रा पर निकलने के लिए शु भ दिन खोजने के लिए एक बार फिर कैलें डर दे खा गया। वसं त ऋतु की चाहत खु द समझ नहीं पा रही थी कि हँ से या रोए। उसे अपने बचपन के प्यारे साथी, पाओ यू से, जो अब इस दुनिया में नहीं था, दिल खोलकर बात करने की तीव्र इच्छा थी। लेकिन पाओ यू, जिसे अभी तक उसकी सगाई के बारे में कु छ भी पता नहीं था, ने उसे एक शब्द भी बोलने का मौका नहीं दिया और सारा समय के वल ब्लै क जे ड के बारे में ही बात करता रहा। "मु झे पता है, जब ब्लै क जे ड की मृ त्यु हुई थी, तब तु म वहाँ मौजू द थीं। क्या तु मने भी रहस्यमय, दूर से आती सं गीत की आवाज़ें सु नी थीं?" उसने पू छा। "हाँ, रात के सन्नाटे में वह आवाज़ साफ़ सु नाई दे रही थी। वह बहुत अजीब थी, आम, सां सारिक सं गीत से बिल्कुल अलग।" पाओ यू उस सपने के बारे में सोच रहा था जिसमें उस अनजान शक्ति ने उससे कहा था कि ब्लै क जे ड एक विशेष आत्मा थी, जीवन में अन्य लोगों से अलग, मृ त्यु में अन्य आत्माओं से अलग। शायद वे आवाज़ें उन पवित्र आत्माओं की थीं जो ब्लै क जे ड की आत्मा से मिलने और उसे अपने राज्य में ले जाने के लिए इस सां सारिक दुनिया में आई थीं। वह विचारों में इतना खो गया था कि वसं त ऋतु की चाहत ने अपने बारे में कु छ भी बताए बिना ही वहाँ से चली गई। वसं त ऋतु का स्वाद चले जाने के बाद ही उसने सं योगवश कीमती क्लै स्प और मोती के बीच बातचीत के कु छ अं श सु ने और इस

तरह उसे अपनी सौतेली बहन की सगाई और उसके जल्द ही चले जाने का पता चला। वह जोर से रोते हुए अपने बिस्तर पर गिर पड़ा। कीमती क्लैस्प और मोती घबराकर उसके पास दौड़ीं और उससे पूछा कि क्या हुआ है। "एक-एक करके वे मुझे छोड़कर चली जाती हैं!" उसने विलाप किया। "पहले वसंत ऋतु की शुरुआत मर गई; यह इतना भयानक नहीं था, क्योंकि वह दूसरों की तरह लगातार मेरे साथ नहीं थी। लेकिन काली जेड वह स्वर्ग सिधार गई। फिर वसंत ऋतु का अभिवादन। उसे एक असहनीय साथी को सौंप दिया गया और वह एक घृणित विवाह के बंधन में जकड़ी हुई तड़प रही है। छोटा बादल और 508

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.90% है ।

प्रीशियस हार्प जा चु की हैं और उनकी शादी भी बहुत जल्द होने वली है । और अब टे स्ट ऑफ स्प्रिंग! सब जा रहे हैं मैं यहाँ अकेला क्या करूँ गा?" पे जर्ल उसे शं त करन चाहती थी, लेकिन प्रीशियस क्लै स्प ने उसे जाने का इशारा किया। "मु झे उससे निपटने दो" उसने कहा, और फिर पाओ यू की ओर मु ड़कर बोली: "तो अगर तु म्हारी मर्ज़ी चलती, तो तु म्हारी सभी बहनें और चचे री बहनें यहीं रहकर तु म्हारे जीवन के अं त तक तुम्हारे सथ रहतीं? तु म्हारी राय में, वे सिर्फ तु म्हारे लिए हैं, किसी और के लिए नहीं? तर्कसं गत रूप से, मु झे भी शादी करने की अनु मति नहीं मिलनी चाहिए थी। यह सोचकर है रानी होती है कि तु म्हारी शिक्षा का कोई व्यक्ति ऐसे बे तु के विचार रख सकता है! ठीक है, अगर तु म्हारी चचे री बहनें तु म्हारे लिए इतनी ही ज़रूरी हैं, तो पर्ल और मैं जकर उनके लिए रास्ता बना दें गे" "नहीं! नहीं! अभी नहीं! कम से कम तब तक रुको जब तक मैं राख न हो जाऊँ!" वह जोश से चिल्लाया, उन्हें दोनों हाथों से ऐसे पकड़ लिया जै से उन्हें छोड़ना ही न चाहता हो। पर्ल ने अपन हाथ उसके मुँ ह पर रख दिया। "चु प रहो ऐसी बातें नहीं कहनी चहिए!" "थोड़ा सं यम रखो, वरना तु म हमें भी खो दोगे!" "मैं समझत हूँ, और मैं सं यम रखूँगा, लेकिन मैं अभी यह स्वीकार नहीं कर सकता कि 'टे स्ट ऑफस्प्रिंग' जा रहा है ।" प्रेशियस क्लै स्प ने उसकी बातों पर ध्यान नहीं दिया और शांति से एक हृदयशक्तिवर्धक औषधि तै यर करने लगी, और उसे पीने के बाद वह धीरे-धीरे शं त हो गई। पर्ल ने सु झाव दिया कि उन्हें 'टे स्ट ऑफस्प्रिंग' से यह व्यवस्थ कर ले नी चहिए कि वह जाने से पहले पओ यू को अलविदा कहने न आए, कहीं ऐसा न हो कि घाव फिर से खुल जाए। "अरे, क्यों नहीं? तब तक तो वह ज़रूर समझदार हो जाएगा," प्रेशियस क्लै स्प ने आपत्ति जताई। "वे आपस में जी भर कर बातें कर सकते हैं।" वसं त ऋतु का स्वाद एक समझदार लड़की है, उस दूसरी लड़की जै सी नहीं, जिसका हावभाव दुखद है । उस शम फीनिक्स पार्क पार करके शरद ऋतु के सुगंधित हात के आश्रम की ओर चल पड़ी ताकि वसं त ऋतु के स्वाद से उसके दहे ज के बरे में कु छ बातें कर सके । अं धेरा होने लगा था, इसलिए उसने एक नौकरानी को लालटे नले कर आगे चलने के लिए कहा, साथ ही दो नौकरानियों को भी अपने सथ रखा। लेकिन जब वह बाहर निकली, तो पूर्णिमा का चाँ द इतन साफ उग रहा था कि लालटे न एक अनवश्यक झं झटलगने

लगी और उसने नौकरानी को वापस भेज दिया। जब वह चायघर के पस से गुज़र रही थी तो उसने अंदर महिलाओं की lively बातचीत सुनी। एक पल तो यह झगड़े और रोने जैसी लग रही थी, तो अगले ही पल हंसी-मज़ाक और ठहाकों जैसी। उसे तुरंत शक हुआ। उसे कर्मचारियों के बीच कुछ गड़बड़ियाँ नज़र आईं और उसने नौकरानी सियाओ हंग को किसी बहाने से थोड़ी जासूसी करने के लिए अंदर भेज दिया। इस तरह उसके पस केवल दो नौकरानियाँ ही बची थीं।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.16% है ।

जब वह पार्क के खुले हुए द्वार से गु ज़री, तो उसकी नौकरानी लिटिल फोंग अभी भी उसके सथ थी। पार्क के अं दर चाँद बहर की तुलना में कहीं अधिक स्पष्ट और शानदार ढं ग से चमक रहा था। पे ड़ों की परछाइयाँ ज़मीन पर स्पष्ट रुप से दिखाई दे रही थीं। पुराने दिनों के विपरीत, जब पार्क में लोग रहते थे, अब एक उदास सन्नाटा छाया हुआ था। किसी भी इं सन की आवाज़ सु नई नहीं दे रही थी। के वल कभी-कभार पे ड़ों की चोटियों से होकर हव का एक हल्का झोंका गु ज़रत था, और फिर गिरते हुए पतझड़ के पत्तों की हल्की सरसराहट, हिलती हुई शाखाओं की चरमराहट और नींद से चौंककर उड़े पक्षियों के फड़फड़ाने की आवज़ हर दिशा से गू ं ज की तरह सुनाई देने लगती थी। जब वह निकली थी, तो रात के खने में पी गई शराब से उसे थोड़ी गर्मी लग रही थी, और उसने गर्म वस्त्र नहीं पहने थे । अब पार्क में उसे ठं डी रात की हवा का एहसास हुआ, और वह थोड़ी काँ प उठी। "जल्दी से वपस जाओ और मे रे लिए मे रा फर वाला लबादा ले आओ" उसने लिटिल फोंग को आदे श दिया। "इस बीच, मैं शरद ऋतु के निर्मल मौसम के आश्रम ज रही हूँ । वहाँ मु झे पुकारना!" छोटा फोंग गायब हो गया, और फीनिक्स अकेले ही अपने रास्ते पर आगे बढ़ गई। वह अभी ज़्यादा दूर नहीं गई थी कि अचानक उसे अपने पीछे ज़ोर-ज़ोर से सँ सले ने और सू ं घने की आवाज़ सु नई दी। वह इतनी भयभीत हो गई कि उसके रोंगटे खड़े हो गए। अनायास ही उसने पीछे मु ड़कर देखा तो उसे एक काला, रोएँ दार जानवर ज़मीन पर थू थन रखे उसके पीछे दौड़ता हुआ दिखाई दिया। उसकी दोनों आँ खें अँ धे रे में दीपक की तरह चमक रही थीं। फीनिक्स ने भय से एक कर्कश चीख मारी, जिस पर वह जानवर, जो एक बड़ा कु त्त लग रहा था, पीछे हट गय और अपनी पू ं छ पै रों के बीच दबाकर रास्ते के किनारे एक ढलान वाली पहाड़ी पर उछल पड़ा, लेकिन तु रं त ही घूमकर मु ड़कर एक बर फिर धमकी भरे अं दाज़ में उसकी ओर बढ़ने लगा। भय से बे हाल फीनिक्स शरद ऋतु के निर्मल मौसम के आश्रम की दिशा में जितनी ते ज़ी से दौड़ सकती थी, दौड़ पड़ी। वह अपने लक्ष्य के करीब पहुँ च चु की थी और एक उभरी हुई चट्टान के किनारे से निकलने ही वली थी कि अचानक उसके पै र लड़खड़ा गए। चट्टान के पीछे से एक मानव आकृति की परछाईं स्पष्ट रूप से रास्ते पर दिखाई दी। वह आगे बढ़ने की हिम्मत नहीं कर पाई और भयभीत होकर दो बार पु कारी:

"वहाँ कौन है?" लेकिन कोई प्रकट नहीं हुआ और परछाईं उसका रास्ता रोके रही। भय से लगभग बेहोश होते हुए, उसे खुद को जमीन पर गिरने से बचाने के लिए चट्टान की दीवार का सहारा लेना पड़ा। अचानक उसे लगा जैसे कोई उसे पीछे से पुकार रहा हो: "क्या अब आप मुझे नहीं पहचानतीं, चाची?" उसने अपन सिर घुमया और अपने समने एक सुंदर स्त्री आकृति देखी। आकर्षक चेहरे उसे परिचित लगे, लेकिन वह याद नहीं कर पाई कि वह कौन थी। "आप केवल वर्तमान सुखों के बारे में क्यों सोचती हैं, चाची? आपने मेरी नेक सलाह को क्यों अनदेखा किया, जिसने भविष्य को एक नया मोड़ दे दिया?"

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.95% है ।

"गिनो, और इसे पूर्वी सागर की तलहटी में फें क दो।" प्रे त ने आगे कहा। फीनिक्स ने अपना सिर झुकाया और याद करने की बहुत कोशिश की। फिर भी उसे याद नहीं आ रहा था कि वह कौन है । "आह, हाँ! तब तु म मे रे प्रति बहुत ही प्यार और स्ने ह से भरी थीं, लेकिन आज मे री याददाश्त मानो स्वर्ग के नौवें लोक में उड़ गई है।" अजनबी ने उपहास भरी हं सी के साथ कहा। अब अं ततः फीनिक्स को समझ आया कि वह कौन है । उसके सामने कोचिंग खड़ी थी, चिया यु ं ग की पहली पत्नी, जिसकी कम उम्र में मृ त्यु हो गई थी। "ओह, क्या तु म कोचिंग की आत्मा हो?" "तु म यहाँ कै से हो?" वह भयभीत होकर चिल्लाई और फिर से भागने लगी, उसका एकमात्र उद्दे श्य उस प्रे तबाधित स्थान से दूर भागना था। लेकिन जहाँ परछाई ने उसका रास्ता रोका, वहीं वह ठोकर खाकर गिर पड़ी। पसीने से तरबतर, वह अपने भयानक सपने से जाग उठी। उसने खु द को ज़मीन पर पड़ा पाया और दे खा कि उसकी नौकरानियाँ लिटिल फोंग और सियाओ हं ग उसकी ओर दौड़ रही हैं । अपनी नौकरानियों को अपनी शर्मनाक हालत न दिखाने के लिए, वह जल्दी से उठ खड़ी हुई। "इतनी दे र से कहाँ थीं?" उसने बनावटी सहजता से पू छा। "जल्दी करो, मे रे कं धों पर मेरा फर का लबादा डाल दो। और अब, हम तु रं त घर वापस जा सकते हैं।" "वे सब पहले ही शरद ऋतु के सु गंधित प्रभात के आश्रम में सो चु के हैं," उसने झू ठ बोला। और वह दो नौकरानियों के साथ जितनी जल्दी हो सके पार्क के निकास की ओर चल पड़ी। लड़कियों को उसके चे हरे पर एक अजीब डरावना भाव दिखाई दिया जो उन्होंने पहले कभी नहीं दे खा था, लेकिन सम्मान के कारण उन्होंने कोई प्रश्न नहीं पू छा। वसं त ऋतु की दे वी के दक्षिणी समुद्र तट की ओर अपनी वै वाहिक यात्रा पर निकलने के बाद, अंतिम बचे निवासी, वसं त ऋतु का शोक और विधवा चू, उस सु नसान, शरद ऋतु के पार्क में और अधिक समय तक नहीं रह सके । अब सभी मं डप, जो पहले लड़कियों की खिलखिलाती हं सी से गू ं जते थे, शां त और वीरान खड़े थे । केवल कु छ पार्क सं रक्षक, बु जु र्ग महिलाएं और यु वा महिलाएं ही पीछे रह गई थीं। पार्क में अपनी रात्रि यात्रा के अगले दिन फीनिक्स बीमार पड़ गई और अपनी सामान्य आदतों के विपरीत, उसने शहर के बाहर एक मंदिर में भविष्यवक्ता से परामर्श लिया। उस रात के उसके अनु भव ने उसके व्यावहारिक स्वभाव के आत्मविश्वास को गहराई से हिला दिया था, जिसने अब

तक उसे अलौकिक चीजों की अनदेखी करने के लिए प्रेरित किया था। पूरी तरह से। हालाँकि उसने उस रात के अपने अनुभव को अपने तक ही सीमित रखा था, फिर भी इतनी बातें फैल चुकी थीं कि पार्क के भूतिया होने का विश्वास पैदा हो गया था। अफवाहें थीं कि एक अजीबोगरीब काला जानवर, जिसका चमकदार, रोएँदार शरीर और दीपक जैसी बड़ी चमकती आँखें थीं, रात में पार्क की पहाड़ियों के बीच घूमता था। इसके अलावा, कहा जाता था कि उस राक्षस की आवाज़ इंसानों जैसी थी। उस शाम वह फीनिक्स के पीछे-पीछे आया था और उसे इतना डरा दिया था कि वह बीमार पड़ गई थी। और अब, कुछ दिनों बाद, राजकुमारी चेन अचानक बीमार पड़ गई; 511

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.27% है ।

इसके अलावा, यह घटना पार्क में शाम की सै र के तु रं त बाद हुई थी। वह उन्माद में एक "लाल कपड़े वली महिला" और एक "हरे कपड़े वाली महिला" के बरे में बड़बड़ा रही थी, जो उसका पीछा कर रही थीं, और उसने कहा कि उसे पर्क में जना ही होगा। हरे कपड़े वाली महिला और लाल कपड़े वली महिला का मतलब उसकी दो अभागी बहनें, दिवं गत यू नं बर दो और यू नं बर तीन ही हो सकती थीं, जो क्रमशः हरे और लाल रं ग के कपड़े पहनती थीं। राजकु मर चे न और उनके बे टे चिया यु ं ग दोनों इस बात से सहमत थे कि पार्क में भू त-प्रे त का वास है । चिया यु ं ग ने कहा, "मु झे पाओ यू के नौकर मिंग ये न से पता चला है कि ब्राइट क्लाउड का भू त भी पर्क में घू मता है, और वह भी उस तालाब के आसपस जहाँ कमल के फूल खिले हैं । और फिर वह अजीब सं गीत तब सु नाई दिया जब ब्लै क जे ड मर रही थी। इसमें कोई शक नहीं है । पार्क में भू त-प्रे त का वास है ।" और इस तरह यह बात एक-एक करके फैल गई: पार्क में भू त-प्रे त का वास है! पार्क के रखवले और पीछे रह गई महिलाएँ भी उसी तरह दहशत में आ गईं और जै से ही पीली शाम ढलने लगी, वे सब अपने झाड़ू, रे क, पानी के डिब्बे और हे ज क्लिपर फें ककर एक सथ पार्क से भग गईं, और फिर दिन के उजाले में, पू री तरह से हथियारों से लै स होकर, वापस पार्क में आ गईं। जब, इन सब के बद, राजकु मर चे न और उनके बे टे और बहू भी थोड़े बीमार पड़ गए, और ब्राइट क्लाउड की चचे री बहन, वू क्वे ई की पत्नी, जो पहले ही उल्ले ख किया जा चु का है कि अपने पति के सथ पार्क के पिछले द्वार के ठीक बहर एक झोपड़ी में रहती थी, एक शाम दवा की गलत खु राक ले ने के बाद अचानक मर गई, तो सभी को यकीन हो गया कि भू तों से भरे पार्क से एक घतक प्रभाव निकलता है जो इन सभी दुर्भाग्य के लिए जिम्मे दार है । चूँकि वू क्वे ई अपने वैवाहिक विश्वासघात के लिए कु ख्यात थी, ऐसा कहा जाता था कि उसने पर्क के भू तों के साथ गु प्त सं बं ध बनाए थे, और इसी के कारण उसकी मृ त्यु हुई। बीमारी की स्थिति में राजकु मर चे न अब डॉक्टरों को नहीं बुलाते थे, इसके बजाय, वह पार्क में धू प और सोने की पत्ती जलाता था, या दयालु आकाशीय पिंडों से सु रक्षा का आह्वान करता था, क्योंकि उसे पूरा विश्वास था कि बु राई को दूर करने का एकमात्र तरीका पार्क में आने वली क्रोधित आत्माओं को शां त करन है । बत इतनी बढ़ गई कि पे ड़ों की चोटियों में रात

की हवा की सरसराहट या पार्क में आने वाले सरसों की दूर से आती आवज भी दोनों महलों के निवासियों को कंपकंपा देती थी और उन्हेंलगता था कि वे हव में भूतों की आवाजें सुन रहे हैं। अंत में, पार्क के कर्मचारी दिन के समय भी वहां जने कीहिम्मत नहीं करते थे और एक-एक करके किसी न किसी बहाने से अपनी असुविधाजनक नौकरियां छोड़ देते थे। आखिरकार, पार्क के द्वार कसकर बंद करदिए गए और उन पर बैरिकेडलगा दिए गए और उन्हें फिर कभी नहीं खोला गया। सभी सुंदरकियोस्क और भव्य मंडप अब खंडहर और वीरान होने केलिए छोड़ दिए गए थे, और चूहों, चमगादड़ों और अन्य ऐसे जीवों केनिवास स्थान बन गए थे जोदिन के उजले से दूर भागते हैं। पूर्वज को सबसे ज्यदा अपनी रक्षा की चिंता थी।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल8.35% है ।

पाओ यू को पर्क की आत्माओं के रात्रिकालीन हमलों से बचने केलिए, वह उनसे बहुत प्यर करती थी और इसी उद्दे श्य से उसनेरात में उनके घर के चारों ओर पहरे दारों का एक बड़ा दल तै नात करवा दिया था। और हर सु बह, अपने काम को महत्वपूर्ण दिखाने की चह में, पहरे दार भू तों की रोंगटे खड़े कर दे नेवाली कहानियाँ सु नाते थे— कभी केलाल, भयानक चे हरों वले डरावने राक्षस होते थे, तो कभी मोहक आकर्षण से भरी सु ंदर लड़कियाँ—जिन्हें उन्होंने रात में दे खा था। इस प्रकार उन्होंने आम दहशत को बढ़ाने में काफी योगदान दिया। के वल एक व्यक्ति इन सब से अप्रभावित रहा, और अपने शं त स्वभव से विचलित नहीं हुआ, और वह था निर्मल राजकु मर शीह। उसने यह मनने से साफ इनकार कर दिया कि भू त पर्क जै सी खू बसू रत जगह को अपना खेल का मै दान बना सकते हैं । अपनीनिडरता साबित करने केलिए उसने एक सु हावने सफ दिन कु छ अन्यलोगों के सथ पार्क में टहलने का फै सला किया। किसी भी अप्रिय स्थिति के लिए तै यार रहने केलिए उसने अपने और अपने अनिच्छुक साथियों के लिए हथियार जु टा लिए। इसमें कोई शक नहीं था कि उस सु नसन और उपेक्षित पार्क में एक अजीब स भयावह और दमनकारी वातावरण छाया हुआ था, जिसे राजकु मर शीह भी अनदे ख नहीं कर सकते थे , लेकिन वह अपनी कमजोरी दिखाना नहीं चाहते थे और बहादुरी से आगे बढ़ गए,जबकि उनके सथी डरते-डरते इधर-उधर दे खते हुए कु छदूरी पर उनके पीछेपीछे चल रहे थे । दल में सबसे छोटा, नन्हा कु आन, सबसे ज्यादा डरा हुआ था। तभी, एक संदिग्ध सरसराहट सु नकर और तु रं त बाद झाड़ियों के बीच से एक चमकदार दूधिया रं ग की चीज को चमकते हुए दे खकर,उसका आखिरी साहस भी टूट गया और वह डर के मरे जोर सेचिल्लाते हुए जमीन परगिर पड़ा। "क्या हुआ?" राजकु मर ने रुककर पू छा। "एक भू त" डरे हुएलड़के ने बड़ी मुश्किल से उठते हुए हांफते हुए कहा। "मैं ने उसे अपनी आँ खों से दे खा। उसका चे हरा पीला और डरावना था, लाल दाढ़ी थी और नीले-हरे रं ग का कोट था। वह पे ड़ों के तनों के पीछेसे उस चट्टान के छे द में घु स गया" अब तो राजकु मर शीह भी थोड़ा घबरा गए। "क्या तु मने भी उसे देखा?" उसने अपने अनुयायियों की ओर मु ड़कर पू छा। इन लोगों में से कु छ ऐसे भी थे जिन्होंने इस अशु भ स्थान से जल्द से जल्दनिकलने केलिए घटनाओं के अनु कूल रुख का

फायदा उठाना बुद्धिमानी समझा। "बेशक हमने देखा था!" उन्होंने तुरंत जवाब दिया। "बूढ़े गुरु बहुत आगे निकल गए थे; नहीं तो वे भी देख लेते। हम उन्हें परेशान नहीं करना चाहते थे, इसीलिए हमने कुछ नहीं कहा; लेकिन डर से हमारे घुटने अभी भी कांप रहे हैं"। इन परिस्थितियों में राजकुमार शीह ने जल्द से जल्द वापस लौटने का फैसला किया, लेकिन उन्होंने अपने लोगों को निर्देश दिया कि वे इस घटना के बारे में एक शब्द भी न कहें, बल्कि इसके विपरीत यह दावा करें कि पार्क की पूरी तरह से जांच की गई थी और कुछ भी संदिग्ध नहीं देखा गया था। उन्हें इस बात का एहसास नहीं था कि उनके लोग, अपनी कमजोरी से उत्साहित होकर, अब पहले से कहीं ज्यादा बातें करेंगे। और उन्होंने ऐसा ही किया।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.09% है ।

उनकी बातें इतनी भयनक और अतिरंजित थीं कि सु नने वालों के रोंगटे खड़े होने लगे थे और वे डर से कांप उठते थे। राजकु मर शीह को अब एक प्रसिद्ध जादूगर को बुलाने के अलावा कोई और रास्ता नहीं सू झ, जो अपने जदू से उन प्रे तों को पार्क से भग दे ग। कैलें डर में एक उपयुक्त दिन दे ख गया, जिस दिन भू त भगने का महान कार्य होना था। मु ख्य हॉल के समने प्रवे श द्वार पर एक वे दी बनई गई, जो पहले शही पत्नी के स्वगत स्थल के रूप में उपयोगकिया जाता था। इसके ऊपर, एक चबू तरे पर, तीन महानतम ताओवादी सं तों- दिव्य ने फ्राइट सम्राट, प्रथम मनु ष्य पन कु और बुद्धिमान लाओ त्ज़ु - की मूर्तियाँ स्थपित थीं, और दोनों ओर अट्ठाईस सबसे महत्वपूर्ण खगोलीय नक्षत्रों के चित्र थे । चबू तरे की सीढ़ियों के दोनों ओर चर स्वर्गीय से नपतियों - मा, चाओ, वे न और चउ - की मूर्तियाँ थीं। चबू तरे के नीचे, पंक्तियों में, छत्तीस स्वर्गीय से नपतियों की मूर्तियाँ थीं। अगरबत्ती के धु एं के गुबार के बीच, जलती मशालों और मोमबत्तियों की रोशनी में, ढोल की थाप और घंटियों की झं कार के सथ, जादू का महान अनु ष्ठान शु रु हुआ। मु ख्य जादूगर और उनके उनतलीस सहायक जादूगर आगे आए और वे दी के सामने लगाए गए आकाश की पाँ च दिशाओं का प्रतिनिधित्व करने वले पाँ च झं डों के चारों ओर एकत्रित हो गए। जादूगरों ने सत तारों वाले ऊँ चे मु कु ट और आठ आकृतियों और नौ स्वर्गीय मं डलों के चित्रण से सजे लं बे जादूगरों के लबादे पहने हुए थे । उनके पै र ऊँ चे "बादल" जै से वस्त्रों से ढके हुए थे, और उनके हाथों में हाथीदां त की लेखन पट्टियाँ थीं। तीन मु ख्य जादूगरों द्वारा जलती हुई अगरबत्तियों के सथ वे दी के चारों ओर परिक्रमा करने और उस पर पवित्र जल छिड़कने के बाद, भू त भगने वले ढोल बजते ही मु ख्य जदूगर आगे बढ़े, तीनों सं तों के सामने झुके और पर्क की बु री आत्मओं के खिलाफ उनकी सहायता के लिए प्रार्थना की। वे दी पर एकशिलाले ख वली पट्टिका स्थापित की गई थी, जिसमें आस-पास की सभी शु भ आत्मओं को इस पु ण्य कार्य में भग ले ने और दुष्ट आत्माओं को भगाने के लिए शीघ्र आने का गं भीरनिमं त्रणदिया गया था। चिया कबीले के सभी पुरुषसदस्य, जिनमें यु वा और वृ द्ध दोनों शमिल थे, दर्शक बनकर आए थे और उन्होंने पू री श्रद्धा से घटनक्रम का अवलोकन किया। लोगों ने प्रसन्नतपूर्वक कहा, "यदि इतनी सारी शक्तिशाली आत्माएँ इस ने क कार्य में

शामिल हो जाएँगी, तो इन दुष्ट आत्माओं को बहुत जल्दी यहाँ से जाना पड़ेगा।" इसी बीच तीन जादूगर अपने उनतालीस साथियों के घेरे से अलग होकर वेदी के सामने अलग स्थान पर आ गए। उनमें से एक के दाहिने हाथ में रत्नजड़ित जादुई तलवार थी, बाएँ हाथ में पवित्र जल का घड़ा; दूसरे के पास सात तारों वाला काला जादुई ध्वज था; तीसरे के हाथ में जादुई चाबुक का नक्काशीदार आड़ू की लकड़ी का हैंडल था। अचानक संगीत बंद हो गया। 514 से

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.99% है ।

चबू तरे पर बने अपने मं च, महान जादूगर ने "पवित्र स्पष्टता की तीन आत्माओं" को तीन प्रणाम करने का आदे श दिया और हवा में भू त भागने का एक और मं त्र पढ़ा। फिर वह चबू तरे से नीचे उतरे और अपने जदूगरों के दल के आगे खड़े हो गए, जो जुलू स के क्रम में खड़े थे। चिया कबीले के सदस्यों के ने तृ त्व में, जुलू स बरी-बारी से पर्क की प्रत्ये क इमरत, घर, मं डप, कियोस्क, पहाड़ियों, घाटियों, मछली तालाबों और नदियों की ओर बढ़ा। हर जगह पवित्र जल छिड़का गया और महान भू त भगने के अनुष्ठान द्वारा जादू के प्रतिबं ध से मुक्त किया गया। जादुई तलवार ने हव में जदुई घे रे बनाए, कला के नियमों के अनु सार झं डे लहराए गए, जादुई चाबु क को हव में तीन बर घु मया गया, ताकि अदृश्य प्रे तवधित राक्षसों को भगाया जा सके; ढोल बजने लगे और जदूगरों के होठों से जदुई मं त्र निकले । बहरी धू मधम और ढोल-नगाड़ों की गड़गड़ाहट के बवजू द, चिया कबीले के कु छ कनिष्ठ सदस्य निराशा से दब नहीं पए। वे इस सु खद लेकिन डरावने अनु भव के सथ आए थे कि शायद कोई भू त पकड़ा जाएगा और अपने पीछा करने वलों के चं गुल में छटपटाएगा। लेकिन ऐसा कु छ नहीं हुआ। न तो कोई रोमं चक दृश्य दिखाई दिया, न ही कोई संदिग्ध आवाज सु नई दी। खाली बोतलों और मिट्टी के घड़ों का रहस्यमयी हे रफे र, जिनमें कथित तौर पर मु ख्य जादूगर ने पकड़े गए राक्षसों को कै द किया था, उन्हें उन सनसनीखे ज घटनाओं का एक बहुत ही फीका विकल्प लगा जो घटित ही नहीं हुईं। मु ख्य जदूगर ने बोतलों और घड़ों को सावधानीपूर्वक बं द कर दिया और उन पर लाल स्याही से अपने हथ से आदे श लिखे कि कोई भी उन्हें न खोले । फिर सीलबं द बोतलों और घड़ों को उसके निर्देश पर निगरानी पै गोडा के नीचे तहखाने में हमेशा के लिए कै द कर दिया गया। भू त भगने की महान रस्म का समापन एक गं भीर धन्यवद प्रार्थना के साथ हुआ, जिसे ग्रैं ड मास्टर ने वे दी के सामने खड़े होकर उन दिव्य से नओं को सं बोधित किया जिन्होंने दुष्ट पार्क राक्षसों का शिकार करने और उन्हें जड़ से उखाड़ फें कने में अपनी शक्तिशाली सहायता प्रदान की थी। फिर वे दी को उसके सभी सामानों सहित हटा दिया गया। जब राजकु मर शीह घु टनों के बल बै ठकर ग्रैं ड मैजिशियन को उनकी से व के लिए धन्यवाद दे रहे थे, तब उनके कनिष्ठ शिष्य उनके पीछे तिरस्कारपूर्ण चु टकुलों और उपहास के मध्यम से अपनी निराशा व्यक्त

करने से खुद को रोक नहीं पाए। "यह सब जादू-टोना क्यों?" वे फुसफुसाए। "कुछ असली जीवित भूतों को देखने की उम्मीद के बाद, हमें खली बोतलों और घड़ों के अलावा कुछ नहीं मिला। इतने सारे खर्च के बवजूद यही एकमत्र सफलता है। हमरे पस क्या सबूत है कि भूतों का सचमुच सफाया हो गया है?" राजकुमर चेन ने महसूस किया कि द्वितीय श्रेणी के वरिष्ठ होने के नाते, तुच्छ कनिष्ठ शिष्यों को फटकार लगाना उनका कर्तव्य था।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 8.91% है ।

“बकवास मत करो, मूर्ख लड़कों!” वह चिल्लाया। “भू त अपनी इच्छा से प्रकट या अदृश्य हो सकते हैं । इतनी शक्तिशाली आत्माओं की उपस्थिति में, वे स्वभाविक रूप से खु द को प्रकट न करने का ध्यान रखते हैं । फिर भी, जादूगर ने अपने जादू की मदद से उन्हें उनके अदृश्य रूप में कै द किया है और बोतलों और घड़ों में बं द कर दिया है । अब वे पकड़े गए हैं और वे इस जगह को और परेशान नहीं कर सकते ।” छोटे बच्चे चु प रहे लेकिन उन्होंने यह दे खने का फै सला किया कि क्या भविष्य में पार्क में भू त-प्रे त और अजीब आवजें सु नाई दें गी। अगर ऐस हुआ, तो वे अपनी आवज जरूर उठाएं गे लेकिन नौकरों को भू त भगने के इस महान कार्य पर पू रा विश्वास था, और यह सोचकर कि अब सारी भूतिया टोली बोतलों और घड़ों में सुरक्षित रूप से बं द है उन्हें बहुत राहत और शांति मिली। और उनका विश्वास इस तथ्य से और भी मजबू त हुआ कि दोनों शाही परिवारों की विभिन्न बीमारियाँ कु छ ही समय बाद आश्चर्यजनक रूप से जल्दी गयब हो गईं, जिसका श्रे य निश्चित रूप से जादूगरों के शक्तिशाली जादू को ही दिया जा सकता था। लेकिन नौकरों में एक ऐस व्यक्ति भी था जो आम धारणा से सहमत नहीं था। वह राजकु मर शीह के उद्यान में किए गए दुर्भाग्यपूर्ण जासू सी अभियान में मौजू द था। नौकरों के हॉल में हं सते हुए उसने कहा, "मैं ने भी उस संदिग्ध प्रे त को दे ख था जिसने हमरे छोटे कु आन को उस समय बहुत डरा दिया था। वह क्या था? बस एक हानिरहित सु नहरा तीतर! जब बू ढ़े मालिक ने हमसे भू त दे खने के बारे में पूछा तो हमने उन्हें बे वकू फ बना दिया। और उन्होंने एक निर्दोष तीतर के कारण जादूगरों और उनके मं त्रों का यह सारा तमाशा खड़ा कर दिया! क्या यह हास्यास्पद नहीं है?" लेकिन स्थिति के बरे में उनके गं भीर और यथार्थवादी बयान को दूसरों से कोई सहानु भूति नहीं मिली। निश्चित रूप से कै द भू तों की निगरानी पै गोडा के नीचे उनकी जेल में सुरक्षित रूप से बं द और कै द मानना कहीं अधिक सु खद था, और वे निश्चित रूप से किसी को भी अपनी इस सु खद कल्पना को तोड़ने नहीं दें गे । अध्याय 46 यु त्सु न रहस्यमय साधु में अपने पुराने मित्र और उपकारक को पहचानता है । मदक हीरा के नम से प्रसिद्ध साहूकार नी, कार्प तालाब में पइक मछली बन जाता है । एक के बाद एक घटित होने वले चर अशु भ चे तावनी सं के तों ने पूर्वी और पश्चिमी महलों के निवासियों को भयभीत कर दिया था - शरद उत्सव की पूर्व

संध्य पर पूर्वजों के हॉल में रात के समय सुनाई देने वाली कराहें, शरद उत्सव के दिन राजकुमार शीह का लड़खड़ाना, पाओ यू के पत्थर का अचानक चमकना, और 516 वें वर्ष के सर्दियों में खिलने वले फूल।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.06% है ।

बे गोंनिया। उस समय से चिया परिवार पर विपत्तियों का कहर भयावह रूप से बढ़ गय। पहले पाओ यू का पत्थर खो गया, फिर पाओ यू गं भीर रूप से बीमार पड़ गया; उसके बद वसं त ऋतु की शु रुआत की मृ त्यु हो गई, फिर काले जे ड की मृ त्यु हो गई और फिर आं टी ह्सु एह के घर पर बिजली गिर पड़ी। न्याय मं त्री ने ह्सु एह पन को दी गई हल्की सजा को रद्द कर दिया और हत्या के आरोप को दूसरी सु नवई और फै सले केलिए उच्च न्यायालय में भे ज दिया। इसका अर्थ था आं टी ह्सु एह केलिए नई चिंता और धन का भारी बलिदान। इसके अलावा, गिरफ्तारी के बद ह्सु एह पान का नाम आधिकारिक शाही खरीदारों की सू ची से हटा दिया गया, और इसके सथ ही राज्य से उसकी आय बं द हो गई। सथ ही, राजधानी में उसकी तीन गिरवी दुकानों को सं चलित करने का लाइसें स रद्द कर दिया गया और उनमें से दो की नकदी जब्त कर ली गई। तीसरी गिरवी दुकान का प्रबं धक कु छ समय पहले कई हजर ताएल ले कर फरार हो गया था, और इससे ह्सु एह पन राजकोष के सथ नई मु सीबत में फं स गया। क्षतिपूर्ति के तौर पर, राजकोष ने यिंग तिएन फू में ह्सु एह पन द्वारा चलाए जा रहे चौथे गिरवी दुकान का लाइसें स रद्द कर दिया और दुकान में जम नकदी के सथ-साथ यिंग तिएन फू में ह्सु एह परिवार की एक ज़मीन भी ज़ब्त कर ली। दे खते ही दे खते ह्सु एह परिवार गरीबी में डूब गया। चाची ह्सु एह घोर निराशा में थीं। उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि क्या करें । चिया चें ग भी कम परे शान नहीं थे, जब एक दिन प्रां त में अपने कार्यालय में बै ठे हुए उन्होंने राजधानी से आए अखबार में अपने भतीजे ह्सु एह पन के खिलाफ कानू नी कार्यवाही के बिगड़ते मोड़ का विस्तृ त विवरण दे खा। चाची ह्सु एह केलिए उन्होंने तई पिंग ह्सिएन के ज़िला अधिकारी, प्रथम न्यायालय के न्ययाधीश को रिश्वत दी थी, जहाँ ह्सु एह पन को कै द किया गया था। अब उन्हें डर थ कि उनका यह दां व ऊपरी अदालत में उजगर हो जाएगा। तब से उन्हें एक पल भी चै न नहीं मिला था और वे अपने पद और प्रतिष्ठा खोने के डर से कांप रहे थे । अनिश्चित रूप से, कु छ ही समय बद बिजली उनके सिर पर गिरने वली थी, हालांकि वास्तव में यह उस दिशा से नहीं आई थी जिसकी उन्होंने अपे क्षा की थी। अपने पूर्व आधिकारिक से वकाल में श्री चें ग का रोजमर्रा के व्यवहारिक जीवन से बहुत कम सं पर्क था। लोक निर्माण मं त्रलय में उनका पद

केवल कार्यालयी कार्यों तक ही सीमित था; शाही परीक्षक के रूप में उनकी गतिविधियों ने उन्हें केवल कुलीन बुद्धिजीवियों के उच्च स्तर के लोगों के संपर्क में लाया था। चियांगशी प्रांत के अनाज कोषाध्यक्ष के रूप में, उन्हें पहली बार व्यावहारिक प्रशासनिक कार्य का सामना करना पड़ा। उन्हें अपने प्रांत के प्रमुख शहरों और ग्राम में स्थित कई सार्वजनिक अन्न भंडारों की देखरेख करनी थी; आने-जाने वाले अनाज की जांच करनी थी; और महल और राजधानी के लिए निर्धारित भेंट अनाज के प्रेषण की निगरानी करनी थी। सार्वजनिक अनाज की वसूली में अपनाई जाने वाली कुप्रथाओं के बारे में उन्हें क्या पता था?

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 18.88% है।

क्या उन्हें उन प्रतिशत और कमीशनों के बारे में पता था, जिन पर अलग-अलग अदालतों द्वारा लगाए जाने का आरोप था, और जिन्हें उच्च न्यायालय निचली अदालतों को सौंप देते थे और निचली अदालतें बदले में बेचारे सीधे-सादे किसानों को दे देती थीं? उन्होंने यह सब सुना था, और उनके मित्रों और सहकर्मियों ने उन्हें सैद्धांतिक रूप से समझाया भी था। और चूंकि वे अपने कर्तव्यों को गंभीरता से लेते थे और अपने प्रतिष्ठित पूर्वजों के योग्य एक सख्त और सम्मानित अधिकारी साबित होना चाहते थे, इसलिए पदभार ग्रहण करते ही उन्होंने प्रीफेक्टों, जिला अधिकारियों और अनाज के ज़मींदारों को स्पष्ट निर्देश जारी किए कि अब तक प्रचलित संदिग्ध प्रथाओं को तुरंत बंद कर दिया जाए और वे किसी भी अनियमितता या प्रतिशत या कमीशन लगाने को बर्दाश्त नहीं करेंगे। और यह साबित करने के लिए कि वे अपनी बात को कितनी गंभीरता से ले रहे थे, उन्होंने अपने पूरे प्रशासनिक क्षेत्र में मूल्यांकनकर्ताओं और निरीक्षकों को भेजा ताकि उन अधिकारियों, ज़मींदारों और उप-ज़मींदारों पर कड़ी नज़र रखी जा सके जिनके हाथों से अनाज की आपूर्ति होती थी। यह प्रक्रिया बिल्कुल नई और अनसुनी थी और इसने सभी पक्षों में खलबली मचा दी। इसके अलावा, उन्होंने सरकारी कर्मचारियों के बीच धन के उपहारों की प्रथा को भी समाप्त कर दिया। पदभार ग्रहण करते ही उन्होंने अपने अधीनस्थों द्वारा दिए गए उपहारों को तिरस्कारपूर्वक अस्वीकार कर दिया, जो उनका पक्ष जीतने के लिए उत्सुक थे; उन्होंने अपने वरिष्ठ अधिकारी, प्रांत के राज्यपाल को उनके जन्मदिन पर दी जाने वाली पारंपरिक भेंट को भी अस्वीकार कर दिया। नए अनाज कोषाध्यक्ष के कठोर और सख्त नियमों से उनके कार्यालय और घरेलू कर्मचारी विशेष रूप से आहत हुए। कर्मचारियों ने एकजुट होकर साहसपूर्वक उनके पास जाकर, इस कदम से उन पर प्रभाव डालने की उम्मीद में, सामान्य अवकाश की मांग की; लेकिन श्री चेंग डरने से इनकार कर दिया और उन्हें बड़ी शांति से कहा कि जो कोई भी असंतुष्ट है, वह सेवा छोड़ने के लिए स्वतंत्र है। उनके इस रवैये से कर्मचारियों में फूट पड़ गई। स्थानीय लोग, जिन्हें श्री चेंग ने अपने पूर्ववर्ती से कार्यभार सौंपा था, शिकायत करते और नाराज़ होते हुए सेवा छोड़ गए। वे बेहतर समय के आदी थे, और अपने पैतृक घर होने के कारण वे कुछ समय के लिए छुट्टियाँ मनाने और चुपचाप नई

नौकरियों की तलाश करने में सक्षम थे लेकिन श्री चेंग द्वारा राजधानी से लाए गए उनके नौकरों की स्थिति बिल्कुल अलग थी। अगर वे अवज्ञा करते तो सड़क पर आ जाते, क्योंकि वे उस जगह के अजनबी थे । इसके अलावा, वे कर्ज में डूबे हुए थे । इस उम्मीद में कि वे अपने ऊंचे शाही पदों पर जल्दी ही समृद्ध हो जाएंगे, उन्होंने प्रस्थान से पहले हर तरह के खर्च किए थे और खुद को तैयार करने के लिए उधार लिया था। आखिरकार, वे राजधानी से आए शहरी लोग थे, और वे प्रांतों में अपने पद के अनुरूप जीना चाहते थे । इसके अलावा, उन्होंने अपनी पत्नियों और रिश्तेदारों को पैसे और गहने देने का वादा किया था जिन्हें वे पीछे छोड़ आए थे । निश्चित रूप से

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 7.59% है ।

अगर वे अचनक गरीबी में घर लौटते तो उनकी बेइज्जती होती। इसलिए वे वहीं रहे । उन्होंने राजधानी में महंगे दामों पर खरीदे गए कपड़ों को एक-एक करके गिरवी रखकर कुछ समय तक गुजरा किया। जब गिरवी रखने के लिए कुछ नहीं बच, तो उन्होंने पुराने गवर्नर के सथ नई चालें चलीं। वे अधिकारिक समारोहों, उत्सवों, यात्राओं और स्वागत समारोहों में, जहाँ भव्यत की आवश्यकता होती थी, ड्यूटी से अनुपस्थित रहे । श्री चेंग द्वारा इस पर फटकार लगाए जाने पर, उन्होंने यह बहाना बनाकर अपना बचाव किया कि उनके पस पहनने के लिए कुछ नहीं थ - सब कुछ गिरवी रखा हुआ था। मुख्य रसोइए ने यह बहाना बनाकर खराब खाना भेज कि उसे मिलने वाला खर्च अपर्याप्त था। संक्षेप में, उन्होंने एक तरह से निष्क्रिय प्रतिरोध का अभियान चलाया। श्री चेंग को सुझाव दिया गया कि उन्हें अपने परिचितों की स्थिति पर विचार करना चाहिए; जिन अधिकारियों की उन्होंने हमेशा न्यायप्रिय और कड़ाई से सही होने के लिए प्रशंस की थी, उन्होंने अपने करियर में कोई प्रगति नहीं की थी; जिन्हें उन्होंने फटकारा था, उन्हें जल्दी ही उच्च पदों पर पदोन्नत कर दिया गया था। उपहारों और रिश्वत के बिना कोई तरक्की नहीं हो सकती थी - बस यही बात थी। उन्हें अपने सहयोगियों पर अत्यधिक कठोर सम्मान मानक थोपकर उन्हें नराज नहीं करना चाहिए; संकेत दिया गया था कि इससे उनके करियर को नुकसन हो सकता है । श्री चेंग को एहसास हुआ कि कुछ तो करन ही होगा, लेकिन उन्होंने अपने पद का दुरुपयोग करके धन कमने के समान्य आसान तरीके को अपनने से हठपूर्वक इनकार कर दिया; इसके बजय, उन्होंने अपनी जेब से कुछ अतिरिक्त भत्ते देने पर सहमति जताकर समझौता किया। इस उद्देश्य के लिए वे राजधानी से कुछ नकदी की व्यवस्था करने के लिए कहने ही वले थे, लेकिन यह उनके अधीनस्थों को पसंद नहीं आय, और उनके कुछ लोग उनसे बेहतर जानते थे कि पश्चिमी महल की वित्तीय स्थिति लंबे समय से खराब थी, और उन्हें संदेह था कि इस स्रोत से पर्याप्त धन प्राप्त किया जा सकेगा या नहीं। इसलिए, चाहे अच्छा हो या बुरा, श्री चेंग अनिच्छा से अपने अधीनस्थों को खुली छूट देने के लिए सहमत हो गए, लेकिन उन्होंने व्यक्तिगत रूप से इससे दूर रहने और एक पूर्णतः ईमानदार अधिकारी के रूप में अपनी छवि बनाए रखने का इरादा किया। सरकारी आवास के

कर्मचारी अब कार्यालय कर्मचारियों के साथ मिलकर काम कर रहे थे, दस्तावेज़ और हस्ताक्षर जाली बनाए जा रहे थे, और हर कोई पुराने मस्टरमाइंड के पीछे रहकर खोए हुए समय की भरपाई करने की पूरी कोशिश कर रहा था। इन प्रयासों की सफलता जल्द ही उन सुंदर नए आभूषणों में दिखाई देने लगी, जिन्हें पश्चिमी महल में छोड़ी गई पत्नियों ने प्रदर्शित किया था। पार्क में भूत भगाने की अनोखी रस्म के कुछ दिनों बाद, राजकुमर शीह अपने पुस्तकालय में उन लोगों की सूची बनाने में व्यस्त थे, जिन्हें अब बुराई से मुक्त कर दिए गए पार्क में पहरा देना था। उन्हें चिंता थी कि कहीं ये कई आवास अंततः आवारा और अपराधियों के छिपने की जगह न बन जाएं।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.25% है ।

वह जगह हमे श के लिए असु रक्षित छोड़ दी गई थी। जब वह अपनी सू ची में मग्न थे, तभी उनका बे टा चिया लियन दौड़ता हुआ आया। उसने उत्तेजित होकर बताया, "मैं ने अभी-अभी चचे रे भाई चे न के यहाँ से सबसे चौंकाने वली खबर सु नी है । कहा जा रहा है कि चाचा चें ग को उनके प्रांतीय गवर्नर ने सिंहासन के समक्ष निंदा का सामना करना पड़ रहा है । उन पर आरोप है कि उन्होंने अपने अधीनस्थों की निगरानी में लापरवाही बरती, जिन्होंने उनकी पीठ पीछे जनता से अत्यधिक मात्रा में मक्का वसूला। गवर्नर ने उन्हें पद से बर्खास्त करने का प्रस्ताव रखा है ।" राजकु मर ने आश्चर्यचकित होकर कहा, "यह तो निश्चित रूप से एक निराधार अफवाह ही होगी।" "मु झे बिल्कुल समझ नहीं आ रहा कि राज्यपाल अचानक उसके प्रति शत्रु तपूर्ण रवै य क्यों अपना रहे हैं । अपने पिछले पत्र में, जिसमें उन्होंने हमें 'टे स्ट ऑफस्प्रिंग' के सु रक्षित आगमन की सू चना दी थी, उन्होंने स्पष्ट रूप से उल्ले ख किया था कि 'टे स्ट ऑफस्प्रिंग' के ससु र और राज्यपाल के बीच सं बं ध था गया था, और राज्यपाल ने इस सं बं ध पर उन्हें हार्दिक बधाई दी थी और उनके सम्मन में एक भव्य भोज का आयोजन किया था, और उनके प्रति मित्रता के अन्य सं के त भी दिखाए थे ।निश्चित रूप से राज्यपाल अपने ही चचे रे भाई के ससु र की निंदा नहीं करें गे आपको तु रं त गृ ह मंत्रालय जाना चाहिए और पू छताछ करनी चाहिए।" चिया लियन जल्दी से रवना हुईं और मं त्रलय में उन्हें पता चला कि वास्तव में शही दरबार में एक यचिका दायर की गई थी जिसमें चियां ग शी के राज्यपाल ने चिया चें ग को पद से हटाने का प्रस्ताव रखा था। लेकिन ईश्वर ने दया दिखाई और इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि चिया चें ग प्रं तीय प्रशसन में अनु भवहीन थे और व्यावहारिक अनु भव की कमी के कारण अपने अधीनस्थों की सजिशों का शिकार हो चु के थे, उन्होंने के वल उनका पद तीन पायदान कम कर दिया और कृ पापूर्वक उन्हें निर्माण मं त्रलय में उनके पुराने पद पर बहाल कर दिया। चिया लियन ने लौटने पर राजकु मर शीह को बताया, "मं त्रलय में मे री मुलाकात सं योगवश चियां ग शी के एक प्रीफे क्ट से हुई जो यहाँ आधिकारिक कार्य से आए थे । उन्होंने मु झे आश्वासन दिया कि उनके सभी सहकर्मी और स्वयं राज्यपाल भी चाचा चें ग की बहुत प्रशं सा कर रहे हैं । उन पर व्यक्तिगत रूप से कोई कलं क नहीं लगाया जा सकता। उनकी एकमात्र गलती अपने अधीनस्थों

की पर्याप्त निगरानी न कर पाना है । राज्यपाल ने जब उन्हें वापस बुलाने का प्रस्ताव रखा तो उनका इरादा वास्तव में ने क था। वे और अधिक गंभीर घटनाओं को रोकना चाहते थे "। यह कुछ हद तक आश्वस्त करने वला लगा, और राज्यपाल द्वारा उठाया गया यह कदम वास्तव में युंगकुओ लाह की महिलाओं द्वारा स्वागत और अनुमोदित किया गया, क्योंकि चिया वंश, जो अपने स्वाभाविक नेत की कमी महसूस कर रहा था, उन्हें वपस पा लेगा। "अगर वह प्रांत में और अधिक समय तक रहा तो उसके अधीनस्थों की हरकतें वास्तव में उसकी जन ले सकती हैं," मैडम चेंग ने 520 से कहा।

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.17% है।

जब उनके भतीजे चिया लियन ने उन्हें पद परिवर्तन की खबर गुप्त रूप से दी, तो उन्होंने पूछा, "ताई ताई को इन सब बातों की जानकारी कैसे हो गई?" चिया लियन ने आगे कहा, "आखिर मेरी आंखें तो हैं ही। नौकर यहाँ से कर्ज में डूबे हुए निकले थे, और प्रांत में अपने पदों पर पहुँचते ही उन्होंने अपनी पत्नियों को सोने-चांदी के गहनों से ढेर लगा दिया; और जल्द ही स्त्रियाँ नए और सबसे सुंदर कपड़े पहनने लगीं। इतना धन अचानक कहाँ से आ गया? अगर ऐसा ही चलता रहता, तो न केवल मेरे पिता अपना पद और प्रतिष्ठा खो देते, बल्कि हमारे प्रतिष्ठित पूर्वजों को भी मरणोपरांत उनके सभी खिताब और सम्मान से वंचित कर दिया जाता। ऐसी बदनामी के बारे में सोचना भी मुश्किल है।" "यह बिल्कुल सच है। हम इसे सौभाग्य की बात मान सकते हैं कि राज्यपाल ने सही समय पर हस्तक्षेप किया।" श्री चेंग को पद से हटाए जाने की चर्चा अभी शांत भी नहीं हुई थी कि एक और भयानक खबर आ गई। गोल्डन सिनेमन, ह्सुएह पैन की युवा पत्नी, की आर्सेनिक विषाक्तता से अचानक मृत्यु हो गई। आंटी ह्सुएह के घर में अफरा-तफरी मच गई। मृतक की माँ, जो उसकी मृत्यु की खबर सुनते ही तुरंत पहुँच गई थी, बारी-बारी से आंटी ह्सुएह, प्रेशियस क्लैस्प और लोटस पर अपनी बेटी को जहर देने का आरोप लगाया और उन्हें गला घोंटकर मार डालना चाहा। उसका असभ्य दत्तक पुत्र, जो उसके साथ आया था, जबरदस्ती घर के महिला कक्ष में घुस गया, एक कुर्सी तोड़ दी और छोटी-बड़ी हर चीज को तहस-नहस करने पर उतारू हो गया, लेकिन चिया लियन समय रहते पहुँच गया और अपने नौकरों से उस उग्र व्यक्ति को काबू में करवाया। प्रेशियस क्लैस्प ने अपनी सूझबूझ और चतुराई से अराजकता को शांत किया और चतुराई से पूछताछ करके मृतक महिला की नौकरानी टॉड को घेर लिया, जिससे अंततः उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। पता चला कि अपनी शादी से निराश और प्रेम की प्यासी गोल्डन सिनेमन, ह्सुएह पैन के चचेरे भाई ह्सुएह कुओ पर गुप्त रूप से फिदा थी। ह्सुएह कुओ, जो एक सौम्य युवक था, अपनी मंगेतर, ब्रीथ ऑफ क्लाउड्स के प्रति अपनी निष्ठा नहीं तोड़ना चाहता था; उसने बड़ी मुश्किल से घर की उस कामुक साथी के पीछा से बचने की कोशिश की थी। फिर भी, गोल्डन सिनेमन एक बार अपने लक्ष्य के बहुत करीब पहुँच गई थी। उसने ह्सुएह कुओ को अपने

दरवाजे के सामने पकड़ लिया था और जैसे ही वह उस झिझकते हुए युवक को अपने शयनकक्ष में खींच रही थी, लोटस उनके बीच आ गई और उसके इरादों को नाकाम कर दिया। उस समय से उसके मन में लोटस के प्रति गहरी नफरत पैदा हो गई और उसने उससे बदला लेने की कसम खाई। दोस्ती का ढोंग करते हुए उसने लोटस से, जो ह्सु एह पैन द्वारा ठुकराए जाने के बाद से प्रेशियस क्लैस्प के साथ रह रही थी, घर में वापस आकर उसकी साथी बनने के लिए कहा। 521 के मध्यम से

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.35% है ।

अपने दोस्तना व्यवहार से उसनेलोटस को बे खबर करदिया था। फिर रसोई और भं डारगृ ह में चू हों के आतं क की चर्चा होने लगी, और कहा जाने लगा कि उन्हें खत्म करने केलिए घर में आर्सेनिक लाना पड़े ग। उसने अपने असभ्य सौतेले भई के ज़रिए आर्सेनिक हासिल किया, जिसे उसने हाल ही में पहुँ च से बाहर रहने वले ह्सु एह कु ओ की जगह अपना प्रे मी बन लिया था। वही ह्सु एह कु ओ के बार-बार मिलने जने का कारण था, जो कु छ समय पहले ही राजधानी में रहने आई थी। इन मुलाकातों के दौरान यह योजना बनाई गई कि गोल्डन सिने मन अपनी सस के घर से भाग जाए, जहाँ उसे केवल दुख और निराशा ही मिली थी। लेकिन ऐसा करने से पहले वह नफरत की जने वाली लोटस को आर्सेनिक से जहर दे कर रास्ते से हटाना चाहती थी। उसने दो बर उसे जहर दे ने की कोशिश की, लेकिन हर बार ईश्वर की कृ प से लोटस उस भाग्य से बच गई जो उसकेलिए तय था। पहली बार लोटस ने गलती से अपने हाथ की एक अनाड़ी हरकत से ज़हर से भरी दवा का गिलास गिरा दिया था, जिसे गोल्डनसिने मन ने अपने हाथों से तै यार करके उसके बीमार बिस्तर पर लाया था। उस समय लोटस को यह बात अजीब लगी थी कि घमं डी औरबिगड़ी हुई गोल्डन सिने मन ने टूटे हुए दव के गिलास से बचे हुए टुकड़ों और तरल के अं शों को खु द ही समे टने की जहमत क्यों उठाई, जबकि वह किसी नौकरानी को यह घटिया काम करने का आदे श दे सकती थी। पहली बार असफल होने पर, गोल्डन सिने मन ने अब ज़हर मिले सू प के ज़रिए अपना मकसद पू रा करने का फै सला किया। उसने नौकरानी टोड को अपने औरलोटस के लिए अच्छा सू प बनने का आदे श दिया। टोड को इस बात से चिढ़ हुई कि लोटस, जिसे वह नपसं द करती थी, अपनी मालकिन के साथ उसकी पाक कला का लाभ बाँ टे । उसने फैसला किया कि वह कम से कम अपने सू प में ज़रूरत से ज़्यदा नमक डाले गी। इसलिए उसने लोटस के लिए रखे सू प के कटोरे में ज़रूरत से ज़्यादा साक डाल दिया, और परोसते समय दोनों कटोरे आपस में मिलें, इसलिए उसने लोटस के कटोरे पर एक हल्का सा निशान बना दिया, ताकि लोटस उसे गु प्त रूप से पहचान सके । जै से ही उसने दोनों कटोरे ट्रे पर रखे, गोल्डन सिने मन रसोई में आई और उसे किराए की गाड़ी लाने केलिए बाहर भे जदिया, क्योंकि वह अपनी माँ सेमिलने जना चाहती थी। जब टॉड वापस आई, गोल्डन

सिने मन पहले ही दोनों कटोरे बेडरूम में भेज चुकी थी, जहाँ लोटस बीमार पड़ी थी। टॉड ने यह देखकर भयभीत हो गई कि उसकी मालकिन, जिसे नमक ज़्यदा डालने की चल के बरे में कुछ भी पता नहीं था, ने नमक ज़्यदा डाले हुए सूप वाला निशान लगा हुआ कटोरा उसके समने रख दिया था। सूप में नमक ज़्यदा डालने के लिए डांट पड़ने के डर से, टॉड, जिसे ज़हर देने की योजना के बरे में कुछ भी पता नहीं था, ने अपनी मलकिन के कमरे से कुछ देर के लिए बाहर जाने का फ़ायदा उठाया और जल्दी से दोनों कटोरे बदल दिए। बीमार और थकी हुई होने के कारण, उसने अभी तक उस पहले कटोरे को छुआ भी नहीं था जिसे गोल्डनसिनमन ने उसके समने रख था, और वह आँखें बंद करके लेटी हुई थी, इसलिए उसने कटोरे बदलने पर ध्यान नहीं दिया। 522

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 8.92% है।

जब गोल्डन सिनेमन वपस आई, तो वह उस कटोरे के साथ बिस्तर के किनारे बैठ गई जिसे टॉड ने चुपके से बदल दिया था, और उसने और लोटस ने साथ में सूप पिया। कुछ ही देर बाद गोल्डन सिनेमन को असहनीय पेट दर्द हुआ और उसकी मृत्यु हो गई। अजीब संयोग से, वह अपने ही हाथों से बने ज़हर का शिकार हो गई थी। प्रेशियस क्लैस्प ने अपनी चतुराई भरी पूछताछ से इन सभी बातों का खुलासा किया, और लोटस, जिसे पहले ही हत्या के संदेह में सियों से बांध दिया गया था, अब सभी संदेहों से मुक्त हो गई और उसे अपनी स्वतंत्रता वापस मिल गई। मृत लड़की की माँ, जो पहले गुस्से में थी और आंसू बहा रही, प्रेशियस क्लैस्प और लोटस पर हत्या का आरोप लगाने की धमकी दे रही थी, अब एकदम शांत हो गई और अचनक कानूनी कार्यवाही में उसकी रुचि खत्म हो गई। घटना को दबाने और अधिकारियों को आत्महत्या का मामला बताने पर आपसी सहमति बनी, और इस तरह, प्रेशियस क्लैस्प की सूझबूझ से, पारिवारिक बदनामी को सार्वजनिक बदनामी बनने से रोका जा सका। पुराने समय के गरीब और भूखे विद्वान चिया युत्सुन ने अपने शानदार करियर के दौरान, अपनी योग्यता और संरक्षण के बल पर, राजधानी में एक उच्च अधिकारी का पद प्राप्त किया था। एक दिन वे अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाली कुछ नई ग्रमीण बस्तियों का निरीक्षण करने के लिए शहर के बहर एक आधिकारिक दौरे पर निकले। ची की ह्सिएन जिले से गुजरते समय उन्हें एक उफनती नदी पार करनी पड़ी। उनके साथ काफी लोग थे, इसलिए नदी पार करने में काफी देर लग गई। युत्सुन ने इस समय का लाभ उठाकर थोड़ी देर टहलने और आसपास का नजारा देखने का फैसला किया। पास के एक गाँव से कुछ ही दूरी पर उन्हें एक पुराना, वीरान मंदिर दिखाई दिया, जिसकी लाल रंग से पुती दीवारें पुराने देवदार के पेड़ों के बीच एक सुंदर दृश्य प्रस्तुत कर रही थीं। युत्सुन अपनी पालकी से उतरे और मंदिर के द्वार की ओर बढ़े। अंदर उन्हें टूटे-फूटे खंभे, टेढ़ी-मेढ़ी दीवारों और जर्जर छतों वाले जर्जर हॉल मिले, साथ ही फीकी पड़ चुकी मूर्तियाँ भी मिलीं, जिन पर से सुनहरा रंग लगभग पूरी तरह से उतर चुका था। खंडहरों के बीच एक टूटे हुए स्मरक स्तंभ का ठूंठ, जिस पर आधा मिट चुका शिलालेख था, अलग ही नज़र आ रहा था। मंदिर के पीछे के मैदान में, युत्सुन को सरकंडों और नरकटों से बनी एक

झोपड़ी दिखाई दी, जो एक नीले-हरे सरू के पेड़ के तने से सटी हुई थी। झोपड़ी में उसने एक बूढ़े साधु को प्रर्थना की चटाई पर बैठे देखा, उसके पैर उसके नीचे क्रॉस किए हुए थे, उसकी आँखें बंद थीं, वह पवित्र ध्यान की अवस्था में था। युत्सुन को लगा कि उसने इस बूढ़े आदमी के चेहरे को कहीं और कभी पहले देखा है। "नमस्कार, पवित्र बूढ़े," वह उसके पस जाते हुए बोला। "क्या बात है, महाराज?" बूढ़े आदमी ने अपनी आँखें थोड़ी खोलकर और अपने गंभीर चेहरे पर हल्की मुस्कान लाते हुए पूछा। "मैं एक अधिकारिक दौरे पर हूँ और संयोग से इस रास्ते से आ गया हूँ। मुझे लगता है कि आपने रहस्यों में बहुत गहराई से प्रवेश किया है।"

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.15% है ।

"मैं उच्चतर जीवन के विषय में जनना चाहता हूँ, और आपके ज्ञानवर्धक मार्गदर्शन से थोड़ा लाभ उठाना चाहूँ ग।" "हमारा आना-जाना - हर किसी का अपना समय और स्थान होता है," साधु का रहस्यमय उत्तर था। यु त्सु न ने विनम्रतापूर्वक प्रणाम किया और अपने प्रश्न जरी रखे: आखिर वह इस सु नसन जगह पर, जिसका नाम तक ज्ञात नहीं था, अपनी कुटिया क्यों बना रहे थे, उन्होंने किसी प्रसिद्ध पर्वतीय मंदिर में सधना करने के बजाय क्यों नहीं चु न, इत्यादि। "कोई लौकी के डं ठलों से बनी सधारण कुटिया में भी रह सकत है । किसी प्रसिद्ध पर्वत की क्या आवश्यकता है? ऊँ चई पर पहुँ चने का यह मूर्खतापूर्ण प्रयास क्यों? मैं उन लोगों में से नहीं हूँ जो दुनिया को मोहित करने वले कीमती पत्थर की उत्कृष्टता' और 'दुल्हन तक उड़ने के लिए पं ख लगने' का इं तजर करते हैं ।" यु त्सु न को अचानक ज्ञान प्राप्त हुआ। शिह यिंग के अलावा और कौन उन शब्दों को दोहरा सकता था जिन्हें उसने कभी लौकी मंदिर में अपनी एकां त कोठरी में एक गरीब छात्र के रूप में कविता में पिरोया था? इसमें कोई सं दे ह नहीं था, उसके समने खड़ा व्यक्ति शिह यिंग ही था, उसके बचपन का उपकारक। उसने एक बर फिर ध्यान से उसकी ओर दे खा। यह अजीब था कि उन दिनों से उसके चे हरे में कितना कम बदलाव आया था। "क्या आप गु रु शिह यिंग नहीं हैं?" उसने अपने नौकरों को चु पचप चले जने का इशारा करने के बाद पू छा, क्योंकि वह नहीं चाहता था कि उन्हें उसके अस्पष्ट अतीत के बरे में पता चले ।"दिखना ही होना है और होन ही दिखना है," बू ढ़े व्यक्ति ने मु स्कुराते हुए उत्तर दिया। यु त्सु न ने और भी अधिक झुककर प्रणाम किया। "दिखना" शब्द, चिया, उसके परिवारिक नाम चिया से बिल्कुल मेल खाता था। जाहिर है, बू ढ़ा व्यक्ति उसे यह समझाना चाहता था कि उसने भी उसे पहचान लिया है । अब अं ततः अपने उपकारक का लं बे समय से चला आ रहा ऋण चु काने का अवसर आ गया था! "बहुत पहले आपकी कृ पा से ही मैं अपनी यात्रा जारी रख सका।" राजधानी। आपकी सहायता से मु झे राजकीय रथ में सीट मिली और मैं पद और प्रतिष्ठा प्राप्त कर सका। बाद में ही मु झे आपके ज्ञानोदय के बरे में पता चला। मु झे पता चला कि आप दैनिक जीवन की धूल भरी नीचता से उठकर आध्यत्मिकता के उच्च क्षे त्रों तक पहुँ च गए हैं । लं बे समय तक व्यर्थ खोज करने के बाद, आज आपसे पु नः मिलकर मैं स्वयं को

भाग्यशाली मानता हूँ। क्या यह साधारण विद्वान आशा कर सकता है कि आदरणीय संत उसे अपनी संगति का अनुग्रह प्रदान करेंगे? मैं राजधानी में यहाँ से कुछ ही दूरी पर रहता हूँ और यदि आप मेरे जीवन के शेष समय के लिए मेरे सम्मानित अतिथि हों और मुझे दिन-रात आपके उच्च उपदेश सुनने का अवसर मिले, तो मैं स्वयं को भाग्यशाली समझूँगा। साधु उठ खड़े हुए और अब उन्होंने विनम्रतापूर्वक झुककर धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, "मेरी इच्छा इस साधारण गोल प्रार्थना-चटाई की परिधि से आगे नहीं बढ़ती। इसके आगे मुझे 524 के बीच और कुछ नहीं पता।"

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 8.95% है ।

आकाश और पृ थ्वी। इसलिए आपके शब्दों का अर्थ मेरे लिए रहस्य ही बना हुआ है ।" वह एक बार फिर पवित्र ध्यान में लीन होने के लिए बै ठ गया। यु त्सु न असमंजस में था। क्या यह सचमु च शिह यिंग था या नहीं? उसके चे हरे और उसके द्वारा उद्धृत शब्दों से तो यही लग रहा था कि वह शिह यिंग ही था। उस समय से ले कर आज तक उन्नीस लंबे वर्ष बीत चु के थे । उसके चे हरे के भाव कितने आश्चर्यजनक रूप से अपरिवर्तित रहे थे यह निस्सं दे ह उसके पवित्र अभ्यासों की आयु बढ़ाने वाली शक्ति के कारण था। लेकिन वह संसार से कितना विरक्त था! एक सु खी, चिंतामुक्त जीवन की संभावना उस पर ज़रा भी प्रभाव नहीं डालती थी। तो फिर उससे व्यक्तिगत, पारिवारिक मामलों के बारे में प्रश्न करने या उसकी पत्नी और बे टी लोटस के बारे में बताने का क्या लाभ था? खै र, वह एक और प्रयास करे गा। "पवित्र गु रु अतीत को भुला दे ना चाहते हैं, लेकिन इस तु च्छ विद्वान के मन में अभी भी बहुत सी बातें हैं जिन पर वह चर्चा करना चाहते हैं..." वह अपनी बात जारी ही रखने वाले थे कि उनके साथी उनके पास आए और उन्हें चे तावनी दी कि नदी पार करने का समय आ गया है, अन्यथा उनके निर्धारित विश्राम स्थल तक पहुँ चने से पहले ही रात हो जाएगी। "महामहिम, दे र न करें!" साधु ने संकोची यु त्सु न को चेतावनी दी। "निश्चित है कि हम फिर मिलें गे ", मैं एक दिन घाट पर तु म्हारा इं तज़ार करूँ गा।" यह कहकर उन्होंने अपनी आँ खें बंद कर लीं और अपने गहन चिंतन में लीन हो गए। यु त्सु न ने उन्हें विदाई दी और नदी किनारे अपने साथियों के पास लौट आए। वे नदी पार करने ही वाले थे कि उनके साथियों में से एक, जो मंदिर में उनके साथ था और पे ट दर्द के कारण वहीं रुक गया था, दौड़ता हुआ आया और उन्हें बताया कि जिस पु राने मंदिर का उन्होंने अभी निरीक्षण किया था, उसमें आग लग गई है । यु त्सु न ने पीछे मु ड़कर देखा और सचमु च मंदिर की दिशा में आग की लालिमा और धु एँ का एक घना बादल दे खा, जिसने डूबते सू रज को भी ढक लिया था। उन्हें आश्चर्य हुआ कि मंदिर छोड़ने के कु छ ही समय में इतनी भयानक आग कै से लग गई, और वे चिंतित हो गए कि क्या उनका पु राना मित्र शिह यिंग आग में जलकर मर गया या अभी भी जीवित है । वे खु द उसकी तलाश में वापस जाने ही वाले थे लेकिन अगर वे ऐसा करते, तो वे आज नदी पार करके रात होने से पहले शहर नहीं पहुँ च पाते ।" क्या तु मने किसी बू ढ़े साधु को मंदिर

से बहर आते देखा?" उन्होंने पूछा संदेशहक। उस आदमी ने कहा कि उसने नहीं किया था। "तो यहीं रुक जाओ, और जब आग बुझ जए तो खंडहरों में उसके किसी भी निशान की तलाश करो! तुम पस के किसी गाँव के साय में रत बिता सकते हो और कल आ सकते हो।" अगली सुबह जब युत्सुन शहर से गुजरा था 52f

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.27% है ।

अपनी पालकी में बै ठे गे ट कोल्लूसुस के आगे से ज़ोरदार झगड़े की आवज़ सु नई दी। दूतों की रास्ते मेंकिसी से टक्कर हो गई थी। पू छने पर पता चला कि एक झगड़ालू शराबी जुलू स में घु स आया था और रास्ता दे ने से इनकार कर रहा था, बल्कि बीच सड़क पर ले टकर हं गामा कर रहा था। उस बदतमीज़ को तु रं त पालकी के दरवज़े तक घसीटा गया। "क्या तु म्हें नहीं पता कि जब तु म्हारे शहर का मुखिया यहाँ से गु ज़रे तो तु म्हें उसके लिए रास्ता दे ना चाहिए? तु म्हारी हिम्मत कै से हुई उसका रास्ता रोकने की?" यु त्सु न ने उस आदमी से अकड़कर पूछा। "अरे, क्या मु झे अपने ही पै सों से शराब पीने और नशे में थोड़ी दे र सड़क पर ले टने की इजाज़त नहीं है? वै से भी, सड़क तु म्हारी नहीं, बल्कि सम्राट की है; इसलिए उस महान सज्जन को शिकायत करने का कोई हक नहीं है," उस आदमी ने बे शर्मी से जवाब दिया। "कितना बदतमीज़ है! उससे उसका नाम पू छो" यु त्सु न गु स्से से भड़क उठा। “मे रा नाम नी है, जिसे ‘ शराबी हीरा’ के नाम से भी जाना जाता है, क्योंकि मु झे शराब पीना पसं द है और कर्ज वसूलने के समय मैं हीरे की तरह कठोर होता हूँ,” शराबी बड़बड़ाया। “सचमु च? अच्छा, हम अभी दे खते हैं कि वह हीरे की तरह कठोर है या नहीं! उसे मारो!” क्रोधित यु त्सु न ने आदे श दिया। इस पर नौकरों ने शराबी को ज़मीन पर पटक दिया और कोड़े से उसकी जमकर पिटाई की। इस दर्दनाक उपचार के कारण वह बहुत जल्दी होश में आ गया और दया की भीख मां गने लगा। “ऐसा आदमी जो खु द को हीरा कहता है, वह कु छ हल्के वारों के बाद ही हार मान ले ता है!” यु त्सु न ने अपनी पालकी से उपहास किया। “यह तो कोई असली पिटाई नहीं थी। यमन में सु नवाई के बाद उसे अच्छी तरह से कोड़े पड़ें गे । उसे बांधो और ले जाओ!” उसने अपने नौकरों को आदे श दिया। और इसलिए, उसके सं घर्ष और चिल्लाने के बावजू द, उस प्रसिद्ध साहूकार को पकड़ लिया गया, हथकड़ी पहनाई गई और भीड़ की द्वेषपूर्ण निगाहों और टिप्पणियों के बीच जुलू स के साथ प्रीफे क्ट के घर ले जाया गया। उसकी गिरफ्तारी की अफवाह गली से उसके घर तक और उसकी पत्नी और बे टी के कानों तक फै ल गई। जब वह उस शाम घर नहीं लौटा, तो उसकी पत्नी ने अपनी बे टी को उन सभी प्रसिद्ध जु आघरों में उसकी तलाश करने के लिए भे जा, जहाँ वह अक्सर जाया करता था। ले किन बे टी ने उसे व्यर्थ ही ढूं ढा, और वह जहाँ भी गई, उसे

उसकी गिरफ्तारी की अफवाह की पुष्टि ही मिली। जब अं त में अपनी व्याकुलता में, वह रोने लगी, तो लोगों ने उसे सांत्वन दे ते हुए कहा "तु म्हें निराश होने की आवश्यकत नहीं है । अखिरकार, प्रीफे क्टचिया कबीले से है और एक यु व चिया है जो तु म्हारे पिता का पड़ोसी और अच्छा दोस्त है । तु म्हें और तुम्हारी माँ को जितनी जल्दी हो सके उससे मिलने जना चाहिए।"

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.07% है ।

और उससे कहोकि वह अपने पिता के रिश्ते दारों से उनकेलिए सिफारिश करे और उनकीरिहाई करवा दे ।" तब बे टी नी को याद आया कि चिया यु न नम का एक यु वक, जिसके उसकेपिता से अच्छे सं बं ध थे, उनके ठीक बगल में रहत था। वह जल्दी से घर गई और उसी शम माँ-बे टी अपने पड़ोसी से मिलने गईं। वे उसे घर पर मिलीं। चिया यु न नेविनम्रता से उन्हें बै ठने के लिए कहा, अपनी माँ से चाय मं गवाई और उनकी कहानी सु नी। जब उनकी कहानी समाप्त हो गई, तो उसने बड़े गर्व और घमं ड के साथ कहा कि वह उनकी मदद करने केलिए पू री तरह तै यार है । उसे बस पश्चिमी महल में एक शब्द कहन था और गिरफ्तार व्यक्ति रिहा हो जाएगा; क्योंकि पश्चिमी महल के वरिष्ठ श्री चें ग ने अतीत में प्रीफे क्ट की अच्छी सेवा की थी। अत्यं त प्रसन्न होकर, माँ-बे टी अगले दिन प्रीफेक्चर गईं और गु प्त रूप से कै दी परिवार के मुखिया को सूचित किया कि उन्हें चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि उनके मित्र और पड़ोसी, यु व श्री चिया यु न ने उनकीरिहाई का वादा किया है । सहूकार नी यह खबर सु नकर बहुत खु श हुई और जल्द हीरिहा होने की उम्मीद से भर गई। यहां यह उल्ले ख करना आवश्यक है कि जब से चिया यु न ने उपहारों के मध्यम से प्रभावशाली मै डम फीनिक्स का पक्ष जीतने का प्रयास किया था, तब से वह यु ं गकु ओ महल के पास जाने का साहस बहुत कम और अनिच्छा से ही करत था। उसे यह असहजत महसू स होती थी कि एक गरीब भिखारी चचे रे भाई के रूप में, धनी कुल में उसका कोई महत्व नहीं था और वे उसे मुश्किल से ही बर्दाश्त करते थे । यु ं गकु ओ महल के द्वारपाल आगं तु कों के साथ ठीक उसी तरह व्यवहार करते थे जैसा कि वे अपने मालिकों की नज़र में रखते थे । जब कोई सम्मानित आगं तु क होता था, जिसका सहर्ष स्वागत किया जाता था, तो वे उन्हें प्रवे श दे ने और उनकीउपस्थिति की घोषणा करने में बहुत तत्पर रहते थेलेकिन जब कम महत्वपूर्ण लोगों की बात आती थी, तो वे कु छ भी करने में असाधारण रूप से धीमे होते थे, चाहे आगं तु क कुलका हो या नहीं। इसलिए, जब चिया यु न उसदिन अपने शिष्य की ओर से यु ं गकु ओ महल के मु ख्य द्वार पर गया और अपने चचा चिया लियन को नमस्कार करने के बाद प्रवे श मांगा, तो उसे रूखे पन से बताया गया कि यु व श्री चिया लियन... वह घर पर नहीं था, लेकिन अगर वह चाहे और उसके पास समय हो, तो वह उसके

लौटने तक इंतजार कर सकता है। चिया युन इस टालमटोल भरे जवब का मतलब समझ गया था। उसे सचमुच बहुत लंब इंतजर करना पड़ सकता था। उसे लगा कि फीनिक्स या पाओ यु से पूछना बिल्कुल बेकार है, क्योंकि वे चिया लियन की तुलना में उसके प्रति कम दयालु थे, इसलिए वह अपना काम अधूरा छोड़कर घर लौट आया, लेकिन माँ और बेटी ने उसे इतना लगातार आग्रह किया कि उसने दूसरी बार कोशिश करने का फैसला किया। इस बार उसने पार्क से होकर पीछे के द्वार का उपयोग करने का इरादा किया, लेकिन उसे आश्चर्य हुआ कि पीछे का द्वार बंद था। 527

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 69.27% है ।

निराश और हताश होकर वह सिर झुकाए घर की ओर चल पड़ा। उसे याद था कि पड़ोसी नी ने उस समय मसालों के लिए पै से दे कर उसकी कितनी मदद की थी, जिसकी बदौलत उसने फीनिक्स से बागवानी का काम हासिल किया था। अब वह भी बदले में नी की मदद करना चाहता था! वह माँ और बे टी नी का सामना कै से करेगा, जो उस पर भरोसा कर रही थीं? क्या वह उन्हें सच बता पाएगा? क्या वह उन्हें यह बताने की हिम्मत करे गा कि कठोर हृदय वाली मै डम फीनिक्स उसे एक गरीब भतीजे की तरह नज़रअं दाज़ करती थीं और पश्चिमी महल के दरवाजे उसके लिए बं द कर दिए थे? कि वह अपने पूर्वजों से विरासत में मिली पारिवारिक सं पत्ति को परिवार के गरीब सदस्यों की मदद करने के बजाय अजनबियों को अत्यधिक ब्याज दरों पर उधार दे ना पसं द करती थीं? वह इन बातों के बारे में बोलने की हिम्मत नहीं कर सकता था, वरना न के वल पड़ोस में उसका नाम और साख खराब होती, बल्कि चिया परिवार की प्रतिष्ठा भी खतरे में पड़ जाती। "मे री सारी कोशिशें बे कार गईं। सच है, मे रे बार-बार अनु रोध पर पश्चिमी महल के लोगों ने प्रीफे क्ट से कु छ कदम उठाए, लेकिन अफसोस, प्रीफे क्ट टस से मस नहीं हो रहा," उसने लौटकर कहा। "लेकिन शायद आप दुर्लभ वस्तु ओं के व्यापारी, लोंग त्ज़ु ह्सिंग के पास अपनी किस्मत आजमा सकती हैं । वह पश्चिमी महल के मु ख्य प्रबं धक लाइ जु ई के रिश्ते दार हैं और प्रीफे क्ट को लं बे समय से जानते हैं ।" "अगर मालिक हमारे लिए कु छ नहीं कर सकते, तो नौकरों का हाल भी बु रा ही होगा," माँ और बे टी ने निराश होकर जवाब दिया। "आप गलत हैं । आजकल नौकरों का कभी-कभी मालिकों से भी ज़्यादा दबदबा होता है," चिया यु न ने नाराज़ होकर मुँ ह फे रते हुए कहा। इसलिए दोनों महिलाओं को अपने कमाने वाले को वापस पाने के लिए कई दिन और इं तज़ार करना पड़ा। उसे बस हल्की-फुल्की पिटाई से छोड़ दिया गया। लौटने पर उसकी नाराज़ पत्नी और बे टी ने उसे चिया यु न के यु ंगकु ओ महल के व्यर्थ दौरों के बारे में बताया और बात को इस तरह घु मा दिया कि ऐसा लगे कि अच्छे इरादे की कमी के कारण चिया यु न ने उसके लिए पर्याप्त प्रयास नहीं किया। "क्या? बस इं तज़ार करो! मैं उस एहसानफरामोश बदमाश को सबक सिखाऊँ गा!" सू दखोर नी, जो अपनी रिहाई का जश्न मनाने के लिए तु रं त फिर से शराब पीकर धौंस जमा चु का था, चिल्लाया, "जब वह भू ख मर रहा

था, क्या मैंने अपने पैसों से उसकी मदद नहीं की, उसे पश्चिमी महल में एक अच्छी नौकरी दिलवाई थी? और अब, जब मैं खुद मुश्किल में हूँ तो उसने मुझे बीच मझधार में छोड़ दिया! बस इंतज़ार करो! अगर नी, शराबी हीरा, एक बार भी अपना मुँह खोलकर हंगामा खड़ा कर दे, तो पूर्वी और पश्चिमी महलों के रईसों को पछतने का कारण मिलेगा!" "चुप रहो! क्या पिछली पिटाई तुम्हारे लिए काफी नहीं थी? क्या तुम अपनी नशे में की गई बकवास से फिर से मुसीबत में पड़ना चाहते हो?" उसकी पत्नी ने उसे शांत करने की कोशिश करते हुए कहा। "अरे! मैं डरत नहीं हूँ! जब मैं जेल में बैठा था, तो मेरी कुछ अच्छे साथी कैदियों से दोस्ती हो गई और बहुत सी बातें मेरे कानों तक पहुँचीं।"

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 48.72% है ।

चिया परिवार के बरे में वे कितने बड़े जुमखोर हैं, कै से प्रंतों के गरीबकिसानों को लू टते हैं कै से अपने हीलोगों की सं पत्ति और औरतों को छीन ले ते हैंऔर उन्हें सत-पटाकर मार डालते हैं उनके कई बदमाश पहले ही पकड़े ज चु के हैं और उनके घिनौने कामों के लिए जल्द ही राजधानी में उन पर मु कदम चलाया जाएगा। लेकिन खु द उन रईसों को न्यय के कटघरे में खड़ किया जाना चाहिए। बस इं तज़ार करो! समय आने पर वे मु झी, द ड्रं कन ड्रयमं ड़ को जान लें गे "अरे, चु प रहो और बिस्तर पर आओ!" उसकी पत्नी ने बीच में ही टोकते हुए कहा "तु म इतने नशे में हो कि तु म्हें पत ही नहीं कि क्या बोल रहे हो। दूसरों की औरतों को छीनना? यह तो बस बकवास है!" "तु म औरतें अपने घर की चहदीवारी से बहर नहीं निकलतीं। बाहर क्या चल रहा है, तु म्हें क्या पता? दो साल पहले जु ए की मे ज़ पर मे री मुलाकात चां ग नम के एक यु वक से हुई। उसने मु झे सब कु छ बतया, और वही है जिसे पूर्वी और पश्चिमी महलों के रईसों ने उसकी मं गे,तर यू नम की लड़की से छीनलिया था।" काश मु झे पत होता कि यु व चां ग अब कहाँ है मैं उसे समझाऊँ ग कि उसे कुलीन परिवार के खिलाफ क्या कार्रवाई करनी चाहिए। उस गिरोह को मे रे सामने घु टने टे कने ही पड़ेंगे! लेकिन तु म महिलाओं को इसकी चिंता करने की ज़रूरत नहीं है । इसे मु झ पर छोड़ दो!" वह बिस्तर पर ले ट गय, कु छ दे र तक खु द से कु छ बु दबु दाया, फिर सो गया। अध्याय 47 दुखी प्रे मी, पाओ यू, अतीत की भावनाओं को फिर से जगता है ।वित्त मं त्री के अधिकारी पश्चिमी महल पर कब्ज़ा कर ले ते हैं ।प्रंतों सेलौटने के तु रं त बद, चिया चें ग को उसकी पलकी से सीधे शाही दरबार में बुलाया गया, जहाँ उसे सर्वोच्च ईश्वर की फटकार सु ननी पड़ी और पश्चाताप के लिए नतमस्तक होना पड़ा। वह पसीने से तरबतर और सदमे और निराशा से जीभ बहर निकाले हुए बहर निकला। "धिक्कार है!" "अरे बप रे!" वह हां फते हुए बहर आया, जहाँ उसके चारों ओर उत्सु कत से जम हुए मित्रवत गणमान्य व्यक्तियों और सहकर्मियों की भीड़ ने उससे पू छा कि मुलाकात कै सी रही। जहाँ तक उसकी अपनी बत थी, सुलह की वह बहुप्रतीक्षित मुलाकात सौभाग्य से ठीक-ठाक सं पन्न हो गई थी।लेकिन परमे श्वर ने उससे चिया नाम के कु छ अन्य लोगों के सथ उसके सं बं धों के बारे में बे हद असाधारण प्रश्न पू छे थे, जो दूर-दराज के प्रं तों मेंविभिन्न पदों पर आसीन थे और

हाल ही में बड़ीलगन से अपन स्वार्थ साधने मेंलगे थे । श्री चें ग को असहज महसू स हुआकि एक बड़ा तू फान आने वला है और पू रेचिया परिवार पर कहर बरपाने वला है ।529

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.24% है।

उनके मित्रों और सहकर्मियों ने उनके भय को दूर करने का प्रयास किया और उन्हें निर्माण मंत्रालय में उनके शांत और सुखद पद पर बने रहने के लिए बधाई दी, जहाँ उन्हें प्रांतों में आम कोषाध्यक्ष के अपने पूर्व पद की तरह परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि उनके बड़े भाई राजकुमार शीह भी एक सम्मानित और हर तरह से निर्दोष व्यक्ति थे। लेकिन साथ ही उन्होंने उन्हें यह भी समझाया कि शायद उनके लिए अपने विभिन्न भतीजों, विशेषकर पूर्वी महल में रहने वाले भतीजे राजकुमार चेन पर नज़र रखना उचित होगा। इस भतीजे के बारे में तरह-तरह की बुरी बातें फुसफुसाई जा रही थीं और ऐसा प्रतीत होता था कि कुछ उच्च स्तरीय मंत्री और हिजड़े हलकों में उन्हें कुछ नापसंदगी की नज़र से देखा जाता था। इसलिए जब चिया चेंग मुलाकात के बाद पश्चिमी महल में दाखिल हुए और परिवार द्वारा उनका औपचारिक स्वागत किया गया, तो वे पूरी तरह से खुश नहीं थे। इन सबके बावजूद, अपने परिवार को फिर से देखने की खुशी, और विशेष रूप से अपने बेटे पाओ यू की अच्छी सेहत, उसकी युवा पत्नी प्रेशियस क्लैस्प की बढ़ती हुई सुंदरता, जो पहले से कहीं अधिक स्वस्थ और तेजस्वी लग रही थी, और अपने पोते चिया लैन के विकास को देखकर, वह कुछ घंटों के लिए अपनी गुप्त चिंताओं को भूल गया। "लेकिन एक व्यक्ति अभी भी गायब है!" सभी महिला रिश्तेदारों से मिलने के बाद वह अचानक बोला। उसकी पत्नी समझ गई कि उसका मतलब ब्लैक जेड से है; किसी ने भी उसे पत्र लिखकर उसके दुखद निधन की सूचना नहीं दी थी। "चचेरी बहन लिंग बीमार है," मैडम चेंग ने झूठ बोला, क्योंकि वह दुखद खबर से मिलन की खुशी को कम नहीं करना चाहती थी। पाओ यू, जो वहाँ मौजूद था, उसे ऐसा लगा जैसे उसके दिल में खंजर चुभ गया हो, लेकिन पुत्र-पुत्री के सम्मान ने उसे अपना दर्द छिपाने के लिए मजबूर किया। स्वागत भोज के बाद, जब पति-पत्नी अकेले थे और परिवार में हुई विभिन्न घटनाओं पर चर्चा कर रहे थे, तब मैडम चेंग ने ब्लैक जेड की मृत्यु का जिक्र किया। चिया चेंग को गहरा सदमा लगा और वे गहरे शोक में डूब गए। मैडम चेंग भी भावुक हो गईं और एक नौकरानी को उनकी स्कर्ट खींचकर उन्हें याद दिलाना पड़ा कि वे खुद को संभालें और बातचीत का विषय बदलकर अपने पति को खुश करें। अगली सुबह, रीति-रिवाज के अनुसार, श्री चेंग परिवार

के पुरुष सदस्यों के सथ पूर्वजों के मंदिर गए, ताकि पूर्वजों की आत्माओं को अपने घर वपसी की सूचन दे सकें और उन्हें सुरक्षा प्रदान करने केलिए एक औपचारिक भेंट चढ़ा सकें। समरोह के बाद, उन्होंने अपने दो भतीजों, प्रिंस चेन और चिया लियन को एक तरफ ले जकर गंभीर और प्रभावशाली शब्दों में उनकी अंतरात्मा से प्रर्थना की। उन्होंने उनसे कहा कि शहर में उनके बारे में बुरी बतें कही ज रही हैं; वे अब बच्चे नहीं हैं, और कृपय भविष्य में अपन ध्यान रखें। उनके530 में से

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.07% है ।

शर्मिंदगी भरे हावभाव और जिस उदास लहजे में उन्होंने अपने तौर-तरीकों को सु धारने का वादा किया, उससे साफ था कि उनका ज़मीर पू री तरह साफ नहीं था। पु नर्मिलन समारोह का समापन पश्चिमी महल के सभी पु रुष और महिला से वकों के भव्य जु लू स के साथ हुआ, जिन्होंने स्वागत में प्रणाम किया। पाओ यू को गहरा सदमा लगा जब उसने अपनी माँ को यह कहते सु ना कि ब्लै क जे ड बीमार थी, न कि उसकी मृ त्यु की बात स्वीकार करते हुए। दर्दनाक यादें उसके मन में फिर से जाग उठीं और उसे पू रे दिन चै न नहीं मिला। उसे ब्लै क जे ड की भरोसे मं द दासी कु कू से अके ले में बात करने की तीव्र इच्छा हुई। सच है कि कु कू को इस बीच प्रेशियस क्लै स्प की से वा में ले लिया गया था, जो उसका बहुत सम्मान करती थी, ले किन वह उससे कम ही मिलता था और ऐसा लगता था कि वह जानबू झकर उससे दू र रहती थी। उस शाम जब वह घर लौटा तो उसने प्रेशियस क्लै स्प से मिलने नहीं गया, जै सा कि उसकी आदत थी, बल्कि अपने अध्ययन कक्ष में अके ला और उदास बै ठा रहा। प्रेशियस क्लै स्प ने पर्ल को उसके लिए चाय ले कर भे जा और खु द उसे खु श करने के लिए आई। उसे लगा कि वह अपने पिता द्वारा जल्द ही परीक्षा लिए जाने की सं भावना से उदास है, और वै से भी सोने का समय हो गया है, उसने उससे कहा। उसने उसकी बात से सहमत होने का नाटक किया। "हाँ, तु म सही कह रही हो, ले किन क्या तु म कृ पया सोने जाओगी? मैं थोड़ी दे र अके ले जागकर अपने विचारों को इकट्ठा करना चाहता हूँ," उसने उससे कहा। "मे री याददाश्त पहले जै सी नहीं रही। मैं अपने पिता के सामने शर्मिंदा नहीं होना चाहता। पर्ल थोड़ी दे र मे रा साथ दे गी। तु म सब अब सो जाओ!" प्रेशियस क्लै स्प ने उसकी बात मानी और अके ले अपने बे डरूम में चली गई। "कु कू को मे रे पास भे जो," उसने धीमी आवाज़ में पर्ल से कहा। "मैं उससे बात करना चाहता हूँ ।" "अरे, हमने सोचा था कि तु म आने वाली परीक्षा के लिए अपने विचारों को इकट्ठा करना चाहते हो। तो तु म सिर्फ़ बातें करना चाहते हो। क्या तु म दिन में ऐसा नहीं कर सकते?" "कौन जानता है कि मु झे ऐसा करने का मौका कब मिले गा, अब जब मे रे पिता वापस आ गए हैं? आज शाम इसके लिए बिल्कुल सही समय है । कृ पया मु झ पर कृ पा करो और उसे जल्दी से ले आओ।" "वह के वल आपकी पत्नी की बात मानती है ।" "मैं उसे प्रेशियस क्लै स्प के पास से नहीं बु ला

सकता।" "क्यों नहीं?" "प्रेशियस क्लैस्प कारण पूछेगी और मैं कुकू से दूसरी लड़की, ब्लैक जेड के बारे में बात करना चाहता हूँ। मुझे पता है कि कुकू गलत सोचती है कि मैं बेवफा हूँ, और इसी वजह से मुझसे दूर रहती है। मुझे आखिरकार उसे अपने सच्चे भावों के बरे में समझाना ही होगा।" उसने प्रेशियस क्लैस्प के शयनकक्ष की ओर इशारा किया। "कुकू को आखिरकार यह समझना होगा कि मैं उस लड़की से शदी करना ही नहीं चाहता था। वह छल से मेरी पत्नी बनी है। यह मेरी 531 वीं की इच्छा नहीं है।"

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.17% है ।

गलती, यह बू ढ़ी तई ताई और बाकी लोगों की गलती है कि ब्लै क जे ड को शोक से मरना पड़ा। मैं यह सब कु कू को समझाना चाहती हूँ ताकि वह भी ब्लै क जे ड की तरह मे रे प्रति अनुचित द्वेष रखकर परलोक न चली जाए। क्योंकि मु झे 'वसं त का स्वाद' से पता है कि ब्लै क जे ड के साथ यही हुआ था। क्या तु म भी मु झे प्रे महीन और विश्वासघाती समझती हो? तु म्हें शायद पता न हो, लेकिन मैं आज तु म्हें बता रही हूँ: जब ब्राइट क्लाउड की मृ त्यु हुई तो मैं ने कमल के तलाब पर विधिपूर्वक उसे भें ट चढ़ाई और उसके लिए एक शोकगीत समर्पित किया। और ब्राइट क्लाउड तो के वल एक नौकरानी थी! क्या ब्लै क जे ड एक योग्य अंतिम सं स्कार भें ट की अधिक हकदार नहीं थी? "यह तु म्हारा मामला है । हम दूसरों को इससे क्या ले न-दे न है?" पर्ल ने ठं डे लहजे में उत्तर दिया। "मैं ने बहुत समय पहले से उसके लिए एक शोकगीत लिखने का इरादा किया था, लेकिन अपनी पिछली बीमारी से ठीक होने के बाद से मेरा दिमाग बहुत सु स्त हो गया है । मैं किसी और के लिए तु रं त कु छ लिख सकती थी।" लेकिन ब्लै क जे ड के सम्मान में भजन लिखने के लिए मु झे हर शब्द पर ध्यान से विचार करना होगा। मैं कु कू से इसमें मदद मांगना चाहती थी। ब्लै क जे ड के जीवन के अंतिम क्षणों और घटनाओं की उसकी स्मृति मु झसे कहीं अधिक पूर्ण है । वह हमेशा इतनी स्वस्थ और हं समु ख रहने के बाद अचानक क्यों मर गई? उन दिनों हमें एक-दूसरे से मिलने की अनु मति क्यों नहीं थी? उसने अपनी मृ त्यु से कु छ समय पहले अपनी कविताओं की प्रतियां क्यों जला दीं और मे रे लिए कोई स्मृति चिन्ह क्यों नहीं छोड़ा, जबकि वह अं त तक मे रे बारे में सोचती रही? ये ऐसी पहेलियां हैं जिन्हें मैं हल नहीं कर सकती। और प्रेशियस क्लै स्प ने मु झसे वे स्मृति चिन्ह क्यों छीन लिए जो मैं ने पिछले वर्षों में ब्लै क जे ड से ताकाकी से प्रप्त किए थे? "वह नहीं चाहती थी कि उन्हें दे खकर तु म्हारे पुराने घाव फिर से खिल उठें । क्या तु म कु छ और जानना चाहते हो?" "उसकी मृ त्यु के समय उस रहस्यमय सं गीत का क्या अर्थ था? शायद वह एक इं सान के रूप में मरी ही नहीं, बल्कि एक आत्मा के रूप में स्वर्ग में चली गई? मैं ने उसका ताबू त दे खा था, यह सच है, लेकिन वह बं द था।" शायद वह खाली था?" "तु म्हारे कितने अजीब विचार हैं! क्या तु म सच में मानते हो कि एक खाली ताबू त रख गया था और यह अफवाह फैलाई गई कि किसी की मृ त्यु हो गई है, जबकि वास्तव में

किसी की मृत्यु नहीं हुई थी। यह तो सरासर बकवास है!" "मुझे नहीं पता कि यह बकवास क्यों है। एक आत्मा खुद को अदृश्य कर सकती है। कृपया करके कोयल को मेरे पास ले आओ।" "आज रात बहुत देर हो चुकी है। मुझे लगता है उसे इसके लिए तैयार करना होगा। कौन जाने वह तुम्हें हिसाब देने के लिए तैयार होगी या नहीं? सबसे अच्छा यही होगा कि हम ऐसा समय चुनें जब तुम्हारी पत्नी बूढ़ी तई ताई के सथ हो, शायद कल या परसों।" "ठीक है, लेकिन इसे भूलना मत। तुम्हें अंदाज़ा भी नहीं है कि मैं कोयल से कितनी बात करना चाहता हूँ।" प्रेशियस क्लैस्प द्वारा भेजी गई नौकरानी मस्क प्रकट हुई, और re532

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 8.98% है।

पाओ यू को यद आया कि आधी रात काफी बीत चुकी थी। उसने कहा, अब उसे बिस्तर पर आ जाना चाहिए। उसने व्यंग्यपूर्वक पर्ल से कहा, "बातचीत इतनी रोमांचक रही होगी कि समय का पता ही नहीं चला।" पर्ल ने शांत भव से जवब दिया, "हाँ, बिल्कुल, लेकिन कल तो नया दिन है।" पाओ यू ने फिर उसके कान में फुसफुसाते हुए कहा, "अच्छा, और कल को मत भूलना! क्यों! तुम्हारे बीच कौन से महत्वपूर्ण रहस्य हैं? क्या मैं नई नाई से यह न कहूँ कि वह तुम्हें उसी के सथ सोने दे? फिर तुम दोनों जी भर कर बतें कर सकते हो।" पर्ल ने मस्क से कहा, "बकवास बंद करो।" फिर पाओ यू की ओर मुड़कर उसने फटकार लगाते हुए कहा, "देखो, तुम कैसे हमारे बरे में अफवाहें फैला रहे हो।" और उसे अपने आगे धकेलते हुए प्रेशियस क्लैस्प के बेडरूम में ले गई। हालाँकि चिया चेंग खुद उत्सव के मूड में नहीं थे, फिर भी अपने दोस्तों और परिचितों के आग्रह पर उसने घर लौटने के दो दिन बाद एक भव्य भोज का आयोजन किया। लेकिन उन्होंने उत्सव के संगीत और नाट्य प्रस्तुतियों को धन्यवाद सहित अस्वीकार कर दिया, जिनसे उनका सम्मान किया जाना था। आनंदमय भोज के बीच, युंगकुओ महल में अचनक एक अजनबी, बिन बुलाए मेहमन आ पहुंच। "वित्त मंत्री श्री चओ अपने कुछ अधिकारियों के सथ बाहर हैं और सम्मन व्यक्त करना चाहते हैं," मुख्य प्रबंधक लाई वांग ने उत्साह से घोषणा की। "वे बिना किसी औपचारिकता के और बिना अपना विजिटिंग कार्ड दिखाए सीधे द्वार से अंदर आ गए हैं और भोज कक्ष की ओर चल पड़े हैं।" श्री चेंग पूरी तरह से अचंभित थे और सोच रहे थे कि आखिर वित्त मंत्री, जिन्हें वे केवल थोड़ा-बहुत जानते थे, अचानक इतनी जल्दी क्यों आ गए, और क्या उन्हें भोज में आमंत्रित करना चाहिए। तभी उन्हें एक और सूचना मिली कि मंत्री दूसरे द्वार से गुजर चुके हैं और तुरंत हॉल में पहुंचेंगे। श्री चेंग ने तुरंत उनका स्वागत करने के लिए प्रस्थान किया। उन्होंने देखा कि वे छह सेवकों के साथ बिना किसी औपचारिकता या अभिवादन के, अपने होठों पर व्यंग्यात्मक मुस्कान लिए सीधे मुख्य हॉल की ओर चल पड़े। यह किसी निजी मुलाकात जैस नहीं लग रहा था, बल्कि एक आधिकारिक मुलाकात जैस लग रहा था। उनके आते ही भोज की मेज पर अचानक सन्नाटा छा गया। सभी लोग उठे और सम्मनपूर्वक झुककर अभिवादन किया, और फिर आधे लोग एक-एक करके हॉल से

बाहर निकल गए। श्री चेंग ने श्री गुओ को, जो अभी भी चुप थे और तिरस्कार भरी मुस्कान लिए बैठे थे, बैठने के लिए कहा, और मौसम के बारे में एक सामान्य बातचीत शुरू ही की थी कि तभी एक और चौंकाने वाली घोषणा सुनाई दी: "पूर्वी संधि के राजकुमार प्रवेश कर रहे हैं!"

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.25% है ।

श्री चें ग जल्दी से हॉल से बहर आए और दूसरे विशिष्ट अतिथि से मिलने के लिए घु टनों के बल बै ठकर आदरपूर्वक उनका अभिवादन किया। राजकु मर ने उन्हें मित्रतापूर्वक उठने में सहायता की। उन्होंने गं भीरता से, लेकिन विनम्रतापूर्वक कहा, "स्वाभाविक रूप से, मैं बिना किसी विशेष कारण के इस तरह अनावश्यक ढं ग से यहाँ नहीं आय होता। राजकु मर शीह को शाही फरमान सु नना मेरा कर्तव्य है । क्या आदरणीय मित्र और अतिथि कृ पया पहले चले जाएं गे? यह फरमान केवल पश्चिमी महल के लोगों के लिए है ।" श्री चाओ ने आपत्ति जताते हुए कहा, "महामहिम, निःसं दे ह आपका इरादा अच्छा है, लेकिन पश्चिमी महल में शही इच्छाओं के निष्पादक के रूप में कार्यभार सं भल रहे राजकु मर के कार्य को और अधिक कठिन न बनाने के लिए, मैं ने अपने अधिकारियों द्वारा सभी निकास द्वार बं द करवा दिए हैं ।" राजकु मर ने मु स्कुराते हुए कहा, "ठीक है । अपने कु छ अधिकारियों को इन सज्जनों के सथ भेजिए ताकि वे बिना किसी कठिनाई के बहर निकल सकें ।" भयभीत मित्र और अतिथि धु एँ की तरह तितर-बितर हो गए। के वल राजकु मर शीह, चिया चें ग और कु छ पुरुष रिश्ते दार ही महल में कांपते और क्रोधित अवस्था में रह गए थे । इसी बीच, वर्दीधारी सैनिक अचानक पू रे महल में फैल गए। सभी इमारतों पर कब्जा कर लिया गया; सभी द्वार बं द कर दिए गए। किसी को भी अपनी जगह से हिलने की अनु मति नहीं थी। जै से ही श्री चाओ ने घोषणा की कि महल परिसर को बं द करने और उस पर कब्जा करने का कार्य पू रा हो गया है, पूर्वी संधि के राजकु मर ने शही फरमान की औपचारिक घोषणा करने के लिए आगे कदम बढ़ाया। हॉल की ओर जाने वली सीढ़ियों के नीचे, आं गन में पे ट के बल विनम्रतापूर्वक ले टे हुए राजकु मर शीह और उनके कबीले के सदस्य सु न रहे थे, जबकि राजकु मर, जो ऊपर एक चबू तरे पर खड़े थे, सर्वशक्तिमान के नम पर फरमान पढ़ रहे थे । राजकु मर शीह प्रां तों के अधिकारियों के सथ अवै ध साजिशें रच रहे थे और उन्होंने कमजोरों पर अत्याचार करने के लिए राज्य की शक्ति का दुरुपयोग किया था। इस प्रकार उन्होंने अपने गौरवशाली पूर्वजों के सम्मन में उन पर बरसाई गई शाही कृ पा को खो दिया था, और दं ड के रूप में उन्हें अपनी उपाधि और उससे जु ड़े विशेषाधिकार भी खोने पड़ें गे । वित्त मं त्री की सहमति से राजकु मर को उन्हें हिरासत में ले ने और उनकी संपत्ति जब्त करने

का निर्देश दिया गया था। फरमान में यही लिखा था। राजकुमर द्वारा फरमान पढ़कर सुनए जाने के बद वित्त मंत्री ने अपने अधिकारियों से गरजते हुए कहा, "चिया शीह को गिरफ्तार करो!" अब परिसर की तलाशी और संपत्ति की जब्ती पूरी गंभीरता से शुरु हो सकती थी। समूहों में विभाजित होकर, कांस्टेबल और शेरिफ के अधिकारी, जो शिकार के लिए बेताब थे और भरी लूट की उम्मीद में खुशी से झूम रहे, को अलग-अलग घरों पर छोड़ दिया गया। राजकुमर, जो अपनाए जाने वाले उपयों को कम करने की कोशिश कर रहे थे और उन्हें केवल राजकुमर शीह के घर से संबंधित मान रहे थे, और मंत्री, जो इस बात पर जोर दे रहे थे कि ये उपय 534 तक विस्तारित होने चाहिए, के बीच थोड़ा मतभेद थ।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.19% है ।

बिना किसी भेदभव के पूरे महल में तलाशी अभियान चलाया गया। उसकी विशेष योजना मैडम फीनिक्स के निवास पर थी, क्योंकि वह जानता था कि सबसे अधिक सामान वहीं मिलेग। "लेकिन अपने आदमियों को ज्यादा हिंसक और कठोर कार्रवाई न करने दें, और कम से कम महिलाओं को पीछे हटने का समय तो दें!" राजकुमर ने उसे चेतावनी दी। कुछ समय बद उसे सूचित किया गया कि शाही महल से कई पोशकें और वस्तुएं मिली हैं, जिनका उपयोग आम लोगों के लिए वर्जित था। फिर, उसे दोबरा सूचित किया गया कि मैडम फीनिक्स के घर से दो संदूक जब्त किए गए हैं, जो वचन पत्रों और गिरवी दस्तावेजों से भरे हुए थे, जिनसे पत चला कि मैडम फीनिक्स अवैध रूप से अत्यधिक ब्याज दरों पर पैस उधार दे रही थीं। "तो वे सूदखोरी भी कर रहे हैं! इस गिरोह को दया का पात्र मत बनाओ! निडर होकर सब कुछ जब्त करो!" वित्त मंत्री ने आग्रह किया। और उन्होंने राजकुमर से और भी सख्त औरनिर्दयी उपाय करने का अधिकार मांग। जब उनके गुप्त प्रतिद्वंद्वी को उत्तरी शंति के राजकुमर से मिलने केलिए बाहर बुलाया गया, जो पूर्वी महल से अपनी जेब में एक नया शाही फरमान लेकर आए थे, तो वह बहुत खुश हुए। अति-अधिकारप्रिय मंत्री चओ ने सोच कि अब जब वह उस परेशन करने वले शही पहरेदर से छुटकारा पा चुके हैं, तो अंततः वह अपनी मनमर्जी कर सकेंगे और अपनी पूरी शक्ति का प्रदर्शन कर सकेंगे लेकिन उनकी यह खुशी क्षणिक थी। उत्तरी शांति के राजकुमर ने स्वगत कक्ष में तुरंत ाब जो नया फरमान सुनया, उसमें स्पष्ट रूप से कह गया था कि वित्त मंत्री का अधिकार केवल राजकुमर शीह के खिलाफ कार्यवाही तक ही सीमित रहेग, जबकि पश्चिमी महल के अन्य गृहस्थों के खिलाफ उठाए जाने वले उपयों को निर्धारित करने का अधिकार केवल पूर्वी संधि के राजकुमर को ही होगा। राजकुमर, जिन्होंने बड़ी जल्दबजी में गुप्त रूप से इस फरमान को जारी करवाया था, ने इसे संधि से सुन और श्री चाओ को आगे की गतिविधियों से रोकने में सक्षम होने पर बहुत प्रसन्न हुए। उन्होंने उसे स्पष्ट कर दिया कि उसका काम अब पूरा हो चुका है, और उसे निर्देश देकर विदा किया कि वह राजकुमर शीह को पुलिस प्रमुख के हवाले कर दे। दोनों राजकुमरों ने पुलिस बल से केवल एक दर्जन बुजुर्ग, शांत सर्जेंटों को ही रोका; बाकी लोगों को

जल्द से जल्द वहाँ से निकलना था। पूर्वी संधि के राजकुमार ने उत्तरी शांति के राजकुमार से मुस्कुराते हुए कहा, "तुम बिलकुल सही समय पर आए हो। कौन जानता है कि अगर नए फरमान ने सौभाग्य से उसे बेगुनाह न बना दिया होता तो वह ऊर्जावान वित्त मंत्री यहाँ क्या गड़बड़ कर देता।"
उत्तरी शांति के राजकुमार को सबसे ज़्यादा चिंता श्री चेंग और पओ यू की थी। उनके अनुरोध पर श्री चेंग को नौकरों के हॉल से उनके पास लाया गया, जहाँ अति उत्साही श्री चाओ ने उन्हें बंद कर रखा था। श्री चेंग राजकुमार के सामने घुटनों के बल गिर पड़े।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.96% है ।

और आँ सु ओं से भरी आँ खों से उसने दया की भीख माँ गी। राजकु मर ने दयपूर्वक उसे उठाया और नए फरमान की राहत भरी शर्तों से अवगत कराया, जिस पर श्री चें ग अत्यं त राहत महसू स करते हुए उत्तर की ओर मु ड़े और कृ तज्ञतापूर्वक प्रणाम किया। राजकु मर ने उसे सं के त दे ते हुए कहा, "शाही महल से प्रतिबंधित वस्तु ओं और सू दखोरी के ले न-दे न का मामला, बे शक, एक नाजु क ममला है । हालाँकि, यह तर्क दिया जा सकता है कि पूर्वोक्त वस्तु एँ आपकी सबसे बड़ी बे टी, दिवं गत शही पत्नी, वसं त की शु रुआत द्वारा उपहार में दी गई थीं और यह यहाँ उनकी उपस्थिति को उचित ठहराता है । दूसरी ओर, इस सू दखोरी को कै से उचित ठहराया जा सकता है? यह अधिक कठिन होगा। जहाँ तक ज़ब्ती का सवाल है, मैं आपसे आपके भाई शीह की चल सं पत्तियों की एक पू री और सच्ची सू ची तै यार करने का अनु रोध करत हूँ ।" उस दुर्भाग्यपूर्ण दोपहर को जब परिवार के पु रुष सदस्य अपने मित्रों और परिचितों के सथ बड़े हॉल में भोज कर रहे थे, तब परिवार की महिला सदस्य पूर्वजों के घर में एकत्रित हुई थीं, ताकि चिया चें ग की वपसी का जश्न भोज के सथ मना सकें । खु शनुमा भोज के बीच, राजकु मरी शीह की एक सेविका रोते हुए दौड़ती हुई आई और बोली: "हाय! हाय! चोर और लु टे रे अलमारियों और बक्सों को तोड़ रहे हैं, सब कु छ उलट-पुलट कर रहे हैं और हमारा सामान घसीट कर ले ज रहे हैं!" महिलाएं अभी पहले सदमे से उबर भी नहीं पाई थीं कि नौकरानी लिटिल पिंग चीखती हुई अं दर आई, उसके बल खुले हुए थे और वह फीनिक्स की छोटी बे टी को अपने पीछे घसीट रही थी। उसनें हाँफते हुए बताया, "मैं अभी छोटी बच्ची के साथ खाना खा रही थी, तभी अचानक वर्दीधारी आदमियों का एक दल जं जीरों में जकड़कर हमारे लाई वां ग को अं दर ले आय। उसने बस इतन ही कहा, 'मैं महिलाओं को सूचित करना चाहता हूं कि वे तु रं त यहां से चली जाएं,' क्योंकि पुलिस का एक दस्ता तलाशी ले ने और समान जब्त करने के लिए उसके पीछे आ रहा था। मैं जल्दी से कु छ कीमती सामान इकट्ठा करना चाहती थी, लेकिन उन अजनबी आदमियों ने मु झे दरवाजे से बाहर धकेल दिया। महिलाओं को जल्दी से सबसे जरूरी सामान अपने सथ ले जना चाहिए और खु द को छिपा ले न चाहिए!" इसके बद वहां अफरा-तफरी मच गई। सभी महिलाएं अपनी सीटों से उछल पड़ीं और जल्दी से इधर-उधर की चीजें

पकड़ने लगीं। सब एक साथ चिल्लाने लगे, और एक भी समझदारी भरी बात सुनाई नहीं दे रही थी। फीनिक्स, जो आम तौर पर कठिन परिस्थितियों से निपटने में इतनी कुशल थी, बिल्कुल स्थिर थी और नौकरानी की रिपोर्ट को अजीब तरह से भयभीत, खुली आँखों से सुन रही थी। अब वह अचानक बेहोश होकर गिर पड़ी। उस अफरा-तफरी में, जब कुछ लोग बेहोश महिला की देखभाल कर रहे थे और अन्य लोग बेकार की चीजें उठा रहे थे, यह जाने बिना कि उन्हें कहाँ ले जाना है, चियालियन हांफती हुई अंदर भागी आई। 536

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 8.51% है।

“अच्छी खबर!” उसने डरी हुई महिलाओं को पुकारा। “राजकुमरों के हस्तक्षेप से सबसे बड़ा खतरा टल गया!” चारों ओर से सवलों की बौछार होने लगी। उसने तब तक इंतज़ार किया जब तक स्थिति सामान्य नहीं हो गई और नौकरानी लिटिल पिंग ने घबराई हुई फीनिक्स को उठने में मदद नहीं की और मंदारिन डक ने हांफती हुई प्लूज को सोफे पर लिटा नहीं दिया। फिर उसने विस्तार से बताया कि कैसे दोनों राजकुमरों ने दयलुतापूर्वक हस्तक्षेप किया और सौभाग्य से निर्दयी वित्त मंत्री द्वारा मचाई जा रही तबाही को ठीक समय पर रोक दिया। लेकिन महिलाओं को दोबारा परेशान न करने के लिए उसने फिलहाल यह नहीं बताया कि राजकुमर शीह को गिरफ्तार कर लिया गया है। महिलाओं को शांत करने का अपना काम पूरा करते ही वह उन्हें छोड़कर अपने घर की ओर चल पड़ा यह देखने के लिए कि वहां क्या हो रहा है। उसने अपना घर अस्त-व्यस्त पाया। अलमारियां, बक्से और संदूक टूटे हुए थे और उनमें से आधा सामान लूट लिया गया था। क्षति का जायजा लेते हुए सदमे और क्रोध से स्तब्ध होकर, उसने बहर प्रांगण में खड़े कुछ लोगों की फुसफुसाहट सुनी। वह बहर गया और उसने देखा कि चिया चेंग दो राजकुमरों और वित्त मंत्री के कई अधिकारियों की उपस्थिति में, राजकुमर शीह की जब्त की जा रही संपत्तियों की सूची बन रहा था। राजकुमर शीह का मुख्य प्रबंधक उसकी सहायता कर रहा था। अंत में सूची पूरी हुई और जोर से पढ़ी गई और चिया लियन ने सुना सोने के सिर के आभूषण, एक सौ बीस; बारह मोतियों के हार; दो चपटी सोने की थलियाँ; चार सोने के प्याले; चालीस सोने के चम्मच; अस्सी चांदी के खाने के कटोरे; बीस चांदी की थलियाँ; सोने की परत चढ़ी हाथीदांत की तीन छड़ियों के सेट; चार सोने के घड़े; छह सोने के प्याले; सत्तर चांदी की थलियाँ; छत्तीस चांदी के शराब के मग; पचास औंस सोने की सिल्लियाँ; पाँच हज़ार दो सौ औंस चांदी की सिल्लियाँ; सात हज़ार हज़ार सिक्कों की मालाएँ; छत्तीस सेबल की खालें। तरह-तरह के जनवरों की इतनी सारी खालें; सैकड़ों फर और राजसी वस्त्र, सैकड़ों तरह के कपड़ों के गट्ठे; सैकड़ों कांसे और जेड के आभूषण... और यह सूची अंतहीन सी लग रही थी। फीनिक्स के पैसों के लेन-देन के वचनपत्रों का भी ज़िक्र हुआ। "आखिरकार यह सूदखोरी का धंधा कौन चला रहा है?" चिया लियन ने दोनों राजकुमरों को सख्ती

से पूछते हुए सुनश्री चेंग ज़मीन पर गिर पड़े, प्रणाम किया और जवाब दिया: "मैं, आलसी अधिकारी, घर के कामकाज में दखल नहीं देता। मुझे इसके बारे में कुछ नहीं पता लेकिन शायद मेरा भतीजा चिया लियन आपको कुछ जानकारी दे सके"। जब चिया लियन ने अपना नाम सुना तो वह तुरंत आगे आया, राजकुमारों के चरणों में गिर पड़ा और स्वीकार किया: 'जब से ज़ब्त किए गए गिरवीनामा और वचनपत्र मेरे घर में मिले हैं, तब से...

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.27% है।

मैं इन सब की ज़िम्मेदारी पूरी तरह से अपने ऊपर ले लेता हूँ। मैं आपसे विनम्रतापूर्वक निवेदन करता हूँ कि मेरे चाचा को इस मामले में किसी भी ज़िम्मेदारी से मुक्त कर दें। उन्हें इसके बारे में कुछ भी पता नहीं था। "बहुत अच्छा। आपके स्वीकारोक्ति से आपको सम्मन मिला है। चूँकि आपके पिता किसी भी मामले में दोषी पाए गए हैं, इसलिए हम उन्हें इस अपराध के लिए भी प्रायश्चित करने देंगे। आपको फिलहाल पुलिस की निगरानी में रहना होगा। परिवार के अन्य सदस्य स्वतंत्र हैं और अपने-अपने घरों में लौट सकते हैं," राजकुमार ने निर्णय लिया। "लेकिन आपको भविष्य में अपने परिवार पर अधिक कड़ी निगरानी रखनी चाहिए, बूढ़े चेंग! और अब कृपया आगे के निर्देशों की प्रतीक्षा करें।" हमें तुरंत ही महल लौटना चाहिए और सिंहासन के समक्ष अपनी रिपोर्ट रखनी चाहिए।" और इस प्रकार, चिया लियन ने एक नेक भावना से प्रेरित होकर, मैडम फीनिक्स को अपमान से बचाया और ऐसा करके उसने अतीत में उनके द्वारा किए गए अन्याय का काफी हद तक प्रायश्चित किया। राजकुमार अपनी पालकियों में बैठ गए और चले गए। श्री चेंग, कबीले के उन पुरुषों के नेतृत्व में जो अभी भी स्वतंत्र थे, उन्हें द्वार तक ले गए। भीतरी द्वार पर, उत्तरी शांति के राजकुमार ने अपनी पालकी एक बार फिर रुकवाई। श्री चेंग और उनके साथियों ने तुरंत वहीं पर घुटने टेक दिए। राजकुमार ने श्री चेंग की ओर हाथ बढ़ाया। "चिंता मत करो!" "सब ठीक हो जाएगा," उन्होंने दयालुता से कहा। उनके चेहरे पर स्पष्ट रूप से मित्रता और सहानुभूति झलक रही थी। श्री चेंग को बहुत तसल्ली मिली और वे वापस मुड़े और भीतरी कमरों की ओर चल दिए। उत्साहित नौकरानियों और दासियों के समूहों के बीच से गुज़रते हुए, जो सभी एक साथ बातें कर रही थीं, वे पूर्वज के घर पहुँचे। उन्होंने देखा कि वह एक सोफे पर लेटी चुपचाप रो रही थीं, उनके चारों ओर उनकी दासियाँ, मैंडरिन डक, पाओ यू और प्रेशियस क्लैस्प मौजूद थीं। राजकुमारी शीह थोड़ी दूर बैठी ज़ोर-ज़ोर से रो रही थीं। वही अकेली थीं जिन्होंने अभी तक खुद को संभाला नहीं था। उनके आने से सभी महिलाओं में नई हिम्मत आ गई। "मैंने सोचा भी नहीं था कि मैं आपको फिर से देख पाऊँगी," पूर्वज ने आँखें खोलते हुए कहा और ज़ोर-ज़ोर से रोने लगीं, जिसमें बाकी सभी भी तुरंत शामिल हो गईं। राजकुमारों की सुरक्षा के उनके आश्वस्त करने वाले विवरण ने,

जिसने सबसे बुरे हालात को टाल दिया था और जिस पर भविष्य में भी भरोसा किया जा सकता था, रोने की आवाज़ को कुछ देर के लिए धीमा कर दिया, लेकिन राजकुमार की गिरफ्तारी की खबर सुनते ही यह आवाज़ फिर से तेज़ हो गई। शीह। राजकुमारी शीह को दूसरों की संगति से घुटन महसूस हुई और वह अकेले रोने के लिए अपने घर चली गई। लेकिन उसने पाया कि द्वार बंद हैं और उसका कोई भी कर्मचारी नज़र नहीं आ रहा था; वे सभी कुंडी लगे दरवाजों के पीछे बंद थे। ज़ोर-ज़ोर से रोते हुए, वह फीनिक्स के घर गई ताकि उससे सांत्वना पा सके। उसने एक बड़ी सी इमारत का प्रवेश द्वार पाया, जिसमें फीनिक्स अपने हिसाब-किताब के बही-खाते और खजाने के बक्से रखती थी, जो लाल रंग से बंद और सील बंद था।

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 8.79% है।

आधिकारिक टेप। जैसे ही वह बैठक कक्ष में दाखिल हुई, दबी हुई रोने की आवाज़ उसके कानों में पड़ी। यह आवाज़ नौकरानी लिटिल पिंग की थी, जो व्यस्तता और चिंता से अपनी मलकिन की देखभल कर रही थी। फीनिक्स सोफे पर मृत समान पड़ी थी, उसका चेहरा राख की तरह पीला था और आँखें बंद थीं। राजकुमरी शीह को लगा कि वह मर चुकी है, और वह ज़ोर से शोकगीत गने ही वाली थी, लेकिन लिटिल पिंग ने उसे चुप रहने और अपनी बीमार मालकिन को परेशन न करने की चेतवनी दी, जो अभी-अभी बेहोशी से उठी थी और उसे तुरंत शांति की ज़रूरत थी। राजकुमरी शीह ने मन ही मन सोच, हर जगह एक ही तरह का दुख है, और उदास मन से पूर्व जज के घर लौट गई। रास्ते में उसे अपनी दयनीय स्थिति का एहसास होने लगा - एक शानदार, उच्च पद से अचानक पतन, पति की गिरफ्तारी, बेटे की पुलिस निगरानी, बेटी की नखुश शदी, खुद अपने घर से बेदखल, बिना छत, बिना नौकर और बिना किसी साधन के, पूर्व राजकुमरी अब भिखारी बन गई! वह आत्मदया से भर गई थी। सौभग्य से, उसकी किस्मत उतनी बुरी नहीं थी जितनी उस लाड़-प्यार में पली-बढ़ी फैशनेबल महिला ने सोची थी। रिश्तेदारों ने उसके साथ दयालुता से व्यवहार किया। विधवा चू ने खुशी-खुशी उसे अपने घर में जगह दी, और मैडम चेंग ने अपने कर्मचारियों में से एक नौकरानी और एक सेविका को उसकी सेवा में लगा दिया, जिससे वह सुरक्षित और अच्छी तरह से देखभाल की जा रही थी। इस बीच, चिया चेंग अत्यधिक बेचैनी और घबराहट में इधर-उधर घूम रहा था, घबराकर अपने हाथों को मल रहा था, उस नए फरमान का इंतजर कर रहा था, जिसका वादा उत्तरी शांति के राजकुमर ने सांत्वना के रूप में किया था। जब वह अपने अध्ययन कक्ष में बेचैनी से इधर-उधर टहल रहा था, तभी उसने दरवजे के बाहर पहरा दे रहे पहरेदारों को किसी को जोर से चुनौती देते हुए सुना। "अरे!" वे चिल्लाए। "कहां से आए हो? यहां क्या कर रहे हो?" श्री चेंग दरवजे से बाहर निकले और वहाँ उन्होंने आँगन में खड़े चिड़चिड़े और बड़बड़ाने वाले बूढ़े चियाओ ता को देखा, जो पूर्वी महल के सबसे बुजुर्ग कैदी और निंगकुओ वंश के पूर्वज राजकुमर के पूर्व योद्धा थे। उन्होंने उससे पूछा, "तुम यहाँ क्यों आए हो?" बूढ़े ने गुस्से से कहा, "क्या मैंने अपने रक्तपिपासु, व्यभिचारी और सुधरने वाले न होने वाले स्वामियों को दिन-रात फटकारा और

चे तवनी नहीं दी है?" उन्होंने मे री ने कत्साह को गलत समझा, उन्होंने मु झे एक अच्छे दोस्त के रूप में नहीं बल्कि एक दुश्मन के रूप में दे खा, और वे पू री तरह से भू ल गए कि मैं ने अपने दूल्हे के लिए क्या-क्या सहा और झेला था! और अब उन्हें इसका खामियाजा भु गतन पड़े गा! राजकु मर चे न और उनके बे टे क्लिया यु ं ग को पहले ां राजकु मर के आदे श पर गिरफ्तार कर घसीटकर ले जया गया! राजकु मरी और उनकी महिलाओं को पुलिस अधिकारियों ने खली कमरों में बं द कर दिया! हा! हा! पू रे समू ह को कु त्तों और सू अरों की तरह बं द किया गया! फर्नीचर और सामान लू ट लिया गया या तोड़ दिया गया! हा! हा! वे बू ढ़े चियाओ ता को भी पकड़ना चाहते थे, लेकिन वे गलत आदमी के पास आ गए! बू ढ़े चियाओ ता ने हमरे पूर्वज राजकु मर के सथ कं धे से कं धा मिलाकर लड़ाई नहीं लड़ी थी, और सौ खतरों से लड़ते हुए अपन रास्ता नहीं बनाया था, ताकि वे खु द को

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 48.89% है ।

बु ढ़ापे में कै द कर दिया जाए! मैं ने उनसे कहा कि मैं पश्चिमी महल का रहने वला हूँ और भग निकला। उन्होंने मु झे रास्ते में रोक लिया और यहाँ ले आए। भला किसने सोच होगा कि यहाँ भी हालात पूर्वी महल जितने ही बु रे होंगे? लेकिन कै द कर दिया जाए? बिलकुल नहीं! मैं एक स्वतं त्र व्यक्ति के रूप में मरना पसं द करूँ गा।" और अपने पु राने यु द्ध के दिनों की तरह ही चु नौती भरे अंदाज़ में आगे बढ़ते हुए उस बू ढ़े योद्धा ने अपने रक्षकों पर हमला कर दिया। लेकिन उनके सफ़े द बालों का सम्मान करते हुए, और राजकु मर के नौकरों के साथ अत्यं त सम्मनपूर्वक व्यवहार करने के निर्देशों को याद रखते हुए, रक्षकों ने वस्तविक लड़ाई से परहेज़ किया और उस बू ढ़े गु स्सैल व्यक्ति से प्यर से और शं त भव से बत की। उन्होंने उससे कहा कि वे यहाँ उच्च आदे शों पर आए हैं और के वल अपना कर्तव्य निभा रहे हैं । चूँकि वह अब यहाँ है, इसलिए उन्हें उसके चु पचाप यहाँ रहने में कोई आपत्ति नहीं है । उसे बस आराम से बै ठना चाहिए और नए निर्देश आने तक धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा करनी चाहिए। यह सु नकर बू ढ़ा व्यक्ति शां त हो गया। और इस तरह चिया चें ग को सं योगवश उस वफ़ादार लेकिन कठोर बू ढ़े व्यक्ति के मु ँ ह से पूर्वी महल पर आई विपत्ति के बरे में पता चला। और उसे शर्मिंदगी के साथ स्वीकार करना पड़ा कि तिरस्कृ त और नराज़ बू ढ़े उपदे शक और शिकायतकर्ता की वर्षों से दी गई ने क नीयत वाली चे तवनियाँ सही थीं। " यह अं त है! हम सब खत्म हो गए!" किसने सोच होगा कि हमारी गौरवशाली जाति एक दिन इस तरह कीचड़ और गं दगी में डूब जाएगी?" श्री चें ग गहरे निराश होकर अपने अध्ययन कक्ष की ओर मु ड़ते हुए बु दबु दाए। वे कु छ दे र से सोच में डूबे और उत्सु कता से बे चै न होकर इधर-उधर टहल रहे थे, तभी ह्सु ए कु ओ हांफते-कां पते अं दर आई। "अच्छा हुआ कि तु म आ गई," श्री चें ग ने बाहरी दुनिया से आए स्वागत दूत से कहा। "लेकिन तु मने उन्हें अं दर आने के लिए कै से राज़ी किया?" "पै से और मीठी बातों से ।" " शबाश! मु झे तु म्हारी एक सं दे शवाहक के रूप में आवश्यकता होगी। किसी के पास भले ही बहुत सरे अच्छे दोस्त और परिचित हों, लेकिन जब मु सीबत आती है, तो वे सब सथ छोड़ दे ते हैं," चिया चें ग बु दबुदाए। "दरअसल, पूर्वी महल में हमरे लोगों के खिलाफ क्या आरोप है?" "मैं आज सु बह न्याय मं त्रलय में ह्सु ए पन के बरे में पू छताछ करने गई थी," ह्सु ए कु ओ ने

बताया। "वहाँ मुझे चचेरे भाई भचेन के खिलाफ कार्यवाही के कारण के बारे में कुछ जानकारी मिली।" इस मामले की शुरुआत दो सार्वजनिक सेंसरों द्वारा दायर किए गए दो अभियोग पत्रों से हुई। उन पर अपने महल में जुआ-पार्टियाँ आयोजित करने और कुलीन परिवारों के युवा बेटों को बहकाने और गुमराह करने का आरोप है। लेकिन यह कम गंभीर आरोप है। दूसरा आरोप अधिक गंभीर है, और वह यह है कि उन्होंने अच्छे परिवारों की युवा लड़कियों को रखैल बनने के लिए मजबूर किया और फिर उनके साथ दुर्व्यवहार करके उन्हें मौत के घाट उतार दिया। उनका तात्पर्य हमारे चचेरे भाइयों, द्वितीय यू और तृतीय यू से है। सेंसरों ने 540 के साक्ष्यों के आधार पर अपना आरोप लगाया।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.76% है ।

जु आरी और फिजूलखर्ची करने वला चां ग हुआ, जिसकी पहले दूसरे यू से सगाई हुई थी, और आपका पूर्व नौकर लिटिल पाओ, जिसने बद में अपनी पत्नी के साथ दूसरे यू के घर का काम सं भला, जब वह महल के पीछे फूलों की शाखा वाली गली में रहती थी। आगे.." चिया चें ग ने उसे बत पू री नहीं करने दी। "भयानक! भयानक! यह अं त है!" वह गु स्से में पै र पटकते हुए बोला। "इसके अलावा, सें सरली ने पिंग आन चाउ के प्रीफे क्ट के खिलाफ अभियोग पत्र सौंपा है," ह्सु एह कु ओ ने आगे कहा, "उस पर रिश्वत ले ने और राजधानी के प्रभवशाली लोगों के एक भ्रष्ट गु ट के साथ मिलीभगत करके न्यय में बधा डालने का आरोप है, और उसने निर्दोष नागरिकों को..." "रुको!" चिया चें ग ने अधीरता से बीच में ही टोक दिया। "हमारे पस पहले से ही बहुत परे शानियां हैं । दूसरों के ममलों से हमें क्या ले न-दे न?" "क्यों नहीं, सच में?" प्रीफे क्ट को रिश्वत दे ने वाला व्यक्ति आपका अपना बड़ा भाई, राजकु मर शीह है, और उसके सथी आपके अच्छे दोस्त और परिचित हैं! यही कारण है कि वे अब तक अदृश्य रहे हैं और आज भी वे दरबर में सु बह की सभा में आने की हिम्मत नहीं कर पाए। वे राजधानी से भग गए हैं और तू फान के शं त होने तक सुरक्षित दूरी पर रहें गे । यह मामला बे शक पू रे शहर में चर्चा का विषय है, और लोग सोच रहे हैं कि चिया परिवार के पूर्वजों द्वारा सम्मानपूर्वक अर्जित की गई राजसी उपाधियाँ किसे मिलें गी, जब वर्तमान धारक, चचे रे भाई चे न और चचा शीह, उनसे वंचित हो जाएं गे । श्री चें ग ने ह्सु एह कु ओ की बात और नहीं सु नी। उन्होंने गु स्से से कहा, "दोनों ने बे हद गैरजिम्मे दराना काम किया है, लेकिन यह लं बे समय तक आरोप-प्रत्यारोप करने का समय नहीं है । मु झे तु रं त बू ढ़ी ताई के पस जाना होगा और दे खन होगा कि वह अभी जीवित हैं य नहीं।" तु म कान खुले रखो और पत लगाने की कोशिश करो कि क्या हो रहा है, और अगर कोई नई बात पता चले तो तु रं त आ जाना।" अध्याय 48 राजकु मरी पूर्वज, स्वर्ग के समने नतमस्तक होकर, पू रे कुल का दोष अपने ऊपर ले ले ती हैं और उदारतापूर्वक अपने खजने बं ट दे ती हैं चिया चें ग पर शही कृ प बरसती है और राजकु मर की उपाधि, एक बार फिर बहाल होकर, उन्हें सौंप दी जती है । चिया चें ग ने पूर्वज को गं भीर हालत में पया। उन्हें अभी-अभी अस्थमा का गं भीर दौरा पड़ा था और वे अभी भी सं सले ने के लिए सं घर्ष

कर रही थीं। उन्होंने उनसे विनती की कि वे खुद को ज्यादा उत्तेजित न करें और अपने कीमती जीवन का ख्याल रखें, ताकि उनके कर्तव्यहीन बेटों को आत्म-निंदा का और अधिक कारण न मिले।[541]

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.32% है ।

“मे रे जीने के लिए अब क्या बचा है?” वह हां फते हुए बोली। “मैं अस्सी सल से अधिक उम्र की हो गई हूँ । पूर्वजों के आशीर्वाद से मैं ने सु खमय यौवन और वैवाहिक जीवन का आनं द लिया। और अब बु ढ़ापे में इस तरह की बदनामी झेलनी पड़ रही है! अच्छा होता कि मैं कब अपनी आँ खें बं द कर ले ती” श्री चें ग अभी भी उन्हें प्यार भरे शब्दों सेदिलासा दे ने की कोशिश कर रहे थेकि आखिरकार वह बहुप्रतीक्षित खबर आई कि शाही महल से एक सं दे शवाहक आया है । धड़कतेदिल के सथ श्री चें ग दौड़कर स्वगत कक्ष की ओर गए। वहाँ उत्तरी शंति के राजकु मर का महल अधीक्षक उनका इं तजर कर रहा था। उनके चे हरे पर अच्छी खबर के सं के त थे। “शु भ समचार!” उन्होंने मु स्कुराते हुए कहा। "मे रे स्वामी, राजकु मर ने सिंहासन के समक्ष आपका पक्ष अत्यं त गं भीरता से रखा है, और उन्होंने तथ पूर्वी संधि के राजकु मर ने मिलकर परमपिता परमे श्वर का हृदय जीतने में सफलता प्राप्त की है । इसके अलावा, उनकी सदाचारी पत्नी, आपकी सबसे बड़ी पु त्री जिनका हाल ही में निधन हुआ है, की स्मृति ने सम्रट को दयालु बन दिया है और उन्होंने आपको निर्माण मं त्रलय में अपन पद बरकरार रखने की अनु मति दे दी है । संपत्ति की ज़ब्ती के वल आपके भई शीह की निजी सं पत्ति तक ही सीमित रहे गी। पश्चिमी महल से जो कु छ भी ज़ब्त किया गया है, वह वापस कर दिया जाएगा। बे शक, आपके भतीजेचिया लियन से लिए गए ऋण दस्तावे जों की मे रे स्वामी द्वारा पु नः जं च की जएगी। यदि यह सिद्ध हो जाता है कि अवै ध प्रकृति का सू दखोरी का कारोबार किया गया है, तो दस्तावे ज ज़ब्त ही रहें गे । आपके भतीजे लियन अपना आधिकारिक पद खो दें गे, लेकिन अन्यथा वे स्वतं त्र रहें गे और उन्हें अन्य किसी दं ड की अपे क्षा नहीं करनी चाहिए।" श्री चें ग ने प्रसन्नतापूर्वक दो बार प्रणाम करके धन्यवद दिया, एक बार परमपिता परमे श्वर केलिए और एक बार राजकु मर के लिए। उन्होंने कहा कि वे कल सु बह राजकु मर को सम्मान दे ने के लिए अवश्य उपस्थित होंगे । अधीक्षक के जाने के कु छ ही समय बाद, वादा किया गया शाही फरमान आ गया और उसे तु रं त लागू करदिया गया। दुर्भाग्य से, चिया लियन की "इतनी आसानी से छूट जाने की खु शी इस तथ्य से धूमिल हो गई कि राजकु मर के हस्तक्षे प से पहले ही वित्त मं त्री के कां स्टे बलों और बेलीफों ने उनके और उनकी पत्नी के खजाने कोलू ट लिया था, और इन्वें ट्री और

रसीदों के अभव में समान वापस नहीं लिया जा सका। फीनिक्स द्वारा वर्षों से बड़ी मेहनत से जमा किया गया सत्तर या अस्सी हजार औंस सोने का खजाना इस प्रकार हमेशा के लिए खो गया। एक दिन से दूसरे दिन फीनिक्स ने खुद को अपने लंबे समय से कुशलतापूर्वक संचालित निजी व्यवसाय के फल से वंचित पाया; वह इस आघात से कभी उबर नहीं पाई। बेशक, परिवार के भीतर आपसी निंदा और तीखी नोकझोंक की कोई कमी नहीं थी। श्री चेंग, जो कभी 542

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.14% है ।

पहले तो वे अपने बड़े परिवार के हिसाब-किताब और व्यावहारिक प्रबं धन में लगे रहते थे, लेकिन अब यह जानकर वे भयभीत हो गए कि पिछले कई वर्षों से वे श्रिमी महल में अपनी हैसियत से ज़्यादा खर्च कर रहे थे; खजाना कक्ष खाली था; और मं चूरिया की सं पत्ति से मिलने वला किराया हमे श एक साल पहले ही खर्च हो जाता था। उन्होंने इतने लं बे समय तक इस गैर-जिम्मे दार प्रबं धन को चलने दे ने की अपनी मूर्खता और अक्षमता के लिए खु द को फटकारा और इस बात पर गहरा अफसोस जताया कि उनके बे टों और भतीजों में से एक भी ऐसा नहीं था जिस पर वे भरोस कर सकें, जै स कि वे अपने सबसे बड़े बेटे चिया चू पर कर सकते थे, जिसकी दुर्भाग्यवश असमय मृ त्यु हो गई थी। इसी बीच, हाल ही में हुए अनु कूल घटनाक्रम की खबर सु नकर, उनके अच्छे मित्र और सहकर्मी श्री चें ग को बधई दे ने और एक बार फिर उनका समर्थन पाने के लिए उनके चरों ओर जमा हो गए। अटकलों और दे र से की गई ज्ञान भरी बातों का सिलसिला शु रु हो गय। अब कहा जाने लगा, "काफी समय से हमें आपके कु छ हद तक लापरवाह बड़े भई शीह और आपके फिजूलखर्च भतीजे चे न पर सं दे ह था।" "अन्य परिवारों में बिना सें सर के दखल के ही घोटाले होते रहते हैं और सें सर आकर उन्हें तु रं त शाही दरबार में उजगर नहीं करता। ऐसा लगता है कि ये सज्जन लाभकारी सं बं ध बनाने में पर्याप्त रूप से चतु र नहीं थे," दूसरों ने कहा। "कहा जाता है कि सें सर ने यह कदम बर्खास्त किए गए नाराज नौकरों और अपमानित हुए आम नागरिकों की सू चन पर उठाया था। शहर में मशहूर शराबी साहूकार नी का विशेष रूप से जिक्र किया गया है," दूसरों ने कहा। "शायद ऐसे अधीनस्थों और आमलोगों के सथ कम सख्ती से पे श आना और उन्हें बे वजह परे शन न करना ही समझदारी होगी।" "इसके विपरीत, आपके लिए यह बुद्धिमानी होगी कि आप अपने से वकों की पहले से अधिक सख्ती से निगरानी करें और गलती करने पर उन्हें पहले से कहीं अधिक कठोर दं ड दें । जब आप आप्रान कोषाध्यक्ष थे, तब आपने जन लिया था कि अत्यधिक दयालु और आसन व्यवहार का क्या परिणाम होता है । किसी भी हालत में अपने अधीनस्थों के कारण अपनी प्रतिष्ठा को फिर से धूमिल न होने दें । आप शाही दरबार से दूसरी बार दया की उम्मीद नहीं कर सकते," यह चौथे समू ह का मत था। जब इन विभिन्न विचारों, और अच्छी सलाहों के बीच

चर्चा चल रही थी, तभी गरीब वसंत ऋतु की देवी के अत्याचारी पति यु व ह्सिया का एक संदेशवाहक आया। उसने कहा कि उसका स्वामी किसी अन्य कार्य के कारण स्वयं नहीं आ सका। वह अब भी अपनी पत्नी, वसंत ऋतु की देवी को तलाक देने को तैयार था, लेकिन पहले उसे वे पाँच हज़ार औंस वापस चाहिए जो उसने उसकेलिए दिए थे। चूंकि उसके ससुर,राजकुमर शीह को गिरफ्तार कर लिया गया था और उनकी संपत्ति छीन ली गई थी, इसलिए अब वह श्री चेंग से यह राशि मांग रहा था। 543

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.01% है ।

"अब हद हो गई!" श्री चें ग करह उठे । इस हालत में उन्हें तु रं त तीन हज़ार औंस कहाँ से मिलते? "बे वकू फ प्रसाद! अपने ससु र की ज़रूरत में मदद करने या कम से कम सहानु भूति दिखाने के बजाय, ये ऐसी बे हूदा और अनुचित माँ गें ले कर आय है!" श्री चें ग के दोस्तों ने गु स्से से कहा। "मैं ने शु रु से ही इस रिश्ते के खिलाफ चे तवनी दी थी, लेकिन किसी ने मे री बात नहीं सु नी। मे री बे चारी, बदनसीब भतीजी," श्री चें ग ने आह भरी। दुखी होते हुए भी, उन्हें दूत को कं धे उचकाते हुए और खाली हाथ लौटना पड़ा, और 'ग्रीटिंग ऑफ स्प्रिंग' को एक नालायक पति के चं गुल में तड़पते रहना पड़ा। अगले दिन, सु बह की सभ में, श्री चें ग ने धन्यवाद के रूप में प्रणाम किया, फिर उन्होंने पूर्वी संधि और उत्तरी शांति के राजकु मरों और कुलाधिपति को प्रणाम किया और भाई शीह और चचे रे भाई चे न के लिए उनकी कृ पपूर्ण मध्यस्थता की प्रार्थना की। फीनिक्स इस सब से पू री तरह टूट चु की थी और अं तरात्मा की भयानक दुविधा से व्यकुल थी। अब उसे इस बत का गहरा अफसोस था कि उसने दिवं गत को चिंग की सलाह क्यों नहीं मानी और अतिरिक्त धन को पारिवारिक ट्रस्ट सं पत्ति में निवे श क्यों नहीं किया, जो राज्य द्वारा ज़ब्ती से सुरक्षित रहती। इसके बजाय, उसने सोने-चां दी की छड़ें जमा करने और खजने के संदूक भरने की मूर्खता की थी, जिसे कभी भी लू टा जा सकता था। उसकी भतीजी को चिंग ने वर्षों पहले अपनी मृ त्यु शय्या पर जो बुद्धिमानी भरी भविष्यवाणी की थी, वह कितनी क्रू रत से सच हो गई थी। इसके अलावा, उसे इस बात का गहरा अहसास था कि सें सरों द्वारा चचे री बहन च्चेन पर लगाया गया आरोप—कि अच्छे परिवारों की बेटियों को रखैल बनने के लिए मजबू र किया गया और फिर दुर्व्यवहार से उनकी मृ त्यु कर दी गई—वास्तव में उस पर भी लागू होत था। अभागी दूसरी यू, जिसकी मृ त्यु का बोझ उसके अं तरात्मा पर था, एक प्रे त की तरह उसकी आँ खों के सामने आ उठी। सें सरों के अभियोग पत्र में यु व चां ग का नाम स्पष्ट रूप से दर्ज था, जो उसका गु प्त मोहरा और दूसरी यू का पूर्व मं गे तर था। यदि न्यायालय मामले की तह तक जता, तो उसका अपना अपराध भी सामने आ जता। वह परिणामों के बरे में सोचने की हिम्मत नहीं कर पा रही थी। उसकी एकमात्र इच्छा थी शीघ्र मृ त्यु । वह, जो अब तक यु ं गकु ओ महल में सबसे सम्मानित और प्रतिष्ठित व्यक्तियों में से एक थी, हमे श

के लिए अपनी प्रतिष्ठा खो चु की थी। उसे यह बात तब समझ आई जब उसके पति चिया लियन ने छोटी पिंग को उस कठोर उत्तर से टाल दिया जब उसने उससे उसके लिए डॉक्टर बुलाने का आग्रह किया था। अब उसके पास इसके लिए पै से नहीं थे, उसे सिर्फ अपने बारे में सोचना था, उसने उसे रूखे पन से मना कर दिया था। "तु म डॉक्टर के पास जाने के बारे में सोच भी कै से सकते?" उसने बाद में लिटिल पिंग से नराज़गी से कहा। "मे री बर्बाद ज़िंदगी से 544 को क्या ले न-दे न है?"

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.89% है ।

मैं अभी? मैं अं त कबे सब्री से इं तज़ार कर रही हूँ, और मैं के वल इसलिए हिचकिचा रही हूँ क्योंकि मैं तय नहीं कर पा रही हूँ कि सोना निगलूँ या ज़हर। उस समय से वफ़ादार, चिंतित छोटी पिंग उनके पास से हिली नहीं। पूर्वज ने आश्चर्यजनक ते ज़ी से खु द को संभाल लिया था, इस सु कू न भरे ज्ञान के कारण कि कम से कम उनका दूसरा बे टा चें ग अभी भी शही कृ पा का पात्र था और उनके दोप्रिय पोते-पोती, पाओ यू और प्रेशियस क्लै स्प, हमे श उनके सथ थे; आम उथल-पु थल के बीच भी वह पू री तरह से सक्रिय और मातृ त्वपूर्ण दे खभल में डूबी हुई थीं। उन्होंने अपने तिजोरियाँ और अलमारियाँ खोलीं और गरीब महिलाओं, फीनिक्स, राजकु मरी शीह और राजकु मरी चे न को पै से और कपड़े दिए। उन्होंने पूर्वी महल में एक रथ भे जा और राजकु मरी चे न, उनकी बहू और दो अन्य पत्नियों को, जो वहीं रह गई थीं, पश्चिमी महल में बुलवाया। बाकी अन्य पत्नियाँ भग गई थीं। असं ख्य कर्मचारियों में से कोई भी अब वहाँ नहीं था। राजकु मर शीह के नौकरों की तरह, वे भी आधिकारिक ज़ब्ती के दयरे में आ गए थे और उन्हें सार्वजनिक नीलामी के लिए अधिकारियों द्वारा घसीट कर ले जया गया था। पूर्वज ने अनु मति दी पूर्वी महल की महिलाओं को अपने निवास में कई कमरे दिए गए, उनके लिए दो दासियाँ और चर नौकरानियाँ रखी गईं, उन्हें बड़े रसोईघर से भोजन उपलब्ध कराया गया और उन्हें यु ं गकु ओ वं श के सदस्यों को दी जने वाली राशि के बराबर मासिक जे ब खर्च के रूप में एक निश्चित राशि दी गई। वं श के कै द सदस्यों में राजकु मर शीह, राजकु मर चे न औरचिया यु ं ग- की कै द को आसन बनाने केलिए नकद राशि भी उपलब्ध करानी पड़ी। धन की भारी कमी का सामना करते हुए, चिया लियन के पस दे श में पारिवारिक सं पत्ति का कु छहिस्सा गु प्त रूप से बे चने के अलावा कोई रास्ता नहीं था। यह सच है कि उन्होंने इस तरह कु छ हज़ार औंस (लगभग 100 ग्राम सोना) प्राप्त कर लिए और उनके पस फिलहाल नकद राशि थी, लेकिन इस उपाय की संदिग्ध बुद्धिमत्ता, जो कि दिवं गत कोचिंग की बुद्धिमानी भरी सलाह के विपरीत थी, आगे चलकर स्पष्ट हो जाएगी। खे त के प्रबं धक, जिन्होंने अपने स्वामियों की शान-शौकत को गायब होते दे खा और अपने भविष्य को ले करचिंतित थे, द्वार बं द होने से पहले जो कु छ बचाया जा सकता था उसे बचने की कोशिश की और किराये दारों के सथ गु प्त समझौते में,

जितना हो सके उतन धन हड़प लिया। मं चूरियाई सं पत्ति के मु फ्त के का कु छ हिस्सा वे अपनी जे ब में डाल सकते थे । फीनिक्स के लगातार उदास चे हरे और ले डी शीह और चे न के निरं तर विलाप से पूर्वज दुखी थीं। चिया वं श की मुखिया होने के नाते, वह स्वयं को वं श पर आई विपत्ति के लिए मु ख्य रूप से जिम्मे दार मानती थीं। एक शाम मं दारिन डक और अं बर को खुले आं गन में एक धू प वे दी बननी पड़ी और उसके समने एक लाल प्रार्थना-कालीन बिछाना पड़ा। फिर पूर्वज अपनी छड़ी के सहारे, अपनी दासियों के सहारे, लं गड़ाते हुए बहर आईं, कालीन पर अपने बू ढ़े घु टनों के बल बै ठ गईं, धू प की तीलियाँ जलाईं, 545 को छुआ।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.18% है ।

उसने अपन माथा कई बार ज़मीन पर पटका और रोते हुए, स्वर्ग से एक गंभीर और भावपूर्ण प्रार्थना की: "हे सर्वशक्तिमान स्वर्ग! मैं, शिह वंश की चिया कुल की अयोग्य मुखिया, आपके चरणों में विनम्रतापूर्वक गिरती हूँ और आपकी दिव्य कृपा की याचना करती हूँ। कई पीढ़ियों से मेरा वंश सद्गुणों के मार्ग पर चलने का प्रयास करता रहा है और बुराई के मार्ग की ओर नहीं मुड़ा है। जहाँ तक मेरे वश में था, मैंने अपने पति, बच्चों और नाती-पोतों के लिए एक समर्पित पत्नी, माँ और दादी बनने का प्रयास किया है। भले ही मैं किसी असाधारण पुण्य कर्म का दावा न कर सकूँ, न ही मैं किसी असाधारण दुष्ट कर्म का आरोप लगा सकती हूँ। हमारे महान पूर्वजों के कुछ युवा वंशजों के अहंकारी, व्यभिचारी और पापी जीवन शैली के कारण, चिया वंश कलंकित और बर्बाद हो गया है। एक पुत्र, एक पोता और एक परपोते को अपने अपराधों का प्रायश्चित जेल में करना पड़ रहा है। मैं इन सभी के लिए दोषी हूँ।" मैं दुष्ट हूँ, क्योंकि मैं उन्हें उचित प्रशिक्षण देने में असफल रही। हे सर्वशक्तिमान ईश्वर, मैं आपकी कृपा और संरक्षण की याचना करती हूँ। मेरे बच्चों और पोते-पोतियों पर दया कीजिए! मुझे शीघ्र मृत्यु देकर उनके पापों का प्रायश्चित कीजिए! मुझे दंडित कीजिए और उन्हें बख्श दीजिए! उनके दुख को सुख में, उनके शोक को आनंद में बदल दीजिए!..." उसकी प्रार्थना सिसकियों में समाप्त हुई। मंदारिन डक और एम्बर ने उसे उठाया और सांत्वना भरे शब्द कहते हुए उसे वापस अंदर ले गए। कुछ दिनों बाद चिया चेंग को एक विशेष दूत द्वारा शाही सचिवालय जाने का आदेश दिया गया। अंततः नया शाही फरमान जारी हो गया था, जिससे कबीले के कैद सदस्यों के भाग्य के बारे में उसकी अनिश्चितता दूर हो गई थी। उत्तरी शांति के राजकुमार के माध्यम से शाही सचिवालय द्वारा शाही दरबार के समक्ष प्रस्तुत किए गए उदार निवेदनों के फलस्वरूप, नए फरमान में शाही कैदियों के अपराधों को पहले की तुलना में कहीं अधिक उदारतापूर्वक देखा गया। इसमें राजकुमार शीह और पिंग आन चाउ के प्रीफेक्ट के बीच मिलीभगत को वैध पारिवारिक संबंध बताकर क्षमा कर दिया गया, यह स्वीकार किया गया कि सनकी पंख-संग्रहकर्ता की मृत्यु उसकी अपनी मूर्खता के कारण हुई थी, न कि राजकुमार शीह के अनुचित दबाव के परिणामस्वरूप। इसके अलावा, यह भी माना गया कि राजकुमार चेन का इरादा

के क्ल भलाई का था जब उन्होंने अपनी भभी, दूसरी यू, को अपने चचेरे भाई लियन की दूसरी पत्नी के रूप में विधिवत रूप से विदा करने को प्रथमिकता दी, उनके मंगेतर चा हुआ की घोर गरीबी को देखते हुए, विशेष रूप से इसलिए क्योंकि उनकी माँ भी इस पर सहमत थीं। तीसरे यू के मामले में भी, जिसने एक दुखद गलती के परिणामस्वरूप आत्महत्या कर ली थी, किसी प्रकार के दबव का प्रश्न ही नहीं उठता। यह तो निश्चित है कि आरोपी ने कानून के विरुद्ध अनेक अपराध किए थे, जिनमें कानूनी कार्रवाई को दबाना, दरबारी शोक की अवधि के दौरान विवाह का आयोजन करना और परिवार के किसी सदस्य का गुप्त रूप से अंतिम संस्कार करना शामिल था। 546

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 48.77% है ।

हालांकि, इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि वे दो ऐसे पुरुषों के वं शज थे जिन्होंने सिंहासन की महान से व की थी, उन्हें हल्की सजा दी गई: वे अपनी राजसी उपाधियाँ खो दें गे और साम्राज्य की सीमाओं पर निर्वासित कर दिए जाएँ गे, जहाँ उन्हें राज्य की समर्पित से व करके अपने अपराध का प्रायश्चित करना होगा - राजकु मर शीह को सु दूर पश्चिम में ग्रे ट वॉल के एक एकां त स्टे शन पर और राजकु मर चे न को पूर्वी तट पर एक दूरस्थ तटरक्षक स्टे शन पर। अपनी कम उम्र के कारण, चिया यु ं ग को सभी सजाओं से मुक्त कर दिया गया। चिया चें ग ने खु शी के आँ सू बहाए और उत्तरी शांति के राजकु मर को धन्यवाद दिया, जिन्होंने उन्हें फरमान की जानकारी दी थी, उनके चरणों में गिरकर और अपना माथा जमीन पर छूकर। उन्होंने अपने भाई शीह और भतीजे चे न के निर्वासन में जने से पहले एकदिन के लिए घर लौटने और अपने परिवारों से विदा ले ने की अनुमति प्राप्त की। शाही सचिवालय से चिया चें ग द्वारा लाया गया सं दे श परिवार में मिश्रित भावनाओं को जगाया, कु छ खु शी से तो कु छ दुख से । राजकु मरी शीह और राजकु मरी चे न अपने पतियों को खोने के गम से बे हाल थीं और अपने अनिश्चित भविष्य के बरे में सोचकर रो रही थीं। पूर्वज अपने बड़े भाई एसओडी और पोते के भाग्य से विशेष रूप से दुखी नहीं थीं, क्योंकि वे उनके दिल के बहुत करीब नहीं थे, लेकिन उन्हें उन दोनों निर्वासितों की आर्थिक मदद करने की इच्छा हुई। उन्होंने चिया चें ग से हल्के-फुल्के अं दाज में कहा, "हमें अपने खजाने से उन्हें कु छ हजार औंस दे दे ने चाहिए ताकि वे उन्हें अपने सथ ले ज सकें ।" जब चिया चें ग ने उन्हें बताया कि खजाना अब खाली है, परिवार कई सालों से अपनी हैसियत से ज़्यदा खर्च कर रहा है, और मं चूरिया की ज़मीन से मिलने वला किराया एक साल पहले ही खर्च हो चु का है, तो वह पू री तरह से हैरान रह गईं। चिया चें ग ने सोचा, शायद उनके पस परिवार के गहने बे चने के अलावा कोई चारा नहीं है ।"तो हम इस हालत में आ गए हैं लगता है, हम सालों से झू ठी शान-शौकत दिखा रहे थे । मैं ने सोचा था कि हमने बहुत सरा पै स बचा रखा है!" पूर्वज ने रोते हुए कहा, "हमने दे श के दूर-दराज के इलाकों में काफी धन निवे श किया हुआ है, लेकिन ज़ब्ती के कारण हम अब उस धन का उपयोग नहीं कर सकते । हाँ, हम सचमु च गरीब हो गए हैं और हमें भविष्य में अपने खर्चों में भरी कटौती करनी होगी, साथ ही अपने

कर्मचारियों की सं ख्य भी कम करनी होगी। भतीजा चिया लियन बु री तरह से प्रबं धन कर रहा है," चिया चें ग ने उदास स्वर में बताया। उसने जनबू झकर इस बत को छिपाए रखा कि पूर्वज की प्रिय फीनिक्स ने अपने गु प्त सहकारी के कारण परिवार के पतन में इतना बड़ा योगदान दिया था। जब पूर्वज अपने दूसरे बे टे के साथ जल्दबाजी में धन जु टाने की तरह-तरह की योजनाओं पर चर्चा कर रही थी, तब तीन अपराधी, 547

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.95% है ।

शीह, चे न औरचिया यु ं ग प्रकट हुए। वे पश्चातापपूर्वक पूर्वज के चरणों मेंगिर पड़े औरलज्जा से भर कर क्षमा मां गनेलगे । यह एक मर्मिक पारिवारिक दृश्य था; पूर्वज की आँ खों में आँ सू आ गए और जल्द ही उनका सारा क्रोध लु प्त हो गय। "अब अपनी पत्नियों के पस जाओ और साथ में बिताए कु छ पलों का भरपू र आनं द उठाओ!" इन शब्दों के सथ उन्होंने अपने बड़े बे टे और पोते को विदा कर दिया। फिर, अपने उदार हृदय से प्रेरित होकर, उन्होंने शीह और चे न महिलाओं और से वरत दासी मं दारिन डक को अपने पस बुलाया और उन्हें अपने खजाने के संदूक खोलने और अपने वै वहिक जीवन में संचित सभी खजाने कोनिकालने का आदे शदिया। उदारतापूर्वक, उन्होंने अपनी सं पत्ति का उचित वितरण किया। उनके बड़े बे टे, चिया शीह को तीन हजार औंस चां दीमिली। उन्हें एक हजार अपनी पत्नी को दे नी थी और बकी दो अपने सथ निर्वासन में ले जनी थी। पोते चे न को भी तीन हजार औंस मिले, लेकिन उन्हें के वल एक हजार अपने उपयोग केलिए रखने की अनु मति दी गई; बाकी के दो हजर उसे अपनी पत्नी के पास छोड़ने पड़े । उसकी पत्नी ने बीमार अवस्था में फीनिक्स को तीन हजार औंस सोना भे ज, लेकिन तथ्यों से अनजन होने के कारण उसने साथ में यह सं दे श भी जोड़ दिया कि फीनिक्स को यह पै स खु द सं भलना है और अपनेफिजूलखर्च पति को इसे मूर्खतापूर्ण तरीके से खर्च करने की अनु मति नहीं दे नी है । चिया लियन को पां च सौ औंस सोना इस शर्त पर मिला कि वह अगले वर्ष ब्लै क जे ड का ताबू त स्वयं उसके पै तृ क नगर यां गचो ले जए और वहां सम्मनजनक अंतिम सं स्कार की व्यवस्था करे । इसके अलावा, उसने स्प्रिंग की शोक दे वी केलिए एक निश्चित राशि अलग रखी, ताकि वह अपनी भावी शादी के लिए दहे ज का इं तजम कर सके । परिवार के विभिन्न पु रुष और महिला सदस्यों के बीच कई आभूषण और औपचारिक वस्त्र बां टे गए। चिया चें ग को सोने की ईंटों के रूप में एक बड़ी राशि मिली, जिससे वह नकदी की मौजू दा कमी को पू रा कर सके औरनिकट भविष्य के घरेलू खर्चों का भु गतन कर सके । पओ यू को व्रलू परिवार को कई हजार औंस सोने और चां दी के आभूषण दिए गए। मै डम चें ग, विधवा चू और उनके बे टे चिया लै न, जो पूर्वज के परपोते थे, को भी खजाने में आनु पतिक हिस्सा दिया गया। अं त में, पूर्वज ने चिया चें ग को कर्मचारियों की सं ख्य कम करने

और सभी अनावश्यक भूमि संपत्तियों के निपटान के संबंध में अतिरिक्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में पर्क ऑफ डिलाइटफुल विजन भी एक अनावश्यक विलासिता है। पूर्व के आरामदेह जीवन- दिखावे और झूठी शान-शौकत के इस जीवन का हमेशा के लिए अंत करना होगा। उन्होंने अब सब कुछ स्पष्ट कर दिया था, और वे अब उनसे किसी भी प्रकार की सहायता की उम्मीद नहीं कर सकते थे। उनकी मृत्यु के बाद जो कुछ भी बचेगा, वह उनकी दासियों और सेविकाओं को मिलेगा। इसलिए परिवार को पश्चाताप करना चाहिए और अपने तौर-तरीकों को सुधारना चाहिए। वे सभी घुटने टेककर, पश्चाताप से भरे और गहरे भावों से व्यकुल होकर, सुधार का संकल्प लिया और श्रद्धापूर्वक पूर्वज के सौ वर्ष तक जीवित रहने की कामना की। 548

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.00% है ।

लेकिन पूर्वज ने घोषणा की कि वह अपने महान पूर्वज की दिवं गत आत्माओं से शीघ्र ही मिलन करने के लिए प्रसन्न होंगी। बीमारी के बिस्तर पर फीनिक्स को सां त्वना दे ने के लिए किया गया उनका दौरा, परिवार पर छाए तू फान की अंतिम शां त गड़गड़ाहट थी, जो अब अं ततः थम गय था। फीनिक्स भय से अपनी सां स रोककर, शर्म से सिर ढककर, बिस्तर के नीचे अपना सिर छिपा लिया जब उसने पूर्वज को आं टी चें ग, पाओ यू और प्रेशियस क्लै स्प के साथ अपने कमरे में प्रवे श करते दे खा। यह जानते हुए कि वह परिवार की आर्थिक बर्बादी का मु ख्य कारण थी, वह निंदा के निर्मम तू फान के लिए तै यार थी। उसे विश्वास था कि पूर्वज की कृ पा हमे शा के लिए खो गई है, और वह शीघ्र मृ त्यु के अलावा कु छ नहीं चहती थी। हालाँकि, जिन निंदाओं की उसे उम्मीद थी, उनके बजाय उसे न के वल सां त्वना भरे शब्द मिले, बल्कि उसे हर तरह के उपयोगी उपहारों के सथ-साथ तीन हजार औंस धन भी दिया गया; यह सब इस तथ्य के कारण सं भव हुआ कि उसके गु प्त धन हे रफे र को पूर्वज की जानकारी से इतनी सवधानी से छिपाकर रखा गया था। क्योंकि उसका मन के वल सां सरिक सं पत्ति और समृद्धि पर ही केंद्रित था, इसलिए उसकी स्थिति में सु धार ने तु रं त उसका उत्साह बढ़ा दिया। उसने बिस्तर पर ही अद्भुत प्रसन्नता और फुर्ती के सथ धन्यवाद का प्रणाम किया और वादा किया कि भविष्य में वह पूर्वज और परिवार के लिए रसोई की नौकरानी की तरह पू री लगन से काम करे गी। अगले दिन चिया शीह और चिया चे न को विदा ले नी पड़ी और निर्वासन की यात्रा पर निकल पड़े । श्री चें ग के कई नौकरों को, उनकी इच्छा के विरुद्ध, उनके सथ जाना पड़ा। विदाई की रस्म हुई और शहर की दीवारों के बहर दस मील दूर स्थित पड़ाव तक निर्धारित सम्मान के सथ ले जया गया। अं त में, श्री चें ग ने परिवार के विदा सदस्यों को कु छ और उपदे श दिए और उनसे आग्रह किया कि वे अपने दे श की से वा में लगन से काम करके अपने पापों का प्रायश्चित करें । फिर वे वपस मु ड़े और पाओ यू और अन्य कनिष्ठों के सथ घर लौट गए। वापस लौटने पर उन्होंने दे खा कि पश्चिमी महल का द्वार पत्रकारों और समाचार खोजकर्ताओं की भीड़ से घिरा हुआ था, जो द्वारपालों से हिंसक रूप से बहस कर रहे थे और शोर मचाते हुए अपने "अच्छी खबर का इनाम" मां ग रहे थे । वे जल्दी में इकट्ठा हुए आए थे तकि सबसे पहले उस शही फरमान

की खबर ला सकें जिसके तहत युंगकु ओ वंश कि रियासती उपाधि, जो राजकु मर शीह द्वारा छीन ली गई थी, बहाल कर चिया चें ग को प्रदन की गई थी। द्वारपालों ने "अच्छी खबर का इनाम" देने से इनकार कर दिया, यह कहते हुएकि यह खबर कोई आश्चर्य की बात नहीं थी, बल्कि स्वाभाविक थी। पत्रकारों ने विरोध करते हुए कहा, "बिल्कुल नहीं। रियासती उपाधि अपने आप में एक अत्यंत दुर्लभ उपहार है।लेकिन हालिया घोटाले के बावजूद, इसे आपके पुराने स्वामी को दिया जाना, एक ऐसा सौभाग्य है जो हज़ार वर्षों में एक बर नहीं होता। निश्चित रूप से हम अपने'अच्छी खबर के इनम' के हकदार हैं!" 549

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल79.13% है ।

चिया चें ग ने मु स्कुराते हुए उनके भू खे पे ट बं द करने आदेशदिया; फिर वह पूर्वज से मिलने गए और उन्हें नवीनतम शु भ समाचार सु नया। उनकी खु शी और गर्व कु छ हद तक इसविचार से कम हो गया कि उनका सौभाग्य उनके बड़े भाई के अपमन का परिणाम था। घटनाओं के इस नवीनतम अनु कूल मोड़ की खबर शहर में ते जी से फैल गई और दे खते ही दे खते सभी अच्छे मित्र और परिचित, चापलू स और मु फ्तखोर,जो आवश्यकता के समय में स्पष्ट रूप से अनु पस्थित थे, अब बड़ी सं ख्य में उपस्थित हो गए। अगले दिन शाही सभा में धन्यवद दे ने के बाद, चिया चें ग के कर्तव्य के प्रति दृढ़ भाव ने उन्हें सम्राट से यह प्रस्तव रखने केलिए प्रेरित किया कि चूंकि वह स्वयं को पश्चिमी महल और रमणीय दर्शन उद्यान के सु ख भोग में और अधिक समय तक रहने के योग्य नहीं समझते, इसलिए वे दोनों को राज्य के अधीन कर दें लेकिन ग्रैं ड से क्रेटेरिएट की सिफारिश पर, स्वर्ग के पु त्र ने उनके त्याग के इस कार्य को सहर्ष अस्वीकार कर दिया। अध्याय 49 लु टे रे कुंग द्वारा छोड़ी गई सं पत्ति को लू टले ते हैं और सु ं दर तपस्वी का अपहरण कर ले ते हैं ।पाओ यू को उसका पत्थर वापस मिल जाता है और वह जग उठता है ।1 इन दिनों की उत्ते जनओं ने पूर्वज के बू ढ़े हृदय को ऐसा आघात पहुँ चया था जिससे उबरन असं भव थ। एक बार फिर उन्होंने नीरस रोजमर्रा की जिंदगी में जन डालने और उसे हल्का करने की कोशिश की और पारिवारिक भोज के द्वारा बीते हुए खु शहाल दिनों की उमं ग को वपस लाने का प्रयास किया। नवविवाहित पोती लिटिल क्लाउड सं योगवश प्रेशियस क्लै स्प के जन्मदिन से कु छ ही समय पहले आ गई थी। उसके सु झव पर, पूर्वज ने चु पके से आसपास की सभी महिला रिश्ते दारों को आमंत्रित किया और प्रेशियस क्लै स्प के जन्मदिन के उपलक्ष्य में उन्हें एक भव्य भोजदिया, जो उनके लिए एक आश्चर्य था। बाहरी तौर पर सब कु छ पहले जै सा ही था, लेकिन पारिवारिक समारोहों में जो उमं ग हुआ करती थी, वह गायब थी। फीनिक्स की मीठी बातें बनवटी लग रही थीं और उनका कोई प्रभाव नहीं था। निर्धन महिलाओं शीह, चे न और हु एह के उदास चे हरे, काले जे ड के बारे में दुखी होकर सोच रही पाओ यू की अन्यमनस्कत, और अपने वै वाहिक जीवन के दुखों को आँ सू बहाते हुए बयं कर रही वसं त ऋतु की दे वी के चे हरे दिख रही पीड़ा - इन सभी चीजों ने उत्सव के माहौल को

पू री तरह सेबिगाड़ दिया। जन्मदिन समारोह के बीच अपने अत्याचारी पति के आदे श पर चलते जते हुए वसं त ऋतु की दे वी ने दुखद भरी आशं काओं से भरी आवज़ में कहा, "शायद यह आखिरी बार होगा जब मैं तु म्हें दे खूँ" कुछ दिनों बाद पूर्वज बीमार पड़ गईं और उनका निधन हो गया। यह खबर कि बे चरी वसं त ऋतु की दे वी, कुचले हुए फूल की तरह, 550 के टूटे दिल से मर गई, बहुत दुखद थी।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 8.96% है ।

जन्मदिन की पार्टी से घर लौटने के कु छ ही समय बाद, उनके दिल की बात उनसे छिपाकर रखी गई थी। पूर्वज 82 वर्ष की परिपक्व आयु को प्राप्त कर चु की थीं और अपने बच्चों और नाती-पोतों से घिरी हुई एक सुं दर, सौम्य मृ त्यु को प्राप्त हुईं। अपने अंतिम क्षणों में भी उन्होंने प्रत्ये क के लिए प्रे म भरे शब्द कहे । आं खें बं द करते समय उनके चे हरे पर मुस्कान थी। उनके निधन पर दूर-दूर तक शोक मनाया गया। चूंकि वह एक शाही पत्नी की दादी थीं, इसलिए सर्वशक्तिमान ने उनके अंतिम सं स्कार के खर्चों के लिए एक हजार औंस की राशि का योगदान दिया और विशेष आदे श द्वारा लोक पू ज मं त्री को उनके सम्मान में एक भव्य राजकीय बलिदान अर्पित करने का निर्देश दिया। अंतिम सं स्कार तक शोक के कठिन सप्ताहों के दौरान आयोजक और मे ज़बान की भूमिका एक बार फिर फीनिक्स को सौंपी गई। भारी मन से उन्होंने इस कठिन कार्य को अपने ऊपर लिया। वह उस दूसरे अवसर के अं तर को अपने मन से नहीं छिपा सकीं, जब उनकी भतीजी को क्लं ग की मृ त्यु पर, उन्होंने राजकु मरी चे न की प्रतिनिधि के रूप में पूर्वी महल में शोक समरोह की दे खरे ख की थी। उस समय वह अपनी शक्ति के चरम पर थी, उसके अधीन सौ से अधिक नौकर थे और वह भरपू र धन का उपयोग कर सकती थी। आज वह बीमार थी, उसके पास के वल इक्कीस पु रुष और उन्नीस महिला नौकर थे, और उसके पास बहुत सीमित साधन थे । इसका अर्थ था हर तरफ से मितव्ययिता बरतना, कं जू सी करना और बचत करना। इसके अलावा, उसकी प्रतिष्ठा धूमिल हो गई थी और वह अपना पूर्व मान कभी पु नः प्राप्त नहीं कर पाई थी। उसकी मितव्ययिता, जो विशु द्ध रूप से आवश्यकता से प्रेरित थी, को परिवार और अन्य शोक सं तप्त लोगों ने पूर्वज के प्रति निष्ठा की कमी के रूप में दे खा, जो निश्चित रूप से अधिक वै भव और शान-शौकत की हकदार थीं, जबकि नौकरों ने उसे कं जू स और अत्याचारी कहकर उसकी निंदा की। पारिवारिक मंदिर में अंतिम सं स्कार जुलू स की पूर्व सं ध्या पर, जब घर मे हमानों से भरा हुआ था और फीनिक्स की हर जगह आवश्यकता थी, तो उसे एक दासी से यह सु नकर पीड़ा हुई कि उसकी सास शीह ने मे हमानों के सामने उसकी निंदा की है और उस पर अपने कर्तव्यों से जी चुराने का आरोप लगाया है । इस मानसिक उत्ते जना और शारीरिक थकावट के कारण वह बे होश हो गई। उन्हें अत्यधिक रक्तस्राव हुआ और बे होशी की

हालत में बिस्तर पर ले टन पड़ा। अगले दिन जब ताबू त कोलौह रेलिंग मंदिर ले जया गया, तब वे मु ख्य समरोहों में भग ले ने में असमर्थ थीं। पूर्वी महल की महिलाएं अंतिम सं स्कार जुलू स में किराए की गाड़ियों में सवर होकर आईं। भला राजकु मरी चे न पहले कै से दसु त से मु स्कुराती थीं जब कोई गरीब रिश्ते दार किराए की गाड़ी में उनसेमिलने आत था! समय सचमु च बदल गया था! अंतिम सं स्कार जुलू स से एकास पहले, दयालु मं दिरिन बत्तख ने अपनी वफादारी और भक्ति का शानदार प्रमाण दे ते हुए स्वयं कोगला घोंटकर अपनी मालकिन की से व में स्वे च्छा से उपस्थित रही।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.27% है ।

पीली जलधारा की अपनी यात्रा में कई वर्षों का समय बिताने के बाद, उसके इस कार्य की सभी ने प्रशं स की। श्री चें ग ने उसके परिवार को सौ औंस चां दी का उपहार दिया और आदे शदिया कि उस उत्तम कन्या को पूर्वज की वास्तविक पोती होने के नाते उचित सम्मान के सथ दफनाया जाए। अगले दिन उसके तबू त को पूर्वज के तबू त के पीछे जुलू स मेंले जया जाना था और परिवार के मंदिर में उसके बगल में रख जाना था। अगली सु बह बहुत जल्दी सौ से अधिक रथों और पालकियों का लं ब अंतिम सं स्कार जुलू सलौह रेलिंग मंदिर के लिए रवाना हुआ। श्री चें ग ने पश्चिमी महल की दे खभल का जिम्मा, जो लगभग नौकरों से रहित था, शोक सं तप्त वसं त और चिया यु न को सौंप था। शोक सं तप्त वसं त बीमार फीनिक्स के स्थन पर महिलाओं के कमरों की दे खभल के लिए जिम्मे दार थी, और चिया यु न ने प्रबं धक लिंग के सथ महल के शेष भाग की जिम्मे दारी ली थी। उस दोपहर, वसं त की शोक दे वी को उनकी प्रिय शतरं ज सथी, सु ं दर साध्वी मियाओ यू सेमिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ, जो अभी भी उद्यान के सबसे दूर कोने मेंस्थित अपने किंगफिशर के पिंजरे में रहती थीं। अपने एकांत में उन्होंने उस स्वागतयोग्य साथी को रात भर अपने पास रखा और भोर तक उनके सथ उत्सु कतपूर्वक शतरं ज खेलती रहीं। सु बह के चौथे घं टे, सुं दर साध्वी अपने पवित्र "ध्यान सत्र" के लिए जाने ही वली थीं, जो कि उनका इस समय करने का नियम था, तभी अचानक बाहर से ज़ोरज़ोर से चीखें सुनाई दीं, "मदद करो! चोरो! लु टेरे!" ये चीखें सबसे पहले महिला पहरे दारों की थीं, जो महिलाओं के कमरे में गश्त कर रही थीं, और तु रं त ही बं द भीतरी द्वार के दूसरी ओर मौजू द पु रुष पहरे दारों ने उन्हें सुन लिया। डरपोक वसं त की शोक दे वी इतनी भयभीत हो गईं कि उनकी साँ सें रुक गईं, लेकिन उनकी बहादुर साथी ने दीपक बु झा दिया और खिड़की की चौखट पर झुककर आँ गन में झाँका, लेकिन तु रं त ही पीछे हट गईं और जितनी जल्दी हो सके खिड़की को फिर से बं द कर दिया। "आं गन में अजनबी आदमी हैं," उसने वसं त के शोक से फु सफुसाते हुए कहा। अब बाहर शोर बढ़ गया, भीतरी द्वार चरमराया, और अने कों आवजें और चीखें पस आती सु नई दे नेलगीं। एक आदमी की बुलं द आवज कोलाहल के बीच गू ं जी और चिल्लाई: "ये लोग कहाँ छिपे हैं? इन्हें रोको इनसे लड़ो!" कु छ बहादुर पहरे दारों के ने तृ त्व,में

एक मजबू तलाठी से लै स, हट्टा-कट्टा पाओ यु ंग दौड़ता हुआ आया। वह नया पार्क चौकीदार था, जिसे हाल ही में भर्ती किया गया था, एक निडर और हट्टा-कट्टा आदमी, जिसे अब तक उसके रूखे व्यवहार के कारण कु छ नापसं द किया जाता था, लेकिन अब उसे अपनी काबिलियत साबित करने का मौका मिलने वाला था। उसके दस्ते के आते ही अजनबी घुसपैठिए छतों पर भाग गए, और लकड़ी की छत की टाइलों की बौछार से ऊपर से पीछा करने वालों को रोकने की कोशिश की। लेकिन बहादुर पाओ यु ंग उनका पीछा करते हुए छतों पर चढ़ गया और अपनी लाठी से उन पर भयं कर प्रहार किए।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.00% है ।

लाठी ले कर वे भागे और दीवर फां दकर तु रं त गायब हो गए। जब नौकरों ने मशल और लालटे न की रोशनी में यु द्धक्षे त्र का निरीक्षण किया, तो उन्होंने पूर्वज के सु नसान निवास में दरवजे और अलमारियाँ जबरदस्ती खोली हुई और सं दूक लू टे हुए पाए; आं गन में उन्हें एक व्यक्ति का शव मिला जिसे पओ यु ं ग की लाठी से मरा गया था। उन्होंने उसकी पहचन पूर्वी महल के मु ख्य प्रबं धक चउ जु ई के दत्तक पु त्र, होउ सान नामक एक पूर्व नौकर के रूप में की। इस होउ सान को पिछले वर्ष उसके स्वमी, राजकु मर चे न ने एक मामूली अपराध के कारण कोड़े मरकर घर से निकाल दिया था। तब से वह जु आ खेलने लगा था और बु रे लोगों की सं गति में पड़ गय था। पूर्वज की मृ त्यु की खबर सु नकर वह शोक की अवधि के दौरान अतिरिक्त सहायता के रूप में काम पर रखे जने की आश में कई दिनों तक पश्चिमी महल के द्वार पर मं डराता रहा, लेकिन उसे नजरअं दाज कर दिया गया। वह अपने नियमित जु आघर लौट आया और अपने मित्रों के बीच अपने पूर्व स्वामियों के प्रति अपना क्रोध खुलकर व्यक्त किया। उसने यूं ही कहा कि उसने अपनी पलक माँ से सुना था कि पूर्वज की मृ त्यु के समय वह बिल्कुल भी निर्धन नहीं थी; उसने अपने खजाने को उदारतापूर्वक बाँ टा था, लेकिन यह सब कु छ नहीं थ; वास्तव में वह सोने-चाँ दी से भरे अपने सं दूक द और बक्से छोड़ गई थी। इस पर होउ सन के सथियों ने उसे मूर्ख न बनने और इस अवसर का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। चूंकि उसे स्वमियों की मे ज से बचे खु चे टु कड़ों को शालीनता और सम्मान के सथ बाँ टने से रोका गया था, इसलिए उसे अपन हिस्सा स्वयं ले ले न चाहिए। उसके दोस्तों ने होउ सन का परिचय कु छ सहसी लोगों से कराया, जो राजधानी में मौजू द एक शक्तिशाली समुद्री डाकु ओं के गिरोह के सदस्य थे । होउ सान को उन्हें उस स्थन के अपने ज्ञान का लाभ दे न था और उन्हें दीवरों और छतों के ऊपर से पूर्वज के घर तक ले जना था। डकै ती के लिए अंतिम सं स्कार का दिन सबसे उपयुक्त चु न गया। पश्चिमी महल में लगभग कोई पु रुष नहीं होगा। वहाँ मौजू द कु छ महिलाओं के सथ उनका काम आसान होगा। काम पू रा होने पर वे राजधानी छोड़कर पूर्वी सागर के तट पर समुद्री डाकु ओं के गु प्त ठिकानों में सु रक्षा की तलाश में निकल पड़ते । हमला रात के अं धे रे में किया गया। पूर्वज के लू टे हुए सोने-चां दी के खजाने को दीवर के

ऊपर से ले जकर इं तज़र कर रही गाड़ियों पर लाद दिया गया था, तभी कु छ डकु ओं ने महल के पश्चिमी हिस्से के एक कमरे में रोशनी दे खी। वहाँ बसं त की शोक दे वी अपनी सहेली के सथ शतरं ज खेल रही थी। दोनों लड़कियों को, विशेषकर उस लड़की को, जिसने नन का वस्त्र पहना हुआ था, फिर भी उसके घने बाल दिखाई दे रहे थे, दे खकर लु टे रों की कामु क इच्छाएँ भड़क उठीं। वे रोशनी से जगमगाते कमरे की ओर रें गते हुए गए, यह सोचकर कि दोनों यु वतियों को अप्रत्याशित लू ट समझकर ले जएँ गे, लेकिन मजबू त पओ यु ं ग 553

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.01% है ।

समय रहते उनके इरादों को नाकाम कर दिया और उन्हें छतों के ऊपर से भगदिया। लेकिन लु टे रों की इच्छाएं अब पू री तरह से जागृ त हो चु की थीं, खासकर गिरोह का सरगना नन के वे श में सुं दर लड़की की मोहक छवि को अपने दिमाग से निकाल ही नहीं पा रहा था। अगले दिन जब वे लू ट का माल बां ट रहे थे औरामने की आगे की योजनाओं पर चर्चा कर रहे थे, तो उसने अपने साथियों से कहा, "काश मु झे पता होता कि वह किस मठ की है!" गिरोह के एक सदस्य ने उसे बताया, "वह शायद पार्क के नीचेस्थित किंगफिशर के ज वली नन है । दो सल पहले उसके बारे में बहुत चर्चा हुई थी जब वह ध्यान करते समय अचनक राक्षसों के वश में आ गई थी। कहा जाता है कि महल के किसी यु वक से अचानक हुई मुलाकात - लड़के का नाम पाओ यू य कु छ ऐस ही था - के कारण रात में प्रलोभन के शै तान ने उसके कुंरेवशरीर पर कब्ज कर लिया था।" "आहा, तो यही है!" सरगना ने स्वदिष्ट फल की उम्मीद में अपने होंठ चाटते हुए कहा। "मैं उसे आज रात ले जाऊँ गी मु झे एक गाड़ी और दो आदमियों की ज़रूरत होगी। तु म सब आगे जाओ! हम कल सु बह शहर की दीवारों के बहर बीस मील की पहाड़ी पर मिलें गे "। रात के चौथे पहर का समय था। पार्क में घन अं धेरा छाया हुआ था। किंगफिशर के पिंजरे की के वल एक खिड़की से एक वे दी के दीपक की हल्की लालिमा झलक रही थी। सुं दरमियाओ यू अपने गोल प्रार्थना-तकिया पर बै ठी थीं, पै र मोड़े हुए, कल की घटनाओं से विचलित अपने मन को शं त करने और अपनी आत्मा को पवित्र ध्यान में लगाने का प्रयास कर रही थीं। आज रात, हमे श की तरह, उन्होंने प्रर्थना के दौरान अपने किसी भी नौकर को अपने पस नहीं आने दिया। उनकी तीनों दासियाँ बहुत पहले ही सो चु की थीं। उन्हें पवित्र ध्यान में लीन हुए लगभग तीन घं टे हो चु के, तभी उन्हें सु बह की ठं डक सेहल्की सी कं पकं पी महसू स हुई। वहर्माचाय का कटोरा मं गवने ही वली थीं कि खिड़की के बहर कदमों की आहट सु नई दी। भयभीत होकर उसने अपनी नौकरानियों को पु कारा, लेकिन बगल के कमरे से कोई जवाब नहीं आया। अचानक उसे एक तेज़, मदहोश कर दे ने वाली गं ध महसू स हुई। वह एक अजीब से भरी सु न्नपन सेघिर गई जिससे वह अकड़ गई, मानो लकड़ी और भां ग से बनी कोई जोड़दार गुड़िया हो। वह हिल नहीं पा रही थी, उसके होंठों से कोई आवाज़ नहीं निकल रही थी;

मानो उसकी आँ खों के सामने एक पर्दा तै र रहा हो। लेकिन उस पर्दे के पर भी वह एक आदमी को खिड़की से अं दर आते हुए दे ख सकी। वे दी के दीपक प्रतिबिंब में उसने उसके दाहिने हाथ में चमकता हुआ खं जर दे खा। अब उसने ब्ले ड को अपनी बे ल्ट में डाला, फिर ऊपर आया और उसकी ओर हाथ फैलाए। अपनी अर्धचे तन अवस्थ में, खु द को बचाव करने में असमर्थ, उसे उसे अपनी मनमानी करने दे नी पड़ी। अब उसने महसूस किया कि उसे खिड़की से उठाकर आँ गन से होते हुए पार्क की दीवार तक ले जया जा रहा है । वे554

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.68% है ।

उसे रस्सी की सीढ़ी से दीवार के ऊपर से उतारा गया। फिर उसे एक गड़ी में धकेल दिया गया। गाड़ी को शहर के पूर्वी द्वार की ओर ते ज़ी से दौड़ाया गया। सु बह ढोल बजने का समय था और शहर के द्वार अभी-अभी खुले थे। द्वारपाल पहले तो खिड़कियों पर पर्दे लगी गाड़ी को इतनी जल्दी इतनी ते ज़ी से जाते दे खकर हैरान रह गए। लेकिन जब उन्होंने चलक की सीट के पस रखे दो लालटे न पर बड़े अक्षरों में "द्वार खोलो! अस्तबल खोलो!" लिखा दे ख, तो उन्हें तसल्ली हुई। उन्होंने सोच कि कोई सं दे शवाहक है और बिना कोई सवाल किए गाड़ी को अं दर जने दिया। किंगफिशर के ज में रहने वाली तीनों नौकरानियाँ उस सु बह सामान्य से दे र से उठीं। उन्हें अपने सिर में एक अजीब सी सु न्नत महसू स हो रही थी और उनके कमरे में कोयले की गै स की ते ज़ गं ध आ रही थी। उनमें से सबसे छोटी, जो अपनी मालकिन के प्रर्थना कक्ष के पस सो रही थी, उसे सु बह लगभग पाँ च बजे अपनी मालकिन की आवाज़ और बाद में दस्तक की आवाज़ अच्छी तरह याद थी। वह उठकर जाने ही वली थी कि उसके हाथ-पै र हिलने से इनकार कर गए और वह तु रं त फिर से सो गई। आशं काओं से भरे हुए वे प्रार्थना कक्ष में गए। वह खली था। खिड़की खुली हुई थी। अन्य कमरों में भी सु ं दरी मियाओ यू का कोई निशान नहीं मिला। पार्क की दीवार के पस आं गन के एक कोने में उन्हें एक रस्सी की सीढ़ी मिली, और नीचे, सीढ़ी से थोड़ी दूर, एक खं जर की म्यन और एक जला हुआ अं गीठी मिली। उन्हें अब भी थोड़ी सी उम्मीद थी कि वे लापता लड़की को उसकी सहेली, वसं त की शोक दे वी के साथ पा लें गे लेकिन पश्चिमी महल में भी उन्हें उसके ठिकाने का कोई पता नहीं था। अब इसमें कोई सं दे ह नहीं था, भोर में लु टे रे आए, थे किंगफिशर के पिंजरे के निवासियों को जहरीली गै सों से बे होश कर दिया था, और सु ं दर सं त का अपहरण कर लिया था! बे चरी मियाओ यू! उसने अपन जीवन पवित्रता और शु द्धता के लिए समर्पित कर दिया था और अब उसे इस अन्यय का सामना करना पड़ रहा था। और इससे भी बु री बात यह थी कि यह घिनौनी अफवाह चारों ओर फैल गई कि उसने लु टे रों के साथ मिलीभगत की थी और शारीरिक इच्छाओं से प्रेरित होकर स्वे च्छा से उन्हें उसका अपहरण करने दिया था। बाद में उसके साथ क्या हुआ—क्या उसने अपने भाग्य को स्वीकार कर लिया या शर्म से बचने के लिए स्वे च्छा से मृ त्यु को चुना—यह

रहस्य ही बना रहा। पाओ यू और वसंत की शोक देवी अपनी खोई हुई सखी के लिए फूट-फूटकर रोईं। वे मियाओ यू की कितनी प्रशंसा करती थीं और यहाँ तक कि उससे ईर्ष्या भी करती थीं, जो समाज की उबाऊ सीमाओं और रीति-रिवाजों से परे अपना स्वतंत्र जीवन जीने में सक्षम थी। वसंत की शोक देवी अपने दिल के सबसे करीब एक इंसान के खोने से व्याकुल थी। उसने हमेशा उसे एक नेता और आदर्श के रूप में देखा था, और बहुत पहले ही उसने मन बना लिया था कि वह भी उसी की तरह संसार का त्याग करेगी। उसने अपने रिश्तेदारों के बारे में सोचा। क्या उनमें से कोई ऐसा था जो प्रेम और विवाह में सुखी रहा हो? फीनिक्स, यू बहनें, ब्लैक जेड, प्रीटिंग 555

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.16% है ।

बसं त ऋतु की सभी महिलाओं को परं पराओं और समाज के दायित्वों के आगे बलिदान कर दिया गया था। यह सच था कि छोटी बादल को एक दयालु पति मिला था, लेकिन वह तपेदिक का रोगी था और उसकी शीघ्र मृ त्युनिश्चित थी। बसं त ऋतु का स्वाद भी भाग्यशाली प्रतीत होता था, लेकिन उसे अपने परिवार से दूर, सु दूर इलाकों में जना पड़ा था और वह घर की याद में व्यकुल थी। बसं त ऋतु का शोक जहाँ भी दे खता, उसे के वल निराशा और भय के क्षण हीदिखाई दे ते थे । वह एक पारं परिक विवाह की अभागी शिकार बनने से डरती थी। नहीं,वह अपनी सहेली मियाओ यू की तरह स्वतं त्र रहन चाहती थी, जो अपनी मर्ज़ी से चलती थी और जं गली हं सों की तरह बदलों के ऊपर उड़ सकती थी। अब परसों, अंतिम सं स्कार के दिन, यह विपत्ति घर पर आ पड़ी थी। पहली बार जब उसे कोईज़िम्मे दारी सौंपी गई थी, तभी यह दुखद विपत्ति उस पर आ पड़ी! उसकी प्रतिष्ठा धूमिल हो गई थी; उसने घरेलू कर्तव्यों को निभाने में अपनी अक्षमतासाबित कर दी थी। इस दुखद अनु भव ने संसार को त्यागने के उसकेविचार को और भी पु ख्ता कर दिया। अचानक दृढ़ निश्चय करके, उसने अकेले में कैं ची उठाई और अपने आधे बाल काट चु की थीकि तभी उसकी नौकरानी अं दर आई और उसे जबरदस्ती रोकदिया। नौकरानी के सथ किंगफिशर के ज की एक नौकरानी भी थी, जो उस सु ं दर सखी के लापता होने की खबरले कर आई थी। घबराहट में, वसं त की शोक दे वी ने कैं ची छीनने दी और अपने बचे हुए आधेबालोंको सामान्य सां सरिक तरीके से संवारने की अनु मति दे दी।लेकिन जिस सहेली की वह प्रशं स करती थी, उसके दुखद अं त ने भी उसके सं कल्प को नहीं डिगाया। उसने ठान लिया था कि अगले अवसर पर वह अपने बचे हुएबाल भी काट दे गी और एक मठ में प्रवे श करे गी।लेकिन नौकरानी के समझने पर वह अपन निर्णय ले ने से पहले कु छ समय रुकने केलिए सहमत हो गई, जब तक कि हाल की हलचल के बद घर में कु छ शांति न लौट आए। लेकिन पूर्वज और मं दारिन बत्तख को अभी-अभी पारिवारिक मंदिर ले जया ही गया था और रात में हुई चोरी औरमियाओ यू के अपहरण कोलेकर मची हलचल अभी शां त भी नहीं हुई थीकि घर में एक और मौत सेफिर से अफरा-तफरी मच गई। फीनिक्स, जो लं बे समय से शारीरिक रूप से बीमार और अं तरात्मा की पीड़ा तथा अपनी प्रतिष्ठा खोने और पूर्व पद खो दे ने कीनिराशाजनक

भावना से मनसिक रूप से क्षीण थी, पूर्वज की अंतिम यात्रा के कुछ दिनों बाद ही चल बसी। तीस वर्ष की कम उम्र में ही उसकी मृत्यु हो गई। वृद्धा जो कभी घर की आत्मा और दिल थी, घर की शक्तिशाली मुखिया थी, उस पतन के बद से, जिसके लिए वह जिम्मेदार थी, खुद को और अधिक अलग-थलग और उपेक्षित महसूस कर रही थी। केवल अच्छी छोटी पिंग ही अंत तक उसके प्रति वफादार रही। जब रिश्तेदार लोहे की रेलिंग वाले मंदिर में तीनदिन बिताने के बाद घर लौटे, तो उन्होंने व्यक्तिगत रूप से 556 का भुगतन करना भी आवश्यक नहीं समझा।

惜春

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.14% है ।

उनकी बीमारी के दौरान, वे उनसे मिलने तो आए, लेकिन नौकरानियों के मध्यम से उनका हालचाल पू छकर ही संतुष्ट रहे । इस निर्दयता ने ही उन्हें अंतिम आघात पहुँचाया। अपने अंतिम क्षणों में वे भयानक सपनों से व्याकुल रहीं। एक बार उन्हें दूसरे यू ने छुआ; दूसरी बार चिन यो और उनके मं गे तर की आत्माएँ अतीत से निंदा और चे तवनी भरे लहजे में प्रकट हुईं वे दो यु वक जिन्हें उन्होंने लालच के कारण उनके जीवन के सु ख से वंचित कर दिया था और जलमयी चंद्र मंदिर की मठाधिपिका के उकसावे पर आत्महत्य करने के लिए विवश कर दिया था। उन्होंने भ्रमित अवस्था में अंतिम साँ सली। आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण, चिया लियन के वल एक दयनीय अंतिम सं स्कार ही कर पाईं, और यदि वफादार छोटी पिंग ने हस्तक्षे प न किया होता और अपनी निजी बचत उसके लिए न दी होती, तो यह और भी दयनीय होता। वसं त की पीड़ा ने पओ यू से अपने मन की बात कही और उनमें एक आत्मीय सथी पाया। उन्हें ऐस नहीं लगता था कि वे गृहिणी बनने के लिए बनी हैं, और उन्हें ऐस नहीं लगता था कि वे अधिकारी बनने के लिए बने हैं दोनों ही व्यावहारिक जीवन के लिए खु द को अयोग्य समझते थे । सांसारिक एकां त के मठ की दो ननों ने, जिन्होंने पूर्वज के लिए आयोजित शोक सभा में भग लिया था और पश्चिमी महल के महिला कक्षों के भ्रमण के दौरान वसं त की शोक दे वी से भी मुलाकात की थी, उनके पवित्र निर्णय को और भी पु ख्ता किया। धर्मपरायण आत्माओं को आकर्षित करने वली इन ननों का घर की चौथी यु वती के साथ काम आसान था और उन्हें ज्यदा शब्दों की जरूरत नहीं पड़ी। वसं त की शोक दे वी ने अपने के शविन्यास को खोल दिया और मु स्कुराते हुए अपने मुं डे हुए सिर का आधा हिस्सा उन्हें अपने निर्णय के प्रत्यक्ष प्रमण के रूप में दिखाया। अब से उन्होंने उपवास करना और गु प्त रूप से आत्म सं यम बरतन शु रु कर दिया। कु छ दिनों बाद जब उन्हें बतया गया कि उनका विवाह कियां ग नन के चे न परिवार के पु त्र से तय किया जा रहा है, जो चिया परिवार के लं बे समय से मित्र थे और हाल ही में राजधानी में आए थे, तो उन्होंने स्पष्ट रूप से घोषणा कर दी कि वे विवाह नहीं करना चाहतीं। उसने कहा कि उसे वसं त ऋतु की अभिवादन के समन भाग्य का सामना करने का डर है, और उसने अविवाहित रहने और अपन जीवन पवित्रता के लिए समर्पित करने का दृढ़ सं कल्प लिया है ।

परिवार में तीखी बहस हुई। श्री चेंग ने गुस्से में पैर पटके और कहा कि यह आखिरी हद है। परिवार पहले से ही एक पतित पुत्र से बोझिल है, और उन्हें एक पतित पुत्री की भी आवश्यकता नहीं है। और यदि वसंत ऋतु की शोक अपनी अवज्ञा पर अड़ी रही, तो वह उसे परिवार का हिस्सा नहीं मानेंगे। उन्होंने उसे सभी ओर से बहलाने की कोशिश की और उसके अजीब विचारों को बदलने का प्रयास किया। लेकिन वसंत ऋतु की शोक अपनी बात पर अड़ी रही और धमकी दी कि अगर वे उसे अपनी बात नहीं मानने देंगे तो वह आत्महत्या कर लेगी। इसके अलावा, उसने कहा कि वह तुरंत किसी मठ में प्रवेश करने का अनुरोध नहीं कर रही है; वह केवल किंगफिशर के पिंजरे में शांति से रहना चाहती है और अपनी आदर्श, मियाओ यू का अनुकरण करन चाहती है। तब वह558 नहीं होगी।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.75% है ।

पू री तरह से दुनिया से अलग-थलग, और वे समय-समय पर एक-दूसरे से मिल सकते थे और वह परिवार के संपर्क में रह सकती थी। कम से कम उन्हें उसे फिलहाल किंगफिशर के पिंजरे में रहने देना चाहिए और अंतिम निर्णय उसके भाई चेन पर छोड़ देना चाहिए जब वह अपने निर्वासन से लौटेगा। अन्यथा, वे उसके परिवार के मुखिया को नाराज़ कर सकते हैं और खुद पर उसे आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लग सकता है - एक तर्क जो बहुत अनुचित नहीं लगता था। वसंत के शोक की समस्या अभी हल नहीं हुई थी कि सबका ध्यान एक और घरेलू संकट की ओर चला गया। पाओ यू को अपनी पुरानी परेशानी फिर से सताने लगी। काले जेड का ख्याल अब भी उसे परेशान कर रहा था, और परिवार पर आए भाग्य के लगातार आघातों ने उसे इस क्षणभंगुर जीवन की निरर्थकता और व्यर्थता के प्रति और अधिक सचेत कर दिया था। उसके आँसू सूख चुके थे, वह थक गया था; उसका दिल आराम के लिए तरस रहा था, इन सौ परस्पर विरोधी मानवीय भावनाओं की पीड़ा से मुक्ति के लिए। काश उसे कुछ महसूस न करना पड़ता! काश वह लकड़ी या पत्थर का बना होता। वह चुआंग त्ज़ु के नास्तिक, तपस्वी विचारों की दुनिया में और भी गहराई से डूबता चला गया। ऊपर से, उसके पिता ने हाल ही में घोषणा की थी कि वे उसे गद्य रचना कला में अपनी प्रगति दिखाने का एक और अवसर देंगे। यदि उसकी उपलब्धि उसके सौतेले भाई चिया हुआन या भतीजे चिया लैन से कमतर साबित हुई, तो उसे कड़ी सजा देने की धमकी दी गई थी। इस बीच, उसे लगन से पढ़ाई और तैयारी करनी चाहिए! श्री चेंग ने पूर्वज के शोक के कारण लंबी छुट्टी ली थी, और घर पर अपने खाली समय में वे एक बार फिर, बहुत लंबे समय बाद, तीनों कनिष्ठों की शिक्षा पर गंभीरता से ध्यान दे रहे थे। पाओ यू को अपने पिता द्वारा ली जाने वाली परीक्षा एक भूत की तरह दिखाई दे रही थी, और उससे भी दूर आने वाली राजकीय परीक्षा का और भी भयानक डर सता रहा था। इस प्रकार, उसका बचपन का सपना जल्द ही खत्म हो जाएगा! क्या विचारों के कठोर टकरावों, उबाऊ पद-प्राप्ति की खोज, तुच्छ पद चाहने की इस घृणित पुरुष प्रधान दुनिया - नीरस सामान्य ज्ञान और पारंपरिक नैतिकता की इस पूरी तरह से घृणित दुनिया - सचमुच उसकी दुनिया बनने वाली थी? उसका पूरा स्वभाव इससे विमुख हो गया। पिछले कुछ हफ्तों के मासिक

आघातों से अभी भी थका हुआ, वह इस बार अपने पिता के आदे श का पालन करने के लिए पर्याप्त शक्ति जु टाने में असमर्थ था। उसकी इच्छाशक्ति कमजोर पड़ गई, वह टूट गया और पू री तरह से सु स्ती की स्थिति में आ गया। और जल्द ही पश्चिमी महल के हर कमरे में यह चिंताजनक खबर फैल गई: पाओ यू को फिर से अपनी पुरानी बु री बीमारी हो गई है! कई दिनों तक कु छ न खाने के बाद पारिवारिक चिकित्सक को बुलाया गया। डॉक्टर ने सं दे ह से सिर हिलाया। उन्होंने कहा कि इस बार दवा से उसे कोई फायदा नहीं होगा; वह स्पष्ट रूप से अपने अं त के करीब है, और उन्हें उसके अंतिम समय के लिए समय पर तै यारी करनी चाहिए। निराशा और शायद राहत की एक आह के साथ, श्री चें ग559

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 8.99% है ।

अपने भतीजे चिया लियन को अपने अभगे बे टे के लिए ताबू त मं गाने का आदे श दिया। चिया लियन ताबू त बनने वले को बुलाने के लिए नौकरों को ढूं ढने ही जा रहा था कि तभी एक द्वारपाल हां फत हुआ अं दर आय। "वह बू ढ़ा, भू ख और आवारा फिर से बहर है, अच्छे दामों पर एक गहना बे चन चाहता है!" उसने हां फते हुए बताया। "वह क्या चाहता है?" चिया लियन ने रूखे पन से पू छा। "वह एक कीमती पत्थर बे चन चाहता है," द्वारपाल ने दोहराया। "वह एक घु मं तू भिक्षु जै सा दिखता है । उसके हाथ में एक कीमती पत्थर है और वह दावा करता है कि यह यु व गु रु पाओ यू का खोया हुआ पत्थर है । वह इसके लिए दस हजार चां दी के सिक्के चहता है ।" "मु झे इस बकवास से परे शन मत करो!" चिया लियन ने द्वारपाल पर झल्लाते हुए कहा। "एक बार पहले भी हम ऐसे ही एक धोखे बज के झां से में आ चु के, जिसने हमें नकली पत्थर खरीदने के लिए बहकाया था। वै से भी, अब बहुत दे र हो चु की है । चचे रे भाई पाओ यू अपनी अखिरी सां सें ले रहे हैं"।"मैं ने उसे यह भी बताया। लेकिन वह आदमी ना सु नने को तैयार नहीं। वह अड़ा हुआ है कि हमें बस पै से दे ने हैं और हमारे यु वा स्वामी तु रं त ठीक हो जाएं गे "। जब वे बत कर रहे थे, तभी दूर से कई आवज़ें और पु कारें सु नई दीं, जो ते ज़ी से पास आती जा रही थीं। चिया लियन ने "बे शर्म भिक्षु!", "घु सपैठिया!" और "इस आदमी को रोको!" जै से शब्द सु ने । वह अजनबी को भगाने के लिए गु स्से में आदे श दे ने ही वाला था कि तभी उसने पस ही से श्री चें ग के अध्ययन कक्ष की खिड़की से चिल्लाते हुए सु ना: "आओ, पै से दो पै से दो एक इं सन की जान के बदले दस हज़ार बाटज़!" श्री चें ग भी उस अजीब भिक्षु के शोर और चिल्लाहट से अवगत हो गए थे । उन्हें याद आया कि कई साल पहले, जब पाओ यू बहुत बीमर थे, तो ऐसे ही दो अजीब भिक्षु प्रकट हुए थे और उन्होंने उन्हें ठीक कर दिया था। क्या यह सं भव थ कि वह अजनबी सचमु च उनके लिए असली पत्थर वापस ला रहा हो? काश उन्हें पत होता कि वह भिक्षु द्वारा माँ गी ज रही इतनी बड़ी रकम तु रं त कहाँ से प्राप्त कर सकते हैं उसने सोच कि वह एक बार कोशिश करके दे ख ले । सफलता मिलने पर कोई न कोई रास्ता तो निकालना ही पड़े ग। श्री चें ग ने उस अजनबी को विनम्रतापूर्वक अपने अध्ययन कक्ष में आने का निमं त्रण दिया। लेकिन निमं त्रण पर ध्यन दिए बिना, वह अजनबी सीधे अं दर के कमरों की ओर भागा, उस कमरे की

ओर जहाँ पओ यू बीमर पड़ा था। चिया लियन और नौकरों ने उसका रास्ता रोकने की व्यर्थ कोशिश की। "अरे, कहाँ ज रहे हो तू जंगली प्राणी? वह तो महिलाओं के कमरे का रास्ता है!" चिया लियन ने उसे पुकारा। "मुझे मत रोको! अगर तुमने रोका तो मेरी मदद बहुत देर से आएगी!" अजनबी ने उत्तर दिया, और मानो जादू से उसने उसका विरोध कर रही भीड़ को तितर-बितर कर दिया। भीड़ चिल्लाते हुए उसके पीछे भागी; लेकिन अब अजनबी बीमार के कमरे तक पहुँच गया था। पाओ यू के कमरे के चारों ओर जमा हुई महिलाओं ने...

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 48.53% है।

बिस्तर पर बैठीं रोती हुई महिलाएं— मैडम चेंग, प्रेशियस क्लैस्प, पर्ल और अन्य— खुद को छिपाने का समय भी नहीं पा सकीं, क्योंकि अचानक ही एक अनचाहा मेहमान आ गया। चौंककर वे बस एक कदम पीछे हट गईं और गंदी भिक्षु की टोपी पहने उस बड़े गंजे आदमी के अजीब से रूप को मानो सम्मोहित होकर देखती रहीं। बिना किसी औपचारिकता या अभिवादन के वह पाओ यू के बिस्तर तक गया। "आदरणीय संरक्षकों और बुद्ध के बच्चों, मैं आपके लिए खोया हुआ पत्थर वापस लाया हूँ!" ये कहते हुए उसने एक चमकता हुआ जेड पत्थर निकाला। उसने उसे सबके देखने के लिए हवा में उठाया और आगे कहा: "और अब, जल्दी करो! पैसे निकालो, ताकि उसकी जान बचाने का काम पूरा हो सके!" "पहले उसे बचा लिया जाए, फिर पैसे मिलेंगे," उन्होंने चिल्लाकर जवाब दिया। "नहीं, पहले पैसे!" उसने जोर देकर कहा। क्या वह उनके विश्वास और आत्म-बलिदान की परीक्षा लेना चाहता था? “चिंता मत करो! चाहे कुछ भी हो जाए, तुम्हें तुम्हारे पैसे मिल जाएगा, चाहे हमें अपनी सारी संपत्ति बेचनी या गिरवी रखनी पड़े!” मैडम चेंग ने कहा, जिससे उनके सच्चे मातृत्व का भाव झलक रहा था। भिक्षु ज़ोर से हँसे और बीमार लड़के के कान के पास झुककर बोले, “पाओ यू! पाओ यू! तुम्हारा पत्थर वापस आ गया है!” उन्होंने फुसफुसाते हुए कहा। आस-पास खड़े लोग उत्सुकता से उनके शब्दों का असर देखने लगे; और वास्तव में पाओ यू ने धीरे-धीरे अपनी आँखें खोलीं। “वह ठीक हो गया!” पर्ल ने खुशी से कहा। “पत्थर कहाँ है?” उन्होंने पाओ यू को पूछते हुए सुना। भिक्षु ने पत्थर उसके हाथ में थमा दिया। पाओ यू ने उसे कुछ देर तक कसकर पकड़े रखा, मानो उसे डर हो कि वह फिर से उससे छूट जाएगा। फिर धीरे-धीरे उसने अपनी पकड़ ढीली की और ध्यान से देखने के लिए पत्थर को अपनी आँखों के सामने हवा में उठाया। “आह, हम कितने समय से अलग थे!” उसने आह भरी। “बुद्ध का धन्यवाद!” उन सभी ने, यहाँ तक कि प्रेशियस क्लैस्प ने भी, अजनबी की निकटता को भुला दिया और पाओ यू के बिस्तर के चारों ओर जमा हो गए। इसमें कोई संदेह नहीं था, वह ठीक हो गया था। चिया लियन यह खुशखबरी श्री चेंग को देने दौड़ा, भिक्षु उसके साथ गया। श्री चेंग ने घुटनों के बल बैठकर उसका धन्यवाद किया, विनम्रतापूर्वक उसे बैठने के लिए कहा और उससे कई औपचारिक प्रश्न पूछे- गुरु ने अपनी

कीमती प्रार्थना चटाई कहाँ रखी थी, उसका नाम क्या था, इत्यादि। वह यह भी जानना चाहता था कि उसे वह कीमती पत्थर कहाँ मिला था, और यह कैसे हुआ कि उसका घिनौना छोटा बेटा पत्थर देखते ही लगभग ठीक हो गया। "यह भी मुझे नहीं पता," अजनबी अतिथि ने मुस्कुराते हुए उत्तर दिया। "मुझे अपने दस हजार बैग चाहिए, बस इतना ही!" कितना असभ्य, नीच व्यवहार! श्री चेंग ने मन ही मन सोचा, लेकिन वह एक अभद्र उत्तर देकर उस अज्ञात उपकारक को नाराज नहीं करना चाहता था। (56)

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.27% है ।

“पै स लाकर दिया जाएगा,” उसने बस इतन ही कहा। “तो जल्दी लाओ! मु झे अभी जाना है!” उस आदमी ने ज़ोर दे कर कहा। श्री चें ग ने उससे थोड़ी दे र रुकने का अनु रोध किया। वह जाकर पै से इकट्ठा करने का इं तज़ाम करें गे ।“ जल्दी करो और पै सा आना मत भूलना!” अजनबी ने उपहास भरे लहजे में पीछे से आवाज़ लगाई। श्री चें ग जल्दी से अं दर के कमरों में चले गए जहाँ औरतें अभी भी पाओ यू के चारों ओर जमा थीं। “ये रहा!” कहते हुए पाओ यू ने मु स्कुराते हुए उन्हें पत्थर थमा दिया। श्री चें ग ने उसे ज़्यादा दे र तक दे खने का समय नहीं दिया। “लड़का ठीक तो लग रहा है । लेकिन हम पै से कै से इकट्ठा करें गे ?” उन्होंने शर्मिंदा होकर अपनी पत्नी की ओर मु ड़कर कहा। “मैं अपनी सारी सं पत्ति दे दूं गी। उससे मिलने वली रकम से सरा पै स वसूल हो जाएगा,” पाओ यू की माँ ने एक बार फिर उदारता से कहा। “मु झे नहीं लगता कि उसे कोई पै सा चाहिए,” पाओ यू ने कहा। “लेकिन उसने बर-बार ज़ोर-ज़ोर से पै से माँगे । अजीब, बहुत अजीब!” श्री चें ग ने सिर हिलाते हुए कहा, "हाँ ।" और वे महल के अगले हिस्से में लौट गए ताकि अजनबी से पै सों के मु द्दे पर खुलकर बात कर सकें । इसी बीच पाओ यू ने खाना-पीना माँ ग। उसे इतनी भू ख लगी थी कि उसकी माँ को उसे रोकना पड़ा, क्योंकि उन्हें डर थ कि वह ज़्यादा न खा ले ।"डरने की कोई बत नहीं! मैं बिल्कुल ठीक हूँ!" उसने खु शी से कहा और एक और हिस्सा ले लिया। खाना खाने के बाद वह उठने लायक महसू स कर रहा था। जब नौकरानी मस्क उसे उठने में मदद कर रही थी, तो उसकी से हत में सु धार दे खकर खु शी से उसने कहा,"अब तु म्हें आखिरकार अपने पत्थर की चमत्कारी शक्ति पर विश्वास हो गया है ।" "कितनी अच्छी बात है कि तु म इसे तोड़ने और नष्ट करने में सफल नहीं हुए!" उसने ये बात बड़ी बे परवही से कही थी। उसके शब्दों का अप्रत्याशित प्रभाव हुआ। उसका रं ग अचनक बदल गया, उसने पत्थर गिरा दिया और मानो बे जन होकर पीछे गिर पड़ा। चारों ओर अफरा-तफरी मच गई। मस्क ने खु द को बहुत कोसा और मन ही मन मन मन मन मन कसम खाई कि अगर इस बार उसे होश नहीं आय तो वह मं दारिन डक की तरह आत्महत्या कर ले गी। जब उसे बु लाने और हिलाने से भी कोई फायदा नहीं हुआ तो मै डम चें ग ने तावशा में भिक्षु को बुलवाया, जिसे वह अपने मित्र के सथ समझ रही थीं। लेकिन श्री चें ग उसके बिना ही आए।

जब वह अभी-अभी स्वागत कक्ष में लौटे, तो वह अजनबी गायब हो चुका था। श्री चेंग ने अपने बेटे को वहाँ मृत अवस्था में पड़ा पाया। उसकी आँखें और मुँह कसकर बंद थे। उसकी साँस और नाड़ी रुक गई थी, लेकिन उसका शरीर अभी भी गर्म था। उन्होंने तुरंत डॉक्टर को बुलवाया। पाओ यू मरा नहीं था। उसकी आत्मा ने केवल अस्थायी रूप से अपने शरीर से मुक्ति पाई थी और एक लंबी यात्रा पर निकल गई थी। पहले वह अतिथि कक्ष में लौटा। वहाँ वह अजनबी भिक्षु उसका इंतज़ार कर रहा था। उसने उसे अपने साथ ले लिया। उसने हाथ पकड़ा और चुपचाप उसे अपने साथ ले गया। पाओ यू को लगा कि 562 का सारा भार उस पर आ गया है।

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 8.31% है।

उसका शरीर उससे अलग हो गया था; वह हवा में पत्ते की तरह हल्का होकर तैरता और उड़ता हुआ प्रतीत हो रहा था। किसी न किसी तरह, लेकिन निश्चित रूप से द्वार से होकर जाने वाले सामान्य रास्ते से नहीं, वह महल से बाहर निकलकर बाहरी दुनिया में आ गया। एक उजाड़, रेगिस्तानी इलाका सामने आ गया। दूर एक गुंबदनुमा पत्थर का मेहराब दिखाई दे रहा था। पाओ यू को लगा कि वह पहले भी एक बार ऐसे ही मेहराब से गुज़र चुका है। वह अपने साथी से इस बारे में पूछने ही वाला था कि द्वार से कुछ ही दूरी पर अचानक उसके सामने प्रकट हुई एक सुंदर स्त्री ने उसका ध्यान आकर्षित किया। उस सुंदर स्त्री ने उसके साथी को नमस्कार किया और फिर गायब हो गई। पाओ यू को लगा कि उसने उसे तीसरी यू के रूप में पहचान लिया है। क्या वह सुंदर, वीर कन्या उनकी सहायिका के रूप में नियुक्त की गई थी? पाओ यू इस बारे में सोच ही रहा था कि वे पत्थर के मेहराब पर पहुँच गए। उसके ऊपर, चार अक्षरों में लिखा था: "शुद्ध रूप का धन्य क्षेत्र" और दाईं और बाईं ओर के स्तंभों पर ये पंक्तियाँ लिखी थीं: "दृश्य के स्थान पर होना, दृश्य से कहीं अधिक है। शून्य के स्थान पर कुछ होना, शून्य नहीं रह जाता।" पत्थर के मेहराब के थोड़ा पीछे एक महल का द्वार उनके सामने खुला। अंदर उसने एक बार फिर एक महिला को दूर से इशारा करते देखा। उसे लगा कि वह मैं डरिन डक है। हम अपनी यात्रा पर बहुत लंबा सफर तय कर चुके हैं—पता नहीं कितना—और क्या हम अभी तक अपने पार्क से बाहर नहीं निकले हैं? लेकिन यह कितना अजीब तरह से बदल गया है, पाओ यू ने मन ही मन सोचा; वह हैरान था। वह मैं डरिन डक के पास जाकर उससे बात करने ही वाला था, लेकिन वह अचानक गायब हो गई। जब वह उस जगह पहुँचा जहाँ वह अभी खड़ी थी, तो उसने अपने सामने एक भव्य इमारत देखी जिसके सामने एक प्रांगण था। प्रवेश द्वार आधा खुला था। पाओ यू ने जिज्ञासा से अपने साथी की ओर देखा, लेकिन वह भी तब तक गायब हो चुका था। उसने अपनी आँखें ऊपर उठाईं और इमारत के अग्रभाग पर तिरछी लिखावट में लिखा हुआ पढ़ा: ''प्रेम की मूर्खता से जागृति के लिए।'' दाईं और बाईं ओर लिखे शिलालेखों में उसने पढ़ा: आनंद, दुःख, प्रसन्नता, पीड़ा - सब भ्रम है। चिंता क्यों? लालसा, प्रयास, इच्छा, तड़प - सब व्यर्थ है। प्रयास क्यों? पाओ यू ने एक गहरी साँस ली और सोच-समझकर

सहमति में सिर हिलाया। मंदारिन बत्तख कहाँ चली गई? शायद वह अंदर ही हो। उसने हिम्मत जुटाई और आधा खुला दरवाजा धक्का देकर अंदर घुस गया। अंदर घोर अंधेरा था। वह डर गया और लगभग फिर से भग ही गया था, लेकिन जिज्ञासा ने उसे रोक लिया। इस बीच उसकी आँखें अंधेरे की आदी हो चुकी थीं और वह आधे खुले जालीदार दरवाजों वाले कमरों के एक समूह को पहचान सका। उसे अचनक अपनी भतीजी को चिंग के शयनकक्ष में देखे गए सपने की याद आ गई। उस समय वह अपने सपने में ऐसी ही जगह पर आया था, लेकिन भयानक जागृति की परी

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.10% है।

उसे कमरों के आसपास ज़्यादा देर रुकने नहीं दिया गया था। इस बार अकेले और बिना किसी बाधा के होने से खुश होकर, वह मैंडरिन बत्तख को ढूंढने की अपनी इच्छा भूल गया और जिज्ञासावश पहले कमरे में घुस गया। कमरे में एक किताबों की अलमारी थी जो फाइलों से भरी हुई थी। उसने बेतरतीब ढंग से एक किताब उठाई। किताब के कवर पर उसने "चिन लिंग की बारह सुंदरियों का इतिहास" लिखा देखा और उसके बगल में कुछ धुंधली तस्वीरें थीं। उसने तस्वीरों पर ज़्यादा समय नहीं बिताया और पन्ने पलटने लगा और किताब पढ़ने लगा। पहले अध्यय को शुरु से अंत तक पढ़ने के बाद उसने मन ही मन सोचा, "यह तो वसंत की शुरुआत की कहानी होगी।" और वह उत्सुकता से दूसरे अध्यय को पढ़ने में जुट गया और बारह अध्यायों को पूरा पढ़े बिना नहीं रुका, जो अत्यंत अलंकृत साहित्यिक शैली में लिखे गए थे। उसने जो कुछ पढ़ा, उसका बहुत कुछ उसे स्पष्ट नहीं था, लेकिन बहुत कुछ उसके मन में इतनी आसानी से बैठ गया कि बाद में उसे वह कंठस्थ हो गया। क्या अनमोल खोज है! दरअसल, उसके सामने उसकी सभी बहनों और चचेरी बहनों की जीवन कहानियाँ थीं, हालाँकि उन्हें उनके सामान्य नामों से नहीं, बल्कि गुप्त, प्रतीकात्मक उपाधियों से पहचाना गया था, फिर भी उसे प्रत्येक उपाधि को सही व्यक्ति से जोड़ने में कोई कठिनाई नहीं हुई। इस तरह विभिन्न लड़कियों के रहस्यों को जानना कितना रोमांचक था, जिनके ज्ञान को प्राप्त करने के लिए मैं इतने लंबे समय से व्यर्थ प्रयास कर रहा था! काश मेरे पास स्याही, ब्रश और कागज होता ताकि मैं सब कुछ लिख सकूँ और घर ले जा सकूँ! बेशक मैं उन्हें कवि की नहीं होता, लेकिन परिवार में थोड़ा भविष्यवक्ता और ज्योतिषी बनने का खेल खेलना मजेदार होता। ऐसे ही विचार उसके मन में चल रहे थे। अफसोस की बात थी कि कमरे में लिखने का कोई सामान नहीं था। उसने अभी-अभी "चिन लिंग की बारह सुंदरियों का इतिहास" का एक पूरक खंड खोला था और एक विशेष रूप से मार्मिक अंश पर उसकी आँखों में आँसू आ गए, तभी उसने अपने पीछे से एक आवाज सुनी "क्या तुम्हें फिर से अपनी मूर्खतापूर्ण हरकतें आ गई हैं? मिस लिंग तुम्हें बुला रही हैं!" यह आवाज मंदारिन डक जैसी लग रही थी। और सचमुच, जब उसने मुड़कर देखा तो खुले दरवाजे के बाहर मंदारिन बत्तख उसे इशारा कर रही थी। उसे फिर से पास देखकर वह खुश हुआ

और उसकी ओर दौड़ा, लेकिन वह उससे फिसलकर अंधेरे गलियारे से होते हुए खुले में निकल गई, दूर और दूर, एक हल्की परछाई की तरह जिसे पकड़ा नहीं जा सकता। उसने उसे रोकने के लिए व्यर्थ ही पुकारा; वह दूर और दूर तैरती चली गई, और वह उसका पीछा नहीं कर सका। अचानक वह एक महल के विशाल हॉल के समने खड़ा था, जिसमें नक्काशीदार लकड़ी के ऊंचे घुमावदार शिखर थे। निर्माण की सुंदरता को और करीब से देखने की इच्छा से प्रेरित होकर, वह शांति से बाहरी बरामदे से होते हुए भीतरी परिसर में चला गया। वह मंदारिन बत्तख के बरे में सब कुछ भूल गया था। उसने खुद को एक सामने के गैरेज में पाया।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 8.89% है ।

एक गु फा में । अनोखे, सु गं धयु क्त फूलों की क्यारियों के बीच, उसकी नज़र एक हरे पत्तों वले पौधे पर पड़ी। उसके चरों ओर सफे द सं गमरमर की सजावटी बाड़ लगी थी। उसने दे खा कि पत्तों के सिरे लाल थे । पत्ते हल्की हवा में इधर-उधर हिल रहे थे और सरसरा रहे थे । ऐसा लग रहा था मानो वे अभिवादन में सिर झुका रहे हों। हालाँकि वह एक साधारण पौधा था और उस पर फूल नहीं थे, फिर भी उसमें एक दुर्लभ और गरिमामय सु ं दरता थी जो दे खने वाले की आँ खों और हृदय को मोहित कर ले ती थी। और इस तरह पओ यू भी गहन ध्यन में लीन हो गया। अचानक एक डां टने वाली आवाज़ ने उसे ध्यान से बहर निकाल दिया: "तु म्हारी हिम्मत कै से हुई हमारे पवित्र पौधे के आसपास सू ं घने की, गु स्तखी से घु सपैठिए!" डरकर उसने अपन सिर घु मया। एक बौना उसके बगल में खड़ा था। "मैं बहन मं दारिन बत्तख को ढूं ढते हुए यहाँ भटक गय था," उसने घबराकर हकलाते हुए कहा। "मे री जिज्ञासा के लिए मु झे क्षमा करें! लेकिन क्या मैं पू छ सकता हूँ, मैं कहाँ हूँ? और सिस्टर मं दारिन डक यहाँ कै से आ गईं? वह अभी-अभी मे रे सामने प्रकट हुईं और उन्होंने मु झे बताया कि छोटी सिस्टर लिंग मु झे बुला रही थीं।" "तु म्हारी बहन और तु म्हारी छोटी बहन मे रे लिए एक ही हैं!" यह बे रुखी भरा जवाब आया। "मैं यहाँ के हमारे पवित्र पौधे का नियुक्त सं रक्षक हूँ और मे रा कर्तव्य है कि तु म जै से अपवित्र प्राणियों को दूर रखूँ ।" "यह ज़रूर कोई दुर्लभ और सु ं दर पौधा होगा, तभी तो आपको इसकी रक्षा करने के लिए नियुक्त किया गया है?" उसने अनिच्छा से पवित्र पौधे के पास से हटते हुए पूछा। "ज़रूर; क्योंकि यह बैं गनी मोती का पौधा है । यह कभी आत्माओं की नदी के किनारे परस्थित था। उस समय, लाल बादलों के महल में से प्रकट करने वले दे वताओं के पत्थर की चमक के सं रक्षक अक्सर इसके दर्शन करने आते थे और चु पके से इस पर मीठी ओस छिड़कते थे, जिससे इसका कोमल शरीर समय से पहले मु रझाने से बच जाता था। बाद में इसे सां सरिक दुनिया में आने की अनुमति दी गई और इसने दे वताओं के पत्थर की चमक के सं रक्षक को उनकी प्रे मपूर्ण से व के लिए आँ सु ओं के साथ धन्यवाद दिया। अब यह धन्य लोक में लौट आया है । भयनक जागृति की परी ने मु झे इसका सं रक्षक नियुक्त किया है । मैं मधुमक्खियों या तितलियों को भी इसके पस जाने की अनु मति नहीं दे त, तु म्हारे जै से जीवों की तो बात ही छोड़ो।"

"तो यहाँ भी जल लिली का कोई संरक्षक परी ज़रूर होगा," उसने चमकीले बदल के बरे में सोचते हुए पूछा। "मेरी स्वमिनी आपको इसके बरे में सबसे अच्छी जानकारी दे सकती हैं"। "तुम्हारी स्वामिनी कौन हैं, बहन परी?" "रोते हुए बांस के आश्रम की राजकुमारी!" "अरे, ये तो मेरी चचेरी बहन ब्लैक जेड ही है!" "बकवास! स्वर्ग लोक और तुम्हारी अपवित्र दुनिया के बीच कोई रिश्ते दारी नहीं है। और अगर तुम इसी तरह अपनी मूर्खतापूर्ण बातों से परेशानी खड़ी करते रहे, तो मैं तुम्हें पहरेदारों से बहर निकलवा दूँगा।" 565

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल8.76% है ।

शर्मिंदा होकर पाओ यू जने केलिए मु ड़ा। अचानक एक दूसरी परी दौड़ती हुई आई। "दे वताओं के पत्थर के प्रकाश के रक्षक कहाँ हैं? उन्हें अंदर बुलाया जा रहा है," उसने पहली परी से कहा। "मैं ने उन्हें पूरी दुनिया में व्यर्थ ही खोजा है," पहली ने उत्तरदिया। "लेकिन वे तो भाग रहे हैं," दूसरी ने हंसते हुए कहाऔर पाओ यू के पीछे दौड़ पड़ी"वापस आ जाओ, दे वताओं के पत्थर के प्रकाश के रक्षक!" उसने पुकारा। लेकिन पाओ यू, अपने साथ हुए इस बु रे बर्ताव से अभी भी आहत था, इसलिए उसने इस पुकार को खु द से जोड़ने कीहिम्मत नहीं की और यह सोचकर कि कोई उसका पीछा कर रहा है, महल के निकास की ओर और ते ज़ी से भागने लगा। अचानक कोई उसके रास्ते में आ गया। वह एक गं भीर चे हरे वाली खू बसू रत यु वती थी। उसकेदाहिने हाथ में एक कीमती तलवार थी। "रुको! कहाँ जा रहे हो?" उसने उससे सख्ती से पूछा।उसने डरते हुए उसकी ओर दे खा। यह तीसरा यू था। अब उसने फिर से हिम्मत जु टाई। “मे रे साथ इतना बु रा बर्ताव क्यों किया गया है, चचे रे भाई? क्या तु म मु झ पर थोड़ी सी भी दया नहीं दिखाओगे?” उसने नराज़गी से कहा। “तु म्हारे बदनाम चचे रे भाइयों की वजह से मैं ऐसा नहीं कर सकता,” सीधा जवाब आया। “उन्होंने जानबू झकर मे री और मे री बहन कीइज़्ज़त और खुशियाँ छीनलीं। अब तु म्हें उनसे प्रायश्चित करना होगा!” पाओ यू, बहुत शर्मिंदा होकर, अपनी बे गु नाही साबित करने ही वाला था कि उसने अपने पीछे आ रहे बौने को तीसरे यू को पुकारते हुए सु ना “उसे रोको! उसे भागने मत दो” “चिंता मत करो! मु झे हमारी राजकु मारी के निर्देश पता हैं । मैंलं बे समय से उसका इं तज़ार कर रहा था। आज वह घड़ी आ गई है जब मैं इस तलवार से उसका दुनिया की लाल धूल से नाता तोड़ दूँ गा।” पाओ यू तलवार लिए उस गं भीर कन्या से मुँ ह मोड़करदूसरी दिशा में भागने की कोशिश करने लगा। अब उसने अपने पीछे आ रहे बौने को दे खा वह ब्राइट क्लाउड था। “तु म हो, ब्राइट क्लाउड! कितना अच्छा हुआ कि तु म यहाँ हो” वह खु शी सेचिल्लाया। "मैं रास्ता भटक गई हूँ और इस दुष्ट शत्रु से टकरा गई हूँ । आपको मे री मदद करनी होगी और मु झे जल्दी घर ले जाना होगा!" "मु झे ब्राइट क्लाउड मत कहो! मु झे तु म्हें राजकु मारी के पास ले जाने का निर्देश मिला है! अब सं कोच मत करो, मे रे पीछे आओ!" एल्फ ने उत्तरदिया। "तो फिर, तु म्हारी राजकु मारी कौन है?" "जब तु म उससे

मिलोगे, तो तुम्हें खुद पता चल जाएगा। चलो!" वह आगे चलने लगी और वह उसके पीछे-पीछे चलने लगा। इसमें कोई संदेह नहीं था। उसकी चाल, उसके व्यवहार, उसके चेहरे और उसकी आवाज़ से, वह ब्राइट क्लाउड ही थी। लेकिन वह अपनी पहचान क्यों छिपा रही थी? राजकुमरी से मिलने के तुरंत बाद, वह उसे फिर से चुनौती देगा। अगर वह 566

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.07% है।

अगर कोई लड़की उससे किसी गलती के कारण नाराज़ होती और उसे अजनबी समझती, तो वह बहुत विनम्रता से उससे माफ़ी मांगता। वह अच्छी तरह जानता था कि लड़कियों का दिल कोमल और आसानी से आहत हो जाता है। वे एक महल के जगमगाते हॉल में पहुँच गए थे। यह एक शानदार, चमकीले हरे बांस के झुरमुट के बीच में स्थित था। प्रवेश द्वार के सामने कुछ सरू के पेड़ों का गहरा हरा रंग उसकी नज़र में आया। महल की दासियों की वर्दी पहने कई दासियों ने अजनबी का स्वागत किया। उन्होंने फुसफुसाते हुए पाओ यू के मार्गदर्शक से पूछा, "तो क्या ये हैं देवताओं के पत्थर की चमक के रक्षक?" उस बौने ने हाँ में सिर हिलाया। मुस्कुराते हुए उन्होंने उसे अंदर आने का इशारा किया। मुख्य कक्ष में पहुँचने से पहले वे कई गलियारों से गुज़रे। वे एक ऊँचे चमकदार मोतियों के पर्दे के सामने चुपचाप रुक गए। एक दासी पर्दे के पीछे चली गई। थोड़ी देर बाद वह लौटी। "राजकुमारी देवताओं के पत्थर की चमक के रक्षक से अंदर आने का अनुरोध करती हैं"। ठीक उसी क्षण पर्दा उठा। पाओ यू एक कदम और आगे बढ़ा। उसने अपने सामने एक राजसी दिखने वाली महिला को सिंहासन पर बैठे देखा। उसके सिर पर ताजे फूलों का मुकुट था। उसके चेहरे पर काले जेड की सभी विशेषताएं थीं। "तो मैं तुम्हें फिर से यहाँ पा गया, मेई मेई! मैं तुम्हें कितना याद कर रहा था!" वह चिल्लाए बिना नहीं रह सका। "यह कैसा बदतमीज़ी भरा व्यवहार है! जल्दी! इसे वापस ले जाओ!" बाहर प्रतीक्षा कर रही दासियाँ फुसफुसा रही थीं। और फिर पर्दा ठीक उसकी नाक के सामने गिर गया। वह स्तब्ध होकर देखता रहा, यह तय नहीं कर पा रहा था कि उसे रुकना चाहिए या जाना चाहिए। उसने मदद के लिए पीछे मुड़कर देखा; वह ब्राइट क्लाउड से सलाह लेना चाहता था, लेकिन वह उसे फिर से नहीं पा सका। अन्य प्रतीक्षा कर रही दासियाँ उसके लिए अजनबी थीं; उसने उनसे प्रश्न पूछने का साहस नहीं किया। उन्होंने उसे उदास भाव से बाहर तक पहुँचाया, और वह निराश होकर चुपचाप चला गया। इस बार कोई उसके साथ नहीं था। उसने उस रास्ते को खोजा जिससे वह आया था, लेकिन वह उसे फिर से नहीं पा सका। अचानक उसने देखा कि चचेरी बहन फीनिक्स एक घर की छज्जी के नीचे खड़ी उसे इशारा कर रही है। ओह, तो मैं फिर से घर आ गया! मैं रास्ता कैसे भटक गया? उसने मन ही मन सोचा और खुशी से उस

चचेरी बहन के पास दौड़ पड़ा जो उसे इशारा कर रही थी। "अच्छा हुआ कि मैं तुम्हें मिल गया!" उसने दूर से उसे पुकारा। "बाकी सबने मुझे भगा दिया। यहाँ तक कि ब्लैक जेड ने भी मुझे नहीं लिया, मुझे सच में नहीं पता क्यों।" वह उस जगह के करीब पहुँच गया जहाँ इशारा करने वली चचेरी बहन खड़ी थी। अचनक वह फीनिक्स नहीं बल्कि उसकी सहेली, उसकी खूबसूरत भतीजी को चिंग थी। वह वहाँ अवक खड़ा रह गया। "फीनिक्स कहाँ चली गई?" उसने दूसरी से पूछा लेकिन को चिंग चुप रही और अंदर चली गई। 567

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 99.26% है ।

“मैं ने ऐसा कौन सा गु नाह किया है कि आज सब मु झसे दूर भाग रहे हैं?” उसने गहरी आह भरी, परे शान हुआ और रोने लगा। को चिंग के पीछे जाने की हिम्मत नहीं हुई, इसलिए वह उदास होकर इधर-उधर भटकने लगा। अचानक पीले रं ग के वस्त्र पहने और हाथों में लं बे चाबु क लिए पहरे दारों का एक समू ह प्रकट हुआ। “ अरे, साथी! तु म कौन हो जो इतनी हिम्मत करके इन पवित्र स्थानों में घु स आए हो? जल्दी यहाँ से चले जाओ!” वे उस पर कठोर स्वर में चिल्लाए। डरा हुआ वह और ते ज़ी से चलने लगा। काश उसे बाहर निकलने का रास्ता मिल जाता! उसने चारों ओर दे खा तो दूर से कु छ औरतें उसकी ओर आती हुई दिखाई दीं, जो खु शी-खु शी बातें कर रही थीं। उसे लगा कि उनमें से स्प्रिंग ग्रीटिंग, गोल्ड रिंग और दूसरी यू थीं। “ मैं रास्ता भटक गया हूँ, आओ और मे री मदद करो!” वह उन्हें पु कारते हुए भगा और जितनी ते ज़ी से भाग सकता था भागा, क्योंकि पहरे दार उसके पीछे लगे हुए थे । उसने सोचा कि वह औरतों के साथ सु रक्षित है, लेकिन अफसोस, वे अचानक भयानक लाल चे हरों और सफे द बालों वाली बदसू रत शै तानों में बदल गईं और सीधे उसकी ओर बढ़ने लगीं। खतरे में होने के कारण पाओ यू को अचानक अपने साथ आए भिक्षु की उपस्थिति का एहसास हुआ। भिक्षु के हाथ में एक चमकता हुआ दर्पण था। "मे री दिव्य स्वामिनी, पूर्व शाही पत्नी ने मु झे तु म्हें बचाने के लिए भे जा है ।" यह कहते हुए उसने दर्पण का चमकता हुआ चे हरा पाओ यू का पीछा करने वालों की भीड़ की ओर घु माया और पलक झपकते ही सारे प्रे त-राक्षस गायब हो गए। भव्य भवन और महल भी लु प्त हो गए। पाओ यू ने खु द को फिर से एक सु नसान और वीरान जं गल में पाया। उसने कृ तज्ञता और विश्वास के साथ अपने रक्षक का हाथ थामते हुए कहा, "गु रुजी, मु झे अच्छी तरह याद है कि आप मु झे यहाँ तक लाए थे । आप अचानक कहाँ गायब हो गए? मैं अपने कुल की कई महिलाओं और लड़कियों से मिला, लेकिन उनमें से किसी ने भी मु झसे कोई वास्ता नहीं रखा। उनमें से कु छ तो भयानक राक्षस बन गईं और मु झे धमकाने लगीं। इसका क्या मतलब है? क्या यह सब सपना था या हकीकत?" भिक्षु ने उसे ध्यान से दे खा। "क्या तु मने छु पकर कु छ दे खा था?" पाओ यू ने मन ही मन सोचा कि जो कोई भी उसे इस आध्यात्मिक क्षे त्र में ले जा सकता है, वह स्वयं एक आत्मा ही होगा, और वह किसी आत्मा को धोखा नहीं दे

सकता। इसलिए उसने स्पष्ट रूप से स्वीकार किया: "मैं एक कमरे में था और मैं ने चु पके से इच्छाओं की छानबीन की।" "सच में, और फिर तु म यह सवल पू छते हो? तु म अभी तक सं सरिक इच्छाओं से मुक्त नहीं हुए हो। इसी कारण से पवित्र आत्माएँ तु म्हें नहीं चाहतीं, और इसी कारण से उन राक्षसों ने तु म्हें डरा दिया। राक्षस और कु छ नहीं बल्कि सां सरिक इच्छाएँ हैं जो अपवित्र प्राणियों को पवित्र लोक में प्रवे श से रोकती हैं । अब जाओ! लेकिन जो कु छ तु मने देखा और अनु भव किया है, उसे ध्यन से यद रखना! मैं बद में तु म्हारे पस आऊँ ग और तु म्हें सब कु छ समझाऊँ ग। जाओ!" उसने पओ यू को इतन ज़ोर से धक्का दिया कि वह लड़खड़ाकर गिर पड़ा।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.53% है ।

नीचे । उसके होठों से एक दबी हुई चीख निकल गई। लं बे समय तक भटकने के बाद उसकी आत्मा उसके शरीर में लौट आई थी। "वह फिर से होश में आ गया है!" उसने अपनी माँ की आवाज़ सु नी। उसने अपनी आँ खें खोलीं और दे खा कि उसकी माँ, उसकी पत्नी और नौकरानियाँ उसके बिस्तर के चारों ओर खड़ी हैं - उनकी आँ खें रोने से लाल थीं, उनके चे हरों पर आधा चिंतित, आधा आनंदित भाव था। उसने जल्दी से अपने सपने को याद किया। सौभाग्य से, उसका अधिकां श भाग उसकी स्मृति में अच्छी तरह से अंकित था। "हाँ, यही है!" उसने खु शी और राहत के भाव से हं सते हुए कहा। आस-पास खड़े लोग एक-दूसरे को आश्चर्य से दे खने लगे, यह नहीं समझ पा रहे थे कि उसकी इस बात का क्या अर्थ है । अध्याय 50 पाओ यू परीक्षा में सम्मान के साथ उत्तीर्ण होता है और सं सार की लाल धूल का त्याग करता है ।शिह यिंग और यू त्सु न एक बार फिर मिलते हैं और पत्थर की कहानी का समापन करते हैं । आओ यू अपनी लं बी बे होशी के बाद ते जी से ठीक हो गया था और सभी की खु शी के लिए पू री तरह से स्वस्थ हो गया था। अब ताबू त बनने वाले को कोई मे हनत करने की ज़रूरत नहीं थी और मस्क ने कु छ समय के लिए मन ही मन मं दारिन डक के नक्शे कदम पर चलने के अपने दृढ़ सं कल्प को त्याग दिया। सौभाग्य से, परिस्थितियों के अनु कूल होने के कारण, बाद में किसी ने भी उसे फटकार नहीं लगाई। श्री चें ग अब पाओ यू की चिंता से मुक्त हो गए थे और घर में धीरे-धीरे शांति और व्यवस्था बहाल हो रही थी, इसलिए उन्होंने अपने बचे हुए शोक अवकाश का उपयोग करते हुए अं ततः ग्रैंड्‌ज के ताबू त को लौह रेलिंग मंदिर से ले जाने और उसे उचित रूप से, उनके दक्षिणी जन्मस्थान में शिह परिवार के पै तृ क मकबरे में दफनाने का निश्चय किया। चिया लियन के साथ विभिन्न घरेलू मामलों को निपटाने और आगामी राजकीय परीक्षा के सं बं ध में आओ यू की अं तरात्मा से एक बार फिर गं भीरतापूर्वक अपील करने के बाद, उन्होंने परिवार और पूर्वजों से विदा ली और कु छ नौकरों और ग्रैंड्‌ज और उनके वफादार मं दारिन डक के ताबू तों के साथ जहाज पर सवार होकर दक्षिण की यात्रा पर निकल पड़े ।चिया यु ं ग की पहली पत्नी को चिंग, जिनकी कम उम्र में मृ त्यु हो गई थी, और ब्लै क जे ड के ताबू तों को भी एक ही समय में ले जाया गया, ताकि उन्हें भी उनकी जन्मभूमि दक्षिणी मिट्टी में दफनाया जा सके । कोयला को

अपनी मृ त प्रेमिका, ब्लै क जे ड को उसके पै तृ क नगर यांयाचो वपस ले जने का सम्मान दिया गया, जबकि चिया यु ं ग को अपनी पहली पत्नी के तबू त की जिम्मे दारी सौंपी गई। ठीक होने के बाद पाओ यू में असाधारण परिवर्तन दिखाई दिया। 569

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 8.82% है ।

अपने पुराने स्वभव की तुलना में उसका मिजाज बदल गया था। वह चु प रहत और ध्यान में लीन रहता; वह अपनी किताबों में डूबा रहता, जिनमें ज्यदातर ताओवादी साहित्य होता था, बातचीत और सं गति से बचत, और - एक बात जो सबने सिर हिलाकर खास तौर पर कही - अपने स्त्री-सुलभ परिवे श पर ध्यन दे न बं द करदिया था। यां गचो सेलौटने पर कु कू को उसके ठं डे और उदासीन व्यवहार का एहसास हुआ, जहाँ उसने ब्लै क जे ड के अवशेषोंको अंतिम विश्राम दिया था। वह अपने कमरे में अकेली और उदास बै ठी अपनी मृ त प्रेमिका का शोक मना रही थी, और उसने उससे मिलने, उसे सं त्वन दे ने, और कभी उसकी प्रेमिका रही कु कू की याद में चु पचाप एक आं सू बहाने की भी जरूरत नहीं समझी। "अब समझ में आत है कि हम लड़कियाँ कितनी मूर्ख थीं कि हमने उसकी मीठी बतों को इतनी गं भीरत से लिया और उस पर अपना स्ने हलु टा दिया। निर्दयी आदमी, वह हमें ऐसे धन्यवाद दे त है!" उसने मस्क सेशिकायत की। और मस्क, पर्ल और बाकी सबने उसकी बत की पुष्टि की। इस बीच उसके भीतर आए बदलाव के बरे में उन्हें क्या पता था? वह अपने रहस्यमयमित्र के परलोक से आने की प्रतीक्षा कर रहा था और खु द को उसके आने के लिए तै यर कर रहा था। और एक दिन वह आ गया। "वह पागल आदमी जो पत्थर लाया था, फिर लौट आया है! वह अपने दस हजर बाट्ज़ (एक प्रकार का धन) मां ग रहा है!" यह खबर फैल गई और पू रे घर में हलचल मच गई। पाओ यू खु शी से दौड़ते हुए द्वार की ओर भागा। "मे रे प्रिय गु रु कहाँ हैं?" उसे पु कारते हुए सु ना गया, जिससे सभी आश्चर्यचकित रह गए। जी हाँ, वह व्यक्ति द्वार पर खड़ा था, और पाओ यू ने उसे अपनी आत्मा के यत्रा साथी के रूप में पहचान लिया। से वकली क्वे ईभिक्षु का रास्ता रोक रहा था। पाओ यू के इशारे पर उसे उसे जाने दे ना पड़ा। पाओ यू उसे एक सम्मानित अतिथि की तरह स्वागत कक्ष में ले गया। "कृ पया मे रे बारे में ज्यादा चिंता न करें । मैं के वल अपना धन ले ने आया हूँ!" आगं तु क ने रूखे पन से कहा। पाओ यू ने सोचा कि यह पवित्र उपदे श की भषा नहीं थी जिसकी उसने अपे क्षा की थी। लेकिन जब उसने उसे दे खा, उसके खु रदुरे गं जे सिर के सथ, उसके गं दे, फटे हुए भिक्षु के वस्त्र में, जो दे खने में घोर उपे क्षा का प्रतीक था, तो उसे वह पुरानी कहावत याद आ गई कि बुद्धिमान व्यक्ति दिखावे की परवह नहीं करता, और जो

लोग इसकी परवाह करते हैं वे आमतौर परबुद्धिमान नहीं होते । इसलिए उसने अपने आगंतुक को उसकी शक्ल-सूरत के कारण कमतर न समझने का पूरा प्रयास किया। "गुरुजी, पैसों कीचिंता न करें! मेरी माँ अभी पैसे लेने रही हैं। लेकिन कृपया तब तक बैठ जाइए। अयोग्य शिष्य के मन में कुछ प्रश्न हैं । क्या आप महान शून्य के प्रेतलोक से नहीं आए हैं?" उसने विनम्रता से पूछा। "मैं प्रेतलोक और महान शून्य के बारे में क्या जानता हूँ? मैं कहीं से आया हूँ और कहीं जा रहा हूँ; बस इतना ही," 570 ने रहस्यमय ढंग से उत्तर दिया।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.93% है ।

उत्तर। "वैसे, क्या आप उस पत्थर की उत्पत्ति जानते हैं जो मैं आपके लिए वापस लाया हूँ?" पाओयू तुरंत जवाब नहीं दे सका। "तो आप अपनी उत्पत्ति नहीं जानते, फिर भी मुझसे मेरी उत्पत्ति के बारे में पूछते हैं?" भिक्षु हँसते हुए बोला। सच है, पाओयू अपने हॉल के स्वप्न दर्शन से जग तो गया था, लेकिन पूरी तरह नहीं। अब, उसका जागना इतना अचानक हुआ कि भिक्षु की आखिरी बात उसके सिर पर लाठी के प्रहार जैसी लगी। "मैं समझ गया। स्वामी को पैसे की नहीं बल्कि पत्थर की ज़रूरत है। मैं जाकर उसे ले आता हूँ।" "जी हाँ, आपको ऐसा ही करना चाहिए," भिक्षु ने मुस्कुराते हुए सिर हिलाया। पाओयू जल्दी से अपने शयनकक्ष में गया और पलंग के पास रखे खजाने के संदूक में छिपे पत्थर को निकाल लाया, जहाँ कीमती कुंडी ने उसे कुछ समय पहले ही सावधानी से रखा था। संयोग से वह और दासियाँ वहाँ मौजूद नहीं थीं, इसलिए वह बिना किसी बाधा के यह काम कर सका। वह पत्थर हाथ में लिए जल्दी-जल्दी लौट रहा था और जल्दबाजी में उसने इस बात पर बिल्कुल ध्यान नहीं दिया कि वह कहाँ जा रहा है। अचानक एक मोड़ पर पर्ल से उसकी टक्कर हो गई। वह चौंककर पीछे हट गई। "तो आप यहाँ हैं?" उसने हैरानी से पूछा। "आपकी माँ सोच रही हैं कि आप उस अजनबी के साथ सामने वाले हॉल में हैं। इस समय वह आपकी पत्नी से बात कर रही हैं कि पत्थर के बदले जो बड़ी रकम वह माँग रहा है, उसे तुरंत कैसे जुटाया जाए।" "जाओ और उनसे कहो कि उन्हें पैसों की चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। मैं उन्हें पत्थर ही वापस दे रहा हूँ," उसने कहा और आगे बढ़ने लगा। "यह असंभव है!" पर्ल डर से चिल्लाई और उसे रोकने की कोशिश की। "पत्थर ही आपकी जान है! इसके बिना आप बर्बाद हो जाएँगे!" "चिंता मत करो! मुझे मेरी आत्मा वापस मिल गई है, इसलिए मुझे अब पत्थर की ज़रूरत नहीं है"। थोड़ी देर की हाथापाई के बाद उसने उसे झटक दिया और भाग गया। वह चिल्लाते हुए उसके पीछे भागी और फिर उसे पकड़ लिया। वह बेतब होकर उसकी बेल्ट से लिपट गई और खुद को ज़मीन पर गिरने दिया ताकि वह हिल न सके। उसकी चीख-पुकार, "मदद करो! वह अपना पत्थर छोड़ना चाहता है!", ने इंतज़ार कर रही दूसरी नौकरानियों और दासियों को, और बाद में उसकी माँ और प्रेशियस क्लैस्प को भी वहाँ आकर्षित किया। कुकू ने पर्ल की मदद की, और अपनी संयुक्त शक्ति

का प्रयोग करके उन्होंने उसे कसकर पकड़ लिया। "एक पत्थर के लिए इतना हंगमा मत करो! अगर मुझे खुद खाना पड़े तो क्या तुम्हें इतना ही दुख होगा?" उसने हाँफते हुए हँसते हुए पूछा। दोनों की ओर से भय की चीख ही जवब थी। इसी बीच मैडम चेंग और प्रिशियस क्लैस्प भी वहाँ पहुँच गईं। "क्या तुम फिर से कोई शरारत कर रहे हो?" उसकी माँ ने सख्ती से पूछा। उसने देखा कि अब उसके बचने का कोई मौका नहीं है, इसलिए उसने संघर्ष छोड़ दिया। 571

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 89.30% है ।

“इसका कोई महत्व नहीं है,” उसने अपनी माँ को दिलासा दे ते हुए कहा, फिर पर्ल और कु कू की ओर मु स्कुराते हुए इशारा करते हुए उसने कहा, “ये दोनों बहुत आसनी से डर जती हैं । वह अड़ियल साधु किसी भी सौदे बजी के लिए तै यर नहीं था। उसने अपनी मां ग में एक पै से की भी कमी नहीं की। इससे मु झे गु स्सा आया और मैं उसे वहीं खड़ा छोड़कर चला गया। मैं उसे पत्थर लौटाने का प्रस्ताव दूं ग और उसे बतऊं ग कि यह असली नहीं है और हम इसे कोई खास महत्व नहीं दे ते । तब वह अपनी बे तु की मांग जरूर बदल दे ग और जो भी हम उसे दें गे, उसे खु शी-खु शी स्वीकार कर ले ग। बस इतना ही।” उसकी चतु राई से सोची-समझी बातें एकमितव्ययी गृहिणी को बहुत तर्कसं गतलगीं और वास्तव में मै डम चें ग तु रं त आश्वस्त हो गईं। “ओह, ठीक है!” उन्होंने कहा। “मु झे लगा था कि आप सचमु च उसे पत्थर सौंपना चाहते हैं । आपने यह बात दोनों लड़कियों को पहले ही क्यों नहीं बतई और उन्हें इस झगड़े से क्यों नहीं बचाया?” लेकिन आशं काओं से भरी प्रेशियस क्लै स्प की राय अलग थी। "उस दुष्ट साधु पर भरोस नहीं किया जा सकता! कौन जाने? अगर उसे एक पल के लिए भी वह पत्थर मिल गया, तो वह अचानक उसे ले कर गयब हो सकता है । सवधानी ही बे हतर है। मैं अपने गहने बेचना करना ज़्यादा पसं द करूँ गी।" और इससे पहले कि पाओ यू उसे रोक पाता, उसने पलक झपकते ही उसके हाथ से पत्थर छीन लिया। "तो बात पक्की हो गई," उसने आगे कहा। "अब तु म्हें उसके पास वापस जाने की बिल्कुल ज़रूरत नहीं है । तु म्हारी माँ और मैंमिलकर पै से जु टा लें गे ।" "ठीक है ।लेकिन मैं कम से कमशिष्टाचार के तौर पर उसे ठीक से अलविदा कहना चाहता हूँ," उसने बनवटी बे परवही से कहा। यह बात भी तर्कसं गतलगी। पर्ल ने अखिरकार उसे छोड़दिया। "मु झेलगता है कि तु म औरतें मे री जान से ज़्यदा उस पत्थर को अहमियत दे ती हो। अगर मैं अब उस साधु के साथ भाग जाऊँ तो क्य होगा?" "तो फिर वह पत्थर तु म्हारे किस काम आएगा?" उसने मज़ाक किया। वह उन्हें आने वाली घटनाओं के लिए ऐसे चु टकुलों से तै यार करना चाहता था। पर्ल का सं दे ह तु रं त फिर से जग उठा। उसने उसेफिर से पकड़लिया, फिर, यह याद करके कि घर की दो महिलाएं मौजू द थीं, उसने अपन हाथ जल्दी से पीछे खींचलिया और खु द को अधिक सं यमित व्यवहार में

ढाल लिया। और अब पाओ यू के लिए रास्ता साफ था। लेकिन पर्ल इतनी डरी हुई थी कि उसने उसकी पीठ पीछे उसके निजी नौकर मिंग येन को संदेश भेजा, और उससे और तीसरे द्वार पर तैनात उसके अधीनस्थों से छोटे मालिक पर कड़ी नज़र रखने के लिए कहा, कहीं ऐसा न हो कि वह अजनबी भिक्षु उसे बिना किसी देरी के बहला-फुसलाकर ले जाए। मैडम चेंग और प्रिंसियस क्लैस्प अपने कमरों में वापस चली गईं, और वहाँ एकांत में उन्होंने पर्ल से अभी-अभी घटी उस शोरगुल वाली घटना की पूरी कहानी पूछी। जब पर्ल ने पाओ यू द्वारा 572 के दौरान कहे गए रहस्यमय शब्दों को शब्दशः दोहराया।

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 8.65% है।

संघर्ष को देखकर दोनों महिलाएं फिर से बेहद परेशान हो गईं और आदेश दिया कि सामने के हॉल को, जहाँ पाओ यू अपने मेहमान के साथ थे, पहरेदारों से घेर लिया जाए, जो खिड़की से चुपके से अंदर चल रही बातों पर भी नज़र रखें। नौकरानियों को इधर-उधर दौड़कर पहरेदारों द्वारा सुनी गई बातचीत की रिपोर्ट देने के लिए भेजा गया। एक संदेशवाहक ने रहस्यमय ढंग से बताया, "लगता है छोटे स्वामी का दिमाग ठीक नहीं है। खिड़की के नीचे बैठे लोगों ने उन्हें उस अजनबी भिक्षु से यह कहते हुए सुना कि वह उन्हें पत्थर नहीं दे सकते - उनके अंतर्मन ने उन्हें ऐसा करने से रोक दिया - लेकिन उन्होंने बदले में उन्हें खुद को देने की पेशकश की। वह उनके साथ जाने को तैयार थे।" "अरे, यह तो बिलकुल पागलपन है!" भयभीत ताई ताई ने कहा। "और भिक्षु ने इस पर क्या कहा?" "उन्होंने कहा कि उन्होंने पत्थर मांगा था, व्यक्ति नहीं।" "दोनों एक ही बात हैं," प्रेशियस क्लैस्प ने उत्तेजित होकर बीच में कहा। "पत्थर और पाओ यू एक ही हैं वो आदमी बस मज़ाक कर रहा है! क्या उसने पैसे के बारे में कुछ नहीं कहा?" "मुझे नहीं पता। उसके बाद बातचीत बहुत जीवंत, बल्कि मज़ेदार हो गई, लेकिन खिड़की के नीचे बैठे लोग ज़्यादा कुछ समझ नहीं पाए।" "क्या बकवास है! उन्हें इतनी साधारण बातचीत समझने के लिए इतना पढ़ा-लिखा होना ज़रूरी नहीं है। हद हो गई!" मैडम चेंग गुस्से से भड़क उठीं। और उन्होंने एक क्लर्क को बुलवाया। ज़ाहिर है, वह महिलाओं के सामने नहीं आ सकता, इसलिए उसे बरामदे की खिड़की से अपनी बात कहनी पड़ी। "हम बातचीत को पूरी तरह समझ नहीं पाए," उसने कहा, "क्योंकि यह हमारे सिर के ऊपर से जा रही थी। हम बस 'पहाड़ी जंगल', 'हरी चट्टानें', 'महान शून्य का क्षेत्र', 'लाल धूल', 'सांसारिक भाग्य से वियोग' और इसी तरह की कुछ बातें ही समझ पाए।" मैडम चेंग को भी इन शब्दों का मतलब नहीं पता था, लेकिन प्रेशियस क्लैस्प समझ गया और बहुत परेशान हो गया। वह इतनी डरी हुई थी कि पाओ यू को तुरंत वापस लाने का आदेश देते ही वह खुद आ गया। वह बहुत खुश लग रहा था। "सब कुछ बहुत बढ़िया रहा!" उसने खुशी से घोषणा की। "मज़ाक बंद करो और खुद को संभालो!" उसकी माँ ने सख्ती से कहा। "मज़ाक? अरे, मैं तो बिल्कुल होश में हूँ। वह भिक्षु मेरा पुराना दोस्त है। वह तो बस मुझसे मिलने आया था। उसने पैसों के बारे में जो कहा, उसका मतलब

गंभीरत से नहीं थ। उसने अपनी सेवाओं के बदले में बस इतना ही माँग कि मैं अपने तौर-तरीके बदल लूँ और अपने तमाम उच्चतर भाग्य को याद कर लूँ। उसने यह बात मुझे बिल्कुल स्पष्ट कर दी थी। फिर अचानक 573

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.07% है ।

वह बह गया। तो हमारे पस अभी भी पत्थर है, और हमें पै से भी नहीं दे ने पड़े । है न कमाल की बात?" बाकी लोगों ने अविश्वास भरी निगाहों से एक-दूसरे को दे खा। मै डम चें ग ने खिड़की से बहर इं तज़ार कर रहे श्रोत को आदे श दिया कि वह महल के समने जकर पता लगाए कि क्या यह सच है । थोड़ी दे र बद वह आदमी वापस आया और बताया: "हाँ, यह सच है । द्वारपालों ने उस अजीब भिक्षु को जाते हुए दे खा। उन्होंने कहा कि ताई ताई को बता दे न कि उन्हें चिंता करने की ज़रूरत नहीं है; उन्होंने बदले में कोई पैसा नहीं माँ ग; उनकी बस यही इच्छा थी कि छोटा गु रु कभी-कभी उनसे मिलने आए। और उन्होंने यह भी कहा कि जो कु छ भी होत है वह ऊपर वले की मर्ज़ी से होता है ।" मै डम चें ग ने राहत की साँ सली। अब वह एक बड़ी आर्थिक चिंता से मुक्त हो गई थीं। "आखिरकार वह काफी अच्छे और समझदार इं सन लगते हैं," उन्होंने सं तुष्टि से कहा। "लेकिन मे रा बे टा उनसे मिलने कहाँ जएगा?" क्या द्वारपालों ने यह पू छा था?" "वह दूर भी रहता है और पस भी, यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप इसे कै से दे खते हैं," पाओ यू ने मु स्कुराते हुए बीच में कहा। यह टिप्पणी भी कितनी पे चीदा थी! "आखिरकार होश में आओ और ख्यालों की दुनिया से बाहर निकलो!" प्रेशियस क्लै स्प ने अधीरता से कहा। "क्या तु म्हें अपने माता-पिता के लिए कोई भावना नहीं है, जो तु म्हारे कारण इतना कष्ट सह रहे हैं? खु द को सं भालो और कु छ महान कार्य करके उनके प्यर का फल दो।" "ओह, क्या मैं ने जो कहा वह महान कार्य नहीं है? क्या तु म यह कहावत नहीं जानते: "जो पु त्र बु द्ध को अपना जीवन समर्पित करता है, वह सात पूर्वजों के लिए स्वर्ग का द्वार खोलता है ।" मै डम चें ग का दिल यह सु नकर चकनचू र हो गय। "कितना भयानक! हमारे घर पर कौन सा अभिशाप आ गया है?" वह बे काबू होकर रो पड़ी। " दुनिया से भगने के ये विकृ त विचार! पहले वसं त का दुख, और अब पाओ यू... मैं इसे कभी सहन नहीं कर पाऊं गी" और वह फू ट-फू टकर रोने लगी। "मैं तो बस मज़ाक कर रहा था," पाओ यू ने मु स्कुराते हुए उसे आश्वस्त करने की कोशिश की। लेकिन वह मज़ाक नहीं कर रहा था। यह दे ख गया कि वह अपने दोस्तों और घर के लोगों से और भी ज़्यादा दूर होता जा रहा था और अपने अध्ययन कक्ष की शंति में खोय रहता था, ऊपरी तौर पर तो आने वली राजकीय परीक्षा की तै यरी के लिए, लेकिन असल में अपने प्रिय दर्शन में

और भी ज़्यादा मग्न होने केलिए। घर में एकमत्र व्यक्ति जिससे वह अब भी कभी-कभार विचारों का आदान-प्रदान करता था, वह उसकी चचे री बहन और आत्मीय सथी, स्प्रिंग ग्रीफ थी। स्प्रिंग ग्रीफ को किंगफिशर के ज मेंले जने के अवसर पर उसने जो रहस्यमयाब कही, उस पर बहुत चर्चा हुई। अपनी भाभी चे न से झगड़े कोब, जिससे उसे ज़ारभी स्ने ह नहीं थ, स्प्रिंग ग्रीफ ने अचानक अपने बचे हुए574

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 8.86% है ।

अपने आधे बाल कटवाकर, उसने एक बर फिर अपने रिश्ते दारों को विकल्प दिया: या तो किंगफिशर का पिंजरा या स्वे च्छा से मृ त्यु । परिवार में दे र रात तक तीखी बहस चलती रही। आखिरकार वसं त की शोक शक्ति को अपनी बात मनवाने का अधिकार मिल गया। उसे किंगफिशर के पिंजरे में जाने की अनु मति मिल गई। से वरत दासी कु कू ने खु शी-खु शी उसके पीछे जाने की पे शकश की। वह मन ही मन खु द को कोसती रहती थी कि इतने वर्षों तक साथ रहने के बाद भी वह अपनी मालकिन ब्लै क जे ड के साथ कब्र तक नहीं गई। और अब उसने सोच कि ब्लै क जे ड के साथ किए गए इस अन्याय का प्रायश्चित वह किंगफिशर की गु फा के स्वे च्छा से चु ने गए एकां त में तपस्या और पवित्रता का जीवन व्यतीत करके करे गी। जब वसं त की शोक शक्ति ने परिवार को विदाई दी, तो सभी को उम्मीद थी कि पाओ यू फिर से अपने बु रे रूप में आ एगा और अपनी छोटी बहन के इस नए नु कसान पर भावु क विलाप करे ग, लेकिन सभी को आश्चर्य हुआ कि इस बार वह बिल्कुल शां त रहा। "अ-मी-तो-फो! तु मने कर दिखाया! कितना दुख की बात है कि मैं अभी तै यर नहीं हूँ!" ये विदाई के सरे शब्द थे जो उन्होंने कहे । अब वे पू री तरह से अके ले थे, सहारा दे ने वाला कोई नहीं था, बस अपने दार्शनिकों के सथ बौद्धिक सं वद ही उनका सहारा था। प्रेशियस क्लै स्प बढ़ती बे चै नी को चिंता से दे ख रही थीं कि वे कै से खु द को सबसे अलग कर रहे थे और उन्हें और अपने परिवार को नज़रअं दाज़ कर रहे थे । आखिरकार, वे चु पचाप यह सब नहीं दे ख सकीं। इसलिए एक दिन उन्होंने उन्हें खू ब उपदे श दिया, उनसे आग्रह किया कि वे अपने वर्षों के दार्शनिक चिंतन को त्याग दें और कन्फ्यूशियस और याओ, शु न, यू और चें ग तांग जै से पु रे आदर्शवादी शासकों के व्यवहारिक दर्शन की ओर मु ड़ें और मानवीय नैतिकता के सर्वोच्च सिद्धां त, अर्थात् मता-पिता के प्रति कर्तव्य और बच्चों जै सी श्रद्धा को याद रखें, और आने वली राजकीय परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन करके अपने पिता की उचित अपे क्षाओं को पू रा करें । और वे तब तक उन पर दबाव बनाती रहीं जब तक कि आखिरकार उन्होंने उनकी बत मान ली और वै स ही किया जै स वे चहती थीं। उसने अपने प्रिय दार्शनिकों—लाओ त्ज़ु, चु आं ग त्ज़ु और ताओ के अन्य अनु यायियों—की सभी रचनाओं को एक खाली गोदाम में ठूं स कर रख दिया था, और तब से उसने पू री लगन

से अपन सारा ध्यान केवल छह शास्त्रीय ग्रंथों और कन्फ्यूशियस विचारधारा से प्रेरित अन्य रचनाओं के अध्ययन में लगा दिया, जिनका ज्ञान उसे राजकीय परीक्षा में बहुत काम आएगा। प्रेशियस क्लैस्प ने राहत की सांस लेते हुए उसमें आए बदलाव को देख, लेकिन फिर से वह नए संदेहों से घिर गई। "उस पागल भिक्षु से उसकी मुलाकात का एक अच्छा परिणाम निकला—तब से उसने लड़कियों के सथ छेड़छाड़ और इश्कबाजी करना छोड़ दिया है। कौन जनता है कि यह नया बदलाव उसे फिर से अपनी पुरानी बुरी आदतों में न डाल दे?" उसने पर्ल से कहा। और पर्ल के सुझाव पर उसने एहतियात के तौर पर यह व्यवस्था की कि भोली-भाली ओरिओल, जिसे वह खस पसंद नहीं करत था और जो उसकी अपनी भरोसेमंद नौकरानी भी थी, 575 का काम संभल ले।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 9.19% है ।

अब वह उसे चय और इसी तरह की निजी से वएं दे ने लगा था, न कि छोटी सी वू, जो दासियों में सबसे छोटी थी औरजिसे दिवं गत ब्रइट क्लाउड की जगह पर रखा गया था। इसलिए अब शायद उसे कोई मूर्खतापूर्ण विचार नहीं आएं गे और उसका ध्यान पढ़ाई से नहीं भटके गा। हालांकि, उसकी आशं का निराधार थी। उसने स्वयं ही तय कर लिया था कि वह अब किसी भी लड़की की ओर नहीं दे खे गा और परीक्षा के दिन तक उसने स्वयं को सख्त स्वैच्छिक एकां त में रखा था। तै यरी के उन दिनों में उसने अपनी माँ से मिलने के लिए सु बह-शाम की नियमित यात्रा भी नहीं की, बल्कि दासियों से ही उसे अपना दैनिक त्सिंग आन भिजवाया। पश्चिमी महल की महिलाओं द्वारा कां पती हुई चिंता से प्रतीक्षित महान परीक्षा का समय अं ततः आ गय था। परीक्षा के पहले दिन सु बह पाओ यू अपने भतीजे चिया लै न के साथ अपनी माँ से विदा ले ने आया। यह पहली बार था जब मै डम चें ग को अपने बे टे को घर से दूर रात बिताने की अनु मति दे नी पड़ी थी। परीक्ष के तीनदिनों के दौरान उम्मीदवारों को सख्त एकां तवस में रख गया था और उन्हें रात में भी अपने परीक्षा कक्षों से बाहर निकलने की अनु मति नहीं थी। इसलिए, हालांकि उन्नीस वर्षीय पाओ यू अब काफी परिपक्व हो चु का था, उसकी माँ ने उसे बहुत सी व्यवहारिक, मातृ त्वपूर्ण सलाह दी और विदाई के आँ सू भी बहाए। पाओ यू ने भी इस विदाई को बहुत गं भीरत से लिया। वह अपनी माँ के सामने घु टने टे ककर बै ठा और तीन बार अपना माथा ज़मीन पर छूते हुए औपचारिक प्रणाम किया। उसने गं भीर स्वर में कहा, "अब तक मु झे अपनी माँ के उस प्रे म का प्रतिफल दे ने का अवसर नहीं मिला है जो उन्होंने मे रे जन्म से ही मु झ पर बरसाया है । मैं परीक्षा में अच्छे अं कों से उत्तीर्ण होने के लिए पू री मे हनत करूँ गा और इस प्रकार अपनी पिछली लापरवाही की भरपाई करूँ ग। यदि मु झे उल्ले खनीय सफलता प्राप्त करके अपने माता-पिता को प्रसन्नता दे ने का सौभाग्य प्राप्त होता है, तो मैं अपने कर्तव्य को पूर्ण मानू ँ गा और अपने मता-पिता के सथ जीवन भर किए गए अन्याय का प्रायश्चित मानू ँ गा।" यह कितना गं भीरलग रहा था! मानो हमे श के लिए विदाई हो रही हो! “मे रे प्यारे बे टे! काश तु म्हारी दादी माँ इस पल को दे ख पती!” ताई ताई ने गहरे भावु क होकर रोते हुए उसे उठाया। “भले ही वह अब शरीरिक रूप से हमरे बीच नहीं हैं, उनकी आत्मा हमारी साक्षी होगी

और हमारे सथ आनंद मनएगी," उसने सरल शब्दों में कहा। "रो मत, ताई ताई," बाकी लोगों ने मैडम चेंग को दिलासा देते हुए कहा "तुम्हें खुश होने का पूरा कारण है, क्योंकि वह आखिरकार एक समझदार और कर्तव्यनिष्ठ पुत्र और वयस्क बन गया है।" और ढेर सारी शुभकामनाओं के सथ, पूरे कुल की भविष्य की आशा, दोनों युवकों को अखड़े की ओर रवना किया गया। जब परीक्षा के तीन दिन समाप्त हुए, तो चिया लैन वपस आई - पाओ यू के बिना। शाम काफी ढल चुकी थी।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.82% है ।

"लेकिन तु म्हारे चचा पाओ यू कहाँ हैं?" महिलाओं ने व्यकुल होकर पू छा। "मैं उन्हें खो बै ठी,हूँ" चिया लै न ने दुखी होकर उत्तर दिया। "यह क्या बकवास है! एक वयस्क व्यक्ति, जिसके सथ तु म हर समय रही हो, वह यू ँ ही कै से खो सकते है?" उसकी माँ, विधवा चू ने तीखे स्वर में कहा "मैं उनके सथ एक ही कोठरी में रहती थी, एक ही मे ज पर खना खाती थी, और परीक्षा कक्ष में भी, वह हमे श मे री नज़रों में रहते थे । आज सु बह हमने अपने प्रपत्र एक साथ जमा किए और फिर परीक्षा कक्ष से एक सथ निकले । घरलौटते समय- ड्रै गन गे ट पर भीड़ में अचनक वह मे री नज़रों से ओझल हो गए। ली क्वे ई, जो अपने लोगों के सथ ड्रै गन गे ट पर हमसे मिलने आय था, उसने उन्हें कु छ दे र पहले मे रे पीछे कु छ कदम चलते हुए दे खा था। फिर वह अचानक गायब हो गए। मैं ली क्वे ई और अन्य नौकरों के सथ दिन भर उनकी तलाश करती रही, लेकिन वह नहीं मिले ।" इस खबर ने पू रे घर को चिंता और दुःख से भरदिया। पु रुष से वक, जो पहले से ही पारं परिक भोज की प्रतीक्षा कर रहे थे, भोज में बै ठने के बाद, दे र रात होने के बावजू द, लापता यु वक की तलाश में एक बार फिर शहर में निकल पड़े । महल में के वल वसं त की शोक दे वी ही थीं, जो पाओ यू के लापता होने सेविशेष रुप से प्रभवित नहीं हुईं। उन्होंने कीमतीशिला से पू छा, "क्या जाते समय उनके पस उनका पत्थर था?" और यही उनका एकमात्र प्रश्न था। कीमती शिला ने सिर हिलाया और आगे कु छ नहीं कहा लेकिन मोती को पाओ यू द्वारा वर्षों पहले काले जे ड के समक्ष ली गई शपथ याद आ गई, और कीमती शिला ने भी आह भरते हुए बात समझ ली। जब खोजकर्ताओं को भे ज गया था, तब तक आधी रात बीत चु की थी। उनके पास बताने केलिए कोई परिणाम नहीं था। अगले दिनों में की गई सभी पू छताछ भी व्यर्थ साबित हुईं। और फिर, एक सु बह, जब महिलाएं अभी भी सो रही थीं, तब यह बड़ी और खु शी की खबर आईकि राज्य परीक्षा के परिणाम सु बह की सभ में घोषित कर दिए गए हैं । पओ यू ने सफल उम्मीदवारों की सू ची में सातवां स्थन प्राप्त किया था। उनके भतीजेचिया लै न भी उत्तीर्ण हो गए थे । उनका नाम सू ची में एक सौ तीसवें स्थान पर था। इस प्रकार दोनों ने द्वितीय डॉक्टरे ट की उपधि प्राप्त कर ली थी, और अब वे गर्व से खु द को कु ये,न या "महान व्यक्तियों" के विशिष्ट समू ह मेंगिन सकते थे । पश्चिमी महल के कक्षों में

उल्लास का माहौल था, लेकिन पाओ यू अभी भीलापता थे ।फिर भी इस विचार से कु छ संत्वन मिली कि एक नया कु ये ;नजिसका नाम साम्राज्य के सभी प्रं तों में प्रसिद्धि के पं खों परलहराएगा, लं बे समय तक अज्ञा नहीं रह सकता। चिया चें ग ने पूंज के पर्थिव शरीर को उनके दक्षिणी जन्मस्थान में दफन दिया था और वापस लौट रहे थे । एकदिन उन्हें एक पत्रमिला।

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 7.98% है ।

परिवार से घर की तज़ा महत्वपूर्ण घटनाओं की जानकारी मिलने पर, उनके अभगे बे टे ओ यू के परीक्षा में शनदार सफलता की खबर ने उनके हृदय को र्ग और खु शी से भर दिया, लेकिन दुर्भाग्यवश, लड़के के अचानक रहस्यमय ढं ग से गयब हो जाने की चिंता ने उनकी खु शी को फीका कर दिया। उन्हें यह भी पत चला कि शाही गु रु ने सू ची में सातवें उम्मीदवार की शानदार उपलब्धि का विशेष रूप से उल्ले ख किया था और परीक्षा आयोग से उस होनहार और प्रतिभाशाली यु वक के व्यक्तिगत जीवन के बरे में विस्तृ त रिपोर्ट दे ने का अनु रोध किया था। जब उन्होंने परीक्ष आयोग के अध्यक्ष, उत्तरी शांति के रजकु मर की रिपोर्ट से जना कि सू ची में सातवां उम्मीदवार पूर्व शाही पत्नी, वसं त की शु रुआत का सगा भाई था, और चिया परिवार ने इस अवसर पर दो कु ये दिए थे, तो वे एक बर फिर चिया वं श पर अपनी शही कृ प बरसाने के लिए प्रेरित हुए। हाल ही में समुद्री डाकु ओं के खिलाफ चलाए गए अभियान की सफलता और दस हजार परिवारों के रज्य में बहाल हुई शांतिपूर्ण और सं तुष्ट स्थिति से प्रसन्न होकर, उन्होंने पू रे साम्राज्य में एक व्यपक आम माफी की घोषणा कर दी। इस माफी के फलस्वरूप, कबीले के दो निर्वासित सदस्यों, शीह और चे न को निर्वासन से लौटने की अनु मति दी गई; उनकी जब्त की गई सं पत्ति उन्हें वपस कर दी गई। पूर्वी महल के स्वमी के रूप में चिया चे न को फिर से कुलीन वर्ग में शमिल किया गया, हालांकि के वल तीसरे दर्जे तक, यानी एक काउं ट के पद तक। चिया चें ग रजकु मर की उपाधि धारण करने वले एकमात्र व्यक्ति रहे, और इसके अलावा, उन्हें निर्माण मं त्रलय में रज्य सलाहकार के पद पर बहाल कर दिया गया। इसके अतिरिक्त, शाही स्वामी ने आदे श दिया कि सू ची में सातवें सफल उम्मीदवार की आधिकारिक खोज की जाए। घिया चें ग ने यह सारी खु शखबरी खु शी और शर्म के मिले-जुले आं सु ओं के साथ सु नी। अतीत में उसने अपने घृणित, पतित पु त्र के साथ कितना अन्याय किया था! चिया वं श को अब इस घृणित और पतित पु त्र का धन्यवाद करना था कि पूर्वजों के हॉल की छत को नई चमक मिल रही थी! अने क परस्परविरोधी भावनाओं से व्यकुल, चिया चें ग ने अपने जहाज के चलक दल को और अधिक गति से चलने के लिए प्रेरित किया, क्योंकि वह स्वयं दिन-रात आराम नहीं कर पा रहा था। वह अपने परिवार को फिर से दे खने और सिंहासन के चरणों में घु टने

टेककर हार्दिक धन्यवाद देने के लिए तड़प रहा था। एक दिन वह कुनलिंग डाकघर पहुँच। यहाँ वह अपनी पत्नी को लिखे पत्र का उत्तर देने के लिए थोड़ी देर रुका। उस दिन अचानक ठंड से हल्की बर्फबारी हुई जिसने पूरे इलाके को सफेद चादर से ढक दिया। चिया चेंग ने अपने सभी कर्मचारियों को, एक युवक को छोड़कर, ज़मीन पर भेज दिया था। उन्हें विभिन्न प्रतिष्ठित व्यक्तियों को अपना विजिटिंग कार्ड प्रस्तुत करन पड़ा और 578

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 48.83% है ।

पड़ोस में रहने वाले अपने परिचितों और ओहदे के लोगों को बताते हुए उन्होंने कहा कि दुर्भाग्यवश उनके स्वमी के पस यात्रा रोककर उनसे व्यक्तिगत रुप से मिलने का समय नहीं था। वह स्वयं जहाज के केबिन में अकेले बै ठे अपने परिवार को पत्र लिख रहे थे । वे पाओ यू के बारे में लिखने ही वाले थे कि उन्होंने अपन कलम नीचे रख दिया और एक पल के लिए ऊपर दे ख। उसी क्षण उन्हें लगा जै से नदी के किनारे, जहाज के अगले हिस्से के सामने, गिरती बर्फ के बीच से कोई आकृति उभर रही हो। अचानक वहाँ कोई खड़ा हो गया, सिर और पै र नंगे, मोटे लाल-भू रे रं ग के बं दर के बालों से बने लंबे भिक्षु के वस्त्र पहने हुए। अब वह चिया चें ग के सामने घु टनों के बल बै ठ गय और गं भीर प्रणम करते हुए अपन माथा जमीन पर पटका। उसने चर बार अपना माथा जमीन पर गहराई से दबया। श्री चें ग उछलकर उठे और जल्दी से सीढ़ी पार करके किनारे पर आ गए। वे उस अजनबी के पस गए, जो अभी भी वहीं खड़ा था, और उससे पू छने ही वाले थे कि वह कौन है और कहाँ से आया है । उसने अभिवादन का जवाब दे ने के लिए अभी-अभी अपने हाथ सीने पर रखे ही थे कि गौर से दे खने पर उसने अजनबी को पहचान लिया। वह पाओ यू था। "तु म हो, पाओ यू!" वह अचंभित होकर चिल्लाया। दूसरा चु प रहा। उसके चे हरे पर एक साथ खु शी और उदासी दोनों भाव थे ।"अगर तु म पओ यू हो, तो इस वे श में यहाँ कै से हो?" श्री चें ग ने आगे पूछा। दूसरे ने जवाब दे न चाहा, लेकिन दे नहीं पया। अचानक दो और भिक्षु जै से दिखने वले लोग आए और उसके बगल में खड़े हो गए, एक दाहिनी ओर और दूसरा बाईं ओर। एक बु द्ध का से वक थ, दूसरा ताओ का शिष्य। "तु म्हारा सां सरिक भाग्य पू रा हो गया है! अब दे र मत करो, हमारे पीछे आओ!" श्री चें ग ने उन्हें पओ यू से कहते सुना, फिर उसने उन तीनों को ढलान वाले नदी किनारे पर हल्के से ऊपर की ओर तै रते हुए दे खा। फिसलन भरी ज़मीन की परवाह न करते हुए, श्री चें ग उनके पीछे दौड़े, लेकिन वह उन्हें पकड़ नहीं पया। वे उससे और भी ते ज़ी से दूर भागते गए, और उनकी आकृतियाँ धुं धली होती चली गईं। उसे दूर से गने की आवज़ सु नई दे रही थी, और वह "हरी चट्टान", "विशाल शू न्य" और "दूर अज्ञात में भटकन" जै से कु छ अधू रे शब्द सुन रहा था; फिर वे एक पहाड़ी के पीछे गयब हो गए। श्री चें ग तब तक दौड़े जब तक उनकी साँस पू री तरह फूल नहीं गई। वे एक

कदम भी नहीं चल सकते थे, और उन्हें साँस लेने के लिए रुकना पड़ा। जब उन्होंने मुड़कर देखा तो उन्होंने अपने नौकर को र्क में चलते हुए अपनी ओर आते देखा। "क्या तुमने अर्भ भिक्षुओं के वस्त्र पहने उन तीन लोगों को देखा?" उन्होंने उसे पूछा। "हाँ, मैंने उन्हें देखा," लड़के ने उत्तर दिया, "और मैं आपके पीछे भागा, और फिर अचानक मुझे केवल आप ही दिखाई दिए।" श्री चेंगल लड़के के साथ थोड़ा और आगे दौड़े, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ।

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.01% है।

दूर-दूर तक सफेद, बर्फीले, खाली परिदृश्य के सिवा कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था। सिर हिलाते हुए वह पीछे मुड़ गया। इसी बीच उसके बाकी नौकर जहाज पर लौट आए थे। श्री चेंग ने उन्हें अपने अजीब अनुभव के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि उन्हें यात्रा रोककर अपने बेटे बाओ यू की पूरे इलाके में अच्छी तरह से तलाशी करानी चाहिए। श्री चेंग ने सिर हिलाया और आह भरी। वह सोच में डूबे हुए थे। "यह अजीब है, बहुत अजीब!" उन्होंने मन ही मन बुदबुदाया। मैंने उसे और उसके साथियों को अपनी आँखों से देखा। मैंने उनके गीत भी साफ़-साफ़ सुने। यह निश्चित रूप से कल्पना या कोई भ्रम नहीं था। अब मुझे कई बातें स्पष्ट हो रही हैं। वह मुँह में एक कीमती पत्थर ले कर दुनिया में आया था। यह अपने आप में ही अजीब था; मुझे शुरू से ही इस बात को ले कर बेचैनी महसूस होती रही। लेकिन... खैर, उसकी दादी की खातिर हमने उस आत्मा रूपी बच्चे का पालन-पोषण किया। फिर ये दो अजीब लोग सामने आए। उन्होंने तीन बार उसके जीवन में हस्तक्षेप किया। एक बार, जब लड़का बीमार पड़ा था, तो उन्होंने अपने मंत्रों से पत्थर की शक्ति को बहाल किया और उसे फिर से स्वस्थ कर दिया। फिर उनमें से एक, जो काँच का मुखौटा पहने हुए था, खोया हुआ पत्थर वापस लाया और लड़के को दूसरी बार मृत्यु से बचाया। उस समय मैंने उसे अपनी आँखों से स्वागत कक्ष में बैठे देखा, फिर अचानक वह गायब हो गया। और अब आज वे खुद उस लड़के को ले गए हैं। पहले मैं उस भाग्यशाली व्यक्ति पर आश्चर्यचकित होता था जिसके पास दूसरी दुनिया की उच्च आत्माओं का वास था। अपने मित्रों और सहायकों के लिए। लेकिन किसने सोचा होगा कि एक दिन वह स्वयं आत्माओं की दुनिया में शामिल हो जाएगा? उन्नीस लंबे वर्षों तक, मनुष्य के रूप में, उसने अपनी दादी को मूर्ख बनाया। अब वह फिर से वही बन गया है जो वह पहले था - एक आत्मा। नहीं! आत्माओं की खोज करना बिल्कुल व्यर्थ है!" और एक आह भरकर चिया चेंग ने घर के लिखे पत्र को पूरा करने के लिए अपना कलम उठाया। उसने पाओ यू के साथ अपने अद्भुत अनुभव का वर्णन किया और यह टिप्पणी जोड़ी कि उन्हें अब खोए हुए बेटे का शोक नहीं मनाना चाहिए। वैसे भी, उसमें एक अधिकारी के करियर के लिए कोई योग्यता नहीं थी। कौन जानता है कि वह एक सरकारी पद पर क्या मुसीबत खड़ी कर देता और अपने कुल पर क्या

विपत्ति ला सकता था? एक बोधिसत्व को जन्म दे न परिवार के लिए बहुत सम्मान की बात थी, और निश्चित रूप से कोई कलं क नहीं थ। कुल के विभिन्न सदस्य जो बाहर गए हुए थे, एक के बद एक जल्दी से घरलौट आए - चिया चें ग दक्षिण की यात्रा से; चिया शीह और चिया चे न अपने निर्वासन से; ह्सु एह पन को क्षमादान दिया गया और कारावास से मुक्त कराया गया। वह पू री तरह पश्चातापी था और घर लौटने पर उसने शपथली कि यदि वह फिर कभी अपने पुासे दुराचारों में पड़ गया तो वह आत्महत्या कर ले ग। अपनी माँ की इच्छा पर, उसने अपनी रखैल लोटस को ह्सिया के स्थन पर मु ख्य पत्नी का दर्जा दिया, जिसकी मृ त्युविष दे कर कर दी गई थी। और इस प्रकार पूर्व दासी भी580

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान केवल 8.75% है ।

चिया चें ग ने समाज में वह स्थन प्राप्त किया जो उनके जन्म औरशिक्षा के अनु रूप था। घर लौटने के ठीक अगले दिन चिया चें ग ने ग्रैं ड सेक्रेटेरिएट में जकर, उनके प्रति दयालु ग्रैं ड सेक्रेटरी की कृ पा से, हजार वर्षों के स्वमी से धन्यवद-मं चन का अवसर प्राप्त किया। सम्राट ने लापता पु त्र, पाओ यू के बरे में सहानु भूतिपूर्वक पू छतछ की और श्री चें ग की बर्फ में हुईविचित्र मुलाकात के बरे में सु नकर अत्यं त भावु क हो गए। उन्होंने एक बार फिर परीक्षा सू ची में सातवें उम्मीदवार की शानदार उपलब्धि की सराहना की। उनका इरादा उस यु वक को अपनेनिकट शाही महल में सेवा के लिए बुलाने का था। अपने शही अनु ग्रह से उन्होंने एक आदे शद्वारा उन्हें 'अद्भुत साहित्यिक उपलब्धि के अमर' की उपाधि से सम्मनित किया। इस सम्मान के मिलने से कुल को परिवार के पु त्र के शारीरिक नु कसन के लिए कु छ हद तक सं त्वन मिली। एक और सां त्वन यह थी कि प्रेशियस क्लै स्प गर्भवती थी। इस प्रकार पाओ यू, एक निश्चित अर्थ में, कुल में शरीरिक रूप से भी जीवित रहे ग। यू टीइन भी इस भीषण अन्याय से प्रभवित लोगों में से थे । एक ही दिन में वह एक ऊँ चाई से गिर पड़े और उन्हें सीधे उनके प्रीफे क्ट के पद से जं जीरों में जकड़कर लेजेजया गया। भ्रष्टाचार, पद का दुरुपयोग और कानू न का उल्लं घन, ये सभी शही सिंहासन के समक्ष सें सरों द्वारा उन पर लगाए गए पद के दुरुपयोग थे । ये अपराध कठोर दं ड केलिए पर्याप्त थे, क्योंकि शासक, स्वर्ग के पु त्र,एक प्रबु द्ध शसक थे जिनकी सामाजिक चे तन तीव्र थी और वे "पद का दुरुपयोग," "जनता पर अत्याचार" जै से शब्दों पर भीक्रोधित हो जाते थे ।"शोषण।" हालाँकि, महान क्षमादान के कारण, यु त्सु न को काफी कम सजा मिली। उन्होंने के वल अपना पद और ओहदा खोया, एक बार फिर आम नागरिक बन गए, और एक साधारण प्रजा के रूप में अपने पै तृ क शहर सु चोलौटना पड़ा। और इस तरह महत्वाकां क्षी पदलोभी का गौरवशाली जीवन वहीं समाप्त हो गया जहाँ कई सल पहले एक छोटे और साधारण तरीके से शु रु हुआ था। यु त्सु न ने अपनेपरिवार को आगे भे जदिया था और अपने समान की गाड़ी और एक नौकर के सथ पीछे-पीछे चल रहे थे, इसलिए उनके पस रास्ते में सांसरिक महत्वाकां क्ष की व्यर्थता और प्रसिद्धि और वै भव की क्षणभं गु र प्रकृति पर चिंतन करने केलिए बहुत समय था। सं योग से उनकारास्ता उन्हें उस नदी के

किनारे ले गय जहाँ एक सल पहले एक मंदिर में उनकी वह उल्लेखनीय मुलाकात हुई थी। इस बार उन्होंने नदी के किनारे से कुछ ही दूर पर सरकंडों और नरकटों से बनी एक झोपड़ी देखी। उनके आने पर एक सधु झोपड़ी से बाहर आया और उनका अभिवादन करने के लिए हाथ उठाए। वह शिह यिंग थे। उन्होंने जल्दी से झुककर अभिवादन का जवाब दिया। 581

इस पृष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनुमान केवल 9.22% है।

“प्रशंस हो, आदरणीय श्री चिया! आप कैसे हैं?” बूढ़े साधु ने पूछा। “क्या आप गुरुशिह यिंग नहीं हैं?” यु त्सुन ने पूछा। “पिछली मुलाकात में आपने अपनी पहचान क्यों छिपाई थी? आपके मंदिर के जलने के बाद मैं आपके बारे में बहुत चिंतित था और आज आपसे दोबरा मिलकर खुद को भाग्यशाली समझता हूँ। अब मुझे एहसास हुआ कि आपने अपनी उच्चतर और बुद्धिमत्तापूर्ण अंतर्दृष्टि के कारण कितना अच्छा किया है। मैं, मूर्ख, इसके विपरीत हठी और भ्रमित था। अब मुझे अपनी मूर्खता का फल मिल गया है।” “पिछली बार, आप पद और प्रतिष्ठा में बहुत तेजस्वी थे। एक दयनीय दिखने वला साधु आपको जनने की हिम्मत कैसे कर सकता था?” शिह यिंग ने हल्की मुस्कान के सथ उत्तर दिया। “यह केवल हमारे पुराने संबंधों के कारण ही था कि मैंने बोलने का साहस किया। मैं आपकी निष्ठा से बहुत सम्मनित महसूस करत हूँ। सौभग्य और दुर्भाग्य, धन और गरीबी, सब पूर्वनियोजित हैं। आज की हमरी मुलाकात भी कोई संयोग नहीं है।” “ बहुत समय पहले गुरु ने संसार की लाल धूल से खुद को कैसे मुक्त किया?” यु त्सुन जानना चाहता था। “बिल्कुल अप्रत्याशित रूप से, पलक झपकते ही,” बूढ़े ने व्यंग्यमटोल भरी मुस्कान के सथ उत्तर दिया और प्रश्न का उत्तर दूसरे प्रश्न से दिया: “इस विशाल संसर में, सुख-सुविधाओं, धन-दौलत और प्रतिष्ठा के दयरे में, क्या आपकी मुलाकात पाओ यु से नहीं हुई थी?” “जी हाँ, मैं उसे जानता हूँ। मैं अक्सर उसके घर आता-जाता रहता हूँ। अफवह है कि वह भी हाल ही में महान शून्य के द्वार से गुजरा है। मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी कि वह सांसरिक, स्त्री-समान व्यक्ति ऐसा संकल्प लेग।” “लेकिन मैंने की थी। मुझे उसकी पूरी कहानी बहुत पहले से पता थी। क्या आपको कई साल पहले की वह गर्मी की शाम याद है, जब आपने मुझे लौकी मंदिर के पस मेरे पुराने घर के दरवाजे के सामने खड़े देख था? उससे कुछ समय पहले ही मेरी उससे मुलाकात हुई थी।” “असंभव आपका सुचो राजधानी से कई मील दूर है।” “ आत्मओं के बीच संपर्क में स्थन और समय की कोई सीमा नहीं होती।” "तो आप निःसंदेह जानते हैं कि वह अब कहाँ है?" "वह अब फिर से उसी स्थन पर है, जहाँ पहले थ, पवित्र स्वरूप के धन्य क्षेत्र में, गहरी चट्टान के नीचे, पुराने देवदार

के पेड़ के पास। क्योंकि पाओ यू एक अनमोल पत्थर है। क्य? आप मुझे नहीं समझाते मेरे साथ मेरे आश्रम में आइए, जो पास ही है। वहाँ मैं आपको पत्थर की कहानी समझाऊँगा।" 582

इस पृ ष्ठ पर दी गई जानकारी की सटीकता का अनु मान के वल 9.67% है ।

04/07/06 03:53 अपराह्न SIGMXJND सै मु अल लाइब्रे री